unfoldingWord® Translation Notes © 2022 unfoldingWord. Released under CC BY-SA 4.0 license. unfoldingWord® Translation Notes has been adapted in the following languages: Tok Pisin, Arabic (عربي), French (Français), Hindi (हिंदी), Indonesian (Bahasa Indonesia), Portuguese (Português), Russian (Русский), Spanish (Español), Swahili (Kiswahili), and Simplified Chinese (简体中文) from unfoldingWord® Translation Notes © 2022 unfoldingWord. Released under CC BY-SA 4.0 license by Mission Mutual

नीतिवचन

नीतिवचन 1:1 (#1)

מִמְּשָׁלֵי שְׁלֹמֹה

“सुलैमान के नीतिवचन”

लेखक कुछ ऐसे शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्यांश को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा तो आप इन शब्दों की पूर्ति संदर्भ से कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “ये सुलैमान के नीतिवचन हैं।”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 1:1 (#2)

מִמְּשָׁלֵי שְׁלֹמֹה

“सुलैमान के नीतिवचन”

यहाँ लेखक **नीतिवचन** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं, जो **सुलैमान** द्वारा लिखे गए थे। यदि यह आपकी भाषा में स्पष्ट नहीं है, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वे नीतिवचन जो सुलैमान द्वारा लिखे गए थे।”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 1:2 (#1)

לָדַעַת חָכְמָה וּמוּסָר

“बुद्धि और शिक्षा प्राप्त करे”

1:2–6 एक लंबा वाक्य है जिसमें कुछ ऐसे शब्द नहीं हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्यांश को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। अगर आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा तो आप इन शब्दों की पूर्ति संदर्भ से कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “नीतिवचन का उद्देश्य ज्ञान और शिक्षा जानना है”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 1:2 (#2)

לָדַעַת & לְהָבִין

“प्राप्त करे” - “समझे”

यहाँ पर ‘**प्राप्त करे**’ और ‘**समझे**’ इन नीतिवचन के दो उद्देश्य दर्शाते हैं। उद्देश्य वाक्यांश को प्रस्तुत करने के लिए अपनी भाषा में स्वाभाविक तरीके का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: “ये नीतिवचन जानने के उद्देश्य से हैं ... और ये समझने के उद्देश्य से हैं”

देखें: जोड़ें – लक्ष्य (उद्देश्य) सम्बन्ध

नीतिवचन 1:2 (#3)

חָכְמָה וּמוּסָר

“बुद्धि और शिक्षा”

अगर आपकी भाषा में **बुद्धि** और **शिक्षा** के विचारों के लिए अमूर्त संज्ञाओं का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप उन्हीं विचारों को दूसरे तरीकों से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “बुद्धिमानी और शिक्षाप्रद बातें”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 1:2 (#4)

אִמְרֵי בִינָה

“समझ की बातें”

यहाँ, लेखक व्यक्ति को **समझ** देने वाली **बातें** का वर्णन करने के लिए अधिकारवाचक रूप का उपयोग कर रहा है। यदि यह आपकी भाषा में स्पष्ट नहीं है, तो आप किसी अन्य अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “ऐसे नीतिवचन जो किसी को समझ देते हैं”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 1:3 (#1)

לָקַחַת מוּסַר

“के विषय अनुशासन प्राप्त करे”

यहाँ, **के** इन नीतिवचनों के लिए एक तीसरा उद्देश्य इंगित करता है। उद्देश्य वाक्यांश को प्रस्तुत करने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीके का उपयोग करें। आप एक नया वाक्य शुरू कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “ये नीतिवचन अनुशासन प्राप्त करने के उद्देश्य से हैं।”

देखें: जोड़ें – लक्ष्य (उद्देश्य) सम्बन्ध

नीतिवचन 1:3 (#2)

לָקַחַת מוּסַר הַשְׂכֵּל צֶדֶק וּמִשְׁפָּט וּמֵישָׁרִים

“के विषय अनुशासन”

यदि आपकी भाषा में **अनुशासन, प्रवीणता, धर्म, न्याय और निष्पक्षता** के विचारों के लिए अमूर्त संज्ञाओं का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप उन्हीं विचारों को अन्य तरीकों से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो शिक्षाप्रद है, जो अंतर्दृष्टिपूर्ण है, जो धार्मिक है, जो न्यायपूर्ण है और जो ईमानदार है”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 1:4 (#1)

לָתֵת לִפְתָאיִם עָרְמָה

“कि भोलों को चतुराई”

यहाँ **कि** नीतिवचनों के लिए चौथा उद्देश्य इंगित करता है। उद्देश्य वाक्यांश को प्रस्तुत करने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीके का उपयोग करें। आप एक नया वाक्य शुरू करना चाह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “ये नीतिवचन भोले लोगों को विवेक देने के उद्देश्य से हैं”

देखें: जोड़ें – लक्ष्य (उद्देश्य) सम्बन्ध

नीतिवचन 1:4 (#2)

עָרְמָה & דַּעַת וּמְזִמָּה

“चतुराई”

यदि आपकी भाषा में **चतुराई, ज्ञान** और **विवेक** के विचारों के लिए अमूर्त संज्ञाओं का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप उन्हीं विचारों को अन्य तरीकों से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "चतुराई क्या है....उसे क्या जानना चाहिए और वह कैसे चतुर हो सकता है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 1:4 (#3)

לְלָנַעַר

"जवान को"

हालाँकि **जवान** शब्द पुल्लिंग है, लेकिन सुलैमान इस शब्द का इस्तेमाल सामान्य अर्थ में कर रहे हैं जिसमें पुरुष और महिला, दोनों शामिल हैं। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप एक ऐसे वाक्यांश का इस्तेमाल कर सकते हैं जो इसे स्पष्ट करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "युवा पुरुषों और महिलाओं के लिए"

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 1:5 (#1)

""

यह आयत कोष्ठकीय है और 1:2–6 में नीतिवचन के उद्देश्यों की सूची को बाधित करती है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप कोष्ठक जोड़ सकते हैं, जैसा कि यू.एल.टी. में है, या कोष्ठकीय कथन को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीके का उपयोग करें।

नीतिवचन 1:5 (#2)

יִשְׁמַע חָכָם וְיוֹסֶף לֶקַח וְנָבוֹן תַּחְבֻּלוֹת יִקְנֶה

"कि बुद्धिमान सुनकर अपनी विद्या बढ़ाए"

ये दोनों वाक्यांश मूल रूप से एक ही बात का अर्थ रखते हैं। दूसरा वाक्यांश पहले वाक्यांश के अर्थ को जोर देकर दोहराता है, लेकिन अलग-अलग शब्दों के साथ। इब्रानी कविता इस प्रकार की पुनरावृत्ति पर आधारित थी, इसलिए अपने पाठकों को यह दिखाना अच्छा होगा कि अपने अनुवाद में दोनों वाक्यांशों को शामिल करके उन्हें संयोजित करने के बजाय शामिल करें। हालांकि, यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप वाक्यांशों को **और** के अलावा किसी अन्य शब्द से जोड़ सकते हैं ताकि यह दिखाया जा सके कि दूसरा वाक्यांश पहले वाले को दोहरा रहा है, कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: "एक बुद्धिमान व्यक्ति सुनेगा और अंतर्दृष्टि बढ़ाएगा, हाँ, समझदार व्यक्ति मार्गदर्शन प्राप्त करेगा।"

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 1:5 (#3)

יִשְׁמַע חָכָם

"बुद्धिमान सुनकर"

लेखक कुछ ऐसे शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्यांश को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप संदर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक बुद्धिमान व्यक्ति इन नीतिवचनों को सुनेगा"

देखें: पदलोप

नीतिवचन 1:5 (#4)

"बुद्धिमान" - "और समझदार"

यहाँ, **बुद्धिमान** और **समझदार** व्यक्ति का मतलब विशिष्ट लोगों से नहीं है, बल्कि सामान्य तौर पर लोगों के प्रकारों से है। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी बुद्धिमान व्यक्ति ... और कोई भी समझदार व्यक्ति"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 1:5 (#5)

תַּחְבֻּלוֹת יִקְנֶה

"समझदार बुद्धि का उपदेश पाए"

लेखक का तात्पर्य है कि यह व्यक्ति नीतिवचनों से **उपदेश प्राप्त करेगा**। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इन नीतिवचनों से दिशा-निर्देश प्राप्त करेगा"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 1:5 (#6)

תַּחְבֻּלוֹת יִקְנֶה

"उपदेश"

अगर आपकी भाषा में विचार **उपदेश** के लिए अमूर्त संज्ञा का उपयोग नहीं किया गया है, तो आप उन्हीं विचारों को दूसरे तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह जो मार्गदर्शन करता है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 1:6 (#1)

לְהָבִין מָשָׁל וּמְלִיצָה דִּבְרֵי חֲכָמִים וְחִידֹתָם

"नीतिवचन और दृष्टान्त को, और बुद्धिमानों के वचन और उनके रहस्यों को समझें"

इन दोनों वाक्यांश का मूल रूप से एक ही अर्थ है। दूसरा वाक्यांश अलग-अलग शब्दों के साथ एक ही विचार को दोहराकर पहले वाक्यांश के अर्थ पर जोर देता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप वाक्यांशों को ऐसे शब्द से जोड़ सकते हैं जो इंगित करता है कि दूसरा वाक्यांश पहले वाले को दोहरा रहा है, कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: "एक नीतिवचन और व्यंग्य को समझना, हाँ, बुद्धिमानों के शब्दों और उनकी पहेलियों को समझना"

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 1:6 (#2)

לְהָבִין מָשָׁל וּמְלִיצָה

"जिससे वे नीतिवचन और दृष्टान्त को, और बुद्धिमानों के वचन और उनके रहस्यों को समझें"

यहाँ, **वे** नीतिवचनों के लिए पाँचवाँ उद्देश्य इंगित करता है। उद्देश्य वाक्यांश को प्रस्तुत करने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीके का उपयोग करें। आप एक नया वाक्य शुरू करना चाह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ये नीतिवचन, एक नीतिवचन और व्यंग्य को समझने के उद्देश्य से हैं"

देखें: जोड़ें – लक्ष्य (उद्देश्य) सम्बन्ध

नीतिवचन 1:6 (#3)

"नीतिवचन और दृष्टांत"

यहाँ, **नीतिवचन** और **दृष्टांत** का मतलब सामान्य तौर पर इन चीज़ों से है। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप ज़्यादा स्वाभाविक भावों का इस्तेमाल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी नीतिवचन और कोई भी बुद्धि के वचन"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 1:6 (#4)

דִּבְרֵ֣י חֲכָמִ֗ים

"बुद्धिमानों के वचन"

लेखक कुछ ऐसे शब्दों को छोड़ रहा है जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप पिछले खण्ड से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बुद्धिमानों के शब्दों को समझना"

देखें: पदलोप

नीतिवचन 1:6 (#5)

דִּבְרֵ֣י

"वचन"

यहाँ, लेखक ने **वचन** का उपयोग यह बताने के लिए किया है कि **बुद्धिमान** लोग **शब्दों** का प्रयोग करके क्या कहते हैं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "द्वारा बोले गए शब्द"

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 1:7 (#1)

יִרְאַ֥ת יְהוָ֖ה

"यहोवा का भय"

यहाँ लेखक व्यक्ति के मन में **यहोवा** के लिए होने वाले **भय** का वर्णन करने के लिए अधिकारवाचक रूप का उपयोग कर रहा है। यदि यह आपकी भाषा में स्पष्ट नहीं है, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यहोवा के लिए भय"

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 1:7 (#2)

רֵאשִׁ֥ית דָּ֑עַת

"यहोवा का भय मानना बुद्धि का मूल है"

यहाँ शब्द **मूल** किसी चीज़ की बुनियाद को संदर्भित करती है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ज्ञान प्राप्त करने के लिए पूर्वापेक्षा है" या "जिस पर ज्ञान आधारित है।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

Proverbs 1:7 (#3)

"भय मानना बुद्धि का मूल है"

यदि आपकी भाषा में **भय, बुद्धि** और **शिक्षा** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप उन्हीं विचारों को अन्य तरीकों से व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने 1:4 में **ज्ञान** और 1:2 में **बुद्धि** और **शिक्षा** का अनुवाद कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "भय से ... कुछ जानना ... बुद्धिमानी और शिक्षाप्रद बातें"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 1:7 (#4)

חָכְמָ֥ה וּ֝מוּסָ֗ר אֱוִילִ֥ים בָּזוּ

"बुद्धि और शिक्षा को मूर्ख लोग ही तुच्छ जानते हैं"

यह वाक्य पिछले वाक्य से बहुत अलग है। अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीके से वाक्य के अंतर को दर्शाएँ। नया वाक्य शुरू करना उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "इसके विपरीत, मूर्ख लोग ज्ञान और शिक्षा को तुच्छ समझते हैं"

देखें: जोड़ें – विरोधाभास सम्बन्ध

नीतिवचन 1:8 (#1)

שְׁמַ֤ע בְּנִ֨י מוּסַ֪ר אָ֡בִיךָ וְאַל־תִּ֥טֹּ֨שׁ תּוֹרַ֥ת אִמֶּֽךָ׃

"हे मेरे पुत्र, अपने पिता की शिक्षा पर कान लगा"

इन दोनों वाक्यांश का मूल रूप से एक ही अर्थ है। दूसरा वाक्यांश अलग-अलग शब्दों के साथ एक ही विचार को दोहराकर पहले के अर्थ पर जोर देता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप वाक्यांशों को **और** के अलावा किसी अन्य शब्द से जोड़ सकते हैं ताकि यह दिखाया जा सके कि दूसरा वाक्यांश पहले वाले को दोहरा रहा है, कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: "हे मेरे पुत्र, अपने पिता की शिक्षा सुन और अपनी माता की शिक्षा को न छोड़"

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 1:8 (#2)

שְׁמַ֤ע בְּנִ֨י מוּסַ֪ר

"हे मेरे पुत्र, अपने पिता की शिक्षा पर कान लगा"

कान लगा का तात्पर्य अक्सर "सुनना और मानना" होता है। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अपनी भाषा से कोई समान अभिव्यक्ति इस्तेमाल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हे मेरे पुत्र, मेरी शिक्षा पर ध्यान दे"

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 1:8 (#3)

בְּנִי

“हे मेरे पुत्र”

हालाँकि **पुत्र** शब्द पुल्लिंग है, लेकिन सुलैमान इस शब्द का इस्तेमाल सामान्य अर्थ में कर रहा है जिसका तात्पर्य पुत्र या पुत्री, दोनों हो सकता है। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप एक ऐसा वाक्यांश इस्तेमाल कर सकते हैं जो इसे स्पष्ट करे। वैकल्पिक अनुवाद: “मेरी संतान”

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 1:8 (#4)

“शिक्षा पर”

देखिए आपने 1:2 में **शिक्षा** का अनुवाद कैसे किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 1:8 (#5)

מוּסַ֣ר אָבִ֑יךָ

“अपने पिता की शिक्षा पर कान लगा”

सुलैमान अपने बारे में तृतीय पुरुष में बात कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में स्वाभाविक नहीं है, तो आप प्रथम पुरुष का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मेरे, आपके पिता की शिक्षा पर”

देखें: प्रथम, द्वितीय या तृतीय पुरुष

नीतिवचन 1:8 (#6)

“माता की शिक्षा को न तज”

यहाँ सुलैमान **माता की शिक्षा** का पालन करने से इनकार करने की बात कर रहा है, मानो वह कोई ऐसा व्यक्ति हो जिसे कोई त्याग सकता है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और अस्वीकार न करें”

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 1:8 (#7)

“शिक्षा को न तज”

सुलैमान यहाँ एक अलंकार का प्रयोग कर रहा है जो एक नकारात्मक शब्द का उपयोग करके एक मजबूत सकारात्मक अर्थ व्यक्त करता है, **न,** साथ में एक अभिव्यक्ति जो इच्छित अर्थ के विपरीत है, त्यागना। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप सकारात्मक अर्थ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और ध्यान दें”

देखें: कटाक्षपूर्ण उक्ति (लाइटोटीज़)

नीतिवचन 1:8 (#8)

תּוֹרַ֥ת

“शिक्षा”

यहाँ, **शिक्षा** शब्द एकवचन रूप में है, लेकिन यह एक समूह के रूप में कई **शिक्षाओ** को संदर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “नियम”

देखें: समूहवाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 1:9 (#1)

כִּ֣י

“क्योंकि”

क्योंकि यहाँ संकेत देता है कि आगे जो लिखा है वह पिछली आयत में दिए गए आदेशों का कारण है। अपनी भाषा में एक संयोजक का उपयोग करें जो यह स्पष्ट करता है कि आगे जो लिखा है वह पहले जो लिखा था उसका कारण है। वैकल्पिक अनुवाद: “इन निर्देशों का पालन करें क्योंकि” या “अपने माता-पिता का पालन करें क्योंकि”

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

नीतिवचन 1:9 (#2)

לִוְיַ֥ת חֵ֖ן הֵ֑מָּה לְרֹאשֶׁ֣ךָ וַֽעֲנָקִ֔ים לְגַרְגְּרֹתֶֽיךָ׃

“तेरे सिर के लिये शोभायमान मुकुट”

इन दोनों वाक्यों का अर्थ मूलतः एक ही है। दूसरा वाक्य अलग-अलग शब्दों के साथ एक ही विचार को दोहराकर पहले वाक्य के अर्थ पर जोर देता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप वाक्यों को **और** के अलावा किसी अन्य शब्द से जोड़ सकते हैं ताकि यह दिखाया जा सके कि दूसरा वाक्य पहले वाक्य को दोहरा रहा है, कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: “वे आपके सिर के लिए कृपा का मुकुट हैं, हाँ, आपके गले के हार हैं”

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 1:9 (#3)

הֵ֑מָּה

“वे...तेरे गले के लिये माला होगी”

यहाँ सर्वनाम **वे** आपके माता-पिता की शिक्षा और उपदेश का उल्लेख करता है, जैसा कि पिछले पद में कहा गया है। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “आपके माता-पिता की शिक्षा और नियम अनुग्रह का हार है” या “जो बातें आपके माता-पिता ने आपको सिखाईं, वे अनुग्रह का हार हैं।”

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

नीतिवचन 1:9 (#4)

לִוְיַ֥ת חֵ֖ן הֵ֑מָּה לְרֹאשֶׁ֣ךָ וַֽעֲנָקִ֔ים לְגַרְגְּרֹתֶֽיךָ׃

“क्योंकि वे मानो तेरे सिर के लिये शोभायमान मुकुट”

मूल भाषा में यहाँ “अनुग्रह का हार” वाक्यांश का इस्तेमाल किया गया है जो **शोभायमान मुकुट** को संदर्भित करता है, जबकि हिंदी अनुवाद में ऐसा नहीं किया गया है।

यहाँ सुलैमान उन नियमों और निर्देशों के बारे में बात कर रहा है जो माता-पिता अपने बच्चों को सिखाते हैं जैसे कि वे एक **माला** या **शोभायमान मुकुट** हो। ये दोनों चीज़ें एक व्यक्ति को दूसरे लोगों के लिए सामने अधिक आकर्षक बनाती हैं और दूसरे लोगों को उस व्यक्ति का सम्मान

करने के लिए प्रेरित कर सकती हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं या उपमाओं का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे आपको अधिक सुंदर और सम्मानजनक बनाते हैं" या "वे आपके सिर के लिए शोभायमान मुकुट और आपके गले के लिए हार की तरह हैं"

देखें: रूपक

नीतिवचन 1:9 (#5)

לְוְיַת חֵן

"तेरे गले के लिये माला होगी"

यहाँ सुलैमान एक **माला** का वर्णन करने के लिए अधिकारवाचक रूप का उपयोग कर रहा है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक अनुग्रहपूर्ण हार है"

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 1:10 (#1)

"हे मेरे पुत्र"

देखें कि आपने 1:8 में इसी वाक्यांश के प्रयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 1:10 (#2)

אִם־יְפַתּוּךָ חַטָּאִים

"यदि पापी लोग तुझे फुसलाएँ"

सुलैमान अपने पाठकों को यह समझाने के लिए एक काल्पनिक स्थिति का उपयोग कर रहा है कि पापियों के प्रलोभन का विरोध करना कितना महत्वपूर्ण है। एक काल्पनिक स्थिति को व्यक्त करने के लिए अपनी भाषा में प्राकृतिक रूप का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि ऐसा हो कि पापी आपको लुभाएँ"

देखें: जोड़ें — काल्पनिक स्थितियाँ

नीतिवचन 1:10 (#3)

אִם־יְפַתּוּךָ חַטָּאִים אַל־תֹּבֵא

"यदि पापी लोग तुझे फुसलाएँ"

सुलैमान का तात्पर्य है कि **पापी** उसके **पुत्र** को उनके साथ पाप करने के लिए **फुसलाएँगे**। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा तो आप इस जानकारी को शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि पापी आपको पाप में शामिल होने के लिए लुभाते हैं, तो उनके साथ पाप करने के लिए सहमत न हों"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 1:11 (#1)

אִם־יֹאמְרוּ

"यदि वे कहें"

सुलैमान अपने पाठकों को यह समझने में मदद करने के लिए एक काल्पनिक स्थिति का उपयोग कर रहा है कि पापी कैसे किसी को पाप में शामिल होने के लिए लुभा सकते हैं। एक काल्पनिक स्थिति को व्यक्त करने के लिए अपनी भाषा में स्वाभाविक रूप का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "मान लीजिए, वे कहते हैं"

देखें: जोड़ें — काल्पनिक स्थितियाँ

नीतिवचन 1:11 (#2)

יֹאמְרוּ

"वे कहें"

यहाँ, सर्वनाम **वे** पापियों को संदर्भित करता है, जैसा कि पिछले पद में उल्लेख किया गया है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे पापी कहते हैं"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

नीतिवचन 1:11 (#3)

אִתָּנוּ נֶאֱרָבָה & נִצְפְּנֶנָּה

"हमारे संग चल"

हमारे, पापियों का तात्पर्य स्वयं से है, अन्य लोगों से नहीं, इसलिए यदि आपकी भाषा में यह भेद है तो अनुवाद में उस शब्द के अनन्य रूप का ही प्रयोग करें।

देखें: विशिष्ट और समावेशी 'हम'

नीतिवचन 1:11 (#4)

נֶאֱרָבָה & נִצְפְּנֶנָּה

"हम हत्या करने के लिये घात लगाएँ, हम निर्दोषों पर वार करें"

इन दोनों वाक्यांशों का मूल रूप से एक ही अर्थ है। दूसरा वाक्यांश अलग-अलग शब्दों के साथ एक ही विचार को दोहराकर पहले के अर्थ पर जोर देता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप एक ऐसे शब्द का उपयोग कर सकते हैं जो इन दो वाक्यांशों के बीच संबंध को दर्शाता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "आओ हम घात लगाकर बैठें ... हाँ, आओ हम घात लगाने के लिए छिप जाएँ"

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 1:11 (#5)

לְדָם

"वार करें"

यहाँ **वार** का अर्थ किसी की हिंसक हत्या करना है, जो आमतौर पर उस व्यक्ति से **लहू** बहने का कारण बनता है जिसकी हत्या की जाती है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "खून बहाना" या "किसी की हत्या करना"

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 1:11 (#6)

לְדָם נִצְפְּנֶנָּה

“वार करें”

यहाँ, इन कार्यों के उद्देश्यों का परिचय देने के लिए। घात लगाने का उद्देश्य खून बहाना है। छिपने का उद्देश्य किसी पर घात लगाना है। उद्देश्यों को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीके का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: “खून बहाने के उद्देश्य से। आओ घात लगाने के उद्देश्य से छिप जाएं”

देखें: जोड़ें – लक्ष्य (उद्देश्य) सम्बन्ध

नीतिवचन 1:11 (#7)

לְנָקִֽי

“निर्दोषों”

पापी किसी एक विशेष **निर्दोष** व्यक्ति के बारे में नहीं, बल्कि सामान्य रूप से **निर्दोष व्यक्तियों** के बारे में बात कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई निर्दोष व्यक्ति”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 1:12 (#1)

נְבַלְּעֵ֥ם

“हम उन्हें जीवित निगल जाए”

हम शब्द से पापियों का तात्पर्य स्वयं से है, अन्य लोगों से नहीं, इसलिए यदि आपकी भाषा में यह भेद है तो अनुवाद में उस शब्द के अनन्य रूप का ही प्रयोग करें।

देखें: विशिष्ट और समावेशी ‘हम’

नीतिवचन 1:12 (#2)

נְבַלְּעֵ֥ם

“हम उन्हें जीवित निगल जाए”

पापी, लोगों की हत्या करने की बात ऐसे करते हैं जैसे वे उन्हें निगल रहे हों। अगर आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “आइए हम उन्हें नष्ट कर दें”

देखें: रूपक

नीतिवचन 1:12 (#3)

כִּשְׁאוֹל֙ חַיִּ֔ים וּתְמִימִ֖ים כְּיֹרְדֵ֥י בֹֽור

“जैसे अधोलोक स्वस्थ लोगों को निगल जाता है”

इन दो वाक्यांशों का मूल रूप से एक ही अर्थ है। दूसरा वाक्यांश अलग-अलग शब्दों के साथ एक ही विचार को दोहराकर पहले के अर्थ पर जोर देता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप वाक्यांशों को **और** के अलावा किसी अन्य शब्द से जोड़ सकते हैं ताकि यह दिखाया जा सके कि दूसरा वाक्यांश पहले वाले को दोहरा रहा है, कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: “जीवित लोग, अधोलोक के समान, हाँ, पूरे लोग, जैसे गड्ढे में उतरने वाले लोग”

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 1:12 (#4)

כִּשְׁאוֹל֙

“जैसे अधोलोक”

पापी कुछ ऐसे शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्यांश को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा तो आप वाक्य में पहले से इन शब्दों को शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जैसे अधोलोक लोगों को निगल जाता है”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 1:12 (#5)

כִּשְׁאוֹל֙

“जैसे अधोलोक”

इस्राएलियों ने कभी-कभी मरने को “**अधोलोक** में उतरना” कहा। यहाँ, **अधोलोक** को ऐसे बोला जाता है मानो वह कोई जानवर हो जो किसी को **निगल** सकता हो। **अधोलोक** द्वारा किसी को निगलने का विचार यह दर्शाता है कि मरने के बाद लोग कैसे पूरी तरह से अदृश्य हो जाते हैं और उन्हें दफना दिया जाता है। अगर आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जैसे मृत्यु पूरी हो गई हो”

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 1:12 (#6)

וּתְמִימִ֖ים

“स्वस्थ लोगों को निगल जाता है”

पापी कुछ ऐसे शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक खण्ड को पूरा करने के लिए आवश्यकता होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप पद की शुरुआत से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और हम पूरे को निगल लें”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 1:12 (#7)

וּתְמִימִ֖ים

“स्वस्थ लोगों को निगल जाता है”

यहाँ, **स्वस्थ** का मतलब पूरी तरह से पूर्ण होना है। अगर आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और चंगे लोग”

देखें: रूपक

नीतिवचन 1:12 (#8)

כְּיֹרְדֵ֥י בֹֽור

“और उन्हें कब्र में पड़े मृतकों के समान बना दें”

पापी कुछ ऐसे शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्यांश को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा तो आप इन शब्दों की पूर्ति संदर्भ से कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जैसे गड्ढे में जाने वाले निगल लिए जाते हैं”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 1:12 (#9)

כְּיֹרְדֵי בוֹר

“और उन्हें कब्र में पड़े मृतकों के समान बना दें”

इस्राएलियों ने मरने को **अधोलोक** या **गड्ढे** में **जाने** के रूप में संदर्भित किया। यहाँ पापी कह रहे हैं कि **उन्हें कब्र में पड़े मृतकों के समान बना दें,** क्योंकि वे लोग मर जाएँगे। अगर आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मरने वालों की तरह”

देखें: उपमा

नीतिवचन 1:13 (#1)

נִמְצָא כָל־הוֹן יָקָר נְמַלֵּא בָתֵּינוּ

“हमको सब प्रकार के अनमोल पदार्थ मिलेंगे, हम अपने घरों को लूट से भर लेंगे”

इस आयत में पापी खुद को संदर्भित करने के लिए **हमको** और हम का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन दूसरे लोगों को नहीं। अगर आपकी भाषा में यह अंतर है, तो अपने अनुवाद में उन शब्दों के अनन्य रूप का इस्तेमाल करें।

देखें: विशिष्ट और समावेशी ‘हम’

नीतिवचन 1:13 (#2)

כָּל

“सब”

पापियों ने यहाँ **सब** जोर देने के लिए एक सामान्यीकरण के रूप में कहा है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप जोर व्यक्त करने के लिए एक अलग तरीके का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “बहुत अधिक”

देखें: अतिशयोक्ति

नीतिवचन 1:14 (#1)

“तू हमारा सहभागी हो जा, हम सभी का एक ही बटुआ हो”

यह एक मुहावरा है। इसका मतलब हो सकता है: (1) ऐसे लोगों के समूह में शामिल होना जो एक ही नियति को साझा करेंगे। वैकल्पिक अनुवाद: “आपको हमारे साथ जुड़ना चाहिए और हमारे कर्म को साझा करना चाहिए” (2) एक प्रथा जिसे चिट्ठी डालना कहा जाता है ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि कौन क्या कुछ प्राप्त करेगा। वैकल्पिक अनुवाद: “आपको चिट्ठी डालकर लूट को साझा करने में हमारे साथ शामिल होना चाहिए”

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 1:14 (#2)

כִּיס אֶחָד יִהְיֶה לְכֻלָּנוּ

“हम सभी का एक ही बटुआ हो”

यहाँ **बटुआ** उन सभी चीज़ों का प्रतिनिधित्व करता है जो ये पापी चुराते हैं। वे जो कुछ भी चुराते हैं, उनमें से कुछ को **बटुआ** में रख देते हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो कुछ भी हम चुराते हैं, हम उसे समान रूप से साझा करेंगे।”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 1:14 (#3)

“हमारा सहभागी”

इस पद में, पापी **हमारा** और **हम शब्द** का उपयोग स्वयं के लिए करते हैं, लेकिन अन्य लोगों के लिए नहीं। यदि आपकी भाषा में यह भेद है तो अपने अनुवाद में उन शब्दों के अनन्य रूप का उपयोग करें।

देखें: विशिष्ट और समावेशी ‘हम’

नीतिवचन 1:15 (#1)

“मेरे पुत्र”

देखिए आपने 1:8 में इसी वाक्यांश के प्रयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 1:15 (#2)

אַל־תֵּלֵךְ בְּדֶרֶךְ אִתָּם מְנַע רַגְלְךָ מִנְּתִיבָתָם

“उनके संग मार्ग में न चलना”

इन दोनों वाक्यों का मतलब मूल रूप से एक ही बात है। दूसरा वाक्य अलग-अलग शब्दों के साथ एक ही विचार को दोहराकर पहले वाक्य के अर्थ पर जोर देता है। अगर यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप वाक्यों को ऐसे शब्द से जोड़ सकते हैं जो यह दर्शाए कि दूसरा वाक्य पहले वाक्य को दोहरा रहा है, कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: “उनके साथ मार्ग में मत चलो, हाँ, अपने पाँव को उनके मार्ग से रोके रखो”

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 1:15 (#3)

אַל־תֵּלֵךְ בְּדֶרֶךְ אִתָּם מְנַע רַגְלְךָ מִנְּתִיבָתָם

“उनके संग मार्ग में न चलना”

यहाँ सुलैमान ने पापियों के साथ संगति करने के लिए **चलना** का इस्तेमाल किया है और पापियों के व्यवहार को संदर्भित करने के लिए वह **मार्ग** और **पथ** का इस्तेमाल करता है। अगर आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उन पापियों से कोई लेना-देना न रखें; उनके जैसा व्यवहार करने से खुद को दूर रखें”

देखें: रूपक

नीतिवचन 1:15 (#4)

רַגְלְךָ

“पाँव”

सुलैमान व्यक्ति के एक अंग, **पाँव** का उपयोग पूरे व्यक्ति का प्रतिनिधित्व करने के लिए कर रहा है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो

आप अपनी संस्कृति से एक समान अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “स्वयं”

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 1:16 (#1)

כִּ֣י

“क्योंकि”

क्योंकि यहाँ संकेत करता है कि आगे जो कुछ भी लिखा है वह पिछली आयत में दिए गए आदेशों का कारण है। अपनी भाषा में एक संयोजक का उपयोग करें जो यह स्पष्ट करता है कि आगे जो लिखा है वह पहले जो लिखा था उसका कारण है। वैकल्पिक अनुवाद: “उनके साथ मत चलो क्योंकि”

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

नीतिवचन 1:16 (#2)

רַגְלֵיהֶם & יָרוּצוּ

“करने को दौड़ते हैं”

यहाँ, “**दौड़ते**” शब्द पूरे व्यक्ति का प्रतिनिधित्व करता है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अपनी संस्कृति से समान अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वे दौड़ते हैं”

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 1:16 (#3)

רַגְלֵיהֶם לָרַע יָרוּצוּ

“वे बुराई ही करने को दौड़ते हैं”

यहाँ सुलैमान ने बताया कि पापी बुराई करने के लिए कितने उत्सुक हैं, मानो **उनके पैर** उस ओर दौड़ रहे हो। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वे बुराई करने के लिए उत्सुक हैं”

देखें: रूपक

नीतिवचन 1:16 (#4)

לִשְׁפֹּךְ־דָּם

“हत्या करने को फुर्ती करते हैं”

हत्या करने वाक्यांश का तात्पर्य हिंसक तरीके से लोगों की हत्या करना है, जिसके कारण आमतौर पर मारे गए लोगों के शरीर से **लहू** निकलता है। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “दूसरों की हत्या करना”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 1:17 (#1)

מְזֹרָה הָרֶשֶׁת

“जाल फैलाना”

अगर आपकी भाषा में इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप विचार को सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: “क्या कोई जाल फैलाता है”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 1:17 (#2)

מְזֹרָה הָרֶשֶׁת

“जाल फैलाना”

जाल एक बुनी हुई रस्सी या तार का होता है जिसका इस्तेमाल शिकारी द्वारा जानवरों को पकड़ने के लिए किया जाता है। अगर आपके पाठक इस तरह के जाल से परिचित नहीं हैं, तो आप अपने इलाके में किसी ऐसे जाल के नाम का इस्तेमाल कर सकते हैं या फिर कोई सामान्य शब्द इस्तेमाल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “क्या जाल बिछाया गया है”

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

नीतिवचन 1:17 (#3)

בְּעֵינֵי

“क्योंकि पक्षी के देखते हुए”

यहाँ, **देखते हुए** का मतलब आँखों से देखी जाने वाली चीज़ से है। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “के मद्देनज़र” या “की नज़र में”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 1:17 (#4)

בַּבַּעַל כָּנָף

“पक्षी के देखते हुए”

पक्षी के देखते हुए वाक्यांश एक पक्षी को संदर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं, जैसा कि यू.एस.टी. में है।

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 1:18 (#1)

וְהֵם

“और ये लोग”

यहाँ **और ये** पिछले वचन में वर्णित पक्षी और 1:11–14 में बोलने वाले पापियों के बीच एक मजबूत अंतर को इंगित करता है। अंतर को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीके का उपयोग करें। आप एक नया वाक्य शुरू करना चाह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “इसके विपरीत, वे”

देखें: जोड़ें — विरोधाभास सम्बन्ध

नीतिवचन 1:18 (#2)

“घात लगाते हैं”

यह वाक्यांश पिछले पद में शुरू की गई तुलना को समाप्त करता है। एक पक्षी के विपरीत जो जाल से बचने के लिए काफी चतुर है, ये पापी पापपूर्ण कार्य करके खुद को नष्ट कर देते हैं जिससे उनकी मृत्यु हो जाती है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन वे पक्षियों से भी अधिक मूर्ख हैं। वे घात में रहते हैं"

देखें: रूपक

नीतिवचन 1:18 (#3)

וְהֵם לְדָמָם יֶאֱרֹבוּ יִצְפְּנוּ לְנַפְשֹׁתָם

"और ये लोग तो अपनी ही हत्या करने के लिये घात लगाते हैं"

इन दोनों वाक्यांश का मूलतः एक ही अर्थ है। दूसरा वाक्यांश अलग-अलग शब्दों के साथ एक ही विचार को दोहराकर पहले के अर्थ पर जोर देता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप एक ऐसा शब्द इस्तेमाल कर सकते हैं जो इन दो वाक्यांश के बीच संबंध को दर्शाता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन वे अपने लहू के लिए घात में रहते हैं; हाँ, वे अपने जीवन के लिए घात में छिपते हैं"

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 1:18 (#4)

"ये लोग...घात की ताक में रहते हैं"

इस आयत में, सर्वनाम **ये** 1:10–16 में वर्णित पापियों को संदर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन वे पापी ... वे पापी घात में छिपे रहते हैं"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

नीतिवचन 1:18 (#5)

וְהֵם לְדָמָם יֶאֱרֹבוּ יִצְפְּנוּ לְנַפְשֹׁתָם

"ये लोग तो अपनी ही हत्या करने के लिये घात लगाते हैं"

इस आयत में, इन कार्यों के परिणाम का परिचय दिया गया है। वे **घात लगाकर** बैठे रहते हैं और **घात लगाकर छिपते हैं** और इसका परिणाम यह होता है कि उन्हें अपना लहू और **अपनी जान** गँवानी पड़ती है। परिणामों को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीके का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन वे घात लगाकर बैठे रहते हैं, जिसके लिए उन्हें अपना लहू बहाना पड़ता है; वे घात लगाकर छिपते हैं, जिसके लिए उन्हें अपनी जान गँवानी पड़ती है"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

नीतिवचन 1:18 (#6)

"अपनी ही हत्या"

देखिए आपने 1:11 में **हत्या** का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 1:18 (#7)

"अपने ही प्राणों"

यहाँ, "अपने ही प्राणों" का अर्थ पापियों से है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अपने लिए"

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 1:19 (#1)

אָרְחוֹת

"सब लालचियों की चाल ऐसी ही होती है"

यहाँ सुलैमान ने उन पापियों की नियति को इंगित करने के लिए उनकी **चाल** का उपयोग किया है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "की नियति है"

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 1:19 (#2)

כָּל

"सब"

यहाँ सुलैमान ने विशेषण **सब** को संज्ञा के रूप में इस्तेमाल किया है जिसका अर्थ है "हर व्यक्ति।" आपकी भाषा में भी विशेषणों का इस्तेमाल उसी तरह हो सकता है। अगर नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद किसी समान वाक्यांश से कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हर व्यक्ति"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

नीतिवचन 1:19 (#3)

"सब लालचियों की चाल ऐसी ही होती है"

यहाँ, **सब लालचियों की चाल ऐसी ही होती है** एक जोरदार निर्माण है जो एक क्रिया और उसके कर्म का उपयोग करता है जो एक ही मूल से आते हैं। आप यहाँ अर्थ व्यक्त करने के लिए अपनी भाषा में उसी निर्माण का उपयोग करने में सक्षम हो सकते हैं। वैकल्पिक रूप से, आपकी भाषा में जोर दिखाने का एक और तरीका हो सकता है।

देखें: कविता

नीतिवचन 1:19 (#4)

בָּבֶצַע

"लालच ही के कारण"

अगर आपकी भाषा में **लाभ** के विचार के लिए अमूर्त संज्ञा का उपयोग नहीं किया गया है, तो आप उसी विचार को दूसरे तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो वे अनुचित तरीके से प्राप्त करते हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 1:19 (#5)

אֶת־נֶפֶשׁ בְּעָלָיו יִקָּח

"सब लालचियों की चाल ऐसी ही होती है; उनका प्राण लालच ही के कारण नाश हो जाता है"

यहाँ सर्वनाम **सब** और **उनका** उस **लालच ही के कारण** का उल्लेख करते हैं जो पिछले वाक्यांश में उल्लेखित है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे अन्यायपूर्ण लाभ लेते हैं ... अन्यायपूर्ण लाभ के स्वामी"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

नीतिवचन 1:19 (#6)

אֶת־נֶפֶשׁ בְּעָלָיו יִקָּח

"उनका प्राण लालच ही के कारण नाश हो जाता है"

सुलैमान **लालच** के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे कि वह कोई ऐसा व्यक्ति हो जो अपने **मालिक** को मार सकता है। उनका आशय है कि पापी लोग **लालच के द्वारा लाभ प्राप्त** करने के लिए जो दुष्ट काम करते हैं, वे उन्हें मौत के घाट उतार देते हैं। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं या किसी उपमा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लालच के लाभ के परिणामस्वरूप उसका मालिक मर जाता है" या "लालच की तलाश करने वाले लोग इसे करने वालों को मार देते हैं" या "ऐसा लगता है जैसे लालच अपने मालिक की जान ले लेता है"

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 1:19 (#1)

אֶת־נֶפֶשׁ & יִקָּח

"उनका प्राण लालच ही के कारण नाश हो जाता है"

यहाँ, वाक्यांश **नाश हो जाता है** का अर्थ है किसी की जान लेना। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह मारता है"

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 1:20 (#1)

""

1:20–33 में बुद्धि के बारे में इस तरह बात की गई है जैसे कि वह एक महिला हो जो लोगों से बात कर रही हो। इस अध्याय की सामान्य टिप्पणी में इसकी चर्चा देखें।

नीतिवचन 1:20 (#1)

חָכְמוֹת בַּחוּץ תָּרֹנָּה בָּרְחֹבוֹת תִּתֵּן קוֹלָהּ

"बुद्धि सड़क में ऊँचे स्वर से बोलती है"

ये दो वाक्यांश और अगले पद के दो वाक्यांश मूल रूप से एक ही बात का अर्थ रखते हैं। दूसरा वाक्यांश पहले के अर्थ को अलग शब्दों में वही विचार दोहराकर जोर देता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो, तो आप इन दो वाक्यांशों के बीच संबंध दिखाने वाला एक शब्द उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बुद्धि बाहर पुकारती है, वास्तव में, वह खुले स्थानों में अपनी आवाज़ उठाती है।"

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 1:20 (#2)

"बुद्धि सड़क में ऊँचे स्वर से बोलती है; और चौकों में प्रचार करती है"

यहाँ सुलैमान **बुद्धि** के बारे में ऐसे बात करता है जैसे कि वह एक ऐसी महिला हो जो **पुकारती** हो या अपनी **आवाज़ देती** हो। उसका मतलब है कि **बुद्धि** सभी लोगों के लिए उपलब्ध है। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं या एक उपमा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बुद्धि उपलब्ध है ... यह उपलब्ध है" या "बुद्धि एक ऐसी महिला की तरह है जो पुकारती है ... एक ऐसी महिला की तरह जो अपनी आवाज़ देती है" या "ऐसा लगता है जैसे बुद्धि पुकारती है ... ऐसा लगता है जैसे बुद्धि अपनी आवाज़ देती है"

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 1:20 (#3)

"बुद्धि**"**

देखें कि आपने 1:2 में भाववाचक संज्ञा बुद्धि का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 1:20 (#4)

בַּחוּץ

"सड़क में"

यहाँ, **सड़क** का तात्पर्य घर के बाहर सार्वजनिक स्थान से है जहाँ बहुत से लोग होंगे। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मार्ग में"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 1:20 (#5)

תִּתֵּן קוֹלָהּ

"बुद्धि ऊँचे स्वर से बोलती है"

यह एक मुहावरा है जिसका मतलब है कि **बुद्धि** बहुत ऊँची आवाज़ में बोलती है। अगर इस वाक्यांश का आपकी भाषा में वह अर्थ नहीं है, तो अपनी भाषा से कोई ऐसे मुहावरे का इस्तेमाल करें जिसका यह अर्थ हो या फिर उसका अर्थ स्पष्ट तौर से बताएँ। वैकल्पिक अनुवाद: "वह ऊँची आवाज़ में बोलती है"

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 1:20 (#6)

בָּרְחֹבוֹת

"चौकों में"

यहाँ, **चौकों में** का तात्पर्य बड़े, बाहरी सार्वजनिक स्थानों से है जहाँ आमतौर पर बहुत से लोग होते हैं। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बाज़ारों में" या "चौराहों पर"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 1:21 (#1)

בְּרֹאשׁ הֹמִיּוֹת תִּתְּקָרָא בְּפִתְחֵי שְׁעָרִים בָּעִיר אֲמָרֶיהָ תֹאמֵר

"वह बाजारों की भीड़ में पुकारती है"

ये दो वाक्यांश और पिछले पद के दो वाक्यांश मूल रूप से एक ही बात का अर्थ रखते हैं। ये दो वाक्यांश पिछले पद के पहले वाक्यांश के अर्थ पर जोर देते हैं, क्योंकि वे एक ही विचार को अलग-अलग शब्दों से दोहराते हैं। अगर यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप वाक्यांशों को ऐसे शब्द से जोड़ सकते हैं जो यह दर्शाए कि ये वाक्य पिछले पद के पहले वाक्य को दोहरा रहे हैं, न कि कुछ अतिरिक्त कह रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हाँ, वह शोरगुल वाले स्थानों के शीर्ष पर पुकारती है; हाँ, वह नगर के फाटकों के प्रवेश पर खड़ी होकर, यह बोलती है"

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 1:21 (#2)

בְּרֹאשׁ

"फाटकों के प्रवेश पर"

यहाँ, **प्रवेश** का तात्पर्य उस जगह से है जहाँ व्यस्त सड़कें एक-दूसरे को काटती हैं। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सड़कों के चौराहे पर"

देखें: रूपक

नीतिवचन 1:21 (#3)

תִּתְּקָרָא & אֲמָרֶיהָ תֹאמַר

"पुकारती है"

यहाँ सुलैमान बुद्धि के बारे में ऐसे बात कर रहा है जैसे कि वह कोई महिला हो जो **पुकारती हो** या **अपनी बातें कहती** हो। उसका मतलब है कि **बुद्धि** सभी लोगों के लिए उपलब्ध है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं या उपमा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बुद्धि उपलब्ध है ... यह उपलब्ध है" या "ऐसा लगता है जैसे बुद्धि पुकारती है ... ऐसा लगता है जैसे बुद्धि अपनी बातें कहती है"

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 1:21 (#4)

בְּפִתְחֵי שְׁעָרִים בָּעִיר

"वह नगर के फाटकों के प्रवेश पर खड़ी होकर"

सुलैमान के पाठकों ने यह समझ लिया होगा कि **नगर के फाटकों के प्रवेश पर** भीड़-भाड़ वाली जगह थी, जहाँ बहुत से लोग इकट्ठे हुए थे। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "शहर में फाटकों के खुलने पर, जहाँ बहुत से लोग इकट्ठे होते हैं,"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 1:21 (#5)

אֲמָרֶיהָ תֹאמַר

"खड़ी होकर, यह बोलती है"

यहाँ, **खड़ी होकर, यह बोलती है** एक जोरदार निर्माण है जो एक क्रिया और उसके कर्म का उपयोग करती है जो एक ही मूल से आते हैं। आप यहाँ अर्थ व्यक्त करने के लिए अपनी भाषा में उसी निर्माण का उपयोग करने में सक्षम हो सकते हैं। वैकल्पिक रूप से, आपकी भाषा में जोर दिखाने का अन्य तरीका हो सकता है।

देखें: कविता

नीतिवचन 1:22 (#1)

עַד־מָתַי

"कब तक"

1:22–33 एक लंबा उद्धरण है जिसे सुलैमान ने ऐसे प्रस्तुत किया है मानो बुद्धि स्वयं बोल रही हो। अपनी भाषा में सीधे उद्धरण प्रस्तुत करने के स्वाभाविक तरीकों पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: "वह कहती है, 'कब तक" या "ऐसा लगता है जैसे बुद्धि कहती है, 'कब तक"

देखें: प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष उद्धरण

नीतिवचन 1:22 (#2)

עַד־מָתַי ׀ פְּתָיִם׳ תְּאֵהֲבוּ פֶּתִי וְלֵצִים לָצוֹן חָמְדוּ לָהֶם וּוֹכְסִילִים יִשְׂנְאוּ־דָעַת

"हे अज्ञानियों, तुम कब तक अज्ञानता से प्रीति रखोगे?

मूल भाषा में यहाँ "भोलेपन" का उपयोग हुआ है जो अज्ञानता को संदर्भित करता है, जबकि हिंदी अनुवाद में यहाँ "अज्ञानता" शब्द का उपयोग हुआ है। बुद्धि इस बात पर ज़ोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग करती है कि इस प्रकार के लोगों को जिस तरह से वे व्यवहार करते हैं उसे बंद कर देना चाहिए। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्न के रूप का उपयोग नहीं करना चाहते हैं, तो आप इसे एक कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बहुत समय से भोले लोग भोलेपन से प्यार करते हैं और ठट्ठा करने वाले खुद के लिए ठट्ठा उड़ाने में आनंदित होते हैं और मूर्ख लोग ज्ञान से घृणा करते हैं!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

नीतिवचन 1:22 (#3)

פֶּתִי & לָצוֹן & דָעַת

"अज्ञानता"

यदि आपकी भाषा में **अज्ञानता**, **भोलापन** और **ज्ञान** के विचारों के लिए अमूर्त संज्ञाओं का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप उन्हीं विचारों को अन्य तरीकों से व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने 1:4 में **ज्ञान** का अनुवाद कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "भोलेपन से सोचना ... मज़ाक उड़ाना ... कुछ जानना"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 1:23 (#1)

תָּשׁוּבוּ

"मन फिराओ"

यहाँ **मन फिराओ** का तात्पर्य है कि कोई व्यक्ति जो कह रहा है उसे बेहतर ढंग से सुनने के लिए अपना मार्ग बदल ले। अगर आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अपना मन फिराए और सुनें"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 1:23 (#2)

הִנֵּנָּה

“सुनो”

सुनो एक शब्द है जिसका मतलब श्रोता का ध्यान उस ओर केंद्रित करना है जो वक्ता कहने वाला है। अगर यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप अपनी भाषा में कोई सुस्पष्ट शब्द या अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं जिसका यही प्रभाव होगा। वैकल्पिक अनुवाद: “ध्यान से सुनिए”

देखें: रूपक

नीतिवचन 1:23 (#3)

אַבִּיעָה לָּכֶם רוּחִי אוֹדִיעָה דְבָרַי אֶתְכֶם

“मैं अपनी आत्मा तुम्हारे लिये उण्डेल दूँगी”

इन दोनों वाक्यों का अर्थ मूलतः एक ही है। दूसरा वाक्य अलग-अलग शब्दों के साथ एक ही विचार को दोहराकर पहले वाक्य के अर्थ पर जोर देता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप वाक्यांशों को ऐसे शब्द से जोड़ सकते हैं जो यह दर्शाए कि दूसरा वाक्य पहले वाक्य को दोहरा रहा है, कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: “मैं अपनी आत्मा को तुम्हारे पास बहने दूंगी, हाँ, मैं तुम्हें अपने शब्दों का ज्ञान दूंगी”

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 1:23 (#4)

רוּחִי

“अपनी आत्मा”

यहाँ **आत्मा** का तात्पर्य व्यक्ति के विचारों से है। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मेरे विचार”

देखें: रूपक

नीतिवचन 1:23 (#5)

אַבִּיעָה לָּכֶם רוּחִי

“मैं अपनी आत्मा तुम्हारे लिये उण्डेल दूँगी”

बुद्धि लोगों को बताती है कि वह क्या सोचती है, जैसे कि उसके विचार एक तरल पदार्थ हैं जिसे वह **उण्डेल** देगी। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मैं आपको बताऊँगी कि मैं क्या सोचती हूँ”

देखें: रूपक

नीतिवचन 1:23 (#6)

דְבָרַי

“अपने वचन”

यहाँ, बुद्धि ने **अपने वचन** का उपयोग करके जो कहा है उसे बताने के लिए **वचन** का उपयोग किया है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मैं जो वचन बोलती हूँ”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 1:24 (#1)

“परन्तु”

परन्तु यहाँ यह दर्शाता है कि इस पद और अगले पद में जो आता है वह परिणाम का कारण है, जो 1:26–27 में बताया गया है। अपनी भाषा में कारण बताने का सबसे स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। यदि आप 1:24–27 को दो वाक्यों में विभाजित करते हैं, तो आपको यहाँ **परन्तु** को हटाना होगा और 1:26 की शुरुआत में परिणाम व्यक्त करने के लिए एक शब्द जोड़ना होगा, जैसा कि यू.एस.टी. में है। वैकल्पिक अनुवाद: “चूंकि”

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

नीतिवचन 1:24 (#2)

“मैंने तो पुकारा परन्तु तुम ने इन्कार किया”

इन दोनों वाक्यों का अर्थ मूलतः एक ही है। दूसरा वाक्य अलग-अलग शब्दों के साथ एक ही विचार को दोहराकर पहले वाक्य के अर्थ पर जोर देता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप वाक्यांशों को ऐसे शब्द से जोड़ सकते हैं जो यह दर्शाए कि दूसरा वाक्य पहले वाक्य को दोहरा रहा है, कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: “मैंने पुकारा और तुमने मना कर दिया, हाँ, मैंने अपना हाथ बढ़ाया और कोई भी ध्यान से नहीं सुन रहा था”

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 1:24 (#3)

וַתְּמָאֲנוּ

“परन्तु तुम ने इन्कार किया”

बुद्धि का अर्थ है कि लोगों ने उसकी बात **सुनने से इन्कार** कर दिया। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और आपने मेरी बात सुनने से इनकार कर दिया है”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 1:24 (#4)

נָטִיתִי יָדִי

“मैंने हाथ फैलाया”

वाक्यांश ‘**मैंने हाथ फैलाया**’ एक मुहावरा है जिसका अर्थ किसी को इशारा करना या किसी व्यक्ति को आने के लिए आमंत्रित करना है। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मैंने आपको बुलाने के लिए अपना हाथ बढ़ाया” या “मैंने आपको बुलाया”

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 1:25 (#1)

“वरन् तुम ने मेरी सारी सम्मति को अनसुना किया”

ये दोनों पद मूल रूप से एक ही बात का अर्थ रखते हैं। उसी विचार को अलग-अलग शब्दों में दोहराकर दूसरा वाक्यांश पहले के अर्थ पर जोर देता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप **और** के अलावा किसी अन्य शब्द के साथ वाक्यांशों को जोड़ सकते हैं, यह दिखाने के लिए कि दूसरा वाक्यांश पहले को दोहरा रहा है और कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: “और तुमने मेरी सभी सलाहों को नज़रअंदाज़ किया, हाँ, मेरी फटकार को तुमने स्वीकार नहीं किया।”

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 1:25 (#2)

עֲצָתִי וְתוֹכַחְתִּי

“मेरी सारी सम्मति”

यदि आपकी भाषा में **सम्मति** और **सलाह** के विचारों के लिए अमूर्त संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप इन्हीं विचारों को अन्य तरीकों से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो मैंने आपको सलाह दी है, और ... जो मैंने तुमको ताड़ना देने के लिए कहा था”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 1:26 (#1)

“मैं भी”

1:24–25 में जो कहा गया था, 1:26–27उसका परिणाम बताता है। यदि आप 1:24–27 को दो वाक्यों में विभाजित करते हैं और 1:24 से **परन्तु** हटा देते हैं, तो आपको 1:24–25 में दिए गए कारणों के परिणाम को व्यक्त करने के लिए यहाँ एक शब्द जोड़ने की आवश्यकता होगी। वैकल्पिक अनुवाद: “परिणामस्वरूप, मैं भी” या “तो, मैं भी”

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

नीतिवचन 1:26 (#2)

גַּם־אֲנִי בְּאֵידְכֶם אֶשְׂחָק אֶלְעַג בְּבֹא פַחְדְּכֶם

“मैं भी तुम्हारी विपत्ति के समय हँसूँगी”

इन दोनों वाक्यों का अर्थ मूल रूप से एक ही है। दूसरा वाक्य अलग-अलग शब्दों के साथ एक ही विचार को दोहराकर पहले वाक्य के अर्थ पर जोर देता है। अगर यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप वाक्यांशों को ऐसे शब्द से जोड़ सकते हैं जो दर्शाता है कि दूसरा वाक्य पहले वाक्य को दोहरा रहा है, कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: “मैं भी तुम्हारी विपत्ति में हँसूँगी, हाँ, जब तुम्हारा भय आएगा, तब मैं मज़ाक करूँगी”

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 1:26 (#3)

גַּם־אֲנִי

“मैं भी”

मैं भी के रूप में अनुवादित वाक्यांश 1:24–25 में वर्णित मूर्ख लोगों से ध्यान हटाकर बोलने वाले व्यक्ति पर केंद्रित करता है, जो बुद्धि का प्रतिनिधित्व करता है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मैं, बदले में,” या “मैं, अपने हिस्से के लिए”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 1:26 (#4)

בְּאֵידְכֶם & בְּבֹא פַחְדְּכֶם

“तुम्हारी विपत्ति के समय”

यदि आपकी भाषा में **विपत्ति** और **भय** के विचारों के लिए अमूर्त संज्ञाओं का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप उन्हीं विचारों को अन्य तरीकों से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जब आप कष्ट में होते हैं ... जब आप डरे हुए होते हैं”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 1:26 (#5)

בְּבֹא פַחְדְּכֶם

“जब तुम पर भय आ पड़ेगा”

यहाँ, बुद्धि **भय** का अनुभव करने की बात करती है जैसे कि यह एक व्यक्ति है जो किसी के पास **आता** है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जब आप भय का अनुभव करते हैं”

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 1:27 (#1)

בְּבֹא & פַחְדְּכֶם

“तुम पर भय आ पड़ेगा”

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद पिछले पद में कैसे किया।

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 1:27 (#2)

פַּחְדְּכֶם וָאֵידְכֶם

“तुम पर भय” - “और विपत्ति”

देखिए आपने पिछले पद में **भय** और **विपत्ति** का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 1:27 (#3)

כְּסוּפָה & כשאוה

“आँधी के समान” - “बवण्डर के समान”

यहाँ, बुद्धि **भय** और **विपत्ति** के घटित होने के तरीके की तुलना **तूफान** या **बवंडर** की विनाशकारी शक्ति से करती है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “हिंसक रूप से ... घातक रूप से”

देखें: उपमा

नीतिवचन 1:27 (#4)

בְּבֹא אֲעֲלֵיכֶם צָרָה וְצוּקָה

“और तुम संकट और सकेती में फँसोगे”

मूल भाषा में यहाँ **तुम पर आते हैं** वाक्यांश का उपयोग हुआ है,जिसका उपयोग हिंदी अनुवाद में नहीं हुआ है और यह **फँसोगे** को संदर्भित करता है। यहाँ, बुद्धि **संकट** और **सकेती** का अनुभव करने की बात करती है जैसे कि वे एक व्यक्ति थे जो किसी पर आ सकते थे। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जब आप संकट और पीड़ा का अनुभव करते हैं”

देखें: उपमा

नीतिवचन 1:27 (#5)

צָרָה וְצוּקָה

“संकट और सकेती”

अगर आपकी भाषा में **संकट** और **सकेती** के विचारों के लिए अमूर्त संज्ञाओं का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप उन्हीं विचारों को दूसरे तरीकों से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “क्या बात कष्टकारी है और क्या आपको पीड़ा देता है”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 1:28 (#1)

אָאֵז יִקְרָאֻנִנִי וְלֹא אֶעֱנֶה יְשַׁחֲרֻנְנִי וְלֹא יִמְצָאֻנִנִי

“उस समय वे मुझे पुकारेंगे, और मैं न सुनूँगी”

इन दोनों वाक्यों का अर्थ मूल रूप से एक ही बात है। दूसरा वाक्य अलग-अलग शब्दों के साथ एक ही विचार को दोहराकर पहले के अर्थ पर जोर देता है। अगर यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप वाक्यों को ऐसे शब्द से जोड़ सकते हैं जो दर्शाता है कि दूसरा वाक्य पहले वाक्य को दोहरा रहा है, कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: “तब वे मुझे पुकारेंगे, लेकिन मैं जवाब नहीं दूँगी। हाँ, वे मुझे यत्न से ढूँढ़ेंगे, लेकिन वे मुझे नहीं पाएँगे”

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 1:28 (#2)

יִקְרָאֻנִנִי & יְשַׁחֲרֻנְנִי וְלֹא יִמְצָאֻנִנִי

“उस समय वे मुझे पुकारेंगे, और मैं न सुनूँगी; वे मुझे यत्न से तो ढूँढ़ेंगे, परन्तु न पाएँगे”

इस आयत में, सर्वनाम **वे** मूर्ख लोगों को संदर्भित करता है जिन्होंने बुद्धि को अनदेखा किया, जैसा कि 1:22–27 में वर्णित है। यदि यह आपकी भाषा में स्पष्ट होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जिन्होंने मुझे अनदेखा किया वे मुझे पुकारेंगे ... वे लोग मुझे यत्न से खोजेंगे, लेकिन वे मुझे नहीं पाएँगे”

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

नीतिवचन 1:28 (#3)

יִקְרָאֻנִנִי

“वे मुझे पुकारेंगे”

यहाँ, **पुकारेंगे** का तात्पर्य है मदद के लिए पुकारना। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वे मदद के लिए मुझे पुकारेंगे”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 1:29 (#1)

תַּחַת כִּי

“क्योंकि उन्होंने ज्ञान से बैर किया”

यह वाक्यांश यह दर्शाता है कि इस पद और अगले पद में जो कुछ कहा गया है, ये वे कारण हैं जिनकी वजह से मूर्ख लोगों को बुद्धि नहीं मिलेगी, जैसा कि पिछले पद में बताया गया है। कारणों को व्यक्त करने के लिए अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीके का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: “क्योंकि”

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

नीतिवचन 1:29 (#2)

“ज्ञान”

देखिए आपने 1:4 में **ज्ञान** का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 1:29 (#3)

“यहोवा का भय मानना”

देखिए आपने 1:7 में **यहोवा का भय** का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 1:30 (#1)

לֹא־אָבְוּ לַעֲצָתִי נָאֲצוּ כָּל־תּוֹכַחְתִּי

“उन्होंने मेरी सम्मति न चाही”

इन दोनों वाक्यांशों का मूल रूप से एक ही अर्थ है। दूसरा वाक्यांश अलग-अलग शब्दों के साथ एक ही विचार को दोहराकर पहले के अर्थ पर जोर देता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप वाक्यांशों को **और** के अलावा किसी अन्य शब्द से जोड़ सकते हैं ताकि यह दिखाया जा सके कि दूसरा वाक्यांश पहले वाले को दोहरा रहा है, कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: “उन्होंने मेरी सलाह नहीं मानी, हाँ, उन्होंने मेरी हर फटकार को तुच्छ जाना”

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 1:30 (#2)

לֹא־אָבְוּ & נָאֲצוּ

“उन्होंने मेरी सम्मति न चाही वरन् मेरी सब ताड़नाओं को तुच्छ जाना”

इस आयत में, सर्वनाम **उन्होंने** मूर्ख लोगों को संदर्भित करता है जिन्होंने बुद्धि को अनदेखा किया, जैसा कि 1:22–27 में वर्णित है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जिन्होंने मुझे अनदेखा किया, वे नहीं चाहते थे ... और उन लोगों ने तुच्छ जाना"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

नीतिवचन 1:30 (#3)

"मेरी सम्मति"

देखें कि आपने 1:25 में अमूर्त संज्ञाओं **सम्मति** और **ताड़नाओं** का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 1:31 (#1)

וְוֵ֣אכְלוּ מִפְּרִ֣י דַרְכָּ֑ם וּ֝מִמֹּ֗עֲצֹתֵיהֶ֥ם יִשְׂבָּֽעוּ׃

"इसलिए वे अपनी करनी का फल आप भोगेंगे"

इन दोनों वाक्यांशों का मूल रूप से एक ही अर्थ है। दूसरा वाक्यांश अलग-अलग शब्दों के साथ एक ही विचार को दोहराकर पहले के अर्थ पर जोर देता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप वाक्यांशों को **और** के अलावा किसी अन्य शब्द से जोड़ सकते हैं ताकि यह दिखाया जा सके कि दूसरा वाक्यांश पहले वाले को दोहरा रहा है, कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: "और वे अपने कामों के फल भुगतेंगे, हाँ, वे अपनी योजनाओं से संतुष्ट होंगे"

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 1:31 (#2)

וְוֵ֣אכְלוּ מִפְּרִ֣י דַרְכָּ֑ם

"इसलिए वे अपनी करनी का फल आप भोगेंगे"

यहाँ, अपने व्यवहार के परिणाम भुगतने वाले लोगों के बारे में ऐसे कहा गया है जैसे वे अपने **करनी का फल भुगत** रहे हों। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अपनी भाषा से समान मुहावरे का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और वे अपने व्यवहार के परिणाम भुगतेंगे"

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 1:31 (#3)

וּ֝מִמֹּ֗עֲצֹתֵיהֶ֥ם יִשְׂבָּֽעוּ׃

"और अपनी युक्तियों के फल से अघा जाएँगे"

यदि आपकी भाषा में इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप विचार को सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "और उनकी योजनाएँ उन्हें संतुष्ट करेंगी"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 1:31 (#4)

וּ֝מִמֹּ֗עֲצֹתֵיהֶ֥ם יִשְׂבָּֽעוּ׃

"और अपनी युक्तियों के फल से अघा जाएँगे"

यहाँ, **अघा जाएँगे** के रूप में अनुवादित शब्द का अर्थ है "पूर्ण होना।" इस शब्द का सकारात्मक या नकारात्मक अर्थ हो सकता है, लेकिन यहाँ अर्थ नकारात्मक है। इसका अर्थ है कि ये मूर्ख लोग **अपनी** मूर्खतापूर्ण **योजनाओं** के पूर्ण परिणाम भुगतेंगे। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे अपनी योजनाओं के परिणामों को अनुभव करेंगे"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 1:32 (#1)

"क्योंकि"

क्योंकि यहाँ संकेत करता है कि 1:32–33 में जो कुछ कहा गया है, वह 1:22–31 में बुद्धि द्वारा कही गई बात का निष्कर्ष है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "निष्कर्ष में,"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

नीतिवचन 1:32 (#2)

מְשׁוּבַ֥ת פְּתָיִ֖ם תַּהַרְגֵ֑ם וְשַׁלְוַ֥ת כְּסִילִ֝֗ים תְּאַבְּדֵֽם׃

"अज्ञानियों का भटक जाना, उनके घात किए जाने का कारण होगा"

इन दोनों वाक्यांशों का मूल रूप से एक ही अर्थ है। दूसरा वाक्यांश अलग-अलग शब्दों के साथ एक ही विचार को दोहराकर पहले के अर्थ पर जोर देता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप वाक्यांशों को **और** के अलावा किसी अन्य शब्द से जोड़ सकते हैं ताकि यह दिखाया जा सके कि दूसरा वाक्यांश पहले वाले को दोहरा रहा है, कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: "अज्ञानियों का मुंह मोड़ना उन्हें नष्ट कर देगा, हाँ, झूठी सुरक्षा निर्बुद्धि लोगों को विनाश की ओर ले जाएगी"

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 1:32 (#3)

מְשׁוּבַ֥ת פְּתָיִ֖ם תַּהַרְגֵ֑ם

"अज्ञानियों का भटक जाना, उनके घात किए जाने का कारण होगा"

यहाँ, **भटक जाने** की बात ऐसे कही गई है जैसे कि वह कोई ऐसा व्यक्ति हो जो किसी को **घात** कर सकता हो। इस अभिव्यक्ति का अर्थ है कि **अज्ञानी** लोग **भटक जाना** के कारण मर जाएँगे। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं या किसी उपमा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अज्ञानी लोग मुँह फेरने के कारण मर जाएँगे" या "भोले-भाले लोगों का मुँह फेरना ऐसा है जैसे कोई उन्हें मार डालेगा"

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 1:32 (#4)

מְשׁוּבַ֥ת פְּתָיִ֖ם

"अज्ञानियों का भटक जाना"

यहाँ, बुद्धि की बात सुनने से इनकार करने का मतलब है बोलने वाले से **भटक जाना**। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप इसका

अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अज्ञानी लोगों का बात सुनने से इनकार करना”

देखें: रूपक

नीतिवचन 1:32 (#5)

וְשַׁלְוַת

“और निश्चिन्त रहने के कारण मूर्ख लोग नाश होंगे”

अगर आपकी भाषा में **निश्चिन्त रहने** के विचार के लिए अमूर्त संज्ञा का उपयोग नहीं किया गया है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य अभिव्यक्ति के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “गलत तरीके से सुरक्षित महसूस करना”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 1:32 (#6)

וְשַׁלְוַת כְּסִילִים תְּאַבְּדֵם

“और निश्चिन्त रहने के कारण मूर्ख लोग नाश होंगे”

यहाँ, **निश्चिन्त रहने** के बारे में ऐसे कहा गया है मानो यह कोई ऐसा व्यक्ति हो जो किसी का **नेतृत्व** कर सकता हो। इस अभिव्यक्ति का अर्थ है कि **मूर्ख लोग निश्चिन्त रहने** की झूठी भावना के कारण मर जाएँगे। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं या एक उपमा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और मूर्ख लोग झूठी सुरक्षा के कारण बर्बाद हो जाएँगे” या “मूर्खों की झूठी सुरक्षा किसी ऐसे व्यक्ति के समान है जो उन्हें बर्बाद कर देगा”

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 1:33 (#1)

וְשֹׁמֵעַ

“परन्तु जो मेरी सुनेगा”

परन्तु यहाँ पर **जो मेरी सुनेगा** और “अज्ञानी” के बीच एक मजबूत अंतर दर्शाता है, जिनका उल्लेख पिछली आयत में किया गया था। अंतर को दर्शाने के लिए अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीके का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: “हालाँकि, जो सुनता है”

देखें: जोड़ें – विरोधाभास सम्बन्ध

नीतिवचन 1:33 (#2)

מִפַּחַד רָעָה

“वह निडर बसा रहेगा”

यहाँ, अधिकारवाचक रूप से व्यक्ति में बुराई के प्रति **निडर** होने वर्णन किया गया है। यदि यह आपकी भाषा में स्पष्ट नहीं है, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “बुराई से डरने से”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 1:33 (#3)

“विपत्ति से निश्चिन्त होकर सुख से रहेगा”

देखें कि आपने 1:26 में **भय** और 1:16 में **बुराई** जैसे अमूर्त संज्ञाओं का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 2:1 (#1)

“हे मेरे पुत्र”

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 1:8 में कैसे किया था।

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 2:1 (#2)

אִם

“यदि”

यहाँ, **यदि** इस सशर्त वाक्य की शुरुआत को दर्शाता है जो इस पद से लेकर 2:5 तक पाया जाता है। यह इस लंबे वाक्य में तीन **यदि** खण्डों में से पहला है। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इस लंबे वाक्य को छोटे वाक्यों में विभाजित कर सकते हैं और 2:5 में परिणाम के साथ शर्त को इंगित कर सकते हैं, जैसा कि यू.एस.टी. में है।

देखें: जोड़ें – काल्पनिक स्थितियाँ

नीतिवचन 2:1 (#3)

וּמִצְוֹתַי תִּצְפֹּן אִתָּךְ

“और मेरी आज्ञाओं को अपने हृदय में रख छोड़े”

पिता की **आज्ञाओं** को महत्व देने की बात इस प्रकार की जाती है मानो **आज्ञाएँ** एक खजाना हो और व्यक्ति उस खजाने को सुरक्षित रखने के लिए एक सुरक्षित स्थान हो। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्टता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और मेरी आज्ञाओं को खजाने के समान मूल्यवान मानें”

देखें: रूपक

नीतिवचन 2:2 (#1)

לְהַקְשִׁיב לֶחְכְמָה אָזְנֶךָ תַּטֶּה לִּבְּךָ לִתְבוּנָה

“और बुद्धि की बात ध्यान से सुने,”

यहाँ **की बात** के रूप में अनुवाद किया गया शब्द यह इंगित करता है कि इस पद में जो कुछ भी आता है, वह उन माध्यमों को समझाता है जिनके द्वारा कोई व्यक्ति पिछले पद में उल्लेखित कथनों और आदेशों को प्राप्त कर सकते हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अपने कानों को बुद्धि के प्रति चौकस कर के और अपने हृदय को समझ की ओर लगाकर”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 2:2 (#2)

לְהַקְשִׁיב & אָזְנֶךָ

“और समझ की बात मन लगाकर सोचे”

यह वाक्यांश एक मुहावरा है जिसका तात्पर्य है खुद को ध्यान से सुनने के लिए मजबूर करना। अगर इस वाक्यांश का आपकी भाषा में वह अर्थ

नहीं है, तो आप अपनी भाषा से कोई मुहावरा इस्तेमाल कर सकते हैं जिसका यह अर्थ हो या फिर आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "खुद को ध्यान से सुनने के लिए मजबूर करना"

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 2:2 (#3)

""बुद्धि की,"

देखें कि आपने **बुद्धि** और **समझ** जैसी भाववाचक संज्ञाओं का अनुवाद 1:2 में कैसे किया था।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 2:2 (#4)

"समझ की बात मन लगाकर सोचे"

यहाँ सुलैमान **मन** का उपयोग व्यक्ति के आंतरिक अस्तित्व या हृदय को संदर्भित करने के लिए करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अपनी अंतर आत्मा को समझ की ओर मोड़ो" या "अपने मन को समझ की ओर मोड़ो"

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 2:2 (#5)

תַּטֶּה לְלִבְּךָ לַתְּבוּנָה

"समझ की बात मन लगाकर सोचे"

यह वाक्यांश **मन लगाकर सोचे** एक मुहावरा है जो किसी कार्य को करने के लिए अपने मन को पूरी तरह से समर्पित करने का संकेत देता है। यदि इस वाक्यांश का आपकी भाषा में यह अर्थ नहीं है, तो आप अपनी भाषा में ऐसे किसी मुहावरे का उपयोग कर सकते हैं जिसका यही अर्थ हो या वह इस अर्थ को स्पष्ट शब्दों में व्यक्त करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "समझ प्राप्त करने के लिए स्वयं को पूरी तरह से समर्पित करें"

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 2:3 (#1)

אִם־לַבִּינָה תִקְרָא לַתְּבוּנָה תִּתֵּן קוֹלֶךָ

"यदि तू... समझ के लिये अति यत्न से पुकारे"

ये दोनों वाक्यांश समान अर्थ रखते हैं। लेखक वाक्यांशों में व्यक्त विचार पर महत्व देने के लिए पुनरावृत्ति का उपयोग कर रहे हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो, तो आप वाक्यांशों को जोड़ सकते हैं और महत्व को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि तू अनुभवी समझ के लिए अपनी आवाज़ उठाकर पुकारे"

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 2:3 (#2)

לַבִּינָה & לַתְּבוּנָה

"समझ के लिये" - "प्रवीणता"

यहाँ सुलैमान **समझ** और **प्रवीणता** को पुकारने की बात ऐसे करते हैं जैसे कि वे व्यक्ति हों जिन्हें कोई बुला सकता है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "समझ प्राप्त करने के लिए ... अनुभव प्राप्त करने के लिए"

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 2:3 (#3)

לַלַּתְּבוּנָה

"समझ के लिये"

देखें कि आपने पिछले पद में **समझ** जैसी भाववाचक संज्ञा का अनुवाद कैसे किया था।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 2:3 (#4)

לַבִּינָה

"प्रवीणता"

यदि आपकी भाषा में **प्रवीणता** के विचार के लिए एक भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं होता है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसके लिए, जो समझा जाना चाहिए"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 2:3 (#5)

תִּתֵּן קוֹלֶךָ

"तू ...अति यत्न से पुकारे"

यह वाक्यांश एक मुहावरा है जो ऊँची आवाज़ में बोलने को संदर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में इस वाक्यांश का यही अर्थ नहीं है, तो आप अपनी भाषा से ऐसे किसी मुहावरे का उपयोग कर सकते हैं जिसका यही अर्थ हो या अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "तू ऊँची आवाज़ में बोल"

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 2:4 (#1)

אִם־תְּבַקְשֶׁנָּה כַּכֶּסֶף וְכַמְּטֻמּוֹנִים תַּחְפְּשֶׂנָּה

"और उसको चाँदी के समान ढूँढे"

"ये दोनों वाक्यांश समान अर्थ रखते हैं। लेखक वाक्यांशों में व्यक्त विचार पर महत्व देने के लिए पुनरावृत्ति का प्रयोग कर रहा है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप वाक्यांशों को जोड़ सकते हैं और महत्व को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि तू इसे एक मूल्यवान छिपे खजाने की तरह लगन से खोजे"

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 2:4 (#2)

אִם־תְּבַקְשֶׁנָּה כַּכֶּסֶף וְכַמְּטֻמּוֹנִים תַּחְפְּשֶׂנָּה

"और उसको चाँदी के समान ढूँढे"

सुलैमान कुछ ऐसे शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा तो आप संदर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि तू इसे ऐसे खोजे जैसे यह चाँदी हो और इसे ऐसे खोजे जैसे यह छिपा हुआ खजाने हो" या "यदि तू इसे ऐसे खोजे जैसे तू चाँदी को खोजता है और इसे ऐसे खोजे जैसे तू छिपे हुए खजानों को खोजता है"

देखें: पदलोप

नीतिवचन 2:4 (#3)

תְּבַקְשֶׁנָּה & תַּחְפְּשֶׂנָּה

"उसको... ढूँढे" - "उसकी खोज में लगा रहे"

इस पद में, सर्वनाम **उसको** और **उसकी** बुद्धि को संदर्भित करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तू बुद्धि की खोज कर ... बुद्धि की तलाश कर"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

नीतिवचन 2:4 (#4)

אִם־תְּבַקְשֶׁנָּה כַּכֶּסֶף וְכַמְּטֻמּוֹנִים תַּחְפְּשֶׂנָּה

""उसको चाँदी के समान ढूँढ़े"

सुलैमान कह रहे हैं कि बुद्धि **चाँदी** और **गुप्त धन** की तरह है क्योंकि यह वे चीजें हैं जिन्हें लोग बहुत महत्व देते हैं और उन्हें खोजने के लिए बहुत मेहनत करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि तू इसे उसी तरह खोजे जैसे कोई चाँदी की खोज करता है, और इसे उसी तरह खोजे जैसे कोई गुप्त खजाने की खोज करता है"

देखें: उपमा

नीतिवचन 2:5 (#1)

אָז

"तो"

यहाँ, **तो** यह इंगित करता है कि जो कुछ भी आगे आता है, वह उन शर्तों को पूरा करने का परिणाम है जो 2:1–4 में बताई गई हैं। यदि आपने इस लंबे वाक्य को जो 2:1–5 में है, छोटे वाक्यों में विभाजित किया है, तो आपको इस नए वाक्य में परिणाम से पहले शर्त को इंगित करने की आवश्यकता होगी, जैसा कि आई.आर.वी. में है। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि तू ऐसा करता है, तो परिणाम यह होगा कि"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

नीतिवचन 2:5 (#2)

"यहोवा के भय"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 1:7 में कैसे किया था।

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 2:5 (#3)

וְדַעַת אֱלֹהִים תִּמְצָא

"और परमेश्वर का ज्ञान तुझे प्राप्त होगा"

परमेश्वर के ज्ञान को प्राप्त करने के विषय में ऐसा कहा गया है जैसे कि **परमेश्वर का ज्ञान** कोई वस्तु हो जिसे एक व्यक्ति खोज कर **प्राप्त** कर सकता है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और तेरे पास परमेश्वर का ज्ञान होगा"

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 2:5 (#4)

וְדַעַת אֱלֹהִים תִּמְצָא

"और परमेश्वर का ज्ञान तुझे प्राप्त होगा"

यहाँ सुलैमान **परमेश्वर** को जानने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और तू जानेगा कि परमेश्वर को कैसे जानें"

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 2:6 (#1)

כִּי

"क्योंकि"

यहाँ, **क्योंकि** से यह पता चलता है कि जो कुछ आगे कहा गया है, वह इस बात का कारण है कि सुलैमान ने जो कुछ 2:1–4 में कहा, वह सत्य है। अपनी भाषा में ऐसे संयोजक का प्रयोग करें जिससे यह स्पष्ट हो जाए कि आगे जो कहा गया है, वह पहले जो कहा गया था उसका कारण है। वैकल्पिक अनुवाद: "ऐसा इस तथ्य के कारण है कि"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

नीतिवचन 2:6 (#2)

חָכְמָה & דַּעַת וּתְבוּנָה

"बुद्धि,"

देखें कि आपने 1:2 में **बुद्धि** का अनुवाद कैसे किया था और पिछले पद में **ज्ञान** और **समझ** का अनुवाद कैसे किया था।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 2:6 (#3)

מִפִּיו דַּעַת וּתְבוּנָה

"ज्ञान और समझ की बातें उसी के मुँह से निकलती हैं"

यहाँ, **मुँह** स्वयं यहोवा का या उनके कहे वचनों का प्रतिनिधित्व करता है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यहोवा से ज्ञान और समझ आती है"

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 2:7 (#1)

וצפן לַיְשָׁרִים תּוּשִׁיָּה

“वह सीधे लोगों के लिये खरी बुद्धि रख छोड़ता है”

यहोवा के पास **खरी बुद्धि** है जो वह लोगों को प्रदान करते हैं, इसे इस तरह कहा गया है जैसे **खरी बुद्धि** कोई वस्तु हो जिसे यहोवा **रख छोड़ते हैं**। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और उसके पास सीधे लोगों की सहायता करने के लिए उत्तम बुद्धि है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 2:7 (#2)

תּוּשִׁיָּה

“खरी बुद्धि”

यदि आपकी भाषा में **खरी बुद्धि** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “बहुत ही बुद्धिमानी भरी बातें”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 2:7 (#3)

מָגֵן לְהֹלְכֵי תֹם

“जो खराई से चलते हैं, उनके लिये वह ढाल ठहरता है”

यहोवा अपने लोगों की रक्षा एक **ढाल** के समान करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को स्पष्टता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह ईमानदारी से चलने वालों की रक्षा करते हैं”

देखें: रूपक

नीतिवचन 2:7 (#4)

לְהֹלְכֵי תֹם

“जो खराई से चलते हैं”

यहाँ, **चलते** इस बात का संदर्भ देता है कि लोग कैसे व्यवहार किया करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो ईमानदारी के साथ आचरण करते हैं”

देखें: रूपक

नीतिवचन 2:7 (#5)

“खराई से”

देखें कि आपने **खराई** जैसी भाववाचक संज्ञा का अनुवाद 1:3 में कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 2:8 (#1)

לִנְצֹר

“की देख-भाल करता”

यहाँ, **की** यह संकेत करता है कि जो बात आगे आती है वह यहोवा द्वारा “खरी बुद्धि” देने और “ढाल” बनने के उद्देश्य से है, जैसा कि पिछले पद में कहा गया है। किसी उद्देश्य को बताने के लिए अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। आपको एक नया वाक्य शुरू करने की आवश्यकता हो सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: “यहोवा इन बातों को सुरक्षा के उद्देश्य से करते हैं”

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) सम्बन्ध

नीतिवचन 2:8 (#2)

אָרְחוֹת מִשְׁפָּט

“न्याय के पथों”

यहाँ, **पथों** का अर्थ हो सकता है: (1) लोगों का आचरण, इस स्थिति में अर्थ, पद के अगले खण्ड के समान है। वैकल्पिक अनुवाद: “जो न्यायपूर्वक आचरण करते हैं” (2) स्वयं **न्याय**, जैसे कि यह ही **पथ** हो। वैकल्पिक अनुवाद: “वह पथ जो न्याय है” या “न्याय”

देखें: रूपक

नीतिवचन 2:8 (#3)

וְדֶרֶךְ חֲסִידָיו יִשְׁמֹר

“और अपने भक्तों के मार्ग की रक्षा करता है”

यहाँ सुलैमान परमेश्वर के **भक्तों** के जीवन के बारे में इस प्रकार बात करते हैं जैसे वे एक **मार्ग** या सड़क हों। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और वह अपने विश्वासयोग्य लोगों के जीवन की रक्षा करेंगे”

देखें: रूपक

नीतिवचन 2:9 (#1)

אָז

“तब”

यहाँ पर **तब** यह संकेत देता है कि जो कुछ आगे कहा गया है वह 2:1–4 में बताए गई शर्तों को पूरा करने का एक और परिणाम है। शर्तों को पूरा करने के परिणाम को बताने के लिए अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीके का प्रयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: “यदि तू उन कार्यों को करता है, तो यह परिणाम होगा कि”

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

नीतिवचन 2:9 (#2)

צֶדֶק וּמִשְׁפָּט וּמֵישָׁרִים

“धर्म और न्याय और सिधाई”

देखें कि आपने भाववाचक संज्ञाओं **धर्म**, **न्याय** और **सिधाई** का अनुवाद 1:3 में किस प्रकार किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 2:9 (#3)

כָּל־מַעְגַּל־טוֹב

“सब भली-भली चाल”

यहाँ सुलैमान समझदारी भरे व्यवहार की बात ऐसे करते हैं जैसे कि यह एक **भली चाल** हो। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्टता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जीवन जीने का हर उत्तम तरीका”

देखें: रूपक

नीतिवचन 2:10 (#1)

“बुद्धि” - “और ज्ञान”

देखें कि आपने **बुद्धि** का अनुवाद 1:2 में और **ज्ञान** का अनुवाद 1:4 में किस प्रकार किया था।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 2:10 (#2)

“तेरे हृदय में”

देखें कि आपने **हृदय** का अनुवाद 2:2 में कैसे किया था।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 2:10 (#3)

“तेरे हृदय में प्रवेश करेगी”

यह वाक्यांश एक मुहावरा है जो किसी चीज़ को पूरी तरह से जानने का संदर्भ देता है। यदि आपकी भाषा में इस वाक्यांश का यह अर्थ नहीं है, तो आप अपनी भाषा से ऐसा कोई मुहावरा उपयोग कर सकते हैं जिसका यह अर्थ हो या अर्थ को स्पष्ट तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “तेरे द्वारा पूरी तरह से जाना जाएगा” या “तेरे मन में पूरी तरह से होगा”

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 2:10 (#4)

לְנַפְשְׁךָ֥ יִנְעָֽם

“तेरे प्राण को सुख देनेवाला होगा”

यहाँ, **प्राण** पूरे व्यक्ति को संदर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “तुझे आनंदित करेगा”

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 2:11 (#1)

“”

2:11–17 एक लंबा वाक्य है। यदि आप इन पदों को कई वाक्यों में विभाजित करते हैं, जैसा कि आई.आर.वी. करता है, तो अर्थ स्पष्ट करने के लिए आपको कुछ वाक्यांशों को दोहराने की आवश्यकता हो सकती है।

नीतिवचन 2:11 (#2)

מְמֶזְמָה תִּשְׁמֹר עָלֶיךָ תְּבוּנָה תִנְצְרֶכָּה

“विवेक तुझे सुरक्षित रखेगा,”

इन दोनों उपवाक्यों का अर्थ मूलतः एक ही है। दूसरा उपवाक्य एक ही अर्थ को अलग-अलग शब्दों के साथ दोहराकर, पहले उपवाक्य के अर्थ पर जोर देता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो, तो आप उपवाक्यों को ऐसे शब्द से जोड़ सकते हैं जो यह दर्शाए कि दूसरा उपवाक्य पहले उपवाक्य को दोहरा रहा है, न कि कुछ अतिरिक्त कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: “विवेक तेरी रक्षा करेगा, हाँ समझ तेरी सुरक्षा करेगी”

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 2:11 (#3)

מְמֶזְמָה תִּשְׁמֹר עָלֶיךָ תְּבוּנָה תִנְצְרֶכָּה

“विवेक तुझे सुरक्षित रखेगा,”

यहाँ पर सुलैमान **विवेक** और **समझ** की बात ऐसे करते हैं जैसे कि वे लोग हो जो किसी और की **रक्षा** कर सकते हैं। उनका मतलब है कि जिसके पास **विवेक** और **समझ** होगी, वह सुरक्षित रहेगा। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यदि तेरे पास विवेक है, तो तू सुरक्षित रहेगा; यदि तेरे पास समझ है, तो तू सुरक्षित रहेगा”

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 2:11 (#4)

“विवेक” - “समझ”

देखें कि आपने **विवेक** का 1:4 में और **समझ** का 1:2 में किस प्रकार अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 2:12 (#1)

לְהַצִּילְךָ

“तुझे... बचाएंगे”

यहाँ सुलैमान “विवेक” और “समझ” की बात ऐसे करते हैं जैसे वे व्यक्ति हों जो किसी को **बचाने** में सक्षम हों। उनका मतलब है कि जिन लोगों के पास “विवेक” और “समझ” होती है, वे स्वयं को हानि से **बचाएंगे**। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्टता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “स्वयं को बचाने के लिए”

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 2:12 (#2)

לְהַצִּילְךָ

“ताकि वे तुझे... बचाएंगे”

यहाँ, **ताकि** आगे जो कहा गया है उसको इंगित करता है और बताता है कि यह “विवेक” और “समझ” का उद्देश्य है जो किसी व्यक्ति की रक्षा करने का है, जैसा कि पिछले पद में भी उल्लेखित है। उद्देश्य को दर्शाने के लिए अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीके का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: “विवेक और समझ तुझे बचाने के उद्देश्य से तेरी रक्षा करेंगे”

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) सम्बन्ध

नीतिवचन 2:12 (#3)

מִדֶּרֶךְ רָע

“बुराई के मार्ग से”

इस वाक्यांश **बुराई के मार्ग** के अर्थ हो सकते हैं: (1) एक **दुष्ट** व्यक्ति का **मार्ग**। यह व्याख्या 2:12–17 में दिए गए दुष्ट लोगों के वर्णनों के संदर्भ में उपयुक्त बैठती है। वैकल्पिक अनुवाद: “एक दुष्ट व्यक्ति के मार्ग से” (2) एक ऐसा **मार्ग** जो **दुष्टता** की विशेषता रखता है। वैकल्पिक अनुवाद: “दुष्टता के मार्ग से”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 2:12 (#4)

מִדֶּרֶךְ

“के मार्ग से”

यहाँ सुलैमान **मार्ग** का उपयोग यह बताने के लिए करते हैं कि लोग किस प्रकार से व्यवहार करते हैं। देखें कि आपने 1:15 में **मार्ग** का अनुवाद कैसे किया था।

देखें: रूपक

नीतिवचन 2:12 (#5)

“बुराई”

देखें कि आपने 1:16 में भाववाचक संज्ञा **बुराई** का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 2:12 (#6)

מֵאַנְשֵׁי

“कहनेवालों से”

सुलैमान कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इन शब्दों की पूर्ति वाक्य के पहले भाग से कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और तुझे एक व्यक्ति से बचाने के लिए”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 2:12 (#7)

מֵאַנְשֵׁי

(एक मनुष्य से) “कहनेवालों से”

बाइबल की मूल भाषा में यहाँ ‘ **एक मनुष्य**’ वाक्यांश का उपयोग किया गया है, पर हिन्दी में इसे सरलता से **कहनेवालों** के रूप में अनुवाद किया गया है। यहाँ **कहनेवालों** शब्द एक सामान्य प्रकार के व्यक्ति का प्रतिनिधित्व करता है, किसी एक विशेष **व्यक्ति** का नहीं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप एक अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “किसी भी व्यक्ति से”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 2:13 (#1)

“जो... छोड़ देते हैं”

देखें कि आपने **छोड़** का अनुवाद 1:8 में कैसे किया था।

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 2:13 (#2)

אָרְחוֹת יֹשֶׁר

“सिधाई के मार्ग”

यहाँ, **सिधाई के मार्ग** का अर्थ सही तरीके से आचरण करना है। शब्द **मार्ग** मनुष्य के आचरण को संदर्भित करता है, और **सिधाई** धार्मिकता को संदर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्टता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो सही है वह करना” या “सही तरीके से कार्य करना”

देखें: रूपक

नीतिवचन 2:13 (#3)

לָלֶכֶת

“ताकि... चलें”

यहाँ, **ताकि** का उपयोग **सिधाई के मार्ग** को छोड़ने के उद्देश्य को प्रस्तुत करने के लिए किया गया है। अपनी भाषा में उद्देश्य को इंगित करने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: “चलने के उद्देश्य के लिए”

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) सम्बन्ध

नीतिवचन 2:13 (#4)

לָלֶכֶת בְּדַרְכֵי־חֹשֶׁךְ

“ताकि अंधेरे मार्ग में चलें”

यह वाक्यांश दुष्ट तरीके से व्यवहार करने का उल्लेख करता है। बाइबल के लेखक अक्सर किसी के व्यवहार को संदर्भित करने के लिए **चलना** शब्द का उपयोग करते हैं और दुष्टता को संदर्भित करने के लिए **अंधेरे** का उपयोग करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो बुरा है उसे करना” या “दुष्ट रीति से व्यवहार करना”

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 2:14 (#1)

“बुराई”

देखें कि आपने भाववाचक संज्ञा **बुराई** का अनुवाद 1:16 में किस प्रकार किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 2:14 (#2)

בְּתַהְפֻּכוֹת רָע

“दुष्ट जन की उलट-फेर की बातों में”

यहाँ सुलैमान **दुष्ट की बातों** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं, जो **दुष्टता** के द्वारा विशेषीकृत है। यदि आपकी भाषा

में यह उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “बुरी विकृत चीज़ें”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 2:15 (#1)

אֲשֶׁר אָרְחֹתֵיהֶם עִקְּשִׁים וּנְלוֹזִזִים בְּמַעְגְּלוֹתָם

“जिनके मार्ग में कुटिलता हैं”

ये दोनों उपवाक्य मूल रूप से एक ही बात का अर्थ रखते हैं। दूसरा उपवाक्य अलग शब्दों के साथ पहले उपवाक्य के अर्थ को जोर देकर दोहराता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप उपवाक्यों को **और** के अलावा किसी अन्य शब्द के साथ जोड़ सकते हैं जो यह दिखाता है कि दूसरा उपवाक्य पहले को दोहरा रहा है, कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: “जिनके मार्ग टेढ़े-मेढ़े हैं, हाँ, जो अपने मार्ग में भटक जाते हैं”

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 2:15 (#2)

אָרְחֹתֵיהֶם עִקְּשִׁים וּנְלוֹזִזִים בְּמַעְגְּלוֹתָם

“मार्ग में कुटिलता हैं”

यहाँ सुलैमान मनुष्य के व्यवहार को ऐसे संदर्भित करते हैं जैसे वह **पथ** और **मार्ग** हों जिन पर लोग चलते हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्टता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “व्यवहार टेढ़ा है ... उनके आचरण में”

देखें: रूपक

नीतिवचन 2:15 (#3)

“टेढ़े-मेढ़े”

यहाँ सुलैमान **टेढ़े-मेढ़े हैं** और **भटक जाते हैं** वाक्यांशों का उपयोग कुटिलता का संदर्भ देने के लिए करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो धोखेबाज हैं और जो धोखाधड़ी करते हैं”

देखें: रूपक

नीतिवचन 2:16 (#1)

לְהַצִּילְךָ

“तुझे... बचाएँगे”

यहाँ पर मूल भाषा में “बचाने के लिए” वाक्यांश का उपयोग हुआ है परन्तु हिन्दी अनुवाद में “तुझे... बचाएंगे” वाक्यांश का उपयोग किया गया है। यहाँ, **के लिए** यह इंगित करता है कि जो आगे आता है वह “विवेक” और “बुद्धि” के लिए एक और उद्देश्य है जो किसी व्यक्ति की रक्षा करता है, जैसा कि 2:11 में कहा गया है। उद्देश्य को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। यदि आपने 2:11–17 में लंबे वाक्य को छोटे वाक्यों में विभाजित किया है, तो यहाँ, एक नया वाक्य शुरू करते समय, आपको 2:11 से कुछ जानकारी दोहराने की आवश्यकता होगी। वैकल्पिक अनुवाद: “विवेक और समझदारी तुझे बचाने के अतिरिक्त उद्देश्य के लिए तेरी रक्षा करेगी”

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) सम्बन्ध

नीतिवचन 2:16 (#2)

מֵאִשָּׁה זָרָה מִנָּכְרִיָּה

“पराई स्त्री से”

यहाँ सुलैमान एक अनैतिक और व्यभिचारिणी **स्त्री** को ऐसे संदर्भित करते हैं जैसे वह एक पराई या विदेशी हो। परमेश्वर ऐसी **स्त्री** को **पराई** या **विदेशी** मानते हैं क्योंकि उसके पापपूर्ण कृत्यों ने उसे परमेश्वर से अलग कर दिया है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं, जैसे कि आई.आर.वी. अनुवाद करता है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 2:16 (#3)

מֵאִשָּׁה זָרָה מִנָּכְרִיָּה

“पराई स्त्री से”

सुलैमान ऐसी किसी भी स्त्री के बारे में बात कर रहा है जो ये काम करती हैं, किसी एक विशेष **स्त्री** के बारे में नहीं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “किसी भी अजनबी महिला से, किसी भी विदेशी महिला से”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 2:16 (#4)

מִנָּכְרִיָּה

“पराई स्त्री से”

सुलैमान कुछ शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इन शब्दों की पूर्ति वाक्य के पहले भाग से कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और तुझे एक विदेशी स्त्री से बचाने के लिए”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 2:16 (#5)

אֲמָרֶיהָ הֶחֱלִיקָה

“जो चिकनी चुपड़ी बातें बोलती है”

यहाँ सुलैमान इस स्त्री के मोहक तरीके से बोलने का ज़िक्र करते हैं, जैसे कि वह जो कह रही है उसे **चिकनी चुपड़ी** रूप में बोल रही हो। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो अपनी बातों को मोहक बनाती है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 2:17 (#1)

אַלּוּף

“के साथी”

यहाँ, **साथी** का उल्लेख पिछले पद में वर्णित व्यभिचारी स्त्री के पति के रूप में किया गया है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "का पति"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 2:17 (#2)

אַלֻּוף נְעוּרֶיהָ

"अपनी जवानी के साथी"

यहाँ सुलैमान **साथी** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं, जिससे इस स्त्री ने **अपनी जवानी** में विवाह किया था। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह साथी जिससे उसने अपनी युवावस्था में विवाह किया था"

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 2:17 (#3)

נְעוּרֶיהָ

"अपनी जवानी"

यदि आपकी भाषा में **जवानी** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह समय जब वह युवा थी"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 2:17 (#4)

בְּרִית אֱלֹהֶיהָ

"अपने परमेश्वर की वाचा"

यहाँ सुलैमान स्वामित्व रूप का उपयोग उस **वाचा** का वर्णन करने के लिए कर रहे हैं जो इस महिला ने **अपने परमेश्वर** के साथ की थी। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह वाचा जो उसने अपने परमेश्वर के साथ की थी"

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 2:17 (#5)

בְּרִית אֱלֹהֶיהָ

"वाचा को"

यहाँ, **वाचा** विशेष रूप से उस **वाचा** को संदर्भित करती है जो एक पुरुष और महिला ने एक-दूसरे के साथ और परमेश्वर के साथ विवाह करते समय की थी। इस **वाचा** में व्यभिचार न करने का वादा शामिल होता है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह वाचा जो उसने अपने परमेश्वर के साथ की जब उसने अपने पति से विवाह किया"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 2:18 (#1)

כִּֽי

(क्योंकि) "उसका घर मृत्यु की ढलान"

मूल भाषा में यहाँ "क्योंकि" का उपयोग किया गया है पर हिन्दी अनुवाद में इसका उपयोग नहीं किया गया है। **क्योंकि** यहाँ यह दर्शाता है कि जो आगे कहा गया है उस कारण से ही "बुद्धि" और "विवेक" एक पुरुष को व्यभिचारिणी स्त्री से बचाते हैं, जैसा कि 2:16 में कहा गया है। अपनी भाषा में कारण बताने का सबसे स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "विवेक और समझ तुझे उससे बचाएंगे क्योंकि"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

नीतिवचन 2:18 (#2)

שָׁשָׁה אֶל־מָוֶת בֵּיתָהּ וְאֶל־רְפָאִים מַעְגְּלֹתֶיהָ

""उसका घर मृत्यु की ढलान पर है"

"यह दोनों वाक्यांश समान अर्थ रखते हैं। लेखक वाक्यांशों में व्यक्त विचार पर जोर देने के लिए पुनरावृत्ति का प्रयोग कर रहे हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप वाक्यांशों को जोड़ सकते हैं और महत्व दिखाने को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसके साथ शामिल होना तुझे पूरी तरह से नष्ट कर देगा""

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 2:18 (#3)

"उसका घर"

यहाँ, **घर** का अर्थ हो सकता है: (1) व्यभिचारी स्त्री के **घर** जाना। वैकल्पिक अनुवाद: "उसके घर जाना" (2) उसके घर में होने वाली व्यभिचारी गतिविधियाँ। वैकल्पिक अनुवाद: "वह अपने घर में जो करती है"

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 2:18 (#4)

"मृत्यु की ढलान पर है"

यहाँ सुलैमान एक ऐसे व्यक्ति के बारे में बात कर रहे हैं जो कुछ ऐसा कर रहा है जिससे उसकी मृत्यु हो जाएगी, जैसे कि वह एक मार्ग पर जा रहा हो या एक **घर** की ओर जो **ढलान पर** है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जिसके परिणामस्वरूप एक व्यक्ति मर जाता है" या "एक व्यक्ति की मृत्यु का कारण बनता है"

देखें: रूपक

नीतिवचन 2:18 (#5)

וְאֶל־רְפָאִים מַעְגְּלֹתֶיהָ

"और उसकी डगरें मरे हुओं के बीच पहुँचाती हैं"

सुलैमान कुछ ऐसे शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्यांश को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। आप इन शब्दों की पूर्ति पिछले वाक्यांश से कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और उसके रास्ते मृतकों की आत्माओं तक पहुँच जाते हैं" या "और उसके पदचिह्न मृतकों की आत्माओं की ओर ले जाते हैं"

देखें: पदलोप

नीतिवचन 2:18 (#6)

“उसकी डगरें”

यहाँ, **डगरें** का अर्थ हो सकता है: (1) वह मार्ग जो व्यभिचारिणी स्त्री की ओर ले जाता है। वैकल्पिक अनुवाद: “वह मार्ग जो उसकी ओर ले जाता है” (2) वह कैसे व्यवहार करती है, इसी तरह से जो **डगरें** के रूप में 2:15 में उपयोग किया गया है। वैकल्पिक अनुवाद: “उसका व्यवहार”

देखें: रूपक

नीतिवचन 2:18 (#7)

רְפָאִים

“मरे हुओं के बीच”

यहाँ, **मरे हुओं के बीच** उस स्थान को संदर्भित करता है जहाँ लोगों की आत्माएँ मरने के बाद जाती हैं, जिसे 1:12 में “अधोलोक” कहा गया था। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को स्पष्टता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह स्थान जहाँ मृत व्यक्तियों की आत्माएँ रहती हैं” या “मृतकों का स्थान”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 2:19 (#1)

בָּבָאֶיהָ

“जो उसके पास जाते हैं”

यहाँ, **पास जाते** का अर्थ किसी का किसी अन्य के साथ यौन संबंध स्थापित करने से है। यह किसी ऐसी बात को संदर्भित करने का विनम्र तरीका है जो कुछ संस्कृतियों में अपमानजनक या शर्मनाक होती है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इस कृत्य को संदर्भित करने के लिए एक अलग विनम्र तरीका अपना सकते हैं या आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो उसके साथ यौन संबंध रखते हैं” या “जो उसके साथ सोते हैं”

देखें: मंगल भाषण

नीतिवचन 2:19 (#2)

“लौटकर नहीं आता”

यहाँ, **लौटकर** का अर्थ हो सकता है: (1) वे लोग जो पुनः जीवित हो रहे हैं, जैसा कि पिछले पद में मृत्यु के संदर्भों से संकेत मिलता है। वैकल्पिक अनुवाद: “फिर से जीवित नहीं होंगे” (2) वे लोग जो एक खुशहाल या समृद्ध जीवन में लौट रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अच्छे से जीवन यापन के लिए वापस नहीं आएँगे”

देखें: रूपक

नीतिवचन 2:19 (#3)

“और न वे जीवन का मार्ग पाते हैं”

इसका अर्थ हो सकता है: (1) वे लोग जीवन में वापस नहीं आ सकेंगे, जैसा कि पिछले पद में मृत्यु के संदर्भ से संकेत मिलता है। वैकल्पिक अनुवाद: “और वे जीवितों की भूमि पर वापस नहीं लौटेंगे” (2) वे लोग फिर से एक अच्छा जीवन नहीं जी सकेंगे। वैकल्पिक अनुवाद: “और वे फिर कभी खुशहाल जीवन नहीं जी सकेंगे”

देखें: रूपक

नीतिवचन 2:20 (#1)

לְמַעַן

“इसलिए”

इसलिए यहाँ यह संकेत करता है कि जो आगे आता है वह 2:11–19 में बताए गए सत्य का परिणाम है। परिणाम को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीके का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: “क्योंकि यह सत्य है,”

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

नीतिवचन 2:20 (#2)

תֵּלֵךְ בְּדֶרֶךְ טוֹבִים וְאָרְחוֹת צַדִּיקִים תִּשְׁמֹר

“तू भले मनुष्यों के मार्ग में चल”

ये दोनों वाक्यांश समान अर्थ रखते हैं। लेखक वाक्यांशों द्वारा व्यक्त किए गए विचार पर जोर देने के लिए दोहराव का उपयोग कर रहे हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप वाक्यांशों को जोड़ सकते हैं और किसी अन्य तरीके से जोर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “तुम भले लोगों के मार्ग पर चलते हुए धर्मियों के मार्ग पर चलते रहना”

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 2:20 (#3)

תֵּלֵךְ בְּדֶרֶךְ טוֹבִים וְאָרְחוֹת צַדִּיקִים תִּשְׁמֹר

“धर्मियों के पथ को पकड़े रह”

सुलैमान भविष्य कथन का प्रयोग निर्देश या आदेश देने के लिए कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इन शब्दों का अनुवाद आदेश या निर्देश रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अच्छे लोगों के मार्ग पर चल और धार्मिक लोगों के पथ को थामें रख”

देखें: वक्तव्य — अन्य उपयोग

नीतिवचन 2:20 (#4)

תֵּלֵךְ בְּדֶרֶךְ & וְאָרְחוֹת

“तू... के मार्ग में चल” - “और... पथ को” - “पकड़े रह”

ये दोनों वाक्यांश **के मार्ग में चलें** और **के पथ को पकड़े रह** इस बात का संदर्भ देते हैं कि लोग कैसे व्यवहार करते हैं या अपना जीवन कैसे जीते हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को स्पष्टता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “तुमको इस प्रकार आचरण करना चाहिए ... और तुमको इस प्रकार से व्यवहार करना चाहिए”

देखें: रूपक

नीतिवचन 2:21 (#1)

כִּי

“क्योंकि”

यहाँ पर **क्योंकि** यह संकेत करता है कि 2:21–22 में जो आता है वह 2:11–20 में कही गई बात का निष्कर्ष है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। देखें कि आपने 1:32 में **क्योंकि** के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया था। वैकल्पिक अनुवाद: "अंत में,"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

नीतिवचन 2:21 (#2)

יְשָׁרִים יִשְׁכְּנוּ אָרֶץ וּתְמִימִים יִוָּתְרוּ בָהּ

"धर्मी लोग देश में बसे रहेंगे,"

ये दोनों वाक्यांश समान अर्थ रखते हैं। लेखक वाक्यांशों में व्यक्त विचार पर जोर देने के लिए पुनरावृत्ति का प्रयोग कर रहे हैं। यदि आपके पाठकों के लिए यह उपयोगी हो, तो आप वाक्यांशों को जोड़ सकते हैं और जोर को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "निष्कलंक और सच्चे लोग देश में निवास करेंगे"

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 2:21 (#3)

יִשְׁכְּנוּ אָרֶץ & יִוָּתְרוּ בָהּ

"देश में बसे रहेंगे,"

यहाँ, **देश** और **उसमें** निम्नलिखित को संदर्भित कर सकता है: (1) इस्राएल का **देश**, जिसे परमेश्वर ने यहूदियों को प्रदान किया था और जिस पर सुलैमान शासन कर रहे थे जब उन्होंने ये नीतिवचन लिखे थे। वैकल्पिक अनुवाद: "इस्राएल के देश में निवास करेंगे ... इस्राएल में रहेंगे" या "हमारे देश में निवास करेंगे ... हमारी भूमि में रहेंगे" (2) सामान्य रूप से पृथ्वी, इस मामले में यह जीवित रहने को संदर्भित करेगा। वैकल्पिक अनुवाद: "पृथ्वी पर निवास करेंगे ... पृथ्वी पर जीवित रहेंगे"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 2:21 (#4)

"और खरे लोग"

यहाँ, **खरे लोग** उन व्यक्तियों को संदर्भित करता है जो दुष्टता से कार्य नहीं करते और यहोवा उन्हें दोषी नहीं ठहराते हैं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और वे लोग जिन पर यहोवा ने दोष नहीं लगाया है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 2:22 (#1)

וּרְשָׁעִים

(लेकिन) "दुष्ट लोग"

मूल भाषा में **लेकिन** शब्द का उपयोग किया गया है लेकिन हिंदी अनुवाद में इसका उपयोग नहीं किया गया है। यहाँ **लेकिन** शब्द **दुष्ट** और **विश्वासघाती** लोगों और "धर्मी" और "खरे" लोगों के बीच एक स्पष्ट विरोधाभास को दर्शाता है, जिनका उल्लेख पिछले पद में किया गया था। देखें कि आपने इसी प्रकार के स्पष्ट विरोधाभास का अनुवाद 1:33 में कैसे किया था।

देखें: जोड़ें — विरोधाभास सम्बन्ध

नीतिवचन 2:22 (#2)

יִכָּרֵתוּ & יִסָּחוּ

"नाश होंगे" - "उखाड़े जाएँगे"

यदि आपकी भाषा इन निष्क्रिय रूपों का उपयोग नहीं करती है, तो आप विचारों को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। संदर्भ से यह संकेत मिलता है कि यहोवा यह कार्य करेंगे। वैकल्पिक अनुवाद: "यहोवा काट देंगे ... यहोवा हटा देंगे"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 2:22 (#3)

יִכָּרֵתוּ & יִסָּחוּ

"नाश होंगे" - "उखाड़े जाएँगे"

सुलैमान यहोवा के बारे में ऐसे कह रहे हैं कि वह लोगों को उस **देश** से इस प्रकार हटा रहे हैं, जैसे कोई व्यक्ति पेड़ से एक शाखा काट देता है, या जैसे वह उन लोगों को खींच रहे हों, मानो जैसे कोई व्यक्ति किसी को किसी वस्तु से हिंसक तरीके से खींचता है। सुलैमान यह नहीं बताते कि इन लोगों को मार कर हटाया जाता है या उन्हें **देश** छोड़ने के लिए मजबूर किया जाता है, इसलिए इन वाक्यांशों के लिए सामान्य अभिव्यक्तियों का उपयोग करना सबसे अच्छा है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हटा दिया जाएगा ... ले जाया जाएगा"

देखें: रूपक

नीतिवचन 2:22 (#4)

מֵאָרֶץ & מִמֶּנָּה

"देश में से,"

देखें कि आपने पिछले पद में **देश** और **उसमें** का अनुवाद कैसे किया था।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 3:1 (#1)

"मेरे पुत्र"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का उपयोग 1:8 के अनुवाद में किस प्रकार किया है।

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 3:1 (#2)

תּוֹרָתִי אַל־תִּשְׁכָּחַ וּמִצְוֹתַי יִצֹּר לִבֶּךָ

"मेरी शिक्षा को न भूलना,"

इन दोनों वाक्यांश का मूल रूप से एक ही अर्थ है। दूसरा वाक्यांश पहले वाक्यांश के अर्थ को अलग शब्दों में दोहराकर जोर देता है। यदि आपके पाठकों के लिए यह उपयोगी होगा, तो आप इन वाक्यांशों को **और** के अलावा किसी अन्य शब्द से जोड़ सकते हैं, ताकि यह दिखाया जा सके कि दूसरा वाक्यांश पहले को दोहरा रहा है और कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरी व्यवस्था को मत भूलना, हाँ, तुम्हारे हृदय में मेरी आज्ञा संरक्षित रहें।"

देखें: समानांतरता

नीतिवाचन 3:1 (#3)

אַל־תִּשְׁכָּֽח

“न भूलना”

सुलैमान यहाँ एक अलंकार का उपयोग कर रहे हैं, जिसमें एक नकारात्मक शब्द, **न** का उपयोग करके एक अत्यधिक सकारात्मक अर्थ व्यक्त किया जाता है, जो कि इच्छित अर्थ के विपरीत है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप आई.आर.वी. की तरह अर्थ को सकारात्मक रूप में व्यक्त कर सकते हैं।

देखें: कटाक्षपूर्ण उक्ति (लाइटोटीज़)

नीतिवाचन 3:1 (#4)

תּוֹרָתִ֑י

“मेरे शिक्षा”

यहाँ, **शिक्षा** शब्द रूप में एकवचन है, लेकिन यह कई शिक्षाओं को एक समूह के रूप में संदर्भित करता है। देखें कि आपने 1:8 में **शिक्षा** के इस उपयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: समूहवाचक संज्ञाएँ

नीतिवाचन 3:1 (#5)

“मेरी आज्ञाओं “

देखें कि आपने **आज्ञाओं** जैसी भाववाचक संज्ञा का 2:1 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवाचन 3:1 (#6)

“अपने हृदय में मेरी आज्ञाओं को रखे रहना”

देखें कि आपने 2:2 में **हृदय** शब्द का वही प्रयोग कैसे अनुवादीत किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवाचन 3:1 (#7)

יִצֹּ֥ר לִבֶּֽךָ

“अपने हृदय में मेरी आज्ञाओं को रखे रहना”

यहाँ सुलैमान एक व्यक्ति के **हृदय** के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे वह कोई व्यक्ति हो जो किसी वस्तु को **सुरक्षित** रख सकता है और वह **शिक्षा** के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे वे वस्तुएँ हो, जिन्हें सुरक्षित रखा जा सकता हो। उनका अभिप्राय है कि वह चाहते हैं कि उनका पुत्र इन **शिक्षाओं** को याद रखे ताकि उनका पालन कर सके। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्टता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “पालन करने के लिए याद रखें”

देखें: मानवीकरण

नीतिवाचन 3:2 (#1)

כִּֽי־

“क्योंकि”

क्योंकि यहाँ यह संकेत करता है कि जो आगे आता है वह पिछले पद में दिए गए आदेशों का कारण है। अपनी भाषा में एक संयोजक का उपयोग करें जो यह स्पष्ट करता है कि जो आगे आता है वह पहले आए हुए का कारण है। वैकल्पिक अनुवाद: “मेरे आज्ञाओं को याद रखना क्योंकि”

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

नीतिवाचन 3:2 (#2)

אֹ֤רֶךְ יָ֙מִים֙ וּשְׁנוֹת־חַיִּ֣ים וְשָׁלוֹם֔ יוֹסִ֥יפוּ לָֽךְ׃

“ऐसा करने से तेरी आयु बढ़ेगी, और तू अधिक कुशल से रहेगा”

मूल भाषा में “दिनों की लम्बाई व शांति और जीवन के वर्ष बढ़ेंगे” वाक्य का उपयोग हुआ है जो आयु को संदर्भित है, जबकि हिंदी अनुवाद में ऐसा नहीं होता है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इन वाक्यांशों के क्रम को बदल सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वे तुम्हारे दिनों को अधिक और जीवन के वर्षों और शांति को बढ़ाएँगे।”

देखें: सूचना संरचना

नीतिवाचन 3:2 (#3)

אֹ֤רֶךְ יָ֙מִים֙

“तेरी आयु बढ़ेगी”

यहाँ, **तेरी आयु बढ़ेगी** एक मुहावरा है जिसका अर्थ है “लम्बी उम्र।” यदि इस वाक्यांश का आपकी भाषा में यह अर्थ नहीं है, तो आप अपनी भाषा से ऐसा कोई मुहावरा उपयोग कर सकते है जिसका यही अर्थ हो या अर्थ को सीधे रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “दीर्घायु”

देखें: मुहावरा

नीतिवाचन 3:2 (#4)

וּשְׁנוֹת־חַיִּ֣ים

“तेरी आयु बढ़ेगी”

यहाँ, **तेरी आयु बढ़ेगी** एक मुहावरा है जिसका अर्थ है “एक लंबा और संतोषजनक जीवन।” यदि इस वाक्यांश का आपकी भाषा में यह अर्थ नहीं है, तो आप अपनी भाषा से ऐसा कोई मुहावरा उपयोग कर सकते हैं जिसका यह अर्थ हो या अर्थ को सीधे रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक संतोषजनक जीवन” या “ संतोषजनक जीवन के वर्ष”

देखें: मुहावरा

नीतिवाचन 3:2 (#5)

וְשָׁלוֹם֔

“अधिक कुशल से”

मूल भाषा मे यहाँ शांति शब्द का प्रयोग किया गया हैं जिसे हिन्दी मे कुशल अनुवादित किया गया हैं ।

यदि आपकी भाषा में **शांति** के विचार के लिए एक भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं होता है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और एक शांतिपूर्ण जीवन"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवाचन 3:2 (#6)

יוֹסִ֣יפוּ

"ऐसा करने से तेरी आयु बढ़ेगी"

यहाँ, सर्वनाम **ऐसा** पिछले पद में उल्लेखित नियम और आदेशों को संदर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे नियम और आज्ञाएँ बढ़ेंगी"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

नीतिवाचन 3:2 (#7)

יוֹסִ֣יפוּ לָ֑ךְ

"तेरी आयु बढ़ेगी"

मूल भाषा में "आयु" शब्द का उपयोग नहीं हुआ है, जबकि हिंदी अनुवाद में इसका उपयोग किया है है जो **बढ़ने** को संदर्भित है। यहाँ सुलैमान अपनी आज्ञाओं के बारे में इस तरह बात करते हैं जैसे वे किसी व्यक्ति की **आयु बढ़ा** सकती हैं। उनका मतलब है कि उनकी आज्ञाओं का पालन करने से व्यक्ति दीर्घायु हो सकता है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनका पालन करने से आपकी वृद्धि होगी" या "उनका पालन करके आप अपनी वृद्धि करेंगे"

देखें: रूपक

नीतिवाचन 3:3 (#1)

חֶ֤סֶד וֶֽאֱמֶ֙ת אַל־יַעַ֣זְבֶ֔ךָ קְשָׁרֵ֖ם עַל־גַּרְגְּרוֹתֶ֑ךָ כְּתָבֵ֖ם עַל־לַ֥וּחַ לִבֶּֽךָ

"कृपा और सच्चाई तुझ से अलग न होने पाएँ,"

मूल भाषा में "वाचा की विश्वासयोग्यता और सत्यता" वाक्य का उपयोग हुआ है, जो कृपा और सच्चाई को संदर्भित करता है, जबकि हिंदी अनुवाद में ऐसा नहीं हुआ है। ये तीनों वाक्यांश का मूल रूप से एक ही अर्थ है। दूसरा और तीसरा वाक्यांश पहले विचार के अर्थ को अलग-अलग शब्दों में दोहराकर उस पर जोर देता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप एक ऐसे शब्द का उपयोग कर सकते हैं जो इन तीनों वाक्यांशों के बीच संबंध दिखाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: "वाचा की विश्वासयोग्यता और सत्यता को अपने से दूर न जाने दें, हाँ, उन्हें अपने गले पर बांध लें, निश्चय, उन्हें अपने हृदय की पटियाँ पर लिख लें"

देखें: समानांतरता

नीतिवाचन 3:3 (#2)

חֶ֤סֶד וֶֽאֱמֶ֙ת אַל־יַעַ֣זְבֶ֔ךָ

"कृपा और सच्चाई तुझ से अलग न होने पाएँ"

मूल भाषा में "वाचा की विश्वासयोग्यता और सत्यता" वाक्य का उपयोग हुआ है, जो कृपा और सच्चाई को संदर्भित करता है, जबकि हिंदी अनुवाद में इसका उपयोग नहीं हुआ है। यहाँ सुलैमान **कृपा और सच्चाई** की बात करते हैं, जैसे कि वे लोग हो जो किसी से **अलग** हो सकते हैं। उनका आशय है कि किसी व्यक्ति को कृपालु और सच्चा बने रहना चाहिए। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्टता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कृपालु और सच्चे बने रहना मत छोड़ना"

देखें: मानवीकरण

नीतिवाचन 3:3 (#3)

"कृपा और सच्चाई तुझ से अलग न होने पाएँ"

सुलैमान यहाँ एक अलंकार का उपयोग कर रहे हैं, जिसमें एक नकारात्मक शब्द, **न** का उपयोग करके अत्यधिक सकारात्मक अर्थ व्यक्त किया गया है, जो कि इच्छित अर्थ के विपरीत है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को सकारात्मक रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कृपा और सच्चाई बनाए रखें"

देखें: कटाक्षपूर्ण उक्ति (लाइटोटीज़)

नीतिवाचन 3:3 (#4)

חֶ֤סֶד וֶֽאֱמֶ֙ת

"कृपा और सच्चाई"

मूल भाषा में "वाचा की विश्वासयोग्यता और सत्यता" वाक्य का उपयोग हुआ है, जो कृपा और सच्चाई को संदर्भित करता है, जबकि हिंदी अनुवाद में ऐसा नहीं हुआ है। यदि आपकी भाषा **कृपा** और **सच्चाई** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं करती है, तो आप इन्हीं विचारों को अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "विश्वसनीय और भरोसेमंद होना"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवाचन 3:3 (#5)

קְשָׁרֵ֖ם עַל־גַּרְגְּרוֹתֶ֑ךָ

"वरन् उनको अपने गले का हार बना"

यहाँ सुलैमान **कृपा और सच्चाई** की बात करते हैं जैसे कि वे वस्तुएँ हो जिन्हें कोई व्यक्ति **गले** में हार की तरह **बांध** सकता है। उनका अर्थ है कि ये मूल्यवान गुण हैं जिन्हें लोगों को अपने व्यावहारिक रूप से प्रदर्शित करना चाहिए। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्हें अपने व्यवहार से बाहरी रूप से दिखाएँ" या "उन्हें ऐसे प्रदर्शित करें जैसे कोई हार पहनता हो।"

देखें: रूपक

नीतिवाचन 3:3 (#6)

"अपनी हृदयरूपी पटिया पर लिखना"

देखें कि आपने 2:2 में **हृदय** के उसी प्रयोग का अनुवादित कैसे किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवाचन 3:3 (#7)

כְּתָבֵ֖ם עַל־לַ֥וּחַ לִבֶּֽךָ

“अपनी हृदयरूपी पटिया पर लिखना”

यहाँ सुलैमान **हृदय** के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे यह एक **पटिया** हो जिस पर कोई **कृपा और सच्चाई लिखवा** सकता हो। उनका मतलब है कि लोगों को हमेशा **कृपा और सच्चाई** के साथ व्यवहार करना चाहिए। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “इन बातों को अपने मन में रखें” या “हमेशा उन्हें याद रखें, जैसे आपने उन्हें स्थायी रूप से एक पटिया पर लिख दिया हो”

देखें: रूपक

नीतिवाचन 3:4 (#1)

וּמְצָא־חֵן

“तब ... अनुग्रह पाएगा”

यहाँ शब्द **तब** पिछले पद में दिए गए आदेशों का पालन करने के परिणाम को प्रस्तुत करता है। परिणामों को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीके का उपयोग करें। आपको एक नया वाक्य शुरू करने की आवश्यकता हो सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: “यदि आप ये काम करते हैं, तो आपको अनुग्रह प्राप्त होगा” या “इसका परिणाम यह होगा कि आपको अनुग्रह मिलेगा”

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

नीतिवाचन 3:4 (#2)

וּמְצָא־חֵן וְשֵׂכֶל־טוֹב

“अनुग्रह पाएगा, तू अति प्रतिष्ठित होगा”

यहाँ सुलैमान **अनुग्रह और प्रतिष्ठा** के बारे में बात करते हैं जैसे वे वस्तुएँ हो जिन्हें कोई व्यक्ति प्राप्त कर सकता है। उनका अर्थ है कि **परमेश्वर और लोग** उस व्यक्ति पर **अनुग्रह** और **उसकी प्रतिष्ठा** करेंगे जो पिछले पद में सुलैमान की शक्षाओं का पालन करता है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्टता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और आप अनुग्रह और गौरव का अनुभव करेंगे”

देखें: रूपक

नीतिवाचन 3:4 (#3)

בְּעֵינֵי

“परमेश्वर और मनुष्य दोनों का अनुग्रह पाएगा”

मूल भाषा में यहाँ ‘की दृष्टि में’ का प्रयोग किया गया हैं जिसे हिन्दी अनुवाद मे नहीं लिया गया है।

“यहाँ , **दृष्टि** देखने का संदर्भ देती है और देखना ज्ञान, पहचान, ध्यान या निर्णय के लिए एक रूपक है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को स्पष्टता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “के निर्णय में”

देखें: रूपक

नीतिवाचन 3:4 (#4)

וְאָדָם

“और मनुष्य”

सुलैमान समान्य रूप से लोगों के बारे में बात कर रहे हैं, किसी विशेष **मनुष्य** के बारे में नहीं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो एक अधिक स्वाभाविक वाक्यांश का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: “और अन्य लोग”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवाचन 3:5 (#1)

“मन से”

देखें कि आपने **मन** का 2:2 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवाचन 3:5 (#2)

וְאֶל־בִּינָתְךָ אַל־תִּשָּׁעֵן

“अपनी समझ का सहारा न लेना”

यहाँ सुलैमान अपनी **समझ** पर निर्भर रहने की बात करते हैं, जैसे कि **समझ** एक वस्तु हो जिस का कोई व्यक्ति **सहारा** ले सकता है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अपनी समझ पर निर्भर न रहें”

देखें: रूपक

नीतिवाचन 3:5 (#3)

“आपकी समझ”

देखें कि आपने 1:2 में भाववाचक संज्ञा **समझ** का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 3:6 (#1)

בְּכָל־דְּרָכֶיךָ & אֹרְחֹתֶיךָ

“सब काम करना” - “तेरे लिये सीधा मार्ग”

यहाँ सुलैमान किसी व्यक्ति के कार्यों के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे वे **मार्ग** या **पथ** हों जिन पर वह व्यक्ति चलता है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्टता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “आप जो कुछ भी करते हैं ... आप कैसा जीवन जीते हैं”

देखें: रूपक

नीतिवाचन 3:6 (#2)

וְ֝הוּא יְיַשֵּׁר

“तब वह तेरे लिये सीधा मार्ग निकालेगा”

मूल भाषा में यहाँ “और” शब्द का उपयोग किया गया है, जबकि हिंदी अनुवाद में **तब** का उपयोग किय्या गया है। यहाँ इस पद की शुरुआत में और पिछले पद में दिए गए आदेशों का पालन करने का परिणाम प्रस्तुत किया गया है। परिणामों को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। आपको एक नया वाक्य शुरू करने की आवश्यकता हो सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: “यदि आप ये काम करते हैं, तो वह स्वयं मार्गदर्शन करेंगे” या “इसका परिणाम यह होगा कि वह स्वयं मार्गदर्शन करेंगे।”

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

नीतिवाचन 3:6 (#3)

וְ֑הוּא יְיַשֵּׁ֖ר

“तब वह तेरे लिये सीधा मार्ग निकालेगा”

जोर देने के लिए, सुलैमान **वह** सर्वनाम का उल्लेख कर रहे हैं, जिसका अर्थ पहले से ही **उसी** के रूप में व्यक्त किया गया है। यदि आपकी भाषा में जोर देने के लिए निहित सर्वनामों को स्पष्ट रूप से व्यक्त किया जा सकता है, तो आप अपने अनुवाद में उस संरचना का उपयोग करना चाह सकते है। अन्य भाषाओं में इस जोर को व्यक्त करने के अन्य तरीके हो सकते है। आई.आर.वी. ऐसा गहन सर्वनाम **वह** का उपयोग करता है। वैकल्पिक अनुवाद: “वह वास्तव में सीधा करेंगे”

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

नीतिवाचन 3:6 (#4)

וְ֑הוּא יְיַשֵּׁ֖ר אָרְחֹתֶֽיךָ

“तब वह तेरे लिये सीधा मार्ग निकालेगा”

यहाँ सुलैमान यहोवा के बारे में बात करते हैं कि वह लोगों को दिखाते हैं कि उन्हें क्या करना चाहिए, जैसे कि यहोवा बाधाओं को हटा रहे हो और उन **मार्गों** को समतल कर रहे हो जिन पर लोग चलते हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को स्पष्टता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और वह स्वयं आपको स्पष्ट करेंगे कि आपको क्या करना चाहिए” या “और वह स्वयं आपके कार्यों का मार्गदर्शन करेंगे”

देखें: रूपक

नीतिवाचन 3:7 (#1)

בְּעֵינֶֽיךָ

“अपनी दृष्टि में”

यहाँ सुलैमान किसी व्यक्ति की राय के बारे में बात करते हैं जैसे कि वह व्यक्ति अपनी **दृष्टि** से कुछ देख रहा हो। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्टता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “आपकी अपनी राय में”

देखें: रूपक

नीतिवाचन 3:7 (#2)

יְרָ֣א אֶת־יְהוָ֗ה וְס֥וּר מֵרָֽע

“यहोवा का भय मानना, और बुराई से अलग रहना”

यह खण्ड पिछले खण्ड से एक मजबूत विरोधाभास प्रस्तुत करता है। जबकि पिछले खण्ड में बताया गया था कि व्यक्ति को क्या नहीं करना चाहिए, यह खण्ड बताता है कि व्यक्ति को इसके बजाय क्या करना चाहिए। विरोधाभास को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। आपको एक नया वाक्य शुरू करने की आवश्यकता हो सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: “बल्कि, यहोवा का भय मान और दुष्टता से दूर रह।”

देखें: जोड़ें — विरोधाभास सम्बन्ध

नीतिवाचन 3:7 (#3)

וְס֥וּר מֵרָֽע

“और बुराई से अलग रहना”

यहाँ सुलैमान **बुरे** कार्यों को करने से इनकार करने की बात करते हैं, जैसे कोई व्यक्ति **बुराई से** दूर हो रहा हो। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और दुष्टता न करें”

देखें: रूपक

नीतिवाचन 3:7 (#4)

“बुराई से”

देखें कि आपने 1:16 में भाववाचक संज्ञा **बुराई** का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवाचन 3:8 (#1)

רִ֥פְאוּת תְּהִ֖י לְשָׁרֶ֑ךָ וְ֝שִׁקּוּי֗ לְעַצְמוֹתֶֽיךָ

“ऐसा करने से तेरा शरीर भला चंगा”

ये दोनों खण्ड मूल रूप से एक ही अर्थ व्यक्त करते हैं। दूसरा खण्ड पहले के विचार को अलग-अलग शब्दों में दोहराकर उसके अर्थ पर जोर देता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप **और** के अलावा किसी अन्य शब्द के साथ वाक्यांशों को जोड़ सकते हैं, यह दिखाने के लिए कि दूसरा वाक्यांश पहले को दोहरा रहा है और कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: “यह आपके शरीर के लिए उपचारकारी होगा, हाँ, आपकी हड्डियों के लिए ताज़गीदायक होगा।”

देखें: समानांतरता

नीतिवाचन 3:8 (#2)

תְּהִ֥י

“ऐसा करने से”

सर्वनाम **ऐसा** पिछले पद में सुलैमान द्वारा दिए गए आदेशों का पालन करने का संदर्भ देता है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “इन आदेशों का पालन करना होगा”

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

नीतिवाचन 3:8 (#3)

לְשָׁרֶ֑ךָ & לְעַצְמוֹתֶֽיךָ

“तेरा शरीर”

सुलैमान एक व्यक्ति के शरीर के विभिन्न अंग जैसे **हड्डियों** का उपयोग पूरे शरीर का प्रतिनिधित्व करने के लिए कर रहे है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “आपके शरीर के लिए ... आपके पूरे शरीर के लिए”

देखें: उपलक्षण

नीतिवाचन 3:8 (#4)

וְ֑שִׁקּוּי לְ֝עַצְמוֹתֶֽיךָ

“और तेरी हड्डियाँ पुष्ट रहेंगी”

सुलैमान कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्यांश को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि यह आपकी भाषा में स्पष्ट होगा, तो आप इन शब्दों को पिछले वाक्यांश से जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और यह आपकी हड्डियों के लिए ताज़गीदायक होगा।”

देखें: पदलोप

नीतिवाचन 3:8 (#5)

וְ֑שִׁקּוּי לְ֝עַצְמוֹתֶֽיךָ

“और तेरी हड्डियाँ पुष्ट रहेंगी”

यदि आपकी भाषा में **पुष्ट** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और आपकी हड्डियों को नई ऊर्जा प्राप्त होगी”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवाचन 3:9 (#1)

מֵהוֹנֶךָ֙ וּ֝מֵרֵאשִׁ֗ית כָּל־תְּבוּאָתֶֽךָ

“अपनी सम्पत्ति के द्वारा”

सुलेमान कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप संदर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अपने धन से देने और अपनी सारी उपज के पहले हिस्से से देने के द्वारा”

देखें: पदलोप

नीतिवाचन 3:9 (#2)

וּ֝מֵרֵאשִׁ֗ית

“सारी पहली उपज”

यहाँ, **पहली** का अर्थ है **पहली** फसलें जो कटाई के समय काटी गई थी। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और उन पहली फसलों में से जो काटी गईं”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 3:10 (#1)

וְיִמָּלְאוּ אֲסָמֶ֥יךָ שָׂ֑בָע

“इस प्रकार तेरे खत्ते भरे और पूरे रहेंगे”

मूल भाषा में यहाँ “और” शब्द का उपयोग किया गया है, जबकि हिंदी अनुवाद में नहीं किया गया है। यहाँ **और** पिछले पद में दिए गए आदेश का पालन करने के परिणाम का परिचय देता है। परिणाम को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। आपको एक नया वाक्य शुरू करने की आवश्यकता हो सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: “यदि आप इन बातों का पालन करते हैं, तो आपके भण्डार बहुतायत से भरे जाएँगे” या “इसके परिणामस्वरूप आपके भण्डार बहुतायत से भर जाएँगे”

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

नीतिवाचन 3:10 (#2)

וְיִמָּלְאוּ אֲסָמֶ֥יךָ שָׂ֑בָע

“इस प्रकार तेरे खत्ते भरे और पूरे रहेंगे”

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और आपके भण्डार घर बहुतायत से भर जाएँगे” या “और यहोवा आपके भण्डार घरों को बहुतायत से भर देंगे”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवाचन 3:10 (#3)

אֲסָמֶ֥יךָ

“तेरे खत्ते”

शब्द **खत्ते** उन इमारतों या कमरों को संदर्भित करता है जहाँ किसान अपनी फसल काटने के बाद उन्हें इकट्ठा करते हैं। यदि आपके पाठक इस प्रकार के भण्डार ग्रहों से परिचित नहीं हैं, तो आप अपने क्षेत्र में किसी समान नाम का उपयोग कर सकते हैं या आप एक अधिक सामान्य शब्द का उपयोग कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “आपकी कटी हुई फसलों को संग्रहीत करने का स्थान”

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

नीतिवाचन 3:10 (#4)

שָׂ֑בָע

“भरे और पूरे”

यहाँ, **भरे और पूरे** का अर्थ है फसल की प्रचुर मात्रा। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “काटी गई फसल की प्रचुर मात्रा”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवाचन 3:10 (#5)

וְ֑תִירוֹשׁ יִקְקֶבֶיךָ יִפְרָצוּ

“और तेरे रसकुण्डों से नया दाखमधु उमड़ता रहेगा”

शब्द **रसकुण्डों** उन बड़े पात्रों को संदर्भित करता है जिनमें अंगूर के रस को, जिसे **नया दाखमधु** कहा जाता है, **दाखमधु** में परिवर्तित किया जाता था। यदि **नया दाखमधु** की बहुत बड़ी मात्रा **रसकुण्डों** में डाली जाती, तो यह बाहर निकलकर **रसकुण्डों** के शीर्ष पर फैल सकती है। यदि आपके पाठक **दाखमधु** या इसे बनाने के तरीके से परिचित नहीं हैं, तो आप अपने क्षेत्र में समान नाम का उल्लेख कर सकते हैं या आप एक अधिक सामान्य शब्द का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और आपके भण्डार पात्र इतने अत्यधिक भरे जाएँगे कि वे टूट जाएँगे।”

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

नीतिवाचन 3:11 (#1)

מוּסַר & בְּתוֹכַחְתּוֹ

“यहोवा की शिक्षा से” - “वह तुझे डाँटे”

यदि आपकी भाषा में **शिक्षा** और **डाँटे** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप इन्हीं विचारों को अन्य तरीकों से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उनके द्वारा सुधारा जाना ... उनके द्वारा फटकारा जाना”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवाचन 3:11 (#2)

“मेरे पुत्र”

देखें कि आपने इसी वाक्यांश के उपयोग का 1:8 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 3:12 (#1)

כִּי

“जैसे”

जैसे, यहाँ पिछले पद में दिए गए आदेशों का पालन करने का कारण प्रस्तुत करता है। कारणों को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। आपको एक नया वाक्य शुरू करने की आवश्यकता हो सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: “इन कामों को मत कर, क्योंकि”

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

नीतिवाचन 3:12 (#2)

וּכְאָב אֶת־בֵּן יִרְצֶה

“वैसे ही यहोवा जिससे प्रेम रखता है”

सुलैमान कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्यांश को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि यह आपकी भाषा में स्पष्ट होगा, तो आप इन शब्दों की पूर्ति पिछले वाक्यांश से कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और एक पिता की तरह, वह उस पुत्र को डांटते हैं जिससे वह प्रसन्न होते हैं।”

देखें: पदलोप

नीतिवाचन 3:12 (#3)

אֶת־בֵּן יִרְצֶה

“पुत्र ... जिससे प्रेम रखता”

वाक्यांश **जिससे प्रेम रखता** पिता के अपने **पुत्र** के प्रति स्नेह को संदर्भित करता है। इसका अर्थ यह नहीं है कि पिता अपने पुत्र के व्यवहार को स्वीकार करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक पुत्र जिसमें वह आनंदित होते हैं”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवाचन 3:12 (#4)

“पुत्र”

देखें कि आपने 1:8 में **पुत्र** के इसी उपयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 3:13 (#1)

וְאָדָם יָפִיק תְּבוּנָה

“क्या ही धन्य है वह मनुष्य जो बुद्धि पाए”

सुलैमान कुछ ऐसे शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा तो आप इन शब्दों की पूर्ति पिछले वाक्य से कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह व्यक्ति धन्य है जो बुद्धि प्राप्त करता है और वह व्यक्ति धन्य है जो समझ प्राप्त करता है।”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 3:13 (#2)

אַשְׁרֵי אָדָם מָצָא חָכְמָה וְאָדָם יָפִיק תְּבוּנָה

“क्या ही धन्य है वह मनुष्य जो बुद्धि पाए”

ये दोनों उपवाक्य मूल रूप से एक ही अर्थ को व्यक्त करते हैं। दूसरा उपवाक्य पहले के अर्थ को अलग शब्दों में जोर देकर दोहराता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप उपवाक्यों को **और** के अलावा किसी ऐसे शब्द से जोड़ सकते हैं जो दिखाता है कि दूसरा उपवाक्य पहले को दोहरा रहा है, कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: “धन्य है वह व्यक्ति जो बुद्धि प्राप्त करता है, हाँ, धन्य है वह व्यक्ति जो समझ प्राप्त करता है।”

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 3:13 (#3)

אָדָם & וְאָדָם

“है वह मनुष्य” - “और वह मनुष्य”

इस पद में, **वह मनुष्य** सामान्य रूप से एक व्यक्ति का प्रतिनिधित्व करता है, न कि किसी विशेष **मनुष्य** का। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक व्यक्ति है ... और एक व्यक्ति”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 3:13 (#4)

מָצָא חָכְמָה

“जो समझ प्राप्त करे”

यहाँ सुलैमान **समझ** प्राप्त करने की बात करते हैं जैसे कि यह एक वस्तु हो जिसे कोई व्यक्ति **प्राप्त** करता है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्टता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो बुद्धि प्राप्त करता है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 3:13 (#5)

“बुद्धि”

देखें कि आपने **बुद्धि** और **समझ** जैसी भाववाचक संज्ञाओं का 1:2 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 3:14 (#1)

כִּֽי

“(क्योंकि) जो उपलब्धि बुद्धि से प्राप्त होती है”

मूल भाषा में यहाँ **क्योंकि** का प्रयोग किया गया है परन्तु हिन्दी अनुवाद मे इसका प्रयोग नहीं किया गया है।

क्योंकि यहाँ यह संकेत करता है कि जो आगे कहा गया है, वह पिछले पद में कही गई बात का कारण है। अपनी भाषा में कारण बताने का सबसे स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: “यह इस तथ्य के कारण है कि”

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

नीतिवचन 3:14 (#2)

וּמֵחָרוּץ תְּבוּאָתָֽהּ

“और उसका लाभ शुद्ध सोने के लाभ से भी उत्तम है”

सुलैमान कुछ ऐसे शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते है। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप इन शब्दों की पूर्ति पिछले वाक्य से कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और इसका लाभ सोने के लाभ से बेहतर है”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 3:14 (#3)

טוֹב סַחְרָהּ מִסְּחַר־כֶּסֶף וּמֵחָרוּץ תְּבוּאָתָֽהּ

“वह चाँदी की प्राप्ति से बड़ी,”

ये दोनों उपवाक्य मूल रूप से एक ही अर्थ व्यक्त करते हैं। दूसरा उपवाक्य पहले के अर्थ को अलग शब्दों के साथ जोर देकर दोहराता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप उपवाक्यों को **और** के अलावा किसी अन्य शब्द के साथ जोड़ सकते हैं जो दिखाता है कि दूसरा उपवाक्य पहले को दोहरा रहा है, कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: “चाँदी के लाभ से इसका लाभ श्रेष्ठ है, हाँ, सोने के लाभ से इसका लाभ श्रेष्ठ है।”

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 3:14 (#4)

סַחְרָהּ & תְּבוּאָתָֽהּ

“प्राप्ति से बड़ी” - “उसका लाभ”

इस पद में, शब्द **उसका** बुद्धि का संदर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “बुद्धि की प्राप्ति ... बुद्धि की उपज”

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

नीतिवचन 3:14 (#5)

סַחְרָהּ מִסְּחַר־כֶּסֶף

“वह चाँदी की प्राप्ति से बड़ी”

हालांकि शब्द **प्राप्ति** आमतौर पर रुपये-पैसे को संदर्भित करता है जो कोई कमाता है, यहाँ सुलैमान इसे सामान्य रूप में एक प्राप्ति के रूप में संदर्भित करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “क्या इसकी प्राप्ति चाँदी के प्राप्ति से अधिक है?”

देखें: रूपक

नीतिवचन 3:14 (#6)

מִסְּחַר־כֶּסֶף

“वह चाँदी की प्राप्ति से बड़ी”

यहाँ सुलैमान स्वामित्व रूप का उपयोग करके उस वित्तीय **प्राप्ति** का वर्णन कर रहे हैं जो चाँदी बेचने या निवेश करने से प्राप्त होती है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह लाभ जो चाँदी बेचने से प्राप्त हो सकता है”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 3:14 (#7)

וּמֵחָרוּץ תְּבוּאָתָֽהּ

“और उसका लाभ (उत्पादन) शुद्ध सोने”

मूल भाषा में यहाँ **उत्पादन** शब्द का प्रयोग किया गया है, जबकि हिन्दी अनुवाद में **लाभ** शब्द का उपयोग किया गया हैं। हालांकि शब्द **उत्पादन** आमतौर पर काटी गई फसलों को संदर्भित करता है, सुलैमान इसका उपयोग यहाँ सामान्य रूप से लाभ को संदर्भित करने के लिए करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को स्पष्टता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और फिर सोना, इसका लाभ”

देखें: रूपक

नीतिवचन 3:15 (#1)

הִיא & בָּהּ

“वह” - “उसके तुल्य “

3:15–18 में, सुलैमान ज्ञान के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे वह एक महिला हो। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। इस अध्याय के लिए सामान्य टिप्पणी में इस पर चर्चा देखें। वैकल्पिक अनुवाद: “यह ... इसके साथ”

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 3:15 (#2)

יְקָרָה & מִפְּנִינִים

“बहुमूल्य रत्नों से अधिक मूल्यवान है”

जिस शब्द का अनुवाद **रत्नों** किया गया है, वह कीमती पत्थरों को भी संदर्भित कर सकता है जिन्हें “माणिक” कहा जाता है। दोनों ही शब्द अत्यधिक मूल्यवान वस्तु को संदर्भित करते हैं। यदि आपके पाठक **रत्नों**

या माणिक से परिचित नहीं हैं, तो आप अपने क्षेत्र में कुछ समान वस्तु के नाम का उपयोग कर सकते हैं या आप एक अधिक सामान्य शब्द का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कीमती पत्थरों से भी अधिक मूल्यवान है" या "किसी अत्यंत मूल्यवान वस्तु से भी अधिक मूल्यवान है"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

नीतिवचन 3:16 (#1)

"दीर्घायु"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 3:2 में कैसे किया।

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 3:16 (#2)

בְּיִמִינָהּ בִּשְׂמֹאולָהּ

"उसके दाहिने हाथ में"

इस पद में, **उसके** का संदर्भ बुद्धि से है जैसे कि वह एक महिला हो। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बुद्धि के दाहिने हाथ में दीर्घायु है और बुद्धि के बाएँ हाथ में समृद्धि है।"

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 3:16 (#3)

בְּיִמִינָהּ בִּשְׂמֹאולָהּ עֹשֶׁר

"उसके दाहिने हाथ में"

यहाँ सुलैमान बुद्धिमान लोगों के **दीर्घायु**, **धन** और **महिमा** प्राप्त करने की बात करते हैं, जैसे कि ये बुद्धि के दाएँ और बाएँ हाथ से प्राप्त वस्तुएँ हों। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्टता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह उन लोगों को प्राप्त होता है जिनके पास बुद्धि है; जिनके पास बुद्धि होती है वे धन प्राप्त करते हैं"

देखें: रूपक

नीतिवचन 3:16 (#4)

וְכָבוֹד

"और महिमा"

यदि आपकी भाषा में **महिमा** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और सम्मान प्राप्त करना"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 3:17 (#1)

דְּרָכֶיהָ & נְתִיבוֹתֶיהָ

"उसके मार्ग" - "उसके सब मार्ग"

उसके और **उसके** यहाँ बुद्धि को एक महिला के रूप में संदर्भित करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो सकता है, तो आप अर्थ को स्पष्टता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बुद्धि के मार्ग ... बुद्धि के सुदृढ़ रास्ते"

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 3:17 (#2)

דְּרָכֶיהָ דַרְכֵי־נֹעַם וְכָל־נְתִיבוֹתֶיהָ שָׁלוֹם

"उसके मार्ग आनन्ददायक हैं"

ये दोनों वाक्यांश समान अर्थ रखते हैं। सुलैमान वाक्यांशों द्वारा व्यक्त विचार को जोर देने के लिए पुनरावृत्ति का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपके पाठकों के लिए यह उपयोगी हो, तो आप वाक्यांशों को जोड़ सकते हैं और जोर को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसके जीवन का तरीका शांतिपूर्ण और सुखदायी है।

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 3:17 (#3)

דְּרָכֶיהָ דַרְכֵי & נְתִיבוֹתֶיהָ שָׁלוֹם

"उसके मार्ग हैं"- "और उसके सब मार्ग कुशल के हैं"

इस पद में, **मार्ग** और **सब मार्ग** इस बात का संकेत देते हैं कि कैसे बुद्धि किसी व्यक्ति के आचरण का मार्गदर्शन करती है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को स्पष्टता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बुद्धिमानी भरा व्यवहार, उसका व्यवहार है ... बुद्धिमानी भरा व्यवहार शांति लाता है"

देखें: रूपक

नीतिवचन 3:17 (#4)

דַרְכֵי־נֹעַם

"मार्ग आनन्ददायक हैं"

यहाँ सुलैमान ने उन **मार्गों** का वर्णन करने के लिए अधिकारवाचक रूप का उपयोग किया है जो **आनंददायक** की ओर ले जाते हैं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे मार्ग जो आनंद की ओर ले जाते हैं"

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 3:17 (#5)

שָׁלוֹם

"कुशल"

यहाँ सुलैमान का अर्थ है कि **कुशलता आनन्ददायक मार्ग** का अनुसरण करने का परिणाम होती है। अपनी भाषा में परिणाम को दर्शाने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: "शान्तिपूर्ण जीवन की ओर ले जाना" या "शान्तिपूर्ण जीवन जीने का परिणाम"।

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

नीतिवचन 3:17 (#6)

שָׁלוֹם

"कुशलता"

यदि आपकी भाषा **कुशलता** के विचार के लिए एक भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं करती है, तो आप उसी विचार को एक अन्य वैकल्पिक अनुवाद में व्यक्त कर सकते हैं: "वह जो शांतिपूर्ण है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 3:18 (#1)

הֵהִיא & בָּבֶה וְתֹמְכֶיהָ

"वह" - "उसको,"

वह और **उसको** यहाँ बुद्धि को संदर्भित करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बुद्धि ... बुद्धि का, और जो बुद्धि प्राप्त करते हैं"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

नीतिवचन 3:18 (#2)

עֵץ־חַיִּים

"जीवन का वृक्ष"

यहाँ सुलैमान एक **वृक्ष** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं जो फल के साथ **जीवन** को बनाए रखता है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक पेड़ जो जीवन देता है" या "एक पेड़ जिसका फल जीवन को बनाए रखता है"

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 3:18 (#3)

עֵץ־חַיִּים & לַמַּחֲזִיקִקִים בָּבֶה

"जो बुद्धि को ग्रहण कर लेते हैं, उनके लिये वह जीवन का वृक्ष बनती है"

यहाँ सुलैमान बुद्धि के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे यह एक **वृक्ष** हो जो उसके फल खाने वालों को **जीवन** प्रदान करता है। उनका अर्थ है कि बुद्धि व्यक्ति द्वारा लंबा और सुखी जीवन जीने का कारण बनती है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं या एक उपमा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो लोग इसे थाम लेते हैं, फलस्वरूप उनका अच्छा जीवन होता है " या "जो इसे थाम लेते हैं वह उनके लिए जीवन को बनाए रखने वाला पेड़ है"

देखें: रूपक

नीतिवचन 3:18 (#4)

לַמַּחֲזִיקִקִים בָּבֶה וְתֹמְכֶיהָ

"जो उसको पकड़े रहते हैं,"

यहाँ सुलैमान उन लोगों का उल्लेख करते हैं जो बुद्धि में स्थिर रहते हैं, जैसे कि वे **बुद्धि को पकड़े रहते हैं** या **बुद्धि को थाम लेते हैं**। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को स्पष्टता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो लोग बुद्धि प्राप्त करते हैं, और जो बुद्धिमानी को थामे रहते हैं"

देखें: रूपक

नीतिवचन 3:19 (#1)

יָסַד־אֶרֶץ

"पृथ्वी की नींव"

यहाँ सुलैमान **यहोवा** द्वारा **पृथ्वी** की रचना इस तरह से करने की बात करते हैं जैसे वह किसी इमारत की नींव रख रहे हों। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पृथ्वी की रचना की"

देखें: रूपक

नीतिवचन 3:19 (#2)

"बुद्धि ही से" - "समझ ही के द्वारा"

देखें कि आपने 1:2 में भाववाचक संज्ञा **बुद्धि** और 2:2 में **समझ** का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 3:20 (#1)

תְּהוֹמוֹת

"गहरे"

यहाँ, **गहरे** का अर्थ उन जल निकायों से है जो पृथ्वी की सतह के नीचे गहराई में स्थित थे। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "भूमिगत जल निकाय"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 3:20 (#2)

"फूट निकले"

यहाँ, **फूट निकले** का अर्थ हो सकता है: (1) **गहराइयों** से पानी का जमीन के नीचे से बाहर आकर नदियों का निर्माण करना, जो 3:19–20 में सृष्टि की चर्चा के साथ सबसे अच्छा मेल खाता है। वैकल्पिक अनुवाद: "पानी फूटकर निकला जिससे नदियों का निर्माण हुआ" (2) नूह के समय की वैश्विक बाढ़ के दौरान **गहराइयों** से पानी का फूटकर बाहर आना, जैसा कि 7:11 में वर्णित है। वैकल्पिक अनुवाद: "बाढ़ का पानी फूटकर निकला"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 3:21 (#1)

"मेरे पुत्र"

देखें कि आपने इस वाक्यांश के समान उपयोग का 1:8 में किस प्रकार अनुवाद किया है।

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 3:21 (#2)

אַל־יָלֻזוּ מֵעֵינֶיךָ נְצֹר תֻּשִׁיָּה וּמְזִמָּה

"ये बातें तेरी दृष्टि की ओट न होने पाए,"

यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इन खण्डों के क्रम को उलट सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "खरी बुद्धि और विवेक की रक्षा कर, उन्हें अपनी आँखों से ओझल न होने दें"

देखें: सूचना संरचना

नीतिवचन 3:21 (#3)

אַל־יָלֵזוּ מֵעֵינֶיךָ

"ये बातें तेरी दृष्टि की ओट न होने पाए"

यहाँ सुलैमान किसी चीज़ को न भूलने की बात करते हैं, जैसे कि कोई व्यक्ति हमेशा अपनी **दृष्टि** से उस चीज़ को देख सकता हो। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप इस अर्थ को स्पष्टता से व्यक्त कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्हें मत भूलना"

देखें: रूपक

नीतिवचन 3:21 (#4)

נְצֹר

"रक्षा"

यहाँ सुलैमान **खरी बुद्धि** और **विवेक** की बात करते हैं जैसे कि वे वस्तुएँ हो जिन्हें संरक्षित किया जा सकता है। उनका अर्थ है कि वह चाहते है कि उनका बेटा इन गुणों को याद रखे ताकि उनका अभ्यास कर सकें। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अभ्यास करने के लिए याद रखें"

देखें: रूपक

नीतिवचन 3:21 (#5)

"खरी बुद्धि और विवेक"

देखें कि आपने भाववाचक संज्ञाओं **खरी बुद्धि** और **विवेक** का 1:4 में किस प्रकार अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 3:22 (#1)

וְיִהְיוּ

"और ये तेरे"

यहाँ **और** पिछले पद में दिए गए आदेशों का पालन करने के परिणाम को प्रस्तुत करता है। परिणामों को व्यक्त करने के लिए अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। आपको एक नया वाक्य शुरू करने की आवश्यकता हो सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: "और इसका परिणाम यह होगा कि वे होंगे" या "यदि आप ऐसा करते हैं, तो वे होंगे"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

नीतिवचन 3:22 (#2)

וְיִהְיוּ

"और ये बनेंगे"

यहाँ, **ये** पिछले पद में उल्लेखित "खरी बुद्धि" और "विवेक" को संदर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और खरी बुद्धि और विवेक होंगे।"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

नीतिवचन 3:22 (#3)

"तब इनसे तुझे जीवन"

मूल भाषा में यहाँ "प्राण" शब्द का उपयोग किया गया है, जबकि हिंदी अनुवाद में **जीवन** शब्द का उपयोग हुआ है। देखें कि आपने **जीवन** के उपयोग का 2:10 में किस प्रकार अनुवाद किया।

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 3:22 (#4)

וְיִהְיוּ חַיִּים לְנַפְשֶׁךָ

"तब इनसे तुझे जीवन मिलेगा"

यह वाक्यांश एक मुहावरा है जो दीर्घायु को संदर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्टता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और वे आपको दीर्घायु प्रदान करेंगे"

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 3:22 (#5)

וְחֵן לְגַרְגְּרֹתֶיךָ

"और ये तेरे गले का हार बनेंगे"

यहाँ, **हार बनेंगे** का अर्थ है कुछ ऐसा जो दूसरों को आकर्षक या सुंदर लगे। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और आपके गले के लिए सुंदर आभूषण"

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 3:22 (#6)

וְחֵן לְגַרְגְּרֹתֶיךָ

"और ये तेरे गले का हार बनेंगे"

यहाँ सुलैमान "खरी बुद्धि" और "विवेक" की बात करते हैं जैसे कि वे वस्तुएँ हो जिन्हें कोई व्यक्ति अपने **गले** में हार की तरह पहन सकता है। यह छवि सुझाव देती है कि ये मूल्यवान वस्तुएँ हैं जिन्हें व्यक्ति बाहर की ओर प्रदर्शित करता है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं या उपमाओं का उपयोग कर सकते हैं। देखें कि आपने 1:9 में इस समान अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "और एक सुंदर प्रदर्शन, जैसे आपके गले में हार"

देखें: रूपक

नीतिवचन 3:23 (#1)

"तब तू अपने मार्ग पर निडर चलेगा"

तब यहाँ 3:21 में दिए गए आदेशों का पालन करने के, और अधिक परिणाम प्रस्तुत करता है। परिणामों को इंगित करने के लिए अपनी भाषा

में सबसे स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: “खरी बुद्धि और विवेक के कारण, आप चलेंगे”

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

नीतिवचन 3:23 (#2)

תֵּלֵךְ לָבֶבָטַח דַּרְכֶּךָ וְרַגְלְךָ֥ לֹ֖א תִּגּֽוֹף

“तू अपने मार्ग पर निडर चलेगा”

यहाँ सुलैमान जीवन को इस प्रकार जीने की बात करते हैं जैसे कोई **मार्ग** पर चल रहा हो। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “आप अपना जीवन सुरक्षा में जीएँगे”

देखें: रूपक

नीतिवचन 3:23 (#3)

לָבֶבָטַח

“निडर”

यदि आपकी भाषा में **निडर** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “आत्मविश्वास के साथ”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 3:23 (#4)

“और तेरे पाँव”

यहाँ, शब्द “**पाँव**” पूरे व्यक्ति का प्रतिनिधित्व करता है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को स्पष्टता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और आप”

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 3:23 (#5)

“और तेरे पाँव में ठेस न लगेगी”

मूल भाषा में यहाँ “डगमगाना” या “लड़खड़ाना” शब्द का इस्तेमाल हुआ है, जबकि हिंदी अनुवाद में **ठेस न लगेगी** वाक्यांश का उपयोग हुआ है। यहाँ, **ठेस न लगेगी** का अर्थ हो सकता है: (1) एक व्यक्ति को कोई नुकसान न पहुँचना, जो पिछले वाक्यांश के विचार के समान है। वैकल्पिक अनुवाद: “और आपको कोई नुकसान नहीं पहुँचेगा” (2) पाप न करना, जिसके लिए **ठेस लगना** अन्य शास्त्रों में एक सामान्य रूपक है। वैकल्पिक अनुवाद: “और आप पाप नहीं करेंगे”

देखें: रूपक

नीतिवचन 3:24 (#1)

תִּשְׁכַּ֥ב & וְשָׁכַבְתָּ֗

“जब तू लेटेगा,” - “जब तू लेटेगा”

इस पद में, **लेटेगा** का अर्थ सोने के लिए लेटना है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं, जैसा कि आई.आर.वी. में है।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 3:25 (#1)

מִפַּ֣חַד פִּתְאֹ֑ם וּמִשֹּׁאַ֥ת

“अचानक आनेवाले भय से”

यदि आपकी भाषा में **भय** और **विपत्ति** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप इन्हीं विचारों को अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “भयानक चीज़ें जो अचानक होती हैं और जो विनाशकारी होती हैं”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 3:25 (#2)

“और जब दुष्टों पर विपत्ति”

यहाँ सुलैमान **विपत्ति** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं, जो **दुष्टों** द्वारा अनुभव किया जाता है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और दुष्ट जन का नाश होगा”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 3:25 (#3)

תָּבֹֽא

“आ पड़े”

यहाँ, **आ** शब्द **विपत्ति** का उल्लेख करता है जो पद में पहले बताया गया है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह विनाश आता है।”

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

नीतिवचन 3:26 (#1)

כִּ֣י

“क्योंकि”

क्योंकि यहाँ यह संकेत करता है कि जो आगे आता है, वह पिछले पद में दिए गए आदेश का कारण है। अपनी भाषा में ऐसे संयोजक शब्द का प्रयोग करें जो यह स्पष्ट करे कि जो आगे आता है, वह पहले आए हुए का कारण है। वैकल्पिक अनुवाद: “इन बातों से न डरें क्योंकि”

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

नीतिवचन 3:26 (#2)

בְּכִסְלֶ֑ךָ

“तुझे सहारा”

मूल भाषा में यहाँ “आत्मविश्वास” शब्द का उपयोग हुआ है, जो भरोसे को संदर्भित करता है, जबकि हिंदी अनुवाद में **सहारा** शब्द का उपयोग हुआ है। यहाँ सुलैमान **सहारा** शब्द का उपयोग व्यक्ति के **सहारे** के स्रोत को संदर्भित करने के लिए करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को स्पष्टता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “आपके आत्मविश्वास का स्रोत”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 3:26 (#3)

בְּכִסְלֶֽךָ

“तुझे सहारा”

यदि आपकी भाषा में **सहारा** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह जो आपको आत्मविश्वास प्रदान करता है”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 3:26 (#4)

וְשָׁמַר רַגְלְךָ מִלָּכֶד

“तेरे पाँव को फंदे में फँसने न देगा”

यहाँ, **पैर** पूरे व्यक्ति का प्रतिनिधित्व करता है। देखें कि आपने 1:15 में **पैर** के समान उपयोग का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 3:26 (#5)

וְשָׁמַר רַגְלְךָ מִלָּכֶד

“और तेरे पाँव को फंदे में फँसने न देगा”

यहाँ सुलैमान उस व्यक्ति का उल्लेख करते हैं जो “अचानक भय” या “विपत्ति” का सामना कर रहा है, जैसे कि वह व्यक्ति जाल में फँस गया हो। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को स्पष्टता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और वह आपको अचानक भय या विनाश से बचाएँगे” या “और वह आपको हानि से बचाएँगे”

देखें: रूपक

नीतिवचन 3:27 (#1)

טוֹב

“भलाई”

यदि आपकी भाषा में **भलाई** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कुछ ऐसा जो उत्तम है”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 3:27 (#2)

מִבְּעָלָיו

“जो भलाई के योग्य है”

यहाँ सुलैमान उस **भलाई** की बात करते हैं जिनके लोग योग्य हैं, मानो वे **उनके स्वामी** हों। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जिनके हक़ में यह है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 3:27 (#3)

בִּהְיוֹת לְאֵל יָדֶךָ

“यदि ऐसा करना तेरी शक्ति में है”

यहाँ सुलैमान किसी कार्य को करने की क्षमता की बात करते हैं, जैसे कि किसी की **शक्ति में** हो। यदि इस वाक्यांश का आपकी भाषा में यही अर्थ नहीं है, तो आप अपनी भाषा में ऐसा कोई मुहावरा उपयोग कर सकते हैं जिसका यही अर्थ हो या अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जब आपके पास क्षमता हो”

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 3:28 (#1)

אַל־תֹּאמַר לְרֵעֲךָ

“अपने पड़ोसी से न कहना”

सुलैमान का अर्थ है कि **पड़ोसी** को कुछ आवश्यकता है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जब आपके पड़ोसी को कुछ चाहिए, तो अपने पड़ोसी से मत कहना”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 3:28 (#2)

אֶתֵּן וְיֵשׁ

“मैं तुझे दूँगा”

इस पद में, **दूँगा** उस वस्तु को संदर्भित करता है जिसकी **पड़ोसी** को आवश्यकता है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मैं आपको वह दूँगा जिसकी आपको आवश्यकता है, यदि वह वस्तु है”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 3:28 (#3)

וְיֵשׁ

“यदि तेरे पास”

यहाँ, **यदि** यह इंगित करता है कि जो कुछ भी आगे कहा जा रहा है वह उसी समय सत्य है जब वक्ता पिछले पद के परिच्छेद में बोल रहे हैं। इसका अर्थ है कि बोलने वाला व्यक्ति किसी को कुछ देने से इनकार कर रहा है, भले ही वह उसके पास है। आप अपने अनुवाद में इसे एक उपयुक्त जोड़ने वाले शब्द या वाक्यांश के साथ स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जब यह है”

देखें: जोड़े — समकालिक समय सम्बन्ध

नीतिवचन 3:29 (#1)

אַל־תַּחֲרֹשׁ & רָעָה

“बुरी युक्ति न बाँधना”

यहाँ, **बुरी युक्ति** का अर्थ है कि कोई व्यक्ति बुराई करने की योजना बना रहा है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “बुराई करने की योजना न बना”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 3:29 (#2)

“बुरी”

देखें कि आपने भाववाचक संज्ञा **बुरी** का 1:16 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 3:29 (#3)

לָבֶטַח

“निश्चिन्त”

यहाँ, **निश्चिन्त** का अर्थ है कि यह व्यक्ति **तुम** पर भरोसा करता है और **तुमसे** से किसी प्रकार का नुकसान होने की आशंका नहीं करता। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “विश्वासपूर्वक”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 3:29 (#4)

אִתָּךְ

“तेरे पास”

यहाँ, **तेरे पास** का अर्थ किसी के पास होना है। इसका यह मतलब नहीं है कि ये लोग एक ही घर में रहते हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “आपके पास”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 3:30 (#1)

אָדָם & לֹא גָמְלוּךָ

“जिस मनुष्य ने तुझ से बुरा व्यवहार न किया हो”

हाँ , **मनुष्य** और **जिस** सामान्य रूप से एक व्यक्ति का प्रतिनिधित्व करते हैं, न कि किसी विशेष **मनुष्य** का। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक व्यक्ति ... उस व्यक्ति ने आपके साथ नहीं किया है”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 3:30 (#2)

“अकारण”

यह खण्ड यह कारण बताता है कि वाक्य की शुरुआत में उल्लेखित विवाद **अकारण** क्यों होगा। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से दिखाने के लिए वाक्य संरचना बदल सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जिसने आपको कोई हानि नहीं पहुँचाई है, उसके साथ विवाद करने का कोई कारण नहीं है।”

देखें: सूचना संरचना

नीतिवचन 3:30 (#3)

“बुरा”

देखें कि आपने भाववाचक संज्ञा **बुरा** का 1:16 में किस प्रकार अनुवाद किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 3:31 (#1)

בְּאִישׁ חָמָס

“उपद्रवी पुरुष के”

यहाँ सुलैमान एक **पुरुष** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं, जो **उपद्रवी** चरित्र के लिए जाना जाता है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक हिंसक पुरुष का”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 3:31 (#2)

בְּאִישׁ

“पुरुष के”

यहाँ, **पुरुष** सामान्य रूप से एक व्यक्ति का प्रतिनिधित्व करता है, न कि किसी विशेष **पुरुष** का। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप एक अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “किसी भी व्यक्ति का”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 3:31 (#3)

דְּרָכָיו

“उसकी सी चाल”

यहाँ सुलैमान **चाल** का उपयोग **उपद्रवी पुरुष** के व्यवहार को संदर्भित करने के लिए करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वे कार्य जो वह करता है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 3:31 (#4)

“न उसकी सी चाल चलना”

सुलैमान मानते हैं कि उनके पाठक समझेंगे कि यह आदेश कुछ न करने के चयन का संदर्भ देता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप इस जानकारी को शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और जो कुछ भी वह करता है वैसा न करने का चयन करना”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 3:32 (#1)

כִּי

“क्योंकि”

क्योंकि यहाँ संकेत करता है कि आगे जो आता है, वह पिछले पद में दिए गए आदेश का कारण है। अपनी भाषा में एक संयोजक शब्द का

उपयोग करें जो यह स्पष्ट करता है कि जो आगे आता है, वह पहले आए हुए का कारण है। वैकल्पिक अनुवाद: “इन कामों को मत कर क्योंकि”

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

नीतिवचन 3:32 (#2)

תוֹעֲבַת יְהוָה

“यहोवा कुटिल मनुष्य से घृणा करता है”

यदि आपकी भाषा में **घृणा** के विचार के लिए एक भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं होता है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यहोवा के लिए एक घृणित व्यक्ति”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 3:32 (#3)

נִלְוָז

“कुटिल मनुष्य से”

यहाँ सुलैमान उस व्यक्ति को संदर्भित करते हैं जो धर्मपूर्वक कार्य करने से इनकार करता है और जानबूझकर बुराई करता है, जैसे कि वह व्यक्ति **कुटिल मनुष्य हो**। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह जो बुराई करता है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 3:32 (#4)

וְאֶת־יְשָׁרִים סודוֹ

“परन्तु वह अपना भेद सीधे लोगों पर प्रगट करता है”

यहाँ सुलैमान यहोवा के बारे में बात करते हैं, जो लोगों पर **अपना भेद** प्रकट करते हैं, जैसे कि यह कोई वस्तु हो जो उन लोगों के **पास** हो सकती है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “परन्तु खरे लोगों को वह अपनी गुप्त सम्मति देते हैं।”

देखें: रूपक

नीतिवचन 3:32 (#5)

סודוֹ

“वह अपना भेद”

वाक्यांश **वह अपना भेद** दोस्तों के बीच गोपनीय बातचीत को संदर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उनकी गोपनीय बातचीत”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 3:33 (#1)

מְאֵרַרַת יְהוָה

“यहोवा का श्राप”

यहाँ सुलैमान एक **श्राप** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं जो **यहोवा** से आता है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यहोवा से अभिशाप”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 3:33 (#2)

בְּבֵית

“के घर पर”

सुलैमान **यहोवा के श्राप** के बारे में इस तरह से बात करते हैं जैसे कि यह एक वस्तु हो जिसे उन्होंने दुष्ट व्यक्ति के **घर** पर रखा हो। उनका अर्थ है कि यहोवा उस **घर** को शापित करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “के घर के खिलाफ है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 3:33 (#3)

בְּבֵית & וּנְוֵה & יְבָרֵךְ

“के घर पर” - “और धर्मियों के वासस्थान पर उसकी आशीष होती है”

यहाँ, शब्द **घर** और **वासस्थान** उन परिवारों का प्रतिनिधित्व करते हैं जो उन घरों में रहते हैं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्टता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “के घरों पर है... लेकिन वह उनके घरों को आशीर्वाद देते हैं।”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 3:33 (#4)

רָשָׁע

“दुष्ट के”

यहाँ **दुष्ट के** सामान्य रूप से दुष्ट लोगों को संदर्भित करता है, किसी विशेष **दुष्ट** व्यक्ति को नहीं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप एक अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी दुष्ट व्यक्ति”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 3:34 (#1)

“वह निश्चय ठट्ठा करता है”

जोर देने के लिए, सुलैमान **वह** सर्वनाम का उल्लेख कर रहे हैं, जिसका अर्थ पहले से ही **वह** के रूप में बताया गया है। यदि आपकी भाषा में जोर देने के लिए निहित सर्वनामों को स्पष्ट रूप से व्यक्त किया जा सकता है, तो आप अपने अनुवाद में उस निर्माण का उपयोग करना चाह सकते हैं। अन्य भाषाओं में इस जोर को व्यक्त करने के अन्य तरीके हो सकते हैं। यू.एल.टी. व आई.आर.वी. ऐसा, **वह** गहन सर्वनाम का उपयोग करके करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह निश्चय उपहास करते हैं”

देखें: निजवाचक सर्वनाम

Proverbs 3:34 (#2)

יִתֶּן־חֵן

“अनुग्रह करता है”

लेखक यहोवा द्वारा लोगों को अनुग्रह देने की बात इस प्रकार करते हैं, जैसे कि उनका **अनुग्रह** एक वस्तु है जो वे लोगों को प्रदान करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्टता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह कृपापूर्वक कार्य करते हैं” या “वह अनुग्रह प्रदान करते हैं”

देखें: रूपक

नीतिवचन 3:35 (#1)

יִנְחָלוּ

“महिमा को पाएँगे”

मूल भाषा मे यहाँ **विरासत में पाएँगे** लिखा है जिसे हिन्दी अनुवाद में केवल **पाएँगे** प्रयोग किया गया हैं।

यहाँ सुलैमान बुद्धिमान लोगों द्वारा **महिमा** प्राप्त करने की बात करते हैं, जैसे कि **महिमा** सम्पत्ति या धन हो, जिसे वे किसी परिवार के सदस्य से **विरासत** में प्राप्त कर सकते हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्टता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “बुद्धिमान लोग आदर प्राप्त करेंगे”

देखें: रूपक

नीतिवचन 3:35 (#2)

יִנְחָלוּ & כָּבוֹד

“महिमा”

यदि आपकी भाषा में **महिमा** और **अपमान** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप इन विचारों को अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने 3:16 में **महिमा** का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: “जो सम्माननीय है ... जो अपमानजनक है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 3:35 (#3)

מֵרִים

“की बढ़ती”

यहाँ सुलैमान **मूर्ख** लोगों के अपमान की बात करते हैं, जैसे उनका **अपमान** सबके देखने के लिए प्रकट किया गया हो। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्टता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “प्राप्त करेंगे”

देखें: रूपक

नीतिवचन 4:1 (#1)

“सुनो”

1:8 में देखें कि आपने **सुनो** का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 4:1 (#2)

בָּנִים

“पुत्रों”

हालाँकि **पुत्रों** शब्द पुल्लिंग है, सुलैमान इस शब्द का उपयोग एक सामान्य अर्थ में कर रहे हैं जो पुरुष और महिला, दोनों संतानों को संदर्भित कर सकता है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप एक ऐसा वाक्यांश उपयोग कर सकते हैं जो इसे स्पष्ट करता है। वैकल्पिक अनुवाद: “संतान”

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 4:1 (#3)

“शिक्षा” - “समझ”

1:2 में देखें कि आपने **शिक्षा** और **समझ** जैसी भाववाचक संज्ञाओं का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 4:1 (#4)

אָב

“पिता”

यहाँ सुलैमान अपने बारे में तृतीय पुरुष में बात कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में स्वाभाविक नहीं है, तो आप प्रथम पुरुष के रूप का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मैं, आपका पिता”

देखें: प्रथम, द्वितीय या तृतीय पुरुष

नीतिवचन 4:2 (#1)

כִּי

“क्योंकि”

यहाँ शब्द **क्योंकि** यह संकेत करता है कि जो आगे आता है, वह पिछले पद में दिए गए आदेशों का कारण है। अपनी भाषा में एक संयोजक का उपयोग करें जो यह स्पष्ट करता है कि जो आगे आता है, वह पहले आए हुए का कारण है। वैकल्पिक अनुवाद: “इन शिक्षाओं को सुनें क्योंकि”

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम संबंध

नीतिवचन 4:2 (#2)

לָכֶם

“तुम को”

यहाँ, **तुम** बहुवचन है और पिछले पद में उल्लेखित “पुत्रों” का संदर्भ देता है।

देखें: तुम के रूप

नीतिवचन 4:2 (#3)

תּוֹרָתִי אַל־תַּעֲזֹבוּ

“मेरी शिक्षा को न छोड़ो”

यह खण्ड, पिछले खण्ड में कही गई बात का परिणाम है। अपनी भाषा में ऐसा संयोजक प्रयोग करें जो यह स्पष्ट करे कि आगे जो कहा गया है, वह पहले कही गई बात का परिणाम है। आपको एक नया वाक्य आरंभ

करने की आवश्यकता हो सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: “इस कारण आप मेरी व्यवस्था को न त्यागें”

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम संबंध

नीतिवचन 4:2 (#4)

“न छोड़ो”

1:8में देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: कटाक्षपूर्ण उक्ति (लाइटोटीज़)

नीतिवचन 4:2 (#5)

“मेरी शिक्षा”

1:8 में देखें कि आपने समूहवाचक संज्ञा **शिक्षा** का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: समूहवाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 4:3 (#1)

כִּי־בֵן הָיִיתִי לְאָבִי

“देखो, मैं भी अपने पिता का पुत्र था”

मूल भाषा में, **देखो** के स्थान पर **जब** शब्द का उपयोग किया गया है। यहाँ **देखो** उस समय को संदर्भित करता है जब सुलैमान एक बालक थे और अभी भी अपने पिता की देखभाल में रहते थे। यदि आपकी भाषा में यह उपोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जब मैं एक बालक ही था और अपने पिता से सीख रहा था”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 4:3 (#2)

רַךְ וְיָחִיד

“और माता का एकलौता दुलारा था”

मूल भाषा में **एकलौता और दुलारा** शब्द आया है जबकि हिन्दी अनुवाद में इसे एक साथ लिखा गया है। यह वाक्यांश **और** से जुड़े दो शब्दों का उपयोग करके एक ही विचार व्यक्त करता है। शब्द **दुलारा** यह बताता है कि **एकलौता** कैसा था। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप इस अर्थ को एक समकक्ष वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो **और** का उपयोग नहीं करता है। वैकल्पिक अनुवाद: “एकलौता प्यारा था”

देखें: द्विपद (हेंडियाडिस)

नीतिवचन 4:3 (#3)

וְיָחִיד

“एकलौता”

यहाँ, **एकलौता** का अर्थ हो सकता है: (1) वह अपनी माँ का एकमात्र पुत्र थे। वैकल्पिक अनुवाद: “एकमात्र पुत्र” (2) वह अपनी माँ का अद्वितीय पुत्र थे। वैकल्पिक अनुवाद: “एक अद्वितीय पुत्र”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 4:3 (#4)

לִפְנֵי אִמִּי

“और माता का”

मूल भाषा में “मेरी माँ के सामने” वाक्यांश का उपयोग किया गया है, जबकि हिंदी अनुवाद में **माता का** वाक्यांश का उपयोग किया गया है। यहाँ सुलैमान अपनी **माता** के बारे में बात करते हैं, जो उन्हें **एकलौता दुलारा** मानती है और जैसे कि वह उनके **सामने** हो। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्टता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मेरी माता के अनुसार” या “मेरी माँ के विचार में”

देखें: रूपक

नीतिवचन 4:4 (#1)

וַיֹּרֵנִי

“मेरा पिता मुझे यह कहकर सिखाता था”

मूल भाषा में पिता के स्थान पर सर्वनाम **वह** का उपयोग किया गया है जिसे हिन्दी अनुवाद में **पिता** के रूप में अनुवादित किया गया है। यहाँ, **वह** सुलैमान के पिता का उल्लेख करता है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं, जैसे कि यू.एस.टी. में है।

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

नीतिवचन 4:4 (#2)

“तेरा मन”

2:2 में देखें कि आपने **मन** के समान उपयोग का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 4:4 (#3)

יִתְמָךְ & לְבָבֶךָ

“तेरा मन मेरे वचन पर लगा रहे”

यहाँ सुलैमान **वचन** को याद रखने की बात करते हैं जैसे कि **मन** उन वचनों को अपने अंदर मजबूती से थामे हुए हो। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्टता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “आपका मन मेरे वचनों को याद रखें”

देखें: रूपक

नीतिवचन 4:4 (#4)

“मेरे वचन”

1:23 में देखें कि आपने **मेरे वचन** के समान उपयोग का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: लक्षणालाकर

नीतिवचन 4:4 (#5)

“मेरी आज्ञाओं”

2:1 में देखें कि आपने भाववाचक संज्ञा **आज्ञाओं** का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 4:4 (#6)

וְחְיֵה

“तब जीवित रहेगा”

मूल भाषा में **तब** के स्थान पर **और** शब्द का इस्तेमाल किया गया है। यहाँ, **तब** पिछले वाक्यांश में दी गई आज्ञाओं का पालन करने के परिणाम को प्रस्तुत करता है। परिणाम को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। आपको एक नया वाक्य शुरू करने की आवश्यकता हो सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: “और तब इसका परिणाम यह होगा कि आप जीवित रहेंगे।”

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम का संबंध

नीतिवचन 4:5 (#1)

“बुद्धि,” - “समझ”

1:2 में देखें कि आपने **बुद्धि** और **समझ** जैसी भाववाचक संज्ञाओं का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 4:5 (#2)

אַל־תִּשְׁכַּ֖ח וְאַל־תֵּֽט מֵאִמְרֵי־פִֽי

“उनको भूल न जाना, न मेरी बातों को छोड़ना।”

यहाँ, वाक्यांश **भूल न जाना** और **न मेरी बातों को छोड़ना**, वाक्य भाषण के अलंकार हैं जो नकारात्मक शब्द **न** का उपयोग करके अत्यधिक सकारात्मक अर्थ व्यक्त करते हैं, साथ ही उन अभिव्यक्तियों के साथ जो इच्छित अर्थ के विपरीत हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप सकारात्मक अर्थ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मेरे वचनों को याद रखें और उसके अनुसार ही मार्ग पर चलते रहें”

देखें: कटाक्षपूर्ण उक्ति (लाइटोटीज़)

नीतिवचन 4:5 (#3)

אַל־תִּשְׁכַּ֖ח וְאַל־תֵּֽט מֵאִמְרֵי־פִֽי

“उनको भूल न जाना, न मेरी बातों को छोड़ना।”

यहाँ सुलैमान कुछ ऐसा कहते हैं जिसे भूलना मानो रास्ते से भटक जाना हो। अगर आपकी भाषा में यह विचार सीधे रूप में व्यक्त करना उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मेरे मुँह की बातें मत भूलना और उनको स्मरण करना मत छोड़ना”

देखें: रूपक

नीतिवचन 4:5 (#4)

“उनको भूल न जाना, न मेरी बातों को छोड़ना।”

यहाँ, **भूल** और **छोड़ना** शब्द समान अर्थ रखते हैं। सुलैमान जोर देने के लिए इन दोनों शब्दों का एक साथ उपयोग कर रहे हैं। यदि आपके पाठकों के लिए यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप जोर को एक ही वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “निश्चित रूप से मेरी बातों को न भूलें।”

देखें: द्विरावृति (डबलेट)

नीतिवचन 4:5 (#5)

מֵאִמְרֵי־פִֽי

“मेरी बातों को”

मूल भाषा में यहाँ **मेरे मुँह की बातों को** वाक्य का उपयोग हुआ है जबकि हिंदी अनुवाद में **मेरी बातों को** वाक्य का उपयोग हुआ है। यहाँ, **मुँह (मेरी बातों को)** स्वयं सुलैमान के पिता का प्रतिनिधित्व करता है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मेरे बातों से”

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 4:6 (#1)

“न छोड़”

1:8 में देखें कि आपने **न छोड़** का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: कटाक्षपूर्ण उक्ति (लाइटोटीज़)

नीतिवचन 4:6 (#2)

וְתִשְׁמְרֶֽךָּ & וְתִצְּרֶֽךָּ

“और वह तेरी रक्षा करेगी।”

इस पद में दोनों बार **और** शब्द यह दिखाते हैं कि जो बातें उसके बाद आती हैं, वे पहले कहे गए वाक्यों के परिणाम हैं। इसलिए, आपकी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीका अपनाएँ जिससे परिणाम को दर्शाया जा सके। वैकल्पिक अनुवाद: “और इसका परिणाम यह होगा कि वह आपकी रक्षा करेगी ... और इसका परिणाम यह होगा कि वह आपको सुरक्षित रखेगी”

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम संबंध

नीतिवचन 4:6 (#3)

אַל־תַּעַזְבֶּ֣הָּ וְתִשְׁמְרֶֽךָ אֶהָבֶ֣הָּ וְתִצְּרֶֽךָ

“”बुद्धि को न छोड़ और वह तेरी रक्षा करेगी;“

4:6–9 में सुलैमान बुद्धि के बारे में ऐसे बोलते हैं जैसे वह कोई स्त्री हो। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप में या उपमा के द्वारा भी व्यक्त कर सकते हैं। इस अध्याय की सामान्य टिप्पणी में इस विषय पर चर्चा देखें। वैकल्पिक अनुवाद: “बुद्धि का त्याग मत कीजिए और बुद्धि उस स्त्री के समान होगी जो तुम्हारी रक्षा करती है; बुद्धि से प्रेम कीजिए, और बुद्धि उस स्त्री के समान होगी जो तुम्हारी रखवाली करेगी”

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 4:7 (#1)

רֵאשִׁ֗ית חָ֭כְמָה

“बुद्धि श्रेष्ठ है”

मूल भाषा में **प्राथमिक** शब्द आया है जिसे हिंदी अनुवाद में **श्रेष्ठ** शब्द से स्थानांतरित कर दिया गया है। यहाँ, **प्राथमिक** का अर्थ हो सकता है: (1) सबसे महत्वपूर्ण चीज़। वैकल्पिक अनुवाद: "बुद्धि सबसे महत्वपूर्ण चीज़ है" या "बुद्धि सर्वोच्च है" (2) किसी चीज़ की नींव या आधार, जैसा कि 1:7 में अर्थ है। वैकल्पिक अनुवाद: "बुद्धि की बुनियाद" या "बुद्धि प्राप्त करने का आधार"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 4:7 (#2)

""उसकी प्राप्ति के लिये"

4:5 में देखें कि आपने इन वाक्यांशों का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 4:7 (#3)

וּבְכָל־קִנְיָנְךָ

"अपना सब कुछ खर्च कर दे ताकि समझ को प्राप्त कर सके।"

यहाँ **प्राप्त** शब्द एकवचन रूप में है, लेकिन इसका अर्थ व्यक्ति की सभी संपत्तियों या जो कुछ भी उसने पाया है, उसके समूह को दर्शाना है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और अपनी सभी प्राप्तियों के साथ" या "और जो कुछ भी आप अर्जित करते हो, उसके साथ"

देखें: समुवाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 4:7 (#4)

"अपना सब कुछ खर्च कर दे ताकि समझ को प्राप्त कर सके"

यहाँ, **अपना सब कुछ खर्च कर दे ताकि समझ को प्राप्त** का तात्पर्य है वह सब कुछ जो किसी ने अब तक अर्जित किया है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और आपकी सभी प्राप्तियों के मूल्य के साथ" या "और आपकी सभी संपत्तियों के मूल्य के साथ"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 4:8 (#1)

סַלְסְלֶהָ וּתְרוֹמְמֶךָּ תְּכַבֶּדְךָ כִּי תְחַבְּקֶנָּה

"उसकी बड़ाई कर, वह तुझको बढ़ाएगी;"

इस पद में सुलैमान बुद्धि के बारे में ऐसे बोलते हैं जैसे वह कोई स्त्री हो। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं या उपमा का उपयोग कर सकते हैं। इस अध्याय की सामान्य टिप्पणियाँ देखें जहाँ इस विषय पर चर्चा की गई है। वैकल्पिक अनुवाद: "बुद्धि को संजोए रखो और बुद्धि उस स्त्री के समान होगी जो आपको ऊँचा उठाएगी; बुद्धि उस स्त्री के समान होगी जो आपको सम्मान देती है जब आप उसे गले लगाते हो"

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 4:8 (#2)

סַלְסְלֶהָ וּתְרוֹמְמֶךָּ

"उसकी बड़ाई कर, वह तुझको बढ़ाएगी"

मूल भाषा में **और** शब्द का उपयोग किया गया है, जबकि हिन्दी अनुवाद में इस शब्द का उपयोग नहीं किया गया है। यहाँ **और** पिछले वाक्यांश में बताए गए आदेश का पालन करने के परिणाम का परिचय देता है। परिणाम को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि आप उसे प्रिय जानेंगे, तो वह आपको ऊँचा उठाएगी" या " उसे प्रिय जानो तो इसका परिणाम यह होगा कि वह आपको ऊँचा उठाएगी"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम संबंध

नीतिवचन 4:8 (#3)

וּתְרוֹמְמֶךָּ

"वह तुझको बढ़ाएगी"

यहाँ सुलैमान एक बुद्धिमान व्यक्ति को आदर प्राप्त करते हुए इस तरह प्रस्तुत करते हैं जैसे मानो बुद्धि उस व्यक्ति को **बढ़ाएगी**। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो तो इसका आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और वह आपको सम्मानित करेंगी"

देखें: रूपक

नीतिवचन 4:8 (#4)

תְּכַבֶּדְךָ

"वह तेरी महिमा करेगी"

सुलैमान का आशय यह है कि जो कोई **उससे** लिपट जाएगा उन लोगों को बुद्धि **महिमा** दिलाएगी। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह लोगों को आपका आदर करने के लिए प्रेरित करेगी"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 4:8 (#5)

תְחַבְּקֶנָּה

"जब तू उससे लिपट जाए"

मूल भाषा में यहाँ "जब तुम उसे गले लगाओ" वाक्यांश का उपयोग हुआ है, जबकि हिंदी अनुवाद में **जब तू उससे लिपट जाए** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जो बुद्धि को महत्त्व देने को संदर्भित करता है। यहाँ सुलैमान किसी व्यक्ति को इस प्रकार बुद्धि को महत्व देते हुए दर्शाते हैं जैसे वह किसी स्त्री को गले लगा रहा हो। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप बुद्धि को महत्व देते हैं"

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 4:9 (#1)

תִּתֵּן לְרֹאשְׁךָ לִוְיַת־חֵן עֲטֶרֶת תְּפְאֶרֶת תְּמַגְּנֶךָּ

"वह तेरे सिर पर शोभायमान आभूषण बाँधेगी;"

ये दोनों वाक्यांश मूल रूप से एक ही बात का अर्थ रखते हैं। दूसरा वाक्यांश एक अलग शब्दों के साथ, पहले के अर्थ को जोर देकर दोहराता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप वाक्यांशों को

एक ऐसे शब्द के साथ जोड़ सकते हैं जो दिखाता है कि दूसरा वाक्यांश पहले को दोहरा रहा है, कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: "वह आपके सिर पर अनुग्रह का मुकुट रखेगी; हाँ, वैभव का मुकुट पहनाकर आपको शोभायमान करेगी।"

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 4:9 (#2)

תִּתֵּן לְרֹאשֶׁךָ לִוְיַת־חֵן עֲטֶרֶת תִּפְאֶרֶת תְּמַגְּנֶךָּ

"वह तेरे सिर पर शोभायमान आभूषण बाँधेगी;"

इस पद में, सुलैमान बुद्धि को एक महिला के रूप में वर्णित करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप में व्यक्त कर सकते हैं या एक उपमा का उपयोग कर सकते हैं। इस अध्याय की सामान्य टिप्पणी में इस पर चर्चा देखें। वैकल्पिक अनुवाद: "बुद्धि ऐसी स्त्री के समान होगी जो आपके सिर पर अनुग्रह का मुकुट रखेगी; बुद्धि ऐसी स्त्री के समान होगी जो आपको वैभव का मुकुट पहनाएगी।"

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 4:9 (#3)

"शोभायमान आभूषण"

1:9 में देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 4:9 (#4)

עֲטֶרֶת תִּפְאֶרֶת תְּמַגְּנֶךָּ

"और तुझे सुन्दर मुकुट देगी"

यहाँ सुलैमान उस आदर की बात करते हैं जो व्यक्ति को बुद्धि प्राप्त करने से मिलेगा, मानो बुद्धि उस व्यक्ति के सिर पर वैभव का **मुकुट** रखती हो। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप अर्थ को सीधे या एक उपमा का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बुद्धि लोगों को आपका आदर करने के लिए प्रेरित करेगी" या "बुद्धि उस व्यक्ति के समान होगी जो आपके सिर पर वैभव का मुकुट रखता है"

देखें: रूपक

नीतिवचन 4:9 (#5)

עֲטֶרֶת תִּפְאֶרֶת

"सुन्दर मुकुट"

यहाँ सुलैमान एक **मुकुट** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं, जो **सुन्दर** है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक वैभवशाली मुकुट के साथ"

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 4:10 (#1)

"सुनकर"

1:8 में देखें कि आपने **सुनकर** का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 4:10 (#2)

שְׁמַע

"हे मेरे पुत्र"

1:8 में देखें कि आपने इस वाक्यांश के समान उपयोग का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 4:10 (#3)

וְיִרְבּוּ

"तब तू बहुत वर्ष तक जीवित रहेगा"

मूल भाषा में यहाँ **और** शब्द उपयोग किया गया है जिसे हिन्दी में **तब** से स्थानांतरित किया गया है। यहाँ **और (तब)** पिछले खण्ड में दिए गए आदेशों का पालन करने के परिणाम का परिचय देता है। परिणाम को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। आपको एक नया वाक्य शुरू करने की आवश्यकता हो सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि आप इन बातों का पालन करेंगे, तब आप बहुत वर्ष तक जीवित रहेंगे" या "इसका परिणाम यह होगा कि आप बहुत वर्ष तक जीवित रहेंगे"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम संबंध

नीतिवचन 4:10 (#4)

וְיִרְבּוּ לְךָ שְׁנוֹת חַיִּים

"तब तू बहुत वर्ष तक जीवित रहेगा"

यहाँ सुलैमान अपनी **बातों** के बारे में इस तरह से बात करते हैं जैसे वे किसी की आयु बढ़ाने में सक्षम हों। उनका मतलब है कि जो कोई उनकी **बातों** का पालन करता है, वह ऐसा न करने वालों की तुलना में अधिक समय तक जीवित रहेगा। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को स्पष्टता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरी बातों को मानने से आप बहुत वर्ष तक जीवित रहेंगे।"

देखें: रूपक

नीतिवचन 4:10 (#5)

שְׁנוֹת חַיִּים

"बहुत वर्ष तक जीवित रहेगा"

यहाँ सुलैमान एक व्यक्ति के जीवन के **बहुत वर्ष** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे वर्ष जब तक आप जीवित रहेंगे"

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 4:11 (#1)

בְּדֶרֶךְ חָכְמָה

"बुद्धि का मार्ग"

यहाँ सुलैमान ऐसे **मार्ग** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं, जो **बुद्धि** से युक्त है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बुद्धिमानी से"

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 4:11 (#2)

בְּדֶרֶךְ חָכְמָה

"बुद्धि का मार्ग"

यहाँ, **मार्ग** इस बात को संदर्भित करता है कि लोग कैसा आचरण रखते हैं या अपने जीवन को कैसे जीते हैं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को स्पष्टता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बुद्धिमान आचरण" या "बुद्धिमानी से कैसे व्यवहार करें"

देखें: रूपक

नीतिवचन 4:11 (#3)

הֹלַכְתִּיךָ בְּמַעְגְּלֵי־יֹשֶׁר

"मैंने तुझे.... सिधाई के पथ पर चलाया है"

यहाँ सुलैमान **पथ** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं, जो **सिधाई** से युक्त हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने तुझे खरे मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया है"

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 4:11 (#4)

הֹלַכְתִּיךָ בְּמַעְגְּלֵי־יֹשֶׁר

"मैंने तुझे... सिधाई के पथ पर चलाया है"

यहाँ सुलैमान लोगों के जीवन-यापन या आचरण को इस तरह प्रस्तुत करते हैं जैसे वे किसी निश्चित **पथ पर चल** रहे हों। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने आपको भला आचरण करना सिखाया है।"

देखें: रूपक

नीतिवचन 4:12 (#1)

בְּלֶכְתְּךָ לֹא־יֵצַר צַעֲדֶךָ וְאִם־תָּרוּץ לֹא תִכָּשֵׁל

"जिसमें चलने पर तुझे रोक टोक न होगी,"

ये दोनों वाक्यांश मूल रूप से एक ही अर्थ व्यक्त करते हैं। दूसरा वाक्यांश पहले के अर्थ को अलग शब्दों में दोहराकर जोर देता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप **और** के अलावा किसी अन्य शब्द का उपयोग करके वाक्यांशों को जोड़ सकते हैं ताकि यह दिखाया जा सके कि दूसरा वाक्यांश पहले को दोहरा रहा है, कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: "जब आप चलेंगे, तो आपके कदम नहीं रुकेंगे; हाँ, यदि आप दौड़ेंगे, तो आप लड़खड़ाएँगे नहीं।"

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 4:12 (#2)

בְּלֶכְתְּךָ לֹא־יֵצַר צַעֲדֶךָ וְאִם־תָּרוּץ לֹא תִכָּשֵׁל

"जिसमें चलने पर तुझे रोक टोक न होगी,"

इस पद में, सुलैमान लोगों के कार्यों को ऐसे प्रस्तुत करते हैं जैसे वे किसी मार्ग पर चल या दौड़ रहे हों और उनके कार्यों में सफलता को ऐसे दर्शाते हैं जैसे वह मार्ग बाधा-रहित हो, जिसमें **ठोकर** खाने की कोई संभावना न हो। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब आप कुछ करते हैं, तो आपको कोई बाधा नहीं होगी; और यदि आप कुछ करने का प्रयास करते हैं, तो आप असफल नहीं होंगे।"

देखें: रूपक

नीतिवचन 4:12 (#3)

לֹא־יֵצַר & לֹא תִכָּשֵׁל

"तुझे रोक टोक न होगी,"

सुलैमान इन दोनों वाक्यांशों में एक अलंकारिक भाषा का उपयोग कर रहे हैं, जिसमें एक नकारात्मक शब्द **न** का उपयोग करके मजबूत सकारात्मक अर्थ व्यक्त कर रहे हैं, साथ ही एक अभिव्यक्ति जो इच्छित अर्थ के विपरीत है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप सकारात्मक अर्थ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मुक्त होंगे ... आप निरंतर आगे बढ़ते रहेंगे"

देखें: कटाक्षपूर्ण उक्ति (लाइटोटीज़)

नीतिवचन 4:13 (#1)

הַחֲזֵק בַּמּוּסָר אַל־תִּתֶּרֶף

"शिक्षा को पकड़े रह, उसे छोड़ न दे"

यहाँ सुलैमान एक व्यक्ति के बारे में बात करते हैं जो **शिक्षा** को इस तरह याद करता है जैसे वह एक वस्तु हो जिसे व्यक्ति **पकड़े** और **छोड़ न दें**। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को स्पष्टता से व्यक्त कर सकते हैं। 3:18 में देखें कि आपने **पकड़े** का अनुवाद कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "शिक्षा को निरंतर स्मरण करते रहें; इसे न भूलें"

देखें: रूपक

नीतिवचन 4:13 (#2)

"शिक्षा को"

1:2 में देखें कि आपने **शिक्षा** जैसी भाववचक संज्ञा का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: भाववचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 4:13 (#3)

"उसे छोड़ न दे"

सुलैमान यहाँ एक आलंकारिक भाषा का उपयोग कर रहे हैं, जिसमें एक नकारात्मक शब्द **न** का उपयोग करके अत्यधिक सकारात्मक अर्थ व्यक्त किया गया है, साथ ही एक अभिव्यक्ति जो इच्छित अर्थ के विपरीत

है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप सकारात्मक अर्थ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “पकड़े रहो”

देखें: कटाक्षपूर्ण उक्ति (लाइटोटीज़)

नीतिवचन 4:13 (#4)

נִצְּרֶהָ

“उसकी रक्षा कर”

यहाँ सुलैमान **शिक्षा** के बारे में ऐसे बोलते हैं जैसे वह कोई वस्तु हो जिसकी **रक्षा** करनी चाहिए। उनका मतलब है कि वह चाहते हैं कि उनका पुत्र याद रखे कि उन्होंने उसे क्या सिखाया है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्टता से व्यक्त कर सकते हैं। 3:21 में देखें कि आपने **रक्षा** शब्द के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: “इसका अभ्यास करना याद रखें”

देखें: रूपक

नीतिवचन 4:13 (#5)

הִוא חַיֶּיךָ

“वही तेरा जीवन है”

यहाँ सुलैमान **शिक्षा** के बारे में बात करते हैं जो किसी व्यक्ति के **जीवन** को इस तरह संरक्षित करती है जैसे कि शिक्षा उस व्यक्ति का **जीवन** ही हो। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यह आपके जीवन को संरक्षित रखेगी”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 4:14 (#1)

בְּאֹרַח רְשָׁעִים אַל־תָּבֹא וְאַל־תִּתְאַשֵּׁר בְּדֶרֶךְ רָעִים

“दुष्टों की डगर में पाँव न रखना”

ये दोनों वाक्यांश समान अर्थ रखते हैं। सुलैमान वाक्यांशों के माध्यम से व्यक्त विचार पर जोर देने के लिए पुनरावृत्ति का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपके पाठकों के लिए यह उपयोगी हो, तो आप वाक्यांशों को जोड़ सकते हैं और जोर को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उनके मार्गों का अनुसरण न करें, बल्कि दुष्ट, बुरे लोगों के मार्ग से दूर रहें”

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 4:14 (#2)

“की डगर में” - **“के मार्ग पर”**

3:6 में देखें कि आपने “मार्गों” और “डगरों” के समान उपयोग का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 4:15 (#1)

פְּרָעֵהוּ & בּוֹ & מֵעָלָיו

“उसे छोड़ दे,” - **“उसके;”**

इस पद में, सर्वनाम **उसे** और **उसके** पिछले पद में उल्लेखित “दुष्ट लोगों के मार्ग” को संदर्भित करता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “दुष्ट लोगों के मार्ग छोड़ दें... उस मार्ग ... उस दुष्ट मार्ग से”

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

नीतिवचन 4:15 (#2)

פְּרָעֵהוּ אַל־תַּעֲבָר־בּוֹ שְׁטֵה מֵעָלָיו וַעֲבוֹר

“उसे छोड़ दे, उसके पास से भी न चल,”

इस पद में, सुलैमान दुष्ट व्यवहार के बारे में बात करते हैं जैसे कि यह एक ऐसा मार्ग है जिससे लोग **उसके पास से**, **निकट से** और **मुड़कर आगे बढ़** सकते हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्टता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “बुराई करने से बचें; इसे करने की कोशिश न करें; पूरी तरह से दुष्ट कार्य करने से बचें और इसके बारे में सोचें भी नहीं।”

देखें: रूपक

नीतिवचन 4:16 (#1)

כִּי

“क्योंकि”

यहाँ **क्योंकि** यह दर्शाता है कि आगे जो बात कही जा रही है, वह कारण है कि किसी को **बुराई** करने से क्यों बचना चाहिए, जैसा कि पिछले पद में बताया गया है। अपनी भाषा में एक संयोजक का उपयोग करें जो यह स्पष्ट करता है कि जो आगे आता है वह पहले आए हुए के लिए एक कारण है। वैकल्पिक अनुवाद: “दुष्टता से बचें क्योंकि”

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम संबंध

नीतिवचन 4:16 (#2)

לֹא יָישְׁנוּ אִם־לֹא יָרֵעוּ וְנִגְזְלָה שְׁנָתָם אִם־לֹא יַכְשִׁילוּ

“दुष्ट लोग यदि बुराई न करें, तो उनको नींद नहीं आती;”

मूल भाषा में यहाँ सर्वनाम **वे** का उपयोग किया गया है, जो दुष्ट को संदर्भित करता है, जबकि हिंदी अनुवाद में **दुष्ट** शब्द का उपयोग किया गया है। इस पद में, सर्वनाम **वे** 4:14 में उल्लेखित दुष्ट लोगों की ओर संकेत करता है। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “बुरे लोग यदि बुराई न करें, तो वे सो नहीं पाते और जब तक बुरे लोग किसी को गिरा न दे, तब तक उनकी नींद हराम हो जाती है”

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

नीतिवचन 4:16 (#3)

לֹא יָישְׁנוּ אִם־לֹא יָרֵעוּ וְנִגְזְלָה שְׁנָתָם אִם־לֹא יַכְשִׁילוּ

“दुष्ट लोग यदि बुराई न करें, तो उनको नींद नहीं आती”

इन दोनों वाक्यांशों में, सुलैमान अतिशयोक्ति का प्रयोग करके यह प्रकट करते हैं कि ये दुष्ट लोग बुराई करने की कितनी तीव्र लालसा रखते हैं। सुलैमान का तात्पर्य यह नहीं था कि उन्हें सचमुच तब तक **नींद** नहीं आती जब तक कि वे **बुराई** न करें। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप जोर देने के लिए एक अलग तरीका इस्तेमाल कर सकते हैं।

वैकल्पिक अनुवाद: “वे इतनी तीव्रता से बुराई करना चाहते हैं कि मानो जब तक वे बुराई न कर लें, तब तक उन्हें नींद ही नहीं आती”

देखें: अतिशयोक्ति

नीतिवचन 4:16 (#4)

וְנִגְזְלָה שְׁנָתָם

“तब तक उन्हें नींद नहीं मिलती”

यहाँ सुलैमान इस बारे में बात कर रहे हैं कि **नींद** न आना ऐसा है जैसे **नींद** कोई वस्तु हो जिसे कोई चुरा सकता है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और वे सो नहीं पाते हैं”

देखें: रूपक

नीतिवचन 4:16 (#5)

אִם־לֹא יַכְשִׁילוּ

“जब तक वे किसी को ठोकर न खिलाएँ”

यहाँ सुलेमान किसी को हानि पहुँचाने की बात को इस प्रकार कहते हैं मानो किसी व्यक्ति को **ठोकर** खाने पर मजबूर कर रहे हों। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यदि वे किसी को हानि न पहुँचाएँ”

देखें: रूपक

नीतिवचन 4:17 (#1)

כִּֽי

“क्योंकि”

यहाँ **क्योंकि** यह दर्शाने के लिए प्रयुक्त हुआ है कि आगे और भी कारण हैं कि किसी को बुराई करने से क्यों बचना चाहिए, जैसा कि 4:15 में आदेश दिया गया है। अपनी भाषा में एक संयोजक का उपयोग करें जो यह स्पष्ट करता है कि जो आगे आता है वह पहले जो आया उसके लिए एक कारण है। वैकल्पिक अनुवाद: “दुष्टता से कार्य करने वाला व्यक्ति बनने से बचें, क्योंकि”

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम संबंध

नीतिवचन 4:17 (#2)

לָֽחֲמוּ & יִשְׁתּוּ

“वे.... खाते” - “वे.... पीते हैं”

इस पद में, सर्वनाम **वे** का संदर्भ 4:14 में उल्लेखित दुष्ट लोगों से है। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “दुष्ट लोग खाते हैं ... दुष्ट लोग पीते हैं”

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

नीतिवचन 4:17 (#3)

לָֽחֲמוּ לֶ֖חֶם רֶ֑שַׁע וְיֵ֥ין חֲמָסִ֖ים יִשְׁתּֽוּ

“वे दुष्टता की रोटी खाते “

इन दोनों खण्डों का अर्थ हो सकता है: (1) ये दुष्ट लोग **दुष्टता** और **हिंसा** के कार्य नियमित रूप से करते हैं जैसे वे **रोटी खाते** और **दाखमधु पीते** हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “दुष्टता उस रोटी के समान है जिससे वे खाते हैं और हिंसा उस दाखमधु के समान है जिससे वे पीते हैं” या (2) ये दुष्ट लोग **रोटी** और **दाखमधु** प्राप्त करने के लिए **दुष्टता** और **हिंसा** के कार्य करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वे दुष्टता से प्राप्त रोटी खाते हैं और हिंसा से प्राप्त दाखमधु पीते हैं”

देखें: रूपक

नीतिवचन 4:18 (#1)

וְאֹרַ֥ח צַדִּיקִ֖ים

“परन्तु धर्मियों की चाल”

यहाँ, **चाल** का अर्थ हो सकता है: (1) वे चीज़ें जो लोग अपने जीवन के दौरान अनुभव करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “परन्तु धर्मी जो अनुभव करते हैं” (2) लोग कैसे व्यवहार करते हैं, जैसा कि 1:15 में होता है। वैकल्पिक अनुवाद: “परन्तु धार्मियों की जीवनशैली”

देखें: रूपक

नीतिवचन 4:18 (#2)

“भोर-प्रकाश के समान है”

यहाँ, **भोर-प्रकाश के समान** का अर्थ सुबह में दिखाई देने वाली पहली धूप से है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “सूर्योदय की रोशनी के समान है” या “सुबह की पहली धूप के समान है”।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 4:18 (#3)

כְּאוֹר נֹגַהּ

“भोर-प्रकाश के समान है”

यहाँ सुलैमान **धर्मियों की चाल** की तुलना सूर्योदय के समय प्रकट होने वाले **प्रकाश** से करते हैं। उनका मतलब है कि **धर्मी** लोग सुरक्षित हैं क्योंकि वे समझते हैं कि परमेश्वर उनके जीवन के दौरान उनसे क्या चाहते हैं। जैसे कोई व्यक्ति उस मार्ग पर सुरक्षित रूप से चल सकता है क्योंकि **प्रकाश** उसे यह देखने में सहायता करता है कि वह कहाँ जा रहा है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “सुरक्षित हैं”

देखें: उपमा

नीतिवचन 4:18 (#4)

הוֹלֵ֖ךְ וָאוֹר עַד־נְכוֹן הַיּֽוֹם

“जिसकी चमक दोपहर तक बढ़ती जाती है”

वाक्यांश **दोपहर तक बढ़ती जाती है** उस **दोपहर** के समय को संदर्भित करता है जब सूर्य सबसे तेज चमकता है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को स्पष्टता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जब तक सूर्य पूरी चमक के साथ चमकने लगता है तब तक वह आगे बढ़ता और चमकता जाता है” या “वह तब तक

आगे बढ़ता और अधिक चमकता जाता है जब तक कि दिन पूरी तरह उज्जवल न हो जाए”

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 4:18 (#5)

“जिसकी चमक दोपहर तक बढ़ती जाती है”

यहाँ सुलैमान **धार्मियों की चाल** की तुलना सूर्योदय के समय होने वाले **प्रकाश** से करते हैं। जिस प्रकार सूर्य का प्रकाश धीरे-धीरे तेज़ होता है और दोपहर तक अपनी पूर्ण चमक पर पहुँचता है, उसी प्रकार **धर्मी** लोग जैसे-जैसे परमेश्वर की इच्छा को अधिक समझते हैं, वैसे-वैसे वे अधिक सुरक्षित होते जाते हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वे सुरक्षा में लगातार बढ़ते जाते हैं जब तक कि वे पूरी तरह से सुरक्षित न हो जाएँ”

देखें: उपमा

नीतिवचन 4:19 (#1)

דֶּרֶךְ

“का मार्ग”

यहाँ, **मार्ग** का वही अर्थ है जो पिछले पद में “चाल” का था। देखें कि आपने वहाँ “चाल” का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 4:19 (#2)

כָּאֲפֵלָה

“घोर अंधकारमय है”

यहाँ सुलैमान **दुष्टों के मार्ग** की तुलना **घोर अंधकार** से करते हैं। उनका मतलब है कि दुष्ट लोग हमेशा खतरे में रहते हैं, जैसे अन्य लोग जो अंधकार में चलते हैं, वे खतरे में होते हैं क्योंकि वे नहीं देख सकते कि वे कहाँ जा रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को स्पष्टता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यह खतरनाक है”

देखें: उपमा

नीतिवचन 4:19 (#3)

לֹא יָדְעוּ בַּמֶּה יִכָּשֵׁלוּ

“वे नहीं जानते कि वे किस से ठोकर खाते हैं।”

यहाँ सुलैमान लोगों को हानि पहुँचने का वर्णन ऐसे कर रहे हैं जैसे वे अपने मार्ग में किसी वस्तु से ठोकर खाकर गिर गए हों। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वे नहीं जान पाते कि उन्हें हानि क्यों हुई”

देखें: रूपक

नीतिवचन 4:20 (#1)

“हे मेरे पुत्र”

1:8 में देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 4:20 (#2)

לִדְבָרַי הַקְשִׁיבָה לַאֲמָרַי הַט־אָזְנֶךָ

“मेरे वचन ध्यान धरके सुन,”

ये दोनों वाक्यांश मूल रूप से एक ही बात का अर्थ रखते हैं। दूसरा वाक्यांश दूसरे शब्दों में पहले के अर्थ को जोर देकर दोहराता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप एक ऐसा शब्द जोड़ सकते हैं जो यह दर्शाता है कि दूसरा वाक्यांश पहले को दोहरा रहा है, कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: “मेरे वचनों को सावधानी से सुन, हाँ, अपना कान मेरे कहने पर लगा”

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 4:20 (#3)

“मेरे वचन”

1:23 में देखें कि आपने **मेरे वचन** का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 4:20 (#4)

הַט־אָזְנֶךָ

“अपना कान मेरी बातों पर लगा”

वाक्यांश **अपना कान मेरी बातों पर लगा** एक मुहावरा है जो यह दर्शाता है कि कोई व्यक्ति ध्यानपूर्वक सुन रहा है, जैसे कि वह बोलने वाले की ओर अपना **कान** मुड़ा रहा हो। यदि इस वाक्यांश का आपकी भाषा में यह अर्थ नहीं है, तो आप अपनी भाषा से ऐसा कोई मुहावरा उपयोग कर सकते हैं जिसका यह अर्थ हो या अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “ध्यानपूर्वक सुनें”

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 4:21 (#1)

“इनको अपनी आँखों से ओझल न होने दे”

3:21 में देखें कि आपने इस खण्ड का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 4:21 (#2)

“वरन अपने मन में धारण कर”

2:2 में देखें कि आपने **मन** के समान उपयोग का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 4:21 (#3)

שְׁמָרֵם בְּתוֹךְ לְבָבֶךָ

“वरन् अपने मन में धारण कर”

यहाँ सुलैमान किसी बात को याद रखने की बात ऐसे कह रहे हैं जैसे कोई व्यक्ति उसे अपने **मन** के भीतर **धारण** किया हो। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उन्हें सदा स्मरण रखें”

देखें: रूपक

नीतिवचन 4:22 (#1)

הֵ֣ם לְמֹצְאֵיהֶ֑ם

“क्योंकि जिनको वे प्राप्त होती हैं, वे”

इस पद में, सर्वनाम **वे** 4:20 में उल्लेखित “बातों” का उल्लेख करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मेरी बातें ... जो लोग पाते हैं “

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

नीतिवचन 4:22 (#2)

חַיִּ֤ים הֵם֙ לְמֹצְאֵיהֶ֔ם

“जिनको वे प्राप्त होती हैं, वे उनके जीवित रहने का... कारण होती हैं”

यहाँ सुलैमान अपनी बातों के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे वे उन लोगों का जीवन हों जो उन्हें याद रखते हैं। उनका मतलब है कि जो लोग उनकी बातों को याद रखते हैं, वे अपने जीवन को सुरक्षित रखते हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्टता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो उन्हें पाते हैं, वे उन लोगों का जीवन सुरक्षित रखती हैं” या “वे उन लोगों के जीवित रहने का कारण बनती हैं जो उन्हें पाते हैं।”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 4:22 (#3)

לְמֹצְאֵיהֶ֑ם

“जिनको वे प्राप्त होती हैं”

यहाँ सुलैमान लोगों के बारे में बात कर रहे हैं जो उनके वचनों को ऐसे याद रखते हैं जैसे कि उन लोगों ने उन्हें पाया हो। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं।। वैकल्पिक अनुवाद: “उनको जो उन्हें स्मरण रखते हैं”

देखें: रूपक

नीतिवचन 4:22 (#4)

וּלְכָל־בְּשָׂרֹ֥ו מַרְפֵּֽא

“उनके सारे शरीर के चंगे रहने का कारण होती हैं”

यहाँ सुलैमान शब्द **शरीर** का उपयोग एक व्यक्ति के पूरे अंगों के लिए करते हैं, जो माँस से बना होता है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को स्पष्टता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और उसके सारे शरीर को स्वस्थ करना”

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 4:22 (#5)

בְּשָׂרֹ֥ו

“उनके सारे शरीर”

हालांकि **उनके** शब्द पुल्लिंग है, परंतु इसका तात्पर्य किसी भी व्यक्ति से है जो सुलैमान की बातों को याद रखता है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक व्यक्ति का शरीर”

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 4:22 (#6)

וּלְכָל־בְּשָׂרֹ֥ו מַרְפֵּֽא

“और उनके सारे शरीर के चंगे रहने का”

सुलैमान यहाँ अपनी बातों को ऐसा दर्शाते हैं जैसे वे उन्हें स्मरण करने वालों के लिए **चंगे रहने** का कारण हो। उनका मतलब है कि जो लोग उनकी कही हुई बातों को याद रखते हैं, उनके शरीर स्वस्थ रहेंगे। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को स्पष्टता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और वे उनकी सेहत को बनाए रखती हैं” या “और वे उनके शरीर को स्वस्थ रखने का कारण बनती हैं”

देखें: रूपक

नीतिवचन 4:23 (#1)

“अपने मन की रक्षा कर”

यहाँ सुलैमान किसी व्यक्ति के **मन** की सोच पर सावधान रहने की बात ऐसे कर रहे हैं जैसे उनका **मन** कोई वस्तु हो जिसे सुरक्षित रखा जा सकता है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्टता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पि+क अनुवाद: “आप अपने मन की सोच की रक्षा करें”

देखें: रूपक

नीतिवचन 4:23 (#2)

“अपने मन”

2:2 में देखें कि आपने **मन** के समान उपयोग का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 4:23 (#3)

מִכָּל־מִשְׁמָ֑ר

“सबसे अधिक”

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “आप जो कुछ भी सुरक्षित रखते हैं, उससे कहीं ज़्यादा”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 4:23 (#4)

מִכָּל־מִשְׁמָ֑ר

“सबसे अधिक”

यह वाक्यांश एक मुहावरा है जिसका अर्थ है “पूरी लगन के साथ।” यदि आपकी भाषा में कोई समतुल्य अभिव्यक्ति हो तो उसका प्रयोग करें, या फिर इसका सीधा अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: “पूरी निष्ठा के साथ”

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 4:23 (#5)

מִמֶּנּוּ

“वही”

यहाँ **वही, मन** का संदर्भ देता है, जो व्यक्ति के मन को व्यक्त करता है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “आपके दिल से” या “आपके मन से”

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

नीतिवचन 4:23 (#6)

מִמֶּנּוּ תּוֹצְאוֹת חַיִּים

“क्योंकि जीवन का मूल स्रोत वही है”

यहाँ सुलैमान उस प्रभाव के बारे में बात करते हैं जो एक व्यक्ति के **मन** का उस व्यक्ति के **जीवन** में होने वाली घटनाओं पर पड़ता है, जैसे कि मन जीवन उत्पन्न करने वाले **स्रोत** हों। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “क्योंकि आपके मन से वही निकलता है जो आपके जीवन को निर्देशित करेगा” या “आपका मन यह निर्धारित करता है कि आपका जीवन कैसा होगा।”

देखें: रूपक

नीतिवचन 4:24 (#1)

הָסֵר מִמְּךָ עִקְּשׁוּת פֶּה וּלְזוּת שְׂפָתַיִם הַרְחֵק מִמֶּךָּ

“टेढ़ी बात अपने मुँह से मत बोल,”

ये दोनों वाक्यांश मूल रूप से एक ही अर्थ व्यक्त करते हैं। दूसरा वाक्यांश पहले के अर्थ को अलग शब्दों में जोर देकर दोहराता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप **और** के अलावा किसी अन्य शब्द के साथ वाक्यांशों को जोड़ सकते हैं, ताकि यह दिखाया जा सके कि दूसरा वाक्यांश पहले को दोहरा रहा है और कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: “अपने मुँह से कुटिलता की बातें दूर कर, हाँ, कुटिलता की बातें अपने से दूर रख”

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 4:24 (#2)

הָסֵר מִמְּךָ עִקְּשׁוּת פֶּה וּלְזוּת שְׂפָתַיִם הַרְחֵק מִמֶּךָּ

“टेढ़ी बात अपने मुँह से मत बोल,”

टेढ़ी बात अपने मुँह से और **चालबाज़ी की बातें,** दोनों ही वाक्यांश किसी ऐसे व्यक्ति को संदर्भित करते हैं जो अपने **मुँह** या **होठों** का उपयोग करके छलपूर्ण बातें करता है। यदि इन शब्दों का आपकी भाषा में यह अर्थ नहीं है, तो आप अपनी भाषा के मुहावरों का उपयोग कर सकते हैं जिनका यह अर्थ होता है या अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “धोखा देने वाली बातों को अपने से दूर करें और कपट से भरी बातें अपने से बहुत दूर रखें”

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 4:24 (#3)

הָסֵר מִמְּךָ עִקְּשׁוּת פֶּה וּלְזוּת שְׂפָתַיִם הַרְחֵק מִמֶּךָּ

“टेढ़ी बात अपने मुँह से मत बोल,”

इस पद में, सुलैमान **टेढ़ी बात अपने मुँह से मत बोल** की बात करते हैं जैसे वे वस्तुएँ हों जिन्हें कोई हटा सकता है या **दूर** रख सकता है। उनका मतलब है कि व्यक्ति को कपटपूर्ण नहीं बोलना चाहिए। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्टता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “टेढ़ी बातें न कहे, और न ही चालबाजी की बातें कहे”

देखें: रूपक

नीतिवचन 4:25 (#1)

עֵינֶיךָ לְנֹכַח יַבִּיטוּ וְעַפְעַפֶּיךָ יַיְשִׁרוּ נֶגְדֶּךָ

“तेरी आँखें सामने ही की ओर लगी रहें,”

ये दोनों वाक्यांश मूल रूप से बात का एक ही अर्थ रखते हैं। दूसरा वाक्यांश पहले के अर्थ को अलग शब्दों में जोर देकर दोहराता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप **और** के अलावा किसी अन्य शब्द के साथ वाक्यांशों को जोड़ सकते हैं, ताकि यह दिखाया जा सके कि दूसरा वाक्यांश पहले को दोहरा रहा है और कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: “आपकी आँखें सामने ही की ओर लगी रहें, हाँ, आपकी पलकें सामने की ओर खुली रहें”

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 4:25 (#2)

עֵינֶיךָ לְנֹכַח יַבִּיטוּ וְעַפְעַפֶּיךָ יַיְשִׁרוּ נֶגְדֶּךָ

“तेरी आँखें सामने ही की ओर लगी रहें,”

इस पद में, **आँखें** और **पलकें** उस व्यक्ति का प्रतिनिधित्व करती हैं जो देख रहा है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को स्पष्टता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अपने आप को आगे देखने के लिए प्रेरित करें और अपने आप को सीधे अपने सामने देखने के लिए प्रेरित करें।”

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 4:25 (#3)

“तेरी आँखें सामने ही की ओर लगी रहें,”

इन दोनों खण्डों में, सुलैमान बुद्धिमानी और धार्मिकता से व्यवहार करने के लिए स्वयं को प्रतिबद्ध करने की बात करते हैं, जैसे कि ये गुण हमेशा व्यक्ति के **सामने** हों। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्टता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो सही है उस पर अपना ध्यान केंद्रित रखें और जो अच्छा है उस पर ध्यान देते रहें”

देखें: रूपक

नीतिवचन 4:26 (#1)

“समतल कर”

यहाँ सुलैमान सावधानी बरतने की बात कर रहे हैं, जैसे कोई व्यक्ति अपने आगे के रास्ते को चलने के लिए समतल बना रहा हो। यदि यह

आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “सावधान रहें” या “ध्यान दें”

देखें: रूपक

नीतिवचन 4:26 (#2)

מַעְגַּל רַגְלֶיךָ

“अपने पाँव रखने के लिये मार्ग को”

यहाँ, **पाँव** शब्द उस पूरे व्यक्ति का प्रतिनिधित्व करता है जो चल रहा है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “आपका मार्ग”

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 4:26 (#3)

“अपने पाँव रखने के लिये मार्ग को”

यहाँ, **मार्ग** का अर्थ है कि कोई कैसे व्यवहार करता है। 2:9 में देखें कि आपने **मार्ग** के उसी उपयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 4:26 (#4)

וְכָל

“तब तेरे सब”

मूल भाषा में यहाँ **और** शब्द का उपयोग किया गया है, जबकि हिंदी अनुवाद में **तब** शब्द का उपयोग किया गया है जो परिणाम को संदर्भित करते हैं। यहाँ **तब (और)** पिछले खण्ड में दिए गए आदेश का पालन करने के परिणाम का परिचय देता है। परिणाम को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। आपको एक नया वाक्य शुरू करने की आवश्यकता हो सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: “यदि आप ऐसा करते हैं, तो सभी “ या “इसके सभी परिणाम ये होंगे”

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम संबंध

नीतिवचन 4:26 (#5)

“तेरे सब मार्ग”

3:6 में देखें कि आपने **मार्ग** का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 4:26 (#6)

יִכֹּנוּ

“ठीक रहेंगे”

यहाँ सुलैमान किसी व्यक्ति के जीवन की सफलता के बारे में इस प्रकार बात करते हैं जैसे वह व्यक्ति ठोस भूमि पर सुरक्षित रूप से चल रहा हो। यदि यह आपके लिए उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्टता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “सफल होगा”

देखें: रूपक

नीतिवचन 4:27 (#1)

אַל־תֵּט־יָמִין וּשְׂמֹאול

“न तो दाहिनी ओर मुड़ना, और न बाईं ओर”

यहाँ सुलैमान **दाहिनी** और **बाईं** का उपयोग किसी भी दिशा में जाने के लिए करते हैं जो सीधे आगे नहीं है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “सीधे मार्ग में जाने के अलावा किसी भी दिशा में न जाएँ”

देखें: विभज्योतक

नीतिवचन 4:27 (#2)

“न तो दाहिनी ओर मुड़ना, और न बाईं ओर;”

इस पद में सुलैमान एक व्यक्ति के व्यवहार और उस व्यक्ति के बीच विस्तृत तुलना करना जारी रखते हैं जो उस मार्ग पर चाल रहा है, जिससे उसे न **मुड़ना** चाहिए और न ही दूर **हटना** चाहिए। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्टता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “सही व्यवहार करना बंद न करें; खुद को दुष्टता से बचाएँ।”

देखें: बाइबल की अलंकृत भाषा — विस्तृत रूपक

नीतिवचन 4:27 (#3)

רַגְלְךָ

“अपने पाँव”

पिछले पद में देखें कि आपने **पाँव** के समान उपयोग का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 4:27 (#4)

“बुराई के”

3:7 में देखें कि आपने **बुराई के** का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: भाववचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 5:1 (#1)

לְחָכְמָתִי הַקְשִׁיבָה לִתְבוּנָתִי הַט־אָזְנֶךָ

“हे मेरे पुत्र, मेरी बुद्धि की बातों पर ध्यान दे”

इन दो वाक्यांशों का मतलब एक जैसा है। सुलैमान वाक्यांशों द्वारा व्यक्त विचार पर जोर देने के लिए दोहराव का उपयोग कर रहा है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप वाक्यांशों को जोड़ सकते हैं और दूसरे तरीके से जोर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मेरी बुद्धि की बात ध्यान से सुनो, और मेरी समझ की ओर कान लगाओ”

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 5:1 (#2)

“मेरी बुद्धि की बातों पर”

देखें कि आपने 1:2 में अमूर्त संज्ञाओं **बुद्धि** और **समझ** का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 5:1 (#3)

לְחָכְמָתִי & לִתְבוּנָתִי

"मेरी बुद्धि की बातों पर"

यहाँ, **मेरी बुद्धि** और **मेरी समझ** का तात्पर्य उन बुद्धिमानी भरे पाठों से है जो सुलैमान अपने **पुत्र** को सिखाता है और जो वह अपने **पुत्र** को समझने के लिए कहता है। यदि यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरी बुद्धिमानी भरी शिक्षाओं के लिए ... जो मैं तुम्हें समझने के लिए कहता हूँ"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 5:1 (#4)

"कान लगा"

देखिये आपने इस मुहावरे का अनुवाद 4:20 में कैसे किया है।

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 5:2 (#1)

לִשְׁמֹר מְזִמּוֹת וְדַעַת שְׂפָתֶיךָ יִנְצֹרוּ

"जिससे तेरा विवेक सुरक्षित बना रहे"

इस पद में, सुलैमान **विवेक** के बारे में ऐसे बोलता है मानो यह कोई ऐसी वस्तु हो जिसे **सुरक्षित** रखना चाहिए, और वह **ज्ञान** के बारे में ऐसे बोलता है मानो यह कोई ऐसी वस्तु हो जिसकी **रक्षा** करनी चाहिए। उसका मतलब है कि वह चाहता है कि उसका पुत्र जो उसने उसे सिखाया है उसे सुरक्षित रखे या याद रखे। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इसका मतलब स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "विवेक को याद रखने के लिए, और तुम्हारे होंठ ज्ञान को सुरक्षित रख सकते हैं"

देखें: रूपक

नीतिवचन 5:2 (#2)

"विवेक"

देखें कि आपने 1:4 में भाववाचक संज्ञा विवेक का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 5:2 (#3)

וְדַעַת שְׂפָתֶיךָ יִנְצֹרוּ

"जिससे तेरा विवेक सुरक्षित बना रहे, और तू ज्ञान की रक्षा करे"

मूल भाषा में, तेरे **होंठ ज्ञान** की रक्षा करें इस अभिव्यक्ति का उपयोग किया गया है, जहां **होंठ** उस व्यक्ति को दर्शाता है जो अपने होंठों से बोलता है। हिंदी अनुवाद में इसे सरलता से **तू** ज्ञान की रक्षा करें के रूप में अनुवाद किया गया है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इसका मतलब स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और तुम जो कहते हो उससे ज्ञान की रक्षा कर सकते हो"

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 5:2 (#4)

וְדַעַת

"और" - "ज्ञान"

यहाँ **ज्ञान** का तात्पर्य है कि पुत्र ने अपने पिता से क्या सीखा है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और ... जो तुमने सीखा है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 5:3 (#1)

כִּי

"क्योंकि"

क्योंकि शब्द यहाँ संकेत देता है कि आगे जो कुछ कहा गया है वह एक कारण है कि किसी को 5:1 में प्रस्तुत आदेशों का पालन क्यों करना चाहिए। अपनी भाषा में एक संयोजक का उपयोग करें जो यह स्पष्ट करता है कि आगे जो कुछ कहा गया है वह पहले जो हुआ था उसका एक कारण है। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं जो कहता हूँ वही करो, क्योंकि"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

नीतिवचन 5:3 (#2)

"क्योंकि पराई स्त्री के होठों से मधु टपकता है"- "उसकी बातें"

यहाँ, **होठों** और **उसकी बातें** उन शब्दों को दर्शाते हैं जो **पराई स्त्री** बोलती है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक पराई स्त्री जो शब्द कहती है ... वही वह कहती है"

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 5:3 (#3)

"पराई स्त्री"

देखिये आपने 2:16 में पराई स्त्री का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 5:3 (#4)

וְחֵלֶךְ מִשֶּׁשֶׁמֶן חִכָּהּ

"मधु टपकता है"

यहाँ सुलैमान ने उन लुभावने शब्दों के बारे में बताया है जो पराई स्त्री बोलती है, मानो वह जो कह रही है वह ताज़ा **मधु** और **तेल** है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इसका मतलब स्पष्ट रूप से बता सकते हैं या एक उपमा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ताज़े मधु की तरह स्वादिष्ट और तेल से भी ज़्यादा स्वादिष्ट हैं"

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 5:4 (#1)

וְאַחֲרִיתָהּ

“परन्तु इसका परिणाम”

यहाँ सुलैमान एक व्यभिचारी महिला के साथ यौन संबंध बनाने के बाद के **परिणाम** का वर्णन करने के लिए अधिकारवाचक रूप का उपयोग कर रहा है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “लेकिन उसके साथ यौन संबंध बनाने के बाद का परिणाम”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 5:4 (#2)

כְּלַעֲנָנָה

“नागदौना के समान”

नागदौना शब्द एक ऐसे पौधे को संदर्भित करता है जिसका स्वाद कड़वा होता है। लोग इससे दवा बनाते थे, लेकिन उनका यह भी मानना था कि यह कुछ मात्रा में जहरीला भी होता है। अगर आपके पाठक इस पौधे से परिचित नहीं हैं, तो आप अपने क्षेत्र में मौजूद किसी कड़वे स्वाद वाले पौधे का नाम इस्तेमाल कर सकते हैं या फिर कोई सामान्य अभिव्यक्ति इस्तेमाल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कड़वे स्वाद वाले पौधे की तरह”

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

नीतिवचन 5:4 (#3)

מָרָרָה כְּלַעֲנָנָה

“नागदौना के समान कड़वा”

यहाँ सुलैमान ने व्यभिचारी स्त्री के साथ संबंध बनाने से होने वाले नुकसान की तुलना कड़वे **नागदौना** के स्वाद से की है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कड़वे नागदौना की तरह हानिकारक है”

देखें: उपमा

नीतिवचन 5:4 (#4)

חַדָּה כְּחֶרֶב פִּיּוֹת

“दोधारी तलवार के समान पैना होता है”

सुलैमान कुछ ऐसे शब्दों को छोड़ रहा है जो कई भाषाओं में एक वाक्याश को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा तो आप वाक्य में पहले से इन शब्दों को शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उसका परिणाम मुंह की तलवार की तरह तेज है”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 5:4 (#5)

חַדָּה כְּחֶרֶב פִּיּוֹת

“दोधारी तलवार के समान पैना होता है”

वाक्यांश ‘**दोधारी तलवार**’ एक **तलवार** को संदर्भित करता है जिसके धार दोनों तरफ से तेज होते हैं। प्रत्येक तरफ से यह एक व्यक्ति को काट सकता है जैसे मुंह काटता है। यदि यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक तलवार की तरह तेज जिसके धार दोनों तरफ से तेज होते हैं”

देखें: रूपक

नीतिवचन 5:4 (#6)

חַדָּה כְּחֶרֶב פִּיּוֹת

“दोधारी तलवार के समान पैना होता है”

यहाँ सुलैमान उस दर्द के बारे में बात करता है जो व्यभिचारिणी उस व्यक्ति को पहुँचाती है जो उसके साथ संबंध बनाता है, जैसे कि यह एक **दोधारी तलवार** है जो व्यक्ति को काटती है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यह एक व्यक्ति को घायल करता है, जैसे कि यह मुंह की दोधारी तलवार हो”

देखें: रूपक

नीतिवचन 5:5 (#1)

רַגְלֶיהָ יֹרְדוֹת מָוֶת שְׁאוֹל צְעָדֶיהָ יִתְמֹכוּ

“उसके पाँव मृत्यु की ओर बढ़ते हैं;”

इन दोनों वाक्यांश का मूल रूप से एक ही अर्थ है। दूसरा वाक्य अलग-अलग शब्दों के साथ एक ही विचार को दोहराकर पहले के अर्थ पर जोर देता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए मददगार होगा, तो आप वाक्यांशों को ऐसे शब्द से जोड़ सकते हैं जो दर्शाता है कि दूसरा वाक्याश कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है बल्कि पहले वाले को दोहरा रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: “उसके पैर मृत्यु की ओर जा रहे हैं; हाँ, उसके कदम अधोलोक को थामे हुए हैं”

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 5:5 (#2)

“उसके पाँव मृत्यु की ओर बढ़ते हैं”

यहाँ **उसके पाँव** और **बढ़ते हैं** वाक्यांशों का अर्थ हो सकता है: (1) व्यभिचारी महिला का व्यवहार जैसे कि वह किसी रास्ते पर चल रही हो। वैकल्पिक अनुवाद: “उसकी जीवनशैली मृत्यु की ओर जाती है; उसका जीने का तरीका अधोलोक को पकड़ लेता है” (2) व्यभिचारी महिला। वैकल्पिक अनुवाद: “वह मृत्यु की ओर जाती है; वह अधोलोक को पकड़ लेती है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 5:5 (#3)

“मृत्यु की ओर बढ़ते हैं”

यहाँ सुलैमान व्यभिचारिणी स्त्री के व्यवहार के बारे में बात करता है जो उसकी मृत्यु का कारण बनता है और जो कोई उसके साथ व्यभिचार करता है उसकी मृत्यु इस तरह होती है मानो वे **मृत्यु की ओर** ले जाने वाले मार्ग पर जा रहे हों। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “”मृत्यु की ओर ले जाना“” या “उन्हें मरवाना”

देखें: रूपक

नीतिवचन 5:5 (#4)

“अधोलोक तक पहुँचते हैं”

यहाँ सुलैमान व्यभिचारी स्त्री के व्यवहार के बारे में बात करता है जो उसकी मृत्यु का कारण बनता है और जो कोई उसके साथ व्यभिचार करता है उसकी मृत्यु इस तरह होती है जैसे कि वे **अधोलोक तक पहुँचते हैं**, यह वह स्थान है जहाँ लोगों की आत्माएँ मरने के बाद जाती हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “परिणाम मृत्यु है” या “उन्हें मारती है”

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 5:6 (#1)

אֹרַח חַיִּים פֶּן־תְּפַלֵּֽס

“वह जीवन के मार्ग के विषय विचार नहीं करती”

यहाँ वाक्याश **विचार नहीं करती** का तात्पर्य यह है कि व्यभिचारी महिला को जीवन के मार्ग से घृणा है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह जीवन के मार्ग का पालन करने से इनकार करती है”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 5:6 (#2)

אֹרַח חַיִּים פֶּן־תְּפַלֵּֽס

“वह जीवन के मार्ग के विषय विचार नहीं करती”

यहाँ सुलैमान ऐसे व्यवहार की बात कर रहा है जिसके परिणामस्वरूप लंबी **आयु** मिलती है, मानो यह **जीवन** की ओर ले जाने वाला **मार्ग** हो और इसका पालन किया जा सकता हो। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “ऐसा न हो कि वह ऐसे व्यवहार की परवाह करे जो जीवन की ओर ले जाए”

देखें: रूपक

नीतिवचन 5:6 (#3)

“उसके चाल चलन”

देखिये आपने 2:15 में चाल चलन का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 5:7 (#1)

וְעַתָּה

“इसलिए अब”

इसलिए अब यहाँ 5:3–6 में व्यभिचारी स्त्री के वर्णन से लेकर ध्यान देने के आह्वान तक का परिवर्तन दर्शाया गया है, जो आगे आता है। परिवर्तन को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीके का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: “अगला”

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

नीतिवचन 5:7 (#2)

וְעַתָּה בָנִים שִׁמְעוּ־לִי וְאַל־תָּסוּרוּ מֵאִמְרֵי־פִי

“इसलिए अब हे मेरे पुत्रों, मेरी सुनो”

इन दोनों वाक्याशो का मूल रूप से एक ही अर्थ है। दूसरा वाक्यांश अलग-अलग शब्दों के साथ एक ही विचार को दोहराकर पहले के अर्थ पर जोर देता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए मददगार होगा, तो आप वाक्यांशों को किसी अन्य शब्द से जोड़ सकते हैं **और** इससे पता चलता है कि दूसरा वाक्यांश कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है बल्कि पहले वाले को दोहरा रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: “और अब, हे पुत्रो, मेरी बात सुनो; हाँ, मेरे मुँह की बातों से विमुख मत हो”

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 5:7 (#3)

“पुत्रों”

देखिये आपने 4:1 में पुत्रों के समान प्रयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 5:7 (#4)

וְאַל־תָּסוּרוּ מֵאִמְרֵי־פִי

“और मेरी बातों से मुँह न मोड़ो”

यहाँ सुलैमान किसी ऐसे व्यक्ति के बारे में बात कर रहा है जो किसी और की बात नहीं सुन रहा है, जैसे कि वह व्यक्ति शारीरिक रूप से अपनी बात से **मुड़** गया हो। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मेरे मुँह की बातें सुनना बंद न करें”

देखें: रूपक

नीतिवचन 5:7 (#5)

וְאַל־תָּסוּרוּ מֵאִמְרֵי־פִי

“और मेरी बातों से मुँह न मोड़ो”

सुलैमान यहाँ एक अलंकार का प्रयोग कर रहा है जो एक नकारात्मक शब्द, **न**, का उपयोग करके एक दृढ़ता से सकारात्मक अर्थ व्यक्त करता है, साथ ही एक अभिव्यक्ति जो इच्छित अर्थ के विपरीत है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को सकारात्मक रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और मेरे मुंह की बातें सुनो”

देखें: (लाइटोटीज़) कटाक्षपूर्ण उक्ति

नीतिवचन 5:7 (#6)

“मेरी बातों से मुँह न मोड़ो”

देखिये आपने 4:5 में **मेरी बातों से** का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 5:8 (#1)

הַרְחֵק מֵעָלֶיהָ דַרְכֶּךָ

“ऐसी स्त्री से दूर ही रह”

यहाँ, वाक्यांश **दूर ही रह** व्यक्ति और उनकी दैनिक गतिविधियों का प्रतिनिधित्व करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "खुद को उससे दूर रखें"

देखें: रूपक

नीतिवचन 5:8 (#2)

מֵעָלֶיהָ & בֵּיתָהּ

"और उसकी"

इस पद में, **उसकी** का तात्पर्य 5:3–6 में वर्णित व्यभिचारिणी स्त्री से है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "व्यभिचारिणी से ... व्यभिचारिणी का घर"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

नीतिवचन 5:8 (#3)

וְאַל־תִּתְקָרַב

"उसकी डेवढ़ी के पास भी न जाना"

इस तरह के संदर्भ में, आपकी भाषा में **जाना** के बजाय "जाओ" कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "और पास मत जाओ"

देखें: जाएँ और आएँ

नीतिवचन 5:9 (#1)

"कहीं ऐसा न हो"

यहाँ वाक्यांश **कहीं ऐसा न हो** यह संकेत देता है कि इस पद में जो कुछ कहा गया है, वह वही होगा जो लोगों के साथ होगा यदि वे पिछले पद में दिए गए आदेशों का पालन नहीं करते हैं। इस कथन को पिछले कथन से जोड़ने के लिए अपनी भाषा में एक प्राकृतिक रूप का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि आप ऐसा करते हैं, तो"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

नीतिवचन 5:9 (#2)

תִּתֵּן לַאֲחֵרִים הוֹדֶךָ

"कहीं ऐसा न हो कि तू अपना यश औरों के हाथ"

यहाँ, **यश** का अर्थ हो सकता है: (1) वह सब कुछ जो एक व्यक्ति अपने जीवन में उस समय प्राप्त करता है जब वह सबसे मजबूत होता है, जिसका अर्थ अगले वाक्याश में आपके वर्षों के समान होगा। वैकल्पिक अनुवाद: "आप दूसरों को अपना यश देते हैं" या "आप अपने जीवन के बलशाली समय से अपनी उपलब्धियाँ दूसरों को देते हैं" (2) एक व्यक्ति की प्रतिष्ठा, जिस स्थिति में यह वाक्याश किसी व्यक्ति को बुरी प्रतिष्ठा मिलने का संदर्भ देगा। वैकल्पिक अनुवाद: "आप दूसरों के साथ अपनी अच्छी प्रतिष्ठा खो देंगे"

देखें: रूपक

नीतिवचन 5:9 (#3)

וּשְׁנֹתֶיךָ

"और अपना जीवन"

सुलैमान कुछ ऐसे शब्दों को छोड़ रहा है जो कई भाषाओं में एक वाक्याश को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा तो आप वाक्य में पहले से इन शब्दों को शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और ऐसा न हो कि तुम अपना जीवन दे दो"

देखें: पदलोप

नीतिवचन 5:9 (#4)

וּשְׁנֹתֶיךָ

"और अपना जीवन"

यहाँ, **अपना जीवन** का तात्पर्य यह हो सकता है: (1) वह सब कुछ जो एक व्यक्ति अपने जीवन के उस समय में हासिल करता है जब वह सबसे स्वस्थ और सबसे मजबूत होता है। वैकल्पिक अनुवाद: "और वह सब जो आपने अपने जीवन के सबसे अच्छे वर्षों में हासिल किया है" (2) वह **जीवन** जिसमें एक व्यक्ति जीवित होता है, जिसका अर्थ है कि कोई क्रूर **जन** इस व्यक्ति को मार देगा। वैकल्पिक अनुवाद: "और आपका जीवन"

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 5:9 (#5)

לְאַכְזָרִי

"क्रूर जन के वश में कर दे"

यहाँ, **क्रूर जन** का अर्थ हो सकता है: (1) एक व्यक्ति, संभवतः व्यभिचारी महिला का पति। वैकल्पिक अनुवाद: "एक क्रूर व्यक्ति" या "एक निर्दयी पुरुष" (2) **क्रूर जनो** का एक समूह जिन्हें पिछले वाक्याश में **अन्य** कहा गया है। वैकल्पिक अनुवाद: "क्रूर लोगों के"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 5:10 (#1)

"या"

यहाँ **या** यह संकेत देता है कि इस आयत में जो कुछ कहा गया है, वह वही होगा जो लोगों के साथ होगा यदि वे 5:8 में दिए गए आदेशों का पालन नहीं करते हैं। इस कथन को पिछले कथन से जोड़ने के लिए अपनी भाषा में एक प्राकृतिक रूप का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि आप ऐसा करते हैं, तो"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

नीतिवचन 5:10 (#2)

יִשְׂבְּעוּ

"अपना पेट भरें"

यदि आपकी भाषा में इस निष्क्रिय रूप का प्रयोग नहीं होता है, तो आप विचार को सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक हो, जैसे कि यू.एस.टी. में पाया जाता है।

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 5:10 (#3)

כֹּחֲךָ

“तेरे परिश्रम”

यहाँ वाक्याश, **तेरे परिश्रम** से तात्पर्य उन सभी चीज़ों से है जो एक व्यक्ति अपने जीवन में उस समय प्राप्त करता है जब उसके पास सबसे अधिक **ताकत** होती है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जब आप बलशाली थे तब आपने जो हासिल किया था”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 5:10 (#4)

וַעֲצָבֶיךָ

“तेरे परिश्रम”

यहाँ वाक्यांश, **तेरे परिश्रम** का तात्पर्य उन सभी चीज़ों से है जो एक व्यक्ति कड़ी मेहनत करके कमाता है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और आपको मेहनत से क्या मिलता है”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 5:10 (#5)

“और परदेशी मनुष्य तेरे परिश्रम का फल अपने घर में रखें”

यहाँ, **घर** का तात्पर्य हो सकता है: (1) वह **घर** जहाँ **परदेशी मनुष्य** उन चीज़ों को रखता है जो वह इस व्यक्ति से लेता है, जैसा कि यू.एस.टी. में है। (2) वे लोग जो **परदेशी मनुष्य** के घर में रहते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “घर के सदस्य या परदेशी मनुष्य के साथ रहना”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 5:10 (#6)

“परदेशी मनुष्य”

यहाँ, **परदेशी मनुष्य** का तात्पर्य हो सकता है: (1) एक व्यक्ति, संभवतः व्यभिचारी महिला या उसका पति। वैकल्पिक अनुवाद: “एक परदेशी व्यक्ति” (2) **परदेशी मनुष्य** का एक समूह जिन्हें पिछले वाक्याश में **परदेशी** कहा गया है। वैकल्पिक अनुवाद: “परदेशी लोग”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 5:11 (#1)

בְּאַחֲרִיתֶךָ בִּכְלוֹת בְּשָׂרְךָ וּשְׁאֵרֶךָ

“और तू अपने अन्तिम समय में”

यहाँ सुलैमान सम्मानजनक तरीके से मृत्यु का उल्लेख करने के लिए **अन्तिम** शब्द और वाक्यांश **तेरे शरीर का बल खत्म हो जाए** का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अपनी भाषा में मृत्यु का सम्मानजनक तरीका उपयोग कर सकते हैं, या आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “आपकी मृत्यु के समय, जब आपका बल और आपका शरीर नष्ट हो जाते हैं”

देखें: मंगल भाषण

नीतिवचन 5:11 (#2)

בְּשָׂרְךָ וּשְׁאֵרֶךָ

“तेरे शरीर का बल खत्म हो जाए तब कराह कर”

मूल भाषा में, **तेरा मांस और तेरा शरीर** इस अभिव्यक्ति का उपयोग किया गया है, जहां **मांस और शरीर** बल को दर्शाता है। हिंदी अनुवाद में इसे सरलता से **तेरे शरीर का बल** के रूप में अनुवाद किया गया है। **बल** और **शरीर** पूरे व्यक्ति का प्रतिनिधित्व करते हैं। सुलैमान ज़ोर देने के लिए दोनों शब्दों का एक साथ उपयोग कर रहा है। यदि यह आपके पाठकों के लिए स्पष्ट होगा, तो आप एक ही वाक्यांश के साथ ज़ोर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “आप स्वयं”

देखें: द्विरावृत्ति (डबलेट)

नीतिवचन 5:12 (#1)

שָׂנֵאתִי מוּסָר וְתוֹכַחַת נָאֲצָה לִבִּי

“मैंने शिक्षा से कैसा बैर किया”

इन दोनों वाक्यांशों का मूल रूप से एक ही अर्थ है। दूसरा वाक्यांश अलग-अलग शब्दों के साथ एक ही विचार को दोहराकर पहले वाक्यांश के अर्थ पर जोर देता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए मददगार होगा, तो आप वाक्यांशों को **और** के अलावा किसी अन्य शब्द से जोड़ सकते हैं ताकि यह दिखाया जा सके कि दूसरा वाक्यांश पहले वाले को दोहरा रहा है, कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: “मैंने सुधार से घृणा की, हाँ, मेरे दिल ने डांट को तुच्छ जाना”

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 5:12 (#2)

אֵיךְ שָׂנֵאתִי מוּסָר

“मैंने शिक्षा से कैसा बैर किया”

यहाँ “**कैसा**” एक विस्मयादिबोधक है जो इस बात पर जोर देता है कि उसने **शिक्षा से कैसा बैर किया**। एक विस्मयादिबोधक का प्रयोग करें जो आपकी भाषा में उस अर्थ को व्यक्त करे। वैकल्पिक अनुवाद: “मुझे सुधार से बहुत नफरत थी”

देखें: विस्मयादिबोधक

नीतिवचन 5:12 (#3)

“डाँटनेवाले”

देखिये आपने 3:11 में भाववाचक संज्ञा **डाँट** का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 5:12 (#4)

“मेरा मन”

मूल भाषा में यहाँ मेरा मन वाक्यांश का प्रयोग किया गया है। देखें कि आपने 2:2 में **मन** किस प्रकार अनुवाद किया।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 5:13 (#1)

וְלֹא־שָׁמַעְתִּי בְּקוֹל מוֹרָי וְלַמְּלַמְּדַי לֹא הִטֵּיתִי אָזְנִי

“मैंने अपने गुरुओं की बातें न मानीं”

इन दोनों वाक्यांशों का अर्थ मूलतः एक ही है। दूसरा वाक्यांश अलग-अलग शब्दों के साथ एक ही विचार को दोहराकर पहले वाक्यांश के अर्थ पर जोर देता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए मददगार होगा, तो आप वाक्यांशों को **और** के अलावा किसी अन्य शब्द से जोड़ सकते हैं ताकि यह दिखाया जा सके कि दूसरा वाक्यांश पहले वाले को दोहरा रहा है, कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: "और मैंने अपने शिक्षकों की आवाज़ नहीं सुनी, मैंने अपने शिक्षकों की बात नहीं सुनी"

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 5:13 (#2)

וְלֹא־שָׁמַעְתִּי בְּקוֹל

"बातें न मानीं"

वाक्यांश किसी की **बातें न मानीं** एक मुहावरा है जिसका मतलब किसी की आज्ञा न मानना है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इसका मतलब स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और मैंने निर्देशों का पालन नहीं किया"

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 5:13 (#3)

"अपने सिखानेवालों की ओर ध्यान न लगाया"

देखिये आपने इस मुहावरे का अनुवाद 4:20 में कैसे किया है।

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 5:14 (#1)

בְּכָל־רָעָ

"मैं सभा और मण्डली के बीच में पूर्णतः विनाश की कगार पर जा पड़ा"

यहाँ, व्यभिचारी व्यक्ति पूर्ण अपमान का अनुभव करने की बात करता है जैसे कि **पूर्णतः विनाश** उसके स्थान पर थीं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पूर्ण अपमान का अनुभव करना"

देखें: रूपक

नीतिवचन 5:14 (#2)

קָהָל וְעֵדָה

"मैं सभा और मण्डली के बीच में"

सभा और **मण्डली** शब्द का मतलब एक ही है और यह उस व्यक्ति के समुदाय को दर्शाता है। वह व्यक्ति जोर देने के लिए दोनों शब्दों का एक साथ इस्तेमाल कर रहा है। अगर आपके पाठकों के लिए यह स्पष्ट हो, तो आप एक ही वाक्यांश से जोर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पूरी सभा के बीच में"

देखें: द्विरावृत्ति (डबलेट)

नीतिवचन 5:15 (#1)

שְׁתֵה־מַיִם מִבּוֹרֶךָ וְזָרִמִים מִתּוֹךְ בְּאֵרֶךָ

"तू अपने ही कुण्ड से पानी, और अपने ही कुएँ के सोते का जल पिया करना"

इन दोनों वाक्यांशों का अर्थ मूलतः एक ही है। दूसरा वाक्यांश अलग-अलग शब्दों के साथ एक ही विचार को दोहराकर पहले वाक्यांश के अर्थ पर जोर देता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए मददगार होगा, तो आप वाक्यांशों को **और** के अलावा किसी अन्य शब्द से जोड़ सकते हैं ताकि यह दिखाया जा सके कि दूसरा वाक्यांश पहले वाले को दोहरा रहा है, कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: "अपने कुण्ड से पानी पी लो, हाँ, अपने कुएँ से बहता हुआ पानी पी लो"

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 5:15 (#2)

שְׁתֵה־מַיִם מִבּוֹרֶךָ וְזָרִמִים מִתּוֹךְ בְּאֵרֶךָ

"तू अपने ही कुण्ड से पानी, और अपने ही कुएँ के सोते का जल पिया करना"

सुलैमान दूसरे वाक्यांश में एक शब्द छोड़ रहा है जिसकी कई भाषाओं में एक वाक्यांश को पूरा करने के लिए आवश्यकता होती है। यदि यह आपकी भाषा में स्पष्ट होगा तो आप पहले वाक्यांश से यह शब्द दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अपने कुण्ड से पानी पियो, और अपने कुएँ के बीच से बहता हुआ जल पियो"

देखें: पदलोप

नीतिवचन 5:15 (#3)

שְׁתֵה־מַיִם מִבּוֹרֶךָ וְזָרִמִים מִתּוֹךְ בְּאֵרֶךָ

"तू अपने ही कुण्ड से पानी, और अपने ही कुएँ के सोते का जल पिया करना"

इन दोनों ही वाक्यांशों में, सुलैमान एक विनम्र तरीके से एक आदमी को अपनी पत्नी के साथ अपनी यौन इच्छा को संतुष्ट करने के लिए संदर्भित कर रहा है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अपनी भाषा में इसे संदर्भित करने का और ज़्यादा सामान्य विनम्र तरीका इस्तेमाल कर सकते हैं, या आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "केवल अपनी पत्नी के साथ सोएं और केवल उसके साथ ही खुद को संतुष्ट करें" या "अपनी यौन इच्छा को केवल अपनी पत्नी के साथ संतुष्ट करें, हाँ, अपनी यौन इच्छा को केवल उसके साथ संतुष्ट करें"

देखें: मंगल भाषण

नीतिवचन 5:16 (#1)

יָפֻצוּ מַעְיְנֹתֶיךָ חוּצָה בְּבַרְחֹבוֹת פַּלְגֵי־מָיִם

"क्या तेरे सोतों का पानी सड़क में, और तेरे जल की धारा चौकों में बह जाने पाए?"

सुलैमान प्रश्न के रूप का उपयोग इस बात पर ज़ोर देने के लिए कर रहा है कि एक आदमी को व्यभिचार नहीं करना चाहिए। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्न के रूप का उपयोग नहीं करना चाहते हैं, तो आप इसे एक कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपके झरने बाहर नहीं बहने चाहिए, खुले क्षेत्रों में पानी की धराये नहीं होनी चाहिए!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

नीतिवचन 5:16 (#2)

יָפֻצוּ מַעְיְנֹתֶיךָ חוּצָה בָּרְחֹבוֹת פַּלְגֵי־מָיִם

“तेरे जल की धारा चौकों में बह जाने पाए?”

सुलैमान दूसरे वाक्यांश में कुछ ऐसे शब्द छोड़ रहा है जो कई भाषाओं में एक वाक्यांश को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा तो आप इन शब्दों को पहले वाक्यांश से जोड़ सकते हैं। आपको एक नया वाक्य बनाने की आवश्यकता हो सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: “क्या आपके जल की धारा बाहर बहने चाहिए? क्या आपके पानी की धराये खुले क्षेत्रों में बहने चाहिए?”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 5:16 (#3)

יָפֻצוּ מַעְיְנֹתֶיךָ חוּצָה בָּרְחֹבוֹת פַּלְגֵי־מָיִם

“क्या तेरे सोतों का पानी सड़क में, और तेरे जल की धारा चौकों में बह जाने पाए”

दोनों वाक्यांशों में, सुलैमान एक ऐसे व्यक्ति को संदर्भित करने के लिए एक विनम्र तरीके का उपयोग कर रहा है जो अपनी पत्नी के अलावा किसी अन्य महिला के साथ यौन संबंध रखता है, जैसे कि वह अपने **सोतों** या **जल** को सार्वजनिक स्थानों पर बहने दे रहा हो। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अपनी भाषा में इसे संदर्भित करने का अधिक विनम्र तरीका इस्तेमाल कर सकते हैं, या आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। इस अध्याय के लिए सामान्य टिप्पणी में उपमा की चर्चा देखें। वैकल्पिक अनुवाद: “क्या आपको अन्य महिलाओं के साथ संबंध बनाना या उनके साथ खुलेआम संबंध बनाना चाहिए?”

देखें: मंगल भाषण

नीतिवचन 5:16 (#4)

חוּצָה בָּרְחֹבוֹת

“सड़क में...चौकों में”

यहाँ, **सड़क में** और **चौकों में** का तात्पर्य सार्वजनिक स्थानों से है जहाँ बहुत से लोग होते हैं। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “सार्वजनिक सड़कों पर ... सार्वजनिक स्थानों पर”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 5:17 (#1)

יִהְיוּ

“यह केवल तेरे ही लिये रहे”

यहाँ, वाक्यांश **यह केवल तेरे ही लिये** का तात्पर्य पिछले पद में बताए गए “सोतों का पानी” और “जल की धारा” से है, जो यौन गतिविधि के लिए व्यंजना हैं। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। देखें कि आपने पिछले पद में उन व्यंजनाओं का अनुवाद कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: “अपनी यौन इच्छाओं को पूरा होने दें”

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

नीतिवचन 5:17 (#2)

לְךָ לְבַדֶּךָ

“यह केवल तेरे...और तेरे”

“वाक्यांशों “**यह केवल तेरे**” और “**और तेरे**” का अर्थ एक ही है। सुलैमान जोर देने के लिए दोनों वाक्यांशों का एक साथ उपयोग कर रहा है। यदि यह आपके पाठकों के लिए स्पष्ट होगा, तो आप एक ही वाक्यांश के साथ जोर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “केवल आपके लिए” या “”आपके लिए और किसी और के लिए नहीं”“”

देखें: द्विरावृत्ति (डबलेट)

नीतिवचन 5:18 (#1)

“तेरा सोता धन्य रहे”

यह वाक्य अगले वाक्य में खुश रहने के वाक्य की तरह ही एक आदेश है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “तू अपने सोते से धन्य रहे”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 5:18 (#2)

יְהִי־מְקוֹרְךָ בָּרוּךְ

“तेरा सोता धन्य रहे”

यहाँ सुलैमान अपने पुत्र की पत्नी के बारे में ऐसे बात करता है मानो वह एक **सोता** हो जिससे उसके पुत्र **धन्य** रहे। यहाँ **धन्य** शब्द का अर्थ है आनंद या यौन सुख का अनुभव करना। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “आप अपनी पत्नी के साथ आनंद का अनुभव करें”

देखें: रूपक

नीतिवचन 5:18 (#3)

מֵאֵשֶׁת נְעוּרֶיךָ

“और अपनी जवानी की पत्नी के साथ”

यहाँ सुलैमान उस **पत्नी** का वर्णन करने के लिए अधिकारवाचक रूप का उपयोग कर रहा है जिससे उसके पुत्र ने अपनी **जवानी** में विवाह किया था। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उस पत्नी से जिससे आपने अपनी युवावस्था में विवाह किया था”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 5:18 (#4)

“अपनी जवानी”

देखें कि आपने 2:17 में भाववाचक संज्ञा **जवानी** का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 5:19 (#1)

“वह तेरे लिए प्रिय हिरनी या सुन्दर सांभरनी के समान हो”

यहाँ सुलैमान ने बताया कि "तुम्हारी जवानी की पत्नी" कितनी खूबसूरत है, मानो वह **प्रिय हिरनी या सुन्दर सांभरनी के समान हो**। इस्राएलियों ने इन दोनों जानवरों को शारीरिक सुंदरता और सुंदर चाल का प्रतीक माना। अगर आपकी भाषा में किसी स्त्री की तुलना किसी जानवर से करना मददगार होगा या आपकी भाषा में उचित नहीं होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं या उपमा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह प्रेम की हिरणी जितनी सुंदर है और सांभरनी जितनी मनमोहक है"

देखें: रूपक

नीतिवचन 5:19 (#2)

אַיֶּלֶת אֲהָבִים

"प्रिय हिरनी"

यहाँ सुलैमान ने एक **हिरणी** का वर्णन करने के लिए अधिकारवाचक रूप का उपयोग किया है जो **प्रेम** की विशेषता रखती है। यहाँ **प्रेम** शब्द जोर देने के लिए बहुवचन है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे किसी अन्य अभिव्यक्ति से इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक बहुत प्यारी हिरणी"

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 5:19 (#3)

וְיַעֲלַת־חֵן

"सुन्दर सांभरनी के समान हो"

यहाँ सुलैमान ने एक **सुन्दर सांभरनी** का वर्णन करने के लिए अधिकारवाचक रूप का उपयोग किया है जो कि **अनुग्रह** से भरी है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे किसी अन्य अभिव्यक्ति से इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक सुंदर पहाड़ी बकरी"

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 5:19 (#4)

דַּדֶּיהָ יְרַוּךָ

"उसके स्तन सर्वदा तुझे सन्तुष्ट रखें"

यहाँ सुलैमान एक पत्नी के **स्तनों** के बारे में बात करता है जो उसके पति की यौन इच्छाओं को संतुष्ट करते हैं जैसे वे एक भूखे बच्चे की भूख को संतुष्ट करते हैं। यहाँ, **संतुष्ट** का अर्थ है बच्चे को संतोषजनक मात्रा में दूध देना। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा या यदि **स्तनों** को संदर्भित करना आपकी भाषा में अपमानजनक होगा, तो आप अधिक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसकी छाती तुम्हें आनंद से भर दे जैसे एक माँ के स्तन उसके बच्चे को भोजन से भर देते हैं" या "वह तुम्हारी यौन इच्छाओं को संतुष्ट करे"

देखें: रूपक

नीतिवचन 5:19 (#5)

תִּשְׁגֶּה תָמִיד

"और उसी का प्रेम नित्य तुझे मोहित करता रहे"

यहाँ सुलैमान उस प्रेम की उत्साहपूर्ण खुशी की बात कर रहा है जो एक पुरुष को अपनी पत्नी के लिए होना चाहिए, मानो वह नशे में धुत व्यक्ति की तरह लड़खड़ा रहा हो। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप निरंतर आनंद मनाएँ"

देखें: रूपक

नीतिवचन 5:20 (#1)

וְלָמָּה תִשְׁגֶּה בְּנִי בְזָרָה וּתְחַבֵּק חֵיק נָכְרִיָּה

"हे मेरे पुत्र, तू व्यभिचारिणी पर क्यों मोहित हो, और पराई स्त्री को क्यों छाती से लगाए?"

सुलैमान प्रश्न के रूप का उपयोग इस बात पर ज़ोर देने के लिए कर रहा है कि एक आदमी को व्यभिचार नहीं करना चाहिए। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्न के रूप का उपयोग नहीं करना चाहते हैं, तो आप इसे एक कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और हे मेरे पुत्र, तू किसी पराई स्त्री के साथ न लड़खड़ाए, और न किसी पराई स्त्री को छाती से लगाए!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

नीतिवचन 5:20 (#2)

וְלָמָּה תִשְׁגֶּה בְּנִי בְזָרָה וּתְחַבֵּק חֵיק נָכְרִיָּה

"हे मेरे पुत्र, तू व्यभिचारिणी पर क्यों मोहित हो, और पराई स्त्री को क्यों छाती से लगाए?"

सुलैमान दूसरे वाक्यांश में कुछ ऐसे शब्द छोड़ रहा है जो कई भाषाओं में एक वाक्यांश को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा तो आप पहले वाक्यांश से ये शब्द दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और हे मेरे पुत्र, तू पराई स्त्री के साथ क्यों लड़खड़ाता है, या पराई स्त्री को क्यों गले लगाता है"

देखें: पदलोप

नीतिवचन 5:20 (#3)

תִשְׁגֶּה

"क्यों मोहित हो"

देखिये आपने पिछले पद में '**मोहित**' शब्द का प्रयोग किस प्रकार किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 5:20 (#4)

"और पराई स्त्री को"

देखिये आपने 2:16 में **पराई स्त्री** का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 5:21 (#1)

כִּי

"क्योंकि"

क्योंकि का अर्थ यहाँ 5:15–20 में बताई गई आज्ञाओं का पालन करने का कारण है। कारण बताने के लिए अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीके का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: “व्यभिचार न करें क्योंकि”

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

नीतिवचन 5:21 (#2)

נֹכַח ׀ עֵינֵי יְהוָה דַּרְכֵי־אִישׁ וְכָל־מַעְגְּלֹתָיו מְפַלֵּס

“क्योंकि मनुष्य के मार्ग यहोवा की दृष्टि से छिपे नहीं हैं”

इन दो वाक्यांशों का अर्थ एक जैसा है। सुलैमान ने जो विचार व्यक्त किया है उस पर ज़ोर देने के लिए दोहराव का इस्तेमाल किया है। अगर यह आपके पाठकों के लिए मददगार होगा, तो आप वाक्यांशों को जोड़ सकते हैं और दूसरे तरीके से ज़ोर दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह जो कुछ भी करता है, उसे देखकर, परमेश्वर देखता है कि मनुष्य कैसे रहता है”

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 5:21 (#3)

נֹכַח ׀ עֵינֵי יְהוָה & מְפַלֵּס

“क्योंकि मनुष्य के मार्ग यहोवा की दृष्टि से छिपे नहीं हैं, और वह उसके सब मार्गों पर ध्यान करता है।”

यहाँ सुलैमान **यहोवा** के बारे में बात करता है कि वह जानता है कि लोग क्या करते हैं, मानो लोग जो कुछ भी करते हैं वह उसकी **आँखों** के सामने हो या **वह** वही है जो **सब मार्गों पर ध्यान करता है।**। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यहोवा पूरी तरह से जानता है ... वह पूरी तरह से अवगत है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 5:21 (#4)

“के मार्ग” - “सब मार्गों”

देखिये आपने 3:6 में **मार्ग** और **मार्गों** के समान प्रयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 5:21 (#5)

אִישׁ & מַעְגְּלֹתָיו

“मनुष्य”

हालाँकि शब्द **मनुष्य** और **उसके** पुल्लिंग हैं, लेकिन सुलैमान इन शब्दों का इस्तेमाल सामान्य अर्थ में कर रहा है जिसमें पुरुष और महिला दोनों शामिल हैं। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप ऐसे वाक्यांशों का इस्तेमाल कर सकते हैं जो इसे स्पष्ट करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक व्यक्ति ... उस व्यक्ति के मार्ग”

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 5:22 (#1)

עֲוֹנוֹתָיו יִלְכְּדֻנוּ אֶת־הָרָשָׁע וּבְחַבְלֵי חַטָּאתוֹ יִתָּמֵךְ

“दुष्ट अपने ही अधर्म के कर्मों से फँसेगा”

इस पद में उनका उल्लेख पहले वाक्यांश में वर्णित दुष्ट व्यक्ति से है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “दुष्ट व्यक्ति के अधर्म उसे पकड़ लेते हैं, और दुष्ट व्यक्ति के पाप की रस्सियों से वह पकड़ा जाता है”

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

नीतिवचन 5:22 (#2)

עֲוֹנוֹתָיו יִלְכְּדֻנוּ אֶת־הָרָשָׁע וּבְחַבְלֵי חַטָּאתוֹ יִתָּמֵךְ

“दुष्ट अपने ही अधर्म के कर्मों से फँसेगा”

हालाँकि शब्द **अपने** पुल्लिंग हैं, सुलैमान इस शब्द का उपयोग एक सामान्य अर्थ में कर रहा है जिसमें पुरुष और महिला दोनों शामिल हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप ऐसे वाक्यांशों का उपयोग कर सकते हैं जो इसे स्पष्ट करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “दुष्ट व्यक्ति के अधर्म उस व्यक्ति को पकड़ लेते हैं, और उस व्यक्ति के पापों की रस्सियों से वह व्यक्ति पकड़ा जाता है”

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 5:22 (#3)

עֲוֹנוֹתָיו יִלְכְּדֻנוּ & וּבְחַבְלֵי חַטָּאתוֹ יִתָּמֵךְ

“दुष्ट अपने ही अधर्म के कर्मों से फँसेगा, और अपने ही पाप के बन्धनों में बन्धा रहेगा।”

इस पद में, सुलैमान एक दुष्ट व्यक्ति के बारे में बात करता है जो अपने **अधर्म** और **पाप** के परिणामों से बचने में असमर्थ है, जैसे कि वे **अधर्म** और **पाप** ऐसे लोग थे जो उस व्यक्ति को **बन्धनों में बन्धा** सकते थे या जकड़ सकते थे। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह अपने अधर्म के लिए दण्डित होने से नहीं बचेगा ... और वह अपने पाप की रस्सियों के कारण फँस गया है”

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 5:22 (#4)

עֲוֹנוֹתָיו & חַטָּאתוֹ

“अधर्म के कर्मों” - “अपने ही पाप”

अगर आपकी भाषा में **अधर्म** और **पाप** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप उन्हीं विचारों को दूसरे तरीकों से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह जो अधर्म करता है... वह जो पाप करता है”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 5:22 (#5)

וּבְחַבְלֵי חַטָּאתוֹ יִתָּמֵךְ

“और अपने ही पाप के बन्धनों में बन्धा रहेगा।”

अगर आपकी भाषा में इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से व्यक्त

कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: “और उसके पाप की रस्सियाँ उसे जकड़ लेती हैं”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 5:22 (#6)

וּבְחַבְלֵ֥י חַטָּאתֹ֖ו

“और अपने ही पाप के बन्धनों में”

यहाँ सुलैमान **पाप के बन्धनों** का वर्णन करने के लिए अधिकारवाचक रूप का उपयोग कर रहा है। यदि आपकी भाषा इसके लिए अधिकारवाचक रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और बन्धनों द्वारा, अर्थात् उसके पाप से,”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 5:23 (#1)

הֽוּא & וּבְרֹ֣ב אִוַּלְתּ֑ו יִשְׁגֶּֽה

“वह”
- “

और अपनी ही मूर्खता के कारण भटकता रहेगा।“

हालाँकि **वह** और **अपनी** शब्द पुल्लिंग हैं, लेकिन सुलैमान इन शब्दों का इस्तेमाल सामान्य अर्थ में कर रहा है जिसमें पुरुष और महिला दोनों शामिल हैं। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप ऐसे वाक्यांशों का इस्तेमाल कर सकते हैं जो इसे स्पष्ट करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह व्यक्ति ... और उस व्यक्ति की मूर्खता की अधिकता में वह व्यक्ति लड़खड़ाता है”

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 5:23 (#2)

בְּאֵ֥ין מוּסָ֖ר וּבְרֹ֣ב אִוַּלְתּ֑ו

“वह अनुशासन का पालन न करने के कारण मर जाएगा”

यदि आपकी भाषा में **अनुशासन**, **मूर्खता** और **भटकता** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओ का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप उन्हीं विचारों को अन्य तरीकों से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “क्योंकि उसे सुधारा नहीं गया; और वह कितना मूर्ख है”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 5:23 (#3)

יִשְׁגֶּֽה

“भटकता रहेगा”

यहाँ सुलैमान एक ऐसे व्यक्ति की बात कर रहा है जो पापपूर्ण तरीके से व्यवहार करता है जिसके कारण उसकी मृत्यु हो जाएगी, जैसे कि वह नशे में धुत व्यक्ति की तरह भटक रहा हो जो खो गया हो। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह अपना रास्ता खो देता है” या “वह लापरवाही से व्यवहार करता है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 6:1 (#1)

“हे मेरे पुत्र”

देखिए कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 1:8 में कैसे किया है।

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 6:1 (#2)

אִם

“यदि”

यहाँ, **यदि** यह संकेत देता है कि सुलैमान अपने **पुत्र** को सिखाने के लिये एक काल्पनिक स्थिति का उपयोग कर रहे हैं। यह वचन और अगला वचन मिलकर एक लम्बा शर्तीय वाक्य बनाते हैं। अपनी भाषा में ऐसी किसी भी सम्भावित स्थिति को प्रस्तुत करने के लिये स्वाभाविक रूप का प्रयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: “कल्पना करे”

देखें: जोड़ें — काल्पनिक स्थितियाँ

नीतिवचन 6:1 (#3)

אִם־עָרַ֣בְתָּ לְרֵעֶ֑ךָ

“यदि तू अपने पड़ोसी के जमानत का उत्तरदायी हुआ हो”

यहाँ सुलैमान का अर्थ है कि **उत्तरदायी** एक वादा है कि अगर **अपने पड़ोसी** स्वयं उधार वापस करने में असमर्थ हैं, तो आप उधार वापस करेंगे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यदि आप वादा करते हैं कि जब आपका पड़ोसी उधार वापस करने में असमर्थ हों, तो आप उनके लिये उधार चुकाएँगे”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 6:1 (#4)

תָּקַ֥עְתָּ לַזָּֽר כַּפֶּֽיךָ

“परदेशी के लिये शपथ खाकर उत्तरदायी हुआ हो”

सुलैमान एक ऐसा शब्द छोड़ रहे हैं जिसे कई भाषाओं में वाक्य को पूर्ण बनाने के लिये आवश्यक माना जाता है। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट हो, तो आप पिछले उपवाक्य से शब्द को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यदि आप किसी परदेशी के लिये शपथ खाकर उत्तरदायी हुआ हो”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 6:1 (#5)

תָּקַ֥עְתָּ & כַּפֶּֽיךָ

“शपथ खाकर उत्तरदायी हुआ हो”

इस संस्कृति में इस कार्य का उद्देश्य किसी के साथ एक अनुबंधात्मक सहमति की पुष्टि करना था। यदि आपकी संस्कृति में ऐसा कोई संकेत है जिसका अर्थ समान हो, तो आप अपने अनुवाद में उसका प्रयोग कर सकते हैं, या आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “आप सहमति की पुष्टि करने के लिये हाथ मिलाते हैं” या “आप सहमति की पुष्टि करते हैं”

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

नीतिवचन 6:2 (#1)

נוֹקַשְׁתָּ בְאִמְרֵי־פִיךָ נִלְכַּדְתָּ בְּאִמְרֵי־פִיךָ

“तू अपने ही शपथ के वचनों में फँस जाएगा,”

यह दोनों उपवाक्य मूल रूप से एक ही बात कहते हैं। दूसरा उपवाक्य पहले की बात को अलग शब्दों में दोहराकर उसके अर्थ को जोर देकर बताता है। यदि आपके पाठकों के लिये यह सहायक हो, तो आप वाक्यांशों को एक ऐसे शब्द से जोड़ सकते हैं जो दिखाता है कि दूसरा उपवाक्य पहले को दोहरा रहा है और कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: “आप अपने ही शपथ के वचनों में फँस जाएँगे, हाँ, आप अपने ही मुँह के वचनों से पकड़े जाएँगे”

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 6:2 (#2)

נוֹקַשְׁתָּ בְאִמְרֵי־פִיךָ נִלְכַּדְתָּ בְּאִמְרֵי־פִיךָ

“तू अपने ही शपथ के वचनों में फँस जाएगा,”

इन दोनों उपवाक्यों में, सुलैमान एक ऐसा शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में वाक्य को पूर्ण बनाने के लिये आवश्यक होता है। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप पिछले वचन के पहले उपवाक्य से शब्द को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यदि आप अपने ही शपथ के वचनों में फँस जाएँगे, यदि आप अपने ही मुँह के वचनों से पकड़े जाएँगे”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 6:2 (#3)

נוֹקַשְׁתָּ בְאִמְרֵי־פִיךָ נִלְכַּדְתָּ בְּאִמְרֵי־פִיךָ

“तू अपने ही शपथ के वचनों में फँस जाएगा,”

मूल भाषा में यह उपवाक्य निष्क्रिय रूप में लिखा गया है जबकि हिन्दी बाइबल में यह पहले से ही सक्रिय रूप में है। यदि आपकी भाषा इन निष्क्रिय रूपों का उपयोग नहीं करती है, तो आप विचारों को सक्रिय रूपों में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से जो स्वाभाविक हो, व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “आप अपने ही शपथ के वचनों के द्वारा फँसाए गए हैं, आप अपने ही मुँह के वचनों से पकड़ा गए हैं”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 6:2 (#4)

נוֹקַשְׁתָּ בְאִמְרֵי־פִיךָ נִלְכַּדְתָּ בְּאִמְרֵי־פִיךָ

“तू अपने ही शपथ के वचनों में फँस जाएगा,”

इन उपवाक्यों में सुलैमान किसी व्यक्ति के उसके द्वारा कही गई वचनों के कारण कष्ट में पड़ने की बात इस प्रकार करते हैं जैसे कि उसके **वचनों** ही उसके लिये एक फंदा बन गया हों जो उसे फँसा सकता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यदि आप अपने शपथ के वचनों से मुसीबत में पड़ते हैं, यदि आप अपने मुँह के वचनों से कठिनाई का सामना करते हैं”

देखें: रूपक

नीतिवचन 6:2 (#5)

בְּאִמְרֵי־פִיךָ & בְּאִמְרֵי־פִיךָ

“अपने ही मुँह के वचनों से”

यहाँ **मुँह** उस व्यक्ति का प्रतिनिधित्व करता है जो **फँस** या **पकड़ा** जाएगा। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसका अर्थ सीधे व्यक्त कर सकते हैं वैकल्पिक अनुवाद: “अपने ही वचनों द्वारा ... अपने ही वचनों द्वारा”

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 6:3 (#1)

עֲשֵׂה־זֹאת אֵפוֹא

“इस स्थिति में ... एक काम कर”

यहाँ **इस स्थिति में** यह संकेत करता है कि यदि पिछले दो वचनों में बताए गए काल्पनिक परिस्थितियाँ होती हों, तो आगे जो कहा जा रहा है वह किया जाना चाहिए। अपनी भाषा में इसे व्यक्त करने का सबसे स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: “इस स्थिति में ... यह प्रत्युत्तर दे”

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

नीतिवचन 6:3 (#2)

“हे मेरे पुत्र”

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 1:8 में कैसे किया है।

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 6:3 (#3)

וְהִנָּצֵל

“और अपने आपको बचा ले”

यहाँ **और** यह इंगित करता है कि आगे जो कहा गया है, वह उस कार्य का उद्देश्य है जिसे सुलैमान अपने पुत्र को इस वचन में करने के लिये आज्ञा देते हैं। अपनी भाषा में एक ऐसा संयोजक प्रयोग करें जो उद्देश्य को इंगित करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: “अपने आप को बचाने के उद्देश्य से”

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) सम्बन्ध

नीतिवचन 6:3 (#4)

וְהִנָּצֵל

“और अपने आपको बचा ले”

यहाँ सुलैमान का तात्पर्य यह हैं कि उनके **पुत्र** को उस प्रतिज्ञा को पूरा करने के कर्तव्य से अपने आप को **बचा** लेना चाहिए, जिसका उल्लेख 6:1–2 में किया गया है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और अपने आप को अपने कर्तव्य से बचा लो”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 6:3 (#5)

בָּבֶאתָ בְכַף־רֵעֶיךָ

“तू अपने पड़ोसी के हाथ में पड़ चुका है”

यहाँ सुलैमान अपने **पुत्र** के विषय में ऐसे बोल रहे हैं, जो अपने **पड़ोसी** के नियन्त्रण में है, जैसे कि वह अपने **पड़ोसी** के **हाथ में पड़ चुका** हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसका अर्थ सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “आपके पड़ोसी का आप पर अधिकार है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 6:3 (#6)

וּרְהַב

“विनती कर”

यहाँ सुलैमान अपने **पुत्र** के विषय में ऐसे कहते हैं जैसे वह अपने **पड़ोसी** से विनती कर रहा हो, मानो वह उस पर जोर डाल रहा हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसका अर्थ सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और गिड़गिड़ाकर विनती करें”

देखें: रूपक

नीतिवचन 6:3 (#7)

וּרְהַב רֵעֶיךָ

“उससे (पड़ोसी) विनती कर”

यहाँ सुलैमान का अर्थ है कि उनके **पुत्र** अपने **पड़ोसी** से **विनती** करे ताकि वे उन्हें 6:1–2 में उल्लिखित वादा पूरा करने की बाध्यता से मुक्त कर दें। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और अपने पड़ोसी से विनती करें कि वे आपको आपकी बाध्यता से मुक्त करें”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 6:4 (#1)

אַל־תִּתֵּן שֵׁנָה לְעֵינֶיךָ וּתְנוּמָה לְעַפְעַפֶּיךָ

“तू न तो अपनी आँखों में नींद ... आने दे”

मूल भाषा में दूसरे उपवाक्य में कुछ शब्दों को छोड़ दिया गया है, जबकि हिन्दी बाइबल में पहले के उपवाक्य में कुछ शब्दों को छोड़ दिया है। पहले के उपवाक्य में सुलैमान कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं, जो कई भाषाओं में उस उपवाक्य को पूर्ण बनाने के लिये आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप दूसरे उपवाक्य से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “आप न तो अपनी आँखों को नींद आने दे और न आप अपनी पलकों में झपकी आने दे”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 6:4 (#2)

אַל־תִּתֵּן שֵׁנָה לְעֵינֶיךָ וּתְנוּמָה לְעַפְעַפֶּיךָ

“तू न तो अपनी आँखों में नींद ... आने दें”

यह दोनों उपवाक्य मूल रूप से एक ही बात का अर्थ रखते हैं। दूसरा उपवाक्य अलग शब्दों के साथ दोहराकर पहले के अर्थ को जोर देता है। यदि आपके पाठकों के लिये यह सहायक हो, तो आप उपवाक्यों को **और** के अलावा किसी अन्य शब्द से जोड़ सकते हैं जो दिखाता है कि दूसरा उपवाक्य पहले को दोहरा रहा है, कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: “अपनी आँखों को नींद न दें, हाँ, न अपनी पलकों में झपकी आने दे”

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 6:4 (#3)

אַל־תִּתֵּן שֵׁנָה לְעֵינֶיךָ וּתְנוּמָה לְעַפְעַפֶּיךָ

“तू न तो अपनी आँखों में नींद ... आने दे”

यहाँ सुलैमान **नींद** और **झपकी** को इस प्रकार व्यक्त कर रहे हैं जैसे ये ऐसी वस्तुएँ हों जिन्हें कोई अपने आप को दे सकता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “आपकी आँखें न सोएँ और न आपकी पलकें झपकें”

देखें: रूपक

नीतिवचन 6:4 (#4)

אַל־תִּתֵּן שֵׁנָה

“न तो ... नींद ... आने दे”

सुलैमान का तात्पर्य यह है कि इस व्यक्ति को तब तक अपने आप को **नींद** नहीं देनी चाहिए जब तक वह अपने पड़ोसी के पास जाकर उस वाचे से स्वयं को मुक्त न कर ले। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जब तक आप अपने आप को इस समस्या से नहीं बचा लेते, तब तक नींद न आने दें”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 6:4 (#5)

לְעֵינֶיךָ & לְעַפְעַפֶּיךָ

“अपनी आँखों में”

यहाँ सुलैमान **आँखों** और **पलकों** का उपयोग पूरे शरीर का उल्लेख करने के लिये कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अपने आप को ... अपने आप को”

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 6:5 (#1)

הִנָּצֵל כִּצְבִי מִיָּד וּכְצִפּוֹר מִיַּד יָקוּשׁ

“और अपने आपको हिरनी के समान शिकारी के हाथ से ... छुड़ा”

यहाँ सुलैमान कुछ ऐसे शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूर्ण बनाने के लिये आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और अपने आपको ऐसे बचाओ जैसे एक हिरनी अपने आप को किसी शिकारी के हाथ से बचाती है, और अपने आप को ऐसे बचाओ जैसे एक चिड़िया अपने आप को चिड़ीमार के हाथ से बचाता है”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 6:5 (#2)

הִנָּצֵל כִּצְבִי מִיָּד וּכְצִפּוֹר מִיַּד יָקוּשׁ

“और अपने आपको हिरनी के समान शिकारी के हाथ से ... छुड़ा”

यह दोनों उपवाक्य मूल रूप से एक ही बात का अर्थ रखते हैं। दूसरा उपवाक्य अलग शब्दों में दोहराकर पहले के अर्थ पर जोर देता है। यदि यह पाठकों के लिये सहायक हो, तो आप दोनों उपवाक्यों को जोड़ने के लिये **और** के स्थान पर ऐसा कोई शब्द उपयोग कर सकते हैं जो यह दर्शाए कि दूसरा उपवाक्य केवल पहले को दोहरा रहा है, कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: “अपने आप को एक हिरनी के समान शिकारी के हाथ से छुड़ाए, हाँ, अपने आप को एक चिड़िया के समान चिड़ीमार के हाथ से छुड़ाए”

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 6:5 (#3)

כִּצְבִיִ & וּכְצִפּוֹר

“हिरनी के समान” - “और चिड़िया के समान”

सुलैमान कह रहे हैं कि व्यक्ति को **हिरनी** और **चिड़िया** के समान व्यवहार करना चाहिए क्योंकि ये दोनों जानवर शिकारी से बचने के लिये चतुर और तेज होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “हिरनी के समान तेजी से ... और चिड़िया के समान फुर्ती से”

देखें: उपमा

नीतिवचन 6:5 (#4)

כִּצְבִיִ

“हिरनी के समान”

हिरनी एक भूमि जानवर है जो तेज और सहज गति से दौड़ने के लिये जानी जाती है। यदि आपके पाठक इस प्रकार के जानवर से परिचित न हों, तो आप अपने क्षेत्र में किसी समान जानवर का नाम उपयोग कर सकते हैं, या फिर एक अधिक सामान्य शब्द का प्रयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जैसे एक जानवर जो तेजी से दौड़ता है”

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

नीतिवचन 6:6 (#1)

לֵךְ־אֶל־נְמָלָה

“चींटियों के पास जा”

यहाँ **जा** का तात्पर्य यह है **चींटियों** को देखने के उद्देश्य से जाना। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “चींटियों के पास जाओ और देखो”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 6:6 (#2)

נְמָלָה

“चींटियों (चींटी)”

मूल भाषा में “चींटी” शब्द का प्रयोग किया गया है, जो एकवचन को दर्शाता है। जबकि हिन्दी बाइबल में यहाँ “चींटियों” शब्द का उपयोग किया गया है जो बहुवचन को दिखाता है। यहाँ **चींटी** शब्द किसी एक विशेष **चींटी** के लिये नहीं, बल्कि सामान्य रूप से सभी चींटियों के लिये प्रयुक्त हुआ है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “चींटी”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 6:6 (#3)

נְמָלָה

“चींटियों”

चींटियाँ छोटे कीट है जो बड़े समूहों में जमीन के नीचे रहते हैं। चींटियाँ अपने भोजन इकट्ठा करने और अपने बिलों को बनाए रखने के लिये परिश्रम से मिलकर काम करने के लिये जानी जाती हैं। यदि आपके पाठक इस प्रकार के कीट से परिचित नहीं हैं, तो आप अपने क्षेत्र में कुछ समान प्राणी का नाम उपयोग कर सकते हैं या आप एक अधिक सामान्य शब्द का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “परिश्रमी कीट”

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

नीतिवचन 6:6 (#4)

רְאֵה

“ध्यान दे”

यहाँ **ध्यान दे** का अर्थ है सीखने के उद्देश्य से ध्यानपूर्वक देखना। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “देखें और सीखें”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 6:6 (#5)

“उनके काम”

देखें कि आपने 3:6 में **काम** का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: रूपक

नीतिवचन 6:6 (#6)

וַחֲכָם

“और बुद्धिमान हो जा”

यहाँ **और** यह इंगित करता है कि इसके बाद जो कुछ आता है, वह उस उद्देश्य को प्रगट करता है जिसके लिये सुलैमान अपने पुत्र को इस वचन में कुछ करने की आज्ञा देते हैं। अपनी भाषा में एक ऐसा संयोजक प्रयोग करें जो उद्देश्य को इंगित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: “बुद्धिमान बनने के उद्देश्य से”

देखें: जोड़ें – लक्ष्य (उद्देश्य) सम्बन्ध

नीतिवचन 6:7 (#1)

קָצִין שֹׁטֵר וּמֹשֵׁל

“न्यायी,”

यह तीन शब्द मूल रूप से एक ही बात का अर्थ रखते हैं और इनका उपयोग इस बात पर जोर देने के लिये किया जाता है कि कोई भी चींटियों को परिश्रम से काम करने की आज्ञा नहीं देता है। यदि आपके पाठकों

के लिये यह स्पष्ट हो, तो आप जोर देने के लिये एक ही वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी प्रभुता करनेवाला”

देखें: द्विरावृत्ति (डबलेट)

नीतिवचन 6:8 (#1)

תָּכִין

“संचय करती हैं”

इस वचन में जो विचार व्यक्त किया गया है, वह पिछले वचन की जानकारी जानने के बाद जो अपेक्षा की जाती है, उसके विपरीत है। अपनी भाषा में विरोधाभास को दर्शाने के लिये सबसे स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: “परन्तु संचय करती हैं”

देखें: जोड़ें — विरोधाभास सम्बन्ध

नीतिवचन 6:8 (#2)

תָּכִין בַּקַּיִץ לַחְמָהּ אָגְרָה בַּקָּצִיר מַאֲכָלָהּ

“अपना आहार धूपकाल में संचय करती हैं”

यह दोनों उपवाक्य मूल रूप से एक ही बात का अर्थ रखते हैं। दूसरा उपवाक्य अलग शब्दों में पहले के विचार को दोहराकर जोर देता है। यदि आपके पाठकों के लिये यह सहायक हो, तो आप उपवाक्यों को एक ऐसे शब्द से जोड़ सकते हैं जो दिखाता है कि दूसरा उपवाक्य पहले को दोहरा रहा है, कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: “धूपकाल में अपना आहार तैयार करती हैं; हाँ, कटनी के समय अपनी भोजनवस्तु बटोरती हैं”

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 6:8 (#3)

תָּכִין & אָגְרָה

“संचय करती हैं” - “बटोरती हैं”

यहाँ **संचय करती हैं** और **बटोरती हैं** का अर्थ शीतकाल के लिये भोजन इकट्ठा और संग्रहित करना, वह समय जब भोजन की कमी होती है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अर्जित करती हैं ... संग्रहित करती हैं”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 6:8 (#4)

לַחְמָהּ אָגְרָה & מַאֲכָלָהּ

“अपना आहार” - “अपनी भोजनवस्तु बटोरती हैं”

इस वचन में, **अपना** “चींटियों” का उल्लेख करता है जो 6:7 में वर्णित है, जो सामान्यतः चींटियों के लिये एक सामूहिक शब्द है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “चींटी का आहार ... चींटी अपनी भोजनवस्तु बटोरती हैं” या “चींटियों का आहार ... चींटियाँ अपनी भोजनवस्तु बटोरती हैं”

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

नीतिवचन 6:8 (#5)

בַּקַּיִץ & בַּקָּצִיר

“धूपकाल में”

जिस स्थान पर यह पुस्तक लिखी गई थी, **धूपकाल** वह समय होता है जब लोग **कटनी** काटते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “फसलों की कटनी के समय में ... कटनी के समय में”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 6:9 (#1)

עַד־מָתַי עָצֵל ׀ תִּשְׁכָּב מָמָתַי תָּקוּם מִשְּׁנָתֶךָ

“हे आलसी, तू कब तक सोता रहेगा?”

इस वचन में सुलैमान जोर देने के लिये प्रश्नवाचक रूप का दो बार प्रयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिये प्रश्नवाचक रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “आपको लेटना बन्द कर देना चाहिए! आपको अपनी नींद से उठना चाहिए!”

देखें: आलंकारिक प्रश्न

नीतिवचन 6:9 (#2)

תִּשְׁכָּב

“तू कब तक सोता रहेगा”

सोता रहेगा वाक्यांश का अर्थ है कि वह व्यक्ति सोने के लिये पलंग पर लेटा हुआ है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “आप कब तक अपने पलंग पर सोएंगे?”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 6:9 (#3)

תָּקוּם מִשְּׁנָתֶךָ

“तेरी नींद ... टूटेगी”

यहाँ सुलैमान जागने को ऐसे प्रगट करते हैं मानो कोई व्यक्ति **नींद** से उठ रहा हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसका अर्थ सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “आप जागेंगे”

देखें: रूपक

नीतिवचन 6:10 (#1)

מְעַט שֵׁנוֹת מְעַט תְּנוּמָוֹת ׀ חִבֻּק יָדַיִם לִשְׁכָּב

“थोड़ी सी नींद, एक और झपकी”

यह वचन उस बात का उद्धरण है जो “आलसी” कह सकता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे उद्धरण चिह्नों के साथ या आपकी भाषा में उद्धरण को दर्शाने के लिये उपयोग किए जाने वाले किसी अन्य विराम चिह्न या परम्परा के साथ इंगित कर सकते हैं।

देखें: उद्धरण चिह्न

नीतिवचन 6:10 (#2)

מְעַט שֵׁנוֹת מְעַט תְּנוּמָוֹת

“थोड़ी सी नींद, एक और झपकी”

आलसी व्यक्ति कुछ ऐसे शब्दों को छोड़ रहा है जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूर्ण बनाने के लिये आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मुझे थोड़ी सी और नींद लेने दो; मुझे थोड़ा और झपकी लेने दो”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 6:10 (#3)

מְעַ֣ט שְׁנ֗וֹת מְעַ֤ט תְּנוּמ֙וֹת

“थोड़ी सी नींद, एक और झपकी”

इन दो वाक्यांशों में एक ही बात का अर्थ रखते हैं। आलसी व्यक्ति इन्हें जोर देने के लिये साथ में उपयोग कर रहा है। यदि आपके पाठकों के लिये यह स्पष्ट हो, तो आप जोर को एक ही वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “बस थोड़ी और नींद”

देखें: द्विरावृत्ति (डबलेट)

नीतिवचन 6:10 (#4)

מְעַ֥ט ׀ חִבֻּ֖ק יָדַ֥יִם לִשְׁכָּֽב

“थोड़ा और छाती पर हाथ रखे लेटे रहना”

यह वाक्य उस क्रिया को संदर्भित करता है जो लोग कई बार अधिक आराम से विश्राम करने के लिये करते हैं जब वे सोने के लिये **लेटे रहते** हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “आराम से लेटने और सोने के लिये हाथों को छाती पर रखना”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 6:11 (#1)

וּבָ֥א כִמְהַלֵּ֖ךְ רֵאשֶׁ֑ךָ וּ֝מַחְסֹרְךָ֗ כְּאִ֥ישׁ מָֽגֵן

“तब तेरा कंगालपन राह के लुटेरे के समान ... आ पड़ेगी”

सुलैमान कुछ ऐसे शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में वाक्य को पूरा करने के लिये आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और आपका कंगालपन ऐसे आएगा जैसे कोई राह के लुटेरे आते हैं, और आपकी घटी ऐसे आएगी जैसे कोई हथियार-बन्द व्यक्ति आता है”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 6:11 (#2)

וּבָ֥א כִמְהַלֵּ֖ךְ רֵאשֶׁ֑ךָ וּ֝מַחְסֹרְךָ֗ כְּאִ֥ישׁ מָֽגֵן

“तब तेरा कंगालपन राह के लुटेरे के समान ... आ पड़ेगी”

यह दोनों उपवाक्य मूल रूप से एक ही बात का अर्थ रखते हैं। दूसरा उपवाक्य पहले के विचार को अलग शब्दों में दोहराकर जोर देता है। यदि यह पाठकों के लिये सहायक हो, तो आप दोनों उपवाक्यों को जोड़ने के लिये **और** के स्थान पर ऐसा कोई शब्द उपयोग कर सकते हैं जो यह दर्शाए कि दूसरा उपवाक्य केवल पहले को दोहरा रहा है, कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: “और आपका कंगालपन ऐसे आएगा जैसे राह के लुटेरे आते हैं, हाँ, आपकी घाटी ऐसे आएगी जैसे कोई हथियार-बन्द आता है”

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 6:11 (#3)

וּבָ֥א & רֵאשֶׁ֑ךָ

“तब (और) तेरा कंगालपन ... आ पड़ेगी”

मूल भाषा में यहाँ “और” शब्द का प्रयोग किया गया है, जबकि हिन्दी बाइबल में यहाँ “तब” शब्द का उपयोग किया गया है। यहाँ **तब (और)** उस परिणाम को प्रगट करता है जो पिछले वचन में आलसी व्यक्ति की कही और की गई बातों से उत्पन्न होता है। परिणाम को इंगित करने के लिये अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीके का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: “और यह सब आपके कंगालपन को लाएगा”

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

नीतिवचन 6:11 (#4)

רֵאשֶׁ֑ךָ וּ֝מַחְסֹרְךָ֗

“तेरा कंगालपन” - “और तेरी घटी”

यदि आपकी भाषा में **कंगालपन** और **घटी** के विचारों के लिये भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप इन्हीं विचारों को अन्य तरीकों से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “आपका दीन होना ... और आपका दरिद्र होना”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 6:11 (#5)

וּבָ֥א־כִמְהַלֵּ֖ךְ רֵאשֶׁ֑ךָ

“तब तेरा कंगालपन ... आ पड़ेगी”

यहाँ सुलैमान **कंगालपन** का अनुभव करने की बात करते हैं जैसे कि यह कोई व्यक्ति हो जो किसी के पास **आ पड़ेगी**। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसका अर्थ सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और आप कंगालपन का अनुभव करेंगे”

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 6:11 (#6)

כִמְהַלֵּ֖ךְ

“राह के लुटेरे के समान”

मूल भाषा में यहाँ “चलने वालें” वाक्यांश का प्रयोग किया गया है, जबकि हिन्दी बाइबल में यहाँ सीधे उसके अर्थ के साथ लिखा गया है। यहाँ **राह के** वाक्यांश एक लुटेरे को सन्दर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसका अर्थ सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “चलने वाले”

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 6:11 (#7)

כִמְהַלֵּ֖ךְ

“राह के लुटेरे के समान”

यहाँ सुलैमान ने बताया कि कैसे एक आलसी व्यक्ति अचानक कंगाल हो जाता है, जैसे कि **कंगालपन** एक लुटेरे हो जो अप्रत्याशित रूप से व्यक्ति की सारी सम्पत्ति चुरा लेता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसका अर्थ सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अचानक”

देखें: उपमा

नीतिवचन 6:11 (#8)

כְּאִישׁ מָגֵן

“हथियार-बन्द के समान”

यहाँ **हथियार-बन्द** वाक्यांश एक हथियारबंद लुटेरे को सन्दर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसका अर्थ सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक लुटेरे के समान जो हथियारों से साथ हो” या “एक हथियार बाँधे व्यक्ति के समान”

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 6:11 (#9)

כְּאִישׁ מָגֵן

“हथियार-बन्द के समान”

यहाँ सुलैमान इस विषय में बात करते हैं कि कैसे एक आलसी व्यक्ति अचानक कंगाल हो जाता है, जैसे **घटी** एक हथियार-बन्द लुटेरा हो जो व्यक्ति की सारी सम्पत्ति चुरा लेता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसका अर्थ सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अचानक”

देखें: उपमा

नीतिवचन 6:12 (#1)

אָדָם בְּלִיַּעַל אִישׁ אָוֶן

“ओछे और अनर्थकारी”

ओछे और **अनर्थकारी** शब्द का अर्थ एक ही है। सुलैमान इन्हें जोर देने के लिये एक साथ उपयोग कर रहे हैं। यदि आपके पाठकों के लिये यह स्पष्ट हो, तो आप जोर को एक ही वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक पूरी तरह से न कुछ काम का पुरुष”

देखें: द्विरावृत्ति (डबलेट)

नीतिवचन 6:12 (#2)

אָדָם בְּלִיַּעַל אִישׁ אָוֶן

“ओछे और अनर्थकारी “

मूल भाषा में यहाँ “ओछेपन का पुरुष” और “अनर्थकारी का पुरुष” लिखा है, जबकि हिन्दी बाइबल में सिर्फ “ओछे” और “अनर्थकारी” लिखा है जो विशेषण को दर्शाता है। यहाँ सुलैमान स्वामित्व का प्रयोग करके ऐसे **पुरुष** का वर्णन कर रहे हैं जो **ओछे** और **अनर्थकारी** से पहचाना जाता है। यदि आपकी भाषा इसके लिये स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक ओछा पुरुष, एक दुष्ट पुरुष”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 6:12 (#3)

אָדָם & אִישׁ

“का पुरुष” - “का पुरुष”

मूल भाषा में “पुरुष” शब्द का प्रयोग किया गया है जबकि हिन्दी बाइबल में यहाँ इस शब्द को छोड़ दिया गया है। हालाँकि **पुरुष** शब्द पुल्लिंग है, सुलैमान इस शब्द का उपयोग एक सामान्य अर्थ में कर रहे हैं जो पुरुषों और स्त्रियों दोनों को शामिल करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक ऐसा वाक्यांश उपयोग कर सकते हैं जो इसे स्पष्ट करता है। वैकल्पिक अनुवाद: “का व्यक्ति ... का व्यक्ति”

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 6:12 (#4)

“वह जो चलते हैं”

देखें कि आपने 2:7 में “फिरता” के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 6:12 (#5)

“टेढ़ी-टेढ़ी बातें”

देखें कि आपने 4:24 में इस वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 6:13 (#1)

קֹרֵץ בְּעֵינָיו מֹלֵל בְּרַגְלָיו מֹרֶה בְּאֶצְבְּעֹתָיו

“वह नैन से सैन और पाँव से इशारा ... करता है,”

सुलैमान कुछ ऐसे शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूर्ण करने के लिये आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप पिछले वचन से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। आपको एक नया वाक्य शुरू करने की आवश्यकता हो सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: “वह नैन से सैन करता है, वह पाँव से इशारा करता है, और वह अपनी अंगुलियों से संकेत करता है”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 6:13 (#2)

קֹרֵץ בְּעֵינָיו מֹלֵל בְּרַגְלָיו מֹרֶה בְּאֶצְבְּעֹתָיו

“वह नैन से सैन और पाँव से इशारा ... करता है”

हालाँकि **वह** शब्द पुल्लिंग है, सुलैमान इस शब्द का प्रयोग सामान्य अर्थ में कर रहे हैं, जो पुरुषों और स्त्रियों दोनों को शामिल करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो इसे स्पष्ट करता है। वैकल्पिक अनुवाद: “वे जो अपने नैन से सैन करते हैं, वे जो अपने पाँव से इशारा करते हैं, वे जो अपनी अंगुलियों से संकेत करते हैं”

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 6:13 (#3)

קֹרֵץ בְּעֵינָיו מֹלֵל בְּרַגְלָיו מֹרֶה בְּאֶצְבְּעֹתָיו

“वह नैन से सैन और पाँव से इशारा ... करता है”

यह तीनों उपवाक्य उन क्रियाओं का उल्लेख करते हैं जिनका उपयोग कोई व्यक्ति लोगों को धोखा देने के लिये करता है। यदि आपके पाठकों के लिये यह स्पष्ट नहीं हो, तो आप इन क्रियाओं के महत्व को पाठ में या एक पाद टिप्पणी में समझा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह नैन से सैन और पाँव से इशारा, और अपनी अंगुलियों से धोखा देने के लिये संकेत करता है”

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

नीतिवचन 6:14 (#1)

תַּהְפֻּכֹות ׀ בְּלִבּוֹ חֹרֵשׁ רָע בְּכָל־עֵת

“उसके मन में उलट-फेर की बातें रहतीं, वह लगातार बुराई गढ़ता है”

यह दोनों उपवाक्य दो ऐसी परिस्थितियों का वर्णन कर रहे हैं जो एक ही समय पर हो रही हैं। आप अपने अनुवाद में किसी उपयुक्त संयोजक शब्द या वाक्यांश का प्रयोग करके इसे स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उसके मन में उलट-फेर की बातें रहतीं हैं, जब वह लगातार बुराई गढ़ता है”

देखें: जोड़े — समकालिक समय सम्बन्ध

नीतिवचन 6:14 (#2)

בְּלִבּוֹ & יְשַׁלֵּחַ

“उसके मन में” - “(वह) ... उत्पन्न करता है”

मूल भाषा में तीसरे उपवाक्य में सर्वनाम “वह” का प्रयोग करता है, जबकि हिन्दी बाइबल में इस शब्द को छोड़ दिया गया है। हालाँकि **उसके** और **वह** शब्द पुल्लिंग हैं, सुलैमान इन शब्दों का उपयोग एक सामान्य अर्थ में कर रहे हैं जो पुरुषों और स्त्रियों दोनों को शामिल करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप ऐसे वाक्यांशों का उपयोग कर सकते हैं जो इसे स्पष्ट करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उस व्यक्ति के मन में ... वह व्यक्ति ... उत्पन्न करते हैं”

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 6:14 (#3)

“उसके मन में ... रहतीं”

देखें कि आपने 2:2 में **मन** का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 6:14 (#4)

“बुराई”

देखें कि आपने 1:16 में भाववाचक संज्ञाओं **बुराई** का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 6:14 (#5)

מדנים יְשַׁלֵּחַ

“(वह) झगड़ा-रगड़ा उत्पन्न करता है”

मूल भाषा में यहाँ “वह” शब्द का प्रयोग किया गया है जो सर्वनाम को दर्शाता है, जबकि हिन्दी बाइबल में इस शब्द को छोड़ दिया गया है। यहाँ सुलैमान **झगड़ा-रगड़ा** के विषय में ऐसे बात करते हैं जैसे वे वस्तुएँ हों जिन्हें कोई व्यक्ति **उत्पन्न करता है**। उनका अर्थ है कि यह व्यक्ति दूसरों के बीच झगड़ा-रगड़ा करवाता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह लोगों के बीच झगड़ा करवाता है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 6:15 (#1)

אֵידוֹ & יִשָּׁבֵר

“उस पर विपत्ति” - “वह ... नाश हो जाएगा”

मूल भाषा में “उस” और “वह” शब्द पुल्लिंग को दर्शाता है जबकि हिन्दी बाइबल में यह सामान्य लिंग है। हालाँकि **उस** और **वह** शब्द पुल्लिंग हैं, सुलैमान इन शब्दों का उपयोग एक सामान्य अर्थ में कर रहे हैं जो पुरुषों और स्त्रियों दोनों को शामिल करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप ऐसे वाक्यांशों का उपयोग कर सकते हैं जो इसे स्पष्ट करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उस व्यक्ति पर विपत्ति ... वे व्यक्ति नाश हो जाएँगे”

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 6:15 (#2)

“उस पर विपत्ति”

देखें कि आपने 1:26 में भाववाचक संज्ञा **विपत्ति** का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 6:15 (#3)

יָבוֹא

“आ पड़ेगी”

यहाँ सुलैमान **विपत्ति** के विषय में इस तरह से बात करते हैं जैसे कि यह एक व्यक्ति हो जो किसी पर **आ पड़ेगी**। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “घटित होगी”

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 6:15 (#4)

יִשָּׁבֵר וְאֵין מַרְפֵּא

“वह ... नाश हो जाएगा”

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से जो स्वाभाविक हो, व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उसकी विपत्ति उसे नाश कर देगी”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 6:15 (#5)

“कि बचने का कोई उपाय न रहेगा”

वैकल्पिक अनुवाद: “कि वे नहीं बचेंगे”

नीतिवचन 6:16 (#1)

שֵׁשׁ־הֵהֵנָּה שָׂנֵא יְהוָה וְשֶׁבַע תועבות נַפְשׁוֹ

“छः वस्तुओं से यहोवा बैर रखता है,”

एक व्यापक कथन कहने के लिये, सुलैमान एक आलंकारिक विधि का प्रयोग कर रहे हैं, जिसमें वक्ता पहले कोई संख्या बताता है जो उसकी बात स्पष्ट करने के लिये पर्याप्त हो, और फिर जोर देने के लिये उस संख्या में एक और जोड़ देता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यहोवा इन सात वस्तुओं से अत्यन्त बैर करते हैं, और जिनसे उनको घृणा हैं”

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 6:16 (#2)

שֵׁשׁ & וְשֶׁבַע

“छः” - “वरन् सात”

यहाँ सुलैमान **छः** और **सात** विशेषणों का उपयोग संज्ञा के रूप में कर रहे हैं, जिसका अर्थ है **छः** और **सात** बातें। आपकी भाषा में भी विशेषणों का इस प्रकार उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद एक समकक्ष वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “छह बातें ... वरन् सात बातें”

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

नीतिवचन 6:16 (#3)

תועבות

“जिनसे ... घृणा है”

यदि आपकी भाषा में **घृणा** विचार के लिये एक भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं होता है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो ... घृणित है”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 6:16 (#4)

נַפְשׁוֹ

“उसको”

यहाँ **उसको** का अर्थ स्वयं **यहोवा** से हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उन्हें”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 6:17 (#1)

עֵינַיִם רָמוֹת

“घमण्ड से चढ़ी हुई आँखें”

यहाँ सुलैमान घमण्ड को **घमण्ड से चढ़ी हुई आँखें** के रूप में सन्दर्भित करते हैं, जो घमण्डी लोगों के चेहरे की एक विशेष अभिव्यक्ति है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसका अर्थ सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “घमण्ड”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 6:17 (#2)

“झूठ बोलनेवाली जीभ”

“यहाँ सुलैमान झूठ से पहचानी जाने वाली जीभ का वर्णन करने के लिये अधिकारवाचक का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा इसके लिये अधिकारवाचक का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “झूठी जीभ” या “”झूठ बोलना““ या “”झूठ बोलनेवाली““”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 6:17 (#3)

לְשׁוֹן שָׁקֶר

“झूठ बोलनेवाली जीभ”

यहाँ **जीभ** उस बात का प्रतिनिधित्व करती है जो एक व्यक्ति कहता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसका अर्थ सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “झूठ बोलना”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 6:17 (#4)

“और ... हाथ”

यहाँ **हाथ** पूरे व्यक्ति को सन्दर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और लोग”

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 6:17 (#5)

“निर्दोष का लहू बहानेवाले”

देखें कि आपने 1:16 में इसी प्रकार के वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 6:18 (#1)

“मन” - “पाँव”

यहाँ **मन** और **पाँव** एक पूर्ण व्यक्ति का प्रतीक हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसका अर्थ सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “लोग ... लोग”

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 6:18 (#2)

מַחְשְׁבוֹת אָוֶן

“अनर्थ कल्पना”

“यहाँ सुलैमान **कल्पना** का वर्णन करने के लिये स्वामित्व का उपयोग कर रहे हैं जो **अनर्थ** द्वारा विशेषीकृत हैं। यदि आपकी भाषा इसके लिये अधिकारवाचक का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अनर्थकारी कल्पनाएँ” या “”पापी भरी कल्पनाएँ””“”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 6:18 (#3)

“अनर्थ,”

देखें कि आपने 6:12 में **अनर्थ** और 1:16 में **बुराई** जैसी भाववाचक संज्ञाओं का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 6:18 (#4)

מְמַהֲרוֹת לָרוּץ לָרָעָה

“बुराई करने को वेग से दौड़नेवाले”

यहाँ सुलैमान **बुराई** करने के लिये उत्सुक होने की बात करते हैं, जैसे कि **बुराई** एक स्थान हो जहाँ कोई व्यक्ति **दौड़नेवाले** है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसका अर्थ सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “बुराई करने के लिये उत्सुक”

देखें: रूपक

नीतिवचन 6:19 (#1)

עֵד שָׁקֶר

“झूठ बोलनेवाला साक्षी”

यहाँ सुलैमान उन **साक्षी** का वर्णन करने के लिये स्वामित्व का उपयोग कर रहे हैं जो **झूठ** से परिचालित हैं। यदि आपकी भाषा इसके लिये अधिकारवाचक का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक झूठा साक्षी”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 6:19 (#2)

יָפִיחַ כְּזָבִים

“(जो झूठ उगलता है)”

मूल भाषा में यहाँ इस वाक्यांश को जोड़ा गया है, जबकि हिन्दी बाइबल में इसे हटा दिया गया है। यहाँ सुलैमान उस व्यक्ति का वर्णन इस प्रकार कर रहे हैं जो आसानी से झूठ बोलता है, जैसे वह व्यक्ति **झूठ उगलता हो**। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसका अर्थ सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो आसानी से झूठ बोलता है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 6:19 (#3)

“और ... झगड़ा उत्पन्न करनेवाला मनुष्य”

देखें कि आपने 6:14 में **झगड़ा उत्पन्न करनेवाला** का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: रूपक

नीतिवचन 6:19 (#4)

אַחִים

“भाइयों”

हालाँकि **भाइयों** शब्द पुल्लिंग है, सुलैमान इस शब्द का उपयोग एक सामान्य अर्थ में कर रहे हैं जिसमें पुरुष और स्त्रियों दोनों शामिल हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक ऐसा वाक्यांश उपयोग कर सकते हैं जो इसे स्पष्ट करता है। वैकल्पिक अनुवाद: “परिवार के सदस्य”

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 6:20 (#1)

“अपने पिता”

देखें कि आपने 1:8 में **अपने पिता** के उसी प्रयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: प्रथम, द्वितीय या तृतीय पुरुष

नीतिवचन 6:20 (#1)

נְצֹר בְּנִי מִצְוַת אָבִיךָ וְאַל־תִּטֹּשׁ תּוֹרַת אִמֶּךָ

“हे मेरे पुत्र, अपने पिता की आज्ञा को मान”

“यह दोनों उपवाक्य मूल रूप से एक ही बात का अर्थ रखते हैं। सुलैमान विचार पर जोर देने के लिये पुनरावृत्ति का प्रयोग कर रहे हैं जो उपवाक्य व्यक्त करते हैं। यदि आपके पाठकों के लिये यह सहायक हो, तो आप इन्हें जोड़ सकते हैं और जोर को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “”हे मेरे पुत्र, अपने माता-पिता दोनों की दी हुई महत्वपूर्ण शिक्षाओं को याद रखो और उनका पालन करने में सावधान रहो””

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 6:20 (#2)

נְצֹר

“मान (रखवाली)”

यहाँ सुलैमान **आज्ञा** के विषय में इस तरह बात करते हैं जैसे यह कोई वस्तु हो जिसे किसी की **रखवाली** चाहिए। उनका अर्थ है कि वह चाहते हैं कि उनका पुत्र उनकी कही हुई आज्ञाओं को याद रखे और उनका पालन करे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसका अर्थ सीधे व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने 3:21 में ‘रक्षा’ के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “पालन करना याद रखो”

देखें: रूपक

नीतिवचन 6:20 (#3)

וְאַל־תִּטֹּשׁ תּוֹרַת אִמֶּךָ

“हे मेरे पुत्र”

देखें कि आपने 1:8 इसी वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 6:20 (#4)

"और अपनी माता की शिक्षा को न तज"

देखें कि आपने 1:8 में इस उपवाक्य का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: कटाक्षपूर्ण उक्ति

नीतिवचन 6:21 (#1)

קָשְׁרֵ֣ם עַל־לִבְּךָ֗ תָּמִ֤יד עָֽנְדֵם֙ עַל־גַּרְגְּרֹתֶֽךָ׃

"उनको अपने हृदय में सदा गाँठ बाँधे रख;"

"यह दोनों उपवाक्य मूल रूप से एक ही बात का अर्थ रखते हैं। सुलैमान पुनरावृत्ति का उपयोग इस विचार पर जोर देने के लिये कर रहे हैं जो वाक्यांश व्यक्त करते हैं। यदि आपके पाठकों के लिये यह सहायक हो, तो आप वाक्यांशों को जोड़ सकते हैं और जोर को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्हें हर समय अपने पास रखो""

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 6:21 (#2)

קָשְׁרֵ֣ם עַל־לִבְּךָ֗

"उनको अपने हृदय में ... गाँठ बाँधे रख"

यहाँ सुलैमान अपनी आज्ञाओं को याद रखने की बात इस प्रकार कर रहे हैं मानो वे ऐसी वस्तुएँ हों जिन्हें लोग अपने **हृदय** में **गाँठ बाँध** सकते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसका अर्थ सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्हें याद रखें"

देखें: रूपक

नीतिवचन 6:21 (#3)

עָֽנְדֵם֙ עַל־גַּרְגְּרֹתֶֽךָ׃

"अपने गले का हार बना ले"

"सुलैमान अपनी आज्ञाओं को याद रखने की बात इस प्रकार कर रहे हैं मानो वे ऐसी वस्तुएँ हों जिन्हें लोग अपने **गले का हार बना** सकते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसका अर्थ सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्हें याद रखें" या ""उन्हें अपने पास रखें""

देखें: रूपक

नीतिवचन 6:22 (#1)

בְּהִתְהַלֶּכְךָ֨ ׀ תַּנְחֶ֜ה אוֹתָ֗ךְ בְּ֭שָׁכְבְּךָ תִּשְׁמֹ֣ר עָלֶ֑יךָ וַֽהֲקִיצֹתָ֥ הִ֝יא תְּשִׂיחֶֽךָ׃

"वह तेरे चलने में तेरी अगुआई ... देगी"

इस वचन में, सुलैमान उन पाठों के विषय में बात कर रहे हैं जिन्हें उन्होंने 6:20 में "आज्ञा" और "शिक्षा" कहा था, मानो वे कोई व्यक्ति हों जो **अगुआई**, **रक्षा** और **शिक्षा** दे सकते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं या उपमा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप चलते समय, यह आपको बताएगा कि क्या करना है; आप सोते समय, यह आपकी रक्षा रहने में सक्षम होगा; और आपके जागते समय, यह आप के लिये सम्मति होगी" या "आपके चलते समय, यह आपकी अगुआई करनेवाले के समान होगा; आपके सोते समय, यह आपकी रक्षा करनेवाले के समान होगा; और आपके जागते समय, यह आपसे सम्मति करनेवाले के समान होगा"

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 6:22 (#2)

בְּהִתְהַלֶּכְךָ֨

"तेरे चलने में"

यहाँ **चलने में** अपने दैनिक कार्यों को करने का सन्दर्भ देता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब आप अपनी दिनचर्या के कार्य करते हैं"

देखें: रूपक

नीतिवचन 6:22 (#3)

"(तेरे) सोते समय"

मूल भाषा में यहाँ "तेरे" शब्द का प्रयोग किया गया है जो एक सर्वनाम को दर्शाता है, जबकि हिन्दी बाइबल में इस सर्वनाम को छोड़ दिया गया है। देखें कि आपने 3:24 में **सोते** का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 6:23 (#1)

כִּֽי־

"(क्योंकि) आज्ञा तो दीपक"

मूल भाषा में यहाँ "क्योंकि" शब्द का प्रयोग किया गया है, जो किसी वाक्य को जोड़ने का कार्य करता है। जबकि हिन्दी बाइबल में इस शब्द को छोड़ दिया गया है। यहाँ **क्योंकि** यह संकेत करता है कि जो कुछ आगे आ रहा है, वह पहले वाले के कारण है। अपनी भाषा में ऐसे संयोजक का उपयोग करें जो यह स्पष्ट करता है कि जो कुछ आगे आ रहा है, वह पहले का कारण है। वैकल्पिक अनुवाद: "यह इसलिए है क्योंकि"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

नीतिवचन 6:23 (#2)

נֵ֤ר מִצְוָה֙ וְתוֹרָ֣ה אוֹר֔

"आज्ञा तो दीपक है और शिक्षा ज्योति"

यह दोनों उपवाक्य मूल रूप से एक ही बात का अर्थ रखते हैं। दूसरा उपवाक्य पहले के विचार को अलग शब्दों में दोहराकर जोर देता है। यदि यह पाठकों के लिये सहायक हो, तो आप दोनों उपवाक्यों को जोड़ने के लिये **और** के स्थान पर ऐसा कोई शब्द उपयोग कर सकते हैं जो यह दर्शाए कि दूसरा उपवाक्य केवल पहले को दोहरा रहा है, कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: "आज्ञा तो दीपक है, हाँ, शिक्षा ज्योति है"

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 6:23 (#3)

מִמֻּצָוָה וְתוֹרָה

“आज्ञा” - “और शिक्षा”

यहाँ **आज्ञा** और **शिक्षा** का सन्दर्भ हो सकता है: (1) पिता और माता की आज्ञाएँ, जिनका उल्लेख पिछले दो वचनों में किया गया था। वैकल्पिक अनुवाद: “मेरी आज्ञाएँ ... और अपनी माता की शिक्षा” (2) अच्छी आज्ञाएँ और शिक्षा सामान्य रूप से। वैकल्पिक अनुवाद: “जो लोग आज्ञा देते हैं ... और जो नियम लोग बनाते हैं”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 6:23 (#4)

מִמֻּצָוָה

“आज्ञा”

सुलैमान सामान्य रूप से आज्ञाओं के विषय में बात कर रहे हैं, और वह एक विशेष **आज्ञा** के विषय में नहीं कह रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो एक अधिक स्वाभाविक वाक्यांश का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: “आज्ञाएँ”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 6:23 (#5)

“आज्ञा”

देखें कि आपने 2:1 में भाववाचक संज्ञा “आज्ञाओं” का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 6:23 (#6)

נֵר & אוֹר

“दीपक है” - “ज्योति ... है”

यहाँ सुलैमान **आज्ञा** और **शिक्षा** का उल्लेख करते हैं, जो लोगों को यह समझने में सक्षम बनाता है कि उन्हें कैसे जीना चाहिए, जैसे कि वे एक **दीपक** और **ज्योति** हैं, जो लोगों को उनके सामने का मार्ग दिखाती है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसका अर्थ सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “समझने में सक्षम बनाता है... देखने में सक्षम बनाता है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 6:23 (#7)

“और शिक्षा”

देखें कि आपने 1:8 में शिक्षा के इस प्रयोग का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: समूहवाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 6:23 (#8)

“अनुशासन के लिए दी जानेवाली डाँट”

देखें कि आपने 1:25 में भाववाचक संज्ञा “डाँट” का और 1:2 में **अनुशासन** का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 6:23 (#9)

תּוֹכְחוֹת מוּסָר

“अनुशासन के लिए दी जानेवाली डाँट”

यहाँ सुलैमान स्वामित्व रूप का प्रयोग करके उन **डाँट** का वर्णन कर रहे हैं जो **अनुशासन** देने की प्रक्रिया में शामिल होती हैं। यदि आपकी भाषा इसके लिये स्वामित्व का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अनुशासन से उत्पन्न होने वाली डाँट”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 6:23 (#10)

וְדֶרֶךְ חַיִּים

“और” - “जीवन का मार्ग है”

यहाँ सुलैमान **मार्ग** का वर्णन करने के लिये अधिकारवाचक का उपयोग कर रहे हैं जिसका परिणाम **जीवन** होता है। यदि आपकी भाषा इसके लिये अधिकारवाचक का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और ... वह मार्ग जिसका परिणाम जीवन होता है”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 6:23 (#11)

וְדֶרֶךְ

“और” - “का मार्ग है”

यहाँ सुलैमान **मार्ग** का उपयोग लोगों के व्यवहार को व्यक्त करने के लिये कर रहे हैं। देखें कि आपने 1:15 में **मार्ग** का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: रूपक

नीतिवचन 6:24 (#1)

לִשְׁמָרְךָ

“तुझको (को) ... बचाएगी”

मूल भाषा में “को” शब्द का प्रयोग किया गया जबकि हिन्दी बाइबल में उसे “तुझ” शब्द के साथ लिखा गया है। यहाँ **तुझको (को)** यह इंगित करता है कि आगे जो कुछ कहा गया है, वह पिछले वचन “आज्ञाओं,” “शिक्षा,” और “अनुशासन के लिए दी जानेवाली डाँट” का उद्देश्य है। अपनी भाषा में एक ऐसा संयोजक प्रयोग करें जो उद्देश्य को इंगित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: “आपको बचाए रखने के उद्देश्य से”

देखें: जोड़ें – लक्ष्य (उद्देश्य) सम्बन्ध

नीतिवचन 6:24 (#2)

מֵאֵשֶׁת רָע

“अनैतिक स्त्री से”

मूल भाषा में यहाँ “अनैतिकता की स्त्री” का प्रयोग किया गया है जो एक अधिकारवाचक रूप को दिखाता है। जबकि हिन्दी बाइबल में यहाँ

अधिकारवाचक रूप का उपयोग नहीं किया गया है। यहाँ सुलैमान एक **स्त्री** का वर्णन अधिकारवाचक में कर रहे हैं, जो **अनैतिक** से युक्त है। यदि आपकी भाषा इसके लिये अधिकारवाचक का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक अनैतिकता की स्त्री से"

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 6:24 (#3)

מֵחֶלְקַת לְשׁוֹן

"चिकनी चुपड़ी बातों से"

मूल भाषा में यहाँ "जीभ" शब्द का प्रयोग किया गया जबकि हिन्दी में इसे प्रत्यक्ष अर्थ के साथ लिखा है। यहाँ सुलैमान एक व्यभिचारिणी स्त्री की मोहक बात को **चिकनी चुपड़ी बातों** के रूप में सन्दर्भित करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसका अर्थ सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मोहक बातें"

देखें: रूपक

नीतिवचन 6:24 (#4)

"व्यभिचारिणी"

देखें कि आपने 2:16 में **व्यभिचारिणी** का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: रूपक

नीतिवचन 6:25 (#1)

יָפְיָהּ

"उसकी सुन्दरता"

यदि आपकी भाषा में **सुन्दरता** के विचार के लिये कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं, जैसे कि अनफोल्डिंगवर्ड सिम्प्लिफाइड ट्रान्सलेशन में किया गया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 6:25 (#2)

"अपने मन में"

देखें कि आपने 2:2 में **मन** का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 6:25 (#3)

וְאַל־תִּתְּקָחֲךָ

"वह तुझे ... फँसाने न पाए"

यहाँ सुलैमान एक स्त्री के पुरुष को बहकाने का वर्णन इस प्रकार करते हैं जैसे वह उसे **फँसा** सकती हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसका अर्थ सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और उसे आपको लुभाने (परखने) न दें"

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 6:25 (#4)

בְּעַפְעַפָּיהָ

"अपने कटाक्ष (पलकों) से"

मूल भाषा में यहाँ "पलकों" शब्द का प्रयोग किया गया है जबकि हिन्दी बाइबल में यहाँ उसका सीधे अर्थ में लिखा गया है, जिसकी दृष्टि वक्र या तिरछी हो। यह वाक्यांश एक स्त्री के **पलकों** का उपयोग करके अधिक आकर्षक दिखने और एक पुरुष को आकर्षित करने का सन्दर्भ देता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं या अपनी भाषा में समान अर्थ वाली कोई अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अपने पलकों से"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 6:26 (#1)

כִּי

"क्योंकि"

क्योंकि यहाँ यह इंगित करता है कि आगे जो कुछ कहा गया है वह पिछले वचन में दिए गए आज्ञाओं का कारण है। अपनी भाषा में ऐसा संयोजक प्रयोग करें जो यह स्पष्ट करे कि आगे आनेवाली बात पहले कही गई बात का कारण है। वैकल्पिक अनुवाद: "वे बातें मत करो क्योंकि"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

नीतिवचन 6:26 (#2)

בְּעַד־אִשָּׁה זוֹנָה

"वेश्यागमन के कारण (दाम)"

मूल भाषा में यहाँ "दाम" शब्द का प्रयोग किया गया है जो किसी को चुकाना पड़ता है। जबकि हिन्दी बाइबल में "कारण" शब्द का उपयोग किया गया है। यहाँ सुलैमान **दाम** का उपयोग कर रहे हैं, जो एक व्यक्ति **वेश्यागमन** में सम्बंध बनाने के लिये चुकाता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं या इस विचार के लिये एक मंगल भाषण का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वेश्या स्त्री के साथ सोने का दाम"

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 6:26 (#3)

כִּכַּר לָחֶם

"रोटी के टुकड़ों"

इस संस्कृति में, **रोटी के टुकड़े** कम मूल्य वाले दैनिक भोजन थे। **रोटी के टुकड़े** आटे की गूंथी हुई लोई का एक टुकड़ा होता है जिसे किसी व्यक्ति ने आकार देकर पकाया होता है। यदि आपके पाठक **रोटी** से परिचित नहीं हैं, तो आप अपने देश में सामान्यतः खाए जाने वाले कम मूल्य वाला भोजन का नाम उपयोग कर सकते हैं या आप एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कम मूल्य वाला भोजन"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

नीतिवचन 6:26 (#4)

וְאֵשֶׁת אִישׁ

“परन्तु व्यभिचारिणी (एक पुरुष की पत्नी)”

मूल भाषा में यहाँ “एक पुरुष की पत्नी” वाक्यांश का प्रयोग किया गया है, जबकि हिन्दी बाइबल में “व्यभिचारिणी” का उपयोग किया गया है। यहाँ सुलैमान का अर्थ है कि यह **पुरुष की पत्नी** एक व्यभिचारिणी स्त्री है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “परन्तु एक विवाहित स्त्री जो व्यभिचार करती हैं”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 6:26 (#5)

נֶפֶשׁ יְקָרָה תָּצוּד

“अनमोल जीवन का अहेर कर लेती है”

यहाँ सुलैमान एक व्यभिचारिणी के विषय में बात करते हैं जो उस पुरुष को मृत्यु के मार्ग पर ले जाती है जिसके साथ वह व्यभिचार करती है, मानो वह उसका **अहेर** उसी तरह करती है जैसे एक शिकारी जानवर का **अहेर** करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसका अर्थ सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक अनमोल जीवन का घात कर देती है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 6:27 (#1)

הֲיַחְתֶּה אִישׁ אֵשׁ בְּחֵיקוֹ וּבְגָדָיו לֹא תִשָּׂרַפְנָה

“क्या हो सकता है कि कोई अपनी छाती पर आग रख ले”

सुलैमान प्रश्नवाचक रूप का प्रयोग उस सत्य पर जोर देने के लिये कर रहे हैं जो वे कह रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिये प्रश्नवाचक रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “निश्चय ऐसा नहीं हो सकता कि कोई मनुष्य अपने छाती पर आग रखे और उसके कपड़े न जलें!”

देखें: आलंकारिक प्रश्न

नीतिवचन 6:27 (#1)

הֲיַחְתֶּה אִישׁ אֵשׁ בְּחֵיקוֹ וּבְגָדָיו לֹא תִשָּׂרַפְנָה

“क्या हो सकता है कि कोई अपनी छाती पर आग रख ले”

यहाँ सुलैमान व्यभिचार करने के नकारात्मक परिणामों की ओर संकेत कर रहे हैं, जैसे कोई मनुष्य अपने आप को **आग** से जला रहा हो। चूँकि इस तुलना को 6:29 में समझाया गया है, इसलिए यहाँ इसके अर्थ को और समझाने की आवश्यकता नहीं है।

देखें: जानकारी को अंतर्निहित कब रखना चाहिए

नीतिवचन 6:27 (#2)

אִישׁ & בְּחֵיקוֹ וּבְגָדָיו

“कोई (पुरुष)” - “अपनी छाती पर”

मूल भाषा में यहाँ “पुरुष” और अपनी“ शब्द का प्रयोग किया गया है, जो विशेष रूप से पुल्लिंग को दर्शाता है। जबकि हिन्दी बाइबल में “कोई” और “अपनी” शब्द सामान्य लिंग को दर्शाता है। यहाँ **पुरुष** और **अपनी** किसी विशेष **पुरुष** का उल्लेख नहीं करते हैं। वे किसी भी व्यक्ति का उल्लेख करते हैं जो यह काम करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी व्यक्ति ... उस व्यक्ति के छाती और उस व्यक्ति के कपड़ों पर”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 6:27 (#3)

וּבְגָדָיו לֹא תִשָּׂרַפְנָה

“और उसके कपड़े न जलें”

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से जो स्वाभाविक हो, व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और आग उनके कपड़े को न जलाए”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 6:27 (#4)

וּבְגָדָיו

“और उसके कपड़े”

यहाँ **कपड़े** उस व्यक्ति को सन्दर्भित करते हैं जो वे **कपड़े** पहने हुए है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और वे” या “और वह व्यक्ति”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 6:27–28 (#1)

הֲיַחְתֶּה אִישׁ אֵשׁ בְּחֵיקוֹ וּבְגָדָיו לֹא תִשָּׂרַפְנָה: אִם־יְהַלֵּךְ אִישׁ עַל־הַגֶּחָלִים וְרַגְלָיו לֹא תִכְוֶינָה

“क्या हो सकता है कि कोई अपनी छाती पर आग रख ले”

यह दोनों उपवाक्य मूल रूप से एक ही बात का अर्थ रखते हैं। दूसरा उपवाक्य पहले के विचार को अलग शब्दों में दोहराकर जोर देता है। यदि आपके पाठकों के लिये यह सहायक हो, तो आप दोनों उपवाक्यों को एक ऐसे शब्द से जोड़ सकते हैं जो यह दर्शाए कि दूसरा उपवाक्य केवल पहले को दोहरा रहा है, कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: “क्या हो सकता है कि कोई अपनी छाती पर आग रख ले; और उसके कपड़े न जलें? निश्चय ही, क्या हो सकता है कि कोई अंगारे पर चले, और उसके पाँव न झुलसें?”

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 6:28 (#1)

אִם־יְהַלֵּךְ אִישׁ עַל־הַגֶּחָלִים וְרַגְלָיו לֹא תִכְוֶינָה

“क्या हो सकता है कि कोई अंगारे पर चले”

सुलैमान जो कह रहे है, उस सत्य पर जोर देने के लिये प्रश्नवाचक रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिये

प्रश्नवाचक रूप का उपयोग नहीं करते हैं, तो आप इसे एक कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "निश्चित रूप से यदि कोई पुरुष अंगारों पर चले, तो उसके पाँव झुलस जाएँगे!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

नीतिवचन 6:28 (#2)

אִם־יְהַלֵּךְ אִישׁ עַל־הַגֶּחָלִים וְרַגְלָיו לֹא תִכָּוֶינָה

"क्या हो सकता है कि कोई अंगारे पर चले"

यहाँ सुलैमान व्यभिचार करने के नकारात्मक परिणामों की ओर संकेत कर रहे हैं, मानो कोई व्यक्ति **अंगारे** से स्वयं को जला रहा हो। चूँकि इस तुलना को 6:29 में समझाया गया है, इसलिए यहाँ इसके अर्थ को और समझाने की आवश्यकता नहीं है।

देखें: जानकारी को अंतर्निहित कब रखना चाहिए

नीतिवचन 6:28 (#3)

אִישׁ & וְרַגְלָיו לֹא תִכָּוֶינָה

"कोई (पुरुष)" - "और उसके पाँव न झुलसें?"

मूल भाषा में यहाँ "पुरुष" और "उसके" शब्द का प्रयोग किया गया है जो विशेष रूप से पुल्लिंग को दर्शाता है। जबकि हिन्दी बाइबल में यहाँ "कोई" और "उसके" शब्द सामान्य लिंग को दर्शाता है। यहाँ **पुरुष** और **उसके** किसी विशेष **पुरुष** का उल्लेख नहीं करते हैं। वे किसी भी व्यक्ति का उल्लेख करते हैं जो यह काम करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी व्यक्ति ... तो क्या उस व्यक्ति के पाँव न झुलसें?"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 6:28 (#4)

הַגֶּחָלִים

"अंगारे"

यहाँ **अंगारे** जलती हुई लकड़ियों के छोटे-छोटे टुकड़ों को सन्दर्भित करता हैं, जिन्हें प्रायः खाना पकाने के लिये प्रयोग किया जाता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जलती हुई लकड़ी के टुकड़े"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 6:29 (#1)

כֵּן

"ऐसी"

यहाँ **ऐसी** यह दर्शाता है कि इसके बाद जो कहा गया है, वह पिछले दो वचनों में दिए गए कथनों का अर्थ स्पष्ट करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक पूर्ण अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसी स्थिति में"

देखें: उपमा

नीतिवचन 6:29 (#2)

הַבָּא אֶל & הַנֹּגֵעַ בָּהּ

"जो ... के पास जाता है" - "जो कोई उसको छूएगा"

यहाँ **पास जाता** और **छूएगा** दोनों का अर्थ किसी व्यक्ति द्वारा किसी अन्य से शारीरिक सम्बंध बनाना है। यह एक विनम्र तरीका है उस बात को कहने का, जिसे कुछ संस्कृतियों में आपत्तिजनक या लज्जाजनक माना जाता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस क्रिया का उल्लेख करने के लिये किसी अन्य विनम्र तरीके का उपयोग कर सकते हैं या आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने 2:19 में "पास जाते" के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "जो ... शारीरिक सम्बंध बनाता है ... जो उसके साथ शारीरिक सम्बंध बनाता है" या "जो ... के साथ सोता है ... जो उसके साथ सोता है"

देखें: मंगल भाषण

नीतिवचन 6:29 (#3)

לֹא יִנָּקֶה

"दण्ड से न बचेगा"

यहाँ सुलैमान एक अलंकार का प्रयोग कर रहे हैं जो एक नकारात्मक शब्द **न** का प्रयोग करके एक दृढ़तापूर्वक सकारात्मक अर्थ व्यक्त करता है, साथ ही एक ऐसी अभिव्यक्ति का प्रयोग करते हैं जो अपेक्षित अर्थ के विपरीत है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सकारात्मक रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "निश्चित रूप से दोषी ठहराया जाएगा"

देखें: कटाक्षपूर्ण उक्ति

नीतिवचन 6:29 (#4)

לֹא יִנָּקֶה

"दण्ड से न बचेगा"

मूल भाषा में यहाँ "निर्दोष" शब्द का प्रयोग किया गया है जबकि हिन्दी बाइबल में यहाँ "दण्ड" शब्द का उपयोग किया गया है। यहाँ सुलैमान **दण्ड से न बचेगा** का उपयोग उस परिणाम को सन्दर्भित करने के लिये करते हैं जो दोषी होने पर दण्डित किया जाएगा। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "दण्ड से नहीं बचेगा" या "दण्ड पाए बिना नहीं रहेगा"

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 6:30 (#1)

לֹא־יָבוּזוּ

"लोग (वे) तुच्छ नहीं जानते"

मूल भाषा में यहाँ "वे" शब्द का प्रयोग किया गया है, जो सर्वनाम को दर्शाता है। जबकि हिन्दी बाइबल में यहाँ "लोग" शब्द का उपयोग किया गया है, जो एक संज्ञा को दर्शाता है। **वे** यहाँ सामान्य रूप में लोगों को सन्दर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

नीतिवचन 6:30 (#2)

לַֽגְנֹ֥ב & יִגְנֹ֖ב & נַפְשׁ֑וֹ & יִרְעָ֣ב

“चोर”

यहाँ **चोर**, **अपना**, और **उसको** किसी विशेष **चोर** की ओर संकेत नहीं करते, बल्कि किसी भी व्यक्ति को दर्शाते हैं जो चोरी करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “चोर ... वे चोरी करे ... उनकी भूख ... वे भूखे होते हैं”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 6:30 (#3)

יִגְנֹ֥ב

“जो ... चोरी करे”

सुलैमान एक ऐसा शब्द छोड़ रहे हैं, जिसकी कई भाषाओं में वाक्य को पूर्ण करने के लिये आवश्यकता होती है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप सन्दर्भ के अनुसार उस शब्द को जोड़ सकते हैं, जैसा कि यूएसटी (अनफोल्डिंगवर्ड सिम्प्लिफाइड ट्रान्सलेशन) में किया गया है।

देखें: पदलोप

नीतिवचन 6:30 (#4)

נַפְשׁ֑וֹ

“(उसकी) भूख”

मूल भाषा में यहाँ “उसकी” शब्द का प्रयोग किया गया है जो एक सर्वनाम को दर्शाता है। जबकि हिन्दी बाइबल में यहाँ इस शब्द को छोड़ दिया गया है। यदि आपकी भाषा में **भूख** के विचार के लिये एक भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं होता है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “भोजन के लिये उसकी इच्छा”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 6:31 (#1)

וְנִמְצָ֣א יְשַׁלֵּ֗ם & בֵּיתוֹ֙ יִתֵּ֔ן

“फिर भी यदि वह पकड़ा जाए, तो उसको ... देना पड़ेगा” - “अपने घर का ... देना पड़ेगा”

मूल भाषा में यहाँ “वह” और “अपने” विशेष रूप से पुल्लिंग को दर्शाता है। जबकि हिन्दी बाइबल में यह शब्द सामान्य लिंग को दर्शाता है। यहाँ, **वह** और **अपने** पिछले वचन में उल्लिखित किसी भी व्यक्ति को दर्शाते हैं जो चोरी करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “फिर भी यदि कोई पकड़ा जाता है, तो उस व्यक्ति को ... देना पड़ेगा ... व्यक्ति को चुकाना होगा ... उस व्यक्ति के घर का ... उस व्यक्ति को देना पड़ेगा”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 6:31 (#2)

וְנִמְצָ֣א

“फिर भी यदि वह पकड़ा जाए”

यहाँ **पकड़ा जाए** का अर्थ केवल चोर को खोजने से नहीं है, बल्कि उसे पाए जाने से भी है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “फिर भी यदि वह पाया जाता है”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 6:31 (#3)

וְנִמְצָ֣א

“फिर भी यदि वह पकड़ा जाए”

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से जो स्वाभाविक हो, व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “फिर भी यदि कोई उसे पाता है” या “फिर भी यदि कोई उसे पकड़ लेता है”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 6:31 (#4)

יְשַׁלֵּ֥ם שִׁבְעָתָ֖יִם

“उसको सात गुणा भर देना पड़ेगा”

यह उपवाक्य दर्शाता है कि चोर को जिस व्यक्ति से उसने चोरी की है, उसे वह चुराई गई वस्तु को सात गुणा **भर देना पड़ेगा**। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उसे जिन लोगों से उसने वस्तुएँ चुराई हैं, उन सभी को वह चुराई गई वस्तुओं का सात गुणा भर देना पड़ेगा”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 6:31 (#5)

אֶת־כָּל־הוֹן֥ בֵּיתֹֽו׳

“अपने घर का सारा धन”

यह वाक्यांश एक मुहावरा है जो किसी व्यक्ति की सम्पूर्ण सम्पत्ति को दर्शाता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उनके पास जो कुछ भी है”

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 6:32 (#1)

נֹ֥אֵף

“जो परस्त्रीगमन करता है”

यह वचन कुछ ऐसा कहता है जो पिछली दो वचनों में चोर के विषय में कही गई बातों के विपरीत है। अपनी भाषा में एक प्रबल विरोधाभास व्यक्त करने का कोई स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: “परन्तु, जो व्यक्ति परस्त्रीगमन करता है”

देखें: जोड़ें – विरोधाभास सम्बन्ध

नीतिवचन 6:32 (#2)

נֹאֵף

“जो परस्त्रीगमन करता है”

यदि आपकी भाषा में **परस्त्रीगमन** के विचार के लिये कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो पराई स्त्री के साथ सम्बंध बनाता है”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 6:32 (#3)

“निरा निर्बुद्ध है”

यहाँ सुलैमान **निर्बुद्ध** का उपयोग किसी व्यक्ति की सोचने की क्षमता को सन्दर्भित करने के लिये करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “सोचने की क्षमता का अभाव है”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 6:32 (#4)

מַשְׁחִתִ֥ית נַפְשׁ֖וֹ הֽוּא־יַעֲשֶֽׂנָּה

“जो ऐसा करता है, वह अपने प्राण को नाश करता है”

यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इन वाक्यांशों के क्रम को बदल सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह अपने प्राण को नाश करता है, जब वह ऐसा करता है”

देखें: सूचना संरचना

नीतिवचन 6:32 (#5)

מַשְׁחִתִ֥ית נַפְשׁ֖וֹ

“अपने प्राण को नाश करता है”

यह उपवाक्य अगले उपवाक्य में वर्णित बात का परिणाम है। अपनी भाषा में किसी परिणाम को दर्शाने का स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: “जो उसके जीवन के नाश का कारण बनेगा”

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

नीतिवचन 6:32 (#6)

הֽוּא־יַעֲשֶֽׂנָּה

“जो ऐसा करता है”

यहाँ सर्वनाम **ऐसा** परस्त्रीगमन को सन्दर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह व्यभिचार करता है”

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

नीतिवचन 6:33 (#1)

נֶ֣גַע־וְקָלָ֗ון יִמְצָא֤ וְחֶרְפָּתוֹ֙ לֹ֣א תִמָּחֶ֔ה

“उसको घायल और अपमानित होना पड़ेगा”

सुलैमान का तात्पर्य यह है कि ये बातें उस व्यभिचारी पुरुष के साथ होंगी क्योंकि उसने व्यभिचार किया है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “क्योंकि उसने व्यभिचार किया, उसको घायल और अपमानित होना पड़ेगा और उसकी नामधराई कभी न मिटेगी”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 6:33 (#2)

נֶ֣גַע־וְקָלָ֗ון יִמְצָא֤

“उसको घायल (घाव) और अपमानित (अपमान) होना पड़ेगा (मिलेगी)”

मूल भाषा में “घाव और अपमान” शब्द का प्रयोग किया गया जो एक संज्ञा के रूप में दर्शाया गया है, साथ ही उन्हें वस्तु के रूप में दिखाया गया है जो “मिल” सकती है। जबकि हिन्दी बाइबल में “घायल और अपमानित” शब्द विशेषण के रूप में दर्शाया गया है। यहाँ सुलैमान व्यभिचारी पुरुष के **घाव और अपमान** की बात कर रहे हैं जैसे वे वस्तुएँ हों जो कोई व्यक्ति को **होना पड़ेगा (मिलेगी)** है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उसे घाव और अपमान प्राप्त होंगे” या “वह घायल और अपमानित हो जाएगा”

देखें: रूपक

नीतिवचन 6:33 (#3)

וְקָלָ֗ון & וְחֶרְפָּתוֹ֙

“और अपमानित (अपमान)”

मूल भाषा में यहाँ अपमान शब्द का प्रयोग किया गया है जो भाववाचक संज्ञा को दिखाता है। जबकि हिन्दी बाइबल में अपमानित शब्द का उपयोग किया गया है जो एक विशेषण को दर्शाता है। यदि आपकी भाषा **अपमान** और **नामधराई** के विचारों के लिये भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं करती है, तो आप इन्हीं विचारों को अन्य तरीकों से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और अपमान मिलेगा, और वह कितना लज्जित है”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 6:33 (#4)

לֹ֣א תִמָּחֶ֔ה

“कभी न मिटेगी”

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से जो स्वाभाविक हो, व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह कभी न मिटेगा”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 6:33 (#5)

לֹ֣א תִמָּחֶ֔ה

“कभी न मिटेगी”

यहाँ सुलैमान एक अलंकार का उपयोग कर रहे हैं जो एक नकारात्मक शब्द **न** का प्रयोग करके एक दृढ़तापूर्वक सकारात्मक अर्थ व्यक्त करते हैं, साथ ही एक ऐसी अभिव्यक्ति का प्रयोग करते हैं जो अपेक्षित अर्थ के विपरीत है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप सकारात्मक अर्थ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हमेशा रहेगा"

देखें: कटाक्षपूर्ण उक्ति

नीतिवचन 6:33 (#6)

לֹ֣א תִמָּחֶ֑ה

"कभी न मिटेगी"

यहाँ सुलैमान व्यभिचारी व्यक्ति की **नामधराई** के कभी खत्म न होने को ऐसे दर्शाते हैं जैसे कि **नामधराई** एक ऐसा दाग हो जो **कभी न मिटेगी**। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "खत्म न होगी"

देखें: रूपक

नीतिवचन 6:34 (#1)

כִּ֣י

"क्योंकि"

यहाँ **क्योंकि** यह दर्शाता है कि जो बात आगे कही जा रही है, वह पिछले वचन में सुलैमान द्वारा कही गई बात का कारण है। अपनी भाषा में ऐसा संयोजक प्रयोग करें जो स्पष्ट करे कि आगे आनेवाली बात पहले कही गई बात का कारण है। वैकल्पिक अनुवाद: "यह इस तथ्य के कारण है कि"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

नीतिवचन 6:34 (#2)

קִנְאָ֣ה & נָקָ֔ם

"जलन" - "बदला"

यदि आपकी भाषा में **जलन** और **बदला** के विचारों के लिये भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप इन्हीं विचारों को अन्य तरीकों से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जलन करने ... बदला लेने"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 6:34 (#3)

חֲמַ֥ת־גֶּ֖בֶר

"पुरुष बहुत ही क्रोधित (गर्मी) हो जाता है"

मूल भाषा में यहाँ "गर्मी" शब्द का प्रयोग किया गया है जबकि हिन्दी बाइबल में सीधे उसका अर्थ "क्रोधित" के रूप में लिखा गया है। यहाँ **गर्मी** अत्यधिक क्रोध को सन्दर्भित करती है, जो क्रोधित व्यक्ति के शरीर को गर्म कर देती है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक व्यक्ति का क्रोध"

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 6:34 (#4)

גֶּ֖בֶר וְלֹא־יַחְמֹ֑ל

"पुरुष,"

यहाँ **पुरुष** और **वह** उस पति को सन्दर्भित करता है जिसने अभी-अभी जाना है कि उसकी पत्नी ने व्यभिचार किया है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक व्यभिचारिणी स्त्री का पति, और वह पति ... कोई दया नहीं दिखाएगा"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 6:34 (#5)

וְלֹא־יַחְמֹ֑ל

"तब कोई दया नहीं दिखाएगा"

यहाँ सुलैमान एक अलंकार का उपयोग कर रहे हैं, जिसमें वह नकारात्मक शब्द **नहीं** का प्रयोग करके प्रबल सकारात्मक अर्थ व्यक्त करते हैं, जो कि अपेक्षित अर्थ के विपरीत है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप सकारात्मक अर्थ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और वह निर्दयी होगा"

देखें: कटाक्षपूर्ण उक्ति

नीतिवचन 6:34 (#6)

וְלֹא־יַחְמֹ֑ל

"तब कोई दया नहीं दिखाएगा"

यहाँ सुलैमान कुछ शब्द छोड़ रहे हैं जिन्हें कई भाषाओं में एक वाक्य को पूर्ण बनाने के लिये आवश्यक होता है। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और वह उस पुरुष पर कोई दया नहीं दिखाएगा जिसने उसकी पत्नी के साथ सोया था"

देखें: पदलोप

नीतिवचन 6:34 (#7)

בְּיֹ֥ום נָקָֽם

"जब वह बदला (का दिन) लेगा"

मूल भाषा में यहाँ "बदले का दिन" वाक्यांश का प्रयोग किया गया है जबकि हिन्दी में सिर्फ "जब" शब्द का उपयोग किया गया है। यहाँ सुलैमान **बदला** होने वाले **दिन** को व्यक्त करने के लिये स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा इसके लिये स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब बदले का दिन होगा"

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 6:35 (#1)

לֹא־יִשָּׂא & וְלֹא־תֹאבֶה

"वह ... कुछ न लेगा" - "तो भी वह न मानेगा"

इस वचन में सर्वनाम **वह** उस पुरुष को सन्दर्भित करता है जिसने अभी-अभी यह जाना है कि उसकी पत्नी ने व्यभिचार किया है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक व्यभिचारी पत्नी का पति ... कुछ न लेगा, तो भी वह पति न मानेगा"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

नीतिवचन 6:35 (#2)

"वह ... कुछ न लेगा (वह चेहरे को ऊपर न उठाएगा)"

मूल भाषा में "वह चेहरे को ऊपर न उठाएगा" वाक्यांश का प्रयोग किया गया है, जबकि हिन्दी बाइबल में इसका सीधे अर्थ "वह ... कुछ न लेगा" में लिखा गया है। यहाँ **चेहरे को ऊपर न उठाएगा** एक मुहावरा है जिसका अर्थ "मानना" है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे नहीं मानेंगे"

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 6:35 (#3)

כֹּ֣פֶר & שֹׁ֑חַד

"मुआवजे,"

मूल भाषा में यहाँ "घूस" शब्द का प्रयोग किया गया है जबकि हिन्दी बाइबल "बहुत कुछ" वाक्यांश का उपयोग करता है। यहाँ **मुआवजे** और **बहुत कुछ (घूस)** शब्द उन रुपयों को सन्दर्भित करते हैं जो एक पुरुष उस स्त्री के पति को देगा जिसके साथ उसने व्यभिचार किया है, ताकि हानि से बचा जा सके या पति को गुस्सा होने से रोका जा सके। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसे शान्त करने के लिये दिए गए रुपये ... वह रुपये"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 6:35 (#4)

וְלֹֽא־יֹאבֶֽה

"तो भी वह न मानेगा"

सुलैमान कुछ ऐसे शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में वाक्य को पूरा करने के लिये आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और वह शान्त होने के लिये तैयार नहीं होंगे" या "और वह क्रोध करना बन्द नहीं करेंगे"

देखें: पदलोप

नीतिवचन 7:1 (#1)

"रख छोड़"

देखें कि आपने **रख छोड़े** का उपयोग 2:1 में किस प्रकार अनुवाद किया।

देखें: रूपक

नीतिवचन 7:1 (#2)

"और" - "मेरी आज्ञाओं"

देखें कि आपने **आज्ञाओं** का 2:1 में कैसे अनुवाद किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 7:2 (#1)

"मेरी आज्ञाओं को मान, इससे तू जीवित रहेगा"

देखें कि आपने 4:4 में उसी खण्ड का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 7:2 (#2)

וְ֗תוֹרָתִ֤י כְּאִישׁ֙וֹן עֵינֶ֔יךָ

"और मेरी शिक्षा को अपनी आँख की पुतली जान"

सुलैमान एक शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होगा। यदि यह आपकी भाषा में स्पष्ट होगा, तो आप पहले वाक्य में शब्द जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और मेरी विधियों को अपनी आँखों की पुतली के रूप में रखें।"

देखें: पदलोप

नीतिवचन 7:2 (#3)

"और मेरी शिक्षा"

देखें कि आपने **शिक्षा** का 1:8 में कैसे अनुवाद किया।

देखें: समूहवाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 7:2 (#4)

"अपनी आँख की पुतली जान"

यहाँ सुलैमान अपनी **शिक्षा** का उल्लेख इस प्रकार करते हैं जैसे कि यह **आँख की पुतली** हो। उनका मतलब है कि लोगों को बुद्धिमान नियमों को उतना ही महत्व देना चाहिए जितना वे अपनी दृष्टि और अपनी आँखों की सुरक्षा को देते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसे आपकी सबसे मूल्यवान सम्पत्ति"

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 7:3 (#1)

קְשָׁרֵ֥ם עַל־אֶצְבְּעֹתֶ֖יךָ

"उनको अपनी उँगलियों में बाँध"

यहाँ सुलैमान हमेशा कुछ याद रखने की बात करते हैं, जैसे कि जो याद रखा जाना चाहिए वह व्यक्ति की उँगलियों से बँधी कोई वस्तु हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्हें सदैव स्मरण रखें।"

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 7:3 (#2)

קְשָׁרֵ֥ם & כְּתָבֵ֖ם

"उनको...बाँध" - "लिख ले"

इस वचन में, **उनको** "मेरी आज्ञाओं" का सन्दर्भ देता है, जिनका उल्लेख पिछले दो वचनों में किया गया है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरी आज्ञाओं को बाँधो ... मेरी आज्ञाओं को लिखो"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब कब करें

नीतिवचन 7:3 (#3)

"अपने हृदय की पटिया पर लिख ले"

देखें कि आपने इस खण्ड का अनुवाद 3:3 में किस प्रकार किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 7:4 (#1)

אֱמֹ֣ר לַֽחָכְמָ֗ה אֲח֤וֹתִי אָ֙תְּ֙ וּמֹדָ֣ע לַבִּינָ֔ה תִּקְרֶֽא

"बुद्धि से कह, 'तू मेरी बहन है,'"

ये दोनों वाक्यांश मूल रूप से एक ही बात का अर्थ रखते हैं। दूसरा वाक्यांश पहले के अर्थ को अलग शब्दों में दोहराकर जोर देता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप **और** के अलावा किसी अन्य शब्द का उपयोग करके वाक्यांशों को जोड़ सकते हैं ताकि यह दिखाया जा सके कि दूसरा वाक्यांश पहले को दोहरा रहा है, कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: "बुद्धि से कहें, 'आप मेरी बहन हैं,' हाँ, समझ से कहें, 'रिश्तेदार,'"

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 7:4 (#2)

אֱמֹ֣ר לַֽחָכְמָ֗ה אֲח֤וֹתִי אָ֙תְּ֙ וּמֹדָ֣ע לַבִּינָ֔ה תִּקְרֶֽא

"बुद्धि से कह, 'तू मेरी बहन है,'"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप इन दो उपवाक्यों को अप्रत्यक्ष उद्धरण के रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बुद्धि से कहें कि वह आपकी बहन है, और समझ को कहें कि वह आपकी कुटुम्बी है।"

देखें: प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष उद्धरण

नीतिवचन 7:4 (#3)

לַֽחָכְמָ֗ה & לַבִּינָ֔ה

"बुद्धि से," - "समझ को"

देखें कि आपने **बुद्धि** और **समझ** जैसी भाववाचक संज्ञाओं का 1:2 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 7:4 (#4)

אֱמֹ֣ר לַֽחָכְמָ֗ה אֲח֤וֹתִי אָ֙תְּ֙

"बुद्धि से कहें, "तू मेरी बहन हैं"

यहाँ सुलैमान **बुद्धि** के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे वह कोई व्यक्ति हों। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बुद्धिमत्ता को ऐसे महत्व दें जैसे वह एक महिला हों जिससे आप कहें, 'आप मेरी बहन हैं।'"

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 7:4 (#5)

וּמֹדָ֣ע לַבִּינָ֔ה תִּקְרֶֽא

"और समझ को, "कुटुम्बी"

यहाँ सुलैमान **समझ** के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे वह कोई व्यक्ति हों। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और समझ को ऐसे महत्व दें जैसे वह कोई हों जिन्हें आप 'कुटुम्बी' कहकर बुलाएँ,"

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 7:4 (#6)

וּמֹדָ֣ע לַבִּינָ֔ה תִּקְרֶֽא

"और समझ को, "कुटुम्बी"

हालांकि **कुटुम्बी** शब्द पुल्लिंग है, सुलैमान इस शब्द का उपयोग एक सामान्य अर्थ में कर रहे हैं जो किसी भी करीबी रिश्तेदार को सन्दर्भित कर सकता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप एक वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो इसे स्पष्ट करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "और समझ को कहें, 'परिवार का सदस्य,'"

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियां भी शामिल होते हैं

नीतिवचन 7:5 (#1)

"पराई स्त्री से"

देखें कि आपने **पराई स्त्री** का 2:16 में कैसे अनुवाद किया।

देखें: रूपक

नीतिवचन 7:5 (#2)

מִ֭נֻּכְרִיָּה

"{परदेशी स्त्री से} जो चिकनी चुपड़ी बातें बोलती है"

हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में परदेशी स्त्री का उपयोग नहीं हुआ है। सुलैमान कुछ शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप ये शब्द पिछले वाक्य से ले सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपको परदेशी स्त्री से दूर रखने के लिए"

देखें: पदलोप

नीतिवचन 7:5 (#3)

"{परदेशी स्त्री} जो अपनी बातों को आकर्षक बनाती हैं"

हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में परदेशी स्त्री का उपयोग नहीं हुआ है। देखें कि आपने 2:16 में उसी अंश का अनुवाद कैसे किया।

देखें: रूपक

नीतिवचन 7:6 (#1)

כִּֽי

“क्योंकि”

क्योंकि यहाँ एक कहानी प्रस्तुत करता है जिसमें सुलैमान 7:6–23 में अपने पुत्र को व्यभिचार से सावधान रहने की चेतावनी देते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक अलग शब्द या वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो एक कहानी प्रस्तुत करता है। वैकल्पिक अनुवाद: “एक समय था जब”

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

नीतिवचन 7:6 (#2)

בְּחַלֹּ֥ון בֵּיתִ֖י

“अपने घर की खिड़की से”

सुलैमान का मतलब है कि वह **खिड़की** खड़े थे जबकि बाहर देख रहे थे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं, जैसे कि अनफोल्डिंग वर्ड सिम्प्लिफाइड ट्रान्सलेशन में।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 7:6 (#3)

בְּחַלֹּ֥ון בֵּיתִ֖י

“अपने घर की खिड़की से”

यहाँ सुलैमान अपने **घर** के किनारे पर एक **खिड़की** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मेरे घर के किनारे पर जो खिड़की है, उस पर”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 7:6 (#4)

אֶשְׁנַבְּבִֽי

“झरोखे से”

एक **झरोखा** पतली लकड़ी की पट्टियों से बनी होती है जो एक-दूसरे को तिरछे पैटर्न में काटती हैं और आंशिक रूप से ढकने के लिए **खिड़की** पर लगाई जाती हैं। यदि आपके पाठक इस प्रकार की **खिड़की** के आवरण से परिचित नहीं हैं, तो आप अपने क्षेत्र में किसी समान चीज़ का नाम उपयोग कर सकते हैं या आप एक अधिक **सामान्य** शब्द का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “खिड़की का पटल” या “खिड़की पर लगा आवरण”

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

नीतिवचन 7:6 (#5)

נִשְׁקָֽפְתִּי

“मैंने ... झाँका”

यहाँ सुलैमान का मतलब है कि वह उस स्थान पर खड़े थे जो बाहर की सड़क से ऊँचा था। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मैंने बाहर की सड़क की ओर नीचे देखा।”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 7:7 (#1)

“तब मैंने भोले लोगों में से एक ... को देखा”

सुलैमान कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्यांश को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अगले वाक्यांश से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और मैंने भोले लोगों में एक युवा पुरुष को देखा।”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 7:7 (#2)

בַּבָּנִֽים

“जवान”

यहाँ, **जवान** का अर्थ युवा पुरुषों से है। यह विशेष रूप से सुलैमान के **जवान** या पुत्र का उल्लेख नहीं करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “युवा पुरुषों के बीच”

देखें: रूपक

नीतिवचन 7:7 (#3)

“निर्बुद्धि”

देखें कि आपने इस वाक्यांश का 6:32 में कैसे अनुवाद किया।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 7:8 (#1)

פִּנָּ֣ה & בֵּיתָֽהּ

“उस स्त्री के घर के कोने”

मूल भाषा में यहाँ **उसके कोने** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **उस स्त्री के घर के कोने** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। इस पद में, **उसके** का सन्दर्भ एक व्यभिचारिणी महिला से है, जैसा कि 7:5 में उल्लेख किया गया है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक व्यभिचारिणी महिला का कोना ... उस महिला का घर”

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

नीतिवचन 7:8 (#2)

פִּנָּ֣ה

“उस स्त्री के घर के कोने”

मूल भाषा में यहाँ **उसके कोने** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **उस स्त्री के घर के कोने** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। यहाँ, **कोने** उस स्थान को सन्दर्भित करता है जहाँ दो सड़कें मिलती हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “दो सड़कों के चौराहे पर उनका स्थान”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 7:8 (#3)

וְדֶרֶךְ בֵּיתָהּ יִצָּעָד

“और उसने उसके घर का मार्ग लिया”

यहाँ सुलैमान स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं एक **मार्ग** का वर्णन करने के लिए जो **उसके घर** की ओर ले जाता है। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और वह उस मार्ग में कदम रखता है जो उसके घर की ओर ले जाता है”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 7:8 (#4)

יִצָּעָד

“उसने...मार्ग लिया”

मूल भाषा में यह वाक्यांश वर्तमान काल में लिखा गया है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में यह वाक्यांश भूतकाल में लिखा गया है। यहाँ सुलैमान की कहानी में एक विकास की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए निर्देश में भूतकाल वर्णन में वर्तमान काल का उपयोग किया जाता है। यदि आपकी भाषा में ऐसा करना स्वाभाविक नहीं है, तो आप भूतकाल का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उसने...मार्ग लिया”

देखें: काल के अनियमित उपयोग

नीतिवचन 7:9 (#1)

בְּנָשֶׁף־בְּעֶרֶב יוֹם בְּאִישׁוֹן לַיְלָה וַאֲפֵלָה

“उस समय दिन ढल गया, और संध्याकाल आ गया था”

इस पद में, सुलैमान उस समय की अवधि के बारे में पृष्ठभूमि जानकारी प्रदान करते हैं जब एक युवा पुरुष व्यभिचारिणी महिला के घर गया था। अपनी भाषा में पृष्ठभूमि जानकारी व्यक्त करने के लिए स्वाभाविक रूप का उपयोग करें। आपको एक नया वाक्य शुरू करने की आवश्यकता हो सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: “अब यह संध्या की ठण्डी हवा का समय था, दिन की शाम में, रात और अंधकार की गहराई में”

देखें: पृष्ठभूमि की जानकारी

नीतिवचन 7:9 (#2)

בְּנָשֶׁף־בְּעֶרֶב יוֹם בְּאִישׁוֹן לַיְלָה וַאֲפֵלָה

“उस समय दिन ढल गया, और संध्याकाल आ गया था”

मूल भाषा में यहाँ **संध्या की ठण्डी हवा का समय** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **उस समय दिन ढल गया** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। वाक्यांश **संध्या की ठण्डी हवा का समय** और **संध्याकाल** उस समय को सन्दर्भित करते हैं जब **संध्या** शुरू होती है, जबकि **रात का घोर अंधकार** उस समय को सन्दर्भित करता है जो **रात** में बाद में होता है। ये वाक्यांश मिलकर संकेत देते हैं कि जब युवा पुरुष व्यभिचारिणी महिला के घर जा रहा था, तब धीरे-धीरे अंधेरा हो रहा था। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “साँझ की बयार में, दिन के संध्या समय में, और यहाँ तक कि रात और अंधकार की गहराई में”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 7:9 (#3)

בְּאִישׁוֹן לַיְלָה

“रात का घोर अंधकार”

मूल भाषा में यहाँ **रात की पुतली में** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **रात का घोर अंधकार** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। यहाँ, **रात** के मध्य को **पुतली** कहा जाता है क्योंकि **पुतली** आँख का सबसे अंधेरा हिस्सा होती है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “रात के मध्य में”

देखें: रूपक

नीतिवचन 7:10 (#1)

וְהִנֵּה

“और उससे एक स्त्री मिली”

मूल भाषा में यह वाक्यांश वर्तमान काल में लिखा गया है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में यह वाक्यांश भूतकाल में लिखा गया है। यहाँ सुलैमान की कहानी में एक विकास की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए निर्देश में भूतकाल वर्णन में वर्तमान काल का उपयोग किया जाता है। यदि आपकी भाषा में ऐसा करना स्वाभाविक नहीं है, तो आप भूतकाल का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और देखो, वहाँ...है”

देखें: काल के अनियमित उपयोग

नीतिवचन 7:10 (#2)

וְהִנֵּה

“और देखो, वहाँ...है”

मूल भाषा में यहाँ **और देखो, वहाँ...है** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **और उससे एक स्त्री मिली** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। यहाँ, **देखो** एक शब्द है जो पाठकों का ध्यान कहानी में आगे क्या होने वाला है, उस पर केन्द्रित करने के लिए है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप अपनी भाषा में कोई जोरदार शब्द या अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं जो इसी प्रभाव को उत्पन्न करे। वैकल्पिक अनुवाद: “और इस पर ध्यान दें: वहाँ ... था”

देखें: रूपक

नीतिवचन 7:10 (#3)

לִקְרָאתָוֹ

“उससे ... मिली”

सुलैमान कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्यांश को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपके लिए यह आपकी भाषा में स्पष्ट होगा, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो उनसे मिलने आई थी”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 7:10 (#4)

וּנְצֻרַת לֵב

“और वह बड़ी धूर्त थी”

मूल भाषा में यहाँ **और वह हृदय संरक्षित रखती थी** मुहावरे का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **और वह बड़ी धूर्त थी** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। वाक्यांश **वह बड़ी धूर्त थी** एक मुहावरा है जो अन्य लोगों से अपनी योजनाओं या इरादों को छिपाने का सन्दर्भ देता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं या अपनी भाषा से एक मुहावरा उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और उसने किसी को धोखा देने की योजना बनाई” या “और हृदय से चालाक थी”

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 7:11 (#1)

הֹמִיָּה & לֹא־יִשְׁכְּנוּ

“शान्ति रहित” - “नहीं टिकते थे”

मूल भाषा में यह वाक्यांश वर्तमान काल में लिखा गया है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में यह वाक्यांश भूतकाल में लिखा गया है। यहाँ सुलैमान की कहानी में एक विकास की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए निर्देश में भूतकालीन वर्णन में वर्तमान काल का उपयोग किया गया है। यदि आपकी भाषा में ऐसा करना स्वाभाविक नहीं है, तो आप भूतकाल का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “शोरगुल करने वाली ... नहीं टिकते”

देखें: काल के अनियमित उपयोग

नीतिवचन 7:11 (#2)

בְּבָתֶּיהָ לֹא־יִשְׁכְּנוּ רַגְלֶיהָ

“उसके पैर घर में नहीं टिकते थे”

सुलैमान एक व्यक्ति के एक हिस्से, **पैर**, का उपयोग पूरे व्यक्ति का प्रतिनिधित्व करने के लिए कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अपनी संस्कृति से एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को सीधे रूप में बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह अपने घर में नहीं ठहरीं”

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 7:11–12 (#1)

הֹמִיָּה הִהִיא וְסֹרְרֶת בְּבָתֶּיהָ לֹא־יִשְׁכְּנוּ רַגְלֶיהָ: פַּפַּעַם ׀ בַּחוּץ פַּפַּעַם בָּרְחֹבוֹת וְאֵאָצֶל כָּל־פִּנָּה תֶאֱרֹב

“”

इन दो वचनों में, सुलैमान व्यभिचारिणी महिला के बारे में पृष्ठभूमि जानकारी प्रदान करते हैं। आपके अनुवाद में, इस जानकारी को इस प्रकार प्रस्तुत करें कि यह स्पष्ट हो कि यह पृष्ठभूमि जानकारी है।

देखें: पृष्ठभूमि की जानकारी

नीतिवचन 7:12 (#1)

פַּפַּעַם ׀ בַּחוּץ פַּפַּעַם בָּרְחֹבוֹת וְאֵאָצֶל כָּל־פִּנָּה תֶאֱרֹב

“कभी वह सड़क में, कभी चौक में”

यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा तो आप इन खण्डों का क्रम बदल सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह कभी सड़क पर, कभी चौक में, और हर कोने के पास प्रतीक्षा करती हैं”

देखें: सूचना संरचना

नीतिवचन 7:12 (#2)

בַּחוּץ

“वह सड़क में”

शब्द **सड़क** सामान्य रूप में सड़कों का प्रतिनिधित्व करता है, किसी विशेष सड़क का नहीं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “सड़कों में”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 7:12 (#3)

“कोने”

देखें कि आपने **कोने** का 7:8 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 7:12 (#4)

תֶאֱרֹב

“वह बाट जोहती थी”

मूल भाषा में यह वाक्यांश वर्तमान काल में लिखा गया है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में यह वाक्यांश भूतकाल में लिखा गया है। यहाँ सुलैमान की कहानी में एक विकास की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए निर्देश में भूतकालीन वर्णन में वर्तमान काल का उपयोग किया जाता है। यदि आपकी भाषा में ऐसा करना स्वाभाविक नहीं है, तो आप भूतकाल का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह घात लगाकर बैठी थी”

देखें: काल के अनियमित उपयोग

नीतिवचन 7:12 (#5)

תֶאֱרֹב

“वह बाट जोहती थी”

यहाँ सुलैमान उस व्यभिचारिणी महिला की बात कर रहे हैं जो एक पुरुष की तलाश में है जिसे वह अपने साथ अनैतिक सम्बन्ध बनाने के लिए मना सके, जैसे वह किसी पर अचानक हमला करने की तैयारी कर रही हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह किसी को खोजने के लिए इंतजार कर रही थी जिसे वह अपने साथ अनैतिक सम्बन्ध बनाने के लिए मना सके”

देखें: रूपक

नीतिवचन 7:13 (#1)

וְהֶחֱזִיקָה

“तब उसने ... पकड़कर”

तब यहाँ संकेत करता है कि जो आगे आता है वह 7:10 से कथा की निरन्तरता है, जिसे सुलैमान ने 7:11–12 में पृष्ठभूमि जानकारी के साथ बाधित किया था। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इस सम्बन्ध को एक पूर्ण वाक्यांश का उपयोग करके पहले की घटनाओं का सन्दर्भ दिखा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उससे मिलने के बाद, वह उसे पकड़ लेती हैं”

देखें: जोड़ें — अनुक्रमिक समय सम्बन्ध

नीतिवचन 7:13 (#2)

וַתֹּאמַר & הֵעֵזָה & וְנָשְׁקָה & וְהֶחֱזִיקָה

“उसने ... पकड़कर” - “चूमा” - “निर्लज्जता की चेष्टा करके” - “उससे कहा”

मूल भाषा में यह वाक्यांश वर्तमान काल में लिखा गया है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में यह वाक्यांश भूतकाल में लिखा गया है। यहाँ सुलैमान ने कहानी में घटित एक घटना की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए भूतकाल के वर्णन में वर्तमान काल का प्रयोग किया है। यदि आपकी भाषा में ऐसा करना स्वाभाविक नहीं है, तो आप भूतकाल का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और उसने पकड़ा ... और चूमा ... उसने निर्लज्जता की चेष्टा करके ... और कहा”

देखें: काल के अनियमित उपयोग

नीतिवचन 7:13 (#3)

הֵעֵזָה פָּנָיהָ

“निर्लज्जता की चेष्टा करके”

यहाँ, **निर्लज्जता की चेष्टा करके** का मतलब है कि महिला के चेहरे पर ऐसा भाव था जो दिखाता था कि वह कितनी निर्लज्ज या बेशर्म थी। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो सकता है, तो आप अपनी भाषा से एक समान अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उसका चेहरा निर्लज्ज था” या “उसके चेहरे पर बेशर्मी का भाव था।”

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 7:14 (#1)

זִבְחֵי שְׁלָמִים עָלָי

“मैंने आज ही मेलबलि चढ़ाया”

महिला यह संकेत करती है कि उनके घर में माँस खाने के लिए है क्योंकि जिन्होंने **मेलबलि** चढाई थी, उन्हें यहोवा को मन्दिर में अर्पित किए गए माँस का कुछ हिस्सा रखने की अनुमति थी (देखें लैव्य 7:11–17 और 1 शमू 9:11–13)। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मेरे पास मन्दिर में यहोवा को अर्पित की गई मेलबलि के बलिदानों से बचा हुआ माँस है”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 7:14 (#2)

הַיּוֹם שִׁלַּמְתִּי נְדָרָי

“मैंने आज ही...अपनी मन्नतें पूरी की”

यहाँ, **मन्नतें** का अर्थ **मेलबलि के चढ़ावे** है जो महिला ने परमेश्वर को अर्पित करने का वादा किया था। 7:16 के अनुसार, महिला को अगले दिन के अन्त तक अपने **मन्नतें** के भुगतान से बचा हुआ माँस खाना होगा। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “आज मैंने परमेश्वर को देने के लिए वादा किए गए बलिदान किए हैं।”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 7:15 (#1)

לְשַׁחֵר

“खोजी थी”

महिला कुछ शब्द छोड़ रही हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्यांश को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप ये शब्द वाक्य के पहले से ले सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मैं मेहनत से खोजने के लिए बाहर आई हूँ।”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 7:15 (#2)

פָּנֶיךָ

“तेरे दर्शन”

यहाँ, **दर्शन** का अर्थ पूरे व्यक्ति की उपस्थिति में होना है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “आपकी उपस्थिति” या “जहाँ आप थे”

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 7:16 (#1)

עַרְשִׂי

“अपने पलंग”

यहाँ, **पलंग** उस मंच को सन्दर्भित करता है जिस पर अमीर लोग विश्राम या सोने के लिए बैठते या लेटते थे। यदि आपके पाठक इस प्रकार के फर्नीचर से परिचित नहीं हैं, तो आप अपने क्षेत्र में कुछ समान नाम का उपयोग कर सकते हैं या आप एक अधिक सामान्य शब्द का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मेरे आराम करने की जगह”

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

नीतिवचन 7:16 (#2)

מַמְרְבַדִּים & חֲטֻבּוֹת אֵטוּן מִצְרָיִם

“बिछौने”

यहाँ, महिला **बिछौने** को **मिस्र के बेलबूटेवाले कपड़े** के रूप में वर्णित करती हैं, जो महंगा और विलासितापूर्ण कपड़ा है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “बिछौने के साथ, जो विलासितापूर्ण मिस्र के रंगीन कपड़े हैं”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 7:17

נַפְתִּי מִשְׁכָּבְבִי

“मैंने अपने बिछौने पर गन्धरस...छिड़की है”

वैकल्पिक अनुवाद: “मैंने अपने बिस्तर पर..... फैला दिया है”

नीतिवचन 7:17 (#2)

מֹר אֲאַהֲלִים וְקִנָּמוֹן

“गन्धरस, अगर और दालचीनी”

यह **गन्धरस, अगर और दालचीनी** का मिश्रण सुगंधित पदार्थों से बना था, जिन्हें मिलाकर इत्र की तरह उपयोग किया जाता था। यदि आपके पाठक इन पदार्थों से परिचित नहीं हैं, तो आप एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “सुगंधित पदार्थों के साथ”

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

नीतिवचन 7:18 (#1)

“हम प्रेम से ...जी बहलाते रहें”

मूल भाषा में यहाँ **आओ हम वासनाओं से सराबोर हो जाएँ** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **इसलिए अब चल हम प्रेम से भोर तक जी बहलाते रहें** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। ‘सराबोर’ शब्द का अर्थ है बच्चे को पर्याप्त मात्रा में दूध पिलाना। यहाँ, महिला अपनी यौन इच्छाओं को सन्तुष्ट करने के बारे में ऐसे बात करती है जैसे कोई भूखे बच्चे की प्यास बुझा रहा हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे रूप से व्यक्त कर सकते हैं या एक अधिक उपयुक्त अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “आओ हम अपनी यौन इच्छाओं को सन्तुष्ट करें” या “आओ हम अपनी वासनाओं से खुद को सन्तुष्ट करें जैसे एक माँ के स्तन उसके बालक को भोजन से भरते हैं”

देखें: रूपक

नीतिवचन 7:18 (#2)

“प्रेम से” - “प्रीति से”

मूल भाषा में यहाँ **आओ हम वासनाओं से सराबोर हो जाएँ** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **इसलिए अब चल हम प्रेम से भोर तक जी बहलाते रहें** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। शब्द **वासनाओं** और **प्रीति** यहाँ जोर देने के लिए बहुवचन में हैं। इस वचन में, दोनों शब्द उग्र यौन गतिविधि को सन्दर्भित करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “तीव्र वासना ... तीव्र प्रेम के साथ”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 7:19 (#1)

כִּֽי

“क्योंकि”

क्योंकि यहाँ यह संकेत करता है कि जो आगे आता है वह कारण है कि महिला सोचती है कि यह युवा पुरुष के लिए उसके साथ आने के लिए सुरक्षित है, जैसा कि उन्होंने उसे पिछले वचन में बताया था। कारण बताने के लिए अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: “हम यह कर सकते हैं क्योंकि”

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

नीतिवचन 7:19 (#2)

הָאִישׁ

“मेरा पति”

मूल भाषा में यहाँ **पुरुष** शब्द का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **मेरा पति** शब्द का प्रयोग हुआ है। यहाँ, **पुरुष** महिला के पति को सन्दर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह पुरुष जिनसे मैंने विवाह किया”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 7:19 (#3)

בְּבֵיתֹֽו

“घर में”

यहाँ, महिला उस **घर** के बारे में बात करती है जिसमें वह अपने पति के साथ रहती हैं, जैसे कि वह {**उसका**} **घर** हो जैसे की मूल भाषा में लिखा गया है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “हमारे घर में”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 7:19 (#4)

בְּדֶרֶךְ מֵרָחוֹק

“दूर देश को”

मूल भाषा में यहाँ **दूर किसी सड़क पर** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **दूर देश को** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। यहाँ, **सड़क** का अर्थ एक यात्रा से है जिसमें **सड़क** पर यात्रा करना शामिल होता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक दूरस्थ स्थान की यात्रा पर”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 7:20 (#1)

צְרוֹר־הַכֶּסֶף לָקַח בְּיָדוֹ

“वह चाँदी की थैली ले गया है”

इस खण्ड का अर्थ है कि महिला का पति लम्बे समय के लिए चला जाएगा क्योंकि वह अपने साथ बहुत सारा धन लेकर गया है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह लम्बे समय के लिए चला जाएगा क्योंकि उसने अपने हाथ में चाँदी की थैली ले ली है।”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 7:20 (#2)

צְרוֹר־הַכֶּסֶף

“वह चाँदी की थैली”

यहाँ, महिला **थैली** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रही हैं जो **चाँदी** से भरी हुई है। यदि आपकी भाषा में इसके लिए स्वामित्व

रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "चाँदी से भरी थैली"

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 7:20 (#3)

הַכֵּסֶא

"पूर्णमासी"

वाक्यांश **पूर्णमासी** उस **चन्द्रमा** को सन्दर्भित करता है जब वह आकाश में एक पूर्ण गोल आकार की तरह दिखाई देता है और अपनी सबसे तेज चमक में होता है। यह प्रत्येक महीने के मध्य में होता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "चन्द्रमा अपनी सबसे तेज चमक में है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 7:20 (#4)

בֵּיתוֹ

"{अपने घर} लौट आएगा"

मूल भाषा में यहाँ **अपने घर** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में इस वाक्यांश का प्रयोग नहीं हुआ है। देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद पिछले पद में कैसे किया।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 7:21 (#1)

הִטַּתוּ & תַּדִּיחֻנוּ

"उसने उसको फँसा लिया" - "उसने ...उसको अपने वश में कर लिया"

मूल भाषा में यह वाक्यांश वर्तमान काल में लिखा गया है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में यह वाक्यांश भूतकाल में लिखा गया है। यहाँ सुलैमान ने कहानी में घटित एक घटना की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए भूतकाल के वर्णन में वर्तमान काल का प्रयोग किया है। यदि आपकी भाषा में ऐसा करना स्वाभाविक नहीं है, तो आप भूतकाल का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्होंने उसे भटकाया ... उन्होंने उसे मजबूर किया"

देखें: काल के अनियमित उपयोग

नीतिवचन 7:21 (#2)

הִטַּתוּ & לִקְחָהּ & שְׂפָתֶיהָ תַּדִּיחֻנוּ

"उसने उसको फँसा लिया" - "लुभानेवाली बातें कह कहकर"

उसने और **उसको** इस पद में उस व्यभिचारिणी महिला को सन्दर्भित करते हैं जिसके बारे में 7:14–20 में बात की गई थी और **उसको** का सन्दर्भ उस युवा पुरुष से है जिसे वह बहका रही है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "व्यभिचारिणी महिला ने युवा पुरुष को भटका दिया ... उस महिला की शिक्षा ... उस महिला के होंठ उस पुरुष को मजबूर करते हैं"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

नीतिवचन 7:21 (#3)

הִטַּתוּ

"उसने उसको फँसा लिया"

यहाँ सुलैमान उस महिला के बारे में बात करते हैं जो युवा पुरुष को कुछ करने के लिए प्रेरित करती है, जैसे कि वह उसे उस दिशा को बदलने के लिए प्रोत्साहित कर रही हो जिसमें वह चल रहा था। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसने उसे मना लिया"

देखें: रूपक

नीतिवचन 7:21 (#4)

"ऐसी ही लुभानेवाली बातें कह कहकर"

यहाँ सुलैमान प्रचुर मात्रा में **बातें** का उल्लेख करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसकी प्रचुर मात्रा में शिक्षा के साथ"

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 7:21 (#5)

בְּחֲלֶק שְׂפָתֶיהָ

"अपनी चिकनी चुपड़ी बातों से"

यहाँ सुलैमान व्यभिचारिणी महिला की मोहक वाणी को उसके **चिकनी चुपड़ी बातों** के रूप में सन्दर्भित करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसकी मोहक वाणी के साथ"

देखें: रूपक

नीतिवचन 7:21 (#6)

תַּדִּיחֻנוּ

"उसको अपने वश में कर लिया"

यहाँ सुलैमान का मतलब है कि व्यभिचारिणी महिला ने युवा पुरुष को उसके साथ व्यभिचार करने के लिए प्रेरित किया। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इस अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसने उसे अपने साथ चलने के लिए प्रेरित किया" या "उसने उसे उसके साथ यौन सम्बन्ध बनाने के लिए प्रेरित किया"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 7:22 (#1)

כְּשׁוֹר אֶל־טָבַח

"जैसे बैल कसाई-खाने को"

सुलैमान कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्यांश को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि यह आपकी भाषा में स्पष्ट होगा, तो आप इन शब्दों को वाक्य के पहले भाग से जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसे एक बैल जो वध के लिए जा रहा है।"

देखें: पदलोप

नीतिवचन 7:22 (#2)

כְּשׁוֹר אֶל־טֶבַח יָבוֹא

“जैसे बैल कसाई-खाने को”

सुलैमान उस युवा पुरुष की तुलना उस **बैल** से करते हैं जो अनजाने में वध के लिए जा रहा होता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह अनजाने में मारे जाने के लिए जाता है।”

देखें: उपमा

नीतिवचन 7:22 (#3)

יָבוֹא

“{वह जाता है} जैसे बैल कसाई-खाने को”

मूल भाषा में यहाँ **वह जाता है** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में इस वाक्यांश का प्रयोग नहीं हुआ है। यहाँ सुलैमान कहानी में एक विकास की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए अतीत की कथा में वर्तमान काल का उपयोग करते हैं। यदि आपकी भाषा में ऐसा करना स्वाभाविक नहीं है, तो आप भूतकाल का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह गया”

देखें: काल के अनियमित उपयोग

नीतिवचन 7:22 (#4)

וּכְעֶעֹכֶס אֶל־מוּסַר אֱוִיל

“या हिरन फंदे में कदम रखता है” {और मूर्ख को सुधारने के लिए टखने की जंजीर की तरह}

अनफोल्डिंग वर्ड लिट्रल ट्रान्सलेशन इस खण्ड के लिए इब्री पाठ का अनुवाद है- **और मूर्ख को सुधारने के लिए टखने की जंजीर की तरह**। हालांकि, इस खण्ड के कुछ प्राचीन अनुवादों में “और जाल में फंसे हिरन की तरह” लिखा गया है। यदि आपके क्षेत्र में बाइबल का अनुवाद उपलब्ध है, तो आप उस पाठ का उपयोग कर सकते हैं जो वह प्रदान करता है। यदि आपके क्षेत्र में बाइबल का अनुवाद उपलब्ध नहीं है, तो आप अनफोल्डिंग वर्ड लिट्रल ट्रान्सलेशन के पाठ का उपयोग कर सकते हैं।

देखें: पाठ्य भिन्नताएँ

नीतिवचन 7:22 (#5)

“या हिरन फंदे में कदम रखता है”

मूल भाषा में यहाँ **और मूर्ख को सुधारने के लिए टखने की जंजीर की तरह** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **हिरन फंदे में कदम रखता है** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। यहाँ सुलैमान व्यक्ति की तुलना उसकी मृत्यु से बचने में असमर्थता से करते हैं, जैसे कि वह एक **मूर्ख** हो जो **सुधार** से बच नहीं सकता क्योंकि उसके **टखने** के चारों ओर एक **जंजीर** है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और वह अनिवार्य रूप से मर जाएगा”

देखें: रूपक

नीतिवचन 7:22 (#6)

“का सुधार”

मूल भाषा में यहाँ **और मूर्ख को सुधारने के लिए टखने की जंजीर की तरह** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **हिरन फंदे में कदम रखता है** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। देखें कि आपने **सुधारने** जैसी भाववाचक संज्ञा का 3:11 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 7:23 (#1)

יְפַלַּח חֵץ כְּבֵדוֹ

“कलेजा तीर से बेधा जाएगा”

यहाँ, **कलेजा** से तात्पर्य शरीर के उस अंग से है जिसकी व्यक्ति को जीवित रहने के लिए आवश्यकता होती है। सुलैमान का मतलब है कि **तीर** जिसे भी लगेगा, उसे मार डालेगा। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक तीर उसके महत्वपूर्ण अंगों को भेदता है” या “एक तीर उसे मार डालता है”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 7:23 (#2)

כְּמַהֵר צִפּוֹר אֶל־פָּח

“उस चिड़िया के समान है जो फंदे की ओर वेग से उड़ती है”

सुलैमान उस युवा पुरुष की तुलना करता है जो जल्दी से कुछ ऐसा कर रहा है जो उसे मार डालेगा, **उस चिड़िया के समान जो फंदे की ओर वेग से उड़ती है**। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और वह जल्दी से मारा जाने के लिए जाता है”

देखें: उपमा

नीतिवचन 7:23 (#3)

הִוא

“उससे”

यहाँ सर्वनाम **उससे** व्यभिचार करने का सन्दर्भ देता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “व्यभिचार करना” या “एक विवाहित महिला के साथ सम्बन्ध बनाना”

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

नीतिवचन 7:23 (#4)

בְּנַפְשׁוֹ הִוא

“उससे उसके प्राण जाएँगे”

यह वाक्यांश मूल भाषा में एक मुहावरा है जिसका अर्थ है कि इस व्यक्ति की मृत्यु उसके किए गए कार्यों के परिणामस्वरूप होगी। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अपनी भाषा से समान अर्थ वाला मुहावरा उपयोग कर सकते हैं या आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उसे इसके लिए अपने जीवन की कीमत चुकानी पड़ेगी” या “यह उसे मार डालेगा।”

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 7:24 (#1)

וְעַתָּה

“अब हे मेरे पुत्रों, मेरी सुनो”

यहाँ **अब** 7:6–23 में व्यभिचारी स्त्री और युवक की कहानी से लेकर उसके बाद ध्यान देने की बुलाहट तक का संक्रमण इंगित करता है। देखें कि आपने 5:7 में उसी खण्ड का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

नीतिवचन 7:24 (#2)

“मेरी बातों पर मन लगाओ”

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 4:5 में किस प्रकार किया है।

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

नीतिवचन 7:25 (#1)

אַל־יֵ֣שְׂטְ אֶל־דְּרָכֶ֭יהָ לִבֶּ֑ךָ אַל־תֵּ֥תַע בִּנְתִיבוֹתֶֽיהָ

“तेरा मन ऐसी स्त्री के मार्ग की ओर न फिरे”

ये दोनों उपवाक्य मूल रूप से एक ही बात का अर्थ रखते हैं। दूसरा उपवाक्य पहले के अर्थ पर जोर देता है, उसी विचार को अलग शब्दों में दोहराकर। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप उपवाक्यों को एक ऐसे शब्द से जोड़ सकते हैं जो दिखाता है कि दूसरा उपवाक्य पहले को दोहरा रहा है, कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: “अपने हृदय को उसके मार्गों की ओर न जाने दें; हाँ, उसके रास्तों में न भटकना”

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 7:25 (#2)

אַל־יֵ֣שְׂטְ אֶל־דְּרָכֶ֭יהָ לִבֶּ֑ךָ אַל־תֵּ֥תַע בִּנְתִיבוֹתֶֽיהָ

“तेरा मन ऐसी स्त्री के मार्ग की ओर न फिरे”

यहाँ सुलैमान एक व्यभिचारिणी महिला के समान व्यवहार करने की बात करते हैं, जैसे कोई **फिरकर** उसके **मार्गों** पर जाने या **उसके डगरों** में भटकने का प्रयास कर रहा हो। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने **मार्गों** का अनुवाद 3:6 में और **डगरों** का 2:15 में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: “अपने हृदय को व्यभिचारिणी महिला द्वारा किए गए कार्यों को करने की इच्छा न करने दें; जो कुछ वह करती हैं, वह कुछ भी न करें।”

देखें: रूपक

नीतिवचन 7:25 (#3)

“तेरा मन”

देखें कि आपने **मन** के उसी उपयोग का 2:2 में किस प्रकार अनुवाद किया।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 7:26 (#1)

כִּ֤י

“क्योंकि”

क्योंकि यहाँ यह संकेत करता है कि जो आगे आता है, वह पिछले वचन में दिए गए आज्ञाओं का कारण है। अपनी भाषा में एक संयोजक का उपयोग करें जो यह स्पष्ट करता है कि जो आगे आता है, वह पहले आए हुए का कारण है। वैकल्पिक अनुवाद: “उन चीजों को न करें क्योंकि”

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

नीतिवचन 7:26 (#2)

הִפִּ֥ילָה & הֲרֻגִ֗יהָ

“उसके द्वारा” - “मारे गए है”

इस वचन में, **उसके** किसी भी व्यभिचारिणी महिला को सन्दर्भित करते हैं, न कि किसी विशेष व्यभिचारिणी पत्नी को। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक व्यभिचारिणी महिला ... पतन का कारण बनी ... ऐसी महिला द्वारा मारे गए लोग”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 7:26 (#3)

חֲלָלִ֣ים

“क्योंकि बहुत से {छेदे हुए लोग} उसके द्वारा मारे गए है”

मूल भाषा में यहाँ **छेदे हुए लोग** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में इस वाक्यांश का प्रयोग नहीं हुआ है। यहाँ, **छेदे हुए लोग** उन लोगों को सन्दर्भित करता है जो मारे गए हैं, क्योंकि लोग अक्सर भालों या तीरों से **छेदित** होकर मारे जाते थे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मृत व्यक्ति”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 7:26 (#4)

הִפִּ֥ילָה

“उसके द्वारा” - “मारे गए है”

यहाँ सुलैमान **मारे गए** का उपयोग मृत्यु के सन्दर्भ में करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उसने ...मार दिया”

देखें: रूपक

नीतिवचन 7:26 (#5)

הֲרֻגִ֗יהָ

“उसके घात किए हुओं”

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: “जिन्हें उन्होंने मारा है”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 7:27 (#1)

“उसका घर”

देखें कि आपने **उसका घर** का 2:18 में कैसे अनुवाद किया।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 7:27 (#2)

דַּרְכֵּי שְׁאוֹל

“अधोलोक का मार्ग है”

हालांकि **मार्ग** यहाँ बहुवचन है, यह इस वचन की शुरुआत में एकवचन **घर** को सन्दर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप यहाँ एकवचन रूप का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अधोलोक का मार्ग है”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 7:27 (#3)

דַּרְכֵּי שְׁאוֹל

“अधोलोक का मार्ग है”

यहाँ सुलैमान **मार्ग** का उपयोग कर रहे हैं जो किसी को **अधोलोक** की ओर ले जाते हैं। यदि आपकी भाषा में इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह मार्ग जो अधोलोक की ओर ले जाता है” या “वह मार्ग जो किसी को अधोलोक जाने का कारण बनता है”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 7:27 (#4)

“का मार्ग है”

देखें कि आपने **मार्ग** का 3:6 में उसी प्रकार अनुवाद कैसे किया।

देखें: रूपक

नीतिवचन 7:27 (#5)

יֹרְדוֹת אֶל־חַדְרֵי־מָוֶת

“वह मृत्यु के घर में पहुँचाता है”

यहाँ सुलैमान एक व्यक्ति के बारे में बात कर रहे हैं जो कुछ ऐसा कर रहा है जिससे उसकी मृत्यु हो जाएगी, जैसे कि वह एक ऐसे मार्ग पर जा रहा हो जो **मृत्यु के घर में पहुँचाता है**। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक व्यक्ति की मृत्यु का परिणाम होता है” या “एक व्यक्ति की मृत्यु का कारण बनता है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 7:27 (#6)

“मृत्यु के घर”

यह वाक्य उस स्थान को सन्दर्भित करता है जहाँ लोगों की आत्माएँ मरने के बाद जाती हैं, जिसे पिछले खण्ड में **अधोलोक** कहा गया था। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह स्थान जहाँ मृत लोगों की आत्माएँ निवास करती हैं” या “मृतकों का स्थान”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 8:1 (#1)

הֲלֹא־חָכְמָה תִקְרָא וּתְבוּנָה תִּתֵּן קוֹלָהּ

“”क्या बुद्धि नहीं पुकारती है?“

सुलैमान प्रश्नवाचक रूप का उपयोग इस बात पर जोर देने के लिए कर रहे हैं कि **बुद्धि** सभी के लिए उपलब्ध है। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “देखो! बुद्धि पुकारती है, और समझ ऊँचे शब्द से बोलती है!”

देखें: अलंकारिक प्रश्न

नीतिवचन 8:1 (#2)

הֲלֹא־חָכְמָה תִקְרָא וּתְבוּנָה תִּתֵּן קוֹלָהּ

“”क्या बुद्धि नहीं पुकारती है?“

सुलैमान दूसरे खंड में कुछ शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप पहले उपवाक्य से शब्द जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “क्या बुद्धि नहीं पुकारती, और क्या समझ ऊँचे शब्द से नहीं बोलती?”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 8:1 (#3)

הֲלֹא־חָכְמָה תִקְרָא וּתְבוּנָה תִּתֵּן קוֹלָהּ

“”क्या बुद्धिमत्ता पुकार नहीं रही है“

ये दोनों खंड मूल रूप से बात का एक ही अर्थ रखते हैं। दूसरा खंड पहले के अर्थ को अलग शब्दों में जोर देकर दोहराता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप **और** के अलावा किसी अन्य शब्द के साथ वाक्यांशों को जोड़ सकते हैं, यह दिखाने के लिए कि दूसरा वाक्यांश पहले को दोहरा रहा है, कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: “क्या बुद्धि पुकारती नहीं है, हाँ, क्या समझ अपनी वाणी सुनाती है?” या “निश्चय ही बुद्धि पुकारती है, हाँ, निश्चय ही समझ भी अपनी वाणी सुनाती है!”

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 8:1 (#4)

“बुद्धि” - “क्या समझ”

1:2 में देखें कि आपने **बुद्धि** और **समझ** जैसी भाववचक संज्ञाओं का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: भाववचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 8:1 (#5)

תִּקְרָאנָה & תִּתֵּן קוֹלָהּ

“”पुकारती“

इस पद में, **बुद्धि** और **समझ** को ऐसे दर्शाया गया है जैसे वे स्त्रियाँ हों। इस अध्याय के सामान्य टिप्पणियों में इस प्रकार के व्यक्तिकरण की चर्चा देखें। वैकल्पिक अनुवाद: “ऐसे पुकारें जैसे वह एक स्त्री हों ... ऐसे बोलें जैसे वह एक स्त्री हों”

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 8:1 (#6)

“ऊँचे शब्द से नहीं बोलती है”

1:20 में देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 8:2 (#1)

בְּרֹאשׁ־מְרוֹמִים עֲלֵי־דָרֶךְ בֵּית נְתִיבוֹת נִצָּבָה

“”बुद्धि तो मार्ग के ऊँचे स्थानों पर,“

यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इन वाक्यों के क्रम को बदल सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह तो चौराहों में खड़ी होती है, जो मार्ग के ऊँचे स्थानों पर है”

देखें: सूचना संरचना

नीतिवचन 8:2 (#2)

בְּרֹאשׁ־מְרוֹמִים עֲלֵי־דָרֶךְ בֵּית נְתִיבוֹת

“”मार्ग के ऊँचे स्थानों पर,“

वाक्यांश **मार्ग के ऊँचे स्थानों पर** और **चौराहों में** दोनों एक ही स्थान को संदर्भित करते हैं, जो एक ऐसा स्थान है जहाँ कई लोग होंगे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “सार्वजनिक स्थान पर जो मार्ग के ऊँचे स्थानों और चौराहों में है खड़ी होती है”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 8:2 (#3)

בְּרֹאשׁ־מְרוֹמִים

“ऊँचे स्थानों पर”

ऊँचे स्थानों पर वाक्यांश एक पहाड़ी या ऊँचे स्थान के शीर्ष को संदर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “पहाड़ी के शिकार पर” या “सबसे ऊँचे स्थान पर”

देखें: रूपक

Proverbs 8:2 (#4)

בֵּית נְתִיבוֹת

“चौराहों में”

यह वाक्यांश उस स्थान को संदर्भित करता है जहाँ सड़कें एक-दूसरे से काटती हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जहां सड़कें एक-दूसरे को काटती हैं” या “चौराहा”

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 8:2 (#5)

נִצָּבָה

“खड़ी होती है;”

यहाँ, **खड़ी होती** बुद्धि को संदर्भित करते हैं, मानो जैसे यह कोई स्त्री हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं या एक उपमा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “बुद्धि चौराहों में खड़ी होती है” या “बुद्धि स्वयं एक स्त्री की तरह चौराहों में खड़ी होती है।”

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 8:3 (#1)

לְיַד־שְׁעָרִים לִפִּי־קָרֶת מְבֹאוֹ פְתָחִים תְּרֹנָּה

“”फाटकों के पास नगर के पैठाव में,“

यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इन धाराओं के निर्देश बदल सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “द्वारों ही में वह ऊँचे स्वर से कहती है, फाटकों के पास नगर के पैठाव में”

देखें: सूचना संरचना

नीतिवचन 8:3 (#2)

לְיַד־שְׁעָרִים לִפִּי־קָרֶת מְבֹאוֹ פְתָחִים

“”फाटकों के पास नगर के पैठाव में,“

वाक्यांश **फाटकों के पास**, **नगर के पैठाव में**, और **द्वारों ही में** एक ही स्थान की ओर संकेत करते हैं, नगर के मुख्य फाटक के अंदर का सार्वजनिक स्थान, जहाँ बहुत से लोग एकत्र होते हैं।। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “फाटकों के पास के सार्वजनिक स्थान पर, नगर के पैठाव में, द्वारों ही में”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 8:3 (#3)

לְיַד

“फाटकों के पास”

यहाँ, **पास** का अर्थ **फाटकों** के नज़दीक स्थित स्थान से है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “के किनारे”

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 8:3 (#4)

לִפִּי־קָרֶת

“नगर के पैठाव में”

यहाँ, **पैठाव** का अर्थ **नगर** के प्रवेश द्वार से है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे सरलता से यू.एस.टी. के समान व्यक्त कर सकते हैं।

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 8:3 (#5)

קָרֶת

“नगर”

यहाँ **नगर** शब्द किसी विशेष नगर के लिए नहीं, बल्कि सामान्यतः सभी **नगरों** के लिए प्रयोग हुआ है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप एक अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “किसी भी नगर”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 8:3 (#6)

מְבֹאוֹ פְתָחִים

“द्वारों ही में”

यह वाक्य शहर के मुख्य प्रवेश का उल्लेख करता है, जिसमें **द्वार** होते थे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मुख्य प्रवेश द्वार पर”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 8:3 (#7)

תְּרַנֵּה

“वह ऊँचे स्वर से कहती है”

यहाँ, **वह ऊँचे स्वर से कहती है** बुद्धि को एक स्त्री के रूप में संदर्भित करती हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं या एक उपमा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “बुद्धि ऊँचे स्वर से कहती है” या “बुद्धि ऐसे ऊँचे स्वर से कहती है मानो वह एक स्त्री हो”

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 8:4 (#1)

אִישִׁים

“लोगों”

मूल भाषा में **पुरुषों** शब्द का उपयोग किया गया है जिससे हिन्दी में **लोगों** शब्द से स्थानांतरित किया गया है। यहाँ इसका प्रयोग सभी लोगों को संदर्भित करने के लिए किया गया है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “सब मनुष्यों”

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 8:4 (#2)

וְקוֹלִי

“और मेरी बातें”

यहाँ, **बातें** का अर्थ है की बुद्धि क्या कह रही है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और जो मैं कह रही हूँ”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 8:4 (#3)

בְּנֵי אָדָם

“सब मनुष्यों”

मूल भाषा में **मनुष्य के पुत्रों** शब्द का उपयोग किया गया है जिससे हिन्दी में **सब मनुष्यों** शब्द से स्थानांतरित किया गया है। यह वाक्यांश सभी मनुष्यों को संदर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मानवजाति” या “सब मनुष्यों”

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 8:5 (#1)

“भोलों”

1:4 में देखें कि आपने **भोलों** जैसी भाववचक संज्ञा का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: भाववचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 8:5 (#2)

“मन”

यहाँ, **मन** अर्थ परख है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “विवेक”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 8:6 (#1)

וּמִפְתַּחַת שְׂפָתַי

“और जब मुँह खोलूँगी”

यहाँ, **मुँह खोलूँगी** का तात्पर्य उस वचन से है जो बुद्धि के **मुँह** खोलते ही प्रकट होता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जब मैं बोलने के लिए अपना मुँह खोलती हूँ”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 8:7 (#1)

כִּי

“क्योंकि”

क्योंकि यहाँ यह संकेत करता है कि 8:7–9 में जो कुछ कहा गया है, वह इस कारण को और स्पष्ट करता है कि लोग बुद्धि की बातों को क्यों सुनें, जैसा कि पिछले पद में आदेश दिया गया था। अपनी भाषा में एक संयोजक का उपयोग करें जो यह स्पष्ट करता है कि आगे जो लिखा है वह कारण हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “सुनिए क्योंकि”

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम का संबंध

नीतिवचन 8:7 (#2)

חִכִּכִי & שְׂפָתַי

“मुझसे सच्चाई” - “मुझ को घृणा”

मूल भाषा में इन दोनों बातों के लिए **तालू** और **होंठ** शब्द का उपयोग किया गया है जिससे हिन्दी अनुवाद में सरलता से व्यक्त किया गया है। यहाँ यह उस व्यक्ति का उल्लेख करते हैं जो बोल रहा है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मुझ को ... मुझसे”

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 8:7 (#3)

אֱמֶת & וְתוֹעֲבַת & רֶשַׁע

“”सच्चाई,“

यदि आपकी भाषा **सच्चाई**, **दुष्टता**, और **घृणा** जैसे विचारों के लिए भाववचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं करती है, तो आप इन्हीं विचारों को अन्य तरीकों से व्यक्त कर सकते हैं। 4:17 में देखें कि आपने **दुष्टता** और 3:32 में **घृणा** का अनुवाद कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: “दुष्टता की बातों से घृणा आती है; और सच्चाई की बातों”

देखें: भाववचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 8:8 (#1)

“बातें”

1:23 में देखें कि आपने **बातें** के समान उपयोग का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 8:8 (#2)

פִּי

“मेरे मुँह”

यहाँ, **मुँह** उस व्यक्ति को संदर्भित करता है जो बोल रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मेरे”

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 8:8 (#3)

בְּצֶדֶק

“धर्म की होती हैं”

बुद्धि कुछ ऐसे शब्दों को छोड़ रही है जिन्हें कई भाषाओं में वाक्य को पूर्ण बनाने के लिए आवश्यक माना जाता है। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप संदर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “धार्मिकता में बोले गए हैं” या “धार्मिक रीति से कही गई हैं”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 8:8 (#4)

נִפְתָּתָל וְעִקֵּשׁ

“टेढ़ी या उलट-फेर”

यहाँ, बुद्धि किसी झूठी बात को इस प्रकार प्रकट करती है मानो वह **टेढ़ी** हो। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “असत्य”

देखें: रूपक

नीतिवचन 8:8 (#5)

“या उलट-फेर”

2:15 में देखें कि आपने **उलट-फेर** के समान उपयोग का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 8:8 (#6)

בָּהֶם

“उनमें से”

यहाँ, **उनमे** का संदर्भ **मेरे मुँह की सब बातें** से है जो पिछले वाक्य में कहा गया है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उन बातों में” या “जो मैं कहता हूँ उसमें”

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

नीतिवचन 8:9 (#1)

כֻּלָּם

“वे सब”

पिछले पद में देखें कि आपने **वे** का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

नीतिवचन 8:9 (#2)

וְיְשָׁרִים

“अति सीधी”

बुद्धि कुछ ऐसे शब्दों को छोड़ रही है जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूर्ण बनाने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि यह आपकी भाषा में स्पष्ट होगा, तो आप पिछले वाक्य से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और वे सब अति सीधी बातें हैं।”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 8:9 (#3)

לְמֹצְאֵי דָעַת

“ज्ञान प्राप्त करनेवालों के लिये”

यहाँ, बुद्धि **ज्ञान** प्राप्त करने की बात ऐसे कर रही है जैसे वह कोई चीज़ हो जिसे लोग प्राप्त करने निकालते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक

हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन लोगों के लिए जो ज्ञान प्राप्त करते हैं"

देखें: रूपक

नीतिवचन 8:9 (#4)

"ज्ञान"

1:4 में देखें कि आपने **ज्ञान** भाववचक संज्ञा का किस प्रकार अनुवाद किया।

देखें: भाववचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 8:10 (#1)

קְחוּ־מוּסָרִי וְאַל־כֶּסֶף וְ֗דַעַת מֵחָרוּץ נִבְחָר

""चाँदी नहीं, मेरी शिक्षा ही को चुन लो"

सुलैमान दूसरे खंड में एक ऐसा शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होता है। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होता है, तो आप इस शब्द को पहले खंड से ले सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "चाँदी नहीं, मेरी शिक्षा ही को चुनिए, और उत्तम कुन्दन से बढ़कर ज्ञान को ग्रहण कीजिए"

देखें: पदलोप

नीतिवचन 8:10 (#2)

קְחוּ־מוּסָרִי וְאַל־כֶּסֶף וְ֗דַעַת מֵחָרוּץ נִבְחָר

""चाँदी नहीं, मेरी शिक्षा ही को चुन लो"

ये दोनों खंड मूलतः एक ही बात को कहते हैं। दूसरा खंड पहले खंड के अर्थ को दोहराकर उसे और ज़ोर देकर बताता है, लेकिन अलग शब्दों में। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप **और** के अलावा किसी अन्य शब्द के साथ वाक्यांशों को जोड़ सकते हैं, ताकि यह दिखाया जा सके कि दूसरा वाक्यांश पहले वाले को दोहरा रहा है, कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: "चाँदी नहीं, मेरी शिक्षा ही को चुनिए, हाँ, उत्तम कुन्दन से बढ़कर ज्ञान को ग्रहण कीजिए।"

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 8:10 (#3)

קְחוּ

"लो"

यहां, बुद्धि **शिक्षा** और **ज्ञान** को ऐसे प्रस्तुत करती है जैसे वे कोई वस्तुएँ हों जिन्हें कोई व्यक्ति **ले (लो)** सकता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "प्राप्त करें"

देखें: रूपक

नीतिवचन 8:10 (#4)

"मेरी शिक्षा" - "और... ज्ञान"

देखें कि आपने 1:2 में **शिक्षा** और 1:4 में **ज्ञान** जैसी भाववाचक संज्ञाओं का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: भाववचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 8:10 (#5)

וְאַל־כֶּסֶף

"चाँदी नहीं"

यहाँ, **नहीं** का अर्थ अगले खंड में **से बढ़कर** के समान है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "चाँदी से बढ़कर"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 8:10 (#6)

מֵחָרוּץ נִבְחָר

"उत्तम कुन्दन से बढ़कर"

यहाँ, **उत्तम कुन्दन** सबसे उच्च गुणवत्ता वाले **सोने** को संदर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सर्वोत्तम सोने से बढ़कर"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 8:11 (#1)

"बुद्धि {" - "उसके तुल्य"

यहाँ, **बुद्धि** को एक स्त्री के रूप में व्यक्तित्व दिया गया है, जो अपने बारे में तृतीय पुरुष में बात करती है। यदि यह आपकी भाषा में स्वाभाविक नहीं है, तो आप प्रथम-पुरुष रूप का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं ... मेरे साथ"

देखें: प्रथम, द्वितीय या तृतीय पुरुष

नीतिवचन 8:11 (#2)

"बहुमूल्य रत्नों से भी"

3:15 में देखें कि आपने **रत्नों** का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

नीतिवचन 8:12 (#1)

שָׁכַנְתִּי עָרְמָמָה

"मैं चतुराई में वास करती हूँ"

यहाँ, **बुद्धि चतुराई** के साथ जुड़े होने की बात करती है जैसे कि **चतुराई** एक व्यक्ति है जिसके साथ **बुद्धि** रहती है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं या एक उपमा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो बुद्धिमान हैं वे चतुराई के साथ जुड़े हुए हैं" या "मैं चतुराई के साथ निवास करती हूँ, जैसे दो लोग एक ही घर में रहते हैं"

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 8:12 (#2)

"बुद्धि," - "चतुराई"

देखें कि आपने 1:2 में **बुद्धि**, और 1:4 में **चतुराई**, **ज्ञान** और **विवेक** जैसे भाववचक संज्ञाओं का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: भाववचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 8:12 (#3)

וְדַ֫עַת מְזִמּ֥וֹת

“ज्ञान और विवेक को”

यहाँ, बुद्धि **विवेक** के बारे में **ज्ञान** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रही है। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और विवेक के बारे में ज्ञान”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 8:12 (#4)

וְדַ֫עַת מְזִמּ֥וֹת אֶמְצָֽא

“और ज्ञान और विवेक को प्राप्त करती हूँ”

यहाँ, **बुद्धि** लोगों को **विवेक** प्राप्त करने में सक्षम बनाने की बात करती है, जैसे कि वे वस्तुएं हों जिन्हें कोई **खोज** सकता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मैं आपको विवेक और ज्ञान प्राप्त करने में सक्षम बनाऊँगी” या “जो बुद्धिमानी है, वह आपको विवेक और ज्ञान प्राप्त करने में सक्षम बनती हैं।”

देखें: रूपक

नीतिवचन 8:13 (#1)

“यहोवा का भय”

1:7 में देखें कि आपने **यहोवा का भय** का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 8:13 (#2)

רָֽע גֵּ֫אָ֥ה וְגָאוֹן

“”बुराई“

यदि आपकी भाषा में **बुराई**, **घमंड**, और **अहंकार** के विचारों के लिए भाववचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं करती है, तो आप इन्हीं विचारों को अन्य तरीकों से व्यक्त कर सकते हैं। 1:16 में देखें कि आपने **बुराई** का अनुवाद किस प्रकार किया है। वैकल्पिक अनुवाद: “बुरे कार्य ... घमंड और अहंकार से”

देखें: भाववचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 8:13 (#3)

“बुरी चाल”

1:15 में देखें कि आपने **बुरी चाल** का उपयोग कैसे किया।

देखें: रूपक

नीतिवचन 8:13 (#4)

וּפִ֥י תַהְפֻּכ֖וֹת

“और उलट-फेर की बात से मैं”

मूल भाषा में **मैं** शब्द के स्थान में **मुँह** शब्द का उपयोग किया गया है। यहाँ, बुद्धि एक ऐसे **मुँह (मैं)** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रही है जो **उलट-फेर की बातें** बोलती हैं। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और वह मुँह जो उलट-फेर की बातें बोलती है”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 8:13 (#5)

וּפִ֥י

“से मैं”

मूल भाषा में **मैं** शब्द के स्थान में **मुँह** शब्द का उपयोग किया गया है। यहाँ, **मुँह** उस व्यक्ति का प्रतिनिधित्व करता है जो **उलट-फेर की बातें** बोलता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और वह व्यक्ति जो बोलता है”

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 8:14 (#1)

“उत्तम युक्ति, और खरी बुद्धि” - “मुझ में समझ है, और पराक्रम”

देखें कि आपने 1:25में **उत्तम युक्ति**, 1:2में **बुद्धि** और **समझ**, और 5:10 में **पराक्रम** का अनुवाद किस प्रकार किया है।

नीतिवचन 8:14 (#2)

לִי־עֵצָה וְתוּשִׁיָּ֫ה & לִ֫לִי גְבוּרָֽה

“”उत्तम युक्ति, और खरी बुद्धि मेरी ही है,“

यहाँ पर **बुद्धि** इस प्रकार बोलती है मानो **उत्तम युक्ति**, **खरी बुद्धि**, और **पराक्रम** उसकी अपनी वस्तुएँ हों, जिन्हें वह लोगों को प्रदान करती है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मैं आपको उत्तम युक्ति और खरी बुद्धि प्राप्त करने में सक्षम बनाती हूँ ... मैं आपको पराक्रम प्राप्त करने में सक्षम बनाती हूँ” या “जो बुद्धिमानी हैं वे आपको उत्तम युक्ति और खरी बुद्धि प्राप्त करने में सक्षम बनाती है ... जो बुद्धिमानी हैं वह आपको पराक्रम प्राप्त करने में सक्षम बनाती है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 8:15 (#1)

וְ֫רוֹזְנִ֥ים יְחֹקֵ֖קוּ צֶֽדֶק

“और अधिकारी धर्म से शासन करते हैं”

बुद्धि कुछ ऐसे शब्दों को छोड़ रही है जिन्हें कई भाषाओं में वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक माना जाता है। यदि आपकी भाषा में वाक्य को अधिक स्पष्ट और सहज बनाने के लिए इन छोड़े गए शब्दों को पहले वाले वाक्यांश से जोड़ना उपयोगी हो, तो ऐसा किया जा सकता है।

वैकल्पिक अनुवाद: “और मेरे द्वारा अधिकारी धर्म से शासन करते हैं।” या “और जो कुछ बुद्धिमानी है, उसके द्वारा अधिकारी धर्म से शासन करते हैं।”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 8:15 (#2)

“धर्म”

1:3 में देखें कि आपने भाववचक संज्ञा **धर्म** का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: भाववचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 8:16 (#1)

וּנְדִיבִֽים

“और हाकिम”

बुद्धि कुछ ऐसे शब्दों को छोड़ रही है जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि यह आपकी भाषा में स्पष्ट होगा, तो आप इन शब्दों को पिछले वाक्य से जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और मेरे द्वारा हाकिम शासन करते हैं” या “और जो बुद्धिमानी हैं उनके द्वारा हाकिम शासन करते हैं”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 8:16 (#2)

כָּל־שֹׁפְטֵי צֶֽדֶק

“हाकिम और पृथ्वी के सब न्यायी”

यह वाक्य उन **हाकिम (हाकिमों)** के बीच भेद कर रहा है जो **पृथ्वी के सब न्यायी (धर्म के न्यायी)** हैं और जो नहीं है। यह वाक्य सभी **हाकिम** के बारे में अतिरिक्त जानकारी नहीं दे रहा, बल्कि एक विशिष्ट समूह की ओर संकेत कर रहा है। यदि आपकी भाषा में इन वाक्यांशों के बीच संबंध को और स्पष्ट करना उपयोगी हो, तो आप इसे इस प्रकार व्यक्त कर सकते हैं: वैकल्पिक अनुवाद: “और हाकिम, अर्थात, वे सभी हाकिम जो धार्मिकता के न्यायी हैं”

देखें: जानकारी देने और याद दिलाने में अन्तर करना

नीतिवचन 8:16 (#3)

שֹׁפְטֵי צֶֽדֶק

“पृथ्वी के सब न्यायी”

मूल भाषा में **धार्मिकता के न्यायी** वाक्य का उपयोग किया गया है, जिसे हिन्दी भाषा में **पृथ्वी के सब न्यायी** जैसे सरल वाक्य से स्थानांतरित (अनुवादित) किया गया है। यहाँ, **बुद्धि** ने ऐसे **न्यायी** का वर्णन करने के लिए स्वामित्वसूचक रूप का उपयोग किया है जो **धार्मिकता** के गुण से पहचाने जाते हैं। यदि आपकी भाषा में इस प्रकार का स्वामित्वसूचक रूप स्वाभाविक न लगे, तो आप कोई वैकल्पिक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “धर्मी न्यायी”

देखें: स्वामीत्व

नीतिवचन 8:17 (#1)

אֲאֲנִי & אֵהֱבֶ

“मैं भी प्रेम रखती हूँ”

बुद्धि यहाँ **मैं भी** शब्द का प्रयोग इस बात पर ज़ोर देने के लिए कर रही है कि वह एक ऐसी स्त्री के समान है जो उन लोगों से प्रेम करती है, जो उससे प्रेम करते हैं। यदि आपकी भाषा में इस महत्त्व को दर्शाने के लिए कोई स्वाभाविक तरीका है, तो आप इसे इस प्रकार व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यहाँ तक कि मैं भी उनसे प्रेम करती हूँ”

देखें: निजवाचक सर्वनाम

नीतिवचन 8:17 (#2)

אֲאֲנִי אֹהֲבַי אֵהֱבֶ

“जो मुझसे प्रेम रखते हैं, उनसे मैं भी प्रेम रखती हूँ”

यहाँ बुद्धि को इस प्रकार प्रस्तुत किया गया है मानो वह कोई व्यक्ति हो जो लोगों से **प्रेम** कर सकती है और उनके प्रेम का प्रत्युत्तर दे सकती है। यदि आपकी भाषा में इस विचार को और अधिक स्पष्ट और सम्मानसूचक रूप में व्यक्त करना उपयोगी हो, तो आप इसे इस प्रकार कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “बुद्धि उन्हें लाभ प्रदान करती है जो उनकी क़द्र करते हैं” या “यह ऐसा है मानो बुद्धि एक स्त्री हो, जो उन लोगों से प्रेम करती है जो उनसे प्रेम करते हैं।”

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 8:17 (#3)

וּמְשַׁחֲרַי יִמְצָאֲנֵנִי

“और जो मुझ को यत्न से तड़के उठकर खोजते हैं, वे मुझे पाते हैं।”

यहाँ, लोगों द्वारा बुद्धिमान बनने के प्रयास और उसमें सफल होने को इस प्रकार व्यक्त किया गया है मानो बुद्धि कोई व्यक्ति हो जिसे लोग **खोज (खोजते)** सकते हैं और **पा** (**पाते**) सकते हैं। यदि आपकी भाषा में इसे अधिक स्पष्ट रूप से व्यक्त करना उपयोगी हो, तो आप इसे इस प्रकार कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और जो लोग मेहनत से बुद्धिमान बनने का प्रयास करते हैं, वे बुद्धिमान बन जाएँगे”

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 8:18 (#1)

עֹשֶׁר־וְכָבוֹד אִתִּי

“धन और प्रतिष्ठा... मेरे पास हैं”

यहाँ, बुद्धि इस प्रकार बोलती हैं मानो **धन**, **प्रतिष्ठा**, **शाश्वत धन** और **धार्मिकता** उनकी अपनी वस्तुएँ हों, जिन्हें वे लोगों को प्रदान कर सकती हैं। यदि आपकी भाषा में इस विचार को अधिक स्पष्ट और सम्मानसूचक रूप में व्यक्त करना उपयोगी हो, तो आप इसे इस प्रकार कह सकते हैं।वैकल्पिक अनुवाद: “मैं आपको धन, प्रतिष्ठा, शाश्वत धन और धार्मिकता प्राप्त करने में सक्षम बनाती हूँ” या “जो बुद्धिमानी हैं, वे आपको धन, प्रतिष्ठा, शाश्वत धन और धार्मिकता प्राप्त करने में सक्षम बनाती हैं”

देखें: रूपक

नीतिवचन 8:18 (#2)

הֹון עָ֭שֶׁר וּצְדָקָֽה

“शाश्वत धन और धार्मिकता”

बुद्धि कुछ ऐसे शब्दों को छोड़ रही हैं जिन्हें कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा और स्पष्ट बनाने के लिए आवश्यक माना जाता है। यदि यह आपकी भाषा में स्पष्ट होगा, तो आप इन शब्दों को पिछले वाक्य से जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उत्तम सम्पत्ति और धार्मिकता मेरे पास हैं” या “उत्तम सम्पत्ति और धार्मिकता उस बुद्धिमान के पास हैं”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 8:18 (#3)

“और प्रतिष्ठा” - “और धार्मिकता”

देखें कि आपने 3:16 में **प्रतिष्ठा** और 1:3 में **धार्मिकता** जैसी भाववचक संज्ञाओं का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: भाववचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 8:19 (#1)

“मेरा फल... {से भी} उत्तम है”

यहाँ, **फल** उन लाभों को संदर्भित करता है जो एक व्यक्ति के पास बुद्धि के होने से प्राप्त होता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मेरे लाभ उत्तम हैं” या “जो लाभ मैं आपको दे सकती हूँ, वे उत्तम हैं”

देखें: रूपक

नीतिवचन 8:19 (#2)

מֵחָרוּץ וּמִפָּ֑ז

“शुद्ध सोने से, वरन् कुन्दन से भी”

शुद्ध सोने और **कुन्दन** शब्द समान अर्थ रखते हैं। बुद्धि जोर देने के लिए इन्हें एक साथ उपयोग करती है। यदि आपके पाठकों के लिए यह स्पष्ट होगा, तो आप एक ही वाक्यांश के साथ जोर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “सबसे उत्तम सोने से”

देखें: द्विरावृति (डबलेट)

नीतिवचन 8:19 (#3)

“और मेरी उपज”

यहाँ, **उपज** उस लाभ को संदर्भित करता है जो किसी व्यक्ति को बुद्धि प्राप्त करने से प्राप्त होता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और मेरा लाभ” या “और जो लाभ मैं आपको दे सकती हूँ”

देखें: रूपक

नीतिवचन 8:19 (#4)

מִכֶּ֥סֶף נִבְחָֽר

“उत्तम चाँदी से अच्छी है”

बुद्धि कुछ ऐसे शब्दों को छोड़ रही हैं जिन्हें कई भाषाओं में वाक्य को पूरा और स्पष्ट बनाने के लिए आवश्यक माना जाता है। यदि आपकी भाषा में वाक्य को और स्पष्ट करने के लिए पहले के वाक्यांश से इन शब्दों को जोड़ना उपयोगी हो, तो ऐसा किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: “उत्तम चाँदी से बेहतर है”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 8:19 (#5)

מִכֶּ֥סֶף נִבְחָֽר

“उत्तम चाँदी से अच्छी है”

यहाँ, **उत्तम चाँदी** का मतलब **चाँदी** से है जो सर्वोत्तम गुणवत्ता की होती है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “सर्वोत्तम चाँदी से अच्छ है”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 8:20 (#1)

בְּאֹ֣רַח־צְדָקָ֭ה אֲהַלֵּ֑ךְ

“मैं धार्मिकता के मार्ग में... चलती हूँ,”

यहाँ बुद्धि धार्मिक आचरण को इस प्रकार प्रस्तुत करती हैं मानो वे एक **मार्ग** पर चल रही हों। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मैं धार्मिकतापूर्ण आचरण करती हूँ”

देखें: रूपक

नीतिवचन 8:20 (#2)

בְּאֹ֣רַח־צְדָקָ֭ה

“धर्म के मार्ग में”

यहाँ, बुद्धि उस **मार्ग** का वर्णन करने के लिए स्वामित्वसूचक रूप का प्रयोग कर रही हैं जिसे **धर्म** के गुण से पहचाना जाता है। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “धार्मिक मार्ग”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 8:20 (#3)

בְּ֖תֹוךְ נְתִיבֹ֥ות מִשְׁפָּ֑ט

“न्याय की डगरों के बीच में”

बुद्धि कुछ ऐसे शब्दों को छोड़ रही हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा और स्पष्ट बनाने के लिए आवश्यक माने जाते हैं। यदि आपकी भाषा में इसे अधिक स्पष्ट करने के लिए पहले के वाक्यांश से इन शब्दों को जोड़ना उपयोगी हो, तो आप इसे इस प्रकार व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मैं न्याय के दृढ़ मार्गों में चलती हूँ”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 8:20 (#4)

נְתִיבֹ֥ות מִשְׁפָּ֑ט

“न्याय की डगरों”

यहाँ, बुद्धि **न्याय की डगरों** का वर्णन करने के लिए स्वामित्वसूचक रूप का प्रयोग कर रही हैं जिससे **न्याय** के गुण से पहचाना जाता है। यदि आपकी भाषा में स्वामित्वसूचक रूप स्वाभाविक न हो, तो आप इसे किसी अन्य अभिव्यक्ति द्वारा व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “न्याय, डगरों”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 8:21 (#1)

לְהַנְחִיל אֹהֲבַי

“जिससे मैं अपने प्रेमियों को धन-सम्पत्ति का भागी करूँ”

यहाँ **जिससे** यह दर्शाता है कि जो कुछ भी बुद्धि ने पिछले पद में किया, उसका उद्देश्य क्या है। आप अपनी भाषा में उद्देश्य प्रस्तुत करने के लिए एक स्वाभाविक तरीका उपयोग कर सकते हैं। अगर आप चाहे तो आप एक नया वाक्य शुरू कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मैं यह इस उद्देश्य से करती हूँ कि मैं अपने प्रेमियों को धन-सम्पत्ति का भागी करूँ”

देखें: जोड़ें – लक्ष्य (उद्देश्य) सम्बन्ध

नीतिवचन 8:21 (#2)

וְאֹצְרֹתֵיהֶם

“और उनके भण्डारों”

भण्डारों शब्द उन इमारतों या कमरों को संदर्भित करता है, जहाँ लोग कीमती चीजों को संग्रहीत करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और उनके इमारतें जहाँ वे कीमती चीजें संग्रहीत करते हैं”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 8:22 (#1)

יְהוָה קָנָנִי רֵאשִׁית דַּרְכּוֹ קֶדֶם מִפְעָלָיו מֵאָז

“”यहोवा ने मुझे काम करने के आरम्भ में, वरन् .... उत्पन्न किया“

बुद्धि दूसरे वाक्य में एक शब्द छोड़ रही हैं जो कई भाषाओं में वाक्य को पूर्ण और स्पष्ट बनाने के लिए आवश्यक होता है। यदि यह आपकी भाषा में स्पष्ट होगा, तो आप इस शब्द को पहले वाक्य से जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यहोवा ने मुझे अपने कार्य करने के प्रारम्भ में उत्पन्न किया; यहोवा ने मुझे अपने प्राचीनकाल के कार्यों से भी पहले उत्पन्न किया।”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 8:22 (#2)

יְהוָה קָנָנִי רֵאשִׁית דַּרְכּוֹ קֶדֶם מִפְעָלָיו מֵאָז

“”यहोवा ने मुझे अपनी राह की शुरुआत में ग्रहण किया,“

यह दोनों वाक्यांश मूल रूप से एक ही अर्थ को व्यक्त करते हैं। दूसरा वाक्यांश पहले वाक्यांश के अर्थ को विभिन्न शब्दों से दोहराकर और अधिक स्पष्ट करता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप वाक्यांशों को एक ऐसे शब्द से जोड़ सकते हैं जो यह दर्शाए कि दूसरा वाक्यांश पहले को ही दोहरा रहा है, कुछ नया नहीं कह रहा। वैकल्पिक अनुवाद: “यहोवा ने मुझे अपने कार्य करने के प्रारम्भ में उत्पन्न किया, हाँ, यहोवा ने मुझे अपने प्राचीनकाल के कार्यों से भी पहले उत्पन्न किया।”

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 8:22 (#3)

קָנָנִי

“मुझे..... उत्पन्न किया”

मूल भाषा में **उत्पन्न किया** वाक्य के स्थान पर **प्राप्त किया** वाक्य का उपयोग किया गया है। कुछ विद्वानों का मानना है कि जिस शब्द का अनुवाद **प्राप्त किया (उत्पन्न किया)** किया गया है, वह “सृष्टि किया” भी हो सकता है। किसी भी तरह से, बात यह है कि **यहोवा** के पास बुद्धि थी इससे पहले कि उन्होंने सृष्टि का निर्माण किया। यदि आपके क्षेत्र में बाइबल का कोई अनुवाद उपलब्ध है, तो आप उसका उपयोग कर सकते हैं। यदि आपके क्षेत्र में बाइबल का कोई अनुवाद उपलब्ध नहीं है, तो आप यू.एल.टी. के पठन का उपयोग कर सकते हैं।

देखें: पाठ्य भिन्नताएँ

नीतिवचन 8:22 (#4)

דַּרְכּוֹ & מִפְעָלָיו

“”अपने प्राचीनकाल के कामों,“

वाक्यांश **काम करने के** और **अपने प्राचीनकाल के कामों** दोनों यहोवा द्वारा सृष्टि की रचना करने को संदर्भित करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उनकी रचना ... उनके रचनात्मक कार्य”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 8:22 (#5)

מֵאָז

“से भी पहले”

यहाँ, **से भी पहले** उस **आरम्भ** को दर्शाता है जिसका उल्लेख पहले वाक्य में किया गया था, जो यहोवा द्वारा सृष्टि की रचना को आरंभ करने का समय है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “प्रारंभ से ही”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 8:23 (#1)

מֵעוֹלָם נִסַּכְתִּי מֵרֹאשׁ מִקַּדְמֵי־אָרֶץ

“मैं सदा से वरन् आदि ही से पृथ्वी की सृष्टि से पहले ही से ठहराई गई हूँ”

यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इन वाक्यांशों के क्रम बदल सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मैं आदि ही से, वरन् सदा से, पृथ्वी की सृष्टि से पहले ही से ठहराई गई हूँ।”

देखें: सूचना संरचना

नीतिवचन 8:23 (#2)

מֵֽעוֹלָם

“आदि ही से”

यहाँ, **आदि** बहुत प्राचीन समय को संदर्भित करती है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “बहुत समय पहले”

देखें: अनुमानित ज्ञान अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 8:23 (#3)

נִסַּכְתִּי

“ठहराई गई हूँ”

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक हो। संदर्भ यह संकेत देता है कि यहोवा ने यह कार्य किया। वैकल्पिक अनुवाद: “यहोवा ने मुझे ठहराया है”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 8:23 (#4)

נִסַּכְתִּי

“मैं... ठहराई गई हूँ”

यहाँ, बुद्धि स्वयं को स्थापित किए जाने की बात ऐसे कर रही है जैसे वह कोई द्रव हो जो **ठहराई गई** हो। यदि यह आपके लिए सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मैं स्थापित की गई थी”

देखें: रूपक

नीतिवचन 8:23 (#5)

מֵרֹאשׁ

“सदा से”

यहाँ, **सदा** का अर्थ किसी श्रृंखला में सबसे पहले होना है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इस अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “सबसे पहले से”

देखें: रूपक

नीतिवचन 8:23 (#6)

מִקַּדְמֵי־אָרֶץ

“पृथ्वी की सृष्टि से पहले ही से”

पृथ्वी की सृष्टि से पहले वाक्यांश उस समय को संदर्भित करती है जब पृथ्वी की सृष्टि हुई थी। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जब परमेश्वर ने पृथ्वी की सृष्टि की थी, उस समय से”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 8:24 (#1)

בְּאֵין־תְּהֹמוֹת חוֹלָלְתִּי בְּאֵין מַעְיָנוֹת נִכְבְּדֵי־מָיִם

“”जब न तो गहरा सागर था,... तब ही से मैं उत्पन्न हुई।“

यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इन वाक्यांशों के क्रम को बदल सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “तब ही से मैं उत्पन्न हुई जब न तो गहरा सागर था और न जल के सोते थे।”

देखें: सूचना संरचना

नीतिवचन 8:24 (#2)

חוֹלָלְתִּי

“मैं उत्पन्न हुई”

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। संदर्भ से पता चलता है कि यहोवा ने यह कार्य किया। वैकल्पिक अनुवाद: “यहोवा ने मुझे उत्पन्न किया”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 8:24 (#3)

חוֹלָלְתִּי

“मैं उत्पन्न हुई”

यहाँ, बुद्धि स्वयं के अस्तित्व में आने को इस प्रकार प्रकट करती है जैसे उन्हें **उत्पन्न** किया गया हो, जो कि “जन्म लिया” कहने का एक मुहावरेदार तरीका है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मैं अस्तित्व में आई।”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 8:24 (#4)

מַעְיָנוֹת נִכְבְּדֵי־מָיִם

“जल के सोते थे”

यहाँ, बुद्धि उन **सोते** की बात करती है जो **जल** से भरकर ऐसे बहते हैं मानो वे जल से भारी गईं हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “बहते पानी से भरे सोते”

देखें: रूपक

नीतिवचन 8:25 (#1)

בְּטֶרֶם הָרִרִים הָטְבָּעוּ לִפְנֵי גְבָעוֹת חוֹלָלְתִּי

“”जब पहाड़ और पहाड़ियाँ स्थिर न की गई थीं,“

यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इन वाक्यांशों के क्रम को बदल सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “तब ही से मैं उत्पन्न हुई जब पहाड़ और पहाड़ियाँ स्थिर न की गई थीं”

देखें: सूचना संरचना

नीतिवचन 8:25 (#2)

הָרְרִים הָטְבָּֽעוּ

“पहाड़... स्थिर न की गई थीं”

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: “यहोवा ने पर्वतों को स्थापित किया”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 8:25 (#3)

הָרְרִים הָטְבָּֽעוּ

“पहाड़... स्थिर न की गई थीं”

यहाँ पर बुद्धि **पहाड़** की रचना के बारे में बात करती है जैसे कि उनकी नींव पृथ्वी में **स्थिर न की गई थीं**। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “पर्वतों की सृष्टि की गई थी”

देखें: रूपक

नीतिवचन 8:25 (#4)

“जब... पहाड़ियाँ स्थिर न की गई थीं”

मूल भाषा में **पहाड़ियों के सम्मुख** शब्द का उपयोग किया गया है जिससे हिन्दी अनुवाद में **पहाड़ियाँ स्थिर न की गई थीं** जैसे सीधे तरीक़े से अनुवादित किया गया है। यह शब्द **पहाड़ियों** के अस्तित्व को दर्शाता है। बुद्धि उस समय की ओर संकेत कर रही हैं जब **पहाड़ियाँ** अस्तित्व में नहीं आई थीं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उस समय से पहले जब पहाड़ियाँ बनी भी नहीं थीं”

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 8:25 (#5)

חוֹלָלְתִּי

“तब ही से मैं उत्पन्न हुई”

पिछले पद में देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 8:26 (#1)

עַד־לֹא עָשָׂה אֶרֶץ וְחוּצֹת וְרֹאשׁ עָפְרוֹת תֵּבֵל

“”जब यहोवा ने न तो पृथ्वी और न मैदान... बनाए थे,“

यह पद पिछले पद में शुरू हुए वाक्य को ही आगे बढ़ाता है। यदि आप पिछले पद और इस पद को अलग-अलग वाक्यों में बाँटते हैं, तो पिछले पद का मुख्य वाक्यांश दोहराना आवश्यक होगा। वैकल्पिक अनुवाद: “इनसे पहले मैं उत्पन्न हुई जब यहोवा ने न तो पृथ्वी और न मैदान, न जगत की धूलि के ऊपरी परत बनाए थे”

देखें: सूचना संरचना

नीतिवचन 8:26 (#2)

וְחוּצֹת

“और न मैदान”

यहाँ, **मैदान** का मतलब ग्रामीण इलाकों के खेतों से है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “ग्रामीण इलाकों के खुले स्थान”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 8:26 (#3)

וְרֹאשׁ

“न जगत की धूलि के परमाणु बनाए थे”

मूल भाषा में **पृथ्वी की सतह पर** शब्दों का उपयोग किया गया है, जिससे हिन्दी अनुवाद में **जगत की धूलि के** शब्दों जैसे सीधे तरीक़े से अनुवादित किया गया है। यहाँ, वाक्य किसी वस्तु के प्रारंभिक भाग को संदर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “या पहला”

देखें: रूपक

नीतिवचन 8:27 (#1)

“”

यह पद एक वाक्य की शुरुआत है जो 8:29 तक जारी रहती है। यदि आप इन पदों को अलग-अलग वाक्य बनाते हैं, तो आपको उन सभी पदों में **मैं वहाँ थी** को दोहराना होगा।

नीतिवचन 8:27 (#2)

בַּהֲכִינוֹ שָׁמַיִם שָׁם אָנִי

“जब उसने आकाश को स्थिर किया, तब मैं वहाँ थी”

यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इन वाक्यांशों के क्रम को बदल सकते हैं। यह पद एक वाक्य की शुरुआत है जो 8:29 तक जारी रहती है। यदि आप प्रत्येक पद को एक अलग वाक्य बनाते हैं, तो आपको इस पद के मुख्य वाक्यांश को उन सभी पदों में दोहराना होगा। वैकल्पिक अनुवाद: “मैं वहाँ थी जब उन्होंने आकाश को स्थिर किया”

देखें: सूचना संरचना

नीतिवचन 8:27 (#3)

בְּחוּקוֹ חוּג עַל־פְּנֵי תְהוֹם

“जब उसने गहरे सागर के ऊपर आकाशमण्डल ठहराया”

इस पद में यहोवा के उन कार्यों का वर्णन है जब उन्होंने आकाश और समुद्र के बीच क्षितिज की रचना की, जैसे कि वे समुद्र के **ऊपर** एक वृत्त खींच रहे हों। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जब उन्होंने आकाश और महासागर की सतह के बीच क्षितिज बनाया”

देखें: रूपक

नीतिवचन 8:28 (#1)

בְּאַמְּצוֹ שְׁחָקִים

“जब उसने आकाशमण्डल को ऊपर से स्थिर किया”

यहाँ, बुद्धि परमेश्वर के **आकाशमण्डल** को इस प्रकार बनाने की बात करती है जैसे उन्होंने उन्हें **स्थिर** किया हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जब उन्होंने आकाशमण्डल को बनाया”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 8:28 (#2)

בַּבַּעֲזוֹז עִינְנוֹת תְּהוֹם

“जब..., और गहरे सागर के सोते फूटने लगे”

यहाँ बुद्धि **सोते** को बहुत जल के साथ बहने की बात इस प्रकार करती है जैसे वे वस्तु हों जो **फूटने लगे** हों। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जब गहरे सागर के सोते जोर से बहते थे”

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 8:28 (#3)

עִינְנוֹת תְּהוֹם

“गहरे सागर के सोते”

यहाँ बुद्धि **गहरे सागर** को जल देने वाले **सोते** का वर्णन करते समय स्वामित्व सूचक रूप का उपयोग करती है, जो महासागर के तह को दर्शाता है। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वे सोते जो गहराई को जल से भर देते हैं”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 8:29 (#1)

בְּשׂוּמוֹ & פִּפְיוּ בְּחֻקּוֹ

“”जब उसने समुद्र की“ - “उसकी आज्ञा,”

इस पद में, **उसने** और **उसकी** यहोवा को संदर्भित करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जब यहोवा ने समुद्र की सीमा ठहराई ... यहोवा की आज्ञा ... जब यहोवा ने पृथ्वी की नींव”

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

नीतिवचन 8:29 (#2)

חֻקּוֹ

“समुद्र की सीमा”

यहाँ, **की सीमा, समुद्र** की रेखा या दायरे को दर्शाती है, जहाँ **समुद्र** समाप्त होता है और स्थल आरंभ होता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “समुद्र की रेखा”

देखें: रूपक

नीतिवचन 8:29 (#3)

פִּפְיוּ

“उसकी आज्ञा”

मूल भाषा में **उसकी आज्ञा** शब्दों के स्थान पर **उनके मुँह** शब्दों का उपयोग किया गया है। यहाँ, **आज्ञा** उस **सीमा** को दर्शाती है जिसका उल्लेख पिछले वाक्य में हुआ है, मानो वह परमेश्वर के मुख द्वारा कहे गए आदेश हो। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उनकी आज्ञा” या “वह सीमा”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 8:29 (#4)

בְּחֻקּוֹ

“जब वह पृथ्वी की नींव की डोरी लगाता था,”

यह वाक्यांश यहोवा द्वारा **पृथ्वी की नींव** को निर्धारित करने को दर्शाता है, मानो वे उन्हें रेखांकित कर रहे हों। यदि आपकी भाषा में यह रूपक स्पष्ट न हो, तो आप इसका अर्थ सीधे रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जब उन्होंने निर्दिष्ट किया” या “जब उन्होंने आदेश दिया”

देखें: रूपक

नीतिवचन 8:29 (#5)

“पृथ्वी की नींव”

यह वाक्यांश निम्न को संदर्भित कर सकता है: (1) उस भूमि की सीमाओं को, जिन्हें पहाड़ों की जड़ों या तल माना जाता था (देखें 6:2)। वैकल्पिक अनुवाद: “भूमि की सीमाएँ” (2) उस स्थान की ओर जहाँ यहोवा ने **पृथ्वी** को स्थापित किया, मानो **पृथ्वी** किसी **नींव** के ऊपर टिकी हो। वैकल्पिक अनुवाद: “जहाँ पृथ्वी को स्थापित किया गया”

देखें: रूपक

नीतिवचन 8:30 (#1)

וְאֶהְיֶה אֶצְלוֹ אָמוֹן

“तब मैं प्रधान कारीगर के समान उसके पास थी”

यहाँ यहोवा द्वारा सृष्ठि की रचना में बुद्धि का उपयोग इस प्रकार वर्णित है, मानो बुद्धि एक **प्रधान कारीगर** के रूप में **उसके पास** उपस्थित थी। यदि आपकी भाषा में यह रूपक स्पष्ट न हो, तो आप इस अर्थ को सीधे रूप में व्यक्त कर सकते हैं या उपमा का प्रयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “तब उन्होंने बुद्धि का कुशलतापूर्वक उपयोग किया” या “तब मैं उनके पास एक कुशल कारीगर के समान था।”

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 8:30 (#2)

שַׁשֲׁעֻשִׁעִים

“उसकी प्रसन्नता”

यदि आपकी भाषा में **प्रसन्नता** जैसी भाववाचक संज्ञा का प्रयोग स्वाभाविक नहीं है, तो आप उसी भाव को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आनंदमय"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 8:30 (#3)

מְשַׂחֶקֶת

"आनन्दित"

यहाँ, **आनन्दित** का अर्थ नृत्य करना या खेलना है जो अत्यन्त आनंद व्यक्त करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आनन्दपूर्वक व्यवहार"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 8:30 (#4)

לְפָנָיו

"उसके सामने"

यहाँ, **सामने** यहोवा की उपस्थिति को संदर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनकी उपस्थिति में"

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 8:31 (#1)

מְמֻשַׂחֶקֶת

"प्रसन्न"

यह देखें कि आपने इस शब्द का अनुवाद पिछले पद में कैसे किया है।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 8:31 (#2)

בְּתֵבֵל אַרְצוֹ

"उसकी बसाई हुई पृथ्वी से"

वाक्यांश **बसाई हुई पृथ्वी** का अर्थ हो सकता है: (1) पूरी **पृथ्वी**। वैकल्पिक अनुवाद: "उनकी सम्पूर्ण पृथ्वी" (2) **पृथ्वी** का बसा हुआ हिस्सा। वैकल्पिक अनुवाद: "उनकी बसाई हुई पृथ्वी"

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 8:31 (#3)

וְשַׁעֲשֻׁעַי

"मैं उसकी बसाई हुई पृथ्वी से प्रसन्न थी"

पिछले पद में देखें कि आपने "प्रसन्न" का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 8:31 (#4)

"मेरा सुख मनुष्यों"

8:4 में देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद किस प्रकार किया है

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 8:32 (#1)

"इसलिए अब"

इसलिए अब यहाँ बुद्धि द्वारा 8:4–31 में कहे गए वचनों से उस आह्वान की ओर परिवर्तन को दर्शाता है, जिसमें लोगों से ध्यान देने की याचना की जाती है। देखें कि आपने यही वाक्यांश 5:7 और 7:24 में कैसे अनुवादित किया है।

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

नीतिवचन 8:32 (#2)

"पुत्रों"

4:1 में देखें कि आपने **पुत्रों** के समान उपयोग का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 8:32 (#3)

וְאַשְׁרֵי

"क्या ही धन्य हैं"

यहाँ, **क्या ही** पिछले वाक्य में दिए गए आदेश का कारण प्रस्तुत करता है। अपनी भाषा में कारण व्यक्त करने का जो सबसे स्वाभाविक तरीका हो, उसका प्रयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि धन्य हैं"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम का संबंध

नीतिवचन 8:32 (#4)

"वे जो मेरे मार्ग को पकड़े रहते हैं"

यहाँ, **मार्ग** व्यवहार को संदर्भित करता है। 2:20 में देखें कि आपने **पकड़े** और "पथ" के समान उपयोग का अनुवाद किस प्रकार किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "वे जो मेरे समान आचरण करते हैं"

देखें: रूपक

नीतिवचन 8:33 (#1)

"शिक्षा "

1:2 में देखें कि आपने **शिक्षा** का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 8:33 (#2)

וְאַל־תִּפְרָעוּ

"उसको अनसुना न करो"

यहाँ बुद्धि एक अलंकार का प्रयोग कर रही है जिसमें वह एक नकारात्मक शब्द **न** के साथ उस अभिव्यक्ति को जोड़ती है जो अपेक्षित अर्थ के विपरीत है, ताकि एक अत्यंत सकारात्मक बात को ज़ोर देकर व्यक्त किया जा सके। यदि आपकी भाषा में ऐसा प्रयोग स्वाभाविक न हो, तो आप उसका सकारात्मक अर्थ सीधे रूप में व्यक्त कर सकते हैं।

वैकल्पिक अनुवाद: “निश्चय ही मेरी बातों पर ध्यान दीजिए” या “निश्चय ही मेरा अनुसरण कीजिए”

देखें: (लाइटोटीज़) कटाक्षपूर्ण उक्ति

नीतिवचन 8:34 (#1)

אָדָם֙

“वह मनुष्य जो”

यहाँ **मनुष्य** शब्द किसी एक विशेष **मनुष्य** (पुरुष) के लिए नहीं, बल्कि सामान्य रूप से किसी व्यक्ति को दर्शाता है। यदि आपकी भाषा में यह रूप अस्वाभाविक लगे, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का प्रयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह व्यक्ति”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 8:34 (#2)

לִשְׁקֹ֣ד עַל־דַּלְתֹתַ֔י יוֹם֙ יוֹם֔ לִשְׁמֹ֖ר מְזוּזֹ֥ת פְּתָחָֽי

“”वरन् मेरी डेवढ़ी पर प्रतिदिन खड़ा रहता,“

इन दोनों वाक्यांशों का मूल अर्थ समान है। दूसरा वाक्यांश पहले वाक्यांश के भाव को दोहराते हुए उसे और अधिक बल देता है, लेकिन कोई नई बात नहीं कहता। यदि पाठकों के लिए यह सहायक हो, तो आप ऐसे शब्द का प्रयोग कर सकते हैं जो यह स्पष्ट करे कि दूसरा वाक्यांश पहले की पुनरावृत्ति है, न कि कोई अतिरिक्त बात। वैकल्पिक अनुवाद: “मेरी डेवढ़ी पर प्रतिदिन खड़े रहते, हाँ, मेरे द्वारों के खम्भों के पास दृष्टि लगाए रहते हैं”

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 8:34 (#3)

לִשְׁקֹ֣ד עַל־דַּלְתֹתַ֔י יוֹם֙ יוֹם֔ לִשְׁמֹ֖ר מְזוּזֹ֥ת פְּתָחָֽי

“”मेरी डेवढ़ी पर प्रतिदिन खड़ा रहता,“

यहाँ बुद्धि उस व्यक्ति की बात करती हैं जो उनकी सुनने के लिए अत्यधिक उत्सुक हैं, मानो वह उनके घर के द्वार पर सतर्कता से प्रतीक्षा कर रहे हों। यदि आपकी भाषा में यह रूपक स्वाभाविक न लगे, तो आप इसका अर्थ सीधे रूप में व्यक्त कर सकते हैं या उपमा का प्रयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो उनकी सुनने के लिए उत्सुक रहते हैं” या “जो उनकी सुनने के लिए इस प्रकार उत्सुक रहते हैं, जैसे कोई प्रतिदिन उनके डेवढ़ी पर पहरा देता और उनके द्वारों के खम्भों पर दृष्टि लगाए रहता हो”

देखें: रूपक

नीतिवचन 8:34 (#4)

לִשְׁקֹ֣ד עַל־דַּלְתֹתַ֔י יוֹם֙ יוֹם֔ לִשְׁמֹ֖ר מְזוּזֹ֥ת פְּתָחָֽי

“”मेरी डेवढ़ी पर प्रतिदिन खड़ा रहता,“

यहाँ, **मेरी डेवढ़ी** और **द्वारों के खम्भों** का तात्पर्य है कि बुद्धि का एक घर है। यदि आपकी भाषा में यह अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त करना आवश्यक हो, तो आप इसे इस प्रकार व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मेरे घर के डेवढ़ी पर प्रतिदिन पहरा देते हुए, मेरे घर के द्वारों के खम्भों पर दृष्टि बनाए रखते हुए।’”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 8:35 (#1)

כִּֽי־

“क्योंकि”

यहाँ, **क्योंकि** इस बात को व्यक्त करता है कि जो व्यक्ति बुद्धि की सुनता है, वह पहले के पद में कहे गए बातों के अनुसार धन्य होगा। आपके भाषा में इसे इस प्रकार व्यक्त किया जा सकता है, ताकि यह स्पष्ट हो कि जो कुछ आ रहा है, वह पहले के कथन का कारण है। वैकल्पिक अनुवाद: “वह व्यक्ति प्रसन्न होगा क्योंकि”

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम का संबंध

नीतिवचन 8:35 (#2)

מֹצְאַ֣י

“जो मुझे पाता है”

यहाँ, बुद्धि प्राप्त करने की बात इस प्रकार की गई है जैसे बुद्धि एक व्यक्ति हो जिसे कोई ढूँढ सकता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। 3:13 और 8:17 में देखें कि आपने एक समान वाक्यांश का अनुवाद किस प्रकार किया है। वैकल्पिक अनुवाद: “जो बुद्धि प्राप्त करते हैं” या “जो बुद्धिमान बनते हैं”

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 8:35 (#3)

מֹצְאַ֣י חַיִּ֑ים

“वह जीवन को पाता है”

लंबे **जीवन** (दीर्घायु) को इस प्रकार व्यक्त किया गया है जैसे **जीवन** एक वस्तु हो जिसे कोई खोज कर प्राप्त कर सकता है। यदि आपकी भाषा में इसे सीधे रूप में व्यक्त करना अधिक स्वाभाविक हो, तो आप इसका अर्थ इस प्रकार व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वे हैं जो दीर्घायु पाएँगे”

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 8:35 (#4)

וַיָּ֖פֶק

“वह जीवन को पाता है”

हालाँकि **वह** (पुरुष) शब्द पुल्लिंग है, बुद्धि इस शब्द का उपयोग एक सामान्य अर्थ में कर रही है जो पुरुष या महिला दोनों को संदर्भित कर सकता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो इसे स्पष्ट करता है। वैकल्पिक अनुवाद: “और वह व्यक्ति जीवन को प्राप्त करता है”

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 8:35 (#5)

“प्रसन्न”

3:4 में देखें कि आपने **प्रसन्न** का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 8:36 (#1)

“परन्तु जो मुझे ढूँढ़ने में विफल होता है”

मूल भाषा में **परन्तु जो मेरे विरुद्ध पाप करने वाले** वाक्यांश का उपयोग किया गया है जिससे हिन्दी अनुवाद में सीधे तरीक़े से **परन्तु जो मुझे ढूँढ़ने में विफल होता है** से अनूवादित किया गया है। इस वाक्यांश का अनुवाद “मुझे याद करने वाले ” के रूप में भी किया जा सकता है, जिसका अर्थ है बुद्धि को “ढूँढ़ने“ में विफल होना। यदि आपके क्षेत्र में बाइबल का कोई अनुवाद उपलब्ध है, तो आप उस अनुवाद की भाषा का प्रयोग कर सकते हैं। यदि आपके क्षेत्र में बाइबल का अनुवाद उपलब्ध नहीं है, तो आप यू.एल.टी. के पठन का उपयोग कर सकते हैं।

देखें: पाठ्य भिन्नताएं

नीतिवचन 8:36 (#2)

“परन्तु जो मुझे ढूँढ़ने में विफल होता है”

यहाँ, बुद्धि को इस प्रकार व्यक्त किया गया है जैसे वह एक ऐसा व्यक्तित्व हो, जिससे लोग **ढूँढ़ने में विफल हो** सकते हैं। यह वाक्यांश उन लोगों को संदर्भित करता है जो बुद्धि को अस्वीकार करके पाप करते हैं। यदि आपकी भाषा में इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त करना अधिक सहायक हो, तो आप इसे इस प्रकार कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “परन्तु जो लोग मुझे अस्वीकार करके पाप करते हैं” या “परन्तु जो लोग बुद्धि को अस्वीकार करके पाप करते हैं”

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 8:36 (#3)

“उपद्रव करता है” - “मृत्यु”

देखें कि आपने 3:31 में **उपद्रव** और 2:18 में **मृत्यु** जैसे भाववाचक संज्ञाओं का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 8:36 (#4)

נַפְשׁוֹ

“अपने ही पर”

मूल भाषा में इस स्थान पर **जीवन** शब्द का उपयोग किया गया है। यहाँ, **अपने ही पर** व्यक्ति के स्वयं को संदर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “स्वयं”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 8:36 (#5)

אָהֲבוּ מָוֶת

“मृत्यु से प्रीति”

यह वाक्यांश एक अतिशयोक्ति है, जो इस बात को बलपूर्वक व्यक्त करता है कि जो लोग बुद्धि से बैर रखते हैं, वे ऐसा जीवन चुनते हैं जो अंततः उन्हें मृत्यु की ओर ले जाएग। इसका यह अर्थ नहीं है कि वे लोग जो बुद्धि से बैर रखते है वे वास्तव में **मृत्यु से प्रीति रखते हैं**। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं या एक उपमा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वे अपने कर्मों से दर्शाते हैं कि उन्होंने मृत्यु को चुन लिया है” या “ऐसे आचरण करते हैं मानो वे मृत्यु से प्रेम करते हों”

देखें: अतिशयोक्ति

नीतिवचन 9:1 (#1)

חָכְמוֹת בָּנְתָה בֵיתָהּ חָצְבָה עַמּוּדֶיהָ שִׁבְעָה

“बुद्धि ने अपना घर बनाया”

9:1–12 में **बुद्धि** के बारे में इस तरह बात की गई है मानो वह एक महिला हो। इस अध्याय के लिए सामान्य टिप्पणी में इस पर चर्चा देखें। वैकल्पिक अनुवाद: “यह ऐसा है मानो बुद्धि एक महिला है जिसने अपना घर बनाया है और अपने सात खंभे गढ़े हैं”

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 9:1 (#2)

חָצְבָה עַמּוּדֶיהָ שִׁבְעָה

“और उसके सातों खम्भे गढ़े हुए हैं”

यह वाक्यांश **घर** बनाने की प्रक्रिया के उस हिस्से को संदर्भित करता है जिसका उल्लेख पिछले वाक्यांश में किया गया था। **सात खंभों** वाला **घर** बहुत बड़ा होता। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उन्होंने अपने घर की छत को सहारा देने के लिए सात स्तंभ तराशे हैं”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 9:2 (#1)

טָבְחָה טִבְחָהּ מָסְכָּה יֵינָהּ אַף עָרְכָה שֻׁלְחָנָהּ

“उसने भोज के लिए अपने पशु काटे, अपने दाखमधु में मसाला मिलाया और अपनी मेज लगाई है।”

इस वाक्यांश में बुद्धि के बारे में ऐसे कहा गया है मानो वह एक स्त्री हो। इस अध्याय के सामान्य टिप्पणी में ऐसे मानवीकरण की चर्चा देखें। वैकल्पिक अनुवाद: “यह ऐसा है मानो बुद्धि एक स्त्री हो जिसने अपना वध किया हो, अपनी दाखरस मिलाई हो, और अपनी मेज सजाई हो”

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 9:2 (#2)

טָבְחָה טִבְחָהּ מָסְכָּה יֵינָהּ אַף עָרְכָה שֻׁלְחָנָהּ

“उसने भोज के लिए अपने पशु काटे, अपने दाखमधु में मसाला मिलाया और अपनी मेज लगाई है”

ये तीनों वाक्यांशों का संबंध मेहमानों के लिए विशेष भोजन तैयार करने की प्रक्रिया के हिस्सों से है। यदि यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उसने अपने शिकार को मारकर, अपनी दाखरस मिलाकर और अपनी मेज सजाकर मेहमानों के लिए भोजन तैयार किया है”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 9:2 (#3)

טָבְחָהּ טִבְחָהּ

“उसने भोज के लिए अपने पशु काटे”

यहाँ, **काटे** का तात्पर्य उन पशु से है जिन्हें बुद्धि ने इसलिए **काटा** है ताकि उनका मांस भोजन में खाया जा सके। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इसका मतलब स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उसने पशु को इसलिए मारा है ताकि उसका मांस भोजन में खाया जा सके”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 9:2 (#4)

מָסְכָּהּ יֵינָהּ

“अपने दाखमधु में मसाला मिलाया”

प्राचीन इस्राएल में, लोग अक्सर **मसाला** में मिलाकर **दाखमधु** तैयार करते थे अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उसने अपने दाखमधु को **मसाले** में मिलाकर तैयार किया है”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 9:2 (#5)

עָרְכָה שֻׁלְחָנָהּ

“अपनी मेज लगाई है”

यह वाक्यांश भोजन तैयार करने के लिए भोजन और खाने के बर्तनों को मेज पर रखने को संदर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उसने लोगों के भोजन करने के लिए अपनी मेज तैयार कर ली है”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 9:3 (#1)

שָׁלְחָה נַעֲרֹתֶיהָ תִּקְרָא

“उसने अपनी सेविकाओं को आमन्त्रित करने भेजा है”

इस पद में, बुद्धि के बारे में इस तरह से बात की गई है जैसे कि वह एक धनी स्त्री हो जिसके पास नौकर हों और जो **सार्वजनिक रूप से पुकारती** हैं। इस अध्याय के सामान्य टिप्पणी में इस तरह के मानवीकरण की चर्चा देखें। वैकल्पिक अनुवाद: “यह ऐसा है जैसे कि बुद्धि एक महिला हों जिन्होंने अपनी युवतियों को भेजा है और पुकारती हैं”

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 9:3 (#2)

שָׁלְחָה נַעֲרֹתֶיהָ

“उसने अपनी सेविकाओं को आमन्त्रित करने भेजा है”

सुलैमान का तात्पर्य है कि **सेविकाओं** को लोगों को उस भोजन के लिए **आमंत्रित** करने के लिए **भेजा** गया था जिसे बुद्धि ने तैयार किया था। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उसने अपनी युवतियों को लोगों को भोजन के लिए आमंत्रित करने के लिए भेजा है”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 9:3 (#3)

“और वह नगर के सबसे ऊँचे स्थानों से पुकारती है”

देखें कि आपने 8:2 में समान वाक्यांश “**ऊँचे स्थानों**” का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 9:4 (#1)

מִי־פֶתִי יָסֵר הֵנָּה חֲסַר־לֵב אָמְרָה לוֹ

“जो कोई भोला है वह मुड़कर यहीं आए!”

अगर यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इन वाक्यांशों के क्रम को उलट सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह निर्बुद्धि से कहती है, ‘जो कोई भोला है, वह यहीं मुड़ जाए,’”

देखें: सूचना संरचना

नीतिवचन 9:4 (#1)

יָסֵר הֵנָּה

“वह मुड़कर यहीं आए”

यहाँ, बुद्धि का तात्पर्य है कि **भोले** व्यक्ति को **मुड़कर** उसके घर आना चाहिए। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उसे अपना मार्ग छोड़कर मेरे घर आना चाहिए”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 9:4 (#2)

יָסֵר & לוֹ

“वह मुड़कर यहीं आए” - “उससे”

हालाँकि **वह** पुल्लिंग है, यहाँ इसका मतलब किसी भी **भोले** व्यक्ति से है। अगर यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उस व्यक्ति को उस व्यक्ति की ओर मुड़ने दो”

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 9:4 (#3)

“और जो निर्बुद्धि है”

देखिये आपने 7:7 में इसी वाक्यांश के प्रयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 9:4–5 (#1)

מִי־פֶתִי יָסֵר הֵנָּה חֲסַר־לֵב אָמְרָה לוֹ: לְכוּ לַחֲמוּ בְלַחְמִי
וּשְׁתוּ בְּיַיִן מָסָכְתִּי

“जो कोई भोला है वह मुड़कर यहीं आए”

इन दो आयतों में, बुद्धि उन लोगों के बारे में बात करती है जो बुद्धि प्राप्त करते हैं क्योंकि वे बुद्धि के घर में प्रवेश करने, बुद्धि की **रोटी खाने** और बुद्धि की **दाखरस** पीने के लिए एक मार्ग से **हट** जाते हैं। जिस तरह **रोटी** और **दाखरस** अच्छी होती है और लोगों को जीवित रखती है, उसी तरह बुद्धि भी अच्छी है और लोगों को लंबे समय तक जीने में सक्षम बनाती है। यदि यह आपके पाठकों के लिए मददगार होगा, तो आप तुलना की व्याख्या कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह उस निर्बुद्धि से कहती है, ‘जो कोई भोला है, बुद्धि प्राप्त करके अपने जीवन को लाभ पहुँचाए। ऐसा करना यहाँ से हटकर मेरे पास आना, मेरी रोटी खाना और मेरी मिलाई हुई दाखरस पीना है“

देखें: बाइबल की अलंकृत भाषा - विस्तृत रूपक

नीतिवचन 9:5 (#1)

בְּלַחֲמִ֑י

“मेरी रोटी”

यहाँ, **रोटी** शब्द का उपयोग आम तौर पर खाने के लिए किया जाता है। अगर यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अपनी संस्कृति से कोई समानार्थी शब्द उपयोग कर सकते हैं या फिर इसका मतलब साफ-साफ बता सकते हैं, जैसा कि यू.एस.टी. मे है।

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 9:5 (#2)

לְֽכוּ֙ לַחֲמ֣וּ & וּשְׁתּ֔וּ

“आओ, मेरी रोटी खाओ” - “पीओ”

ये तीनों आदेश बहुवचन हैं क्योंकि बुद्धि एक ही समय में सभी “भोले” लोगों को संबोधित कर रही है।

देखें: तुम के रूप

नीतिवचन 9:5 (#3)

“और मेरे मसाला मिलाए हुए दाखमधु को पीओ”

देखिये आपने 9:2 में समान वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 9:6 (#1)

עִזְבוּ & וְחִיּ֖וּ וְֽאִשְּׁרוּ

“छोड़ो” - “और जीवित रहो”

ये तीनों आदेश बहुवचन हैं क्योंकि बुद्धि एक ही समय में सभी **भोले** लोगों को संबोधित कर रही है।

देखें: तुम के रूप

नीतिवचन 9:6 (#2)

“मूर्खों का साथ छोड़ो”

यहाँ, बुद्धि लोगों को **मूर्खों का साथ छोड़ने** के लिए कहती है, जैसे कि वे चीज़ें लोग हैं जिन्हें कोई व्यक्ति त्याग सकता है। अगर यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अपना भोला व्यवहार बंद करो” या “मूर्खो वाली हरकतें करना बंद करो”

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 9:6 (#3)

וְחִיּ֖וּ

“और जीवित रहो”

यहाँ, **और** यह इंगित करता है कि आगे जो कुछ कहा गया है वह इस आयत में लोगों को जो करने का आदेश देता है उसे करने का उद्देश्य है। अपनी भाषा में एक संयोजक का उपयोग करें जो उद्देश्य को इंगित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: “जीने के उद्देश्य से”

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) सम्बन्ध

नीतिवचन 9:6 (#4)

“और जीवित रहो”

यहाँ, **जीवित रहो** का तात्पर्य लंबी उम्र जीना है। अगर यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और लंबी उम्र जियो”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 9:6 (#5)

וְֽאִשְּׁרוּ֙ בְּדֶ֣רֶךְ בִּינָ֔ה

“समझ के मार्ग में सीधे चलो”

यहाँ, बुद्धि ऐसे लोगों के बारे में बात करती है जो इस तरह से व्यवहार करते हैं जिससे उन्हें **समझ** हासिल करने में मदद मिलेगी जैसे कि वे किसी रास्ते पर चल रहे हों। अगर यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसका मतलब स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और इस तरह से व्यवहार करें जिससे आपको समझ हासिल करने में मदद मिले”

देखें: रूपक

नीतिवचन 9:6 (#6)

“समझ”

देखें कि आपने 1:2 में भाववाचक संज्ञाएँ **समझ** का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 9:7 (#1)

יֹ֤סֵר לֵ֙ץ֙ לֹקֵ֣חַ לוֹ֔ קָלָ֖ון וּמוֹכִ֣יחַ לְרָשָׁ֑ע מוּמֹ֖ו

“जो ठट्ठा करनेवाले को शिक्षा देता है, अपमानित होता है,”

यहाँ, शब्द **ठट्ठा**, **शिक्षा**, **स्वयं**, **अपमानित**, **दुष्ट**, और **वह** विशिष्ट लोगों को संदर्भित नहीं करते हैं, बल्कि सामान्य रूप से लोगों के प्रकारों को संदर्भित करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अधिक प्राकृतिक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो कोई किसी ठट्ठा करनेवाले को उपदेश देता है, वह उस मनुष्य के

कारण लज्जित होता है, और जो कोई किसी दुष्ट को डांटता है, वह उस मनुष्य के कारण घायल होता है"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 9:7 (#2)

יֹסֵר । לַלֵּץ

"जो ठट्ठा करनेवाले को शिक्षा देता है"

चूँकि **ठट्ठा करनेवाले को शिक्षा** स्वीकार नहीं करता, इसलिए इस वाक्यांश का अर्थ है कि किसी ने **ठट्ठा करनेवाले को शिक्षा देने** का प्रयास किया है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह जो ठट्ठा करनेवाले को निर्देश देने का प्रयास करता है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 9:7 (#3)

לִקַּח לוֹ קָלוֹן

"अपमानित होता है"

मूल भाषा में बुद्धि **अपमान** के बारे में ऐसे बोलती है जैसे कि यह कोई ऐसी वस्तु हो जिसे कोई व्यक्ति **प्राप्त करता** है। अगर यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "खुद अपमानित होगा"

देखें: रूपक

नीतिवचन 9:7 (#4)

"अपमानित"

देखें कि आपने 6:33 में भाववाचक संज्ञा **अपमानित** का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 9:7 (#5)

וּמוֹכִיחַ לָרָשָׁע מוּמוֹ

"और जो दुष्ट जन को डाँटता है वह कलंकित होता है"

बुद्धिमानी यह है कि कुछ शब्दों को छोड़ दिया जाए जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप इन शब्दों को पिछले वाक्य से जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और दुष्ट को डाँटनेवाला अपनी ही हानि उठाता है"

देखें: पदलोप

नीतिवचन 9:7 (#6)

מוּמוֹ

"वह कलंकित होता है"

अगर आपकी भाषा में **कलंकित** के विचार के लिए भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं किया गया है, तो आप उसी विचार को दूसरे तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसका घायल होना"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 9:8 (#1)

אַל־תּוֹכַח

"ठट्ठा करनेवाले को न डाँट"

यह वाक्यांश यह बताता है कि बुद्धि पिछले पद में कही गई बातों के परिणामस्वरूप लोगों से क्या करवाना चाहती है। अपनी भाषा में इच्छित परिणाम को व्यक्त करने के लिए सबसे स्वाभाविक तरीके का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "इसलिए, डाँट मत"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

नीतिवचन 9:8 (#2)

לַלֵּץ פֶּן־יִשְׂנָאֶךָּ & לְחָכָם וְיֶאֱהָבֶךָּ

"ठट्ठा करनेवाले को न डाँट, ऐसा न हो कि वह तुझ से बैर रखे"

यहाँ, **ठट्ठा करनेवाले, वह** और **बुद्धिमान** विशिष्ट लोगों को संदर्भित नहीं करते हैं, बल्कि सामान्य रूप से लोगों के प्रकारों को संदर्भित करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अधिक प्राकृतिक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई ठट्ठा करनेवाला, कहीं ऐसा न हो कि वह व्यक्ति आपसे घृणा करे ... कोई बुद्धिमान, और वह व्यक्ति आपसे प्रेम करेगा"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 9:8 (#3)

הוֹכַח לְחָכָם

"बुद्धिमान को डाँट"

यह वाक्यांश कुछ ऐसा कहता है जो पिछले वाक्य में कही गई बात के विपरीत है। अपनी भाषा में एक दृढ़ विरोधाभास व्यक्त करने के लिए एक स्वाभाविक तरीके का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "इसके विपरीत, एक बुद्धिमान को डाँटो"

देखें: जोड़ें — विरोधाभास सम्बन्ध

नीतिवचन 9:8 (#4)

וְיֶאֱהָבֶךָּ

"वह तो तुझ से प्रेम रखेगा"

यहाँ, और पिछले वाक्यांश में बताई गई आज्ञा का पालन करने के परिणाम का परिचय देता है। परिणाम को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीके का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "और इसका परिणाम यह होगा कि वह आपसे प्यार करेगा"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

नीतिवचन 9:9 (#1)

תֵּתֵּן

"दे"

बुद्धि का अर्थ है एक शब्द को छोड़ देना जिसकी कई भाषाओं में एक वाक्यांश को पूरा करने के लिए आवश्यकता होती है। यदि यह आपकी

भाषा में सहायक होगा, तो आप संदर्भ से यह शब्द दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “निर्देश दें” या “बुद्धिमानी से भरी बातें दें”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 9:9 (#2)

לְחָכָם וְיֶחְכַּם־עֹוד & לְצַדִּיק וְיֹסֵף

“बुद्धिमान को शिक्षा दे, वह अधिक बुद्धिमान होगा; धर्मी को चिता दे, वह अपनी विद्या बढ़ाएगा”

यहाँ, एक **बुद्धिमान** व्यक्ति, **वह**, और एक **धर्मी** व्यक्ति विशिष्ट लोगों को संदर्भित नहीं करता है, बल्कि सामान्य रूप से इन प्रकार के लोगों को संदर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अधिक प्राकृतिक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “किसी भी बुद्धिमान व्यक्ति के लिए, और वह व्यक्ति अधिक बुद्धिमान बन जाएगा ... कोई भी धर्मी व्यक्ति, और वह व्यक्ति बढ़ेगा”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 9:10 (#1)

יִרְאַת יְהוָה

“आरम्भ”

देखिये आपने 1:7 में **आरम्भ** शब्द के उसी प्रयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 9:10 (#2)

“बुद्धि” - “जानना” - “समझ है”

देखें कि आपने 1:2 में भाववाचक संज्ञा **बुद्धि** और **समझ** और 1:4 में **ज्ञान** का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 9:10 (#3)

“यहोवा का भय मानना”

देखिये आपने 1:7 में इस वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 9:11 (#1)

כִּי

“द्वारा”

शब्द **द्वारा** से यहाँ संकेत मिलता है कि बुद्धि इस पद में आगे जो कहा गया है उस पर ज़ोर दे रही है। अपनी भाषा में एक संयोजक का उपयोग करें जो इस ज़ोर को स्पष्ट करे। वैकल्पिक अनुवाद: “सचमुच”

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

नीतिवचन 9:11 (#2)

יִרְבּוּ יָמֶיךָ

“और तेरे जीवन के वर्ष अधिक होंगे”

यहाँ बुद्धि लंबे समय तक जीने वाले लोगों के बारे में बात करती है जैसे कि उनके जीवित रहने के **दिन** कुछ ऐसे हों जिनकी संख्या **बढ़ाई** जा सकती है। अगर यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “आप बहुत दिन और जीएँगे”

देखें: रूपक

नीतिवचन 9:11 (#3)

וְיוֹסִיפוּ לְךָ שְׁנוֹת חַיִּים

“और तेरे जीवन के वर्ष अधिक होंगे”

यहाँ बुद्धि लंबे समय तक जीने वाले लोगों के बारे में बात करती है जैसे कि वे जितने **वर्ष** जीवित हैं, वे कुछ ऐसा है जो उनके जीवन में **जोड़ा जा सकता** है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और आप कई और वर्ष जीएँगे”

देखें: रूपक

नीतिवचन 9:11 (#4)

“जीवन के वर्ष”

देखिये आपने इस मुहावरे का अनुवाद 3:2 में कैसे किया है।

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 9:11 (#5)

וְיוֹסִיפוּ לְךָ

“और” - “तेरे जीवन के वर्ष अधिक होंगे”

अगर आपकी भाषा में इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप विचार को सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: “और ... मैं तुझमे जोड़ूंगा”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 9:12 (#1)

לְךָ

“तू ही”

यहाँ, **तू ही** का तात्पर्य है कि **बुद्धिमान** होना **बुद्धिमान** व्यक्ति के लाभ के लिए है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अपने लाभ के लिए”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 9:12 (#2)

“और यदि तू ठट्ठा करे”

यहाँ, **और** यह दर्शाता है कि आगे जो कहा गया है वह पिछले वाक्यांश में कही गई बातों से बहुत अलग है। अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीके से विरोधाभास दर्शाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: “हालाँकि, यदि आप मज़ाक उड़ाते हैं”

देखें: जोड़ें – विरोधाभास सम्बन्ध

नीतिवचन 9:12 (#3)

לְבַדְּךָ תִשָּׂא

“तो दण्ड केवल तू ही भोगेगा”

यहाँ, बुद्धि किसी व्यक्ति के बुरे व्यवहार के परिणामों को इस तरह से अनुभव करने की बात करती है जैसे कि **यह** कोई भारी वस्तु हो जिसे उसे अपनी पीठ पर ढोना हो। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “केवल आप ही परिणामों का अनुभव करेंगे”

देखें: रूपक

नीतिवचन 9:13 (#1)

“मूर्खता बक-बक करनेवाली स्त्री के समान है”

‘**मूर्खता बक-बक करनेवाली स्त्री** ‘ वाक्यांश का अर्थ हो सकता है: (1) एक **स्त्री** जो **मूर्खता** से पहचानी जाती है, जिस स्थिति में यह वाक्यांश सामान्य रूप से मूर्ख स्त्रीयो को संदर्भित करेगा। वैकल्पिक अनुवाद: “एक मूर्ख स्त्री जोर से बोलती है, भोली है, और वह कुछ भी नहीं जानती है” या “मूर्ख स्त्रीया जोर से बोलती हैं, भोली हैं, और कुछ भी नहीं जानती हैं” (2) **मूर्खता** जैसे कि वह एक **स्त्री** हो, जिस तरह से इस अध्याय के पिछले भाग में बुद्धिमत्ता की बात की गई थी। वैकल्पिक अनुवाद: “स्त्री मूर्खता जोर से बोलती है, भोली है, और वह कुछ भी नहीं जानती है”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 9:13 (#2)

וּבַל־יָדְעָה מָּה

“और कुछ नहीं जानती”

यह वाक्यांश एक अतिशयोक्ति है जिसका उपयोग सुलैमान इस बात पर ज़ोर देने के लिए करता है कि यह **स्त्री** कितनी अज्ञानी है। इसका तात्पर्य यह नहीं है कि **वह कुछ भी नहीं जानती**। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और वह ज़्यादा नहीं जानती” या “और वह बहुत कम जानती है”

देखें: अतिशयोक्ति

नीतिवचन 9:14 (#1)

וַיָּשְׁבָה לְּפֶתַח בֵּיתָהּ עַל־כִּסֵּא מְרֹרֵמֵי קָרֶת

“वह अपने घर के द्वार में,”

यदि आपने पिछले पद में “**मूर्खता की स्त्री**” वाक्यांश का बहुवचन रूप में अनुवाद किया है, तो आपको इस पद में बहुवचन रूपों का उपयोग करना चाहिए। वैकल्पिक अनुवाद: “और वे अपने घरों के द्वार पर, शहर की ऊंचाइयों पर कुर्सियों पर बैठती हैं”

नीतिवचन 9:14 (#2)

“वह अपने घर के द्वार में”

देखिये आपने 5:8 में इस वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया है।

नीतिवचन 9:14 (#3)

עַל־כִּסֵּא

“अपने आसन पर”

यह वाक्यांश निम्नलिखित को संदर्भित कर सकता है: (1) **उसके घर के सामने उचे स्थान**। वैकल्पिक अनुवाद: “जो एक आसन पर है” (2) दूसरा स्थान जहाँ **वह बैठती है**। वैकल्पिक अनुवाद: “या एक आसन पर”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 9:14 (#4)

“और नगर के ऊँचे स्थानों में”

देखें कि आपने इस वाक्यांश का 9:3 में किस प्रकार अनुवाद किया।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 9:15 (#1)

לִקְרֹא

“यह कहकर पुकारती है”

यहाँ, **यह** इंगित करता है कि आगे जो कहा गया है वह “मूर्खता रूपी स्त्री” के सार्वजनिक स्थान पर बैठने का उद्देश्य है, जैसा कि पिछले पद में बताया गया है। उद्देश्य व्यक्त करने के लिए अपनी भाषा में स्वाभाविक तरीके का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: “बुलाने के उद्देश्य से”

देखें: जोड़ें – लक्ष्य (उद्देश्य) सम्बन्ध

नीतिवचन 9:15 (#2)

לְעֹבְרֵי־דָרֶךְ

“जो अपने मार्गों पर सीधे-सीधे चलते हैं”

वैकल्पिक अनुवाद: “सड़क पर चलने वालों के लिए”

नीतिवचन 9:15 (#3)

הַלַּמְיַשְּׁרִים אָרְחוֹתָם

“वह उन लोगों को जो अपने मार्गों पर सीधे-सीधे चलते हैं”

यह वाक्यांश एक मुहावरा है जो ऐसे लोगों का वर्णन करता है जो केवल अपने मामलों के बारे में सोचते हैं। यदि इस वाक्यांश का आपकी भाषा में वह अर्थ नहीं है, तो आप अपनी भाषा से एक मुहावरा इस्तेमाल कर सकते हैं जिसका यह अर्थ हो या इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अपने काम से मतलब रखने वाले” या “केवल अपने मामलों के बारे में सोचने वाले”

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 9:16 (#1)

“जो कोई भोला है, वह मुड़कर यहीं आए”

देखिये आपने 9:4 में लगभग समान उपधारा का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 9:17 (#1)

מַיִם־גְּנוּבִבִים יִמְתְּקוּ

“चोरी का पानी मीठा होता है”

मूर्ख स्त्री का तात्पर्य है कि इस पद में वह जो कहती है, वह कारण है कि “भोले” को उसकी ओर “मुड़ना” चाहिए। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यहाँ से मुड़ो क्योंकि चोरी का पानी मीठा होता है”

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

नीतिवचन 9:17 (#2)

מַיִם־גְּנוּבִבִים יִמְתְּקוּ וְלֶ֫חֶם סְתָרִרִים יִנְעָם

“चोरी का पानी मीठा होता है”

इस पद में, मूर्ख स्त्री किसी ऐसे व्यक्ति के साथ यौन संबंध बनाने के आनंद को संदर्भित करती है, जिसके साथ कोई विवाहित नहीं है, जैसे कि यह **चोरी के पानी** की तरह **मीठा** या **लुके-छिपे की रोटी** अच्छी लगती है। 5:15–19 और 30:20 में यौन गतिविधि के लिए पानी और भोजन को मंगल भाषण के रूप में उपयोग किया है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं या एक उपमा का उपयोग कर सकते हैं: “मेरे साथ यौन संबंध बनाना वास्तव में आनंददायक है” या “मेरे साथ यौन संबंध बनाना चोरी का पानी पीने या गुप्त रोटी खाने जितना आनंददायक है।”

देखें: रूपक

नीतिवचन 9:17 (#3)

וְלֶ֫חֶם סְתָרִרִים

“और लुके-छिपे की रोटी “

लुके-छिपे की रोटी वाक्यांश का अर्थ हो सकता है: (1) वह **रोटी** जिसे कोई व्यक्ति गुप्त रूप से खुद खाता है। वैकल्पिक अनुवाद: “और वह रोटी जो गुप्त रूप से खाई जाती है” (2) वह **रोटी** जो व्यक्ति गुप्त कर्मों के माध्यम से प्राप्त करता है, जिसका अर्थ है **रोटी** चुराना। वैकल्पिक अनुवाद: “और गुप्त रूप से प्राप्त की गई रोटी” या “और चोरी की गई रोटी”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 9:18 (#1)

וְלֹא־יֵ֫דַע

“और वह नहीं जानता है”

यहाँ, **वह** किसी भी भोले आदमी को संदर्भित करता है जिसे मुर्ख स्त्री बुलाती है। यदि यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “लेकिन कोई भी भोला आदमी नहीं जानता”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 9:18 (#2)

רְפָאִ֫ים שָׁ֫מָּה

“कि वहाँ मरे हुए पड़े हैं”

यहाँ सुलैमान उन लोगों के बारे में बात कर रहा है जो इसलिए मर गए क्योंकि वे मूर्ख स्त्री के घर गए थे जैसे कि उनकी मृत **आत्माएँ वहाँ** थीं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो लोग उसके घर गए थे वे अब मर चुके हैं”

देखें: रूपक

नीतिवचन 9:18 (#3)

קְרֻאֶ֫יהָ

“उस स्त्री के निमंत्रित”

अगर आपकी भाषा में इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप विचार को सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: “जिन्हें उसने बुलाया”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 9:18 (#4)

קְרֻאֶ֫יהָ

“उस स्त्री के निमंत्रित”

यह वाक्यांश उन पुरुषों को संदर्भित करता है जो मूर्ख स्त्री के घर उसके बुलाने पर उसके साथ व्यभिचार करने गए थे। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वे पुरुष जिन्हें उसने बुलाया और उन्होंने उसका बुलावा स्वीकार कर लिया” या “वे पुरुष जो उसके बुलाने के बाद उसके घर गए”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 10:1 (#1)

“सुलैमान के नीतिवचन”

देखें कि आपने इस वाक्यांश का 1:1 में कैसे अनुवाद किया।

देखें: पदलोप

नीतिवचन 10:1 (#2)

בֵּ֫בֶן חָכָ֫ם יְשַׂמַּח־אָ֫ב וּבֵ֫ן כְּ֭סִיל תּוּגַ֥ת אִמּוֹ

“बुद्धिमान सन्तान से पिता आनन्दित होता है”

हालांकि **पुत्र** और **उसका** {यह शब्द मूल भाषा में है परन्तु हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में नहीं} शब्द पुल्लिंग हैं, सुलैमान इन शब्दों का उपयोग एक सामान्य अर्थ में कर रहे हैं जो पुरुषों और महिलाओं दोनों को शामिल करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप ऐसे वाक्यांशों का उपयोग कर सकते हैं जो इसे स्पष्ट करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी बुद्धिमान व्यक्ति अपने माता-पिता को प्रसन्न करता है, लेकिन कोई भी निर्बुद्धि व्यक्ति अपनी माता को दुःख देता है।”

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियां भी शामिल होते हैं

नीतिवचन 10:1 (#3)

אָ֫ב

“पिता”

यहाँ, **पिता** विशेष रूप से वाक्य में पहले उल्लेखित **पुत्र** के **पिता** को सन्दर्भित करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं, जैसे कि अनफोल्डिंग वर्ड सिम्प्लिफाइड ट्रान्सलेशन में।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 10:1 (#4)

תּוּגַ֥ת אִמּֽוֹ

“के कारण माता को शोक होता है”

यदि आपकी भाषा में **शोक** के विचार के लिए एक भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं होता है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अपनी माँ को शोकित करता है”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 10:2 (#1)

אוֹצְרוֹת֙ רֶ֣שַׁע

“दुष्टों के रखे हुए धन”

यहाँ सुलैमान **दुष्टों** से प्राप्त **धन** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “दुष्ट तरीकों से प्राप्त खजाने” या “दुष्ट साधनों द्वारा प्राप्त खजाने”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 10:2 (#2)

לֹא־יוֹעִ֑ילוּ

“लाभ नहीं होता”

सुलैमान कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्यांश को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उन लोगों को लाभ नहीं होता जिनके पास होता है।”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 10:2 (#3)

“परन्तु धर्म” - “मृत्यु से”

देखें कि आपने **धर्म** का 1:3 और **मृत्यु** का 2:18 में कैसे अनुवाद किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 10:2 (#4)

תַּצִּ֥יל

“बचाव”

सुलैमान कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्यांश को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक व्यक्ति को बचाता है”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 10:3 (#1)

נֶ֫פֶשׁ צַדִּ֥יק

“धर्मी को”

मूल भाषा में यहाँ **धर्मी व्यक्ति के जीवन को** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में केवल **धर्मी को** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। यहाँ **जीवन** पूरे व्यक्ति को सन्दर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “धर्मी व्यक्ति”।

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 10:3 (#2)

יָהְדֹּ֑ף

“वह पूरी होने नहीं देता”

यहाँ सुलैमान **यहोवा** के बारे में बात करते हैं, जो **दुष्टों** को वह प्राप्त करने से रोकते हैं जिसकी वे **अभिलाषा** करते हैं, मानो वह **अभिलाषा** एक वस्तु हो जिसे **यहोवा पूरी होने नहीं देता**। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह विफल करते हैं”

देखें: रूपक

नीतिवचन 10:4 (#1)

כַּף־רְמִיָּ֥ה וְיַ֖ד חָרוּצִ֑ים

“जो काम में ढिलाई करता है” - “परन्तु कामकाजी लोग अपने हाथों”

मूल भाषा में यहाँ **आलस्य की हथेली** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **जो काम में ढिलाई करता है** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। यहाँ, **हथेली** और **हाथों** पूरे व्यक्ति का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो **हथेली** या **हाथों** का उपयोग करके कार्य करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक व्यक्ति जो काम करने के लिए अनिच्छुक है ... लेकिन जो लोग मेहनत से काम करते हैं”

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 10:4 (#2)

“निर्धन”

देखें कि आपने **निर्धन** जैसी भाववाचक संज्ञा का 6:11 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 10:5 (#1)

אֹגֵ֥ר & נִרְדָּ֖ם

“फसल बटोरता है” - “सन्तान” - “जो ... नींद में पड़ा रहता” - “सन्तान”

फसल बटोरता है, **सन्तान**, और **जो ... नींद में पड़ा रहता,** ये शब्द सामान्य प्रकार के लोगों को सन्दर्भित करते हैं, न कि विशेष व्यक्तियों या पुत्रों को। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी व्यक्ति जो फसल बटोरता है ... वह कोई भी पुत्र है ... लेकिन कोई भी व्यक्ति जो सोता है ... वह कोई भी पुत्र है"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 10:5 (#2)

"धूपकाल में फसल बटोरता है" - "कटनी के समय"

देखें कि आपने **बटोरता**, **धूपकाल**, और **कटनी** का अनुवाद 6:8 में किस प्रकार किया है।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 10:5 (#3)

אֹגֵר

"फसल बटोरता है"

सुलैमान एक शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होता है। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होता है, तो आप सन्दर्भ से शब्द प्रदान कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो भोजन एकत्र करता है"

देखें: पदलोप

नीतिवचन 10:5 (#4)

"बुद्धिमान"

देखें कि आपने भाववाचक संज्ञा **बुद्धिमान** का 1:3 में किस प्रकार अनुवाद किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 10:6 (#1)

לְרֹאשׁ צַדִּיק

"धर्मी पर"

मूल भाषा में यहाँ **धर्मी के सिर पर** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **धर्मी पर** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। यहाँ, **सिर** पूरे व्यक्ति का प्रतिनिधित्व करता है। सुलैमान की संस्कृति में लोग उस व्यक्ति के **सिर** पर हाथ रखते थे जिसे वे आशीर्वाद देते थे। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "धर्मी व्यक्ति को दिए जाते हैं"

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 10:6 (#2)

"परन्तु दुष्टों के मुँह"

यहाँ, **मुँह** का अर्थ हो सकता है: (1) जो **दुष्ट** लोग कहते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन दुष्ट लोगों की बातें" (2) **दुष्ट लोग** स्वयं। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन दुष्ट लोग स्वयं"

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 10:6 (#3)

יְכַסֶּה

"छिपा"

यहाँ, सुलैमान किसी के **उपद्रव** को इस तरह छुपाने का सन्दर्भ देते हैं जैसे कि यह कोई वस्तु हो जिसे कोई **छिपाता** है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "छुपाता है"

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 10:6 (#4)

"उपद्रव"

देखें कि आपने **उपद्रव** जैसी भाववाचक संज्ञा का 3:31 में किस प्रकार अनुवाद किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 10:7 (#1)

זֵכֶר צַדִּיק לִבְרָכָה

"धर्मी को स्मरण करके लोग आशीर्वाद देते हैं"

यहाँ सुलैमान **धर्मी** व्यक्ति के बारे में अन्य लोगों की **स्मृति** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "धर्मी व्यक्ति को एक आशीर्वाद के रूप में याद किया जाएगा"

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 10:7 (#2)

צַדִּיק

"धर्मी"

हालांकि **धर्मी** यहाँ एकवचन है, यह सामान्य रूप में सभी **धर्मी** लोगों को सन्दर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी धर्मी व्यक्ति"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 10:7 (#3)

לִבְרָכָה

"लोग आशीर्वाद देते हैं"

यह वाक्य इंगित करता है कि लोग तब धन्य होंगे जब वे **धर्मी व्यक्ति** को याद करेंगे। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे दूसरों के लिए आशीष होंगे" या "वे दूसरों को आशीष देंगे"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 10:7 (#4)

וְשֵׁשֵׁם

“परन्तु ...का नाम”

हालांकि **नाम** यहाँ एकवचन है, यह सामान्य रूप में सभी **दुष्टों** के नामों को सन्दर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “लेकिन ... के नाम”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 10:7 (#5)

וְשֵׁשֵׁם

“परन्तु ...का नाम”

यहाँ, **नाम** किसी व्यक्ति की प्रतिष्ठा को सन्दर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “लेकिन प्रतिष्ठा” या “लेकिन लोग क्या सोचते हैं”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 10:7 (#6)

יִרְקָב

“मिट जाता है”

यहाँ सुलैमान उन लोगों के बारे में बात करते हैं जो **दुष्टों के नाम** को भूल जाते हैं, जैसे कि वह **नाम** एक वस्तु है जो सड़कर गायब हो जाती है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं या एक उपमा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “भूल जाएँगे” या “ऐसे भूल जाएँगे जैसे कुछ सड़ जाता है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 10:8 (#1)

חֲכַם־לֵבָב

“जो बुद्धिमान है”

यह वाक्यांश एक ऐसे व्यक्ति को सन्दर्भित करता है जो समझदारी से विचार करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक समझदार विचारक”

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 10:8 (#2)

יִקַּח מִצְוֹת

“आज्ञाओं को स्वीकार करता है”

यहाँ सुलैमान **आज्ञाओं** का पालन करने का सन्दर्भ देते हैं जैसे कि वे वस्तुएँ हों जिन्हें कोई व्यक्ति **स्वीकार** करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “आज्ञाओं का पालन करते हैं”

देखें: रूपक

नीतिवचन 10:8 (#3)

מִצְוֹת

“आज्ञाओं”

सुलैमान का अर्थ है कि **बुद्धिमान** लोग अच्छे **आज्ञाओं** का पालन करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उत्तम आदेश”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 10:8 (#4)

וְאֱוִיל שְׂשֹׂפְתַיִם

“परन्तु जो बकवादी मूर्ख है”

यहाँ, **बकवादी मूर्ख** उस व्यक्ति को सन्दर्भित करता है जो मूर्खतापूर्ण बातें करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अपनी भाषा में एक समान अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “लेकिन एक बकबक करने वाला मूर्ख” या “लेकिन जो मूर्खतापूर्ण बातें करता है”

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 10:8 (#5)

יִלָּבֵט

“उसका नाश होता है”

मूल भाषा में यह वाक्यांश निष्क्रिय रूप में लिखा गया है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में यह वाक्यांश सक्रीय रूप में लिखा गया है। यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: “आप स्वयं को नीचे फेंक देंगे”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 10:8 (#6)

יִלָּבֵט

“उसका नाश होता है”

मूल भाषा में यहाँ **नीचे फेंक दिया जाएगा** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **उसका नाश होता है** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। यहाँ सुलैमान एक व्यक्ति के जीवन के बर्बाद या नष्ट होने का सन्दर्भ देते हैं, जैसे कि उस व्यक्ति को **नीचे फेंक दिया** गया हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इस अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “नष्ट किया जाएगा” या “बेकार कर दिया जाएगा”

देखें: रूपक

नीतिवचन 10:9 (#1)

“जो खराई से चलता है”

देखें कि आपने 2:7 में “खराई से चलता है” वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया।

देखें: रूपक

नीतिवचन 10:9 (#2)

“वह निडर चलता है”

देखें कि आपने **चलता है** के समान उपयोग का 3:23 में किस प्रकार अनुवाद किया।

देखें: रूपक

नीतिवचन 10:9 (#3)

“परन्तु जो टेढ़ी चाल चलता है”

देखें कि आपने “मार्ग” और **टेढ़ी** के समान उपयोग का 2:15 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 10:9 (#4)

יִוָּדֵעַ

“प्रगट हो जाती है”

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: “लोग जानेंगे” या “परमेश्वर जानेंगे”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 10:9 (#5)

יִוָּדֵעַ

“प्रगट हो जाती है”

यहाँ, **प्रगट** का अर्थ है वह **जो टेढ़ी चाल चलता है** उसका पता चलना या खोजा जाना। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “पता चल जाएगा” या “खोजा जाएगा”।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 10:10 (#1)

“जो नैन से सैन करके”

देखें कि आपने इसी वाक्यांश का अनुवाद 6:13में कैसे किया है।

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

नीतिवचन 10:10 (#2)

יִתֵּן עַצָּבֶת

“औरों को दुःख होता है”

यहाँ सुलैमान लोगों को **दुःख** या दर्द महसूस कराने की बात करते हैं, जैसे **दुःख** कोई वस्तु हो जिसे कोई किसी और को दे सकता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “दर्द का कारण बनता है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 10:10 (#3)

“और जो बकवादी मूर्ख है, उसका नाश होगा”

देखें कि आपने लगभग समान खण्ड का अनुवाद 10:8 में किस प्रकार किया है।

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 10:11 (#1)

מְקוֹר חַיִּים

“जीवन का सोता”

यहाँ सुलैमान एक **सोता** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं जो **जीवन** देता है। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक फव्वारा जो जीवन देता है”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 10:11 (#2)

מְקוֹר חַיִּים

“जीवन का सोता”

यहाँ सुलैमान **धर्मी के मुँह** की बात कर रहे हैं जैसे कि वह **जीवन का सोता** हो। उनका मतलब है कि जो एक **धर्मी** व्यक्ति कहते हैं, वह किसी व्यक्ति के **जीवन** के लिए लाभकारी होता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कुछ जो व्यक्ति के जीवन को लाभ पहुँचाता है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 10:11 (#3)

פִּי

“का मुँह”

इस वचन में, **मुँह** उस चीज़ को सन्दर्भित करता है जो व्यक्ति अपने **मुँह** का उपयोग करके कहता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “का वचन है”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 10:11 (#4)

“परन्तु दुष्टों के मुँह में उपद्रव छिपा रहता है”

देखें कि आपने 10:6 में उसी खण्ड का अनुवाद कैसे किया।

देखें: रूपक

नीतिवचन 10:12 (#1)

שִׂנְאָה תְּעוֹרֵר מְדָנִים

“बैर से तो झगड़े उत्पन्न होते हैं”

यहाँ सुलैमान **बैर** के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे यह एक जीवित चीज़ हो जो **झगड़े** उत्पन्न कर सकती है। उनका मतलब है कि जो लोग बैर करते हैं, वे **झगड़े** उत्पन्न करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "घृणास्पद होना किसी को झगड़े भड़काने का कारण बनता है"

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 10:12 (#2)

וְעַ֥ל כָּל־פְּשָׁעִ֖ים תְּכַסֶּ֣ה אַהֲבָ֑ה

"परन्तु प्रेम से सब अपराध ढँप जाते हैं"

यहाँ सुलैमान **प्रेम** के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे यह एक जीवित वस्तु हो जो **अपराध** को ढक सकती है। उनका मतलब है कि जो लोग प्रेम करते हैं, वे **अपराध** को क्षमा करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन घृणा करना किसी को अपराधों को क्षमा करने से रोकता है।"

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 10:12 (#3)

פְּשָׁעִ֖ים

"अपराध"

यदि आपकी भाषा में **अपराध** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। यहाँ, **अपराध** का तात्पर्य लोगों के खिलाफ किए गए अपराधों से है। वैकल्पिक अनुवाद: "जो लोग दूसरों को नुकसान पहुँचाने के लिए कार्य करते हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 10:13 (#1)

בִּשְׂפָתֵ֥י נָ֖בוֹן

"समझवालों के वचनों में"

यहाँ सुलैमान उस व्यक्ति के **वचनों** पर एक वस्तु के रूप में एक **समझवाले** व्यक्ति द्वारा कही गई बात का उल्लेख करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो एक विवेकी व्यक्ति कहते हैं उसमें"

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 10:13 (#2)

תִּמָּצֵ֥א חָכְמָ֑ה

"बुद्धि पाई जाती है"

यहाँ सुलैमान **बुद्धि** के अस्तित्व का उल्लेख करते हैं जैसे कि यह एक वस्तु हो जिसे पाया जा सकता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बुद्धि का अस्तित्व है" या "बुद्धि है"

देखें: रूपक

नीतिवचन 10:13 (#3)

"बुद्धि"

देखें कि आपने **बुद्धि** जैसी भाववाचक संज्ञा का 1:2 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 10:13 (#4)

וְ֝שֵׁ֗בֶט לְגַ֥ו

"परन्तु ...की पीठ के लिये कोड़ा है"

वाक्यांश **पीठ के लिये कोड़ा** एक प्रकार के दण्ड को सन्दर्भित करता है जिसमें **पीठ** पर **कोड़ा** से किसी व्यक्ति को पीटा जाता था। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप शारीरिक दण्ड के लिए एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन शारीरिक दण्ड ...के लिए है"

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 10:13 (#5)

"निर्बुद्धि"

देखें कि आपने **निर्बुद्धि** का 6:32 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 10:14 (#1)

"संग्रह करते है"

देखें कि आपने **संग्रह करते है** का अनुवाद 2:1 में कैसे किया।

देखें: रूपक

नीतिवचन 10:14 (#2)

"ज्ञान"

देखें कि आपने भाववाचक संज्ञा **ज्ञान** का 1:4 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 10:14 (#3)

"परन्तु मूर्ख के बोलने से"

मूल भाषा में यहाँ **परन्तु मूर्ख के मुँह से** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **परन्तु मूर्ख के बोलने से** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। देखें कि आपने **मुँह** का उपयोग 10:11 में कैसे अनुवाद किया।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 10:14 (#4)

מְחִתָּ֥תָה קְרֹבָ֑ה

"विनाश होता है"

मूल भाषा में यहाँ **परन्तु मूर्ख का मुँह विनाश के निकट है** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **परन्तु मूर्ख के**

बोलने से विनाश होता है वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। यहाँ सुलैमान इस बारे में बात करते हैं कि एक **मूर्ख** क्या कहता है जो **विनाश** का कारण बनता है, जैसे कि उस मूर्ख का **मुँह विनाश के निकट** हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "विनाश का कारण बनता है"

देखें: रूपक

नीतिवचन 10:15 (#1)

קִרְיַת עֻזּוֹ

"उसका दृढ़ नगर है"

वाक्यांश **उसका दृढ़ नगर है** एक मुहावरा है जो एक **नगर** को सन्दर्भित करता है जिसकी दीवारें अन्दर के लोगों की रक्षा करती हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक दीवारों वाला नगर" या "एक मजबूत दीवारों वाला नगर"

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 10:15 (#2)

קִרְיַת עֻזּוֹ

"उसका दृढ़ नगर है"

यहाँ सुलैमान **धन** का उल्लेख करते हैं, जो उसके मालिकों को सुरक्षित रहने में सक्षम बनाता है, जैसे कि यह एक मजबूत **नगर** हो जो उनकी रक्षा करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनकी सुरक्षा है"

देखें: रूपक

नीतिवचन 10:15 (#3)

מְחִתַּת דַּלִּים רִישָׁם

"कंगाल की निर्धनता उसके विनाश का कारण हैं"

यह खण्ड पिछले खण्ड के साथ तीव्र विरोध में है। आपके अनुवाद में, इस तीव्र विरोध को अपनी भाषा में स्वाभाविक तरीके से दर्शाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: "इसके विपरीत, दीन लोगों का विनाश उनकी गरीबी है।"

देखें: जोड़ें — विरोधाभास सम्बन्ध

नीतिवचन 10:15 (#4)

דַּלִּים

"कंगाल"

वाक्यांश **कंगाल** उन दरिद्र व्यक्तियों को सन्दर्भित करता है जैसे कि वे उन व्यक्तियों की तुलना में एक स्थान पर स्थित हैं जो दरिद्र नहीं हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे लोग जो दरिद्र हैं"

देखें: रूपक

नीतिवचन 10:15 (#5)

"की निर्धनता"

देखें कि आपने **निर्धनता** जैसी भाववाचक संज्ञा का 6:11 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 10:16 (#1)

פְּעֻלַּת

"लाभ"

यहाँ सुलैमान उस पुरस्कार के बारे में बात करते हैं जो **धर्मी** को मिलता है, जैसे कि यह एक **लाभ** हो जो कोई प्रदान करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "के लिए पुरस्कार"

देखें: रूपक

नीतिवचन 10:16 (#2)

צַדִּיק & רָשָׁע

"धर्मी" - "दुष्ट"

वाक्यांश **धर्मी** और **दुष्ट** सामान्य रूप में लोगों के प्रकारों का प्रतिनिधित्व करते हैं, न कि किसी विशेष **धर्मी** व्यक्ति या **दुष्ट** व्यक्ति को। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी धार्मिक व्यक्ति ... कोई भी दुष्ट व्यक्ति"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 10:16 (#3)

לְחַיִּים & לְחַטָּאת

"जीवन की ओर ले जाता है"

इस वचन में, **की ओर** वाक्यांश यह संकेत करता है कि जो आगे आता है वह पहले बताए गए का परिणाम है। परिणाम को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "जीवन की ओर ले जाता है ... पाप की ओर ले जाता है" या "जीवन में परिणत होता है ... पाप में परिणत होता है।"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

नीतिवचन 10:16 (#4)

"जीवन की ओर"

यहाँ, **जीवन** एक दीर्घायु का सन्दर्भ देता है। यदि यह आपके भाषा के लिए सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "दीर्घायु के लिए है" "लम्बे समय तक जीने के लिए है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 10:16 (#5)

תְּבוּאַת רָשָׁע לְחַטָּאת

"दुष्ट का लाभ पाप की ओर ले जाता है"

यह खण्ड पिछले खण्ड के साथ एक स्पष्ट विरोधाभास प्रस्तुत करता है। विरोधाभास को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक

तरीका अपनाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: “इसके विपरीत, दुष्ट व्यक्ति की आय पाप की ओर ले जाती है।”

देखें: जोड़ें — विरोधाभास सम्बन्ध

नीतिवचन 10:16 (#6)

תְּבוּאַת

“का लाभ”

यहाँ सुलैमान उस प्रतिफल या दण्ड की बात कर रहे हैं जो **दुष्ट** व्यक्ति को मिलता है, जैसे कि यह **लाभ** हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “के लिए प्रतिफल”

देखें: रूपक

नीतिवचन 10:16 (#7)

לְחַטָּאת

“पाप की ओर ले जाता है”

यहाँ, **पाप** का अर्थ हो सकता है: (1) वह दण्ड जो किसी को **पाप** के लिए मिलता है, जैसा कि इस वाक्यांश और पिछले वाक्यांश के बीच के विरोधाभासी समानांतरता से संकेत मिलता है। वैकल्पिक अनुवाद: “पाप के लिए दण्ड है” (2) **पाप** स्वयं। वैकल्पिक अनुवाद: “पाप को और अधिक करना है”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 10:17 (#1)

“मार्ग पर”

देखें कि आपने **मार्ग** का अनुवाद 8:20 में कैसे किया।

देखें: रूपक

नीतिवचन 10:17 (#2)

לְחַיִּים

“ जीवन ... पर”

यहाँ, **पर** यह संकेत करता है कि आगे जो कुछ भी है वह **शिक्षा** का पालन करने का परिणाम है। परिणाम को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: “जो जीवन की ओर ले जाता है” या “जो जीवन में परिणत होता है”

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

नीतिवचन 10:17 (#3)

“शिक्षा”

देखें कि आपने 1:2 में भाववाचक संज्ञा **शिक्षा** और 1:25 में **डाँट** का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 10:17 (#4)

“परन्तु जो ... मुँह मोड़ता”

देखें कि आपने 1:8 में “**मुँह मोड़ता**” के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 10:17 (#5)

מַתְעֶה

“वह भटकता है”

यहाँ सुलैमान उस व्यक्ति का उल्लेख करते हैं जो जानबूझकर दुष्ट कार्य कर रहा है, जिससे उसका विनाश होगा, जैसे वह व्यक्ति मार्ग से भटक रहा हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “ऐसा कार्य करता है जिससे उसका विनाश होगा।”

देखें: रूपक

नीतिवचन 10:18 (#1)

“जो ... छिपा रखता है”

देखें कि आपने **छिपा रखता है** के उसी उपयोग का 10:6 में किस प्रकार अनुवाद किया।

देखें: रूपक

नीतिवचन 10:18 (#2)

שִׂפְתֵי־שָׁקֶר

“वह झूठ बोलता है”

मूल भाषा में यहाँ **उसके होंठ झूठ बोलते हैं** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **वह झूठ बोलता है** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। यहाँ सुलैमान **झूठ** से विशेषित **होंठ** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं होता, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “झूठे होंठ हैं”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 10:18 (#3)

שִׂפְתֵי

“के होंठ हैं”

मूल भाषा में यहाँ **उसके होंठ झूठ बोलते हैं** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **वह झूठ बोलता है** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। यहाँ, **होंठ** से तात्पर्य उन लोगों से है जो अपने **होंठ** हिलाकर कुछ कहते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “बोलता है”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 10:18 (#4)

הֹרֵא

“वह”

हालांकि **वह** शब्द पुल्लिंग है, सुलैमान इस शब्द का उपयोग एक सामान्य अर्थ में कर रहे हैं जो किसी पुरुष या महिला को सन्दर्भित कर सकता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक ऐसा वाक्यांश उपयोग कर सकते हैं जो इसे स्पष्ट करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "वह व्यक्ति"

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियां भी शामिल होते हैं

नीतिवचन 10:19 (#1)

בְּרֹ֣ב דְּבָרִ֑ים

"जहाँ बहुत बातें होती हैं"

यहाँ सुलैमान का अर्थ है कि कोई **बहुत बातें** बोल रहा है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब कोई बहुत सारे शब्द बोलता है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 10:19 (#2)

"अपराध"

देखें कि आपने 10:12 में "अपराध" का अनुवाद कैसे किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 10:19 (#3)

לֹ֥א יֶחְדַּ֖ל

"भी होता है"

मूल भाषा में यहाँ **अपराध बन्द नहीं होता** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **वहाँ अपराध भी होता है** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। सुलैमान यहाँ एक अलंकार का उपयोग कर रहे हैं जो एक नकारात्मक शब्द, **नहीं**, का उपयोग करके एक अत्यधिक सकारात्मक अर्थ व्यक्त करता है, साथ ही एक ऐसी अभिव्यक्ति के साथ जो इच्छित अर्थ, त्यागना, के विपरीत है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप सकारात्मक अर्थ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जारी रखता है"।

देखें: कटाक्षपूर्ण उक्ति (लाइटोटीज़)

नीतिवचन 10:19 (#4)

וְחֹשֵׂ֥ךְ שְׂפָתָ֖יו

"परन्तु जो अपने मुँह को बन्द रखता है"

यह वाक्यांश एक मुहावरा है जो किसी ऐसे व्यक्ति को सन्दर्भित करता है जो खुद को बोलने से रोकते हैं। यदि यह सहायक होगा, तो आप अपनी भाषा से एक समकक्ष मुहावरा उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन जो अपना मुँह बन्द रखते हैं" या "लेकिन जो खुद को बोलने से रोकते हैं"

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 10:20 (#1)

כֶּ֣סֶף נִבְחָ֑ר

"उत्तम चाँदी हैं"

यहाँ सुलैमान धर्मी लोगों की बातों के मूल्य के बारे में बताते हैं, जैसे कि वे सबसे उत्तम गुणवत्ता की **चाँदी** हों। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे या एक उपमा का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अत्यधिक मूल्यवान" या "चुनिंदा चाँदी के समान"

देखें: रूपक

नीतिवचन 10:20 (#2)

"के वचन"

मूल भाषा में यहाँ **धर्मी की जीभ** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **धर्मी के वचन** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। देखें कि आपने **जीभ** के उसी उपयोग का 6:17 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 10:20 (#3)

"धर्मी के वचन तो"

देखें कि आपने **धर्मी** को 10:16 में किस प्रकार अनुवादित किया।

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 10:20 (#4)

לֵ֣ב רְשָׁעִ֗ים כְּמְעָ֫ט

"दुष्टों का मन बहुत"

यह खण्ड पिछले खण्ड के साथ एक स्पष्ट विरोधाभास प्रस्तुत करता है। विरोधाभास को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: "इसके विपरीत, दुष्टों का हृदय संकीर्ण होता है।"

देखें: जोड़ें — विरोधाभास सम्बन्ध

नीतिवचन 10:20 (#5)

"का मन"

देखें कि आपने **मन** के समान उपयोग का 2:2 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 10:20 (#6)

כְּמְעָ֫ט

"बहुत हलका होता है"

यहाँ, **बहुत हलका होता है** का मतलब है **कम** मूल्य होना। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कम मूल्य है" या "मूल्यवान नहीं है"।

देखें: उपमा

नीतिवचन 10:21 (#1)

שִׂפְתֵ֥י

"के वचनों"

मूल भाषा में यहाँ **धर्मी के होंठ** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **धर्मी के वचनों** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। यहाँ, **होंठ** का मतलब उन लोगों से है जो अपने **होंठ** हिलाकर बातें करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "की बोली"

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 10:21 (#2)

"धर्मी"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 10:16 में किस प्रकार किया है।

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 10:21 (#3)

יִרְעֻ֫

"पालन-पोषण"

यहाँ सुलैमान इस बारे में बात करते हैं कि **धर्मी** लोग कैसे लोगों को लाभ पहुँचाने के लिए बोलते हैं, जैसे कि उनके शब्द सुनने वालों का पालन-पोषण करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सहायता"

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 10:21 (#4)

בַּחֲסַר־לֵ֫ב יָמוּתוּ

"बुद्धिहीनता के कारण मर जाते हैं"

यहाँ, **के कारण** यह संकेत करता है कि जो इसके बाद आता है वह मूर्ख लोगों **की मृत्यु** का कारण है। अपनी भाषा में कारण को इंगित करने का सबसे स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "समझ की कमी के कारण मर जाते हैं"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

नीतिवचन 10:21 (#5)

"बुद्धिहीनता"

देखें कि आपने **बुद्धिहीनता** के समान उपयोग का 6:32 में किस प्रकार अनुवाद किया।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 10:22 (#1)

"और वह उसके साथ दुःख नहीं मिलाता"

जिस शब्द का अनुवाद **दुःख** के रूप में किया गया है, उसका अर्थ "परिश्रम" भी हो सकता है। कुछ विद्वानों का मानना है कि यह शब्द **नहीं मिलाता** वाक्यांश का विषय है। यदि आपके क्षेत्र में बाइबल का अनुवाद उपलब्ध है, तो आप उस पठन का उपयोग कर सकते हैं जो यह उपयोग करता है। यदि आपके क्षेत्र में बाइबल का अनुवाद उपलब्ध नहीं है, तो आप अनफोल्डिंग वर्ड लिट्रल ट्रान्सलेशन के पठन का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और परिश्रम इसमें नहीं जोड़ता" या "और कठिन काम इसमें अधिक धन नहीं जोड़ता"

देखें: पाठ्य भिन्नताएँ

नीतिवचन 10:23 (#1)

כִּשְׂחֹ֫ק לִ֥כְסִיל עֲשׂ֥ות זִמָּ֑ה

"मूर्ख को तो महापाप करना हँसी की बात जान पड़ती है"

सुलैमान कह रहे हैं कि **महापाप करना हँसी की बात** के समान है क्योंकि **मूर्ख** व्यक्ति इसका आनन्द लेते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "दुष्ट योजना बनाना मूर्ख व्यक्ति के लिए हँसी के समान मजेदार है।"

देखें: उपमा

नीतिवचन 10:23 (#2)

וְ֝חָכְמָ֗ה לְאִ֥אישׁ תְּבוּנָֽה

"परन्तु समझवाले व्यक्ति के लिए बुद्धि प्रसन्नता का विषय है"

सुलैमान इस खण्ड में कुछ शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक खण्ड को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में इसे स्पष्ट करने के लिए इन शब्दों को पिछले खण्ड से लिया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन समझदार पुरुषों के लिए बुद्धिमत्ता हंसी के समान होती है।"

देखें: पदलोप

नीतिवचन 10:23 (#3)

"परन्तु ... बुद्धि" - "समझवाले"

देखें कि आपने **बुद्धि** और **समझ** जैसी भाववाचक संज्ञाओं का 1:2 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 10:23 (#4)

לְאִ֥אישׁ תְּבוּנָֽה

"समझवाले व्यक्ति के लिए"

हालांकि **व्यक्ति** पुल्लिंग है, यहाँ यह किसी भी व्यक्ति को सन्दर्भित करता है जिसके पास **समझ** है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "समझ रखने वाले व्यक्ति के लिए"

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियां भी शामिल होते हैं

नीतिवचन 10:23 (#5)

לְאִ֥אישׁ תְּבוּנָֽה

"समझवाले व्यक्ति के लिए"

यहाँ सुलैमान **समझ** से युक्त **व्यक्ति** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "समझदार व्यक्ति के लिए" या "ऐसे व्यक्ति के लिए जो समझ रखते हैं"

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 10:24 (#1)

מְגוֹרַרַת

“विपत्ति से”

यदि आपकी भाषा **विपत्ति** के विचार के लिए एक भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं करती है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह जो भय उत्पन्न करता है”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 10:24 (#2)

רָשָׁע הִיא תְבוֹאֶנּוּ

“दुष्ट जन, वह उस पर आ पड़ती है”

इस वचन में, **दुष्ट** व्यक्ति और **उस** सामान्य रूप में **दुष्ट** लोगों को सन्दर्भित करते हैं। देखें कि आपने **दुष्ट** व्यक्ति का अनुवाद 3:33 में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: “किसी भी दुष्ट व्यक्ति ..., यह उस व्यक्ति के पास आएगा।”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 10:24 (#3)

הִיא תְבוֹאֶנּוּ

“वह उस पर आ पड़ती है”

यहाँ सुलैमान किसी के **विपत्ति** का अनुभव करने की बात करते हैं जैसे **विपत्ति** एक जीवित चीज हो जो किसी के पास **आ पड़ती है**। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यह उनके साथ होगा”

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 10:24 (#4)

יִתֵּן

“पूरी होती है”

सुलैमान कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उन्हें दिया जाएगा।”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 10:24 (#5)

יִתֵּן

“पूरी होती है”

मूल भाषा में यह वाक्यांश निष्क्रिय रूप में लिखा गया है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में यह वाक्यांश सक्रीय रूप में लिखा गया है। यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। सन्दर्भ यह संकेत देता है कि यहोवा यह कार्य करेंगे। वैकल्पिक अनुवाद: “यहोवा देंगे”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 10:25 (#1)

כַּעֲבֹר סְסוּפָה

“बवण्डर के समान है, जो गुजरते ही लोप हो जाता है”

यह सन्दर्भित कर सकता है: (1) कोई भी विनाशकारी घटना। वैकल्पिक अनुवाद: “एक विपत्ति के घटित होने पर” या “जब कोई विपत्ति होती है” (2) एक तूफान। वैकल्पिक अनुवाद: “जब कोई तूफान आता है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 10:25 (#2)

וְאֵין רָשָׁע

“दुष्ट जन ...जो गुजरते ही लोप हो जाता है”

मूल भाषा में यहाँ **और** शब्द का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **जो** शब्द का प्रयोग हुआ है। यहाँ अनुवादित **और** शब्द यह संकेत करता है कि जिस घटना को यह प्रस्तुत करता है, वह पिछली धारा में उल्लिखित घटना के साथ ही हुई थी। अपनी भाषा में एक घटना को प्रस्तुत करने के लिए एक स्वाभाविक रूप का उपयोग करें जो किसी अन्य घटना के साथ हुई हो। वैकल्पिक अनुवाद: “उस समय कोई दुष्ट नहीं था”

देखें: जोड़े — समकालिक समय सम्बन्ध

नीतिवचन 10:25 (#3)

וְאֵין רָשָׁע

“दुष्ट जन ...लोप हो जाता है”

यहाँ सुलैमान का मतलब है कि **बवण्डर** ने हर **दुष्ट जन** को उड़ा दिया। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और कोई दुष्ट व्यक्ति नहीं है क्योंकि बवण्डर ने उन्हें उड़ा दिया।”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 10:25 (#4)

וְצַדִּיק

“परन्तु धर्मी”

सुलैमान सामान्य रूप में **धर्मी** लोगों के बारे में बात कर रहे हैं, किसी विशेष **धर्मी** व्यक्ति के बारे में नहीं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप एक अधिक स्वाभाविक वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “परन्तु कोई भी धर्मी व्यक्ति”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 10:25 (#5)

יְסוֹד עוֹלָם

“सदा स्थिर रहता है”

मूल भाषा में यहाँ **अनन्त काल का आधार** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **सदा स्थिर रहता है** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। यहाँ सुलैमान एक **धर्मी** व्यक्ति का सन्दर्भ देते हैं जो आपदाओं को सहन कर सकते हैं, जैसे कि वह व्यक्ति एक इमारत

की **नींव** {**आधार**} हो जिसे तूफान नुकसान नहीं पहुँचाते। यदि आपके पाठकों के लिए यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अनन्त काल तक सहन करते हैं" या "हमेशा के लिए बने रहते हैं"

देखें: रूपक

नीतिवचन 10:25 (#6)

יְסוֹד עוֹלָם

"अनंतता की आधारशिला है"

मूल भाषा में यहाँ **अनन्त काल का आधार** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **सदा स्थिर रहता है** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। यहाँ सुलैमान एक **नींव** {**आधार**}का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं जो **अनन्त काल** तक रहती है। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक अनन्त नींव है" या "एक नींव है जो अनन्त काल तक रहती है"

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 10:26 (#1)

כַּחֹמֶץ ׀ לַשִּׁנַּיִם וְכָעָשָׁן לָעֵינָיִם

"जैसे दाँत को सिरका, और आँख को धुआँ"

सुलैमान कह रहे हैं कि **आलसी** व्यक्ति **दाँत को सिरका, और आँख को धुआँ** के समान है क्योंकि **सिरका दाँतों** को कष्ट देता है और **धुआँ आँखों** को कष्ट देता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसे सिरका दाँतों को कष्ट देता है और धुआँ आँखों को कष्ट देता है"

देखें: उपमा

नीतिवचन 10:26 (#2)

הָעֹצֵל לְשֹׁלְחָיו

"वैसे आलसी उनको लगता है जो उसको कहीं भेजते हैं"

इस वचन में, **आलसी** व्यक्ति और **उसे** शब्द सामान्यतः **आलसी** लोगों को सन्दर्भित करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वैसे ही कोई भी आलसी व्यक्ति उस व्यक्ति के प्रति वैसा ही है जो उसे भेजता है"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 10:26 (#3)

לְשֹׁלְחָיו

"जो उसको कहीं भेजते हैं"

यहाँ सुलैमान का मतलब है कि **आलसी** व्यक्ति को उस व्यक्ति के लिए कुछ काम करने के लिए भेजा गया था जिसने उसे भेजा था। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जिसने उसे काम करने के लिए भेजा"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 10:27 (#1)

"यहोवा के भय मानने से"

देखें कि आपने **यहोवा का भय** को 1:7 में कैसे अनुवाद किया।

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 10:27 (#2)

יִרְאַת יְהוָה תּוֹסִיף יָמִים

"आयु बढ़ती है"

यहाँ सुलैमान **यहोवा के भय** के बारे में बात करते हैं जैसे कि यह किसी व्यक्ति के जीवन में **आयु बढ़ा** सकता है। उनका मतलब है कि **यहोवा** का भय रखने से व्यक्ति एक लम्बा जीवन जी सकता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "का परिणाम दिनों का जुड़ना होगा"

देखें: रूपक

नीतिवचन 10:27 (#3)

תּוֹסִיף יָמִים

"आयु बढ़ती है"

यहाँ सुलैमान का मतलब है कि **आयु** किसी व्यक्ति के जीवन की अवधि में बढ़ाए जाते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "किसी व्यक्ति के जीवन की अवधि में दिन बढ़ा देगा"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 10:27 (#4)

וּשְׁנוֹת רְשָׁעִים

"परन्तु दुष्टों का जीवन"

यहाँ सुलैमान **जीवन** का उपयोग उस समय की अवधि को सन्दर्भित करने के लिए करते हैं जो एक व्यक्ति जीता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परन्तु दुष्टों का जीवनकाल"

देखें: रूपक

नीतिवचन 10:28 (#1)

תּוֹחֶלֶת & שִׂמְחָה

"आशा" - "आनन्द"

यदि आपकी भाषा में **आशा** और **आनन्द** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप इन्हीं विचारों को अन्य तरीकों से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जिसकी आशा की जाती है ... वही आनन्द प्रदान करता है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 10:28 (#2)

“आनन्द”

इसका अर्थ हो सकता है: (1) **आशा** का परिणाम **आनन्द** होता है। वैकल्पिक अनुवाद: “आनन्द में परिणति” (2) **आनन्द** वह है जिसकी **धर्मी** लोग आशा करते हैं, जैसा कि अनफोल्डिंग वर्ड लिट्रल ट्रान्सलेशन में है।

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

नीतिवचन 10:28 (#3)

וְתִקְוַ֥ת רְשָׁעִ֖ים תֹּאבֵֽד

“परन्तु दुष्टों की आशा टूट जाती है”

यहाँ सुलैमान **दुष्टों** की अधूरी अपेक्षाओं के बारे में बात करते हैं, जैसे कि उनकी **आशा टूट जाती है**। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “लेकिन दुष्टों की अपेक्षाएँ अधूरी रह जाएँगी”

देखें: रूपक

नीतिवचन 10:29 (#1)

מָעוֹז

“गढ़”

मूल भाषा में यहाँ **यहोवा का मार्ग खराई से चलनेवालों के लिये दृढ़ गढ़ है** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **यहोवा खरे मनुष्य का गढ़ ठहरता है** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। यहाँ सुलैमान **यहोवा के मार्ग** का उल्लेख करते हैं, जो लोगों की रक्षा करता है जैसे कि यह एक **दृढ़ गढ़** हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “सुरक्षा”

देखें: रूपक

नीतिवचन 10:29 (#2)

“खरे मनुष्य” - “अनर्थकारियों”

देखें कि आपने भाववाचक संज्ञा **खरे** का 1:3 और **अनर्थकारियों** का 6:12 में किस प्रकार अनुवाद किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 10:29 (#3)

“यहोवा का मार्ग है”

मूल भाषा में यहाँ **यहोवा का मार्ग खराई से चलनेवालों के लिये दृढ़ गढ़ है** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **यहोवा खरे मनुष्य का गढ़ ठहरता है** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। यहाँ, **मार्ग** उस कार्य को सन्दर्भित करता है जो **यहोवा** करते हैं, या उनका आचरण। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यह वह है जो यहोवा करते हैं” या “यह यहोवा का आचरण है”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 10:29 (#4)

“परन्तु...विनाश”

सुलैमान कुछ ऐसे शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप इन शब्दों को पिछले वाक्य से जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “लेकिन यहोवा का मार्ग विनाश की ओर ले जाता है।”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 10:30 (#1)

“धर्मी”

देखें कि आपने उसी वाक्यांश का अनुवाद 9:9 में किस प्रकार किया है।

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 10:30 (#2)

בַּל־יִמּ֥וֹט

“सदा अटल रहेगा”

मूल भाषा में यहाँ **धर्मी जन सदा काल तक नहीं डगमगाता** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **धर्मी सदा अटल रहेगा** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। सुलैमान यहाँ एक अलंकार का उपयोग कर रहे हैं, जिसमें एक नकारात्मक शब्द, **नहीं**, का उपयोग करके अत्यधिक सकारात्मक अर्थ व्यक्त किया गया है, जो इच्छित अर्थ के विपरीत है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप सकारात्मक अर्थ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “सुरक्षित रहेगा”

देखें: कटाक्षपूर्ण उक्ति (लाइटोटीज़)

नीतिवचन 10:30 (#3)

“पृथ्वी”

देखें कि आपने **पृथ्वी** के समान उपयोग का अनुवाद 2:21 में किस प्रकार किया है।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 10:31 (#1)

“धर्मी के मुँह से”

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 10:11 में किस प्रकार किया।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 10:31 (#2)

יָנוּב חָכְמָה

“बुद्धि टपकती है”

मूल भाषा में यहाँ **धर्मी के मुँह से बुद्धि का फल निकलता है** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **धर्मी के मुँह से बुद्धि टपकती है** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। यहाँ सुलैमान एक **धर्मी** व्यक्ति का उल्लेख करते हैं जो समझदारी की बातें करते हैं, जैसे **बुद्धि** एक **फल** हो जिसे एक पौधा **फल निकलता** है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे या एक उपमा का उपयोग करके

व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “बुद्धिमत्ता की बातें करते हैं” या “बुद्धिमत्ता की बातें करते हैं जैसे एक पौधा फल उपजाता है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 10:31 (#3)

“पर ...की जीभ”

देखें कि आपने **जीभ** का 6:17 में उसी प्रकार अनुवाद कैसे किया।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 10:31 (#4)

תִּכָּרֵת

“काटी जाएगी”

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। सन्दर्भ यह संकेत करता है कि यहोवा यह कार्य करेंगे। वैकल्पिक अनुवाद: “यहोवा काट देंगे”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 10:31 (#5)

תִּכָּרֵת

“काटी जाएगी”

यहाँ सुलैमान **उलट-फेर की बात कहनेवाले** के बारे में बात करते हैं कि उन्हें बोलने की अनुमति नहीं दी जाएगी, जैसे कि उनकी **जीभ काटी जाएगी**। उनका मतलब यह नहीं है कि वास्तव में उनकी **जीभ काट दी** गई होगी। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “बोलने की अनुमति नहीं दी जाएगी” या “रोक दिया जाएगा”

देखें: अतिशयोक्ति

नीतिवचन 10:32 (#1)

“धर्मी ग्रहणयोग्य बात”

देखें कि आपने इस वाक्यांश का 10:21 में कैसे अनुवाद किया।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 10:32 (#2)

יֵדְעוּן רָצוֹן

“ग्रहणयोग्य बात समझकर”

मूल भाषा में यहाँ **धर्मी के होंठ अनुग्रह को जानते हैं** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **धर्मी ग्रहणयोग्य बात समझकर बोलता है** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। यहाँ सुलैमान एक **धर्मी** व्यक्ति के बारे में बात करते हैं जो मनभावन बातें कहते हैं, जैसे कि उस व्यक्ति के **होंठ** वे लोग हों **जो ग्रहणयोग्य बात समझकर बोलते** हों। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अनुग्रह व्यक्त करें”

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 10:32 (#3)

“अनुग्रह”

मूल भाषा में यहाँ **धर्मी के होंठ अनुग्रह को जानते हैं** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **धर्मी ग्रहणयोग्य बात समझकर बोलता है** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। देखें कि आपने **अनुग्रह** का 3:4 में किस प्रकार अनुवाद किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 10:32 (#4)

וּפִ֥י רְשָׁעִ֖ים תִּהְפֻּכוֹת

“परन्तु दुष्टों के मुँह से उलट-फेर की बातें निकलती हैं”

सुलैमान कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप इन शब्दों को पिछले वाक्य से जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “लेकिन दुष्टों का मुँह विकृत बातें बोलता है” या “लेकिन दुष्टों का मुँह विकृत बातें व्यक्त करता है”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 10:32 (#5)

“परन्तु दुष्टों के मुँह”

देखें कि आपने इस वाक्यांश का 10:6 में अनुवाद कैसे किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 11:1 (#1)

מֹאזְנֵ֣י מִרְמָ֗ה תּוֹעֲבַ֤ת & וְאֶבֶן שְׁלֵמָה֙

“के तराजू”- “परन्तु वह पूरे बटखरे”

सुलैमान का तात्पर्य यह नहीं है कि **यहोवा** वास्तव में इन **तराजू** से नफरत करता है या इस **पूरे बटखरे** से प्रसन्न होता है। बल्कि, उसका तात्पर्य यह है कि यहोवा इन तराजू का उपयोग करने वाले लोगों से नफरत करता है और लोगों द्वारा **पूरे बटखरे** का उपयोग करने से **प्रसन्न होता** है। यदि यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “तराजू का उपयोग ... लेकिन पूरे बटखरे का उपयोग”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 11:1 (#2)

מֹאזְנֵ֣י מִרְמָ֗ה

“छल के तराजू”

तराजू किसी वस्तु का वजन निर्धारित करने या दो वस्तुओं के वजन की तुलना करने के लिए एक उपकरण को दर्शाता है। इसमें एक केंद्रीय स्तंभ होता है जिसके साथ एक अर्गला होता है जिससे दो पलड़े लटके होते हैं। एक पलड़े में वस्तु रखी जा सकती है और दूसरे पलड़े में ज्ञात वजन रखे जा सकते हैं जब तक कि अर्गला समतल न हो जाए, यह संकेत देता है कि दोनों पलड़े में समान वजन है। या एक पलड़े में एक वस्तु रखी जा सकती है और दूसरे पलड़े में एक अलग वस्तु; जो पलड़ा नीचे लटका होता है उसमें भारी वस्तु होती है। यदि आपके पाठक इस प्रकार के वजन

उपकरण से परिचित नहीं हैं, तो आप अपने क्षेत्र में किसी समान चीज़ का नाम उपयोग कर सकते हैं, या आप एक अधिक सामान्य शब्द का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "छल का तराजू" या "छल का तौलने का यंत्र"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

नीतिवचन 11:1 (#3)

מֹאזְנֵי מִרְמָה

"छल के तराजू"

यहाँ सुलैमान **छल** के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले **तराजू** का वर्णन करने के लिए अधिकारवाचक रूप का उपयोग कर रहा है। यदि आपकी भाषा में इसके लिए अधिकारवाचक रूप का उपयोग नहीं है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लोगों को धोखा देने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला तराजू" या "तराजू का उपयोग लोग दूसरों को धोखा देने के लिए करते हैं"

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 11:1 (#4)

"यहोवा को घृणा आती है"

देखिये कि आपने 3:32 में **यहोवा को घृणा** का अनुवाद कैसे किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 11:1 (#5)

"परन्तु वह पूरे बटखरे से"

यहाँ, **पूरा बटखरा** एक पत्थर को संदर्भित करता है जिसे लोग **तराजू** की एक जोड़ी पर वजन के रूप में उपयोग करते हैं जो **पूरी मात्रा** को सही रूप से तौलता है जो लोग उम्मीद करते हैं कि इसका वजन होगा। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन एक सही वजन" या "लेकिन एक पत्थर जो सही वजन तौलता है"

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 11:1 (#6)

"प्रसन्न होता है"

देखें कि आपने 8:30 में भाववाचक संज्ञा **प्रसन्नता** का अनुवाद कैसे किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 11:2 (#1)

בָּא־זָדוֹן וַיָּבֹא קָלָלוֹן

"जब अभिमान होता, तब अपमान भी होता है"

यहाँ सुलैमान एक ऐसे व्यक्ति की बात कर रहा है जो **अभिमान** के साथ काम करता है और **अपमान** का अनुभव करता है, जैसे कि **अभिमान** और **अपमान** जीवित चीजें हैं जो किसी के पास आती हैं। यदि यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब कोई अभिमान के साथ काम करता है, तो वह व्यक्ति अपमान का अनुभव करता है"

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 11:2 (#2)

בָּא־זָדוֹן

"अभिमान"

अगर आपकी भाषा में **अभिमान** के विचार के लिए भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं किया गया है, तो आप उसी विचार को दूसरे तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अभिमान करना"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 11:2 (#3)

וַיָּבֹא קָלָלוֹן

"तब अपमान भी होता है"

इस वाक्यांश की शुरुआत में **तब** अनुवादित शब्द यह दर्शाता है कि यह घटना पिछले वाक्यांश में वर्णित घटना के बाद हुई थी। घटनाओं के अनुक्रम में अगली घटना को पेश करने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक रूप का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "अपमान बाद में आता है"

देखें: जोड़ें — अनुक्रमिक समय सम्बन्ध

नीतिवचन 11:2 (#4)

"अपमान" - "बुद्धि होती है"

देखिये कि आपने 6:33 में भाववाचक संज्ञा **अपमान** और 1:2 में **बुद्धि** का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 11:3 (#1)

תֻּמַּת יְשָׁרִים תַּנְחֵם

"सीधे लोग अपनी खराई से अगुआई पाते हैं"

यहाँ सुलैमान **सीधे** के बारे में ऐसे बात कर रहा है मानो यह एक जीवित चीज़ हो जो किसी व्यक्ति का **मार्गदर्शन** कर सकती है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं या किसी उपमा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब सीधे लोग खराई से काम करते हैं, तो ऐसा करने से उन्हें पता चल जाएगा कि उन्हें क्या करना है" या "सीधे लोगों की खराई उनके लिए एक मार्गदर्शक की तरह है"

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 11:3 (#2)

"अपनी खराई से"

देखें कि आपने 1:3 में भाववाचक संज्ञा **विवेकपूर्ण** का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 11:3 (#3)

וְסֶלֶף בּוֹגְדִים יְשָׁדֵם

“परन्तु विश्वासघाती अपने कपट से नाश होते हैं”

यहाँ सुलैमान **विश्वासघाती** के बारे में ऐसे बात कर रहा है जैसे कि यह कोई जीवित चीज़ हो जो किसी व्यक्ति को **नाश** कर सकती है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं या उपमाओं का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “लेकिन जब विश्वासघाती लोग कुटिलता से काम करते हैं, तो ऐसा करना उन्हें नाश कर देगा” या “लेकिन विश्वासघातियों की कुटिलता उस व्यक्ति के समान है जो उन्हें नष्ट कर देता है”

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 11:3 (#4)

“कपट से”

देखें कि आपने 2:15 में “**कपट**” शब्द के समान प्रयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 11:4 (#1)

לֹא־יוֹעִיל הָהוֹן בְּיוֹם עֶבְרָה וּוּצְדָקָה תַּצִּיל מִמָּוֶת

“कोप के दिन धन से तो कुछ लाभ नहीं होता”

सुलैमान कुछ ऐसे शब्दों को छोड़ रहा है जो कई भाषाओं में इन दोनों खंडों को पूरा करने के लिए आवश्यक होंगे। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा तो आप इन शब्दों को संदर्भ से प्रस्तुत कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “क्रोध के दिन धन से तुम्हें कोई लाभ नहीं होगा, परन्तु धार्मिकता तुम्हें मृत्यु से बचाएगी” या “क्रोध के दिन धन से लोगों को कोई लाभ नहीं होगा, परन्तु धार्मिकता लोगों को मृत्यु से बचाएगी”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 11:4 (#2)

“लाभ नहीं होगा”

देखिये आपने 3:14 में **लाभ** शब्द का प्रयोग किस प्रकार किया है।

देखें: रूपक

Proverbs 11:4 (#3)

“कोप के दिन”

यहाँ, **कोप का दिन** उस समय को संदर्भित करता है जब परमेश्वर दुष्ट लोगों का न्याय करेगा। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यहोवा के न्याय के दिन”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 11:4 (#4)

וּוּצְדָקָה תַּצִּיל מִמָּוֶת

“परन्तु धर्म मृत्यु से भी बचाता है”

“यहाँ सुलैमान **धर्म** के बारे में बात करता है जो किसी व्यक्ति को **मृत्यु** से बचने में सक्षम बनाती है जैसे कि”“”**धर्म**** एक जीवित चीज़ थी जो उस व्यक्ति को **मृत्यु** से **बचा सकती** थी। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं या एक उपमा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “लेकिन धर्म किसी व्यक्ति को मृत्यु से बचाने में सक्षम बनाएगी” या “लेकिन धर्म किसी ऐसे व्यक्ति के समान है जो किसी व्यक्ति को मृत्यु से बचाता है”“

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 11:4 (#5)

“परन्तु धर्म” - “मृत्यु से”

देखिये आपने 1:3 में भाववाचक संज्ञा **धर्म** और 2:18 में **मृत्यु** का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञा

नीतिवचन 11:5 (#1)

“का ...धर्म” - “परन्तु ... अपनी दुष्टता के कारण”

देखिये आपने 1:3 में भाववाचक संज्ञा **धर्म** और 4:17 में **दुष्टता** का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 11:5 (#2)

תָּמִים

“खरे मनुष्य का”

वाक्यांश **खरा मनुष्य** सामान्य रूप से **खरे** लोगों का प्रतिनिधित्व करता है, न कि किसी एक विशेष **खरे व्यक्ति** का। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी खरा व्यक्ति”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 11:5 (#3)

תָּמִים

“खरे मनुष्य”

यहाँ, **खरे मनुष्य** से तात्पर्य यह है की वह व्यक्ति जिसे यहोवा दुष्टता से काम करने के लिए दोषी नहीं ठहराता। हिंदी अनुवाद में सरलता से समझने के लिए कई बार इसे **धर्मी लोग** के रूप में अनुवाद किया गया है। देखें कि आपने 2:21 में “**खरे मनुष्यों**” के उसी प्रयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 11:5 (#4)

“का मार्ग ... सीधा होता है”

यहाँ सुलैमान का तात्पर्य है किसी व्यक्ति को यह समझने में सक्षम बनाना कि उसे क्या करना है, ताकि उसका **मार्ग सीधा** हो सके। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने 3:6 में एक समान विचार का अनुवाद कैसे

किया है। वैकल्पिक अनुवाद: “उस व्यक्ति को यह जानने में मदद करेगा कि उसे क्या करना है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 11:5 (#5)

“दुष्ट”

देखिये आपने 9:7 में इस वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 11:5 (#6)

יִפֹּ֥ל

“गिर जाता है”

यहाँ सुलैमान किसी ऐसे व्यक्ति के बारे में बात कर रहा है जो विपत्ति का अनुभव कर रहा है, मानो वह गिर रहा हो। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “विपत्ति का अनुभव करेगा”

देखें: रूपक

नीतिवचन 11:6 (#1)

“धर्म के”

देखें कि आपने 1:2 में भाववाचक संज्ञा **धर्म** का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 11:6 (#2)

צִדְקַ֣ת יְ֭שָׁרִים תַּצִּילֵ֑ם

“सीधे लोगों का बचाव उनके धर्म के कारण होता है”

यहाँ सुलैमान **धर्म** के बारे में बात करता है जो किसी व्यक्ति को किसी चीज़ से बचने में सक्षम बनाती है जैसे कि **धर्म** एक ऐसा व्यक्ति है जो उस व्यक्ति को नुकसान से **बचा सकता है**। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं या एक उपमा का उपयोग कर सकते हैं। देखें कि आपने 11:4 में एक समान अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: “सीधे लोगों की धार्मिकता उन्हें छुड़ाने में सक्षम बनाएगी” या “सीधे लोगों की धार्मिकता किसी ऐसे व्यक्ति के समान है जो उन्हें बचाता है”

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 11:6 (#3)

יִלָּכְדוּ

“अपनी ही दुष्टता में फँसते हैं”

मूल भाषा में, सर्वनाम **वे** अभिव्यक्ति का उपयोग किया गया है, जो आई.आर.वि. हिंदी बाइबल में इसे सरलता के लिए **विश्वासघाती लोगों** के रूप में अनुवाद किया गया है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वे विश्वासघाती लोग पकड़े जाएँगे”

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

नीतिवचन 11:6 (#4)

יִלָּכְדוּ

“अपनी ही दुष्टता में फँसते हैं”

अगर आपकी भाषा में इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई उन्हें पकड़ लेगा”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 11:7 (#1)

בְּמ֣וֹת אָ֭דָם רָשָׁ֑ע

“जब दुष्ट मरता”

अगर आपकी भाषा में **मरता** के विचार के लिए भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं किया गया है, तो आप उसी विचार को दूसरे तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जब कोई दुष्ट व्यक्ति मरता है”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 11:7 (#2)

אָ֭דָם רָשָׁ֑ע

“दुष्ट”

मूल भाषा में, **दुष्ट** के स्थान पर **दुष्ट पुरुष** का उपयोग किया गया है, लेकिन आई.आर.वि. हिंदी बाइबल में इसे सरलता के लिए **दुष्ट पुरुष** के स्थान पर केवल **दुष्ट** शब्द का अनुवाद किया गया है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो इसे स्पष्ट करता है। वैकल्पिक अनुवाद: “एक दुष्ट व्यक्ति”

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 11:7 (#3)

תֹּאבַ֥ד & אָבָ֑דָה

“टूट जाती है”

इस पद में, सुलैमान **आशा (उम्मीद)** और **आशा** के अधूरे रहने की बात करता है, मानो वे जीवित चीजें हों जो **नष्ट** हो सकती हैं। यदि यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं या उपमाओं का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अधूरा रहेगा ... अपूर्ण रहेगा” या “ऐसा होगा जैसे कोई नाश हो जाए ... ऐसा है जैसे कोई नाश हो जाता है”

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 11:7 (#4)

“और ... की आशा”

देखें कि आपने 10:28 में भाववाचक संज्ञा **आशा** का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 11:7 (#5)

אוֹנִים

“अधर्मी”

मूल भाषा में, **अधर्मी** शब्द के स्थान पर **शक्तिशाली मनुष्य** का अनुवाद किया गया है, हिंदी आई.आर.वि. बाइबल में इसे **अधर्मी** के रूप में अनुवाद किया गया है। यहाँ, **अधर्मी** का तात्पर्य हो सकता है: (1) वे लोग जो अपनी उम्मीदों को पाने के लिए अपनी शक्ति पर भरोसा करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वे जो अपनी शक्ति पर भरोसा करते हैं” (2) वे लोग जो अपनी उम्मीदों को पाने के लिए अपनी दौलत पर भरोसा करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वे जो अपनी दौलत पर भरोसा करते हैं”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 11:8 (#1)

“धर्मी” - “दुष्ट”

देखिये आपने 9:9 में **धर्मी** का और 9:7 में **दुष्ट** का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 11:8 (#2)

צַדִּיק מִצָּרָה נֶחֱלָץ וַיָּבֹא רָשָׁע תַּחְתָּיו

“”धर्मी विपत्ति से छूट जाता है,“

इस पद में, सुलैमान **विपत्ति** से छूटने और उसका अनुभव करने की बात करता है, जैसे कि **विपत्ति** एक ऐसी जगह हो **जहाँ से** किसी को **दूर खींचा जा सकता है** या प्रवेश किया जा सकता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “धर्मी व्यक्ति को विपत्ति का अनुभव करने से रोका जाता है, लेकिन एक दुष्ट व्यक्ति को उस धर्मी के बजाय विपत्ति का अनुभव होता है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 11:8 (#3)

צַדִּיק & נֶחֱלָץ

“धर्मी विपत्ति से छूट जाता है”

यदि आपकी भाषा में इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। संदर्भ से पता चलता है कि यहोवा कार्य करता है। वैकल्पिक अनुवाद: “यहोवा एक धर्मी को दूर ले जाता है”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 11:8 (#4)

“विपत्ति में”

देखें कि आपने 1:27 में भाववाचक संज्ञा **विपत्ति** का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 11:8 (#5)

וַיָּבֹא רָשָׁע

“परन्तु दुष्ट उसी विपत्ति में पड़ जाता है”

सुलैमान एक ऐसा शब्द छोड़ रहा है जिसकी कई भाषाओं में एक खंड को पूरा होने के लिए ज़रूरत होती है। यदि आपकी भाषा में यह शब्द स्पष्ट हो तो आप पिछले खंड से यह शब्द दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “लेकिन एक दुष्ट विपत्ति में पड़ता है”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 11:9 (#1)

“मुँह की”

देखिये आपने 10:11 में **मुँह** शब्द का प्रयोग किस प्रकार किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 11:9 (#2)

חָנֵף

“भक्तिहीन जन”

वाक्यांश **भक्तिहीन जन** सामान्य रूप से **भक्तिहीन** लोगों को दर्शाता है, न कि किसी एक विशेष **भक्तिहीन जन** को। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी ईश्वरविहीन व्यक्ति”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 11:9 (#3)

חָנֵף

“भक्तिहीन जन”

यहाँ, **भक्तिहीन जन** का तात्पर्य ऐसे किसी भी व्यक्ति से है जो परमेश्वर के विरुद्ध विद्रोह करता है या ऐसा व्यवहार करता है मानो परमेश्वर का अस्तित्व ही नहीं है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक व्यक्ति जो परमेश्वर के विरुद्ध विद्रोह करता है”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 11:9 (#4)

רֵעֵהוּ

“अपने पड़ोसी को”

हालाँकि शब्द **अपने** पुल्लिंग है, लेकिन सुलैमान इस शब्द का इस्तेमाल सामान्य अर्थ में कर रहा है जिसमें पुरुष और महिला दोनों शामिल हैं। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप एक ऐसा वाक्यांश इस्तेमाल कर सकते हैं जो इसे स्पष्ट करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: “उस व्यक्ति का पड़ोसी”

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 11:9 (#5)

“ज्ञान के द्वारा”

देखें कि आपने 1:4 में भाववाचक संज्ञा ज्ञान का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 11:9 (#6)

וּבְדַ֣עַת צַדִּיקִ֗ים יֵחָלֵֽצוּ׃

“परन्तु धर्मी लोग ज्ञान के द्वारा बचते हैं”

यदि आपकी भाषा में इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: “लेकिन ज्ञान धर्मी लोगों को बचाएगा”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 11:10 (#1)

בְּטוּב֣ צַדִּיקִ֣ים

“जब धर्मियों का कल्याण होता है”

यहाँ सुलैमान ने **धार्मिक लोगों** के साथ होने वाली **कल्याण** का वर्णन करने के लिए अधिकारवाचक रूप का उपयोग किया है। यदि आपकी भाषा में इसके लिए अधिकारवाचक रूप का उपयोग नहीं है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “धर्मी लोगों के साथ होने वाली कल्याण में,” या “जब धर्मियों के साथ अच्छी चीजें होती हैं,”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 11:10 (#2)

תַּעֲלֹ֥ז קִרְיָֽה׃

“तब नगर के लोग प्रसन्न होते हैं”

यहाँ, **नगर** का तात्पर्य नगर में रहने वाले लोगों से है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप इसका अर्थ साफ-साफ बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “नगर के लोग खुशी से झूमते हैं”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 11:10 (#3)

וּבַאֲבֹ֥ד רְשָׁעִ֖ים רִנָּֽה׃

“परन्तु जब दुष्ट नाश होते, तब जय जयकार होता है”

सुलैमान कुछ ऐसे शब्दों को छोड़ रहा है जो कई भाषाओं में एक खंड को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा तो आप वाक्य में पहले से इन शब्दों को शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और जब दुष्टों का नाश होता है, तो खुशी की जयजयकार होती है” या “और जब दुष्टों का नाश होता है, तो एक शहर खुशी की जयजयकार करता है”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 11:11 (#1)

בְּבִרְכַּ֥ת יְ֝שָׁרִ֗ים תָּר֥וּם קָ֑רֶת וּבְפִ֥י רְ֝שָׁעִ֗ים תֵּהָֽרֵס׃

“सीधे लोगों के आशीर्वाद से नगर की बढ़ती होती है”

यदि आपकी भाषा में इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: “धर्मी लोगों की आशीष से एक शहर की उन्नति होती है, लेकिन दुष्टों के मुंह की बात एक शहर को नष्ट कर देता है”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 11:11 (#2)

בְּבִרְכַּ֥ת יְ֝שָׁרִ֗ים

“सीधे लोगों के आशीर्वाद से”

यहाँ, **सीधे लोगों के आशीर्वाद** का तात्पर्य हो सकता है: (1) **वह आशीर्वाद** जो **धर्मी लोग किसी शहर** को देते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “धर्मी लोगों द्वारा दिए गए आशीर्वाद के साथ” (2) **वह आशीर्वाद** जो परमेश्वर **धर्मी लोगों** को देता है। वैकल्पिक अनुवाद: “धर्मी लोगों को परमेश्वर द्वारा दिए गए आशीर्वाद के साथ”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 11:11 (#3)

תָּר֥וּם קָ֑רֶת

“नगर की बढ़ती होती है”

यहाँ सुलैमान **एक नगर** के महान बनने की बात कर रहा है, मानो उसकी **बढ़ती** हो रही हो। अगर यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप इसका तात्पर्य स्पष्ट बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक शहर महान बन जाता है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 11:11 (#4)

“मुँह की बात से”

देखिये कि आपने 10:11 में **मुँह** के उसी प्रयोग का अनुवाद कैसे किया था।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 11:11 (#5)

תֵּהָֽרֵס

“वह ढाया जाता है”

यहाँ सुलैमान ने **नगर** को **ढाया जाता है** का उल्लेख उसके नष्ट हो जाने के लिए किया है, जिसमें इसकी दीवारों और इमारतों को **ढाया जाना** भी शामिल हो सकता है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इसका तात्पर्य स्पष्ट बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक शहर नष्ट हो गया है”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 11:12 (#1)

בָּז־לְרֵעֵ֥הוּ

“जो अपने पड़ोसी को तुच्छ जानता है”

इस वाक्यांश की तुलना दूसरे वाक्यांश से करने पर पता चलता है कि सुलैमान किसी ऐसे व्यक्ति का ज़िक्र कर रहा है जो अपनी बातों से अपने **पड़ोसी को तुच्छ** समझता है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो अपने पड़ोसी का अपमान करके बोलता है" या "जो अपनी बातों से अपने पड़ोसी को तुच्छ जानता है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 11:12 (#2)

לְרֵעֵהוּ & וְאִישׁ תְּבוּנוֹת

"जो अपने पड़ोसी" - "परन्तु समझदार पुरुष"

हालाँकि **अपने** और **पुरुष** पुल्लिंग हैं, लेकिन सुलैमान इन शब्दों का इस्तेमाल सामान्य अर्थ में कर रहा है जो किसी पुरुष या स्त्री को संदर्भित कर सकता है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप ऐसे वाक्यांशों का इस्तेमाल कर सकते हैं जो इसे स्पष्ट करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उस व्यक्ति का पड़ोसी ... लेकिन एक समझदार व्यक्ति"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 11:12 (#3)

"वह निर्बुद्धि है"

देखिये आपने 6:32 में इस वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 11:12 (#4)

"परन्तु समझदार पुरुष"

देखें कि आपने **समझदार पुरुष** का 10:23 में कैसे अनुवाद किया।

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 11:13 (#1)

"चुगली"

यहाँ सुलैमान विशेषण **चुगली** का उपयोग संज्ञा के रूप में कर रहा है जिसका अर्थ है "कोई व्यक्ति जो चुगली करता है।" आपकी भाषा में भी विशेषणों का उपयोग उसी तरह हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद किसी समान वाक्यांश से कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई व्यक्ति जो चुगली करता है"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

नीतिवचन 11:13 (#2)

מְגַלֶּה

"भेद प्रगट करता है"

यहाँ सुलैमान **भेद** को उजागर करने की बात कर रहा है, मानो वह जानकारी कोई छिपी हुई वस्तु हो जिसे लोग **प्रगट** कर रहे हों। अगर यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उजागर करना"

देखें: रूपक

नीतिवचन 11:13 (#3)

וְנֶאֱמַן־רוּחַ

"परन्तु विश्वासयोग्य मनुष्य बात को छिपा रखता है"

यहाँ सुलैमान किसी ऐसे व्यक्ति का वर्णन करने के लिए अधिकारवाचक रूप का उपयोग कर रहा है जो **विश्वासयोग्य** होने की विशेषता रखता है। यदि आपकी भाषा इसके लिए अधिकारवाचक रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परन्तु एक वफ़ादार व्यक्ति"

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 11:13 (#4)

"बात को छिपा रखता है"

देखें कि आपने 10:6 में **छिपा रखता है** के उसी प्रयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 11:14 (#1)

בְּאֵין תַּחְבֻּלוֹת & וּתְשׁוּעָה בְּרֹב יוֹעֵץ

"जहाँ बुद्धि की युक्ति नहीं" - "परन्तु सम्मति देनेवालों की बहुतायत के कारण बचाव होता है"

यदि आपकी भाषा **युक्ति, बचाव, बहुतायत** और **सम्मति** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं करती है, तो आप उन्हीं विचारों को अन्य तरीकों से व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने 5:23 में **बहुतायत** और 1:25 में **सम्मति** का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "जब कोई निर्देश नहीं देता ... लेकिन कई लोग किसी को सलाह देकर उस व्यक्ति को बचा लेंगे"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 11:14 (#2)

עָם

"प्रजा"

इस पद में, शब्द **प्रजा** एकवचन रूप में है, लेकिन यह कई लोगों को एक समूह के रूप में संदर्भित करता है जिसे "जाति" या "देश" भी कहा जा सकता है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लोगों का एक समूह" या "एक जाति"

देखें: समूहवाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 11:14 (#3)

"पड़ती है"

देखें कि आपने 11:5 में "**पड़ती**" शब्द के उसी प्रयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 11:14 (#4)

וּתְשׁוּעָה בְּרֹב יוֹעֵץ

“परन्तु सम्मति देनेवालों की बहुतायत के कारण बचाव होता है”

यहाँ सुलैमान **बचाव होता** के बारे में ऐसे बात कर रहा है मानो यह कोई ऐसी वस्तु हो जिसे **सम्मति** की **बहुतायत** में पाया जा सकता है। उसका मतलब है कि **सम्मति की बहुतायत** से **बचाव** हो सकता है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप इसका मतलब स्पष्ट बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “लेकिन बचाव सलाह की बहुतायत का परिणाम है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 11:15 (#1)

עָרַב

“जो परदेशी का उत्तरदायी होता है”

हालाँकि **जो** शब्द पुल्लिंग है, लेकिन सुलैमान इस शब्द का इस्तेमाल सामान्य अर्थ में कर रहा है जिसमें पुरुष और स्त्री दोनों शामिल हैं। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप एक ऐसा वाक्यांश इस्तेमाल कर सकते हैं जो इसे स्पष्ट करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई उत्तरदायी होता है” या “वह व्यक्ति उत्तरदायी होता है”

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 11:15 (#2)

“जो ... उत्तरदायी होता है”

देखें कि आपने 6:1 में “**उत्तरदायी**” के सामान प्रयोग का अनुवाद कैसे किया।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 11:15 (#3)

תֹּקְעִים

“जमानत”

इस संस्कृति में इस क्रिया का कार्य लोगों के बीच संविदात्मक समझौते की पुष्टि करना था। यदि आपकी संस्कृति में समान अर्थ वाला कोई इशारा है, तो आप इसे अपने अनुवाद में यहाँ उपयोग करने पर विचार कर सकते हैं, या आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने 6:1 में समान वाक्यांश “जमानत का उत्तरदायी हुआ” का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: “समझौते की पुष्टि करने के लिए हाथ मिलाना” या “समझौते की पुष्टि करना”

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

नीतिवचन 11:16 (#1)

אֵשֶׁת־חֵן

“अनुग्रह करनेवाली स्त्री”

यहाँ, **स्त्री** का तात्पर्य सामान्य रूप से एक प्रकार की **स्त्री** से है, किसी एक विशेष **स्त्री** से नहीं। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी अनुग्रह करनेवाली स्त्री”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 11:16 (#2)

אֵשֶׁת־חֵן

“अनुग्रह करनेवाली स्त्री”

यहाँ सुलैमान एक ऐसी **स्त्री** का वर्णन करने के लिए अधिकारवाचक रूप का उपयोग कर रहा है जो **अनुग्रह** से भरी हुई है। यदि आपकी भाषा में इसके लिए अधिकारवाचक रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक स्त्री जो अनुग्रहकारी है”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 11:16 (#3)

תִּתְמֹךְ & יִתְמְכוּ

“नहीं खोती है” - “नहीं खोते”

यहाँ सुलैमान लोगों के **प्रतिष्ठा** और **धन** प्राप्ति के बारे में इस तरह बात कर रहा है मानो वे ऐसी वस्तुएँ हों जिन्हें कोई **नहीं खोते** हैं। अगर यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “प्राप्त करेगी ... प्राप्त करेंगे”

देखें: रूपक

नीतिवचन 11:16 (#4)

“प्रतिष्ठा”

देखें कि आपने 3:16 में भाववाचक संज्ञा **प्रतिष्ठा** का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 11:16 (#5)

יִתְמְכוּ־עֹשֶׁר

“धन को नहीं खोते”

सुलैमान ने इस वाक्यांश की तुलना पिछले वाक्यांश से की है ताकि यह संकेत दिया जा सके कि **धन प्रतिष्ठा** जितना महत्वपूर्ण नहीं है। यदि यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “केवल धन को केवल ग्रहण करेगा”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 11:17 (#1)

גֹּמֵל נַפְשׁוֹ אִישׁ חָסֶד & שְׁאֵרוֹ

“कृपालु मनुष्य अपना ही भला करता है,” उस व्यक्ति के ही देह को दुःख देता है

यद्यपि **मनुष्य** और **अपना** शब्द पुल्लिंग हैं, फिर भी सुलैमान ने इन शब्दों का प्रयोग सामान्य अर्थ में किया है जिसमें पुरुष और स्त्री दोनों शामिल हैं। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप ऐसे वाक्यांशों का इस्तेमाल कर सकते हैं जो इसे स्पष्ट करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कृपालु मनुष्य उस व्यक्ति का भला करता है... उस व्यक्ति के देह के साथ”

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 11:17 (#2)

אִאִישׁ חֶסֶד

“कृपालु मनुष्य अपना ही भला करता है”

यहाँ सुलैमान एक ऐसे **मनुष्य** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहा है जो **कृपालु** है। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक व्यक्ति जिसके पास कृपालु स्वभाव है”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 11:17 (#3)

גֹּמֵל

“अपना ही भला करता है”

यहाँ, वाक्यांश **अपना ही भला करता है** अपने को लाभ पहुँचाने को संदर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “भला करना”

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 11:17 (#4)

נַפְשׁוֹ & שְׁאֵרוֹ

“अपना ही”

यहाँ, **अपना** का तात्पर्य उन लोगों से है, जिनके पास **आत्मा** और **शरीर** है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इसका मतलब स्पष्ट रूप से बता सकते हैं, जैसा कि यू.एस.टी. में है।

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 11:17 (#5)

אַכְזָרִי

“जो क्रूर है”

क्रूर शब्द सामान्य रूप से क्रूर लोगों को दर्शाता है, किसी एक विशेष व्यक्ति को नहीं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी क्रूर व्यक्ति”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 11:18 (#1)

“दुष्ट”

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 9:7 में किस प्रकार किया है।

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 11:18 (#2)

פְּעֻלַּת־שָׁשֶׁקֶר & שָׂכָר אֱמֶת

“मिथ्या कमाई कमाता है”

इस पद में, सुलैमान अधिकारवाचक रूपों का उपयोग उस **कमाई** का वर्णन करने के लिए कर रहा है जो **मिथ्या** से चिह्नित है और उस **कमाई** का वर्णन करने के लिए जो **सच्चाई** से चिह्नित है। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप अलग-अलग अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “झूठी कमाई ... सच्ची मजदूरी”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 11:18 (#3)

פְּעֻלַּת־שָׁשֶׁקֶר & שָׂכָר אֱמֶת

“मिथ्या कमाई कमाता है”

यहाँ सुलैमान ने परिणामों या पुरस्कारों के बारे में ऐसे बात की है जैसे कि वे किसी को मिलने वाली **कमाई** हों। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “झूठी कमाई ... सच्ची कमाई”

देखें: रूपक

नीतिवचन 11:18 (#4)

וְזֹרֵעַ צְדָקָה שָׂכָר אֱמֶת

“परन्तु जो धर्म का बीज बोता, उसको निश्चय फल मिलता है”

सुलैमान एक ऐसा शब्द छोड़ रहा है जिसकी कई भाषाओं में एक खंड को पूरा होने के लिए आवश्यकता होती है। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा तो आप वाक्य में पहले से इस शब्द को शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “सत्य की कमाई बनाता है”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 11:18 (#5)

וְזֹרֵעַ צְדָקָה

“परन्तु जो धर्म का बीज बोता”

यहाँ सुलैमान ने धार्मिक कर्म करने का उल्लेख किया है जैसे कि कोई खेत में बीज बो रहा हो। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “परन्तु जो धार्मिक कर्म करता है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 11:19 (#1)

כֵּן־צְדָקָה

“जो धर्म में दृढ़ रहता”

सुलैमान इस वाक्यांश में कुछ ऐसे शब्द छोड़ रहा है जिनकी कई भाषाओं में एक खंड को पूरा होने के लिए ज़रूरत होती है। अगर आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो तो आप अगले वाक्यांश से ये शब्द दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “सच्ची धार्मिकता का अनुसरण करना” या “सच्ची धार्मिकता के साथ व्यवहार करना”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 11:19 (#2)

לְחַיִּים & לְמוֹתוֹ

“वह जीवन पाता है”

इस पद में, **वह** इंगित करता है कि आगे जो कुछ भी है वह पिछले वाक्यांश का परिणाम है। परिणाम को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीके का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: “जीवन की ओर ले जाता है ... उसे उसकी मृत्यु की ओर ले जाता है”

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

नीतिवचन 11:19 (#3)

“वह जीवन पाता है”

देखें कि आपने 10:16 में **जीवन** का वही प्रयोग किस प्रकार अनुवाद किया है।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 11:19 (#4)

וּמְרַדֵּף רָעָעָה

“परन्तु जो बुराई का पीछा करता”

यहाँ सुलैमान उस व्यक्ति को संदर्भित करता है जो उत्सुकता से **बुराई** करता है जैसे कि वह व्यक्ति उसका पीछा कर रहा हो। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “लेकिन जो उत्सुकता से बुराई करता है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 11:19 (#5)

“वह मर जाएगा”

देखें कि आपने **मृत्यु** जैसी भाववाचक संज्ञा का 2:18 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 11:20 (#1)

“उनसे यहोवा को घृणा आती है”

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 3:32 में किस प्रकार किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 11:20 (#2)

“जो मन के टेढ़े हैं”

देखें कि आपने 2:15 में **टेढ़े** का वही प्रयोग किस प्रकार अनुवाद किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 11:20 (#3)

“मन”

देखिये आपने 2:2 में **मन** शब्द का वही प्रयोग किस प्रकार अनुवाद किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 11:20 (#4)

“परन्तु वह खरी चालवालों से प्रसन्न रहता है”

देखें कि आपने 8:30 में भाववाचक संज्ञा **प्रसन्नता** का अनुवाद कैसे किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 11:20 (#5)

תְּמִימֵי דָרֶךְ

“परन्तु वह खरी चालवालों से प्रसन्न रहता है”

यहाँ सुलैमान एक ऐसे **चाल** का वर्णन करने के लिए अधिकारवाचक रूप का उपयोग कर रहा है जो **खरी** होने की विशेषता रखता है। यदि आपकी भाषा इसके लिए अधिकारवाचक रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उनसे है जिनका मार्ग निर्दोष है”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 11:20 (#6)

“चाल”

देखिये आपने 1:15 में **चाल** शब्द का वही प्रयोग किस प्रकार अनुवाद किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 11:21 (#1)

יָד לְיָד

“निश्चय जानो”

यह वाक्यांश एक मुहावरा है जो किसी चीज़ के निश्चित होने को संदर्भित करता है। यदि इस वाक्यांश का आपकी भाषा में वह अर्थ नहीं है, तो आप अपनी भाषा से कोई मुहावरा इस्तेमाल कर सकते हैं जिसका यह अर्थ हो या फिर इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जैसे सूरज का उगना निश्चित है” या “निश्चित रूप से”

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 11:21 (#2)

“बुरा मनुष्य”

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 9:7 में किस प्रकार किया है।

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 11:21 (#3)

“बुरा मनुष्य निर्दोष न ठहरेगा”

देखें कि आपने इस वाक्यांश का 6:29 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: (लाइटोटीज़) कटाक्षपूर्ण उक्ति

नीतिवचन 11:21 (#4)

וְזֶרַע

“परन्तु धर्मी का वंश”

यहाँ, शब्द **वंश** एकवचन रूप में है, लेकिन यह सभी वंशो को एक समूह के रूप में संदर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “परन्तु धर्मी जनों के वंश”

देखें: समूहवाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 11:21 (#5)

“परन्तु धर्मी का वंश”

यहाँ सुलैमान ने **धर्मी लोगों के वंशजों** को ऐसे संदर्भित किया है मानो वे किसी पौधे के **बीज** हों। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “लेकिन धर्मी के वंशज”

देखें: रूपक

नीतिवचन 11:21 (#6)

נִמְלָט

“बचाया जाएगा”

यहाँ सुलैमान का तात्पर्य दण्ड से **बचने** से है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “दण्ड से बच जाएगा” या “दण्डित नहीं किया जाएगा”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 11:22 (#1)

נֶזֶם זָהָב בְּאַף חֲזִיר אִשָּׁה יָפָה וְסָרַת טָעַם

“”वह थूथन में सोने की नत्थ पहने हुए सूअर के समान है“

अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इन वाक्यांशों के क्रम को उलट सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक सुंदर स्त्री जो विवेक से दूर हो जाती है वह सुअर की नाक में सोने की अंगूठी सामान है”

देखें: सूचना संरचना

नीतिवचन 11:22 (#2)

נֶזֶם זָהָב בְּאַף חֲזִיר אִשָּׁה יָפָה וְסָרַת טָעַם

“”वह थूथन में सोने की नत्थ पहने हुए सूअर के समान है“

इस पद में, सुलैमान ने कहा है कि एक **सुंदर स्त्री** के लिए **विवेक** न रखना कितना अनुचित है। वह इस तरह बोलता है मानो वह **स्त्री** सुअर की **नाक** में **सोने की अंगूठी** हो। अगर यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप एक उपमा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक सुंदर स्त्री जो विवेक से दूर हो जाती है, उसी प्रकार अनुचित है जैसे सूअर के नाक में सोने की नथ”

देखें: रूपक

नीतिवचन 11:22 (#3)

חֲזִיר

“सूअर”

सुअर एक ऐसा जानवर है जिसे यहूदियों और प्राचीन निकट पश्चिम की कई संस्कृतियों द्वारा अशुद्ध और घृणित माना जाता है। किसी **सुअर** के **नाक** में **सोने की अंगूठी** होना बहुत अनुचित होगा। यदि आपके पाठक इस प्रकार के जानवर से परिचित नहीं हैं, तो आप अपने क्षेत्र में किसी घृणित जानवर का नाम इस्तेमाल कर सकते हैं या आप अधिक सामान्य शब्द का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “घृणित जानवर”

देखें: रूपक

नीतिवचन 11:22 (#4)

וְסָרַת טָעַם

“विवेक नहीं रखती”

यहाँ सुलैमान **विवेक** से काम करने से इनकार करने की बात कर रहा है, मानो कोई उससे **विमुख** हो रहा हो। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इसका मतलब स्पष्ट बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो विवेक से काम नहीं करता”

देखें: रूपक

नीतिवचन 11:22 (#5)

“विवेक”

देखें कि आपने **विवेक** जैसी भाववाचक संज्ञा का 1:4 में अनुवाद कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 11:23 (#1)

תַּאֲוַת צַדִּיקִים אַךְ־טּוֹב תִּקְוַת רְשָׁעִים עֶבְרָה

“धर्मियों की लालसा तो केवल भलाई की होती है”

इस पद का अर्थ हो सकता है: (1) **धर्मी** लोगों की **लालसा** का परिणाम **भलाई** होता है, परन्तु **दुष्टों** की आशा का फल **क्रोध** ही होता है। वैकल्पिक अनुवाद: “धर्मी लोगों की इच्छा केवल भलाई की ओर ले जाती है; दुष्टों की अपेक्षा क्रोध की ओर ले जाती है” (2) **धर्मी** लोग **केवल भलाई** की **इच्छा** करते हैं, लेकिन **दुष्ट** लोग क्रोध की अपेक्षा करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “धर्मी लोग केवल भलाई की इच्छा करते हैं; दुष्ट लोग क्रोध की अपेक्षा करते हैं”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 11:23 (#2)

תִּקְוַת רְשָׁעִים עֶבְרָה

“परन्तु दुष्टों की आशा का फल क्रोध ही होता है”

यह वाक्यांश पिछले वाक्यांश से बहुत अलग है। किसी विरोधाभास को दर्शाने के लिए अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: “इसके विपरीत, दुष्टों की अपेक्षा क्रोध है”

देखें: जोड़ें — विरोधाभास सम्बन्ध

नीतिवचन 11:23 (#3)

עֶבְרָה

“क्रोध”

यहाँ, **क्रोध** का तात्पर्य हो सकता है: (1) यहोवा का क्रोध। वैकल्पिक अनुवाद: “यहोवा का क्रोध है” (2) अन्य लोगों का क्रोध। वैकल्पिक अनुवाद: “अन्य लोगों का क्रोध है”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 11:23 (#4)

עֶבְרָה

“क्रोध”

अगर आपकी भाषा में **क्रोध** के विचार के लिए भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं किया गया है, तो आप उसी विचार को दूसरे तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “क्रोधित हो रहा है” या “क्रोधित करता है”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 11:24 (#1)

יֵשׁ מְמַפֵּזַר וְנוֹסָף עֲוֹד

“ऐसे हैं, जो छितरा देते हैं, फिर भी उनकी बढ़ती ही होती है”

सुलैमान कुछ ऐसे शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए ज़रूरी होते हैं। अगर आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा तो आप इन शब्दों को संदर्भ से दे सकते हैं। संदर्भ एक ऐसे व्यक्ति के बारे में है जो दूसरों के साथ अपनी चीज़ें बाँटता है। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई ऐसा है जो अपने पास जो है उसे बिखेरता है और जो उसके पास है उसमें और जोड़ता है”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 11:24 (#2)

מְמַפֵּזַר & וְחוֹשֵׂךְ

“जो छितरा देते हैं” - “जो यथार्थ से कम देते हैं”

इस पद में, **जो** का अर्थ एक प्रकार के व्यक्ति को संदर्भित करता है। इसका तात्पर्य यह नहीं है कि केवल **एक** ही व्यक्ति है जो इन दोनों कामों में से प्रत्येक करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक प्रकार का व्यक्ति जो बिखेरता है ... लेकिन एक प्रकार का व्यक्ति जो रोकता है”

देखें: साधारण संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 11:24 (#3)

וְנוֹסָף עֲוֹד

“फिर भी उनकी बढ़ती ही होती है”

यहाँ, **फिर** पिछले वाक्यांश में जो कहा गया था उसका परिणाम प्रस्तुत करता है। परिणाम को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीके का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: “और इसका परिणाम यह होता है कि उस व्यक्ति के पास अधिक होता है”

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

नीतिवचन 11:24 (#4)

וְחוֹשֵׂךְ מִמִּישֹׁר

“और ऐसे भी हैं जो यथार्थ से कम देते हैं”

सुलैमान कुछ ऐसे शब्दों को छोड़ रहा है जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए ज़रूरी होते हैं। अगर आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा तो आप संदर्भ से ये शब्द दे सकते हैं। संदर्भ एक ऐसे व्यक्ति के बारे में है जो दूसरों के साथ अपनी चीज़ें साझा नहीं करता। वैकल्पिक अनुवाद: “परन्तु जो अपने पास जो है, उससे अधिक जरूरतमंदों को देने से मना कर देता है”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 11:24 (#5)

“और इससे उनकी घटती ही होती है”

यहाँ, **और इससे** पहले वाक्यांश में जो कहा गया था, उसके परिणाम का परिचय दिया गया है। परिणाम को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीके का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: “परिणामस्वरूप केवल कमी होगी”

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

नीतिवचन 11:25 (#1)

נֶפֶשׁ & הַמְרַוֶּה & הוּא

“उदार प्राणी” - “और जो औरों की खेती सींचता है, उसकी”

इस पद में, **उदार प्राणी**, **जो**, और **उसकी** सामान्य रूप से लोगों के प्रकारों को संदर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी उदार व्यक्ति ... और कोई भी व्यक्ति जो औरों की खेती सींचता है, उस व्यक्ति”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 11:25 (#2)

נֶפֶשׁ־בְּרָכָה

“उदार प्राणी हष्ट-पुष्ट हो जाता है”

यहाँ सुलैमान **उदारता** से युक्त **जीवन** का वर्णन करने के लिए अधिकारवाचक रूप का उपयोग कर रहा है। यदि आपकी भाषा में इसके लिए अधिकारवाचक रूप का उपयोग नहीं है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक जीवन जो उदार है”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 11:25 (#3)

נֶפֶשׁ

“प्राणी”

यहां **प्राणी,** स्वयं उस व्यक्ति को संदर्भित करता है। देखें कि आपने 8:36 में **प्राणी** के उसी उपयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 11:25 (#4)

בְּרָכָה

"उदार"

यहाँ सुलैमान का तात्पर्य है कि **उदारता** अन्य लोगों के लिए होती है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अन्य लोगों के लिए उदार होना"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 11:25 (#5)

תְּדַשָּׁשֶׁן & יוֹרֶא

"हष्ट-पुष्ट हो जाता है"

यदि आपकी भाषा में इन निष्क्रिय रूपों का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप विचारों को सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। संदर्भ से पता चलता है कि यहोवा कार्य करेगा। वैकल्पिक अनुवाद: "यहोवा हष्ट-पुष्ट करेगा ... यहोवा सींचेगा"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 11:25 (#6)

תְּדַשָּׁשֶׁן

"हष्ट-पुष्ट हो जाता है"

यहाँ सुलैमान का तात्पर्य है कि एक व्यक्ति समृद्ध हो रहा है जैसे कि वह **हष्ट-पुष्ट** हो। अगर यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "समृद्ध हो जाएगा"

देखें: रूपक

नीतिवचन 11:25 (#7)

וּמַרְוֶה גַּם־הוּא יוֹרֶא

"और जो औरों की खेती सींचता है, उसकी भी सींची जाएगी"

यहाँ सुलैमान किसी ऐसे व्यक्ति को संदर्भित करता है जो उदारतापूर्वक जल देता है और प्राप्त करता है जैसे वह दूसरों को जल से सींच रहा हो और स्वयं भी **सींचा जा रहा हो**। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसका अर्थ सावधानी से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और जो दूसरों को मुफ्त में जल देता है, उसे भी मुफ्त में जल मिलेगा"

देखें: रूपक

नीतिवचन 11:26 (#1)

מַשְׁבִּיר & יְקֻבְּבֻהוּ & מֹמְנָע

"जो अपना अनाज जमाखोरी करता है, उसको लोग श्राप देते हैं"

इस पद में, **जो**, **उसको** और **जो बेच देता** सामान्य रूप से लोगों के प्रकारों को संदर्भित करते हैं। वे विशिष्ट लोगों को संदर्भित नहीं करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी व्यक्ति जो जमाखोरी करता है ... उस व्यक्ति को शाप देंगे ... कोई भी विक्रेता"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 11:26 (#2)

מֹמְנָע בֶּבֶר

"जो अपना अनाज जमाखोरी करता है"

यहाँ सुलैमान का तात्पर्य है कि यह व्यक्ति स्वार्थी रूप से **अनाज जमाखोरी करता है** ताकि बाद में उसे अधिक लाभ के लिए बेच सके। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह व्यक्ति जो स्वार्थी रूप से अनाज को बेचने से रोकता है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 11:26 (#3)

"उसको आशीर्वाद दिया जाता है"

देखें कि आपने 10:6 में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 11:26 (#4)

מַשְׁבִּיר

"जो उसे बेच देता है"

यहाँ सुलैमान का तात्पर्य है कि **विक्रेता अनाज** बेच देता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह जो अनाज बेचता है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 11:27 (#1)

שֹׁשֵׁחַר & וְדֹרֵשׁ & תְּבוּאָנוּ

"जो यत्न से भलाई करता है" - "परन्तु जो दूसरे की बुराई का खोजी होता है, उसी पर बुराई आ पड़ती है"

इस पद में, **जो यत्न से भलाई करता है**, **जो दूसरे की बुराई का खोजी होता है,** और **उसी पर** सामान्य रूप से लोगों के प्रकारों को संदर्भित करता है। वे विशिष्ट लोगों को संदर्भित नहीं करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी व्यक्ति जो परिश्रम से खोजता है ... लेकिन कोई भी व्यक्ति जो खोजता है ... वह उस व्यक्ति के पास आएगा"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 11:27 (#2)

שֹׁשֵׁר & וְדֹרֵשׁ

“जो यत्न से भलाई करता है वह दूसरों की प्रसन्नता खोजता है, परन्तु जो दूसरे की बुराई का खोजी होता है”

इस पद में, सुलैमान ने उन लोगों का उल्लेख किया है जो **भलाई** करने की **यत्न** करते हैं और **बुराई का खोजी** होते हैं, मानो **भलाई** और **बुराई** ऐसी वस्तुएँ हों जिन्हें कोई **ढूँढ़ता** या **खोजता** है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो परिश्रम से अच्छा करने की कोशिश करता है ... परन्तु जो बुराई करने की कोशिश करता है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 11:27 (#3)

רָעָעָה & רְצוֹן & טוֹב

“भलाई” - “प्रसन्नता”

अगर आपकी भाषा में **भलाई**, **प्रसन्नता** और **बुराई** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप उन्हीं विचारों को दूसरे तरीकों से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “क्या अच्छा है ... अनुग्रह प्राप्त करना ... क्या बुरा है”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 11:27 (#4)

יְבַקֶּשׁ רָצוֹן

“प्रसन्नता खोजता है”

सुलैमान का तात्पर्य है कि **जो यत्न से भलाई करता है** वह यहोवा और अन्य लोगों से **प्रसन्नता खोजता है** और उसे प्राप्त करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यहोवा और लोगों से अनुग्रह पाता है”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 11:27 (#5)

תְּבוֹאֶנּוּ

“उसी पर बुराई आ पड़ती है”

यहाँ सुलैमान किसी व्यक्ति के **बुरे** अनुभव के बारे में बात कर रहा है, जैसे कि **बुराई** एक व्यक्ति है जो उस व्यक्ति के पास **आ पड़ती है**। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह इसका अनुभव करेगा” या “यह उसके साथ होगा”

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 11:28 (#1)

בּוֹטֵחַ בְּעָשְׁרוֹ הוּא יִפּוֹל

“जो अपने धन पर भरोसा रखता है वह सूखे पत्ते के समान गिर जाता है”

इस पद में **जो**, **अपने**, और **वह** सामान्य रूप से एक प्रकार के व्यक्ति को संदर्भित करता है। वे किसी विशिष्ट व्यक्ति को संदर्भित नहीं करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी व्यक्ति जो अपने धन पर भरोसा करता है, वह व्यक्ति गिर जाएगा”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 11:28 (#2)

“वह सूखे पत्ते के समान गिर जाता है”

सुलैमान ने **वह** शब्द का इस्तेमाल इस बात पर ज़ोर देने के लिए किया है कि कौन **गिरेगा**। इस बात पर ज़ोर देने के लिए अपनी भाषा में स्वाभाविक तरीके का इस्तेमाल करें। वैकल्पिक अनुवाद: “वही व्यक्ति गिरेगा”

देखें: निजवाचक सर्वनाम

नीतिवचन 11:28 (#3)

“वह सूखे पत्ते के समान गिर जाता है”

देखिये आपने 11:5 में **गिर जाता है** वाक्यांश के उसी प्रयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 11:28 (#4)

וְכָעָלֶה צַדִּיקִים יִפְרָחוּ

“परन्तु धर्मी लोग नये पत्ते के समान लहलहाते हैं”

सुलैमान कह रहे है कि **धर्मी लोग नये पत्ते** के समान लहलहाते हैं**,** क्योंकि वे समृद्ध होते हैं और फलते-फूलते हैं। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “लेकिन धर्मी लोग एक पत्ते की तरह समृद्ध होते हैं जो अंकुरित होकर बढ़ता है”

देखें: उपमा

नीतिवचन 11:28 (#5)

וְכָעָלֶה

“नये पत्ते के समान”

यहाँ सुलैमान एक हरे **पत्ते** का उल्लेख कर रहा है जो गिरे हुए या मुरझाए हुए **पत्ते** के बजाय बढ़ रहा है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, या यदि आपकी भाषा में ताजे या मुरझाए हुए पत्ते के लिए अलग-अलग शब्दों का उपयोग किया जाता है, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “परन्तु एक स्वस्थ पत्ते की तरह,”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 11:29 (#1)

עוֹכֵר בֵּיתוֹ

“जो अपने घराने को दुःख देता”

इस पद में **जो** और **अपने** का तात्पर्य आम तौर पर एक तरह के व्यक्ति से है। वे किसी विशिष्ट व्यक्ति को नहीं दर्शाते। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का इस्तेमाल कर

सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी व्यक्ति जो अपने घर को परेशान करता है”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 11:29 (#2)

בֵּיתוֹ

“अपने घराने”

यहाँ, **घराने** उस परिवार को दर्शाता है जो **उसके घर** में रहता है। देखें कि आपने 3:33 में घर के उसी प्रयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 11:29 (#3)

יִנְחַל־רוּחַ

“उसका भाग वायु ही होगा”

यहाँ सुलैमान **वायु** के बारे में ऐसे बात कर रहा है मानो यह कोई संपत्ति हो जिसे कोई अपने **भाग** में पा सकता है। उसका मतलब है कि जो व्यक्ति **अपने घर को परेशान करता है** उसे कुछ भी **विरासत** में नहीं मिलेगा। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इसका मतलब स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कुछ भी विरासत में नहीं मिलेगा”

देखें: रूपक

नीतिवचन 11:29 (#4)

“बुद्धिमान का”

देखिये आपने 10:8 में बुद्धिमान का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 11:30 (#1)

פְּרִי־צַדִּיק

“धर्मी का प्रतिफल”

यहाँ सुलैमान **धर्मी** व्यक्ति द्वारा उत्पादित **प्रतिफल** का वर्णन करने के लिए अधिकारवाचक रूप का उपयोग कर रहा है। यदि आपकी भाषा इसके लिए अधिकारवाचक रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “धर्मी व्यक्ति द्वारा उत्पादित फल”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 11:30 (#2)

פְּרִי־צַדִּיק

“प्रतिफल”

यहाँ सुलैमान ने **धर्मी** लोगों के कामों को ऐसे संदर्भित किया है मानो वे **प्रतिफल** पैदा कर रहे हों। अगर यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “के काम”

देखें: रूपक

नीतिवचन 11:30 (#3)

צַדִּיק & וְלֹקֵחַ נְפָשׁוֹת

“धर्मी का” - “मन को मोह लेता है”

इस पद में, **धर्मी व्यक्ति** और **मन को मोह लेने** वाला सामान्य रूप से लोगों के प्रकारों को संदर्भित करता है। वे विशिष्ट लोगों को संदर्भित नहीं करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। देखें कि आपने 10:3 में **धर्मी व्यक्ति** का अनुवाद कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी धर्मी व्यक्ति ... और कोई भी व्यक्ति जो मन को मोह लेता है”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 11:30 (#4)

“जीवन का वृक्ष”

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 3:18 में किस प्रकार किया।

देखें: रूपक

नीतिवचन 11:30 (#5)

“और बुद्धिमान मनुष्य लोगों के मन को मोह लेता है”

कुछ प्राचीन अनुवाद इस वाक्यांश का अनुवाद इस प्रकार करते हैं “और जो जीवन को छीन लेता है वह हिंसक है।” यह संकेत देगा कि यह वाक्याश हिंसक लोगों को संदर्भित करता है जो दूसरों को मारते हैं, जो पिछले वाक्यांश में वर्णित व्यक्ति के प्रकार के विपरीत है। यदि आपके क्षेत्र में बाइबल का कोई अनुवाद मौजूद है, तो आप उस पठन का उपयोग करना चाह सकते हैं जिसका उपयोग किया गया है। यदि आपके क्षेत्र में बाइबल का कोई अनुवाद मौजूद नहीं है, तो आप यू.एल.टी. के पठन का उपयोग करना चाह सकते हैं।

देखें: पाठ्य भिन्नताएँ

नीतिवचन 11:30 (#6)

“मन को मोह लेता है”

यहाँ, **मन को मोह लेता है** का तात्पर्य है वह व्यक्ति जो दूसरे लोगों को प्रभावित करता है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और वह जो दूसरों को प्रभावित करता है”

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 11:31 (#1)

“देख”

देखें कि आपने 1:23 में ‘**देख**’ के उसी प्रयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: रूपक

Proverbs 11:31 (#2)

“धर्मी” - “दुष्ट और पापी”

इस पद में, **धर्मी**, **दुष्ट** और **पापी** आम तौर पर लोगों के प्रकारों को संदर्भित करता है। वे विशिष्ट लोगों को संदर्भित नहीं करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक

अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। देखें कि आपने 9:9 में **धर्मी** व्यक्ति और 9:7 में **दुष्ट** व्यक्ति का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी धर्मी व्यक्ति ... कोई भी दुष्ट व्यक्ति और कोई भी पापी"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 11:31 (#3)

בָּאָרֶץ

"पृथ्वी पर"

यहाँ, **पृथ्वी** का तात्पर्य सामान्य रूप से भूमि से है। यह इस्राएल की भूमि को संदर्भित नहीं करता है, जैसा कि 2:21–22 और 10:30 में है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पृथ्वी में"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 11:31 (#4)

יְשֻׁלָּם

"फल मिलेगा"

यदि आपकी भाषा में इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप विचार को सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। संदर्भ से पता चलता है कि यहोवा कार्य करेगा। वैकल्पिक अनुवाद: "यहोवा प्रतिफल देगा"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 11:31 (#5)

יְשֻׁלָּם

"पर फल मिलेगा"

यहाँ सुलैमान उन लोगों को संदर्भित करता है जो अपने कार्यों के लिए वह प्राप्त करते हैं जिसके वे हकदार हैं, जैसे कि उन्हें उनके द्वारा किए गए कार्यों के लिए **फल** दिया जा रहा हो। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो उनका हक है, वह प्राप्त करेंगे"

देखें: रूपक

नीतिवचन 11:31 (#6)

אַף כִּי־רָשָׁע וְחוֹטֵא

"तो निश्चय है कि दुष्ट और पापी को भी मिलेगा"

सुलैमान कुछ ऐसे शब्दों को छोड़ रहा है जो कई भाषाओं में एक वाक्यांश को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा तो आप पिछले वाक्यांश से ये शब्द दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक दुष्ट और पापी को कितना अधिक प्रतिफल मिलेगा"

देखें: पदलोप

नीतिवचन 12:1 (#1)

"शिक्षा" - "ज्ञान"

देखें कि आपने भाववाचक संज्ञाओं **शिक्षा** का 3:11, **ज्ञान** का 1:4, और **डाँट** का 1:25 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 12:2 (#1)

טוֹב

"भले मनुष्य"

भले मनुष्य यहाँ किसी विशेष व्यक्ति का उल्लेख नहीं करते है, बल्कि सामान्य रूप से इस प्रकार के व्यक्ति का उल्लेख करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक अधिक स्वाभाविक वाक्यांश का उपयोग कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी अच्छा व्यक्ति"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 12:2 (#2)

"प्रसन्न"

देखें कि आपने **प्रसन्न** जैसी भाववाचक संज्ञा का 3:4 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 12:2 (#3)

וְאִישׁ

"परन्तु बुरी युक्ति करनेवाले (मनुष्य)"

मूल भाषा में यहाँ मनुष्य शब्द का प्रयोग किया गया हैं परंतु हिन्दी अनुवाद में इसका प्रयोग नहीं किया गया है।

हालांकि शब्द **करनेवाले (मनुष्य)** पुल्लिंग है, सुलैमान इस शब्द का उपयोग सामान्य अर्थ में कर रहे हैं, जो पुरुष या महिला दोनों को संदर्भित कर सकता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो इसे स्पष्ट करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन एक व्यक्ति का"

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 12:2 (#4)

וְאִישׁ מְזִמּוֹת

"परन्तु बुरी युक्ति करनेवाले को"

यहाँ सुलैमान एक **करनेवाले (मनुष्य)** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं जो **युक्तियाँ** बनाता है। यदि आपकी भाषा में इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन एक व्यक्ति जो योजनाएँ बनाता है"

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 12:3 (#1)

אָדָם

"कोई मनुष्य"

हालांकि **मनुष्य** शब्द पुल्लिंग है, सुलैमान इस शब्द का उपयोग एक सामान्य अर्थ में कर रहे हैं जो पुरुष या महिला दोनों को संदर्भित कर सकता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप एक ऐसा वाक्यांश का उपयोग कर सकते है जो इसे स्पष्ट करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "एक व्यक्ति"

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 12:3 (#2)

לֹא־יִכּוֹן & בַּל־יִמּוֹט

"स्थिर नहीं होता" - "जड़ उखड़ने की नहीं"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: "स्वयं को स्थापित नहीं करेंगे ... कोई नहीं हिला सकेगा"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 12:3 (#3)

לֹא־יִכּוֹן

"स्थिर नहीं होता"

यहाँ जिस शब्द का अनुवाद **स्थिर** किया गया है, वह एक स्थायी और सुरक्षित जीवन होने का संकेत देता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सुरक्षित नहीं किया जाएगा"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 12:3 (#4)

"दुष्टता के कारण"

देखें कि आपने **दुष्टता** का 4:17 में कैसे अनुवाद किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 12:3 (#5)

וְשֹׁרֶשׁ צַדִּיקִים בַּל־יִמּוֹט

"परन्तु धर्मियों की जड़ उखड़ने की नहीं"

यहाँ सुलैमान किसी के जीवन की सुरक्षा का उल्लेख करते हैं जैसे कि उस व्यक्ति की सुरक्षा एक **जड़** हो जिसे **उखड़ा नहीं जा सकता**। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन धर्मी लोगों की सुरक्षा समाप्त नहीं होगी" या "लेकिन धर्मी लोगों की सुरक्षा बनी रहेगी"

देखें: रूपक

नीतिवचन 12:4 (#1)

אֵשֶׁת־חַיִל

"भली स्त्री अपने पति का मुकुट है"

यहाँ सुलैमान एक **स्त्री** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं, जो **मुकुट** के जैसे विशेष होती है। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: "एक योग्य पत्नी"

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 12:4 (#2)

עֲטֶרֶת בַּעְלָהּ

"अपने पति का मुकुट है"

यहाँ सुलैमान एक महिला को संदर्भित करते हैं जो अपने पति का इस तरह सम्मान करती है मानो वह उनका **मुकुट** हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते है या एक उपमा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अपने पति के लिए महान आदर का चिन्ह है" या "अपने पति का सम्मान करती है मानो वह उनका मुकुट हो"

देखें: रूपक

नीतिवचन 12:4 (#3)

וּכְרָקָב בְּעַצְמוֹתָיו מְבִישָׁה

"परन्तु जो लज्जा के काम करती वह मानो उसकी हड्डियों के सड़ने का कारण होती है"

सुलैमान कह रहे हैं कि एक महिला जो **लज्जा के काम करती** वह उनके पति के लिए **हड्डियों में सड़न** के समान होती हैं क्योंकि वह धीरे-धीरे उनके जीवन को बर्बाद कर देती है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन जो शर्मिंदगी का कारण बनती है वही उनके जीवन को दयनीय बनाती है"

देखें: उपमा

नीतिवचन 12:4 (#4)

וּכְרָקָב בְּעַצְמוֹתָיו

"परन्तु" - "वह मानो उसकी हड्डियों के सड़ने का कारण होती है"

यहाँ, **सड़न** एक बीमारी जैसे कर्करोग को संदर्भित करता है जो धीरे-धीरे किसी व्यक्ति के शरीर को नष्ट कर देती है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनकी हड्डियों में कर्करोग की तरह है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 12:4 (#5)

בְּעַצְמוֹתָיו

"उसकी हड्डियों के"

यहाँ, सर्वनाम **उसकी** उस महिला के पति को संदर्भित करता है **जो लज्जा का कारण बनती है**। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके पति की हड्डियों में"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

नीतिवचन 12:5 (#1)

"न्याय"

देखें कि आपने **न्याय** जैसी भाववाचक संज्ञा का 1:3 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 12:5 (#2)

תַּחְבֻּלֹ֥ות רְשָׁעִ֖ים מִרְמָֽה

"दुष्टों की युक्तियाँ छल की हैं"

यह खंड पिछले खंड के साथ एक स्पष्ट विरोधाभास प्रस्तुत करता है। आपकी भाषा में विरोधाभास को दर्शाने के लिए सबसे स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: "इसके विपरीत, दुष्टों की योजनाएँ छलपूर्ण होती हैं"

देखें: जोड़ें – विरोधाभास सम्बन्ध

नीतिवचन 12:6 (#1)

"की बातचीत" - "परन्तु... मुँह की"

देखें कि आपने **बातचीत** का 1:23 में और **मुँह** का 10:11 में किस प्रकार अनुवाद किया।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 12:6 (#2)

אֱרֹב־דָּמִ֣ים

"हत्या करने के लिये घात लगाने के समान होता है"

यहाँ सुलैमान **दुष्ट लोगों** का उल्लेख करते हैं जो ऐसी बातें कहते हैं जो अन्य लोगों की मृत्यु का कारण बन सकती है, जैसे कि वे जो कहते है वह एक व्यक्ति हो जो सड़क पर किसी पर घात लगाने की प्रतीक्षा करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते है या उपमा का उपयोग कर सकते हैं। देखें कि आपने इस वाक्यांश का 1:11 में कैसे अनुवाद किया है। वैकल्पिक अनुवाद: " परिणाम स्वरूप लोगों की मृत्यु" या "जैसे कोई जो किसी की हत्या के लिए घात लगाए बैठा हो"

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 12:6 (#3)

יַצִּילֵֽם

"छुड़ानेवाले होते हैं"

यहाँ सुलैमान **सीधे लोगों** का उल्लेख करते हैं जो खुद को अपने बातों के द्वारा मुसीबत से बचाते हैं, जैसे कि वे जो बोलते है वह एक व्यक्ति हो जो उन्हें **छुड़ा** सकता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: "परिणाम स्वरूप वे स्वयं को छुड़वा लेंगे"

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 12:7 (#1)

הָפְכוּ֣

"उलटे जाते हैं"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। यहाँ **उलटे जाते हैं** शब्द का अर्थ बर्बाद या नष्ट होना है। वैकल्पिक अनुवाद: "दुष्ट लोग विनाश का अनुभव करते हैं"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 12:7 (#2)

"परन्तु धर्मियों का घर"

देखें कि आपने **घर** का अनुवाद 3:33 में कैसे किया।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 12:7 (#3)

יַעֲמֹֽד

"स्थिर रहता है"

यहाँ सुलैमान **धर्मियों** के परिवारों का उल्लेख करते हैं जो ऐसे बने रहते है जैसे वे एक **घर** हों जो **स्थिर** बना रहेगा। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: "स्थिर रहेंगे" या "अस्तित्व में बने रहेंगे"

देखें: रूपक

नीतिवचन 12:8 (#1)

לְפִ֥י

"बुद्धि के अनुसार"

मूल भाषा में यहाँ **मुंह के द्वारा** का प्रयोग किया गया हैं जिसे हिन्दी अनुवाद मे **बुद्धि के अनुसार** किया गया है ।

मुंह के द्वारा एक मुहावरा है जिसका अर्थ है "के अनुसार।" यदि इस वाक्यांश का आपकी भाषा में यह अर्थ नहीं है, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: "अनुपात में"

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 12:8 (#2)

שִׂשְׂכְלֹ֑ו & אִ֣ישׁ

"मनुष्य की बुद्धि के अनुसार उसकी"

हालांकि **उसकी** और **मनुष्य** पुल्लिंग हैं, सुलैमान इन शब्दों का उपयोग एक सामान्य अर्थ में कर रहे हैं जो पुरुषों और महिलाओं दोनों को शामिल करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप ऐसे वाक्यांशों का उपयोग कर सकते है जो इसे स्पष्ट करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उस व्यक्ति की अंतर्दृष्टि, वह व्यक्ति"

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 12:8 (#3)

"मनुष्य की बुद्धि के"

देखें कि आपने **बुद्धि** जैसी भाववाचक संज्ञा का 1:3 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 12:8 (#4)

יְהֻלַּל־אִאִישׁ

"उसकी प्रशंसा होती है"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते है जो स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: "लोग उस पुरुष की प्रशंसा करेंगे"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 12:8 (#5)

וְנַעֲוֵה־לֵבָב

"परन्तु कुटिल (हृदय)"

मूल भाषा में यहाँ कुटिल हृदय का प्रयोग किया गया है जिसे हिन्दी में केवल कुटिल अनुवादित किया गया है।

यहाँ सुलैमान उन लोगों के बारे में बात कर रहे हैं जो गलत सोचते है, जैसे कि उनके पास एक **कुटिल हृदय** है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: "परंतु जो गलत सोचते हैं"

देखें: रूपक

नीतिवचन 12:8 (#6)

"तुच्छ जाना जाता है"

यहाँ सुलैमान का अर्थ है कि लोग इस प्रकार के व्यक्ति को **तुच्छ जानागें**। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तिरस्कार किया जाएगा" या "लोगों द्वारा घृणित समझा जाएगा"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 12:9 (#1)

נָנְקֵלָה וְעֶבֶד לוֹ

"साधारण मनुष्य"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते है जो स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: "वह जिन्हें अन्य लोग अपमानित करते हैं"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 12:9 (#2)

וְעֶבֶד לוֹ & וַחֲסַר־לָחֶם

"(और) उससे दास"

मूल भाषा में यहाँ **और** शब्द का प्रयोग किया गया है जिसे हिन्दी में अनुवादित नहीं किया गया है ।

इन दोनों वाक्यांशों में, **और** यह दर्शाता है कि जो इसके बाद आता है वह इसके पहले के विपरीत है। अपनी भाषा में विरोधाभास को दर्शाने के लिए सबसे स्वाभाविक तरीके का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन एक सेवक है ... लेकिन रोटी की कमी है"

देखें: जोड़ें – विरोधाभास सम्बन्ध

नीतिवचन 12:9 (#3)

"रोटी"

देखें कि आपने **रोटी** के इस उपयोग का 9:5 में किस प्रकार अनुवाद किया।

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 12:10 (#1)

"धर्मी"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 9:9 में किस प्रकार किया।

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 12:10 (#2)

יוֹדֵעַ & נֶפֶשׁ

"के भी प्राण की सुधि रखता है"

यहाँ, वाक्यांश **प्राण की सुधि रखता है** किसी के **पशु** की भलाई के प्रति चिंतित होने का संदर्भ देता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "भलाई के प्रति चिंतित है" या "जीवन की परवाह करते हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 12:10 (#3)

בְּהֶמְתּוֹ

"अपने पशु"

हालांकि शब्द **अपने** पुल्लिंग है, सुलैमान इस शब्द का उपयोग एक सामान्य अर्थ में कर रहे हैं जिसमें पुरुष और महिलाएं दोनों शामिल है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक वाक्यांश का उपयोग कर सकते है जो इसे स्पष्ट करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "उस व्यक्ति का पशु"

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 12:10 (#4)

וְרַחֲמֵי רְשָׁעִים

"परन्तु दुष्टों की दया भी निर्दयता है"

यदि आपकी भाषा में **दया** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन कुछ अनुकंपा जो दुष्ट लोग करते हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 12:11 (#1)

“रोटी “

देखें कि आपने **रोटी** के इस अनुवाद 9:5 में कैसे किया।

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 12:11 (#2)

עֹבֵד אַדְמָתוֹ

“जो अपनी भूमि को जोतता”

यह वाक्यांश एक किसान को संदर्भित करता है जो **अपनी भूमि** पर फसलें बोता, उगाता और काटता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते है या आप कड़ी मेहनत करने के लिए एक उपयुक्त अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “एक किसान जो अपनी भूमि में खेती करता है” या “कोई जो अपने कार्य में कड़ी मेहनत करता है”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 12:11 (#3)

אַדְמָתוֹ

“अपनी भूमि”

हालांकि शब्द **अपनी** पुल्लिंग है, सुलैमान इस शब्द का उपयोग एक सामान्य अर्थ में कर रहे हैं जो पुरुषों और महिलाओं दोनों को शामिल करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक वाक्यांश का उपयोग कर सकते है जो इसे स्पष्ट करता है। वैकल्पिक अनुवाद: “उस व्यक्ति की भूमि”

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 12:11 (#4)

רֵיקִים

“निकम्मों की”

यहाँ सुलैमान उन निरर्थक चीजों की ओर इशारा करते हैं जो लोग ऐसे करते हैं जैसे वे **निकम्मे** पात्र हों। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “निरर्थक गतिविधियाँ”

देखें: रूपक

नीतिवचन 12:11 (#5)

“वह निर्बुद्धि ठहरता है”

देखें कि आपने **निर्बुद्धि** का 6:32 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 12:12 (#1)

“दुष्ट जन”

देखें कि आपने इस वाक्यांश का 9:7 में अनुवाद कैसे किया।

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 12:12 (#2)

מְצֹוד

“लूट के माल की”

यहाँ सुलैमान उन **दुष्टों** को संदर्भित करते हैं जो **लूट** में फंसे हुए हैं, जैसे कि वह स्वयं **फंदा** हो। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “का लूट”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 12:12 (#3)

“परन्तु धर्मियों की जड़ें”

देखें कि आपने इस वाक्यांश का 12:3 में कैसे अनुवाद किया।

देखें: रूपक

नीतिवचन 12:12 (#4)

יִתֵּן

“हरी भरी रहती है”

यहाँ सुलैमान **रहती है** का उपयोग कुछ उत्पन्न करने के संदर्भ में करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “फल उत्पन्न करेगा” या “फलवंत होगा”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 12:13 (#1)

בִּפְשַׁע שְׂפָתַיִם

“दुर्वचनों के कारण”

यहाँ सुलैमान **दुर्वचनों** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं जो **बुरे** द्वारा विशेषीकृत है। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “वे होंठ जो अपराध करते हैं”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 12:13 (#2)

“दुर्वचनों”

देखें कि आपने **दुर्वचनों** के इस उपयोग का 10:18 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 12:13 (#3)

מוֹקֵשׁ רָע

“दुर्वचनों के कारण फंदे में”

यहाँ सुलैमान उन आपदाओं का उल्लेख करते हैं जो **बुरे मनुष्य** पर उसके कहे हुए शब्दों के कारण आती हैं, जैसे कि वह **फंदे** में फंस गया हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “वह जो दुष्ट व्यक्ति को नष्ट करता है।”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 12:13 (#4)

“बुरा मनुष्य”

देखें कि आपने **धर्मी** का 10:16 में और **बुरा मनुष्य** का 3:33 में किस प्रकार अनुवाद किया।

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 12:13 (#5)

וַיֵּצֵא מִצָּרָה צַדִּיק

“परन्तु धर्मी संकट से निकास पाता है”

यहाँ सुलैमान **संकट** से बचने का उल्लेख करते हैं जैसे कि यह एक स्थान हो जहाँ से कोई **निकास पाता है**। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “लेकिन धार्मिक व्यक्ति कष्ट से बचेंगे”

देखें: रूपक

नीतिवचन 12:13 (#6)

“संकट से”

देखें कि आपने **संकट** जैसी भाववाचक संज्ञा का 1:27 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 12:14 (#1)

מִפְּרִי פִי־אִישׁ

“सज्जन अपने वचनों के फल के द्वारा”

यहाँ सुलैमान उस बात का उल्लेख करते हैं जो एक व्यक्ति कहता है, जैसे कि वह उस व्यक्ति के **वचनों** से उत्पन्न हुआ **फल** हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “जो एक व्यक्ति कहता है उससे”

देखें: रूपक

नीतिवचन 12:14 (#2)

אִישׁ יִשְׂבַּע & אָדָם יָשִׁיב לוֹ

“भलाई से तृप्त होता है” - “वैसी उसकी भरनी होती है”

हालांकि **सज्जन**, **अपने**, और **उसकी** पुल्लिंग हैं, सुलैमान इन शब्दों का उपयोग एक सामान्य अर्थ में कर रहे हैं जो पुरुषों और महिलाओं दोनों को शामिल करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप ऐसे वाक्यांशों का उपयोग कर सकते है जो इसे स्पष्ट करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक व्यक्ति उस व्यक्ति से संतुष्ट होगा... एक व्यक्ति उस व्यक्ति के पास लौटेगा”

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 12:14 (#3)

מִפְּרִי פִי־אִישׁ יִשְׂבַּע־טוֹב

“सज्जन अपने वचनों के फल के द्वारा भलाई से तृप्त होता है”

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते है जो स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: “मनुष्य के वचन का फल उसे भलाई से संतुष्ट करेगा”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 12:14 (#4)

“भलाई”

देखें कि आपने भाववाचक संज्ञा **भलाई** का 11:27 में किस प्रकार अनुवाद किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 12:14 (#5)

וּגְמֻול יְדֵי־אָדָם

“और जैसी जिसकी करनी” (हाथों के कार्य)

मूल भाषा मे ‘हाथों के कार्य’ वाक्यांश का प्रयोग हुआ है जिसे हिन्दी में जिसे ‘करनी’ अनुवादीत किया गया हैं।

यहाँ सुलैमान उल्लेख करते हैं जिसे कोई व्यक्ति शारीरिक श्रम के माध्यम से प्राप्त करता है वो ऐसा है, जैसे कि वह उस व्यक्ति के **करनी** का **नतीजा** हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “और जो व्यक्ति शारीरिक श्रम कर के कुछ प्राप्त करता है”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 12:14 (#6)

יָשִׁיב לוֹ

“वैसी उसकी भरनी होती है” (उनके पास लौट आएगा)

मूल भाषा मे ‘उनके पास लौट आएगा’ वाक्यांश का प्रयोग किया गया है जिसे हिन्दी में ‘उसकी भरनी में’ अनुवादीत किया गया है।

यहाँ सुलैमान उस लाभ का संदर्भ देते हैं जो किसी व्यक्ति को कड़ी मेहनत के परिणामस्वरूप प्राप्त होता है, जैसे कि वह **करनी** एक व्यक्ति हो जो **उसकी भरनी है**। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उन्हें लाभ होगा”

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 12:15 (#1)

“चाल”

देखें कि आपने **चाल** के इस उपयोग का 1:15 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 12:15 (#2)

“सीधी जान पड़ती है” (अपनी आंखों में)

मूल भाषा में यहाँ ‘अपनी आखों में’ लिखा गया हैं जिसे हिन्दी मे ‘जान पड़ती है’ अनुवादित किया गया है।

देखें कि आपने **जान पड़ती है** के इस उपयोग का 3:7 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 12:15 (#3)

"सम्मति"

देखें कि आपने भहववाचक संज्ञा **सम्मति** का 1:25 में कैसे अनुवाद किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 12:16 (#1)

כַּעְסוֹ

"मूर्ख की रिस"

मूल भाषा में यहाँ सर्वनाम 'उसका' प्रयोग किया गया है जिसे हिन्दी अनुवाद में 'मूर्ख' किया गया है।

हालांकि शब्द **मूर्ख** पुल्लिंग है, सुलैमान इस शब्द का उपयोग एक सामान्य अर्थ में कर रहे हैं जो पुरुषों और महिलाओं दोनों को शामिल करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक वाक्यांश का उपयोग कर सकते है जो इसे स्पष्ट करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "उस व्यक्ति का क्रोध"

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 12:16 (#2)

כַּעְסוֹ

"मूर्ख की रिस"

यदि आपकी भाषा में **रिस** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: "जब वे गुस्से में होते हैं,"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 12:16 (#3)

יִוָּדַע

"प्रगट हो जाती है"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते है जो स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: "लोगों को पता है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 12:16 (#4)

"तुरन्त प्रगट"

वैकल्पिक अनुवाद: "उसी दिन" या "तत्काल"

नीतिवचन 12:16 (#5)

"परन्तु" - "अनदेखा करता है"

देखें कि आपने 10:6 में **अनदेखा** के इस उपयोग का अनुवाद कैसे किया।

देखें: रूपक

नीतिवचन 12:16 (#6)

"अपमान"

देखें कि आपने **अपमान** का 3:35 में कैसे अनुवाद किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 12:17 (#1)

יָפִיחַ

"जो सच बोलता है"

हालांकि **जो** शब्द पुल्लिंग है, सुलैमान इस शब्द का उपयोग एक सामान्य अर्थ में कर रहे हैं जो पुरुषों और महिलाओं दोनों को शामिल करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक ऐसा वाक्यांश उपयोग कर सकते है जो इसे स्पष्ट करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "एक व्यक्ति जो बोलता है"

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 12:17 (#2)

"जो सच बोलता है"

देखें कि आपने 6:19 में **जो सच बोलता है** के इस अनुवाद को कैसे किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 12:17 (#3)

אֱמוּנָה יַגִּיד צֶדֶק & שְׁקָרִים מִרְמָה

"वह धर्म प्रगट करता है"

यदि आपकी भाषा में **सच** और **धर्म**, **झूठी**, और **छल** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप इन्हीं विचारों को अन्य तरीकों से व्यक्त कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: "जो विश्वासयोग्य होता है, वह बताता है कि क्या धार्मिक है... झूठी बातें, धोखेबाजी क्या है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 12:17 (#4)

וְעֵד שְׁקָרִים מִרְמָה

"परन्तु जो झूठी साक्षी देता, वह छल प्रगट करता है"

सुलैमान इस खंड में एक शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक खंड को पूरा करने के लिए आवश्यक होते है। यदि यह आपकी भाषा में स्पष्ट होगा, तो आप इस शब्द को पिछले खंड से ले सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन झूठा साक्षी धोखा देता है।"

देखें: पदलोप

नीतिवचन 12:17 (#5)

וְעֵד שְׁקָרִים

“परन्तु जो झूठी साक्षी देता”

हालांकि **साक्षी** एकवचन है, यह सामान्य रूप में किसी भी **झूठे साक्षी** को संदर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक अलग रूप का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “लेकिन कोई भी झूठा गवाह”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 12:17 (#6)

וְעֵ֥ד שְׁקָרִ֖ים

“परन्तु जो झूठी साक्षी देता”

यहाँ सुलैमान एक **साक्षी** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं जो **झूठ** बोलता है। यदि आपकी भाषा में इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “परंतु एक साक्षी जो झूठ बोलता है”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 12:18 (#1)

בִּבּוֹטֶה

“ऐसे लोग हैं जिनका बिना सोच विचार का बोलना”

यहाँ, **ऐसे** एक प्रकार के लोगों को संदर्भित करता है। इसका अर्थ यह नहीं है कि केवल **एक** व्यक्ति ही यह कार्य करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “एक प्रकार का व्यक्ति जो बिना सोचे-समझे बोलता है”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 12:18 (#2)

כְּמַדְקְרוֹת חָ֫רֶב

“तलवार के समान चुभता है”

सुलैमान कह रहे हैं कि जो लोग **बिना सोच-विचार के** बोलते हैं, उनकी बातें **तलवार के समान चुभती है** क्योंकि वे लोगों को चोट पहुँचाती हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “और दूसरों को चोट पहुँचाते है जैसे कि उन्होंने उन्हें तलवार से वार किया हो।”

देखें: उपमा

नीतिवचन 12:18 (#3)

וּלְשׁ֫וֹן

“बोलने से”

मूल भाषा में यहाँ ‘जीभ से’ का प्रयोग किया गया हैं जो बोलने के लिए उपयोग किया जाता है, और जिसे हिन्दी में ‘बोलने से’ अनुवादित किया गया है।

शब्द **बोलने से** सामान्य रूप में जीभ का प्रतिनिधित्व करता है, न कि किसी एक विशेष **जीभ का**। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप एक अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “लेकिन जीभों का”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 12:18 (#4)

“बोलने से”

देखें कि आपने **बोलने से** 6:17 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 12:19 (#1)

שְׂפַת

“सच्चाई” (के होंठ)

मूल भाषा में यहाँ ‘सच्चाई के होंठ’ वाक्यांश का प्रयोग किया गया है जिसे हिन्दी अनुवाद में **‘**सच्चाई’ किया गया है।

यहाँ, शब्द **सच्चाई** सामान्य रूप में सच बोलने वाले होंठ का प्रतिनिधित्व करता है, न कि किसी एक विशेष **सच** का। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप एक अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “के होंठों से”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 12:19 (#2)

שְׂפַת

(होंठों में) “सच्चाई सदा बनी रहेगी”

मूल भाषा में यहाँ **‘**होंठों में सच्चाई बनी रहेगी’ लिखा गया है जिसका हिन्दी मे प्रयोग नहीं किया गया है।

यहाँ, **बनी रहेगी** का अर्थ उन लोगों से है जो अपने होंठ हिलाकर बोलते हैं। देखें कि आपने 10:18 में “बोलता है” के इस उपयोग का कैसे अनुवाद किया।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 12:19 (#3)

שְׂפַת־אֱ֫מֶת

(होंठों में) “सच्चाई”

मूल भाषा में यहाँ ‘होंठों में सच्चाई’ वाक्यांश का प्रयोग किया गया है जिसे हिन्दी अनुवाद में **‘**सच्चाई’ किया गया है।

यहाँ सुलैमान **सच्चाई** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं जो **सत्य** बोलते हैं। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “होंठ जो सत्य बोलते हैं” या “सच्चे वचन”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 12:19 (#4)

תִּכּוֹן

“सदा बनी रहेगी”

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते है जो स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: “अस्तित्व में रहेगा”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 12:19 (#5)

לָעַ֫ד

“सदा”

यदि आपकी भाषा में **सदा** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “सदैव”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 12:19 (#6)

וְעַד־אַ֭רְגִּיעָה לְשׁוֹנִ֣י שָׁקֶֽר

“परन्तु झूठ पल भर का होता है”

सुलैमान इस वाक्यांश में कुछ शब्द छोड़ रहे हैं, जो कई भाषाओं में वाक्यांश को पूरा करने के लिए आवश्यक होगा। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप इस शब्द को पिछले वाक्यांश से जोड़ सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “लेकिन मेरे पलक झपकाते तक ही झूठो की जुबान स्थापित रहेगी” या “लेकिन झूठ की जुबान उतनी ही देर तक मौजूद रहेगी, जितनी देर मैं पलक झपकाऊंगा।”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 12:19 (#7)

“परन्तु झूठ”

देखें कि आपने इस वाक्यांश का 6:17 में किस प्रकार अनुवाद किया।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 12:19 (#8)

וְעַד־אַ֭רְגִּיעָה

“परन्तु” - “पल भर का होता है”

वाक्यांश **पल भर का होता है** एक मुहावरा है जो थोड़े समय को संदर्भित करता है, जैसे कि एक आंख झपकाने में लगने वाला समय। यदि इस वाक्यांश का आपकी भाषा में यह अर्थ नहीं है, तो आप अपनी भाषा से एक ऐसा मुहावरा उपयोग कर सकते है जिसका यह अर्थ हो या अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “लेकिन ... पलक झपकते ही” या “लेकिन ... एक संक्षिप्त समय के लिए”

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 12:20 (#1)

“बुरी युक्ति - छल

•

मेल - आनन्द“

छल 11:1 में, **दुष्ट** 1:16 में, **आनन्द** 10:28 में, और **शांति** 3:1 में देखें कि आपने भाववाचक संज्ञाओं का अनुवाद कैसे किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 12:20 (#2)

“के मन में”

देखें कि आपने **मन** के इस उपयोग का 2:2 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 12:20 (#3)

וְלִֽיֹּעֲצֵ֥י שָׁלוֹם שִׂמְחָֽה

“परन्तु मेल की युक्ति करनेवालों को आनन्द होता है”

यहाँ सुलैमान **युक्ति करनेवालों** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे है, जो दूसरों को वह करने की सलाह देते हैं जिसका परिणाम **आनन्द** होता है। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “लेकिन आनन्द उन लोगों के लिए है जो दूसरों को वह करने की सलाह देते है जिसका परिणाम शान्ति होता है।”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 12:21 (#1)

אָ֫וֶן

“हानि”

यहाँ, **हानि** उस नुकसान को संदर्भित करता है जो किसी को अपराध के परिणामस्वरूप हो सकता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “नुकसान”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 12:21 (#2)

לֹא־יְאֻנֶּ֫ה

“नहीं होती है”

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते है जो स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: “यहोवा ऐसा होने नहीं देंगे”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 12:21 (#3)

“धर्मी को”

देखें कि आपने **धर्मी** को 10:16 में कैसे अनुवाद किया।

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 12:21 (#4)

מָמֵּלְאוּ רָע

“विपत्ति में डूब जाते हैं”

वाक्यांश **दुष्ट लोग विपत्ति में डूब जाते हैं** का अर्थ हो सकता है: (1) **दुष्ट लोग** अत्यधिक विपत्ति का अनुभव करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अत्यधिक विपत्ति का अनुभव करते हैं” (2) **दुष्ट लोग** अत्यधिक दुष्टता करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अत्यधिक दुष्टता करते हैं”

देखें: रूपक

नीतिवचन 12:21 (#5)

רָע

“विपत्ति”

यहाँ, **विपत्ति** उस परेशानी को संदर्भित करता है जो कोई **दुष्टता** के कारण अनुभव कर सकता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “परेशानी”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 12:22 (#1)

“यहोवा को घृणा आती है”

देखें कि आपने इस वाक्यांश का 3:32 में कैसे अनुवाद किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 12:22 (#2)

“झूठों से” (झूठ बोलनेवाले होंठ)

मूल भाषाा में यहाँ ‘झूठ बोलनेवाले होंठ’ का प्रयोग किया गया है परन्तु हिन्दी में ‘झूठों से’ का इस्तेमाल किया गया है।

देखें कि आपने इस वाक्यांश का 10:18 में कैसे अनुवाद किया।

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 12:22 (#3)

“जो ईमानदारी से काम करते हैं, उनसे वह प्रसन्न होता है”

देखें कि आपने भाववाचक संज्ञाओं **ईमानदारी** को 12:17 में और **प्रसन्न** को 8:30 में कैसे अनुवादित किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 12:23 (#1)

אָדָם עָרוּם

“विवेकी मनुष्य”

हालांकि **मनुष्य** पुल्लिंग है, यहाँ यह किसी भी **विवेकी** व्यक्ति को संदर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “एक बुद्धिमान व्यक्ति”

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 12:23 (#2)

“को प्रगट नहीं करता है”

देखें कि आपने **प्रगट नहीं करता है** के उपयोग का 10:6 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 12:23 (#3)

“ज्ञान”

देखें कि आपने भाववाचक संज्ञाओं **ज्ञान** का 1:4 में और **मूर्खता** का 5:23 में किस प्रकार अनुवाद किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 12:23 (#4)

וְלֵ֫ב כְּסִילִ֥ים

“परन्तु मूर्ख अपने मन की”

यहाँ, **मन** पूरे व्यक्ति को संदर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “लेकिन मूर्ख व्यक्ति”

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 12:24 (#1)

“कामकाजी लोगों”

देखें कि आपने उसी वाक्यांश का अनुवाद 10:4 में किस प्रकार किया है।

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 12:24 (#2)

וֹרְמִיָּ֫ה

“परन्तु आलसी”

हालांकि **आलसी** यहाँ एकवचन है, यह सामान्य रूप से सभी **आलसी** लोगों को संदर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप एक अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी आलसी व्यक्ति”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 12:25 (#1)

דְּאָגָה

“उदास”

यदि आपकी भाषा में **उदास** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “वह जो चिंता उत्पन्न करता है”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 12:25 (#2)

“मन “

देखें कि आपने **मन** का अनुवाद 2:2 में कैसे किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 12:25 (#3)

אִ֣אִישׁ

“(एक पुरुष का) उदास मन”

मूल भाषाा में यहाँ ‘एक पुरुष का’ वाक्यांश का प्रयोग किया गया है जिसे हिन्दी अनुवाद में ‘उदास मन’ किया गया है जो किसी व्यक्ति का हो सकता है।

हालांकि **मन** पुल्लिंग है, यहाँ यह सामान्य रूप में किसी भी व्यक्ति को संदर्भित कर सकता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई व्यक्ति”

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 12:25 (#4)

יַשְׁחֶנָּה

“दब जाता है”

यहाँ सुलैमान **उदासी** का उल्लेख करते हैं जो किसी व्यक्ति को उदास कर देती है, जैसे कि यह कुछ ऐसा है जिससे व्यक्ति **दब जाता है**। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “मनुष्य के हृदय को उदास कर देती है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 12:25 (#5)

וְדָבָ֥ר טוֹ֖ב

“परन्तु भली बात से”

यहाँ सुलैमान वाक्यांश **परन्तु भली बात से** का उपयोग किसी के द्वारा बोले गए दयालु शब्दों का वर्णन करने के लिए करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “लेकिन जो व्यक्ति दया से बोलते हैं”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 12:26 (#1)

“धर्मी”

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 9:9 में किस प्रकार किया है।

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 12:26 (#2)

יָתֵ֥ר מֵרֵעֵ֖הוּ

“अपने पड़ोसी की अगुआई करता है”

इसका अर्थ हो सकता है: (1) **एक धार्मिक व्यक्ति अपने पड़ोसी** का मार्गदर्शन करता है। वैकल्पिक अनुवाद: “अपने पड़ोसी का मार्गदर्शन करते हैं” (2) **एक धार्मिक व्यक्ति** किसी व्यक्ति को **अपने पड़ोसी** के रूप में चुनने से पहले सावधानीपूर्वक जांच करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वे सावधानीपूर्वक जांचते हैं कि वे किसे अपने पड़ोसी के रूप में चुनेगे”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 12:26 (#3)

מֵרֵעֵ֖הוּ

“अपने पड़ोसी की

हालांकि शब्द **अपने** पुल्लिंग है, सुलैमान इस शब्द का उपयोग एक सामान्य अर्थ में कर रहे हैं जो पुरुषों और महिलाओं दोनों को शामिल करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक ऐसा वाक्यांश उपयोग कर सकते है जो इसे स्पष्ट करता है। वैकल्पिक अनुवाद: “उस व्यक्ति के पड़ोसी से”

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 12:26 (#4)

“परन्तु दुष्ट लोग अपनी ही चाल”

देखें कि आपने **दुष्ट लोग अपनी ही चाल** का अनुवाद 4:19 में किस प्रकार किया।

देखें: रूपक

नीतिवचन 12:26 (#5)

תַּתְעֵ֥ם

“के कारण भटक जाते हैं”

यहाँ सुलैमान **दुष्ट लोगों** का उल्लेख करते हैं जो जानबूझकर दुष्ट कार्य करते है, जिसका परिणाम उनका विनाश होगा, मानो उनका व्यवहार कोई व्यक्ति हो, जिसके **कारण** वो **भटक जाते हैं**। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते है। देखें कि आपने 10:17 में **भटक जाते है** के लिए समान अर्थ का अनुवाद कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: “उनसे ऐसा करवाएगा जिसका परिणाम उनका विनाश होगा”

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 12:27 (#1)

רְמִיָּ֣ה

“आलसी”

आलसी यहाँ किसी विशेष व्यक्ति का उल्लेख नहीं करता है, बल्कि सामान्य रूप में एक प्रकार के व्यक्ति का उल्लेख करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप एक अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी लापरवाह व्यक्ति”

देखें: साधारण संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 12:27 (#2)

לֹא־יַחֲרֹ֥ךְ & צֵידוֹ

“अहेर का पीछा (भूनेगा) नहीं करता”

मूल भाषा में 'आहेर को नहीं भुनेगा' इस प्रकार लिखा हैं जिसे हिन्दी में 'अहेर का पीछा नहीं करता' अनुवादित किया गया है।

यहाँ, **अहेर** उन जानवरों को संदर्भित करता है जिन्हें किसी ने उनके मांस को खाने के लिए शिकार कर के मारा है। और **पीछा (भूनेगा)** आग पर खाना पकाने को संदर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: "वे उन जानवरों के मांस को पकाने के लिए आग का उपयोग नहीं करेंगे जिनका उन्होंने शिकार किया है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 12:27 (#3)

וְהוֹן־אָדָם יָקָר חָרוּץ

"परन्तु कामकाजी को अनमोल वस्तु मिलती है"

इसका अर्थ हो सकता है: (1) **कामकाजी को अनमोल वस्तु** प्राप्त करेगा। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन एक मेहनती व्यक्ति मूल्यवान धन प्राप्त करेगा" (2) **एक कामकाजी** अपने **धन** को **मूल्यवान** मानता है। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन एक मेहनती व्यक्ति का धन उसके लिए मूल्यवान है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 12:27 (#4)

אָדָם & חָרוּץ

(एक पुरुष) - " कामकाजी "

मूल भाषाा में 'एक पुरुष' शब्द का प्रयोग किया गया हैं जिसे हिन्दी अनुवाद में इस्तमाल नहीं किया गया है।

यहाँ, **एक पुरुष** और **कामकाजी** किसी विशेष व्यक्ति का उल्लेख नहीं करते है, बल्कि सामान्य रूप में एक प्रकार के व्यक्ति का उल्लेख करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी व्यक्ति ... किसी भी कामकाजी व्यक्ति के लिए"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 12:28 (#1)

בְּאֹרַח־צְדָקָה חַיִּים וְדֶרֶךְ נְתִיבָה אַל־מָוֶת

"धर्म के मार्ग में जीवन मिलता है"

ये दोनों उपवाक्य का अर्थ मूल रूप से एक ही हैं। दूसरा उपवाक्य पहले के अर्थ को जोर देकर, उसी विचार को अलग शब्दों में दोहराकर बताता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप वाक्यांशों को **और** के अलावा किसी अन्य शब्द से जोड़ सकते है जो दिखाता है कि दूसरा वाक्यांश पहले को दोहरा रहा है, कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: "धार्मिकता के मार्ग में जीवन है, हाँ, उसके मार्ग में मृत्यु नहीं है।"

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 12:28 (#2)

"धर्म के मार्ग में"

देखें कि आपने **धर्म के मार्ग में** का अनुवाद 8:20 में किस प्रकार किया।

देखें: रूपक

नीतिवचन 12:28 (#3)

חַיִּים & אַל־מָוֶת

"जीवन मिलता है"

इस पद में, **है** यह संकेत करता है कि जो आगे आता है वह पहले के वाक्यांश का परिणाम है। परिणाम को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीके का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "परिणाम जीवन है ... परिणाम मृत्यु नहीं है।"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

नीतिवचन 12:28 (#4)

"जीवन मिलता है"

देखें कि आपने **जीवन** के इस उपयोग का 10:16 में कैसे अनुवाद किया।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 12:28 (#5)

וְדֶרֶךְ נְתִיבָה

"और उसके पथ में मृत्यु का पता भी नहीं"

यहाँ सुलैमान स्वामित्व रूप का उपयोग करते हुए यह संकेत देते है कि **उसके पथ में मृत्यु का पता भी नहीं** है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: "और उस रास्ते में मृत्यु नहीं मिलती है"

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 12:28 (#6)

וְדֶרֶךְ נְתִיבָה

"उसके पथ में मृत्यु का पता भी नहीं"

यहाँ, **उसके पथ में मृत्यु** पद के प्रारंभ में **धर्म के मार्ग** को संदर्भित करता है। सुलैमान धार्मिक रूप से जीने का उल्लेख करते हैं जैसे कि कोई **पथ** पर चल रहा हो जो सुरक्षित है क्योंकि इसे अच्छी तरह से बनाया गया है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: "और धार्मिक रूप से जीना"

देखें: रूपक

नीतिवचन 12:28 (#7)

אַל־מָוֶת

"मृत्यु का पता भी नहीं"

यहाँ, **मृत्यु** का मतलब हो सकता है: (1) एक व्यक्ति का अपेक्षा से पहले न मरना, जो पद के प्रारंभ में **जीवन** के लिए उपयोग किए गए विचार को विपरीत तरीके से कहने का तरीका है। वैकल्पिक अनुवाद: "जल्दी नहीं मरना" (2) एक व्यक्ति का अमर होना। वैकल्पिक अनुवाद: "अमर होना"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 13:1 (#1)

בֵּ֣ן חָ֭כָם מ֣וּסַר אָ֑ב

“बुद्धिमान पुत्र पिता की शिक्षा सुनता है”

सुलैमान एक ऐसा शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में आवश्यक होते है ताकि वाक्य को पूरा किया जा सके। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप संदर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “बुद्धिमान पुत्र पिता के निर्देश को सुनता है।”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 13:1 (#2)

“बुद्धिमान पुत्र”

देखें कि आपने **पुत्र** के इस प्रयोग का 1:8 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 13:1 (#3)

“की शिक्षा” - “घुड़की”

देखें कि आपने **शिक्षा** का 1:2 में और **घुड़की** का 1:25 में कैसे अनुवाद किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 13:1 (#4)

וְ֝לֵ֗ץ

“परन्तु ठट्ठा करनेवाला”

यहाँ, **परन्तु ठट्ठा करनेवाला** सामान्य रूप से इस प्रकार के व्यक्ति को संदर्भित करता है, किसी विशेष **ठट्ठा करनेवाले** को नहीं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “लेकिन कोई भी मजाक उड़ाने वाला”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 13:1 (#5)

אָ֥ב

“पिता”

यहाँ, **पिता** उस **पुत्र** के **पिता** को संदर्भित करते हैं जिसका पद के प्रारंभ में उल्लेख किया गया है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “उसके पिता”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 13:2 (#1)

“सज्जन अपनी बातों के कारण”

देखें कि आपने उसी वाक्यांश का अनुवाद 12:14 में किस प्रकार किया।

देखें: रूपक

नीतिवचन 13:2 (#2)

“उत्तम”

देखें कि आपने भाववाचक संज्ञाओं **उत्तम** का 11:27, **पेट** का 6:30, और **उपद्रव** का 3:31 में कैसे अनुवाद किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 13:2 (#3)

וְנֶ֥פֶשׁ

“परन्तु विश्वासघाती लोगों का पेट”

यहाँ सुलैमान **विश्वासघाती** की लालसा को उनके **पेट** के रूप में संदर्भित करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “लेकिन **लालसा** का”

देखें: रूपक

नीतिवचन 13:3 (#1)

נֹצֵ֤ר פִּ֨יו שֹׁמֵ֪ר נַפְשׁ֡וֹ פֹּשֵׂ֣ק שְׂ֭פָתָ֑יו מְחִתָּ֥ה־לּֽוֹ

“जो अपने मुँह की चौकसी करता है”

जो अपने मुँह की चौकसी करता है, **वह, जो** गाल बजाता है और **उसका** यह किसी विशेष व्यक्तियों का उल्लेख नहीं है, बल्कि लोगों के प्रकारों का उल्लेख है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “जो कोई अपने मुंह की पहरेदारी करता है, वह अपने जीवन को सुरक्षित रखता है; जो कोई अपने होंठ खोलता है, वह विनाश को आमंत्रित करता है।”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 13:3 (#2)

נֹצֵ֤ר פִּ֨יו

“जो अपने मुँह की चौकसी करता है”

वाक्यांश **मुँह की चौकसी करता है** एक मुहावरा है जो इस बात का संदर्भ देता है कि किसी को यह ध्यान रखना चाहिए कि वे क्या कहते है। यदि यह आपके लिए सहायक होगा, तो आप इसका अर्थ सरलता से व्यक्त कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “जो सावधानी से बोलते हैं”

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 13:3 (#3)

שֹׁמֵ֪ר נַפְשׁ֡וֹ

“अपने प्राण की रक्षा करता है”

यहाँ सुलैमान किसी के **प्राण** को संरक्षित करने की बात करते हैं, जैसे कि किसी का **प्राण** एक वस्तु हो जिसकी कोई **रक्षा** करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उनका जीवन संरक्षित करता है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 13:3 (#4)

פִּשֵּׁעַק שְׂפָתָיו מְחִתָּה־לוֹ

“जो गाल बजाता है उसका विनाश हो जाता है”

यह अंश पद के प्रारम्भिक अंश के तीव्र विरोध में है। अपनी भाषा में विरोध को इंगित करने के लिए सबसे स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: “इसके विपरीत, जो अपने होंठ खोलते हैं, उनके लिए विनाश है”

देखें: जोड़ें — विरोधाभास सम्बन्ध

नीतिवचन 13:3 (#5)

פִּשֵּׁעַק שְׂפָתָיו מְחִתָּה־לוֹ

“जो गाल बजाता है उसका विनाश हो जाता है”

सुलैमान कुछ शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होगा। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप इस शब्द को पिछले वाक्य से ले सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “जो अपने होंठ खोलते हैं, वे अपने लिए विनाश लाते हैं।”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 13:3 (#6)

פִּשֵּׁעַק שְׂפָתָיו

“जो गाल बजाता है”

वाक्यांश **जो गाल बजाता है** एक मुहावरा है जो संदर्भित कर सकता है: (1) लापरवाही से बोलना, जो पद के प्रारंभ में **मुँह की चौकसी** के अर्थ के विपरीत होगा। वैकल्पिक अनुवाद: “जो बिना सोचे समझे बोलता है” (2) बहुत अधिक बोलना। वैकल्पिक अनुवाद: “जो बहुत अधिक बोलता है”

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 13:3 (#7)

מְחִתָּה־לוֹ

“उसका विनाश हो जाता है”

यदि आपकी भाषा में **विनाश** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “स्वयं को बर्बाद करता है”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 13:4 (#1)

נַפְשׁוֹ עָצֵל

“आलसी का प्राण लालसा तो करता है”

आलसी किसी विशेष व्यक्ति का उल्लेख नहीं करता, बल्कि एक प्रकार के व्यक्ति का संकेत करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “जो कोई भी आलसी होता है, उसकी भूख”

देखें: साधारण संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 13:4 (#2)

“लालसा” - “परन्तु उसको कुछ नहीं मिलता”

देखें कि आपने **लालसा** जैसी भाववाचक संज्ञा का 6:30 में किस प्रकार अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 13:4 (#3)

מִתְאַוֶּה & נַפְשׁוֹ

“लालसा तो करता है”

यहाँ, **लालसा** एक **आलसी** व्यक्ति की **भूख** का वर्णन करती है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “उसे बहुत भूख है” या “वह लालसा करता है।”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 13:4 (#4)

וְאַיִן

“परन्तु उसको कुछ नहीं मिलता”

यहाँ सुलैमान का अर्थ है कि **कुछ भी नहीं** है जो **आलसी** व्यक्ति की **लालसा** को संतुष्ट कर सके। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “और उस लालसा को संतुष्ट करने के लिए कुछ भी नहीं है।”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 13:4 (#5)

תִּדֶּשָׁן

“हष्ट-पुष्ट हो जाते हैं”

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते है जो स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: “मोटा हो जाएगा”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 13:4 (#6)

תִּדֶּשָׁן

“हष्ट-पुष्ट हो जाते हैं”

यहाँ सुलैमान **कामकाजी लोगों की लालसा** को संतुष्ट होने के रूप में संदर्भित करते हैं, जैसे कि **लालसा** एक व्यक्ति हो जिसे **हष्ट-पुष्ट** किया जा सकता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “संतुष्ट हो जाएगा”

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 13:5 (#1)

“धर्मी”

देखें कि आपने **धर्मी** का 9:9 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 13:5 (#2)

דְּבַר־שָׁשֶׁקֶר

“झूठे वचन से”

यहाँ सुलैमान **वचन** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं, जो **झूठ** से विशेषित है। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “एक झूठा वचन“

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 13:5 (#3)

“वचन से”

देखें कि आपने **वचन** के इस उपयोग का 12:25 में किस प्रकार अनुवाद किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 13:5 (#4)

“परन्तु दुष्ट”

देखें कि आपने **दुष्ट** का 9:7 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: साधारण संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 13:5 (#5)

יַבְאִישׁ

“लज्जा का कारण होता है”

यहाँ सुलैमान उन लोगों का उल्लेख करते हैं जो दूसरों को उनके प्रति इस तरह घृणा महसूस कराते हैं जैसे कि वे दुर्गंध फैला रहे हों। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “दूसरों को उनके प्रति घृणा महसूस कराता है” या “दूसरों से घृणा करता है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 13:6 (#1)

“धर्म” - “परन्तु दुष्टता”

देखें कि आपने **धर्म** का 1:3 में और **दुष्टता** का 4:17 में किस प्रकार अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 13:6 (#2)

צְדָקָה תִּצֹּר תָּם־דָּרֶךְ

“खरी चाल चलनेवाले की रक्षा करता है”

“यहाँ सुलैमान उन लोगों का उल्लेख करते हैं जो धर्म से कार्य करके स्वयं की रक्षा करते हैं, जैसे कि **धर्म** एक व्यक्ति हो जो उनकी **रक्षा** करता हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “निष्कलंक लोगों को सुरक्षित रखने मे सहायता करता है” या “निर्दोष जीवन जीने वालों की रक्षा करता है”

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 13:6 (#3)

“खरी चाल चलनेवाले की रक्षा करता है”

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 11:20 में किस प्रकार किया है।

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 13:6 (#4)

תְּסַלֵּף חַטָּאת

“पापी अपनी दुष्टता के कारण उलट जाता है”

यहाँ सुलैमान उन लोगों का उल्लेख करते हैं जो जानबूझकर बुरे कार्य करते हैं, जो उनके विनाश का कारण बनेंगे, जैसे कि **दुष्टता** एक व्यक्ति हो जो उन्हें **उलट** कार्य करता है। देखें कि आपने 12:16 में **उलट** शब्द का अनुवाद कैसे किया।

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 13:7 (#1)

יֵשׁ מִתְעַשֵּׁר & מִתְרוֹשֵׁשׁ

“कोई तो धन बटोरता” - “कोई धन उड़ा देता”

वाक्यांश **कोई तो धन बटोरता** और **कोई धन उड़ा देता है** विशेष व्यक्तियों का उल्लेख नहीं करते, बल्कि लोग किस प्रकार के है का उल्लेख करते है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “ऐसे लोग होते हैं जो अमीर होने का दिखावा करते हैं... लोग जो दरिद्र होने का दिखावा करते हैं”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 13:7 (#2)

וְאֵין כֹּל

“परन्तु उसके पास कुछ नहीं रहता”

सुलैमान यहाँ यह स्पष्ट करते हैं कि **उसके पास कुछ नहीं रहता** है। उनका आशय है कि इस व्यक्ति के पास या तो **कुछ भी** मूल्यवान नहीं है या बहुत कम संपत्ति है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप जोर देने के लिए एक अलग तरीके का उपयोग कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “लेकिन उनके पास कुछ भी मूल्यवान नहीं है” या “लेकिन वास्तव में बहुत अधिक धन नहीं है”

देखें: अतिशयोक्ति

नीतिवचन 13:8 (#1)

כֹּפֶר נֶפֶשׁ־אִישׁ

“मनुष्य के प्राण की छुड़ौती”

यहाँ सुलैमान एक **छुड़ौती** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं जो एक **मनुष्य के प्राण** को छुड़ाने के लिए चुकाई

जानी चाहिए। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: "छुड़ौती जो एक पुरुष के जीवन को छुड़ाने के लिए चुकाई जानी चाहिए" या "एक मनुष्य को अपने जीवन को वापस खरीदने के लिए क्या चुकाना चाहिए"

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 13:8 (#2)

אִ֣ישׁ עָשְׁר֑וֹ

"धनी मनुष्य... उसके धन से होती है"

हालांकि **मनुष्य** और **उसका** पुल्लिंग हैं, सुलैमान इन शब्दों का उपयोग एक सामान्य अर्थ में कर रहे हैं जो एक पुरुष या महिला दोनों को संदर्भित कर सकते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक ऐसा वाक्यांश उपयोग कर सकते है जो इसे स्पष्ट करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "एक व्यक्ति उस व्यक्ति की संपत्ति है"

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 13:8 (#3)

וְ֝רָ֗שׁ

"परन्तु निर्धन"

सुलैमान समान्य रूप से दरिद्र लोगों के बारे में बात कर रहे हैं, किसी एक विशेष दरिद्र व्यक्ति के बारे में नहीं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन कोई भी दरिद्र व्यक्ति"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 13:8 (#4)

לֹא־שָׁמַ֥ע

"सुनता भी नहीं"

यहाँ सुलैमान एक **निर्धन** व्यक्ति का उल्लेख करते हैं जो पूरी तरह से **घुड़की** को नजरअंदाज करता है जैसे कि उस व्यक्ति ने उसे सुना ही नहीं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: "नजरअंदाज करता है" या "ऐसे नजरअंदाज करता है जैसे उसने सुना ही नहीं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 13:8 (#5)

גְּעָרָ֖ה

"ऐसी घुड़की"

यहाँ, अनुवादित शब्द **घुड़की** एक धमकी को संदर्भित करता है जो किसी **निर्धन** व्यक्ति के जीवन के खिलाफ दी जाती है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: "एक धमकी"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 13:9 (#1)

אוֹר & וְנֵ֥ר

"ज्योति आनन्द" - "परन्तु ...का दिया"

ज्योति और **दीया** सामान्य रूप में रोशनी और दीपक का उल्लेख करते है, किसी एक विशेष **ज्योति** और **दीये** का नहीं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: "... का प्रकाश लेकिन ... के दीपक"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 13:9 (#2)

אוֹר־צַדִּיקִ֥ים יִשְׂמָ֑ח

"धर्मियों की ज्योति आनन्द के साथ रहती है"

यहां सुलैमान **धार्मिक लोगों** के जीवन को आनंदमय बताते हैं, जैसे उनके जीवन एक **प्रकाश** की तरह हो जो **खुशी** से भरा हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे या एक उपमा का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "धार्मिक लोगों का जीवन आनंदमय होगा" या "धार्मिक लोगों का जीवन एक चमकदार प्रकाश की तरह आनंदमय होगा।"

देखें: रूपक

नीतिवचन 13:9 (#3)

וְנֵ֥ר רְשָׁעִ֖ים יִדְעָֽךְ

"परन्तु दुष्टों का दिया बुझ जाता है"

यहाँ सुलैमान **दुष्टों** की मृत्यु का उल्लेख करते हैं, जैसे कि उनकी जिंदगी ऐसे दीपक हों जो जलना बंद कर देते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे या उपमा का उपयोग करके व्यक्त कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन दुष्टों का जीवन समाप्त हो जाएगा" या "लेकिन दुष्टों का जीवन उस दीये की तरह है जो बुझ जाएगा।"

देखें: रूपक

नीतिवचन 13:9 (#4)

"बुझ जाता है"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते है जो स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: "जगमगाना बंद कर देगा" या "प्रकाश उत्पन्न करना बंद कर देगा"।

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 13:10 (#1)

"अहंकार से" - "झगड़े"

यदि आपकी भाषा में **अहंकार**, **झगड़े**, और **सम्मति** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाएँ नहीं हैं, तो आप इन्हीं विचारों को अन्य तरीकों से व्यक्त कर सकते है। देखें कि आपने 11:2 में **अहंकार** और 1:2 में **सम्मति** का अनुवाद कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "अहंकारी होना ... दूसरों से विवाद करना ... बुद्धिमान होना"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 13:10 (#2)

וְאֵת־נִוָּעָצִים חָכְמָה

“जो लोग सम्मति मानते हैं, उनके पास बुद्धि रहती है”

सुलैमान कुछ शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते है। यदि यह आपकी भाषा में स्पष्ट होगा, तो आप इस शब्द को पिछले वाक्य से ले सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “लेकिन जिनके साथ परामर्श किया जाता है, उनके साथ बुद्धिमत्ता आती है”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 13:10 (#3)

נִוָּעָצִים

“जो लोग सम्मति मानते हैं”

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते है जो स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: “वे जिन्हें लोग सलाह देते हैं”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 13:11 (#1)

מֵהֶבֶל

“धोखे से”

यहाँ, **धोखे से** तात्पर्य है कुछ आसानी से या बिना प्रयास के प्राप्त करना। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “आसानी से प्राप्त किया गया” या “जो बिना किसी प्रयास के प्राप्त करता है”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 13:11 (#2)

וְקֹבֵץ עַל־יָד

“जो अपने परिश्रम से बटोरता”

सुलैमान उन लोगों की बात कर रहे हैं जो सामान्य रूप में **परिश्रम से** इकट्ठा करते हैं, न कि किसी विशेष व्यक्ति की **जो अपने परिश्रम से बटोरता है**। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक ज़्यादा स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “लेकिन कोई भी व्यक्ति जो परिश्रम से इकट्ठा करता है”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 13:11 (#3)

וְקֹבֵץ עַל־יָד

“परन्तु जो अपने परिश्रम से बटोरता”

यहाँ, **परिश्रम से बटोरता** का अर्थ हो सकता है: (1) कुछ बटोरने के लिए कड़ी मेहनत करना, जैसे कोई अपने हाथों से काम कर रहा हो। वैकल्पिक अनुवाद: “परन्तु जो श्रम करके इकट्ठा करते हैं” (2) कुछ धीरे-धीरे छोटे-छोटे हिस्सों में इकट्ठा करना जैसे कोई इसे अपने **परिश्रम** से इकट्ठा कर रहा हो। वैकल्पिक अनुवाद: “परन्तु जो धीरे-धीरे इकट्ठा करता है”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 13:11 (#4)

יַרְבֶּה

“उसकी बढ़ती होती है”

सुलैमान कुछ शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते है। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप इस शब्द को पिछले वाक्य से ले सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “धन बढ़ाएगा”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 13:12 (#1)

“आशा”

देखें कि आपने भाववाचक संज्ञा **आशा** का 10:28 में किस प्रकार अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 13:12 (#2)

מְמֻשָּׁכָה & בָּאָה

“विलम्ब” - “पूरी होती है”

यदि आपकी भाषा इन निष्क्रिय रूपों का उपयोग नहीं करती है, तो आप विचारों को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते है जो स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: “जिसने अभी तक वास्तविक रूप नहीं लिया ... जो वास्तविकता बनता है” या “जो अभी तक साकार नहीं हुआ है ... जो साकार होता है”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 13:12 (#3)

מַחֲלָה־לֵב

“मन निराश होता है”

यह वाक्यांश एक मुहावरा है जो किसी के निराश या उदास महसूस करने का संदर्भ देता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसका अर्थ सरलता से व्यक्त कर सकते है या अपनी भाषा में एक समानार्थी मुहावरे का उपयोग कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “किसी को उदास कर देता है” या “किसी के हृदय को तोड़ देता है”

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 13:12 (#4)

“परन्तु” - “जीवन का वृक्ष लगता है”

देखें कि आपने **जीवन का वृक्ष लगता है** का 3:18 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 13:13 (#1)

בָּזָ

“तुच्छ जानता”

सुलैमान सामान्य रूप से उन लोगों की बात कर रहे हैं जो सलाह को तुच्छ समझते है, न कि किसी विशेष व्यक्ति की **जो वचन को तुच्छ जानता है।** यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी जो तुच्छ समझते हैं”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 13:13 (#2)

לַדָּבָר

“जो वचन”

यहाँ, **वचन** उन निर्देशों या सलाह को संदर्भित करता है जो लोग वचनों का उपयोग करके परामर्श देते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “निर्देश” या “लोग उसे निर्देश दे रहे हैं।”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 13:13 (#3)

הוּא יְשֻׁלָּם

“उसका नाश हो जाता है”

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “इसके लिए भुगतान करना आवश्यक होगा”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 13:13 (#4)

“उसका नाश हो जाता है”

यहाँ सुलैमान किसी ऐसे व्यक्ति को संदर्भित करते हैं जो **वचन** का तिरस्कार करने के नकारात्मक परिणामों का अनुभव कर रहा है, जैसे कि वह ऐसा करने के लिए रुपये-पैसे चुका रहा हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “ऐसा करने के परिणामों का अनुभव करेंगे”

देखें: रूपक

नीतिवचन 13:13 (#5)

“परन्तु (वो) आज्ञा के डरवैये को (उन्हे स्वयं) अच्छा फल मिलता है”

मूल भाषा में यहाँ ‘वो’ और ‘उन्हे स्वयं’ शब्दों का प्रयोग किया गया हैं जिसे हिन्दी अनुवाद में नहीं किया गया है।

हालांकि **डरवैये** और **मिलता** शब्द पुल्लिंग हैं, सुलैमान इन शब्दों का उपयोग एक सामान्य अर्थ में कर रहे हैं जो पुरुषों और महिलाओं दोनों को शामिल करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक ऐसे वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो इसे स्पष्ट करता है। वैकल्पिक अनुवाद: “लेकिन जो कोई आदेश का पालन करता है, उन्हें पुरस्कृत किया जाएगा”

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 13:13 (#6)

“डरवैये को अच्छा फल मिलता है”

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “परमेश्वर उसी व्यक्ति को पुरस्कृत करेंगे।”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 13:14 (#1)

תּוֹרַת

“की शिक्षा”

शिक्षा यहाँ किसी विशेष **शिक्षा** का उल्लेख नहीं करता है, बल्कि सामान्य रूप में पाठों या निर्देशों का उल्लेख करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप एक अधिक स्वाभाविक वाक्यांश का उपयोग कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “के निर्देश”

देखें: रूपक

नीतिवचन 13:14 (#2)

חֲכָמִים

“बुद्धिमान”

यहाँ सुलैमान विशेषण **बुद्धिमान** का उपयोग संज्ञा के रूप में कर रहे हैं, जिसका अर्थ है **बुद्धिमान** लोग। आपकी भाषा में भी विशेषण का उपयोग इसी तरह किया जा सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद एक समानार्थी वाक्यांश के साथ कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “बुद्धिमान लोग”

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

नीतिवचन 13:14 (#3)

“जीवन का सोता है”

देखें कि आपने इस वाक्यांश का 10:11 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 13:14 (#4)

“मृत्यु के फंदों से बच सकते हैं”

यहाँ सुलैमान किसी ऐसे व्यक्ति के बारे में बात कर रहे हैं जो खतरनाक स्थितियों से बचना चाह रहा है, जो उस व्यक्ति की मृत्यु का कारण बन सकता है, जैसे कि वह व्यक्ति **मृत्यु के फंदों से** दूर हो रहे हों। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “मृत्यु के जाल से बचने के लिए”

देखें: रूपक

नीतिवचन 13:14 (#5)

לָלָסוֹר

“बच सकते हैं”

सुलैमान कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्यांश को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप इन शब्दों को वाक्य के पहले भाग से जोड़ सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “बुद्धिमानों के नियम लोगों को दूर रखते है”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 13:14 (#6)

“मृत्यु के फंदों से”

यहाँ सुलैमान खतरनाक स्थितियों का उल्लेख करते हैं जो किसी की मृत्यु का कारण बन सकती है, जैसे कि वे **फंदे** हों। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे या एक उपमा का उपयोग करके व्यक्त कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “घातक स्थितियों से” या “खतरों से जो जाल की तरह हैं जो मृत्यु की ओर ले जाते हैं”

देखें: रूपक

नीतिवचन 13:15 (#1)

שֵׂכֶל־טוֹב יִתֶּן־חֵן

“सुबुद्धि के कारण अनुग्रह होता है”

यहाँ सुलैमान एक व्यक्ति के **अनुग्रह** प्राप्त करने की बात करते हैं क्योंकि उस व्यक्ति के पास **सुबुद्धि** है, जैसे कि **सुबुद्धि** एक व्यक्ति हो जो **अनुग्रह** प्रदान कर सकती है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “अच्छी समझ उस व्यक्ति को दूसरों द्वारा पसंद किए जाने का कारण बनती है जो इसे धारण करता है।”

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 13:15 (#2)

“सुबुद्धि” - “अनुग्रह”

देखें कि आपने भाववाचक संज्ञाओं **सुबुद्धि** का 1:3 और **अनुग्रह** का 3:4 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 13:15 (#3)

“परन्तु ...का मार्ग”

देखें कि आपने मार्ग का अनुवाद 1:15 में कैसे किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 13:15 (#4)

“कड़ा”

यहाँ अनुवादित शब्द **कड़ा** किसी ऐसी चीज़ को संदर्भित करता है जो निरंतर बना रहता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “निरंतर बनी रहती है” या “रुकती नहीं है”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 13:15 (#5)

“कड़ा”

कुछ प्राचीन (मूल भाषा में) अनुवादों में **कड़ा** के बजाय “उनका विनाश” पढ़ा जाता है। यदि आपके क्षेत्र में बाइबल का अनुवाद उपलब्ध है, तो आप उस पाठ का उपयोग कर सकते हैं जो वह उपयोग करता है। यदि आपके क्षेत्र में बाइबल का अनुवाद उपलब्ध नहीं है, तो आप यू.एल.टी. के पाठ का उपयोग कर सकते हैं।

देखें: पाठ्य भिन्नताएँ

नीतिवचन 13:16 (#1)

“ज्ञान से”

देखें कि आपने भाववाचक संज्ञा **ज्ञान** का 1:4 में और **मूर्खता** का 5:23 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 13:16 (#2)

יִפְרֹשׂ אִוֶּלֶת

“मूर्खता फैलाता है”

यहाँ सुलैमान एक **मूर्ख** व्यक्ति का उल्लेख करते हैं, जो यह प्रदर्शित कर रहा है कि वह कितना मूर्ख है, मानो उसकी **मूर्खता** एक वस्तु हो जिसे वह दूसरों को दिखाने के लिए फैला रहा है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “अपनी मूर्खता का प्रदर्शन करता है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 13:16 (#3)

יִפְרֹשׂ אִוֶּלֶת

“मूर्खता फैलाते हैं”

यहाँ सुलैमान का अर्थ है कि **एक मूर्ख व्यक्ति अपने कार्यों से मूर्खता फैलाता है**। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “वह जो कहता और करता है, उससे मूर्खता फैलाता है”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 13:17 (#1)

מַלְאָךְ רָשָׁע

“दुष्ट दूत”

यहाँ, **दुष्ट दूत** विशेष रूप से उस **दूत** को संबोधित करता है जो अविश्वसनीय है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “एक अविश्वसनीय दूत”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 13:17 (#2)

יִפֹּ֥ל בְּרָעָֽה

“बुराई में फँसता है”

यहाँ सुलैमान उस व्यक्ति का उल्लेख करते हैं जो **बुराई** का अनुभव करता है, जैसे कि वह ऐसा स्थान हो जिस में वह व्यक्ति **फँसता** जाता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “बुराई का अनुभव करता है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 13:17 (#3)

בְּרָעָ֑ה

“बुराई में”

यहाँ, **बुराई** उस परेशानी को संदर्भित करता है जो किसी को **दुष्टता** के कारण हो सकती है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “मुसीबत में”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 13:17 (#4)

וְצִ֥יר אֱמוּנִ֖ים

“लेकिन विश्वासयोग्य दूत”

यहाँ सुलैमान एक **दूत** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं, जो **विश्वासयोग्य** के रूप में जाना जाता है। यदि आपकी भाषा में इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “लेकिन एक विश्वासयोग्य दूत”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 13:18 (#1)

“निर्धन और अपमान” - “डाँट”

देखें कि आपने भाववाचक संज्ञाओं **निर्धन** का 6:11, **अपमान** का 6:33, और **डाँट** और **फटकार** का 3:11 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 13:18 (#2)

פּוֹרֵ֥עַ & וְשׁוֹמֵ֖ר

“जो...अनसुनी करता” - “जो...मानता”

यहाँ, **जो...अनसुनी करता** और **जो....मानता हैं** उन लोगों को संदर्भित करता है जो सामान्य रूप से ये काम करते हैं, लेकिन किसी विशेष **व्यक्ति** को नहीं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “उन लोगों के लिए हैं जो बचते हैं ... लेकिन जो मानते हैं”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 13:18 (#3)

וְשׁוֹמֵ֖ר

“परन्तु जो...मानता हैं”

यहाँ सुलैमान किसी और से **डाँट** को इस तरह स्वीकार करने का उल्लेख करते हैं जैसे **डाँट** कोई व्यक्ति हो जिसकी कोई **मानता** है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “लेकिन जो इसे स्वीकार करता है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 13:18 (#4)

יְכֻבָּֽד

“उसकी महिमा होती है”

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते है जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: “लोग सम्मान करेंगे”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 13:19 (#1)

לְנֶ֫פֶשׁ

“प्राण को”

यहाँ सुलैमान का अर्थ है कि **प्राण** उसी व्यक्ति को संदर्भित करता है जिसने पद के प्रारंभ में उल्लेखित **लालसा** की है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “अपने आप को”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 13:19 (#2)

“परन्तु बुराई से हटना” - “मूर्खों के”

देखें कि आपने भाववाचक संज्ञाओं **हटना** का 3:32 में और **बुराई** का 1:16 में कैसे अनुवाद किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 13:19 (#3)

“परन्तु बुराई से हटना”

देखें कि आपने 3:7 में “परन्तु बुराई से हटना” का अनुवाद कैसे किया है ।

देखें: रूपक

नीतिवचन 13:20 (#1)

הוֹלֵ֖ךְ & וְרֹעֶ֥ה

“संगति कर” - “परन्तु ...का साथी”

संगति कर और **का साथी** सामान्य रूप से, ऐसा करने वाले लोगों को संदर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “जो चलते हैं ... लेकिन जो साथ रहते हैं”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 13:20 (#2)

“संगति कर”

देखें कि आपने 1:15 में “संगति” के इस उपयोग का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 13:21 (#1)

רָעָה & טוֹב

“विपत्ति” - “अच्छा फल”

यदि आपकी भाषा में **विपत्ति** और **अच्छा फल** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप इन्हीं विचारों को अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते है। देखें कि आपने 1:16 में **विपत्ति** का अनुवाद कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: “दुष्टता क्या है ... भला क्या है”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 13:21 (#2)

תִּרְדֹּף

“पीछे लगी रहती है”

यहाँ सुलैमान **पापियों** का उल्लेख करते हैं जो **विपत्ति** का अनुभव करते हैं जैसे कि **विपत्ति** एक व्यक्ति हो जो उनका **पीछा** कर सकती है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “के साथ होगा” या “द्वारा अनुभव किया जाएगा”

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 13:21 (#3)

יְשֻׁלַּם

“फल”

यहाँ सुलैमान **धर्मियों** का उल्लेख करते हैं जो **अच्छा** अनुभव करते हैं, मानो **अच्छा** एक व्यक्ति हो जो उन्हें **फल** प्रदान कर सकता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “के साथ होगा” या “द्वारा अनुभव किया जाएगा”

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 13:22 (#1)

חוֹטֵא & לַצַּדִּיק & טוֹב

“भला मनुष्य” - “पापी” - “धर्मी के लिये”

भला मनुष्य, पापी और **धर्मी के लिये** सामान्य रूप में विभिन्न प्रकार के लोगों को संदर्भित करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी अच्छा ... कोई भी पापी ... किसी भी धार्मिक व्यक्ति की लिए”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 13:22 (#2)

יַנְחִיל בְּנֵי־בָנִים

“अपने नाती-पोतों के लिये सम्पत्ति छोड़ जाता है”

सुलैमान कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्यांश को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अगले वाक्यांश से इन शब्दों को जोड़ सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “अपने नाती-पोतों के लिये संपत्ति विरासत में छोड़ जाएगा”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 13:22 (#3)

בְּנֵי־בָנִים

“नाती-पोतों”

यहाँ सुलैमान का अर्थ है कि **नाती-पोतों** उस **भला मनुष्य** के पोते-पोतियों को संदर्भित करता है जिसका पहले पद में उल्लेख किया गया है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “उनके पुत्रों के बच्चे”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 13:22 (#4)

“परन्तु पापी की सम्पत्ति धर्मी के लिये रखी जाती है”

यदि आपकी भाषा इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “लेकिन धार्मिक व्यक्ति उस धन को प्राप्त करेंगे जो एक पापी ने संचय किया है”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 13:23 (#1)

נִיר

“खेती-बारी से”(बिना जोते खेत)

मूल भाषा में ‘बिना जोते खेत’ का प्रयोग किया गया है जिसका हिन्दी मे ‘खेती-बारी’ के रूप में अनुवाद किया गया है।

एक **खेती-बारी** वह **खेत** है जिसे फसल उगाने के लिए तैयार नहीं किया गया है। यदि आपके पाठक खेतों की जुताई के बारे में परिचित नहीं हैं, तो आप अपने क्षेत्र में एक समान खेती प्रथा का नाम उपयोग कर सकते है या आप एक अधिक सामान्य शब्द का उपयोग कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “वह खेत जो खाद्य उत्पादन के लिए तैयार नहीं किया गया है”

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

नीतिवचन 13:23 (#2)

וְיֵשׁ נִסְפֶּה

“परन्तु ... उसको हड़प लिया जाता है”

सुलैमान कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा,

तो आप इन शब्दों को वाक्य के पहले भाग से जोड़ सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन दरिद्र लोगों के भोजन को हड़प लिया जाता है"

देखें: पदलोप

नीतिवचन 13:23 (#3)

נִסְפֶּה בְּלֹא מִשְׁפָּט

"अन्याय से उसको हड़प लिया जाता है"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते है जो स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी न्याय इसे समाप्त नहीं कर सकता"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 13:23 (#4)

נִסְפֶּה

"हड़प लिया जाता है"

यहाँ, **हड़प लिया जाता है** का अर्थ कुछ पूरी तरह से हटाना है। यदि यह आपके लिए सहायक होगा, तो आप इस अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: "पूर्ण रीति से हटाना"

देखें: रूपक

नीतिवचन 13:23 (#5)

בְּלֹא מִשְׁפָּט

"अन्याय से"

यहाँ सुलैमान **अन्याय** का उल्लेख करते हैं जैसे कि वह एक व्यक्ति हो जो दरिद्र लोगों के भोजन को **हड़प लेता है**। उनका अर्थ है कि अन्याय के कारण दरिद्र लोगों को भोजन की कमी होती है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इस अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: "अन्याय के कारण" या "क्योंकि लोग अन्यायपूर्ण कार्य करते हैं"

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 13:24 (#1)

חוֹשֵׂךְ שִׁבְטוֹ שׂוֹנֵא בְנוֹ וְאֹהֲבוֹ שַׁחֲרוֹ מוּסָר

"जो बेटे पर छड़ी नहीं चलाता वह उसका बैरी है"

यहाँ **जो बेटे पर छड़ी नहीं चलाता**, **वह** और **उसका** विशेष व्यक्तियों का उल्लेख नहीं करते, बल्कि सामान्य रूप में इस प्रकार के लोगों का उल्लेख करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: "जो अपनी छड़ी रोकते हैं वे अपने पुत्रों से घृणा करते हैं, लेकिन जो उन्हें प्रेम करते हैं वे लगन से अनुशासन के साथ उन्हें सिखाते हैं।"

देखें: साधारण संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 13:24 (#2)

שׂוֹנֵא

"बैरी"

सुलैमान यहाँ **बैरी** कह अतिशयोक्ति को जोर दे रहे है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप जोर देने के लिए एक अलग तरीके का उपयोग कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: "अप्रेमपूर्वक व्यवहार करता है"

देखें: अतिशयोक्ति

नीतिवचन 13:24 (#3)

בְנוֹ וְאֹהֲבוֹ שַׁחֲרוֹ

"जो बेटे पर"

हालांकि **बेटे** और **उसका** शब्द पुल्लिंग है, सुलैमान इन शब्दों का उपयोग एक सामान्य रूप में कर रहे हैं जो बालक और बालिका दोनों को संदर्भित कर सकता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप एक वाक्यांश का उपयोग कर सकते है जो इसे स्पष्ट करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "उसका बालक, लेकिन वो जो उस बालक से प्रेम करता है, वह उस बालक को लगन से सिखाता है"

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 13:24 (#4)

שַׁחֲרוֹ מוּסָר

"वह यत्न से उसको शिक्षा देता है"

यहाँ सुलैमान माता-पिता का उल्लेख करते हैं जो अपने बालक को **यत्न से** अनुशासित कर रहे हैं, जैसे कि वे माता-पिता उस बालक को **यत्न से उसको शिक्षा दे** रहे हों। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: "उसे लगन से अनुशासित करते हैं"

देखें: रूपक

नीतिवचन 13:25 (#1)

צַדִּיק & נַפְשׁוֹ

"धर्मी" - "पेट भर"

धर्मी और **पेट भर** यहाँ किसी विशेष व्यक्ति का उल्लेख नहीं करते हैं, बल्कि सामान्य रूप में एक प्रकार के व्यक्ति का उल्लेख करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी धार्मिक व्यक्ति ... उस व्यक्ति की भूख"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 13:25 (#2)

וּבֶטֶן

"पेट"

शब्द **पेट** सामान्य रूप में पेटों का प्रतिनिधित्व करता है, न कि किसी विशेष **पेट** का। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप एक अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन पेटों का"

देखें: साधारण संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 13:25 (#3)

וּבֶטֶן רְשָׁעִים תֶּחְסָר

“परन्तु दुष्ट भूखे ही रहते हैं”

यहाँ सुलैमान **दुष्टों** का उल्लेख करते हैं जो हमेशा भूखे रहते हैं जैसे कि उनके पेट **भूखे** है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसका अर्थ सरलता से व्यक्त कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “लेकिन दुष्ट कभी भी पर्याप्त नहीं खा सकते” या “लेकिन दुष्टों की भूख कभी संतुष्ट नहीं होती”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 14:1 (#1)

חַכְמֹת נָשִׁים בָּנְתָה בֵיתָהּ

“हर बुद्धिमान स्त्री अपने घर को बनाती है”

यहाँ **हर बुद्धिमान स्त्री** और **अपने,** सामान्य रूप से लोगों के प्रकार को संदर्भित करते हैं न कि किसी व्यक्ति विशेष को। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप ज़्यादा स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का इस्तेमाल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो स्त्रियाँ सबसे बुद्धिमान होती हैं, वे अपना घर बनाती हैं”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 14:1 (#2)

בָּנְתָה בֵיתָהּ

“अपने घर को बनाती है”

यहाँ सुलैमान एक ऐसी स्त्री का ज़िक्र कर रहे हैं जो अपने परिवार को इस तरह समृद्ध बना रही है मानो वह **घर** बना रही हो। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अपने घर को समृद्ध बनाती है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 14:1 (#3)

“अपने घर”

यहाँ, **घर** उस परिवार को दर्शाता है जो **घर** में रहता है। देखें कि आपने 3:33 में **घर** के उसी प्रयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 14:1 (#4)

וְאִוֶּלֶת בְּיָדֶיהָ תֶּהֶרְסֶנּוּ

“पर मूर्ख स्त्री उसको अपने ही हाथों से ढा देती है”

यहाँ, **मूर्ख स्त्री** और **अपने,** सामान्य रूप से लोगों के प्रकार को संदर्भित करते हैं न कि किसी व्यक्ति विशेष को। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप ज़्यादा स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का इस्तेमाल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “लेकिन जो महिलाएँ मूर्ख हैं, वे इसे अपने हाथों से गिरा देती हैं”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 14:1 (#5)

תֶּהֶרְסֶנּוּ

“ढा देती है”

यहाँ सुलैमान एक ऐसी स्त्री का ज़िक्र कर रहे हैं जो अपने परिवार को इस तरह बर्बाद कर रही है जैसे कि वह किसी घर को **ढा देती है**। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “इसे नुकसान पहुँचाती है” या “इसे नष्ट कर देती है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 14:1 (#6)

בְּיָדֶיהָ

“अपने ही हाथों से”

यहाँ, **हाथों** का तात्पर्य है कि एक व्यक्ति क्या करता है, जिसमें अक्सर **हाथों** का इस्तेमाल करना शामिल होता है। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उसके कर्मों से”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 14:2 (#1)

הוֹלֵךְ בְּיָשְׁרוֹ & וּנְלֹז דְּרָכָיו

“जो सिधाई से चलता” - “परन्तु जो टेढ़ी चाल चलता”

जो सिधाई से चलता, और **परन्तु जो टेढ़ी चाल चलता**, वाक्यांश सामान्य रूप से लोगों के प्रकारों को संदर्भित करते हैं, किसी विशिष्ट व्यक्ति को नहीं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो व्यक्ति ईमानदारी से चलता है ... लेकिन जो व्यक्ति अपने मार्ग में कुटिल है”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 14:2 (#2)

הוֹלֵךְ בְּיָשְׁרוֹ

“जो सिधाई से चलता”

यहाँ सुलैमान किसी ऐसे व्यक्ति का ज़िक्र कर रहा है **जो सिधाई से चलता** है, मानो वह व्यक्ति अपनी ईमानदारी से चलता है। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। देखें कि आपने 3:23 में “चलना” के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: “वह व्यक्ति जो अपने जीवन को ईमानदारी से चलाता है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 14:2 (#3)

וּנְלֹז דְּרָכָיו

“परन्तु जो टेढ़ी चाल चलता”

यहाँ सुलैमान ने **जो टेढ़ी चाल चलता** वाक्यांश का उपयोग किसी ऐसे व्यक्ति को संदर्भित करने के लिए किया है जो धोखे से काम करता है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने 2:15 में **टेढ़ी चाल** के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन वह जो धोखेबाज है"

देखें: रूपक

नीतिवचन 14:3 (#1)

"मूर्ख के मुँह में गर्व का अंकुर है"

मूल भाषा में यहाँ **घमण्ड की छड़ी** का इस्तेमाल किया गया है जबकि हिंदी अनुवाद में **गर्व का अंकुर** शब्द आया है। इस उपवाक्य में, सुलैमान ने एक **मूर्ख** द्वारा अपने **मुँह** से कही गई बातों का उल्लेख किया है, जिसके परिणामस्वरूप उसे **छड़ी** द्वारा दण्डित किया जाता है, जैसे कि उसके **मुँह में गर्व की छड़ी हो**। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मूर्ख जो कहता है, उसके कारण उसे गर्व के लिए दण्डित किया जाता है" या "मूर्ख को उसके द्वारा कही गई गर्व भरी बातों के कारण दण्डित किया जाता है"

देखें: रूपक

नीतिवचन 14:3 (#2)

חֹטֶר גַּאֲוָה

"गर्व का अंकुर है"

मूल भाषा में, **गर्व का अंकुर** के स्थान पर "गर्व की छड़ी" वाक्यांश का उपयोग किया गया है, यहाँ सुलैमान एक छड़ी का वर्णन करने के लिए अधिकारवाचक रूप का उपयोग कर रहे हैं जिसका उपयोग किसी को **घमण्ड** करने के लिए दण्डित करने के लिए किया जाता है। यदि आपकी भाषा में इसके लिए अधिकारवाचक रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "घमण्डी लोगों को दण्डित करने के लिए एक छड़ी है"

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 14:3 (#3)

"अपने वचनों के द्वारा"

देखें कि आपने **वचनों** के समान उपयोग का 10:21 में किस प्रकार अनुवाद किया।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 14:3 (#4)

תִּשְׁמוֹרֵם

"रक्षा पाते हैं"

वैकल्पिक अनुवाद: "उनकी हानि से रक्षा करेगा" या "उन्हें सुरक्षित रखेगा"

नीतिवचन 14:4 (#1)

אֲבוּס בָּבָר

"वहाँ गौशाला स्वच्छ तो रहती है"

यहाँ सुलैमान एक ऐसी **गौशाला** का वर्णन करने के लिए अधिकारवाचक रूप का उपयोग कर रहे हैं जिसकी विशेषता स्वच्छता है। यदि आपकी भाषा में इसके लिए अधिकारवाचक रूप का उपयोग नहीं है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक साफ गौशाला है"

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 14:4 (#2)

אֲבוּס

"गौशाला"

मूल भाषा में, **गौशाला** के स्थान पर 'नाद' शब्द का उपयोग किया गया है, जहाँ नाद, गौशाला को दर्शाता है। **नाद** एक बर्तन है जिसमें **मवेशियों** जैसे पालतू जानवरों के लिए भोजन रखा जाता है। यदि आपके पाठक इस प्रकार के पशु के भोजन के बर्तन से परिचित नहीं हैं, तो आप अपने क्षेत्र में कुछ इसी तरह के नाम का उपयोग कर सकते हैं, या आप अधिक सामान्य शब्द का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक खाद्य बर्तन है"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

नीतिवचन 14:4 (#3)

"बढ़ती होती है"

देखें कि आपने 5:23 में भाववाचक संज्ञा **बढ़ती** का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 14:4 (#4)

בְּכֹחַ שׁוֹר

"परन्तु बैल के बल से"

सुलैमान ऐसे शब्द को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्यांश को पूरा करने के लिए आवश्यक हैं। अगर यह आपकी भाषा में स्पष्ट होगा तो आप संदर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बैल की ताकत से पैदा होता है"

देखें: पदलोप

नीतिवचन 14:4 (#5)

בְּכֹחַ שׁוֹר

"परन्तु बैल के बल से"

यहाँ, **बल** का अर्थ है **बैल** द्वारा किया जाने वाला वह कार्य जिसमें **बल** का उपयोग करना शामिल है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक मजबूत बैल द्वारा किए गए कार्य से है"

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 14:4 (#6)

שׁוֹר

“बैल”

यहाँ, **बैल** शब्द सामान्य रूप से बैलों को दर्शाता है, किसी एक विशेष बैल को नहीं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप यू.एस.टी. की तरह अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं।

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 14:5 (#1)

עֵ֣ד אֱמוּנִ֗ים

“सच्चा साक्षी झूठ नहीं बोलता”

यहाँ सुलैमान एक **साक्षी** का वर्णन करने के लिए अधिकारवाचक रूप का उपयोग कर रहे हैं जो **सच्चाई** से पहचाना जाता है। यदि आपकी भाषा इसके लिए अधिकारवाचक रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक सच्चा गवाह”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 14:5 (#2)

“झूठा साक्षी”

देखिए आपने 6:19 में इस वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 14:5 (#3)

“परन्तु” - “झूठी बातें उड़ाता है”

देखिए आपने 6:19 में **झूठी बातें उड़ाता है** का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 14:6 (#1)

“ठट्ठा करनेवाला” - “समझवाले को ज्ञान”

देखिए आपने 9:7 में **ठट्ठा करनेवाला** और 1:5 में **समझवाले** का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 14:6 (#2)

בַּקֵּ֫שׁ

“ढूँढता”

यहाँ, **बुद्धि** का वर्णन इस तरह किया गया है मानो यह एक ऐसी वस्तु हो जिसे लोग बुद्धिमान बनने की कोशिश करते हुए “ढूँढ” सकें। देखें कि आपने 11:27 में **ढूँढने** के समान प्रयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 14:6 (#3)

“बुद्धि” - “ज्ञान”

देखिए आपने 1:2 में भाववाचक संज्ञा **बुद्धि** और 1:4 में **ज्ञान** का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 14:6 (#4)

וְאָ֑יִן

“परन्तु नहीं पाता”

यहाँ सुलैमान का तात्पर्य है कि **ठट्ठा करनेवाला** व्यक्ति **बुद्धि** प्राप्त नहीं कर सकता, न कि यह कि **बुद्धि** मौजूद नहीं है। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और उसे कोई बुद्धि नहीं मिलती” या “और उसके लिए कोई बुद्धि नहीं है”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 14:6 (#5)

וְדַ֥עַת

“परन्तु समझवाले को ज्ञान”

सुलैमान कुछ ऐसे शब्द छोड़ रहे हैं, जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक हैं। अगर आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा तो आप इन शब्दों की पूर्ति सन्दर्भ से कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “लेकिन ज्ञान पाना” या “लेकिन ज्ञान प्राप्त करना”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 14:7 (#1)

“से अलग हो”

वैकल्पिक अनुवाद: “की उपस्थिति से”

नीतिवचन 14:7 (#2)

לְאִ֣ישׁ כְּסִ֑יל

“मूर्ख से अलग हो जा”

यहाँ सुलैमान एक ऐसे **व्यक्ति** का वर्णन करने के लिए अधिकारवाचक रूप का उपयोग कर रहे हैं जो **मूर्खता** से पहचाना जाता है। यदि आपकी भाषा में इसके लिए अधिकारवाचक रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक मूर्ख व्यक्ति”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 14:7 (#3)

לְאִ֣ישׁ

“मूर्ख से”

यहाँ, एक **मूर्ख** सामान्य रूप से एक प्रकार के लोगों का प्रतिनिधित्व करता है, किसी एक विशेष **व्यक्ति** का नहीं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी व्यक्ति”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 14:7 (#4)

“तू उससे ज्ञान की बात न पाएगा”

यहाँ सुलैमान का तात्पर्य है कि **आप** मूर्ख व्यक्ति की कही हुई बातों से **ज्ञान** प्राप्त नहीं कर सकते, जैसे कि **आप** ऐसा **ज्ञान नहीं जानते**। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “क्योंकि आप प्राप्त नहीं करेंगे”

देखें: रूपक

नीतिवचन 14:7 (#5)

שִׂפְתֵי־דָ֑עַת

“ज्ञान की बात”

मूल भाषा में, **बात** के स्थान पर **होंठ** शब्द का उपयोग किया गया है, जहाँ होंठ उस व्यक्ति को दर्शाता है जो अपने होंठों से बातों को बोलता है।

यहाँ, **बात** का तात्पर्य है कि लोग अपने **होठों** को हिलाकर क्या कहते हैं। सुलैमान उन शब्दों का ज़िक्र कर रहे हैं जो **ज्ञान** व्यक्त करते हैं। देखें कि आपने 10:18 में **बात** के इस्तेमाल का अनुवाद कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: “ज्ञान व्यक्त करने वाले शब्द”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 14:8 (#1)

“बुद्धि” - “परन्तु मूर्खों की” - “छल”

देखें कि आपने 1:2 में **बुद्धि**, 5:23 में **मूर्खता** और 11:1 में **छल** जैसी भाववाचक संज्ञाओ का अनुवाद कैसे किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 14:8 (#2)

“विवेकी मनुष्य”

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 12:16 में कैसे किया है।

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 14:8 (#3)

“अपनी चाल”

देखिए आपने 1:15 में **‘चाल’** शब्द का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 14:9 (#1)

אָשָׁם

“मूर्ख लोग पाप का अंगीकार करने को ठट्ठा जानते हैं”

मूल भाषा में “दोषबलि” शब्द का उपयोग हुआ है, जबकि हिंदी अनुवाद में **पाप का अंगीकार** वाक्यांश का उपयोग हुआ है। **दोषबलि** का **मज़ाक उड़ाने** का तात्पर्य है कि मूर्ख लोग यहोवा से अपने पापों की क्षमा माँगने के लिए लोगों द्वारा दोषबलि चढ़ाने की आवश्यकता का मज़ाक उड़ाते हैं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “क्षमा के लिए यहोवा को दोषबलि चढ़ाना”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 14:9 (#2)

“अनुग्रह”

देखिए आपने 3:4 में **अनुग्रह** का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 14:9 (#3)

רָצוֹן

“अनुग्रह”

यहाँ सुलैमान का तात्पर्य है कि यह **अनुग्रह** यहोवा की ओर से है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यहोवा का अनुग्रह है”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 14:10 (#1)

“मन” - “अपना”

मन, **अपना** और **उसका** पुरे व्यक्ति को संदर्भित करते हैं। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “व्यक्ति ... वह व्यक्ति और उस व्यक्ति की खुशी में,”

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 14:10 (#2)

מָרַ֣ת & וּבְשִׂמְחָתוֹ

“ही दुःख” - “उसके आनन्द में”

अगर आपकी भाषा में **दुःख** और **आनन्द** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप उन्हीं विचारों को दूसरे तरीकों से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यह कितना कड़वा है ... और इसकी भावना में खुशी है,”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 14:11 (#1)

בֵּ֥ית & וְאֹהֶל

“घर का” - “तम्बू में”

इस पद में **घर** और **तम्बू** उन लोगों को संदर्भित करते हैं जो उनमें रहते हैं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “... का घराना, ...लेकिन घरानने का”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 14:11 (#2)

יִשָּׁמֵֽד

“विनाश हो जाता है”

यदि आपकी भाषा में इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप विचार को सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: “यहोवा नाश करेगा”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 14:11 (#3)

יַפְרִיחַ

“बढ़ती होती है”

यहाँ सुलैमान एक ऐसे परिवार का उल्लेख करते हैं जो इस तरह समृद्ध हो रहा है मानों वह खिले हुए फुल का एक पौधा हो जिसकी **बढ़ती होती है**। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “समृद्ध होगा”

देखें: रूपक

नीतिवचन 14:12 (#1)

“ऐसा” - “मार्ग”

देखिए आपने 1:15 में ‘**मार्ग**’ शब्द के उसी प्रयोग का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 14:12 (#2)

לִפְנֵי־אִישׁ

“जो मनुष्य को ठीक जान पड़ता है”

मूल भाषा में यहाँ “मनुष्य के सामने” वाक्यांश का उपयोग हुआ है, जबकि हिंदी अनुवाद में **मनुष्य को ठीक जान पड़ता है** वाक्यांश का उपयोग हुआ है। यहाँ वाक्यांश **मनुष्य को ठीक जान पड़ता है** का तात्पर्य है कि एक व्यक्ति क्या देखता है। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जिसे एक मनुष्य देखता है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 14:12 (#3)

אִישׁ

“मनुष्य”

शब्द **मनुष्य** सामान्य रूप से एक व्यक्ति को दर्शाता है, किसी एक विशेष व्यक्ति को नहीं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक व्यक्ति”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 14:12 (#4)

“परन्तु उसके अन्त में”

यहाँ, **अन्त** का तात्पर्य अंतिम परिणाम है। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “लेकिन इसका परिणाम”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 14:12 (#5)

דַּרְכֵי־מָוֶת

“उसके अन्त में मृत्यु ही मिलती है”

मूल भाषा में यहाँ “मृत्यु का मार्ग” वाक्यांश का उपयोग हुआ है, जबकि हिंदी अनुवाद में **उसके अंत में मृत्यु** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जो दोनों ही मृत्यु तक ले जाने वाले तरीकों को संदर्भित करते हैं। यहाँ सुलैमान उन लोगों की नियति को संदर्भित करने के लिए **मार्ग** का उपयोग करते हैं जो अपने हिसाब से **सही मार्ग** से जीते हैं। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मृत्यु की नियति है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 14:12 (#6)

דַּרְכֵי־מָוֶת

“परन्तु उसके अन्त में मृत्यु ही मिलती है”

मूल भाषा में यहाँ “मृत्यु का मार्ग” वाक्यांश का उपयोग हुआ है, जबकि हिंदी अनुवाद में **उसके अंत में मृत्यु** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जो दोनों ही मृत्यु तक ले जाने वाले तरीकों को संदर्भित करते हैं। यहाँ सुलैमान **मृत्यु** के **मार्गों** का वर्णन करने के लिए अधिकारवाचक रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा इसके लिए अधिकारवाचक रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह मार्ग है जो मृत्यु है” या “वह नियति है जो मृत्यु है”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 14:13 (#1)

בִּשְׂחוֹק & שִׂמְחָה תוּגָה

“हँसी के” - “मन उदास हो,”

अगर आपकी भाषा में **हँसी**, **उदास**, **आनन्द** और **शोक** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप उन्हीं विचारों को दूसरे तरीकों से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “हँसते समय ... दर्द महसूस हो सकता है ... खुशी महसूस करना, दु:ख महसूस करना हो सकता है”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 14:13 (#2)

“मन”

यहाँ, **मन** का तात्पर्य संपूर्ण व्यक्ति से है। देखिए आपने 14:10 में **मन** शब्द के उसी प्रयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 14:14 (#1)

“जो बेईमान है, वह अपनी चाल चलन का फल भोगता है”

मूल भाषा में यहाँ “भटके हुए मनुष्य का मन उसके चालचलन से भर जाता है, परन्तु भला मनुष्य अपने कामों से भर जाता है” वाक्य का उपयोग हुआ है जबकि हिंदी अनुवाद में **जो बेईमान है, वह अपनी चाल चलन का फल भोगता है, परन्तु भला मनुष्य आप ही आप सन्तुष्ट होता है** वाक्य का उपयोग हुआ है। **जो बेईमान है**, **अपनी**, और **भला मनुष्य** प्रत्येक सामान्य रूप से लोगों के प्रकार को संदर्भित करता है, विशिष्ट लोगों को नहीं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी व्यक्ति जिसका दिल भटक जाता है ... उस व्यक्ति के तरीकों से, लेकिन कोई भी अच्छा व्यक्ति उस व्यक्ति से दूर हो जाता है”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 14:14 (#2)

סָ֭וּג לֵ֣בָ

“जो बेईमान है”

यहाँ सुलैमान उस व्यक्ति को संदर्भित करते हैं जिसने धार्मिकता से व्यवहार करना बंद कर दिया है और अब दुष्टता से व्यवहार कर रहा है जैसे कि उस व्यक्ति का **हृदय** धार्मिकता से व्यवहार करने से **दूर होकर बेईमान हो रहा है**। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह व्यक्ति जो धार्मिकता से जीना बंद कर देता है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 14:14 (#3)

יִשְׂבַּ֥ע

“सन्तुष्ट होता है”

यदि आपकी भाषा में इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप विचार को सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: “यहोवा भर देगा”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 14:14 (#4)

יִשְׂבַּ֥ע

“फल भोगता है”

इस वाक्यांश में, “**फल भोगता है**” का अर्थ है कि मन को दूर करने वाला व्यक्ति अपने तरीकों के नकारात्मक परिणामों का पूरी तरह से अनुभव करेगा। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “सभी परिणामों को अनुभव करेगा” या “पूरी तरह से चुकाया जाएगा”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 14:14 (#5)

“अपनी चाल चलन”

देखिए आपने 3:6 में **मार्ग** के यही उपयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 14:14 (#6)

וּ֝מֵעָלָ֗יו אִ֥ישׁ טֽוֹב

“परन्तु भला मनुष्य आप ही आप”

सुलैमान कुछ ऐसे शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्यांश को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा तो आप पिछले वाक्य से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “लेकिन एक अच्छा आदमी अपने तरीकों से भरा रहेगा”“

देखें: पदलोप

नीतिवचन 14:15 (#1)

פֶּ֭תִי & וְ֝עָרוּם

“भोला” - “परन्तु विवेकी”

एक **भोला** और एक **विवेकी** व्यक्ति सामान्य रूप से लोगों के प्रकारों को संदर्भित करता है, न कि विशिष्ट लोगों को। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। देखें कि आपने 12:16 में एक **विवेकी** व्यक्ति का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी भोला व्यक्ति ... लेकिन कोई भी समझदार व्यक्ति”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 14:15 (#2)

“बात”

देखिए आपने 12:25 में **बात** शब्द के उसी प्रयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 14:15 (#3)

“चलता है”

यहाँ, **चलता** का तात्पर्य किसी व्यक्ति के व्यवहार से है। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उसका व्यवहार” या “उसकी हरकते”

देखें: रूपक

नीतिवचन 14:16 (#1)

“बुद्धिमान” - “परन्तु मूर्ख”

देखिए आपने 1:5 में **बुद्धिमान** का और 10:18 में **मूर्ख** का अनुवाद कैसे किया।

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 14:16 (#2)

“बुराई से हटता है”

देखें कि आपने 3:7 में समान वाक्यांश “बुराई से हटता है” का अनुवाद कैसे किया।

देखें: रूपक

नीतिवचन 14:16 (#3)

“ढीठ होकर”

यहाँ, **ढीठ होकर** का तात्पर्य है अनावश्यक रूप से आत्मविश्वासी या लापरवाह होना। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और अत्यधिक आत्मविश्वासी है” या “और लापरवाह है”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 14:17 (#1)

קֶצַר־אַפַּיִם

“जो झट क्रोध करे”

जो झट क्रोध करे वाक्यांश संक्षिप्त रूप में एक मुहावरा है जो ऐसे व्यक्ति को संदर्भित करता है जो जल्दी क्रोधित हो जाता है। नथुने शब्द का अर्थ है “क्रोध” जिस तरह से क्रोधित व्यक्ति अपनी नाक से जोर से साँस लेता है, जिससे उसके **नथुने** चौड़े हो जाते हैं। आपकी भाषा और संस्कृति भी क्रोध को शरीर के किसी विशेष अंग से जोड़ सकती है। यदि ऐसा है, तो आप अपने अनुवाद में शरीर के उस अंग से संबंधित अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। आप सरल भाषा का भी उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो आसानी से अपना गुस्सा निकालता है” या “जो जल्दी क्रोधित हो जाता है”

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 14:17 (#2)

קֶצַר־אַפַּיִם & וְאִישׁ מְזִמּוֹת

“जो झट क्रोध करे” - “और जो बुरी युक्तियाँ निकालता है”

जो झट क्रोध करे और **जो बुरी युक्तियाँ निकालता है** सामान्य रूप से लोगों के प्रकारों को संदर्भित करता है, न कि विशिष्ट लोगों को। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। देखें कि आपने 12:2 में **बुरी युक्ति** करने वाले व्यक्ति का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: “जल्दी गुस्सा करने वाला कोई व्यक्ति ... षड्यंत्र रचने वाला कोई व्यक्ति” या “कोई भी व्यक्ति जो जल्दी क्रोधित हो जाता है ... और कोई भी व्यक्ति जो षड्यंत्र रचता है”

देखें: साधारण संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 14:17 (#3)

“मूर्खता”

देखें कि आपने 5:23 में भाववाचक संज्ञा **मूर्खता** का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 14:17 (#4)

“बुरी युक्तियाँ निकालता है”

देखिए आपने 12:2 में **बुरी युक्तियाँ निकलता है** का अनुवाद कैसे किया।

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 14:17 (#5)

יִשָּׂנֵא

“बैर रखते हैं”

यदि आपकी भाषा में इस निष्क्रिय रूप का प्रयोग नहीं होता है, तो आप विचार को सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक हो, जैसे कि यू.एस.टी. में।

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 14:18 (#1)

נָחֲלוּ & אִוֶּלֶת

“भोलों का भाग मूर्खता ही होता है”

यहाँ सुलैमान **भोलों** लोगों के मूर्ख बनने की बात कर रहे हैं, मानो **मूर्खता** संपत्ति या धन हो जिसे वे अपने परिवार के किसी सदस्य से विरासत (**भाग**) में प्राप्त कर सकते हैं। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। देखें कि आपने 3:35 में **भाग** के समान प्रयोग का अनुवाद कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: “मूर्ख बन जाना”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 14:18 (#2)

“मूर्खता”

देखिए आपने 5:23 में भाववाचक संज्ञा **मूर्खता** और 1:4 में **ज्ञान** का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 14:18 (#3)

יַכְתִּירוּ דָעַת

“ज्ञानरूपी मुकुट बाँधा जाता है”

यहाँ सुलैमान लोगों को **ज्ञानरूपी मुकुट** से पुरुस्कृत किए जाने की बात कर रहे हैं जैसे कि **ज्ञान** एक **मुकुट** है जिसे वे **पहनेंगे**। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं या एक उपमा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “ज्ञान से पुरस्कृत किया जाएगा” या “ज्ञान से पुरस्कृत किया जाएगा जैसे कि यह एक मुकुट है जिसे उन्होंने पहना है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 14:19 (#1)

שֵׁחוּ

“दण्डवत् करेंगे”

दण्डवत् एक प्रतीकात्मक क्रिया है जो किसी के प्रति विनम्र सम्मान या समर्पण दिखाती है। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप

पाठ में या पाद टिप्पणी में इस क्रिया के महत्व को समझा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “सम्मान दिखाने के लिए झुकेंगे”

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

नीतिवचन 14:19 (#2)

לִפְנֵי

“सम्मुख”

मूल भाषा में यहाँ शब्द “चेहरा” आया है जबकि हिंदी अनुवाद में **सम्मुख** शब्द आया है जो दोनों ही शब्द किसी की उपस्थिति को संदर्भित करते हैं। यहाँ, शब्द **सम्मुख** किसी व्यक्ति की उपस्थिति को दर्शाता है, जिस तरह से लोग किसी उपस्थित व्यक्ति का चेहरा देख सकते हैं। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “की उपस्थिति में”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 14:19 (#3)

וּרְשָׁעִים עַל־שַׁעֲרֵי צַדִּיק

“और दुष्ट लोग धर्मी के फाटक पर दण्डवत् करेंगे”

सुलैमान कुछ ऐसे शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक खण्ड को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा तो आप पिछले खण्ड से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और बुरे लोग धर्मी के द्वारों पर दण्डवत् करेंगे”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 14:19 (#4)

עַל־שַׁעֲרֵי

“फाटक पर”

यहाँ, **फाटक** का तात्पर्य **धर्मी व्यक्ति** के घर के द्वार से है। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “घर के द्वारों पर”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 14:19 (#5)

“धर्मी”

देखिए आपने 10:3 में इसी वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 14:20 (#1)

לְרֵעֵהוּ & רָאָשׁ & עָשִׁיר

“निर्धन” - “पड़ोसी भी उससे”

जो **निर्धन** है, **पड़ोसी भी उससे** और **धनी** व्यक्ति ये सभी अभिव्यक्तियाँ सामान्य रूप से लोगों के प्रकारों को संदर्भित करती हैं, न कि विशिष्ट लोगों को। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी व्यक्ति जो गरीब है ... उस व्यक्ति के पड़ोसियों द्वारा ... कोई भी अमीर व्यक्ति”

देखें: साधारण संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 14:20 (#2)

גַּם־לְרֵעֵהוּ יִשָּׂנֵא רָאָשׁ

“निर्धन का पड़ोसी भी उससे घृणा करता है”

अगर आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का इस तरह से उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से कह सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: “गरीब व्यक्ति का पड़ोसी भी उससे नफ़रत करता है”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 14:21 (#1)

בָּז־לְרֵעֵהוּ חוֹטֵא וּמְחוֹנֵן עֲנִיִּים אַשְׁרָיו

“जो अपने पड़ोसी को तुच्छ जानता, वह पाप करता है”

जो अपने पड़ोसी को तुच्छ जानता, वह पाप करता है, और **वह** सामान्य रूप से लोगों के प्रकारों को संदर्भित करता है, न कि विशिष्ट लोगों को। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो कोई पाप करता है, वह अपने पड़ोसियों को तुच्छ समझता है, लेकिन जो कोई पीड़ित लोगों पर कृपा करता है, वह व्यक्ति सुखी है”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 14:21 (#2)

וּמְחוֹנֵן

“परन्तु जो दीन लोगों पर अनुग्रह करता”

यहाँ, **अनुग्रह** दिखाने का तात्पर्य किसी के प्रति दयालु होना है, न कि किसी एक व्यक्ति को दूसरे पर तरजीह देना। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “लेकिन जो दयालु है”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 14:22 (#1)

הֲלוֹא־יִתְעוּ חֹרְשֵׁי רָע

“जो बुरी युक्ति निकालते हैं, क्या वे भ्रम में नहीं पड़ते?”

सुलैमान जो कह रहे हैं उस पर ज़ोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करना चाहते हैं, तो आप इसे कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “बुराई करने वाले निश्चित रूप से भटक जाते हैं!”

देखें: आलंकारिक प्रश्न

नीतिवचन 14:22 (#2)

“बुरी” - “परन्तु भली युक्ति निकालनेवालों से करुणा और सच्चाई”

देखें कि आपने 1:16 में भाववाचक संज्ञाओं **बुराई**, 3:3 में **करुणा और सच्चाई**, तथा 11:27 में **भलाई** का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 14:22 (#3)

"क्या वे भ्रम में नहीं पड़ते?"

यहाँ सुलैमान ने भ्रमित होने के लिए **भ्रम में नहीं पड़ते** वाक्यांश का उपयोग किया है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "भ्रमित नहीं हैं"

देखें: रूपक

नीतिवचन 14:22 (#4)

"परन्तु भली युक्ति निकालनेवालों से"

यहाँ, यह संकेत मिलता है कि **भली युक्ति निकालनेवाले** वे हैं जो दूसरों की **करुणा और सच्चाई का व्यवहार** प्राप्त करने से लाभान्वित होंगे। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "भलाई के लाभ के निर्माता"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 14:23 (#1)

"परिश्रम" - "लाभ"

देखें कि आपने 5:10 में भाववाचक संज्ञाओं "**परिश्रम**", 3:14 में **लाभ**, और 6:11 में **कंगालपन** का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 14:23 (#2)

וּדְבַר־שְׂפָתַיִם

"परन्तु बकवाद करने से"

मूल भाषा में "होठों के वचन" वाक्यांश का उपयोग किया गया है, जबकि हिंदी अनुवाद में **बकवाद करने से** वाक्यांश का उपयोग किया गया है, जो दोनों ही समान अर्थ को संदर्भित करते हैं। यहाँ सुलैमान का तात्पर्य है कि यह बिना किसी **परिश्रम** के **बकवाद करने से** निकले शब्दों को संदर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन बिना परिश्रम के होठों से निकले शब्द" या "लेकिन बकवाद करने से निकले शब्द अपने आप में"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 14:23 (#3)

וּדְבַר־שְׂפָתַיִם

"परन्तु बकवाद करने से"

मूल भाषा में, **होंठ** अभिव्यक्ति का उपयोग किया गया है, जहाँ होंठ उस व्यक्ति को दर्शाते हैं जो अपने होंठों से **बकवाद** करता है। हिंदी अनुवाद में **बकवाद** शब्द का इस्तेमाल किया गया है। यहाँ सुलैमान **होठों** से बोले गए **बकवाद** का वर्णन करने के लिए अधिकारवाचक रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा इसके लिए अधिकारवाचक रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन होठों से बोला गया शब्द"

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 14:23 (#4)

"परन्तु बकवाद करने से"

देखें कि आपने 12:25 में **बात** के समान प्रयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 14:23 (#5)

אַךְ־לְמַחְסוֹר

"केवल घटती होती है"

यहाँ, यह **केवल** यह दर्शाता है कि **घटती** पिछले वाक्यांश का परिणाम है। परिणाम को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीके का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "परिणाम केवल अभाव में"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

नीतिवचन 14:24 (#1)

עֲטֶרֶת

"मुकुट"

यहाँ सुलैमान **बुद्धिमानों** के धन के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे कि यह उनके द्वारा पहना जाने वाला **मुकुट** हो। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं या उपमा का उपयोग कर सकते हैं। देखें कि आपने 14:18 में **मुकुट** के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "का इनाम" या "वह इनाम जो मुकुट जैसा है"

देखें: रूपक

नीतिवचन 14:24 (#2)

"परन्तु मूर्ख से केवल मूर्खता ही उत्पन्न होती है"

देखें कि आपने 14:8 में इस वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 14:24 (#3)

"मूर्ख से" - "मूर्खता ही"

देखें कि आपने 5:23 में भाववाचक संज्ञा **मूर्खता** का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 14:25 (#1)

"सच्चा साक्षी"

देखिए आपने 14:5 में '**सच्चा साक्षी**' के उसी प्रयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 14:25 (#2)

“परन्तु जो झूठी बातें उड़ाया करता है”

देखिए आपने 6:19 में **झूठ बोलनेवाला** का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 14:26 (#1)

בְּיִרְאַת יְהוָה מִבְטַח־עֹז

“यहोवा के भय में दृढ़ भरोसा है”

यहाँ सुलैमान किसी ऐसे व्यक्ति का ज़िक्र कर रहे हैं जिसके पास **दृढ़ भरोसा है** क्योंकि उस व्यक्ति में **यहोवा का भय** है, मानो **यहोवा का भय** एक ऐसा स्थान है जहाँ **दृढ़ भरोसा** रहता है। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यहोवा का भय बलवान के आत्म-विश्वास का स्रोत है” या “बलवान का आत्मा-विश्वास इसलिए है क्योंकि उसे यहोवा का भय है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 14:26 (#2)

“यहोवा के भय में”

देखें कि आपने **यहोवा का भय** का 1:7 में कैसे अनुवाद किया।

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 14:26 (#3)

“में दृढ़ भरोसा है”

देखें कि आपने 3:26 में भाववाचक संज्ञा **भरोसा** का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 14:26 (#4)

“उसकी”

यहाँ, **उसकी** और **यह** सामान्य रूप से एक प्रकार के व्यक्ति को संदर्भित करता है, किसी एक विशिष्ट व्यक्ति को नहीं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी बलवान, और उस व्यक्ति के सन्तानों के लिए वह व्यक्ति होगा”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 14:26 (#5)

וּלְבָנָיו

“उसकी सन्तानों के लिए”

हालाँकि **सन्तानों** शब्द पुल्लिंग है, लेकिन सुलैमान यहाँ इस शब्द का इस्तेमाल सामान्य अर्थ में कर रहे हैं जिसका अर्थ लड़के या लड़की, दोनों हो सकता है। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप एक ऐसा वाक्यांश इस्तेमाल कर सकते हैं जो इसे स्पष्ट करे। वैकल्पिक अनुवाद: “और उसके बच्चों के लिए”

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 14:26 (#6)

“शरणस्थान होगा”

यहाँ सुलैमान एक ऐसे व्यक्ति का ज़िक्र कर रहा है जो **अपने सन्तानों** की इस तरह रक्षा करता है मानो वह उनके लिए **शरणस्थल** हो। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं या किसी उपमा का इस्तेमाल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह सुरक्षा प्रदान करेगा” या “वह शरणस्थल की तरह होगा”

देखें: रूपक

नीतिवचन 14:26 (#7)

מַחְסֶה

“शरणस्थान”

अगर आपकी भाषा में **शरणस्थान** के विचार के लिए भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं किया गया है, तो आप उसी विचार को दूसरे तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई व्यक्ति जो सुरक्षा करता है”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 14:27 (#1)

“यहोवा का भय मानना”

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 1:7 और पिछली आयत में कैसे किया है।

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 14:27 (#2)

“जीवन का सोता है”

देखें कि आपने 10:11 और 13:14 में **जीवन का सोता** का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 14:27 (#3)

“मृत्यु के फंदों से बच जाते हैं”

देखिए आपने 13:14 में उसी वाक्य का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 14:28 (#1)

בְּרָב־עָם הַדְרַת־מָלֶךְ

“राजा की महिमा प्रजा की बहुतायत से होती है”

यदि आपकी भाषा में **बहुतायत** और **महिमा** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप उन्हीं विचारों को अन्य तरीकों से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “लोगों की बहुतायत संख्या ही राजा को प्रतापी बनाती है”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 14:28 (#2)

מֶֽלֶךְ & רָזוֹן

“राजा”

यहाँ, **राजा** और **हाकिम** सामान्यतः लोगों के प्रकार को संदर्भित करते हैं, न कि विशिष्ट लोगों को। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का इस्तेमाल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी राजा ... कोई भी हाकिम”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 14:28 (#3)

וּבְאֶ֫פֶס

“परन्तु जहाँ प्रजा नहीं”

यहाँ, **प्रजा नहीं** का तात्पर्य लोगों की कमी से है। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “लेकिन गिरावट के साथ”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 14:29 (#1)

אֶ֫רֶךְ אַפַּ֥יִם & וּקְצַר־רוּ֑חַ

“जो विलम्ब से क्रोध करनेवाला है” - “परन्तु जो अधीर होता है”

मूल भाषा में यहाँ “लम्बे नथुने” और “छोटे नथुने” वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिंदी में **विलम्ब से क्रोध** और **अधीर** वाक्यांश का उपयोग हुआ है। **जो विलम्ब से क्रोध करनेवाला है** और **जो अधीर होता है** का तात्पर्य आम तौर पर लोगों के प्रकार से है, न कि किसी विशेष व्यक्ति से। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का इस्तेमाल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी व्यक्ति जो विलम्ब से क्रोध करता हो ... लेकिन कोई भी व्यक्ति जिसकी आत्मा अधीर हो”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 14:29 (#2)

אֶ֫רֶךְ אַפַּ֥יִם

“जो विलम्ब से क्रोध करनेवाला है”

“**जो विलम्ब से क्रोध करनेवाला है** एक मुहावरा है जो ऐसे व्यक्ति को संदर्भित करता है जो जल्दी क्रोधित नहीं होता। “नथुने” शब्द का अर्थ “क्रोध” होता है, जिस तरह से क्रोधित व्यक्ति अपनी नाक से जोर से साँस लेता है, जिससे उसके नथुने चौड़े हो जाते हैं। आपकी भाषा और संस्कृति भी क्रोध को शरीर के किसी विशेष अंग से जोड़ सकती है। यदि ऐसा है, तो आप अपने अनुवाद में शरीर के उस अंग से संबंधित अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। आप सरल भाषा का भी उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो आसानी से अपना गुस्सा नहीं निकालता” या “जो जल्दी क्रोधित नहीं होता”

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 14:29 (#3)

“समझवाला”

देखिए आपने 1:2 में भाववाचक संज्ञाओं **समझ** और 5:23 में **मूर्खता** का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 14:29 (#4)

וּקְצַר־רוּ֑חַ

“परन्तु जो अधीर होता है”

‘**जो अधीर होता है** एक मुहावरा है जो एक प्रकार के व्यक्ति को संदर्भित करता है जो जल्दी क्रोधित हो जाता है। आपकी भाषा और संस्कृति भी क्रोध को शरीर के किसी खास अंग से जोड़ सकती है। अगर इस वाक्यांश का आपकी भाषा में वह अर्थ नहीं है, तो आप अपनी भाषा से कोई मुहावरा इस्तेमाल कर सकते हैं जिसका यही अर्थ हो या फिर आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “लेकिन एक तनुकमिज़ाज व्यक्ति” या “लेकिन वह जो जल्दी गुस्सा हो जाता है”

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 14:29 (#5)

מֵרִ֥ים

“मूर्खता को बढ़ाता है”

यहाँ सुलैमान किसी व्यक्ति द्वारा सार्वजनिक रूप से **मूर्खता** दिखाने की बात कर रहे हैं, जैसे कि **मूर्खता** कोई ऐसी वस्तु हो जिसे कोई व्यक्ति सबके सामने **बढ़ाता** है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित करता है” या “सभी को देखने देता है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 14:30 (#1)

לֵ֫ב מַרְפֵּ֥א

“शान्त मन, तन का जीवन है”

यहाँ सुलैमान एक ऐसे **मन** का वर्णन करने के लिए अधिकारवाचक रूप का उपयोग कर रहे हैं जिसकी विशेषता **तन का जीवन है**। यदि आपकी भाषा इसके लिए अधिकारवाचक रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक चंगा मन” या “एक स्वस्थ जीवन”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 14:30 (#2)

“मन”

यहाँ सुलैमान ने **मन** शब्द का इस्तेमाल किसी व्यक्ति के आंतरिक अस्तित्व या मन को संदर्भित करने के लिए किया है। देखें कि आपने 2:2 में **मन** शब्द का इस्तेमाल कैसे किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 14:30 (#3)

לֵ֫ב

“शान्त मन” - “तन का”

शान्त मन और **तन** सामान्य रूप से मन और शरीर को संदर्भित करता है, किसी विशिष्ट हृदय और शरीर को नहीं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी मन... किसी भी शरीर का"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 14:30 (#4)

חַיֵּי בְשָׂרִים

"तन का जीवन है"

यहाँ, **तन का जीवन है** का तात्पर्य है किसी व्यक्ति के शरीर के लिए स्वस्थ होना। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "किसी के तन के लिए स्वस्थ है" या "किसी के शरीर को स्वस्थ बनाता है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 14:30 (#5)

וּרְקַב עֲצָמוֹת קִנְאָה

"परन्तु ईर्ष्या से हड्डियाँ भी गल जाती हैं"

यहाँ सुलैमान कह रहे हैं कि **ईर्ष्या** व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुँचाती है जैसे कि बीमारी **हड्डियाँ को गला देती** है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं या उपमा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन ईर्ष्या व्यक्ति के स्वास्थ्य को बर्बाद कर देती है" या "लेकिन ईर्ष्या व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुँचाती है जैसे कि बीमारी हड्डियों को गला देती है"

देखें: रूपक

नीतिवचन 14:30 (#6)

קִנְאָה

"ईर्ष्या"

अगर आपकी भाषा में **ईर्ष्या** के विचार के लिए भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं किया गया है, तो आप उसी विचार को दूसरे तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ईर्ष्यालु होना"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 14:31 (#1)

עֹשֵׁק דָּל & עֹשֵׂהוּ & חֹנֵן אֶבְיוֹן

"जो कंगाल पर अंधेर करता, वह उसके कर्ता की निन्दा करता है"

अंधेर करता, कंगाल, **उसके**, **अनुग्रह करता** तथा **दरिद्र** व्यक्ति सामान्य रूप से लोगों के प्रकारों को संदर्भित करता है, न कि विशिष्ट लोगों को। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "किसी दीन-हीन व्यक्ति पर अत्याचार करने वाला... उस व्यक्ति का कर्ता... कोई भी व्यक्ति जो किसी ज़रूरतमंद व्यक्ति पर अनुग्रह करता है"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 14:31 (#2)

דָּל

"परन्तु जो दरिद्र पर"

वाक्यांश **दरिद्र पर** गरीब व्यक्ति को संदर्भित करता है। देखें कि आपने 10:15 में "दरिद्र" शब्द का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 14:31 (#3)

עֹשֵׂהוּ

"उसके कर्ता"

यहाँ, **कर्ता** का तात्पर्य यहोवा से है। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर, उसका कर्ता" या "उसका निर्माता, जो परमेश्वर है" या "उसका निर्माता"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 14:31 (#4)

וּמְכַבְּדוֹ

"परंतु" - "उसकी महिमा करता है"

यहाँ, **उसकी** का तात्पर्य यहोवा से है। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन ... यहोवा का सम्मान करता है"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

नीतिवचन 14:31 (#5)

"अनुग्रह करता"

देखिए आपने 14:21 में "**अनुग्रह करता**" शब्द का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 14:32 (#1)

בְּרָעָתוֹ & רָשָׁע & בְּמוֹתָתוֹ צַדִּיק

"दुष्ट मनुष्य बुराई"- "परन्तु धर्मी"- "मृत्यु के समय"

यहाँ, **दुष्ट** और **धर्मी** व्यक्ति सामान्य रूप से लोगों के प्रकारों को संदर्भित करता है, न कि विशिष्ट लोगों को। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। देखें कि आपने 3:33 में **दुष्ट** व्यक्ति और 10:16 में **धर्मी** व्यक्ति का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "किसी भी दुष्ट व्यक्ति की बुराई से वह व्यक्ति ... कोई भी धर्मी व्यक्ति ... उस व्यक्ति की मृत्यु में"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 14:32 (#2)

"बुराई" - "मृत्यु के"

देखिए आपने 1:16 में भाववाचक संज्ञा **बुराई** और 2:18 में **मृत्यु** का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 14:32 (#3)

יִדָּחֶנָּה

“नाश हो जाता है”

अगर आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का इस तरह से उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से कह सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: “खुद को नीचे गिराता है”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 14:32 (#4)

יִדָּחֶנָּה

“नाश हो जाता है”

यहाँ सुलैमान किसी व्यक्ति के जीवन को **नाश** या नष्ट करने का उल्लेख करते हैं जैसे कि उस व्यक्ति को **नीचे गिरा दिया** गया हो। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने 10:8 में “नाश हो जाता” के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: “नष्ट हो जाता है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 14:32 (#5)

וְחֹסֶה צַדִּיק &

“परन्तु धर्मी को मृत्यु के समय भी शरण मिलती है”

यहाँ सुलैमान **शरण** की बात ऐसे कर रहे हैं मानो यह कोई ऐसी वस्तु हो जो किसी को **मिलती है**। उनका तात्पर्य है कि कोई व्यक्ति सुरक्षित या संरक्षित महसूस करता है। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “लेकिन धर्मी व्यक्ति सुरक्षित महसूस करता है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 14:32 (#6)

בְּמוֹתֹתָו

“मृत्यु के”

यहाँ सुलैमान उस समय के बारे में बात कर रहे हैं जब कोई मरता है, मानो **मृत्यु** एक ऐसी जगह हो जहाँ वह व्यक्ति प्रवेश करता है। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मरते समय”

देखें: रूपक

नीतिवचन 14:33 (#1)

בְּלֵב נָבוֹן תָּנוּחַ חָכְמָה

“समझवाले के मन में बुद्धि वास किए रहती है”

यहाँ सुलैमान **समझवाले के** बुद्धिमानी से सोचने के लिए संदर्भित करते हैं जैसे कि **बुद्धि** एक ऐसी वस्तु है जो उस व्यक्ति के हृदय के अंदर **वास** करती हो। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने 2:2 में **मन** के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: “समझदार व्यक्ति बुद्धि से सोचता है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 14:33 (#2)

“समझवाले”

देखिए आपने 1:5 में **समझवाले** वाक्य का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 14:33 (#3)

“बुद्धि”

देखें कि आपने 1:2 में भाववाचक संज्ञा **बुद्धि** का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 14:33 (#4)

תִּוָּדֵעַ

“वास किए रहती है”

अगर आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का इस तरह से उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से कह सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: “लोग उसे जानेंगे”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 14:33 (#5)

תִּוָּדֵעַ

“मन में बुद्धि वास किए रहती है”

मूल भाषा में यहाँ “वह जानी जाएगी” वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिंदी अनुवाद में **मन में बुद्धि वास किए रहती है** का उपयोग हुआ है। यहाँ, **बुद्धि** को ऐसे संदर्भित किया गया है मानो वह एक महिला हो। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “बुद्धि को जाना जाएगा”

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 14:34 (#1)

“धर्म” - “परन्तु पाप से देश के लोगों का अपमान होता है”

देखिए आपने 1:3 में **धर्म**, 5:22 में **पाप**, तथा 6:33 में **अपमान** जैसी भाववाचक संज्ञाओं का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 14:34 (#2)

תְּרוֹמֵם־גּוֹי

“जाति की बढ़ती”

यहाँ सुलैमान एक **जाति** के महान बनने को संदर्भित करते हैं जैसे कि यह एक ऐसी वस्तु हो जिसे **धर्म** ऊपर उठाता है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। देखें कि आपने 11:11 में "बढ़ती" के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "एक जाति को महान बनाता है"

देखें: रूपक

नीतिवचन 14:34 (#3)

לְאֻמִּים

"लोगों का"

यहाँ **लोगों का** बहुवचन इस्तेमाल लोगों के कई समूहों को दर्शाता है जिन्हें "जाति" या "देश" भी कहा जा सकता है। देखें कि आपने 11:14 में "लोगों का" का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: समूहवाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 14:35 (#1)

"प्रसन्न होता है" - "जो कर्मचारी बुद्धि से काम करता है"

देखें कि आपने 8:30 में भाववाचक संज्ञाओं **प्रसन्नता**, 1:3 में **विवेकपूर्ण**, तथा 11:23 में **क्रोध** का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 14:35 (#2)

מֶלֶךְ לְעֶבֶד & וְעֶבְרָתוֹ תִּהְיֶה מֵבִישׁ

"जो कर्मचारी बुद्धि से काम करता है उस पर राजा प्रसन्न होता है, परन्तु जो लज्जा के काम करता, उस पर वह रोष करता है"

यहाँ, **राजा, कर्मचारी** और जो **लज्जा** से काम करता है, वह लोगों के प्रकारों को संदर्भित करता है, न कि विशिष्ट लोगों को। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी राजा किसी भी कर्मचारी के लिए होता है ... लेकिन किसी भी राजा का क्रोध किसी भी ऐसे व्यक्ति के लिए होता है जो शर्मनाक काम करता है"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 15:1 (#1)

מַעֲנֶה־רַךְ יָשִׁיב חֵמָה וּדְבַר־עֹצֶב יַעֲלֶה־אָף

"कोमल उत्तर सुनने से जलजलाहट ठण्डी होती है,"

इस पद्य में, सुलैमान का तात्पर्य है कि **कोमल उत्तर** और **कटुवचन** एक क्रोधित व्यक्ति से बोले जाते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक कोमल उत्तर जो एक क्रोधित व्यक्ति से कहा जाता है, उस व्यक्ति की जलजलाहट ठण्डी करता है, परन्तु एक कटुवचन जो एक क्रोधित व्यक्ति से कहा जाता है, उस व्यक्ति के क्रोध को और बढ़ा देता है।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 15:1 (#2)

מַעֲנֶה־רַךְ & וּדְבַר־עֹצֶב

"कोमल उत्तर" - "परन्तु कटुवचन"

कोमल उत्तर और **कटुवचन** लोगों द्वारा कही जाने वाली बातों के प्रकारों को सन्दर्भित करता है, न कि किसी विशिष्ट **उत्तर** या **शब्द** को। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी कोमल उत्तर ... परन्तु कोई भी कटुवचन"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 15:1 (#3)

יָשִׁיב חֵמָה

"जलजलाहट ठण्डी होती है"

यह वाक्यांश एक मुहावरा है जो किसी व्यक्ति के गुस्से को कम करने का सन्दर्भ देता है, जैसे कि वह गुस्सा **गर्मी (जलजलाहट)** हो जिसे कोई **ठण्डी** करता हो। शब्द **जलजलाहट** का अर्थ "गुस्सा" होता है, क्योंकि गुस्से में व्यक्ति का शरीर **जलजलाहट** से भर जाता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "गुस्सा कम करना" या "गुस्से में व्यक्ति को शान्त करना"।

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 15:1 (#4)

וּדְבַר־עֹצֶב

" परन्तु कटुवचन"

"वाक्यांश **कटुवचन** उस बात को सन्दर्भित करता है जो कठोरता से कही जाती है, जैसे कि जो कहा गया है वह श्रोता को **कष्ट** पहुँचाएगा। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परन्तु जो कठोरता से कहा जाता है" या ""एक कष्ट पहुँचाने वाला शब्द""

देखें: रूपक

नीतिवचन 15:1 (#5)

יַעֲלֶה־אָף

"क्रोध भड़क उठता है"

यह वाक्यांश एक मुहावरा है जो किसी व्यक्ति के गुस्से को बढ़ाने का सन्दर्भ देता है। (अंग्रेजी में यहाँ नाक शब्द का प्रयोग किया गया है) **नाक** शब्द का अर्थ "गुस्सा" होता है, जो उस तरीके से जुड़ा होता है जिसमें एक गुस्से वाला व्यक्ति अपनी **नाक** से जोर से सांस लेता है। आपकी भाषा और संस्कृति भी गुस्से को शरीर के किसी विशेष भाग से जोड़ सकती हैं। यदि ऐसा है, तो आप अपने अनुवाद में शरीर के उस भाग से सम्बन्धित किसी अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। आप साधारण भाषा का भी उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "गुस्सा बढ़ाता है" या "गुस्से वाले व्यक्ति को और अधिक गुस्सा दिलाता है"

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 15:2 (#1)

"बुद्धिमान ज्ञान का ठीक बखान करते हैं" - "परन्तु मूर्खों के मुँह"

मूल भाषा में यहाँ **जीभ** शब्द का उपयोग किया गया है, परन्तु हिन्दी अनुवाद यहाँ बखान शब्द का उपयोग करता है। **बुद्धिमान ज्ञान का ठीक बखान करते हैं** और **मूर्खों के मुँह** उस प्रकार के लोगों की कही गई बातों को सामान्य रूप में दर्शाते हैं, न कि किसी विशेष **जीभ** या **मुँह** को। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बुद्धिमान लोगों की जीभ ... परन्तु मूर्ख लोगों का मुँह"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 15:2 (#2)

"बुद्धिमान ज्ञान का ठीक बखान करते हैं"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 12:18 में किस प्रकार किया।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 15:2 (#3)

תֵּיטִיבִ֥ים דָּֽעַת

"ज्ञान का ठीक बखान करते हैं"

वाक्यांश **ज्ञान का ठीक बखान करते हैं** का अर्थ है **ज्ञान** को इस तरह से प्रस्तुत करना कि **ज्ञान** दूसरों के लिए सुखद या आकर्षक हो। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ज्ञान को दूसरों के लिए मनभावन बनाते हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 15:2 (#4)

"ज्ञान" - "मूर्खता"

देखें कि आपने भाववाचक संज्ञा **ज्ञान** का 1:4 में और **मूर्खता** का 5:23 में अनुवाद कैसे किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 15:2 (#5)

וּפִ֥י כְסִילִ֖ים יַבִּֽיעַ אִוֶּֽלֶת

"परन्तु मूर्खों के मुँह से मूर्खता उबल आती है"

यहाँ सुलैमान **मूर्खों** का जिक्र करते हैं जो हमेशा मूर्खतापूर्ण बातें कहते रहते हैं, जैसे उनके मुँह से **मूर्खता उबलती** हो जैसे उबलता हुआ पानी। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परन्तु मूर्खों के मुँह से हमेशा मूर्खता निकलती रहती है।"

देखें: रूपक

नीतिवचन 15:2 (#6)

"परन्तु मूर्खों के मुँह"

देखें कि आपने **मुँह** का उपयोग 10:6 में कैसे अनुवाद किया।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 15:3 (#1)

בְּכָל־מָ֥קוֹם עֵינֵ֖י יְהוָ֑ה

"यहोवा की आँखें सब स्थानों में लगी रहती हैं"

यहाँ सुलैमान यहोवा की इस क्षमता का उल्लेख करते हैं कि यहोवा सब कुछ देख सकते हैं, जैसे कि यहोवा की **आँखें सब स्थानों में** स्थित हों। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यहोवा हर जगह जो हो रहा है उसे देखते हैं।"

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 15:4 (#1)

מַרְפֵּ֥א לָ֖שׁוֹן & וְסֶ֣לֶף בָּ֑הּ שֶׁ֥בֶר בְּרוּחַ֖

"शान्ति देनेवाली बात" - "परन्तु उलट-फेर की बात से आत्मा दुःखित होती है"

शान्ति देनेवाली बात, **बात से**, और **आत्मा दुःखित होती है** विशिष्ट चीजों को सन्दर्भित नहीं करते हैं, बल्कि सामान्य रूप से इन चीजों का प्रतिनिधित्व करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप बेहतर प्राकृतिक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं।। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी शान्ति देनेवाली बात ... परन्तु कोई भी उलट-फेर की बात से आत्मा दुःखित होती है"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 15:4 (#2)

מַרְפֵּ֥א לָ֖שׁוֹן

"शान्ति देनेवाली बात"

मूल भाषा में यहाँ पर **जीभ** शब्द का उपयोग किया गया है परन्तु हिन्दी अनुवाद यहाँ **बात** शब्द का उपयोग करता है। **शान्ति देनेवाली बात** का मतलब है कि कोई व्यक्ति क्या कहता है जो सुनने वाले को सुकून देता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसका मतलब साफ-साफ बता सकते हैं। देखें कि आपने 6:17 में **बात** के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "किसी व्यक्ति द्वारा कही गई सांत्वनादायक बात"

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 15:4 (#3)

"जीवन-वृक्ष है"

देखें कि आपने **जीवन-वृक्ष** का 3:18 में कैसे अनुवाद किया।

देखें: रूपक

नीतिवचन 15:4 (#4)

וְסֶ֣לֶף בָּ֑הּ

"परन्तु उलट-फेर की बात से"

मूल भाषा में यहाँ पर **जीभ** शब्द का उपयोग किया गया है परन्तु हिन्दी अनुवाद यहाँ **बात** शब्द का उपयोग करता है। यहाँ सुलैमान उलट-फेर की बात को टेढ़ी जीभ के रूप में सन्दर्भित करते हैं। यदि यह आपकी

भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परन्तु जो कपट की बातें कहता है"

देखें: रूपक

नीतिवचन 15:4 (#5)

שֶׁשָּׁבֶר בְּרוּחַ

"आत्मा दुःखित होती है"

वाक्यांश **आत्मा दुःखित होती है** का अर्थ किसी व्यक्ति को निराशा में डाल देना होता है। यदि यह सहायक हो, तो आप अपनी भाषा से एक समानार्थी मुहावरा उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को सीधे रूप में बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "किसी व्यक्ति को उदास महसूस कराना" या "किसी व्यक्ति को निराश करना"।

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 15:5 (#1)

אֱוִיל & אָבִיו וְשֹׁמֵר תּוֹכַחַת

""मूर्ख" - "अपने पिता,"

मूर्ख, **अपने**, और **जो डाँट को मानता** विशिष्ट लोगों को सन्दर्भित नहीं करते हैं, बल्कि लोगों के प्रकारों को दर्शाते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी मूर्ख ... उस मूर्ख का पिता, परन्तु जो डाँट को मानता"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 15:5 (#2)

"शिक्षा का" - "डाँट"

देखें कि आपने भाववाचक संज्ञाओं **शिक्षा का** 3:11 और **डाँट** का 1:25 में कैसे अनुवाद किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 15:5 (#3)

"परन्तु जो डाँट को मानता"

देखें कि आपने **जो डाँट को मानता** को 13:18 में कैसे अनुवादित किया।

देखें: रूपक

नीतिवचन 15:6 (#1)

בֵּבֵית צַדִּיק & וּבִתְבוּאַת רָשָׁע

"धर्मी के घर में" - "परन्तु दुष्ट के कमाई में"

धर्मी के घर में और **दुष्ट के कमाई में** विशिष्ट चीजों और लोगों को संदर्भित नहीं करते हैं, बल्कि सामान्य रूप से उन चीजों और लोगों के प्रकारों को दर्शाते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "किसी भी धर्मी का घर... परन्तु किसी भी दुष्ट की कमाई"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 15:6 (#2)

"परन्तु ... कमाई में"

यहाँ, **कमाई** उस आय को सन्दर्भित करती है जो **उपज** बेचने से प्राप्त होती है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परन्तु आय में"

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 15:6 (#3)

וּבִתְבוּאַת רָשָׁע נֶעְכָּרֶת

"परन्तु दुष्ट के कमाई में दुःख रहता है"

यहाँ सुलैमान **दुष्ट के कमाई** का उल्लेख करते हैं, जिससे **दुष्ट दुःखी** हो जाते हैं, जैसे **दुःख** एक वस्तु हो जो **कमाई में** स्थित है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परन्तु दुष्ट की कमाई उसे दुःख में डालती है"

देखें: रूपक

नीतिवचन 15:7 (#1)

"बुद्धिमान लोग बातें करने से"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 14:3 में किस प्रकार किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 15:7 (#2)

יְזָרוּ דָעַת

"ज्ञान को फैलाते हैं"

यहाँ सुलैमान अन्य लोगों को ज्ञान सिखाने का उल्लेख करते हैं जैसे कि **ज्ञान** उन बीजों की तरह हो जो एक किसान खेत में पौधों के लिए बिखेरता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अन्य लोगों को ज्ञान सिखाएं"

देखें: रूपक

नीतिवचन 15:7 (#3)

"ज्ञान"

देखें कि आपने **ज्ञान** जैसी भाववाचक संज्ञा का 1:4 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 15:7 (#4)

"परन्तु मूर्खों का मन"

देखें कि आपने **मूर्खों का मन** का अनुवाद 12:23 में कैसे किया।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 15:8 (#1)

זֶבַח & וּתְפִלַּת

"के बलिदान" - "परन्तु ... सीधे लोगों की प्रार्थना"

बलिदान और **प्रार्थना** सामान्य रूप से बलिदान और प्रार्थनाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं, किसी विशेष **बलिदान** या **प्रार्थना** का नहीं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "के बलिदान ... परन्तु प्रार्थनाओं के"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 15:8 (#2)

זֶבַח רְשָׁעִים & וּתְפִלַּת יְשָׁרִים

"दुष्ट लोगों के बलिदान {" - "परन्तु वह सीधे लोगों की प्रार्थना"

यदि आपकी भाषा में **बलिदान** और **प्रार्थना** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप इन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "दुष्ट लोग जो बलिदान करते हैं ... परन्तु धर्मी लोग जो प्रार्थना करते हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 15:8 (#3)

"यहोवा घृणा करता है"

देखें कि आपने **यहोवा घृणा करता है** को 3:32 में कैसे अनुवादित किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 15:8 (#4)

"वह ... प्रसन्न होता है"

देखें कि आपने **प्रसन्न** जैसी भाववाचक संज्ञा का 11:1 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 15:9 (#1)

תּוֹעֲבַת יְהוָה

"यहोवा को घृणा आती है"

देखें कि आपने पिछले पद में इस वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया था।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 15:9 (#2)

"चाल चलन"

देखें कि आपने **चाल** शब्द का 1:15 में प्रयोग किस प्रकार किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 15:9 (#3)

רָשָׁע וּמְרַדֵּף

"'दुष्ट,"

यहाँ, **दुष्ट** और **जो धर्म का पीछा करता** अलग-अलग प्रकार के लोगों को दर्शाता है, न कि किसी एक विशेष **दुष्ट** या **धर्म का पीछा करने वाले को**। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "दुष्ट ... परन्तु धर्म का पीछा करने वाले"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 15:9 (#4)

וּמְרַדֵּף צְדָקָה

"परन्तु जो धर्म का पीछा करता "

यहाँ सुलैमान धर्मी जीवन जीने के लिए मेहनत करने वाले व्यक्ति को इस तरह प्रकट करते हैं जैसे वह **धर्म का पीछा करने वाला** हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परन्तु जो कोई धर्मी होने का प्रयास करता है"

देखें: रूपक

नीतिवचन 15:9 (#5)

"धर्म"

देखें कि आपने **धर्म** (मूल भाषा में धार्मिकता) जैसी भाववाचक संज्ञा का अनुवाद 1:3 में कैसे किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 15:10 (#1)

"ताड़ना" - "डाँट"

देखें कि आपने 13:24 में **ताड़ना** का और 1:25 में **डाँट** जैसे भाववाचक संज्ञाओं का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 15:10 (#2)

לְעֹזֵב & שׂוֹנֵא

"जो मार्ग को छोड़ देता" - "जो डाँट से बैर रखता"

यहाँ, **जो मार्ग को छोड़ देता** और **जो डाँट से बैर रखता** वह विशिष्ट लोगों को नहीं, बल्कि लोगों के प्रकारों को दर्शाता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "किसी भी व्यक्ति के लिए जो छोड़ देता है ... किसी भी व्यक्ति के लिए जो बैर रखता है"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 15:10 (#3)

לְעֹזֵב אֹרַח

"जो मार्ग को छोड़ देता"

यहाँ सुलैमान एक व्यक्ति को सन्दर्भित करते हैं जो अब धार्मिकता से नहीं, बल्कि दुष्टता से व्यवहार कर रहा है, जैसे वह व्यक्ति धर्म का **मार्ग** को **छोड़** चुका हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसके लिए है जो धर्मी रूप से जीना छोड़ देता है"

देखें: रूपक

नीतिवचन 15:11 (#1)

שְׁאוֹל וַאֲבַדּוֹן

“अधोलोक और विनाशलोक”

अधोलोक और **विनाशलोक** दोनों उस स्थान का उल्लेख करते हैं जहाँ लोगों की आत्माएँ मरने के बाद जाती हैं। सुलैमान इन्हें जोर देने के लिए एक साथ उपयोग कर रहे हैं। यदि आपके पाठकों के लिए यह स्पष्ट हो, तो आप जोर को एक ही वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने 1:12 में **अधोलोक** का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: “वह स्थान जहाँ मृत लोगों की आत्माएँ निवास करती हैं” या “मृतकों का स्थान”

देखें: द्विरावृत्ति (डबलेट)

नीतिवचन 15:11 (#2)

נֶגֶד

“के सामने”

यहाँ सुलैमान **यहोवा** को सन्दर्भित करते हैं, जो **अधोलोक और विनाशलोक** के बारे में सब कुछ जानते हैं जैसे वे उनके सामने हों। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वे यहोवा को पूरी तरह ज्ञात हैं”

देखें: रूपक

नीतिवचन 15:11 (#3)

“के मन”

देखें कि आपने 2:2 में “मन” के समान उपयोग का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 15:11 (#4)

“मनुष्यों”

देखें कि आपने इस शब्द का अनुवाद 8:4 में कैसे किया है।

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 15:12 (#1)

לֵץ הוֹכֵחַ לוֹ & לֹא יֵלֵךְ

“”ठट्ठा करनेवाला“ - “डाँटे जाने से ... न वह बुद्धिमानों के पास जाता है;”

ठट्ठा करनेवाला, **वह,** और **बुद्धिमानों** लोगों के प्रकार का प्रतिनिधित्व करते हैं, न कि विशिष्ट व्यक्तियों का। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी ठट्ठा करनेवाला ... कोई भी व्यक्ति डाँटे जाने से ... वह व्यक्ति नहीं जाएगा”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 15:12 (#2)

לֹא יֶאֱהַב

“प्रसन्न नहीं होता”

सुलैमान यहाँ एक अलंकार का उपयोग कर रहे हैं, जिसमें एक नकारात्मक शब्द, **नहीं**, का उपयोग करके अत्यधिक सकारात्मक अर्थ व्यक्त किया जाता है, साथ ही एक ऐसी अभिव्यक्ति के साथ जो इच्छित अर्थ के विपरीत है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप सकारात्मक अर्थ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वास्तव में प्रसन्न करता है”

देखें: (लाइटोटीज़) कटाक्षपूर्ण उक्ति

नीतिवचन 15:12 (#3)

לֹא יֵלֵךְ

“न वह बुद्धिमानों के पास जाता है”

यहाँ सुलैमान का तात्पर्य **बुद्धिमानों के पास** सलाह लेने के लिए जाना है।। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह उनकी सलाह लेने नहीं जाएगा।”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 15:13 (#1)

לֵב שָׂמֵחַ

“मन आनन्दित होने से”

यहाँ सुलैमान **मन** का उपयोग व्यक्ति के आंतरिक अस्तित्व या हृदय के लिए करते हैं। देखें कि आपने 2:2 में **मन** के उसी उपयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 15:13 (#2)

יֵיטִיב פָּנִים

“मुख पर भी प्रसन्नता छा जाती है”

यहाँ सुलैमान मुस्कुराने वाले व्यक्ति को इस तरह प्रकट करते हैं जैसे उसका **मुख** एक **प्रसन्नता** से भरा व्यक्ति हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “प्रसन्न होने का कारण बनता है”

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 15:13 (#3)

וּבְעַצְבַּת־לֵב

“परन्तु मन के दुःख से”

यहाँ सुलैमान एक व्यक्ति को सन्दर्भित करते हैं जो उदास महसूस कर रहा है, जैसे कि उस व्यक्ति को **मन के दुःख** हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “परन्तु दुःखी महसूस करके”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 15:13 (#4)

רְרוּחַ נְכֵאָה

“आत्मा निराश होती है”

यहाँ सुलैमान एक ऐसे व्यक्ति को सन्दर्भित करते हैं, जो निराश है, जैसे कि उस व्यक्ति की **आत्मा** को किसी चीज ने मारा या कुचल दिया हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक व्यक्ति निराशा महसूस करता है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 15:14 (#1)

לֵב נָבוֹן יְבַקֶּשׁ־דָּעַת וּפִי כְסִילִים יִרְעֶה

“”समझनेवाले का मन ज्ञान की खोज में रहता है“

मन, या **समझनेवाले** इन चीज़ों और लोगों के प्रकारों को सामान्य रूप से दर्शाते हैं, न कि किसी एक विशेष **मन**, या **समझनेवाले** को। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “समझदार व्यक्तियों के मन ज्ञान की खोज करते हैं”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 15:14 (#2)

“का मन” - “परंतु मूर्ख लोग”

इस पद में, **मन** और **पेट** पूरे व्यक्ति का सन्दर्भ देते हैं। देखें कि आपने 6:18 में **मन** का अनुवाद कैसे किया।

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 15:14 (#3)

“खोज में रहता है”

देखें कि आपने **खोज में रहता है** का अनुवाद 11:27 में कैसे किया।

देखें: रूपक

नीतिवचन 15:14 (#4)

“”ज्ञान,“

देखें कि आपने भाववाचक संज्ञाओं **ज्ञान** का 1:4 में और **मूर्खता** का 5:23 में किस प्रकार अनुवाद किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 15:14 (#5)

יִרְעֶה

“पेट भरते हैं”

यहाँ सुलैमान **मूर्ख लोग** को उनकी **मूर्खता** से सन्तुष्ट होने की बात इस तरह कहते हैं जैसे वे उस पर ऐसे पलते हों जैसे पशु घास से पेट भरते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “से सन्तुष्ट रहते हैं”

देखें: रूपक

नीतिवचन 15:15 (#1)

כָּל־יְמֵי עָנִי

“ दुःखियारे के सब दिन”

सब दिन यहाँ उस समय को सन्दर्भित करता है जो **दुःखियारे** व्यक्ति के जीवित रहने के दौरान होता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उन सभी दिनों में जो पीड़ित व्यक्ति के जीवित रहने के दौरान होते हैं”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 15:15 (#2)

עָנִי & וְטוֹב־לֵב

“दुःखियारे” - “जिसका मन प्रसन्न रहता है”

यहाँ, **दुःखियारे** और **मन प्रसन्न रहता है** लोगों के प्रकार का प्रतिनिधित्व करते हैं, न कि विशेष व्यक्तियों का। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी दुःखियारा ... परन्तु कोई भी व्यक्ति जिसका मन प्रसन्न रहता है”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 15:15 (#3)

רָעִים

“दुःखियारे के”

यहाँ, **दुःखियारे** का अर्थ है जो दुखद या परेशानी भरा होता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “परेशानी भरे होते हैं” या “परेशानी भरे होते हैं”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 15:15 (#4)

וְטוֹב־לֵב

“परन्तु जिसका मन प्रसन्न रहता है”

यहाँ, **जिसका मन प्रसन्न** एक ऐसे व्यक्ति को सन्दर्भित करता है जो प्रसन्न महसूस करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “परन्तु वह व्यक्ति जिसका मन आनन्दित होता है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 15:15 (#5)

מִשְׁתֵּה תָמִיד

“नित्य भोज में जाता है”

यहाँ सुलैमान एक ऐसे व्यक्ति को सन्दर्भित करते हैं जो जीवन का आनन्द ऐसे ले रहा है, जैसे वह हमेशा एक **भोज** खा रहा हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक उपमा का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “ऐसा रहता है जैसे

कि वह लगातार दावत खा रहा हो" या "हमेशा जीवन का आनन्द ले रहा हो"

देखें: रूपक

नीतिवचन 15:16 (#1)

מְמֵעַט & מֵאוֹצָר רָב

"थोड़ा" - "बहुत रखे हुए धन से ... थोड़ा ही धन उत्तम है"

सुलैमान कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "थोड़ा होना ... अधिक खजाने से बेहतर है।"

देखें: पदलोप

नीतिवचन 15:16 (#2)

מְמֵעַט

"थोड़ा"

यहाँ सुलैमान **"थोड़ा"** विशेषण का प्रयोग एक संज्ञा के रूप में कर रहे हैं, जो किसी चीज की कम मात्रा को दर्शाता है। आपकी भाषा में भी यदि विशेषणों का इस तरह प्रयोग होता है तो आप ऐसा कर सकते हैं। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अर्थ एक समानार्थी वाक्यांश से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "थोड़ा सा होना"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

नीतिवचन 15:16 (#3)

בְּיִרְאַת יְהוָה

"यहोवा के भय के साथ"

> यहाँ सुलैमान **यहोवा** के भय का उल्लेख इस प्रकार कर रहे हैं जैसे वह **भय** कोई वस्तु हो जिसे कोई व्यक्ति अपने **थोड़े से** धन **के साथ** भी रख सकता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यहोवा का भय मानते हुए" या "और यहोवा का भय मान कर"

देखें: रूपक

नीतिवचन 15:16 (#4)

"यहोवा के भय के साथ"

देखें कि आपने **यहोवा के भय** का अनुवाद 1:7 में कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 15:16 (#5)

וּמְהוּמָה בּוֹ

"घबराहट के साथ बहुत"

यहाँ सुलैमान **घबराहट** को इस प्रकार व्यक्त कर रहे हैं जैसे **घबराहट** कोई वस्तु हो जिसे कोई व्यक्ति **बहुत अधिक धन** के साथ रखता हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और घबराहट होना" या "और चिन्ता होना"

देखें: रूपक

नीतिवचन 15:16 (#6)

וּמְהוּמָה

"घबराहट"

यदि आपकी भाषा **घबराहट** के विचार के लिए एक भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं करती है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और चिन्तित होना"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 15:17 (#1)

אֲרֻחַת יָרָק וְאַהֲבָה & מִשְׁשׁוֹר אָבוּס וְשִׂנְאָה

"प्रेमवाले घर में सागपात का भोजन" - "बैरवाले घर में स्वादिष्ट माँस खाने से उत्तम है"

सुलैमान कुछ शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बैरवाले घर में स्वादिष्ट माँस खाने से बेहतर है की प्रेमवाले घर में सागपात का भोजन खाए"

देखें: पदलोप

नीतिवचन 15:17 (#2)

אֲרֻחַת יָרָק

"सागपात का भोजन"

यहाँ, **सागपात का भोजन** एक छोटे भोजन को सन्दर्भित करता है जिसमें अधिक खाना नहीं होता। इस प्रकार का भोजन कोई ऐसा व्यक्ति ग्रहण करेगा जो मांस खरीदने का खर्च नहीं उठा सकता। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बहुत कम खाना है" या "एक निर्धन व्यक्ति का भोजन"

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 15:17 (#3)

"प्रेमवाले घर में" - "बैरवाले घर में"

देखें कि आपने भाववाचक संज्ञाओं **प्रेम** और **बैर** का अनुवाद 10:12 में कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 15:17 (#4)

מִשְׁשׁוֹר אָבוּס

"स्वादिष्ट माँस"

यहाँ, **स्वादिष्ट माँस** एक बड़े भोजन को सन्दर्भित करता है। इस प्रकार का भोजन एक धनी व्यक्ति द्वारा खाया जाता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बहुत अधिक भोजन से" या "एक धनी व्यक्ति के भोजन से"

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 15:17 (#5)

וְשִׂנְאָה־בוֹ

"बैरवाले घर में"

यहाँ सुलैमान **बैरवाले घर** को इस प्रकार व्यक्त कर रहे हैं जैसे **बैरवाला घर** कोई वस्तु हो जिसे कोई व्यक्ति **स्वादिष्ट माँस** के साथ रख सकता हो।यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "घृणा रखते हुए"

देखें: रूँपक

नीतिवचन 15:18 (#1)

אִישׁ חֵמָה

"क्रोधी पुरुष"

हालांकि **पुरुष** शब्द पुल्लिंग है, सुलैमान इस शब्द का उपयोग एक सामान्य अर्थ में कर रहे हैं जो पुरुषों और स्त्रियों दोनों को शामिल करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक ऐसा वाक्यांश उपयोग कर सकते हैं जो इसे स्पष्ट करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "क्रोधी व्यक्ति"

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 15:18 (#2)

"क्रोधी पुरुष"

मूल भाषा में **क्रोधी** के स्थान पर **गर्मी** का उपयोग हुआ है परन्तु हिन्दी क्रोधी पुरुष उपयोग हुआ है। **क्रोधी पुरुष** उस व्यक्ति को सन्दर्भित करता है जो आसानी से गुस्सा हो जाता है। यहाँ, **गर्मी** अत्यधिक क्रोध को दर्शाती है, जो क्रोधित व्यक्ति के शरीर को गर्म कर देती है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इस अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने **क्रोधी** के इसी उपयोग का अनुवाद 6:34 में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "एक व्यक्ति जो आसानी से क्रोधित हो जाता है"।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 15:18 (#3)

יְגָרֶה

"झगड़ा मचाता है"

यहाँ सुलैमान **झगड़ा मचाता है** का उल्लेख इस प्रकार कर रहे हैं जैसे कोई व्यक्ति उसे भड़काता हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसका अर्थ सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "शुरू करता है" या "कारण बनता है"

देखें: रूपक

नीतिवचन 15:18 (#4)

מָדוֹן & רִיב

""झगड़ा,"

यदि आपकी भाषा में **झगड़ा** और **मुकद्दमा** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप इन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने 6:14 में "झगड़े" का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "झगड़ना ... विवाद करना"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 15:18 (#5)

מָדוֹן וְאֶרֶךְ אַפַּיִם & רִיב

""मुकद्दमों को,"

यहाँ, **झगड़ा**, **विलम्ब से क्रोध**, और **मुकद्दमों** किसी विशेष घटना या व्यक्ति के लिए नहीं, बल्कि सामान्य रूप से घटनाओं और व्यक्तियों के प्रकारों का प्रतिनिधित्व करते हैं। यदि आपकी भाषा में इसे अधिक स्वाभाविक रूप से व्यक्त करना सहायक हो, तो आप अधिक प्राकृतिक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "झगड़े, परन्तु कोई भी धैर्यवान व्यक्ति... विवादों को शान्त करता है"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 15:18 (#6)

"परन्तु जो विलम्ब से क्रोध करनेवाला है"

देखें कि आपने **विलम्ब से क्रोध** का अनुवाद 14:29 में कैसे किया।

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 15:18 (#7)

יַשְׁקִיט רִיב

"वह मुकद्दमों को दबा देता है"

यहाँ सुलैमान उस व्यक्ति का उल्लेख कर रहे हैं जो बहस कर रहे लोगों को शान्त कर देता है और उनकी बहस को रोक देता है, जैसे वह **मुकद्दमों** को दबा रहा हो।। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "विवाद कर रहे लोगों को शान्त कर देगा"

देखें: रूपक

नीतिवचन 15:19 (#1)

דֶּרֶךְ עָצֵל כִּמְשֻׂכַת חָדֶק וְאֹרַח יְשָׁרִים סְלֻלָה

""आलसी का मार्ग काँटों से रुन्धा हुआ होता है,"

आलसी का मार्ग और **मार्ग** किसी विशेष चीज या व्यक्ति का उल्लेख नहीं करते, बल्कि सामान्य रूप से उन चीजों और प्रकार के लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। देखें कि आपने **आलसी** का अनुवाद 10:26 में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "आलसी का मार्ग काँटों से रुन्धा हुआ होता है, परन्तु सीधे लोगों का मार्ग राजमार्ग होता है।"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 15:19 (#2)

“का मार्ग” - “परन्तु ... का मार्ग”

इस श्लोक में, सुलैमान **मार्ग** का उपयोग किसी व्यक्ति के जीवन में प्रगति को सन्दर्भित करने के लिए करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जीवन की प्रगति ... जीवन की प्रगति”

देखें: रूपक

नीतिवचन 15:19 (#3)

כִּמְשֻׂכַּת חָדֶק

“काँटों से रुन्धा हुआ होता है”

यहाँ सुलैमान एक **आलसी** व्यक्ति की कठिन और अनुपयोगी जीवनशैली की तुलना **काँटों** से करते हैं, जो किसी को मार्ग पर चलने से रोकता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यह कठिन है”

देखें: उपमा

नीतिवचन 15:19 (#4)

כִּמְשֻׂכַּת חָדֶק

“काँटों से रुन्धा हुआ होता है”

वाक्यांश **काँटों से रुन्धा हुआ** एक घने झुरमुट का उल्लेख करता है जिसमें तेज कांटे होते हैं। लोग इसमें से नहीं जा सकते। यदि आपके पाठक इस प्रकार के पौधे से परिचित नहीं है, तो आप इसके बजाय किसी समान पौधे का नाम उपयोग कर सकते हैं या कोई सामान्य शब्द इस्तेमाल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक बड़ी कांटेदार झाड़ी की तरह” या “एक पौधे की तरह जो रास्ता रोकता है”

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

नीतिवचन 15:19 (#5)

סְלֻלָה

“लोगों का मार्ग राजमार्ग”

यहाँ सुलैमान सीधे और ईमानदार व्यक्तियों के उत्पादक जीवनशैली का उल्लेख इस प्रकार कर रहे हैं जैसे वह एक अच्छा और चलने में आसान **राजमार्ग** हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उत्पादक है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 15:20 (#1)

“बुद्धिमान पुत्र से पिता आनन्दित होता है”

देखें कि आपने इस खण्ड का अनुवाद 10:1 में किस प्रकार किया है।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 15:20 (#2)

וּכְסִיל אָדָם בּוֹזֶה אִמּוֹ

“परन्तु मूर्ख अपनी माता को तुच्छ जानता है”

हालांकि **मूर्ख** और **अपनी** पुरुषवाचक हैं, सुलैमान इन शब्दों का उपयोग एक सामान्य अर्थ में कर रहे हैं जो पुरुषों और स्त्रियों दोनों को शामिल करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप एक वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो इसे स्पष्ट करता है। वैकल्पिक अनुवाद: “परन्तु कोई भी मुर्ख व्यक्ति अपनी माता को तुच्छ जानता है”

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 15:21 (#1)

“निर्बुद्धि को मूर्खता से आनन्द होता है” - “समझवाला”

देखें कि आपने भाववाचक संज्ञाओं **मूर्खता** का 5:23, **आनन्द** का 10:28, और **समझ** का 1:2 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 15:21 (#2)

“”निर्बुद्धि,“

देखें कि आपने **निर्बुद्धि** का 9:16 में और **समझवाला** का 10:23 में किस प्रकार अनुवाद किया।

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 15:21 (#3)

יְיַשֶּׁר־לָכֶת

“सीधी चाल चलता है”

सुलैमान एक शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होता है। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप सन्दर्भ से इस शब्द को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “स्वयं को सीधे मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करता है”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 15:21 (#4)

יְיַשֶּׁר־לָכֶת

“सीधी चाल चलता है”

यहाँ सुलैमान एक व्यक्ति के बारे में बात कर रहे हैं जो सही काम कर रहा है, जैसे कि वह एक रास्ते पर **सीधे** आगे बढ़ रहा हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो सही करता है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 15:22 (#1)

הֲפֵר מַחֲשָׁבוֹת

“कल्पनाएँ निष्फल होती हैं”

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से

व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: “कल्पनाएँ असफल हो जाती हैं”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 15:22 (#2)

“सम्मति”

देखें कि आपने **सम्मति** जैसी भाववाचक संज्ञा का अनुवाद 1:25 में कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 15:22 (#3)

תָּקוּם

“सफलता मिलती है”

मूल भाषा में यहाँ सर्वनाम **यह** का उपयोग हुआ है जो पिछले खण्ड में **कल्पनाओं** को सन्दर्भित करता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए स्पष्ट नहीं है, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वे योजनाएँ बनी रहेंगी”

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

नीतिवचन 15:22 (#4)

תָּקוּם

“ सफलता मिलती है”

यहाँ सुलैमान **कल्पना** का उल्लेख करते हैं जो सफल होती हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वे सफल होंगे”

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 15:23 (#1)

שִׂמְחָה לְאִישׁ בְּמַעֲנֵה־פִיו

“ सज्जन उत्तर देने से आनन्दित होता है”

यहा सुलैमान उस व्यक्ति का उल्लेख कर रहे हैं जो अपने **उत्तर** के कारण **आनन्दित** महसूस करता है। सुलैमान एक रूपक का उपयोग करते हैं जिसमें वह आनन्द को उस **उत्तर** में एक वस्तु की तरह दर्शाते हैं। यदि आपकी भाषा में इसे अधिक स्पष्ट रूप से व्यक्त करना सहायक हो, तो आप इसका अर्थ सीधे शब्दों में प्रस्तुत कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मनुष्य को अपने मुख के उत्तर के कारण आनन्द होता है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 15:23 (#2)

שִׂמְחָה לְאִישׁ בְּמַעֲנֵה־פִיו

“सज्जन उत्तर देने से आनन्दित होता है”

यहाँ, **सज्जन**, और **उत्तर** किसी विशेष व्यक्ति या उत्तर का उल्लेख नहीं करते, बल्कि सामान्य रूप से व्यक्तियों और उत्तरों के प्रकारों का प्रतिनिधित्व करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “किसी भी व्यक्ति को उसके मुख के उत्तर के कारण आनंद मिलता है”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 15:23 (#3)

“आनन्दित”

देखें कि आपने **आनन्दित** (मूल भाषा में **आनन्द**) जैसी भाववाचक संज्ञा का अनुवाद 10:28 में कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 15:23 (#4)

בְּמַעֲנֵה־פִיו

“उत्तर देने से”

दूसरे खण्ड में **अवसर पर** वाक्यांश का अर्थ है कि पहले खण्ड में **उत्तर** एक अच्छा या उपयुक्त **उत्तर** है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उसके मुँह का अच्छा उत्तर” या “उसके मुँह का उपयुक्त उत्तर”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 15:23 (#5)

בְּמַעֲנֵה־פִיו

“उत्तर देने से”

यहाँ सुलैमान एक **उत्तर** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अच्छे उत्तर में जो वे कहते हैं” या “जो वे उत्तर में अच्छी तरह से कहते हैं”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 15:23 (#6)

וְדָבָר בְּעִתּוֹ מַה־טּוֹב

“और अवसर पर कहा हुआ वचन क्या ही भला होता है”

यह खण्ड एक सकारात्मक उद्गार है जो इस बात पर जोर देता है कि सही समय पर कही गई बात अत्यंत प्रभावशाली होती है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे एक अलग वाक्य बनाकर और एक सकारात्मक उद्गार का उपयोग करके दिखा सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: “समय पर कहा गया शब्द अत्यंत उत्तम है!”

देखें: विस्मयादिबोधक

नीतिवचन 15:23 (#7)

“अवसर पर कहा हुआ वचन क्या ही भला होता है”

वाक्यांश **अवसर पर कहा हुआ वचन** का तात्पर्य उस **शब्द** से है जो सही समय पर कहा जाता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और कितना अच्छा होता है वह शब्द जो सही समय पर कहा जाता है”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 15:23 (#8)

“वचन क्या ही भला होता है”

देखें कि आपने **वचन** के समान उपयोग का अनुवाद 12:25 में किस प्रकार किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 15:24 (#1)

אֹרַח חַיִּים לְמַעְלָה לְמַשְׂכִּיל

“विवेकी के लिये जीवन का मार्ग ऊपर की ओर जाता है”

जीवन का मार्ग और **विवेकी** किसी विशेष मार्ग या व्यक्ति का उल्लेख नहीं करते, बल्कि सामान्य रूप से मार्गों और समझदार लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जीवन के मार्ग विवेकी लोगों के लिए ऊपर की ओर होते हैं”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 15:24 (#2)

“जीवन का मार्ग ऊपर की ओर जाता है”

यहाँ सुलैमान एक जीवनशैली की बात करते हैं जो एक लम्बे जीवन का परिणाम है, जैसे कि यह एक **मार्ग** है जो **ऊपर** की ओर जाता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जीवनशैली एक लंबे जीवन का परिणाम होती है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 15:24 (#3)

“जीवन”

यहाँ, **जीवन** एक दीर्घायु **जीवन** को सन्दर्भित करता है। देखें कि आपने 10:16 में **जीवन** के उसी उपयोग का अनुवाद कैसे किया।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 15:24 (#4)

לְמַעַן סוֹר

“ इस रीति से वह अधोलोक में पड़ने से बच जाता है”

सुलैमान कुछ ऐसे शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो, तो आप इन शब्दों को पिछले खण्ड से जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “ताकि समझदार व्यक्ति दूर हो जाए”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 15:24 (#5)

לְמַעַן סוֹר מִשְּׁאוֹל

“इस रीति से वह अधोलोक में पड़ने से बच जाता है”

यहाँ सुलैमान **अधोलोक** से बचने की बात करते हैं, जैसे कि **अधोलोक** एक ऐसी जगह हो जिसमें एक व्यक्ति **पड़ने से बच सकता है**। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अधोलोक जाने से बचने के लिए”\n

देखें: रूपक

नीतिवचन 15:24 (#6)

מִשְּׁאוֹל מָטָּה

“अधोलोक में पड़ने से”

इस्राएली मृत्यु को **अधोलोक** जाने के रूप में सन्दर्भित करते थे, जो वह स्थान है जहाँ लोगों की आत्माएँ मृत्यु के बाद जाती हैं। यहाँ सुलैमान **अधोलोक** को इस तरह सन्दर्भित करते हैं जैसे कि यह जीवित लोगों के स्थान के **नीचे** हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। देखें कि आपने 1:12 में **अधोलोक** का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: “जहाँ मृत लोगों की आत्माएँ निवास करती हैं” या “मृतकों का स्थान” से

देखें: रूपक

Proverbs 15:25 (#1)

יִסַּח

“ढा देता”

यहाँ सुलैमान यहोवा का उल्लेख करते हैं जो **घमंडी लोगों के घर** को नष्ट कर रहे हैं जैसे कि वे उसे **ढा** रहे हों। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “बर्बाद कर देंगे”

देखें: उपमा

नीतिवचन 15:25 (#2)

בֵּית גֵּאִים & גְּבוּל אַלְמָנָה

“”अहंकारियों के घर“

यहाँ, **घर**, **सीमाओं**, और **विधवा** सामान्य अर्थ में घरों, सीमाओं, और विधवाओं का उल्लेख करते हैं, किसी विशेष **घर**, **सीमा**, या **विधवा** का नहीं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अभिमानियों के घर ... विधवाओं की सीमाएं”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 15:25 (#3)

בֵּית

“घर”

यहाँ, **घर** उस इमारत और उसमें मौजूद वस्तुओं दोनों को सन्दर्भित करता है जिसमें कोई रहता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “की सम्पत्ति”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 15:25 (#4)

וְיַצֵּב

“परन्तु विधवा की सीमाओं को अटल रखता है”

यहाँ सुलैमान यहोवा का उल्लेख करते हैं जो **विधवा की सीमाओं** की रक्षा या देखभाल करते हैं जैसे कि यह एक वस्तु हो जिसे उन्होंने **अटल** किया हो। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्टता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “लेकिन वे रक्षा करेंगे”

देखें: रूपक

नीतिवचन 15:25 (#5)

גְּבֻבוֹל

“की सीमाओं”

शब्द **सीमाओं** उन पत्थरों को सन्दर्भित करता है जो किसी व्यक्ति की भूमि की सीमाओं को चिह्नित करने के लिए उपयोग किए जाते हैं। यहाँ सुलैमान **सीमाओं** का उपयोग उस भूमि और सम्पत्ति को सन्दर्भित करने के लिए करते हैं जो **विधवा** की भूमि की **सीमाओं** के भीतर है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “की सम्पत्ति”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 15:25 (#6)

אַלְמָנָה

“विधवा”

सुलैमान मानते हैं कि उनके पाठक समझेंगे कि **विधवा** असहाय और दरिद्र होती हैं क्योंकि प्राचीन समाजों में विधवाएं सबसे गरीब लोगों में से होती थीं। यदि यह जानकारी आपके पाठकों के लिए सहायक होगी तो इसे शामिल किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: “असहाय विधवा स्त्री”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 15:26 (#1)

“यहोवा को घिनौनी”

देखें कि आपने 3:32 में **यहोवा को घिनौनी** को कैसे अनुवादित किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 15:26 (#2)

אִמְרֵי־נֹעַם

“वचन मनभावने हैं”

यहाँ सुलैमान **वचन** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं, जिन्हें **मनभावने** द्वारा विशेषीकृत किया गया है। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “आनन्दमय वचन”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 15:26 (#3)

“के वचन”

देखें कि आपने 1:23 में **वचन** के समान उपयोग का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 15:27 (#1)

בֵּיתוֹ בּוֹצֵעַ & וְשׂוֹנֵא

“”लालची“ - “अपने घराने”

लालची, **अपने**, और **घृणा करनेवाला** सामान्य अर्थ में लोगों के प्रकार का प्रतिनिधित्व करते हैं, न कि विशेष व्यक्तियों का। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी व्यक्ति जो अन्यायपूर्वक लाभ प्राप्त करता है... उस व्यक्ति का घर, लेकिन कोई भी व्यक्ति जो घृणा करता है”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 15:27 (#2)

בּוֹצֵעַ בָּצַע

“लालची”

देखें कि आपने 1:19 में “लालचियों” के प्रभावी उपयोग का अनुवाद कैसे किया।

देखें: कविता

नीतिवचन 15:27 (#3)

“अपने घराने”

देखें कि आपने 3:33 में **घराने** का अनुवाद कैसे किया।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 15:27 (#4)

וְשׂוֹנֵא מַתָּנֹת

“परन्तु घूस से घृणा करनेवाला”

वाक्यांश **परन्तु घूस से घृणा करनेवाला** उस व्यक्ति को सन्दर्भित करता है जो किसी और द्वारा दी जाने वाली **घूस** को स्वीकार करने से इन्कार करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “लेकिन जो रिश्वत स्वीकार करने से इन्कार करता है”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 15:27 (#5)

“जीवित रहता है”

यहाँ, **जीवित** का अर्थ दीर्घायु है। देखें कि आपने 9:6 में **जीवित** के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 15:28 (#1)

לֵ֣ב צַדִּ֭יק יֶהְגֶּ֣ה & וּפִ֥י רְשָׁעִ֗ים יַבִּ֥יעַ

“धर्मी मन में सोचता है कि क्या” - “परन्तु दुष्टों के मुँह से बुरी बातें उबल आती हैं”

“**मन**, **धर्मी**, और **मुँह** वस्तुओं और व्यक्तियों के प्रकार का प्रतिनिधित्व करते हैं, किसी विशेष **मन**, **धर्मी** या **मुँह** का नही। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “धर्मी हृदय में विचार करता है कि कैसे ... लेकिन दुष्टों के मुख से बातें बहती है”“”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 15:28 (#2)

“मन”

यहाँ, **मन** पूरे व्यक्ति को सन्दर्भित करता है। देखें कि आपने 6:18 में **मन** के समान उपयोग का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 15:28 (#3)

לַֽעֲנוֹת

“उत्तर दूँ”

सुलैमान एक ऐसा शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होता है। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा तो आप सन्दर्भ से इस शब्द की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “किसी व्यक्ति को उत्तर देना”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 15:28 (#4)

“मुँह”

देखें कि आपने 10:6 में **मुँह** के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 15:28 (#5)

“उबल आती हैं”

देखें कि आपने 15:2 में **उबल आती हैं** के समान उपयोग का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 15:28 (#6)

רָעוֹת

“बुरी”

यदि आपकी भाषा **बुरी** के विचार के लिए भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं करती है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “बुरी बातें”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 15:29 (#1)

רָחוֹק יְהוָה מֵרְשָׁעִים

“यहोवा दुष्टों से दूर रहता है”

यहाँ सुलैमान यहोवा के बारे में बताते हैं कि वह **दुष्टों** की नहीं सुनते, मानो वह उनसे शारीरिक रूप से **दूर** हों। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्टता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यहोवा दुष्ट लोगों की परवाह नहीं करते।”

देखें: रूपक

नीतिवचन 15:29 (#2)

וּתְפִלַּ֥ת

“परन्तु... प्रार्थना”

शब्द **प्रार्थना** सामान्य अर्थ में प्रार्थनाओं का प्रतिनिधित्व करता है, न कि एक विशेष **प्रार्थना** का। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप एक अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “लेकिन... प्रार्थनाओं का”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 15:29 (#3)

“परन्तु... की प्रार्थना”

देखें कि आपने 15:8 में भाववाचक संज्ञा **प्रार्थना** का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 15:29 (#4)

יִשְׁמָ֑ע

“सुनता है”

यहाँ, **सुनता है** का अर्थ है कि **यहोवा सुनते हैं** और जो वह **सुनते हैं** उसका उत्तर देते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह सुनते हैं और उत्तर देते हैं”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 15:30 (#1)

מְאוֹר־עֵינַ֥יִם יְשַׂמַּח־לֵ֑ב & עֶ֝שֶׁ֗ם

“”आँखों की चमक से मन को आनन्द होता है“

चमक, **मन**, और **हड्डियाँ** सामान्य रूप से उन चीजों का प्रतिनिधित्व करते हैं, न कि किसी विशेष **चमक**, **मन**, या **हड्डियाँ** का। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “आँखों की ज्योति हृदय को प्रसन्न करती है ... हड्डियाँ”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 15:30 (#2)

מְאוֹר־עֵינַ֥יִם

“ आँखों की चमक”

सुलैमान मानते हैं कि उनके पाठक समझेंगे कि वह किसी के **आँखों की चमक** को देखने का जिक्र कर रहे हैं। यदि यह जानकारी आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप इसे शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “आँखों की चमक को देखना”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 15:30 (#3)

מְאוֹר־עֵינַיִם

“आँखों की चमक”

यहाँ सुलैमान एक प्रसन्नचित्त चेहरे के भाव को सन्दर्भित करते हैं, मानो उस व्यक्ति की **आँखें** सूर्य जैसे किसी **(प्रकाश) चमक** की तरह चमक रही हों। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक प्रसन्नचित्त अभिव्यक्ति”

देखें: रूपक

नीतिवचन 15:30 (#4)

לֵבָב

“मन”

यहाँ, **मन** पूरे व्यक्ति को सन्दर्भित करता है। देखें कि आपने 6:18 में **मन** के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 15:30 (#5)

שְׁמוּעָה טוֹבָה

“अच्छे समाचार”

सुलैमान मानते हैं कि उनके पाठक समझेंगे कि वह किसी के अच्छे **समाचार** सुनने का जिक्र कर रहे हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप इस जानकारी को शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अच्छी खबर सुनना”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 15:30 (#6)

תְּדַשֶּׁן־עָצֶם

“हड्डियाँ पुष्ट होती हैं”

यहाँ सुलैमान **समाचार** का उल्लेख करते हैं जो लोगों को स्वस्थ महसूस कराता है जैसे कि यह उनकी हड्डियों को **पुष्ट** कर देता है। यहाँ **हड्डियाँ** शब्द का अर्थ व्यक्ति के पूरे शरीर से है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्टता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “लोगों को स्वस्थ महसूस कराता है”

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 15:31 (#1)

אֹזֶן & תּוֹכֵחַת

“कान” - “डाँट”

कान और **डाँट** सामान्य रूप से कान और फटकार का प्रतिनिधित्व करते हैं, न कि किसी विशेष कान या विशेष **डाँट** का। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कान ... फटकार”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 15:31 (#2)

אֹזֶן

“कान”

यहाँ, **कान** पूरे व्यक्ति को सन्दर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक व्यक्ति”

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 15:31 (#3)

תּוֹכֵחַת חַיִּים

“जीवनदायी डाँट”

यहाँ सुलैमान एक **डाँट** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं जो **जीवनदायी** होती है। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह डाँट जो जीवन की ओर ले जाती है”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 15:31 (#4)

“डाँट”

देखें कि आपने **डाँट** जैसी भाववाचक संज्ञा का अनुवाद 1:25 में कैसे किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 15:31 (#5)

“जीवनदायी डाँट”

यहाँ, **जीवनदायी** से तात्पर्य जीवित बने रहने से है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह डाँट जो किसी को जीवित रखती है।”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 15:31 (#6)

בְּקֶרֶב חֲכָמִים תָּלִין

“बुद्धिमानों के संग ठिकाना पाता है”

यहाँ सुलैमान एक व्यक्ति को सन्दर्भित करते हैं जिसे **बुद्धिमान** माना जा रहा है, जैसे कि वे **बुद्धिमानों** के साथ रह रहे हों। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “बुद्धिमानों में से एक माने जाएँगे।”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 15:32 (#1)

פּוֹרֵעַ & נַפְשׁוֹ וְשׁוֹמֵעַ

“”अनसुनी करता“ - “को सुनता”

अनसुनी करता, **वह**, और **सुनता** ये सभी सामान्य प्रकार के लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं, किसी विशेष व्यक्ति का नहीं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो कोई भी बचता है ... उसका जीवन, परंतु जो कोई भी सुनता है”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 15:32 (#2)

“शिक्षा” - “डाँट”

देखें कि आपने भाववाचक संज्ञाओं **शिक्षा** का 3:11 और **डाँट** का 1:25 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 15:32 (#3)

מוֹאֵס

“तुच्छ”

सुलैमान **तुच्छ** शब्द का उपयोग यहाँ जोर देने के लिए अतिशयोक्ति के रूप में करते हैं। उनका मतलब है कि जो व्यक्ति **शिक्षा से बचता है**, वह वही कर रहा है जो **उसके प्राण (जीवन)** को बर्बाद कर देगा, जैसे कि वह वास्तव में **अपने प्राण** से नफरत करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप जोर देने के लिए एक अलग तरीका उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “ऐसे व्यवहार करता है जैसे वह अपने जीवन को अस्वीकार करता हो”

देखें: अतिशयोक्ति

नीतिवचन 15:32 (#4)

נַפְשׁוֹ

“वह अपने प्राण को”

यहाँ, **अपने प्राण** स्वयं व्यक्ति को सन्दर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “स्वयं”

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 15:32 (#5)

לֵב

“बुद्धि”

यहाँ सुलैमान **बुद्धि** का उपयोग व्यक्ति की विचार करने की क्षमता को सन्दर्भित करने के लिए करते हैं। देखें कि आपने 6:32 में **बुद्धि** के उसी उपयोग का अनुवाद कैसे किया।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 15:33 (#1)

“यहोवा के भय”

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 1:7 में कैसे किया है।

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 15:33 (#2)

“”बुद्धि की शिक्षा प्राप्त होती है,“

देखें कि आपने भाववाचक संज्ञाओं **बुद्धि** और **शिक्षा** का 1:2 में और **महिमा** का 3:16 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 15:33 (#3)

מוּסַר חָכְמָה

“बुद्धि की शिक्षा प्राप्त होती है”

यहाँ सुलैमान उस **शिक्षा** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं जो **बुद्धि** प्राप्त करवाती है। यदि आपकी भाषा में स्वामित्व सूचक रूप उपयुक्त न हो, तो आप इसे किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह शिक्षा जो परिणाम में बुद्धि देती है”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 15:33 (#4)

“और महिमा से पहले नम्रता आती है”

“यहाँ सुलैमान एक व्यक्ति के **महिमा** प्राप्त करने से पहले **नम्रता** रखने का उल्लेख कर रहे हैं, जैसे कि **नम्रता** एक व्यक्ति हो जो **महिमा** के सामने खड़ा हो। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “नम्रता महिमा से पहले होती है” या “नम्रता महिमा से पहले आती है””“

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 15:33 (#5)

עֲנָוָה

“नम्रता आती है”

यदि आपकी भाषा में **नम्रता** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “नम्र होना”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 16:1 (#1)

לְאָדָם מַעַרְכֵי־לֵב וּמֵיהוָה מַעֲנֵה לָשׁוֹן

“”मन की युक्ति मनुष्य के वश में रहती है“

यहाँ, **मन**, **मनुष्य के**, **कहना**, और **मुँह** इन चीज़ों और लोगों को सामान्य रूप से संदर्भित करते हैं, किसी विशिष्ट चीज़ या व्यक्ति को नहीं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अधिक प्राकृतिक

अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “हृदय की व्यवस्था उन लोगों की है, लेकिन जीभ के उत्तर यहोवा से हैं”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 16:1 (#2)

מַעַרְכֵי־לֵב & מַעֲנֵה לָשׁוֹן

“मन की युक्ति {“ - “मुँह से कहना”

यदि आपकी भाषा **युक्ति** और **कहना** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं करती है, तो आप इन विचारों को अन्य तरीकों से व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने **कहना** (उत्तर) का 15:1 में कैसे अनुवाद किया है। वैकल्पिक अनुवाद: “जो बातें दिल तय करता है ... जो जीभ जवाब देती है”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 16:1 (#3)

מַעַרְכֵי־לֵב

“मन की युक्ति”

यहाँ **मन की युक्ति** का अर्थ हो सकता है: (1) क्या कहना है, इसके बारे में **युक्ति**, जिसका सुझाव अगले वाक्यांश में **मुँह से कहना** द्वारा बताया गया है। वैकल्पिक अनुवाद: “क्या कहना है, इसके बारे में हृदय की योजनाएं“ (2) सामान्य रूप से मानवीय **युक्ति**। वैकल्पिक अनुवाद: “किसी चीज़ के बारे में हृदय की योजनाएं”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 16:1 (#4)

“मन”

देखें कि आपने **मन** के समान उपयोग का 2:2 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 16:1 (#5)

לְאָדָם

“युक्ति मनुष्य के”

यहाँ सुलैमान उस **युक्ति** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं, जो उन्हें बनाने वाले व्यक्ति द्वारा निर्धारित की जाती हैं। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक पुरुष द्वारा निर्धारित की जाती हैं” या “उनके द्वारा निर्धारित की जाती हैं जो उन्हें बनाते हैं”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 16:1 (#6)

מַעֲנֵה לָשׁוֹן

“मुँह से कहना”

यहाँ, **मुँह से कहना** उस उत्तर को संदर्भित करता है जो कोई जीभ का उपयोग करके बोलता है। मूल भाषा में **मुँह** की जगह **जीभ** शब्द का उपयोग किया गया है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने **मुँह** के उसी उपयोग का अनुवाद 6:17 में कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: “जवाब में कोई क्या कहता है” या “बोला गया उत्तर”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 16:1 (#7)

מַעֲנֵה לָשׁוֹן

“मुँह से कहना”

यहाँ, **मुँह से कहना** निम्न को संदर्भित कर सकता है: (1) पिछले खंड में **युक्ति** से संबंधित एक **उत्तर**। वैकल्पिक अनुवाद: “उन व्यवस्थाओं के बारे में जीभ का उत्तर” (2) सामान्य रूप से **कहना**। वैकल्पिक अनुवाद: “जीभ का कोई भी उत्तर““

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 16:1 (#8)

וּמֵיְהוָה

“परन्तु” - “यहोवा की ओर से होता है”

यहाँ, यह वाक्यांश **यहोवा की ओर से होता है** यह दर्शाता है कि **यहोवा** ही हैं जो **मुँह से कहना** निर्धारित करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यहोवा द्वारा निर्धारित है”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 16:2 (#1)

“चाल चलन”

देखें कि आपने **चाल चलन** का 3:6 में अनुवाद कैसे किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 16:2 (#2)

אִאִישׁ & בְּעֵינָיו

“मनुष्य का{“ - “अपनी दृष्टि में”

मूल भाषा में यहाँ **पुरुष** और सर्वनाम **उसका** का उपयोग किया गया है। हिंदी अनुवाद में **मनुष्य** और **अपनी** का उपयोग किया गया है। हालाँकि **पुरुष** और सर्वनाम **उसका** शब्द पुल्लिंग हैं, लेकिन सुलैमान इन शब्दों का इस्तेमाल सामान्य अर्थ में कर रहे हैं जो पुरुषों और महिलाओं दोनों को शामिल करता है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप एक ऐसा वाक्यांश इस्तेमाल कर सकते हैं जो इसे स्पष्ट करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी व्यक्ति ... उस व्यक्ति की दृष्टि में”

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 16:2 (#3)

“अपनी दृष्टि में”

देखें कि आपने **दृष्टि** का उपयोग 3:4 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 16:2 (#4)

וְתֹכֵן & יְהוָה

“परन्तु यहोवा मन को तौलता है”

यहाँ, **तौलता** का अर्थ न्याय करना या मूल्यांकन करना है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “परन्तु यहोवा न्यायाधीश हैं”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 16:2 (#5)

רוּחוֹת

“मन”

यहाँ, **मन** लोगों के विचारों और उद्देश्यों को संदर्भित करती हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “लोगों के विचार”

देखें: रूपक

नीतिवचन 16:3 (#1)

גֹּל אֶל־יְהוָה מַעֲשֶׂיךָ

“अपने कामों को यहोवा पर डाल दे”

यहाँ सुलैमान उन लोगों का उल्लेख करते हैं जो अपने **कामों** के परिणाम के लिए यहोवा पर निर्भर रहते हैं, जैसे कि वे **काम** वस्तुएं हों जिन्हें कोई **यहोवा पर डाल सकता** है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अपने कार्यों के परिणाम के लिए यहोवा पर निर्भर रहें”

देखें: रूपक

नीतिवचन 16:3 (#2)

“”अपने कामों“

देखें कि आपने भाववाचक संज्ञा **कामों** 8:22 और **युक्तियों** 1:31 का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 16:3 (#3)

וְיִכֹּנוּ מַחְשְׁבֹתֶיךָ

“इससे तेरी कल्पनाएँ सिद्ध होंगी”

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: “और यहोवा तेरी योजनाओं को सिद्ध करेगा”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 16:3 (#4)

וְיִכֹּנוּ

“इससे” - “सिद्ध होंगी”

यहाँ सुलैमान **सिद्ध होंगी** शब्द का उपयोग किसी चीज़ की प्राप्ति या सफलता के संदर्भ में करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और ... सफल होगा”

देखें: रूपक

नीतिवचन 16:4 (#1)

כֹּל & לְמַעֲנֵהוּ

“सब वस्तुएँ विशेष उद्देश्य के लिये”

सुलैमान विशेषण **सब** का उपयोग संज्ञा के रूप में कर रहे हैं, जिसका अर्थ है जो कुछ भी अस्तित्व में है। आपकी भाषा भी इसी तरह विशेषणों का उपयोग कर सकती है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद एक समकक्ष वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “सभी चीजें अपने स्वयं के उद्देश्यों के लिए”

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

नीतिवचन 16:4 (#2)

לְמַעֲנֵהוּ & רָעָה

“”विशेष उद्देश्य के लिये“

यदि आपकी भाषा **उद्देश्य** और **दुष्ट** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं करती है, तो आप इन विचारों को अन्य तरीकों से व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने 1:16 में **दुष्ट** का अनुवाद कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: “वे जो प्राप्त करेंगे ... जो बुराई है”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 16:4 (#3)

וְגַם־רָשָׁע

“वरन् दुष्ट को भी”

सुलैमान कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्यांश को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप पिछले वाक्यांश से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और यहोवा ने दुष्ट को भी बनाया है।”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 16:4 (#4)

“दुष्ट”

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 9:7 में किस प्रकार किया है।

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 16:4 (#5)

“दुष्ट को भी विपत्ति भोगने के लिये”

यहाँ, **विपत्ति भोगने के लिये** उस समय को संदर्भित कर सकता है जब **दुष्ट** लोग विपत्ति का सामना करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “विपत्ति के समय के लिए”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 16:5 (#1)

“यहोवा घृणा करता है”

देखें कि आपने इस वाक्यांश का 3:32 में किस प्रकार अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 16:5 (#2)

גְּבַהּ־לֵבָב

“मन के घमण्डियों”

यहाँ सुलैमान एक घमण्डी व्यक्ति को संदर्भित करते हैं, जैसे कि उस व्यक्ति का **मन घमण्डी** हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो अहंकारी है” या “घमण्डी व्यक्ति”

देखें: रूपक

नीतिवचन 16:5 (#3)

“निर्दोष न ठहरेंगे”

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 11:21 में किस प्रकार किया है।

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 16:5 (#4)

לֹא יִנָּקֶה

“ऐसे लोग निर्दोष न ठहरेंगे”

मूल भाषा में, यहाँ पुल्लिंग सर्वनाम का उपयोग किया गया है। हिंदी में **लोग** शब्द लिखा है। सुलैमान इस शब्द का उपयोग एक सामान्य अर्थ में कर रहे हैं जो पुरुषों और महिलाओं दोनों को शामिल करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप एक अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह व्यक्ति निर्दोष नहीं रहेगा”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 16:5 (#5)

“निर्दोष न ठहरेंगे”

देखें कि आपने **निर्दोष न ठहरेंगे** का 11:21 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: कटाक्षपूर्ण उक्ति

नीतिवचन 16:6 (#1)

בְּחֶסֶד וֶאֱמֶת יְכֻפַּר עָוֹן

“अधर्म का प्रायश्चित कृपा, और सच्चाई से होता है”

सुलैमान कुछ ऐसे शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में इसे स्पष्ट करने के लिए इन शब्दों को वाक्य के पहले भाग से लिया जा सकता है, तो ऐसा कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वाचा की विश्वासयोग्यता और विश्वसनीयता के द्वारा, एक व्यक्ति के पापों का प्रायश्चित होता है।”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 16:6 (#2)

“अधर्म का प्रायश्चित कृपा, और सच्चाई” - “बुराई करने से”

देखें कि आपने भाववाचक संज्ञाओं **प्रायश्चित कृपा** और **सच्चाई** का 3:3 में, **अधर्म** का 6:12 में, और **बुराई** का 1:16 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 16:6 (#3)

“अधर्म का प्रायश्चित कृपा, और सच्चाई से”

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: “वाचा की विश्वासयोग्यता और निष्ठा अधर्म के लिए प्रायश्चित करती हैं”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 16:6 (#4)

“और यहोवा के भय”

देखें कि आपने **यहोवा का भय** को 1:7 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 16:6 (#5)

“मनुष्य बुराई करने से बच जाते हैं”

देखें कि आपने **बुराई करने से बच जाते हैं** का 14:16 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 16:7 (#1)

“चाल चलन”

देखें कि आपने 3:6में **चाल चलन** के उसी प्रयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 16:7 (#2)

אִישׁ גַּם־אֹיְבָיו & אִתּוֹ

“”किसी का“

हालाँकि **किसी का**, **उसके**, और **उससे** पुल्लिंग हैं, सुलैमान इन शब्दों का उपयोग सामान्य अर्थ में कर रहे हैं जो पुरुषों और महिलाओं दोनों को शामिल करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप ऐसे वाक्यांशों का उपयोग कर सकते हैं जो इसे स्पष्ट करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक व्यक्ति ... यहाँ तक कि उस व्यक्ति के दुश्मन भी ... उस व्यक्ति के साथ”

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 16:8 (#1)

“अन्याय के बड़े लाभ से” - “थोड़ा”

सुलैमान कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप संदर्भ से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “न्याय के बिना प्रचुर मात्रा में उत्पादन होने से थोड़ा होना बेहतर है।”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 16:8 (#2)

“थोड़ा ही प्राप्त करना उत्तम है”

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 15:16 में किस प्रकार किया है।

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

नीतिवचन 16:8 (#3)

בִּצְדָקָה

“न्याय से”

यहाँ सुलैमान ने धार्मिक होने का उल्लेख इस प्रकार करते हैं जैसे कि **न्याय** एक वस्तु हो जिसे कोई **थोड़ी** ही प्राप्त कर सकता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “धार्मिकता को धारण करते हुए” या “धार्मिक होते हुए”

देखें: रूपक

नीतिवचन 16:8 (#4)

“अन्याय के बड़े लाभ से”

देखें कि आपने **बड़े लाभ** (बढ़ती) को 14:4 में और **अन्याय** को 13:23 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 16:8 (#5)

בְּלֹא מִשְׁפָּט

“अन्याय”

यहाँ सुलैमान **अन्याय** या न्याय की कमी का उल्लेख करते हैं, जैसे कि **न्याय** एक वस्तु हो जो किसी के पास **बड़े लाभ** के साथ नहीं है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और न्याय का अभाव” या “जब न्याय नहीं है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 16:9 (#1)

“मन”

देखें कि आपने 2:2 में **मन** शब्द का प्रयोग किस प्रकार किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 16:9 (#2)

אָדָם & דַּרְכּוֹ & צַעֲדוֹ

“”मनुष्य“ - “ अपने मार्ग”

मूल भाषा में, यहाँ **पुरुष** और सर्वनाम **उसका** का उपयोग हुआ है जो पुल्लिंग हैं। हिंदी अनुवाद में, हालाँकि **मनुष्य** और **अपने** का उपयोग हुआ है। सुलैमान इन शब्दों का उपयोग एक सामान्य अर्थ में कर रहे हैं जो पुरुषों और महिलाओं दोनों को शामिल करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप ऐसे वाक्यांशों का उपयोग कर सकते हैं जो इसे स्पष्ट करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक व्यक्ति ... उस व्यक्ति का मार्ग ... उस व्यक्ति के कदम”

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 16:9 (#3)

דַּרְכּוֹ

“अपने मार्ग”

यहाँ सुलैमान उस चीज़ का संदर्भ देते हैं जो एक व्यक्ति करना चाहता है, जैसे कि यह एक **मार्ग** हो जिस पर वे चलते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो वे करना चाहते हैं”

देखें: रूपक

नीतिवचन 16:9 (#4)

יָכִין צַעֲדוֹ

“उसके पैरों को स्थिर करता है”

यहाँ सुलैमान यहोवा के बारे में बात करते हैं, जो किसी व्यक्ति की योजनाओं के कार्यान्वयन से संबंधित व्यक्तिगत घटनाओं को निर्धारित करते हैं, जैसे कि यहोवा उस व्यक्ति को कहाँ **पैर** रखना है, यह मार्गदर्शन कर रहे हों। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “निर्धारित करते हैं कि वह योजना कैसे आगे बढ़ती है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 16:10 (#1)

קֶסֶם ׀ עַל־שִׂפְתֵי־מֶלֶךְ

“राजा के मुँह से दैवीवाणी निकलती है”

दैवीवाणी आमतौर पर आत्माओं से जानकारी प्राप्त करने की प्रथा को संदर्भित करता है, जिसे यहोवा ने निषिद्ध किया था। हालाँकि, सुलैमान यहाँ इस शब्द का उपयोग एक **राजा** को संदर्भित करने के लिए करते हैं, जो परमेश्वर के प्रतिनिधि के रूप में परमेश्वर के निर्णयों को सही ढंग से संप्रेषित करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “राजा के होंठों पर दिव्य प्रेरित निर्णय होते हैं।”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 16:10 (#2)

קֶסֶם & בְּבַמִּשְׁפָּט

“दैवीवाणी” - “न्याय करने में”

यदि आपकी भाषा में **दैवीवाणी** और **न्याय** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप इन्हीं विचारों को अन्य तरीकों से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो कोई परमेश्वर को समझता है... जब वे न्याय करते हैं”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 16:10 (#3)

“मुँह से”

देखें कि आपने **मुँह से** के समान उपयोग का 10:21 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 16:10 (#4)

מֶֽלֶךְ

“राजा”

यह पद एक सामान्य **राजा** के बजाय एक आदर्श, धर्मी **राजा** के गुणों का वर्णन करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक आदर्श राजा”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 16:10 (#5)

מֶֽלֶךְ & פִּ֣יו

“राजा,”

यहाँ, शब्द **राजा** और **उससे** धार्मिक राजाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं, किसी विशेष **राजा** का नहीं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी अच्छा राजा ... उस राजा का मुँह”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 16:10 (#6)

“मुँह से”

देखें कि आपने **मुँह** का उपयोग 10:11 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 16:10 (#7)

“न्याय करने में उससे चूक नहीं होती”

यहाँ सुलैमान ने राजा द्वारा कही गई बातों को अन्यायपूर्ण न होने के रूप में संदर्भित किया है, मानो उसका **मुँह** एक ऐसा व्यक्ति हो जो **चूक नहीं** करेगा। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अन्यायपूर्ण नहीं होंगे”

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 16:10 (#8)

לֹ֥א יִמְעַֽל

“न्याय करने में उससे चूक नहीं होती”

सुलैमान यहाँ एक अलंकार का उपयोग कर रहे हैं जो एक नकारात्मक शब्द, **नहीं**, के साथ एक अभिव्यक्ति का उपयोग करके अत्यधिक सकारात्मक अर्थ व्यक्त करता है, जो इच्छित अर्थ के विपरीत है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप सकारात्मक शब्दों का उपयोग करके सकारात्मक अर्थ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “निश्चित रूप से ईमानदारी से काम करेंगे”

देखें: कटाक्षपूर्ण उक्ति

नीतिवचन 16:11 (#1)

פֶּ֫לֶס ׀ וּמֹאזְנֵ֥י מִרְמָ֗ה לַיהוָ֥ה מַעֲשֵׂ֫הוּ כָּל־אַבְנֵי־כִֽיס

“”सच्चा तराजू और पलड़े यहोवा की ओर से होते हैं,“

इस पद में **सच्चा तराजू**, और **पलड़े** का उल्लेख इस बात का संकेत है कि परमेश्वर चाहते हैं कि लोग चीजें बेचते या खरीदते समय ईमानदार रहें। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप इस जानकारी को शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “न्याय का तराजू और पलड़े यहोवा के लिए हैं; थैले के सभी पत्थर उसके काम हैं, इसलिए ईमानदार बनो”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 16:11 (#2)

פֶּ֫לֶס ׀ וּמֹאזְנֵ֥י מִרְמָ֗ה לַיהוָ֥ה מַעֲשֵׂ֫הוּ כָּל־אַבְנֵי־כִֽיס

“”सच्चा तराजू और पलड़े यहोवा की ओर से होते हैं,“

इन दोनों खंडों का मूलतः एक ही अर्थ है। दूसरा खंड अलग-अलग शब्दों के साथ एक ही विचार को दोहराकर पहले के अर्थ पर जोर देता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए मददगार होगा, तो आप खंडों को ऐसे शब्द से जोड़ सकते हैं जो दर्शाता है कि दूसरा खंड पहले वाले को दोहरा रहा है, कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: “न्याय का तराजू और पलड़े यहोवा के लिए हैं; हाँ, थैली के सभी पत्थर उनके कार्य हैं।”

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 16:11 (#3)

פֶּ֫לֶס ׀ וּמֹאזְנֵ֥י מִרְמָ֗ה

“सच्चा तराजू और पलड़े”

यहाँ सुलैमान न्याय की विशेषता वाले **तराजू और पलड़े** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं, जो **सच्चा** शब्द द्वारा विशेषीकृत हैं। यदि आपकी भाषा में इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक उचित तराजू और पलड़े”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 16:11 (#4)

“सच्चा तराजू और पलड़े”

दोनों शब्द **तराजू** और **पलड़े** उन उपकरणों को संदर्भित करते हैं जो किसी वस्तु का वजन निर्धारित करने या दो वस्तुओं के वजन की तुलना करने के लिए उपयोग किए जाते हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए अधिक स्पष्ट हो, तो आप एकल वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं। देखें कि आपने **तराजू** का अनुवाद 11:1 में कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "वजन मापने के उपकरण"

देखें: द्विरावृत्ति

नीतिवचन 16:11 (#5)

לַיהוָה מַעֲשֵׂהוּ

""यहोवा की ओर से"

इस पद में, वाक्यांश **यहोवा की ओर से** और **उसी के बनवाए हुए हैं** यह दर्शाते हैं कि सटीक तौलने वाले उपकरण **यहोवा** के हैं, क्योंकि ईमानदार तौलने वाले उपकरणों का विचार उन्हीं से उत्पन्न हुआ है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यहोवा से आते हैं ... उनकी रचना हैं" या "यहोवा से उत्पन्न हुए ... उनके द्वारा रचे गए हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 16:11 (#6)

כָּל־אַבְנֵי־כִיס

"थैली में जितने बटखरे हैं"

वाक्यांश **थैली में जितने बटखरे** उन वजन को संदर्भित करता है जो **तराजू** पर वस्तु के वजन को निर्धारित करने के लिए निर्देश में रखे जाते थे। यह **बटखरे** व्यापारियों द्वारा एक **थैली** में ले जाए जाते थे। **तराजू** में एक केंद्रीय स्तंभ होता था जिसमें एक तिरछा स्तंभ (क्रॉसबार) होता था जिससे दो पलड़े लटकाए जाते थे। एक पलड़े में कोई वस्तु रखी जाती थी और यह **बटखरे** जिनका वजन निश्चित होता था, दूसरे पलड़े में तब तक रखे जाते थे जब तक कि क्रॉसबार समतल न हो जाए, जिसका अर्थ है कि दोनों पलड़ों में बराबर वजन होता है। यदि आपके पाठक वजन निर्धारित करने की इस विधि से परिचित नहीं हैं, तो आप अपने क्षेत्र में किसी समान नाम का उपयोग कर सकते हैं या आप अधिक सामान्य शब्द का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सभी वजन" या "वजन निर्धारित करने के लिए उपयोग किए जाने वाले सभी पत्थर"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

नीतिवचन 16:12 (#1)

"दुष्टता" - "घृणित"

देखें कि आपने भाववाचक संज्ञा **घृणित** का 3:32में, **दुष्टता** का 4:17में, और **धर्म** का 1:3 में किस प्रकार अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 16:12 (#2)

מְלָכִים

"राजाओं"

यह पद आदर्श, धर्मी **राजाओं** के गुणों का वर्णन करता है, न कि सामान्य **राजाओं** का। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आदर्श राजा"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 16:12 (#3)

בִּצְדָקָה יִכּוֹן כִּסֵּא

"गद्दी धर्म ही से स्थिर रहती है"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: "धार्मिकता सिंहासन को स्थापित करती है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 16:12 (#4)

יִכּוֹן כִּסֵּא

"गद्दी धर्म ही से स्थिर रहती है"

यहाँ, **स्थिर** का अर्थ एक राजा जिसके पास अपने लोगों पर स्थिर और स्थायी अधिकार होना है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक सिंहासन सुरक्षित बनाया गया है" या "एक सिंहासन स्थायी है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 16:12 (#5)

כִּסֵּא

"गद्दी"

यहाँ, **गद्दी** एक राजा के अधिकार को संदर्भित करता है, जिसे उस **गद्दी** या शाही कुर्सी द्वारा दर्शाया जाता है जिस पर राजा विराजमान होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "राजा का अधिकार"

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 16:13 (#1)

רְצוֹן מְלָכִים שִׂפְתֵי־צֶדֶק וְדֹבֵר יְשָׁרִים יֶאֱהָב

""धर्म की बात बोलनेवालों से राजा प्रसन्न होता है,"

इन दो वाक्यांशों का अर्थ मूलतः एक ही है। दूसरा वाक्यांश अलग शब्दों के द्वारा एक ही विचार को दोहराकर पहले के अर्थ पर जोर देता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए मददगार होगा, तो आप वाक्यांशों को **और** के अलावा किसी अन्य शब्द से जोड़ सकते हैं ताकि यह दिखाया जा सके कि दूसरा वाक्यांश पहले वाले को दोहरा रहा है, कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: "राजाओं को धर्म के होठों से प्रसन्नता होती है, हाँ, वह उन लोगों से प्रेम करता है जो सीधी बातें बोलते हैं"

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 16:13 (#2)

"धर्म" - "प्रसन्न"

देखें कि आपने 14:35 में **प्रसन्न** और 8:20 में **धर्म** जैसी भाववाचक संज्ञाओं का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 16:13 (#3)

מְלָכִים

“राजा”

यह पद आदर्श, धर्मी **राजा** के गुणों का वर्णन करता है, न कि सामान्य रूप से किसी **राजा** के गुणों का। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “आदर्श राजा”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 16:13 (#4)

שִׂפְתֵי־צֶדֶק

“धर्म की बात बोलनेवालों”

यहाँ सुलैमान उन **बात बोलनेवालों** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं, जो **धर्म** से विशेषित हैं। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “धार्मिक होंठ होते हैं”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 16:13 (#5)

שִׂפְתֵי

“बोलनेवालों”

यहाँ, **बोलनेवालों** से तात्पर्य उन बातों से है जो लोग अपने **होंठ** हिलाकर कहते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कहावतें हैं”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 16:13 (#6)

יֶאֱהָב

“वह प्रेम रखता है”

यहाँ, **वह** पिछले वाक्य में **राजा** की ओर संकेत करता है, किसी विशेष राजा की नहीं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “राजा प्रेम करता है”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 16:13 (#7)

וְדֹבֵר

“और” - “जो” - “बोलता है”

यहाँ, **जो बोलता है** वह सामान्य रूप से एक प्रकार के व्यक्ति को संदर्भित करता है, किसी एक विशेष व्यक्ति को नहीं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और ... कोई भी व्यक्ति जो बोलता है”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 16:14 (#1)

“क्रोध”

देखें कि आपने **क्रोध** का अनुवाद 6:34 में कैसे किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 16:14 (#2)

מֶלֶךְ & וְאִישׁ חָכָם

“राजा” - “परन्तु बुद्धिमान मनुष्य”

यहाँ, **राजा** और **बुद्धिमान मनुष्य** सामान्य रूप से लोगों के प्रकारों का प्रतिनिधित्व करते हैं, न कि विशिष्ट लोगों का। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अधिक प्राकृतिक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी राजा ... लेकिन कोई भी बुद्धिमान व्यक्ति”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 16:14 (#3)

מַלְאֲכֵי־מָוֶת

“मृत्यु के दूत”

यहाँ सुलैमान **दूत** शब्द का उपयोग कर रहे हैं उनके लिए जो **मृत्यु** का कारण बनते हैं। यदि आपकी भाषा में इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “दूत हैं जो मृत्यु का कारण बनते हैं”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 16:14 (#4)

מַלְאֲכֵי־מָוֶת

“मृत्यु के दूत”

यहाँ सुलैमान एक क्रोधित राजा की बात करते हैं जो लोगों को ऐसे मरने का कारण बनता है मानो उसका क्रोध **दूत** हो जिसे वह किसी को मारने के लिए भेज रहा हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “लोगों को मौत के घाट उतार देता है” या “मौत का कारण बनता है”

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 16:14 (#5)

“मृत्यु”

देखें कि आपने **मृत्यु** जैसी भाववाचक संज्ञा का 2:18 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 16:14 (#6)

יְכַפְּרֶנָּה

“उसको ठंडा करता है”

यहाँ, **ठंडा करता है** का अर्थ कुछ ऐसा करना है जो एक क्रोधित **राजा** को ठंडा कर सके। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “राजा के क्रोध को कम करना” या “ऐसा कार्य करना जिससे राजा का क्रोध शांत हो सके”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 16:15 (#1)

בְּאוֹר־פְּנֵי־מֶלֶךְ חַיִּים

“राजा के मुख की चमक में जीवन रहता है”

यहाँ सुलैमान उन लोगों का जिक्र करते हैं जो जीवित रहते हैं जैसे कि **जीवन** एक वस्तु हो जो **राजा के मुख की चमक में** स्थित है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “राजा के चेहरे की रोशनी लोगों के जीवित रहने का कारण बनती है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 16:15 (#2)

בְּאוֹר־פָּנָיו

“मुख की चमक में”

यहाँ सुलैमान **राजा** की मुस्कुराहट को संदर्भित करते हैं, क्योंकि वह खुश है जैसे कि यह **मुख की चमक** हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “की मुस्कुराहट में” या “की खुशी में”

देखें: रूपक

नीतिवचन 16:15 (#3)

מֶלֶךְ & וּרְצוֹנוֹ

“राजा” - “और उसकी प्रसन्नता”

शब्द **राजा** और **उसकी** शब्द सामान्य रूप से राजाओं को दर्शाते हैं, किसी एक विशेष **राजा** को नहीं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी राजा ... और उस राजा की कृपा”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 16:15 (#4)

“और उसकी प्रसन्नता”

देखें कि आपने **प्रसन्नता** का 3:4 में किस प्रकार अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 16:15 (#5)

כְּעָנָב מַלְקוֹשׁ

“बरसात के अन्त की घटा के समान होती है”

यहाँ राजा सुलैमान ने की किसी पर **प्रसन्नता** दिखाने की तुलना उस **घटा** से की है जो **बरसात** लाते है ताकि फसलें बढ़ सकें। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “किसी व्यक्ति को लाभ पहुँचाता है” या “किसी व्यक्ति को तरोताज़ा करता है जैसे वसंत ऋतु में बादल फसलों को तरोताज़ा करने के लिए बारिश लाते हैं”

देखें: उपमा

नीतिवचन 16:16 (#1)

קְנֹה־חָכְמָה מַה־טּוֹב מֵחָרוּץ וּקְנוֹת בִּינָה נִבְחָר מִכָּסֶף

“”बुद्धि की प्राप्ति शुद्ध सोने से क्या ही उत्तम है“

इन दोनों वाक्यांशों का मूल रूप से एक ही अर्थ है। दूसरा वाक्यांश अलग शब्दों के द्वारा एक ही विचार को दोहराकर पहले के अर्थ पर जोर देता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए मददगार होगा, तो आप वाक्यांशों को **और** के अलावा किसी अन्य शब्द से जोड़ सकते हैं ताकि यह दिखाया जा सके कि दूसरा वाक्यांश पहले वाले को दोहरा रहा है, कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: “बुद्धि प्राप्त करना सोने से कितना बेहतर है, हाँ, समझ प्राप्त करना चाँदी से अधिक चुना जाना चाहिए।”

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 16:16 (#2)

“बुद्धि” - “समझ”

देखें कि आपने भाववाचक संज्ञाओं **बुद्धि** का 1:2 में और **समझ** का 2:2 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 16:16 (#3)

וּקְנוֹת בִּינָה נִבְחָר

“और समझ की प्राप्ति चाँदी से बढ़कर योग्य है”

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: “और लोगों को समझ प्राप्त करने के लिए चुनना चाहिए।”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 16:17 (#1)

מְסִלַּת

“मार्ग”

यहाँ सुलैमान **बुराई से हटने** की बात करते हैं जैसे कि यह एक अच्छी तरह से निर्मित **उत्तम मार्ग** हो जो बाधाओं से मुक्त हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “का व्यवहार”

देखें: रूपक

नीतिवचन 16:17 (#2)

“बुराई से हटना”

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 14:16 में किस प्रकार किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 16:17 (#3)

“”बुराई से“

देखें कि आपने भाववाचक संज्ञाओं **बुराई** को 1:16 में और **प्राण** को 10:16 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 16:17 (#4)

שֹׁמֵ֥ר נַפְשׁ֖וֹ נֹצֵ֥ר דַּרְכּֽוֹ

“जो अपने चाल चलन की चौकसी करता, वह अपने प्राण की भी रक्षा करता है”

यहाँ, **वह रक्षा करता है** और **अपने** मतलब सामान्य रूप से एक प्रकार के व्यक्ति से है, किसी एक विशेष व्यक्ति से नहीं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी व्यक्ति जो उस व्यक्ति के जीवन की रक्षा करता है, वह उस व्यक्ति के मार्ग की रक्षा करता है”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 16:17 (#5)

שֹׁמֵ֥ר נַפְשׁ֖וֹ

“वह अपने प्राण की भी रक्षा करता है”

यहाँ सुलैमान एक व्यक्ति के बारे में बात करते हैं जो जीवित रहना चाहता है जैसे कि **अपना प्राण** कुछ ऐसा हो जिसकी वह **रक्षा** करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह जो खुद को जीवित रखते हैं”

देखें: रूपक

नीतिवचन 16:17 (#6)

נֹצֵ֥ר דַּרְכּֽוֹ

“अपने चाल चलन की चौकसी करता”

यहाँ सुलैमान एक व्यक्ति को संदर्भित करते हैं जो इस बारे में सतर्क रहते हैं कि वे कैसे व्यवहार करते हैं, जैसे कि उनका व्यवहार एक **चाल चलन** हो जिसे वे पहरुओं की तरह **चौकसी** करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने 1:15 में **चलना** शब्द का प्रयोग किस प्रकार किया है। वैकल्पिक अनुवाद: “सावधानीपूर्वक व्यवहार करते हैं” या “वे कैसे व्यवहार करते हैं उसमें सतर्क रहते हैं”

देखें: रूपक

नीतिवचन 16:18(#1)

לִפְנֵי־שֶׁ֥בֶר גָּאָ֑ון וְלִפְנֵ֥י כִ֝שָּׁלֹ֗ון גֹּ֥בַהּ רֽוּחַ

“”विनाश से पहले गर्व,“

इन दोनों वाक्यांशों का मूल रूप से एक ही अर्थ है। दूसरा वाक्यांश अलग] शब्दों के द्वारा एक ही विचार को दोहराकर पहले के अर्थ पर जोर देता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए मददगार होगा, तो आप वाक्यांशों को **और** के अलावा किसी अन्य शब्द से जोड़ सकते हैं ताकि यह दिखाया जा सके कि दूसरा वाक्यांश पहले वाले को दोहरा रहा है, कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: “गर्व के बाद पतन होता है, हाँ, ठोकर खाने से पहले आत्मा की घमण्ड होती है।”

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 16:18 (#2)

“विनाश से पहले गर्व”

मूल भाषा में यहाँ **चेहरे के सामने टूटने** वाक्यांश का उपयोग किया गया है, जिसे हिंदी में **विनाश से पहले** के रूप अनुवाद किया गया है। सुलैमान ऐसे व्यक्ति का उल्लेख करते हैं जिसमें **विनाश** से पहले **गर्व** आता है, मनो **विनाश** एक व्यक्ति हो जिसके **चेहरे** के सामने **गर्व** आता है। देखें कि आपने **चेहरे के सामने** का अनुवाद 8:25 में कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: “गर्व टूटने से पहले होता है”

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 16:18 (#3)

לִפְנֵי־שֶׁ֥בֶר גָּאָ֑ון

“विनाश से पहले गर्व”

यहां सुलैमान का मतलब है कि **गर्व** का परिणाम **विनाश** होता है। यदि यह आपके लिए सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अहंकार का परिणाम विनाश होता है”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 16:18 (#4)

שֶׁ֥בֶר

“विनाश”

यहाँ सुलैमान एक व्यक्ति के विनाश को संदर्भित करते हैं जिसे ऐसा अनुभव होता है कि वे टूट रहा हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “विनाश” या “नष्ट होना”

देखें: रूपक

नीतिवचन 16:18 (#5)

“गर्व”

देखें कि आपने **गर्व** जैसी भाववाचक संज्ञा का 8:13 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 16:18 (#6)

“और ठोकर खाने से पहले घमण्ड आता है”

मूल भाषा में यहाँ **ठोकर के चेहरे के सामने** वाक्यांश का उपयोग किया गया है, जिसे हिंदी में **ठोकर से पहले** के रूप अनुवाद किया गया है। यहाँ सुलैमान उस व्यक्ति का संदर्भ देते हैं जिसमें **घमण्ड** ठोकर खाने से पहले होती है, और मानो **ठोकर** एक व्यक्ति हो जिसका **चेहरा** हो और **घमण्ड** उसके सामने आ सकती है।देखें कि आपने पिछले खंड में **चेहरे के सामने** का अनुवाद कैसे किया था। हिंदी अनुवाद में **चेहरे के सामने** वाक्यांश का उपयोग दोनों भागों में नहीं हुआ है, यह केवल मूल भाषा और अंग्रेजी अनुवाद में पाया जाता है। वैकल्पिक अनुवाद: "घमण्ड ठोकर से पहले होती है"

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 16:18 (#7)

וְלִפְנֵי כִשָּׁלוֹן גֹּבַהּ רוּחַ

"और ठोकर खाने से पहले घमण्ड आता है"

यहाँ सुलैमान का तात्पर्य है कि **घमण्ड ठोकर खाने** का कारण बनती है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और आत्मा की ऊँचाई गिरावट का कारण बनती है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 16:18 (#8)

כִשָּׁלוֹן

"ठोकर"

यहाँ सुलैमान एक व्यक्ति के विनाश को **ठोकर** खाने जैसा अनुभव के साथ संदर्भित कर रहा है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "विनाश" या "नष्ट होना"

देखें: रूपक

नीतिवचन 16:18 (#9)

"घमण्ड"

यहाँ सुलैमान एक व्यक्ति के गर्वित होने को ऐसे संदर्भित करते हैं, मानो **घमण्ड** करना आत्मा का ऊँचा होना हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "गर्व है" या "गर्वित होना है"।

देखें: रूपक

नीतिवचन 16:19 (#1)

"दीन लोगों"

यहाँ सुलैमान एक व्यक्ति को नम्र होने के रूप में संदर्भित करते हैं, जैसे कि विनम्रता आत्मा की **दीनता** हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "नम्र होना" या "विनम्र होना है"

देखें: रूपक

नीतिवचन 16:19 (#2)

מֵחַלֵּק שָׁלָל אֶת־גֵּאִים

"घमण्डियों के संग लूट बाँट लेने से"

यहाँ सुलैमान **बाँट लेने** शब्द का उपयोग यह दर्शाने के लिए करते हैं कि जो व्यक्ति **लूट बाँट** रहा है, वह भी **घमण्डियों** में से एक है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "घमण्डियों में से एक होने और उनके लूट के हिस्से को साझा करने से बेहतर है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 16:19 (#3)

שָׁלָל

"लूट"

शब्द **लूट** उन वस्तुओं को संदर्भित करता है जो विजयी सैनिक अपने पराजित शत्रुओं से प्राप्त करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "युद्ध में प्राप्त वस्तुएं" या "लूट"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 16:20 (#1)

מַשְׂכִּיל & וּבוֹטֵחַ & אַשְׁרֵיו

"जो" - "मन लगाता" - "वह कल्याण पाता है" - "जो" - "भरोसा रखता" - "वह धन्य होता है"

जो मन लगाता है, **जो भरोसा रखता है**, और **वह** यहाँ सामान्य प्रकार के लोगों का प्रतिनिधित्व करता है, न कि विशेष लोगों का। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी व्यक्ति जो समझते हैं ... और कोई भी व्यक्ति जो विश्वास करते हैं ... वे व्यक्ति खुश हैं"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 16:20 (#2)

מַשְׂכִּיל עַל־דָּבָר

"जो वचन पर मन लगाता"

यह वाक्यांश निम्न को संदर्भित कर सकता है: (1) कोई व्यक्ति जो विभिन्न मामलों में बुद्धिमानी से काम करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "जो समझदारी से काम करता है" (2) कोई व्यक्ति जो निर्देश पर ध्यान देता है, जिस स्थिति में अनुवादित शब्द **वचन** निर्देश को संदर्भित करेगा। वैकल्पिक अनुवाद: "जो निर्देश पर ध्यान देता है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 16:20 (#3)

יִמְצָא־טוֹב

"धन्य होता है"

यहाँ सुलैमान का मतलब है किसी का समृद्ध होना, जैसे कि उन्होंने **धन्यता** प्राप्त कर ली हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "समृद्ध होगा"

देखें: रूपक

नीतिवचन 16:21 (#1)

“हृदय”

देखें कि आपने **हृदय** के समान उपयोग का 2:2 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 16:21 (#2)

לַחְכַם־לֵב יִקָּרֵא נָבוֹן

“वह समझवाला कहलाता है”

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “लोग समझदार को बुलाएँगे”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 16:21 (#3)

“समझवाला”

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 1:5 में किस प्रकार किया है।

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 16:21 (#4)

וּמֶמֶתֶק שְׂפָתַיִם

“और मधुर वाणी”

यहाँ सुलैमान दयालु या सुखद भाषण के बारे में बात करते हैं, जैसे कि यह **मधु** है जो लोग अपने **होंठों** से बोलकर व्यक्त करते हैं। हिंदी में **होंठों** शब्द के स्थान पर **वाणी** का प्रयोग हुआ है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “सुखद भाषण”

देखें: रूपक

नीतिवचन 16:21 (#5)

“मधुर वाणी”

देखें कि आपने **होंठों** के समान उपयोग का 10:18 में किस प्रकार अनुवाद किया है। हिंदी में यहाँ पर भी **होंठों** शब्द का प्रयोग नहीं हुआ है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 16:22 (#1)

“जीवन का स्रोत”

देखें कि आपने इस वाक्यांश का 10:11 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 16:22 (#2)

“जिसमें बुद्धि है” - “परन्तु मूर्ख का दण्ड” - “मूर्खता है”

देखें कि आपने भाववाचक संज्ञाओं **बुद्धि** का 1:3, **दण्ड** का 1:2, और **मूर्खता** का 5:23 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 16:22 (#3)

“परन्तु मूर्ख का दण्ड स्वयं उसकी मूर्खता है”

इस खंड का अर्थ हो सकता है: (1) **मूर्खता मूर्ख** के लिए दण्ड का कारण बनती है, जिस स्थिति में अनुवादित शब्द निर्देश अनुशासन या दण्ड को संदर्भित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: “लेकिन मूर्खता मूर्खों के लिए दण्ड का कारण बनती है” (2) **मूर्ख** को निर्देश देने की कोशिश करना **मूर्खता** है। वैकल्पिक अनुवाद: “लेकिन मूर्खों को निर्देश देना मूर्खता है”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 16:23 (#1)

לֵב חֲכָמִים יַשְׂכִּיל פִּיהוּ וְעַל־שְׂפָתָיו יֹסִיף לֶקַח

“”बुद्धिमान का मन उसके मुँह पर भी बुद्धिमानी प्रगट करता है“

बुद्धिमान का मन, और **उसके** यहाँ इन चीज़ों और लोगों को सामान्य रूप से संदर्भित करता है, किसी विशिष्ट हृदय या बुद्धिमान व्यक्ति को नहीं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “बुद्धिमानों के हृदय उनके मुँह को समझदार बनाते हैं, और उनके होठों पर ज्ञान बढ़ता है”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 16:23 (#2)

“मन”

देखें कि आपने **मन** के समान उपयोग का 2:2 में किस प्रकार अनुवाद किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 16:23 (#3)

“उसके वचन”

देखें कि आपने **वचन** (मुँह) का 10:11 में और **होंठ** का 10:18 में किस प्रकार अनुवाद किया है। हिंदी में 10:18में **होंठ** शब्द का प्रयोग नहीं हुआ है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 16:23 (#4)

“विद्या रहती है”

यहाँ सुलैमान का तात्पर्य है कि जो **बुद्धिमान** कहते हैं, वह उन अन्य लोगों की **विद्या** को बढ़ाते हैं जो **बुद्धिमान** की बात सुनते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यह अन्य लोगों की सीखने की क्षमता को बढ़ाता है”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 16:24 (#1)

“मधु भरे छत्ते के समान”

वाक्यांश **मधु भरे छत्ते** मधुमक्खी के छत्ते को संदर्भित करता है, जिसमें मधुमक्खियाँ शहद को इस तरह से संग्रहीत करती हैं कि वह इतना भरा होता है कि **मधु** उससे टपकता है। हालाँकि, यहाँ सुलैमान इस वाक्यांश

का उपयोग यह बताने के लिए कर रहे हैं कि **मनभावने वचन** कैसे होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं या एक उपमा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अत्यंत मनभावने" या "मधुमक्खी के छत्ते की तरह मनभावने"

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 16:24 (#2)

"मनभावने वचन"

देखें कि आपने **मनभावने वचन** का 15:26 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 16:24 (#3)

מָתְתּוֹק לַנֶּפֶשׁ וּמַרְפֵּא לָעָצֶם

"प्राणों को मीठे लगते, और हड्डियों को हरी-भरी करते हैं"

सुलैमान कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्यांश को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप संदर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे शब्द आत्मा के लिए मीठे और हड्डियों के लिए उपचारात्मक हैं"

देखें: पदलोप

नीतिवचन 16:24 (#4)

"प्राणों को मीठे लगते"

यहाँ, **प्राण** पूरे व्यक्ति को संदर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "किसी व्यक्ति के लिए मनभावने"

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 16:24 (#5)

וּמַרְפֵּא לָעָצֶם

"और हड्डियों को हरी-भरी"

यहाँ, **हड्डियों** का अर्थ व्यक्ति के पूरे शरीर से है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने 15:30 में **हड्डी** के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "शरीर के लिए उपचार"

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 16:25 (#1)

""ऐसा भी मार्ग है, जो मनुष्य को सीधा जान पड़ता है"

देखें कि आपने 14:12 में समान वाक्य का अनुवाद कैसे किया है।

नीतिवचन 16:26 (#1)

נֶפֶשׁ עָמֵל עָמְלָה לּוֹ כִּי־אָכַף עָלָיו פִּיהוּ

""परिश्रमी की लालसा उसके लिये परिश्रम करती है,"

लालसा, परिश्रमी, **उसके**, और **उसकी** यहाँ सामान्य रूप से भूख और मजदूरों को संदर्भित किया जाता है, किसी विशेष **भूख** या **परिश्रमी** को नहीं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अधिक प्राकृतिक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मजदूरों की भूख उनके लिए काम करती है, क्योंकि उनके मुँह उन पर दबाव डालते हैं"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 16:26 (#2)

"की लालसा"

देखें कि आपने **लालसा (भूख)** जैसी भाववाचक संज्ञा का 6:30 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 16:26 (#3)

עָמְלָה לּוֹ

"उसके लिये परिश्रम करती है"

यहाँ सुलैमान **परिश्रमी की लालसा** के बारे में बात करते हैं, जो **परिश्रमी** को लाभ पहुँचाती है, जैसे कि **भूख** एक व्यक्ति हो जो उनके लिए **परिश्रम** करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे या उपमा का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्हें लाभ पहुँचाती है" या "जैसे कोई व्यक्ति जो उनके काम करते समय उनकी मदद करता है"

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 16:26 (#4)

פִּיהוּ

"उसकी भूख"

यहाँ, **भूख** खाने की लालसा को संदर्भित करता है, जिसमें किसी के **भूख** मिटाने में **मुँह** का उपयोग शामिल है। इसका वही अर्थ है जो पिछले खंड में **भूख (लालसा)** का है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनकी भूख" या "उनकी खाने की लालसा"

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 16:26 (#5)

אָכַף עָלָיו פִּיהוּ

"उसकी भूख तो उसको उभारती रहती है"

यहाँ सुलैमान भूख के बारे में बात करते हैं जो एक **परिश्रमी** को काम जारी रखने के लिए प्रेरित करती है, जैसे कि उस मजदूर का **भूख** एक व्यक्ति हो जो उस पर **उभारती रहती है**। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं या एक उपमा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "भूख उसे काम करते रहने के लिए मजबूर करती है" या "भूख ऐसा है जैसे कोई व्यक्ति उसे काम करते रहने के लिए प्रेरित कर रहा हो"

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 16:27 (#1)

“अधर्मी मनुष्य”

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 6:12 में किस प्रकार किया है।

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 16:27 (#2)

אִאִישׁ בְּלִיַּעַל & שפתיו

“अधर्मी मनुष्य” - “उसके वचनों”

अधर्मी मनुष्य और **उसके** यहाँ सामान्य तौर पर एक तरह के व्यक्ति से है, किसी खास व्यक्ति से नहीं। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप ज़्यादा स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का इस्तेमाल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी निकम्मा व्यक्ति ... उस व्यक्ति के होंठ”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 16:27 (#3)

כֹּרֶה רָעָה

“बुराई की युक्ति निकालता है”

यहाँ सुलैमान एक ऐसे व्यक्ति की बात करते हैं जो अन्य लोगों को नुकसान पहुँचाने की योजना बना रहा है, जैसे कि वह व्यक्ति **बुराई** को जमीन से खोद रहा हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे या एक उपमा का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “लोगों को नुकसान पहुँचाने की योजना बनाता है” या “लोगों को नुकसान पहुँचाने की योजना बनाता है जैसे कि वह दुष्ट को खोद रहा हो”

देखें: रूपक

नीतिवचन 16:27 (#4)

רָעָה

“बुराई”

यहाँ, **बुराई** का अर्थ उस परेशानी या हानि से है जो किसी को **अधर्मी मनुष्य** द्वारा बनाई गई योजना के परिणामस्वरूप होती है। देखें कि आपने 12:21 में **बुराई** शब्द का प्रयोग किस प्रकार किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 16:27 (#5)

וְעַל־שִׂפְתָיו כְּאֵשׁ צָרֶבֶת

“और उसके वचनों से आग लग जाती है”

यहाँ, **उसके वचनों से** का अर्थ है जो कोई व्यक्ति अपने **होंठों** को हिलाते हुए बात करता है। देखें कि आपने 10:13 में **होंठों** शब्द का प्रयोग किस प्रकार किया है। हिन्दी अनुवाद में इस संदर्भ में **होंठों** शब्द का प्रयोग नहीं किया गया है। वैकल्पिक अनुवाद: “और जो वे कहते हैं वह जलती हुई आग की तरह है”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 16:27 (#6)

כְּאֵשׁ צָרֶבֶת

“आग लग जाती है”

सुलैमान कह रहे हैं कि **बुराई** की बातें जो **एक अधर्मी मनुष्य** कहता है, **आग की तरह** होती हैं क्योंकि यह दोनों ही लोगों को चोट पहुँचा सकती हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यह लोगों को ज्वलंत आग की तरह चोट पहुँचाती हैं”

देखें: उपमा

नीतिवचन 16:28 (#1)

אִאִישׁ תַּתַּהְפֻּכוֹת & וְנִרְגָּן מַפְרִיד אַלּוּף

“टेढ़ा मनुष्य” - “और कानाफूसी करनेवाला परम मित्रों में भी फूट करा देता है”

टेढ़ा मनुष्य, **कानाफूसी करनेवाला**, **परम मित्रों**, और **फूट करा देता है** का यहाँ मतलब सामान्य रूप से लोगों के प्रकार से है, न कि विशिष्ट लोगों से। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अधिक प्राकृतिक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी विकृत व्यक्ति ... और कोई भी बड़बड़ाने वाला वह व्यक्ति है जो करीबी दोस्तों को अलग करता है”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 16:28 (#2)

אִאִישׁ תַּתַּהְפֻּכוֹת

“टेढ़ा मनुष्य”

यहाँ सुलैमान एक ऐसे **मनुष्य** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं, जो **टेढ़े बातें** कहने के लिए जाना जाता है। यदि आपकी भाषा में इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “विकृत पुरुष” या “वह पुरुष जो विकृत बातें कहता है”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 16:28 (#3)

יְשַׁלַּח מָדוֹן

“बहुत झगड़े को उठाता है”

यहाँ सुलैमान का मतलब एक ऐसे व्यक्ति से है जो **टेढ़ा मनुष्य** है और **जो बहुत झगड़े को उठाता** है जो अन्य लोगों के बीच **फूट** उत्पन्न करते हैं जैसे कि **झगडा** एक चीज़ हो जिसे वह **उठाता है**। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “विवाद उत्पन्न करते हैं”

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 16:28 (#4)

“झगड़े”

यदि आपकी भाषा में **झगड़े** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "विवाद" या ""मुठभेड़""

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 16:28 (#5)

וְנִרְגָּן

"और कानाफूसी करनेवाला"

यहाँ सुलैमान उस व्यक्ति को **एक कानाफूसी करनेवाला** कहते हैं जो लोगों के बारे में गपशप करता है या हानिकारक अफवाहें फैलाता है, क्योंकि वह व्यक्ति गपशप करते समय धीरे-धीरे बोलता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक गपशप करने वाला" या "जो फुसफुसाता है"

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 16:28 (#6)

מַפְרִיד

"फूट करा देता है"

यहाँ सुलैमान का मतलब दोस्तों को एक-दूसरे से अलग करना है, जैसे कोई उनके बीच **फूट करा** देता हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह जो किसी व्यक्ति की मित्रता को नष्ट कर देता है"

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 16:28 (#7)

מַפְרִיד אַלּוּף

"परम मित्रों में भी फूट करा देता है"

सुलैमान मानते हैं कि उनके पाठक समझेंगे कि यह वाक्यांश **एक परम मित्र** को उस व्यक्ति के मित्र से अलग करने का संदर्भ देता है। यदि यह जानकारी आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप इसे शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह हैं जो एक करीबी मित्र को उसके मित्र से अलग करते हैं" या "वह हैं जो करीबी दोस्तों को अलग करते हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 16:29 (#1)

אִישׁ חָמָס & רֵעֵהוּ וְהוֹלִיכוֹ

""उपद्रवी मनुष्य" - "अपने पड़ोसी"

उपद्रवी मनुष्य और **अपने पड़ोसी** यहाँ सामान्य रूप से लोगों के प्रकारों को संदर्भित करता है, न कि विशिष्ट लोगों को। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अधिक प्राकृतिक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हिंसा करने वाला कोई भी व्यक्ति ... उस व्यक्ति का पड़ोसी, और वह व्यक्ति उस पड़ोसी का नेतृत्व करता है"।

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 16:29 (#2)

"उपद्रवी मनुष्य"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 3:31 में किस प्रकार किया है।

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 16:29 (#3)

וְהוֹלִיכוֹ בְּדֶרֶךְ

"फुसलाकर कुमार्ग पर चलाता है"

यहाँ सुलैमान **उपद्रवी मनुष्य** का उल्लेख करते हैं जो **अपने पड़ोसी** को इस प्रकार व्यवहार करने के लिए प्रेरित करता है **जो कुमार्ग** पर चलना है, जैसे कि वह **अपने पड़ोसी** को एक मार्ग पर ले जा रहा हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने 1:15 में **मार्ग** के उसी उपयोग का अनुवाद कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "और वह उसे इस प्रकार व्यवहार करने के लिए प्रेरित करता है"

देखें: रूपक

नीतिवचन 16:29 (#4)

בְּדֶרֶךְ לֹא־טוֹב

"कुमार्ग पर"

इसका मतलब हो सकता है: (1) ऐसा व्यवहार जो **कुमार्ग** पर चलना है। वैकल्पिक अनुवाद: "ऐसे तरीके से व्यवहार करना जो अच्छा नहीं है" (2) ऐसा व्यवहार जिसके परिणामस्वरूप उस व्यक्ति को **कुमार्ग पर** ले चलता है। वैकल्पिक अनुवाद: "ऐसे तरीके से व्यवहार करना जिसके परिणामस्वरूप ऐसे परिणाम होते हैं जो अच्छे नहीं होते"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 16:29 (#5)

"कुमार्ग

यहाँ मूल भाषा में सुलैमान नकारात्मक शब्द **नहीं** का उपयोग **अच्छा** के साथ करते हैं ताकि यह जोर दिया जा सके कि यह **तरीका** कितना बुरा है। हिंदी में इन सब के बदले सिर्फ **कुमार्ग** शब्द का इस्तेमाल हुआ है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह बहुत बुरा है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 16:30 (#1)

עֹצֶצָה עֵינָיו לַחְשֹׁב & קֹרֵץ שְׂפָתָיו כִּלָּה רָעָה

"आँख मूँदनेवाला छल की कल्पनाएँ करता है" - "और होंठ दबानेवाला बुराई करता है"

आँख मूँदनेवाला और **होंठ दबानेवाला** यहाँ सामान्य प्रकार के लोगों को संदर्भित करता है, न कि विशिष्ट लोगों को। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अधिक प्राकृतिक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो लोग अपनी आँखें बंद करते हैं वे योजना बनाते हैं ... जो लोग अपने होठों को दबाते हैं वे बुराई को पूरा करते हैं"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 16:30 (#2)

“आँख मूँदनेवाला” - “होंठ दबानेवाला”

वाक्यांश **आँख मूँदनेवाला** और **होंठ दबानेवाला** दोनों चेहरे के हावभाव का वर्णन करते हैं, जिनका उपयोग लोग दूसरों को यह संकेत देने के लिए कर सकते हैं कि वे कुछ छल करने जा रहे हैं जिसकी उन्होंने योजना बनाई थी। यदि यह आपके पाठकों के लिए स्पष्ट नहीं हो, तो आप इस क्रिया के महत्व को पाठ में या पाद टिप्पणी में समझा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो अपनी आँखें बंद करके दूसरों को संकेत देते हैं... जो अपने होंठ दबाकर दूसरों को संकेत देते हैं”

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

नीतिवचन 16:30 (#3)

רָעָה

“बुराई”

यहाँ, **बुराई** का मतलब है एक बुरा काम जो अपने **होठों को दबाने वाले** ने करने की योजना बनाई थी। अगर यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप इसका मतलब स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक बुरा काम जो उसने योजना बनाई थी”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 16:31 (#1)

שֵׂיבָה

“पक्के बाल”

पक्के बाल यहाँ वृद्धावस्था को संदर्भित करते हैं, जो वह समय होता है जब लोगों के **बाल** आमतौर पर **पक्के बाल** हो जाते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वृद्धावस्था”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 16:31 (#2)

עֲטֶרֶת תִּפְאָרֶת

“शोभायमान मुकुट ठहरते हैं”

यहाँ सुलैमान वृद्ध व्यक्ति के सम्मान को संदर्भित करते हैं, जैसे कि वृद्ध व्यक्ति के **पक्के बाल** एक **शोभायमान मुकुट** हों। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को व्यक्त कर सकते हैं या एक उपमा का उपयोग कर सकते हैं। देखें कि आपने **शोभायमान मुकुट** का अनुवाद 4:9 में कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: “एक महान आदर है” या “वृद्ध व्यक्ति के सिर पर वैभव का मुकुट जैसा है”।

देखें: रूपक

नीतिवचन 16:31 (#3)

“मार्ग पर”

देखें कि आपने **मार्ग** का 1:15 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 16:31 (#4)

בְּדֶרֶךְ צְדָקָה

“धर्म के मार्ग पर”

यहाँ सुलैमान **धर्म** द्वारा विशेषित **मार्ग** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “धार्मिक तरीके से”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 16:31 (#5)

תִּמָּצֵא

“प्राप्त होते हैं”

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई व्यक्ति इसे पाता है”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 16:31 (#6)

תִּמָּצֵא

“प्राप्त होते हैं”

यहाँ सुलैमान का अर्थ वृद्ध होना है, जिसे **पक्के बाल** दर्शाते हैं, जैसे कि यह कोई वस्तु हो जिसे कोई व्यक्ति प्राप्त कर सकता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यह प्राप्त होता है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 16:32 (#1)

אֶרֶךְ אַפַּיִם מִגִּבּוֹר וּמֹשֵׁל בְּרוּחוֹ מִלֹּכֵד

“”विलम्ब से क्रोध करना वीरता से“

यहां, **विलम्ब से क्रोध करना, वीरता, अपने मन को वश में रखना, और नगर को जीत लेना** सामान्य रूप से इन प्रकार के लोगों का प्रतिनिधित्व करता है, विशिष्ट लोगों का नहीं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अधिक प्राकृतिक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी व्यक्ति किसी भी शक्तिशाली व्यक्ति की तुलना में लंबे नथुने वाला है, और कोई भी व्यक्ति जो उस व्यक्ति की आत्मा पर शासन करता है, वह किसी भी व्यक्ति की तुलना में अधिक है जो कब्जा करता है”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 16:32 (#2)

“विलम्ब से”

देखें कि आपने **विलम्ब से** का अनुवाद 14:29 में कैसे किया है।

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 16:32 (#3)

וּמֹשֵׁ֣ל בְּרוּחֹ֑ו

“और अपने मन को वश में रखना”

सुलैमान कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो, तो आप इन शब्दों को पिछले वाक्य से जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह जो अपनी आत्मा पर शासन करता है, वह बेहतर है।”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 16:32 (#4)

וּמֹשֵׁ֣ל בְּרוּחֹ֑ו

“और अपने मन को वश में रखना”

यहाँ सुलैमान एक ऐसे व्यक्ति की बात करते हैं जो **अपने मन** को नियंत्रित करता है मानो वह एक ऐसा व्यक्ति हो जिसे शासित किया जा सकता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और जो अपनी आत्मा को नियंत्रित करता है”

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 16:32 (#5)

בְּרוּחֹ֑ו

“अपने मन”

यहाँ, **मन** एक व्यक्ति की भावनाओं को संदर्भित करती है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उनकी भावनाएं”

देखें: रूपक

नीतिवचन 16:32 (#6)

מִלֹּכֵ֥ד עִֽיר

“नगर को जीत लेने से”

यहाँ सुलैमान एक व्यक्ति के बारे में बात कर रहे हैं जो एक **नगर** पर विजय प्राप्त करता है और उसमें रहने वाले लोगों को पकड़ लेते हैं, जैसे कि **नगर** एक व्यक्ति हो जिसे पकड़ा जा सकता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उससे जो एक शहर पर विजय प्राप्त करता है”

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 16:32 (#7)

מִלֹּכֵ֥ד עִֽיר

“नगर को जीत लेने से”

सुलैमान मानते हैं कि उनके पाठक समझेंगे कि **जो कोई नगर को जीत लेता है** वह **वीर** होता है। यदि यह जानकारी आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप इसे शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो एक नगर पर अधिकार करने के लिए पर्याप्त शक्तिशाली है”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 16:33 (#1)

בַּֽחֵיק יוּטַ֥ל אֶֽת־הַגּוֹרָ֖ל

“”चिट्ठी डाली जाती तो है“

मूल भाषा में यहाँ **गोद में चिट्ठी डाली जाती है** वाक्यांश का उपयोग किया गया है, परन्तु हिंदी अनुवाद में **गोद में** छोड़ा गया है। **चिट्ठी**, **गोद** और **उसका** से सामान्य रूप से इन चीजों को संदर्भित करते हैं, किसी विशिष्ट चिट्ठी और गोद को नहीं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अधिक प्राकृतिक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी चिट्ठी किसी व्यक्ति की गोद में डाला जाता है ... उस चिट्ठी का हर निर्णय”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 16:33 (#2)

בַּֽחֵיק יוּטַ֥ל אֶֽת־הַגּוֹרָ֖ל

“चिट्ठी डाली जाती तो है”

हिंदी अनुवाद में जिस शब्द की जगह **चिट्ठी** शब्द का उपयोग किया गया है, वह एक चिन्हित पत्थर था जिसे जमीन पर फेंका या लुढ़काया जाता था ताकि कुछ निर्णय लेने में सहायता मिल सके। लोग मानते थे कि परमेश्वर **चिट्ठी** को मार्गदर्शन देंगे ताकि यह उन्हें दिखा सके कि क्या करना है। यदि आपकी संस्कृति में ऐसा कोई वस्तु है, तो आप यहाँ अपनी भाषा में उस शब्द का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक चिन्हित पत्थर गोद में फेंका जाता है” या “लोग पासा फेंकते हैं”।

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

नीतिवचन 16:33 (#3)

בַּֽחֵיק יוּטַ֥ל אֶֽת־הַגּוֹרָ֖ל

“चिट्ठी डाली जाती तो है”

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: “एक व्यक्ति अपनी गोद में एक चिट्ठी डालता है”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 16:33 (#4)

כָּל־מִשְׁפָּטֹ֥ו

“परन्तु उसका निकलना”

यहाँ, **उसका निकलना** उस फैसले को संदर्भित करता है जो चिट्ठी डालने के परिणाम के आधार पर किया जाता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “इसका हर निर्णय” या “चिट्ठी के साथ जो भी होता है”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 17:1 (#1)

פַּ֣ת חֲרֵבָ֗ה & מִמְּבַ֤יִת מָלֵא֙

“सूखा टुकड़ा” - “उस घर की अपेक्षा... भरा हो”

सुलैमान कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। देखें कि आपने इन वाक्यांशों के समान प्रयोग का अनुवाद 15:16–17 में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "वैकल्पिक अनुवाद: "एक सूखा निवाला खाना ... एक भरे घर से बेहतर है"

देखें: पदलोप

नीतिवचन 17:1 (#2)

וְשַׁלְוָה

"चैन के साथ"

यहाँ, **चैन** उस स्थिति को संदर्भित करता है जिसमें कोई व्यक्ति शांतिपूर्ण महसूस करता है क्योंकि वहाँ कोई **झगड़े-रगड़े** नहीं हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और एक शांतिपूर्ण स्थिति"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 17:1 (#3)

וְשַׁלְוָה־בָהּ

"चैन के साथ"

यहाँ सुलैमान का अर्थ शांति को अनुभव करना है, जैसे कि **चैन** ऐसी कोई एक वस्तु हो जिसे कोई **सूखा टुकड़े** के **साथ** पा सकता है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सुकून का अनुभव करते हुए" या "शांति का अनुभव करते हुए"

देखें: रूपक

नीतिवचन 17:1 (#4)

מִמְּבַבַּית מָלֵא

"उस घर की अपेक्षा... से भरा हो"

यहाँ सुलैमान एक **घर** का उल्लेख करते हैं जिसमें लोग अक्सर **मेलबलि** का माँस खाते हैं, जैसे कि वह **मेलबलि-पशुओं से भरा** हो। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक घर से ज़्यादा में जिसमें लोग अक्सर"

देखें: रूपक

नीतिवचन 17:1 (#5)

זִבְחֵי

"मेलबलि"

यहाँ, **मेलबलि** उन भोजों को संदर्भित करता है जिसमें इस्राएली यरूशलेम के मंदिर में यहोवा को चढ़ाए गए **मेलबलि** का माँस खाते थे। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "के भोज"

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 17:1 (#6)

זִבְחֵי־רִיב

"मेलबलि... उसमें झगड़े-रगड़े हों"

यहाँ सुलैमान ने अधिकारवाचक रूप का प्रयोग उन पर्वों या भोज का वर्णन करने के लिए किया है जिनमें **झगड़े-रगड़े** होते हैं। यदि आपकी भाषा इसके लिए अधिकारवाचक रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "झगड़े से भरे भोज"

देखें: रूपक

नीतिवचन 17:2 (#1)

"दास" - "उस पुत्र" - "दास... भागी होगा"

मूल भाषा में यहाँ सर्वनाम 'वह' का प्रयोग किया गया है, जो यहाँ उस दास को संदर्भित करता है पर हिन्दी अनुवाद में इसका प्रयोग नहीं किया गया है। **दास, उस पुत्र** और **वह** सामान्य रूप से लोगों के प्रकारों को संदर्भित करते हैं, किसी विशिष्ट नौकर या बेटे को नहीं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी सेवक ... कोई भी पुत्र ... वह व्यक्ति साझा करेगा"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 17:2 (#2)

"बुद्धि से चलनेवाला"

देखें कि आपने **बुद्धि** जैसी भाववाचक संज्ञाओं का अनुवाद 1:3 में कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 17:2 (#3)

בְּבֵנֶן מֵבִיאׁ & אַחִים

"उस पुत्र" - "भाइयों"

यहाँ सुलैमान का तात्पर्य **पुत्र** और **भाइयों** से उस स्वामी की संतानों को संदर्भित करने से हैं जो उस **दास** का स्वामी है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसके स्वामी का पुत्र ... उसके स्वामी के पुत्र के भाई"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 17:2 (#4)

וּבְתוֹךְ אַחִים

"और भाइयों के बीच"

यहाँ सुलैमान **दास** को इन **भाइयों** के साथ समान दर्जा रखने वाले के रूप में संदर्भित करते हैं, जैसे वह उनके **बीच में** हो। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और पुत्र के भाइयों के समान"

देखें: रूपक

नीतिवचन 17:2 (#5)

נַחֲלָה

(एक उत्तराधिकार) "और उस पुत्र के भाइयों के बीच भागी होगा"

मूल भाषा में **एक उत्तराधिकार** वाक्यांश का उपयोग किया गया है, जहाँ उत्तराधिकार उस दास का अपने स्वामी के पुत्रों के बीच भागी बनने को दर्शाता है। हिंदी अनुवाद में इसे **भागी होगा** के रूप में अनुवाद किया गया है। यदि आपकी भाषा **भागी होने** के विचार के लिए एक भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं करती है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लोगों को विरासत में जो मिलता है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

भाववाचक 17:3 (#1)

מַצְרֵף לַכֶּסֶף וְכִיר לַזָּהָב

"चाँदी के लिये कुठाली, और सोने के लिये भट्ठी होती है"

चाँदी के लिये कुठाली, और सोने के लिये भट्ठी ये शब्द सामान्य रूप से इन वस्तुओं को ही दर्शाते हैं, किसी विशिष्ट वस्तु को नहीं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "चाँदी को पिघलाने के लिए कोई बर्तन और सोने के लिए भट्टी होती है"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 17:3 (#2)

מַצְרֵף

"कुठाली"

एक **कुठाली** वह बर्तन है जिसमें धातुओं को अत्यधिक तापमान पर पिघलाया जाता है ताकि अशुद्धियों का पता लगाकर उन्हें धातु से हटाया जा सके। चूंकि दूसरा खण्ड **जाँच** का उल्लेख करता है, इसलिए यह संभव है कि सुलैमान अशुद्धियों का पता लगाने के लिए बर्तन का उपयोग करने की बात कर रहे हैं। यदि आपके पाठक इस प्रकार के बर्तन से परिचित नहीं हैं, तो आप अपने क्षेत्र से किसी समान वस्तु का नाम ले सकते हैं या एक अधिक सामान्य शब्द का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "धातु के परीक्षण और परिष्करण के लिए उपयोग किया जाने वाला बर्तन"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

नीतिवचन 17:3 (#3)

מַצְרֵף לַכֶּסֶף וְכִיר לַזָּהָב

"चाँदी के लिये कुठाली, और सोने के लिये भट्ठी होती है"

सुलैमान यह कल्पना करते हैं कि उनके पाठक यह समझते होंगे कि **कुठाली** और **भट्टी** का उपयोग **चाँदी** और **सोने** की पवित्रता को परखने और शुद्ध करने के लिए किया जाता है। यदि यह जानकारी आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगी, तो आप इसे शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कुठाली चाँदी को परखने और शुद्ध करने के लिए है, और भट्टी सोने को परखने और शुद्ध करने के लिए है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 17:3 (#4)

וּבֹחֵן לִבּוֹת יְהוָה

"परन्तु मनों को यहोवा जाँचता है"

मूल भाषा में यहाँ "और" शब्द का उपयोग किया गया है, जबकि हिंदी अनुवाद में **परन्तु** शब्द का उपयोग किया गया है। सुलैमान यहाँ **परन्तु** का उपयोग यह दिखाने के लिए करते हैं कि वह पहले वाक्यांश और दूसरे वाक्यांश के बीच तुलना कर रहे हैं। **यहोवा मनों को** उसी प्रकार **जाँचते हैं** जैसे **कुठाली** और **भट्टी** का उपयोग **चाँदी** और **सोने** की शुद्धता की जाँच के लिए किया जाता है ताकि यह देखा जा सके कि वे कितने शुद्ध हैं। यदि यह संबंध स्पष्ट नहीं है, तो आप एक संयोजक शब्द का उपयोग करके यह दर्शा सकते हैं कि यह कथन इससे पहले आई बात से किस प्रकार संबंधित है। वैकल्पिक अनुवाद: "इसी प्रकार, यहोवा मनों को परखते हैं"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

नीतिवचन 17:3 (#5)

וּבֹחֵן לִבּוֹת יְהוָה

"परन्तु मनों को यहोवा जाँचता है"

यहाँ सुलैमान यहोवा के बारे में बात करते हैं, जो लोगों के विचारों का मूल्यांकन करते हैं, जैसे कि उनके **मन** धातु हों जिन्हें वह अशुद्धियों की खोज के लिए परख रहे हों। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यहोवा लोगों के हृदयों को परखते हैं"

देखें: रूपक

नीतिवचन 17:3 (#6)

"मनों"

देखें कि आपने 2:2 में "मन" के समान उपयोग का अनुवाद किस प्रकार किया था।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 17:4 (#1)

מֵרַע & שְׂפַת־אָוֶן שָׁקֶר & לְשׁוֹן הַוּת

"कुकर्मी" - "अनर्थ बात"

कुकर्मी, अनर्थ बात, झूठा मनुष्य और **दुष्टता की बात** सामान्य रूप से लोगों और चीज़ों के अलग-अलग प्रकार को दर्शाते हैं, न कि किसी विशिष्ट लोगों को या चीज़ों को। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी दुष्ट व्यक्ति ... कोई भी अधर्म की बात; कोई भी झूठा व्यक्ति ... कोई भी विनाश की जीभ"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 17:4 (#2)

שְׂפַת־אָוֶן

"अनर्थ बात"

मूल भाषा में, **अधर्म के होंठ** वाक्यांश का उपयोग किया गया है, जहाँ होंठ उस व्यक्ति को दर्शाते हैं जो अनर्थ बातें बोलता है। हिंदी अनुवाद में **अनर्थ बात** वाक्यांश का उपयोग किया गया है। यहाँ सुलैमान ने स्वामित्व रूप का प्रयोग ऐसे होंठों के लिए किया है जो **अधर्म** से युक्त हैं। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती

है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “दुष्ट होंठ”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 17:4 (#3)

“बात को”

देखें कि आपने **बात** के समान उपयोग का अनुवाद 16:13 में किस प्रकार किया था।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 17:4 (#4)

מֵזִין

“कान लगाता”

वाक्यांश **कान लगाता** का अर्थ किसी की बात को ध्यानपूर्वक सुनने से है, मानो श्रोता बोलने वाले व्यक्ति की बात पर **कान** लगा रहा हो। यदि इस वाक्यांश का आपकी भाषा में यह अर्थ नहीं है, तो आप अपनी भाषा से एक समान अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “ध्यानपूर्वक सुनें”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 17:4 (#5)

לְשׁוֹן הַוּת

“दुष्टता की बात”

मूल भाषा में **विनाशकारी जीभ** वाक्यांश का उपयोग किया गया है, जहाँ जीभ उस व्यक्ति को दर्शाती है जो ‘दुष्टता की बातें’ बोलता है। हिंदी अनुवाद में इसे **दुष्टता की बात** के रूप में अनुवाद किया गया है। यहाँ सुलैमान **बात** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं, जो **दुष्टता** से विशेषीकृत है। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “विनाशक जीभ”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 17:4 (#6)

“बात”

देखें कि आपने **बात** के समान उपयोग का अनुवाद 6:17 में कैसे किया था।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 17:5 (#1)

לֹעֵג לָרָשׁ חֵרֵף עֹשֵׂהוּ שָׂמֵחַ לְאֵיד

“जो निर्धन को उपहास में उड़ाता है, वह उसके कर्त्ता की निन्दा करता है;”

उपहास में उड़ाने वाला, **जो निर्धन है**, **उसके**, और **विपत्ति पर हँसने वाला** ये सब शब्द सामान्य प्रकार के लोगों को दर्शाते हैं, विशिष्ट लोगों को नहीं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “किसी गरीब व्यक्ति का मज़ाक उड़ाने वाला, उसके निर्माता का मज़ाक उड़ाता है; जो कोई भी आपदा में प्रसन्न होता है”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 17:5 (#2)

“उसके कर्त्ता की निन्दा करता है”

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 14:31 में किस प्रकार किया था।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 17:5 (#3)

“विपत्ति”

देखें कि आपने **विपत्ति** जैसी भाववाचक संज्ञा का अनुवाद 1:26 में कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 17:5 (#4)

“वह निर्दोष नहीं ठहरेगा”

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 6:29 में कैसे किया था।

देखें: कटाक्षपूर्ण उक्ति (लाइटोटीज़)

नीतिवचन 17:6 (#1)

עֲטֶרֶת

“शोभा”

मूल भाषा में यहाँ ‘मुकुट’ का उपयोग किया गया है, पर हिन्दी अनुवाद में ‘शोभा’ शब्द का उपयोग हुआ है। यहाँ सुलैमान **शोभा** के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे यह **बूढ़ों** के सिर पर एक **मुकुट** हो। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से या एक उपमा का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने 4:9 में **मुकुट** के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया था। वैकल्पिक अनुवाद: “का आदर”

देखें: रूपक

नीतिवचन 17:6 (#2)

עֲטֶרֶת זְקֵנִים בְּנֵי בָנִים

“बूढ़ों की शोभा उनके नाती पोते हैं”

बूढ़ों की शोभा निम्नलिखित को संदर्भित कर सकती है: (1) वह सम्मान या गर्व जो **बूढ़ों** द्वारा अपने **नाती पोते** के लिए अनुभव किया जाता है। वैकल्पिक अनुवाद: “वह सम्मान जो वृद्धजन अपने नाती पोतों के लिए अनुभव करते हैं” (2) वह सम्मान जो **बूढ़ें लोग** दूसरों से प्राप्त करते हैं क्योंकि उनके पास **नाती पोतें** हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वृद्धजनों को उनके नाती पोतों के कारण सम्मानित किया जाता है” या “नाती पोतों के कारण अन्य लोग वृद्धजनों का सम्मान करते हैं”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 17:6 (#3)

בְּנֵי בָנִים & בָּנִים אֲבוֹתָם

“नाती पोते हैं,”

हालांकि **नाती पोते** और **पिता** पुरुषवाचक हैं, यहाँ सुलैमान इन शब्दों का उपयोग एक सामान्य अर्थ में कर रहे हैं जो पुरुषों और महिलाओं, दोनों को शामिल करता है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप ऐसे वाक्यांशों का उपयोग कर सकते हैं जो इसे स्पष्ट करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “बच्चों के बच्चे हैं ... जो उनके माता-पिता हैं”

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 17:6 (#4)

וְתִפְאֶאֶרֶת בָּנִים אֲבוֹתָם

“और बाल-बच्चों की शोभा उनके माता-पिता हैं”

क्योंकि **शोभा** के रूप में अनुवादित शब्द पिछले खण्ड में **मुकुट** का समानांतर है, यहाँ **बाल-बच्चों की शोभा** से तात्पर्य उस सम्मान से है जो **बाल-बच्चे** अपने **माता-पिता** के लिए अनुभव करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और जो आदर बच्चे महसूस करते हैं वह उनके माता-पिता के लिए होता है”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 17:7 (#1)

“उत्तम बात” - “मूर्ख के मुख से;”

उत्तम बात, मूर्ख के मुख, झूठी बात और प्रधान सामान्य रूप से इन चीज़ों और लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं, न कि विशिष्ट चीज़ों या लोगों का। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अनावश्यक बातें ... निकम्मों के लिए ... झूठी बातें महान लोगों के लिए”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 17:7 (#2)

שְׂפַת־יֶתֶר

“उत्तम बात”

यह वाक्यांश **उत्तम बात** उत्कृष्ट या प्रभावशाली भाषण को संदर्भित करता है, जो लोग अपने होंठ हिलाकर कहते हैं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को स्पष्टता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उत्तम भाषण” या “उत्कृष्टता से बोलना”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 17:7 (#3)

“झूठी बात”

देखें कि आपने “झूठी बात” का समान अनुवाद 10:18 में कैसे किया।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 17:8 (#1)

אֶבֶן־חֵן

“मोह लेनेवाला मणि”

मोह लेनेवाला मणि एक ऐसी वस्तु को संदर्भित करता है जिसे कोई व्यक्ति जादुई मानता है और जो घूस देने वाले **व्यक्ति** को सफल बनाएगी। यदि इस वाक्यांश का आपकी भाषा में यह अर्थ नहीं है, तो आप अपनी भाषा से ऐसा कोई मुहावरा उपयोग कर सकते हैं जिसका यही अर्थ हो या अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मंगल प्रतीक” या “एक ताबीज”

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 17:8 (#2)

“समझता”

मूल भाषा में “स्वामी की नज़र में” वाक्यांश का उपयोग हुआ है, जबकि हिंदी अनुवाद में **समझता** शब्द आया है, जो स्वामी की समझने की दृष्टि को संदर्भित करता है। देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 3:4 में किस प्रकार किया था।

देखें: रूपक

नीतिवचन 17:8 (#3)

יַשְׂכִּיל

“उसका काम सफल होता है”

यहाँ, **उसका काम सफल होता है** का मतलब **घूस देनेवाला व्यक्ति की** उस बात से है कि लोगों को घूस देने का क्या परिणाम होगा। यह किसी सच्चाई को नहीं दर्शाता है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह सोचता है कि वह सफल होता है”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 17:8 (#4)

אֶל־כָּל־אֲשֶׁר יִפְנֶנָּה

“ऐसा पुरुष जिधर फिरता”

यहाँ सुलैमान उन सबका उल्लेख करते हैं जो एक व्यक्ति करता है, जैसे कि ये **सभी** स्थान हैं **जिधर वह फिरता** है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को स्पष्टता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो कुछ भी वह करता है उसमें”

देखें: रूपक

नीतिवचन 17:9 (#1)

מְכַסֶּה־פֶשַׁע & וְשֹׁנֵא בְּדָבָר & אַלּוּף

“जो दूसरे के अपराध को ढाँप देता है” - “ परन्तु जो बात की चर्चा बार बार करता है” - “परम मित्रों”

जो अपराध को ढाँप देता है, जो बात की चर्चा, बार बार करता है और एक **परम मित्र** ये सभी सामान्य रूप से इन चीज़ों और लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं, न कि विशिष्ट चीज़ों या लोगों का। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक

अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी व्यक्ति जो किसी अपराध को छुपाता है ... लेकिन कोई भी व्यक्ति जो किसी मुद्दे को दोहराता है ... करीबी मित्र"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 17:9 (#2)

מְכַסֶּה

"जो... ढाँप देता है"

यहाँ सुलैमान किसी को **अपराध** के लिए माफ करने की बात करते हैं जैसे कि यह कोई वस्तु हो जिसे कोई **ढाँप देता** है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो क्षमा करता है"

देखें: रूपक

नीतिवचन 17:9 (#3)

"अपराध" - "प्रेम"

देखें कि आपने **अपराध** का अनुवाद 10:19 में और **प्रेम** का अनुवाद 10:12 में कैसे किया था।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 17:9 (#4)

"खोजी... है"

देखें कि आपने **खोजी** के समान उपयोग का अनुवाद 11:27 में कैसे किया था।

देखें: रूपक

नीतिवचन 17:9 (#5)

וְשֹׁנֶה בְּדָבָר

"परन्तु जो बात की चर्चा बार बार करता है"

यह वाक्यांश **जो बात की चर्चा बार बार करता है** उस व्यक्ति को संदर्भित करता है जो बार-बार किसी पिछली परिस्थिति के बारे में बात करता है जिसमें वह व्यक्ति या एक मित्र आहत या अपमानित हुआ था। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन जो बार-बार किसी पिछले अपमान का उल्लेख करता है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 17:9 (#6)

"परम मित्रों में भी फूट करा देता है"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 16:28 में किस प्रकार किया था।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 17:10 (#1)

גְּעָרָה בְּמֵבִין & כְּסִיל

""एक घुड़की" - "समझनेवाले के मन में"

यहाँ, **एक घुड़की, समझनेवाले के मन में,** और **मूर्ख** सामान्य रूप से यह चीज़ और इस प्रकार के लोगों का प्रतिनिधित्व करती है, न कि किसी विशेष **घुड़की** या व्यक्ति का। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। देखें कि आपने **मूर्ख** का अनुवाद 10:18 में कैसे किया था। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी फटकार ... किसी भी समझदार व्यक्ति में ... कोई भी निर्बुद्धि व्यक्ति"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 17:10 (#2)

"एक घुड़की"

देखें कि आपने **घुड़की** जैसी भाववाचक संज्ञा का अनुवाद 1:25 में किस प्रकार किया था।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 17:10 (#3)

תִּתֶּחָת & בְּמֵבִין

"समझनेवाले के मन में जितनी गड़ जाती है"

यहाँ सुलैमान **समझनेवाले के मन** के रूप में **घुड़की** से सीखने का उल्लेख करते हैं, जैसे कि यह एक वस्तु हो जो उस व्यक्ति के मन में **गड़ जाती है**। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्टता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "समझदार व्यक्ति को शिक्षा देता है"

देखें: रूपक

नीतिवचन 17:10 (#4)

מֵהַכּוֹת כְּסִיל מֵאָה

"उतना सौ बार मार खाना मूर्ख के मन में नहीं गड़ता"

सुलैमान कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप इन शब्दों को वाक्य के पहले के भाग से जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक निर्बुद्धि व्यक्ति को सौ बार मारने से अधिक उसके मन में बैठता है" या "एक निर्बुद्धि व्यक्ति को सौ बार मारने से अधिक सिखाता है"

देखें: पदलोप

नीतिवचन 17:11 (#1)

רָעָה & מַלְאָךְ אַכְזָרִי & בּוֹ

"बुरा मनुष्य" - "क्रूर दूत" - "उसके पास"

बुरा मनुष्य, क्रूर दूत और **उसके** सामान्य रूप से लोगों के प्रकारों को दर्शाते हैं, किसी विशेष **बुरे मनुष्य** या **दूत** को नहीं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी दुष्ट व्यक्ति... और कोई भी क्रूर दूत... उस व्यक्ति के खिलाफ"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 17:11 (#2)

“दंगे ही का यत्न”

देखें कि आपने **यत्न** का समान अनुवाद 11:27 में कैसे किया था।

देखें: रूपक

नीतिवचन 17:11 (#3)

מְרִי

“दंगें”

यदि आपकी भाषा में **दंगें** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “विद्रोह करना”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 17:11 (#4)

וּמַלְאָךְ אַכְזָרִי

(और) “क्रूर दूत”

मूल भाषा में यहाँ ‘और’ का प्रयोग किया गया है, जो यहाँ एक नई घटना को प्रस्तुत करता है पर हिन्दी अनुवाद में इसका प्रयोग नहीं किया गया है। यहाँ, **और** के द्वारा एक **बुरे मनुष्य** के विद्रोह का परिणाम प्रस्तुत किया गया है। परिणाम को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। आपको एक नया वाक्य शुरू करने की आवश्यकता हो सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: “परिणामस्वरूप, एक क्रूर दूत”

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

नीतिवचन 17:11 (#5)

וּמַלְאָךְ אַכְזָרִי יְשֻׁלַּח

“इसलिए उसके पास क्रूर दूत भेजा जाएगा”

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: “और कोई व्यक्ति एक निर्दयी दूत भेजेगा”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 17:11 (#6)

יְשֻׁלַּח־בּוֹ

“उसके पास... भेजा जाएगा”

यहाँ, **उसके पास** का अर्थ है कि **दूत बुरे मनुष्य** को दण्डित करेंगे। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उन्हें दण्डित करने के लिए भेजा जाएगा”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 17:12 (#1)

פְּגֹשׁ דֹּב שַׁכּוּל בְּאִישׁ וְאַל־כְּסִיל בְּאִוַּלְתּוֹ

“बच्चा–छीनी–हुई–रीछनी से मिलना... मूर्ख से मिलने”

सुलैमान कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्यांश को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप पहले वाक्य से दूसरे वाक्यांश में इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक मादा भालू जो अपनी संतान से वंचित हो, उसको किसी व्यक्ति से मिलने दो। मूर्ख को उसकी मूर्खता में किसी व्यक्ति से मत मिलने दो”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 17:12 (#2)

פְּגֹשׁ דֹּב שַׁכּוּל בְּאִישׁ וְאַל־כְּסִיל בְּאִוַּלְתּוֹ

“बच्चा–छीनी–हुई–रीछनी से मिलना, मूर्खता में डूबे हुए मूर्ख से मिलने से”

इस पद में, सुलैमान का अर्थ है कि **बच्चा छीनी हुई रीछनी** से मिलना **उस मूर्ख** से मिलने से बेहतर है **जो अपनी मूर्खता में डूबा हुआ है**। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “संतान से वंचित मादा भालू का एक आदमी से मिलना, एक मूर्ख व्यक्ति से उसकी मूर्खता में मिलने से बेहतर है”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 17:12 (#3)

דֹּב & בְּאִישׁ & כְּסִיל בְּאִוַּלְתּוֹ

“रीछनी” - “मूर्ख”

यहाँ, **रीछनी**, **मूर्ख**, और **मूर्खता में डूबे हुए** सामान्यतः भालू और विभिन्न प्रकार के लोगों को दर्शाते हैं, किसी विशेष **भालू** या विशेष लोगों को नहीं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी मादा भालू ... कोई भी व्यक्ति ... कोई भी मूर्ख व्यक्ति उस व्यक्ति की मूर्खता में”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 17:12 (#4)

דֹּב שַׁכּוּל

“बच्चा–छीनी–हुई–रीछनी”

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक मादा भालू जिसके बच्चे किसी ने चुरा लिए हैं”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 17:12 (#5)

דֹּב

“रीछनी”

सुलैमान मानते हैं कि उनके पाठक यह समझ जाएँगे कि **बच्चा छीनी हुई रीछनी** अत्यधिक गुस्से में और हिंसक होगी। यदि यह जानकारी

आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगी तो आप इसे शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक क्रोधित मादा भालू”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 17:12 (#6)

שַׁכְּכוּל

“बच्चा छीनी हुई”

हालांकि शब्द **बच्चा छीनी हुई** एकवचन रूप में है, यहाँ यह एक रीछनी के सभी बच्चों को एक समूह के रूप में संदर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “बच्चों से लूटी हुई”

देखें:अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 17:12 (#7)

“मूर्खता में डूबे हुए”

देखें कि आपने **मूर्खता** जैसी भाववाचक संज्ञा का अनुवाद 5:23 में कैसे किया था।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 17:13 (#1)

מֵשִׁיב רָעָה תַּחַת טוֹבָה לֹא־תָמוּשׁ רָעָה מִבֵּיתוֹ

“जो कोई भलाई के बदले में बुराई करे,”

यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप इन उपवाक्यों के क्रम को उलट सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो भलाई के बदले बुराई करता है, उसके घर से बुराई नहीं जाएगी”

देखें: सूचना संरचना

नीतिवचन 17:13 (#2)

מֵשִׁיב & מִבֵּיתוֹ

“जो कोई... करे” - “उसके घर”

जो कोई करे और **उसके** यह एक सामान्य प्रकार के व्यक्ति को दर्शाता है, किसी विशेष व्यक्ति को नहीं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी व्यक्ति जो लौटाता है ... उस व्यक्ति का घर”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 17:13 (#3)

“बुराई” - “भलाई”

देखें कि आपने **बुराई** का अनुवाद 1:16 में और **भलाई** का अनुवाद 11:27 में कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 17:13 (#4)

לֹא־תָמוּשׁ רָעָה מִבֵּיתוֹ

“उसके घर से बुराई दूर न होगी”

यहाँ सुलैमान किसी के परिवार को प्रभावित करने वाली **बुराई** की बात करते हैं, मानो **बुराई** एक ऐसा व्यक्ति हो जो उस व्यक्ति के घर को नहीं छोड़ता। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “दुष्टता उसके घर को प्रभावित करना बंद नहीं करेगी”

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 17:13 (#5)

“उसके घर”

देखें कि आपने **घर** के समान प्रयोग का अनुवाद 3:33 में कैसे किया था।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 17:14 (#1)

“झगड़े” - “झगड़ा”

देखें कि आपने **झगड़े** या **झगड़ा** जैसी भाववाचक संज्ञाओं का 15:18 में कैसे अनुवाद किया था।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 17:14 (#2)

פִּתְּרוֹן מַיִם

“बाँध के छेद के समान है”

मूल भाषा में यहाँ “पानी छोड़ने” वाक्यांश का उपयोग हुआ है, जबकि हिंदी अनुवाद में **बाँध के छेद** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। यहाँ सुलैमान एक **झगड़े** को रोकने की कठिनाई के बारे में बात करते हैं, जब यह शुरू होता है तो मानो कि **झगड़े का आरम्भ बाँध के छेद** के समान हो जो एक बरतन या बाँध से रिसना शुरू कर देता है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से या एक उपमा का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “रोकना कठिन है” या “इसे रोकना उतना ही मुश्किल है जितना किसी बर्तन से रिसता पानी”

देखें: रूपक

नीतिवचन 17:14 (#3)

הָרִיב נָטֹשׁ

“झगड़ा... छोड़ देना”

“यहाँ सुलैमान का मतलब है कि **झगड़े** को शुरू होने से ही पहले रोकना, जैसे कि **झगड़ा** एक जगह हो जिसे कोई **छोड़** सकता है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “”विवाद से बचें““ या “विवाद को समाप्त करें””

देखें: रूपक

नीतिवचन 17:14 (#4)

הִתְגַּלַּע

“बढ़ने से”

मूल भाषा में यहाँ 'फूट निकलना' वाक्यांश का प्रयोग किया गया है, जबकि हिन्दी अनुवाद में **बढ़ने से** वाक्यांश का उपयोग किया गया है। यहाँ सुलैमान एक **झगड़े** का उल्लेख करते हैं जो ऐसा लगता है जैसे पानी अचानक बर्तन या बांध से **बढ़ निकलता** है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अचानक शुरू होता है"

देखें: रूपक

नीतिवचन 17:15 (#1)

מַצְדִּיק רָשָׁע וּמַרְשִׁיעַ צַדִּיק & גַּם־שְׁנֵיהֶם

"जो दोषी को निर्दोष... ठहराता है"

वाक्यांश **जो ठहराता है, दोषी, निर्दोष** और **उन दोनों** सामान्य प्रकार के लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं, विशिष्ट लोगों का नहीं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी व्यक्ति जो किसी दुष्ट व्यक्ति को धर्मी घोषित करता है और कोई भी व्यक्ति जो किसी धर्मी व्यक्ति को दुष्ट घोषित करता है, यहाँ तक कि दोनों प्रकार के लोग"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 17:15 (#2)

מַצְדִּיק רָשָׁע וּמַרְשִׁיעַ צַדִּיק

""जो दोषी को निर्दोष... ठहराता है"

इस पद में **दोषी** का अर्थ है कुछ **दुष्ट** कार्य करने का अपराधी होना और **निर्दोष** का अर्थ, कुछ **दुष्ट** कार्य करने में निरपराध होना है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्टता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो किसी दोषी को निर्दोष घोषित करता है और जो किसी निर्दोष को दोषी घोषित करता है"

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 17:15 (#3)

"यहोवा घृणा करता है"

देखें कि आपने **यहोवा घृणा करता है** का अनुवाद 3:32 में कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 17:16 (#1)

לָמָּה־זֶּה מְחִיר בְּיַד־כְּסִיל לִקְנוֹת חָכְמָה וְלֵב־אָיִן

"मूर्ख अपने हाथ में दाम क्यों लिए है"

सुलैमान यह दिखाने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं कि **मूर्ख** व्यक्ति के लिए **बुद्धि** खरीदने की कोशिश करना कितना बेतुका है। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इसे एक कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह हास्यास्पद है कि निर्बुद्धि व्यक्ति के हाथ में बुद्धि प्राप्त करने के लिए भुगतान तो है, लेकिन उसके पास मन नहीं है!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

नीतिवचन 17:16 (#2)

מְחִיר בְּיַד־כְּסִיל

"मूर्ख अपने हाथ में दाम लिए है"

यहाँ, **दाम**, **हाथ** और **मूर्ख** इन चीज़ों और लोगों को सामान्य रूप से दर्शाते हैं, विशिष्ट चीज़ों या लोगों को नहीं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप एक अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "भुगतान निर्बुद्धि लोगों के हाथों में है"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 17:16 (#3)

מְחִיר בְּיַד־כְּסִיל

"मूर्ख अपने हाथ में दाम लिए है"

यहाँ सुलैमान एक **मूर्ख** का उल्लेख करते हैं जो **बुद्धि** को इस तरह मोल लेने की कोशिश कर रहा है जैसे वह अपने **हाथ** में रुपये-पैसे लेकर उसे खरीदने जा रहा हो। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्टता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक मूर्ख व्यक्ति भुगतान करने की कोशिश करता है"

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 17:16 (#4)

"बुद्धि"

देखें कि आपने **बुद्धि** जैसी भाववाचक संज्ञा का अनुवाद 1:2 में कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 17:16 (#5)

וְלֵב־אָיִן

"वह उसे चाहता ही नहीं"

यहाँ सुलैमान **चाहता** का उपयोग किसी व्यक्ति की सोचने की क्षमता के संदर्भ में करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने 6:32 में समान वाक्यांश "निरा निर्बुद्ध" का अनुवाद कैसे किया था। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन उसके पास सोचने की क्षमता नहीं है"

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 17:17 (#1)

בְּכָל־עֵת

"सब समयों में"

मूल भाषा में "हर समय" वाक्यांश का उपयोग हुआ है, जबकि हिंदी अनुवाद में **सब समयों** वाक्यांश का उपयोग किया गया है, ये दोनों ही वाक्यांश एक ही अर्थ को व्यक्त करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सदैव" या "सभी समय"

नीतिवचन 17:17 (#2)

הָרֵעַ

“मित्र”

यहाँ, **मित्र** सामान्य रूप में मित्रों को संदर्भित करता है, किसी विशेष **मित्र** को नहीं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप एक अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी मित्र”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 17:17 (#3)

אֹהֵב

“प्रेम रखता है”

सुलैमान कुछ ऐसे शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्यांश को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप संदर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अपने मित्रों से प्रेम करता है”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 17:17 (#4)

וְאָח

“और... भाई”

हालांकि शब्द **भाई** पुल्लिंग है, सुलैमान इस शब्द का उपयोग एक सामान्य अर्थ में कर रहे हैं, जिसमें पुरुष और महिलाएँ, दोनों शामिल है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप एक ऐसा वाक्यांश उपयोग कर सकते हैं जो इसे स्पष्ट करता है। वैकल्पिक अनुवाद: “और एक रिश्तेदार”

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 17:17 (#5)

לְצָרָה

“विपत्ति के दिन”

यहाँ सुलैमान इंगित करते हैं कि **भाई** एक उद्देश्य के लिए **बन जाता** है, कि वह अपने भाई-बहनों की **विपत्ति के दिन** में सहायता करे। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “संकट के समय में सहायता करने के उद्देश्य से”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 17:17 (#6)

“विपत्ति के दिन”

देखें कि आपने 1:27 में भाववाचक संज्ञा **विपत्ति** का अनुवाद कैसे किया था।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 17:18 (#1)

אָדָם & תּוֹקֵעַ כָּף & עֹרֵב & רֵעֵהוּ

“मनुष्य” - “बाध्यकारी वायदे करता है”

मनुष्य, **बाध्यकारी, वायदे** और **अपने** सामान्य रूप से लोगों और चीज़ों के प्रकारों को संदर्भित करता है, किसी विशिष्ट लोगों या चीज़ों को नहीं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी व्यक्ति ... एक निर्बुद्धि मनुष्य जो बाध्यकारी वायदे करता है ... कोई भी प्रतिज्ञा ... उस व्यक्ति का पड़ोसी”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 17:18 (#2)

“निर्बुद्धि”

देखें कि आपने इस वाक्यांश के समान उपयोग का अनुवाद 7:7 में किस प्रकार किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 17:18 (#3)

“बाध्यकारी वायदे करता है”

देखें कि आपने ऐसे ही समान मुहावरे का अनुवाद 6:1 में किस प्रकार किया था।

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 17:18 (#4)

לִפְנֵי

“उत्तरदायी”

मूल भाषा में यहाँ “पड़ोसी के सामने उसके कर्ज का उत्तरदायी” व “के सामने” जैसे वाक्यांशों का उपयोग हुआ है, जबकि हिंदी अनुवाद में **पड़ोसी के कर्ज का उत्तरदायी** और **उत्तरदायी** जैसे वाक्यांशों का उपयोग हुआ है। यह संदर्भित कर सकता है: (1) **उसके पड़ोसी** की उपस्थिति में होना, जैसे 14:19 में। वैकल्पिक अनुवाद: “की उपस्थिति में” (2) **उसके पड़ोसी** की ओर से कुछ करना। वैकल्पिक अनुवाद: “की ओर से”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 17:19 (#1)

אֹהֵב & מַגְבִּיהַּ פִּתְחוֹ

“जो... प्रीति रखता” - “जो अपने फाटक को बड़ा करता”

जो प्रीति रखता है, **जो अपने फाटक को बड़ा करता है** और **वह** सामान्य रुप से लोगों और चीज़ों के प्रकारों का संदर्भित करता है, न कि विशिष्ट व्यक्तियों को। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी व्यक्ति जो प्रेम करता है... कोई भी व्यक्ति जो उस व्यक्ति के द्वार को बड़ा बनाता है”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 17:19 (#2)

“अपराध” - “ झगड़े-रगड़े”

देखें कि आपने भाववाचक संज्ञाओं **अपराध** का अनुवाद 10:19 में और **झगड़े-रगड़े** का अनुवाद 13:10 में कैसे किया था।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 17:19 (#3)

מַגְבִּבִיהַּ פִּפְתְּחוֹ

“और जो अपने फाटक को बड़ा करता”

मूल भाषा में यहाँ “ऊँचा करता” वाक्यांश आया है जबकि हिंदी अनुवाद में **बड़ा करता** वाक्यांश आया है, ये दोनों ही वाक्यांश घमण्ड को दर्शाते हैं। यह वाक्यांश संदर्भित कर सकता है: (1) कोई जो घमण्ड से बोलता है, जैसे कि उसका मुँह एक **बड़े** स्थान पर स्थित **फाटक** हो जो दूसरों से ऊपर है। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई जो गर्व से बोलता है” (2) कोई जो अपने घर के लिए एक शानदार दरवाज़ा बनाता है, जैसे कि उसने दरवाज़ा एक **बड़ा** स्थान पर रखा हो। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई जो अपने दरवाजे को शानदार बनाता है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 17:19 (#4)

מְבַקֵּשׁ־שָׁבֶר

“विनाश के लिये यत्न”

यहाँ सुलैमान एक व्यक्ति के बारे में बात कर रहे हैं जो कुछ ऐसा कर रहा है जिससे वह व्यक्ति नष्ट हो जाएगा, जैसे कि वह व्यक्ति **यत्न** कर रहा है कि कोई उसकी हड्डियाँ तोड़ दे। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्टता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “स्वयं को नष्ट कर लेता है” या “अपनी खुद की बर्बादी का कारण बनता है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 17:20 (#1)

עִקֶּשׁ־לֵבָב & וְנֶהְפָּךְ בִּלְשׁוֹנוֹ

“जो मन का टेढ़ा है” - “और उलट-फेर की बात करनेवाला”

जो मन का टेढ़ा है और **और उलट-फेर की बात करनेवाला** सामान्य रूप से लोगों और चीज़ों के प्रकारों को संदर्भित करते हैं, न कि विशिष्ट व्यक्तियों को। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी व्यक्ति जो हृदय से टेढ़ा है... और कोई भी व्यक्ति जो अपनी जुबान से फिर जाता है”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 17:20 (#2)

“जो मन का टेढ़ा है”

देखें कि आपने **मन का टेढ़ा** का अनुवाद11:20 में कैसे किया था।

देखें: रूपक

नीतिवचन 17:20 (#3)

לֹא יִמְצָא־טוֹב

“उसका कल्याण नहीं होता”

यहाँ सुलैमान किसी के **कल्याण** का अनुभव करने का संदर्भ देते हैं जैसे कि **कल्याण** कोई वस्तु हो जिसे कोई व्यक्ति खोजकर **प्राप्त** कर सकता है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “भलाई का अनुभव नहीं करेगा”

देखें: रूपक

नीतिवचन 17:20 (#4)

“कल्याण,”

देखें कि आपने 13:21 में **कल्याण** और 1:16 में **विपत्ति** जैसी भाववाचक संज्ञाओं का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 17:20 (#5)

וְנֶהְפָּךְ בִּלְשׁוֹנוֹ

“और उलट-फेर की बात करनेवाला”

मूल भाषा में यहाँ “अपनी ज़ुबान से फिरने” वाक्यांश का उपयोग हुआ है, जबकि हिंदी अनुवाद में **उलट-फेर की बात** वाक्यांश का उपयोग हुआ है। यहाँ सुलैमान एक ऐसे व्यक्ति का उल्लेख करते हैं जो छलपूर्वक बोलता है, जैसे कि वह व्यक्ति **उलट-फेर की बात करनेवाला** हो। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और जो अनुचित रूप से बोलता है” या “और जो दुष्टता से बोलता है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 17:20 (#6)

“विपत्ति में पड़ता है”

देखें कि आपने 13:17 में “विपत्ति में पड़ता है” का अनुवाद कैसे किया था।

देखें: रूपक

नीतिवचन 17:20 (#1)

“”

देखें कि आपने 10:18 में **होठों** और 10:11 में **मुँह** के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 17:21 (#1)

יֹלֵד כְּסִיל לְתוּגָה לוֹ וְלֹא־יִשְׂמַח אֲבִי נָבָל

“जो मूर्ख को जन्म देता है वह उससे दुःख ही पाता है,”

इन दोनों उपवाक्यों का मूलतः एक ही अर्थ है। दूसरा उपवाक्य, अलग-अलग शब्दों के साथ एक ही विचार को दोहराकर पहले उपवाक्य के अर्थ पर जोर देता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप वाक्यांशों को **और** के अलावा किसी अन्य शब्द से जोड़ सकते हैं जिससे यह दर्शाया जा सकें कि दूसरा वाक्यांश पहले वाक्यांश को दोहरा रहा है, कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: “जो मूर्ख को जन्म देता है, उसके लिए दुःख है; हाँ निकम्मे का पिता आनन्दित नहीं होता”

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 17:21 (#2)

יֹלֵד כְּסִיל & לוֹ & אֲבִי נָבָל

“जो मूर्ख को जन्म देता है” - “उससे”

जो जन्म देता है, मूर्ख को, मूर्ख के और **पिता** सामान्य रूप से लोगों के भिन्न प्रकारों को संदर्भित करते हैं, न कि विशेष व्यक्तियों को। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप एक अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। देखें कि आपने **मूर्ख** का अनुवाद 10:18 में और 17:7 में कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी व्यक्ति जो किसी निर्बुद्धि व्यक्ति को उत्पन्न करता है ... उस व्यक्ति के लिए ... किसी भी मूर्ख व्यक्ति का पिता”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 17:21 (#3)

לְתוּגָה

“वह... दुःख ही पाता है”

यहाँ, **वह पाता है** इंगित करता है कि जो आगे आता है वह **एक मूर्ख व्यक्ति** के जन्म का परिणाम है। परिणाम को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीके का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: “दुःख का परिणाम होता है”

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

नीतिवचन 17:21 (#4)

“वह... दुःख ही पाता है”

देखें कि आपने **दुःख** जैसी भाववाचक संज्ञा का अनुवाद 10:1 में कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 17:22 (#1)

“मन का आनन्द”

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 15:13 में कैसे किया था।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 17:22 (#2)

יֵיטִיב גֵּהָה

“अच्छी औषधि है”

यहाँ, **अच्छी औषधि** का अर्थ है कि **मन के आनन्द** वाले व्यक्ति को स्वस्थ करना। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उस व्यक्ति को स्वस्थ बना देगा”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 17:22 (#3)

וְרוּחַ נְכֵאָה

“परन्तु मन के टूटने से”

मूल भाषा में यहाँ “आत्मा” शब्द आया है जबकि हिंदी अनुवाद में **मन** शब्द का उपयोग हुआ है। यहाँ, **मन के टूटने** का तात्पर्य उदासी या दुःख अनुभव करने से है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “लेकिन उदास होना”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 17:22 (#4)

תִּיבַשׁ־גָּרֶם

“हड्डियाँ सूख जाती हैं”

यहाँ सुलैमान का तात्पर्य ऐसे लोगों से है जो अस्वस्थ हो रहे हैं, मानो उनकी हड्डियाँ सूख रही हों। यहाँ **हड्डियाँ** शब्द एक व्यक्ति के पूरे शरीर को संदर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को स्पष्टता से व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने 14:30 में “हड्डियाँ गल जाती” जैसे वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: “उस व्यक्ति को अस्वस्थ कर देता है”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 17:23 (#1)

שֹׁחַד מֵחֵיק רָשָׁע יִקָּח

“दुष्ट जन... अपनी गाँठ से घूस निकालता है”

दुष्ट जन, गाँठ और **घूस** सामान्य रूप से इन चीज़ों और लोगों को दर्शाते हैं, न कि विशिष्ट चीज़ों या लोगों को। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप एक अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी दुष्ट व्यक्ति किसी से भी रिश्वत लेता है”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 17:23 (#2)

מֵחֵיק

“गाँठ से”

यहाँ, **गाँठ से** यह संकेत करता है कि **घूस** किसी को गुप्त रूप से दी जाती है, जैसे कि वह व्यक्ति के कपड़ों में उस व्यक्ति की **छाती** के पास छिपी हो। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “गुप्त रूप से”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 17:23 (#3)

לְלַהֲטוֹת אָרְחוֹת מִשְׁפָּט

“न्याय बिगाड़ने के लिये”

यहाँ सुलैमान का अर्थ न्यायाधीशों को ऐसा अन्यायपूर्ण निर्णय देने के लिए प्रेरित करने से है जैसे कि कानूनी प्रक्रिया में **मार्ग** हों जिन्हें कोई व्यक्ति **बिगाड़** सकता है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद:

"न्याय प्रदान करे जाने से रोकना" या "न्यायाधीशों को सही निर्णय देने से रोकना"

देखें: रूपक

नीतिवचन 17:23 (#4)

"न्याय"

देखें कि आपने भाववाचक संज्ञा **न्याय** का अनुवाद 1:3 में किस प्रकार किया था।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 17:24 (#1)

"बुद्धि"

देखें कि आपने **बुद्धि** जैसी भाववाचक संज्ञा का अनुवाद 1:2 में कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 17:24 (#2)

""समझनेवाले,"

देखें कि आपने **समझनेवाले** का अनुवाद 17:10 में और **मूर्ख** का अनुवाद 10:18 में कैसे किया था।

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 17:24 (#3)

אֶת־פְּנֵֽי

"सामने ही"

यहाँ सुलैमान **समझनेवाले** का सन्दर्भ ऐसे देते हैं मानो वह हमेशा **बुद्धि** पर ध्यान देता है जैसे कि **बुद्धि** उसके **सामने ही** हो। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्टता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "के मन में है" या "का केंद्र बिंदु है"

देखें: रूपक

नीतिवचन 17:24 (#4)

וְעֵינֵ֥י כְ֝סִ֗יל בִּקְצֵה־אָֽרֶץ

"परन्तु मूर्ख की आँखें पृथ्वी के दूर-दूर देशों में लगी रहती हैं"

यहाँ सुलैमान **मूर्ख** व्यक्ति को संदर्भित करते हैं, जो किसी भी चीज़ पर ध्यान केंद्रित करने में असमर्थ होता है, जैसे कि उस व्यक्ति की **आँखें पृथ्वी के दूर-दूर देशों में लगी रहती** हों। यदि यह उपयोगी हो, तो आप अपनी भाषा से एक समकक्ष मुहावरा उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन एक निर्बुद्धि व्यक्ति का मन हर जगह लगा होता है" या "लेकिन एक निर्बुद्धि व्यक्ति अपने विचारों पर ध्यान केंद्रित करने में सक्षम नहीं होता"

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 17:25 (#1)

לְאָבִ֥יו בֵּ֑ן כְּ֝סִ֗יל & לְיוֹלַדְתּֽוֹ

"मूर्ख पुत्र" - "पिता होता है"

मूर्ख पुत्र और **उसकी** सामान्य रूप में लोगों के प्रकार का प्रतिनिधित्व करते हैं, न कि विशेष व्यक्तियों का। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। देखें कि आपने **मूर्ख पुत्र** का अनुवाद 10:1 में कैसे किया था। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी निर्बुद्धि पुत्र ... उस व्यक्ति के पिता को ... उस व्यक्ति को जिसने उसे जन्म दिया है"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 17:25 (#2)

כַּ֭כַּעַס לְאָבִיו

"पिता उदास होता है"

यहाँ सुलैमान एक **पुत्र** की बात करते हैं जो अपने **पिता** को ऐसा **उदास** महसूस कराता है मानो वह **पुत्र** स्वयं ही वह **उदासी** हो। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अपने पिता के लिए दुःख का कारण बनता है" या "अपने पिता को दुःख का अनुभव कराता है"

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 17:25 (#3)

"उदास होता है" - "और... शोक होता है"

देखें कि आपने 10:1 में **उदास** और 14:10 में **शोक** जैसी भाववाचक संज्ञाओं का अनुवाद कैसे किया था।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 17:25 (#4)

וּ֭מְמָֽר לְיוֹלַדְתּֽוֹ

"और उसकी जननी को शोक होता है"

यहाँ सुलैमान एक **पुत्र** के बारे में बात करते हैं जो अपनी जननी को **शोक** का अनुभव कराता है, जैसे कि वह **पुत्र** स्वयं उस **शोक** का कारण हो। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्टता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और जो उसे जन्म देती है उसे दुःख का अनुभव कराता है" या "और जिसने उसे जन्म दिया उसे अप्रसन्नता महसूस कराता है"

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 17:26 (#1)

עֲנוֹ֥שׁ לַצַּדִּ֑יק

"धर्मी को दण्ड देना"

मूल भाषा में यहाँ "जुर्माना" शब्द का उपयोग हुआ है, जबकि हिंदी अनुवाद में **दण्ड** शब्द आया है। यहाँ, **दण्ड देने** का तात्पर्य किसी **धर्मी** व्यक्ति से उस अपराध के लिए दण्ड के रूप में धन देने की अपेक्षा करना है, जो उस **धर्मी** व्यक्ति ने किया ही नहीं है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "धर्मी से अन्यायपूर्ण तरीके से जुर्माना भरने की आवश्यकता"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 17:26 (#2)

לַצַּדִּיק

“धर्मी”

“सुलैमान विशेषण **धर्मी** का उपयोग संज्ञा के रूप में कर रहे हैं, जिसका अर्थ है **धर्मी** लोग। आपकी भाषा में भी विशेषण का उपयोग इसी तरह किया जा सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद एक समकक्ष वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “धर्मी लोग” या “”जो लोग धार्मिक आचरण करते हैं”“

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

नीतिवचन 17:26 (#3)

לֹא־טוֹב

“अच्छे नहीं है”

सुलैमान यहाँ एक अलंकार का प्रयोग कर रहे हैं जो एक नकारात्मक शब्द, ‘**नहीं**’ का प्रयोग करके एक दृढ़तापूर्वक सकारात्मक अर्थ व्यक्त करता है, साथ ही एक ऐसी अभिव्यक्ति का प्रयोग करता है जो इच्छित अर्थ के विपरीत है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप सकारात्मक अर्थ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “बुरा है”

देखें: कटाक्षपूर्ण उक्ति (लाइटोटीज़)

नीतिवचन 17:26 (#4)

לְהַכּוֹת נְדִיבִים

“प्रधानों को... पिटवाना”

पिछले खण्ड के साथ समानांतरता यह दर्शाती है कि सुलैमान उन **प्रधानों** को मारने की बात कर रहे हैं जिन्होंने कुछ गलत नहीं किया। यहाँ, **प्रधानों** उन लोगों को संदर्भित करता है जिनके पास उत्तम चरित्र है, न कि विरासत में मिली हुई कुलीनता। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कुलीन लोगों को अनुचित तरीके से मारना”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 17:26 (#5)

“खराई”

देखें कि आपने भाववाचक संज्ञा **खराई** का अनुवाद 4:11 में कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 17:27 (#1)

חוֹשֵׂךְ & יוֹדֵעַ & וקר־רוּחַ אִאִישׁ תְּבוּנָה

“जो सम्भलकर बोलता है” - “वह ज्ञानी ठहरता है” - “और जिसकी आत्मा शान्त रहती है, वही समझवाला पुरुष”

जो सम्भलकर बोलता है, वह ज्ञानी ठहरता है, जिसकी आत्मा शान्त रहती है, वही समझवाला पुरुष सामान्य प्रकार के लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं, न कि विशिष्ट लोगों। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। देखें कि आपने **जो सम्भलकर बोलता है** का अनुवाद 10:19 में और **समझवाला पुरुष** का अनुवाद 10:23 में कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी व्यक्ति जो संयमित रहता है ... वह एक ज्ञानी व्यक्ति है ... और कोई भी व्यक्ति जो आत्मा में शान्त है वह समझदार व्यक्ति है”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 17:27 (#2)

“बोलता”

देखें कि आपने **बोलता** के समान उपयोग का अनुवाद 1:23 में किस प्रकार किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 17:27 (#3)

“ज्ञानी,”

देखें कि आपने भाववाचक संज्ञाओं **ज्ञानी** का अनुवाद 1:4 में और **समझवाला** का अनुवाद 1:2 में कैसे किया था।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 17:27 (#4)

וקר־רוּחַ

“और जिसकी आत्मा शान्त रहती है”

यहाँ, **आत्मा शान्त रहती है** एक मुहावरा है जो किसी ऐसे व्यक्ति को संदर्भित करता है जो अपनी भावनाओं को नियंत्रित करता है। यदि इस वाक्यांश का आपकी भाषा में यह अर्थ नहीं है, तो आप अपनी भाषा से ऐसा कोई मुहावरा उपयोग कर सकते हैं जिसका यह अर्थ हो या अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक शांतचित्त व्यक्ति” या “कोई जो अपनी भावनाओं को नियंत्रित करता है”

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 17:28 (#1)

גַּגַּם אֱוִיל מַמַּחֲרִישׁ חָכָם יֵחָשֵׁב אֹטֵם שְׂפָתָיו נָבוֹן

“मूर्ख भी जब चुप रहता है, तब बुद्धिमान गिना जाता है;”

इन दोनों उपवाक्यों का अर्थ मूलतः एक ही है। दूसरा वाक्य अलग-अलग शब्दों के साथ उसी विचार को दोहराकर पहले वाक्य के अर्थ पर जोर देता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप वाक्यांशों को एक ऐसे शब्द के साथ जोड़ सकते हैं जो दिखाता है कि दूसरा वाक्यांश पहले को दोहरा रहा है, कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: “यहाँ तक कि एक मूर्ख भी जो शांत रहता है, उसे बुद्धिमान माना जाता है; हाँ, जो अपने होंठ बंद रखता है, वह समझदार है”

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 17:28 (#2)

אֱוִיל & אֹטֵם שְׂפָתָיו נָבוֹן

“मूर्ख” - “जब चुप रहता है, तब बुद्धिमान गिना जाता है”

यहाँ, **मूर्ख** और **चुप रहता है** सामान्य रूप में लोगों के प्रकार का प्रतिनिधित्व करते हैं, न कि विशिष्ट लोगों का। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग

कर सकते हैं। देखें कि आपने **मूर्ख** का अनुवाद 7:22 में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी मूर्ख ... कोई भी व्यक्ति जो अपने होंठ बंद रखता है वह समझदार व्यक्ति है"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 17:28 (#3)

מַמֲחֲרִישׁ

"जब चुप रहता है"

यह वाक्य उस व्यक्ति को संदर्भित करता है जो अनावश्यक रूप से बोलने से बचता है। यदि यह आपके लिए उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो अनावश्यक रूप से नहीं बोलते हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 17:28 (#4)

יֶחְשַׁשֵּׁב

"गिना जाता है"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: "लोग विचार करेंगे"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 17:28 (#5)

אֹטֵם שְׂפָתָיו

"जो अपना मुँह बन्द रखता"

यहाँ सुलैमान उस व्यक्ति का उल्लेख करते हैं जो अनावश्यक रूप से बोलने से बचता है, जैसे कि वह व्यक्ति **अपना मुँह बन्द रखता है**। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह व्यक्ति जो अनावश्यक रूप से नहीं बोलता"

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 18:1 (#1)

לְתַאֲוָה יְבַקֵּשׁ נִפְרָד & יִתְגַּלָּע

""जो दूसरों से अलग हो जाता है, वह अपनी ही इच्छा;"

जो दूसरों से अलग हो जाता है और **वह** सामान्य रूप में एक प्रकार के व्यक्ति को संदर्भित करता है, न कि किसी विशेष व्यक्ति को। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो लोग स्वयं को अलग करते हैं वे अपनी इच्छाओं की खोज करते हैं ... वे लोग टूट जाते हैं"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 18:1 (#2)

נִפְרָד

"जो दूसरों से अलग हो जाता है"

यहाँ सुलैमान का मतलब है कि यह व्यक्ति स्वयं को **दूसरों से अलग** कर लेता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह जो अन्य लोगों से अलग रहता है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 18:1 (#3)

לְתַאֲוָה יְבַקֵּשׁ

"इच्छा पूरी करने के लिये"

यहाँ सुलैमान का अर्थ है कि यह व्यक्ति अपनी **इच्छा** को पूरा **करने के लिये** प्रयत्न करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अपनी लालसा को पूरा करने का प्रयास करता है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 18:1 (#4)

בְּכָל־תּוּשִׁיָּה יִתְגַּלָּע

"सब प्रकार की खरी बुद्धि से बैर करता है"

यहाँ सुलैमान उस व्यक्ति का उल्लेख करते हैं जो **सब प्रकार की खरी बुद्धि** के अनुसार कार्य करने से इनकार करता है, मानो कि **सब प्रकार की खरी बुद्धि** एक व्यक्ति हो, जिसके साथ वह व्यक्ति **जो दूसरों से अलग हो जाता है** विवाद करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने **बैर करता है** का अनुवाद 17:14 में कैसे किया था। वैकल्पिक अनुवाद: "वह सारी सच्ची बुद्धि के अनुसार कार्य करने से इनकार करता है"

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 18:1 (#5)

בְּכָל־תּוּשִׁיָּה

"सब प्रकार की खरी बुद्धि से बैर करता है"

यदि आपकी भाषा में **खरी बुद्धि** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "किसी भी ऐसी बात के विरुद्ध जो पूरी तरह से बुद्धिमानीपूर्ण हो"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 18:2 (#1)

כְּסִיל & לִבּוֹ

"मूर्ख" - "मन"

मूर्ख और **वह** सामान्य रूप से एक प्रकार के व्यक्ति को संदर्भित करते हैं, न कि किसी विशेष व्यक्ति को। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी निर्बुद्धि व्यक्ति ... उस व्यक्ति का मन"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 18:2 (#2)

לֹא־יַחְפֹּץ & בִּתְבוּנָה

“समझ की बातों में नहीं लगता”

सुलैमान यहाँ एक अलंकार का प्रयोग कर रहे हैं जो एक नकारात्मक शब्द, **‘नहीं’** का प्रयोग करके एक दृढ़तापूर्वक सकारात्मक अर्थ व्यक्त करता है, साथ ही एक ऐसी अभिव्यक्ति का प्रयोग करता है जो इच्छित अर्थ के विपरीत है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप सकारात्मक अर्थ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “समझ का तिरस्कार करता है”

देखें: (लाइटोटीज़) कटाक्षपूर्ण उक्ति

नीतिवचन 18:2 (#3)

“समझ... में”

देखें कि आपने **समझ** जैसी भाववाचक संज्ञा का अनुवाद 1:2 में कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 18:2 (#4)

בְּהִתְגַּלּוֹת לִבּוֹ

“वह केवल अपने मन की बात प्रगट करना चाहता है”

सुलैमान कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इन शब्दों को पिछले वाक्य से जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक निर्बुद्धि व्यक्ति अपने मन को प्रकट करने में आनंदित होता है”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 18:2 (#5)

בְּהִתְגַּלּוֹת לִבּוֹ

“वह केवल अपने मन की बात प्रगट करना”

यहाँ सुलैमान एक **मूर्ख** का उल्लेख कर रहे हैं जो लोगों को यह बताता है कि वह क्या सोचता है, मानो उसके **मन की** अपनी **बात** को स्वयं ही **प्रगट कर रहा** हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने 2:2 में **मन** का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: “लोगों को यह बताने में कि वह क्या सोचता है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 18:3 (#1)

בָּבָא גַם־בּוּז

“अपमान भी”

यहाँ सुलैमान **अपमान** का अनुभव करने की बात करते हैं जैसे कि यह कोई व्यक्ति हो जो किसी स्थान पर आ सकता है। इसका अर्थ हो सकता है: (1) लोग **दुष्ट व्यक्ति** के प्रति **अपमान** दिखाते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “लोग उसके लिए तिरस्कार महसूस करते हैं” (2) **दुष्ट व्यक्ति** दूसरों के प्रति **अपमान** दिखाता है। वैकल्पिक अनुवाद: “वह अन्य लोगों के प्रति अपना तिरस्कार दिखाता है”

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 18:3 (#2)

בּוּז & קְלָלוֹן חֶרְפָּה

“अपमान” - “निरादर, निन्दा”

यदि आपकी भाषा **अपमान**, **निरादर**, और **निन्दा** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं करती है, तो आप इन्हीं समान विचारों को अन्य तरीकों से व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने 12:8 में **अपमान** और 6:33 में **निरादर** का अनुवाद कैसे किया था। वैकल्पिक अनुवाद: “तिरस्कार का अनुभव करना ... शर्म का अनुभव करना, निंदा किया जाना”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 18:3 (#3)

וְעִם־קְלָלוֹן חֶרְפָּה

“और निरादर के साथ निन्दा”

सुलैमान कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि यह आपकी भाषा में स्पष्ट होगा, तो आप इन शब्दों को पिछले खंड से जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और लज्जा के साथ निंदा आती है”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 18:4 (#1)

דִּבְרֵי פִי־אִישׁ

“मनुष्य के मुँह के वचन”

यह वाक्यांश उस **वचन** को संदर्भित करता है जो **मनुष्य** अपने **मुँह** का उपयोग करके कहता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वे शब्द जो एक व्यक्ति अपने मुँह से कहता है”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 18:4 (#2)

דִּבְרֵי פִי־אִישׁ

“मनुष्य के मुँह के वचन”

दूसरा खंड संकेत करता है कि सुलैमान उस बुद्धि के **वचन** का उल्लेख कर रहे हैं जो एक बुद्धिमान **मनुष्य** द्वारा बोले गए हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक बुद्धिमान व्यक्ति के मुख के बुद्धि के शब्द”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 18:4 (#3)

פִי־אִישׁ

“मनुष्य के मुँह”

यहाँ, **मुँह** और **मनुष्य** सामान्य रूप से मुँह और लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं, न कि किसी विशेष **मुँह** और **मनुष्य** का। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लोगों के मुख"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 18:4 (#4)

מַמַּיִם עֲמֻקִּים

"बहती धारा"

यहाँ सुलैमान एक बुद्धिमान मनुष्य के शब्दों की गहराई की बात करते हैं जैसे कि वे **बहती धारा** हों। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से या एक उपमा का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "गहरे हैं" या "गहरे जल की तरह गहरे हैं"

देखें: रूपक

नीतिवचन 18:4 (#5)

מְקוֹר חָכְמָה

"बुद्धि का स्रोत"

यहाँ सुलैमान एक **स्रोत** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं जो **बुद्धि** प्रदान करता है। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक स्रोत जो बुद्धि प्रदान करता है"

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 18:4 (#6)

"बुद्धि का स्रोत"

यहाँ सुलैमान एक बुद्धिमान व्यक्ति को **बुद्धि** के स्रोत के रूप में वर्णित करते हैं, जैसे कि वह एक **स्रोत** हो। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से या एक उपमा का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक बुद्धिमान व्यक्ति ज्ञान का स्रोत होता है" या "एक बुद्धिमान व्यक्ति ज्ञान के स्रोत के समान होता है"

देखें: रूपक

नीतिवचन 18:4 (#7)

"बुद्धि"

देखें कि आपने **बुद्धि** जैसी भाववाचक संज्ञा का अनुवाद 1:2 में कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 18:4 (#8)

"बहती धारा के समान हैं"

यहाँ सुलैमान एक बुद्धिमान व्यक्ति की बात करते हैं जिनके पास प्रचुर **बुद्धि** है, जैसे कि वह एक **बहती धारा** हों। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से या एक उपमा का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रचुर मात्रा में बहती है" या "उफनती धारा की तरह प्रचुर है"

देखें: रूपक

नीतिवचन 18:5 (#1)

לֹא־טוֹב

"अच्छा नहीं है"

सुलैमान यहाँ एक अलंकार का प्रयोग कर रहे हैं जो एक नकारात्मक शब्द, '**नहीं**' का प्रयोग करके एक दृढ़तापूर्वक सकारात्मक अर्थ व्यक्त करता है, साथ ही एक ऐसी अभिव्यक्ति का प्रयोग करता है जो इच्छित अर्थ के विपरीत है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप सकारात्मक अर्थ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह निश्चित रूप से बुरा नहीं है"

देखें: (लाइटोटीज़) कटाक्षपूर्ण उक्ति

नीतिवचन 18:5 (#2)

שְׂאֵת פְּנֵי־רָשָׁע & צַדִּיק בַּמִּשְׁפָּט

""दुष्ट का पक्ष करना,"

यहाँ, **पक्ष**, **दुष्ट**, **धर्मी**, और **हक़** सामान्य रूप में इन चीजों और लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं, न कि विशिष्ट चीजों और लोगों का। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "दुष्ट व्यक्तियों का चेहरा उठाना ... धार्मिक व्यक्तियों को निर्णयों में"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 18:5 (#3)

שְׂאֵת פְּנֵי

"पक्ष करना"

यहाँ, **पक्ष करना** एक मुहावरा है जिसका अर्थ है "पक्षपात करना" या "किसी का पक्ष लेना"। यदि आपकी भाषा में इस वाक्यांश का यह अर्थ नहीं है, तो आप अपनी भाषा से ऐसा कोई मुहावरा उपयोग कर सकते हैं जिसका यही अर्थ हो या अर्थ को स्पष्ट शब्दों में बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पक्षपात करना" या "किसी का पक्ष लेना"

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 18:5 (#4)

רָשָׁע & צַדִּיק

""दुष्ट,"

इस पद में, **दुष्ट** का संदर्भ उस व्यक्ति से है जो कुछ **दुष्ट** कार्य करने का दोषी है, और **धर्मी** का संदर्भ उस व्यक्ति से है जो किसी दुष्टता के कार्य में निर्दोष है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने **दुष्ट** और **धर्मी** के समान उपयोग का अनुवाद 17:15 में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "दोषी व्यक्ति ... निर्दोष व्यक्ति"

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 18:5 (#5)

לְהַטּוֹת

“हक़ मारना”

यहाँ, **दुष्ट का पक्ष करने** का लक्ष्य या उद्देश्य **हक़ मारने** को चिह्नित करता है। अपनी भाषा में उद्देश्य व्यक्त करने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: “किसी का हक़ मारने के उद्देश्य से”

देखें: जोड़ें – लक्ष्य (उद्देश्य) सम्बन्ध

नीतिवचन 18:5 (#6)

לְהַטּוֹת

“हक़ मारना”

यहाँ, एक निर्दोष व्यक्ति को सही **हक़** से वंचित करना इस प्रकार से कहा गया है जैसे कि कचहरी में **धर्मी** का न्याय करते समय उसका **हक़ मार** दिया गया हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “न्याय से वंचित करना”

देखें: रूपक

नीतिवचन 18:5 (#7)

בַּמִּשְׁפָּט

“हक़”

यहाँ, **हक़** एक कानूनी मामले में न्यायाधीश के फैसले को संदर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उसके मुक़दमें के निर्णय के संबंध में” या “जब उसके मुक़दमें का निर्णय होता है”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 18:6 (#1)

כְּסִיל & בְּרִרִיב וּפִיו

“”मूर्ख“ - “मुकद्दमा,”

यहाँ, **मूर्ख**, **मुकद्दमा** और **अपने** सामान्य रूप से निर्बुद्धि लोगों और विवादों को संदर्भित करते हैं, न कि किसी विशेष **मूर्ख** या **मुकद्दमे** को। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “किसी भी निर्बुद्धि व्यक्ति से ... किसी भी विवाद में, और उस व्यक्ति के मुँह से”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 18:6 (#2)

יָבֹאוּ בְרִרִיב

“मुकद्दमा खड़ा करता”

मूल भाषा में, ‘मूर्ख के होंठ’ इस अभिव्यक्ति का उपयोग किया गया है, जहां होंठ उस व्यक्ति को दर्शाता है जो मुकद्दमा खड़ा करता है। हिंदी अनुवाद में इसे सरलता से ‘मुकद्दमा खड़ा करता’ के रूप में अनुवाद किया गया है। यहाँ सुलैमान इस बारे में बात करते हैं कि एक **मूर्ख** अपने **होठों** से क्या कहता है, जिससे वह व्यक्ति एक **मुकद्दमा** शुरू कर देता है, जैसे कि उसके **होंठ** एक व्यक्ति हों जो **मुकद्दमा खड़ा करता** हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उसके द्वारा एक विवाद शुरू करने का परिणाम होता है”

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 18:6 (#3)

וּפִיו לְמַהֲלֻמּוֹת יִקְרָא

“मार खाने के योग्य”

मूल भाषा में, ‘मुँह से मार खाने के योग्य’ इस अभिव्यक्ति का उपयोग किया गया है, जहां मुँह उस व्यक्ति को दर्शाता है जो अपने को मुँह से मार खाने के योग्य दिखाता है। हिंदी अनुवाद में इसे सरलता से ‘मार खाने के योग्य’ के रूप में अनुवाद किया गया है। यहाँ सुलैमान इस बारे में बात करते हैं कि एक **मूर्ख** अपने **मुँह** से क्या कहता है, जिससे लोग उसे पीटना चाहते हैं, जैसे कि **उसका मुँह** एक व्यक्ति हो जो **मार खाने के लिए योग्य है**। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “लोगों में उसे पीटने की इच्छा पैदा होती है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 18:7 (#1)

פִּי־כְסִיל מְחִתָּה־לּוֹ וּשְׂפָתָיו מוֹקֵשׁ נַפְשׁוֹ

“”मूर्ख का विनाश उसकी बातों से होता है,“

इन दोनों वाक्यांशों का अर्थ मूलतः एक ही है। दूसरा वाक्यांश, अलग-अलग शब्दों के साथ एक ही विचार को दोहराकर पहले वाक्यांश के अर्थ पर जोर देता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप इन वाक्यांशों को **और** के अलावा किसी अन्य शब्द से जोड़ सकते हैं ताकि यह दिखाया जा सके कि दूसरा वाक्यांश पहले को दोहरा रहा है, कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: “मूर्ख का मुख उसके लिए विनाश है, वास्तव में, उसके होंठ उसके जीवन का जाल हैं”

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 18:7 (#2)

פִּי & וּשְׂפָתָיו

“उसकी बातों” - “उसके वचन”

मूल भाषा में, यहाँ पर मुँह और होंठ का उपयोग किया गया है, जहां होंठ उस व्यक्ति की बातों को दर्शाता हैं और होंठ उस वचन को दर्शाता है जो वह व्यक्ति बोलता है। हिंदी अनुवाद में इसे सरलता से “उसकी बातों” और “उसके वचन” के रूप में अनुवाद किया गया है। देखें कि आपने पिछले पद में **बातों** और **वचन** के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया था।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 18:7 (#3)

מְחִתָּה־לּוֹ

“मूर्ख का विनाश... होता है”

यहाँ, **है** यह संकेत करता है कि जो कुछ भी आगे घटित होता है वह **एक मूर्ख** के कही हुई बातों का परिणाम है। परिणाम को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "उसके लिए विनाश का कारण बनता है" या "उसके विनाश का परिणाम होगा"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

नीतिवचन 18:7 (#4)

מוֹקֵשׁ נַפְשׁוֹ

"उसके प्राण के लिये फंदे होते हैं"

यहाँ सुलैमान उस **मूर्ख की बातों** का उल्लेख कर रहे हैं, जो उसे परेशानी में डालती हैं, मानो **उसकी बातें** एक **फंदा** हों जो उसे फंसा लेती हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से या एक उपमा का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसे परेशानी में डालते हैं" या "एक फंदे की तरह हैं जो उसे परेशानी में डालते हैं"

देखें: रूपक

नीतिवचन 18:7 (#5)

נַפְשׁוֹ

"उसके प्राण"

यहाँ, **प्राण** स्वयं उस व्यक्ति को संदर्भित करता है। देखें कि आपने 8:36 में **प्राण** के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 18:8 (#1)

"वचन"

देखें कि आपने **वचन** के समान उपयोग का अनुवाद 1:23 में किस प्रकार किया था।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 18:8 (#2)

כְּמִתְלַהֲמֻמִּים

"पच जाते हैं"

सुलैमान कह रहे हैं कि **कानाफूसी करनेवाले के वचन स्वादिष्ट भोजन** के समान हैं जो **पेट में पच जाते** हैं क्योंकि लोग गपशप सुनने के लिए उत्सुक रहते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उत्सुकता से सुने जाते हैं"

देखें: उपमा

नीतिवचन 18:8 (#3)

"वे पेट में पच जाते हैं"

सुलैमान ने **वे** शब्द का उपयोग यह जोर देने के लिए किया कि यह कितना महत्वपूर्ण था कि जो फुसफुसाने वाले कहते थे, उसे दूसरों द्वारा सुना जाता था। इस महत्व को दर्शाने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: "और वे शब्द स्वयं ही हृदय में प्रवेश कर जाते हैं"

देखें: निजवाचक सर्वनाम

नीतिवचन 18:8 (#4)

וְהֵם יָרְדוּ חַדְרֵי־בָטֶן

"वे पेट में पच जाते हैं"

यहाँ सुलैमान **कानाफूसी करनेवाले के वचन** के बारे में बात करते हैं जो किसी व्यक्ति के मन में रहते हैं और उस व्यक्ति के विचारों को प्रभावित करते हैं जैसे कि वे भोजन हों जो किसी व्यक्ति के पेट में **पच जाते हैं**। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और वह किसी व्यक्ति के मन में प्रवेश करते हैं और उसके विचारों को प्रभावित करते हैं"

देखें: रूपक

नीतिवचन 18:8 (#5)

חַדְרֵי־בָטֶן

"पेट में पच"

मूल भाषा में, "पेट के कमरे" इस अभिव्यक्ति का उपयोग किया गया है, जहां कमरा पेट के उस भाग को दर्शाता है जिसमे भोजन पच जाता है। हिंदी अनुवाद में इसे सरलता से "पेट में पच जाता है" के रूप में अनुवाद किया गया है। यहाँ, **पेट में पचना** एक व्यक्ति के सबसे गहरे हिस्से को संदर्भित करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक व्यक्ति का सबसे गहरा हिस्सा"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 18:9 (#1)

מִתְרַפֶּה בְּמְלַאכְתּוֹ אָח הוּא לְבַעַל מַשְׁחִית

""जो काम में आलस करता है"

यहाँ, **जो आलस करता है**, **वह**, **भाई**, और **बिगाड़नेवाले** सामान्य रूप में लोगों के प्रकार का प्रतिनिधित्व करते हैं, न कि विशिष्ट व्यक्तियों का। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी व्यक्ति जो अपने काम में आलसी है, वह व्यक्ति बिगाड़नेवाले का भाई है"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 18:9 (#2)

אָח

"का भाई ठहरता है"

यहाँ सुलैमान **जो आलस करता है** उसकी तुलना **बिगाड़नेवाले** से करते हैं, जैसे कि **वह** उस व्यक्ति का **भाई** हो। यदि आपकी भाषा में यह मददगार हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "घनिष्ठ रूप से संबंधित है" या "बहुत एक जैसा है"

देखें: रूपक

नीतिवचन 18:9 (#3)

לְבַעַל מַשְׁחִית

“बिगाड़नेवाले का”

यहाँ सुलैमान उस व्यक्ति को संदर्भित करते हैं जो चीजों को इस तरह नष्ट करता है जैसे वह **बिगाड़नेवाले** हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो सब कुछ नष्ट कर देता है” या “जो हमेशा विनाशकारी होता है”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 18:10 (#1)

שֵׁם יְהוָה

“यहोवा का नाम”

यहाँ, **यहोवा का नाम** स्वयं **यहोवा** को संदर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं, जैसे कि आई.आर.वी. में है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 18:10 (#2)

מִגְדַּל־עֹז

“दृढ़ गढ़ है”

यहाँ सुलैमान **गढ़** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं, जिसकी विशेषता **दृढ़** से है। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “शक्ति से विशेषीकृत एक मीनार है”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 18:10 (#3)

“दृढ़ गढ़ है”

यहाँ सुलैमान यहोवा के बारे में बात करते हैं कि वह अपने लोगों की रक्षा ऐसे करते हैं जैसे वह एक **गढ़** हो जिसमें वे शरण ले सकते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं या एक उपमा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अपने लोगों की रक्षा करते हैं” या “अपने लोगों की रक्षा करते हैं जैसे एक मजबूत मीनार सुरक्षा प्रदान करती है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 18:10 (#4)

צַדִּיק

“धर्मी”

यहाँ, **धर्मी** सामान्य रूप में **धार्मिक** लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं, न कि किसी विशेष **धर्मी** का। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप एक अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी धार्मिक व्यक्ति”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 18:10 (#5)

“उसमें भागकर”

यहाँ सुलैमान उस व्यक्ति के बारे में बात करते हैं जो चाहता है कि **यहोवा** उसकी रक्षा करें जैसे कि **यहोवा** एक **गढ़** हों जिसमें वह **भागकर जाते हैं**। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से या एक उपमा का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उनसे सुरक्षा की आशा करें” या “उनसे सुरक्षा की मांग करें मानो कि उनके पास भागकर जाएं”

देखें: रूपक

नीतिवचन 18:10 (#6)

וְנִשְׂגָּב

“बचता है”

मूल भाषा में, ‘एक ऊँचे स्थान पर’ इस अभिव्यक्ति का उपयोग किया गया है, जहाँ ऊँचा स्थान दर्शाता है कि वह व्यक्ति सुरक्षित स्थान पर हो या बच जाता है। हिंदी अनुवाद में इसे सरलता से इसे ‘बचता है’ के रूप में अनुवाद किया गया है। यहाँ सुलैमान एक व्यक्ति के सुरक्षित होने की बात करते हैं जैसे कि मानो वह व्यक्ति एक ऐसे स्थान पर हो जहाँ वह **बच जाता है** और कोई उसे नुकसान नहीं पहुंचा सकता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और सुरक्षित है”

देखें: रूपक

नीतिवचन18:11 (#1)

“धनी का धन उसकी दृष्टि में शक्तिशाली नगर है”

देखें कि आपने समान खंड का अनुवाद 10:15 में किस प्रकार किया था।

देखें: रूपक

नीतिवचन 18:11 (#2)

וּכְחוֹמָמָה נִשְׂגָּבָה

“और... ऊँची शहरपनाह के समान है”

सुलैमान कह रहे हैं कि **धनी का धन** एक **ऊँची शहरपनाह** के समान है क्योंकि **धनी** यह मानता है कि उसका **धन** उसे दुश्मनों से बचाएगा, जैसे एक **ऊँची शहरपनाह** सुरक्षा प्रदान करती है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और यह उसे एक ऊँची दीवार की तरह सुरक्षा प्रदान करेगी”

देखें: उपमा

नीतिवचन 18:11 (#3)

בְּמַשְׂכִּיתוֹ

“उसकी कल्पना”

यदि आपकी भाषा में **कल्पना** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उनकी कल्पना के अनुसार”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 18:12 (#1)

“नाश होने से पहले”

यहाँ सुलैमान का तात्पर्य है कि कोई व्यक्ति **नाश** से पहले घमण्ड करता है, जैसे कि **नाश** एक व्यक्ति हो जिसका चेहरा हो और **मनुष्य का मन** उसके सामने **घमण्ड** कर सकता है। देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 16:18 में कैसे किया था। वैकल्पिक अनुवाद: “विनाश से पहले” या “उसके नष्ट होने से पहले”

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 18:12 (#2)

יִגְבַּהּ לֵב־אִישׁ

“मनुष्य के मन में घमण्ड”

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: “एक पुरुष अपने मन को अभिमानी करता है”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 18:12 (#3)

“मन”

देखें कि आपने **मन** का अनुवाद 2:2 में कैसे किया था।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 18:12 (#4)

אִישׁ

“मनुष्य”

हालांकि **मनुष्य** शब्द पुल्लिंग है, सुलैमान इस शब्द का उपयोग एक सामान्य अर्थ में कर रहे हैं जो पुरुषों और महिलाओं दोनों को शामिल करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप एक ऐसा वाक्यांश उपयोग कर सकते हैं जो इसे स्पष्ट करता है। वैकल्पिक अनुवाद: “एक व्यक्ति”

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी सम्मिलित होती हैं

नीतिवचन 18:12 (#5)

“और महिमा पाने से पहले नम्रता होती है”

देखें कि आपने 15:33 में समान खंड का अनुवाद कैसे किया था।

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 18:13 (#1)

מֵשִׁיב דָּבָר בְּטֶרֶם יִשְׁמָע & לוֹ

“”जो बिना बात सुने उत्तर देता है“

जो उत्तर देता हैं, **वचन**, **वह**, और **उनका** एक प्रकार के व्यक्ति को और सामान्य रूप से **वचन** को संदर्भित करते हैं, न कि किसी विशेष व्यक्ति या **वचन** को। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी व्यक्ति जो किसी भी वचन को सुनने से पहले उत्तर देता है... उस व्यक्ति को”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 18:13 (#2)

מֵשִׁיב דָּבָר

“जो... उत्तर देता है”

यहाँ, **उत्तर** का अर्थ किसी के कहे हुए का जवाब देने से है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो एक शब्द के साथ उत्तर देते हैं”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 18:13 (#3)

“उत्तर”

देखें कि आपने **उत्तर** के समान उपयोग का अनुवाद 12:25 में किस प्रकार किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 18:13 (#4)

“वह मूर्ख” - **“अनादर होता है“**

देखें कि आपने भाववाचक संज्ञाओं **मूर्ख** का 5:23 में और **अनादर** का 6:33 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 18:14 (#1)

רוּחַ & וְרוּחַ נְכֵאָה

“आत्मा” - **“परन्तु जब आत्मा हार जाती है”**

इस पद में, **आत्मा** व्यक्ति के दृष्टिकोण को संदर्भित करती है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मनोभाव का ... लेकिन एक कुचला मनोभाव”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 18:14 (#2)

יְכַלְכֵּל

“सह सकता है”

यहाँ सुलैमान का तात्पर्य है कि एक व्यक्ति का **आत्मा** उस व्यक्ति को **उसके रोग सहन करने** में सक्षम बनाता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उसे सहन करने में सक्षम बनाएगा”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 18:14 (#3)

וְרוּחַ נְכֵאָה

“परन्तु जब आत्मा हार जाती है”

यहाँ सुलैमान एक ऐसे व्यक्ति को संदर्भित करते हैं जो निराश होता है, जैसे कि उस व्यक्ति की **आत्मा** किसी चीज़ से **हार** गई हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने 15:13 में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया था। वैकल्पिक अनुवाद: “लेकिन एक निराश मन”

देखें: रूपक

नीतिवचन 18:14 (#4)

מִמִּי יִשָּׂאֶנָּה

“इसे कौन सह सकता है”

सुलैमान एक उदास व्यक्ति को बेहतर महसूस कराने में कठिनाई पर जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “निश्चित रूप से कोई इसे सह नहीं सकता!”

देखें: आलंकारिक प्रश्न

नीतिवचन 18:14 (#5)

יִשָּׂאֶנָּה

“इसे सह सकता है”

यहाँ सुलैमान का अर्थ एक उदास व्यक्ति को बेहतर महसूस कराने में मदद करने से है, जैसे कि कोई उस व्यक्ति की **आत्मा** को **सह** सकता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “इसे पुनर्स्थापित कर सकता है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 18:15 (#1)

לֵ֤ב נָ֙בוֹן֙ יִקְנֶ֣ה־דָ֔עַת וְאֹ֥זֶן חֲכָמִ֖ים תְּבַקֵּֽשׁ־דָּֽעַת

“”समझवाले का मन ज्ञान प्राप्त करता है,“

इन दोनों वाक्यांशों का अर्थ मूलतः एक ही है। दूसरा वाक्यांश अलग-अलग शब्दों के साथ एक ही विचार को दोहराकर पहले वाक्यांश के अर्थ पर जोर देता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप वाक्यांशों को **और** के अलावा किसी अन्य शब्द से जोड़ सकते हैं जो दिखाता है कि दूसरा वाक्यांश पहले को दोहरा रहा है, कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: “समझदार का मन ज्ञान प्राप्त करता है, हाँ, और बुद्धिमानों का कान ज्ञान की खोज करता है”

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 18:15 (#2)

לֵ֤ב נָ֙בוֹן֙ יִקְנֶ֣ה־דָ֔עַת וְאֹ֥זֶן חֲכָמִ֖ים תְּבַקֵּֽשׁ־דָּֽעַת

“”समझवाले का मन ज्ञान प्राप्त करता है“

मूल भाषा में, **कान** शब्द का उपयोग किया गया है, जहां कान उस बात को दर्शाता है जिसकी वह बुद्धिमान खोज में है। हिंदी अनुवाद में इसे सरलता से **बात** के रूप में अनुवाद किया गया है। **मन**, **समझवाले**, और **बात** सामान्य रूप में इन चीजों और प्रकार के लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं, न कि विशेष चीजों या लोगों का। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “समझदारों का हृदय ज्ञान प्राप्त करता है, और कान”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 18:15 (#3)

“मन”

यहाँ, **मन** पूरे व्यक्ति को संदर्भित करता है। देखें कि आपने 15:14 में **मन** के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 18:15 (#4)

“”ज्ञान,“

देखें कि आपने **ज्ञान** जैसी भाववाचक संज्ञा का अनुवाद 1:4 में कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 18:15 (#5)

“और बुद्धिमान ज्ञान की बात की खोज में रहते हैं”

मूल भाषा में, **कान** शब्द का उपयोग किया गया है, जहाँ कान उस ज्ञान की बात को दर्शाता है जिसकी बुद्धिमान व्यक्ति खोज में है। हिंदी अनुवाद में इसे सरलता से **बात** के रूप में अनुवाद किया गया है। यहाँ, **बात** पूरे व्यक्ति को संदर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और बुद्धिमान लोग खोजते हैं”

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 18:15 (#6)

“खोज में है”

देखें कि आपने **खोज में हैं** के समान उपयोग का अनुवाद 11:27 में कैसे किया था।

देखें: रूपक

नीतिवचन 18:16 (#1)

מַתְּנַ֥ת אָ֖דָם & לוֹ֑ & יַרְחִיב֥

“”भेंट मनुष्य के लिये“ - “उसे,”

भेंट, **मनुष्य**, और **उसे** सामान्य रूप में उपहारों और लोगों का उल्लेख करते हैं, न कि किसी विशेष **भेंट** या मनुष्य का। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “किसी व्यक्ति का एक उपहार ... उस व्यक्ति के लिए ... यह उस व्यक्ति को पहुंचाएगी”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 18:16 (#2)

מַתְּנַ֥ת אָ֖דָם

“भेंट मनुष्य के लिये”

यहाँ सुलैमान एक **भेंट** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं जो किसी **मनुष्य** द्वारा दिया गया है। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो एक व्यक्ति देता है”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 18:16 (#3)

יַרְחִיב

“मार्ग खोल देती है”

यहाँ, **मार्ग खोल देती है** एक मुहावरा है जिसका अर्थ है “एक अवसर प्रदान करना।” यदि आपकी भाषा में इस वाक्यांश का यह अर्थ नहीं है, तो आप अपनी भाषा से ऐसे कोई मुहावरे का उपयोग कर सकते हैं जिसका यह अर्थ हो या अर्थ को स्पष्ट तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मार्ग खोलेगा” या “एक अवसर प्रदान करेगा”

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 18:16 (#4)

“और... के सामने”

देखें कि आपने **के सामने** के समान उपयोग का अनुवाद 14:19 में कैसे किया था।

देखें: रूपक

नीतिवचन 18:16 (#5)

יַנְחֶנּוּ

“उसे... पहुँचाती है”

यहाँ सुलैमान **भेंट** के बारे में इस तरह बात करते हैं जैसे कि यह एक जीवित वस्तु हो जो देने वाले व्यक्ति को कहीं **पहुँचाती है**। उनका मतलब है कि **भेंट** देने से व्यक्ति **बड़े लोगों** से मिल सकता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यह उसे आगे बढ़ने में सक्षम करेगा”

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 18:17 (#1)

צַדִּיק הָרִאשֹׁון בְּרִיבוֹ וּבָא־רֵעֵהוּ וַחֲקָרוֹ

“”मुकद्दमे में जो पहले बोलता, वही सच्चा जान पड़ता है“

यह पद एक विवाद का उल्लेख करता है जिसमें एक व्यक्ति **अपना मुकद्दमा** प्रस्तुत करता है और उसमें **सच्चा** प्रतीत होता है, जब तक कि उस व्यक्ति का **दूसरा पक्षवाला उसकी जाँच** प्रश्न पूछकर नहीं करता। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जब लोग विवाद करते हैं, तो पहला व्यक्ति अपना पक्ष प्रस्तुत करता है और सही प्रतीत होता है। फिर उसका पड़ोसी आता है और जो उसने कहा उस पर उससे प्रश्न करता है”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 18:17 (#2)

הָרִאשֹׁון בְּרִיבוֹ & רֵעֵהוּ וַחֲקָרוֹ

“मुकद्दमे में जो पहले” - “दूसरे पक्षवाला” - “उसे जाँच लेता”

पहले, **दूसरे** और **उसे** एक प्रकार के व्यक्ति को संदर्भित करते हैं, किसी विशेष **पहले** को नहीं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी पहला व्यक्ति अपने मामले के साथ ... उस व्यक्ति का पड़ोसी ... और उस व्यक्ति की जाँच करता है”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 18:17 (#3)

הָרִאשֹׁון

“पहले”

यदि आपकी भाषा में क्रमसूचक गिनती का उपयोग नहीं होता है, तो आप यहाँ मूल गिनती या समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “प्रथम व्यक्ति”

देखें: क्रमसूचक संख्याएँ

नीतिवचन 18:17 (#4)

וּבָא־רֵעֵהוּ

“परन्तु... दूसरे पक्षवाला आकर”

सुलैमान यहाँ **परन्तु** शब्द का उपयोग पिछले वाक्यांश के विचार और इस वाक्यांश के बीच एक विरोधाभास को इंगित करने के लिए करते हैं। सुलैमान यह संकेत देते हैं कि **पहले** की जांच के परिणामस्वरूप **उसका मुकद्दमा सच्चा** नहीं है। विरोधाभास को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: “लेकिन फिर दूसरा पक्षवाला आता है”

देखें: जोड़ें — विरोधाभास सम्बन्ध

नीतिवचन 18:18 (#1)

הַגּוֹרָל

“चिट्ठी”

चिट्ठी सामान्य रूप में चिट्ठी डालने का संदर्भ देता है, न कि किसी विशेष **चिट्ठी का**। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप एक अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “चिट्ठी डालना”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 18:18 (#2)

“चिट्ठी”

देखें कि आपने **चिट्ठी** का अनुवाद 16:33 में कैसे किया है।

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

नीतिवचन 18:18 (#3)

“झगड़े”

देखें कि आपने **झगड़े** जैसी भाववाचक संज्ञा का 6:14 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 18:18 (#4)

יַפְרִיד

“अन्त होता है”

इस वाक्यांश **अन्त होता है** का अर्थ यह पहचानने से है कि तर्क में कौन सा **बलवन्त** सही हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यह पहचानता है कि कौन सही है”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 18:19 (#1)

אָח

“भाई”

यहाँ, **भाई** किसी भी रिश्तेदार या करीबी मित्र को संदर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक रिश्तेदार”

देखें: रूपक

नीतिवचन 18:19 (#2)

מִקִּרְיַת־עֹז

“दृढ़ नगर के ले लेने से कठिन होता है”

सुलैमान एक शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्यांश को पूरा करने के लिए आवश्यक होगा। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप इस शब्द को संदर्भ से जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “शक्तिशाली शहर से भी अधिक अडिग है” या “शक्तिशाली शहर तक पहुंचना अधिक कठिन है”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 18:19 (#3)

מִקִּרְיַת־עֹז

“दृढ़ नगर के ले लेने से कठिन होता है”

यहाँ सुलैमान एक **नगर** का वर्णन कर रहे हैं जिसकी विशेषता **दृढ़** है। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक मजबूत शहर से अधिक है”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 18:19 (#4)

“और झगड़े”

देखें कि आपने **झगड़े** जैसी भाववाचक संज्ञा का अनुवाद 6:14 में कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 18:19 (#5)

“राजभवन के बेंड़ों के समान हैं”

इसका अर्थ हो सकता है: (1) **झगड़े** लोगों को एक-दूसरे से दूर रखते हैं, जैसे उनके बीच **राजभवन** के **बेंड़ों** के समान कुछ हो। वैकल्पिक अनुवाद: “लोगों को अलग करना” (2) **झगड़ों** को सुलझाना उतना ही कठिन है जितना कि एक **राजभवन** में प्रवेश करने की कोशिश करना, जिसके **बेड़े** हों। वैकल्पिक अनुवाद: “इन्हें सुलझाना बहुत कठिन है”

देखें: उपमा

नीतिवचन 18:19 (#6)

כִּבְרִיחַ

“बेंड़ों के समान हैं”

एक **बेड़ा** धातु या लकड़ी का एक बड़ा टुकड़ा होता था जिसे **फाटक** के पार रखा जाता था ताकि **फाटक** को तोड़ना या खोलना कठिन हो सके। यदि आपके पाठक इस प्रकार के **बेंड़ों** से परिचित नहीं हैं, तो आप अपने क्षेत्र में किसी समान वस्तु का नाम उपयोग कर सकते हैं या आप एक अधिक सामान्य शब्द का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जैसे फाटक के पार रखा गया पट्टी या बाड़ा हो”

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

नीतिवचन 18:20 (#1)

מִפְּרִי פִי־אִישׁ תִּשְׂבַּע בִּטְנוֹ תְּבוּאַת שְׂפָתָיו יִשְׂבָּע

“”मनुष्य का पेट मुँह की बातों के फल से भरता हैं;“

इन दोनों उपवाक्यों के मूल रूप से एक ही अर्थ हैं। दूसरा उपवाक्य अलग-अलग शब्दों के साथ एक ही विचार को दोहराकर पहले उपवाक्य के अर्थ पर जोर देता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप उपवाक्यों को एक ऐसे शब्द के साथ जोड़ सकते हैं जो दिखाता है कि दूसरा उपवाक्य पहले को दोहरा रहा है, कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: “मनुष्य का पेट उसके मुँह के फल से तृप्त होता है; हाँ, उसके होठों के फल से वह तृप्त होता है”

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 18:20 (#2)

מִפְּרִי פִי־אִישׁ תִּשְׂבַּע בִּטְנוֹ

“मनुष्य का पेट मुँह की बातों के फल से भरता है”

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: “मनुष्य के मुँह के फल से उसका पेट संतुष्ट होता है”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 18:20 (#3)

“मनुष्य का पेट मुँह की बातों के फल”

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 12:14 में किस प्रकार किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 18:20 (#4)

תִּשְׂבַּבַּע בִּטְנֹנוֹ

“पेट... भरता है”

यहाँ सुलैमान एक व्यक्ति के बारे में बात करते हैं जो इतना खाना खाता है कि वह **भर** जाता है, जैसे कि उस व्यक्ति का **पेट** एक ऐसा व्यक्ति हो जो **भरता** है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “इतना खाएगा कि संतोष प्राप्त हो”

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 18:20 (#5)

תְּבוּאַת שְׂפָתָיו יִשְׂבָּע

“मुँह की बातों के फल से भरता है”

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उसके होंठों की उपज उसे संतुष्ट करती है”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 18:20 (#6)

תְּבוּאַת שְׂפָתָיו

“मुँह की बातों के फल से भरता”

मूल भाषा में, ‘उसके होंठ का फल’ इस अभिव्यक्ति का उपयोग किया गया है, जहां होंठ उस व्यक्ति को दर्शाता है जो बोलता है। हिंदी अनुवाद में इसे सरलता से ‘मुँह की बातों’ के रूप में अनुवाद किया गया है। यहाँ सुलैमान किसी व्यक्ति की कही हुई **बात** को इस प्रकार संदर्भित कर रहा है मानो वह उस व्यक्ति के **मुँह** से निकली हुई बात हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो वह कहता है उसके साथ”

देखें: रूपक

नीतिवचन 18:21 (#1)

מָוֶת וָחַיִּים בְּיַד־לָשׁוֹן

“जीभ के वश में मृत्यु और जीवन दोनों होते हैं”

मूल भाषा में, **जीभ के हाथ में मृत्यु और जीवन दोनों होते हैं** इस अभिव्यक्ति का उपयोग किया गया है, जहां हाथ किसी चीज़ को वश में रखने को दर्शाता है। हिंदी अनुवाद में इसे सरलता से **जीभ के वश में मृत्यु और जीवन दोनों होते हैं** के रूप में अनुवाद किया गया है। यहाँ सुलैमान एक व्यक्ति की **जीभ** के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे वह एक व्यक्ति हो जिसके **वश** में **मृत्यु और जीवन** हो। उनका मतलब है कि लोग जो कहते हैं, वह दूसरों की मृत्यु या जीवन का कारण बन सकता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक व्यक्ति की मृत्यु और जीवन इस बात से निर्धारित हो सकते हैं कि वह व्यक्ति क्या कहता है”

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 18:21 (#2)

“मृत्यु और जीवन”

देखें कि आपने भाववाचक संज्ञाओं **मृत्यु** का अनुवाद 2:18 में और **जीवन** का अनुवाद 8:36 में कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 18:21 (#3)

“जीभ”

देखें कि आपने **जीभ** के समान उपयोग का अनुवाद 6:17 में कैसे किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 18:21 (#4)

“वह उसका फल भोगेगा”

यहाँ सुलैमान लोगों के बारे में बात कर रहे हैं कि उन्हें उनके द्वारा कहे गए शब्दों का **फल** भुगतना पड़ता है, मानो वे परिणाम फल हों जिन्हें वे **भोगेंगे**। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “इसके परिणाम प्राप्त करेंगे”

देखें: रूपक

नीतिवचन 18:22 (#1)

מָצָא אִשָּׁה & וַיֶּפֶק

“जिसने स्त्री ब्याह ली” - “और... अनुग्रह उस पर हुआ है”

जिसने स्त्री ब्याह ली और **उस** सामान्य रूप में लोगों को संदर्भित करता है, न कि विशेष व्यक्तियों को। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी व्यक्ति जो पत्नी पाता है ... और वह व्यक्ति प्राप्त करता है”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 18:22 (#2)

מָצָא & מָצָא

“जिसने ब्याह... ली” - “उसने...पाया”

एक **स्त्री** प्राप्त करना और कुछ **उत्तम** प्राप्त करना इस प्रकार से कहा जाता है जैसे वे वस्तुएं हैं जिन्हें कोई व्यक्ति **पाता** है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो प्राप्त करता है ... वह पाता है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 18:22 (#3)

“”उत्तम“

देखें कि आपने भाववाचक संज्ञाओं **उत्तम** का अनुवाद 11:27 में और **अनुग्रह** का अनुवाद 3:4 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 18:22 (#4)

רָצוֹן

“अनुग्रह”

यहाँ, **अनुग्रह** का अर्थ हो सकता है: (1) यहोवा का उस व्यक्ति से प्रसन्न होना **जो एक स्त्री ब्याह** लेता है, जैसा कि समान वाक्यांश 8:35 में है। वैकल्पिक अनुवाद: “अनुमति” (2) पिछले खंड में उल्लिखित **स्त्री**, इस स्थिति में **अनुग्रह** का अर्थ होगा “उपहार।” वैकल्पिक अनुवाद: “एक भेंट”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 18:23 (#1)

רָאוּשׁ וְעָשִׁיר

“निर्धन” - “परन्तु धनी”

निर्धन और **धनी** सामान्य रूप में लोगों के प्रकार को संदर्भित करते हैं, न कि विशिष्ट व्यक्तियों को। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी दरिद्र व्यक्ति ... लेकिन कोई भी अमीर व्यक्ति”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 18:23 (#2)

תַּחֲנוּנִים יְדַבֵּר

“गिड़गिड़ाकर बोलता है”

वाक्यांश **गिड़गिड़ाकर बोलता है** किसी की दया के लिए विनम्रता से अनुरोध करने या प्रार्थना करने को संदर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “दया के लिए विनती करता है”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 18:23 (#3)

יַעֲנֶנָּה

“उत्तर”

यहाँ सुलैमान का तात्पर्य है कि **एक धनी निर्धन** व्यक्ति का **गिड़गिड़ाकर बोलने** का उत्तर देता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “गरीब व्यक्ति को उत्तर देता है”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 18:24 (#1)

אִישׁ רֵעִים & אֹהֵב & מֵאָח

“मित्रों के बढ़ाने से” - “मिला रहता है” - “भाई से भी अधिक”

मित्रों, **जो मिला रहता है**, और **भाई** सामान्य रूप में लोगों के प्रकार को संदर्भित करते हैं, न कि विशिष्ट व्यक्तियों को। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी साथी... कोई भी व्यक्ति जो प्रेम करता है... किसी भी भाई से अधिक”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 18:24 (#2)

אִישׁ רֵעִים

“मित्रों”

बाइबल की मूल भाषा में यहाँ ‘मित्रों वाला व्यक्ति’ का प्रयोग किया गया है, पर हिन्दी आई.आर.वि. में इसे सरलता से मित्रों के रूप में अनुवाद किया गया है। यहाँ सुलैमान एक व्यक्ति का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं, जिसके **मित्र** हैं। यदि आपकी भाषा में इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मित्र वाला एक व्यक्ति”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 18:24 (#3)

אִישׁ רֵעִים

“मित्रों”

यह वाक्यांश संदर्भित कर सकता है: (1) एक व्यक्ति जिनके पास झूठे या अविश्वसनीय **मित्र** हैं जो उसे नुकसान पहुंचाते हैं, जो अगले खंड में **जो मिला रहता है** के विपरीत है। वैकल्पिक अनुवाद: “अविश्वसनीय मित्रों वाला एक व्यक्ति” (2) एक व्यक्ति जिनके पास बहुत अधिक **मित्र** हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “बहुत अधिक मित्रों वाला एक व्यक्ति”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 18:24 (#4)

לְהִתְרֹעֵעַ

“नाश होता है”

यहाँ सुलैमान एक व्यक्ति को नष्ट होते हुए संदर्भित करते हैं जैसे कि वह **नाश** हो गया हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “विनाश का अनुभव करेगा” या “नष्ट हो जाएगा”

देखें: रूपक

नीतिवचन 18:24 (#5)

לְהִתְרֹעֵעַ

“नाश होता है”

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: “विनाश का सामना करेंगे”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 18:24 (#6)

דָּבֵק מֵאָח

“जो भाई से भी अधिक मिला रहता है”

यहाँ सुलैमान एक व्यक्ति के मित्र का उल्लेख करते हैं जो **भाई** से अधिक विश्वासयोग्य होता है, जैसे कि वह मित्र उससे **भाई** से अधिक **मिला रहता** है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परिवार से अधिक विश्वासयोग्य"

देखें: रूपक

नीतिवचन 19:1 (#1)

רָרֵשׁ & בְּתֻמּוֹ מֵעִקֵּשׁ שְׂפָתָיו וְהוּא כְסִיל

"जो निर्धन खराई से चलता है"

यहाँ **जो निर्धन**, **वह, उस, मूर्ख**, और **जो** विशेष किसी व्यक्ति के लिये नहीं, बल्कि सामान्य प्रकार के लोगों को सन्दर्भित करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक निर्धन व्यक्ति ... उस व्यक्ति की खराई में, बजाय उस व्यक्ति के जो टेढ़ी बातें बोलता है और मूर्ख है"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 19:1 (#2)

הוֹלֵךְ בְּתֻמּוֹ

"जो ... खराई से चलता है"

यहाँ सुलैमान उस व्यक्ति की बात कर रहे हैं जो **खराई** से चलता है, मानो **खराई** कोई स्थान हो जिसमें वह **चलता है**। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने 3:23 में "चलेगा" के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो खराई के साथ व्यवहार करता है"

देखें: रूपक

नीतिवचन 19:1 (#3)

"खराई से"

देखें कि आपने 1:3 में **खराई** जैसे भाववाचक संज्ञा का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 19:1 (#4)

מֵעִקֵּשׁ שְׂפָתָיו

"से ... जो टेढ़ी बातें बोलता है"

यहाँ सुलैमान **टेढ़ी बातें बोलता है** वाक्यांश का उपयोग किसी ऐसे व्यक्ति को सन्दर्भित करने के लिये किया है जो झूठ बोलता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने 2:15 में **टेढ़ी** के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "से ... जो झूठ बोलता है"

देखें: रूपक

नीतिवचन 19:2 (#1)

וְאַף

"मनुष्य (जीवन)" - "और जो उतावली से दौड़ता है"

मूल भाषा में यहाँ "जीवन" शब्द का प्रयोग किया गया है, जो एक संज्ञा को दर्शाता है। जबकि हिन्दी बाइबल में यहाँ "मनुष्य" शब्द का उपयोग किया गया है। यहाँ **मनुष्य (जीवन)** और **जो उतावली से दौड़ता है** किसी विशिष्ट व्यक्ति के नहीं, बल्कि सामान्य व्यक्तियों के प्रकार को सन्दर्भित करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी जीवन ... और कोई भी व्यक्ति जो उतावली से दौड़ता है"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 19:2 (#2)

"मनुष्य (एक जीवन)"

मूल भाषा में "एक जीवन" शब्द का प्रयोग किया गया है जबकि हिन्दी बाइबल में यहाँ "मनुष्य" शब्द का उपयोग किया गया है। यहाँ **मनुष्य (जीवन)** का अर्थ हो सकता है: (1) एक जीवित व्यक्ति। वैकल्पिक अनुवाद: "एक व्यक्ति" (2) एक व्यक्ति की इच्छा या उत्साह। वैकल्पिक अनुवाद: "इच्छा"

देखें: रूपक

नीतिवचन 19:2 (#3)

"ज्ञान"

देखें कि आपने 1:4 में **ज्ञान** भाववाचक संज्ञा का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 19:2 (#4)

לֹא־טוֹב

"अच्छा नहीं"

सुलैमान यहाँ एक अलंकार का उपयोग कर रहे हैं जो एक नकारात्मक शब्द **नहीं** का उपयोग करके एक प्रबल सकारात्मक अर्थ व्यक्त करते हैं, साथ ही एक ऐसी अभिव्यक्ति के साथ जो अपेक्षित अर्थ के विपरीत है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप सकारात्मक अर्थ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अत्यधिक बुरा है"

देखें: कटाक्षपूर्ण उक्ति

नीतिवचन 19:2 (#5)

"और जो उतावली से (पैरों से) दौड़ता है"

मूल भाषा में "**पैरों से दौड़ता है**" वाक्यांश का प्रयोग किया गया है, जबकि हिन्दी बाइबल में इस शब्द को छोड़ दिया गया है। यहाँ सुलैमान किसी व्यक्ति को बहुत जल्दी करते हुए इस प्रकार प्रस्तुत करते हैं जैसे वह अपने **पैरों से** दौड़ते हुए **उतावली** कर रहा हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और जो बहुत जल्दी से कार्य करता है"

देखें: रूपक

नीतिवचन 19:2 (#6)

"और जो उतावली से दौड़ता है"

मूल भाषा में पिछले वचन में "जीवन" शब्द का प्रयोग किया गया है, जबकि हिन्दी बाइबल में यहाँ "जीवन" के जगह पर "मनुष्य" का उपयोग किया गया है। आपने पिछले उपवाक्य में **मनुष्य (जीवन)** का अनुवाद "व्यक्ति" के रूप में किया है, तो यह समान वाक्यांश उस व्यक्ति को सन्दर्भित करेगा जो किसी कार्य को सही तरीके से करने का **ज्ञान** प्राप्त किए बिना **उतावली** करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और जो ज्ञानरहित बहुत जल्दी काम करते हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 19:2 (#7)

חוֹטֵא

"चूक जाता है"

यहाँ **चूक जाता है** के रूप में अनुवादित वाक्यांश का अर्थ हो सकता है: (1) कोई व्यक्ति जो पापपूर्ण तरीके से कार्य करता है, जो इस शब्द का सबसे सामान्य अर्थ है। वैकल्पिक अनुवाद: "पापपूर्ण तरीके से कार्य करता है" (2) कोई व्यक्ति गलती कर रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: "गलती करता है" या "भूल करता है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 19:3 (#1)

"मूर्खता के कारण"

देखें कि आपने 5:23 में भाववाचक संज्ञा **मूर्खता** का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 19:3 (#2)

אָדָם & דַּרְכּוֹ & לִבּוֹ

"मनुष्य का मार्ग"

मूल भाषा में यहाँ "पुरुष" शब्द का प्रयोग किया गया है जो विशेष रूप से पुल्लिंग को दर्शाता है। जबकि हिन्दी बाइबल में यहाँ "मनुष्य" शब्द का उपयोग किया गया है। हालाँकि **मनुष्य (पुरुष)** शब्द पुल्लिंग हैं, सुलैमान इन शब्दों का उपयोग एक सामान्य अर्थ में कर रहे हैं जो पुरुषों और स्त्रियों दोनों को शामिल करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप ऐसे वाक्यांशों का उपयोग कर सकते हैं जो इसे स्पष्ट करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक व्यक्ति ... उस व्यक्ति का मार्ग ... उस व्यक्ति का मन"

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 19:3 (#3)

תְּסַלֵּף

"टेढ़ा होता है"

यहाँ **मूर्खता** के विषय में ऐसे बात की गई है जैसे यह एक व्यक्ति हो जो किसी को **टेढ़ा** कर सकता है। इस अभिव्यक्ति का अर्थ है कि मूर्ख लोग मूर्खतापूर्ण काम के कारण अपने जीवन का पतन कर देते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पतन का कारण बनेगा"

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 19:3 (#4)

דַּרְכּוֹ

"मनुष्य का मार्ग"

यहाँ **मार्ग** का अर्थ एक व्यक्ति की जीवन परिस्थितियों से है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनका जीवन"

देखें: रूपक

नीतिवचन 19:3 (#5)

וְעַל־יְהוָה יִזְעַף לִבּוֹ

"और वह मन ही मन यहोवा से चिढ़ने लगता है"

यहाँ सुलैमान का तात्पर्य यह है कि मूर्ख **मनुष्य यहोवा से** चिढ़ने लगता है क्योंकि वे अपने विनाश के लिये **यहोवा** को दोषी ठहराते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और वह मन ही मन यहोवा से चिढ़ने लगता है क्योंकि वह अपने विनाश के लिये यहोवा को दोषी ठहराता है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 19:3 (#6)

לִבּוֹ

"वह मन ही मन"

यहाँ **मन** पूरे व्यक्ति को सन्दर्भित करता है, जिसमें उस व्यक्ति की भावनाओं पर विशेष जोर दिया गया है। देखें कि आपने 15:14 में **मन** के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 19:4 (#1)

הֹון יֹסִיף רֵעִים רַבִּים

"धनी (धन) के तो बहुत मित्र हो जाते हैं"

मूल भाषा में यहाँ "धन" शब्द का प्रयोग किया गया है, जो एक संज्ञा को दर्शाता है। जबकि हिन्दी बाइबल में "धनी" शब्द का उपयोग किया गया है, जो एक विशेषण को दिखाता है। यहाँ सुलैमान का तात्पर्य यह है कि एक धनी के **बहुत मित्र** होते हैं क्योंकि **धन** लोगों को आकर्षित करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "धन के कारण व्यक्ति के बहुत मित्र हो जाते हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 19:4 (#2)

וְ֗דָל מֵרֵעֵהוּ

"परन्तु कंगाल के" - "मित्र उससे"

यहाँ **कंगाल** और **उससे** किसी विशेष **कंगाल** को नहीं बल्कि सामान्य रूप से किसी भी प्रकार के व्यक्ति को सन्दर्भित करते हैं। यदि आपकी

भाषा में यह सहायक हो, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “लेकिन कोई भी कंगाल व्यक्ति ... मित्र उस व्यक्ति से”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 19:4 (#3)

“परन्तु कंगाल”

देखें कि आपने 10:15 में **कंगाल** शब्द का समान उपयोग**,** अनुवाद में कैसे किया हैं।

देखें: रूपक

नीतिवचन 19:4 (#4)

וְזָדָל & יִפְרֵד

“परन्तु कंगाल ... अलग हो जाते हैं”

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से जो स्वाभाविक हो, व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “परन्तु गरीबी एक कंगाल को ... अलग कर देती है”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 19:4 (#5)

מֵרֵעֵהוּ יִפְרֵד

“के मित्र उससे अलग हो जाते हैं”

सुलैमान का तात्पर्य यह है कि **कंगाल** अपनी गरीबी के कारण अपने मित्रों से **अलग हो जाते हैं**। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अपनी गरीबी के कारण अपने मित्रों से अलग हो जाते हैं”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 19:5 (#1)

עֵד שְׁקָרִים לֹא יִנָּקֶה וְיָפִיחַ כְּזָבִים לֹא יִמָּלֵט

“झूठा साक्षी निर्दोष नहीं ठहरता,”

यह दोनों उपवाक्य मूल रूप से एक ही बात का अर्थ रखते हैं। दूसरा उपवाक्य पहले के विचार को अलग शब्दों में दोहराकर जोर देता है। यदि आपके पाठकों के लिये यह सहायक हो, तो आप दोनों उपवाक्यों को जोड़ने के लिये **और** के स्थान पर ऐसा कोई शब्द उपयोग कर सकते हैं जो यह दर्शाए कि दूसरा उपवाक्य केवल पहले को दोहरा रहा है, कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: “झूठा साक्षी निर्दोष नहीं ठहरता, हाँ, जो झूठ बोला करता है, वह न बचेगा”

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 19:5 (#2)

עֵד שְׁקָרִים & וְיָפִיחַ כְּזָבִים

“झूठा साक्षी” - “और जो झूठ बोला करता है”

झूठ साक्षी और **जो झूठ बोला करता है** किसी विशेष व्यक्ति को नहीं बल्कि एक प्रकार के व्यक्ति को सन्दर्भित करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी झूठा साक्षी... और कोई भी व्यक्ति जो झूठ बोला करता है”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 19:5 (#3)

“झूठा साक्षी”

देखें कि आपने 12:17 में इस वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 19:5 (#4)

לֹא יִנָּקֶה

“निर्दोष नहीं ठहरता”

सुलैमान यहाँ एक अलंकार का उपयोग कर रहे हैं जो एक नकारात्मक शब्द **नहीं** का उपयोग करके प्रबल सकारात्मक अर्थ व्यक्त करते हैं, साथ ही एक ऐसी अभिव्यक्ति जो अपेक्षित अर्थ के विपरीत है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप सकारात्मक अर्थ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “निश्चित रूप से दोषी ठहरता”

देखें: कटाक्षपूर्ण उक्ति

नीतिवचन 19:5 (#5)

“और जो झूठ बोला करता है”

देखें कि आपने 6:19 में **झूठ बोला करता है** का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 19:5 (#6)

לֹא יִמָּלֵט

“न बचेगा”

सुलैमान यहाँ एक अलंकार का उपयोग कर रहे हैं जो एक नकारात्मक शब्द **न** का उपयोग करके एक प्रबल सकारात्मक अर्थ व्यक्त करते हैं, साथ ही एक ऐसी अभिव्यक्ति जो अपेक्षित अर्थ के विपरीत है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप सकारात्मक अर्थ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “निश्चित रूप से पकड़ा जाएगा”

देखें: कटाक्षपूर्ण उक्ति

नीतिवचन 19:5 (#7)

לֹא יִמָּלֵט

“न बचेगा”

यहाँ सुलैमान का तात्पर्य यह है कि **जो झूठ बोला करता है, वह न बचेगा**। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “दण्ड से न बचेगा”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 19:6 (#1)

רַבִּים

“बहुत से लोग”

मूल भाषा में यहाँ “बहुत” शब्द का प्रयोग किया गया है, जो एक विशेषण को दर्शाता है। जबकि हिन्दी बाइबल में यहाँ “बहुत से लोग” सीधे संज्ञा के रूप में लिखा गया है। सुलैमान विशेषण **बहुत** का उपयोग संज्ञा के रूप में करते हैं जिसका अर्थ “कई लोग” है। आपकी भाषा में भी विशेषण का उपयोग इसी तरह किया जा सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद एक समकक्ष वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कई लोग”

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

नीतिवचन 19:6 (#2)

פְּנֵי־נָדִיב & הֶֽהָרֵעַ לְאִישׁ מַתָּן

“उदार मनुष्य (का चेहरे)”

मूल भाषा में यहाँ“चेहरा” शब्द का प्रयोग किया गया है, जबकि हिन्दी बाइबल में इस शब्द को छोड़ दिया गया है। यहाँ **उदार मनुष्य, चेहरे**, **दानी पुरुष**, और **मित्र** किसी विशेष व्यक्ति या चेहरे को नहीं बल्कि सामान्य प्रकार के लोगों और **चेहरे** को दर्शाते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “किसी भी उदार मनुष्य का चेहरा ... किसी भी दानी पुरुष का कोई भी मित्र”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 19:6 (#3)

פְּנֵי־נָדִיב

“उदार मनुष्य (का चेहरे)”

मूल भाषा में यहाँ “चेहरे” शब्द का प्रयोग किया गया है जबकि हिन्दी बाइबल में इस शब्द को छोड़ दिया गया है और “मनुष्य” शब्द का उपयोग किया गया है। **चेहरे** वाक्यांश पूरे व्यक्ति को सन्दर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उदार व्यक्ति”

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 19:6 (#4)

“उदार मनुष्य”

यहाँ **उदार** का अर्थ किसी ऐसे व्यक्ति से है, जो **उदार** चरित्र का हो, न कि कुलीनता से। देखें कि आपने 17:26 में “प्रधानों” का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 19:6 (#5)

וְכֹל

“सब कोई”

यहाँ सुलैमान ने सब कोई शब्द का प्रयोग जोर देने के लिये एक अत्युक्तिपूर्ण कथन के रूप में कहते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप जोर देने के लिये एक अलग तरीका उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और लगभग प्रत्येक व्यक्ति”

देखें: अतिशयोक्ति

नीतिवचन 19:6 (#6)

הֶֽהָרֵעַ

“मित्र ... बनता है”

यहाँ सुलैमान का तात्पर्य यह है कि **सब कोई दानी पुरुष का मित्र** बनना चाहते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मित्र बनना चाहते हैं”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 19:6 (#7)

לְאִישׁ מַתָּן

“दानी पुरुष का”

यहाँ सुलैमान दान देने वाले **पुरुष** का वर्णन करने के लिये अधिकारवाचक का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा इसके लिये अधिकारवाचक का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “दान देने वाले व्यक्ति का”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 19:7 (#1)

אֶחָיו

“के सब भाई”

हालाँकि सब भाई शब्द पुल्लिंग है, सुलैमान इस शब्द का उपयोग एक सामान्य अर्थ में कर रहे हैं जिसमें पुरुष और स्त्रियाँ दोनों शामिल हैं। देखें कि आपने 6:19 में **भाइयों** के इसी उपयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 19:7 (#2)

רָאשׁ ׀ שֹׂנְאֵהוּ & מְמֶֽנּוּ מְרַדֵּף & מְיָדְעֵהוּ

“जब निर्धन ... उससे बैर रखते हैं”

यहां, **निर्धन**, **उससे**, **उसके**, और **वह** किसी एक विशेष **निर्धन** की ओर नहीं, बल्कि सामान्य रूप से एक प्रकार के व्यक्ति को सन्दर्भित करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। देखें कि आपने 14:20 में निर्धन का अनुवाद कैसे किया हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी व्यक्ति जो निर्धन है ... उस व्यक्ति से बैर रखते हैं ... उस व्यक्ति के मित्र ... उस व्यक्ति से! वह व्यक्ति ... पीछा करते हैं”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 19:7 (#3)

“उससे बैर रखते हैं”

इसका अर्थ हो सकता है: (1) ये लोग उस **निर्धन** को तुच्छ मानते हैं जैसा कि यूएसटी (अनफोल्डिंगवर्ड सिम्प्लिफाइड ट्रान्सलेशन) में है। (2) ये

लोग उस **निर्धन** से बचते हैं या उसे दूर करते हैं जिसका अर्थ अगले उपवाक्य में **दूर हो जाएँ** के समान होगा। वैकल्पिक अनुवाद: "उसे दूर कर दें"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 19:7 (#4)

מְרַדֵּף אֲמָרִים לֹא־הֵמָּה

"वह बातें करते हुए उनका पीछा करता है, परन्तु उनको नहीं पाता"

सुलैमान कुछ ऐसे शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में वाक्य को पूर्ण बनाने के लिये आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह बातें करते हुए उनका पीछा करता है, परन्तु वे वहाँ नहीं हैं"

देखें: पदलोप

नीतिवचन 19:7 (#5)

מְרַדֵּף אֲמָרִים

"वह बातें करते हुए उनका पीछा करता है"

यहाँ सुलैमान किसी ऐसे व्यक्ति का उल्लेख कर रहे हैं जो अपने **सब भाई** और **मित्र** से सहायता की दुहाई दे रहे हैं, मानो वह उनका पीछा करने के लिये **बातें** का प्रयोग कर रहे हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे उनसे सहायता के लिये दुहाई दे रहे हैं"

देखें: रूपक

नीतिवचन 19:7 (#6)

"बातें करते हुए"

देखें कि आपने 1:23 में **बातें** का यही उपयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 19:8 (#1)

קֹנֶה & נַפְשׁוֹ שֹׁמֵר

"जो ... प्राप्त करता" - "अपने प्राण"

जो ... प्राप्त करता, **अपने**, और **जो ... रखे रहता है** किसी एक विशेष व्यक्ति की नहीं, बल्कि सामान्य रूप से व्यक्तियों के प्रकार को सन्दर्भित करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। देखें कि आपने 10:17 में **जो ... रखे रहता है** का अनुवाद कैसे किया हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी व्यक्ति जो ... प्राप्त करता ... उस व्यक्ति का प्राण ... कोई भी व्यक्ति जो ... रखे रहता है"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 19:8 (#2)

קֹנֶה־לֵב

"जो बुद्धि प्राप्त करता"

यहाँ सुलैमान **बुद्धि** का उपयोग किसी व्यक्ति की सोचने की क्षमता को सन्दर्भित करने के लिये करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो सोचने की क्षमता प्राप्त करते हैं"

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 19:8 (#3)

אֹהֵב נַפְשׁוֹ

"अपने प्राण को प्रेमी ठहराता है"

यहाँ **अपने प्राण को प्रेमी ठहराता है** का सकारात्मक अर्थ है कि वह अपना ध्यान रखता है या किसी की भलाई के लिये जो उत्तम है वह करना। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो अपने जीवन के लाभ के लिये काम करता है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 19:8 (#4)

נַפְשׁוֹ

"अपने प्राण"

यहाँ **प्राण** स्वयं व्यक्ति को सन्दर्भित करता है। देखें कि आपने 8:36 में **प्राण** के यही उपयोग का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 19:8 (#5)

שֹׁמֵר תְּבוּנָה

"जो समझ को रखे रहता है"

यहाँ सुलैमान किसी के विषय में बात करते हैं जो **समझ** को इस तरह से सुरक्षित या याद करता है जैसे कि यह कोई वस्तु हो जिसे कोई **रखे रहता** है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने 5:2 में "सुरक्षित" के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो समझ को सुरक्षित रखता है"

देखें: रूपक

नीतिवचन 19:8 (#6)

"समझ"

देखें कि आपने 1:2 में **समझ** जैसी भाववाचक संज्ञा का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 19:8 (#7)

לִמְצֹא

"होता है"

यहाँ **होता है** का अर्थ है "नियत है" या "निश्चित है"। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पाना तय है" या "पाना निश्चित है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 19:8 (#8)

"कल्याण होता है"

देखें कि आपने 16:20 में **कल्याण होता है** का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: रूपक

नीतिवचन 19:9 (#1)

עֵ֣ד שְׁקָרִ֗ים לֹ֤א יִנָּקֶה֙ וְיָפִ֣יחַ כְּזָבִ֔ים יֹאבֵֽד

"झूठा साक्षी निर्दोष नहीं ठहरता,"

यह दोनों उपवाक्य मूल रूप से एक ही बात का अर्थ रखते हैं। दूसरा उपवाक्य पहले के विचार को अलग शब्दों में दोहराकर जोर देता है। यदि आपके पाठकों के लिये यह सहायक हो, तो आप दोनों उपवाक्यों को जोड़ने के लिये **और** के स्थान पर ऐसा कोई शब्द उपयोग कर सकते हैं जो यह दर्शाए कि दूसरा उपवाक्य केवल पहले को दोहरा रहा है, कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: "झूठा साक्षी निर्दोष नहीं ठहरता, हाँ, जो झूठ बोला करता है, वह नाश होता है"

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 19:9 (#2)

"झूठा साक्षी निर्दोष नहीं ठहरता"

देखें कि आपने 19:5 में इस उपवाक्य का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: कटाक्षपूर्ण उक्ति

नीतिवचन 19:9 (#3)

"और जो झूठ बोला करता है"

देखें कि आपने 6:19 और 19:5 में **झूठ बोला करता है** का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 19:10 (#1)

תַּעֲנֻג

"सुख"

यदि आपकी भाषा में **सुख** के विचार के लिये कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या सुखभोगी है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 19:10 (#2)

"मूर्ख को"

देखें कि आपने 10:18 में **मूर्ख** का और 11:29 में **दास** का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 19:10 (#3)

אַ֣ף כִּי־לְעֶ֭בֶד

"दास का ... कैसे फबे"

सुलैमान कुछ ऐसे शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्यांश को पूर्ण बनाने के लिये आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप इन शब्दों को पहले वाक्य के भाग से जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तो फिर ... दास का ... नहीं फबता है"

देखें: पदलोप

नीतिवचन 19:11 (#1)

"बुद्धि" - "अपराध" - "उसको शोभा"

देखें कि आपने 1:3 में **विवेक,** 4:9 में **शोभा** और 10:19 में **अपराध** भाववाचक संज्ञाओं का अनुवाद कैसे किया हैं।

नीतिवचन 19:11 (#2)

אָדָ֣ם & אַפּ֑וֹ וְ֝תִפְאַרְתּ֗וֹ

"जो मनुष्य" - "वह ... क्रोध" - "उसको शोभा"

मूल भाषा में यहाँ मनुष्य के स्थान पर पुरुष का उपयोग किया गया है। यद्यपि **मनुष्य** और **उसको** पुल्लिंग शब्द हैं, सुलैमान इन शब्दों का उपयोग एक सामान्य अर्थ में कर रहे हैं जो पुरुषों और स्त्रियों दोनों को शामिल करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप ऐसे वाक्यांशों का उपयोग कर सकते हैं जो इसे स्पष्ट करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक व्यक्ति ... उस व्यक्ति का क्रोध ... और उस व्यक्ति को शोभा"

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 19:11 (#3)

"वह विलम्ब से क्रोध करता है (अपनी नाक लम्बी करता है)"

मूल भाषा में यहाँ "अपनी नाक लम्बी करता है" मुहावरे का प्रयोग किया गया है, जबकि हिन्दी बाइबल में सीधे इसका अर्थ लिखा गया है। यहाँ सुलैमान शीघ्र क्रोधित न होने को इस प्रकार व्यक्त कर रहे हैं मानो किसी व्यक्ति की नाक लम्बी हो गई हो। यहाँ **नाक** का अर्थ "क्रोध" का सूचक है, क्योंकि क्रोधित व्यक्ति प्रायः **नाक** से तेज साँस लेता है। आपकी भाषा और संस्कृति में भी क्रोध को शरीर के किसी विशेष अंग से जोड़ा जाता हो तो आप अनुवाद में उस अंग से जुड़ी कोई अभिव्यक्ति प्रयोग कर सकते हैं। आप सरल भाषा का भी उपयोग कर सकते हैं। देखें कि आपने 14:29 में "विलम्ब से क्रोध" के समान अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जिससे वह आसानी से अपना गुस्सा नहीं निकाल पाते" या "कलेजा ठंडा रखना"

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 19:11 (#4)

עֲבֹ֥ר עַל

"को भुलाना (पार करना)"

मूल भाषा में “पार करना” वाक्यांश का प्रयोग किया गया है, जबकि हिन्दी बाइबल में यहाँ “भुलाना” शब्द का उपयोग किया गया है। यहाँ सुलैमान किसी व्यक्ति के **अपराध** को अनदेखा करने या क्षमा करने का उल्लेख इस प्रकार कर रहे हैं जैसे वह व्यक्ति उसको **पार कर** रहा हो। यदि आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “को अनदेखा करना” या “को क्षमा करना”

देखें: रूपक

नीतिवचन 19:11 (#5)

פָּשַׁע

“अपराध”

यहाँ **अपराध** शब्द किसी एक विशेष अपराध के लिये नहीं, बल्कि सामान्य रूप से सभी प्रकार के अपराधों का प्रतिनिधित्व करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी अपराध”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 19:11 (#6)

פָּשַׁע

“अपराध”

यहाँ सुलैमान का तात्पर्य यह हैं कि यह एक ऐसा **अपराध** है जो किसी व्यक्ति ने उसके विरुद्ध किया है जो उसे **भुला** देता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक अपराध जो किसी ने उनके विरुद्ध किया”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 19:12 (#1)

“का क्रोध” - “उसकी प्रसन्नता”

देखें कि आपने 11:23 में **क्रोध** और 3:4 में **प्रसन्नता** (अनुग्रह) जैसी भाववाचक संज्ञाओं का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 19:12 (#2)

כַּכְּפִיר & מֶלֶךְ & רִצּוֹנוֹ

“राजा” - “सिंह ... के समान है,”

यहाँ **राजा**, **सिंह**, और **उसकी** शब्द किसी एक विशेष **राजा** या **सिंह** के लिये नहीं, बल्कि सामान्य रूप से राजाओं और सिंहों को सन्दर्भित करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “किसी भी राजा ... किसी भी सिंह ... के समान है ... उस राजा की प्रसन्नता”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 19:12 (#3)

נַנֵּהַם כַּכְּפִיר

“सिंह की गर्जन के समान है”

सुलैमान कुछ शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूर्ण करने के लिये आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट हो, तो आप इन शब्दों को वाक्य के पहले भाग से जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “सिंह की गर्जन के समान गर्जना है”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 19:12 (#4)

נַנֵּהַם כַּכְּפִיר

“सिंह की गर्जन के समान है”

सुलैमान कह रहे हैं कि **राजा का क्रोध सिंह की गर्जन** के समान है क्योंकि दोनों ही लोगों को डराते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “सिंह की गर्जन के समान डरावना है”

देखें: उपमा

नीतिवचन 19:12 (#5)

וּכְטַל עַל־עֵשֶׂב רִצּוֹנוֹ

“परन्तु उसकी प्रसन्नता घास पर की ओस के तुल्य होती है”

सुलैमान कह रहे हैं कि राजा की **प्रसन्नता घास पर की ओस** के तुल्य है क्योंकि दोनों ही ताजगी प्रदान करती हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उनकी प्रसन्नता घास पर की ओस के समान ताजगी प्रदान करती है”

देखें: उपमा

नीतिवचन 19:13 (#1)

לְאָבִיו בֵּבֶן כְּסִיל

“मूर्ख पुत्र” - “(उसके) पिता के लिये”

मूल भाषा में “उसके” शब्द का प्रयोग किया गया है, जो एक सर्वनाम को दर्शाता है। जबकि हिन्दी बाइबल में इस शब्द को छोड़ दिया गया है। यद्यपि **पुत्र** और **उसके** शब्द पुल्लिंग हैं, सुलैमान इन शब्दों का उपयोग एक सामान्य अर्थ में कर रहे हैं जो कि एक बालक या बालिका दोनों को सन्दर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप ऐसे वाक्यांशों का उपयोग कर सकते हैं जो इसे स्पष्ट करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक मूर्ख सन्तान ... उस सन्तान के पिता के लिये”

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 19:13 (#2)

“पिता के लिये विपत्ति है”

यहाँ सुलैमान एक **मूर्ख पुत्र** का उल्लेख कर रहे हैं जो अपने **पिता** का जीवन ऐसे उजाड़ रहा है मानो वह उसके पिता की **विपत्ति** हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अपने पिता को नाश करता है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 19:13 (#3)

וְדֶלֶף טֹרְדִנֵּי אִשָּׁה

“और झगड़ालू पत्नी सदा टपकने वाले जल के समान हैं”

मूल भाषा में कुछ शब्दों को छोड़ दिया गया है, जबकि हिन्दी बाइबल में वाक्य पूरा लिखा गया है। सुलैमान एक ऐसे शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्यांश को पूर्ण करने के लिये आवश्यक होता है। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप इस शब्द को सन्दर्भ से जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और पत्नी के झगड़े निरन्तर टपकने वाले जल के समान हैं”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 19:13 (#4)

וְדֶלֶף טֹטֹרִֽים

“सदा टपकने वाले जल”

यहाँ सुलैमान **झगड़ालू पत्नी** के विषय में बात करते हैं, जो सदा **टपकने वाले** जल के समान कष्टप्रद होती हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे या एक उपमा का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और कष्ट देनेवाले” या “और सदा टपकने वाले जल जितना कष्टप्रद”

देखें: रूपक

नीतिवचन 19:13 (#5)

“झगड़ालू”

देखें कि आपने 6:14 में **झगड़ा** जैसी भाववाचक संज्ञा का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 19:13 (#6)

“झगड़ालू (झगड़े करनेवाली) पत्नी”

मूल भाषा में यहाँ “झगड़े” शब्द का प्रयोग किया गया है जो एक संज्ञा को दर्शाता है। जबकि हिन्दी बाइबल में झगड़ालू शब्द का उपयोग किया गया है जो एक विशेषण को दर्शाता है। यहाँ **झगड़े** का अर्थ हो सकता है: (1) **पत्नी** और उसके पति के बीच होने वाले **झगड़े**। वैकल्पिक अनुवाद: “एक पत्नी का उसके पति के साथ झगड़ा” (2) **पत्नी** और दूसरों के बीच सामान्य रूप से होने वाले **झगड़े**। वैकल्पिक अनुवाद: “एक पत्नी का अन्य लोगों के साथ झगड़ा”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 19:13 (#7)

“पत्नी”

देखें कि आपने 18:22 में **पत्नी** का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 19:14 (#1)

בַּבַּ֥יִת וָהוֹן֮ נַחֲלַ֣ת אָבוֹת֒ & אִשָּׁ֣ה מַשְׂכֶּ֑לֶת

“घर और धन पुरखाओं के भाग से,”

घर, **धन**, और **पत्नी** यहाँ किसी विशेष वस्तु या व्यक्ति को नहीं, बल्कि सामान्य रूप से इन वस्तुओं और व्यक्तियों को सन्दर्भित करता हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “घर और धन पुरखाओं के भाग से होते हैं ... बुद्धिमती पत्नियाँ ... मिलती है”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 19:14 (#2)

“के भाग से” - “बुद्धिमती”

देखें कि आपने 17:2 में **भाग** और 1:3 में **बुद्धिमती** जैसे भाववाचक संज्ञाओं का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 19:15 (#1)

עַצְלָה֙ תַּפִּ֣יל תַּרְדֵּמָ֔ה

“आलस से भारी नींद आ जाती है”

यहाँ सुलैमान एक आलसी व्यक्ति के गहरी नींद में सोने की बात करते हैं, जैसे कि **आलस** से उस व्यक्ति को **भारी नींद आ जाती है**। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “आलस्य किसी व्यक्ति को गहरी नींद सुला देता है” या “एक आलसी व्यक्ति गहरी नींद में सोता है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 19:15 (#2)

“और जो प्राणी ढिलाई से काम करता, वह भूखा ही रहता है”

यहाँ **और** यह दर्शाता है कि जो आगे कहा गया है, वह पिछले वाक्यांश में बताए गए **आलस** से लाई गई **भारी नींद** का परिणाम है। परिणाम को इंगित करने के लिये अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीके का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: “और ढिलाई से काम करना जीवन का परिणाम भूखा रहना होता है”

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

नीतिवचन 19:15 (#3)

עַצְלָה֙ & רְמִיָּ֔ה

“आलस” - “ढिलाई”

यदि आपकी भाषा **आलस** और **ढिलाई** के विचारों के लिये भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं करती है, तो आप इन्हीं विचारों को अन्य तरीकों से व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने 10:4 में **ढिलाई** का अनुवाद कैसे किया हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “आलसी होना ... निरर्थक होना”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 19:15 (#4)

וְנֶ֥פֶשׁ רְמִיָּ֖ה

“और जो प्राणी ढिलाई से काम करता”

यहाँ सुलैमान **ढिलाई** से भरे **प्राणी** का वर्णन करने के लिये अधिकारवाचक का प्रयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा इसके लिये अधिकारवाचक का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग

अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और जो निरर्थक प्राणी”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 19:15 (#5)

“और जो प्राणी”

यहाँ **प्राणी** स्वयं व्यक्ति को सन्दर्भित करता है। देखें कि आपने 8:36 में **प्राणी** के उसी उपयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 19:16 (#1)

שֹׁמֵר מִצְוָה שֹׁמֵר נַפְשׁוֹ בּוֹזֵה דְרָכָיו

“जो आज्ञा को मानता, वह अपने प्राण की रक्षा करता है;”

जो ... मानता, **आज्ञा**, **अपने**, और **जो ... निश्चिन्त रहता है**, ये सभी शब्द यहाँ किसी विशेष व्यक्ति या वस्तु को सन्दर्भित नहीं करते, बल्कि सामान्य रूप से कोई भी लोगों और बातों को सन्दर्भित करता हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो आज्ञा को मानते हैं, वे अपने प्राणों को बचाते हैं, जो अपने चाल चलन के विषय में निश्चिन्त रहते हैं”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 19:16 (#2)

“आज्ञा”

देखें कि आपने 6:20 में **आज्ञा** जैसी भाववाचक संज्ञा का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 19:16 (#3)

“अपने प्राण की रक्षा करता है”

देखें कि आपने 13:3 में इस वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: रूपक

नीतिवचन 19:16 (#4)

בּוֹזֵה דְרָכָיו יָמוּת

“जो अपने चाल चलन के विषय में निश्चिन्त रहता है, वह मर जाता है”

इस उपवाक्य की विषयवस्तु पिछले वचन के विषयवस्तु के साथ तीव्र विरोध में है। अपनी भाषा में विरोध प्रकट करने का सबसे स्वाभाविक तरीका प्रयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: “इसके विपरीत, जो अपने चाल चलन के विषय में निश्चिन्त रहता है, वह मर जाता है”

देखें: जोड़ें — विरोधाभास सम्बन्ध

नीतिवचन 19:16 (#5)

“अपने चाल चलन”

देखें कि आपने 3:6 में **चाल चलन** के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: रूपक

नीतिवचन 19:17 (#1)

חוֹנֵן דָּל וּגְמֻלוֹ יְשַׁלֶּם־לוֹ

“जो कंगाल पर अनुग्रह करता है” - “और वह अपने इस काम का प्रतिफल पाएगा”

जो ... अनुग्रह करता है, **कंगाल**, **वह**, और **अपने** ये सभी शब्द यहाँ किसी विशेष व्यक्ति को नहीं, बल्कि सामान्य प्रकार के लोगों को सन्दर्भित करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी व्यक्ति जो कंगाल पर अनुग्रह करता है ... और उस अनुग्रहकारी व्यक्ति के काम का प्रतिफल उस व्यक्ति को देगा”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 19:17 (#2)

“कंगाल”

देखें कि आपने 10:15 में **कंगाल** का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: रूपक

नीतिवचन 19:17 (#3)

מַלְוֵה יְהוָה

“यहोवा को उधार देता है”

यहाँ सुलैमान उस व्यक्ति के विषय में बात करते हैं जो ऐसा काम करता है जिसके लिये यहोवा उस व्यक्ति को प्रतिफल देंगे, मानो कि वह व्यक्ति **यहोवा** को रुपए **उधार देता हैं** जिसका **वह प्रतिफल पाएगा**। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त या एक उपमा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “ऐसा काम करता है जिसके लिये यहोवा प्रतिफल देंगें” या “वह यहोवा को उधार देने के समान है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 19:17 (#4)

וּגְמֻלוֹ

“और ... अपने इस काम”

यहाँ **काम** उस कार्य को सन्दर्भित करता है जो व्यक्ति ने **कंगाल पर अनुग्रह** दिखाने के लिये किया। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और अपने अनुग्रहकारी काम”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 19:17 (#5)

יְשַׁלֶּם־לוֹ

“ वह अपने ... प्रतिफल पाएगा”

यहाँ सुलैमान यहोवा के बारे में बात करते हैं कि वह किसी **कंगाल पर अनुग्रह करने वाले** को प्रतिफल देंगें, मानो यहोवा उनका कर्ज चुका रहा हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह उनके ... के लिये प्रतिफल देगा"

देखें: रूपक

नीतिवचन 19:18 (#1)

בִּבְנֶךָ & הֲמִיתֹתוֹ

"अपने पुत्र" - "उसको मार ... डाल"

यद्यपि **पुत्र** और **उसको** शब्द पुल्लिंग हैं, सुलैमान इन शब्दों का उपयोग एक सामान्य अर्थ में कर रहे हैं जो बालक या बालिका को सन्दर्भित कर सकते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप ऐसे वाक्यांशों का उपयोग कर सकते हैं जो इसे स्पष्ट करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अपनी सन्तान ... वह सन्तान को मार ... डाल"

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 19:18 (#2)

כִּי־יֵשׁ תִּקְוָה

"जब तक आशा है"

यहाँ **जब तक आशा है** वाक्यांश उस समय को सन्दर्भित करता है जब कोई बालक अब भी अपने माता-पिता से अनुशासन स्वीकार करने को तैयार होता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब तक उसे अभी भी सिखाया जा सकता है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 19:18 (#3)

וְאֶל־הֲמִיתֹתוֹ אַל־תִּשָּׂא נַפְשֶׁךָ

"जान बूझकर उसको मार न डाल"

मूल भाषा में यहाँ **अपना प्राण न ऊँचा करना** मुहावरे का उपयोग किया गया है, जिसका अर्थ कुछ करने का दृढ़ निश्चय करना है। हिंदी अनुवाद में **जान बूझकर** वाक्यांश का उपयोग किया गया है। यदि आपकी भाषा में इस वाक्यांश का यही अर्थ नहीं निकलता, तो आप अपनी भाषा का ऐसा मुहावरा प्रयोग कर सकते हैं जिसका यह अर्थ हो, या फिर इस अर्थ को सरल शब्दों में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और उसे मृत्यु देने का मन न बनाओ" या "और उसे मृत्यु देने का दृढ़ निश्चय न करो"

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 19:19 (#1)

גְּדֹל־חֵמָה

"जो बड़ा क्रोधी है"

जो बड़ा क्रोधी है यहाँ किसी विशेष व्यक्ति को नहीं, बल्कि सामान्य रूप से एक प्रकार के व्यक्ति का प्रतिनिधित्व करती है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी व्यक्ति जो बड़ा क्रोधी है"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 19:19 (#2)

גְּדֹל־חֵמָה

"जो बड़ा क्रोधी (गर्म) है"

मूल भाषा में यहाँ "गर्म" शब्द का प्रयोग किया गया है, जबकि हिन्दी बाइबल में यहाँ इसका सीधे अर्थ "क्रोध" के रूप में लिखा है। **जो बड़ा क्रोधी (गर्म) है** का अर्थ कोई व्यक्ति जो अत्यधिक क्रोधित है। यहाँ **गर्म** का अर्थ क्रोध है, जो क्रोधित व्यक्ति के शरीर को गर्म कर देता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने 6:34 में क्रोधित के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "एक अत्यधिक क्रोधित व्यक्ति"

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 19:19 (#3)

נַנְשֵׂא עֹנֶשׁ

"उसे दण्ड उठाने दे"

यहाँ सुलैमान एक व्यक्ति के विषय में बात करते हैं जो क्रोधित होने पर उसके परिणामों का अनुभव करता है, जैसे कि वे परिणाम एक **दण्ड** हों जिसे वह **उठाता है**। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परिणाम सहना पड़ेगा"

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 19:19 (#4)

עֹנֶשׁ

"दण्ड"

यहाँ सुलैमान का तात्पर्य यह है कि यह **दण्ड** किसी बहुत क्रोधित व्यक्ति द्वारा किए गए बुरे काम के लिये है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके क्रोध में किए गए काम के लिये दण्ड"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 19:19 (#5)

אִם־תַּצִּיל

"यदि तू ... बचाए"

सुलैमान कुछ ऐसे शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में किसी उपवाक्य को पूर्ण बनाने के लिये आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों को जोड़े सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि आप उन्हें दण्ड भरने से बचाते हैं" या "यदि आप उन्हें संकट से बचाते हैं"

देखें: पदलोप

नीतिवचन 19:20 (#1)

"सम्मति" - "शिक्षा"

देखें कि आपने 1:25 में **सम्मति** को और 1:2 में **शिक्षा** जैसी भाववाचक संज्ञाओं का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 19:20 (#2)

לְלִמְּדֶךָ תְּחְכַּם

“ताकि तू ... बुद्धिमान ठहरे”

यहाँ **ताकि** यह दर्शाता है कि आगे जो कहा गया है, वह पिछले उपवाक्य में आज्ञाओं का पालन करने का उद्देश्य है। अपनी भाषा में उद्देश्य प्रगट करने का सबसे स्वाभाविक तरीका प्रयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: “बुद्धिमान बनने के उद्देश्य से”

देखें: जोड़ें – लक्ष्य (उद्देश्य) सम्बन्ध

नीतिवचन 19:20 (#3)

בְּאַחֲרִיתֶךָ

“अपने अन्तकाल में”

यह सन्दर्भित कर सकता है: (1) किसी के जीवन के **अन्तकाल** के निकट का समय। वैकल्पिक अनुवाद: “जब आपका जीवन लगभग समाप्त होने वाला हो” (2) भविष्य में एक समय। वैकल्पिक अनुवाद: “भविष्य में” या “अन्ततः”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 19:21 (#1)

מַחֲשָׁבוֹת בְּלֵב

“मन में बहुत सी कल्पनाएँ होती हैं”

यहाँ सुलैमान **कल्पनाएँ** के विषय में बात करते हैं जिन्हें कोई व्यक्ति ऐसे सोचता है जैसे वे वस्तुएँ उस व्यक्ति के **मन में** स्थित हों। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने 2:2 में मन के उसी उपयोग का अनुवाद कैसे किया हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वे कल्पनाएँ जिनके विषय में सोचा गया है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 19:21 (#2)

אִאִישׁ

“मनुष्य”

मूल भाषा में यहाँ **पुरुष** शब्द का उपयोग किया गया है। यद्यपि **पुरुष** शब्द पुल्लिंग है, यहाँ यह किसी भी व्यक्ति को सन्दर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक व्यक्ति”

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 19:21 (#3)

וַעֲצַת יְהוָה

“परन्तु जो युक्ति यहोवा करता है”

मूल भाषा में यहाँ “यहोवा की युक्ति” वाक्यांश का प्रयोग किया गया है, जो एक अधिकारवाचक को दर्शाता है। जबकि हिन्दी बाइबल में इसे अलग अभिव्यक्ति के साथ लिखा गया है। यहाँ सुलैमान **युक्ति** का वर्णन करने के लिये अधिकारवाचक का उपयोग कर रहे हैं जो **यहोवा** देते हैं। यदि आपकी भाषा इसके लिये अधिकारवाचक का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “परन्तु जो युक्ति यहोवा देते हैं”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 19:21 (#4)

וַעֲצַת

“परन्तु जो युक्ति”

देखें कि आपने पिछले वचन में भाववाचक संज्ञा **युक्ति** का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 19:21 (#5)

הִהְיֹא תָקוּם

“वही स्थिर रहती है”

यहाँ सुलैमान **युक्ति** का उल्लेख करते हैं जो सफल होती है, जैसे कि यह एक व्यक्ति हो जो **स्थिर** रह सकता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने 15:22 में उसी वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “सफल होगा”

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 19:22 (#1)

תְּאַוַּת אָדָם

“मनुष्य में ... सर्वोत्तम गुण है”

मूल भाषा में यहाँ **पुरुष** शब्द का उपयोग किया गया है। इस वाक्यांश का अर्थ हो सकता है: (1) अन्य लोग **मनुष्य** से क्या चाहते हैं कि वह कैसा हो। वैकल्पिक अनुवाद: “लोग एक मनुष्य में क्या चाहते हैं” या (2) **मनुष्य** अन्य लोगों से क्या चाहता है। वैकल्पिक अनुवाद: “मनुष्य क्या चाहता है”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 19:22 (#2)

אָדָם חַסְדּוֹ & רָאׁשׁ מֵאִישׁ כָּזָב

“मनुष्य में निष्ठा सर्वोत्तम ... है,”

यहाँ **मनुष्य**, **निर्धन जन**, और **झूठ बोलनेवाले** ये सभी विशिष्ट लोगों के लिये नहीं, बल्कि सामान्य प्रकार के लोगों को सन्दर्भित करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “व्यक्ति में निष्ठा, व्यक्ति का सर्वोतम गुण है ... जो निर्धन जन झूठ बोलनेवाले व्यक्ति से”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 19:22 (#3)

“में निष्ठा सर्वोत्तम गुण है”

देखें कि आपने 3:3 में भाववाचक संज्ञा **निष्ठा** का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 19:22 (#4)

מֵאִישׁ כָּזָב

“झूठ बोलनेवाले से”

यहाँ सुलैमान एक **मनुष्य** का वर्णन करने के लिये अधिकारवाचक का उपयोग कर रहे हैं जो **झूठ बोलनेवाले** में जाना जाता है। यदि आपकी भाषा इसके लिये अधिकारवाचक का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “झूठ से पहचाने जानेवाले मनुष्य से” या “झूठे व्यक्ति से”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 19:23 (#1)

“यहोवा का भय”

देखें कि आपने 1:7 में इस वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 19:23 (#2)

“जीवन बढ़ता है”

देखें कि आपने 10:16 में इस वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 19:23 (#3)

“भय माननेवाला” - “उस पर ... नहीं पड़ने की”

यहाँ **भय माननेवाला** और **उस** किसी विशिष्ट व्यक्ति के लिये नहीं, बल्कि सामान्य प्रकार के व्यक्ति को सन्दर्भित करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और कोई भी भय माननेवाला व्यक्ति ... उस व्यक्ति पर ... नहीं पड़ने की”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 19:23 (#4)

“और ... भय माननेवाला”

मूल भाषा में यहाँ संतुष्ट व्यक्ति लिखा गया है जो उस व्यक्ति को सन्दर्भित करता है जो **यहोवा का भय** मानता है। हिंदी अनुवाद में **भय माननेवाला** उपयोग किया गया है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और ऐसा व्यक्ति जो ... भय माननेवाला”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 19:23 (#5)

“ठिकाना पाकर सुखी रहता है”

मूल भाषा में यहाँ **रात को रहेंगे** मुहावरा का प्रयोग किया गया है जो आराम करने या सोने का सन्दर्भ देता है। हिंदी अनुवाद में **ठिकाना पाकर सुखी रहता** मुहावरे का प्रयोग किया गया है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “आराम करेंगे”

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 19:23 (#6)

בַּל־יִפָּקֵד רָע

“उस पर विपत्ति नहीं पड़ने की”

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से जो स्वाभाविक हो, व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उस पर विपत्ति नहीं पड़ेगी”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 19:23 (#7)

בַּל־יִפָּקֵד רָע

“उस पर विपत्ति नहीं पड़ने की”

यहाँ सुलेमान किसी व्यक्ति के **विपत्ति** का अनुभव करने की बात ऐसे कर रहे हैं जैसे **विपत्ति** कोई व्यक्ति हो जो उनके पास आ सकता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह विपत्ति का सामना नहीं करेगा”

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 19:23 (#8)

רָע

“विपत्ति (बुराई)”

मूल भाषा में यहाँ “बुराई” शब्द का प्रयोग किया गया है जबकि हिन्दी बाइबल में “विपत्ति” शब्द का उपयोग किया गया है। यहाँ **बुराई** उस संकट को सन्दर्भित करता है जो कोई **बुराई** के कारण अनुभव कर सकता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “संकट”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 19:24 (#1)

עָצֵל יָדוֹ & גַּם־אֶל־פִּיהוּ לֹא יְשִׁיבֶנָּה

“आलसी” - “अपना हाथ” - “अपने मुँह तक कौर नहीं उठाता”

आलसी, **अपना**, और **अपने** यहाँ किसी विशिष्ट व्यक्ति को नहीं, बल्कि सामान्य प्रकार के व्यक्ति को सन्दर्भित करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। देखें कि आपने 10:26 में यह **आलसी** का अनुवाद कैसे किया हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी आलसी ... उस व्यक्ति का हाथ ... वह व्यक्ति उसे अपने ही मुँह तक कौर नहीं उठाता”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 19:24 (#2)

טָמַן & יָדוֹ בַּצַּלָּחַת

“अपना हाथ थाली में डालता है”

सुलैमान की संस्कृति में लोग सामान्यतः हाथों से भोजन करते थे और भोजन उठाने और खाने के लिये हाथ **थाली में** डालते थे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “भोजन उठाने के लिये अपना हाथ थाली में डालता है”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 19:24 (#3)

גַּם־אֶל־פִּיהוּ לֹא יְשִׁיבֶנָּה

“परन्तु अपने मुँह तक कौर नहीं उठाता”

यहाँ सुलैमान का तात्पर्य यह है कि **आलसी** इतना आलसी होता है कि वह **अपने मुँह तक** भी अपना हाथ नहीं **उठाता**। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह इतना आलसी है कि अपना हाथ अपने मुँह तक लाकर स्वयं को खिला नहीं सकता”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 19:25 (#1)

לֵץ תַּכֶּה

“ठट्ठा करनेवाले को मार”

सुलैमान यह मानते हैं कि उनके पाठक समझेंगे कि **मार** किसी **ठट्ठा करनेवाले** को दण्ड देने का एक तरीका है। यदि आपके पाठकों के लिये सहायक हो, तो इस जानकारी को शामिल किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: “ठट्ठा करनेवाले को मारकर दण्ड देना”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 19:25 (#2)

לֵץ & וּפְתִי & לְנָבוֹן יָבִין

“ठट्ठा करनेवाले ... भोला मनुष्य” - “समझवाले, वह अधिक ज्ञान पाएगा”

यहाँ **ठट्ठा करनेवाले**, **भोला मनुष्य**, **समझवाले**, और **वह** किसी विशिष्ट व्यक्ति की नहीं, बल्कि सामान्य प्रकार के व्यक्तियों को संदर्भित करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। देखें कि आपने 9:7 में **ठट्ठा करनेवाले** का अनुवाद, 14:15 में **भोला मनुष्य** का और 17:10 में **समझवाले** का अनुवाद कैसे किया हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी ठट्ठा करनेवाले और कोई भी भोला मनुष्य ... किसी भी समझवाले को, वह व्यक्ति अधिक ज्ञान पाएगा”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 19:25 (#3)

וּפְתִי יַעְרִים

“इससे भोला मनुष्य समझदार हो जाएगा”

सुलैमान यह मानते हैं कि उनके पाठक समझेंगे कि किसी **ठट्ठा करनेवाले को मार** खाते हुए देखकर **भोला मनुष्य समझदार हो जाएगा**। यदि आपके पाठकों के लिये यह सहायक हो, तो आप यह जानकारी को शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और भोला मनुष्य यह होते हुए देखकर समझदार बन जाएगा”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 19:25 (#4)

“ज्ञान”

देखें कि आपने 1:4 में **ज्ञान** जैसी भाववाचक संज्ञा का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 19:26 (#1)

מְשַׁדֵּד & מֵבִישׁ וּמַחְפִּיר

“जो पुत्र ... उजाड़ता” - “वह अपमान और लज्जा का कारण होगा”

यदि आपकी भाषा **उजाड़ता**, **अपमान**, और **लज्जा** के विचारों के लिये भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं करती है, तो आप इन्हीं विचारों को अन्य तरीकों से व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने 3:31 में **हिंसा** और 6:33 में **अपमान** का अनुवाद कैसे किया हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो उपद्रवी है ... जो अपमान और लज्जित करता है”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 19:26 (#2)

מְשַׁדֵּד

“जो पुत्र अपने बाप को उजाड़ता”

जो पुत्र ... उजाड़ता यहाँ किसी विशिष्ट व्यक्ति के लिये नहीं, बल्कि इस प्रकार के सामान्य व्यक्ति को सन्दर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी व्यक्ति जो ... उजाड़ता”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 19:26 (#3)

אָב & אֵם

“बाप को,” - “माँ”

सुलैमान का यहाँ **बाप** और **माँ** से तात्पर्य **जो पुत्र ... उजाड़ता** है, उसके **बाप** और **माँ** को सन्दर्भित करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उसके बाप को ... उसकी माँ” या “उस व्यक्ति के बाप को ... उस व्यक्ति की माँ”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 19:26 (#4)

בֵּן

“पुत्र”

यद्यपि **पुत्र** शब्द पुल्लिंग है, सुलैमान इन शब्दों का उपयोग एक सामान्य अर्थ में कर रहे हैं जो कि बालक या बालिका दोनों को सन्दर्भित कर सकता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक ऐसा वाक्यांश उपयोग कर सकते हैं जो इसे स्पष्ट करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "सन्तान"

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 19:27 (#1)

"हे मेरे पुत्र"

देखें कि आपने 1:8 में इस वाक्यांश का समान उपयोग, अनुवाद में कैसे किया हैं।

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 19:27 (#2)

לִלְשָׁגֹּות מֵאִמְרֵי־דָעַת

"शिक्षा को सुनना छोड़ दे"

यहाँ सुलैमान व्यंग का उपयोग कर रहे हैं। ऐसा करके, सुलैमान वास्तव में अपने शब्दों के शाब्दिक अर्थ के विपरीत बात को संप्रेषित करना चाहते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "शिक्षा को सुनना न छोड़"

देखें: व्यंग

नीतिवचन 19:27 (#3)

"शिक्षा"

देखें कि आपने 1:2 में **शिक्षा** का और 1:4 में **ज्ञान** जैसी भाववाचक संज्ञा का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 19:27 (#4)

"तो ... भटक जाएगा"

यहाँ **तो** यह इंगित करता है कि जो बात आगे कही गई है, वह पिछले उपवाक्य में बताए गए कार्य का परिणाम है। अपनी भाषा में परिणाम को इंगित करने का सबसे स्वाभाविक तरीका प्रयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "फलस्वरूप आप भटक जाते हैं"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

नीतिवचन 19:27 (#5)

"ज्ञान की बातों से भटक जाएगा"

यहाँ सुलैमान एक व्यक्ति का उल्लेख कर रहे हैं जो **ज्ञान की बातों** को सुनना बंद कर देता है जिन्हें वह जानता है, मानो वह उन **बातों** से भटक जाएगा। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ज्ञान की बातों को स्वीकार करना बंद करेगा"

देखें: रूपक

नीतिवचन 19:27 (#6)

מֵאִמְרֵי־דָעַת

"ज्ञान की बातों से"

यहाँ सुलैमान **बातों** का वर्णन करने के लिये अधिकारवाचक का उपयोग कर रहे हैं, जो **ज्ञान** द्वारा विशेषीकृत हैं। यदि आपकी भाषा इसके लिये अधिकारवाचक का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ज्ञानपूर्ण बातों से"

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 19:27 (#7)

"की बातों से"

देखें कि आपने 1:23 में **बातों** शब्द का समान उपयोग, अनुवाद में कैसे किया हैं।

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) सम्बन्ध

नीतिवचन 19:28 (#1)

עֵד בְּלִיַּעַל & וּפִי רְשָׁעִים יְבַלַּע

"अधर्मी साक्षी" - "और दुष्ट लोग (का मुँह) ... निगल लेते हैं"

मूल भाषा में यहाँ "**दुष्ट लोग का मुँह** वाक्यांश का प्रयोग किया गया है जबकि हिन्दी बाइबल में इस शब्द को छोड़ दिया गया है। **अधर्मी साक्षी** और **दुष्ट लोग** यहाँ किसी विशिष्ट **साक्षी** या व्यक्ति का **मुँह** की नहीं, बल्कि सामान्य प्रकार के लोगों और मुँह को सन्दर्भित करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "किसी भी अधर्मी साक्षी ... और दुष्टों के मुँह ... निगल लेते हैं"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 19:28 (#2)

עֵד בְּלִיַּעַל

"अधर्मी साक्षी (अधर्म का साक्षी)"

मूल भाषा में यहाँ "अधर्म का साक्षी" वाक्यांश प्रयोग किया गया है, जो एक अधिकारवाचक रूप को दिखाता है। जबकि हिन्दी बाइबल में यहाँ एक अलग अभिव्यक्ति के साथ लिखा गया है। यहाँ सुलैमान एक **साक्षी** का वर्णन करने के लिये अधिकारवाचक का उपयोग कर रहे हैं, जिसे **अधर्म** द्वारा विशेषीकृत किया गया है। यदि आपकी भाषा में इसके लिये अधिकारवाचक का उपयोग नहीं होता है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अधर्म का साक्षी"

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 19:28 (#3)

"अधर्मी" - "न्याय"

देखें कि आपने 6:12 में **अधर्मी** और **अनर्थ काम** और 1:3 में **न्याय** जैसे भाववाचक संज्ञाओं का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 19:28 (#4)

וּפִ֥י רְׇשָׁעִ֖ים יְבַלַּ֥ע־אָֽוֶן

“और दुष्ट लोग अनर्थ काम निगल लेते हैं”

यहाँ सुलैमान **दुष्ट लोग** के **अनर्थ काम** करने में आनन्द लेने की बात ऐसे करते हैं मानो **अनर्थ काम** कोई स्वादिष्ट भोजन हो जिसे वे अपने मुँह से निगलते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं या एक उपमा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “दुष्ट लोग अनर्थ काम का आनन्द लेते हैं” या “दुष्ट लोग अनर्थ काम करने में उतना ही आनन्द लेते हैं जितना स्वादिष्ट भोजन खाने में”

देखें: रूपक

नीतिवचन 19:29 (#1)

נָכֹנוּ לַלֵּצִ֥ים שְׁפָטִ֖ים

“ठट्ठा करनेवालों के लिये दण्ड ठहराया जाता है”

यदि आपकी भाषा में **दण्ड** के विचार के लिये एक भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं होता है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यहोवा ठट्ठा करनेवालों का न्याय करने के लिये तैयार हैं”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 19:29 (#2)

וּמַהֲלֻמ֑וֹת

“और ... कोड़े हैं”

सुलैमान कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक उपवाक्य को पूर्ण करने के लिये आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इन शब्दों को पिछले उपवाक्य से जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और ... कोड़े ठहराया जाता हैं”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 19:29 (#3)

לְגֵ֥ו

“की पीठ के लिये”

पीठ शब्द यहाँ किसी विशिष्ट व्यक्ति की **पीठ** नहीं बल्कि सामान्य रूप से **मूर्खों** की पीठ का प्रतिनिधित्व करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मूर्ख लोगों की पीठ के लिये”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 20:1 (#1)

“दाखमधु ठट्ठा करनेवाला”

इसका मतलब हो सकता है: (1) जो लोग बहुत अधिक **दाखमधु** पीते हैं, उनके बारे में ऐसा कहा जाता है जैसे वे स्वयं **दाखमधु** हों। वैकल्पिक अनुवाद: “जो कोई भी बहुत अधिक दाखमधु पीते हैं, वे ठट्ठा के पात्र बनते हैं” (2) जो लोग बहुत अधिक **दाखमधु** पीते हैं, वे मूर्खतापूर्ण व्यवहार करते हैं, जिससे अन्य लोग उनका उपहास करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो कोई बहुत अधिक दाखमधु पीते हैं, उनका अन्य लोग उपहास करते हैं।”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 20:1 (#2)

“मदिरा हल्ला मचानेवाली है”

यहाँ सुलैमान उन लोगों की बात करते हैं जो अत्यधिक **मदिरा** का सेवन करते हैं, मानो वे स्वयं **मदिरा** हों। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो कोई भी अत्यधिक मदिरा का सेवन करता है, वह हल्ला मचानेवाला हो जाता है”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 20:1 (#3)

שֹׁגֶ֑ה

“जो कोई उसके कारण चूक करता है,”

यहाँ, **चूक करता** से अभिप्राय उस व्यक्ति से है जो मद्यपान के कारण **चूक करता** (लड़खड़ाता) है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो नशे में लड़खड़ाता है”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 20:1 (#4)

בֹּ֥ו

“उसके कारण”

यहाँ, **उसके** पिछले वाक्य में उल्लेखित **दखमधु** और **मदिरा** दोनों को संदर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अधिक मात्रा में मदिरा का सेवन करने से”

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

नीतिवचन 20:1 (#5)

לֹ֥א יֶחְכָּֽם

“वह बुद्धिमान नहीं।”

सुलैमान यहाँ एक अलंकार का प्रयोग कर रहे हैं जिसमें एक सकारात्मक बात को ज़ोर देकर व्यक्त करने के लिए **नहीं** जैसे नकारात्मक शब्द का उपयोग उस अभिव्यक्ति के साथ किया गया है जो वास्तविक अर्थ के विपरीत होती है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप सीधे सकारात्मक अर्थ को व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “बहुत मूर्ख है”

देखें: (लाइटोटीज़) कटाक्षपूर्ण उक्ति

नीतिवचन 20:2 (#1)

“क्रोध”

10:24 में देखें कि आपने **क्रोध** जैसी भाववाचक संज्ञा का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 20:2 (#2)

כַּכְּפִיר & מֶלֶךְ מִמְּתְעַבְּרוֹ חוֹטֵא נַפְשׁוֹ

“”राजा का“ - “जवान सिंह के गर्जन समान;”

यहाँ, **राजा का**, **जवान सिंह**, **जो उसको रोष दिलाता है**, **उसको** इन सभी शब्दों का प्रयोग किसी विशेष व्यक्ति या विशेष सिंह के लिए नहीं, बल्कि सामान्य प्रकार के लोगों और जवान सिंहों के लिए किया गया है। यदि आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति उपयोगी हो, तो आप ऐसे शब्दों का प्रयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी राजा ... किसी भी जवान सिंह की तरह ... जो कोई भी उस राजा को क्रोधित करता है वह अपने जीवन को खो देता है”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 20:2 (#3)

“जवान सिंह के गर्जन समान है”

19:12 में देखें कि आपने इसी अभिव्यक्ति का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: उपमा

नीतिवचन 20:2 (#4)

חוֹטֵא נַפְשׁוֹ

“वह अपना प्राण खो देता है”

यहाँ, सुलैमान **प्राण खो देता है** वाक्यांश के द्वारा किसी के अपने मृत्यु का कारण बनने को शिष्टता से व्यक्त कर रहे हैं।। यदि आपकी भाषा में यह अधिक विनम्र तरीके से व्यक्त करना उपयोगी हो, तो आप इसे इस तरह से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अपना अंत लाएगा” या “स्वयं को मार डालेगा”

देखें: मंगल भाषण

नीतिवचन 20:3 (#1)

כָּבוֹד & שְׁשָׁבֶת מֵרִיב

“मुकद्दमे से हाथ उठाना, पुरुष की महिमा ठहरती है;”

यदि आपकी भाषा में **मुकद्दमे**, **हाथ उठाना** और **झगड़ने** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप इन्हीं विचारों को अन्य तरीकों से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “झगड़े से पीछे हट जाना, मनुष्य के लिए सम्माननीय ठहरता है;”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 20:3 (#2)

לְאִישׁ

“पुरुष की”

पुरुष शब्द यहाँ एक विशेष व्यक्ति के लिए नहीं, बल्कि सामान्य रूप से लोगों के लिए प्रयोग किया गया। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप एक अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “व्यक्ति की”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 20:3 (#3)

יִתְגַּלָּע

“झगड़ने को तैयार होते हैं”

यहाँ सुलैमान एक **मूर्ख** की बात कर रहे हैं जो उत्सुकता से बहस शुरू करता है जैसे कि वह **झगड़ने को तैयार** हो। यदि आपकी भाषा में यह मददगार हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “हर मूर्ख उत्सुकता से झगड़े में पड़ जाता है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 20:4 (#1)

עָצֵל & וְשָׁאַל

“आलसी मनुष्य” - “वह भीख माँगता”

आलसी मनुष्य और **वह** यहाँ किसी विशेष व्यक्ति के लिए नहीं, बल्कि सामान्य रूप से एक प्रकार के व्यक्ति के लिए प्रयुक्त हुए हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी आलसी व्यक्ति ... वह व्यक्ति भीख माँगता है।”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 20:4 (#2)

מֵחֹרֶף

“शीत के करण”

शीत के करण वाक्यांश उस समय को संदर्भित करता है जब सुलैमान के क्षेत्र में लोग अपनी फसलों को उगाने के लिए अपने खेतों को तैयार करते थे। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “हल चलाने के उचित समय के दौरान”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 20:4 (#3)

וְשָׁאַל

“इसलिए कटनी के समय वह भीख माँगता”

मूल भाषा में यहाँ और शब्द उपयोग हुआ हैं जबकि हिन्दी अनुवाद में यहाँ **इसलिए** शब्द का उपयोग हुआ है। यहाँ, **इसलिए** पिछले पद में हुई घटना के परिणाम को प्रस्तुत करता है। अपनी भाषा में परिणाम को व्यक्त करने का सबसे स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। हो सकता है कि आपको एक नए वाक्य की रचना करनी पड़े। वैकल्पिक अनुवाद: “इसका परिणाम यह होता है कि वह भीख माँगने लगता है”

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम का संबंध

नीतिवचन 20:4 (#4)

וְשָׁאַל

“इसलिए कटनी के समय वह भीख माँगता”

यहाँ सुलैमान **आलसी मनुष्य** का उल्लेख कर रहे हैं, जो अपने खेतों में फसल की खोज ऐसे करता है मानो वह खेत से फसल की याचना कर रहा हो। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और वह अपने खेतों में ध्यानपूर्वक फसल ढूँढ़ता है"

देखें: रूपक

नीतिवचन 20:4 (#5)

בַּקָּצִיר

"कटनी के समय"

यहाँ, **कटनी के समय** उस समय को संदर्भित करता है जब किसान अपने फसल की **कटनी** काटते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उस समय के दौरान जब किसान फसल काटते हैं।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 20:4 (#6)

וְאָיִן

"और कुछ नहीं पाता"

यहाँ सुलैमान यह संकेत करते हैं कि **कटनी के समय आलसी मनुष्य** के पास काटने के लिए **कुछ नहीं** होता। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परन्तु उनके पास फसल काटने के लिए कुछ भी नहीं होता"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 20:5 (#1)

"युक्ति"

1:25 में देखें कि आपने **युक्ति** जैसी भाववाचक संज्ञा का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 20:5 (#2)

"के मन की"

2:2 में देखें कि आपने **मन** के समान उपयोग का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 20:5 (#3)

אִישׁ וְאִישׁ

"मनुष्य" - "मनुष्य उसको"

मूल भाषा में यहाँ पुरुष शब्द का उपयोग किया गया है, जिससे हिन्दी अनुवाद में सामान्य शब्द **मनुष्य** से स्थानांतरित किया गया है। हालाँकि **मनुष्य (पुरुष)** शब्द पुल्लिंग है, सुलैमान इस शब्द का उपयोग एक सामान्य अर्थ में कर रहे हैं जिसमें पुरुष और महिलाएँ दोनों शामिल हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप एक ऐसा वाक्यांश उपयोग कर सकते हैं जो इसे स्पष्ट करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "व्यक्ति ... और व्यक्ति उनको"

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 20:5 (#4)

מַמַּיִם עֲמֻקִּים & יִדְלֶנָּה

""अथाह तो है"

मूल भाषा में यहाँ गहरे जल वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी अनुवाद में **अथाह** शब्द का उपयोग हुआ है, जो बहुत गहराई को संदर्भित करता है। यहाँ सुलैमान यह बताते हैं कि किसी व्यक्ति की **युक्ति** को समझना कितना कठिन होता है, मानो वह **अथाह** कुएँ (सागर) से पानी **निकालने** के बराबर हो। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे या एक उपमा का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "समझना कठिन है ... इसे समझ सकता है" या "गहरे पानी की तरह कठिन है ... इसे निकाल सकता है"

देखें: रूपक

नीतिवचन 20:5 (#5)

"तो भी समझवाला मनुष्य"

10:23 में देखें कि आपने **समझवाला मनुष्य** का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 20:6 (#1)

אָדָם & אִישׁ חַסְדּוֹ וְאִישׁ

""बहुत से मनुष्य अपनी निष्ठा का प्रचार करते हैं,"

मूल भाषा में यहाँ पुरुष शब्द का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी अनुवाद में **मनुष्य** शब्द का उपयोग हुआ है, जो पुरुषों और महिलाओं दोनों को संदर्भित करता है। हालाँकि **मनुष्य (पुरुष)** शब्द पुल्लिंग हैं, सुलैमान इन शब्दों का उपयोग एक सामान्य अर्थ में कर रहे हैं जो पुरुषों और महिलाओं दोनों को शामिल करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप ऐसे वाक्यांशों का उपयोग कर सकते हैं जो इसे स्पष्ट करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक व्यक्ति, प्रत्येक व्यक्ति, अपनी निष्ठा का प्रचार करते हैं; परन्तु सच्चा व्यक्ति"

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 20:6 (#2)

"अपनी निष्ठा का"

मूल भाषा में यहाँ उसकी वाचा की विश्वासयोग्यता वाक्यांश उपयोग किया गया है जबकि हिन्दी अनुवाद में **अपनी निष्ठा** वाक्यांश का उपयोग किया गया है। 3:3 में देखें कि आपने **निष्ठा** जैसी भाववाचज संज्ञा का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 20:6 (#3)

וְאִאִישׁ אֱמוּנִים מִמִּי יִמְצָא

“परन्तु सच्चा व्यक्ति कौन पा सकता है?”

मूल भाषा में यहाँ विश्वासयोग्य व्यवहार करने वाला पुरुष वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी अनुवाद में **सच्चा व्यक्ति** वाक्यांश का उपयोग हुआ है, जो विश्वासयोग्य व्यक्ति को संदर्भित करता है। सुलैमान यहाँ प्रश्नवाचक रूप का उपयोग यह दिखाने के लिए कर रहे हैं कि कितने कम व्यक्ति है जो सच्चा व्यवहार करते हैं। यदि आप इस उद्देश्य के लिए अपनी भाषा में प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “परन्तु विश्वासयोग्य व्यक्ति को पाना बहुत कठिन है!”

देखें: आलंकारिक प्रश्नों

नीतिवचन 20:6 (#4)

וְאִ֥ישׁ אֱמוּנִ֖ים

“परन्तु सच्चा व्यक्ति”

मूल भाषा में यहाँ विश्वासयोग्य व्यवहार करने वाला पुरुष वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी अनुवाद में **सच्चा व्यक्ति** वाक्यांश का उपयोग हुआ है, जो विश्वासयोग्य व्यक्ति को संदर्भित करता है। यहाँ सुलैमान एक ऐसे **व्यक्ति** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व सूचक रूप का उपयोग कर रहे हैं, जो **सच्चा** (सचाई) गुण द्वारा पहचाना जाता है। यदि आपकी भाषा में इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं होता, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “लेकिन एक पुरुष जो विश्वासयोग्य कार्य करता है”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 20:7 (#1)

בְּתֻמּ֑וֹ צַדִּ֖יק & בָּנָ֥יו אַחֲרָֽיו

“”वह व्यक्ति जो अपनी सत्यनिष्ठा पर चलता है,“

मूल भाषा में यहाँ धर्मी व्यक्ति वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी अनुवाद में **वह व्यक्ति** वाक्यांश का उपयोग हुआ है, जो व्यक्ति की विशेषता को संदर्भित करता है। **वह व्यक्ति**, **उसके**, और **पुत्र** शब्द यहाँ किसी विशेष व्यक्ति के लिए नहीं, बल्कि सामान्य रूप से लोगों के लिए प्रयुक्त हुए हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। 9:9 में देखें कि आपने **(धर्मी) व्यक्ति** का अनुवाद किस प्रकार किया है। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी धर्मी व्यक्ति ... उनकी खराई ... उनके बाद उनकी संतान”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 20:7 (#2)

מִתְהַלֵּ֥ךְ בְּתֻמּ֑וֹ

“वह व्यक्ति जो अपनी सत्यनिष्ठा पर चलता है”

यहाँ सुलैमान ऐसे व्यक्ति के विषय में कह रहे हैं जो **सत्यनिष्ठा** के साथ आचरण करता है, मानो वह **सत्यनिष्ठा** के मार्ग में **चलता** हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने 19:1 में एक समान वाक्यांश का अनुवाद किस प्रकार किया है। वैकल्पिक अनुवाद: “जो खराई से व्यवहार करता है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 20:7 (#3)

“अपनी सत्यनिष्ठा”

1:3 में देखें कि आपने **सत्यनिष्ठा** जैसी भाववाचक संज्ञा का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 20:7 (#4)

אַחֲרָֽיו

“उसके पीछे “

यहाँ, **उसके पीछे** का तात्पर्य यह है कि **उसके पुत्र** का जन्म उनके **बाद** हुआ है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उनके पश्चात उत्पन्न हुए उनके पुत्र”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 20:8 (#1)

מֶ֣לֶךְ

“राजा”

यह पद किसी सामान्य **राजा** के नहीं, बल्कि एक आदर्श और धर्मी **राजा** के गुणों का वर्णन करता है। 16:10 में देखें कि आपने **राजा** शब्द का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 20:8 (#2)

מֶ֣לֶךְ & כִּסֵּא־דִ֭ין מְזָרֶ֣ה בְעֵינָ֑יו כָּל־רָֽע

“”राजा“ - “न्याय के सिंहासन”

राजा, **सिंहासन**, **वह**, और **को छाँट लेता है** यह वाक्य किसी विशेष **राजा** या **सिंहासन** के लिए नहीं, बल्कि धर्मी राजाओं और उनके सिंहासनों के लिए प्रयुक्त हुए हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी भले राजा.... उनके न्याय का सिंहासन ऐसा होता है कि उन्होंने अपनी दृष्टि से समस्त बुराई को छाँट का अलग कर दिया है”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 20:8 (#3)

כִּסֵּא־דִ֭ין

“न्याय के सिंहासन”

यह वाक्यांश इन बातों की ओर संकेत कर सकता है: (1) ऐसा **सिंहासन** जिस **पर राजा न्याय** करने के उद्देश्य से **बैठा करता है**। वैकल्पिक अनुवाद: ‘न्याय के लिए सिंहासन’ (2) ऐसा **सिंहासन** जो “न्याय” के गुण से युक्त है; यहाँ **न्याय** शब्द का एक अन्य अनुवाद संभव है। वैकल्पिक अनुवाद: ‘न्याययुक्त सिंहासन’।

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 20:8 (#4)

“”न्याय“

देखिए कि आपने 16:10 में **न्याय** और 1:16 में **बुराई** जैसी भाववाचक संज्ञाओं का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 20:8 (#5)

מְזָרֶה

“वह... सब बुराई को छाँट लेता है”

यहाँ सुलैमान एक **राजा** के अपने राज्य से **बुराई** को दूर करने की बात ऐसे करते हैं जैसे किसान अन्न से भूसी को **छाँट लेता है**। यदि आपकी भाषा में इससे अर्थ स्पष्ट करना सहायक हो, तो आप इसे सीधे रूप में या उपमा का प्रयोग करते हुए व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वे बुराई को दूर करने वाले हैं” या “वे बुराई को ऐसे हटाते हैं जैसे कोई किसान अनाज से भूसी को छाँटता है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 20:8 (#6)

בְּעֵינָיו

“अपनी दृष्टि ही से”

यहाँ, **दृष्टि** देखने का संकेत करती हैं, और देखना किसी वस्तु को समझने के लिए एक रूपक के रूप में उपयोग किया गया है। यदि आपकी भाषा में इसे सीधे और सरलता से व्यक्त करना उपयुक्त हो, तो आप इसे इस प्रकार कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उनकी समझ के अनुसार” या “जैसा वे समझते हैं, उसके अनुसार”

देखें: रूपक

नीतिवचन 20:9 (#1)

מִי־יֹאמַר זִכִּיתִי לִבִּבִּי טָהַרְתִּי מֵחַטָּאתִי

“”कौन कह सकता है कि मैंने अपने हृदय को पवित्र किया,“

सुलैमान यहाँ प्रश्नवाचक शैली का प्रयोग इस सत्य को बलपूर्वक प्रकट करने के लिए कर रहे हैं कि कोई भी व्यक्ति निष्पाप नहीं है। यदि आपकी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्नवाचक शैली उपयुक्त न हो, तो आप इसे एक आदरसूचक कथन या विस्मयादिबोधक वाक्य के रूप में अनुवादित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “निश्चय ही कोई भी यह नहीं कह सकता, ‘मैंने अपने हृदय को शुद्ध कर लिया है, और मैं अपने पाप से पूरी रीति से शुद्ध हो गया हूँ!’”

देखें: आलंकारिक प्रश्न

नीतिवचन 20:9 (#2)

מִי־יֹאמַר זִכִּיתִי לִבִּבִּי טָהַרְתִּי מֵחַטָּאתִי

“कौन कह सकता है की मैंने अपने हृदय को पवित्र किया,”

अगर यह आपकी भाषा में ज़्यादा स्वाभाविक होगा, तो आप इसे अप्रत्यक्ष उद्धरण के रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कौन कह सकता है कि उन्होंने अपना हृदय शुद्ध कर लिया है, कि वे अपने पाप से शुद्ध है”

देखें: प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष उद्धरण

नीतिवचन 20:9 (#3)

זִכִּיתִי לִבִּבִּי

“मैंने अपने हृदय को पवित्र किया;”

यहाँ सुलैमान एक ऐसे व्यक्ति को संदर्भित करते हैं जो अब पापपूर्ण नहीं सोचता जैसे कि उस व्यक्ति ने **अपने हृदय को पवित्र** बना लिया है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मेरा हृदय अब निर्दोष है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 20:9 (#4)

“अपने हृदय”

2:2 में देखें कि आपने **हृदय** के समान उपयोग का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 20:9 (#5)

טָהַרְתִּי מֵחַטָּאתִי

“मैं पाप से शुद्ध हुआ हूँ”

यहाँ सुलैमान एक व्यक्ति को संदर्भित करते हैं जो अब पाप नहीं करता, जैसे कि वह व्यक्ति अपने **पापों से शुद्ध** हो गया हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अब मैं पाप नहीं करता हूँ।”

देखें: रूपक

नीतिवचन 20:9 (#6)

“मैं पाप से”

5:22 में देखें कि आपने **पाप** जैसे भाववचक संज्ञा का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: भाववचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 20:10 (#1)

אֶבֶן וָאָבֶן אֵיפָה וָאֵיפָה

“घटते-बढ़ते बटखरे और घटते-बढ़ते नपुए”

मूल भाषा में यहाँ **पत्थर पर पत्थर, एपा पर एपा** वाक्यांश का उपयोग हुआ है, जबकि हिन्दी अनुवाद में यहाँ **घटते-बढ़ते बटखरे और घटते-बढ़ते नपुए** वाक्यांश का उपयोग हुआ है यह एक मुहावरा है, जो सामान तौलने के लिए उपयोग किए जाने वाले यंत्रों को संदर्भित करते हैं। **घटते-बढ़ते बटखरे** यहाँ पैमाना या वजन मापने का यंत्र को संदर्भित करता है जो सामान तौलने के लिए उपयोग किए जाते हैं (इस **बटखरे** के उपयोग को 11:1 में देखें)। वाक्यांश **घटते-बढ़ते नपुए** अनाज की मात्रा मापने के लिए उपयोग की जाने वाली दो अलग-अलग मापों को संदर्भित करता है। सुलैमान उन भिन्न वजन और मापों का उल्लेख कर रहे हैं, जिनका व्यापारी ग्राहक को धोखा देने के लिए एक जैसा दिखावा करता है। यदि

आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “असमान वजन और असमान माप”

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 20:10 (#2)

אֶבֶן וָאֶבֶן אֵיפָה וְאֵיפָה

“घटते-बढ़ते बटखरे और घटते-बढ़ते नपुए”

मूल भाषा में यहाँ **पत्थर पर पत्थर, एपा पर एपा** वाक्यांश का उपयोग हुआ है, जबकि हिन्दी अनुवाद में यहाँ **घटते-बढ़ते बटखरे और घटते-बढ़ते नपुए** वाक्यांश का उपयोग हुआ है यह एक मुहावरा है, जो सामान तौलने के लिए उपयोग किए जाने वाले यंत्रों को संदर्भित करते हैं। यहाँ सुलैमान यह संकेत कर रहे हैं कि ये असमान वजन और माप उन धोखेबाज़ व्यक्तियों द्वारा अपने लाभ के लिए उपयोग किए जाते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “असमान वजन और असमान माप, जिनका उपयोग लोग बेईमानी से करते हैं।”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 20:10 (#3)

אֵיפָה וְאֵיפָה

“घटते-बढ़ते नपुए”

यहाँ **नपुए (एपा)** शब्द का प्रयोग विशेष रूप से अनाज जैसे सूखे ठोस पदार्थों की मात्रा मापने के लिए किया गया है, जो 22 लीटर के बराबर होता है। हालांकि, सुलैमान यहाँ इस शब्द का उपयोग सामान्य रूप से मात्रा माप के संदर्भ में कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप मात्रा माप के लिए अपने अनुवाद में सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक रूप से, वैकल्पिक अनुवाद: “माप और माप”

देखें: बाइबल की मात्रा

नीतिवचन 20:10 (#4)

“यहोवा घृणा करता है”

3:32 में देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: भाववचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 20:10 (#5)

שְׁנֵיהֶם

“इन दोनों से”

यह वाक्यांश उन असमान वजन और मापों **घटते-बढ़ते बटखरे** और **घटते-बढ़ते नपुए** की ओर संकेत करता है, जिनका उल्लेख इस पद के पहले भाग में किया गया है। किन्तु सुलैमान का अर्थ यह नहीं है कि **यहोवा** वास्तव में इन वजन और मापों से घृणा करते हैं। वरन् उनका तात्पर्य यह है कि **यहोवा** उन लोगों से घृणा करते हैं जो इन वस्तुओं का उपयोग छलपूर्वक करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “इन चीजों का बेईमानी से उपयोग”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 20:11 (#1)

בְּמַעֲלָלָיו יִתְנַכֶּר־נַעַר & פָּעֳלוֹ

“”लड़का भी अपने कामों से पहचाना जाता है,“

यहाँ, **लड़का**, **अपने** और **उसका** शब्द किसी विशेष लड़के के लिए नहीं, वरन् सामान्य रूप से किसी भी **व्यक्ति** के लिए प्रयुक्त हुए हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “युवा अपने कार्यों से स्वयं को प्रकट करेंगे ... की उनके व्यवहार।”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 20:11 (#2)

יִתְנַכֶּר

“कामों से पहचाना जाता है”

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “युवा अपने कामों के द्वारा दूसरों के बीच पहचाने जाएँगे”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 20:12 (#1)

אֹזֶן שֹׁמַעַת וְעַיִן רֹאָה & גַּם־שְׁנֵיהֶם

“”सुनने के लिये कान और देखने के लिये जो आँखें हैं,“

यहाँ, **कान** और **आँखें** शब्द किसी एक विशिष्ट **कान** और **आँख** के लिए नहीं, बल्कि सामान्य रूप से शरीर के अंगों के लिए प्रयुक्त हुए हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “सुनने वाले कान और देखने वाली आंखें ... सभी को”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 20:13 (#1)

אַל־תֶּאֱהַב שֵׁנָה

“नींद से प्रीति न रख”

नींद से प्रीति वाक्यांश का अर्थ बहुत **नींद** आने से है क्योंकि एक व्यक्ति को **नींद** बहुत पसंद है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “बहुत अधिक मत सोइए”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 20:13 (#2)

פְּקַח עֵינֶיךָ שְׂבַע־לָחֶם

“आँखें खोल तब तू रोटी से तृप्त होगा”

इस खंड का विचार पिछले खंड के विचार के विपरीत है। अपनी भाषा में विरोधाभास को दर्शाने के लिए सबसे स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: “इसके बजाय, अपनी आँखें खोलें तब आप रोटी से तृप्त होंगे।”

देखें: जोड़ें – विरोधाभास सम्बन्ध

नीतिवचन 20:13 (#3)

פְּקַח עֵינֶיךָ

“आँखें खोल तब तू”

यहाँ सुलैमान **आँखें खोल** कहकर जागते रहने का संकेत कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जागते रहिए”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 20:13 (#4)

פְּקַח עֵינֶיךָ

“आँखें खोल”

यहाँ सुलैमान का मतलब यह है कि जो व्यक्ति अपनी **आंखें** खोलता है, वह सही दिशा में कार्य करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अपने कार्य को सही ढंग से करने के लिए अपनी आंखें खोलें”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 20:13 (#5)

שְׂבַע־לָחֶם

“रोटी से तृप्त होगा”

यह वाक्य पिछले वाक्य में दिए गए आदेश **आँखें खोल** का परिणाम बताता है। परिणाम दर्शाने के लिए अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: “ताकि आप रोटी से तृप्त हो सकें”

देखें: जोड़ें – कारण-और-परिणाम का संबंध

नीतिवचन 20:13 (#6)

לָחֶם

“रोटी”

यहाँ, **रोटी** शब्द का उपयोग सामान्य रूप से भोजन के लिए किया गया है। 9:5 में देखें कि आपने **रोटी** के समान उपयोग का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 20:14 (#1)

רַע רַע יֹאמַר הַקּוֹנֶה

“मोल लेने के समय ग्राहक, “अच्छी नहीं, अच्छी नहीं,” कहता है”

यहाँ एक **ग्राहक** उस वस्तु की गुणवत्ता की आलोचना कर रहा है, जिसे वह क्रय करना चाहता है, ताकि विक्रेता उसकी कीमत कम कर दे। **अच्छा नहीं** का अर्थ यहाँ घटिया गुणवत्ता से है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे और स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “‘ग्राहक विक्रेता के सामान की आलोचना करते हुए कहता है’ ये सामान घटिया गुणवत्ता का हैं! घटिया गुणवत्ता के!”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 20:14 (#2)

רַע רַע יֹאמַר הַקּוֹנֶה

“मोल लेने के समय ग्राहक, “अच्छी नहीं, अच्छी नहीं,” कहता है”

सुलैमान जोर देने के लिए एक ही शब्द को दो बार दोहरा रहे हैं। यदि आपके पाठकों के लिए यह स्पष्ट होगा, तो आप जोर को एक ही वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “‘ग्राहक कहते हैं’ ये वास्तव में घटिया गुणवत्ता का है!”

देखें: द्विरावृति (डबलेट)

नीतिवचन 20:14 (#3)

רַע רַע יֹאמַר הַקּוֹנֶה

“ग्राहक, “अच्छी नहीं, अच्छी नहीं,” कहता है;”

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप इसे अप्रत्यक्ष उद्धरण के रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “खरीदार कहते हैं कि यह बहुत खराब है”

देखें: प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष उद्धरण

नीतिवचन 20:14 (#4)

הַקּוֹנֶה וְאֹזֵל לוֹ אָז יִתְהַלָּל

“”ग्राहक,“

यहाँ, **ग्राहक** शब्द किसी विशेष **ग्राहक** के लिए नहीं, बल्कि सामान्य रूप से सभी खरीदारों के लिए प्रयुक्त हुए हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी खरीदार... परन्तु जब वह अपने मार्ग से चले जाते हैं, तब वह अपनी स्वयं की प्रशंसा करते हैं”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 20:14 (#5)

וְאֹזֵל לוֹ אָז יִתְהַלָּל

“परन्तु चले जाने पर बढ़ाई करता है”

यहाँ सुलैमान संकेत करते हैं कि **ग्राहक** उस वस्तु को खरीद लेता है और अपने मित्रों के बीच उस उत्तम मूल्य का घमण्ड करता है जो उसने चुकाया। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “परन्तु जब वह उस वस्तु को खरीदकर अपने मार्ग पर प्रस्थान करते हैं, तब वह अपने प्राप्त उत्तम सौदे की बड़ाई करते हैं।”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 20:15 (#1)

“बहुमूल्य रत्न”

3:15 में देखें कि आपने **बहुमूल्य रत्न** का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

नीतिवचन 20:15 (#2)

וּכְלִלֵ֥י יְקָ֑ר שִׂפְתֵ֥י־דָ֝עַ֗ת

“परन्तु ज्ञान की बातें अनमोल मणि ठहरी हैं”

यहाँ सुलैमान **ज्ञान की बातें** के मूल्य के बारे में बात करते हैं जैसे कि वे **अनमोल मणि** हों। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “परन्तु ज्ञान से युक्त बातें बहुमूल्य रत्न के समान हैं”

देखें: रूपक

नीतिवचन 20:15 (#3)

“ज्ञान की बातें”

14:7 में देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 20:15 (#4)

וּכְלִלֵ֥י יְקָ֑ר

“परन्तु” - “अनमोल मणि ठहरी हैं”

मूल भाषा में यहाँ बहुमूल्य पात्र वाक्य का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी अनुवाद में यहाँ **अनमोल मणि** वाक्य का उपयोग हुआ है, जो ज्ञान की बातों के मूल्य को संदर्भित करता है। यहाँ सुलैमान **मणि** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं, जो **अनमोल** से विशेषित है। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “परन्तु ... एक बहुमूल्य पात्र हैं”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 20:15 (#5)

וּכְלִלֵ֥י יְקָ֑ר

“परन्तु” - “अनमोल मणि ठहरी हैं”

सुलैमान पिछले खंड में **बहुत से** की तुलना इस खंड में **अनमोल** से करते हैं ताकि यह संकेत दिया जा सके कि **ज्ञान की बातें, सोने** और **बहुमूल्य रत्न** ज़्यादा दुर्लभ और मूल्यवान हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “परन्तु ... वे एक ऐसा पात्र हैं जो उन सब से भी अधिक बहुमूल्य है”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 20:16 (#1)

לָקַח־בִּגְדוֹ֙ כִּי־עָ֣רַב זָ֔ר וּבְעַ֥ד נָכְרִיָּ֖ה חַבְּלֵֽהוּ׃

“किसी अनजान के लिए जमानत देनेवाले के वस्त्र ले,”

ये दोनों वाक्यांश मूल रूप से बात का एक ही अर्थ रखते हैं। दूसरा वाक्यांश पहले के अर्थ को जोर देकर दोहराता है, लेकिन अलग शब्दों के साथ। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप **और** के अलावा किसी अन्य शब्द के साथ वाक्यांशों को जोड़ सकते हैं, ताकि यह दिखाया जा सके कि दूसरा वाक्यांश पहले वाले को दोहरा रहा है, कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: “जो किसी अनजान व्यक्ति के लिए जमानत प्रदान करता है, उसके वस्त्र को ले लें, हाँ, जो पराए के प्रति उत्तरदायी हुआ है, उससे बन्धक की वस्तु ग्रहण करें।”

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 20:16 (#2)

בִּגְדוֹ֙ כִּי־עָ֣רַב זָ֔ר וּבְעַ֥ד נָכְרִיָּ֖ה

“किसी अनजान के लिए जमानत देनेवाले के वस्त्र,”

मूल भाषा में यहाँ पराई स्त्री वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी अनुवाद में यहाँ **पराए** शब्द उपयोग हुआ है। यहाँ, **किसी अनजान** और **पराए** सामान्य रूप से विभिन्न प्रकार के व्यक्तियों को संदर्भित करते हैं, न कि विशिष्ट व्यक्तियों को। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “किसी व्यक्ति के वस्त्र को तब लें, जब उसने किसी अजनबी के लिए ज़मानत दी हो, और किसी पराए के लिए भी उसके वस्त्र को बन्धक रखें”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 20:16 (#3)

לָקַח־בִּגְדוֹ֙ כִּי־עָ֣רַב זָ֔ר

“किसी अनजान के लिए जमानत देनेवाले के वस्त्र ले”

जब कोई व्यक्ति सुलैमान की संस्कृति में पैसे उधार लेता था, तो ऋणदाता ऋण लेने वाले से कुछ लेता था, जैसे कि **वस्त्र**, जो कि चुकाने की प्रत्याभूति के रूप में होता था। पैसे चुकाने के बाद ऋणदाता **वस्त्र** वापस कर देता था। अगर ऋण लेने वाला बहुत गरीब था, तो कोई और व्यक्ति ऋणदाता को गरीब व्यक्ति के लिए गिरवी के रूप में कुछ दे सकता था। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “किसी अजनबी द्वारा उधार ली गई राशि वापस चुकाने की जमानत देने वाले से गिरवी के रूप में कपड़ा लें”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 20:16 (#4)

“किसी अनजान के लिए जमानत देनेवाले”

11:15 में देखें कि आपने “किसी अनजान के लिए जमानत देनेवाले” का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 20:16 (#5)

וּבְעַ֥ד נָכְרִיָּ֖ה

“और पराए के प्रति जो उत्तरदायी हुआ है”

मूल भाषा में यहाँ पराई स्त्री वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी अनुवाद में यहाँ **पराए** शब्द उपयोग हुआ है। सुलैमान यहाँ कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा तो आप इन शब्दों को पिछले वाक्य से ले सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और जब वह किसी पराई स्त्री के लिए जमानत देता है”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 20:16 (#6)

חַבְלֵהוּ

“उससे बँधक की वस्तु ले रख”

यहाँ, **उससे** पिछले वाक्य में उसके **वस्त्र** को संदर्भित करता है। सुलैमान उस अभ्यास का उल्लेख कर रहे हैं जिसमें किसी ने किसी को **जमानत** के रूप में कुछ दिया है ताकि किसी के कर्ज का भुगतान किया जा सके। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जमानत की भुगतान के रूप में उनके वस्त्र को रख लें”

देखें: अनुमानित ज्ञान अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 20:17 (#1)

עָרֵב

“मीठी”

यहाँ सुलैमान एक व्यक्ति द्वारा **छल-कपट से प्राप्त रोटी** खाने से आनन्दित होने का वर्णन इस प्रकार कर रहे हैं मानो वह **रोटी मीठी** हो। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे या एक उपमा का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मनभावन” या “कुछ मीठे जैसा मनभावन”

देखें: रूपक

नीतिवचन 20:17 (#2)

לָאִישׁ & פִּיהוּ

“मनुष्य को” - “उसका मुँह”

हालांकि **मनुष्य** (पुरुष) और **उसका** शब्द पुल्लिंग हैं, सुलैमान इन शब्दों का उपयोग एक सामान्य अर्थ में कर रहे हैं जो पुरुषों और महिलाओं दोनों को शामिल करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप ऐसे वाक्यांशों का उपयोग कर सकते हैं जो इसे स्पष्ट करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “व्यक्ति को ... उस व्यक्ति का मुँह”

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 20:17 (#3)

לֶחֶם שָׁקֶר

“छल-कपट से प्राप्त रोटी”

यहाँ सुलैमान **रोटी** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं जो **छल-कपट** से प्राप्त होती है। यदि आपकी भाषा में स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “झूठ से प्राप्त रोटी”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 20:17 (#4)

“से प्राप्त रोटी”

9:5 में देखें कि आपने **रोटी** का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 20:17 (#5)

“छल-कपट”

6:17 में देखें कि आपने **छल-कपट** जैसी भाववचक संज्ञा का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: भाववचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 20:17 (#6)

יִמָּלֵא־פִיהוּ חָצָץ

“उसका मुँह कंकड़ों से भर जाता है”

यहाँ सुलैमान एक व्यक्ति के **छल-कपट से प्राप्त रोटी** खाने के कारण बुरे परिणाम भुगतने का वर्णन इस प्रकार कर रहे हैं मानो **उसका मुँह** को **कंकड़ों से भर** दिये गये हों। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे सीधे अर्थ में व्यक्त कर सकते हैं या एक उपमा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह कटु अनुभव करेंगे” या “वह ऐसे बुरे परिणामों का सामना करेंगे मानो उनके मुँह में बालू भर दी गई हो”

देखें: रूपक

नीतिवचन 20:18 (#1)

מַחֲשָׁבוֹת בְּעֵצָה תִּכּוֹן

“सब कल्पनाएँ सम्मति ही से स्थिर होती हैं”

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “सलाह योजनाओं को स्थिर करती है”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 20:18 (#2)

“सम्मति ही”

1:25 में देखें कि आपने **सम्मति** जैसी भावाचक संज्ञा का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: भाववचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 20:18 (#3)

“और युक्ति के साथ”

यहाँ, **और** यह संकेत करता है कि जो आगे आता है, वह पहले आए हुए का अपेक्षित परिणाम है। अपनी भाषा में एक ऐसा संयोजक का उपयोग करें जो यह स्पष्ट करता है कि जो आगे आता है, वह पहले आए हुए का परिणाम है। आपको एक नया वाक्य शुरू करने की आवश्यकता हो सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: “इसलिए, युक्ति से साथ”

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम का संबंध

नीतिवचन 20:18 (#4)

וּבְתַחְבֻּלוֹת עֲשֵׂה מִלְחָמָה

“और युक्ति के साथ युद्ध करना चाहिये”

यदि आपकी भाषा में **युक्ति के साथ** के विचार के लिए कोई भाववचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और जब आप युद्ध करें तो दूसरों को आपका मार्गदर्शन करने दें”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 20:19 (#1)

גּוֹלֶה־סּוֹד הוֹלֵךְ רָכִיל וּלְפֹתֶה שְׂשָׂפָתָיו

“”जो लुतराई करता फिरता है वह भेद प्रगट करता है,“

जो लुतराई करता फिरता है, **वह भेद**, और **बकवादी** ये सभी शब्द किसी विशेष व्यक्ति या **भेद** के लिए नहीं, बल्कि सामान्य प्रकार के व्यक्तियों और भेदों के लिए प्रयुक्त हुए हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो कोई चुगलखोरी करते हुए इधर-उधर फिरते हैं, वे भेद प्रकट करते हैं, और जो कोई बकवाद करते हैं, उनके साथ मेल-मिलाप न कीजिए”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 20:19 (#2)

“लुतराई”

11:13 में देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

नीतिवचन 20:19 (#3)

“इसलिए बकवादी से”

मूल भाषा में यहाँ और का शब्द उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी अनुवाद में यहाँ **इसलिए** शब्द उपयोग हुआ है। यहाँ, **इसलिए** यह दर्शाता है कि आगे जो कुछ भी है वह पहले जो हुआ था उसका इच्छित परिणाम है। अपनी भाषा में एक संयोजक का उपयोग करें जो यह स्पष्ट करता है कि जो आगे आता है, वह पहले जो हुआ उसका परिणाम है। आपको एक नया वाक्य शुरू करने की आवश्यकता हो सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: “इसलिए, जो अपने मुँह को ग़लत बातों के लिए खोलते है”

देखें: जोड़े — कारण-और-परिणाम का संबंध

नीतिवचन 20:19 (#4)

“इसलिए बकवादी से”

13:3 में देखें कि आपने **इसलिए बकवादी से** का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 20:20 (#1)

מְקַלֵּל אָבִיו וְאִמּוֹ & נֵרוֹ

“”जो अपने पिता और माता को कोसता,“

जो... कोसता और **उसका** वाक्य किसी विशेष व्यक्ति को नहीं, बल्कि सामान्य रूप से उस प्रकार के व्यक्ति को संदर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी व्यक्ति जो अपने पिता और माता को शाप देता है, उस व्यक्ति का दीपक”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 20:20 (#2)

יִדְעַךְ נֵרוֹ

“उसका दिया बुझ जाता”

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: “यहोवा उनका दीया बुझा देंगे”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 20:20 (#3)

“उसका दीया बुझ जाता”

13:9 में देखें कि आपने **दिया** और **बुझ जाता** के समान उपयोग का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 20:20 (#4)

בְּאִישׁוֹן חֹשֶׁךְ

“और घोर अंधकार हो जाता है”

मूल भाषा में यहाँ आँखों की पुतली में अंधकार हो जाता वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी अनुवाद में यह **घोर अंधकार हो जाता है** वाक्यांश का उपयोग हुआ है, जो अत्यंत अंधेरी जगह को संदर्भित करता है। सुलैमान यहाँ एक अत्यंत अंधेरी जगह का उल्लेख करते हैं, जैसे कि वह आंख की पुतली में हों, जो आंख का सबसे अंधेरा स्थान होता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “सबसे गहरे अंधेरे” या “सबसे गहरी अंधेरी जगह”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 20:21 (#1)

“जो भाग”

17:2 में देखें कि आपने **भाग** जैसी भाववचक संज्ञा का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: भाववचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 20:21 (#2)

בָּרִאשֹׁנָה

“पहले”

पहले वाक्यांश एक ऐसे व्यक्ति को संदर्भित करता है जो अपना **भाग** निर्धारित समय से पहले प्राप्त करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “सही समय से पहले”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 20:21 (#3)

“अन्त में”

14:12 में देखें कि आपने **अन्त में** का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 20:21 (#4)

לֹ֥א תְבֹרָֽךְ

“आशीष नहीं होती”

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यहोवा आशीष नहीं देंगे”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 20:22 (#1)

אַל־תֹּאמַ֥ר אֲשַׁלְּמָ֖ה־רָ֑ע

“मत कह, “मैं बुराई का बदला लूँगा”

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप इसे अप्रत्यक्ष उद्धरण के रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यह मत कहिए कि आप दुष्ट का बदला लेंगे”

देखें: प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष उद्धरण

नीतिवचन 20:22 (#2)

אֲשַׁלְּמָ֖ה־רָ֑ע

“मैं बुराई का बदला लूँगा”

यहाँ सुलैमान का मतलब है किसी ऐसे व्यक्ति के साथ गलत करना जिसने आपके (**तुझको**) साथ गलत किया हो, जैसे कि **तुझको** उनसे किसी चीज़ का बदला लेना हों। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मैं दुष्ट का प्रतिशोध लूंगा” या “मैं उन लोगों को नुकसान पहुंचाऊँगा जिन्होंने मुझे नुकसान पहुंचाया है।”

देखें: रूपक

नीतिवचन 20:22 (#3)

“बुराई”

1:16 में देखें कि आपने **बुराई** जैसी भाववचक संज्ञा का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: भाववचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 20:22 (#4)

קַוֵּ֥ה לַיהוָ֖ה וְיֹשַׁ֥ע לָֽךְ

“वरन् यहोवा की बाट जोहता रह, वह तुझको छुड़ाएगा”

इस खंड का विचार पिछले खंड के विचार के विपरीत है। अपनी भाषा में विरोध को दर्शाने के लिए सबसे स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: “इसके बजाय, यहोवा की प्रतीक्षा करें और वे आपको बचाएँगे।”

देखें: जोड़ें — विरोधाभास सम्बन्ध

नीतिवचन 20:22 (#5)

קַוֵּ֥ה לַיהוָ֖ה

“यहोवा की बाट जोहता रह”

इसका अर्थ हो सकता है: (1) **यहोवा की बाट जोहता रह** कि वे स्थिति को सही करें। वैकल्पिक अनुवाद: “यहोवा की प्रतीक्षा करें कि वे समस्या का समाधान करें” (2) यहोवा पर भरोसा रखें। वैकल्पिक अनुवाद: “यहोवा पर भरोसा रखें”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 20:22 (#6)

וְיֹשַׁ֥ע לָֽךְ

“वरन्... वह तुझको छुड़ाएगा”

मूल भाषा में यहाँ और शब्द का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी अनुवाद में यहाँ **वरन्** शब्द का उपयोग हुआ है। यहाँ, **वरन्** पिछले खंड में दिए गए आदेश का पालन करने का परिणाम प्रस्तुत किया गया है। परिणाम को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: “और इसका परिणाम यह होगा कि वह आपको छुड़ाएँगे”

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम का संबंध

नीतिवचन 20:22 (#7)

וְיֹשַׁ֥ע לָֽךְ

“वरन्... वह तुझको छुड़ाएगा”

सुलैमान यहाँ **वह तुझको छुड़ाएगा** का उपयोग यह बताने के लिए करते है कि **यहोवा** पिछले वाक्य में उल्लेखित स्थिति को सुलझाएंगे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और वह इसे सही करेंगे”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 20:23 (#1)

“”घटते-बढ़ते बटखरों से यहोवा घृणा करता है,“

ये दोनों खंड मूल रूप से बात का एक ही अर्थ रखते हैं। दूसरा खंड पहले के अर्थ को अलग शब्दों के साथ जोर देकर दोहराता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप **और** के अलावा किसी अन्य शब्द के साथ वाक्यांशों को जोड़ सकते हैं, ताकि यह दिखा सकें कि दूसरा वाक्यांश पहले को दोहरा रहा है, कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: “यहोवा घटते-बढ़ते बटखरों से घृणा करते हैं, हाँ, छल से भरा हुआ तराजू अच्छा नहीं होता”

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 20:23 (#2)

“घटते-बढ़ते बटखरों”

20:10 में देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 20:23 (#3)

“यहोवा घृणा करता है”

20:10 में देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: भाववचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 20:23 (#4)

“और छल का तराजू”

11:1 में देखें कि आपने **छल का तराजू** का अनुवाद किस प्रकर किया है।

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 20:23 (#5)

“अच्छा नहीं”

16:29 में देखें कि आपने **अच्छा नहीं** के समान उपयोग का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: (लाइटोटीज़) कटाक्षपूर्ण उक्ति

नीतिवचन 20:24 (#1)

“मनुष्य का मार्ग”

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यहोवा व्यक्ति के मार्गों की अगुवाई करते हैं”

देखें: रूपक

नीतिवचन 20:24 (#2)

מִצְעֲדֵי & דַּרְכּוֹ

“का मार्ग” - “मार्ग”

इस पद में, **मार्ग** का संदर्भ उन अनुभवों से है जो लोग अपने जीवन के दौरान अनुभव करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। 4:18 में देखें कि आपने “चाल” के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया था। वैकल्पिक अनुवाद: “यही हैं जो जीवन के अनुभव हैं ... उनके जीवन के अनुभव”

देखें: रूपक

नीतिवचन 20:24 (#3)

גֶּבֶר וְאָדָם & דַּרְכּוֹ

“मनुष्य का,”

मूल भाषा में यहाँ बलवान पुरुष शब्द का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी अनुवाद में **मनुष्य** शब्द का अनुवाद हुआ है, जो व्यक्ति को संदर्भित करता है। यहाँ, **मनुष्य का**, **मनुष्य**, और **अपना** किसी विशिष्ट व्यक्ति को नहीं बल्कि सामान्य रूप से लोगों के प्रकारों को संदर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी बलवान व्यक्ति..., ... व्यक्ति ... स्वयं का”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 20:24 (#4)

וְאָדָם מַה־יָּבִין דַּרְכּוֹ

“मनुष्य अपना मार्ग कैसे समझ सकेगा?”

सुलैमान अपने कहे हुए सत्य पर जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इसे एक कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “इसलिए निश्चित ही मनुष्य अपनी राह को नहीं समझ सकता!”

देखें: आलंकारिक प्रश्न

नीतिवचन 20:24 (#5)

וְאָדָם מַה־יָּבִין

“मनुष्य अपना मार्ग कैसे समझ सकेगा?”

मूल भाषा में यहाँ इसलिए शब्द का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी अनुवाद में कोई भी शब्द का उपयोग नहीं हुआ है। यहाँ, इसलिए पिछले वाक्य में कही गई बात का परिणाम प्रस्तुत करता है। परिणाम को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। आपको एक नया वाक्य शुरू करने की आवश्यकता हो सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: “इसलिए, एक व्यक्ति कैसे समझ पाएगा”

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम का संबंध

नीतिवचन 20:25 (#1)

מוֹקֵשׁ אָדָם יְלַע

“जो मनुष्य बिना विचारे..., ..., ...वह फंदे में फँसेगा”

सुलैमान कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्यांश को पूर्ण करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप संदर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक व्यक्ति जाल में तब फँसता है जब वह जल्दबाजी में कहता है।”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 20:25 (#2)

מוֹקֵשׁ

“फंदे में”

यहाँ, सुलैमान उस बात का उल्लेख कर रहे हैं जो कोई व्यक्ति बोलता है और जो उसके लिए मुसीबत का कारण बन सकती है, मानो उसके वचन ही उसके लिए **फंदे** बन जाते हों जो उसे फँसा लेते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं या एक उपमा का उपयोग कर सकते हैं। 18:7 में देखें कि आपने **फंदे**

के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: “वह खतरनाक स्थिति में पड़ेगा”

देखें: रूपक

नीतिवचन 20:25 (#3)

אָדָם יְלַע

“मनुष्य बिना विचारे किसी वस्तु को पवित्र ठहराए”

हालाँकि **मनुष्य** (पुरुष) और **वह** पुल्लिंग हैं, सुलैमान इन शब्दों का उपयोग एक सामान्य अर्थ में कर रहे हैं जो पुरुषों और महिलाओं दोनों को शामिल करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप ऐसे वाक्यांशों का उपयोग कर सकते हैं जो इसे स्पष्ट करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक व्यक्ति बिना सोचे जल्दबाजी में किसी वस्तु को पवित्र ठहराता है”

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 20:25 (#4)

קֹדֶשׁ

“वस्तु को पवित्र ठहराए”

यहाँ सुलैमान यह संकेत कर रहे हैं कि यह व्यक्ति किसी वस्तु को **पवित्र** घोषित करके उसे यहोवा को समर्पित कर देता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मैं इस वस्तु को पवित्र घोषित करता हूँ”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 20:25 (#5)

נְדָרִים

“मन्नत”

यहाँ, **मन्नत** से तात्पर्य है किसी वस्तु को पवित्र और यहोवा को समर्पित घोषित करना, जैसा कि यह व्यक्ति पिछले खंड में करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “इसे यहोवा को समर्पित करना” या “इसे पवित्र घोषित करना”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 20:25 (#6)

לְבַקֵּר

“मानकर”

यहाँ सुलैमान का तात्पर्य है कि यह व्यक्ति अपने द्वारा किए गए मन्नत की शपत **मानकर** पूछपाछ करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो उसने अभी-अभी प्रतिज्ञा की थी, उस पर विचार करता है”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 20:26 (#1)

מְזָרֶה & מֶלֶךְ חָכָם וַיָּשֶׁב

“बुद्धिमान राजा दुष्टों को फटकता है, और उन पर दाँवने का पहिया चलवाता है”

बुद्धिमान राजा, **फटकता है**, और **चलवाता है** शब्द किसी एक विशेष **राजा** के लिए नहीं, बल्कि सामान्य रूप से किसी भी प्रकार के राजा के लिए प्रयुक्त हुआ है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी बुद्धिमान राजा दुष्टों को छाँटते हैं और उन पर दाँवने का पहिया फिरवाते हैं”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 20:26 (#2)

“फटकता है”

20:8 में देखें कि आपने **फटकता** का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 20:26 (#3)

“और उन पर दाँवने का पहिया चलवाता है”

सुलैमान यहाँ एक **राजा** के बारे में बात करते हैं जो **दुष्टों** को ऐसे दंडित करते हैं जैसे वह उन्हें अनाज को कुचलने वाले **पहिया** के नीचे कुचल रहे हों। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे या एक उपमा का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और वह उन्हें कठोरता से दंडित करते हैं” या “और वह उन्हें ऐसे कठोरता से दंडित करते हैं जैसे कोई अनाज को पहिये के नीचे कुचलता है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 20:26 (#4)

אוֹפָן

“पहिया”

यहाँ **पहिया** से तात्पर्य “अनाज कूटने वाले दाँवने के पहिए” से है। यह एक उपकरण है जिसका उपयोग किसान अनाज को कुचलने और इसे पुआल और भूसी से अलग करने के लिए करते थे। यदि आपके पाठक इस प्रकार के **पहिया** से परिचित नहीं हैं, तो आप अपने क्षेत्र में कुछ समान नाम का उपयोग कर सकते हैं या आप एक अधिक सामान्य शब्द का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक अनाज-कुचलने वाला उपकरण”

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

नीतिवचन 20:27 (#1)

נֵר יְהוָה נִשְׁמַת אָדָם חֹפֵשׂ כָּל־חַדְרֵי־בָטֶן

“”मनुष्य की आत्मा यहोवा का दीपक है,“

मूल भाषा में यहाँ साँस शब्द का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी अनुवाद में यहाँ **आत्मा** शब्द उपयोग हुआ है जो मनुष्य के आंतरिक आत्मिक भाग को संदर्भित करता है। यहाँ, **मनुष्य**, **दीपक**, और **मन** ये शब्द चीजों और लोगों को सामान्य रूप से संदर्भित करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “किसी भी व्यक्ति की साँस यहोवा का दीया है, जो उस व्यक्ति के मन के सभी गुप्त बातों की खोज करता है”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 20:27 (#2)

נִשְׁמַת

“की आत्मा”

मूल भाषा में यह साँस शब्द का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी अनुवाद में यहाँ **आत्मा** शब्द उपयोगी हुआ है जो मनुष्य के आंतरिक आत्मिक भाग को संदर्भित करता है। यहाँ, **आत्मा** (साँस) एक मनुष्य के आंतरिक आत्मिक भाग को संदर्भित करता है, जिसे यहोवा ने पहले **मनुष्य** (पुरुष) में फूँककर दिया था (2:7)। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “की आत्मा”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 20:27 (#3)

נֵר יְהוָה

“यहोवा का दीपक है”

यहाँ सुलैमान **यहोवा** द्वारा दिए गए **दीपक** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यहोवा द्वारा दिया गया दीया है”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 20:27 (#4)

נֵר יְהוָה & חֹפֵשׂ כָּל־חַדְרֵי־בָטֶן

“”यहोवा का दीपक है,“

सुलैमान यहाँ एक व्यक्ति की आत्मा के बारे में बात करते हैं जो उस व्यक्ति को अपने बारे में समझने में मदद करती है, जैसे कि वह एक **दीपक** हो जो उस व्यक्ति के भीतर खोज करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे या एक उपमा का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यह वह है जो यहोवा ने उन्हें पहचानने के लिए दिया है” या “यह यहोवा का दीया है जो खोज करता है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 20:27 (#5)

“मन की सब बातों की”

18:8 में देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 20:28 (#1)

“”राजा की रक्षा कृपा और सच्चाई के कारण होती है,“

ये दोनों वाक्य मूल रूप से बात का एक ही अर्थ रखते हैं। दूसरा वाक्य पहले के अर्थ को अलग शब्दों में दोहराकर उस पर जोर देता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप **और** के अलावा किसी अन्य शब्द के साथ वाक्यांशों को जोड़ सकते हैं ताकि यह दिखाया जा सके कि दूसरा वाक्य पहले को दोहरा रहा है, कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: “वाचा की विश्वासयोग्यता और सत्यनिष्ठा राजा की रक्षा करते हैं, हाँ, उनकी गद्दी वाचा की विश्वासयोग्यता द्वारा स्थिर रहती है”

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 20:28 (#2)

חֶסֶד וֶאֱמֶת & בַּחֶסֶד

“कृपा और सच्चाई” - “कृपा करने से”

3:3 में देखें कि आपने **कृपा और सच्चाई** जैसी भाववचक संज्ञाओं का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: भाववचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 20:28 (#3)

יִצְּרוּ־מֶלֶךְ

“राजा की रक्षा”

यहाँ सुलैमान यह कह रहे हैं कि एक राजा अपनी रक्षा **कृपा और सच्चाई** के कार्य करके करते हैं, जैसे कि ये दोनों गुण व्यक्ति हों जो उनकी **रक्षा** करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “ये एक राजा को सुरक्षा प्रदान करती हैं”

देखें: रूपक

नीतिवचन 20:28 (#4)

“राजा”

यह पद एक आदर्श और धर्मी **राजा** के लक्षणों का वर्णन करती है, न कि किसी सामान्य **राजा** की। 16:10 में देखें कि आपने **राजा** के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 20:28 (#5)

מֶלֶךְ & כִּסְאוֹ

“”राजा,“

यहाँ, **राजा** और **उसकी गद्दी** धर्मी राजाओं और उनके सिंहासनों को संदर्भित करते हैं, किसी विशेष **राजा** या **गद्दी** को नहीं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी अच्छा राजा ... उस राजा का सिंहासन”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 20:28 (#6)

וְסָעַד בַּחֶסֶד כִּסְאוֹ

“और कृपा करने से उसकी गद्दी सम्भलती है”

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके

से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: “और विश्वासयोग्यता उनके सिंहासन को स्थिर रखता है”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 20:28 (#7)

וְסָעַד בַּחֶסֶד כִּסְאוֹ

“और कृपा करने से उसकी गद्दी सम्भलती है”

यहाँ, **गद्दी** एक राजा के अधिकार को संदर्भित करती है, जो उस **गद्दी** द्वारा प्रदर्शित होता है जिस पर राजा विराजमान होते हैं। 16:12 में देखें कि आपने **गद्दी** के समान उपयोग का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 20:28 (#8)

וְסָעַד בַּחֶסֶד כִּסְאוֹ

“और कृपा करने से उसकी गद्दी सम्भलती है”

यहाँ सुलैमान एक **राजा** का उल्लेख करते हैं जो अपने अधिकार को बनाए रखने के लिए **कृपा** के साथ कार्य करते हैं, जैसे कि **कृपा** एक व्यक्ति हो जो उन्हें समर्थन देता हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और विश्वासयोग्यता के साथ कार्य करना उन्हें अपने अधिकार को बनाए रखने में सक्षम बनाता है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 20:29 (#1)

“जवानों का गौरव उनका बल है”

देखिए कि आपने 4:9 में **गौरव** और 5:10 में **बल** जैसे भाववचक संज्ञाओं का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: भाववचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 20:29 (#2)

וַהֲדַר זְקֵנִים שֵׂיבָה

“परन्तु बूढ़ों की शोभा उनके पक्के बाल हैं”

इस खंड का विचार पिछले खंड के विचार के विपरीत है। अपनी भाषा में विरोधाभास को दर्शाने के लिए सबसे स्वाभाविक तरीका अपनाएं। आपको एक नया वाक्य शुरू करने की आवश्यकता हो सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: “हालाँकि, वृद्धजनों की शोभा उनके सफेद बाल हैं।”

देखें: जोड़ें — विरोधाभास सम्बन्ध

नीतिवचन 20:29 (#3)

וַהֲדַר

“परन्तु बूढ़ों की शोभा”

यदि आपकी भाषा में **शोभा** के विचार के लिए कोई भाववचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और जो संवारता है”

देखें: भाववचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 20:29 (#4)

שֵׂיבָה

“उनके पक्के बाल हैं”

यहाँ, **पक्के बाल** उस बुद्धि या अनुभव को संदर्भित करते हैं जो उन लोगों के पास है जो इतने लंबे समय तक जीवित रहे हैं कि उनके **बाल पक्के** हो गए हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उनकी बुद्धि है।”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 20:30 (#1)

חַבֻּרוֹת פֶּצַע

“चोट लगने से जो घाव होते हैं”

यहाँ सुलैमान गंभीर **चोट** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं जो **घाव** उत्पन्न करती हैं। यदि आपकी भाषा में इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं होता, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “चोटें जो घाव उत्पन्न करती हैं”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 20:30 (#2)

תמריק בְּרָע

“वे बुराई दूर करते हैं”

यहाँ सुलैमान का मतलब उन दंडों से है जो किसी व्यक्ति को कुछ **बुराई** करने से रोकते हैं, जैसे कि दंड उस **बुराई** को दूर कर रहा हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “किसी व्यक्ति को दुष्ट कार्य करने से रोकता है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 20:30 (#3)

“बुराई”

1:16 में देखें कि आपने **बुराई** जैसे भाववचक संज्ञा का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: भाववचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 20:30 (#4)

וּמַכּוֹת חַדְרֵי־בָטֶן

“और मार खाने से हृदय निर्मल हो जाता है”

मूल भाषा में यहाँ ‘और पेट के कमरों के वार’ वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी अनुवाद में यहाँ **और मार खाने से हृदय निर्मल हो जाता है** वाक्य का उपयोग हुआ है। सुलैमान कुछ ऐसे शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि यह आपकी भाषा में स्पष्ट होगा, तो आप इन शब्दों को पिछले खंड से जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और मार बुराई को दूर करती हैं”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 20:30 (#5)

“हृदय”

मूल भाषा में यहाँ पेट के भीतर उक्ति का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी अनुवाद में **हृदय** शब्द का उपयोग हुआ है जो मनुष्य के भीतर को संदर्भित करता है। 18:8 में देखें कि आपने इस वाक्यांश का किस प्रकार अनुवाद किया।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 21:1 (#1)

לֶב־מֶֽלֶךְ

“राजा का मन”

राजा का मन किसी भी सामान्य **राजा** के **मन** को संदर्भित करता है, किसी एक विशेष **राजा** से नहीं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “किसी भी राजा का मन”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 21:1 (#2)

“का मन”

देखें कि आपने **मन** के समान उपयोग का 2:2 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 21:1 (#3)

פַּלְגֵי־מַ֗יִם & בְּיַד־יְהוָה֙ & יַטֶּ֔נּוּ

“”जल की धाराओं के समान यहोवा के हाथ में रहता है;“

इस पद में, सुलैमान **यहोवा** के बारे में बताते हैं जो **राजा का मन** का उपयोग अपने उद्देश्यों को पूरा करने के लिए करते हैं, जैसे कि **मन** पानी की धाराओं की तरह है जिसे वह **मोड़ देता है** ताकि वह उन स्थानों पर जाएँ जहाँ वह उन्हें ले जाना चाहते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसके अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं या एक पर्यायवाची का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यहोवा द्वारा नियंत्रित किया जाता है” या “यहोवा द्वारा नियंत्रित किया जाता है जैसे एक किसान धाराओं को बहने के लिए नियंत्रित करता है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 21:2 (#1)

“(का मार्ग) चाल चलन”

देखें कि आपने **चाल चलन** (मूल भाषा में **मार्ग**) का 1:15 में अनुवाद कैसे किया।

देखें: रूपक

नीतिवचन 21:2 (#2)

אִ֭ישׁ & בְּעֵינָ֑יו

“मनुष्य {“ - “अपनी दृष्टि में”

हालांकि **मनुष्य** और **अपनी** शब्द पुल्लिंग हैं, सुलैमान इन शब्दों का उपयोग एक सामान्य अर्थ में कर रहे हैं जो पुरुषों और स्त्रियों दोनों को शामिल करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप ऐसे वाक्यांशों का उपयोग कर सकते हैं जो इसे स्पष्ट करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “किसी भी व्यक्ति ... उस व्यक्ति की दृष्टि में”

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 21:2 (#3)

“अपनी दृष्टि में तो ठीक होता है”

देखें कि आपने उसी वाक्यांश का अनुवाद 12:15 में किस प्रकार किया।

देखें: रूपक

नीतिवचन 21:2 (#4)

“परन्तु यहोवा मन को जाँचता है”

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 16:2 में किस प्रकार किया है।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 21:2 (#5)

“मन”

देखें कि आपने 15:11 में **मन** शब्द के समान उपयोग को किस प्रकार अनुवाद किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 21:3 (#1)

“”धर्म और न्याय“

देखें कि आपने भाववाचक संज्ञा **धर्म** और **न्याय** का 1:3 में और **बलिदान** का 15:8 में किस प्रकार अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 21:3 (#2)

נִבְחָ֤ר לַיהוָה֙

“यहोवा को ... अधिक अच्छा लगता है”

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: “यहोवा को पसंद है”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 21:4 (#1)

רוּם־עֵינַ֥יִם

“चढ़ी आँखें”

यहाँ सुलैमान घमण्ड को **चढ़ी आँखें** के रूप में संदर्भित करते हैं, जो अभिमानी लोगों के चेहरे की एक विशेष अभिव्यक्ति है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसके अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते

हैं। देखें कि आपने 6:17 में "चढ़ी हुई आँखें" जैसी समान अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "घमण्ड"

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 21:4 (#2)

וּרְחַב־לֵבָב

"(और) घमण्डी मन"

यहाँ, **घमण्डी मन** का अर्थ अहंकार से सोचना है। मूल भाषा में यहाँ पर **और** शब्द का उपयोग किया गया है परन्तु हिंदी आई.आर.वी अनुवाद में **और** शब्द का प्रयोग नहीं हुआ हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और अहंकार से सोचना"

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 21:4 (#3)

נִיר רְשָׁעִים

"दुष्टों की खेती"

यह वाक्य पिछले खण्ड में वर्णित दो पापों के बारे में और अधिक जानकारी प्रदान करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इन वाक्यों के बीच के सम्बन्ध को और स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अर्थात्, दुष्टों की खेती"

देखें: जानकारी देने और याद दिलाने में अन्तर करना

नीतिवचन 21:4 (#4)

נִיר רְשָׁעִים

"दुष्टों की खेती (का दिया)"

यहाँ, **दीया** के रूप में अनुवादित शब्द का अर्थ हो सकता है: (1) पिछले खण्ड में पाप **दीया** की तरह हैं जो **दुष्टों** को क्या करना है, यह दिखाता है। वैकल्पिक अनुवाद: "जो दुष्टों का मार्गदर्शन करता है" (2) पिछले खण्ड में पाप को बिना जोते गए खेत के समान दिखाया गया हैं, जो यहाँ इब्रानी शब्द का एक और संभावित अर्थ है, जो कुछ भी अच्छा उत्पन्न नहीं करता। वैकल्पिक अनुवाद: "दुष्टों की निष्फलता"

देखें: रूपक

नीतिवचन 21:5 (#1)

הָחָרוּץ

"कामकाजी"

कामकाजी का वाक्यांश सामान्य रूप से मेहनत करनेवाले लोगों को दर्शाता है, न कि किसी एक विशेष **कामकाजी** का। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप एक अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी मेहनती व्यक्ति"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 21:5 (#2)

לְמוֹתָתָר & לְמַחְסוֹר

""लाभ होता है,"

यहाँ, वाक्यांश **होता है** और **होती है** यह संकेत देते हैं कि जो आगे आता है वह पहले की वजह से है। अपनी भाषा में एक संयोजक का उपयोग करें जो यह स्पष्ट करता है कि जो आगे आता है वह पहले की वजह से है। वैकल्पिक अनुवाद: "परिणामस्वरूप लाभ...परिणामस्वरूप हानि"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

नीतिवचन 21:5 (#3)

""लाभ होता है,"

देखें कि आपने भाववाचक संज्ञा **लाभ** का 3:14 में और **घटी** का 6:11 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 21:5 (#4)

אָץ

"उतावली करनेवाले"

यहाँ, **उतावली करनेवाले** का मतलब है किसी काम को जितनी जल्दी करनी चाहिए उससे अधिक तेजी से करना। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो अत्यधिक शीघ्रता से करता है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 21:6 (#1)

פֹּעֵל אֹצָרוֹת

"जो धन झूठ के द्वारा प्राप्त हो"

यहाँ सुलैमान धन प्राप्त करने की बात करते हैं जैसे कि कोई **धन** बनाता हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "धन अर्जित करना"

देखें: रूपक

नीतिवचन 21:6 (#2)

"झूठ के द्वारा"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का 6:17 में किस प्रकार अनुवाद किया।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 21:6 (#3)

הֶבֶל נִדָּף

"वह वायु से उड़ जानेवाला कुहरा है"

यहाँ सुलैमान **धन** के गायब होने की बात करते हैं जैसे वे एक **कुहरा** हों जो शीघ्र ही लुप्त हो जाती है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसके अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं या एक उपमा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "शीघ्र ही लुप्त हो जाता है" या "जल्दी उड़नेवाले कुहरे की तरह गायब हो जाता है"

देखें: रूपक

नीतिवचन 21:6 (#4)

מְבַקְשֵׁי־מָוֶת

“उसके ढूँढ़नेवाले मृत्यु ही को ढूँढ़ते हैं”

सुलैमान कुछ शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप संदर्भ से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो ऐसे धन की खोज करते हैं, वे मृत्यु के खोजी होते हैं।”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 21:6 (#5)

“उसके ढूँढ़नेवाले मृत्यु ही को ढूँढ़ते हैं”

यहाँ सुलैमान उन लोगों के बारे में बात करते हैं जो ऐसा कुछ कर रहे हैं जो उन्हें नष्ट कर देगा, मानो कि वे **मृत्यु ही को ढूँढ़नेवाले** हों। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसके अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वे वही करते हैं जो उन्हें नष्ट कर देगा”

देखें: रूपक

नीतिवचन 21:7 (#1)

“जो उपद्रव” - “न्याय”

देखें कि आपने भाववाचक संज्ञा **उपद्रव** का 3:31 और **न्याय** का 1:3 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 21:7 (#2)

שֹׁד־רְשָׁעִים

“जो उपद्रव दुष्ट लोग करते हैं”

यहाँ सुलैमान **दुष्ट** लोगों द्वारा किए गए **उपद्रव** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “दुष्ट लोगों द्वारा की गई हिंसा”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 21:7 (#3)

יְגוֹרֵם

“उन्हीं का नाश होता है”

यहाँ सुलैमान **दुष्ट** लोगों के नाश होने की बात करते हैं क्योंकि वे ऐसे उपद्रव कार्य करते हैं जैसे उनका **उपद्रव** कोई व्यक्ति हो जो उन्हें **खींच कर विनाश** की ओर ले जाती है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसके अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उन्हें नष्ट कर देंगे”

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 21:8 (#1)

“का मार्ग”

देखें कि आपने **मार्ग** का समान उपयोग 1:15 में कैसे किया है।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 21:8 (#2)

אִישׁ זָר וְזָדוּ יָשָׁר פָּעֳלוֹ

“”पाप से लदे हुए मनुष्य,“

यहाँ, **पाप से लदे हुए**, **जो पवित्र है**, और **उसका** शब्द किसी विशेष व्यक्ति के लिए नहीं, बल्कि सामान्य प्रकार के लोगों के लिए प्रयुक्त हुए हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी दोषी व्यक्ति, परन्तु कोई भी निर्दोष व्यक्ति, उस व्यक्ति का आचरण सीधा होता है”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 21:9 (#1)

פִּנַּת־גָּג

“छत के कोने”

सुलैमान के समय में घरों की छत सपाट होती थीं जिन पर लोग चल सकते थे और कभी-कभी लोग **छत** के एक **कोने** में एक आश्रय बनाते थे जो इतना बड़ा होता था कि उसमें एक व्यक्ति सो सके। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप इस जानकारी को एक टिप्पणी में शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “सपाट छत का कोना”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 21:9 (#2)

מֵאֵשֶׁת מִדְיָנִים

“झगड़ालू पत्नी के संग”

यहाँ सुलैमान एक ऐसी **पत्नी** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं, जिसकी विशेषता स्वभाव से **झगड़ालू** है। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक झगड़ालू पत्नी के साथ”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 21:9 (#3)

וּבֵית חָבֶר

“घर में.... संग रहने से”

यहाँ सुलैमान एक **घर** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं जिसमें लोग एक साथ रहते हैं। मूल भाषा में यहाँ पर **और** शब्द का उपयोग किया गया है जब कि हिंदी आई.आर.वी बाइबल में **और** शब्द का प्रयोग नहीं हुआ हैं। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और एक घर में एक साथ रहते हैं”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 21:10 (#1)

נֶפֶשׁ

“जी से”

यहाँ, **जी** पूरे व्यक्ति को संदर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसके अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं।

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 21:10 (#2)

רֵעֵהוּ & בְּעֵינָיו

“दुष्ट जन” - “अपने पड़ोसी” - “(उसकी) दृष्टि में”

यहाँ, **दुष्ट जन**, **उसका**, और **पड़ोसी** सामान्य रूप से लोगों के प्रकार को संदर्भित करते हैं, न कि विशिष्ट लोगों को। मूल भाषा में यहाँ पर **उसकी** शब्द का उपयोग किया गया है जब कि हिंदी आई.आर.वी बाइबल में **उसकी** शब्द का प्रयोग नहीं हुआ हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। देखें कि आपने **दुष्ट जन** का 3:33 में कैसे अनुवाद किया। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी दुष्ट व्यक्ति ... उस व्यक्ति का पड़ोसी ... उस व्यक्ति की दृष्टि में”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 21:10 (#3)

“बुराई”

देखें कि आपने **बुराई** भाववाचक संज्ञा का 1:16 में किस प्रकार अनुवाद किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 21:10 (#4)

לֹא־יֵחַן בְּעֵינָיו רֵעֵהוּ

“वह अपने पड़ोसी पर अनुग्रह की दृष्टि नहीं करता”

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: “उनकी आँखें उनके पड़ोसी के प्रति अनुग्रह नहीं दिखाती है”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 21:10 (#5)

“(उसकी) दृष्टि में”

यहाँ, **जी** पूरे व्यक्ति को संदर्भित करता है। मूल भाषा में यहाँ पर **उसकी** शब्द का उपयोग किया गया है जब कि हिंदी आई.आर.वी बाइबल में **उसकी** शब्द का प्रयोग नहीं हुआ हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसके अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उसके द्वारा”

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 21:11 (#1)

“ठट्ठा करनेवाला, भोला” - “बुद्धिमान”

देखें कि आपने **ठट्ठा करनेवाला** का अनुवाद 9:7में, **भोला** का 14:15में, और **बुद्धिमान** का 1:5 में कैसे किया।

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 21:11 (#2)

יֶחְכַּם־פֶּתִי

“तब भोला बुद्धिमान हो जाता है”

सुलेमान मानते हैं कि उनके पाठक समझेंगे कि एक **भोला** व्यक्ति **ठट्ठा करनेवाले** को दण्डित होते हुए देखकर **बुद्धिमान** बन जाता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा तो आप इस जानकारी को शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक भोला व्यक्ति इसे होते हुए देखता है और बुद्धिमान बन जाता है”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 21:11 (#3)

וּבְהַשְׂכִּיל

“और जब ..... को उपदेश दिया जाता है”

यहाँ सुलैमान किसी व्यक्ति द्वारा किसी **बुद्धिमान व्यक्ति को उपदेश** सिखाने की बात कर रहा है, मानो **उपदेश** कोई वस्तु हो जिसे कोई व्यक्ति देता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसके अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और जब उपदेश सिखाया जाता है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 21:11 (#4)

“और जब बुद्धिमान को उपदेश दिया जाता है” - “ज्ञान”

देखें कि आपने भाववाचक संज्ञाओं **उपदेश** का 1:3 में और **ज्ञान** का 1:4 में किस प्रकार अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 21:11 (#5)

יִקַּח־דָּעַת

“तब वह ज्ञान प्राप्त करता है”

यहाँ सुलैमान किसी चीज के बारे में बात करते हैं जैसे कि **ज्ञान** एक वस्तु हो जिसे कोई व्यक्ति **प्राप्त** करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसके अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह **ज्ञान** सीखता है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 21:12 (#1)

צַדִּיק

“धर्मी जन”

धर्मी जन का अर्थ हो सकता है: (1) यहोवा, जो धर्मी हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "धर्मी व्यक्ति" (2) सामान्य रूप से एक धर्मी व्यक्ति। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी धर्मी व्यक्ति"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 21:12 (#2)

"बुद्धिमानी से विचार करता है"

देखें कि आपने **बुद्धिमानी** जैसी भाववाचक संज्ञा का 1:3 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 21:12 (#3)

"के घराने पर"

यहाँ, **घराने** उस परिवार को संदर्भित करता है जो उस **घराने** में निवास करता है। देखें कि आपने 3:33 में **घराने** शब्द के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 21:12 (#4)

"दुष्टों"

देखें कि आपने **दुष्टों** का 10:16 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 21:12 (#5)

מְסַלֵּ֣לְף רְשָׁעִ֑ים לָרָֽע

"परमेश्वर दुष्टों को बुराइयों में उलट देता है"

यहाँ सुलैमान यहोवा का उल्लेख करते हैं, जो **दुष्टों** को विपत्ति का अनुभव कराते हैं, जैसे कि वह उन्हें **उलट** रहे हों **बुराई** की ओर। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसके अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "दुष्टों को बुराई का अनुभव कराना"

देखें: रूपक

नीतिवचन 21:12 (#6)

לָרָֽע

"बुराइयों में"

यहाँ, **बुराई** उस परेशानी को संदर्भित करता है जो कोई **बुराई** के परिणामस्वरूप अनुभव कर सकता है। देखें कि आपने 12:21 में **बुराई** के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 21:13 (#1)

אֹטֵ֤ם אָ֙זְנוֹ֙ מִזַּעֲקַ֣ת־דָּ֔ל גַּם־הוּא֙

""जो कंगाल की दुहाई पर कान न दे,"

जो, **अपना** (मूल भाषा में लिखा है), **कंगाल**, और **वह** सामान्य प्रकार के लोगों के प्रकारों को संदर्भित करते हैं, न कि विशिष्ट व्यक्तियों को। मूल भाषा में यहाँ पर **अपना** शब्द का उपयोग किया गया है जबकि हिंदी आई.आर.वी बाइबल में **अपना** शब्द का प्रयोग नहीं हुआ हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी व्यक्ति जो कंगालों की पुकार पर कान नहीं देता, वह व्यक्ति भी"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 21:13 (#2)

אֹטֵ֤ם אָ֙זְנוֹ֙

"जो.... कान न दे"

यहाँ सुलैमान उस व्यक्ति का उल्लेख कर रहे हैं जो सुनने से इनकार कर रहा है, जैसे कि वह अपने **कान** बंद कर रहा हो ताकि वह किसी को सुन न सके। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसके अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह जो नहीं सुनेगा"

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 21:13 (#3)

מִזַּעֲקַ֣ת & יִקְרָ֑א

"की दुहाई पर" - "पुकारेगा"

यहाँ सुलैमान का मतलब है कि **दुहाई** और **पुकारना** किसी की सहायता के लिए चिल्लाने को संदर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "... की सहायता की पुकार से ... सहायता के लिए पुकारेगा"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 21:13 (#4)

"कंगाल"

देखें कि आपने **कंगाल** के समान उपयोग का 10:15 में कैसे अनुवाद किया।

देखें: रूपक

नीतिवचन 21:13 (#5)

וְלֹ֥א יַעֲנֶֽה

"और उसकी सुनी न जाएगी"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन कोई उसे जवाब नहीं देगा"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 21:13 (#6)

וְלֹ֥א יַעֲנֶֽה

"और उसकी सुनी न जाएगी"

यहाँ, **सुनी** शब्द उस व्यक्ति को संदर्भित करता है जो पुकारने वाले व्यक्ति की सहायता करके प्रतिक्रिया देता है। यदि यह आपकी भाषा में

सहायक होगा, तो आप इसके अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “परन्तु किसी से सहायता नहीं मिलेगी”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 21:14 (#1)

מַתָּתָן בַּבַּסֵּתֶר יִכְפֶּה־אָף וְשֹׁחַד בַּחֵיק חֵמָה עַזָּה

“”गुप्त में दी हुई भेंट से क्रोध ठंडा होता है,“

ये दोनों वाक्यांश मूल रूप से एक ही बात का अर्थ रखते हैं। दूसरा वाक्यांश पहले के अर्थ को अलग शब्दों में वही विचार दोहराकर जोर देता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप वाक्यांशों को **और** के अलावा किसी अन्य शब्द से जोड़ सकते हैं ताकि यह दिखाया जा सके कि दूसरा वाक्यांश पहले को दोहरा रहा है, कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: “गुप्त में दी गई भेंट से क्रोध शांत होता है, हाँ, छाती में रखा हुआ घूस प्रबल उत्तेजना को ठंडा करता है”

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 21:14 (#2)

מַתָּתָן בַּבַּסֵּתֶר

“गुप्त में दी हुई भेंट”

सुलैमान कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्यांश को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप संदर्भ से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “गुप्त रूप से दी गई भेंट”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 21:14 (#3)

יִכְפֶּה־אָף

“क्रोध ठंडा होता है”

यहाँ, **क्रोध ठंडा होने** का मतलब किसी व्यक्ति को गुस्सा होने से रोकना है। यहाँ **क्रोध** का मतलब “गुस्सा” है, क्योंकि गुस्से में व्यक्ति अपनी नाक से जोर से सांस लेता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसके अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “क्रोधित लोग क्रोधित होना बंद कर देते हैं”

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 21:14 (#4)

וְשֹׁחַד בַּחֵיק חֵמָה עַזָּה

“और चुपके से दी हुई घूस से बड़ी जलजलाहट भी थमती है”

सुलैमान कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि यह आपकी भाषा में स्पष्ट होगा, तो आप इन शब्दों को पिछले वाक्य से जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और चुपके से दी गई घूस प्रबल क्रोध को शान्त कर देती है”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 21:14 (#5)

בַּחֵיק

“गुप्त में (छाती में)”

यहाँ, **गुप्त में (**मूल भाषा में **छाती में)** इंगित करता है कि **घूस** किसी को छुपाकर दी जाती है, जैसे कि वह उस व्यक्ति के कपड़ों में उस व्यक्ति की **छाती** के पास छिपा दी गई हो। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसके अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने 17:23 में “छाती से” के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: “गुप्त रूप से”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 21:14 (#6)

חֵמָה עַזָּה

“बड़ी जलजलाहट”

यहाँ, **बड़ी जलजलाहट** का अर्थ अत्यधिक क्रोध है, जो क्रोधित व्यक्ति के शरीर को गर्म कर देता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे सरलता से “क्रोध” के रूप में व्यक्त कर सकते हैं।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 21:15 (#1)

שִׂמְחָה לַצַּדִּיק & וּמְחִתָּה

“धर्मी को तो आनन्द” - “परन्तु अनर्थकारियों को विनाश”

आनन्द, **धर्मी**, और **विनाश** इन चीज़ों और लोगों को सामान्य रूप से संदर्भित करते हैं, न कि किसी विशिष्ट चीज या व्यक्ति के रूप में। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “धार्मिक व्यक्तियों के लिए आनन्द है ... परन्तु विनाश”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 21:15 (#2)

“”आनन्द“ - “न्याय,”

देखें कि आपने भाववाचक संज्ञाओं **आनन्द** का 10:28, **न्याय** का 13:23, **विनाश** का 10:24, और **अनर्थकारियों** का 12:21 में कैसे अनुवाद किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 21:15 (#3)

וּמְחִתָּה לְפֹעֲלֵי אָוֶן

“परन्तु अनर्थकारियों को विनाश ही का कारण जान पड़ता है”

सुलैमान कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इन शब्दों को पिछले वाक्य से जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “परन्तु न्याय करना अधर्म के काम करनेवालों के लिये विनाश का कारण है”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 21:16 (#1)

אָדָם

“जो मनुष्य”

जो मनुष्य सामान्य रूप से सभी लोगों को संदर्भित करता है, किसी विशेष **व्यक्ति** को नहीं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप एक अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी व्यक्ति”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 21:16 (#2)

תִּתְּוֹעֶה מִדֶּרֶךְ הַשְּׂכֵל

“बुद्धि के मार्ग से भटक जाए”

यहाँ सुलैमान एक ऐसे व्यक्ति को संदर्भित करते हैं जो बुद्धिमानी से व्यवहार करना बंद कर देते हैं, जैसे कि सही तरीके से व्यवहार करना एक **मार्ग** है जिससे वह भटक जाते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसके अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने 1:15 में **मार्ग** के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: “अब बुद्धिमानी से नहीं जीते”

देखें: रूपक

नीतिवचन 21:16 (#3)

בִּקְהַל רְפָאִים יָנוּחַ

“उसका ठिकाना मरे हुओं के बीच में होगा”

इस बाक्यांश में, सुलैमान एक व्यक्ति की मृत्यु का उल्लेख करते हैं। **मरे हुओं के बीच में होगा** वाक्यांश उस स्थान की ओर संकेत करता है जहाँ लोगों की आत्माएँ मरने के बाद जाती हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसके अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उसका अन्त उन लोगों के बीच होगा जिनकी आत्माएँ मृत्यु के बाद वास करती हैं” या “वह मृत्यु को प्राप्त होगा”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 21:17 (#1)

אִישׁ מַמְחְסוֹר אֹהֵב שִׂמְחָה אֹהֵב יַיִן־וָשֶׁמֶן לֹא יַעֲשִׁיר

“”जो रागरंग से प्रीति रखता है, वह कंगाल हो जाता है;“

ये दोनों बाक्यांश मूल रूप से एक ही बात का अर्थ रखते हैं। दूसरा बाक्यांश अलग-अलग शब्दों के साथ एक ही विचार को दोहराकर पहले बाक्यांश के अर्थ पर जोर देता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप बक्यांशों को एक ऐसे शब्द से जोड़ सकते हैं जो दिखाता है कि दूसरा बाक्यांश पहले को दोहरा रहा है, कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: “एक कंगाल व्यक्ति लालसा से प्रेम करता है; हाँ, दाखरस और तेल का प्रेमी धनी नहीं बनेगा।”

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 21:17 (#2)

אִישׁ & אֹהֵב

“जो ... कंगाल हो जाता है“ - “जो ... से प्रीति रखता है”

जो और **जो प्रीति रखता है** सामान्य रूप से लोगों के प्रकार को संदर्भित करते हैं, किसी विशेष व्यक्ति को नहीं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी व्यक्ति ... कोई भी प्रेमी”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 21:17 (#3)

אִישׁ מַמְחְסוֹר

“कंगाल”

यहाँ सुलैमान एक **कंगाल** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं, जो धन की कमी से पहचाने जाते हैं। यदि आपकी भाषा में इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो व्यक्ति कमी में रहता है” या “एक पुरुष जो गरीबी से पहचाना जाता है”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 21:17 (#4)

שִׂמְחָה

“रागरंग”

यहाँ, **रागरंग** उन चीजों और गतिविधियों को संदर्भित करता है जो लोगों को **आनन्द** का अनुभव कराते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसके अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो उन्हें प्रसन्न करता है”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 21:17 (#5)

“दाखमधु... और तेल”

दाखमधु और **तेल** दोनों विलासमय वस्तुएं हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “विलासिता की वस्तुएं जैसे दाखरस और तेल”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 21:18 (#1)

כֹּפֶר לַצַּדִּיק רָשָׁע

“दुष्ट जन धर्मी की छुड़ौती ठहरता है,”

यहाँ सुलैमान **दुष्ट जन** का उल्लेख करते हैं जिसे **धर्मी** के बजाय दण्डित किया जाता है, जैसे कि **दुष्ट जन धर्मी** के लिए **छुड़ौती** के रूप में दिया गया हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसके अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक दुष्ट व्यक्ति को धार्मिक व्यक्ति के बजाय दण्डित किया जाता है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 21:18 (#2)

“दुष्ट जन धर्मी ... ठहरता है”

देखें कि आपने **धर्मी** का 10:3 में और **दुष्ट जन** का 9:7 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 21:18 (#3)

וְתַתַּחַת יְשָׁרִים בּוֹגֵד

“और विश्वासघाती सीधे लोगों के बदले दण्ड भोगते हैं”

सुलैमान कुछ ऐसे शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। आप इन शब्दों को वाक्य के पहले भाग से ले सकते हैं यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा। वैकल्पिक अनुवाद: “और सीधे लोगों के बदले विश्वासघाती एक छुड़ौती होता है” या “और सीधे लोगों के बजाय, विश्वासघाती व्यक्ति को दण्ड दिया जाता है”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 21:18 (#4)

בּוֹגֵד

“विश्वासघाती”

यहाँ, **विश्वासघाती** वह सामान्य रूप से इस प्रकार के लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं, न कि किसी विशेष व्यक्ति का। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी व्यक्ति जो विश्वासघात करता है”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 21:19 (#1)

בְּאֶרֶץ־מִדְבָּר

“जंगल में”

चूंकि **जंगल** एक ऐसा स्थान है जहाँ लोग नहीं होते, सुलैमान का तात्पर्य यह है कि उस स्थान पर अकेले रहना है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जंगल की भूमि में अकेले”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 21:19 (#2)

“झगड़ालू.... पत्नी के संग”

देखें कि आपने **झगड़ालू पत्नी** का 21:9 में कैसे अनुवाद किया।

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 21:19 (#3)

“और चिढ़नेवाली”

यदि आपकी भाषा में **चिढ़नेवाली** के विचार के लिए एक भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं होता है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और जो दूसरों को कष्ट देता है”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 21:20 (#1)

“”बुद्धिमान,“

देखें कि आपने **बुद्धिमान** का 1:5 में कैसे अनुवाद किया और **मूर्ख** का 15:20 में कैसे अनुवाद किया।

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 21:20 (#2)

יְבַלְּעֶנּוּ

“उड़ा डालता है”

यहाँ सुलैमान एक **मूर्ख** व्यक्ति का उल्लेख करते हैं जो अपनी सारी संपत्ति ऐसे बर्बाद करता है जैसे वह कुछ **उड़ा** डालता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसके अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “इसे बर्बाद करता है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 21:21 (#1)

רֹדֵף

“जो..... पीछा करता है”

जो पीछा करता है सामान्य रूप से एक प्रकार के व्यक्ति को दर्शाता है, न कि एक विशेष व्यक्ति को। यदि यह आपकी भाषा में अधिक सहायक होगा, तो आप एक अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो कोई भी पीछा करता है”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 21:21 (#2)

“जो.... पीछा करता है”

देखें कि आपने 15:9 में **पीछा करता** का अनुवाद कैसे किया।

देखें: रूपक

नीतिवचन 21:21 (#3)

“”धर्म और कृपा“

देखें कि आपने **धर्म** का 1:3, **कृपा** का 3:3, **जीवन** का 10:16, और **महिमा** का 3:16 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 21:21 (#4)

“पाता है”

देखें कि आपने **पाता है** का समान उपयोग 8:35 में किस प्रकार अनुवाद किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 21:22 (#1)

חָכָם עִיר & וַיֹּרֶד

“बुद्धिमान” - “नगर पर” - “नाश करता है”

बुद्धिमान, **नगर**, और **वह** (मूल भाषा में है) सामान्य रूप से एक प्रकार के व्यक्ति और शहर का प्रतिनिधित्व करता है, न कि किसी विशेष व्यक्ति और शहर का। मूल भाषा में यहाँ पर **वह** शब्द का उपयोग किया गया है जबकि हिंदी आई.आर.वी बाइबल में **वह** शब्द का प्रयोग नहीं हुआ हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी बुद्धिमान व्यक्ति ... किसी भी शहर का ... और वह व्यक्ति कारण बनता है ... नीचे जाने के लिए"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 21:22 (#2)

עִ֣יר & עָל֔וּ֑ הָ

"नगर पर चढ़कर"

यहाँ, **चढ़कर** का मतलब एक शहर पर हमला करना और उसकी दीवार पर चढ़ना है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसके अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सफलतापूर्वक ... के एक शहर पर हमला करना" या "... के एक शहर को जीत लेना"

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 21:22 (#3)

עִ֣יר גִּבֹּרִ֑ים

"शूरवीरों के नगर"

यहाँ सुलैमान **नगर** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं, जिसे **शूरवीर** रक्षा करते हैं। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक शहर जिसकी रक्षा पराक्रमी लोग करते हैं"

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 21:22 (#4)

וַיֹּ֖רֶד

"(और वह) नाश करता है"

मूल भाषा में इस पद के दुसरे भाग में **और वह** लिखा है जबकि हिंदी आई.आर.वि. बाइबल में नहीं लिखा है। यहाँ, **नाश करता है** का तात्पर्य उस **बुद्धिमान** व्यक्ति से है जो अपने सैनिकों को उस **नगर** की रक्षा करने वाली किलेबंदी को नष्ट करने के लिए नेतृत्व करता है, जो पिछले खण्ड में उल्लेखित है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और वह अपने सैनिकों से नष्ट करवाता है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 21:22 (#5)

עֹ֥ז מִבְטַחָ֖הּ

"उनके बल को जिस पर वे भरोसा करते हैं"

यहाँ, **बल** का अर्थ पिछले वाक्य में उल्लेखित **नगर** के चारों ओर मजबूत दीवारों और मीनारों से है। यहाँ, **उसका** का तात्पर्य शहर के लोगों से है। उन्हें दीवारों पर **भरोसा** है और वे नहीं मानते कि कोई उन्हें नष्ट कर सकेगा। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसके अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मजबूत किलेबंदी जिन पर उन्हें भरोसा है"

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 21:23 (#1)

שֹׁמֵ֥ר פִּ֖יו וּלְשׁוֹנ֑וֹ & נַפְשׁ֥וֹ

""जो अपने मुँह को वश में रखता है"

जो ... रखता है और **अपने** सामान्य रूप से एक प्रकार के व्यक्ति को संदर्भित करता है, न कि किसी विशेष व्यक्ति को। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी व्यक्ति जो अपने मुँह और जीभ को नियंत्रित करता है, वह अपने जीवन की रक्षा करता है"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 21:23 (#2)

שֹׁמֵ֥ר

"जो ... वश में रखता है"

मूल भाषा में इस पद में **मुँह और जीभ** दोनों लिखा है जबकि हिंदी आई.आर.वि. बाइबल में केवल **मुँह** ही लिखा है। यहाँ सुलैमान एक व्यक्ति का उल्लेख करते हैं जो **अपने मुँह और जीभ** के प्रति सावधान रहता है, जैसे कि वे वस्तुएँ हैं जिन्हें वह **वश में रखता** हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसके अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो ... के साथ सावधान रहते हैं"

देखें: रूपक

नीतिवचन 21:23 (#3)

פִּ֖יו וּלְשׁוֹנ֑וֹ

"अपना मुँह (और अपना जीभ)"

मूल भाषा में इस पद में **मुँह और जीभ** दोनों लिखा है जबकि हिंदी आई.आर.वि. बाइबल में केवल **मुँह** ही लिखा है। शब्द **मुँह** और **जीभ** समान अर्थ रखते हैं। ये दोनों इस बात का संदर्भ देते हैं कि कोई व्यक्ति क्या कहता है। सुलैमान जोर देने के लिए इन दोनों शब्दों का एक साथ उपयोग कर रहे हैं। यदि आपके पाठकों के लिए यह अधिक स्पष्ट हो तो आप एक ही वाक्यांश में जोर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो कुछ भी वे कहते हैं"

देखें: द्विरावृत्ति (डबलेट)

नीतिवचन 21:23 (#4)

נַפְשׁ֥וֹ

"अपने प्राण"

यहाँ, **प्राण** से तात्पर्य स्वयं व्यक्ति से है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसके अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "खुद को"

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 21:23 (#5)

“विपत्तियों से”

देखें कि आपने **विपत्ति** जैसी भाववाचक संज्ञा का 1:27 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 21:24 (#1)

זֵד יָהִיר & שְׁמוֹ

“अभिमानी और अहंकारी,” - “उसका नाम है”

अभिमानी, अहंकारी और **उसका** सामान्य रूप से एक प्रकार के व्यक्ति का प्रतिनिधित्व करते हैं, न कि किसी विशेष व्यक्ति का। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी घमंडी, अभिमानी व्यक्ति ... उस व्यक्ति का नाम है”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 21:24 (#2)

שְׁמוֹ

“उसका नाम... है”

यहाँ, **नाम** उस व्यक्ति के वास्तविक **नाम** को नहीं, बल्कि एक **अभिमानी, अहंकारी** को संदर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसके अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “लोग उन्हें ... कहते हैं”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 21:24 (#3)

בְּעֶבְרַת זָדוֹן

“जो अभिमान से रोष में आकर”

यहाँ सुलैमान **रोष** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं, जो **अभिमान** द्वारा चिह्नित है। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अहंकारी क्रोध के साथ”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 21:24 (#4)

בְּעֶבְרַת זָדוֹן

“अभिमान से रोष में आकर”

यदि आपकी भाषा **रोष** या **अभिमान** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं करती है, तो आप इन्हीं विचारों को अन्य तरीकों से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अहंकारी उग्र तरीके से”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 21:25 (#1)

עָצֵל תְּמִיתֶנּוּ & יָדָיו

“”आलसी अपनी लालसा ही में मर जाता है,“

यहाँ, **आलसी**, **अपनी**, और **उसके** शब्द सामान्य रूप से आलसी लोगों को संदर्भित करते हैं, न कि किसी विशेष **आलसी** को। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “किसी भी आलसी की इच्छा ही उसे मरवा देती है ... उस व्यक्ति के हाथ”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 21:25 (#2)

מֵאֲנוּ יָדָיו

“उसके हाथ ... इन्कार करते हैं”

यहाँ, **हाथ** पूरे व्यक्ति को संदर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह मना करता है”

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 21:26 (#1)

הִתְאַוָּה תַאֲוָה

“कोई ऐसा है, जो ... लालसा ही किया करता है” (सारा दिन वह अपने लिए लालसा ही किया करता है)

मूल भाषा में इस पद में सर्वनाम **वह** और **अपने** का उपयोग हुआ है जबकि हिंदी आई.आर.वि. बाइबल में इनका प्रयोग नहीं हुआ है। यहाँ, **वह** और **अपने** पिछले पद में उल्लिखित आलसी व्यक्ति को संदर्भित करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “आलसी व्यक्ति पुरे दिन अपने लिए लालसा किया करता है”

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

नीतिवचन 21:26 (#2)

“कोई ऐसा है, जो... लालसा ही किया करता है”

यहाँ, **लालसा करता है** एक बलपूर्वक रचना है, जिसमें क्रिया और उसका कर्म एक ही मूल शब्द से आए हैं। आप यहाँ अर्थ को व्यक्त करने के लिए अपनी भाषा में उसी संरचना का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक रूप से, आपकी भाषा में जोर देने का कोई और तरीका हो सकता है।

देखें: कविता

नीतिवचन 21:26 (#3)

“परन्तु धर्मी”

देखें कि आपने **धर्मी** को 9:9 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 21:26 (#4)

יִתֵּן וְלֹא יַחְשֹׂךְ

“लगातार दान करता रहता है।”

सुलैमान कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप संदर्भ से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो कुछ उनके पास है, वह देते हैं और उसे नहीं रोकते"

देखें: पदलोप

नीतिवचन 21:27 (#1)

זֶבַח & תּוֹעֲבָה & בְּזִמָּה יְבִיאֻנוּ

"दुष्टों का बलिदान" - "घृणित है;"

बलिदान, **घृणित**, **वह**, **यह**, और **बुरे उद्देश्य** सेनापति में वस्तुओं और व्यक्तियों के प्रकार को संदर्भित करते हैं, किसी विशेष व्यक्ति या वस्तु को नहीं। मूल भाषा में यहाँ पर **यह** शब्द का उपयोग किया गया है जबकि हिंदी आई.आर.वी बाइबल में **यह** शब्द का प्रयोग नहीं हुआ हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "... के बलिदान घृणित हैं ... वे उन्हें दुष्ट उद्देश्यों के साथ लाते हैं"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 21:27 (#2)

"का बलिदान"

देखें कि आपने **बलिदान** भाववाचक संज्ञा का 15:8 में किस प्रकार अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 21:27 (#3)

תּוֹעֵבָה

"घृणित है"

यदि आपकी भाषा में **घृणित** के विचार के लिए एक भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं होता है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "घिनौना है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 21:27 (#4)

אַף כִּי

"विशेष करके जब"

सुलैमान कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। आप इन शब्दों को वाक्य के पहले भाग से जोड़ सकते हैं यदि यह आपकी भाषा में स्पष्ट होगा। वैकल्पिक अनुवाद: "यह कितना अधिक घृणित होता है" या "यह कितना अधिक घिनौना होता है"

देखें: पदलोप

नीतिवचन 21:27 (#5)

בְּזִמָּה

"बुरे उद्देश्य के साथ"

यहाँ सुलैमान किसी ऐसे व्यक्ति के बारे में बात कर रहा है जो **बलिदान** चढ़ाते समय **बुरे उद्देश्य** बनाता है, मानो वह **उद्देश्य** कोई वस्तु हो जिसे वह अपने **साथ** लाए हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसके अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जबकि उनके पास बुरे उद्देश्य है"

देखें: रूपक

नीतिवचन 21:27 (#6)

בְּזִמָּה

"बुरे उद्देश्य के साथ"

यहाँ, **उद्देश्य** का अर्थ उद्देश्य या इरादा है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बुरे उद्देश्य के साथ" या "बुरे इरादे के साथ"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 21:28 (#1)

עֵד־כְּזָבִים & וְאִישׁ שׁוֹמֵעַ

"झूठा साक्षी" - "परन्तु सच्चा साक्षी (परन्तु जो सुनता है)"

मूल भाषा में इस पद में **परन्तु जो सुनता है** लिखा है जब कि हिंदी आई.आर.वि. बाइबल में **परन्तु सच्चा साक्षी** लिखा है। **झूठा साक्षी** और **परन्तु सच्चा साक्षी** सामान्य रूप से लोगों के प्रकार को संदर्भित करते हैं, न कि विशेष व्यक्तियों को। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी झूठ का गवाह... लेकिन कोई भी व्यक्ति जो सुनता है"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 21:28 (#2)

עֵד־כְּזָבִים

"झूठा साक्षी"

यहाँ सुलैमान **झूठ** बोलने वाले **साक्षी** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का प्रयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "झूठ बोलने वाला एक साक्षी"

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 21:28 (#3)

"सदा स्थिर रहेगा"

मूल भाषा में इस पद में **सदा बोलता रहेगा** लिखा है जबकि हिंदी आई.आर.वि. बाइबल में **सदा स्थिर रहेगा** लिखा हुआ है। यहाँ सुलैमान का तात्पर्य यह है कि लोग किसी व्यक्ति द्वारा कही गई बातों को ऐसे याद रखते हैं जैसे वह व्यक्ति **सदा स्थिर (बोलता) रहेगा**। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह बोलेगा और जो वह कहता है उसे याद रखा जाएगा"

देखें: रूपक

नीतिवचन 21:29 (#1)

הֵעֵז אִישׁ רָשָׁע בְּפָנָיו וְיָשָׁר הוּא יָבִין דַּרְכּוֹ ।

“”दुष्ट मनुष्य अपना मुख कठोर करता है,“

दुष्ट मनुष्य, **अपना, धर्मी**, और **अपनी** सामान्य रूप से लोगों के प्रकार को संदर्भित करता है, विशिष्ट लोगों को नहीं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। देखें कि आपने **दुष्ट मनुष्य** का 11:7 में कैसे अनुवाद किया है। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी दुष्ट व्यक्ति अपने मुख को कठोर करता है, परन्तु सीधा जन अपने चालचलन पर ध्यान देता है”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 21:29 (#2)

הֵעֵז & בְּפָנָיו

“अपना मुख कठोर करता है”

यहाँ, **अपना मुख कठोर करता है** का तात्पर्य यह है कि **मनुष्य** के चेहरे के भाव से उनकी जिद्दी और हठी स्वभाव का पता चलता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अपनी भाषा से एक समान अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने 7:13 में समान अभिव्यक्ति “उसने निर्लज्जता दिखाई” का अनुवाद कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: “उसके चेहरे पर कठोरता है” या “उसके चेहरे पर जिद्दी भाव होता है”

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 21:29 (#3)

יָבִין דַּרְכּוֹ

“अपनी चाल सीधी रखता है”

कई प्राचीन पांडुलिपियों में **अपनी चाल सीधी रखता है**, जैसा कि यू.एल.टी में है। अन्य प्राचीन पांडुलिपियों में “वह अपने मार्ग को स्थापित करते हैं” लिखा है। यदि आपके क्षेत्र में बाइबल का अनुवाद उपलब्ध है, तो आप उस पठन का उपयोग करना चाह सकते हैं जो वह उपयोग करता है। यदि आपके क्षेत्र में बाइबल का अनुवाद उपलब्ध नहीं है, तो आप यू.एल.टी के पठन का उपयोग करना चाह सकते हैं।

देखें: पाठ्य भिन्नताएँ

नीतिवचन 21:29 (#4)

“अपनी चाल”

देखें कि आपने **चाल** का 3:6 में उसी प्रकार अनुवाद कैसे किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 21:30 (#1)

“बुद्धि” - “समझ”

देखें कि आपने **बुद्धि** और **समझ** जैसी भाववाचक संज्ञाओं का 1:2 में और **युक्ति** का 1:25 में किस प्रकार अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 21:30 (#2)

“युक्ति”

यहाँ, **युक्ति** सच्चे और सही **युक्ति** को संदर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उत्तम सलाह”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 21:30 (#3)

“यहोवा के विरुद्ध”

यहाँ, **यहोवा के विरुद्ध** कुछ ऐसा संदर्भित करता है जो **यहोवा** की इच्छा के विपरीत है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो यहोवा की इच्छा के विपरीत है”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 21:31 (#1)

סוּס & לְיוֹם מִלְחָמָה

“घोड़ा” - “युद्ध के दिन के लिये”

घोड़ा और **युद्ध का दिन** इन चीजों को सामान्य रूप से संदर्भित करते हैं, किसी विशेष **घोड़े** या **युद्ध के दिन** को नहीं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी घोड़ा ... युद्ध के किसी भी दिन के लिए”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 21:31 (#2)

סוּס מְמוּכָן

“घोड़ा तैयार तो होता है”

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई घोड़े को तैयार करता है”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 21:31 (#3)

סוּס

“घोड़ा”

एक **घोड़ा** एक बड़ा पशु है जिसका उपयोग सेनाएं गाड़ियों को खींचने के लिए किया था, जिनसे सैनिक युद्ध करते थे। घोड़ों वाली सेनाएँ आमतौर पर उन सेनाओं से अधिक शक्तिशाली होती थीं जिनके पास घोड़े नहीं होते थे। यदि आपके पाठक इस प्रकार के पशु से परिचित नहीं हैं, तो आप अपने क्षेत्र में कुछ समान नाम का उपयोग कर सकते हैं या आप कुछ ऐसा सामान्य शब्द का उपयोग कर सकते हैं जिसका उपयोग सैनिक युद्ध के लिए करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “युद्ध के लिए उपयोग किया जाने वाला पशु” या “युद्ध का उपकरण”

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

नीतिवचन 21:31 (#4)

לְיוֹם מִלְחָמָה

“युद्ध के दिन के लिये”

यहाँ, **दिन** उस समय को संदर्भित करता है जब कुछ होता है। यह 24 घंटे की अवधि को इंगित नहीं करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसके अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “युद्ध के समय के लिए”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 21:31 (#5)

הַתְּשׁוּעָה

“जय”

यहाँ, **जय** का अर्थ **युद्ध** में हार से बचने से है, जो “विजय” कहने का एक और तरीका है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसके अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “विजय” या “हार से बचना”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 21:31 (#6)

וְלַיהוָה

“परन्तु” - “यहोवा ही से मिलती है”

यहाँ सुलैमान स्वामित्व रूप का उपयोग करते हैं ताकि यह व्यक्त किया जा सके कि **जय** का स्रोत केवल **यहोवा** ही हैं।। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “परन्तु ... यहोवा से प्राप्त होती है”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 22:1 (#1)

נִבְחָר שֵׁם מֵעֹשֶׁר רָב מִכֶּסֶף וּמִזָּהָב חֵן טוֹב

“”बड़े धन से अच्छा नाम अधिक चाहने योग्य है“

इन दोनों वाक्यांश का मूल रूप से एक ही अर्थ है। दूसरा वाक्यांश अलग-अलग शब्दों के साथ एक ही विचार को दोहराकर पहले के अर्थ पर जोर देता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप वाक्यांशों को ऐसे शब्द से जोड़ सकते हैं जो दर्शाता है कि दूसरा वाक्यांश पहले वाले को दोहरा रहा है, कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: “नाम को प्रचुर धन से अधिक चुना जाना चाहिए; हाँ, अनुग्रह चाँदी और सोने से बेहतर है।”

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 22:1 (#2)

שֵׁם

“नाम”

यहाँ, **नाम** किसी व्यक्ति की प्रतिष्ठा को दर्शाता है। सुलैमान का तात्पर्य है कि यह एक अच्छी प्रतिष्ठा है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक अच्छी प्रतिष्ठा”

देखें: रुपक

नीतिवचन 22:1 (#3)

נִבְחָר שֵׁם

“अच्छा नाम अधिक चाहने योग्य है,”

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: “व्यक्ति को एक अच्छा नाम चुनना चाहिए”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 22:1 (#4)

מִכֶּסֶף וּמִזָּהָב חֵן טוֹב

“और सोने चाँदी से औरों की प्रसन्नता उत्तम है”

इस वाक्यांश का अनुवाद “अच्छा प्रसन्नता चाँदी और सोना से अधिक” के रूप में भी किया जा सकता है, जिसमें **चाहने योग्य** पिछले खंड से निहित है। यदि आपके क्षेत्र में बाइबल का अनुवाद उपलब्ध है, तो आप उस पठन का उपयोग करना चाहेंगे जो यह उपयोग करता है। यदि आपके क्षेत्र में बाइबल का अनुवाद उपलब्ध नहीं है, तो आप आई.आर.वी के पठन का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अच्छा अनुग्रह चाँदी और सोना से अधिक चुना जाना चाहिए” या “लोगों को चाँदी और सोना होने से अधिक दूसरों द्वारा पसंद किए जाने को चुनना चाहिए”

नीतिवचन 22:1 (#5)

“और सोने चाँदी से औरों की प्रसन्नता उत्तम है”

यहाँ सुलैमान का अर्थ **प्रसन्नता**, **चाँदी**, और **सोना** का होना है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अनुग्रह का होना चाँदी और सोना होने से श्रेष्ठ है”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 22:1 (#6)

“प्रसन्नता”

देखें कि आपने **प्रसन्नता** का 3:4 में किस प्रकार अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 22:2 (#1)

עָשִׁיר וָרָשׁ

“धनी और निर्धन”

धनी और निर्धन आम तौर पर लोगों के प्रकारों को दर्शाता है, न कि किसी खास **धनी और निर्धन** व्यक्ति को। अगर यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी बुद्धिमान व्यक्ति और कोई भी अमीर व्यक्ति”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 22:2 (#2)

נִפְגָּשׁוּ

“एक समानता है”

यहाँ सुलैमान ऐसे लोगों के बारे में बात करते हैं जिनके बीच **एक समानता** होती हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कुछ समान होना”

देखें: रूपक

नीतिवचन 22:3 (#1)

“चतुर मनुष्य”

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 12:16 में (विवेकी मनुष्य) किस प्रकार किया है।

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 22:3 (#2)

רָעָה

“विपत्ति”

यहाँ, **विपत्ति** का अर्थ कुछ **विपत्ति** के कारण होने वाले खतरे से है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “खतरा”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 22:3 (#3)

עָבְרוּ

“आगे बढ़कर”

यहाँ, **आगे बढ़कर** पिछले खंड में **विपत्ति** के विपरीत है, यह संकेत देने के लिए कि **भोले लोग** बिना यह देखे कि वे खतरे में हैं, सीधे एक खतरनाक स्थिति में प्रवेश कर जाते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अनजाने में एक खतरनाक स्थिति में प्रवेश कर जाते हैं”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 22:3 (#4)

וְנֶעְנָשׁוּ

“दण्ड भोगते हैं”

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: “और वे जुर्माना भरते हैं”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 22:3 (#5)

וְנֶעְנָשׁוּ

“दण्ड भोगते हैं”

यहाँ, **दण्ड** का मतलब खतरे से बचने में असफल होने के नकारात्मक परिणामों का अनुभव करना है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैवैकल्पिक अनुवाद: “और वे परिणाम भुगतते हैं”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 22:4 (#1)

עֲנָוָה יִרְאַת יְהוָה

“नम्रता और यहोवा के भय”

इसका अर्थ हो सकता है: (1) **नम्रता** यहाँ विशेष रूप से **यहोवा के भय** को संदर्भित करती है, जैसा कि 15:33 में इन अभिव्यक्तियों की समानता से भी पता चलता है। वैकल्पिक अनुवाद: “विनम्रता, अर्थात्, यहोवा का भय” (2) **नम्रता** और **यहोवा के भय** दो अलग-अलग बातें हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “विनम्रता और यहोवा का भय”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 22:4 (#2)

“नम्रता”

देखें कि आपने **नम्रता** जैसी भाववाचक संज्ञा का 15:33 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 22:4 (#3)

“यहोवा के भय”

देखें कि आपने इस वाक्यांश का 1:7 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 22:4 (#4)

“धन, महिमा”

देखें कि आपने **धन और महिमा** का 3:16 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 22:4 (#5)

“और जीवन”

यहाँ, **जीवन** एक दीर्घायु को संदर्भित करता है। देखें कि आपने 10:16 में **जीवन** के उसी उपयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 22:5 (#1)

בְּדֶרֶךְ עִקְּשִׁים שׁוֹמֵר נַפְשׁוֹ

“”टेढ़े मनुष्य के मार्ग में“

यहाँ, **मार्ग**, **टेढ़े मनुष्य**, और **जो अपने प्राणों की रक्षा करता** सामान्य रूप से लोगों के तरीकों और प्रकारों को दर्शाता है, न कि किसी विशिष्ट **मार्ग,** तरीके या लोगों को। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अधिक प्राकृतिक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक

अनुवाद: “टेढ़े लोगों के मार्गों में होते हैं; वे जो अपने जीवन की रक्षा करते हैं”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 22:5 (#2)

צִנִּנִּים פַּחִים בְּדֶרֶךְ עִקֵּשׁ

“टेढ़े मनुष्य के मार्ग में काँटे और फंदे रहते हैं”

यहाँ, सुलैमान उन बुरी चीजों के बारे में बात करते हैं जो **टेढ़े मनुष्य** अपने जीवनकाल में अनुभव करेंगे, जैसे कि उनका जीवन एक ऐसा मार्ग हो जिस पर **काँटे और फंदे** हों। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने 15:19 में **मार्ग** के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: “टेढ़े व्यक्ति को अपने जीवनकाल में कई परेशानियों का सामना करना पड़ेगा” या “टेढ़े व्यक्ति का जीवन कठिन होगा”

देखें: रूपक

नीतिवचन 22:5 (#3)

עִקֵּשׁ

“टेढ़े मनुष्य”

यहाँ सुलैमान **टेढ़े मनुष्य** शब्द का उपयोग छल करने वाले के लिए करते हैं। देखें कि आपने 2:15 में **टेढ़े** शब्द के प्रयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 22:5 (#4)

שׁוֹמֵר נַפְשׁוֹ

“जो अपने प्राणों की रक्षा करता”

इस वाक्यांश की विषय-वस्तु पिछले वाक्यांश की विषय-वस्तु के विपरीत है। अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीके से विपरीतता दर्शाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: “इसके विपरीत, जो अपने जीवन की रक्षा करता है”

देखें: जोड़ें — विरोधाभास सम्बन्ध

नीतिवचन 22:5 (#5)

שׁוֹמֵר נַפְשׁוֹ

“ जो अपने प्राणों की रक्षा करता”

यहाँ सुलैमान ऐसे व्यक्ति की बात करते हैं जो जीवित रहना चाहता है जैसे कि **उनका प्राण** कुछ ऐसा हो जिसकी वह **रक्षा** करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इस अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने 16:17 में “अपने प्राण की भी रक्षा करता है” वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: “जो खुद को जीवित रखता है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 22:5 (#6)

מֵהֶם

“उनसे”

यहाँ, **उनसे** उल्लेख **काँटे** और **फंदे** से है जो पिछले पद में उल्लिखित हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उन काँटों और जालों से”

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

नीतिवचन 22:6 (#1)

לַנַּעַר & דַּרְכּוֹ & יַחֲזִיק לֹא־יָסוּר

“”लड़के“ - “उसको चलना”

यहाँ, **लड़के**, **उसको**, और **वह** सामान्य रूप से बच्चों को संदर्भित करता है, किसी विशिष्ट लड़के को नहीं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अधिक प्राकृतिक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी बालक ... उस व्यक्ति का तरीका ... वह व्यक्ति वृद्ध है, वह व्यक्ति बदलने वाला नहीं है”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 22:6 (#2)

“जिसमें उसको चलना चाहिये”

यहाँ, **उसी मार्ग** का अर्थ है कि कोई व्यक्ति कैसे व्यवहार करता है, जैसे 1:15 में में है। वाक्यांश **उसी मार्ग की शिक्षा दे जिसमें उसको चलना चाहिये** का अर्थ हो सकता है: (1) **लड़के** को कैसे व्यवहार करना चाहिए। वैकल्पिक अनुवाद: “जैसे उसे जीना चाहिए वैसे जीना” (2) **लड़के** का पहले से ही व्यवहार करने का तरीका, इस मामले में **शिक्षा दे** एक आदेश का विडंबनापूर्ण उपयोग है और यह पद एक युवा व्यक्ति को अपनी मर्जी से जीने देने के खिलाफ चेतावनी होगी। वैकल्पिक अनुवाद: “जिस तरह से वह जी रहा है, उसके अनुसार जीना”

देखें: रूपक

नीतिवचन 22:6 (#3)

לֹא־יָסוּר מִמֶּנָּה

“ वह” - “उससे न हटेगा”

यहाँ सुलैमान एक व्यक्ति के बारे में बात करते हैं जो एक निश्चित तरीके से व्यवहार करना जारी रखता है, जैसे कि वह व्यक्ति उस व्यवहार से **न हटेगा**। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने 3:7 में **न हटेगा** (अलग रहना) वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: “वह उसी तरह व्यवहार करता रहेगा”

देखें: रूपक

नीतिवचन 22:7 (#1)

עָשִׁיר & וְעֶבֶד לַלּוֶה לְאִישׁ מַלְוֶה

“धनी” - “उधार लेनेवाला उधार देनेवाले का दास होता है”

धनी, **उधार लेनेवाला, दास**, और **उधार देनेवाले** सामान्य रूप से लोगों के प्रकारों को संदर्भित करता है, न कि विशिष्ट लोगों को। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अधिक प्राकृतिक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी अमीर व्यक्ति ... और कोई भी उधार लेने वाला व्यक्ति उस व्यक्ति का दास होता है जो उधार देता है।”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 22:7 (#2)

וְעֶבֶד לַלֹּוֶה לְאִישׁ מַלְוֶה

“और उधार लेनेवाला उधार देनेवाले का दास होता है”

यहाँ सुलैमान का तात्पर्य है कि **उधार लेनेवाला** धन उधार ले रहा है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और रुपये-पैसे का उधार लेने वाला उस व्यक्ति का दास होता है जो रुपये-पैसे उधार देता है”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 22:8 (#1)

זֹרֵעַ עַוָלָה & עֶבְרָתוֹ

“जो कुटिलता का बीज बोता” - “उसके रोष”

कुटिलता का बीज बोता और **उसके** सामान्य रूप से एक प्रकार के व्यक्ति से है, किसी विशिष्ट व्यक्ति से नहीं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अधर्म का कोई भी बीज बोने वाला ... उस व्यक्ति का क्रोध”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 22:8 (#2)

זֹרֵעַ עַוָלָה יקצור־אָוֶן

“जो कुटिलता का बीज बोता है, वह अनर्थ ही काटेगा”

यहाँ सुलैमान ने कहा है कि जो व्यक्ति **कुटिलता** करता है, उसे **अनर्थ** का सामना करना पड़ता है, जैसे कि **कुटिलता** एक बीज है जिसे वह बोता है और **अनर्थ** वह पौधा है जो बीज बन जाता है और जिसे वह काटता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं या एक उपमा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अधर्म करने वाला व्यक्ति परिणाम भुगतेगा” या “अधर्म करने वाला व्यक्ति विपत्ति का अनुभव करेगा जैसे कोई व्यक्ति अपने द्वारा बोए गए बीजों से फसल काटता है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 22:8 (#3)

“कुटिलता”

देखें कि आपने **कुटिलता** का 6:12 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 22:8 (#4)

וְשֵׁשֶׁבֶט עֶבְרָתוֹ

“और उसके रोष का सोंटा”

यहाँ सुलैमान एक **सोंटे** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं, जिसका उपयोग एक **कुटिलता का बीज बोनेवाला** अपने **रोष** को व्यक्त करने के लिए लोगों पर अत्याचार करने हेतु करता है। यदि आपकी भाषा में इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और वह छड़ी जिसका उपयोग वह अपने क्रोध को अत्याचारी रूप से व्यक्त करने के लिए करता है”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 22:8 (#5)

וְשֵׁשֶׁבֶט

“का सोंटा”

यहाँ सुलैमान एक व्यक्ति के अन्य लोगों पर अधिकार को दर्शाते हैं जैसे कि यह एक **सोंटा** हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरल रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और अधिकार”

देखें: रूपक

नीतिवचन 22:9 (#1)

טוֹב־עַיִן הוּא & נָתַן מִלַּחְמוֹ

“दया करनेवाले”
- **“**

वह“ - “अपनी रोटी में से देता है”

दया करनेवाले, **वह**, और **अपनी** एक प्रकार के व्यक्ति को सामान्य रूप से संदर्भित करता है, किसी विशिष्ट व्यक्ति को नहीं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अधिक प्राकृतिक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी व्यक्ति जो आँखों का अच्छा है, वह व्यक्ति ... वह व्यक्ति अपनी स्वयं की रोटी से देता है”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 22:9 (#2)

טוֹב־עַיִן

“दया करनेवाले”

यहाँ, **दया करनेवाले** का अर्थ है दूसरों की जरूरतों को देखना और उदारता से उनकी सहायता करना है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसका अर्थ सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उदार व्यक्ति” या “वह व्यक्ति जो जरूरतमंदों के प्रति उदार हैं”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 22:9 (#3)

הוּא יְבֹרָךְ

“आशीष फलती है”

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। यदि आपको यह बताना है कि क्रिया कौन करेगा, तो संदर्भ से यह स्पष्ट है कि यह यहोवा हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यहोवा उन्हें आशीर्वाद देंगे”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 22:9 (#4)

“अपनी रोटी में से”

देखें कि आपने **रोटी** का 9:5 में समान प्रकार के शब्द का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 22:9 (#5)

“कंगाल को”

देखें कि आपने **कंगाल** का 10:15 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 22:10 (#1)

“ठट्ठा करनेवाले”

देखें कि आपने **ठट्ठा करनेवाले** का 9:7 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 22:10 (#2)

“झगड़ा” - “और अपमान”

देखें कि आपने 16:28 में **झगड़ा** और 3:35 में **अपमान** जैसी भाववाचक संज्ञाओं का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 22:10 (#3)

וְיֵצֵא מָדוֹן

“तब झगड़ा मिट जाएगा”

यहाँ सुलैमान **झगड़े** के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे वह कोई व्यक्ति हो जो किसी स्थान से **मिट** सकता हो। उनका मतलब है कि **झगड़ा** समाप्त हो जाएगा। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और झगड़ा समाप्त हो जाएगा”

देखें: रूपक

नीतिवचन 22:10 (#4)

דִּין

“वाद-विवाद”

यहाँ, **वाद-विवाद** का अर्थ हो सकता है: (1) सामान्य रूप से बहस या झगड़ा। वैकल्पिक अनुवाद: “तर्क” (2) कानूनी अदालत में मुकदमे। वैकल्पिक अनुवाद: “मुकदमा”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 22:11 (#1)

אֹהֵב & שְׂשֹׂפָתָיו רֵעֵהוּ מֶלֶךְ

“जो” - “प्रीति रखता है” - “जिसके वचन” - “राजा उसका मित्र होता है”

जो प्रीति रखता है, **जिसके**, और **राजा** सामान्य रूप से इन प्रकार के लोगों को संदर्भित करता है, विशिष्ट लोगों को नहीं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अधिक प्राकृतिक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी व्यक्ति जो प्यार करता है ... उस व्यक्ति के होंठ ... कोई भी राजा उस व्यक्ति का मित्र है”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 22:11 (#2)

“जो मन की शुद्धता से प्रीति रखता है”

यह वाक्य उस व्यक्ति को संदर्भित करता है जो **शुद्ध** विचार रखना चाहता है और **मन** उस व्यक्ति के विचारों को संदर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने **मन** शब्द का अनुवाद किस तरह किया है। वैकल्पिक अनुवाद: “वह जो निर्दोष मन रखना चाहते हैं”

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 22:11 (#3)

“जिसके वचन”

देखें कि आपने **वचन** का उपयोग 10:18 में किस प्रकार अनुवाद किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 22:12 (#1)

“यहोवा ज्ञानी पर दृष्टि करके”

यह वाक्यांश **यहोवा** का संदर्भ देता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे रूप में व्यक्त कर सकते हैं।

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 22:12 (#2)

“ज्ञानी पर दृष्टि करके, उसकी रक्षा करता है”

यहाँ सुलैमान **ज्ञानी** के बारे में इस तरह बात करते हैं जैसे यह एक वस्तु हो जिसे यहोवा सुरक्षित रखते हैं। उनका मतलब है कि **यहोवा** सच्चे **ज्ञानी** को भुलाए जाने से रोकते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “सच्चे ज्ञान को भुलाए जाने से रोकते हैं”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 22:12 (#3)

וַיְסַלֵּף

“परन्तु विश्वासघाती” - “उलट देता है”

यहाँ सुलैमान **यहोवा** का उल्लेख करते हैं, जो **विश्वासघाती** लोगों के **बातों** को उनके उद्देश्यों को पूरा करने से रोकते हैं, जैसे कि वह उन्हें **उलट देता है**। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और वह सफलता को रोकते हैं”

देखें: रूपक

नीतिवचन 22:12 (#4)

“बातें”

देखें कि आपने **बातें** के समान उपयोग का 1:23 (वचन) में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 22:12 (#5)

בֹּגֵד

“विश्वासघाती”

यहाँ, **विश्वासघाती** सामान्य रूप से इस प्रकार के व्यक्ति को संदर्भित करता है, किसी विशिष्ट विश्वासघाती व्यक्ति को नहीं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अधिक स्वाभाविक वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी व्यक्ति जो विश्वासघाती है”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 22:13 (#1)

“आलसी”

देखें कि आपने इस वाक्यांश का 13:4 में किस प्रकार अनुवाद किया है।

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 22:13 (#2)

אָמַר & אֲרִי בַּחוּץ בְּתוֹךְ רְחֹבוֹת אֵרָצֵחַ

“”कहता है, बाहर तो सिंह होगा!“

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप इसे अप्रत्यक्ष उद्धरण के रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कहते हैं कि एक सिंह बाहर है और वह खुले क्षेत्रों के बीच में मारा जाएगा।”

देखें: प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष उद्धरण

नीतिवचन 22:13 (#3)

אָמַר

“कहता है”

इस पद में, सुलैमान का तात्पर्य है कि जो **आलसी** कहता है वह सत्य नहीं होता। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “झूठ कहता है”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 22:13 (#4)

אֵרָצֵחַ

“मैं” - “घात किया जाऊँगा”

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: “सिंह मुझे मार डालेगा।”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 22:13 (#5)

אֵרָצֵחַ

“घात किया जाऊँगा”

यहाँ **आलसी** व्यक्ति का तात्पर्य है कि अगर वह बाहर गया तो उसे **मार दिया** जाएगा। अगर यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अगर मैं बाहर गया, तो मुझे मार दिया जाएगा”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 22:14 (#1)

פִּפְיֵ זָרוֹת זְעוּם יְהוָה

“व्यभिचारिणी का मुँह” - “जिससे यहोवा क्रोधित होता है”

मुँह, **व्यभिचारिणी**, और **जिससे यहोवा क्रोधित** सामान्य रूप से लोगों के प्रकारों को संदर्भित करता है, न कि विशिष्ट लोगों को। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अधिक प्राकृतिक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अजीब औरतों के मुँह ... यहोवा द्वारा शापित लोग”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 22:14 (#2)

פִּפְיֵ

“मुँह”

यहाँ **मुँह** से तात्पर्य उन मोहक बातों से है जो एक **व्यभिचारिणी** अपने **मुँह** से कहती है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मोहक भाषण”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 22:14 (#3)

“व्यभिचारिणी”

देखें कि आपने इस वाक्यांश का 2:16 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 22:14 (#4)

שׁוּחָה עֲמֻקָּה & יפול־שָׁם

“”गहरा गड्ढा है“

यहाँ सुलैमान एक **व्यभिचारिणी** की मोहक वाणी का पालन करने के खतरे के बारे में बात करते हैं, जैसे कि यह **एक गहरा गड्ढा** हो जिसमें कोई व्यक्ति **गिर** सकता है और मर सकता है यदि वे उस वाणी का पालन करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे या एक उपमा का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “बेहद खतरनाक है...इसकी वजह से मर जाओगे” या “गहरे गड्ढे की तरह खतरनाक है...वहाँ गिरकर मर जाओगे”

देखें: रूपक

नीतिवचन 22:14 (#5)

זְעוּם יְהוָה

“जिससे यहोवा क्रोधित होता है”

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: “वह जिसे यहोवा ने श्राप दिया है”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 22:15 (#1)

“मूर्खता” - “अनुशासन”

देखें कि आपने 5:23 में भाववाचक संज्ञाओं **मूर्खता** और 13:24 में **अनुशासन** का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 22:15 (#2)

קְשׁוּרָה בְלֵב

“मन में” - “गाँठ बंधी रहती है”

यहाँ सुलैमान एक ऐसे **लड़के** का उल्लेख करते हैं जो स्वाभाविक रूप से मूर्खतापूर्ण सोचता है, जैसे कि **मूर्खता** उस व्यक्ति के **मन** में **बंधी** गई वस्तु हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “स्वाभाविक रूप से उसके मन के भीतर है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 22:15 (#3)

“मन में”

देखें कि आपने **मन** का अनुवाद 2:2 में कैसे किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 22:15 (#4)

נַעַר & מִמֶּנּוּ

“”लड़के के“

यहाँ, **लड़के** और **उससे** सामान्य रूप से बच्चे को संदर्भित करता है, किसी विशिष्ट **लड़के** को नहीं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अधिक प्राकृतिक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी बच्चा ... उस बच्चे से”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 22:15 (#5)

שֵׁבֶט מוּסָר

“अनुशासन की छड़ी”

यहाँ सुलैमान किसी व्यक्ति को **अनुशासित** करने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली **छड़ी** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं होता, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अनुशासन के लिए प्रयुक्त छड़ी”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 22:15 (#6)

“की छड़ी”

देखें कि आपने 10:13 और 13:24 में **छड़ी** के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 22:15 (#7)

יַרְחִיקֶנָּה מִמֶּנּוּ

“वह खोलकर उससे दूर की जाती है”

यहाँ सुलैमान **अनुशासन** के बारे में बात करते हैं जो एक बालक को मूर्खता से रोकता है, जैसे कि **मूर्खता** एक वस्तु हो जिसे **अनुशासन की छड़ी दूर कर** सकती है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जिससे उसकी मूर्खता समाप्त हो जाएगी”

देखें: रूपक

नीतिवचन 22:16 (#1)

עֹשֵׁק דָּל לְהַרְבּוֹת לוֹ נֹתֵן לְעָשִׁיר

“”जो अपने लाभ के निमित्त कंगाल पर अंधेर करता है“

जो अंधेर करता, कंगाल, अपने, भेंट देता, और **धनी** सामान्य रूप से लोगों के प्रकारों को संदर्भित करते हैं, न कि विशिष्ट लोगों को। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अधिक प्राकृतिक वाक्यांशों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी व्यक्ति जो अपने लिए वृद्धि करने के लिए किसी दीन-हीन व्यक्ति पर अत्याचार करता है, कोई भी व्यक्ति जो किसी अमीर व्यक्ति को देता है”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 22:16 (#2)

“कंगाल”

देखें कि आपने **कंगाल** का अनुवाद 10:15 में कैसे किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 22:16 (#3)

לְהַרְבּוֹת

“लाभ के निमित्त”

सुलैमान एक शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होता है। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा तो आप संदर्भ से इस शब्द को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “धन बढ़ाने के लिए”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 22:16 (#4)

“और जो धनी को भेंट देता”

यह वाक्यांश उस व्यक्ति को संदर्भित करता है जो पिछले खंड में वर्णित व्यक्ति से भिन्न गतिविधि करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 22:16 (#5)

נֹתֵ֣ן לְעָשִׁ֗יר

“जो धनी को भेंट देता”

सुलैमान कुछ शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्यांश को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा तो आप इन शब्दों को संदर्भ और पिछले खंड से दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह जो धनवान को धन बढ़ाने के लिए उपहार देता है”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 22:16 (#6)

לְמַחְסוֹר

“केवल हानि ही उठाते हैं”

यहाँ, **हानि ही उठाते** यह इंगित करता है कि जो आगे आता है वह पहले की बात का परिणाम है। अपनी भाषा में ऐसा संयोजक उपयोग करें जो यह स्पष्ट करे कि जो आगे आता है वह पहले की बात का परिणाम है। वैकल्पिक अनुवाद: “गरीबी का परिणाम होगा।”

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

नीतिवचन 22:17 (#1)

הַטֵּ֤ה אָזְנְךָ֙ וּשְׁמַ֣ע

“कान लगाकर बुद्धिमानों के वचन सुन”

इस वाक्यांश का अर्थ “ध्यान से सुनें” है। देखें कि आपने छोटे वाक्यांश **अपना कान मेरी बातों पर लगा** का अनुवाद 4:20 में कैसे किया है।

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 22:17 (#2)

“बुद्धिमानों के वचन”

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 1:6 में किस प्रकार किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 22:17 (#3)

וְלִבְּךָ֥ תָשִׁ֖ית לְדַעְתִּֽי

“और मेरी ज्ञान की बातों की ओर मन लगा”

यहाँ, **मन लगा** एक मुहावरा है जिसका अर्थ है “ध्यान से सोचना।” यहाँ **मन** शब्द का संदर्भ एक व्यक्ति के मन से है, जैसा कि 2:2 में है। यदि इस वाक्यांश का आपके भाषा में यह अर्थ नहीं है, तो आप अपनी भाषा का कोई ऐसा मुहावरा उपयोग कर सकते हैं जिसका यह अर्थ हो या अर्थ को सीधे-सीधे कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और आपको मेरे ज्ञान के बारे में ध्यानपूर्वक विचार करना चाहिए”

देखें: मुहावरा

नीतिवाचन 22:17 (#4)

לְדַעְתִּ֑י

“मेरी ज्ञान की”

यहाँ, **ज्ञान** उस **ज्ञान** को संदर्भित करता है जिसे सुलैमान अपने पाठकों को जानने के लिए चाहते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो मैं चाहता हूँ कि आप जानें”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 22:18 (#1)

כִּ֣י

“यदि”

यदि यहाँ यह संकेत करता है कि जो आगे आता है वह पिछले पद में दिए गए आदेशों का कारण है। अपनी भाषा में ऐसे संयोजक का उपयोग करें जो यह स्पष्ट करे कि आगे जो कुछ हुआ है, वह पहले जो हुआ था उसका कारण है। वैकल्पिक अनुवाद: “इन बातों का पालन करें क्योंकि”

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

नीतिवचन 22:18 (#2)

תִּשְׁמְרֵ֥ם בְּבִטְנֶ֖ךָ

“तू उसको अपने मन में रखे”

यहाँ सुलैमान किसी बात को याद रखने की बात करते हैं जैसे कि वह कोई वस्तु हो जिसे किसी को अपने **मन** में **रखना** चाहिए। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “आप उन्हें याद रखें”

देखें: रूपक

नीतिवचन 22:18 (#3)

תִּשְׁמְרֵ֥ם & יִכֹּנ֖וּ

“तू उसको” - “रखे” - “वे” - “ निकला भी करें”

यहाँ, **उसको** और **वे** “बुद्धिमानों के वचन” और “मेरी ज्ञान” का उल्लेख पिछले पद में करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “आप उन शब्दों को रखते हैं ... वे शब्द तैयार हैं”

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

नीतिवचन 22:18 (#4)

יִכֹּנ֖וּ יַ֑חְדָּו עַל־שְׂפָתֶֽיךָ

“वे सब तेरे मुँह से निकला भी करें”

यह खंड **वे सब मनभावनी** बनाने के लिए एक अतिरिक्त शर्त का उल्लेख करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 22:18 (#5)

יִכֹּנוּ יַחְדָּו עַל־שְׂפָתֶיךָ

“और वे सब तेरे मुँह से निकला भी करें”

यहाँ सुलैमान किसी के बारे में बात करते हैं जो हमेशा “बुद्धिमानों के वचन” को दोहरा सकते हैं जैसे कि वे किसी के **मुँह से निकलने** तैयार हों। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और यदि आप उन सभी को कहने के लिए तैयार हैं”

देखें: रूपक

नीतिवचन 22:19 (#1)

“कि तेरा भरोसा”

कि यहाँ यह संकेत करता है कि जो आगे आता है, वह इस पद के दूसरे वाक्यांश का उद्देश्य है। अपनी भाषा में एक संयोजक का उपयोग करें जो यह स्पष्ट करता है कि जो आगे आता है, वह उसके बाद आने वाले का उद्देश्य है। वैकल्पिक अनुवाद: “ताकि आपका भरोसा बना रहे”

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) सम्बन्ध

नीतिवचन 22:19 (#2)

הוֹדַעְתִּךָ

“मैंने आज इसलिए ये बातें तुझको बताई है”

सुलैमान यहाँ भूतकाल का प्रयोग किसी ऐसी बात को इंगित करने के लिए करते हैं, जो इन पदों को लिखते समय घटित हो रही थी, जिसे वह आज का समय कहते हैं। यदि आपकी भाषा में ऐसा करना स्वाभाविक नहीं है, तो आप वर्तमान काल का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मैं तुम्हें बता रहा हूँ”

देखें: काल के अनियमित उपयोग

नीतिवचन 22:19 (#3)

הוֹדַעְתִּךָ

“मैंने आज इसलिए ये बातें तुझको बताई है”

सुलैमान कुछ ऐसे शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। आप अपनी भाषा में इसे स्पष्ट करने के लिए ये शब्द 22:17 से जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मैंने तुम्हें बुद्धिमानों के वचन बताए हैं”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 22:19 (#4)

“कि तेरा”

यहाँ सुलैमान **तेरा** दोहराते हैं ताकि यह स्पष्ट हो सके कि वे किसे यह नीतिवचन सिखा रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस जोर को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “हाँ, मैंने आपको सिखाया है”

नीतिवचन 22:20 (#1)

הֲלֹא כָתַבְתִּי

“मैं” - “लिखता आया हूँ”

यह वाक्यांश यह दर्शाता है कि सुलैमान इस आयत और अगली आयत में प्रश्नवाचक रूप का उपयोग कर रहे हैं ताकि वह जो कह रहे हैं उसकी सच्चाई पर ज़ोर दे सके। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मैंने निश्चित रूप से लिखा है।”

देखें: आलंकारिक प्रश्न

नीतिवचन 22:20 (#2)

הֲלֹא כָתַבְתִּי

“मैं” - “लिखता आया हूँ”

सुलैमान यहाँ भूतकाल का प्रयोग किसी ऐसी बात को इंगित करने के लिए करते हैं जो इन पदों को लिखते समय घटित हो रही है, जिसे वह पिछली पद में **आज** कहते हैं। यदि आपकी भाषा में ऐसा करना स्वाभाविक नहीं है, तो आप वर्तमान काल का प्रयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “क्या मैं नहीं लिख रहा हूँ”

देखें: काल के अनियमित उपयोग

नीतिवचन 22:20 (#3)

“उपदेश और ज्ञान की बातें”

मूल भाषा में संख्या 30 दी गई है, जिसका प्रयोग हिन्दी में नहीं हुआ है। कुछ प्राचीन हस्तलिपियों में लिखा है, “उत्कृष्ट बातें।” अगर आपके क्षेत्र में बाइबल का अनुवाद मौजूद है, तो आप उसमें इस्तेमाल की गई बातों का इस्तेमाल करना चाह सकते हैं। अगर आपके क्षेत्र में बाइबल का अनुवाद मौजूद नहीं है, तो आप आई.आर.वी के अनुवाद का इस्तेमाल कर सकते हैं।

देखें: पाठ्य भिन्नताएँ

नीतिवचन 22:20 (#4)

בְּמֹוֹעֵצֹת וָדָעַת

“उपदेश और ज्ञान की बातें”

यहाँ, **उपदेश और ज्ञान** का तात्पर्य उन (तीस) **बातों** से है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो परामर्श और ज्ञान हैं”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 22:20 (#5)

בְּמֹוֹעֵצֹת וָדָעַת

“उपदेश और ज्ञान की बातें”

यदि आपकी भाषा में **उपदेश** और **ज्ञान** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप इन्हीं विचारों को अन्य तरीकों से व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने 1:4 में **ज्ञान** का अनुवाद कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "जो आपको परामर्श दे सकते हैं और आपको ज्ञानवान बना सकते हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 22:21 (#1)

"तुझे" - "निश्चय करा दूँ"

यह पद उस अलंकारिक प्रश्न को जारी रखता है जो पिछले पद में शुरू हुआ था। यदि आप इन दो पदों को अलग-अलग वाक्यों में विभाजित करते हैं, तो आपको पिछले वाक्य के कुछ हिस्से को दोहराना होगा। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने निश्चित रूप से ये बातें लिखी हैं ताकि आप जान सकें"

देखें: अलंकारिक प्रश्न

नीतिवचन 22:21 (#2)

"सत्य वचनों का" - " सच्चा"

देखें कि आपने भाववाचक संज्ञा **सत्य** (सच्चाई) का 8:7 में और **सच्चा** का 3:3 में किस प्रकार अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 22:21 (#3)

אִמְרֵי אֱמֶת

"सत्य वचनों का निश्चय"

यहाँ सुलैमान **वचनों** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं, जो **निश्चय** से विशेषीकृत हैं। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "विश्वसनीय शब्द"

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 22:21 (#4)

"वचनों" - "उत्तर"

देखें कि आपने 1:23 में प्रयुक्त **वचनों** का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 22:21 (#5)

לְהָשִׁיב

"उनको सच्चा उत्तर दे सके"

यहाँ, **उनको** यह दर्शाता है कि आगे जो कुछ भी लिखा गया है वह सुलैमान द्वारा इन "बुद्धिमानों के वचनों" को लिखने का दूसरा उद्देश्य है। अपनी भाषा में एक संयोजक का उपयोग करें जो यह स्पष्ट करता है कि आगे जो कुछ भी लिखा गया है वह दूसरा उद्देश्य है। वैकल्पिक अनुवाद: "और वापस लौटना"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

नीतिवचन 22:21 (#6)

לְהָשִׁיב

"उत्तर दे सके"

यहाँ सुलैमान किसी को **सत्य वचनों** के साथ जवाब देने का उल्लेख करता है जैसे कि वे ऐसी वस्तुएँ हों जिन्हें कोई किसी को लौटाता है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और उत्तर देना"

देखें: रूपक

नीतिवचन 22:21 (#7)

לְשֹׁלְחֶיךָ

"जिससे जो तुझे काम में लगाएँ"

यहाँ सुलैमान का तात्पर्य है कि वह एक संदेशवाहक से बात कर रहे हैं जिसे उनके स्वामी ने **काम में लगाया** है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपके स्वामी जिन्होंने आपको भेजा है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 22:22 (#1)

""

22:22–23 बुद्धिमानों के 30 वचनों में से 1 वचन है।

नीतिवचन 22:22 (#2)

עָנִיִּ & דַּל־הוּא & הָדָל

""कंगाल" - "वह कंगाल है,"

यहाँ, **कंगाल**, **वह**, और **कंगाल** सामान्य रूप से लोगों के प्रकारों को संदर्भित करता है, न कि विशिष्ट लोगों को। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अधिक प्राकृतिक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी दीन व्यक्ति ... वह व्यक्ति दीन है ... कोई भी पीड़ित व्यक्ति"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 22:22 (#3)

"कंगाल" - "वह कंगाल है"

देखें कि आपने **कंगाल** का 10:15 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 22:22 (#4)

וְאַל־תְּדַכֵּא

"और न" - "पीसना"

यहाँ लेखक **दीन** व्यक्ति पर अत्याचार करने की बात करते हैं, जैसे कोई उस व्यक्ति को कुचल रहा हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं,आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं, जैसा कि यू.स.टी में है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 22:22 (#5)

בַּשָּׁעַר

“कचहरी में”

यहाँ, **कचहरी में** एक शहर में उस स्थान को संदर्भित करता है जहाँ लोग कानूनी विवादों का निपटारा करते थे (देखें रूत 4:1–12)। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कानूनी विवादों के निपटारे के स्थान पर”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 22:23 (#1)

יְהוָה יָרִיב רִיבָם

“यहोवा उनका मुकद्दमा लड़ेगा”

यहाँ, लेखक **यहोवा** को “एक दीन व्यक्ति” की रक्षा करते हुए संदर्भित करते हैं, जैसे वह एक अधिवक्ता हों जो उस व्यक्ति का अदालत में बचाव कर रहे हों। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं या एक उपमा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यहोवा उनकी रक्षा करेंगे” या “यहोवा उनकी रक्षा करेंगे जैसे एक अधिवक्ता अदालत में उनका बचाव करता है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 22:23 (#2)

רִיבָם & אֶת־קֹבְעֵיהֶם

“”उनका मुकद्दमा“

इस पद में, **उनका** का संदर्भित पिछले पद के दीन और दरिद्र लोगों से हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “दरिद्र लोगों का विवाद ... जो दरिद्र लोगों को लूटते हैं”

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

नीतिवचन 22:23 (#3)

“उनका मुकद्दमा”

देखें कि आपने **मुकद्दमा** जैसी भाववाचक संज्ञा का 15:18 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 22:23 (#4)

וְקָבַע & נָפֶשׁ

“उनका प्राण भी वह हर लेगा”

यहाँ, लेखक **यहोवा** को एक ऐसे व्यक्ति को **हर लेने** का उल्लेख करते हैं जो एक दरिद्र व्यक्ति को लूटने की कोशिश करता है, जैसे कि वह एक चोर हो जो उस व्यक्ति के **प्राण** को लूटता हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह मृत्यु का कारण बनेंगे”

देखें: रूपक

नीतिवचन 22:24 (#1)

“”

22:24–25 “बुद्धिमानों के 30 वचनों” में से 2 वचन है।

नीतिवचन 22:24 (#2)

אַל־תִּתְּרַע אֶת־בַּעַל אָף וְאֶת־אִישׁ חֵמוֹת לֹא תָבוֹא

“”क्रोधी मनुष्य का मित्र न होना,“

इन दोनों वाक्यांशों का मूल रूप से एक ही अर्थ है। दूसरा वाक्यांश अलग-अलग शब्दों के साथ एक ही विचार को दोहराकर पहले के अर्थ पर जोर देता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए मददगार होगा, तो आप वाक्यांशों को **और** के अलावा किसी अन्य शब्द से जोड़ सकते हैं ताकि यह दिखाया जा सके कि दूसरा वाक्यांश पहले वाले को दोहरा रहा है, कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: “क्रोधी व्यक्ति से मित्रता न करें, हाँ, क्रोधी पुरुष के साथ न जाएं”

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 22:24 (#3)

אֶת־בַּעַל אָף & אִישׁ חֵמוֹת

“”क्रोधी मनुष्य“

यहाँ, **क्रोधी मनुष्य** और **झट क्रोध करनेवाले** सामान्य रूप से लोगों के प्रकारों को संदर्भित करता है, न कि विशिष्ट लोगों को। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अधिक प्राकृतिक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी गुस्से वाला व्यक्ति ... कोई भी गर्म दिमाग का व्यक्ति”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 22:24 (#4)

אֶת־בַּעַל אָף

“क्रोधी मनुष्य”

यह वाक्यांश एक मुहावरा है जो एक व्यक्ति को संदर्भित करता है जो स्वाभाविक रूप से गुस्से में रहता है। यहाँ मूल भाषा में **नाक** शब्द का अर्थ “गुस्सा” है क्योंकि यह उस तरीके से जुड़ा है जिस तरह से एक क्रोधित व्यक्ति अपनी नाक से भारी साँस लेता है। आपकी भाषा और संस्कृति भी क्रोध को शरीर के किसी विशेष अंग से जोड़ सकती है। यदि ऐसा है, तो आप अपने अनुवाद में शरीर के उस अंग से संबंधित अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। आप साधारण भाषा का भी उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “गुस्सा करने वाला व्यक्ति”

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 22:24 (#5)

“झट क्रोध करनेवाले”

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 15:18 में किस प्रकार किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 22:25 (#1)

“ कहीं ऐसा न हो”

यहाँ, **कहीं ऐसा न हो** इंगित करता है कि यह पद उस वाक्य को जारी रखता है जो पिछले पद में शुरू हुआ था। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे एक नया वाक्य बना सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “ऐसा न करें, कहीं ऐसा न हो।”

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

नीतिवचन 22:25 (#2)

תְּאַלֵּף אָרְחֹתָיו

“तू उसकी चाल सीखे”

यहाँ, लेखक किसी के बारे में बात करते हैं जो किसी और की तरह व्यवहार करता है, जैसे कि वह व्यक्ति **चाल सीखता** है जिन पर दूसरा व्यक्ति चलता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने 2:15 में **चाल चलन** का उपयोग कैसे अनुवादित किया है। वैकल्पिक अनुवाद: “आप उनकी तरह व्यवहार करते हैं”

देखें: रूपक

नीतिवचन 22:25 (#3)

וְלָקַחְתָּ מוֹקֵשׁ לְנַפְשֶׁךָ

और तेरा प्राण फंदे में फँस जाए“

यहाँ, लेखक एक व्यक्ति के बारे में बात कर रहे हैं जो अपने जीवन को खतरे में डाल रहा है, जैसे वह व्यक्ति एक पशु हो जो **फंदे** में फँसा हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे या एक उपमा का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और आप अपने जीवन को खतरे में डाल देंगे” या “और आप एक पशु की तरह होंगे जो फंदे में फँसा है और बच नहीं सकता।”

देखें: रूपक

नीतिवचन 22:26 (#1)

“”

22:26–27 “बुद्धिमानों के 30 वचनों” में से 3 वचन है।

नीतिवचन 22:26 (#2)

אַל־תְּהִי בְתֹקְעֵי־כָף בַּעֲרֻבִים מַשָּׁאוֹת

“”जो लोग हाथ पर हाथ मारते हैं“ - “उनमें तू न होना”

दूसरे वाक्यांश में, लेखक कुछ शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्यांश को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप पहले वाक्यांश से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “हाथ जोड़ने वालों में से मत रहो; ऋण के लिए प्रतिज्ञा करने वालों में से मत रहो”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 22:26 (#3)

אַל־תְּהִי בְתֹקְעֵי־כָף בַּעֲרֻבִים מַשָּׁאוֹת

“”जो लोग हाथ पर हाथ मारते हैं“ - “उनमें तू न होना।”

इन दोनों वाक्यांशों का मूल रूप से एक ही अर्थ है। दूसरा वाक्यांश अलग-अलग शब्दों के साथ एक ही विचार को दोहराकर पहले के अर्थ पर जोर देता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए मददगार होगा, तो आप वाक्यांशों को ऐसे शब्द से जोड़ सकते हैं जो दर्शाता है कि दूसरा वाक्यांश पहले वाले को दोहरा रहा है, कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: “उन लोगों की तरह मत बनो जो हाथ मिलाते हैं, हाँ, उन लोगों में की तरह मत बनो जो ऋण के लिए प्रतिज्ञा करते हैं”

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 22:26 (#4)

אַל־תְּהִי בְתֹקְעֵי־כָף

“जो लोग हाथ पर हाथ मारते हैं” - “उनमें तू न होना।”

वाक्यांश **उनमें तू न होना** का अर्थ हो सकता है: (1) **जो लोग हाथ पर हाथ मारते हैं** उनके साथ संबंध न रखना। वैकल्पिक अनुवाद: “उन लोगों के साथ संबंध न रखें जो हाथ मारते हैं” (2) जो **हाथ पर हाथ मारते हैं** वे जो करते हैं उसमें भाग न लेना। वैकल्पिक अनुवाद: “उन लोगों की तरह न बनें जो हाथ पर हाथ मारते हैं” या “सोर को न पकड़ें”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 22:26(#5)

“जो लोग हाथ पर हाथ मारते हैं”

देखें कि आपने उसी मुहावरे का अनुवाद 6:1 और 17:18 में कैसे किया है।

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 22:26 (#6)

“और कर्जदार के उत्तरदायी होते हैं”

देखें कि आपने **उत्तरदायी** का 6:1 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 22:27 (#1)

אִם

“यदि”

यह पद पिछले पद में दिए गए आदेशों का कारण स्पष्ट करता है। अपनी भाषा में एक संयोजक का उपयोग करें जो यह स्पष्ट करता है कि जो कुछ भी आता है, वह पहले के लिए एक कारण है। वैकल्पिक अनुवाद: “उन चीजों को मत करें क्योंकि अगर”

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

नीतिवचन 22:27 (#2)

אֵין־לְךָ לְשַׁלֵּם

“यदि तेरे पास भुगतान करने के साधन की कमी हो”

यहाँ, लेखक पिछले पद में उल्लेखित ऋणों को चुकाने की बात कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से

कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “ऋण चुकाने के लिए आपके पास कोई धन नहीं है।”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 22:27 (#3)

לָ֣מָּה יִקַּ֗ח מִמִּשְׁכָּבְךָ֙ מִתַּחְתֶּ֔יךָ

“तो क्यों न साहूकार तेरे नीचे से खाट खींच ले जाए?”

लेखक इस बात पर जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं कि यदि कोई व्यक्ति किसी और के लिए ऋण चुकाने में असमर्थ होता है तो क्या होगा। यदि आप इस उद्देश्य के लिए अपनी भाषा में प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “निश्चित रूप से वह आपके नीचे से आपका बिछौना छीन लेंगे!”

देखें: आलंकारिक प्रश्न

नीतिवचन 22:27 (#4)

יִקַּ֗ח מִמִּשְׁכָּבְךָ֙ מִתַּחְתֶּ֔יךָ

“तो क्यों न साहूकार तेरे नीचे से खाट खींच ले जाए?”

यह धारा उस व्यक्ति का उल्लेख करती है जिसने रुपये-पैसे उधार दिए और किसी का **खाट** ले लिया क्योंकि वह व्यक्ति उस ऋण को चुकाने में असमर्थ था जो उसने किसी और के लिए चुकाने का वादा किया था। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यदि उधारदाता आपका बिछोना आपसे छीन ले क्योंकि आप ऋण चुकाने में असमर्थ हैं”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 22:28 (#1)

“”

22:28 “बुद्धिमानों के वचनों” के 30 में से 4 वचन है।

नीतिवचन 22:28 (#2)

אַל־תַּ֣סֵּג גְּבֻ֣ל עוֹלָ֔ם

“उस पुरानी सीमा को न बढ़ाना”

लेखक का तात्पर्य है कि कोई व्यक्ति अपनी भूमि की सीमाओं को बदलकर धोखा देने के लिए **पुरानी सीमा** को स्थानांतरित करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “भूमि के मालिक को धोखा देने के लिए प्राचीन सीमा को न बदलें”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 22:28 (#3)

גְּבֻ֣ל עוֹלָ֔ם

“जो सीमा तेरे पुरखाओं ने बाँधी हो”

वाक्यांश **पुरानी सीमा** उन पत्थरों को संदर्भित करता है जिनका उपयोग लोग अपनी स्वामित्व वाली भूमि की सीमाओं को चिह्नित करने के लिए करते थे। ये सीमाएँ **पुरानी** थीं क्योंकि इन्हें मूल रूप से भूमि मालिक के पुरखाओं द्वारा रखा गया था। यदि आपके पाठक इस प्रकार के **सीमा** चिह्नक से परिचित नहीं हैं, तो आप अपने क्षेत्र में कुछ समान के नाम का उपयोग कर सकते हैं या आप एक अधिक सामान्य शब्द का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वे पत्थर जो बहुत पहले रखे गए थे और किसी की भूमि की सीमाओं को चिह्नित करते हैं”

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

नीतिवचन 22:28 (#4)

אֲבוֹתֶ֖יךָ

“ तेरे पुरखाओं”

यहाँ, **पुरखाओं** का अर्थ “पूर्वज” है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “आपके पूर्वज”

देखें: रूपक

नीतिवचन 22:29 (#1)

“”

22:29 “बुद्धिमानों के वचनों” के 30 में से 5 वचन है।

नीतिवचन 22:29 (#2)

חָזִ֣יתָ אִ֣ישׁ מָהִ֗יר בִּמְלַאכְתּ֑וֹ

“तू ऐसा पुरुष देखे जो काम-काज में निपुण हो”

हालाँकि इब्रानी पाठ प्रश्न के रूप में शब्दबद्ध नहीं है, कई अनुवाद इस वाक्यांश को एक अलंकारिक प्रश्न में बदल देते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे एक प्रश्न के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “क्या आपने किसी व्यक्ति को उसके काम में निपुण देखा है?”

देखें: अलंकारिक प्रश्न

नीतिवचन 22:29 (#3)

אִ֣ישׁ מָהִ֗יר בִּמְלַאכְתּ֑וֹ & יִתְיַצָּ֥ב לִפְנֵי־מְלָכִ֖ים

“”काम-काज में निपुण“

यहाँ, **निपुण व्यक्ति**, **तू** और **वह** एक सामान्य प्रकार के पुरुष को संदर्भित करता है, किसी विशिष्ट पुरुष को नहीं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अधिक प्राकृतिक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद:: “अपने काम में कुशल लोग; वे लोग स्वयं को तैनात करेंगे ... वे स्वयं को तैनात नहीं करेंगे”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 22:29 (#4)

לִפְנֵי & יִתְיַצָּ֥ב לִפְנֵי־מְלָכִ֖ים

“वह राजाओं के सम्मुख खड़ा होगा” - “छोटे लोगों के सम्मुख नहीं”

वाक्यांश “**के सम्मुख खड़ा होगा” - “छोटे लोगों के सम्मुख नहीं”** एक मुहावरा है जिसका अर्थ “की सेवा में प्रवेश करना” है। यदि इस वाक्यांश का आपकी भाषा में यह अर्थ नहीं है, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर

सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वे ... की सेवा में प्रवेश करेंगे ... वे ... की सेवा में प्रवेश नहीं करेंगे”

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 23:1 (#1)

“”

23:1–3, “बुद्धिमानों के 30 वचनों” में से 6 वचन है।

नीतिवचन 23:1 (#2)

מוֹשֵׁל

“हाकिम”

शब्द **हाकिम** सेनापति में शासकों का प्रतिनिधित्व करता है, न कि किसी विशेष **हाकिम** का। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप एक अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी शासक”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 23:1 (#3)

“कौन”

यह सन्दर्भित कर सकता है: (1) वह भोजन जो तेरे सामने रखा गया है। वैकल्पिक अनुवाद: “कौन सा भोजन” (2) तेरे सामने बैठा व्यक्ति। वैकल्पिक अनुवाद: “कौन”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 23:2 (#1)

וְשַׂמְתָּ שַׂכִּין בְּלֹעֶךָ

“तो थोड़ा खाकर भूखा उठ जाना”

यह वाक्यांश एक मुहावरा है जिसका अर्थ है “खुद को रोकना।” यदि इस वाक्यांश का आपकी भाषा में यह अर्थ नहीं है, तो आप अपनी भाषा से ऐसा कोई मुहावरा उपयोग कर सकते हैं जिसका यह अर्थ हो या अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और अपनी भूख पर नियंत्रण रखना” या “और खुद को नियंत्रित करना”

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 23:2 (#2)

בַּבַּעַל נֶפֶשׁ

“अधिक खानेवाला”

वाक्यांश **अधिक खानेवाला** एक ऐसे व्यक्ति को संदर्भित करता है जिसे बहुत खाना पसन्द है। यदि इस वाक्यांश का आपकी भाषा में यह अर्थ नहीं है, तो आप अपनी भाषा से कोई ऐसा मुहावरा उपयोग कर सकते हैं जिसका यह अर्थ हो या अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “बड़ी भूख होना” या “ऐसा व्यक्ति जो खाना पसन्द करता है”

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 23:3 (#1)

לְמַטְעַמּוֹתָיו

“उसकी स्वादिष्ट भोजनवस्तुओं “

यहाँ, **उसकी** का तात्पर्य 23:1 में उल्लेखित “हाकिम” से है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उस हाकिम के स्वादिष्ट भोजन”

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

नीतिवचन 23:3 (#2)

וְהִוא

“क्योंकि वह”

हालांकि **वह** एकवचन है, यह पिछले खण्ड में **स्वादिष्ट भोजनवस्तुओं** को सन्दर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे बहुवचन रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “क्योंकि वे”

नीतिवचन 23:3 (#3)

לֶחֶם כְּזָבִים

“धोखे का भोजन”

यहाँ, लेखक **भोजन** के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं जो किसी को **धोखे** के उद्देश्य से दी जाती है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “धोखे के लिए भोजन है”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 23:3 (#4)

“का भोजन”

देखें कि आपने **भोजन** का अनुवाद 9:5 में कैसे किया है।

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 23:4 (#1)

“”

23:4–5 “बुद्धिमानों के 30 वचनों” में से 7 वचन है।

नीतिवचन 23:4 (#2)

מֵבִינָתְךָ חֲדָל

“अपनी समझ का भरोसा छोड़ना”

इस वाक्यांश का अर्थ हो सकता है: (1) क्योंकि आपके पास **समझ** है, आपको **रुकना** चाहिए। वैकल्पिक अनुवाद: “अपनी समझ के कारण रुकें” (2) **से** गलत समझ होना, जो पिछले खंड में वर्णित है। वैकल्पिक अनुवाद: “धन प्राप्त करने के बारे में अपनी गलतफहमी से रुकें”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 23:5 (#1)

הֲתָעִיף עֵינֶיךָ בּוֹ וְאֵינֶנּוּ

“जब तू अपनी दृष्टि धन पर लगाएगा, वह चला जाएगा”

मूल भाषा में यहाँ प्रश्न रूप का उपयोग किया गया है, यह दिखाने के लिए कि धन कितनी आसानी से खो जाता है। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं होता, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “तू निश्चित रूप से अपनी आँखों को उस पर टिकाएगा, लेकिन वह तुझे नहीं मिलेगा!”

देखें: आलंकारिक प्रश्न

नीतिवचन 23:5 (#2)

הֲתָעִיף עֵינֶיךָ בּוֹ

“जब तू अपनी दृष्टि धन पर लगाएगा”

मूल भाषा में यहाँ **क्या तू अपनी आँखों को उड़ने देगा** वाक्यांश का उपयोग किया गया है जो एक रूपक है, हिन्दी अनुवाद में इस रूपक का उपयोग नहीं किया गया है। यहाँ, लेखक एक ऐसे व्यक्ति के बारे में बात करते हैं जो धन को इस तरह देखते हैं जैसे उसकी **आंखें** एक पक्षी हों जो धन की ओर **उड़** सकती हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जब तू इसे देखेगा”

देखें: रूपक

23:5 (#3)

בּוֹ & וְאֵינֶנּוּ & יַעֲשֶׂה־לּוֹ & יָעוּף

“”पर लगाएगा, वह चला जाएगा“

इस पद में, **वह** पिछले पद में उल्लिखित धन को सन्दर्भित करता हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “धन के लिए, लेकिन वह नहीं रहेगा ... धन कमाएँगे ... अपने लिए ... धन जाता रहेगा”

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

नीतिवचन 23:5 (#4)

וְאֵינֶנּוּ

“वह चला जाएगा”

लेखक यह संकेत करते हैं कि व्यक्ति अपनी सम्पत्ति को देखते ही खो देता है। यदि यह आपके लिए भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह खो जाएगा”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 23:5 (#5)

עָשׂוֹ יַעֲשֶׂה

“निःसन्देह आकाश की ओर उड़ जाएगा”

मूल भाषा में यहाँ लेखक क्रिया **बनाना** को दोहरा रहे हैं ताकि वह जिस विचार को व्यक्त कर रहे हैं उसे तीव्रता प्रदान कर सकें। हिंदी अनुवाद में ऐसा नहीं किया गया बल्कि **निःसन्देह** शब्द का प्रयोग करके तीव्रता प्रदान किया गया है। आपकी भाषा में शब्दों को तीव्रता के लिए दोहराया जाता है, तो आपके अनुवाद में ऐसा करना उपयुक्त होगा। यदि नहीं, तो आपकी भाषा में जोर देने का कोई और तरीका हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: “यह निश्चित रूप से होगा”

देखें: दोहराव

नीतिवचन 23:5 (#6)

עָשׂוֹ יַעֲשֶׂה־לּוֹ כְנָפַיִם כְּכְנָשֶׁר יָעוּף הַשָּׁמָיִם

“”पंख लगाकर“”

यहाँ, लेखक ऐसे व्यक्ति के बारे में बात करते हैं जो तेजी से अपना धन खो देता है जैसे कि वह धन **पंख लगाकर** और **आकाश की और उड़ जाएगा**। धन **उकाब पक्षी के समान उड़ जाएगा** क्योंकि उकाब तेजी से **उड़** जाता हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे या एक उपमा का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यह निश्चित रूप से जल्दी गायब हो जाएगा” या “यह निश्चित रूप से गायब हो जाएग जैसे कि इसके पंख हो और यह उकाब की तरह तेजी से उड़ जाता”

देखें: रूपक

नीतिवचन 23:5 (#7)

כְּכְנָשֶׁר

“उकाब पक्षी के समान”

उकाब एक पक्षी है जो तेजी से उड़ सकता है। यदि आपके पाठक इस प्रकार के पक्षी से परिचित नहीं हैं, तो आप अपने क्षेत्र में कुछ समान पक्षी के नाम का उपयोग कर सकते हैं या आप एक अधिक सामान्य शब्द का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जैसे एक तेज पक्षी”

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

नीतिवचन 23:6 (#1)

“”

23:6–8 “बुद्धिमानों के 30 वचनों” में से 8 वचन है।

नीतिवचन 23:6 (#2)

“उसकी रोटी”

देखें कि आपने **रोटी** का अनुवाद 9:5 में कैसे किया।

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 23:6 (#3)

רַע עָיִן & לְמַטְעַמֹּתָיו

“”जो डाह से देखता है,“

यहाँ, **डाह से देखता** और **उसकी** एक सामान्य प्रकार के व्यक्ति को दर्शाते हैं, किसी विशेष व्यक्ति को नहीं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी व्यक्ति जो आँखों का दुष्ट हो ... उस व्यक्ति के स्वादिष्ट भोजन”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 23:6 (#4)

רַרַע עָיִן

“जो डाह से देखता है”

वाक्यांश **जो डाह से देखता है** एक मुहावरा है जिसका अर्थ है “एक कंजूस व्यक्ति।” यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो कंजूस है।”

देखें: मुहावर

नीतिवचन 23:6 (#5)

“उसकी स्वादिष्ट भोजनवस्तुओं”

देखें कि आपने इस वाक्यांश का 23:3 में अनुवाद कैसे किया।

नीतिवचन 23:7 (#1)

כִּי

“क्योंकि”

क्योंकि यहाँ यह संकेत करता है कि जो आगे कहा है वह पिछले पद में दिए गए आदेशों का कारण है। अपनी भाषा में एक संयोजक का उपयोग करें जो यह स्पष्ट करता है कि जो आगे आता है वह पहले आए हुए का कारण है। वैकल्पिक अनुवाद: “वह चीजें मत कर क्योंकि”

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम सम्बन्ध

नीतिवचन 23:7 (#2)

כְּמוֹ־שָׁעַר

“जो... गणना करता है”

लेखक कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। आप इन शब्दों को सन्दर्भ से जोड़ सकते हैं यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा। वैकल्पिक अनुवाद: “जैसे कोई भोजन की लागत की गणना करता है।”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 23:7 (#3)

בְּנַפְשׁוֹ

“ उसका मन तुझ से लगा नहीं है”

मूल भाषा में यहाँ प्राण शब्द का उपयोग किया गया है। यहाँ, लेखक **प्राण** का उपयोग व्यक्ति के आन्तरिक अस्तित्व या मन को सन्दर्भित करने के लिए करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। या इसे बिना अनुवाद के छोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अपने आन्तरिक अस्तित्व में” या “अपने मन में”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 23:7 (#4)

אֱכֹל וּשְׁתֵה יֹאמַר לָךְ

“वह तुझ से कहता तो है, खा और पी”

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक हो, तो आप इसे अप्रत्यक्ष उद्धरण के रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह तुझे भोजन और पेय ग्रहण करने के लिए कहेगा”

देखें: प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष उद्धरण

नीतिवचन 23:7 (#5)

וְלִבּוֹ בַל־עִמָּךְ

“परन्तु उसका मन तुझ से लगा नहीं है”

वाक्यांश **उसका मन तुझ से लगा नहीं** एक मुहावरा है जिसका अर्थ है “वह तेरे साथ ईमानदार नहीं हैं।” यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इस अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “लेकिन वह तुझसे ईमानदारी से बात नहीं कर रहा है” या “लेकिन वह तेरे साथ ईमानदार नहीं है”

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 23:8 (#1)

פִּתְּךָ־אָכַלְתָּ תְקִיאֶנָּה

“जो कौर तूने खाया हो, उसे उगलना पड़ेगा”

इस खण्ड का अर्थ हो सकता है: (1) व्यक्ति को उल्टी जैसा महसूस होता है, इस स्थिति में यह खण्ड एक अतिशयोक्ति है। वैकल्पिक अनुवाद: “तुझे ऐसा लगेगा कि तूने जो खाया है उसे उल्टी कर दे” (2) व्यक्ति वास्तव में उल्टी करता है, जैसा कि युएलटी में है।

देखें: अतिशयोक्ति

नीतिवचन 23:8 (#2)

תְקִיאֶנָּה

“उसे उगलना पड़ेगा”

लेखक यह संकेत दे सकता है कि व्यक्ति को उल्टी आ रही है या उल्टी जैसा महसूस होता है क्योंकि वह कंजूस व्यक्ति के रवैये से अत्यधिक घृणा करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “तुझे उससे घृणा होगी और तुझे उल्टी जैसा महसूस होगा।”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 23:8 (#3)

פִּתְּךָ

“कौर”

यहाँ, **कौर** भोजन की थोड़ी मात्रा को सन्दर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “भोजन का छोटा हिस्सा” या “भोजन की थोड़ी मात्रा”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 23:8 (#4)

וְשִׁחַתָּ

“और तू... खोएगा”

यहाँ, लेखक **बातों** को व्यर्थ बोलने का उल्लेख करते हैं जैसे कि वे वस्तुएं हों जिन्हें कोई **खोएगा**। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और तू व्यर्थ में बोलेगा”

देखें: रूपक

नीतिवचन 23:8 (#5)

“अपनी मीठी बातों”

देखें कि आपने **बातों** के समान उपयोग का अनुवाद 1:23 में किस प्रकार किया।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 23:9 (#1)

“”

23:9 “बुद्धिमानों के 30 वचनों” में से 9 वचन है।

नीतिवचन 23:9 (#2)

בְּאָזְנֵי & אַל־תְּדַבֵּר

“सामने न बोलना”

मूल भाषा में **कान में न बोलना** का उपयोग किया गया है जबकि हिन्दी आइ.र.वी सामने न बोलना का उपयोग करता है’। **कान में न बोलना** वाक्यांश का तात्पर्य है किसी से सीधे इस तरह से बात करना कि व्यक्ति **कानों** से स्पष्ट रूप से सुन सके कि क्या कहा जा रहा है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “सीधे बात न करना”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 23:9 (#3)

“”मूर्ख“

देखें कि आपने **मूर्ख** और **वह** का अनुवाद 10:18 में कैसे किया।

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 23:9 (#4)

“ बुद्धि के वचनों”

देखें कि आपने **बुद्धि के वचनों** जैसी भाववाचक संज्ञा का अनुवाद 1:3 में कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 23:9 (#5)

“तेरे बुद्धि के वचनों”

देखें कि आपने 1:23 में **वचनों** के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 23:10 (#1)

“”

23:10–11, “बुद्धिमानों के 30 वचनों” में से 10 वचन है।

नीतिवचन 23:10 (#2)

“पुरानी सीमाओं को न बढ़ाना,”

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 22:28 में किस प्रकार किया।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 23:10 (#3)

וּבִשְׂדֵי יְתוֹמִים אַל־תָּבֹא

“और न अनाथों के खेत में घुसना”

पिछले खण्ड के साथ सम्बन्ध यह संकेत करता है कि वाक्यांश **घुसना** यहाँ किसी और की भूमि को अधिग्रहित करने या उपयोग करने का सन्दर्भ देता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अनाथों के खेतों का अधिग्रहण न कर” या “अनाथों के खेतों पर अतिक्रमण न कर”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 23:10 (#4)

יְתוֹמִים

“अनाथों”

वाक्यांश **अनाथों** उन बच्चों को सन्दर्भित करता है जिन्होंने अपने पिता को खो दिया है और इसलिए उनके पास उनकी रक्षा करने वाला कोई नहीं है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “बच्चे जिनके पास उनकी रक्षा करने के लिए पिता नहीं हैं”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 23:11 (#1)

גֹּאֲלָם

“उनका छुड़ानेवाला”

यहाँ, **उनका छुड़ानेवाला** यहोवा को सन्दर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उनका उद्धारकर्ता, यहोवा,

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 23:11 (#2)

הוּא־יָרִיב אֶת־רִיבָם אִתָּךְ

“उनका मुकद्दमा तेरे संग वही लड़ेगा”

यहाँ, लेखक यहोवा को “अनाथों” की रक्षा करने वाले के रूप में सन्दर्भित करता है, जैसे कि वे एक वकील हों जो उन्हें कानूनी **मुकद्दमे** से बचाते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह स्वयं अनाथों की ओर से तुम्हारे विरुद्ध खड़े होंगे।”

देखें: रूपक

नीतिवचन 23:11 (#3)

הוּא־יָרִיב

“वही”

लेखक शब्द **वही** का उपयोग यह जोर देने के लिए करते हैं कि यहोवा के लिए रक्षाहीनों की रक्षा करना कितना महत्वपूर्ण था। इस महत्व को दर्शाने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह वास्तव में मुकद्दमा करेंगे”

देखें: निजवाचक सर्वनाम

नीतिवचन 23:11 (#4)

“उनका मुकद्दमा”

देखें कि आपने 15:18 में **मुकद्दमा** जैसी भाववाचक संज्ञा का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 23:12 (#1)

“”

23:12 “बुद्धिमानों के 30 वचनों” में से 11 वचन है।

नीतिवचन 23:12 (#2)

הָבִיאָה לַמּוּסָר לִבֶּךָ וְאָזְנֶךָ לְאִמְרֵי־דָעַת

“”अपना हृदय शिक्षा की ओर“

लेखक दूसरे वाक्यांश में एक शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्यांश को पूरा करने के लिए आवश्यक होगा। यदि यह आपकी भाषा में स्पष्ट होगा तो आप पहले वाक्यांश से शब्द प्रदान कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अपने हृदय को सुधार के लिए ला और अपने कान को ज्ञान के शब्दों के लिए ला।”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 23:12 (#3)

הָבִיאָה לַמּוּסָר לִבֶּךָ וְאָזְנֶךָ לְאִמְרֵי־דָעַת

“”अपना हृदय शिक्षा की ओर“

इन दोनों वाक्यांशों का अर्थ मूल रूप से एक ही है। दूसरा वाक्यांश पहले के अर्थ को जोर देकर, उसी विचार को अलग शब्दों में दोहराता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप इन वाक्यांशों को **और** के अलावा किसी अन्य शब्द से जोड़ सकते हैं, यह दिखाने के लिए कि दूसरा वाक्यांश पहले को दोहरा रहा है और कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: “अपने हृदय को सुधार के लिए ला, हाँ, अपने कान को ज्ञान के शब्दों के लिए ला।”

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 23:12 (#4)

הָבִיאָה לַמּוּסָר לִבֶּךָ

“अपना हृदय शिक्षा की ओर... लगाना”

यहाँ, **अपना हृदय... लगाना** एक मुहावरा है जिसका अर्थ है “ध्यान से सोचना।” यहाँ **हृदय** शब्द का अर्थ व्यक्ति के मन से है, जैसा कि 2:2 में है। यदि इस वाक्यांश का आपकी भाषा में यह अर्थ नहीं है, तो आप अपनी भाषा से ऐसा कोई मुहावरा उपयोग कर सकते हैं जिसका यह अर्थ हो या अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। देखें कि आपने 22:17 में “अपना हृदय... लगाना” वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: “शिक्षा के विषय ध्यान से सोच।”

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 23:12 (#5)

“शिक्षा की ओर”

देखें कि आपने 3:11 में **शिक्षा** का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 23:12 (#6)

“और अपने कान”

देखें कि आपने 22:17 में **कान** के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 23:12 (#7)

“ ज्ञान की बातों की ओर”

देखें कि आपने 19:27 में **ज्ञान की बातों** का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 23:13 (#1)

“”

23:13–14 “बुद्धिमानों के 30 वचनों” में से 12 वचन है।

नीतिवचन 23:13 (#2)

אַל־תִּמְנַע מוּסָר &

“ताड़ना न छोड़ना”

यहाँ, लेखक एक लडके को ताड़ना के द्वारा अनुशासन देने से इनकार करने की बात करता है, जैसे अनुशासन एक वस्तु हो जिसे माता-पिता अपने बालक को देना बन्द कर सकते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अनुशासित करने में लापरवाही न करना।”

देखें: रूपक

नीतिवचन 23:13 (#3)

“ताड़ना”

देखें कि आपने 13:24 में **ताड़ना** जैसी भाववाचक संज्ञा का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 23:13 (#4)

מִנַּעַר & תַּכֶּנּוּ & לֹא יָמוּת

“लड़के की”

यहाँ, **लड़का**, **उसको**, और **वह** समान्य अर्थ में बच्चों को सन्दर्भित करते हैं, किसी विशेष **लड़के** को नहीं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। देखें कि आपने 22:6 में **लड़के** और **वह** के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: “किसी भी बालक से ... तू उस बालक को मारता है ... वह बालक नहीं मरेगा”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 23:13 (#5)

תַּכֶּנּוּ בַּשֵּׁבֶט

“तू उसको छड़ी से मारे”

यह वाक्यांश एक प्रकार के दण्ड को सन्दर्भित करता है जिसमें किसी व्यक्ति को **छड़ी** से मारना शामिल होता है। यदि यह आपके भाषा में सहायक हो, तो आप शारीरिक दण्ड के लिए एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यदि तू उसे शारीरिक रूप से दण्डित करता है” या “यदि तू उसे छड़ी से मारकर दण्डित करता है”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 23:14 (#1)

בַּשֵּׁבֶט תַּכֶּנּוּ

“ तू उसको छड़ी से मारकर”

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद पिछले पद में कैसे किया।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 23:14 (#2)

וְנַפְשׁוֹ & תַּצִּיל

“उसका प्राण... बचाएगा”

यह वाक्यांश पिछले वाक्यांश में दिए गए आदेश का पालन करने के परिणाम को प्रस्तुत करता है। परिणाम को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीका अपनाएं। आपको एक नया वाक्य शुरू करने की आवश्यकता हो सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: “यदि तू इन चीजों का पालन करता है, तो तू उसका जीवन बचा लेगा” या “इसका परिणाम यह होगा कि तू उसका जीवन बचा लेगा”

देखें: जोड़ें— कारण और परिणाम सम्बन्ध

नीतिवचन 23:14 (#3)

וְנַפְשׁוֹ מִשְּׁאוֹל תַּצִּיל

“उसका प्राण अधोलोक से बचाएगा”

यहाँ, लेखक किसी के लड़के को मरने से रोकने की बात करता है जैसे कि वह उसके **प्राण को अधोलोक** से बचा रहे हों, जो वह स्थान है जहाँ लोगों की आत्माएं मरने पर जाती हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और तू उसे जीवित रखेगा”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 23:15 (#1)

“”

23:15–16 30 “बुद्धिमानों के 30 वचनों” में से 13 वचन है।

नीतिवचन 23:15 (#2)

“मेरे पुत्र”

देखें कि आपने 1:8 में इस वाक्यांश के समान उपयोग का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 23:15 (#3)

“मेरा ही मन”

इस पद में, **मन** पूरे व्यक्ति को सन्दर्भित करता है। देखें कि आपने 14:10 में **मन** के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 23:16 (#1)

שְׂפָתֶיךָ

“मेरा मन”

यहाँ, **मन** पूरे व्यक्ति को सन्दर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे रूप में व्यक्त कर सकते हैं, जैसे कि यू.एस.टी में है।

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 23:16 (#2)

“(तेरे होंठ) सीधी बातें बोले”

मूल भाषा में यहाँ **होंठ** शब्द का उपयोग किया गया है जो हिन्दी आइ.र.वी. में नहीं है। यहाँ, **होंठ** पूरे व्यक्ति को सन्दर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं, जैसे कि यूएसटी में।

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 23:17 (#1)

“”

23:17–18 “बुद्धिमानों के 30 वचनों” में से 14 वचन है।।

नीतिवचन 23:17 (#2)

“मन में”

यहाँ, **मन** पूरे व्यक्ति को सन्दर्भित करता है। देखें कि आपने 14:10 में **मन** के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 23:17 (#3)

“यहोवा का भय”

लेखक एक ऐसा शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्यांश को पूरा करने के लिए आवश्यक होगा। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा तो आप इस शब्द को सन्दर्भ से जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “बल्कि यहोवा के भय में बना रह।”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 23:17 (#4)

“यहोवा का भय”

देखें कि आपने 1:7 में **यहोवा का भय** का अनुवाद कैसे किया।

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 23:18 (#1)

כִּֽי־אִם־יֵ֥שׁ אַחֲרִ֖ית

“क्योंकि अन्त में फल होगा”

यहाँ, लेखक यह संकेत करते हैं कि पद की सामग्री सत्य है यदि व्यक्ति के पास पिछले पद में उल्लिखित “यहोवा का भय” है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यदि तू यहोवा का भय माने, तो निश्चित रूप से एक भविष्य है।”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 23:18 (#2)

יֵ֥שׁ אַחֲרִ֖ית

“(भविष्य) फल होगा”

अंग्रेजी अनुवादों में यहाँ **भविष्य** शब्द आया है। यहाँ, लेखक का तात्पर्य है कि **भविष्य** उज्ज्वल है और यह उस व्यक्ति के लिए है जिसे अगले वाक्यांश में **तेरी** कहा गया है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “तेरे लिए एक उत्तम फल होगा”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 23:18 (#3)

וְ֗תִקְוָתְךָ֥ לֹ֥א תִכָּֽרֵת

“और तेरी आशा न टूटेगी”

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। सन्दर्भ यह दर्शाता है कि यहोवा यह कार्य करेंगे। वैकल्पिक अनुवाद: “और यहोवा तेरी आशा को टूटने नहीं देंगे”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 23:18 (#4)

“और तेरी आशा”

देखें कि आपने 10:28 में भाववाचक संज्ञा **आशा** का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 23:18 (#5)

לֹ֥א תִכָּֽרֵת

“न टूटेगी”

यहाँ, लेखक **आशा** के कभी अधूरी न रहने की बात करता है, जैसे कि यह एक वस्तु है जो **कभी टूटेगी नहीं**। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अधूरी नहीं रहेगी” या “वास्तविकता बनने में असफल नहीं होगी”

देखें: रूपक

नीतिवचन 23:18 (#6)

לֹ֥א תִכָּֽרֵת

“न टूटेगी”

लेखक यहाँ एक अलंकार का उपयोग कर रहे हैं जो एक नकारात्मक शब्द, **न**, के साथ एक अभिव्यक्ति का उपयोग करके अत्यधिक सकारात्मक अर्थ व्यक्त करता है, जो कि इच्छित अर्थ के विपरीत है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप सकारात्मक अर्थ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “निश्चित रूप से पूरी होगी”

देखें: (लाइटोटीज़) कटाक्षपूर्ण उक्ति

नीतिवचन 23:19 (#1)

“”

23:19–21 “बुद्धिमानों के 30 वचनों” में से 15 वचन है।

नीतिवचन 23:19 (#2)

“हे मेरे पुत्र”

देखें कि आपने 1:8 में **पुत्र** का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 23:19 (#3)

“(और) बुद्धिमान हो”

मूल भाषा में यहाँ **और** शब्द आया है जो हिन्दी अनुवाद में नहीं है। यहाँ, **और** संकेत करता है कि आगे जो कुछ भी है वह इस पद में लेखक द्वारा अपने पुत्र को करने के लिए दिए गए आदेश का उद्देश्य है। अपनी भाषा में एक ऐसा संयोजक प्रयोग करें जो उद्देश्य को दर्शाता है। या आप उसे आईआरवी की तरह छोड़ सकते हैं। देखें कि आपने 6:6 में इस वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया।\n

देखें: जोड़ें– लक्ष्य (उद्देश्य) सम्बन्ध

नीतिवचन 23:19 (#4)

וְאַשְּׁשֵׁ֣ר בַּדֶּ֗רֶךְ לִבֶּֽךָ

“और अपना मन सुमार्ग में सीधा चला”

यहाँ, लेखक सही तरीके से व्यवहार करने के निर्णय पर विचार करने की बात करता है, जैसे कोई उसके **मन** को एक मार्ग पर ले जा रहा हो। यहाँ **मन** का अर्थ व्यक्ति के **हृदय** से है, जैसा कि 2:2 में है, और **मार्ग** का अर्थ मनुष्य के सही व्यवहार से है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और सही मार्ग पर चलने के विषय विचार करना"

देखें: रूपक

नीतिवचन 23:20 (#1)

"दाखमधु के पीनेवालों में न होना"

देखें आपने 22:26 में **उनमे न होना** का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 23:20 (#2)

בְּזֹלְלֵי בָשָׂר

"न माँस के अधिक खानेवालों की संगति करना"

लेखक कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि यह आपकी भाषा में स्पष्ट होगा, तो आप इन शब्दों को पिछले वाक्य से जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और माँस के लालची लोगों में से न बनना।"

देखें: पदलोप

नीतिवचन 23:20 (#3)

בָשָׂר

"माँस"

यहाँ, **माँस** से तात्पर्य पशुओं के **माँस** से है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसका मतलब स्पष्ट रूप से बता सकते हैं, जैसे कि यूएसटी में।

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 23:21 (#1)

סֹבְבֵא וָזוֹלֵל

"क्योंकि पियक्कड़ और पेटू"

यहाँ, **पियक्कड़** और **पेटू** वह सामान्य प्रकार के लोगों को सन्दर्भित करता है, न कि विशिष्ट लोगों को। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अधिक खाने वाले और अधिक पीने वाले"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 23:21 (#2)

סֹבְבֵא וָזוֹלֵל

"पियक्कड़ और पेटू "

लेखक यह संकेत करते हैं कि ये लोग अत्यधिक दाखरस पीते हैं और लालच में आकर बहुत अधिक माँस खाते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। देखें कि आपने पिछले पद में "पियक्कड़" और "पेटू" जैसे वाक्यांशों का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "वह जो अत्यधिक दाखरस पीते हैं और वह जो लालच में आकर बहुत अधिक माँस खाते हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 23:21 (#3)

וּקְרָעִים תַּלְבִּישׁ נוּמָה

"और उनका क्रोध उन्हें चिथड़े पहनाएगी"

मूल भाषा में यहाँ **उनकी नींद उन्हें चिथड़े पहनाएगी,** लेकिन हिंदी अनुवाद में **उनका क्रोध उन्हें चिथड़े पहनाएगी** लिखा गया है। लेखक उन लोगों का जिक्र करते हैं जो अत्यधिक नींद/क्रोध के कारण दरिद्र हो जाते हैं, जैसे कि **नींद/क्रोध** एक व्यक्ति हो जो उन्हें **चिथड़ों** में लपेट देता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और वे चिथड़ों में लिपटे होंगे क्योंकि वे अत्यधिक नींद लेते है।"

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 23:21 (#4)

וּקְרָעִים תַּלְבִּישׁ נוּמָה

"और उनका क्रोध उन्हें चिथड़े पहनाएगी"

यहाँ, **चिथड़े पहनाएगी** यह दर्शाता है कि एक व्यक्ति इतना दरिद्र है कि उनके पास कपड़े के लिए केवल **चिथड़े** ही हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और क्रोध व्यक्ति को इतना दरिद्र बना देगा कि उसके पास पहनने के लिए केवल चिथड़े ही होंगे"

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 23:22 (#1)

""

23:22–25 "बुद्धिमानों के 30 वचनों" में से 16 वचन है।

नीतिवचन 23:23 (#1)

אֱמֶת קְנֵה וְאַל־תִּמְכֹּר

" सच्चाई को मोल लेना, बेचना नहीं"

यहाँ, लेखक **सच्चाई** के बारे में सीखने और उसे याद रखने की बात करता है, जैसे कि यह कोई वस्तु हो जिसे कोई **खरीद** और **बेच** सकता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सत्य को सीख और इसे न भूलना।"

देखें: रूपक

नीतिवचन 23:23 (#2)

"सच्चाई" - "बुद्धि और शिक्षा और समझ"

देखें कि आपने भाववाचक संज्ञाओं **सच्चाई** का 8:7 में और **बुद्धि**, **शिक्षा**, और **समझ** का 1:2 में कैसे अनुवाद किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 23:23 (#3)

“बेचना नहीं”

लेखक यहाँ एक अलंकार का उपयोग कर रहे हैं जो एक नकारात्मक शब्द, **नहीं**, का उपयोग करके अत्यधिक सकारात्मक अर्थ व्यक्त करता है, साथ ही एक अभिव्यक्ति जो इच्छित अर्थ के विपरीत है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप सकारात्मक अर्थ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और इसे बनाए रखे”

देखें: कटाक्षपूर्ण उक्ति

नीतिवचन 23:23 (#4)

חָכְמָה וּמוּסָר וּבִינָה

“बुद्धि और शिक्षा और समझ”

लेखक कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। आपकी भाषा में इसे स्पष्ट करने के लिए, आप इन शब्दों को वाक्य के पहले भाग से जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “बुद्धि और शिक्षा और समझ प्राप्त कर।”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 23:24 (#1)

גִּגִּיל יָגִיל אֲבִי צַדִּיק וְיוֹלֵד חָכָם יִשְׂמַח־בּוֹ

“”धर्मी का पिता बहुत मगन होता है,“

ये दोनों वाक्यांश मूल रूप से एक ही बात का अर्थ रखते हैं। दूसरा वाक्यांश पहले के अर्थ को अलग शब्दों में दोहराकर जोर देता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप वाक्यांशों को **और** के अलावा किसी अन्य शब्द के साथ निर्देश में जोड़ सकते हैं ताकि यह दिखाया जा सके कि दूसरा वाक्यांश पहले को दोहरा रहा है, कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: “एक धार्मिक व्यक्ति के पिता आनंदित होकर प्रसन्न होंगे; हाँ, जो एक बुद्धिमान को जन्म देते हैं, वे उसमें प्रसन्न होते हैं।”

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 23:24 (#2)

אֲבִי צַדִּיק וְיוֹלֵד חָכָם & בּוֹ

“धर्मी का पिता,” - “और बुद्धिमान का जन्मानेवाला” - “उसके”

पिता, **धर्मी**, **जन्मानेवाला**, **बुद्धिमान**, और **उसके** लोगों के सामान्य प्रकार को सन्दर्भित करते हैं, न कि विशिष्ट लोगों को। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “किसी भी धार्मिक व्यक्ति का कोई भी पिता ... और कोई भी व्यक्ति जो किसी बुद्धिमान व्यक्ति को उत्पन्न करता है ... उस व्यक्ति में”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 23:24 (#3)

גִּגִּיל יָגִיל

“बहुत मगन होता है”

मूल भाषा में लेखक क्रिया ‘**आनन्दित**’ को दोहरा रहा है ताकि वह जो विचार व्यक्त करता है उसे और अधिक प्रबल कर सकेजो हिंदी अनुवाद में नहीं है। यदि आपकी भाषा में शब्दों को तीव्रता के लिए दोहराया जा सकता है, तो आपके अनुवाद में ऐसा करना उपयुक्त होगा। यदि नहीं, तो आपकी भाषा में जोर देने का कोई अन्य तरीका हो सकता है, उसका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: “वह अत्यधिक आनन्दित होगा”

देखें: पुनरावृत्ति

नीतिवचन 23:24 (#4)

בּוֹ

“उसके कारण”

कारण के रूप में अनुवादित शब्द यह संकेत करता है कि जो आगे आता है, वह पहले आए हुए का कारण है। अपनी भाषा में एक संयोजक का उपयोग करें जो यह स्पष्ट करता है कि जो आगे आता है, वह पहले आए हुए का कारण है। वैकल्पिक अनुवाद: “उसकी वजह से”

देखें: जोड़े— कारण और परिणाम सम्बन्ध

नीतिवचन 23:25 (#1)

יִשְׂמַח־אָבִיךָ וְאִמֶּךָ וְתָגֵל יוֹלַדְתֶּךָ

“”तेरे माता-पिता आनन्दित... हों।“

ये दोनों वाक्यांश मूल रूप से एक ही बात का अर्थ रखते हैं। दूसरा वाक्यांश पहले के अर्थ को विभिन्न शब्दों में दोहराकर जोर देता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप **और** के अलावा किसी अन्य शब्द के साथ वाक्यांशों को जोड़ सकते हैं ताकि यह दिखाया जा सके कि दूसरा वाक्यांश पहले को दोहरा रहा है और कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: “तेरे पिता और तेरी माता प्रसन्न हों; हाँ, वह जिसने तुझे जन्म दिया वे आनन्दित हों”

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 23:25 (#2)

יִשְׂמַח־אָבִיךָ וְאִמֶּךָ וְתָגֵל יוֹלַדְתֶּךָ

“”तेरे माता-पिता आनन्दित... हों,“

लेखक एक आदेश देने के लिए एक अपील कथन का उपयोग कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इन शब्दों का अनुवाद आदेश रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अपने पिता और अपनी माता को प्रसन्न कर, और उन्हें खुश कर जिन्होंने तुझे जन्म दिया।”

देखें: वक्तव्य — अन्य उपयोग

नीतिवचन 23:25 (#3)

יִשְׂמַח־אָבִיךָ וְאִמֶּךָ

“तेरे माता-पिता आनन्दित”

यह पद पहले जो हुआ उसका इच्छित परिणाम बताता है। अपनी भाषा में ऐसे संयोजक का प्रयोग करें जो यह स्पष्ट कर दे कि आगे जो कुछ हुआ है, वह पहले जो हुआ उसका परिणाम होना चाहिए। वैकल्पिक अनुवाद: “इसलिए, तेरा पिता और तेरी माता प्रसन्न हों।”

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम सम्बन्ध

नीतिवचन 23:26 (#1)

“”

23:26–28 “बुद्धिमानों के 30 वचनों” में से 17 वचन है।

नीतिवचन 23:26 (#2)

תְּנָה & לִבְּךָ לִלָּי

“अपना मन मेरी ओर लगा”

यहाँ, लेखक किसी पर सावधानीपूर्वक ध्यान देने का उल्लेख करते हैं जैसे कि **पुत्र** उन पर अपना **मन लगा** रहा हो। यहाँ **मन** शब्द एक व्यक्ति के हृदय को सन्दर्भित करता है, जैसा कि 2:2 में है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मुझ पर सावधानीपूर्वक ध्यान दे”

देखें: रूपक

नीतिवचन 23:26 (#3)

וְ֗עֵינֶ֫יךָ דְּרָכַ֥י תִּצֹּֽרְנָה

“और तेरी दृष्टि मेरे चाल चलन पर लगी रहे”

लेखक एक आदेश देने के लिए एक अपील कथन का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इन शब्दों का अनुवाद आदेश रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और अपनी आँखों को मेरे मार्गों पर लगा”

देखें: वक्तव्य — अन्य उपयोग

नीतिवचन 23:26 (#4)

“और तेरी दृष्टि... लगी रहे”

मूल भाषा में यहाँ आँखें शब्द आया है और हिन्दी अनुवाद में दृष्टी है। यहाँ, **आँखें** पूरे व्यक्ति को दर्शाती हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और तू ध्यानपूर्वक देख”

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 23:26 (#5)

“मेरे चाल चलन”

देखें कि आपने 3:6 में **चाल चलन** का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: रूपक

नीतिवचन 23:27 (#1)

כִּי־שׁוּחָ֥ה עֲמֻקָּ֖ה זוֹנָ֑ה וּבְאֵ֥ר צָ֝רָ֗ה נָכְרִיָּֽה

“”वेश्या गहरा गड्ढा ठहरती है“

ये दोनों वाक्यांश मूल रूप से एक ही बात का अर्थ रखते हैं। दूसरा वाक्यांश पहले के अर्थ को अलग शब्दों में वही विचार दोहराकर जोर देता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप **और** के अलावा किसी अन्य शब्द के साथ वाक्यांशों को जोड़ सकते हैं ताकि यह दिखाया जा सके कि दूसरा वाक्यांश पहले को दोहरा रहा है, कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: “क्योंकि वेश्या एक गहरा गड्ढा है, हाँ, और एक पराई स्त्री एक संकीर्ण कुआँ है।”

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 23:27 (#2)

שׁוּחָ֥ה עֲמֻקָּ֖ה זוֹנָ֑ה וּבְאֵ֥ר צָ֝רָ֗ה נָכְרִיָּֽה

“”वेश्या गहरा गड्ढा ठहरती है“

यहाँ, **वेश्या**, **गहरा गड्ढा**, **पराई स्त्री**, और **सकेत कुएँ** इन चीजों और लोगों के प्रकारों को सामान्य रूप से संदर्भित करता है, न कि विशिष्ट चीजों या लोगों को। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी वेश्या एक गहरा गड्ढा है, और कोई भी पराई स्त्री एक संकीर्ण कुआँ है।”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 23:27 (#3)

“गहरा गड्ढा”

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 22:14 में किस प्रकार किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 23:27 (#4)

“पराई स्त्री”

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 2:16 में किस प्रकार किया।

देखें: रूपक

नीतिवचन 23:27 (#5)

וּבְאֵ֥ר צָ֝רָ֗ה

“और” - “सकेत कुएँ के समान है”

यहाँ, लेखक **पराई स्त्री** के गम्भीर खतरे के बारे में बात करते हैं, जैसे वह एक **सकेत कुएँ** की तरह है जिसमें कोई गिरता है और बाहर नहीं निकल सकता। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं या एक उपमा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और ... खतरनाक है” या “और ... संकरे कुएँ की तरह खतरनाक है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 23:28 (#1)

הֲ֤רִיא כְּחֶ֫חָתָ֥ף תֵּאָרֹ֑ב

“वह डाकू के समान घात लगाती है”

यहाँ, लेखक वेश्या की तुलना एक **डाकू** से करते हैं जो **घात** लगाकर बैठा रहता है क्योंकि वह पुरुष के रुपये-पैसे लेना चाहती है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। देखें कि आपने 7:12 में **घात लगाकर** का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: “वह एक डाकू की तरह पुरुष के रुपये-पैसे चुराने के लिए घात लगाकर बैठी रहती है”

देखें: उपमा

नीतिवचन 23:28 (#2)

הֵ֣ן & אָרַ֥ב

“(स्वयं) घात लगाती है”

अंग्रेजी अनुवाद में यहाँ **स्वयं** शब्द आया है जो हिन्दी अनुवाद में नहीं है। लेखक शब्द **स्वयं** का उपयोग इस बात पर जोर देने के लिए करता है कि कौन पुरुषों को नुकसान पहुंचाता है। इस महत्व को दर्शाने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह वही हैं जो घात लगाकर बैठी हैं”

देखें: निजवाचक सर्वनाम

नीतिवचन 23:28 (#3)

וּבוֹגְדִ֥ים & תּוֹסִֽף

“और... विश्वासघाती बना देती है”

यहाँ, लेखक एक वेश्या के बारे में बात करते हैं जो पुरुषों को विश्वासघात करने के लिए प्रेरित करती है, मानो वह उन्हें **विश्वासघाती** लोगों के समूह में शामिल कर रही हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और वह अधिक पुरुषों को विश्वासघाती बनने के लिए प्रेरित करती है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 23:28 (#4)

בְּאָדָֽם

“मनुष्यों को”

इस पद में, **मनुष्यों** सभी पुरुषों को एक समूह के रूप में सन्दर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे सीधे कह सकते हैं, जैसे कि यूएसटी में।

देखें: समूहवाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 23:29 (#1)

“”

23:29–35 “बुद्धिमानों के 30 वचनों” में से 18 वचन है।

नीतिवचन 23:29 (#2)

לְמִ֤י אוֹי֙ לְמִ֣י אֲבוֹי֔ לְמִ֥י מדונים ׀ לְמִ֥י שִׂיחַ֖ לְלֶ֑מִי פְּצָעִ֣ים חִנָּ֔ם לְלֶ֖מִי חַכְלִלּ֥וּת עֵינָֽיִם

“”कौन कहता है, हाय? कौन कहता है, हाय, हाय? कौन झगड़े-रगड़े में फँसता है?“

लेखक इन प्रश्नों का उपयोग करके पाठक को उस मुद्दे के लिए तैयार करता है जो वे अगले पद में “दाखमधु ... पीते हैं” के बारे में बताने जा रहा है। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इसे एक कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मैं तुझे बताऊंगा कि किस प्रकार के व्यक्ति को हाय, हाय, दुःख, झगड़े, विलाप, बिना कारण के घाव, और आंखों की सुस्ती होती है।”

देखें: आलंकारिक प्रश्न

नीतिवचन 23:29 (#3)

לְמִ֤י אוֹי֙ לְמִ֣י אֲבוֹי֔ לְמִ֥י מדונים ׀ לְמִ֥י שִׂיחַ֖

“”कौन कहता है, हाय? कौन कहता है, हाय, हाय? कौन झगड़े-रगड़े में फँसता है?“

यदि आपकी भाषा में **हाय**, **झगड़े**, और **रगड़े** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप इन्हीं विचारों को अन्य तरीकों से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कौन दुखी है? कौन पीड़ित है? कौन झगड़ालू है? कौन विलाप कर रहा है?”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 23:29 (#4)

חַכְלִלּ֥וּת עֵינָֽיִם

“आँखें लाल हो जाती हैं”

वाक्यांश **आँखें लाल** का अर्थ है **आँखें** जो लाल दिखती हैं क्योंकि किसी व्यक्ति ने बहुत अधिक दाखमधु पी लिया है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “लाल आँखें, जैसे लहू का रंग” या “रक्तिम आँखें”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 23:30 (#1)

לַֽמְאַחֲרִ֥ים עַל־הַיָּֽיִן

“उनकी जो दाखमधु देर तक पीते हैं”

यह पद पिछले पद में पूछे गए अलंकारिक प्रश्नों का उत्तर देता है। यदि आपने पिछले पद में प्रश्नों का उल्लेख नहीं किया है, तो आपको इस वाक्य को समायोजित करने की आवश्यकता हो सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: “ऐसे लोग जो ये कार्य करते हैं, वे देर तक दाखमधु पीते रहते हैं।”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 23:30 (#2)

לַֽמְאַחֲרִ֥ים עַל־הַיָּֽיִן

“जो दाखमधु देर तक पीते हैं”

यहाँ, लेखक उन लोगों का उल्लेख करते हैं जो दाखमधु पीने में बहुत समय बिताते हैं, मानो वे **दाखमधु** पर टिके हुए हों। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्टता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उन लोगों के लिए जो कई घन्टे दाखमधु पीने में बिताते हैं” या “उन लोगों के लिए जो अधिक से अधिक दाखमधु पीते हैं”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 23:30 (#3)

לַֽבָּאִ֥ים לַחְקֹ֖ר מִמְסָֽךְ

“जो मसाला मिला हुआ दाखमधु ढूँढ़ने को जाते हैं”

यहाँ, लेखक का तात्पर्य है कि ये लोग पीने के लिए **मसाला मिला हुआ दाखमधु खोजते** हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन लोगों के लिए जो मिलाया हुआ दाखमधु खोजने और पीने आते हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 23:30 (#4)

"मसाला मिला हुआ"

प्राचीन इस्राएल में, लोग अक्सर पीने के लिए **दाखमधु** को पानी के साथ मिलाकर तैयार करते थे। देखें कि आपने 9:2 में "दाखमधु में मसाला मिलाया" का और 9:5 में इसी तरह की अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 23:31 (#1)

"तब उसको न देखना"

यहाँ, **देखना** का अर्थ है खुशी के साथ देखना या **दाखमधु** पीने की लालसा के साथ देखना। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लालसा के साथ मत देखना"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 23:31 (#2)

כִּכְיִ יִתְאַדָּם כִּי־יִתֵּן בַּכּוֹס עֵינוֹ יִתְהַלֵּךְ בְּמֵישָׁרִים

""जब दाखमधु लाल दिखाई देता है"

ये तीन खण्ड बताते हैं कि कोई दाखमधु पीने के लिए क्यों प्रलोभित होता है, जबकि इसके विपरीत इसे **न देखने** का आदेश दिया गया है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस विरोधाभास को और स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हालाँकि वह लाल होता है, प्याले में चमकता है, और आसानी से बहता है, फिर भी उसे मत देखना"

देखें: जोड़ें — विरोधाभास सम्बन्ध

नीतिवचन 23:31 (#3)

יִתֵּן בַּכּוֹס עֵינוֹ

"कटोरे में उसका सुन्दर रंग होता है"

वाक्यांश **सुन्दर रंग होता** उस तरीके को सन्दर्भित करता है जिसमें **दाखमधु** एक **कटोरे** के अन्दर चमकता है या प्रकाश को प्रतिबिंबित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह कटोरे में चमकता है"

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 23:31 (#4)

יִתְהַלֵּךְ בְּמֵישָׁרִים

"जब वह धार के साथ उण्डेला जाता है"

यहाँ, लेखक का तात्पर्य है कि **दाखमधु** व्यक्ति के गले से आसानी से नीचे चला जाता है जब वे इसे पीते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह आसानी से गले से निचे उतर जाता है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 23:32 (#1)

אַאֲחֲרִיתוֹ כְּנָחָשׁ יִשָּׁךְ וּכְצִפְעֹנִי יַפְרִשׁ

""अन्त में वह सर्प के समान डसता है"

ये दोनों वाक्यांश मूल रूप से एक ही बात का अर्थ रखते हैं। दूसरा वाक्यांश उसी विचार को अलग शब्दों में दोहराकर, पहले के अर्थ को जोर देता है। यदि आपके पाठकों के लिए यह सहायक होगा, तो आप वाक्यांशों को **और** के अलावा किसी अन्य शब्द के साथ जोड़ सकते हैं, ताकि यह दिखाया जा सके कि दूसरा वाक्यांश पहले को दोहरा रहा है और कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: "इसका अन्त सांप की तरह काटता है, हाँ, यह सपोले की तरह डंक मारता है।"

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 23:32 (#2)

אַאֲחֲרִיתוֹ

"अन्त में"

अन्त में अत्यधिक दाखमधु पीने के परिणाम को सन्दर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इसे अत्यधिक पीने का परिणाम"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 23:32 (#3)

כְּנָחָשׁ יִשָּׁךְ וּכְצִפְעֹנִי יַפְרִשׁ

"सर्प के समान डसता है"

लेखक कह रहे हैं कि बहुत अधिक दाखमधु पीने का परिणाम **सर्प के समान** होता है जो व्यक्ति को काटता है क्योंकि यह उस व्यक्ति को हानि पहुँचाता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हानि है" या "व्यक्ति को हानि पहुँचाता है"

देखें: उपमा

नीतिवचन 23:32 (#4)

"और करैत के समान काटता है"

लेखक कह रहे हैं कि बहुत अधिक दाखमधु पीने का परिणाम **करैत** के डंक मारने जैसा होता है क्योंकि यह व्यक्ति को हानि पहुंचाता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और यह व्यक्ति को हानि पहुंचाता है"

देखें: उपमा

नीतिवचन 23:33 (#1)

"(तेरी आँखें) तू देखेगा"

मूल भाषा में यहाँ आँखें शब्द आया है जो हिन्दी अनुवाद में नहीं है। इस पद में, **आँखें** पूरे व्यक्ति का प्रतिनिधित्व करती हैं। देखें कि आपने 23:26 में **आँखें** के इसी उपयोग का अनुवाद कैसे किया।

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 23:33 (#2)

“और (तेरा हृदय) उलटी-सीधी बातें बकता रहेगा”

मूल भाषा में यहाँ **हृदय** शब्द आया है जो हिन्दी अनुवाद में नहीं है। यहाँ, **हृदय** का अर्थ हो सकता है: (1) पूरा व्यक्ति, जैसा कि 12:23 और यु. एस. टी. में है। (2) व्यक्ति का मन, इस स्थिति में मन खुद से बात कर रहा होगा। वैकल्पिक अनुवाद: “और तेरा मन तुझे भ्रमित करने वाली बातें बताएगा” या “और तेरा मन भ्रमित हो जाएगा”

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 23:33–35 (#1)

עֵינֶיךָ יִרְאוּ זָרוֹת

“तू विचित्र वस्तुएँ देखेगा”

लेखक यह इंगित करते हैं कि इन पदों में जो कुछ वर्णित है, वह वही अनुभव है जो कोई व्यक्ति अत्यधिक दाखमधु पीने पर करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यदि तुम बहुत अधिक दाखमधु पीते हो, तो ये बातें होंगी: तुम्हारी आँखों को अजीब-अजीब दृश्य दिखेंगे।”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 23:34 (#1)

וְוָהָיִתָ כְּשֹׁכֵב בְּלֶב־יָם וּכְשֹׁכֵב בְּרֹאשׁ חִבֵּל

“”और तू समुद्र के बीच लेटनेवाले... के समान रहेगा“

ये दोनों वाक्यांश मूल रूप से एक ही बात का अर्थ रखते हैं। दूसरा वाक्यांश अलग शब्दों में पहले के अर्थ को जोर देकर दोहराता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप **और** के अलावा किसी अन्य शब्द के साथ वाक्यांशों को जोड़ सकते हैं, ताकि यह दिखाया जा सके कि दूसरा वाक्यांश पहले को दोहरा रहा है और कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: “और तू समुद्र के बिच में लेटे हुए के समान होगा, हाँ, जैसे मस्तूल के सिर पर लेटे हुए हो।”

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 23:34 (#2)

כְּשֹׁכֵב בְּלֶב־יָם

“समुद्र के बीच लेटनेवाले”

लेखक कह रहे हैं कि नशे में एक व्यक्ति उस व्यक्ति की तरह है **जो समुद्र के बीच** में लेटा है क्योंकि वह व्यक्ति चक्कर, मतली और अस्थिरता महसूस करता है जैसे कि वह समुद्र के बीच में एक नाव पर हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “चक्कर और मतली”

देखें: उपमा

नीतिवचन 23:34 (#3)

בְּלֶב־יָם

“समुद्र के बीच”

यहाँ, **बीच** का अर्थ **समुद्र केन्द्र** से है, जो भूमि से बहुत दूर है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “समुद्र के बीच में” या “महासागर में दूर”।

देखें: रूपक

नीतिवचन 23:34 (#4)

וּכְשֹׁכֵב בְּרֹאשׁ חִבֵּל

“या मस्तूल के सिरे पर सोनेवाले के सामान रहेगा”

लेखक कह रहे हैं कि एक नशे में धुत व्यक्ति उस व्यक्ति के समान है **जो मस्तूल के सिरे पर सोनेवाले** है क्योंकि वह चक्कर महसूस करता है और उस व्यक्ति की तरह लड़खड़ाता है जो समुद्र में जहाज के मस्तूल के शीर्ष पर आगे-पीछे झूलता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और एक तरफ से दूसरी तरफ झूलना”

देखें: उपमा

नीतिवचन 23:34 (#5)

בְּרֹאשׁ חִבֵּל

“मस्तूल के सिरे पर”

वाक्यांश **मस्तूल के सिरे** एक लम्बे लकड़ी के खंभे के शीर्ष को सन्दर्भित करता है, जिस पर एक बड़ा वस्त्र जहाज को चलाने के उद्देश्य से लगाया जाता था, जिसे पाल कहा जाता था। जहाज का यह हिस्सा किसी भी अन्य हिस्से की तुलना में अधिक आगे-पीछे हिलता था, इसलिए **मस्तूल के सिरे पर** कोई भी व्यक्ति आसानी से चक्कर खा सकता था। यदि आपके पाठक इस प्रकार के **मस्तूल** से परिचित नहीं हैं, तो आप अपने क्षेत्र में किसी समान चीज़ का नाम उपयोग कर सकते हैं या आप एक अधिक सामान्य शब्द का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जहाज के सबसे ऊंचे बिन्दु पर”

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

नीतिवचन 23:35 (#1)

הִכּוּנִי

“मैंने मार तो खाई”

यह पद यह वर्णन करता है कि एक नशे में धुत व्यक्ति क्या कहेगा, जिसे पिछले दो पदों में “तू” कहा गया था। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे उद्धरण चिह्नों के साथ या आपकी भाषा में उद्धरण को इंगित करने के लिए उपयोग किए जाने वाले किसी अन्य विराम चिह्न या परम्परा के साथ इंगित कर सकते हैं।

देखें: प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष उद्धरण

नीतिवचन 23:35 (#2)

הִכּוּנִי בַל־חָלִיתִי׳

“ मैंने मार तो खाई, परन्तु दुःखित न हुआ”

नशे में धुत व्यक्ति पहले खण्ड और दूसरे खण्ड के बीच एक स्पष्ट विरोधाभास का संकेत देता है। अपनी भाषा में विरोधाभास को दर्शाने का सबसे स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: "मुझे मारा गया, फिर भी मुझे चोट नहीं लगी।"

देखें: जोड़ें – विरोधाभास सम्बन्ध

नीतिवचन 23:35 (#3)

הֻלָּמוּנִי בַל־יָדָעְתִּי

"मैं पिट तो गया, परन्तु मुझे कुछ सुधि न थी"

नशे में धुत व्यक्ति पहले वाक्यांश और दूसरे वाक्यांश के बीच एक मजबूत विरोधाभास का संकेत देता है। अपनी भाषा में विरोधाभास को दर्शाने का सबसे स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: " मुझे मार पड़ी, फिर भी मुझे पता नहीं चला।"

देखें: जोड़ें– विरोधाभास सम्बन्ध

नीतिवचन 23:35 (#4)

מָתַי אָקִיץ

"मैं होश में कब आऊँ?"

नशे में धुत व्यक्ति अपने **होश** में आने की लालसा पर जोर देने के लिए एक प्रश्न का उपयोग करता है। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करते हैं, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं होश में आना चाहता हूँ!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

नीतिवचन 23:35 (#5)

מָתַי אָקִיץ

"मैं होश में कब आऊँ?"

यहाँ, **होश में** आने का अर्थ नशे में धुत व्यक्ति का फिर से अपने आपे में आना है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं कब होश में आऊंगा?"

देखें: रूपक

नीतिवचन 23:35 (#6)

אֹסִיף אֲבַקְשֶׁנּוּ עוֹד

" मैं तो फिर मदिरा ढूँढूगा"

शब्द **तो** और **फिर मदिरा ढूँढूगा** एक ही विचार व्यक्त करते हैं। शब्द **तो** अधिक दाखमधु पीने की खोज की पुनरावृत्ति पर जोर देता है। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप इस अर्थ को एक अलग तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं इसे पुनः खोजूंगा"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 23:35 (#7)

"मैं तो फिर मदिरा ढूँढूगा"

नशे में धुत व्यक्ति संकेत करता है कि वह और अधिक **दाखमधु** की खोज करेगा और उसे पिएगा। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं फिर से पीने के लिए दाखरस की खोज करूंगा"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 24:1 (#1)

""

24:1–2 30 "बुद्धिमानों के शब्दों" में से यह उन्नीसवीं कहावत है।

नीतिवचन 24:1 (#2)

בְּאַנְשֵׁי רָעָה

"बुरे लोगों के"

यहाँ लेखक बुराई से प्रभावित **लोगों** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "दुष्ट लोगों का"

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 24:1 (#3)

בְּאַנְשֵׁי

"(पुरुष) लोगों के"

मूल भाषा में यहाँ **पुरुष** शब्द का उपयोग किया गया है परन्तु हिन्दी में यहाँ **लोगों** शब्द का उपयोग किया गया है। हालांकि **पुरुष** शब्द पुल्लिंग है, लेखक इस शब्द का उपयोग एक सामान्य अर्थ में कर रहे हैं जिसमें पुरुष और स्त्रियाँ दोनों शामिल हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो इसे स्पष्ट करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "लोगों का"

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 24:2 (#1)

וְהֵגֶּה לִבָּבָם

"वे उपद्रव सोचते रहते हैं"

मूल भाषा में हृदय शब्द का उपयोग किया गया है जिससे व्यक्ति सोचता है। हालांकि **हृदय** एकवचन है, यह उन सभी लोगों के हृदय को सन्दर्भित करता है जो **उपद्रव सोचते रहते** हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप बहुवचन रूप का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके हृदय सोचते रहते हैं।"

नीतिवचन 24:2 (#2)

"सोचते" - " मुँह"

यहाँ, **सोचते** और **मुँह** पूरे व्यक्ति का प्रतिनिधित्व करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं।

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 24:2 (#3)

“उपद्रव”

देखें कि आपने **उपद्रव** जैसे भाववाचक संज्ञा का अनुवाद 3:31 में कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 24:2 (#4)

וְעָמָל

“और” - “दुष्टता”

यदि आपकी भाषा में **दुष्टता** के विचार के लिए एक भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं होता है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और ... जो लोगों को कष्ट देता है”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 24:3 (#1)

“”

24:3–4 “बुद्धिमानों के 30 वचनों” में से 20 वचन है।

नीतिवचन 24:3 (#2)

“बुद्धि से” - “और समझ के द्वारा”

देखें कि आपने **बुद्धि** और **समझ** जैसी भाववाचक संज्ञाओं का अनुवाद 1:2 में कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 24:3 (#3)

יִבָּנֶה בַּחָכְמָה & יִתְכּוֹנָן

“”घर बुद्धि से बनता है,“

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई एक घर बनाता है ... कोई इसे स्थापित करता है।”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 24:3 (#4)

יִתְכּוֹנָן

“स्थिर होता है”

यहाँ **स्थिर** के रूप में अनुवादित शब्द स्थापित और सुरक्षित होने का सन्दर्भ देता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यह सुरक्षित है”।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 24:4 (#1)

“ज्ञान के द्वारा”

देखें कि आपने **ज्ञान** जैसे भाववाचक संज्ञा का 1:4 में किस प्रकार अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 24:4 (#2)

חֲדָרִים יִמָּלְאוּ

“कोठरियाँ ... भर जाती हैं”

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई कमरे को भरता है”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 24:4 (#3)

חֲדָרִים

“कोठरियाँ”

लेखक यह संकेत करते हैं कि ये **कोठरियाँ** उसी घर की हैं जो पिछले पद में वर्णित है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उस घर की कोठरियाँ”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 24:5 (#1)

“”

24:5–6 बुद्धिमानों के 30 वचनों” में से 21 वचन है

नीतिवचन 24:5 (#2)

גֶּבֶר־חָכָם & וְאִישׁ־דַּעַת

“वीर पुरुष” - “ज्ञानी व्यक्ति”

हालांकि **पुरुष** शब्द पुल्लिंग है, लेखक इस शब्द का उपयोग एक सामान्य अर्थ में कर रहे हैं जो पुरुषों और स्त्रियाँ दोनों को शामिल करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक ऐसा वाक्यांश उपयोग कर सकते हैं जो इसे स्पष्ट करता है। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी वीर ... और कोई भी ज्ञानी व्यक्ति”

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 24:5 (#3)

גֶּבֶר־חָכָם

“वीर पुरुष”

यहाँ, लेखक एक **पुरुष** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं, जिसकी पहचान **वीर** (मूल भाषा में बुद्धिमान) से होती है। यदि आपकी भाषा में इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक बुद्धिमान पुरुष”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 24:5 (#4)

חָכָם בַּעֲעוֹז & דַּ֫עַת & כֹּ֫חַ

“”वीर पुरुष बलवान होता है“

यदि आपकी भाषा **वीर**, **बलवान**, **ज्ञानी**, और **बलवान** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं करती है, तो आप इन्हीं विचारों को अन्य तरीकों से व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने **वीर** (मूल भाषा में बुद्धिमान) का अनुवाद 1:2 में और **ज्ञानी** का अनुवाद 1:4 में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: “जो बुद्धिमान है वह बलवान के साथ है ... जो ज्ञानी है ... जो प्रबल है”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 24:5 (#5)

וְאִישׁ־דַּ֫עַת

“ज्ञानी व्यक्ति”

यहाँ, लेखक ज्ञान से युक्त व्यक्ति का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहा है यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और एक ज्ञानी व्यक्ति”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 24:6 (#1)

“युक्ति के साथ”

देखें कि आपने 20:18 में **युक्ति** का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 24:6 (#2)

תַּעֲשֶׂה־לְּךָ מִלְחָמָה

“जब तू युद्ध करे”

लेखक सफलतापूर्वक **युद्ध** लड़ने का संकेत देते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जब तू युद्ध को सफलतापूर्वक लड़े”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 24:6 (#3)

“विजय बहुत से मंत्रियों के द्वारा प्राप्त होती है”

देखें कि आपने 11:14 में इस खण्ड का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 24:7 (#1)

“”

24:7 बुद्धिमानों के 30 वचनों” में से 22 वचन हैं।

नीतिवचन 24:7 (#2)

רָאמִמּוֹת לָאֱוִיל

“बुद्धि इतने ऊँचे पर है कि मूर्ख उसे पा नहीं सकता”

यहाँ, **ऊँचे** एक मुहावरा है जिसका अर्थ है “समझने में बहुत कठिन।” यदि इस वाक्यांश का आपकी भाषा में यह अर्थ नहीं है, तो आप अपनी भाषा से ऐसा कोई मुहावरा उपयोग कर सकते हैं जिसका यह अर्थ हो या अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मूर्ख के सिर के ऊपर से गुजर जाता है” या “मूर्ख के लिए समझना बहुत कठिन है”

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 24:7 (#3)

לָאֱוִיל & לֹא יִפְתַּח־פִּיהוּ

“”मूर्ख;“

यहां, **एक मूर्ख**, **वह**, और **अपना** किसी विशेष मूर्ख के लिए नहीं, बल्कि सामान्य रूप से मूर्खों का प्रतिनिधित्व करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “किसी भी मूर्ख के लिए ... वह व्यक्ति अपना मुंह नहीं खोलेगा।”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 24:7 (#4)

“सभा में”

देखें कि आपने **सभा** (मूल भाषा में फाटक) का अनुवाद 22:22 में कैसे किया।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 24:7 (#5)

לֹא יִפְתַּח־פִּיהוּ

“वह ... अपना मुँह खोल नहीं सकता”

यहाँ, **अपना मुँह खोल नहीं सकता** एक व्यक्ति के बोलने का सन्दर्भ है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह नहीं बोलेगा”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 24:8 (#1)

“”

24:8–9 “बुद्धिमानों के 30 वचनों” में से 23 वचन है।

नीतिवचन 24:8 (#2)

מְחַשֵּׁשֵׁב & לוֹ

“जो सोच विचार के” - “उसको”

जो सोच विचार के और **उसको** सामान्य रूप से एक प्रकार के व्यक्ति का प्रतिनिधित्व करते हैं, न कि किसी विशेष व्यक्ति का। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी व्यक्ति जो योजना बनाता है ... उस व्यक्ति”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 24:8 (#3)

“बुराई करता”

देखें कि आपने भाववाचक संज्ञा **बुराई** का अनुवाद 1:16 में किस प्रकार किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 24:8 (#4)

בַּעַל־מְזִמּוֹת

“दुष्ट”

यहाँ लेखक **सोच विचार के बुराई** करने वाले व्यक्ति को **दुष्ट** कहकर सन्दर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “सोच विचार के बुराई वाला व्यक्ति” या “एक समस्या उत्पन्न करने वाला”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 24:9 (#1)

זִמַּת אִוֶּלֶת & לֵץ

“मूर्खता का विचार” - “ठट्ठा करनेवाले से”

मूर्खता का विचार और **ठट्ठा करनेवाले से** किसी विशेष विचार या ठट्ठा करने वाले व्यक्ति की बात नहीं कर रहे हैं, बल्कि सामान्य रूप से सभी प्रकार की **विचारों** और **ठट्ठा** करने वालों को दर्शाते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी मूर्खता का विचार ... कोई भी ठट्ठा करने वाला”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 24:9 (#2)

זִמַּת אִוֶּלֶת

“ मूर्खता का विचार”

यहाँ, लेखक **मूर्खता** से युक्त **विचार** को व्यक्त करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मूर्खता से युक्त एक योजना”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 24:9 (#3)

“मूर्खता” - “और” - “घृणा”

देखें कि आपने भाववाचक संज्ञाओं **मूर्खता** को 5:23 में और **घृणा** को 3:32 में कैसे अनुवाद किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 24:9 (#4)

לְאָדָם

“मनुष्य”

शब्द **मनुष्य** (मूल भाषा में पुरुष) सामान्य रूप से लोगों का प्रतिनिधित्व करता है, न कि किसी विशेष **मनुष्य** का। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप एक अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मानव जाति के लिए”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 24:10 (#1)

“”

24:10 “बुद्धिमानों के 30 वचनों” में से 24 वचन है।

नीतिवचन 24:10 (#2)

“यदि तू विपत्ति के समय साहस छोड़ दे”

वैकल्पिक अनुवाद: “यदि तुम हिम्मत हारते हो”

नीतिवचन 24:10 (#3)

בְּיוֹם צָרָה

“विपत्ति के समय”

यहाँ, **विपत्ति के समय** किसी विशेष दिन को सन्दर्भित नहीं करता, बल्कि सामान्य रूप से ऐसे **विपत्ति के समय** को दर्शाता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “किसी भी कष्ट के दिन में”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 24:10 (#4)

בְּיוֹם צָרָה

“विपत्ति के समय”

यहाँ, **समय** उउस समय को दर्शाता है जब कोई घटना घटती है। यह 24 घंटे की समयावधि को नहीं दर्शाता। देखें कि आपने 21:31 में **समय** के उसी उपयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 24:10 (#5)

“”विपत्ति,“

देखें कि आपने 1:27 में **विपत्ति** और 5:10 में **शक्ति** जैसी भाववाचक संज्ञाओं का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 24:10 (#6)

צַר

“बहुत कम”

यहाँ, लेखक **तेरी शक्ति** को सीमित या प्रतिबंधित होने का उल्लेख करते हैं जैसे कि यह एक **बहुत कम** स्थान में हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “प्रतिबंधित है”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 24:11 (#1)

“”

24:11–12 “बुद्धिमानों के 30 वचनों” में से 25 वचन है।

नीतिवचन 24:11 (#2)

“”जो मार डाले जाने के लिये घसीटे जाते हैं उनको छुड़ा“

इस पद्य में दोनों उपवाक्य एक ही बात कहते हैं, लेकिन दूसरे उपवाक्य में वाक्यांश उल्टे क्रम में हैं। यह एक साहित्यिक कला है, जिसे व्यत्यासिका कहते हैं। यहाँ, लेखक इस क्रम का उपयोग इन लोगों को बचाने के महत्व पर जोर देने के लिए करते हैं। पुस्तक परिचय में व्यत्यासिका पर चर्चा देखें।

देखें: कविता

नीतिवचन 24:11 (#3)

לְקֻחִים לַמָּוֶת וּמָטִים לַלֶּהֶרֶג

“”जो मार डाले जाने के लिये घसीटे जाते हैं“

लेखक का तात्पर्य है कि इन लोगों को अनुचित तरीके से **घात** करने के लिये और **मार डाले जाने के लिये घसीटे** जा रहा है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वे जो अनुचित तरीके से मृत्यु के लिए ले जाए जाते हैं, और वे जो अनुचित तरीके से मारे जाने पर हैं”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 24:11 (#4)

לְקֻחִים

“घसीटे जाते हैं”

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: “वे जिन्हें लोग चुनते हैं”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 24:11 (#5)

“”मार डाले जाने के लिये“

देखें कि आपने भाववाचक संज्ञाओं **मार डाले जाने** का 2:18 में और **घात** का 7:22 में किस प्रकार अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 24:11 (#6)

“और जो घात किए जाने को हैं उन्हें रोक”

यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इन वाक्यांशों के क्रम बदल सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और यदि तू उन लोगों को रोक सके जो वध होने के लिए जा रहे हैं”

देखें: सूचना संरचना

नीतिवचन 24:11 (#7)

“उन्हें रोक”

लेखक एक शर्तीय कथन का उपयोग करके एक विनती या आदेश दे रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इन शब्दों का अनुवाद विनती या आदेश रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मैं तुझसे विनती करता हूँ कि तू उन्हें रोक” या “तुझे उनको रोकना होगा”

देखें: वक्तव्य — अन्य उपयोग

नीतिवचन 24:11 (#8)

אִם־תַּחְשֹׂךְ

“उन्हें रोक”

यहाँ, लेखक इन लोगों के **घात** को रोकने का उल्लेख करते हैं, जैसे कि उन्हें उस स्थान पर जाने से रोक रहे हों जहाँ उनकी हत्या की जाएगी। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्टता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “तू इसे रोक दे” या “तुझे इसे रोकना चाहिए”

देखें: रूपक

नीतिवचन 24:12 (#1)

כִּי־תֹאמַר

“ यदि तू कहे”

यहाँ, लेखक का तात्पर्य है कि वक्ता को पता था और वह झूठ बोल रहा है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यदि तू यह कहकर झूठ बोलता है”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 24:12 (#2)

“यदि तू कहे, कि देख मैं इसको जानता न था”

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक हो, तो आप इसे अप्रत्यक्ष उद्धरण के रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यदि तू कहे कि, देख, तू इसको जानता न था”

देखें: प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष उद्धरण

नीतिवचन 24:12 (#3)

הֵן

“देख”

वक्ता **देख** शब्द का प्रयोग श्रोता का ध्यान अपनी बात की ओर आकर्षित करने के लिए कर रहा है, जो कि एक अनकहे आरोप का विरोध है। आपकी भाषा में एक तुलनीय अभिव्यक्ति हो सकती है जिसका आप अपने अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “सुन” या “हमने कुछ गलत नहीं किया है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 24:12 (#4)

זֶה

“इसको”

यहाँ, **इसको** उन लोगों के लिए है जो “मार डाले जाने के लिये घसीटे जाते हैं,” जो पिछले पद में उल्लेखित “जो घात किए जाने को” भी हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कि उन लोगों को मरने के लिए ले जाया जा रहा था” या “कि उन लोगों को अन्यायपूर्ण तरीके से मारा जा रहा था।”

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करे

नीतिवचन 24:12 (#5)

הֲלֹא־תֹתֵכֵן לִבּוֹת ׀ הוּא־יָבִין וְנֹצֵר נַפְשְׁךָ הוּא יֵדָע וְהֵשִׁיב לְאָדָם כְּפָעֳלוֹ

“”तो क्या मन का जाँचनेवाला इसे नहीं समझता,“

लेखक उस सत्य पर जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं जो वह कह रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करना चाहते हैं, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वे, जो मन को जाचते हैं, निश्चित रूप से समझते हैं, और वे, जो तेरे प्राण के रक्षक हैं, निश्चित रूप से जानते हैं, और वह निश्चित रूप से एक व्यक्ति को उसके काम के अनुसार प्रतिफल देंगे!”

देखें: अलंकारिक प्रश्न

नीतिवचन 24:12 (#6)

הֲלֹא־תֹתֵכֵן לִבּוֹת ׀ הוּא־יָבִין וְנֹצֵר נַפְשְׁךָ הוּא יֵדָע וְהֵשִׁיב

“”तो क्या मन का जाँचनेवाला इसे नहीं समझता,“

इस पद्य में, **जाँचनेवाला** यहोवा को सन्दर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “क्या यहोवा, जो मनों को जाचते हैं, इसे समझते नहीं हैं, और यहोवा, जो तेरे प्राणों के रक्षक हैं, जानते नहीं हैं; और यहोवा देंगे”

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करे

नीतिवचन 24:12 (#7)

תֹתֵכֵן לִבּוֹת

“मन का जाँचनेवाला “

यहाँ, लेखक उस की बात करता है जो लोगों के विचारों को समझता है, मानो वह उनके **मन का जाँचनेवाला** हो। यहाँ **मन** का अर्थ मनुष्य के हृदय से है, जैसा कि 15:11 में है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “हृदयों का जाँचनेवाला”

देखें: रूपक

नीतिवचन 24:12 (#8)

וְנֹצֵר נַפְשְׁךָ הוּא

“और क्या तेरे प्राणों का रक्षक”

यहाँ, लेखक उस व्यक्ति की बात करता है जो किसी व्यक्ति को जीवित रखता है जैसे कि वह उस व्यक्ति के **प्राणों का रक्षक** हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और वह, जो तेरे प्राण की रक्षा करते हैं”

देखें: रूपक

नीतिवचन 24:12 (#9)

וְהֵשִׁיב לְאָדָם

“और क्या वह हर एक मनुष्य के काम का फल उसे न देगा”

यहाँ, लेखक यहोवा द्वारा किसी **मनुष्य** को उसके **काम** के अनुसार फल देने की बात करता है, जैसे कि यहोवा उस **मनुष्य** को कुछ लौटा रहे हों। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और वह सुनिश्चित करेगा कि किसी मनुष्य को उसके काम का उचित फल मिले”

देखें: रूपक

नीतिवचन 24:12 (#10)

לְאָדָם כְּפָעֳלוֹ

“हर एक मनुष्य के काम का फल उसे न देगा”

हालांकि **मनुष्य** (मूल भाषा में पुरुष) और **उसे** पुल्लिंग हैं, लेखक इन शब्दों का उपयोग एक सामान्य अर्थ में कर रहे हैं जो पुरुषों और स्त्रियों दोनों को शामिल करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप ऐसे वाक्यांशों का उपयोग कर सकते हैं जो इसे स्पष्ट करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक व्यक्ति को उसके काम के अनुसार”

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 24:13 (#1)

“”

24:13–14 “बुद्धिमानों के 30 वचनों” में से 26 वचन है।

नीतिवचन 24:13 (#2)

“हे मेरे पुत्र”

देखें कि आपने 10:1 में **पुत्र** के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया।

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 24:14 (#1)

כֵּן

“वैसी ही”

यहाँ, **वैसी ही** यह संकेत देता है कि लेखक बुद्धि की तुलना मधु से कर रहे हैं, जिसका उल्लेख पिछले पद में किया गया था। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यह शहद के समान है”

देखें: उपमा

नीतिवचन 24:14 (#2)

“बुद्धि”

देखें कि आपने **बुद्धि** जैसी भाववाचक संज्ञा का अनुवाद 1:2 में कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 24:14 (#3)

“(तेरे प्राण को) मीठी लगेगी”

मूल भाषा में यहाँ **तेरे प्राण को** वाक्यांश आया है जो हिन्दी अनुवाद में नहीं है। देखें कि आपने 2:10 में **प्राण** के समान उपयोग का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 24:14 (#4)

“तू उसे पा जाए”

देखें कि आपने 16:20 में **पा जाए** के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 24:14 (#5)

“”उसका फल भी मिलेगा“

देखें कि आपने 23:18 में समान अंश का अनुवाद कैसे किया।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 24:15 (#1)

“”

24:15–16 “बुद्धिमानों के 30 वचनों” में से 27 वचन है।

नीतिवचन 24:15 (#2)

אַל־תֶּאֱרֹב רָשָׁע לִנְוֵה צַדִּיק

“तू दुष्ट के समान धर्मी के निवास को नष्ट करने के लिये घात में न बैठ”

यहाँ, लेखक **धर्मी के निवास** पर हमला करने के लिए **घात में** रहने का संकेत देते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “धर्मी व्यक्ति के निवास पर हमला करने के लिए दुष्ट की तरह घात में न रह।”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 24:15 (#3)

“दुष्ट के समान” - “धर्मी”

देखें कि आपने 10:3 में **दुष्ट** और 9:9 में **धर्मी** को कैसे अनुवादित किया।

देखें: साधारण संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 24:16 (#1)

שֶׁשֶׁבַע

“सात बार”

यहाँ, **सात बार** का उपयोग केवल विशेष रूप से **सात** बार नहीं, बल्कि सामान्य रूप से कई बार होने वाली घटनाओं को दर्शाने के लिए किया गया है। इब्रानी में, **सात** अक्सर पूर्णता के विचार का प्रतीक होता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कई बार”

देखें: रूपक

नीतिवचन 24:16 (#2)

“धर्मी”

देखें कि आपने 9:9 में **धर्मी** का अनुवाद कैसे किया।

देखें: साधारण संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 24:16 (#3)

יִפּוֹל & וָקָם

“ गिरे तो भी उठ खड़ा होता है”

यहाँ, लेखक किसी व्यक्ति के विपत्ति का अनुभव करने की बात करते हैं जैसे कि वह व्यक्ति **गिरता** हैं, और वह विपत्ति से उबरने की बात करते हैं जैसे कि वह व्यक्ति **उठ खड़ा** होता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “विपत्ति का अनुभव करेगा और उससे उबर जाएगा”

देखें: रूपक

नीतिवचन 24:16 (#4)

יִכָּשְׁלוּ בְרָעָה

“विपत्ति में गिरकर”

यहाँ, लेखक किसी के **विपत्ति** का अनुभव करने की बात करता है जैसे कि वह व्यक्ति ठोकर खा कर उसमें गिर गया हो। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्टता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “आपदा में”

देखें: रूपक

नीतिवचन 24:16 (#5)

“विपत्ति में”

देखें कि आपने **विपत्ति** जैसी भाववाचक संज्ञा का अनुवाद 1:26 में किस प्रकार किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 24:17 (#1)

“”

24:17–18 “बुद्धिमानों के 30 वचनों” में से 28 वचन है।

नीतिवचन 24:17 (#2)

בִּנְפֹ֥ל אֹיְבֶ֖ךָ אַל־תִּשְׂמָ֑ח וּ֝בְכָשְׁלוֹ֗ אַל־יָ֥גֶל לִבֶּֽךָ

“”जब तेरा शत्रु गिर जाए तब तू आनन्दित न हो“

ये दोनों वाक्यांश का मूल रूप से एक ही अर्थ है। दूसरा वाक्यांश पहले के अर्थ को अलग शब्दों में दोहराकर जोर देता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप इन वाक्यांशों को **और** के अलावा किसी अन्य शब्द से जोड़ सकते हैं, ताकि यह दिखाया जा सके कि दूसरा वाक्यांश पहले वाले को दोहरा रहा है और कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: “जब तेरा शत्रु गिरता है, तो प्रसन्न मत हो, हाँ, जब वह ठोकर खाता है तो तेरा हृदय आनन्दित न हो।”

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 24:17 (#3)

בִּנְפֹ֥ל אֹיְבֶ֖ךָ & וּ֝בְכָשְׁלוֹ֗

“जब तेरा शत्रु गिर जाए” - “और जब वह ठोकर खाए”

यहाँ, **गिर जाए** और **ठोकर खाए** दोनों विपत्ति का अनुभव करने का सन्दर्भ देते हैं। देखें कि आपने पिछले पद में **गिर जाए** और “गिरकर” के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 24:17 (#4)

“तेरा मन”

यहाँ, **मन** पूरे व्यक्ति को सन्दर्भित करता है। देखें कि आपने 14:10 में **मन** के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 24:18 (#1)

“कहीं ऐसा न हो कि यहोवा यह देख कर”

यहाँ, **कहीं ऐसा न हो** इंगित करता है कि जो आगे आता है वह उस कार्य का परिणाम है जिसे लेखक ने पिछले पद में निषिद्ध किया था। अपनी भाषा में एक संयोजक का उपयोग करें जो यह स्पष्ट करता है कि जो आगे आता है वह निषेध का पालन न करने का परिणाम है। वैकल्पिक अनुवाद: “अन्यथा, यहोवा देखेंगे”

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम सम्बन्ध

नीतिवचन 24:18 (#2)

יִרְאֶה֙ יְהוָ֔ה

“यहोवा यह देखकर”

यहाँ, **देखकर** किसी चीज़ को समझने का सन्दर्भ देता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यहोवा यह समझे”

देखें: रूपक

नीतिवचन 24:18 (#3)

וְרַ֥ע בְּעֵינָ֖יו

“(उनकी दृष्टि में बुरा लगे) अप्रसन्न हो”

मूल भाषा में यहाँ **उनकी दृष्टि में बुरा लगे** वाक्याँश आया है जिसे हिन्दी में **अप्रसन्न हो** के रूप में अनुवादित किया गया है। वाक्यांश **अप्रसन्न हो** का अर्थ किसी चीज़ या व्यक्ति के बारे में नकारात्मक राय रखना है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्टता से व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने 3:4 में **उनकी दृष्टि में** के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: “और वे इसके बारे में नकारात्मक रूप से सोचेंगे”

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 24:18 (#4)

וְהֵשִׁ֥יב

“और... हटा ले।”

यहाँ, **और** उस बात के परिणाम को प्रस्तुत करता है जो **उनकी दृष्टि में बुरा** है। परिणाम को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। आपको एक नया वाक्य शुरू करने की आवश्यकता हो सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: “परिणामस्वरूप, वे मुड़ जाएँगे”

देखें: जोड़ें— कारण और परिणाम सम्बन्ध

नीतिवचन 24:18 (#5)

“और अपना क्रोध उस पर से हटा ले”

मूल भाषा में यहाँ **और अपनी नाक उस से मोड़ ले** वाक्याँश आया है जिसे हिन्दी में **क्रोध उस पर से हटा ले** के रूप में अनुवादित किया गया है। यहाँ, लेखक **यहोवा** का किसी व्यक्ति के प्रति कुछ महसूस करना या कुछ करना बन्द करने का उल्लेख करता है, जैसे कि वह उस व्यक्ति से **अपनी नाक मोड़** रहे हों। यहाँ, **नाक** का मतलब हो सकता है: (1) क्रोध, जैसा कि 15:1 में है। वैकल्पिक अनुवाद: “और वे उसके प्रति क्रोधित होना बन्द कर देंगे” (2) वह दण्ड जो **यहोवा** उस व्यक्ति को देते हैं जिससे वे क्रोधित हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और वे उसे दण्डित करना बन्द कर देंगे”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 24:19 (#1)

“”

24:19–20 “बुद्धिमानों के 30 वचनों” में से 29 वचन है।

नीतिवचन 24:19 (#2)

אַל־תִּתְחַ֫רֵ

“मत कुढ़”

यहाँ, **कुढ़** (अंग्रेजी में गर्म) एक तीव्र भावना को सन्दर्भित करता है, जो किसी व्यक्ति के शरीर को **गर्म** बना देती है। यह भावना हो सकती है: (1) चिन्ता या बेचैनी। वैकल्पिक अनुवाद: “खुद को परेशान न कर” (2) गुस्सा, जैसा कि “गर्मी” 6:34 में होता है। वैकल्पिक अनुवाद: “अपने आप को क्रोधित मत करो”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 24:20 (#1)

כִּֽי

“क्योंकि”

यहाँ **क्योंकि** यह दर्शाने के लिए उपयोग किया गया है कि जो बात आगे कही जा रही है, वह पिछले पद में दिए गए निर्देशों का कारण है। अपनी भाषा में एक संयोजक का उपयोग करें जो यह स्पष्ट करता है कि आगे जो लिखा है वह पहले जो लिखा था उसका कारण है। वैकल्पिक अनुवाद: “ये काम मत करो क्योंकि”

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

नीतिवचन 24:20 (#2)

אַחֲרִית

“अन्त में कुछ फल न मिलेगा”

यहाँ, लेखक एक अच्छे **अन्त** की बात कर रहा है। देखें कि आपने 23:18 में **अन्त** के उसी उपयोग का अनुवाद कैसे किया।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 24:20 (#3)

“ बुरे मनुष्य को”

देखें कि आपने **बुरे** का अनुवाद 17:11 में कैसे किया है।

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 24:20 (#4)

“दुष्टों का दीपक बुझा दिया जाएगा”

देखें कि आपने 13:9 में उसी खण्ड का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 24:21 (#1)

“”

24:21–22 “बुद्धिमानों के 30 वचनों” में से 30 वचन है।

नीतिवचन 24:21 (#2)

“मेरे पुत्र”

देखें कि आपने **पुत्र** का अनुवाद 1:8 में कैसे किया है।

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 24:21 (#3)

“और राजा”

देखें कि आपने **राजा** का अनुवाद 16:15 में कैसे किया है।

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 24:21 (#4)

שֹׁנִים

“बलवा करनेवालों”

यहाँ, **बलवा करनेवालों** उन लोगों को सन्दर्भित करता है जो **यहोवा और राजा** जैसे अधिकारियों का सम्मान करने के **विरुद्ध** होते हैं और उनके खिलाफ विद्रोह करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वे जो विद्रोह करते हैं”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 24:22 (#1)

“विपत्ति”

देखें कि आपने 1:26 में भाववाचक संज्ञा **विपत्ति** का अनुवाद में कैसे किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 24:22 (#2)

יָקוּם

“आ पड़ेगी”

यहाँ, लेखक **विपत्ति** के घटित होने की बात करते हैं जैसे कि यह कोई वस्तु हो जो **आ पड़ेगी**। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “घटित होगी”

देखें: रूपक

नीतिवचन 24:22 (#3)

וּפִ֥יד שְׁׁנֵיהֶ֖ם מִמִּ֣י יוֹדֵֽעַ

“और दोनों की ओर से आनेवाली विपत्ति को कौन जानता है?”

लेखक यह दिखाने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं कि **विपत्ति** कितनी भयानक होगी। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और कोई नहीं जानता कि उन दोनों का विनाश कितना भयानक होगा!”

देखें: आलंकारिक प्रश्न

नीतिवचन 24:22 (#4)

שְׁׁנֵיהֶ֖ם

“दोनों की”

यह वाक्यांश पिछले पद में उल्लिखित “यहोवा और राजा” को सन्दर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यहोवा और राजा”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 24:23 (#1)

גַּם־אֵ֣לֶּה לַחֲכָמִ֑ים

“बुद्धिमानों के वचन यह भी हैं”

यहाँ **यह** एक नई नीतिवचन संग्रह को सन्दर्भित करता है जो इस पद से इस अध्याय के अन्तिम पद तक है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "निम्नलिखित नीतिवचन बुद्धिमान लोगों के अतिरिक्त वचन हैं।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 24:23 (#2)

הַכֵּר־פָּנִים

"(पहचान करना) पक्षपात करना"

मूल भाषा में यहाँ **मुख की पहचान करना** वाक्याँश आया है जिसे हिन्दी में **पक्षपात करना** के रूप में अनुवादित किया गया है। यह एक मुहावरा है जिसका अर्थ है "पक्षपात करना" या "किसी का पक्ष लेना"। यदि इस वाक्यांश का आपकी भाषा में यह अर्थ नहीं है, तो आप अपनी भाषा से ऐसा कोई मुहावरा उपयोग कर सकते हैं जिसका यह अर्थ हो या अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। देखें कि आपने 18:5 में "पक्ष करना" के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "कुछ लोगों को विशेष स्थान देना" या "कुछ लोगों के प्रति पक्षपाती होना"

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 24:23 (#3)

בְּמִשְׁפָּט

"न्याय में"

यदि आपकी भाषा **न्याय** के विचार के लिए भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं करती है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "निर्णय लेते समय"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 24:23 (#4)

"अच्छा नहीं"

देखें कि आपने 16:29 में **अच्छा नहीं** के समान उपयोग का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: (लाइटोटीज़) कटाक्षपूर्ण उक्ति

नीतिवचन 24:24 (#1)

אֹמֵר ׀ לָרָשָׁע֙ & יְקֻבֻּהוּ & יִזְעָמֻהוּ

"जो दुष्ट से कहता है, "" - "श्राप देते," - "धमकी देते हैं"

जो कहता है, **दुष्ट**, और **उसको** सामान्य अर्थ में लोगों के प्रकारों का उल्लेख करते हैं, न कि विशिष्ट लोगों का। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो कोई किसी दुष्ट व्यक्ति से कहे कि 'तू निर्दोष है,' उस व्यक्ति को लोग शाप देंगे और जातियाँ उसकी निन्दा करेंगी

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 24:24 (#2)

אֹמֵר ׀ לָרָשָׁע֙ צַדִּ֔יק אָתָּה

"जो दुष्ट को कहता है, "कि तू निर्दोष है"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक हो, तो आप इसे अप्रत्यक्ष उद्धरण के रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो दुष्ट को निर्दोष कहता है"

देखें: प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष उद्धरण

नीतिवचन 24:24 (#3)

לָרָשָׁע֙ צַדִּ֔יק

"दुष्ट से , "" - "निर्दोष हैं"

इस पद में, **दुष्ट** का अर्थ वह जो बुरे कार्य का दोषी हो और **निर्दोष** का अर्थ वह जो बुरे कार्य का दोषी न हो। देखें कि आपने 17:15 में **दुष्ट** और **निर्दोष** के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 24:24 (#4)

"समाज के लोग"

देखें कि आपने **समाज के लोग** के समान उपयोग का अनुवाद 14:34 में किस प्रकार किया है।

देखें: समूहवाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 24:24 (#5)

לְאֻמִּים

"जाति-जाति"

यहाँ, **जाति-जाति** का अर्थ उन **राष्ट्रों** में निवास करने वाले लोगों से है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "राष्ट्रों के लोग"

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 24:25 (#1)

וְלַמּוֹכִיחִים

"परन्तु जो... डाँटते हैं"

यहाँ, **डाँटते हैं** उन न्यायियों को सन्दर्भित करता है जो सही तरीके से दोषी लोगों को उनके द्वारा की गई बुरी चीजों के लिए दोषी ठहराते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन जो दोषी लोगों को दोषी ठहराते हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 24:25 (#2)

יִנְעָם

"उनका भला होता है"

यहाँ, **उनका** उन लोगों के जीवन को सन्दर्भित करता है जो **डाँटते** हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जीवन सुखमय होगा"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

नीतिवचन 24:25 (#3)

וַֽעֲלֵיהֶם תָּבוֹא בִרְכַּת־טוֹב

“और उत्तम से उत्तम आशीर्वाद उन पर आता है”

यहाँ, लेखक उन लोगों का उल्लेख करते हैं जो **आशीर्वाद** का अनुभव कर रहे हैं, जैसे कि वह एक व्यक्ति हो जो उन लोगों पर **आता** है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और वे भलाई की आशीषों का अनुभव करेंगे।”

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 24:25 (#4)

בִרְכַּת־טוֹב

“(भलाई का आशीर्वाद) उत्तम से उत्तम आशीर्वाद”

मूल भाषा में यहाँ **भलाई का आशीर्वाद** वाक्याँश आया है जिसे हिन्दी में **उत्तम से उत्तम आशीर्वाद** के रूप में अनुवादित किया गया है। यहाँ, लेखक **आशीर्वाद** का वर्णन **भलाई का आशीर्वाद** जैसे स्वामित्व रूप में कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक उत्तम आशीष”

देखें: स्वामीत्व

नीतिवचन 24:26 (#1)

שְׂפָתַיִם יִשָּׁק

“वह होठों को चूमता है”

यहाँ, किसी के **होंठों** को चूमना सच्ची मित्रता और वफादारी प्रदर्शित करने के लिए एक प्रतीकात्मक क्रिया है। यदि यह आपके पाठकों के लिए स्पष्ट नहीं है, तो आप इस क्रिया के महत्व को पाठ में या एक पाद टिप्पणी में समझा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “होंठों को चूमकर अपनी वफादारी की पुष्टि करता है।”

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

नीतिवचन 24:26 (#2)

מֵשִׁיב דְּבָרִים נְכֹחִים

“जो सीधा उत्तर देता है”

यहाँ, लेखक किसी अन्य व्यक्ति को ईमानदारी उत्तर देने वाले व्यक्ति का उल्लेख करते हैं जैसे कि वह **सीधा** जवाब दे रहा हो। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो ईमानदारी से उत्तर देता है”

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 24:27 (#1)

“”अपना बाहर का काम-काज ठीक करना,“

पहला खण्ड उस **काम-काज** का उल्लेख करता है जो एक पुरुष को धन अर्जित करने के लिए करना चाहिए, जबकि दूसरा खण्ड विशेष रूप से खेती के लिए उपयोग किए जाने वाले **खेत** का उल्लेख करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “बाहर अपना काम करो और खेती के लिए अपने खेत को तैयार करो”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 24:27 (#2)

אַחַר וּבְנֵיתָ

“उसके बाद अपना घर बनाना”

सुलैमान भविष्यवाणी का उपयोग निर्देश या आदेश देने के लिए कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इन शब्दों का अनुवाद आदेश या निर्देश के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और बाद में घर बनाना”

देखें: वक्तव्य — अन्य उपयोग

नीतिवचन 24:28 (#1)

וַהֲפִתִּיתָ בִּשְׂפָתֶיךָ

“और न उसको फुसलाना”

मूल भाषा में यहाँ लेखक ने प्रश्न रूप का उपयोग किया है परन्तु हिन्दी अनुवाद ऐसा नहीं करता है। लेखक ने प्रश्न यह जोर देने के लिए कर रहे हैं कि किसी व्यक्ति को क्या नहीं करना चाहिए। यदि आप इस उद्देश्य के लिए अपनी भाषा में प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करना चाहते है, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और क्या तू उसको फुसलाएगा”

देखें: आलंकारिक प्रश्न

नीतिवचन 24:28 (#2)

בִּשְׂפָתֶיךָ

“(अपने होंठों से) साक्षी न देना”

मूल भाषा में यहाँ **होंठों से** वाक्याँश आया है जो हिन्दी अनुवाद में नहीं है। यहाँ, **होंठों से** का अर्थ है कि लोग अपने **होंठों** का उपयोग करके क्या कहते हैं। देखें कि आपने 10:18 में **होंठ** के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: “जो तू कहता है”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 24:29 (#1)

אַל־תֹּאמַר כַּאֲשֶׁר עָשָׂה־לִּי כֵּן אֶעֱשֶׂה־לּוֹ אָשִׁיב לָאִישׁ כְּפָעֳלוֹ

“”मत कह, “जैसा उसने मेरे साथ किया वैसा ही मैं भी उसके साथ करूँगा“

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप इसे अप्रत्यक्ष उद्धरण के रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यह मत कह कि तू उसके साथ वैसा ही करेगा जैसा उसने तेरे साथ किया, या कि तू व्यक्ति को उसके कर्मों के अनुसार प्रतिफल देगा।”

देखें: प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष उद्धरण

नीतिवचन 24:29 (#2)

עָשָׂה & לּוֹ & לָאִישׁ כְּפָעֳלוֹ

“”उसने... किया“ - “उसके साथ;”

हालांकि **उसने**, **उसके**, **उसको**, और **उसके** मूल भाषा में पुल्लिंग हैं, लेखक इन शब्दों का उपयोग एक सामान्य अर्थ में कर रहे हैं जो पुरुषों और स्त्रियों दोनों को शामिल करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप ऐसे वाक्यांशों का उपयोग कर सकते हैं जो इसे स्पष्ट करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक व्यक्ति ने ... उस व्यक्ति को ... उस व्यक्ति के कर्म के अनुसार किया”

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ सम्मिलित होती हैं

नीतिवचन 24:29 (#3)

כְּפָעֳלוֹ & אֶעֱשֶׂה & עָשָׂה

“उसने.. किया” - “मैं भी... करूंगा” - “उसके काम के अनुसार”

वक्ता यह संकेत करते हैं कि यह **काम** बोलने वाले व्यक्ति के लिए कुछ बुरा या हानिकारक था। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उसने बुरा किया... मैं भी बुरा करूंगा... उसके बुरे कृत्य के अनुसार”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 24:30 (#1)

“”

24:30–24:34 यह एक लंबी कहावत है जो आलस्य के खिलाफ चेतावनी देती है।

नीतिवचन 24:30 (#2)

“निर्बुद्धि”

देखें कि आपने 17:18 में इस वाक्यांश का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 24:31 (#1)

וְהִנֵּה

“तो क्या देखा”

यहाँ, **देखो** एक ऐसा शब्द है जिसका उद्देश्य पाठक का ध्यान कहानी में आगे क्या होने वाला है, उस पर केन्द्रित करना है। देखें कि आपने 7:10 में **देखो** के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया।

देखें: रूपक

नीतिवचन 24:31 (#2)

“वहाँ सब कहीं कटीले पेड़ भर गए हैं”

वैकल्पिक अनुवाद: “सब और कांटे ही कांटे थे” या “हर जगह पर कांटे उग आए थे”

नीतिवचन 24:31 (#3)

כֻּלּוֹ & פָּנָיו

“वहाँ सब कहीं” - “वह... ढँक गई”

यहाँ, **वहाँ** और **वह** भूमि को सन्दर्भित करते हैं, जिसमें पिछले पद में उल्लेखित खेत और दाख की बारी दोनों शामिल हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह सारी भूमि ... उस भूमि की सतह”

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

नीतिवचन 24:31 (#4)

כָּסּוּ פָנָיו חֲרֻלִּים

“ वह बिच्छू पौधों से ढँक गई है”

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “घास-फूस ने उसकी सतह को ढक दिया।”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 24:31 (#5)

פָּנָיו

“वह”

यहाँ, **वह** का अर्थ जमीन की सतह से है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्टता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “इसकी सतह”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 24:31 (#6)

וְגֶדֶר אֲבָנָיו

“और उसके पत्थर का बाड़ा”

यहाँ, लेखक **पत्थर** से बने **बाड़ा** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और पत्थरों से बनी दीवार”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 24:31 (#7)

נֶהֱרָסָה

“गिर गया है”

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: “गिर चुका था”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 24:32 (#1)

וְאֶחֱזֶה אָנֹכִי & רָאִיתִי

“तब मैंने देखा,” - “मैंने देखकर”

लेखक कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। आपकी भाषा में इसे स्पष्ट करने के लिए, आप पिछले दो पदों से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और मैंने स्वयं उस खेत और दाख की बारी को देखा ... मैंने उन्हें देखा।"

देखें: पदलोप

नीतिवचन 24:32 (#2)

וְאֶחֱזֶה אָנֹכִי

"मैंने देखा"

यहाँ, लेखक ने **मैंने** शब्द का उपयोग किया है ताकि आलसी व्यक्ति की भूमि के बारे में उनके अवलोकनों की महत्वपूर्णता को दर्शाया जा सके। अपनी भाषा में इस महत्वपूर्णता को व्यक्त करने का एक स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: "और मैंने अपनी आँखों से देखा"

देखें: निजवाचक सर्वनाम

नीतिवचन 24:32 (#3)

"उस पर ध्यानपूर्वक विचार किया"

देखें कि आपने 22:17 में "मन लगा" का अनुवाद कैसे किया।

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 24:32 (#4)

"शिक्षा प्राप्त की"

देखें कि आपने 1:3 में **शिक्षा** के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 24:32 (#5)

לָקַחְתִּי מוּסָר

"मैंने... शिक्षा प्राप्त की"

लेखक यह मानते हैं कि उनके पाठक समझेंगे कि अगले दो पदों में जो आता है, वह वही **शिक्षा** है जिसका वे यहाँ उल्लेख कर रहे हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप इस जानकारी को शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मुझे यह शिक्षा प्राप्त हुई" या "मैंने यह पाठ सीखा"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 24:33 (#1)

""छोटी सी नींद, एक और झपकी"

देखें कि आपने 6:10 में समान वाक्याँश का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: पदलोप

नीतिवचन 24:34 (#1)

""तब तेरा कंगालपन डाकू के समान"

देखें कि आपने 6:11 में लगभग समान अंशों का अनुवाद कैसे किया।

देखें: पदलोप

नीतिवचन 25:1 (#1)

גַּם־אֵ֣לֶּה מִשְׁלֵ֣י שְׁלֹמֹ֔ה

"सुलैमान के नीतिवचन ये भी हैं"

ये यहाँ एक नए संग्रह के नीतिवचनों को सन्दर्भित करता है, जो इस वचन से लेकर अध्याय 29 के अंतिम वचन तक जारी रहता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "निम्नलिखित नीतिवचन सुलैमान की अतिरिक्त कहावतें हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 25:1 (#2)

"सुलैमान के नीतिवचन"

देखें कि आपने 1:1 में **सुलैमान के नीतिवचन** का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 25:1 (#3)

אַנְשֵׁ֥י חִזְקִיָּ֖ה

"हिजकिय्याह के जनों"

यहाँ सुलैमान **जनों** का वर्णन करने के लिये अधिकारवाचक का उपयोग कर रहे हैं जिन्होंने **हिजकिय्याह** की सेवा की। यदि आपकी भाषा इसके लिये अधिकारवाचक का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे पुरुष जिन्होंने हिजकिय्याह की सेवा की"

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 25:1 (#4)

הֶעְתִּיקוּ

"नकल की थी"

यहाँ **नकल की थी** का अर्थ है कि **हिजकिय्याह के जनों** ने इन **नितिवचन** को उस कुण्डलपत्र से **नकल की थी**, जिसे **सुलैमान** या उनके किसी शास्त्री ने लिखा था। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सुलैमान द्वारा लिखे गए कुण्डलपत्र से नकल की थी"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 25:2 (#1)

כְּבֹ֣ד & וּכְבֹ֣ד

"की महिमा" - "परन्तु ... की महिमा"

यदि आपकी भाषा में **महिमा** के विचार के लिये भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं होता है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "में क्या वैभवपूर्ण है ... परन्तु ... में क्या वैभवपूर्ण है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 25:2 (#2)

הַסְתֵּתֵר דָּבָר

“गुप्त रखने में है”

यहाँ सुलैमान यह बता रहे हैं कि परमेश्वर किसी **बात** को रहस्यमय या समझने में कठिन बना देते हैं, जैसे वह उसे छिपा रहे हों। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “किसी बात को रहस्यमय बनाना”

देखें: रूपक

नीतिवचन 25:2 (#3)

דָּבָר & דָּבָר

“बात”

बात शब्द यहाँ किसी एक विशिष्ट **बात** के लिये नहीं, बल्कि सामान्य रूप से सभी बातों का प्रतिनिधित्व करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी बात ... कोई भी बात”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 25:2 (#4)

חֵקֶר דָּבָר

“बात के पता लगाने से होती है”

यहाँ सुलैमान यह कह रहे हैं कि **राजाओं** को किसी रहस्यमय या समझने में कठिन **बात** को इस प्रकार समझाते हैं जैसे वे उसका **पता** लगा रहे हों। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “रहस्यमय बात को समझाना है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 25:3 (#1)

שָׁמַיִם לָרוּם וָאָרֶץ לָעֹמֶק

“स्वर्ग की ऊँचाई और पृथ्वी की गहराई”

सुलैमान कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक उपवाक्य को पूर्ण करने के लिये आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “आकाश ऊँचाई का उदाहरण है और पृथ्वी गहराई का उदाहरण है”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 25:3 (#2)

לָרוּם & לָעֹמֶק

“ऊँचाई” - “गहराई”

यदि आपकी भाषा **ऊँचाई** और **गहराई** के विचारों के लिये भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं करती है, तो आप इन्हीं विचारों को अन्य तरीकों से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो ऊँचा है ... जो गहरा है”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 25:3 (#3)

וְלֵבַב מְלָכִים

“और राजाओं का मन”

यहाँ **और** यह इंगित करता है कि सुलैमान जो कुछ कह रहे हैं उसकी तुलना पिछले उपवाक्य में कही गई बात से कर रहे हैं। सुलैमान कह रहे हैं कि **राजाओं का मन स्वर्ग** और **पृथ्वी** के समान है क्योंकि उन्हें पूरी तरह से समझना कठिन है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उसी तरह राजाओं का मन”

देखें: उपमा

नीतिवचन 25:3 (#4)

“और राजाओं का मन”

मन शब्द किसी एक विशिष्ट **मन** को नहीं, बल्कि सामान्यतः सभी के मन को दर्शाता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और राजाओं के मनों”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 25:3 (#5)

“और ... का मन”

देखें कि आपने 15:11 में “मन” के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 25:3 (#6)

אֵין חֵקֶר

“अन्त नहीं मिलता”

यहाँ सुलैमान **राजाओं के मन** को समझना कठिन होने की बात इस प्रकार कहते हैं जैसे वह कोई ऐसी वस्तु हो जिसे ढूँढ़ा नहीं जा सकता। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “समझना कठिन है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 25:4 (#1)

סִיגִים

“मैल”

मैल शब्द धातु में उस सामग्री को सन्दर्भित करता है जिसे लोग नहीं चाहते, इसलिए **सुनार** धातु को पिघलाकर तथा पिघली हुई धातु से **मैल** को बाहर निकाल देता है। यदि आपके पाठक इस प्रकार की प्रक्रिया से परिचित नहीं होंगे, तो आप अपने क्षेत्र में किसी समान वस्तु का नाम उपयोग कर सकते हैं या आप एक अधिक सामान्य शब्द का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अवांछित सामग्री”

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

नीतिवचन 25:4 (#2)

וַיֵּצֵא & כֶּלִי

“(और) ... काम की हो जाती है”

मूल भाषा में यहाँ “और” शब्द का प्रयोग किया गया है जो किसी शब्दों या वाक्यांशों को जोड़ने का कार्य करता है। जबकि हिन्दी बाइबल में इस शब्द को छोड़ दिया गया है। इस उपवाक्य की शुरुआत में अनुवादित शब्द **और** यह दर्शाता है कि पिछले उपवाक्य में घटना दूसरे उपवाक्य में घटना होने से पहले होती है। कहानी में अगली घटना को प्रस्तुत करने के लिये अपनी भाषा में एक स्वाभाविक रूप का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: “काम की हो जाने से पहले” या “फिर काम की हो जाती है”

देखें: जोड़ें — अनुक्रमिक समय सम्बन्ध

नीतिवचन 25:4 (#3)

וַיֵּצֵא לַצֹּרֵף כֶּלִי

“वह सुनार के लिये काम की हो जाती है (बर्तन बन जाती है)”

मूल भाषा में यहाँ “बर्तन बन जाती है” वाक्यांश का प्रयोग किया गया है, जबकि हिन्दी बाइबल में यहाँ अलग अभिव्यक्ति में लिखा गया है। यहाँ सुलैमान ने पिछले उपवाक्य में वर्णित **चाँदी** से **बर्तन** बनाने वाले **सुनार** का उल्लेख किया है, मानो वह **बर्तन चाँदी** से बना हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और एक बर्तन सुनार द्वारा बनाया जाता है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 25:4 (#4)

לַצֹּרֵף

“सुनार के लिये”

यहाँ **सुनार** उस व्यक्ति को सन्दर्भित करता है जो धातु को पिघलाकर उसमें से अवांछित सामग्री को हटाते हैं और पिघली हुई धातु से **मैल** निकालते हैं। यदि आपके पाठक इस प्रकार के व्यक्ति से परिचित नहीं हैं, तो आप अपने क्षेत्र में किसी समान व्यक्ति का नाम उपयोग कर सकते हैं या एक अधिक सामान्य शब्द का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह व्यक्ति जो धातु से अवांछित सामग्री को हटाते हैं”

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

नीतिवचन 25:5 (#1)

הָגֹג

“निकाल देने पर”

इस वचन में, सुलैमान जो आगे कह रहे हैं, उसकी तुलना पिछले वचन में कही गई बात से कर रहे हैं। जैसे चाँदी से “मैल” को हटाना जरूरी होता है ताकि एक बर्तन बनाया जा सके, वैसे ही **दुष्ट** को **राजा के सामने** से निकाल देना पड़ता है ताकि उस राजा की **गद्दी स्थिर** रह सके। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “इसी प्रकार, दुष्ट को निकाल देने पर” या “तो इसी तरह दुष्ट को निकाल देने पर”

देखें: उपमा

नीतिवचन 25:5 (#2)

רָשָׁע & מֶלֶךְ & כִּסְאוֹ

“दुष्ट” - “राजा”

यहाँ **दुष्ट**, **राजा**, और **उसकी** किसी विशिष्ट व्यक्ति को नहीं बल्कि सामान्य प्रकार के लोगों को सन्दर्भित करते हैं। देखें कि आपने 9:7 में **दुष्ट** के समान उपयोग और 16:13 में **राजा** और **उसकी** का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 25:5 (#3)

“के सामने”

देखें कि आपने 14:19 में समान वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: रूपक

नीतिवचन 25:5 (#4)

וְיִכּוֹן בַּצֶּדֶק כִּסְאוֹ

“उसकी गद्दी धर्म के कारण स्थिर होगी”

देखें कि आपने 16:12 में समान वाक्यांश “गद्दी धर्म के कारण स्थिर होगी” का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 25:6 (#1)

אַל־תִּתְהַדַּר לִפְנֵי־מֶלֶךְ וּבִמְקוֹם גְּדֹלִים אַל־תַּעֲמֹד

“राजा के सामने अपनी बड़ाई न करना”

इस वचन की दोनों उपवाक्य समान बातें कहती हैं, परन्तु दूसरे उपवाक्य में वाक्यांशों का क्रम उलटा है। यह एक साहित्यिक रचना है जिसे व्यत्यासिका कहा जाता है। यहाँ लेखक ऐसा इसलिये करता है ताकि यह बात जोर देकर कही जा सके कि राजाओं के सामने अपनी बड़ाई न करें। व्यत्यासिका पर चर्चा पुस्तक की प्रस्तावना में देखें।

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 25:6 (#2)

לִפְנֵי־מֶלֶךְ

“राजा के सामने”

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद पिछले वचन में कैसे किया हैं।

देखें: रूपक

नीतिवचन 25:6 (#3)

וּבִמְקוֹם גְּדֹלִים אַל־תַּעֲמֹד

“और बड़े लोगों के स्थान में खड़ा न होना”

यह सन्दर्भित कर सकता है: (1) अपने आप को **बड़े** व्यक्ति मानना जो **बड़े लोगों** के समूह का हिस्सा है। वैकल्पिक अनुवाद: “और अपने आप को बड़े लोगों में से एक न समझें” या “और अपने आप को एक बड़ा व्यक्ति

न समझें” (2) **बड़े लोगों** के समूह में खड़ा होना। वैकल्पिक अनुवाद: “और बड़े लोगों के बीच खड़े न हों”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 25:7 (#1)

מֵמַּהַשְׁפִּיל לְךָ

“तुझ से यह कहना बेहतर है”

सुलैमान कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक उपवाक्य को पूर्ण करने के लिये आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “किसी व्यक्ति का आपसे यह कहना बेहतर है”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 25:7 (#2)

לְךָ עֲלֵה הֵנָּה

“तुझ से, “इधर मेरे पास आकर”

यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्वाभाविक हो, तो आप इसे अप्रत्यक्ष उद्धरण के रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “आप से ... कि तू उधर उनके पास जाकर बैठ”

देखें: प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष उद्धरण

नीतिवचन 25:7 (#3)

עֲלֵה הֵנָּה

“इधर मेरे पास आकर बैठ”

मेरे पास आकर बैठ का अर्थ राजा के पास एक स्थान पर जाना है, जो एक बड़ा सम्मान है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “इधर राजा के पास आकर बैठ”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 25:7 (#4)

“तुझे अपमानित न होना पड़े”

सुलैमान कुछ ऐसे शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक उपवाक्य को पूर्ण करने के लिये आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “किसी व्यक्ति द्वारा आपको अपमानित न होना पड़े”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 25:7 (#5)

מֵמַּהַשְׁפִּיל לְךָ

“तुझे अपमानित न होना पड़े”

सुलैमान का तात्पर्य यह है कि यह अपमान इसलिए है क्योंकि किसी ने उस व्यक्ति से कहा कि वह राजा से दूर चला जाए ताकि अधिक महत्वपूर्ण लोग उसके पास आ सकें। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “आपको अपमानित होना पड़े जब राजा से दूरी बनाने के लिये कहा जाए”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 25:7 (#6)

לִפְנֵי

“के सम्मुख”

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद पिछले वचन में कैसे किया हैं।

देखें: रूपक

नीतिवचन 25:7 (#7)

אֲשֶׁר רָאוּ עֵינֶיךָ

“जो कुछ तूने देखा है”

यह उपवाक्य सन्दर्भित कर सकता है: (1) **प्रधान** जिनका उल्लेख पिछले उपवाक्य में किया गया है। वैकल्पिक अनुवाद: “जिन्हें आपकी आँखों ने देखा है” (2) जो कुछ कोई देखता है, वही उन्हें अगले वचन में उल्लिखित विवाद की शुरुआत करने का कारण बनता है, इस स्थिति में **जो** का अनुवाद “क्या” के रूप में किया जाएगा और यह उपवाक्य एक नए वाक्य की शुरुआत करेगा जो अगले वचन में जारी रहेगा। वैकल्पिक अनुवाद: “जो कुछ आपकी आँखों ने देखा है”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 25:7 (#8)

“तूने देखा है (तेरी आँख)”

मूल भाषा में यहाँ “आँख” शब्द का प्रयोग किया गया है, जबकि हिन्दी बाइबल में यहाँ “देखा” शब्द का उपयोग किया गया है। यहाँ **आँख** पूरे व्यक्ति का सन्दर्भ देती हैं। देखें कि आपने 23:26 में **आँख** के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 25:8 (#1)

לָרִיב

“अदालत में न ला”

यहाँ **अदालत** का अर्थ किसी के विरुद्ध न्यायिक मुकद्दमा लड़ने से है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अपने पड़ोसी के विरुद्ध न्यायिक मुकद्दमा लड़ना”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 25:8 (#2)

מַה־תַּעֲשֶׂה בְּאַחֲרִיתָהּ בְּהַכְלִים אֹתְךָ רֵעֶךָ

“अन्त में ... तू क्या करेगा?”

सुलैमान प्रश्नवाचक रूप का उपयोग कर रहे हैं ताकि पाठक यह विचार कर सकें कि यदि वे **अदालत में** हार जाते हैं तो क्या होगा। जिस प्रकार से पड़ोसी पाठक को शर्मिंदा कर सकता है, उसे सीधे रूप में व्यक्त

किया जा सकता है। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिये प्रश्नवाचक रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब आपका पड़ोसी आपको अपमानित करेगा, तो आप अन्त में क्या करना है यह नहीं जान पाओगे!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

नीतिवचन 25:8 (#3)

בְּהַכְלִּ֣ים אֹתְךָ֖ רֵעֶ֑ךָ

"जब तेरा पड़ोसी तुझे शर्मिंदा करेगा"

सुलैमान का तात्पर्य यह है कि **तेरा पड़ोसी तुझे शर्मिंदा करेगा** क्योंकि **तू** न्यायिक मुकद्दमा हार जाता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब आप हार जाते हैं और आपका पड़ोसी आपको शर्मिंदा करते हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 25:9 (#1)

רָ֣רִיבְךָ֔ רִ֖יב

"वाद-विवाद"

यहाँ **वाद-विवाद** एक अत्यधिक जोर देने वाला निर्माण है, जिसमें क्रिया और उसके उद्देश्य का मूल एक जैसा होता है। आप अपनी भाषा में यहाँ अर्थ व्यक्त करने के लिये इसी निर्माण का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक रूप से, आपकी भाषा में जोर दिखाने का कोई और तरीका हो सकता है।

देखें: कविता

नीतिवचन 25:9 (#2)

רָ֣רִיבְךָ֔ רִ֖יב

"वाद-विवाद ... करना"

यह एक आज्ञा है, लेकिन यह एक काल्पनिक स्थिति को व्यक्त करता है। अपनी भाषा में ऐसा रूप उपयोग करें जो इसे व्यक्त करता है, जैसे कि यूएसटी (अनफोल्डिंगवर्ड सिम्प्लिफाइड ट्रान्सलेशन) में किया गया है।

देखें: आज्ञाएँ — अन्य उपयोग

नीतिवचन 25:9 (#3)

"और पराए का भेद न खोलना"

देखें कि आपने 11:13 में "भेद प्रगट करना" वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: रूपक

नीतिवचन 25:9 (#4)

וְס֣וֹד אַחֵ֔ר אַל־תְּגַ֖ל

"और पराए का भेद न खोलना"

यहाँ **पराए** का अर्थ हो सकता है: (1) **अपने पड़ोसी** के अलावा कोई और, जो किसी और का **भेद** बताने का संकेत देता है ताकि **पड़ोसी** के विरुद्ध **वाद-विवाद** जीत सकें। वैकल्पिक अनुवाद: "और किसी अन्य व्यक्ति का भेद" (2) **अपने पड़ोसी**। वैकल्पिक अनुवाद: "और उस पड़ोसी का भेद"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 25:10 (#1)

"ऐसा न हो"

यहाँ **ऐसा न हो** यह संकेत करता है कि जो कुछ आगे कहा गया है, वह पिछले वचन में सुलैमान द्वारा निषिद्ध किए गए कार्य का परिणाम है। देखें कि आपने 24:18 में **ऐसा न हो** के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

नीतिवचन 25:10 (#2)

שֹׁמֵ֥עַ

"सुननेवाला"

यहाँ **सुननेवाला** किसी विशिष्ट व्यक्ति का नहीं बल्कि सामान्यतः एक प्रकार के व्यक्ति का प्रतिनिधित्व करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी सुननेवाले"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 25:10 (#3)

וְ֝דִבָּתְךָ֗

"और तेरी निन्दा"

यदि आपकी भाषा में **निन्दा** के विचार के लिये कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और आपके विषय में जो निन्दा है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 25:10 (#4)

"बनी रहे"

यहाँ सुलैमान **निन्दा** के विषय में बात करते हैं, जो इतने लोगों तक फैल जाती है कि वह उस व्यक्ति की प्रतिष्ठा को नाश कर देती है, मानो वह **निन्दा** स्वयं एक व्यक्ति हो जो **बनी रहती है** जिसके विषय में यह है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "फैलना नहीं रुकेगा" या "आपकी प्रतिष्ठा नाश कर देगा"

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 25:10 (#5)

לֹ֣א תָשׁ֑וּב

"बनी रहे (लौटकर नहीं आती)"

मूल भाषा में यहाँ "लौटकर नहीं आती" वाक्यांश का प्रयोग किया गया है, जबकि हिन्दी बाइबल में यहाँ सकारात्मक वाक्यांश में लिखा गया है। सुलैमान यहाँ एक अलंकार का उपयोग कर रहे हैं जो एक नकारात्मक

शब्द **नहीं** का उपयोग करके एक प्रबल सकारात्मक अर्थ व्यक्त करते हैं, साथ ही एक ऐसी अभिव्यक्ति के साथ जो अपेक्षित अर्थ के विपरीत है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप सकारात्मक अर्थ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लौटकर नहीं आती" या "फैलता रहेगा"

देखें: कटाक्षपूर्ण उक्ति

नीतिवचन 25:11 (#1)

תַּפּוּחֵי זָהָב בְּמַשְׂכִּיּוֹת כָּסֶף דָּבָר דָּבֻר עַל־אָפְנָיו

"जैसे चाँदी की टोकरियों में सोने के सेब हों"

यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इन उपवाक्यों के क्रम को उलट सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ठीक समय पर कहा हुआ वचन वैसा हो जैसे चाँदी की टोकरियों में सोने के सेब हों"

देखें: सूचना संरचना

नीतिवचन 25:11 (#2)

תַּפּוּחֵי זָהָב בְּמַשְׂכִּיּוֹת כָּסֶף

"जैसे चाँदी की टोकरियों में सोने के सेब हों"

इस वचन में, सुलैमान **ठीक समय पर कहा हुआ वचन** की बात करते हैं, जो सुननेवालों के लिये **चाँदी की टोकरियों में सोने के सेब** के समान मनमोहक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं या एक उपमा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बहुत मनमोहक" या "चाँदी की टोकरियों में सोने के सेब के समान"

देखें: रूपक

नीतिवचन 25:11 (#3)

תַּפּוּחֵי זָהָב בְּמַשְׂכִּיּוֹת כָּסֶף

"जैसे चाँदी की टोकरियों में सोने के सेब हों"

यहाँ सुलैमान **सोने** से बने **सेब** और **चाँदी** से बनी **टोकरियों** का वर्णन करने के लिये अधिकारवाचक का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा इसके लिये अधिकारवाचक का उपयोग नहीं करती है, तो आप अलग अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "चाँदी से बनी टोकरियों में सोने से बने सेब"

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 25:11 (#4)

בְּמַשְׂכִּיּוֹת כָּסֶף

"चाँदी की टोकरियों में"

यहाँ **टोकरियों** के रूप में अनुवादित शब्द का तात्पर्य **चाँदी** से है जिसे किसी ने सुन्दर आकार में तराशा है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "चाँदी की सुन्दर नक्काशी में"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 25:11 (#5)

דָּבָר

"वचन होता है"

यहाँ **वचन** का अर्थ है जो किसी व्यक्ति शब्दों का उपयोग करके बोलता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कुछ है" या "शब्द हैं"

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 25:11 (#6)

דָּבֻר

"कहा हुआ"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से जो स्वाभाविक हो, व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई कहता है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 25:11 (#7)

עַל־אָפְנָיו

"वैसे ही ठीक समय पर"

यदि आपकी भाषा में **समय** के विचार के लिये कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उचित रूप से"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 25:12 (#1)

נֶזֶם זָהָב וְחֲלִי־כָתֶם מוֹכִיחַ חָכָם עַל־אֹזֶן שֹׁמַעַת

"जैसे सोने का नत्थ और कुन्दन का जेवर अच्छा लगता है"

यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इन उपवाक्यों के क्रम को उलट सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसे माननेवाले के कान में बुद्धिमान की डाँट अच्छी लगती है, वैसे ही सोने का नत्थ और कुन्दन का जेवर अच्छा लगता है"

देखें: सूचना संरचना

नीतिवचन 25:12 (#2)

נֶזֶם זָהָב וַחֲלִי־כָתֶם

"जैसे सोने का नत्थ और कुन्दन का जेवर अच्छा लगता है"

इस वचन में, सुलैमान **बुद्धिमान की डाँट** के विषय में बात करते हैं, जो सुनने वालों के लिये उतनी ही मूल्यवान होती है जितना कि **सोने का नत्थ और कुन्दन का जेवर** अच्छा होता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते है या उपमा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बहुत मूल्यवान" या "सोने का नत्थ और कुन्दन का जेवर के समान"

देखें: रूपक

नीतिवचन 25:12 (#3)

נֶזֶם זָהָב וַחֲלִי־כָתֶם

“जैसे सोने का नत्थ और कुन्दन का जेवर अच्छा लगता है”

यहाँ सुलैमान **सोने** से बना **नत्थ** और **कुन्दन** से बने **जेवर** का वर्णन करने के लिये अधिकारवाचक का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा इसके लिये अधिकारवाचक का उपयोग नहीं करती है, तो आप अलग अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जैसे सोने से बना नत्थ और कुन्दन से बना जेवर अच्छा लगता है”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 25:12 (#4)

מוֹכִיחַ חָכָם עַל

“के ... में बुद्धिमान की डाँट”

यदि आपकी भाषा में **डाँट** के विचार के लिये कोई भाववाचक संज्ञा नहीं होती है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जब कोई डाँट लगाता है”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 25:12 (#5)

“माननेवाले के कान”

यहाँ **कान** पूरे व्यक्ति को सन्दर्भित करता है। देखें कि आपने 18:15 में **कान** के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 25:13 (#1)

כְּצִנַּת־שֶׁלֶג ׀ בְּיוֹם קָצִיר

“जैसे कटनी के समय बर्फ की ठण्ड से”

यहाँ सुलैमान **विश्वासयोग्य दूत** की तुलना **कटनी के समय बर्फ की ठण्ड** से करते हैं क्योंकि दोनों ही ताजगी प्रदान करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं: वैकल्पिक अनुवाद: “बहुत ताजगी प्रदान करने वाला” या “कटनी के समय में बर्फ की ठण्ड के समान ताजगी प्रदान करने वाला”

देखें: उपमा

नीतिवचन 25:13 (#2)

“कटनी के समय”

यहाँ **समय** उस पल को सन्दर्भित करता है जब कुछ होता है। यह 24 घंटे के समय की अवधि को सन्दर्भित नहीं करता। देखें कि आपने 21:31 में **समय** के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 25:13 (#3)

צִיר נֶאֱמָן לְשֹׁלְחָיו וְנֶפֶשׁ אֲדֹנָיו יָשִׁיב

“वैसा ही विश्वासयोग्य दूत से भी, भेजनेवालों का ... होता है”

यहां, **विश्वासयोग्य दूत**, **भेजनेवालों का** किसी विशिष्ट व्यक्ति को नहीं बल्कि सामान्यतः किसी प्रकार के व्यक्ति को सन्दर्भित करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वैसे ही किसी भी विश्वासयोग्य दूत से भी, भेजनेवाले स्वामी का जी ठंडा होता है”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 25:13 (#4)

וְנֶפֶשׁ אֲדֹנָיו יָשִׁיב

“भेजनेवालों का जी ठंडा होता है”

जी ठंडा होता है वाक्यांश एक मुहावरा है जो एक थके हुए व्यक्ति को फिर से ताजा या मजबूत महसूस कराने का संकेत देता है। यदि इस वाक्यांश का आपकी भाषा में यह अर्थ नहीं है, तो आप अपनी भाषा से ऐसा कोई मुहावरा उपयोग कर सकते हैं जिसका यही अर्थ हो या अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और वे अपने भेजनेवालों को ताजा महसूस कराते हैं”

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 25:14 (#1)

נְשִׂיאִים וָרוּחַ וְגֶשֶׁם אָיִן אִישׁ מִתְהַלֵּל בְּמַתַּת־שָׁקֶר

“जैसे बादल और पवन बिना वृष्टि निर्लाभ होते हैं”

यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इन उपवाक्यों के क्रम को उलट सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जैसे झूठ-मूठ दान देनेवाले का बड़ाई मारना होता है, वैसे ही बादल और पवन बिना वृष्टि निर्लाभ होते हैं”

देखें: सूचना संरचना

नीतिवचन 25:14 (#2)

נְשִׂיאִים וָרוּחַ וְגֶשֶׁם אָיִן

“जैसे बादल और पवन बिना वृष्टि निर्लाभ होते हैं”

इस वचन में, सुलैमान कहते हैं कि **झूठ-मूठ दान देनेवाले का बड़ाई मारना**, वैसे ही निराशाजनक होता है जैसे **बादल और पवन बिना वृष्टि निर्लाभ होते हैं**। **बादल और पवन** सामान्यतः संकेत देते हैं कि **वृष्टि** भी होगी, इसलिए **बादल और पवन बिना वृष्टि** के किसानों को निराश करेंगे जिन्हें अपनी फसलों के लिये **वृष्टि** की आवश्यकता होती है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते है या एक उपमा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “बहुत निराशाजनक” या “जैसे बादल और पवन बिना वृष्टि के समान”

देखें: रूपक

नीतिवचन 25:14 (#3)

אִישׁ

“झूठ-मूठ दान देनेवाले (पुरुष)”

मूल भाषा में यहाँ “पुरुष” शब्द का प्रयोग किया गया है, जबकि हिन्दी बाइबल में इस शब्द को छोड़ दिया गया है। **पुरुष** शब्द किसी विशिष्ट **पुरुष** का नहीं, बल्कि सामान्य रूप में लोगों का प्रतिनिधित्व करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अधिक स्वाभाविक

अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी व्यक्ति है”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 25:14 (#4)

בְּמַתַּת־שָׁקֶר

“झूठ-मूठ दान (झूठ-मूठ का दान)”

मूल भाषा में यहाँ “झूठ-मूठ का दान” वाक्यांश अधिकारवाचक के रूप में लिखा गया है। जबकि हिन्दी बाइबल में इसे अलग अभिव्यक्ति के साथ लिखा गया है। यहाँ सुलैमान एक **दान** का वर्णन करने के लिये अधिकारवाचक का उपयोग कर रहे हैं, जो **झूठ-मूठ** से विशेषित है। यह उस **दान** की ओर संकेत करता है जिसे कोई देने का वादा करता है लेकिन नहीं देता। यदि आपकी भाषा इसके लिये अधिकारवाचक का उपयोग नहीं करती, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक झूठ-मूठ के दान में” या “एक दान जिसे वह देने का झूठा वादा करता है”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 25:15 (#1)

בְּאֹרֶךְ אַפַּיִם

“धीरज धरने से (नाथनों की लम्बाई से)”

मूल भाषा में “नाथनों की लम्बाई से” वाक्यांश का प्रयोग किया गया है, जो एक प्रकार का मुहावरा है। जबकि हिन्दी बाइबल में यहाँ इसका अर्थ सीधे व्यक्त किया गया है। वाक्यांश **नाथनों की लम्बाई से** का अर्थ है धीरज धरना और जल्दी क्रोधित न होना। **नाथनों** शब्द का अर्थ “क्रोध” होता है, क्योंकि जब कोई व्यक्ति क्रोध में होता है तो वह अपनी नाक से जोर से साँस लेता है, जिससे उसके **नाथनों** चौड़े हो जाते हैं। आपकी भाषा और संस्कृति भी क्रोध को शरीर के किसी विशेष भाग से जोड़ सकती है। यदि ऐसा है, तो आप अपने अनुवाद में शरीर के उस भाग से सम्बन्धित कोई अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। आप सरल भाषा का भी उपयोग कर सकते हैं। देखें कि आपने 14:29 में “विलम्ब से क्रोध करनेवाला” जैसे वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अपनी आँखें लाल न करना” या “जल्दी क्रोधित न होकर”

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 25:15 (#2)

יְפֻתֶּה קָצִין

“न्यायी मनाया जाता है”

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से जो स्वाभाविक हो, व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई एक न्यायी को मना सकता है”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 25:15 (#3)

קָצִין וְלָשׁוֹן רַךְ־כָּה תִשְׁבָּר־גֶּרֶם

“न्यायी” - “और कोमल वचन हड्डी को भी तोड़ डालता है”

यहाँ **न्यायी**, **कोमल वचन**, और **हड्डी** सामान्य रूप से व्यक्तियों और वस्तुओं को सन्दर्भित करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी न्यायी ... और कोई भी कोमल वचन किसी भी हड्डी को तोड़ सकती है”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 25:15 (#4)

וְלָשׁוֹן רַךְ־כָּה

“और कोमल वचन (जीभ)”

मूल भाषा में यहाँ **कोमल जीभ** का प्रयोग हुआ है। यहाँ सुलैमान किसी बात को सौम्य तरीके से कहने के विषय में बोल रहे हैं, जैसे कि कोई व्यक्ति **कोमल जीभ** से बोल रहा हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और सौम्य रीति से बोलना”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 25:15 (#5)

תִשְׁבָּר־גֶּרֶם

“हड्डी को भी तोड़ डालता है”

यहाँ सुलैमान किसी मजबूत विरोधी को पराजित करने के विषय में बात कर रहे हैं, जैसे कोई किसी **हड्डी** को तोड़ रहा हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “विरोध पर विजय पा सकता है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 25:16 (#1)

דְּבַשׁ מָצָאתָ

“क्या तूने मधु पाया”

यहाँ सुलैमान किसी व्यक्ति द्वारा अचानक जंगली **मधु** पाने का सन्दर्भ दे रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अगर आप मधु पाते हैं”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 25:16 (#2)

אֱכֹל דַּיֶּךָ

“तो जितना तेरे लिये ठीक हो उतना ही खाना”

यहाँ सुलैमान का तात्पर्य यह है कि किसी को **मधु जितना ठीक हो उतना ही खाना** चाहिए और उससे अधिक नहीं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “केवल उतना ही खाओ जितना तुम्हारे लिए पर्याप्त हो”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 25:16 (#3)

תִּתְּשְׂבָעֶנּוּ

“ऐसा न हो कि अधिक खाकर”

यहाँ **अधिक खाकर** के रूप में अनुवादित शब्द उस व्यक्ति को सन्दर्भित करता है जो इतनी अधिक मात्रा में खा लेता है कि वह बीमार हो जाता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “आप इतना खाते हैं कि आप बीमार हो जाओ”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 25:17 (#1)

הֹקַר

“रोक”

इस वचन में, सुलैमान जो आगे कह रहे हैं, उसकी तुलना पिछले वचन में कही गई बात से कर रहे हैं। जिस प्रकार किसी व्यक्ति को बहुत अधिक “मधु” नहीं खाना चाहिए, उसी प्रकार उसे अपने पड़ोसी के घर बारम्बार जाने से भी रुकना चाहिए। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “इसी प्रकार ... रोक” या “इसलिए ... रोक”

देखें: उपमा

नीतिवचन 25:17 (#2)

הֹקַר רַגְלְךָ מִבֵּית רֵעֶךָ

“अपने पड़ोसी के घर में बारम्बार जाने से अपने पाँव को रोक”

वैकल्पिक अनुवाद: “अपने पड़ोसी के घर में बारम्बार जाने से अपने पाँव को बचा”

नीतिवचन 25:17 (#3)

רַגְלְךָ

“अपने पाँव”

यहाँ **पाँव** पूरे व्यक्ति का प्रतिनिधित्व करता है। देखें कि आपने 1:15 में **पाँव** के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 25:17 (#4)

מִבֵּית רֵעֶךָ פֶּן־יִשְׂבָּעֲךָ

“अपने पड़ोसी के घर में”

यहाँ **अपने पड़ोसी** और **वह** किसी विशिष्ट **पड़ोसी** का नहीं बल्कि सामान्य रूप में पड़ोसियों को सन्दर्भित किया गया है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अपने किसी भी पड़ोसी के किसी भी घर में, कहीं ऐसा न हो कि वे पड़ोसी आपसे खिन्न करने लगे”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 25:17 (#5)

“ऐसा न हो कि वह खिन्न होकर”

यहाँ **खिन्न** के रूप में अनुवादित शब्द का अर्थ है कि लोग किसी व्यक्ति से परेशान हो जाते हैं क्योंकि वह व्यक्ति उन्हें बार-बार मिलने आता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। यदि आपकी भाषा में ऐसा कोई शब्द है जो इस **खिन्न** और पिछले वचन में प्रयुक्त के लिये उपयुक्त हो, तो यहाँ उसका उपयोग करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: “वह आपको देख देख कर थक जाए” या “वह आपसे ऊब जाए”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 25:18 (#1)

מֵפִיץ וָחֶרֶב וְחֵץ שָׁנוּן אִישׁ עֹנֶה בְרֵעֵהוּ עֵד שָׁקֶר

“हथौड़ा और तलवार और पैना तीर”

यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इन उपवाक्यों के क्रम को उलट सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “हथौड़ा और तलवार और पैना तीर, मानो वह है जो किसी के विरुद्ध झूठी साक्षी देता है”

देखें: सूचना संरचना

नीतिवचन 25:18 (#2)

מֵפִיץ וָחֶרֶב וְחֵץ שָׁנוּן

“हथौड़ा और तलवार और पैना तीर”

इस वचन में, सुलैमान एक व्यक्ति के विषय में बात करते हैं **जो किसी के विरुद्ध झूठी साक्षी देता है**, वह उतना ही घातक होता है जितना कि **हथौड़ा, और तलवार और पैना तीर** होता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं या एक उपमा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “बहुत घातक” या “हथौड़ा, और तलवार और पैना तीर के समान”

देखें: रूपक

नीतिवचन 25:18 (#3)

אִישׁ עֹנֶה בְרֵעֵהוּ

“जो किसी के विरुद्ध झूठी साक्षी देता है” - “वह”

मूल भाषा में यहाँ **साक्षी देने वाला पुरुष** लिखा है। यद्यपि **पुरुष** और **वह** शब्द पुल्लिंग हैं, सुलैमान इन शब्दों का उपयोग एक सामान्य अर्थ में कर रहे हैं जो पुरुषों और स्त्रियों दोनों को शामिल करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप ऐसे वाक्यांशों का उपयोग कर सकते हैं जो इसे स्पष्ट करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह व्यक्ति जो किसी के विरुद्ध झूठी साक्षी देते हैं ... वह”

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 25:18 (#4)

עֹנֶה בְרֵעֵהוּ עֵד שָׁקֶר

“जो किसी के विरुद्ध झूठी साक्षी देता है”

मूल भाषा में, **विरुद्ध** और **साक्षी** के रूप में अनुवादित शब्दों का अर्थ “विरुद्ध गवाही देना” होता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो अपने पड़ोसी के विरुद्ध झूठी गवाही देता है”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 25:18 (#5)

עֵ֣ד שָׁ֗קֶר

“झूठी साक्षी”

मूल भाषा में यहाँ “झूठ का गवाह” वाक्यांश का प्रयोग किया गया है, जो एक अधिकारवाचक रूप को दिखाता है। जबकि हिन्दी बाइबल में यहाँ अलग अभिव्यक्ति में लिखा गया है। यहाँ सुलैमान **साक्षी** का वर्णन करने के लिये अधिकारवाचक का उपयोग कर रहे हैं, जो **झूठ** से विशेषित है। यदि आपकी भाषा इसके लिये अधिकारवाचक का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “झूठ का गवाह”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 25:19 (#1)

שֵׁ֣שׁ רֹ֭עָה וְרֶ֣גֶל מוּעָ֑דֶת מִבְטָ֥ח בֹּ֝גֵ֗ד בְּי֥וֹם צָרָֽה

“टूटे हुए दाँत या उखड़े पाँव”

यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इन उपवाक्यों के क्रम को उलट सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “टूटे हुए दाँत या उखड़े पाँव, विपत्ति के समय विश्वासघाती का भरोसा करने के समान है”

देखें: सूचना संरचना

नीतिवचन 25:19 (#2)

שֵׁ֣שׁ רֹ֭עָה וְרֶ֣גֶל מוּעָ֑דֶת

“टूटे हुए दाँत या उखड़े पाँव”

इस वचन में, सुलैमान एक विश्वासघाती व्यक्ति पर **भरोसा** रखने की निरर्थकता के विषय में बताते हैं, जैसे कि वह **भरोसा टूटे हुए दाँत या उखड़े पाँव** के समान हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते है या एक उपमा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “बहुत ही निरर्थक” या “जैसे टूटे हुए दाँत या उखड़े पाँव के समान हो”

देखें: रूपक

नीतिवचन 25:19 (#3)

“भरोसा ... है”

देखें कि आपने 3:26 में **भरोसा** जैसे भाववाचक संज्ञा का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 25:19 (#4)

“विश्वासघाती”

देखें कि आपने 21:18 में **विश्वासघाती** का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 25:19 (#5)

“विपत्ति के समय”

देखें कि आपने 24:10 में इस वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 25:20 (#1)

מַמַּעֲדֵ֥ה בֶ֝בֶ֗גֶד ׀ בְּי֥וֹם קָ֭רָה חֹמֶ֑ץ עַל־נֶ֝֗תֶר וְשָׁ֥שָׁר בַּֽשִּׁרִ֥ים עַֽל־לֵ֥ב רָֽע

“जैसा जाड़े के दिनों में किसी का वस्त्र उतारना”

यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इन उपवाक्यों के क्रम बदल सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जैसे उदास मनवाले के सामने गीत गाता है, वैसे ही जाड़े के दिनों में किसी का वस्त्र उतारना या सज्जी पर सिरका डालना होता है”

देखें: सूचना संरचना

नीतिवचन 25:20 (#2)

מַמַּעֲדֵ֥ה בֶ֝בֶ֗גֶד & וְשָׁ֥שָׁר & לֵ֥ב רָֽע

“किसी का वस्त्र उतारना” - “उदास मनवाले” - “गीत गाना होता है”

किसी का वस्त्र उतारना, **उदास मनवाले** यहाँ किसी विशिष्ट लोगों या विशिष्ट **मनवाले** को नहीं, बल्कि सामान्य रूप में लोगों और मनों के प्रकार को सन्दर्भित करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी व्यक्ति जो वस्त्र उतारते हैं ... वैसे ही कोई भी उदास मनवालें ... कोई भी गीत गाता है”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 25:20 (#3)

מַמַּעֲדֵ֥ה בֶ֝בֶ֗גֶד

“जैसा जाड़े के दिनों में किसी का वस्त्र उतारना”

यहाँ सुलैमान का तात्पर्य यह है कि **वस्त्र** किसी के शरीर से उतारा जाता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो किसी के शरीर से एक वस्त्र उतारता है”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 25:20 (#4)

“सज्जी पर सिरका”

सज्जी और **सिरका** शब्द उन बातों को सन्दर्भित करते हैं जो एक साथ मिलाने पर तीव्र प्रतिक्रिया करती हैं। इसलिए, यह उपवाक्य दो ऐसी बातों को सन्दर्भित करता है जिन्हें एक साथ नहीं मिलाना चाहिए। यदि आपके पाठक इन दो पदार्थों से परिचित नहीं हैं, तो आप अपने क्षेत्र में समान वस्तुओं के नाम का उपयोग कर सकते हैं या आप एक अधिक सामान्य शब्द का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “रसायन जो एक-दूसरे के साथ अच्छी तरह से नहीं मिलते हैं”

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

नीतिवचन 25:20 (#5)

וְשָׁעֵר בַּבַּשִּׁרִים עַעַל לֶב־רֶע

“वैसा ही उदास मनवाले के सामने गीत गाना होता है”

सुलैमान कह रहे हैं कि **उदास मनवाले के सामने गीत गाना** वह **जाड़े के दिनों में किसी का वस्त्र उतारना** और **सज्जी पर सिरका डालने** के समान है क्योंकि ये सभी बातें अनुचित या अनुपयोगी हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वैसे ही उदास मनवाले के सामने गीत गाना भी अनुचित है”

देखें: उपमा

नीतिवचन 25:20 (#6)

וְשָׁעֵר בַּבַּשִּׁרִים

“गीत गाना होता है”

यहाँ **गीत गाना** एक प्रभावशाली अलंकार है, जिसमें क्रिया और उसका कर्म दोनों एक ही मूल शब्द से आए हैं। आप अपनी भाषा में इसी प्रकार का निर्माण प्रयोग कर सकते हैं ताकि यहाँ अर्थ व्यक्त हो सके। वैकल्पिक रूप से, आपकी भाषा में जोर दिखाने का कोई और तरीका हो सकता है।

देखें: कविता

नीतिवचन 25:20 (#7)

לֶב־רֶע

“उदास मनवाले”

मूल भाषा में “उदास का मन” वाक्यांश का प्रयोग किया गया है, जो एक अधिकारवाचक रूप में लिखा गया। जबकि हिन्दी बाइबल में यहाँ “उदास मनवाले” के रूप में लिखा गया है, जो एक विशेषण को दिखाता है। यहाँ सुलैमान **मन** का वर्णन करने के लिये अधिकारवाचक का उपयोग कर रहे हैं, जो **उदास** से परिभाषित है। यदि आपकी भाषा इसके लिये अधिकारवाचक का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उदासी वाला मन”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 25:20 (#8)

“मनवाले”

यहाँ **मन** पूरे व्यक्ति को सन्दर्भित करता है। देखें कि आपने 14:10 में **मन** के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 25:21 (#1)

שִׂשַׂנְאֶךָ הַאֲכִלֵהוּ & הַשְׁקֵהוּ מָיִם

“तेरा बैरी” - “उसको ... खिलाना” - “उसे पानी पिलाना”

यहाँ **तेरा बैरी, उसको,** और **उसे** किसी विशिष्ट व्यक्ति को नहीं बल्कि सामान्य रूप में एक प्रकार के व्यक्ति को सन्दर्भित करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो भी व्यक्ति आपके बैरी ... उस व्यक्ति को ... खिलाना ... उस व्यक्ति को पानी पिलाना”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 25:21 (#2)

לֶחֶם

“रोटी”

यहाँ **रोटी** का उपयोग सामान्य रूप में भोजन के सन्दर्भ में किया गया है। देखें कि आपने 9:5 में **रोटी** के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 25:22 (#1)

“तू उसके सिर पर अंगारे डालेगा”

यहाँ **उसके सिर पर अंगारे डालेगा** एक मुहावरा है जो सम्भवतः उस व्यक्ति को शर्मिंदा महसूस कराने का संकेत देता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं या एक उपमा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उसे उसके किए पर शर्मिंदा महसूस कराना” या “आप उसे शर्मिंदा महसूस कराते हैं, जैसे ही आप उसके सिर पर अंगारे डालोगे”

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 25:22 (#2)

“तुझे इसका फल देगा”

देखें कि आपने 19:17 में **फल** के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: रूपक

नीतिवचन 25:23 (#1)

רֻחַ צָפוֹן

“उत्तरी वायु”

यहाँ **उत्तरी वायु** ठंडी **वायु** को सन्दर्भित करती है जो **उत्तर** से आती है। इस्राएल में, इस प्रकार की **वायु** कई बार वर्षा लाती थी। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह ठंडी हवा जो उत्तर से आती है”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 25:23 (#2)

וּפָנִים נִזְעָמִים לְשִׁשׁוֹן סָתֶר

“वैसे ही चुगली करने से मुख पर क्रोध छा जाता है”

सुलैमान कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक उपवाक्य को पूर्ण करने के लिये आवश्यक होते हैं। यहाँ, पहला वाक्यांश दूसरे वाक्यांश का परिणाम है। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वैसे ही चुगली करने से क्रोधित चेहरे प्रगट होते हैं” या “वैसे ही चुगली करने से क्रोधित चेहरे दिखाई देते हैं” या “वैसे ही चुगली करने से क्रोधित चेहरे होते हैं”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 25:23 (#3)

וּפָנִים נִזְעָמִים

“मुख पर क्रोध छा जाता है”

इस वचन में, सुलैमान **उत्तरी हवा** की तुलना **वर्षा** लाने से करते हैं, जैसे **चुगली करने से मुख पर क्रोध छा जाता है**। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं: वैकल्पिक अनुवाद: “और इसी तरह, ... मुख पर क्रोध छा जाता है”

देखें: उपमा

नीतिवचन 25:23 (#4)

וּפָנִים נִזְעָמִים

“मुख पर क्रोध”

यहाँ **मुख** उन व्यक्तियों को सन्दर्भित करता है जो **क्रोध** से छा गए हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और क्रोधित लोग”

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 25:23 (#5)

לְשׁוֹן סָתֶר

“चुगली (रहस्य की जीभ)”

मूल भाषा में यहाँ “रहस्य की जीभ” का प्रयोग किया गया है, जो एक अधिकारवाचक रूप को दिखाता है। जबकि हिन्दी बाइबल में यहाँ सिर्फ “चुगली” शब्द का उपयोग किया गया है। यहाँ सुलैमान **जीभ** का वर्णन करने के लिये अधिकारवाचक का उपयोग कर रहे हैं जो दूसरों के रहस्यों को प्रगट करती है। यदि आपकी भाषा में इसके लिए अधिकारवाचक का उपयोग नहीं होता है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक जीभ जो दूसरों के रहस्यों को प्रगट करती है”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 25:23 (#6)

לְשׁוֹן סָתֶר

“चुगली (रहस्य की जीभ)”

मूल भाषा में यहाँ “रहस्य की जीभ” वाक्यांश का प्रयोग किया गया है, जबकि हिन्दी बाइबल में यहाँ “चुगली” शब्द का उपयोग किया गया है। यहाँ **जीभ** उस पूरे व्यक्ति को सन्दर्भित करती है जो बोल रहा है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक व्यक्ति जो रहस्य खोलता है”

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 25:24 (#1)

“छत के कोने पर रहना उत्तम है”

देखें कि आपने 21:9 में इस समान वाक्य का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 25:25 (#1)

מַיִם קָרִים עַל־נֶפֶשׁ עֲיֵפָה וּשְׁמוּעָה טוֹבָה מֵאֶרֶץ מֶרְחָק

“प्यासे के लिए ठंडे पानी के समान है”

यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इन उपवाक्यों के क्रम को उलट सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “प्यासे के लिए ठंडे पानी दूर देश से शुभ सन्देश के समान है”

देखें: सूचना संरचना

नीतिवचन 25:25 (#2)

נֶפֶשׁ עֲיֵפָה

“प्यासे (थका हुआ प्राण)”

मूल भाषा में यहाँ “थका हुआ प्राण” वाक्यांश का प्रयोग किया गया है जबकि हिन्दी बाइबल में “प्यासे” शब्द का उपयोग किया गया है। यहाँ सुलैमान का तात्पर्य यह है कि यह **प्राण** प्यास से **थका** हुआ है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “प्यास से थका हुआ प्राण”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 25:25 (#3)

“एक” - “प्यासे (प्राण)”

मूल भाषा में यहाँ “एक” और “प्राण” शब्द का उपयोग किया गया है, जबकि हिन्दी बाइबल में यहाँ “प्यासे” शब्द का उपयोग किया गया है। देखें कि आपने 2:10 में **प्राण** के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 25:25 (#4)

וּשְׁמוּעָה טוֹבָה מֵאֶרֶץ מֶרְחָק

“दूर देश से शुभ सन्देश ... के समान है”

सुलैमान कह रहे हैं कि **दूर देश से शुभ सन्देश** **प्यासे के लिए ठंडे पानी** के समान है क्योंकि ये दोनों ही ताजगी प्रदान करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “दूर देश से शुभ सन्देश भी ... ताजगी देने के समान है”

देखें: उपमा

नीतिवचन 25:25 (#5)

“शुभ सन्देश ... है”

देखें कि आपने 15:30 में **शुभ सन्देश** का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 25:26 (#1)

מַעְיָן נִרְפָּשׂ וּמָקוֹר מָשְׁחָת צַדִּיק מָמֶט לִפְנֵי־רָשָׁע

“वह खराब जल-स्रोत और बिगड़े हुए कुण्ड के समान है”

यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इन उपवाक्यों के क्रम को उलट सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह खराब जल-स्रोत और बिगड़े हुए कुण्ड के समान है, जो धर्मी दुष्ट के कहने में आता है”

देखें: सूचना संरचना

नीतिवचन 25:26 (#2)

מַעְיָן נִגְרָפָשׁ וּמָקוֹר מָשְׁחָת

“वह खराब जल-स्रोत और बिगड़े हुए कुण्ड के समान है”

इस वचन में, सुलैमान **जो धर्मी दुष्ट के कहने में आता है,** को बुरा बताते हैं, जैसे कि वह व्यक्ति **खराब जल-स्रोत और बिगड़े हुए कुण्ड के समान है**। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं या एक उपमा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “बहुत बुरा” या “जैसे वह खराब जल-स्रोत और बिगड़े हुए कुण्ड के समान हो”

देखें: रूपक

नीतिवचन 25:26 (#3)

מַעְיָן נִגְרָפָשׁ וּמָקוֹר מָשְׁחָת

“वह खराब जल-स्रोत और बिगड़े हुए कुण्ड के समान है”

मूल भाषा में यहाँ वाक्य निष्क्रिय रूप में लिखा गया है जबकि हिन्दी बाइबल में यहाँ वाक्य सक्रिय रूप में लिखा गया है। यदि आपकी भाषा में ये निष्क्रिय रूप उपयोग नहीं होते हैं, तो आप विचारों को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से जो स्वाभाविक हो, व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उसकी तुलना खराब जल-स्रोत और बिगाड़े गए कुण्ड से की जाती है”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 25:26 (#4)

“धर्मी” - “दुष्ट”

देखें कि आपने 9:9 में **धर्मी** और 9:7 में **दुष्ट** का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 25:26 (#5)

מָמֵט

“कहने में आता है”

यहाँ, **कहने में आता** का अर्थ है **धर्मी** का **दुष्ट** के प्रभाव में आ जाना। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो झुक जाता है” या “जो हार मान जाता है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 25:26 (#6)

לִפְנֵי

“(के सम्मुख)”

मूल भाषा में यहाँ “के सम्मुख” का प्रयोग किया गया है, जबकि हिन्दी बाइबल में इसे छोड़ दिया गया है। देखें कि आपने 14:19 में **के सम्मुख** के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: रूपक

नीतिवचन 25:27 (#1)

“अच्छा नहीं”

देखें कि आपने 16:29 में **अच्छा नहीं** के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: कटाक्षपूर्ण उक्ति

नीतिवचन 25:27 (#2)

וְחַקֵּר כְּבֹדָם כָּבוֹד

“आत्मप्रशंसा करना भी अच्छा नहीं”

मूल भाषा में दूसरे उपवाक्य में कुछ शब्दों को छोड़ दिया गया है, जबकि हिन्दी बाइबल में दोनों उपवाक्यों में पूर्ण रीति से लिखा गया है। सुलैमान कुछ शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक उपवाक्य को पूर्ण करने के लिये आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप इन शब्दों को पिछले उपवाक्य से जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “आत्मप्रशंसा करना भी”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 25:27 (#3)

וְחַקֵּר

“करना भी”

इस वचन में, सुलैमान **बहुत मधु** खाने की तुलना अपने **आत्मप्रशंसा करने** से करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं: वैकल्पिक अनुवाद: “और इसी तरह, ... करना भी”

देखें: उपमा

नीतिवचन 25:27 (#4)

וְחַקֵּר כְּבֹדָם

“आत्मप्रशंसा करना (ढूँढ़ना) भी अच्छा नहीं”

मूल भाषा में यहाँ “आत्मप्रशंसा को ढूँढ़ना” वाक्यांश का प्रयोग किया गया है, जबकि हिन्दी बाइबल में यहाँ “आत्मप्रशंसा करना” वाक्यांश का उपयोग किया गया है। यहाँ सुलैमान उन लोगों के विषय में बात कर रहे हैं जो चाहता है कि दूसरे लोग उसकी **आत्मप्रशंसा** करें, जैसे कि **आत्मप्रशंसा** कोई वस्तु हो जिसे कोई व्यक्ति ढूँढ़ सकता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और दूसरों से आत्मप्रशंसा पाने के लिये प्रयास करना”

देखें: रूपक

नीतिवचन 25:28 (#1)

עִיר פְּרוּצָה אֵין חוֹמָה אִישׁ אֲשֶׁר אֵין מַעְצָר לְרוּחוֹ

“जिसकी शहरपनाह घेराव करके तोड़ दी गई हो”

यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्वाभाविक हो, तो आप इन उपवाक्यों के क्रम को बदल सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “ऐसा नगर जिसकी शहरपनाह घेराव करके तोड़ दी गई हो, वह व्यक्ति उसके समान है जिसकी आत्मा वश में नहीं है”

देखें: सूचना संरचना

नीतिवचन 25:28 (#2)

עִ֭יר פְּרוּצָה אֵ֣ין חוֹמָ֑ה

“वह ऐसे नगर के समान है जिसकी शहरपनाह घेराव करके तोड़ दी गई हो”

मूल भाषा में “व्यक्ति” शब्द का प्रयोग किया गया है, जबकि हिन्दी बाइबल में यहाँ इस शब्द को छोड़ दिया गया है। इस वचन में, सुलैमान **एक व्यक्ति** की बात करते हैं **जिसकी आत्मा वश में नहीं** है, जो असुरक्षित या रक्षाहीन है जैसे कि वह व्यक्ति **ऐसे नगर के समान है जिसकी शहरपनाह घेराव करके तोड़ दी गई** हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं या एक उपमा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “बहुत रक्षाहीन” या “जैसे नगर जिसकी शहरपनाह घेराव करके तोड़ दी गई हो”

देखें: रूपक

नीतिवचन 25:28 (#3)

עִ֭יר פְּרוּצָה אֵ֣ין חוֹמָ֑ה

“ऐसे नगर के समान है जिसकी शहरपनाह घेराव करके तोड़ दी गई हो”

यहाँ सुलैमान का तात्पर्य यह है कि कोई **शहरपनाह** नहीं है क्योंकि इसे तोड़ दिया गया था जब लोगों ने **नगर** में **घेराव** किया था। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक नगर जिसकी शहरपनाह को एक सेना ने गिरा दिया है”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 25:28 (#4)

אִ֭ישׁ & לְרוּחֹ֑

“(एक पुरुष)” - “जिसकी आत्मा”

मूल भाषा में यहाँ “पुरुष” शब्द का उपयोग किया गया है, जो एक पुल्लिंग को दर्शाता है। जबकि हिन्दी बाइबल में यहाँ इस शब्द को छोड़ दिया गया है। यद्यपि **पुरुष** और **वह** शब्द पुल्लिंग हैं, सुलैमान इन शब्दों का उपयोग एक सामान्य अर्थ में कर रहे हैं जो पुरुषों और स्त्रियों दोनों को शामिल करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप ऐसे वाक्यांशों का उपयोग कर सकते हैं जो इसे स्पष्ट करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक व्यक्ति ... उस व्यक्ति की आत्मा”

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 25:28 (#5)

אֲשֶׁ֥ר אֵ֣ין מַעְצָ֑ר לְרוּחֹ֖

“जिसकी आत्मा वश में नहीं”

यहाँ सुलैमान उस व्यक्ति को सन्दर्भित करते हैं जो संयम की कमी रखता है, जैसे कि वह व्यक्ति **जिसकी आत्मा** को वश में करने में असमर्थ हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जिसके पास संयम नहीं है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 26:1 (#1)

כַּשֶּׁ֥לֶג ׀ בַּקַּ֗יִץ וְכַמָּטָ֥ר בַּקָּצִ֛יר כֵּ֖כֵן לֹא־נָאוָ֥ה לִכְסִ֖יל כָּבֽוֹד

“जैसा धूपकाल में हिम का, या कटनी के समय वर्षा होना”

यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्वाभाविक हो तो आप इन खंडों का क्रम बदल सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “आदर एक मूर्ख के लिए उपयुक्त नहीं है, जैसे गर्मियों में बर्फ और फसल के समय में बारिश।”

देखें: सूचना संरचना

नीतिवचन 26:1 (#2)

כַּשֶּׁ֥לֶג ׀ בַּקַּ֗יִץ וְכַמָּטָ֥ר בַּקָּצִ֛יר & לִכְסִ֖יל

“जैसा धूपकाल में हिम का, या कटनी के समय वर्षा होना”

यहाँ, **हिम**, **धूपकाल**, **वर्षा**, **कटनी**, और एक **मूर्ख** व्यक्ति, सामान्य रूप में इन चीजों और प्रकार के लोगों को सन्दर्भित करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। देखें कि आपने एक **मूर्ख** व्यक्ति का 10:18 में कैसे अनुवाद किया। वैकल्पिक अनुवाद: “किसी भी गर्मी में किसी भी बर्फ की तरह और किसी भी फसल में किसी भी बारिश की तरह ... किसी भी निर्बुद्धि व्यक्ति के लिए”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 26:1 (#3)

כַּשֶּׁ֥לֶג ׀ בַּקַּ֗יִץ וְכַמָּטָ֥ר בַּקָּצִ֛יר

“जैसा धूपकाल में हिम का, या कटनी के समय वर्षा होना”

इस पद में **जैसा** और **वैसा** शब्द संकेत करते हैं कि सुलैमान **धूपकाल में हिम** और **कटनी के समय वर्षा** की तुलना **मूर्ख की महिमा** से कर रहे हैं। बात यह है कि ये तीनों ही **ठीक नहीं होती** हैं या अनुपयुक्त हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे और स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जैसे गर्मी में बर्फ या फसल के समय बारिश उचित नहीं हैं”

देखें: उपमा

नीतिवचन 26:1 (#4)

“महिमा”

देखें कि आपने **महिमा** भाववाचक संज्ञा का 3:16 में किस प्रकार अनुवाद किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 26:2 (#1)

כַּצִּפּ֥וֹר לָנ֖וּד כַּדְּרוֹר֑ לָעָ֣וף כֵּ֤כֵן קְלָלַת֙ חִנָּ֔ם לֹ֥א תָבֹֽא

“जैसे गौरैया घूमते-घूमते और शूपाबेनी उड़ते-उड़ते नहीं बैठती”

यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्वाभाविक हो तो आप इन खण्डों का क्रम बदल सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “बिना कारण के श्राप नहीं आता, जैसे पक्षी फड़फड़ाने के लिए होते हैं, जैसे निगल उड़ने के लिए होते हैं”

देखें: सूचनात्मक संरचना

नीतिवचन 26:2 (#2)

כַּצִּפּוֹר לָנוּד כַּדְּרוֹר לָעוּף כֵּן קְלָלַת

“जैसे गौरैया घूमते-घूमते और शूपाबेनी उड़ते-उड़ते नहीं बैठती”

यहाँ, **गौरैया**, **शूपाबेनी**, और **श्राप** सामान्य रूप में इन चीजों का उल्लेख करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “किसी भी पक्षी की तरह फड़फड़ाना, और किसी भी शूपाबेनी की तरह उड़ना, वैसा ही कोई भी श्राप”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 26:2 (#3)

כַּצִּפּוֹר לָנוּד כַּדְּרוֹר לָעוּף

“जैसे गौरैया घूमते-घूमते और शूपाबेनी उड़ते-उड़ते नहीं बैठती”

इस पद में **जैसे** और **वैसे** शब्द संकेत करते हैं कि सुलैमान **गौरैया घूमते-घूमते** और **शूपाबेनी उड़ते-उड़ते** की तुलना **व्यर्थ श्राप** से कर रहे हैं। बात यह है कि **श्राप** उस व्यक्ति को प्रभावित नहीं करता जो इसका हकदार नहीं है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे और स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जैसे फड़फड़ाता पक्षी और उड़ता शूपाबेनी जमीन पर नहीं उतरते”

देखें: उपमा

नीतिवचन 26:2 (#4)

כַּצִּפּוֹר לָנוּד כַּדְּרוֹר לָעוּף

“जैसे गौरैया घूमते-घूमते और शूपाबेनी उड़ते-उड़ते नहीं बैठती”

वाक्यांश **गौरैया घूमते-घूमते** और **शूपाबेनी उड़ते-उड़ते** समान अर्थ रखते हैं। सुलैमान जोर देने के लिए इन दोनों वाक्यांशों का एक साथ उपयोग कर रहे हैं। यदि आपके पाठकों के लिए यह स्पष्ट होगा, तो आप जोर देने के लिए एक ही वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जैसे पक्षी जो चारों ओर उड़ते रहते हैं”

देखें: द्विरावृत्ति (डबलेट)

नीतिवचन 26:2 (#5)

כַּדְּרוֹר

“शूपाबेनी”

एक **शूपाबेनी** एक छोटा पक्षी है जो तेजी से आगे-पीछे उड़ता है। यदि आपके पाठक इस प्रकार के पक्षी से परिचित नहीं हैं, तो आप अपने क्षेत्र में किसी समान चीज़ का नाम उपयोग कर सकते हैं या आप एक अधिक सामान्य शब्द का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जैसे तेजी से उड़ने वाला छोटा पक्षी”

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

नीतिवचन 26:2 (#6)

לֹא תָבֹא

“नहीं पड़ता”

यहाँ सुलैमान एक व्यक्ति के **श्राप** से प्रभावित न होने की बात करते हैं, जैसे कि वह **श्राप** एक व्यक्ति हो जो **नहीं पड़ता** {मूल भाषा में **नहीं आता**}। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “घटित नहीं होता”

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 26:3 (#1)

שׁוֹט לַסּוּס מֶתֶג לַחֲמוֹר וְשֵׁבֶט לְגֵו כְּסִילִים

“घोड़े के लिये कोड़ा, गदहे के लिये लगाम”

सुलैमान कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “घोड़े के लिए कोड़ा है, गधे के लिए लगाम है, और निर्बुद्धि लोगों की पीठ के लिए एक छड़ी है।”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 26:3 (#2)

שׁוֹט לַסּוּס מֶתֶג לַחֲמוֹר וְשֵׁבֶט לְגֵו כְּסִילִים

“घोड़े के लिये कोड़ा, गदहे के लिये लगाम”

कोड़ा, **घोड़े**, **लगाम**, **गदहे**, **छड़ी**, और **पीठ** सामान्य रूप में इन चीजों और पशुओं का उल्लेख करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोड़े घोड़ों के लिए होते हैं, लगाम गदहों के लिए होती है, और छड़ी मूर्ख लोगों की पीठ के लिए होती हैं।”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 26:3 (#3)

וְשֵׁבֶט

“और ... छड़ी है”

यहाँ, **और** इंगित करता है कि सुलैमान जो आगे कह रहे हैं, उसकी तुलना वह पहले वाक्य में कही गई बात से कर रहे हैं। सुलैमान कह रहे हैं कि लोगों को **मूर्खों** को नियंत्रित करने के लिए **छड़ी** से मारना चाहिए, जैसे वे घोड़ों को नियंत्रित करने के लिए **कोड़ा** और गदहों को नियंत्रित करने के लिए **लगाम** का उपयोग करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उसी तरह एक छड़ी”

देखें: उपमा

नीतिवचन 26:3 (#4)

“और ...की पीठ के लिये छड़ी है”

देखें कि आपने **पीठ के लिए छड़ी** का 10:13 में अनुवाद कैसे किया।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 26:4 (#1)

כְּכֶסִיל כְּאִוַּלְתּוֹ & לוֹ

“मूर्ख को उसकी मूर्खता के अनुसार”

यहाँ, **मूर्ख**, **उसकी**, और **उसके** सामान्य रूप में एक प्रकार के व्यक्ति को सन्दर्भित करते हैं, न कि किसी विशेष व्यक्ति को। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। देखें कि आपने **मूर्ख** का 10:18 में कैसे अनुवाद किया। वैकल्पिक अनुवाद: “किसी भी निर्बुद्धि व्यक्ति के अनुसार उस व्यक्ति की मूर्खता ... वह व्यक्ति”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 26:4 (#2)

כְּאִוַּלְתּוֹ

“उसकी मूर्खता के अनुसार”

इसका अर्थ हो सकता है: (1) **मूर्ख** के तर्क **के अनुसार**। वैकल्पिक अनुवाद: “उनकी मूर्खतापूर्ण तर्क के अनुसार” (2) उसी प्रकार जैसे एक **मूर्ख**। वैकल्पिक अनुवाद: “मूर्खतापूर्ण तरीके से”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 26:4 (#3)

“उसकी मूर्खता के अनुसार”

देखें कि आपने भाववाचक संज्ञा **मूर्खता** का 5:23 में किस प्रकार अनुवाद किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 26:4 (#4)

גַּם־אַתָּה & תִּשְׁוֶה

“तू {स्वयं} भी उसके तुल्य ठहरे”

मूल भाषा में यहाँ **स्वयं** शब्द का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में इस शब्द का प्रयोग नहीं हुआ है। सुलैमान शब्द **स्वयं** का उपयोग इस बात पर जोर देने के लिए करते हैं कि **मूर्ख** व्यक्ति जैसा न बनें। इस महत्व को दर्शाने के लिए अपनी भाषा में स्वाभाविक तरीके का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: “यहाँ तक कि आप भी वैसे”

देखें: निजवाचक सर्वनाम

नीतिवचन 26:4–5 (#1)

“मूर्ख को उसकी मूर्खता के अनुसार उत्तर न देना” - “मूर्ख को उसकी मूर्खता के अनुसार उत्तर देना”

ये दो नीतिवचन एक-दूसरे का विरोध करते प्रतीत होते हैं। हालांकि, 24:4 में दिए गए आज्ञा को कुछ स्थितियों में लागू करना सर्वोत्तम होता है और 24:5 में दिए गए आज्ञा को अन्य स्थितियों में लागू करना उचित होता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कुछ स्थितियों में, निर्बुद्धि को उसकी मूर्खता के अनुसार उत्तर न दें ... अन्य स्थितियों में, निर्बुद्धि को उसकी मूर्खता के अनुसार उत्तर दें।”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 26:5 (#1)

כְּכֶסִיל כְּאִוַּלְתּוֹ פֶּן־יִהְיֶה חָכָם בְּעֵינָיו

“मूर्ख को उसकी मूर्खता के अनुसार”

यहाँ, **मूर्ख**, **उसकी**, और **वह** सामान्य रूप में एक प्रकार के व्यक्ति को सन्दर्भित करते हैं, न कि किसी विशेष व्यक्ति को। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। देखें कि आपने एक **मूर्ख** का अनुवाद 10:18 में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: “किसी भी निर्बुद्धि व्यक्ति को उसकी मूर्खता के अनुसार उत्तर न दें, कहीं ऐसा न हो कि वह अपनी ही नजरों में बुद्धिमान बन जाए।”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 26:5 (#2)

כְּכֶסִיל כְּאִוַּלְתּוֹ

“मूर्ख को उसकी मूर्खता के अनुसार”

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद पिछले पद में कैसे किया।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 26:5 (#3)

“अपनी दृष्टि में बुद्धिमान ठहरे”

देखें कि आपने **दृष्टि** के समान उपयोग का 3:7 में किस प्रकार अनुवाद किया।

देखें: रूपक

नीतिवचन 26:6 (#1)

מְקַצֶּצָה רַגְלַיִם חָמָס שֹׁתֶה שֹׁלֵחַ דְּבָרִים בְּיַד־כְּסִיל

“वह मानो अपने पाँव में कुल्हाड़ा मारता और विष पीता है”

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप इन उपवाक्यों के क्रम बदल सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो कोई मूर्ख के हाथों सन्देश भेजता है, वह ऐसा है जैसे अपने पैरों को काटता है और हिंसा को आमंत्रित करता है।”

देखें: सूचना संरचना

नीतिवचन 26:6 (#2)

מְקַצֶּצָה רַגְלַיִם חָמָס שֹׁתֶה שֹׁלֵחַ דְּבָרִים בְּיַד־כְּסִיל

“वह मानो अपने पाँव में कुल्हाड़ा मारता और विष पीता है”

कुल्हाड़ा मारता, **पीता है**, **भेजता है**, **हाथ**, और **मूर्ख** सामान्य रूप में लोगों और हाथों के प्रकारों को सन्दर्भित करते हैं, न कि विशिष्ट लोगों या एक विशिष्ट **हाथ** को। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। देखें कि आपने **मूर्ख** का अनुवाद 10:18 में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी व्यक्ति जो पैर काटता है, कोई भी व्यक्ति जो हिंसा पीता है, कोई भी व्यक्ति जो सन्देश भेजता है किसी भी निर्बुद्धि व्यक्ति के किसी भी हाथ द्वारा”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 26:6 (#3)

מְקַצֶּצָה רַגְלַיִם חָמָס שֹׁתֶה

“वह मानो अपने पाँव में कुल्हाड़ा मारता और विष पीता है”

यहाँ सुलैमान का मतलब है कि एक व्यक्ति **अपने पाँव में कुल्हाड़ा मारता** है और **विष {मूल भाषा में हिंसा} पीता है**। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो अपने ही पैरों को काटता है, वह अपने खिलाफ हिंसा को पीता है।”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 26:6 (#4)

מְקַצֶּצָה רַגְלַיִם חָמָס שֹׁתֶה

“वह मानो अपने पाँव में कुल्हाड़ा मारता और विष पीता है”

यहाँ सुलैमान उस व्यक्ति को सन्दर्भित करते हैं जो ऐसा कुछ करता है जिससे वह स्वयं को नुकसान पहुँचाते हैं, जैसे कि वह व्यक्ति **अपने पाँव में कुल्हाड़ा मारता** हैं और **विष** {मूल भाषा में **हिंसा**} **पीते** हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं या एक उपमा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो स्वयं को नुकसान पहुँचाते हैं” या “जैसे कोई अपने पैर काटते हैं या हिंसा पीते हैं”

देखें: रूपक

नीतिवचन 26:6 (#5)

“वह मानो अपने पाँव में कुल्हाड़ा मारता और विष पीता है”

वाक्यांश **पाँव में कुल्हाड़ा मारता** और **जो विष** {मूल भाषा में **हिंसा**} **पीता है** समान अर्थ रखते हैं। सुलैमान जोर देने के लिए इन दोनों वाक्यांशों का एक साथ उपयोग कर रहे हैं। यदि आपके पाठकों के लिए यह स्पष्ट होगा, तो आप जोर देने के लिए एक ही वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो स्वयं को बड़ा नुकसान पहुँचाते हैं”

देखें: द्विरावृत्ति (डबलेट)

नीतिवचन 26:6 (#6)

“विष”

मूल भाषा में यहाँ **हिंसा** शब्द का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **विष** शब्द का प्रयोग हुआ है। देखें कि आपने **हिंसा** जैसी भाववाचक संज्ञा का 3:31 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 26:6 (#7)

שֹׁלֵחַ דְּבָרִים

“जो ... सन्देशा भेजता है”

यहाँ सुलैमान एक सन्देश का उल्लेख करते हैं जो **सन्देशा** का उपयोग करके सम्प्रेषित किया जाता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो एक सन्देश भेजते हैं”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 26:6 (#8)

בְּיַד־כְּסִיל

“जो मूर्ख के हाथ से”

यहाँ, **हाथ** पूरे व्यक्ति को सन्दर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अपनी संस्कृति से एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक मूर्ख व्यक्ति द्वारा”

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 26:7 (#1)

דַּלְיִו

“लड़खड़ाते”

यहाँ सुलैमान का मतलब है कि ये **पाँव लड़खड़ाते** हैं क्योंकि **लंगड़े** व्यक्ति के पैर काम नहीं करते। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “बेकार लटकते हैं”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 26:7 (#2)

וּמָשָׁל

“नीतिवचन”

सुलैमान एक ऐसा शब्द छोड़ रहे हैं जिसका कई भाषाओं में एक वाक्यांश को पूरा करने की आवश्यकता होती है। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप इस शब्द को पिछले वाक्यांश से जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और एक कहावत लड़खड़ाता”

- देखें: पदलोप

नीतिवचन 26:7 (#3)

וּמָשָׁל

“{और} नीतिवचन”

मूल भाषा में यहाँ **और** शब्द का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **वैसे ही** शब्द का प्रयोग हुआ है। यहाँ, **और** इंगित करता है कि सुलैमान जो आगे कह रहे हैं, उसकी तुलना वह पहले के वाक्यांश से कर रहे हैं। सुलैमान कह रहे हैं कि **मूर्खों के मुँह में नीतिवचन का होना लँगड़े के पाँव के जैसे हैं** क्योंकि यह बेकार है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उसी तरह एक कहावत”

देखें: उपमा

नीतिवचन 26:7 (#4)

וּמָשָׁל בְּפִי

“के मुँह में नीतिवचन होता है”

यहाँ, **नीतिवचन** और **मुँह** सामान्य रूप में नीतिवचन और मुखों का उल्लेख करते हैं, न कि किसी विशेष **नीतिवचन** या **मुँह** का। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "के मुँह में कोई कहावत"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 26:7 (#5)

וּמָשָׁל בְּפִי

"के मुँह में नीतिवचन होता है"

यहाँ, **मुँह** का अर्थ है जो व्यक्ति अपने **मुँह** का उपयोग करके कहता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और ...द्वारा कही गई कहावत"

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 26:8 (#1)

כִּצְרֹר אֶבֶן בְּמַרְגֵּמָה כֵּן־נוֹתֵן לִכְסִיל כָּבוֹד

"जैसे पत्थरों के ढेर में मणियों की थैली"

मूल भाषा में यहाँ **जैसे गोफन में पत्थर बाँधना** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **जैसे पत्थरों के ढेर में मणियों की थैली** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप इन खण्डों के क्रम बदल सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो कोई मूर्ख को सम्मान देता है, वह पत्थर को गुलेल में बाँधने के समान है"

देखें: सूचना संरचना

नीतिवचन 26:8 (#2)

כִּצְרֹר אֶבֶן בְּמַרְגֵּמָה

"जैसे गुलेल में पत्थर बांधना होता है"

मूल भाषा में यहाँ **जैसे गोफन में पत्थर बाँधना** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **जैसे पत्थरों के ढेर में मणियों की थैली** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। इस पद में **जैसे** और **वैसे ही** शब्द संकेत करते हैं कि सुलैमान **गोफन में पत्थर बाँधने** की तुलना **मूर्ख को महिमा** देने से कर रहे हैं। बात यह है कि ये दोनों ही निरर्थक हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे और स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसे गोफन में पत्थर बाँधना निरर्थक है, वैसे ही निर्बुद्धि को आदर देना निरर्थक है।"

देखें: उपमा

नीतिवचन 26:8 (#3)

כִּצְרֹר אֶבֶן בְּמַרְגֵּמָה

"जैसे पत्थरों के ढेर में मणियों की थैली"

मूल भाषा में यहाँ **जैसे गोफन में पत्थर बाँधना** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **जैसे पत्थरों के ढेर में मणियों की थैली** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। एक **गोफन** एक हथियार है जिसका उपयोग **पत्थर** फेंकने के लिए किया जाता है। **गोफन में पत्थर बाँधने** की क्रिया उस **गोफन** को बेकार बना देती है। यदि आपके पाठक इस प्रकार के हथियार से परिचित नहीं हैं, तो आप अपने क्षेत्र में कुछ समान का नाम उपयोग कर सकते हैं या आप एक अधिक सामान्य शब्द का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसे तीर को धनुष से बाँधना" या "जैसे एक हथियार जो किसी को चोट नहीं पहुँचा सकता"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

नीतिवचन 26:8 (#4)

נוֹתֵן & כָּבוֹד

"महिमा देनी होती है"

यहाँ सुलैमान का मतलब किसी का सम्मान करना है, जैसे **महिमा** एक वस्तु हो जिसे कोई किसी और को **देनी होती है**। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह है जो सम्मान करता है"

देखें: रूपक

नीतिवचन 26:8 (#5)

"मूर्ख को"

देखें कि आपने एक **मूर्ख** का अनुवाद 10:18 में कैसे किया।

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 26:9 (#1)

חֹחַ עָלָה בְיַד־שִׁכּוֹר

"जैसे मतवाले के हाथ में काँटा गड़ता है"

यह सन्दर्भित कर सकता है: (1) **एक शराबी** के हाथ में काँटा चुभना। वैकल्पिक अनुवाद: "एक शराबी के हाथ में काँटा चुभना" (2) **एक शराबी** का काँटों की झाड़ी उठाकर लोगों पर घुमाना, इस स्थिति में **काँटों** का अनुवाद काँटों की झाड़ी के रूप में होगा। वैकल्पिक अनुवाद: "एक शराबी के हाथ में काँटों की झाड़ी लपेटना"

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 26:9 (#2)

וּמָשָׁל

"वैसे ... नीतिवचन"

सुलैमान एक शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्यांश को पूरा करने के लिए आवश्यक होगा। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इस शब्द को पिछले वाक्यांश से जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और एक कहावत होती है"

देखें: पदलोप

नीतिवचन 26:9 (#3)

וּמָשָׁל

"वैसे ही ... नीतिवचन"

यहाँ, **वैसे ही** का अर्थ है कि सुलैमान जो आगे कह रहे हैं उसकी तुलना वह पहले वाक्यांश में कही बात से कर रहे हैं। सुलैमान कह रहे हैं कि **मूर्खों का कहा हुआ नीतिवचन** वैसी ही है जैसे **एक काँटा** जो **मतवाले के हाथ में गड़ता है** क्योंकि यह हानिकारक है। यदि आपकी भाषा में

यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उसी तरह एक कहावत हानिकारक होती है”

देखें: उपमा

नीतिवचन 26:9 (#4)

“वैसे ही मूर्खों का कहा हुआ नीतिवचन”

देखें कि आपने इस खण्ड का अनुवाद 26:7 में कैसे किया है।

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 26:10 (#1)

רַ֣ב מְחוֹלֵ֗ל־כֹּ֤ל וְשֹׂכֵר֙ כְּֽסִיל֔ וְשֹׂכֵ֥ר עֹבְרִֽים׃

“तीरन्दाज जो अकारण सब को मारता हो”

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक हो, तो आप इन उपवाक्यों के क्रम बदल सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो कोई मूर्ख को काम पर रखता है और जो राहगीरों को काम पर रखता है, वह उस धनुर्धर के समान है जो सभी को भेद देता है।”

देखें: सूचना संरचना

नीतिवचन 26:10 (#2)

מְחוֹלֵ֗ל־כֹּ֤ל

“जो अकारण सब को मारता हो”

यहाँ सुलैमान का मतलब है कि **तीरन्दाज सब** पर तीर चलाते हैं और वे तीर उन्हें भेदते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो हर किसी पर तीर चलाते हैं जो उन्हें भेदते हैं”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 26:10 (#3)

וְשֹׂכֵ֥ר עֹבְרִֽים׃

“वैसा ही मूर्खों या राहगीरों का मजदूरी में लगानेवाला भी होता है”

यहाँ **वैसा ही** शब्द का अर्थ है कि सुलैमान एक **तीरन्दाज** जो **सब को मारता हो** उसकी तुलना उससे कर रहे हैं जो **मूर्खों का मजदूरी में लगानेवाला भी होता है** और **राहगीरों का मजदूरी में लगानेवाला भी होता है**। बात यह है कि ये दोनों ही खतरनाक हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे और स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “इसलिए जो एक निर्बुद्धि व्यक्ति को काम पर रखते हैं और राहगीरों को काम पर रखते हैं वह खतरनाक है”

देखें: उपमा

नीतिवचन 26:10 (#4)

וְשֹׂכֵ֥ר כְּֽסִיל֔

“वैसा ही मूर्खों ... का मजदूरी में लगानेवाला भी होता है”

यहाँ, **लगानेवाला भी होता है** और **मूर्ख** सामान्य रूप में लोगों के प्रकारों को सन्दर्भित करते हैं, न कि विशिष्ट लोगों को। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। देखें कि आपने एक **मूर्ख** का 10:18 में कैसे अनुवाद किया। वैकल्पिक अनुवाद: “तो कोई भी व्यक्ति जो किसी निर्बुद्धि व्यक्ति को किराए पर रखता है”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 26:11 (#1)

כְּֽכֶלֶב שָׁ֭שָׁב עַל־קִאֹ֑ו כְּֽסִיל שׁוֹנֶ֥ה בְאִוַּלְתּֽוֹ׃

“जैसे कुत्ता अपनी छाँट को चाटता है”

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप इन उपवाक्यों के क्रम बदल सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक मूर्ख जो अपनी मूर्खता को बार-बार दोहराता है, वह उस कुत्ते के समान है जो अपनी उल्टी की ओर लौटता है।”

देखें: सूचना संरचना

नीतिवचन 26:11 (#2)

כְּֽכֶלֶב שָׁ֭שָׁב עַל־קִאֹ֑ו כְּֽסִיל שׁוֹנֶ֥ה בְאִוַּלְתּֽוֹ׃

“जैसे कुत्ता अपनी छाँट को चाटता है”

यहाँ, **कुत्ता**, **अपनी**, **मूर्ख**, और **अपनी** कुत्तों और सामान्य रूप में एक प्रकार के लोगों का जिक्र करते हैं, न कि किसी विशेष **कुत्ता** या व्यक्ति का। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। देखें कि आपने **मूर्ख** का 10:18 में कैसे अनुवाद किया। वैकल्पिक अनुवाद: “जैसे कोई कुत्ता अपनी उल्टी पर लौटता है, वैसे ही एक निर्बुद्धि व्यक्ति अपनी मूर्खता को दोहराता है”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 26:11 (#3)

כְּֽכֶלֶב

“जैसे कुत्ता”

एक **कुत्ता** एक पशु है जिसे यहूदी और प्राचीन पश्चिमी एशिया की कई संस्कृतियों द्वारा अशुद्ध और घृणास्पद माना जाता है। इसलिए, किसी की तुलना कुत्ते से करना अपमानजनक होता है। यदि आपकी संस्कृति में कुत्ते अपरिचित हैं और आपके पास कोई अन्य पशु है जिसे अशुद्ध और घृणास्पद माना जाता है या जिसका नाम अपमान के रूप में उपयोग किया जाता है, तो आप इस पशु का नाम उपयोग कर सकते हैं।

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

नीतिवचन 26:11 (#4)

שָׁ֭שָׁב עַל־קִאֹ֑ו

“अपनी छाँट को चाटता है”

यहाँ सुलैमान का मतलब है कि **कुत्ता अपनी छाँट को चाटता है** उसे खाने के लिए। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो अपनी उल्टी खाने के लिए लौटता है”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 26:11 (#5)

“अपनी मूर्खता”

देखें कि आपने भाववाचक संज्ञा **मूर्खता** का 5:23 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 26:12 (#1)

רָאִיתָ אִישׁ חָכָם בְּעֵינָיו

“यदि तू ऐसा मनुष्य देखे जो अपनी दृष्टि में बुद्धिमान बनता हो”

हालांकि इब्री पाठ को प्रश्न की तरह नहीं लिखा गया है, कई अनुवाद इस वाक्यांश को एक अलंकारिक प्रश्न में बदल देते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे एक प्रश्न के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। देखें कि आपने **तू ऐसा मनुष्य देखे** के समान उपयोग 22:29 में कैसे अनुवाद किया। वैकल्पिक अनुवाद: “क्या आपने अपनी आँखों में एक व्यक्ति को बुद्धिमान होते देखा है?”

देखें: आलंकारिक प्रश्न

नीतिवचन 26:12 (#2)

אִישׁ חָכָם בְּעֵינָיו & לְכִסְיָל מִמֶּנּוּ

“मनुष्य ...जो अपनी दृष्टि में बुद्धिमान बनता हो”

यहाँ, **मनुष्य**, **अपनी**, **मूर्ख**, और **उससे** सामान्य रूप में लोगों के प्रकारों को सन्दर्भित करते हैं, न कि विशिष्ट व्यक्तियों को। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। देखें कि आपने **मूर्ख** का 10:18 में कैसे अनुवाद किया। वैकल्पिक अनुवाद: “जो कोई भी अपनी नजर में बुद्धिमान हो ... उस व्यक्ति से अधिक किसी भी निर्बुद्धि व्यक्ति के लिए”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 26:12 (#3)

חָכָם בְּעֵינָיו

“अपनी दृष्टि में बुद्धिमान”

यहाँ सुलैमान का मतलब है कि यह **मनुष्य** वास्तव में **बुद्धिमान** नहीं है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो अपनी नजर में बुद्धिमान है, वह वास्तव में बुद्धिमान नहीं है।”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 26:12 (#4)

“अपनी दृष्टि में”

देखें कि आपने **दृष्टि** के समान उपयोग का 3:7 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 26:12 (#5)

“उससे अधिक आशा”

देखें कि आपने **आशा** भाववाचक संज्ञा का 10:28 में किस प्रकार अनुवाद किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 26:13 (#1)

“आलसी”

देखें कि आपने इस वाक्यांश का 13:4 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 26:13 (#2)

אָמַר & שַׁשַּׁחַל בַּדָּרֶךְ אֲרִי בֵּין הָרְחֹבוֹת

“कहता है, ‘मार्ग में सिंह है’”

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप इसे अप्रत्यक्ष उद्धरण के रूप में व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने 22:13 में समान वाक्यांशों का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: “कहते हैं कि एक सिंह सड़क पर है और एक सिंह खुले क्षेत्रों के मध्य है”

देखें: प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष उद्धरण

नीतिवचन 26:13 (#3)

אָמַר

“कहता है”

इस वचन में, सुलैमान का अर्थ है कि जो **आलसी** व्यक्ति कहता है वह सत्य नहीं बोलता। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “झूठ कहता है”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 26:14 (#1)

הַדֶּלֶת תִּסּוֹב עַל־צִירָהּ

“किवाड़ अपनी चूल पर घूमता है”

एक **चूल** धातु का वह टुकड़ा होता है जो **किवाड़** से जुड़ा होता है ताकि **किवाड़** आगे और पीछे झूल सके। यदि आपके पाठक इस प्रकार की वस्तु से परिचित नहीं हैं, तो आप अपने क्षेत्र में किसी समान वस्तु का नाम उपयोग कर सकते हैं या एक अधिक सामान्य शब्द का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “द्वार आगे और पीछे झूलता है” या “द्वार खुलता और बन्द होता है”।

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

नीतिवचन 26:14 (#2)

וְעָצֵל עַל־מִטָּתוֹ

“वैसे ही आलसी अपनी खाट पर करवटें लेता है”

सुलैमान एक शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्यांश को पूरा करने के लिए आवश्यक होगा। यदि यह आपकी भाषा में स्पष्ट होगा, तो आप इस शब्द को पिछले वाक्यांश से ले सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और एक आलसी व्यक्ति अपने बिछौने पर पलटता है।”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 26:14 (#3)

“वैसे ही आलसी अपनी खाट पर करवटें लेता है”

देखें कि आपने 13:4 में **आलसी** और **अपनी** शब्दों का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 26:14 (#4)

וְ֑עָצֵל

“वैसे ही आलसी”

यहाँ, **वैसे ही** इंगित करता है कि सुलैमान जो आगे कह रहे हैं, उसकी तुलना वह पिछले वाक्यांश में कही गई बात से कर रहे हैं। सुलैमान कह रहे हैं कि **आलसी अपनी खाट पर** उसी तरह **करवटें लेता है** जैसे **किवाड़** जो **अपनी चूल पर घूमता है**, क्योंकि दोनों बिना कहीं गए वहीं हिलते रहते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उसी तरह एक आलसी व्यक्ति”

देखें: उपमा

नीतिवचन 26:15 (#1)

“आलसी अपना हाथ थाली में तो डालता है”

देखें कि आपने लगभग समान वाक्य का अनुवाद 19:24 में किस प्रकार किया है।

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 26:16 (#1)

עָצֵל בְּעֵינָ֖יו

“आलसी” - “अपने को”

देखें कि आपने पिछले वचन में **आलसी** और **अपने** का अनुवाद कैसे किया।

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 26:16 (#2)

חָכָ֥ם & בְּעֵינָ֖יו

“अपने को ... बुद्धिमान समझता है”

यहाँ सुलैमान का मतलब है कि एक **आलसी** व्यक्ति वास्तव में बुद्धिमान नहीं होता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह अपनी नजरों में गलत तरीके से अधिक बुद्धिमान समझता है।”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 26:16 (#3)

“अपने को”

देखें कि 26:12 में आपने इस वाक्यांश का उसी प्रकार से अनुवाद कैसे किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 26:16 (#4)

מִ֣שִּׁבְעָ֔ה

“सात मनुष्यों से भी अधिक”

सुलैमान **सात** का उपयोग संज्ञा के रूप में कर रहे हैं, जिसका अर्थ **सात** लोग है। आपकी भाषा में भी विशेषण का इस तरह से उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद एक समकक्ष वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “सात लोग”

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

नीतिवचन 26:16 (#5)

“सात मनुष्यों से भी अधिक”

यहाँ, **सात** का उपयोग कई लोगों का उल्लेख करने के लिए किया गया है, विशेष रूप से **सात** लोगों के लिए नहीं। इब्री में, **सात** अक्सर पूर्णता के विचार का प्रतीक होता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अनेक लोग”

देखें: रूपक

नीतिवचन 26:16 (#6)

מְשִׁיבֵ֥י טָֽעַם

“ठीक उत्तर देनेवाले”

यहाँ सुलैमान उन लोगों का उल्लेख कर रहा है जो **ठीक उत्तर देनेवाले** के साथ किसी दूसरे को उत्तर देते हैं, मानो वे **ठीक उत्तर** के साथ उत्तर दे रहे हों। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने 24:26 में “लौटाता है” के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: “जो विवेकपूर्ण उत्तर देते हैं”

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 26:16 (#7)

“ठीक उत्तर देनेवाले”

देखें कि आपने **ठीक उत्तर देनेवाले** जैसे भाववाचक संज्ञा का 1:4 में किस प्रकार अनुवाद किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 26:17 (#1)

מַחֲזִ֤יק בְּאָזְנֵי־כֶ֙לֶב֙ עֹבֵ֣ר מִֽתְעַבֵּ֔ר עַל־רִ֥ב לֹֽא־לוֹ

“जो कुत्ते को कानों से पकड़ता है”

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप इन खण्डों के क्रम बदल सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो व्यक्ति अपने लिए न होने वाले विवाद पर खुद को क्रोधित करता है, वह उस व्यक्ति के समान है जो गुजरते हुए कुत्ते के कान पकड़ता है।”

देखें: सूचना संरचना

नीतिवचन 26:17 (#2)

מַחֲזִיק בְּאָזְנֵי־כֶלֶב עֹבֵר

“जो कुत्ते को कानों से पकड़ता है”

इस वचन में, सुलैमान उस व्यक्ति का उल्लेख करते हैं **जो मार्ग पर चलते हुए पराए झगड़े में विघ्न डालता है**, जैसे कि वह व्यक्ति **कुत्ते को कानों से पकड़ता है**। दोनों वाक्यांश एक लापरवाह या मूर्खतापूर्ण कार्य के उदाहरण हैं, जो केवल उसे ही नुकसान पहुँचायेगा जो इसे करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं या एक उपमा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो मूर्खतापूर्ण तरीके से खुद को नुकसान पहुँचाता है” या “जैसे वह जो गुजरते हुए कुत्ते के कान पकड़ लेता है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 26:17 (#3)

מַחֲזִיק בְּאָזְנֵי־כֶלֶב עֹבֵר

“जो कुत्ते को कानों से पकड़ता है”

यहाँ सुलैमान का मतलब है कि **कुत्ते के कान पकड़ना** एक लापरवाह या मूर्खतापूर्ण कार्य है क्योंकि कुत्ता व्यक्ति को काटकर प्रतिक्रिया करेगा। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो मूर्खतापूर्ण तरीके से कुत्ते के कान पकड़कर उसे काटने के लिए उकसाता है”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 26:17 (#4)

“कुत्ता”

देखें कि आपने **कुत्ता** का अनुवाद 26:11 में कैसे किया।

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

नीतिवचन 26:17 (#5)

“{गुज़रते} कुत्ते”

मूल भाषा में यहाँ **गुज़रते** शब्द का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में सरलता से केवल कुत्ते शब्द का उपयोग किया गया है। जिस शब्द का अनुवाद **गुज़रते** के रूप में किया गया है, उसका अर्थ “एक गुजरने वाला” भी हो सकता है, इस स्थिति में यह **जो झगड़े में विघ्न डालता है** को सन्दर्भित करेगा और दूसरे खण्ड का हिस्सा होगा। यदि आपके क्षेत्र में बाइबल का कोई अनुवाद उपलब्ध है, तो आप उस पठन का उपयोग कर सकते हैं जो वह प्रस्तुत करता है। यदि आपके क्षेत्र में बाइबल का कोई अनुवाद उपलब्ध नहीं है, तो आप अनफोल्डिंग वर्ड लिट्रल ट्रान्सलेशन के पठन का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद (अल्पविराम के बाद): “एक गुजरने वाला व्यक्ति है जो स्वयं को क्रोधित करता है”

नीतिवचन 26:17 (#6)

לֹא־לוֹ

“पराए”

वैकल्पिक अनुवाद: “उनके बारे में नहीं” या “जिससे उनका कोई लेना-देना नहीं है”

नीतिवचन 26:18 (#1)

כְּמִתְלַהְלֵהַּ הַיֹּרֶה זִקִּים חִצִּים וָמָוֶת

“जैसा एक पागल जो जहरीले तीर मारता है”

जैसा इस वचन में और **वैसे** अगले वचन में संकेत मिलता है कि सुलैमान **एक पागल व्यक्ति जो तीर** चलाता है की तुलना उस व्यक्ति से कर रहे हैं **जो अपने पड़ोसी को धोखा देकर कहता है, “मैं तो मजाक कर रहा था।”** बात यह है कि ये हानिकारक और खतरनाक कार्य हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे और स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जैसे एक पागल व्यक्ति जो आग के गोले, तीर और मौत चलाता है वह लापरवाह है”

देखें: उपमा

नीतिवचन 26:18 (#2)

“तीर मारता है”

मूल भाषा में यहाँ **एक पागल की तरह जो आग के गोले, तीर और मौत चलाता है** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **जैसा एक पागल जो जहरीले तीर मारता है** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। दो शब्द **तीर** और **मौत** एक ही विचार व्यक्त करते हैं। शब्द **मृत्यु, तीर** की एक विशेषता का वर्णन करता है। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप इस अर्थ को एक अलग तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और तीर जो वध करते हैं”

देखें: (हेंडियाडिस) द्विपद

नीतिवचन 26:18–19 (#1)

“”

यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप 26:18 और 26:19 को जोड़ सकते हैं, जैसा कि अनफोल्डिंग वर्ड सिम्प्लिफाइड ट्रान्सलेशन करता है, इस वाक्य को एक साथ रखने के लिए।

देखें: संयुक्त पद

नीतिवचन 26:18–19 (#2)

כְּמִתְלַהְלֵהַּ הַיֹּרֶה זִקִּים חִצִּים וָמָוֶת: כֵּן־אִישׁ רִמָּיָה אֶת־רֵעֵהוּ וְוֹאָמַר הֲלֹא־מְשַׂחֵק אָנִי

“जैसा एक पागल जो जहरीले तीर मारता है” - “वैसा ही वह भी होता है जो अपने पड़ोसी को धोखा देकर कहता है, “मैं तो मजाक कर रहा था।”

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप इन खण्डों के क्रम बदल सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह व्यक्ति जो अपने पड़ोसी को धोखा देता है और फिर कहता है, ‘क्या मैं मजाक नहीं कर रहा था?’ वह उस पागल व्यक्ति के समान है जो आग के गोले, तीर और मृत्यु फेंकता है।”

देखें: सूचना संरचना

नीतिवचन 26:19 (#1)

אִישׁ & אֶת־רֵעֵהוּ

“वह भी होता है” - “अपने पड़ोसी”

हालांकि **वह** और **अपने** शब्द पुल्लिंग हैं, सुलैमान इन शब्दों का उपयोग एक सामान्य अर्थ में कर रहे हैं जो पुरुषों और महिलाओं दोनों को शामिल करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप ऐसे वाक्यांशों का उपयोग कर सकते हैं जो इसे स्पष्ट करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक व्यक्ति है ... उस व्यक्ति का पड़ोसी"

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियां भी शामिल होते हैं

नीतिवचन 26:19 (#2)

וְאָמַר הֲלֹא־מְשַׂחֵק אָנִי

"कहता है, 'मैं तो मजाक कर रहा था।'"

यहाँ, **वह ... जो अपने पड़ोसी को धोखा देकर कहता है** इस प्रश्न (मूल में प्रश्नवाचक का उपयोग हुआ है) का उपयोग यह बताने के लिए कर रहा है कि **वह मजाक कर रहा था**। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और कहता है, 'मजाक कर रहा हूँ!'"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

नीतिवचन 26:19 (#3)

וְאָמַר הֲלֹא־מְשַׂחֵק אָנִי

"कहता है, 'मैं तो मजाक कर रहा था।'"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप इसे अप्रत्यक्ष उद्धरण के रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और कहें कि वह मजाक कर रहा था।"

देखें: प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष उद्धरण

नीतिवचन 26:20 (#1)

בְּאֶפֶס

"लकड़ी न होने से"

यहाँ, **न होने से** का अर्थ **लकड़ी** के टुकड़ों की कमी से है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। देखें कि आपने **न होने से** का इसी तरह का उपयोग 14:28 में कैसे अनुवाद किया। वैकल्पिक अनुवाद: "की कमी के साथ"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 26:20 (#2)

וּבְאֵין

"उसी प्रकार जहाँ ... नहीं"

यहाँ, **उसी प्रकार** इंगित करता है कि सुलैमान जो कह रहे हैं, वह पिछले वाक्यांश में कही गई बात की तुलना में है। जिस प्रकार **आग बुझती है लकड़ी न होने से**, उसी प्रकार **झगड़ा** रुक जाता है जब कोई **कानाफूसी करनेवाला** नहीं होता। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इसी तरह, जब ... नहीं होता"

देखें: उपमा

नीतिवचन 26:20 (#3)

יִשְׁתֹּתֵק מָדוֹן

"झगड़ा मिट जाता है"

यहाँ सुलैमान **झगड़े** के समाप्त होने की बात करते हैं जैसे कि यह कोई व्यक्ति हो जो **मिट जाता है**। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक झगड़ा समाप्त होता है"

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 26:20 (#4)

"झगड़ा"

देखें कि आपने **झगड़ा** जैसी भाववाचक संज्ञा का 15:18 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 26:21 (#1)

פֶּחָם לְגֶחָלִים וְעֵצִים לְאֵשׁ

"जैसा अंगारों में कोयला और आग में लकड़ी होती है"

सुलैमान मानते हैं कि उनके पाठक समझेंगे कि **अंगार जलते कोयले** को प्रज्वलित करने में सहायक होता है और **लकड़ी आग** को प्रज्वलित करने में सहायक होती है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा तो आप इस जानकारी को शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अंगार कोयले को प्रज्वलित करने में सहायक होता है और लकड़ी आग को प्रज्वलित करने में सहायक होती है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 26:21 (#2)

וְאִישׁ מדונים

"वैसा ही झगड़ा बढ़ाने के लिये"

यहाँ, **वैसा ही** संकेत करता है कि सुलैमान जो कुछ पहले कह चुके थे, उसकी तुलना वह आगे कर रहे हैं। जिस तरह से **अंगार जलते कोयलों** को जलने में मदद करते हैं और **लकड़ी आग** को जलने में मदद करती है, उसी तरह **झगड़ालू** अन्य लोगों के बीच विवाद उत्पन्न करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसी तरह, झगड़ालू"

देखें: उपमा

नीतिवचन 26:21 (#3)

וְאִישׁ מדונים & רִיב

"झगड़ालू" - "झगड़ा"

यहाँ, **झगड़ालू** और **झगड़ा** सामान्य रूप में लोगों और विवादों के एक प्रकार का उल्लेख करते हैं, न कि किसी विशेष **झगड़ालू** या **झगड़ा** का। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अधिक **स्वाभाविक** अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और झगड़ालू व्यक्ति ... कोई भी विवाद"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 26:21 (#4)

וְאִאִ֥ישׁ מדונים

“झगड़ालू”

यहाँ सुलैमान स्वामित्व रूप का उपयोग करके एक **झगड़ालू** का वर्णन कर रहे हैं, जो **झगड़ों** से पहचाना जाता है। देखें कि आपने 21:9 में “झगड़ालू महिला” का अनुवाद कैसे किया।

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 26:21 (#5)

לְחַרְחַר־רִ֑יב

“झगड़ा बढ़ाने के लिये”

यहाँ सुलैमान का अर्थ है **झगड़ा** को जारी रखना, जैसे कि यह एक आग हो जिसे कोई लगातार **बढ़ाए** रखता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “लोगों को लगातार विवाद में उलझाए रखना”

देखें: रूपक

नीतिवचन 26:21 (#6)

“झगड़ा”

देखें कि आपने **झगड़ा** जैसी भाववाचक संज्ञाओं का 15:18 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएं

नीतिवचन 26:22 (#1)

“कानाफूसी करनेवाले के वचन, स्वादिष्ट भोजन के समान भीतर उतर जाते हैं”

देखें कि आपने 18:8 में समान वाक्य का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: उपमा

नीतिवचन 26:23 (#1)

כֶּ֣סֶף סִיגִ֗ים מְצֻפֶּ֤ה עַל־חֶ֙רֶשׂ֙ שְׂפָתַ֣יִם דֹּלְקִ֔ים וְלֵ֖ב רָֽע

“जैसा कोई चाँदी का पानी चढ़ाया हुआ मिट्टी का बर्तन हो”

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप इन उपवाक्यों के क्रम बदल सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जलते हुए होंठ और एक दुष्ट का हृदय मिट्टी के मर्तबान पर चाँदी की परत के समान है।”

देखें: सूचना संरचना

नीतिवचन 26:23 (#2)

כֶּ֣סֶף סִיגִ֗ים מְצֻפֶּ֤ה עַל־חֶ֙רֶשׂ֙

“जैसा कोई चाँदी का पानी चढ़ाया हुआ मिट्टी का बर्तन हो”

यहाँ सुलैमान **बुरे मनवाले के प्रेम भरे वचन** का उल्लेख करते हैं जैसे कि वे **चाँदी का पानी चढ़ाया हुआ मिट्टी का बर्तन हो**। बात यह है कि दोनों ही धोखेबाज हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे या एक उपमा का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “बहुत धोखेबाज” या “जैसे मिट्टी के मर्तबान पर चाँदी की परत”।

देखें: रूपक

नीतिवचन 26:23 (#3)

כֶּ֣סֶף סִיגִ֗ים

“चाँदी का पानी”

यहाँ सुलैमान **चाँदी** से हटाए गए **पानी** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं जब कोई इसे शुद्ध करता है। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “चाँदी से तलछट”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 26:23 (#4)

מְצֻפֶּ֤ה

“चढ़ाया”

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: “कि किसी ने चढ़ाया है”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 26:23 (#5)

שְׂפָתַ֣יִם דֹּלְקִ֗ים וְלֵ֖ב רָֽע

“बुरे मनवाले के प्रेम भरे वचन”

मूल भाषा में यहाँ **जलते हुए होंठ और दुष्ट हृदय** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **बुरे मनवाले के प्रेम भरे वचन होते हैं** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। यहाँ, **और** यह संकेत करता है कि किसी के पास एक ही समय में **जलते हुए होंठ और दुष्ट का हृदय** होता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “दुष्ट का हृदय के साथ जलते हुए होंठ होते हैं”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 26:23 (#6)

“वचन होते हैं”

मूल भाषा में यहाँ **जलते हुए होंठ और दुष्ट हृदय** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **बुरे मनवाले के प्रेम भरे वचन होते हैं** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। देखें कि आपने **होठ** के समान उपयोग का अनुवाद 10:18 में किस प्रकार किया।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 26:23 (#7)

דֹּלְקִ֗ים

“वचन होते हैं”

मूल भाषा में यहाँ **जलते हुए होंठ और दुष्ट हृदय** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **बुरे मनवाले के प्रेम भरे वचन होते हैं** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। यहाँ सुलैमान का अर्थ कुछ भावुक या उत्साही होने से है, जैसे कि वह चीज **जल** रही हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उत्साही”

देखें: रूपक

नीतिवचन 26:23 (#8)

וְלֵב־רָע

“बुरे मनवाले”

मूल भाषा में यहाँ **जलते हुए होंठ और दुष्ट हृदय** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **बुरे मनवाले के प्रेम भरे वचन होते हैं** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। यहाँ सुलैमान एक **हृदय** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं जो **बुरे** द्वारा विशेषीकृत है। यदि आपकी भाषा में इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और एक बुरा हृदय”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 26:23 (#9)

“बुरे मनवाले”

मूल भाषा में यहाँ **जलते हुए होंठ और दुष्ट हृदय** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **बुरे मनवाले के प्रेम भरे वचन होते हैं** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। देखें कि आपने **मन** के समान उपयोग का 2:2 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 26:24 (#1)

בִּבְשִׂפְתָיו יִנָּכֶר שׂוֹנֵא וּבְקִרְבּוֹ יָשִׁית מִרְמָה

“जो बैरी बात से तो अपने को भोला बनाता है”

यहाँ, **अपने**, **बैरी**, **अपने को**, **अपने**, और **वह** सामान्य रूप में एक प्रकार के व्यक्ति को सन्दर्भित करते हैं, किसी विशेष व्यक्ति को नहीं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो कोई भी नफरत करता है, उसके होंठों से वह अपनी नफरत छुपाता है, लेकिन उसके भीतर छल का निवास होता है।”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 26:24 (#2)

בִּבְשִׂפְתָיו

“बात”

मूल भाषा में यहाँ **जो घृणा करता है, वह अपने होठों से धोखा देता है** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **जो बैरी बात से तो अपने को भोला बनाता है** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। देखें कि आपने पिछले वचन में **होंठ** के समान उपयोग का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 26:24 (#3)

יִנָּכֶר & וּבְקִרְבּוֹ

“भोला बनाता है”

यहाँ, **अपने को** और **अपने भीतर** उस **बैरी** का संदर्भ देते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह जो सोच रहे हैं उसे छुपाते हैं, लेकिन उनके मन में”

देखें: रूपक

नीतिवचन 26:24 (#4)

יָשִׁית מִרְמָה

“छल रखता है”

यहाँ सुलैमान उस **बैरी** के बारे में बात कर रहे हैं जो किसी को धोखा देने की योजना बनाने से बैर रखता है, मानो **छल करना** एक ऐसी वस्तु है जिसे उन्होंने **अपने भीतर रखा है**। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह गुप्त रूप से धोखा देने की योजना बनाता है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 26:24 (#5)

מִרְמָה

“छल”

यहाँ सुलैमान का मतलब है कि **बैरी**, वह उस व्यक्ति को धोखा देने की योजना बनाता है जिससे वह **बैर** रखता। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जिससे वह बैर रखता है, उसके लिए छल”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 26:25 (#1)

יְחַנֵּנּוּ קֹלוֹ & בִּבְרֹבּוֹ & בְּלִבּוֹ

“उसकी मीठी-मीठी बात पर” - “उसके मन में”

इस वचन में, **उसकी**, और **उसके** उस प्रकार के व्यक्ति को सन्दर्भित करते हैं जो “बैर रखता है,” जैसा कि पिछले वचन में कहा गया है। देखें कि आपने इन शब्दों का अनुवाद पिछले वचन में कैसे किया था।

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 26:25 (#2)

קֹלוֹ

“उसकी ... बात”

यहाँ, **बात** उस व्यक्ति द्वारा कही गई बात को सन्दर्भित करती है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो वे कहते हैं"

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 26:25 (#3)

שֶׁשֶׁבַע תּוֹעֵבוֹת

"सात घिनौनी वस्तुएँ"

यहाँ सुलैमान **सात** का उपयोग कई **घिनौनी वस्तुओं** के सन्दर्भ में करते हैं, विशेष रूप से **सात** के लिए नहीं। देखें कि आपने **सात घिनौनी वस्तुओं** का अनुवाद 6:16 में कैसे किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 26:25 (#4)

תּוֹעֵבוֹת

"घिनौनी वस्तुएँ"

जैसा कि नीतिवचन के सन्दर्भ में, **घिनौनी वस्तुएँ** उन चीजों को सन्दर्भित करती हैं जिन्हें यहोवा **घिनौनी** मानते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो यहोवा के लिए अप्रिय है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 26:25 (#5)

"उसके मन में"

देखें कि आपने **उसके मन में** का अनुवाद 6:14 में कैसे किया।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 26:26 (#1)

תִּכַּסֶּה שִׂשְׂנְאָה בְּמַשָּׂאוֹן

"चाहे उसका बैर छल के कारण छिप भी जाए"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "छल बैर को छुपाता है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 26:26 (#2)

שִׂשְׂנְאָה בְּמַשָּׂאוֹן

"बैर" - "छल के कारण"

यदि आपकी भाषा **बैर** और **छल** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं करती है, तो आप इन्हीं विचारों को अन्य तरीकों से व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने भाववाचक संज्ञा **छल** का 10:12 में कैसे अनुवाद किया। वैकल्पिक अनुवाद: "किसी से नफरत करना ... दूसरों को धोखा देना"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 26:26 (#3)

שִׂשְׂנְאָה

"बैर"

सुलैमान का तात्पर्य है कि यह **बैर** उस व्यक्ति की है जिसके पास "एक दुष्ट का हृदय" है, जैसा कि 26:23–26 में वर्णित है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसकी घृणा"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 26:26 (#4)

תִּכַּסֶּה & תִּגָּלֶה

"छिप भी जाए" - "प्रगट हो जाएगी"

यहाँ सुलैमान **बैर** को छिपाए जाने के रूप में सन्दर्भित करते हैं, जैसे कि यह एक वस्तु हो जो **छिप भी जाए**, और **बुराई** को प्रकट किए जाने के रूप में, जैसे कि यह एक वस्तु हो जो **प्रगट की जाएगी**। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने 10:6 में "छिपा" के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "छिपाया गया है ... प्रकट किया जाएगा"\n

देखें: रूपक

नीतिवचन 26:26 (#5)

תִּגָּלֶה רָעָתוֹ בְּקָהָל

"उसकी बुराई सभा के बीच प्रगट हो जाएगी"

यह खण्ड पिछले खण्ड के विपरीत है। अपनी भाषा में विरोधाभास को दर्शाने के लिए सबसे स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: "हालांकि, उनकी दुष्टता सभा में प्रकट होगी"

देखें: जोड़ें — विरोधाभास सम्बन्ध

नीतिवचन 26:26 (#6)

תִּגָּלֶה רָעָתוֹ

"उसकी बुराई सभा के बीच प्रगट हो जाएगी"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "लोग उसकी बुराई को खोज लेंगे।"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 26:26 (#7)

"उसकी बुराई"

देखें कि आपने **बुराई** भाववाचक संज्ञा का 1:16 में किस प्रकार अनुवाद किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 26:27 (#1)

כֹּרֶה־שַׁחַת בָּבֶה יִפֹּל

“जो गड्ढा खोदे, वही उसी में गिरेगा”

यहाँ सुलैमान **जो गड्ढा खोदे** का उपयोग उस व्यक्ति के लिए करते हैं जो किसी अन्य व्यक्ति को नुकसान पहुँचाने की कोशिश करता है और **उसी में गिर** जाता है इसका उपयोग उस व्यक्ति के स्वयं के नुकसान को दर्शाने के करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सावधानीपूर्वक व्यक्त कर सकते हैं या एक उपमा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो किसी को नुकसान पहुँचाने की कोशिश करता है, वह स्वयं नुकसान उठाएगा” या “जो किसी को नुकसान पहुँचाने की कोशिश करता है, वह उस व्यक्ति के समान है जो गड्ढा खोदता है और उसमें गिर जाता है”।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 26:27 (#2)

כֹּרֶה־שַׁ֭חַת בָּ֣בָה יִפֹּ֑ל

“जो गड्ढा खोदे, वही उसी में गिरेगा”

यहाँ सुलैमान का मतलब है कि व्यक्ति किसी को फंसाने के लिए **गड्ढा** खोदता है, लेकिन फिर स्वयं ही उस गड्ढे में **गिर** जाता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो किसी को फंसाने के लिए गड्ढा खोदता है, वह स्वयं उस गड्ढे में गिर जाएगा।”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 26:27 (#3)

כֹּרֶה־שַׁ֭חַת & וְגֹלֵ֣ל אֶ֑בֶן אֵלָ֥יו

“जो गड्ढा खोदे” - “और जो पत्थर लुढ़काए” - “उसी पर”

जो गड्ढा खोदे, **जो पत्थर लुढ़काए**, और **उसी** सामान्य रूप में लोगों के प्रकार को सन्दर्भित करते हैं, न कि विशिष्ट व्यक्तियों को। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी व्यक्ति जो गड्ढा खोदते हैं ... और कोई भी व्यक्ति जो पत्थर लुढ़काते हैं ... उस व्यक्ति को”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 26:27 (#4)

וְגֹלֵ֣ל אֶ֑בֶן אֵלָ֥יו תָּשׁ֖וּב

“और जो पत्थर लुढ़काए, वह उलटकर उसी पर लुढ़क आएगा”

यहाँ सुलैमान **जो पत्थर लुढ़काए** का उपयोग उन व्यक्तियों के लिए करते हैं जो किसी अन्य व्यक्ति को नुकसान पहुँचाने का प्रयास करते हैं, और **उलटकर उसी पर लुढ़क** आता है, जिसका उपयोग उस व्यक्ति के नुकसान के परिणाम को दर्शाने के लिए किया जाता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सावधानीपूर्वक व्यक्त कर सकते हैं या एक उपमा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो कोई किसी को नुकसान पहुँचाने की कोशिश करता है, उसे इसके बजाय नुकसान होगा” या “जो कोई किसी को नुकसान पहुँचाने की कोशिश करता है, वह उस व्यक्ति के समान है जो पत्थर लुढ़काते हैं और पत्थर उनके ऊपर वापस आता है”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 26:27 (#5)

וְגֹלֵ֣ל אֶ֑בֶן

“और जो पत्थर लुढ़काए”

यहाँ सुलैमान का मतलब है कि व्यक्ति ने एक बड़ा **पत्थर** पहाड़ी पर धकेला ताकि वह नीचे लुढ़क कर किसी को कुचल दे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और जो एक पत्थर को पहाड़ी पर धकेलता है ताकि वह नीचे लुढ़क कर किसी को कुचल दे”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 26:27 (#6)

אֵלָ֥יו תָּשׁ֖וּב

“वह उलटकर उसी पर लुढ़क आएगा”

यहाँ सुलैमान का मतलब है कि व्यक्ति उस **पत्थर** से कुचल जाएगा जिसे उसने पहाड़ी पर लुढ़काया था। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यह नीचे लुढ़केगा और उसे कुचल देगा।”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 26:28 (#1)

לָשׁ֥וֹן־שָׁ֝שֶׁ֗ר

“झूठी बातों”

मूल भाषा में यहाँ **झूठ बोलनेवाली जीभ अपने सताए हुए लोगों से घृणा करती है** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **जिसने किसी को झूठी बातों से घायल किया हो वह उससे बैर रखता है** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। यहाँ सुलैमान एक **जीभ** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं, जो **झूठ** से विशेषित है। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। देखें कि आपने इस वाक्यांश के समान उपयोग का अनुवाद 6:17 में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: “एक झूठी जीभ”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 26:28 (#2)

לָשׁ֥וֹן & דַּכָּ֖יו

“बातों” - “घायल किया”

मूल भाषा में यहाँ **झूठ बोलनेवाली जीभ अपने सताए हुए लोगों से घृणा करती है** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **जिसने किसी को झूठी बातों से घायल किया हो वह उससे बैर रखता है** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। यहाँ, **जीभ** और **अपने** उस व्यक्ति को सन्दर्भित करते हैं जो बोल रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक व्यक्ति जो बोल रहे हैं ... उस व्यक्ति के उत्पीड़ित लोगों के साथ”

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 26:28 (#3)

וּפֶה חָלָק

“और चिकनी चुपड़ी बात”

मूल भाषा में यहाँ **और चिकना मुँह विपत्ति लाता है** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **और चिकनी चुपड़ी बात बोलनेवाला विनाश का कारण होता है** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। यहाँ, **मुँह** उस व्यक्ति को सन्दर्भित करता है जो बोल रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने 4:5 में **मुँह** के उसी उपयोग का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: “और एक व्यक्ति जो सहजता से बोलते हैं”

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 26:28 (#4)

חָלָק

“चिकनी चुपड़ी”

यहाँ सुलैमान उस व्यक्ति के चापलूसी भरे बोलने के बारे में बात करते हैं जैसे कि वह जो कहता है उसे **चिकनी चुपड़ी** बना रहा हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “चापलूसी”

देखें: रूपक

नीतिवचन 26:28 (#5)

“विनाश”

देखें कि आपने **विनाश** जैसी भाववाचक संज्ञा का 1:26 में किस प्रकार अनुवाद किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 27:1 (#1)

יֵלֶד יוֹם

“दिन भर में क्या होगा”

यहाँ सुलैमान एक विशेष **दिन** पर होने वाली घटना का उल्लेख करते हैं, जैसे कि वह **दिन** एक व्यक्ति हो जिसके द्वारा वह घटना घटित **होगा**। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसके अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक दिन क्या घटित होगा”

देखें: रूपक

नीतिवचन 27:2 (#1)

יְהַלֶּלְךָ זָר וְלֹא־פִיךָ נָכְרִי וְאַל־שְׂפָתֶיךָ

“”तेरी प्रशंसा और लोग करें तो करें, परन्तु तू आप न करना,“

सुलैमान दूसरे खंड में कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं, जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप पहले खंड से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई अजनबी आपकी स्तुति करे और न कि आप स्वयं, कोई विदेशी आपकी प्रशंसा करे और न कि आपके अपने होंठ”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 27:2 (#2)

יְהַלֶּלְךָ זָר וְלֹא־פִיךָ נָכְרִי וְאַל־שְׂפָתֶיךָ

“”तेरी प्रशंसा और लोग करें तो करें, परन्तु तू आप न करना,“

इन दोनों वाक्यों का मतलब मूल रूप से एक ही है। दूसरा वाक्य अलग-अलग शब्दों के साथ एक ही विचार को दोहराकर पहले वाक्य के अर्थ पर जोर देता है। अगर यह आपके पाठकों के लिए मददगार हो, तो आप वाक्यों को ऐसे शब्द से जोड़ सकते हैं जो दर्शाता है कि दूसरा वाक्य पहले वाक्य को दोहरा रहा है, कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई अजनबी तुम्हारी प्रशंसा करे, न कि तुम्हारा मुँह, हाँ, कोई विदेशी तुम्हारी प्रशंसा करे, न कि तुम्हारे होंठ”

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 27:2 (#3)

זָר & נָכְרִי

“और लोग” - “दूसरा”

यहाँ, **और लोग** और **दूसरा** का मतलब सामान्य रूप से अपरिचित लोगों से है, न कि विशिष्ट लोगों से। अगर यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप ज़्यादा स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का इस्तेमाल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई अजनबी ... कोई विदेशी” या “कोई अन्य व्यक्ति ... कोई बाहरी व्यक्ति”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 27:2 (#4)

“”तू आप“

इस पद में, **तू आप** और **अपनी सराहना** पूरे व्यक्ति का प्रतिनिधित्व करते हैं। मूल भाषा और यु.एल.टी में इसे इंगित करने के लिए शरीर के अंग **मुँह** और **होंठ** का इस्तेमाल हुआ है। देखें कि आपने **मेरी बातों (यु.एल.टी में मुँह)** का 4:5 में और **तू सीधी बातें (यु.एल.टी में होठ)** का 23:16 में कैसे अनुवाद किया था। देखें कि आपने 4:5 में मुंह और 23:16 में होठों के समान प्रयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 27:3 (#1)

כֹּבֶד־אֶבֶן וְנֵטֶל הַחוֹל

“पत्थर तो भारी है और रेत में बोझ है”

यहाँ सुलैमान स्वामित्व रूप का उपयोग करके कहते हैं कि **पत्थर** भारी होता है और **रेत** वजनदार होती है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “पत्थर भारी होता है और रेत वजनदार होती है”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 27:3 (#2)

וְכַעַס אֱוִיל כָּבֵד מִשְּׁנֵיהֶם

“परन्तु मूर्ख का क्रोध, उन दोनों से भी भारी है”

यहाँ सुलैमान यह बताते हैं कि मूर्ख अन्य लोगों के लिए कितने परेशान करने वाले होते हैं, जैसे कि उनके द्वारा उत्पन्न **क्रोध** का भार **पत्थर** या

रेत के भार से **भारी** हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसके अर्थ को स्पष्ट रूप से या एक उपमा का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "फिर भी मूर्ख की परेशानी को सहन करना उनमें से किसी एक को उठाने से कठिन है" या "फिर भी मूर्ख का उत्पीड़न उन दोनों से भी भारी है"

देखें: रूपक

नीतिवचन 27:3 (#3)

וְכַעַס אֱוִיל

"परन्तु मूर्ख का क्रोध"

यहाँ सुलैमान **क्रोध** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग करते हैं जो **मूर्ख** के कारण होती है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "फिर भी एक मूर्ख कितना परेशान करने वाला होता है"

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 27:4 (#1)

אַכְזְרִיּוּת חֵמָה וְשֶׁטֶף אָף

"क्रोध की क्रूरता और प्रकोप की बाढ़"

यहाँ सुलैमान **क्रोध** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग करते हैं, जिसे **क्रूरता** द्वारा और **प्रकोप** का वर्णन करने के लिए **बाढ़** द्वारा विशेषता दी जाती है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "गुस्सा क्रूर होती है और कोप एक बाढ़ है"

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 27:4 (#2)

חֵמָה & אָף

"क्रोध" - "प्रकोप"

यहाँ, **क्रोध** और **प्रकोप** क्रोध का संदर्भ देते हैं। यू.एल.टी. में **प्रकोप** को दर्शन के लिए **नाक** शब्द का इस्तेमाल हुआ है। देखें कि आपने 15:1 में **क्रोध** और **प्रकोप** के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 27:4 (#3)

וְשֶׁטֶף אָף

"और प्रकोप की बाढ़"

यहाँ सुलैमान प्रकोप की विनाशकारी शक्ति के बारे में इस तरह बात करते हैं जैसे कि यह एक **बाढ़** हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसके अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और क्रोध बाढ़ की तरह नष्ट कर देता है"

देखें: रूपक

नीतिवचन 27:4 (#4)

וּמִמִּי יַעֲמֹד לִפְנֵי קִנְאָה

"परन्तु ईर्ष्या के सामने कौन ठहर सकता है?"

सुलैमान प्रश्न के रूप का उपयोग यह ज़ोर देने के लिए कर रहे हैं कि **ईर्ष्या** कितनी ख़तरनाक है। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्न के रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इसे एक कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन निश्चित रूप से ईर्ष्या के सामने कोई भी खड़ा नहीं हो सकता!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

नीतिवचन 27:4 (#5)

יַעֲמֹד לִפְנֵי

"के सामने कौन ठहर सकता है?"

यहाँ, **सामने ठहरने** का अर्थ "प्रतिरोध करना" है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसके अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "विरोध कर सकता है।"

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 27:4 (#6)

"ईर्ष्या"

देखें कि आपने **ईर्ष्या** जैसे भाववाचक संज्ञा का 6:34 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 27:5 (#1)

מְגֻלָּה & מְסֻתָּרֶת

"खुली हुई" - "गुप्त"

यहाँ, **खुली हुई** शब्द एक **डाँट** को संदर्भित करता है जिसे कोई व्यक्ति देखता है, जबकि **गुप्त** शब्द **प्रेम** को संदर्भित करता है जिसे कोई व्यक्ति नहीं देखता। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "दृश्यमान ... अदृश्य"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 27:5 (#2)

"डाँट" - "है"

देखें कि आपने 1:23 में भाववाचक संज्ञा **डाँट** और 10:12 में **प्रेम** का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 27:6 (#1)

נֶאֱמָנִים פִּצְעֵי אוֹהֵב

"जो घाव मित्र के हाथ से लगें वह विश्वासयोग्य हैं"

यहाँ सुलैमान उस व्यक्ति की विश्वासयोग्यता के बारे में बात करते हैं जो प्रेम करता है, मानो उसके द्वारा पहुँचाए गए **घाव** एक **विश्वासयोग्य** व्यक्ति हों। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसके अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रेम करने

वाले के घाव उसकी विश्वासयोग्यता को दिखाते हैं" या "प्रेम करने वाले के घाव दिखाते हैं कि वह कितना विश्वासयोग्य है"

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 27:6 (#2)

פִּצְעֵ֥י אוֹהֵ֖ב

"जो घाव मित्र के हाथ से लगें"

यहाँ सुलैमान प्रेम करने वाले **मित्र के हाथ से** पहुँचाए गए **घाव** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे घाव जो प्रेम करने वाले मित्र द्वारा दिए गए हैं"

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 27:6 (#3)

פִּצְעֵ֥י אוֹהֵ֖ב

"जो घाव मित्र के हाथ से लगें"

यहाँ सुलैमान उस दुःख की बात कर रहे हैं जो एक व्यक्ति को तब महसूस होता है जब उसका **मित्र** उसे ऐसे डाँटता है जैसे कि वह **घाव** हो। **मित्र** के लिए यू.एल.टी में **प्यार करने वाला** शब्द इस्तेमाल हुआ है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप इसका मतलब स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "प्यार करने और डाँटने वाले के कारण होने वाला दुःख"

देखें: रूपक

नीतिवचन 27:6 (#1)

וְ֝נַעְתָּרוֹת נְשִׁיקוֹת שׂוֹנֵֽא

"परन्तु बैरी अधिक चुम्बन करता है"

यहाँ सुलैमान ने **बैर** करने वाले की धोखेबाजी के बारे में बात की है, जैसे कि वह जो **चुम्बन** देता है वह धोखेबाज व्यक्ति हो। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन जो नफरत करता है, उसके चुम्बन उसकी छल-कपट को प्रकट करते हैं" या "लेकिन जो नफरत करता है, उसके चुम्बन दिखाते हैं कि वह कितना छलपूर्ण है"

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 27:6 (#2)

וְ֝נַעְתָּרוֹת

"परन्तु बैरी (धोके भरे)"

मूल भाषा में लिखा है, '**परन्तु जो घृणा करता है उसके चुम्बन धोखे भरे होते हैं,'** परन्तु हिंदी आई.आर.वि. बाइबल में थोड़ा अलग लिखा है, **'परन्तु बैरी अधिक चुम्बन करता है'**। **धोके भरे** के रूप में अनुवादित शब्द का अर्थ "अत्यधिक" भी हो सकता है।। यदि आपके क्षेत्र में बाइबल का कोई अनुवाद मौजूद है, तो आप उसमें इस्तेमाल की गई पाठ का उपयोग कर सकते हैं। यदि आपके क्षेत्र में बाइबल का कोई अनुवाद मौजूद नहीं है, तो आप यू.एल.टी के पाठ का उपयोग करना चाहेंगे।

नीतिवचन 27:6 (#3)

נְשִׁיקוֹת שׂוֹנֵֽא

"बैरी अधिक चुम्बन करता है"

यहाँ सुलैमान **चुम्बन** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं जो **बैरी** द्वारा दिए जाते हैं। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे चुम्बन हैं जो नफरत करने वाले द्वारा दिए जाते हैं"

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 27:6 (#4)

נְשִׁיקוֹת

"अधिक चुम्बन"

यहाँ, **अधिक चुम्बन** सच्ची दोस्ती और वफ़ादारी दिखाने के लिए एक प्रतीकात्मक क्रिया है। देखें कि आपने 24:26 में इसी शब्द का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

नीतिवचन 27:6 (#5)

""

यहाँ, **मित्र (प्रेम करने वाला)** और **बैरी (नफरत करने वाला)** सामान्य रूप से लोगों के प्रकारों को संदर्भित करता है, न कि विशिष्ट लोगों को। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी व्यक्ति जो प्यार करता है ... कोई भी व्यक्ति जो नफरत करता है"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 27:7 (#1)

נֶ֭פֶשׁ שְׂבֵעָה & וְנֶ֥פֶשׁ רְעֵבָ֗ה

"सन्तुष्ट" - "परन्तु भूखे (की भूख)"

यहाँ **संतुष्ट भूक** और **भूखे** व्यक्ति की भूख से तात्पर्य सामान्य भूख से है, विशिष्ट भूख से नहीं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "किसी भी तृप्त भूख ... लेकिन किसी भी भूखे व्यक्ति की किसी भी भूख के लिए"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 27:7 (#2)

נֶ֭פֶשׁ שְׂבֵעָה

"सन्तुष्ट"

यहाँ **भूख** का तात्पर्य एक पूर्ण **सन्तुष्ट** व्यक्ति से है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसके अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक व्यक्ति जो सन्तुष्ट है" या "एक व्यक्ति जिसने भरपेट खा लिया है"

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 27:7 (#3)

“सन्तुष्ट”(भूख) - “परन्तु भूखे (की भूख)”

देखें कि आपने **भूख** जैसी भाववाचक संज्ञा का 6:30 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 27:7 (#4)

תְּבוּס נֹגֶפֶת & מָתוֹק

“”मधु का छत्ता भी फीका लगता है“

यहाँ सुलैमान का तात्पर्य है कि **सन्तुष्ट** व्यक्ति को ताजा **मधु का छत्ता भी फीका लगता है** क्योंकि उसे भूख नहीं है और वह इसे खाना नहीं चाहता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “ताजा शहद को ठुकरा देता है क्योंकि वह भूखा नहीं है”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 27:7 (#5)

וְנֶפֶשׁ רְעֵבָה

“परन्तु भूखे”(की भूख) - “को सब कड़वी वस्तुएँ भी मीठी जान पड़ती हैं”

यहाँ **भूख** का अर्थ एक **भूखे व्यक्ति** से है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसके अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “लेकिन एक व्यक्ति जो भूखा है”

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 27:7 (#6)

כָּל־מַמָּר מָתוֹק

“सब कड़वी वस्तुएँ भी मीठी जान पड़ती हैं”

यहाँ, **कड़वी** और **मीठी** इस बात का जिक्र करते हैं कि चीजें कैसे स्वाद देती हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “हर चीज जो कड़वी लगती है, वह मीठी भी लग सकती है”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 27:8 (#1)

“”चिड़िया के समान है, जो घोंसला छोड़कर उड़ती फिरती है“

अगर आपकी भाषा में यह ज़्यादा स्वाभाविक हो, तो आप इन खंडों का क्रम बदल सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जैसे कोई व्यक्ति अपने स्थान से भटक जाता है, वैसे ही पक्षी अपने घोंसले से भटक जाता है“

देखें: सूचना संरचना

नीतिवचन 27:8 (#2)

“मनुष्य ... है” - “(अपने) स्थान छोड़कर घूमनेवाला”

मूल भाषा में **अपने** शब्द का प्रयोग हुआ है जो हिंदी आई.आर.वि. बाइबल में लिखा नहीं है। देखें कि आपने **मनुष्य** और **अपने** का 6:27 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 27:9 (#1)

שֶׁמֶן וּקְטֹרֶת

“तेल और सुगन्ध”

यहाँ **तेल और सुगन्ध** सुगंधित पदार्थों को संदर्भित करते हैं जो किसी व्यक्ति की त्वचा पर लगाए जाते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “सुखद महक वाले तेल और इत्र”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 27:9 (#2)

יְשַׂמַּח־לֵבָב

“मन आनन्दित होता है”

यहाँ सुलैमान एक ऐसे व्यक्ति के बारे में बात कर रहा है जो खुशी महसूस कर रहा है, मानो उस व्यक्ति का **मन** एक ऐसा व्यक्ति हो जिसे खुश किया जा सकता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसके अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “किसी व्यक्ति को खुश करना”

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 27:9 (#3)

וּמֶמֶתֶק

“के हृदय की मनोहर सम्मति”

यहाँ, **वैसे ही** इंगित करता है कि सुलैमान जो आगे कह रहे हैं, उसकी तुलना वह पिछले वाक्यांश में कही गई बात से कर रहे हैं। जिस प्रकार **तेल और सुगन्ध मन आनन्दित करते हैं**, **उसी प्रकार उसके मित्र के हृदय की मनोहर सम्मति से मन आनन्दित होता है**। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “इसी प्रकार, मित्र की मिठास”

देखें: उपमा

नीतिवचन 27:9 (#4)

וּמֶמֶתֶק

“के हृदय की मनोहर सम्मति से”

यहाँ सुलैमान **मित्र** की दयालुता के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे वह **मनोहर** हो। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसके अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और उनके (मित्र की) दयालुता”

देखें: रूपक

नीतिवचन 27:9 (#5)

רֵעֵהוּ

(उसके) "मित्र"

मूल भाषा में **उसके मित्र** लिखा है परन्तु हिंदी आई.आर.वि. बाइबल में सिर्फ **मित्र** लिखा है। यद्यपि **उसके** पुल्लिंग है, किन्तु यहाँ इसका तात्पर्य सामान्य रूप से एक व्यक्ति से है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "किसी भी व्यक्ति का मित्र"

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 27:9 (#6)

"हृदय की मनोहर सम्मति से मन आनन्दित होता है"

वाक्यांश **हृदय की मनोहर सम्मति** का अर्थ ईमानदारी से दी गई सलाह से है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सच्ची सलाह से होती है"

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 27:10 (#1)

רֵעֲךָ֤ וְרֵעַ֙ & וּבֵ֣ית אָחִ֔יךָ אַל־תֵּלֵ֖ךְ & שָׁכֵ֑ן קָרוֹב־מֵאָ֖ח רָחוֹק

"जो तेरा और तेरे पिता का भी मित्र हो" - "अपने भाई के घर न जाना" • "

प्रेम करनेवाला पड़ोसी" - "दूर रहनेवाले भाई से कहीं उत्तम है"

यहाँ, **मित्र, घर**, **भाई**, **प्रेम करनेवाला पड़ोसी**, और **दूर रहनेवाले भाई** सामान्य रूप से चीजें और लोगों को दर्शाते हैं, न कि विशिष्ट चीजें या लोगों को। इस पद में, **भाई** सामान्य रूप से रिश्तेदारों को संदर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तुम्हारा कोई मित्र और ... का कोई भी मित्र और अपने किसी भी रिश्तेदार के घर में प्रवेश न करें ... कोई भी निकट निवासी किसी भी दूर के रिश्तेदार से"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 27:10 (#2)

בְּיֹ֥ום

"के दिन"

यहाँ, **दिन** उस समय को संदर्भित करता है जब कुछ घटित होता है। यह 24 घंटे की अवधि को संदर्भित नहीं करता है। देखें कि आपने 21:31 में **दिन** शब्द का समान प्रयोग किस प्रकार अनुवाद किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 27:10 (#3)

"अपनी विपत्ति"

देखें कि आपने **विपत्ति** का 1:26 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 27:10 (#4)

טֹ֥וב שָׁכֵ֖ן קָרוֹב־מֵאָ֑ח רָחוֹק

"प्रेम करनेवाला पड़ोसी, दूर रहनेवाले भाई से कहीं उत्तम है"

यहाँ सुलैमान का तात्पर्य है कि यह स्थिति **अपनी विपत्ति के दिन** में सत्य है, जैसा कि पिछले वाक्य में उल्लेख किया गया है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब आपको सहायता की आवश्यकता होती है, तो एक निकटवर्ती निवासी एक दूर के भाई से बेहतर होता है।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 27:11 (#1)

"हे मेरे पुत्र"

देखें कि आपने 1:8 में **पुत्र** शब्द के प्रयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 27:11 (#2)

"मेरा मन"

यहाँ, **मन** का मतलब संपूर्ण व्यक्ति है। देखें कि आपने 14:10 में **मन** शब्द का प्रयोग किस प्रकार किया है।

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 27:11 (#3)

דָּבָר & וְאֶשְׁשִׁיבָה

"तब मैं अपने" - को उत्तर दे सकूँगा"

यहाँ सुलैमान का तात्पर्य किसी को जवाब देने से है, जैसे कि **उत्तर** बोले गए हों और उन्हें किसी को लौटाना हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसके अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और मैं एक शब्द के साथ उत्तर दूँगा"

देखें: रूपक

नीतिवचन 27:11 (#4)

וְאֶשְׁשִׁיבָה

"उत्तर दे सकूँगा"

यहाँ, **पुत्र** के **बुद्धिमान** होने का परिणाम प्रस्तुत किया गया है। परिणाम को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। आपको एक नया वाक्य शुरू करने की आवश्यकता हो सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: "परिणामस्वरूप, मैं वापस आऊँगा"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

नीतिवचन 27:11 (#5)

"उत्तर"

देखें कि आपने **उत्तर** के समान उपयोग का अनुवाद 12:25 में किस प्रकार किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 27:11 (#6)

חֹרְפִ֥י

“मैं अपने निन्दा करनेवाले को”

यहाँ, **निन्दा करनेवाला** एक सामान्य व्यक्ति का प्रतिनिधित्व करता है, किसी एक विशेष व्यक्ति का नहीं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो कोई भी मेरी निंदा करता है”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 27:12 (#1)

“”बुद्धिमान मनुष्य विपत्ति को आती देखकर छिप जाता है;“

देखें कि आपने लगभग समान वाक्य का अनुवाद 22:3 में किस प्रकार किया है।

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 27:13 (#1)

“”जो पराए का उत्तरदायी हो उसका कपड़ा, ... ले ले“

देखें कि आपने समान वाक्य का अनुवाद 20:16 में किस प्रकार किया है।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 27:14 (#1)

מְבָרֵךְ רֵעֵהוּ & בַּבֹּקֶר הַשְּׁכֵּים & לוֹ

“”जो भोर को उठकर अपने पड़ोसी को ऊँचे शब्द से आशीर्वाद देता है“

जो आशीर्वाद देता है, **अपने पड़ोसी**, **भोर को**, और **उसके** आम तौर पर लोगों और भोर के प्रकारों का प्रतिनिधित्व करते हैं, किसी खास लोगों या **भोर** का नहीं। अगर यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप ज़्यादा स्वाभाविक अभिव्यक्ति का इस्तेमाल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी व्यक्ति जो किसी पड़ोसी को आशीर्वाद देता है ... किसी भी उगती सुबह को ... उस पड़ोसी को”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 27:14 (#2)

בְּקוֹל גָּדוֹל

“ऊँचे शब्द से”

यहाँ, **ऊँचे** का मतलब **शब्द** का ज़ोरदार होना है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक ज़ोरदार आवाज़ के साथ”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 27:14 (#3)

בַּבֹּקֶר הַשְּׁכֵּים

“भोर को”

यहाँ सुलैमान **भोर** का उल्लेख इस प्रकार करते हैं जैसे कि वह **उग** रहा हो क्योंकि **भोर** के समय सूर्य क्षितिज पर उगता हुआ प्रतीत होता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसके अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “सुबह में”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 27:14 (#4)

קְלָלָה תֵּחָשֶׁב לוֹ

“उसके लिये यह श्राप गिना जाता है”

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह पड़ोसी इसे एक अभिशाप के रूप में मानेंगे”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 27:15 (#1)

דֶּלֶף טִטּוֹרֵד בְּיוֹם סַגְרִיר וְאֵשֶׁת מדונים נִשְׁתָּוָה

“”झड़ी के दिन पानी का लगातार टपकना“

यहाँ, **एक से** संकेत देते हैं कि सुलैमान **झगड़ालू पत्नी** की तुलना बरसात के **दिन** लगातार **टपकने** वाले **पानी** से कर रहे हैं क्योंकि दोनों ही परेशान करने वाले होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने 19:13 में **टपकने** के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: “एक झगड़ालू महिला लगातार बारिश के दिन पर लगातार टपकते पानी की तरह परेशान करने वाली होती है” या “जैसे बरसाती दिन पर लगातार पानी का टपकना परेशान करता है, वैसे ही एक झगड़ालू महिला होती है”

देखें: उपमा

नीतिवचन 27:15 (#2)

“और झगड़ालू पत्नी”

देखें कि आपने **झगड़ालू पत्नी** का 21:9 में कैसे अनुवाद किया है।

नीतिवचन 27:16 (#1)

צְפִנֶיהָ צָפֹן

“जो उसको रोक रखे, वह वायु को भी रोक रखेगा”

मूल भाषा अर्थात यूएलटी में इस पद में जिस शब्द का अनुवाद **छिपाना (छिपा रखे/छिपा रखेगा)** किया गया है, उसे हिंदी आई.आर.वि. बाइबल में **रोकना (रोक रखे/रोक रखेगा)** शब्द के द्वारा अनुवाद किया गया है, जिस पर कुछ विद्वानों की सहमति पाई जाति है। यदि आपके क्षेत्र में बाइबल का अनुवाद उपलब्ध है, तो आप उस पठन का उपयोग करना चाहेंगे जो वह उपयोग करता है। यदि आपके क्षेत्र में बाइबल का अनुवाद उपलब्ध नहीं है, तो आप यूएलटी के पठन का उपयोग कर सकते हैं।

नीतिवचन 27:16 (#2)

צְפִנֶיהָ

“जो उसको रोक रखे”

यहाँ, **उसको** मतलब पिछले पद में उल्लेखित “झगड़ालू स्त्री” से है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो झगड़ालू महिला को छिपाता है”

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

नीतिवचन 27:16 (#3)

צֹפְנֶיהָ & יְמִינוֹ

“जो उसको रोक रखे” - “और दाहिने हाथ से”

जो उसको रोक रखे और **वह** सामान्य तौर पर झगड़ालू पत्नी वाले किसी भी पुरुष से है, किसी खास व्यक्ति से नहीं। अगर यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप ज़्यादा स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी व्यक्ति जो उसे छुपाता है ... उस व्यक्ति का दाहिना हाथ”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 27:16 (#4)

צָפַן־רָוַח וְשֶׁשֶׁמֶן יְמִינוֹ יִקְרָא

“”वह वायु को भी रोक रखेगा“

यहाँ सुलैमान झगड़ालू स्त्री को छिपाने या रोकने की बात करते हैं, जैसे कोई **वायु** को छिपाने की कोशिश कर रहा हो या अपने हाथ में **तेल** पकड़ने की कोशिश कर रहा हो, जो दोनों ही असंभव काम हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसके अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं या एक उपमा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कुछ असंभव करने की कोशिश कर रहा है” या “जैसे कोई हवा को छिपाने या अपने दाहिने हाथ में तेल पकड़ने की कोशिश कर रहा हो”

देखें: रूपक

नीतिवचन 27:16 (#5)

“पकड़ेगा”

यहाँ, **पकड़ेगा** के रूप में अनुवादित शब्द का अर्थ कुछ को हाथ में पकड़ने या थामने का प्रयास करना है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “पकड़ता है”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 27:17 (#1)

בַּרְזֶל בְּבַרְזֶל יֵחַד וְאִישׁ יַחַד פְּנֵי־רֵעֵהוּ

“”जैसे लोहा लोहे को चमका देता है,“

यहाँ, **वैसे ही** यह संकेत करता है कि सुलैमान जो वह दूसरे खंड में कहते हैं, उसकी तुलना वह पहले खंड में कहे गए से कर रहे हैं। जिस तरह **लोहा लोहे को चमका देता है**, उसी तरह **मनुष्य का मुख अपने मित्र की संगति से चमकदार हो जाता है**। अगर यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “लोहा लोहे को तेज़ करता है; इसी तरह, एक आदमी अपने पड़ोसी के चेहरे को तेज करता है”

देखें: उपमा

नीतिवचन 27:17 (#2)

בַּרְזֶל בְּבַרְזֶל יֵחַד וְאִישׁ יַחַד פְּנֵי־רֵעֵהוּ

“”जैसे लोहा लोहे को चमका देता है,“

अगर आपकी भाषा में यह ज़्यादा स्वाभाविक हो, तो आप इन खंडों का क्रम बदल सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक आदमी अपने पड़ोसी के चेहरे को ऐसे तेज़ करता है जैसे लोहा लोहे को तेज़ करता है”

देखें: सूचना संरचना

नीतिवचन 27:17 (#3)

וְאִישׁ & רֵעֵהוּ

“वैसे ही मनुष्य” - “अपने मित्र”

हालाँकि मूल भाषा में **मनुष्य** और **अपने** पुल्लिंग हैं, सुलैमान इन शब्दों का उपयोग एक सामान्य अर्थ में कर रहे हैं जो पुरुषों और महिलाओं दोनों को शामिल करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप ऐसे वाक्यांशों का उपयोग कर सकते हैं जो इसे स्पष्ट करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और एक व्यक्ति ... खुद के पड़ोसी”

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी सम्मिलित होती हैं

नीतिवचन 27:17 (#4)

“चमका” - “चमकदार”

यहाँ सुलैमान **चमका/चमकदार** शब्द का उपयोग किसी को विकसित या सुधारने के लिए करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसके अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “सुधारने में मदद करता है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 27:17 (#5)

“का मुख”

यहाँ सुलैमान ने **मुख** का इस्तेमाल किसी व्यक्ति के चरित्र या किसी व्यक्ति के सोचने के तरीके को दर्शाने के लिए करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसके अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “का चरित्र”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 27:18 (#1)

נֹצֵר תְּאֵנָה יֹאכַל פִּרְיָהּ וְשֹׁמֵר אֲדֹנָיו

“”जो अंजीर के पेड़ की रक्षा करता है वह उसका फल खाता है,“

जो रक्षा करता है, **अंजीर के पेड़**, **उसका**, **जो अपने स्वामी की सेवा करता,** और **उसकी** आम तौर पर लोगों के प्रकारों और अंजीर के पेड़ों को दर्शाता है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप ज़्यादा स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का इस्तेमाल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी व्यक्ति जो किसी अंजीर के पेड़ की रखवाली करता है, वह उस पेड़ का फल खाएगा, और कोई भी व्यक्ति जो उस व्यक्ति के मालिक की रक्षा करता है”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 27:18 (#2)

וְשֹׁמֵר

“जो” - “सेवा करता”

यहाँ, **इसी रीति से** इंगित करता है कि सुलैमान जो आगे कह रहे हैं, उसकी तुलना वह पहले के वाक्यांश में कही गई बात से कर रहे हैं। सुलैमान कह रहे हैं कि **जो अपने स्वामियों की सेवा करता (यू.एल.टी. में रक्षा करना)**, वह उसके समान हैं **जो अंजीर के पेड़ की रक्षा करता है**, क्योंकि दोनों को उनके काम के लिए इनाम मिलता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसी प्रकार जो रक्षा करता है"

देखें: उपमा

नीतिवचन 27:18 (#3)

יְכֻבָּד

"उसकी महिमा होती है"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे स्वामी उसका सम्मान करेंगे"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 27:19 (#1)

כַּמַּיִם הַפָּנִים לַפָּנִים כֵּן לֵב־הָאָדָם לָאָדָם

""जैसे जल में मुख की परछाई मुख को प्रगट करती है,"

सुलैमान कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा तो आप संदर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसे पानी चेहरे को चेहरे पर प्रतिबिंबित करता है, वैसे ही मनुष्य का हृदय मनुष्य को प्रतिबिंबित करता है"

देखें: पदलोप

नीतिवचन 27:19 (#2)

כַּמַּיִם הַפָּנִים לַפָּנִים כֵּן לֵב־הָאָדָם לָאָדָם

""जैसे जल में मुख की परछाई मुख को प्रगट करती है,"

इस पद में **जैसे** और **वैसे** शब्द संकेत करते हैं कि सुलैमान **जल** की तुलना **मनुष्य के मन** से कर रहे हैं। बात यह है कि दोनों यह प्रकट करते हैं कि कोई वास्तव में क्या है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे अधिक स्पष्ट बना सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसे पानी चेहरे को चेहरा दिखाता है, वैसे ही मनुष्य का हृदय मनुष्य को दिखाता है कि वह वास्तव में कौन है"

देखें: उपमा

नीतिवचन 27:19 (#3)

כַּמַּיִם הַפָּנִים לַפָּנִים כֵּן לֵב־הָאָדָם לָאָדָם

""जैसे जल में मुख की परछाई मुख को"

यहाँ, **जल**, **मुख**, **मन,** और **मनुष्य** सामान्य रूप से चीजों और लोगों को संदर्भित करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसे पानी किसी भी चेहरे को अपने में प्रतिबिंबित करता है, वैसे ही किसी भी व्यक्ति का हृदय उस व्यक्ति को प्रतिबिंबित करता है"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 27:19 (#4)

"का मन"

देखें कि आपने 2:2 में **मन** के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 27:20 (#1)

"अधोलोक और विनाशलोक"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 15:11 में किस प्रकार किया है।

देखें: द्विरावृत्ति (डबलेट)

नीतिवचन 27:20 (#2)

לֹא תִשְׂבַּעְנָה & לֹא תִשְׂבַּעְנָה

""तृप्त नहीं होती,"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी संतुष्ट नहीं कर सकता ... कोई भी संतुष्ट नहीं कर सकता"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 27:20 (#3)

"तृप्त नहीं होती"

यहाँ सुलैमान ने **अधोलोक और विनाशलोक** की बात करते हैं जहाँ मरे हुए लोगों के लिए जगह की कमी कमी नहीं होती, अगर वे लोग हैं जो **तृप्त नहीं होते**। उनका तात्पर्य यह है कि लोग मरना कभी नहीं छोड़ते। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कभी जगह की कमी नहीं होती"

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 27:20 (#4)

וְעֵינֵי הָאָדָם לֹא תִשְׂבַּעְנָה

"वैसे ही मनुष्य की आँखें भी तृप्त नहीं होती"

मूल भाषा में इस पद में **और** लिखा है जो हिंदी आई.आर.वि. बाइबल में नहीं उपयोग हुआ है वरन **और** शब्द की जगह **वैसे ही** का प्रयोग हुआ है। यहाँ, **वैसे ही** यह संकेत करता है कि सुलैमान जो आगे कह रहे हैं, उसकी तुलना वह पहले के वाक्यांश में कही गई बात से कर रहे हैं। जिस प्रकार **अधोलोक और विनाशलोक तृप्त नहीं होती**, **मनुष्य की आँखें भी तृप्त नहीं होती**। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसी प्रकार, मनुष्य की आँखें संतुष्ट नहीं होती हैं"

देखें: उपमा

नीतिवचन 27:20 (#5)

וְעֵינֵי הָאָדָם לֹא תִשְׂבַּעְנָה

“वैसे ही मनुष्य की आँखें भी तृप्त नहीं होती”

यहाँ **आँखें** का मतलब इच्छाओं से है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और मनुष्य की इच्छाएं संतुष्ट नहीं होतीं हैं”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 27:20 (#6)

“वैसे ही मनुष्य की आँखें भी तृप्त नहीं होती”

यहाँ सुलैमान उस **मनुष्य** के बारे में बात करते हैं जो कभी लालसा करना बंद नहीं करता, जैसे कि **उसकी आँखें** ऐसे लोग हैं जो **तृप्त नहीं होते** हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसके अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और एक पुरुष कभी इच्छा करना बंद नहीं करता”

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 27:20 (#7)

הָאָדָֽם

“मनुष्य”

हालाँकि मूल भाषा में **मनुष्य** शब्द पुल्लिंग है, सुलैमान इस शब्द का उपयोग एक सामान्य अर्थ में कर रहे हैं जिसमें पुरुष और महिलाएं दोनों शामिल हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक ऐसा वाक्यांश उपयोग कर सकते हैं जो इसे स्पष्ट करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: “एक व्यक्ति” या “कोई भी व्यक्ति”

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी सम्मिलित होती हैं

नीतिवचन 27:21 (#1)

“जैसे चाँदी के लिये कुठाली और सोने के लिये भट्ठी हैं”

देखें कि आपने 17:3 में समान खंड का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 27:21 (#2)

וְאִישׁ

“वैसे ही मनुष्य”

यहाँ, **वैसे ही** संकेत करता है कि सुलैमान जो कुछ उन्होंने पिछले वाक्य में कहा था, उसकी तुलना में आगे की बात कर रहे हैं। जिस प्रकार **कुठाली चाँदी** की अशुद्धियों को प्रकट करता है और **भट्ठी सोने** की अशुद्धियों को प्रकट करती है, उसी तरह एक **मनुष्य** का चरित्र इस बात से प्रकट होता है कि वह **उसकी प्रशंसा** करने वाले के मुँह से कैसी प्रतिक्रिया करता है। यदि यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उसी तरह, एक आदमी”

देखें: उपमा

नीतिवचन 27:21 (#3)

וְאִישׁ לְפִי מַהֲלָלוֹ

“वैसे ही मनुष्य के लिये उसकी प्रशंसा है”

यहाँ, **मनुष्य** और जो **उसकी प्रशंसा** करता है सामान्य रूप से लोगों के प्रकारों को संदर्भित करता है, न कि विशिष्ट लोगों को। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “ऐसा ही कोई भी व्यक्ति किसी व्यक्ति के मुंह के लिए है जो उस व्यक्ति की प्रशंसा करता है”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 27:21 (#4)

לְפִי מַהֲלָלוֹ

“वैसे ही मनुष्य के लिये उसकी प्रशंसा है”

सुलैमान का तात्पर्य है कि एक **मनुष्य** की परीक्षा उसके मुँह से होती है जो **उसकी प्रशंसा** करता है, ठीक वैसे ही जैसे चाँदी और सोने की परीक्षा किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा की जाती है जो उन्हें **कुठाली** या **भट्ठी** में पिघलाता है। यदि यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “प्रशंसा करने वाले के मुँह से परखा जाता है”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 27:21 (#5)

לְפִי

“वैसे ही मनुष्य के लिये उसकी प्रशंसा है”

यहाँ, किसी **मनुष्य** की **प्रशंसा** उस व्यक्ति के प्रशंसक के **मुँह** के द्वारा हुआ है, और यह पद **उसकी प्रशंसा** को संदर्भित करता है। आई.आर.वी. में मुँह और प्रशंसक का कोई उल्लेख नहीं है। देखें कि आपने 10:6 में **मुँह** शब्द का प्रयोग किस प्रकार किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 27:22 (#1)

אִאֶם תִּכְתֹּשׁ־אֶת־הָאֱוִיל ׀ בַּמַּכְתֵּשֶׁת בְּתוֹךְ הָרֲרִיפוֹת בָּעֲלֵי

“चाहे तू मूर्ख को अनाज के बीच ओखली में डालकर मूसल से कूटे”

सुलैमान इस अभिव्यक्ति का उपयोग एक काल्पनिक स्थिति प्रस्तुत करने के लिए करते हैं ताकि यह समझाया जा सके कि एक **मूर्ख** को मूर्खता से रोकना कितना व्यर्थ है। अपनी भाषा में एक काल्पनिक स्थिति प्रस्तुत करने के लिए एक स्वाभाविक विधि का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: “मान लीजिए कि आपको एक मूर्ख को पिसे हुए अनाज के बीच में मूसल से ओखली में पीसना है”

देखें: काल्पनिक स्थितियाँ

नीतिवचन 27:22 (#2)

תִּכְתֹּשׁ־אֶת־הָאֱוִיל ׀ בַּמַּכְתֵּשֶׁת בְּתוֹךְ הָרֲרִיפוֹת בָּעֲלֵי

“चाहे तू मूर्ख को अनाज के बीच ओखली में डालकर मूसल से कूटे”

शब्द **ओखली** और **मूसल** कठोर उपकरणों को संदर्भित करते हैं जो **अनाज** को कुचलने के लिए एक साथ उपयोग किए जाते हैं। यदि आपके पाठक इस प्रकार के उपकरणों से परिचित नहीं हैं, तो आप अपने क्षेत्र में कुछ समान नाम का उपयोग कर सकते हैं या आप एक अधिक सामान्य शब्द का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “आप मूर्ख को उन

उपकरणों से पीसते हैं जो अनाज को कुचलने के लिए उपयोग किए जाते हैं"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

नीतिवचन 27:22 (#3)

אֶת־הָאֱוִיל & מֵאִוַּלְתּוֹ

"मूर्ख" - "उसकी मूर्खता" - "नहीं जाने की"

यहाँ, **मूर्ख,** और **उसकी** सामान्य रूप से मूर्खों को संदर्भित करता है, किसी एक विशेष **मूर्ख** को नहीं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी मूर्ख ... उस मूर्ख की मूर्खता ... उस मूर्ख से"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 27:22 (#4)

לֹא־תָסוּר מֵאִוַּלְתּוֹ

"तो भी उसकी मूर्खता नहीं जाने की"

यहाँ सुलैमान एक ऐसे व्यक्ति की मूर्खतापूर्ण व्यवहार को रोकने में असमर्थता की बात करते हैं, जैसे कि **उसकी मूर्खता** एक व्यक्ति हो जो उससे दूर **नहीं जाती**। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसके अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह अपनी मूर्खता को नहीं रोक पाएगा"

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 27:22 (#5)

"उसकी मूर्खता"

देखें कि आपने **मूर्खता** जैसी भाववाचक संज्ञा का 5:23 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 27:23 (#1)

יָדֹעַ תֵּדַע פְּנֵי צֹאנֶךָ שִׁית לִבְּךָ לַעֲדָרִים

""अपनी भेड़-बकरियों की दशा भली भाँति मन लगाकर जान ले,"

इन दोनों खंडों का मूल रूप से एक ही अर्थ है। दूसरा खंड अलग-अलग शब्दों के साथ एक ही विचार को दोहराकर पहले के अर्थ पर जोर देता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए मददगार हो, तो आप खंडों को ऐसे शब्द से जोड़ सकते हैं जो दर्शाता है कि दूसरा खंड पहले वाले को दोहरा रहा है, कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: "अपने झुण्ड के चेहरों को अच्छी तरह से पहचानो, हाँ, झुण्डों पर अपना मन लगाओ"

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 27:23 (#2)

פְּנֵי

"की दशा"

यहाँ, **दशा** का मतलब झुण्ड में **भेड़-बकरियों** के दिखने से है, जो उनके स्वास्थ्य की स्थिति को दर्शाता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसके अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "की स्थिति"

देखें: रूपक

नीतिवचन 27:23 (#3)

צֹאנֶךָ

"अपनी भेड़-बकरियों"

मूल भाषा में जो शब्द **भेड़-बकरियों** के लिए इस्तेमाल हुआ है वह एकवचन है, लेकिन हिंदी में यह बहुवचन है। यह सभी भेड़ों या बकरियों को एक समूह के रूप में संदर्भित करता है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपकी भेड़ों का समूह"

देखें: समूहवाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 27:23 (#4)

"मन लगाकर"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 22:17 में किस प्रकार किया है।

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 27:23 (#5)

לַעֲדָרִים

"के झुण्डों की"

पिछले खंड के साथ समानांतरता यह दर्शाती है कि सुलैमान **झुण्डों** की स्थिति का उल्लेख कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "झुण्डों की स्थिति के लिए"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

Proverbs 27:24 (#1)

נֵזֶר

"राजमुकुट"

यहाँ, **राजमुकुट** एक राजा के राज्य पर शासन का संदर्भ देता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसके अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक राजा का शासन"

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 27:24 (#2)

לְדוֹר וָדוֹר

"पीढ़ी से पीढ़ी"

यह एक मुहावरा है जिसका अर्थ "सदैव के लिए" है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसके अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं।

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 27:25 (#1)

גָּלְלָה חָצִיר

“कटी हुई घास उठा ली जाती”

मूल भाषा में इस पद में लिखा है **घास गायब हो जाती है** परन्तु हिंदी आई.आर.वि. बाइबल में लिखा है **कटी हुई घास उठा ली जाती**। यहाँ सुलैमान का तात्पर्य है कि **घास गायब हो जाती है** क्योंकि किसान इसे पशुओं को खिलाने के लिए काटता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “फिर घास गायब हो जाती है जब आप इसे काटते हैं”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 27:25 (#2)

וְנִרְאָה־דֶּשֶׁא

“और नई घास दिखाई देती है”

इस वाक्यांश की शुरुआत में अनुवादित **और** शब्द यह संकेत देता है कि यह घटना पिछले वाक्यांश में वर्णित घटना के बाद हुई है। घटनाओं की श्रृंखला में अगली घटना को प्रस्तुत करने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक रूप का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: “और फिर, ताज़ा घास प्रकट होती है”

देखें: जोड़ें — अनुक्रमिक समय सम्बन्ध

नीतिवचन 27:25 (#3)

וְנִרְאָה־דֶּשֶׁא וְנֶאֱסְפוּ עִשְׂבְּוֹת הָרִים

“”और नई घास दिखाई देती है“

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: “और आप ताज़ी घास देखते हैं, और आप पहाड़ों की जड़ी-बूटियाँ इकट्ठा करते हैं”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 27:25 (#4)

עִשְׂבְּוֹת הָרִים

“पहाड़ों की हरियाली (जड़ी-बूटियाँ)”

यहाँ सुलैमान **पहाड़ों** पर उगने वाली **हरियाली** (मूल भाषा में **जड़ी-बूटियाँ**) का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जड़ी-बूटियाँ जो पहाड़ों पर उगती हैं”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 27:25–26 (#1)

גָּלְלָה חָצִיר וְנִרְאָה־דֶּשֶׁא וְנֶאֱסְפוּ עִשְׂבְּוֹת הָרִים: כְּבָשִׂים לִלְבוּשֶׁךָ וּמְחִיר שָׂדֶה עַתּוּדִים

“”

ये दो पद एक शर्तीय वाक्य हैं। यदि 27:25 में दी गई शर्तें पूरी होती हैं, तो 27:26 में वर्णित स्थिति उत्पन्न होगी। अपनी भाषा में शर्तीय वाक्यों को व्यक्त करने का सबसे स्वाभाविक तरीका अपनाएं।

नीतिवचन 27:26 (#1)

כְּבָשִׂים לִלְבוּשֶׁךָ

“तब भेड़ों के बच्चे तेरे वस्त्र के लिये होंगे”

यहाँ सुलैमान का तात्पर्य है कि **भेड़ के बच्चे** ऊन प्रदान करेंगे जिसका उपयोग **वस्त्र** बनाने के लिए किया जाएगा। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “भेड़ के बच्चे आपके कपड़ों के लिए ऊन प्रदान करेंगे”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 27:26 (#2)

וּמְחִיר שָׂדֶה עַתּוּדִים

“और बकरों के द्वारा खेत का मूल्य दिया जाएगा”

यहाँ सुलैमान का तात्पर्य है कि **नर बकरों** को **एक खेत** खरीदने के लिए पर्याप्त मूल्य में बेचा जाएगा। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और आपके बकरों को बेचने से खेत की कीमत चुकाने के लिए पर्याप्त राशि मिल जाएगी”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 27:27 (#1)

וְחַיִּים לְנַעֲרוֹתֶיךָ

“और तेरी दासियों (जवान स्त्रीयों) का भी जीवन”

यहाँ सुलैमान का तात्पर्य है कि **तेरी दासियों** (मूल भाषा में **जवान स्त्रीयों**) के लिए **जीवन** प्रदान करने के लिए **बकरियों का** पर्याप्त **दूध होगा**। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और आपकी जवान स्त्रीयों के जीवन को बनाए रखने के लिए बकरी का पर्याप्त दूध होगा”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 27:27 (#2)

וְחַיִּים

“जीवन”

यहाँ, **जीवन** का मतलब **जीवन** को बनाए रखने के लिए ज़रूरी पोषण से है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप इसका मतलब स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और पोषण”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 28:1 (#1)

“दुष्ट लोग”

सुलैमान **दुष्ट** शब्द का उपयोग संज्ञा के रूप में कर रहे हैं, जिसका अर्थ है **दुष्ट** लोग। आपकी भाषा में भी विशेषण का उपयोग इसी प्रकार से किया

जा सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद एक समकक्ष वाक्यांश के साथ कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “दुष्ट जन”

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

नीतिवचन 28:1 (#2)

וְאֵין־רֹדֵף

“जब कोई पीछा नहीं करता”

मूल भाषा में शब्द **और** का प्रयोग हुआ परन्तु हिंदी आई.आर.वि. बाइबल में और की जगह पर शब्द **जब** का उपयोग हुआ है। यहाँ, **और** पिछले वाक्यांश और अगले वाक्यांश के बीच एक विरोधाभास को दर्शाता है। विरोधाभास को दर्शाने के लिए अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: “बावजूद इसके कि उनका कोई पीछा नहीं करता”

देखें: जोड़ें – विरोधाभास सम्बन्ध

नीतिवचन 28:2 (#1)

בְּפֶשַׁע אֶרֶץ רַבִּים שָׂרֶיהָ

“देश में पाप होने के कारण उसके हाकिम बदलते जाते हैं”

के कारण यहाँ यह संकेत करता है कि **पाप** होने के कारण **देश** के **हाकिम बदलते जाते हैं**। अपनी भाषा में कारण को दर्शाने का सबसे स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: “अपराध एक कारण है जिसकी वजह से एक देश के कई शासक होते हैं”

देखें: जोड़ें – कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

नीतिवचन 28:2 (#2)

“पाप होने के कारण”

देखें कि आपने भाववाचक संज्ञा **पाप** का 10:19 में किस प्रकार अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 28:2 (#3)

אֶרֶץ & שָׂרֶיהָ

“देश” - “उसके हाकिम”

यहाँ, **देश, उसके** और **यह (आई.आर.वि.** में **सुप्रबन्ध)** उन लोगों को संदर्भित करते हैं जो एक **देश** में रहते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसके अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “देश में रहने वाले लोग ... उसके शासक हैं ... वे लोग बने रहेंगे”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 28:2 (#4)

וּבְאָדָם

“परन्तु .....मनुष्य के द्वारा”

यहाँ सुलैमान का तात्पर्य है कि **मनुष्य** एक शासक है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “लेकिन एक शासक के द्वारा”

देखें:अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 28:2 (#5)

מֵבִין יֹדֵעַ

“समझदार और ज्ञानी”

शब्द **समझदार और ज्ञानी** का अर्थ एक ही है। सुलैमान जोर देने के लिए इन दोनों शब्दों का एक साथ उपयोग कर रहे हैं। यदि आपके पाठकों के लिए यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इस जोर को एक ही वाक्यांश में व्यक्त कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “जो वास्तव में समझदार हैं”

देखें: द्विरावृत्ति (डबलेट)

नीतिवचन 28:3 (#1)

גֶּבֶר

“पुरुष”

पुरुष यहाँ सामान्य रूप से, इस प्रकार के व्यक्ति को संदर्भित करता है, न कि किसी विशेष **पुरुष** को। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक अधिक **स्वाभाविक** अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी व्यक्ति”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 28:3 (#2)

“कंगालों”

देखें कि आपने 10:15 में **कंगाल** का वही प्रयोग कैसे अनुवाद किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 28:3 (#3)

מָטָר סֹחֵף וְאֵין לָחֶם

“ऐसी भारी वर्षा के समान है जो कुछ भोजनवस्तु नहीं छोड़ती”

यहाँ सुलैमान **एक ऐसे पुरुष का उल्लेख करते हैं जो निर्धन है और जो कंगालों पर अंधेर करता है**, जैसे कि वह व्यक्ति **ऐसी भारी वर्षा के समान है जो कुछ भोजनवस्तु नहीं छोड़ती**। बात यह है कि दोनों ही विनाशकारी हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसके अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं या एक उपमा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “बहुत विनाशकारी है” या “ऐसी बारिश की तरह है जो सब कुछ बहा ले जाती है और कोई भोजनवस्तु नहीं बचता”

देखें: रूपक

नीतिवचन 28:3 (#4)

סֹחֵף

“जो कुछ... नहीं छोड़ती”

यहाँ सुलैमान का अर्थ है कि भारी वर्षा कुछ भोजनवस्तु नहीं छोड़ती। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो सारी फसलों को बहा ले जाती है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 28:3 (#5)

וְאֵין

"(और) जो कुछ...नहीं"

मूल भाषा में जहाँ शब्द **और** लिखा है वहाँ हिंदी आई.आर.वि. बाइबल में **जो** लिखा हुआ है। यहाँ, **और** यह इंगित करता है कि जो आगे आता है, वह पहले जो हुआ था उसका परिणाम है। अपनी भाषा में एक संयोजक शब्द का उपयोग करें जो यह स्पष्ट करता हो कि जो आगे आता है, वह पहले जो हुआ उसका परिणाम है। वैकल्पिक अनुवाद: "और जिसके कारण उनके पास ... नहीं बचती"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

नीतिवचन 28:3 (#6)

"भोजनवस्तु"

देखें कि आपने 9:5 में **भोजनवस्तु** के उसी प्रयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 28:4 (#1)

"जो लोग ..... छोड़ देते हैं"

देखें कि आपने 1:8में**छोड़ देना** के उसी प्रयोग का कैसे अनुवाद किया है।

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 28:4 (#2)

תּוֹרָה & תּוֹרָה

"व्यवस्था" - "व्यवस्था"

यहाँ, शब्द **व्यवस्था** एकवचन रूप में है, लेकिन यह कई व्यवस्थाओं को एक समूह के रूप में संदर्भित करता है। इस पद में, **व्यवस्था** का अर्थ हो सकता है: (1) यहोवा की व्यवस्था। वैकल्पिक अनुवाद: "यहोवा की व्यवस्था... उनकी व्यवस्था" (2) सामान्य रूप से बुद्धिमान निर्देश। वैकल्पिक अनुवाद: "बुद्धि भरे निर्देश ... वे निर्देश"

देखें: समूहवाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 28:4 (#3)

"दुष्ट"

देखें कि आपने **दुष्ट** का 9:7 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 28:4 (#4)

וְשֹׁמְרֵי

"परन्तु व्यवस्था पर चलनेवाले"

यहाँ सुलैमान **व्यवस्था** का पालन करने की बात करते हैं जैसे कि यह कोई वस्तु हो (मूल भाषा के अनुसार कोई वस्तु हो जिसे कोई रख सकता है) जिस पर **चलनेवाले** हो सकता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसके अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं, जैसा कि यू.एस.टी. में है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 28:4 (#5)

בָּם

"उनका विरोध"

यहाँ, **उनका** का संदर्भ **दुष्ट** लोगों से है, जिन्हें पिछले वाक्यांश में **वे दुष्ट** कहा गया है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन दुष्ट लोगों के विरुद्ध"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

नीतिवचन 28:5 (#1)

אַנְשֵׁי־רָע

"बुरे लोग"

यहाँ सुलैमान उन **लोगों** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं जो **बुरे** लोगों के रूप में पहचाने जाते हैं। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: "दुष्ट लोग"

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 28:5 (#2)

אַנְשֵׁי

"लोग"

हालांकि शब्द **लोग** पुरुषवाचक है, सुलैमान इस शब्द का उपयोग एक सामान्य अर्थ में कर रहे हैं जिसमें पुरुष और महिलाएं दोनों शामिल हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक वाक्यांश का उपयोग कर इसे स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "के लोग"

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 28:5 (#3)

"न्याय"

देखें कि आपने भाववाचक संज्ञा **न्याय** का 1:3 में किस प्रकार अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 28:5 (#4)

וּמְבַקְשֵׁי

"परन्तु ...को ढूँढ़नेवाले"

यहाँ सुलैमान का अर्थ **यहोवा** को जानने और प्रसन्न करने की कोशिश करना है, जैसे वह एक वस्तु हों जिसकी खोज लोगों द्वारा की जा सकती

हैं। देखें कि आपने 11:27 में "ढूँढ़नेवाले" का समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन लोग जो प्रसन्न करने की कोशिश करते हैं"

देखें: रूपक

नीतिवचन 28:5 (#5)

כֹּל

"सब कुछ"

यहाँ सुलैमान का अर्थ है कि लोग **न्याय** के बारे में **सब कुछ समझते हैं**। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे पूरी तरह से समझते हैं कि न्यायसंगत क्या है।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 28:6 (#1)

רָאשׁ הוֹלֵךְ בְּתֻמּוֹ מֵעַקֵּשׁ דְּרָכַיִם וְהוּא

"खराई से चलनेवाला निर्धन पुरुष"

यहाँ, **निर्धन पुरुष,**और **खराई से चलनेवाला** सामान्य रूप से लोगों के प्रकार को संदर्भित करते हैं, न कि विशिष्ट व्यक्तियों को। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी व्यक्ति जो दरिद्र है फिर भी वह ईमानदारी से चलता है, वह उस व्यक्ति से बेहतर है जिसके मार्ग टेढ़े हैं "

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 28:6 (#2)

הוֹלֵךְ בְּתֻמּוֹ

"खराई से चलनेवाला"

यहाँ, **चलनेवाला** इस बात का संदर्भ देता है कि एक व्यक्ति कैसे व्यवहार करता है, इस मामले में **खराई** के साथ व्यवहार करना। देखें कि आपने 3:23 में "खराई " के इस समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "जो ईमानदारी से व्यवहार करते हैं"

देखें: रूपक

नीतिवचन 28:6 (#3)

"खराई से"

देखें कि आपने **खराई** जैसी भाववाचक संज्ञा का 1:3 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 28:6 (#4)

"टेढ़ी चाल चलनेवाले ... से"

देखें कि आपने 2:15 में **टेढ़ी** के इस समान उपयोग का किस प्रकार अनुवाद किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 28:6 (#5)

"चाल"

देखें कि आपने 3:6 में **चाल** के उसी समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 28:7 (#1)

נוֹצֵר & וְרֹעֶה & אָבִיו

"जो ...का पालन करता" - "परन्तु...का संगी" - "अपने पिता का"

जो पालन करता, **परन्तु...का संगी**, और **अपने** सामान्य रूप से लोगों के प्रकार को संदर्भित करते हैं, न कि विशेष व्यक्तियों को। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी व्यक्ति जो पहरा देता है ... लेकिन कोई भी व्यक्ति जो ... का सहयोगी है ... उस व्यक्ति का पिता"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 28:7 (#2)

נוֹצֵר

"जो... पालन(रक्षा) करता"

मूल भाषा मे यहाँ 'व्यवस्था की रक्षा' वाक्यांश का प्रयोग किया गया है जिसे हिन्दी आई.आर.वि. बाइबल में 'व्यवस्था का पालन' अनुवादित किया गया है। यहाँ सुलैमान **व्यवस्था** का पालन करने की बात करते हैं जैसे कि यह कोई वस्तु हो जिसका कोई **पालन (रक्षा)** करता है। देखें कि आपने 28:4 में "पालन" के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 28:7 (#3)

"व्यवस्था"

देखें कि आपने 28:4 में **व्यवस्था** के समान उपयोग का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: समूहवाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 28:7 (#4)

"सुपूत"

देखें कि आपने 1:8 में **सुपूत** के समान प्रयोग का कैसे अनुवाद किया है।

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 28:8 (#1)

מַרְבֶּה הוֹנוֹ & לְחוֹנֵן

"जो अपना धन ब्याज से बढ़ाता है" - "जो ... अनुग्रह करता है"

जो बढ़ाता है, **अपना** और **जो अनुग्रह करता है** सामान्य रूप से लोगों के प्रकारों को संदर्भित करते हैं, न कि विशेष व्यक्तियों को। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों

का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी व्यक्ति जो अपनी संपत्ति बढ़ाता हैं ... किसी भी व्यक्ति के लिए जो कृपा दिखाता है”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 28:8 (#2)

בְּנֶגֶשְׁךָ וְתַרְבִּית

“ब्याज (और सूद) से”

मूल भाषा में **ब्याज** और **सूद** दोनों लिखा हुआ है परन्तु हिंदी आई.आर.वि. बाइबल में केवल ब्याज ही लिखा हुआ है। दो शब्द **ब्याज** और **सूद** एक ही विचार को व्यक्त करते हैं। शब्द **सूद** यह संकेत करता है कि यह व्यक्ति उन लोगों से, जो उससे रुपये-पैसे उधार लेते हैं, अत्यधिक मात्रा में **ब्याज** वसूल रहा है। यदि यह आपके भाषा में अधिक स्वाभाविक हो, तो आप इस अर्थ को एक अलग तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उधार लेने के लिए अतिरिक्त पैसे वसूल कर”

देखें: (हेंडियाडिस) द्विपद

नीतिवचन 28:8 (#3)

יִקְבָּצֶנּוּ

“बटोरता है”

यहाँ सुलैमान का अर्थ है कि **जो अपना धन बढ़ाते हैं** वे अनजाने में अपना **धन** किसी और के लिए **बटोरते** हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अनजाने में इसे इकट्ठा करते हैं”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 28:8 (#4)

“जो... अनुग्रह करता है”

देखें कि आपने 14:21 में **अनुग्रह करता है** के इस समान प्रयोग का कैसे अनुवाद किया है।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 28:8 (#5)

“कंगालों पर”

देखें कि आपने **कंगालों** का 10:15 में समान प्रयोग कैसे अनुवाद किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 28:9 (#1)

מֵסִיר אָזְנוֹ & תְּפִלָּתוֹ

“जो अपना कान ... मोड़ लेता है”- “उसकी प्रार्थना”

जो अपना...मोड़ लेता है और **उसकी** सामान्य रूप से एक प्रकार के व्यक्ति को संदर्भित करते हैं, किसी विशेष व्यक्ति को नहीं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी व्यक्ति जो स्वयं के कान को दूर करता है ... उस व्यक्ति की प्रार्थना”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 28:9 (#2)

מֵסִיר אָזְנוֹ מִשְּׁמֹעַ

“जो अपना कान ... सुनने से मोड़ लेता है”

वाक्यांश **कान सुनने से मोड़ लेता है** एक मुहावरा है जो यह दर्शाता है कि किसी की बात सुनने से इंकार करना, जैसे कि श्रोता अपना **कान** बोलने वाले व्यक्ति से **फेर** लेता है। यदि इस वाक्यांश का आपकी भाषा में वह अर्थ नहीं है, तो आप अपनी भाषा में कोई ऐसा मुहावरा इस्तेमाल कर सकते हैं जिसका वह अर्थ हो या फिर उसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो सुनने से इंकार करता है”

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 28:9 (#3)

“व्यवस्था”

देखें कि आपने 28:4 में **व्यवस्था** का समान उपयोग का किस प्रकार अनुवाद किया है।

देखें: समूहवाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 28:9 (#4)

תּוֹעֵבָה

“घृणित ठहरती है”

नीतिवचन के बाकी हिस्सों की तरह, यहाँ भी **घृणित** का अर्थ उस चीज़ से है जिसे यहोवा **घृणित** समझता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह जो यहोवा के लिए अप्रिय है”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 28:9 (#5)

“घृणित ठहरती है”

देखें कि आपने 3:32 में भाववाचक संज्ञा **घृणित** का कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 28:10 (#1)

מַשְׁגֶּה יְשָׁרִים & בִּשְׁחוּתָתוֹ הוּא־יִפֹּל

“जो सीधे लोगों को भटकाकर” - “वह अपने खोदे हुए गड्ढे में आप ही गिरता है”

जो सीधे लोगों को भटकाकर, **वह**, और **अपने** सामान्य रूप से एक प्रकार के व्यक्ति को संदर्भित करते हैं, न कि किसी विशेष व्यक्ति को। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी व्यक्ति जो सीधे लोगों को गुमराह करता है ... वह व्यक्ति अपने ही गड्ढे में गिरेगा”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 28:10 (#2)

מַשְׁגֶּגֶה יְשָׁרִים ׀ בְּדֶרֶךְ רָעָה

“जो सीधे लोगों को भटकाकर कुमार्ग में ले जाता है”

यहाँ सुलैमान का तात्पर्य किसी ऐसे व्यक्ति से है जो **सीधे लोगों** को इस प्रकार से व्यवहार करने के लिए प्रेरित करता है जो **कुमार्ग** है, मानो वह उन लोगों को एक गलत मार्ग पर ले जा रहा हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते है। देखें कि आपने “भटकाकर” का अनुवाद 12:26 में और **कुमार्ग** का 1:15 में कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: “जो धर्मी लोगों को बुरे तरीके से व्यवहार करने के लिए प्रेरित करता है“

देखें: रूपक

नीतिवचन 28:10 (#3)

“कुमार्ग में”

देखें कि आपने **कुमार्ग** को 2:12 में कैसे अनुवादित किया है।

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 28:10 (#4)

בִּשְׁחוּתָתוֹ הוּא־יִפֹּל

“वह अपने खोदे हुए गड्ढे में आप ही गिरता है”

यहाँ सुलैमान एक व्यक्ति को संदर्भित करते हैं जो किसी और को नुकसान पहुंचाने की कोशिश में अनजाने में खुद को नष्ट कर रहा है, जैसे कि वह व्यक्ति **अपने खोदे हुए गड्ढे में** आप ही गिरता है जिसे उसने किसी और को फंसाने के लिए खोदा था। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “अपने व्यवहार से खुद को नष्ट कर लेंगे”

देखें: रूपक

नीतिवचन 28:10 (#5)

“परन्तु खरे लोग”

देखें कि आपने **खरे लोग** का 2:21 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 28:10 (#6)

יִנְחָלוּ־טוֹב

“कल्याण के भागी होते हैं”

यहाँ सुलैमान **खरे लोगों** के बारे में बात करते हैं जिन्हें **कल्याण** प्राप्त होता हैं, जैसे कि **कल्याण** जायदाद या धन-सम्पत्ति हो, जिसे वे किसी परिवार के सदस्य से **विरासत** में प्राप्त कर सकते हैं। देखें कि आपने 3:35 में **विरासत** के इस समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 28:10 (#7)

“कल्याण”

देखें कि आपने भाववाचक संज्ञा **कल्याण** का 11:27 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 28:11 (#1)

בְּבַעֲינָיו אִישׁ עָשִׁיר וְדַל & יַחְקָרֶנּוּ

“धनी पुरुष” - “अपनी दृष्टि में”

धनी पुरुष, अपनी, कंगाल, और उसका सामान्य रूप में लोगों के प्रकार को संदर्भित करते हैं, न कि विशेष व्यक्तियों को। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी अमीर व्यक्ति ... उस व्यक्ति की नजरों में, लेकिन कंगाल व्यक्ति ... उस व्यक्ति को खोज निकालता है”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 28:11 (#2)

“अपनी दृष्टि में बुद्धिमान होता हैं”

देखें कि आपने **अपनी दृष्टि में बुद्धिमान** का अनुवाद 26:5 में कैसे किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 28:11 (#3)

“परन्तु ... कंगाल”

देखें कि आपने 10:15 में **कंगाल** शब्द के समान उपयोग का कैसे अनुवाद किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 28:11 (#4)

יַחְקָרֶנּוּ

“उसका मर्म समझ लेता है”

इस वाक्यांश का अर्थ है कि **एक कंगाल** यह जांचने और निर्धारित करने में सक्षम होगा कि **एक धनी पुरुष** वास्तव में **बुद्धिमान** नहीं है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसके अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यह निर्धारित करेगा कि वह वास्तव में बुद्धिमान नहीं हैं।”

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 28:12 (#1)

רַבָּבָה תִּפְאָרֶת

“तब बड़ी शोभा होती है”

यहाँ, **शोभा** का अर्थ हो सकता है: (1) लोग खुशियां या जश्न मना रहे हैं कि **धर्मी लोग** शक्तिशाली हो गए हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यह बहुत बड़ा जश्न है” (2) **धर्मी लोगों** का शासन तेजस्वी है। वैकल्पिक अनुवाद: “यह बहुत तेजस्वी है”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 28:12 (#2)

בַּעֲלֹ֣ץ צַדִּיקִ֗ים

“जब धर्मी लोग जयवन्त होते हैं”

यहाँ सुलैमान का तात्पर्य यह है कि **धर्मी लोग जयवन्त होते हैं** क्योंकि वे समृद्ध या शक्तिशाली हो गए हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जब धर्मी लोग समृद्ध होते हैं”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 28:12 (#3)

וּבְקוּם רְשָׁעִ֑ים

“परन्तु जब दुष्ट लोग प्रबल होते हैं”

यहाँ सुलैमान **दुष्ट लोगों** के शक्तिशाली होने की बात करते हैं जैसे कि वे वस्तुएं हों जो **प्रबल** हो सकती हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसके अर्थ को स्पष्ट व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “लेकिन जब दुष्ट लोग समृद्ध होते हैं”

देखें: रूपक

नीतिवचन 28:12 (#4)

יְחֻפַּשׂ אָדָֽם

“तब मनुष्य अपने आपको छिपाता है”

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: “लोग एक पुरुष की खोज करते हैं।”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 28:12 (#5)

יְחֻפַּשׂ אָדָֽם

“मनुष्य अपने आपको छिपाता है”

यहाँ, **मनुष्य** सामान्य रूप में लोगों को संदर्भित करता है, किसी विशेष **मनुष्य** को नहीं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “किसी भी व्यक्ति की खोज की जाती है”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 28:12 (#6)

יְחֻפַּשׂ אָדָֽם

“मनुष्य अपने आपको छिपाता है”

यहाँ सुलैमान का तात्पर्य यह है कि **एक मनुष्य अपने आपको छिपाता है** ताकि वह स्वयं को प्रबल **दुष्ट लोगों** से बचा सके। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “सभी उनसे छिपते हैं”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 28:13 (#1)

מְכַסֶּ֣ה פְשָׁעָ֭יו & וּמוֹדֶ֣ה

“जो अपने अपराध छिपा रखता है” - “परन्तु जो उनको मान लेता”

जो छुपाते हैं, **अपने**, और **जो मान लेता है** ये शब्द सामान्य प्रकार के लोगों को संदर्भित करते हैं, विशिष्ट लोगों को नहीं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी व्यक्ति जो अपने अपराधों को छिपाता है ... लेकिन कोई भी व्यक्ति जो स्वीकार करता है”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 28:13 (#2)

מְכַסֶּ֣ה

“जो ... छिपा रखता है”

यहाँ सुलैमान किसी के **अपराध** को छिपाने की बात करते हैं जैसे कि **अपराध** वस्तुएँ हों जिन्हें कोई **छिपा रखता** है। देखें कि आपने 10:6 में **छिपा** शब्द के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 28:13 (#3)

“अपने अपराध”

देखें कि आपने भाववाचक संज्ञा, **अपराध** का अनुवाद 10:12 में किस प्रकार किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 28:13 (#4)

וּמוֹדֶ֣ה וְעֹזֵ֑ב

“परन्तु जो उनको मान लेता और छोड़ भी देता है”

सुलैमान कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इन शब्दों को वाक्य के पहले भाग से जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “लेकिन जो अपने अपराधों को स्वीकार करता है और उन्हें छोड़ देता है”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 28:13 (#5)

יְרֻחָֽם

“उस पर दया की जाएगी”

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का प्रयोग इस प्रकार नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से कह सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक हो। संदर्भ से यह स्पष्ट होता है कि यहोवा यह कार्य करेंगे। वैकल्पिक अनुवाद: “यहोवा करुणा दिखाएंगे”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 28:14 (#1)

אַ֭שְׁרֵי & מַקְשֶׁה לְלִבּ֑וֹ

“जो मनुष्य” - “परन्तु जो अपना मन कठोर कर लेता है”

यहाँ, **जो मनुष्य**, **जो कठोर कर लेता है**, और **अपना** सामान्य रूप से लोगों के प्रकारों को संदर्भित करते हैं, न कि विशिष्ट व्यक्तियों को। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी व्यक्ति ... लेकिन कोई भी व्यक्ति जो अपने हृदय को कठोर बनाता है”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 28:14 (#2)

“जो मनुष्य निरन्तर प्रभु का भय मानता रहता है”

यहाँ, **निरन्तर भय मानता रहता है,**यहोवा का सम्मान पूर्वक भय मानने को संदर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो यहोवा का निरन्तर भय मानता है”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 28:14 (#3)

וּמַקְשֶׁה לִבּוֹ

“परन्तु जो अपना मन कठोर कर लेता है”

यहाँ सुलैमान एक व्यक्ति के यहोवा के खिलाफ जिद्दी होने की बात करते हैं जैसे कि उन्होंने **अपने मन** को कठोर बना लिया हो। यहाँ **मन** शब्द एक व्यक्ति के बुद्धि और समझ को संदर्भित करता है, जैसा कि 2:2 में है। यदि मन वह शरीर का हिस्सा नहीं है जिसे आपकी संस्कृति एक व्यक्ति की इच्छा को संदर्भित करने के लिए उपयोग करती है, तो उस अंग का उपयोग करने पर विचार करें जिसे आपकी संस्कृति इस छवि के लिए उपयोग करेगी। यदि आपकी भाषा में एक अनुवाद उपलब्ध है, तो देखें कि इसने 7:3 में इस समान अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: “लेकिन जो यहोवा के खिलाफ मन कठोर कर लेता है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 28:14 (#4)

“वह विपत्ति में पड़ता है”

देखें कि आपने लगभग समान वाक्यांश “वह विपत्ति में पड़ता है” का 13:17 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 28:15 (#1)

אֲרִי־נֹהֵם וְדֹב שׁוֹקֵק מֹשֵׁל רָשָׁע עַל עַם־דָּל

“गरजनेवाले सिंह और घूमनेवाले रीछ के समान”

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप इन उपवाक्यों के क्रम को उलटा कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक दुष्ट शासक दीन लोगों पर गर्जने वाले सिंह और आक्रमण करने वाले भालू के समान होते हैं।

देखें: सूचना संरचना

नीतिवचन 28:15 (#2)

אֲרִי־נֹהֵם וְדֹב שׁוֹקֵק

“गरजनेवाले सिंह और घूमनेवाले रीछ”

इस पद में, सुलैमान **एक दुष्ट शासक के बारे में बोलते हैं जो दीन लोगों पर शासन करता है**, जो डरावना और खतरनाक होता है जैसे कि वह **सिंह की तरह गरज रहा हो और भालू की तरह हमला कर रहा हो**। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसके अर्थ को सीधे या किसी उपमा का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “बहुत खतरनाक” या “जैसे सिंह गरज रहा हो या भालू हमला करने वाला हो”

देखें: रूपक

नीतिवचन 28:15 (#3)

מֹשֵׁל רָשָׁע עַל עַם־דָּל

“कंगाल प्रजा पर प्रभुता करनेवाला दुष्ट”

यहाँ, **प्रभुता करनेवाला दुष्ट** और **कंगाल प्रजा** सामान्य रूप में लोगों के प्रकारों को संदर्भित करते हैं, न कि विशिष्ट व्यक्तियों को। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी दुष्ट शासक जो दीन लोगों पर शासन करता है”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 28:15 (#4)

“कंगाल “

देखें कि आपने 10:15 में **कंगाल** शब्द के समान प्रयोग का कैसे अनुवाद किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 28:15 (#5)

“प्रजा”

देखें कि आपने **प्रजा** शब्द के इस समान प्रयोग का 11:14 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: समूहवाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 28:16 (#1)

נָגִיד & שֹׁשֵׁגָא

“वह शासक” - “जो ... बैरी होता है”

एक अगुवा और **जो बैरी होता है** सामान्य रूप में लोगों के प्रकार को संदर्भित करते हैं, न कि विशिष्ट व्यक्तियों को। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी अगुवा ... कोई भी व्यक्ति जो नफरत करता है”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 28:16 (#2)

תְּבוּנוֹת

“समझ”

देखें कि आपने **समझ** जैसी भाववाचक संज्ञा का 1:2 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 28:16 (#3)

וְרַב מַעֲשַׁקּוֹת

“वह बहुत अंधेर करता है”

यहाँ सुलैमान **बहुत** मात्रा में अत्याचारी कृत्यों का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कई अत्याचारी कृत्य करता है”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 28:16 (#4)

שׂנֵא

“जो ... बैरी होता है”

यह पद पिछले पद के साथ एक सशक्त विरोधाभास प्रस्तुत करता है। अपनी भाषा में विरोधाभास को इंगित करने का सबसे स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: “फिर भी, जो घृणा करता है”

देखें: जोड़ें – विरोधाभास सम्बन्ध

नीतिवचन 28:16 (#5)

“लालच का”

देखें कि आपने इस वाक्यांश का 1:19 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 28:16 (#6)

“वह दीर्घायु होता है”

देखें कि आपने 3:2 में “वह दीर्घायु होता है” जैसे समान वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 28:17 (#1)

אָדָם & נֶפֶשׁ & בִּבְצוֹר & בּוֹ

“जो” - “किसी प्राणी”

जो, **प्राणी**, **गड्ढा**, और **उसको** सामान्य रूप में लोगों और चीजों को संदर्भित करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी व्यक्ति ... कोई भी जीवन ... कोई भी गड्ढा ... वह व्यक्ति”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 28:17 (#2)

עָשֻׁשֵׁק בְּדַם־נֶפֶשׁ

“किसी प्राणी की हत्या का अपराधी”

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: “जिसे एक जीवन का रक्त सताता है”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 28:17 (#3)

עָשֻׁשֵׁק בְּדַם־נֶפֶשׁ

“किसी प्राणी की हत्या का अपराधी हो”

यहाँ, **अपराधी** का अर्थ है एक व्यक्ति का किसी की हत्या करने के लिए अपराधी होना। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “हत्या का दोषी”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 28:17 (#4)

בְּדַם

“प्राणी की हत्या का”

यहाँ, **हत्या** का अर्थ किसी को हिंसक तरीके से मारना है, जिससे आमतौर पर मारे गए व्यक्ति का **लहू** बाहर आ जाता है। देखें कि आपने 1:11 में **हत्या** के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 28:17 (#5)

נֶפֶשׁ

“प्राणी “

यहाँ, **प्राणी** एक व्यक्ति को संदर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसके अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक व्यक्ति”

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 28:17 (#6)

יָנוּס

“भागकर”

यहाँ, **भागकर** का अर्थ है कि हत्यारा अपने किए गए कार्य के लिए दण्ड से बचने का प्रयास कर रहा है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “दण्ड से बचकर भाग जाएगा” या “उनसे बचकर भागेगा जो उसे दंडित करना चाहते हैं”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 28:17 (#7)

בַּבּוֹר

“गड्ढे में”

यहाँ, **गड्ढा** का अर्थ हो सकता है: (1) मृत्यु, जब उस व्यक्ति को **गड्ढे** में दफनाया जाएगा। वैकल्पिक अनुवाद: “कब्र” या “मृत्यु” (2) एक गहरा गड्ढा या कुआं जहाँ हत्यारा छिपने की कोशिश करता है। वैकल्पिक अनुवाद: “छिपने के लिए एक गड्ढा”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 28:17 (#8)

“कोई उसको न रोकेगा”

यहाँ, **उनको** का तात्पर्य सामान्य रूप में किसी भी व्यक्ति से है जो हत्यारे की सहायता करने के बारे में सोच सकता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई समर्थन न करे” या “कोई भी व्यक्ति समर्थन न करे”

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

नीतिवचन 28:18 (#1)

הוֹלֵךְ & וְנֶעְקָשׁ

“जो सिधाई से चलता है” - “परन्तु जो टेढ़ी चाल चलता है”

जो सीधे चलते हैं और **जो टेढ़े चलते हैं** सामान्य रूप में व्यक्तियों के प्रकारों को संदर्भित करते हैं, न कि विशेष व्यक्तियों को। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी व्यक्ति जो सीधे चलता है ... लेकिन कोई भी व्यक्ति जो टेढ़ा चलता है”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 28:18 (#2)

הוֹלֵךְ תָּמִים

“जो सिधाई से चलता है”

यहाँ सुलैमान किसी ऐसे व्यक्ति को संदर्भित करते हैं जो सीधे तरीके से व्यवहार करता है जैसे कि वह व्यक्ति **सिधाई से चलता है**। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसके अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने 3:23 में “चलने” के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: “जो अपने जीवन को निष्कलंक तरीके से संचालित करता है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 28:18 (#3)

יִוָּשַׁע

“वह बचाया जाता है”

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक हो, संदर्भ से यह स्पष्ट होता है कि यहोवा यह कार्य करेंगे। वैकल्पिक अनुवाद: “यहोवा उद्धार करेंगे”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 28:18 (#4)

“परन्तु जो टेढ़ी चाल चलता है”

देखें कि आपने **जो टेढ़ी चाल चलता है** का 28:6 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 28:18 (#5)

“गिर पड़ता है”

देखें कि आपने 11:5 में **गिर पड़ता है** के इस प्रयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 28:18 (#6)

“अचानक”

यहाँ, **अचानक** का अर्थ हो सकता है: (1) एक पल में गिरना, जो गिरने की **अचानकता** को दर्शाता है। वैकल्पिक अनुवाद: “एक बार में” (2) इस व्यक्ति के **टेढ़े चाल** में से **अचानक** गिरना। वैकल्पिक अनुवाद: “उन तरीकों में से एक में”

देखें: रूपक

नीतिवचन 28:19 (#1)

“जो अपनी भूमि को जोता-बोया करता है, उसका तो पेट भरता है,”

देखें कि आपने 12:11 में इस समान पद का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 28:19 (#2)

“परन्तु जो निकम्मे लोगों की संगति करता है”

देखें कि आपने 12:11 में इस समान वाक्यांश के उपयोग का किस प्रकार अनुवाद किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 28:19 (#3)

יִשְׂבַּע־רִישׁ

“वह कंगालपन से घिरा रहता है”(गरीबी से संतुष्ट किया जाएगा)

मूल भाषा में वाक्यांश ‘गरीबी से संतुष्ट किया जाएगा’ को व्यंग्यात्मक रूप में प्रयोग किया गया हैं जिसका हिन्दी आई.आर.वि. बाइबल में प्रयोग नहीं किया गया है।

यहाँ सुलैमान व्यंग्य का उपयोग कर रहे हैं। ऐसा करके, सुलैमान वास्तव में अपने शब्दों में शाब्दिक अर्थ के विपरीत बात करना चाहते हैं। **जो निकम्मे लोगों की संगति करता है** वह **कंगालपन से घिरा** रहता है, लेकिन **कंगालपन** संतोष नहीं देता। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसके अर्थ का सीधे अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “केवल गरीबी ही होगी”

देखें: व्यंग

नीतिवचन 28:19 (#4)

“कंगालपन”

देखें कि आपने **कंगालपन** जैसी भाववाचक संज्ञा का 6:11 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 28:20 (#1)

אִישׁ אֱמוּנוֹת & וְאָץ

“सच्चे मनुष्य” - “परन्तु जो ... उतावली करता है”

सच्चे मनुष्य और **जो ... उतावली करता है** सामान्य रूप में इन प्रकार के लोगों को संदर्भित करते हैं, न कि विशेष व्यक्तियों को। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी विश्वासयोग्य व्यक्ति ... लेकिन कोई भी व्यक्ति जो उतावलेपन से कार्य करता है”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 28:20 (#2)

אִישׁ אֱמוּנוֹת

“सच्चे मनुष्य”

यहाँ सुलैमान एक **मनुष्य** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं, जो **सच्चाई** के गुणों से युक्त है। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक विश्वासयोग्य पुरुष”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 28:20 (#3)

“पर बहुत आशीर्वाद”

देखें कि आपने **बहुत** जैसी भाववाचक संज्ञा का 5:23 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 28:20 (#4)

“वह निर्दोष नहीं ठहरता”

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 6:29 में किस प्रकार किया है।

देखें: (लाइटोटीज़) कटाक्षपूर्ण उक्ति

नीतिवचन 28:21 (#1)

“पक्षपात करना”

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 24:23 में किस प्रकार किया है।

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 28:21 (#2)

“अच्छा नहीं”

देखें कि आपने 16:29 में **अच्छा नहीं** के इस समान उपयोग का किस प्रकार अनुवाद किया है।

देखें: (लाइटोटीज़) कटाक्षपूर्ण उक्ति

नीतिवचन 28:21 (#3)

“रोटी के एक टुकड़े के लिए”

यहाँ, **रोटी के एक टुकड़े** का संदर्भित हो सकता है: (1) भोजन की थोड़ी मात्रा। वैकल्पिक अनुवाद: “फिर भी थोड़े से भोजन के लिए” (2) एक छोटी रिश्वत। वैकल्पिक अनुवाद: “फिर भी थोड़े से रिश्वत के लिए”

देखें: रूपक

नीतिवचन 28:21 (#4)

גֶּבֶר

“मनुष्य”

हालांकि **मनुष्य** शब्द पुल्लिंग है, सुलैमान इस शब्द का उपयोग एक सामान्य अर्थ में कर रहे हैं, जिसमें पुरुष और महिलाएं दोनों शामिल हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक ऐसा वाक्यांश का उपयोग कर सकते है जो इसे स्पष्ट करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: “एक व्यक्ति”

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 28:21 (#5)

יִפְשַׁע

“अपराध करे”

यहाँ सुलैमान का अर्थ है कि यह व्यक्ति **पक्षपात कर**, **अपराध करेगा**, जैसा कि पिछले पद में उल्लेख किया गया है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “चेहरों को पहचानकर पक्षपात करेगा” या “किसी का पक्ष लेकर अपराध करेगा”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 28:22 (#1)

נְבֶהָל & אִישׁ & וְלֹא־יֵדַע & יְבֹאֶנּוּ

“लोभी जन “- “धन प्राप्त करने में उतावली करता है” - “और नहीं जानता” - “कि वह घटी में पड़ेगा”

जो उतावली करता है, **लोभी जन**, **वह** सामान्य रूप में लोगों के प्रकारों को संदर्भित करते हैं, न कि विशिष्ट व्यक्तियों को। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी व्यक्ति जो जल्दी करता है ... वह एक व्यक्ति है जो ... लेकिन वह व्यक्ति नहीं जानता ... उस व्यक्ति का क्या परिणाम होगा”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 28:22 (#2)

נְבֶהָהָל לַהוֹן

“लोभी जन धन प्राप्त करने में उतावली करता है”

यहाँ सुलैमान का तात्पर्य है कि यह व्यक्ति **धन प्राप्त करने में उतावली करता है**। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। देखें कि आपने इस समान वाक्यांश “लोभी जन धन प्राप्त करने में उतावली करता है” का अनुवाद 28:20 में कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: “जो व्यक्ति धन प्राप्त करने के लिए जल्दी करता है”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 28:22 (#3)

“लोभी जन”(एक दुष्ट की दृष्टि)

मूल भाषा में यहाँ ‘एक दुष्ट की दृष्टि’ वाक्यांश का प्रयोग किया गया है जिसे हिन्दी आई.आर.वि. बाइबल में ‘लोभी जन’ अनुवादित किया गया है।

देखें कि आपने समान वाक्यांश “लोभी जन” का 23:6 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 28:22 (#4)

“घटी”

देखें कि आपने **घटी** जैसी भाववाचक संज्ञा का 6:11 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 28:22 (#5)

חֶסֶר יְבֹאֶנּוּ

“वह घटी में पड़ेगा”

यहाँ सुलैमान **घटी** का अनुभव करने की बात करते हैं जैसे कि यह कोई व्यक्ति हो जो किसी पर **पड़** सकता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसके अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वे कमी का अनुभव करेंगे”

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 28:23 (#1)

מֹוכִיחַ אָדָם & מַחֲלִיק לָשׁוֹן

“जो किसी मनुष्य को डाँटता है वह”- “चापलूसी करनेवाले से अधिक प्यारा हो जाता है”

जो डाँटता है, मनुष्य, **करनेवाले से** और **चापलूसी** सामान्य रूप में लोगों के प्रकारों को संदर्भित करते हैं, न कि विशिष्ट व्यक्तियों को। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी व्यक्ति जो किसी अन्य व्यक्ति को फटकारते हैं... उनसे अधिक जो व्यक्ति अपनी जीभ से चिकनी बातें करते हैं”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 28:23 (#2)

“अन्त में”

देखें कि आपने **अन्त में** शब्द के समान उपयोग 16:20 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 28:23 (#3)

“अधिक प्यारा”

देखें कि आपने **अधिक प्यारा** जैसी भाववाचक संज्ञा का 3:4 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 28:23 (#4)

חֵן

“अधिक प्यारा”

यहाँ सुलैमान का अर्थ है कि **जो किसी मनुष्य को डाँटता है** वह अंत में डाँटनेवाले का **अधिक प्यारा हो जाता है** । यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जिसे वह डांटता है, उस पर अनुग्रह करता है”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 28:23 (#5)

מֵמַחֲלִיק לָשׁוֹן

“चापलूसी करनेवाले से अधिक”

यहाँ सुलैमान किसी की **चापलूसी करने** के संदर्भ में कह रहें हैं, जैसे कि वह व्यक्ति अपनी जीभ को चिकना बनाते हैं। यहाँ, **चापलूसी** का अर्थ बोलने से है, जैसा कि 6:17 में है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसके अर्थ को स्पष्ट व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उससे अधिक जो अपनी बातों से चापलूसी करते हैं”

देखें: रूपक

नीतिवचन 28:24 (#1)

גּוֹזֵל । אָבִיו וְאִמּוֹ & הֹוא לְאִישׁ מַשְׁחִית

“जो अपने माँ-बाप को लूटकर” - “वह नाश करनेवाले का संगी ठहरता है”

जो लूटता है, **अपने**, **वह**, और **करनेवाले** सामान्य रूप में ये लोगों के प्रकारों को संदर्भित करते हैं, न कि विशिष्ट व्यक्तियों को। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी व्यक्ति जो स्वयं के माता और पिता को लूटता है ... वह व्यक्ति ... विनाश के एक व्यक्ति का”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 28:24 (#2)

וְאֹמֵר אֵין־פָּשַׁע

“कहता है, “कुछ अपराध नहीं”

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप इसे अप्रत्यक्ष उद्धरण के रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और कहता है कि कोई अपराध नहीं है”

देखें: प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष उद्धरण

नीतिवचन 28:24 (#3)

“अपराध”

देखें कि आपने भाववाचक संज्ञा **अपराध** का 10:19 में किस प्रकार अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 28:24 (#4)

חָבֵר & לְאִישׁ מַשְׁחִית

“वह नाश करनेवाले का संगी ठहरता है”

यहाँ, **संगी** का संदर्भ केवल **नाश करनेवाले** जैसा होना है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसके अर्थ को स्पष्ट व्यक्त कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “एक विनाशक व्यक्ति के समान व्यक्ति है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 28:24 (#5)

לְאִישׁ מַשְׁחִית

“नाश करनेवाले का”

वाक्यांश **नाश करनेवाले का** एक ऐसे व्यक्ति को संदर्भित करता है जो अन्य लोगों का नाश करता है, अर्थात एक हत्यारा है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसके अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक हत्यारे का”

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 28:25 (#1)

רְחַב־נֶפֶשׁ & וּבוֹטֵחַ

“लालची मनुष्य” - “जो यहोवा पर भरोसा रखता”

लालची मनुष्य और **जो यहोवा पर भरोसा रखता** सामान्य रूप में व्यक्तियों के प्रकारों को संदर्भित करते हैं, न कि विशेष व्यक्तियों को। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी लालची व्यक्ति ... लेकिन कोई भी व्यक्ति जो भरोसा करता है”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 28:25 (#2)

רְחַב־נֶפֶשׁ

“लालची मनुष्य” (भूखा मनुष्य)

मूल भाषा मे ‘भूखा मनुष्य’ शब्द का प्रयोग किया गया हैं जिसे हिन्दी आई.आर.वि. बाइबल में ‘लालची मनुष्य’ के रूप में प्रयोग किया गया है। वाक्यांश भूखा मनुष्य **लालची** होने का संदर्भ देता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसके अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक लालची व्यक्ति”

देखें: रूपक

नीतिवचन 28:25 (#3)

יְגָרֶה

“झगड़ा मचाता है”

यहाँ सुलैमान का संदर्भ **झगड़ा** शुरू करने से है, मानो यह कुछ ऐसा है जिसे कोई व्यक्ति उकसाता है। देखें कि आपने वाक्यांश के समान उपयोग का अनुवाद 15:18 में कैसे किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 28:25 (#4)

“झगड़ा”

देखें कि आपने भाववाचक संज्ञा **झगड़ा** का 16:28 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 28:25 (#5)

יְדֻשָּׁן

“वह हष्ट-पुष्ट हो जाता है”

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: “वह हष्ट-पुष्ट होगा”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 28:25 (#6)

“वह हष्ट-पुष्ट हो जाता है”

देखें कि आपने 11:25 में **हष्ट-पुष्ट** शब्द का समान उपयोग किस प्रकार अनुवाद किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 28:26 (#1)

בּוֹטֵחַ בְּלִבּוֹ הוּא כְסִיל וְהוֹלֵךְ בְּחָכְמָה הוּא יִמָּלֵט

“”जो अपने ऊपर भरोसा रखता है, वह मूर्ख है,“

जो अपने ऊपर भरोसा रखता है, वह मूर्ख है, **जो चलता है** और **वह** सामान्य रूप में इस प्रकार के लोगों को संदर्भित करते हैं, न कि विशेष व्यक्तियों को। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी व्यक्ति जो अपने हृदय पर भरोसा करता है, वह निर्बुद्धि है, लेकिन जो व्यक्ति बुद्धिमानी से चलता है, वह बच जाएगा”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 28:26 (#2)

“जो अपने ऊपर” (अपने हृदय में)

मूल भाषा मे यहाँ ‘अपने हृदय में’ का प्रयोग किया गया है जिसे हिन्दी आई.आर.वि. बाइबल में ‘अपने ऊपर’ अनुवादीत किया गया है। यहाँ, **अपने ऊपर (अपने हृदय में)** सम्पूर्ण व्यक्ति को संदर्भित करता है। देखें कि आपने 14:10 में **अपने ऊपर** के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 28:26 (#3)

וְהוֹלֵךְ

“और जो बुद्धि से चलता है”

यहाँ सुलैमान एक व्यक्ति के **बुद्धिमानी** के साथ व्यवहार करने की बात करते हैं, मानो **बुद्धि** एक स्थान हो जिसमें वह व्यक्ति **चलता है**। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसके अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने 3:23 में “चलता” के इस समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: “जो बुद्धिमानी के साथ व्यवहार करता है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 28:26 (#4)

“बुद्धि से”

देखें कि आपने भाववाचक संज्ञा **बुद्धि** का 1:2 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 28:26 (#5)

הַהוּא יִמָּלֵט

“वह बचता है”

सुलैमान उस व्यक्ति पर जोर देने के लिए **वह** शब्द का उपयोग करते हैं जो **बचता है**। इस महत्व को दर्शाने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: “वही व्यक्ति बच जाएगा”

देखें: निजवाचक सर्वनाम

नीतिवचन 28:26 (#6)

הַהוּא יִמָּלֵט

“वह बचता है”

यहाँ सुलैमान का अर्थ है कि वह व्यक्ति खतरे से **बचता है**। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह स्वयं खतरे से बच जाएगा”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 28:27 (#1)

נוֹתֵן לָרָשׁ & וּמַעְלִים עֵינָיו

“जो निर्धन को दान देता है” - “परन्तु जो उससे दृष्टि फेर लेता है”

जो दान देता है, **जो निर्धन है, जो दृष्टि फेर लेता है**, और **वह** सामान्य रूप में लोगों के प्रकार को संदर्भित करते हैं, न कि विशेष व्यक्तियों को। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी व्यक्ति जो किसी दरिद्र व्यक्ति को दान देता है ... लेकिन कोई भी व्यक्ति जो उस व्यक्ति से अपनी आँखें फेरता है”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 28:27 (#2)

אֵין מַחְסוֹר

“उसे घटी नहीं होती”

सोलोमन यहां एक अलंकार का प्रयोग कर रहे हैं जो एक नकारात्मक शब्द, **नहीं** का प्रयोग करके एक दृढ़तापूर्वक सकारात्मक अर्थ व्यक्त करते हैं, साथ ही एक ऐसी अभिव्यक्ति का प्रयोग करते हैं जो इच्छित अर्थ के विपरीत है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप सकारात्मक अर्थ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उसके पास बहुत कुछ है”

देखें: (लाइटोटीज़) कटाक्षपूर्ण उक्ति

नीतिवचन 28:27 (#3)

“घटी “

देखें कि आपने भाववाचक संज्ञाओं **घटी** का 6:11 में और **बहुतायत** का 5:23 में कैसे अनुवाद किया है।

(मूल भाषा में इस पद में ‘बहुतायत’ का प्रयोग किया गया है जिसका हिन्दी आई.आर.वि. बाइबल में उपयोग नहीं किया गया है)

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 28:27 (#4)

וּמַעְלִים עֵינָיו

“परन्तु जो उससे दृष्टि फेर लेता है”

यहाँ सुलैमान का तात्पर्य है कि यह व्यक्ति **उससे दृष्टि फेर लेता है** ताकि **वो निर्धन** को न देख सकें, जैसा कि पिछले वाक्यांश में उल्लेख किया गया है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “परन्तु जो अपनी आंखें फेर लेते हैं ताकि वे दरिद्र को न देख सकें” या “परन्तु जो अपनी आंखें दरिद्र को देखने से फेर लेते हैं”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 28:27 (#5)

וּמַעְלִים עֵינָיו

“परन्तु जो उससे दृष्टि फेर लेता है”

यहाँ, **जो उससे दृष्टि फेर लेता है** का अर्थ दरिद्र लोगों की जरूरतों को नजरअंदाज करना, जैसे कोई उन्हें देखने से बचने के लिए अपनी **आंखें** बंद कर लेता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसके अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “परन्तु जो ध्यान देने से इन्कार करते हैं”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 28:28 (#1)

“जब दुष्ट लोग प्रबल होते हैं”

देखें कि आपने 28:12 में **प्रबल** शब्द के समान उपयोग का कैसे अनुवाद किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 28:28 (#2)

יִסָּתֵ֣ר אָדָ֑ם

“तब तो मनुष्य ढूँढ़े नहीं मिलते”

मूल भाषा में इस पद में **‘तो मनुष्य खुद को छुपा लेता है’** लिखा है, परन्तु हिंदी आई.आर.वि. बाइबल में यहाँ **‘तब तो मनुष्य ढूँढ़े नहीं मिलते’** लिखा है। यहाँ, **मनुष्य** और **खुद को** सामान्य रूप में लोगों को संदर्भित करते हैं, किसी विशेष **मनुष्य** को नहीं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी व्यक्ति छिप सकता है”

देखें: साधारण संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 29:1 (#1)

אִ֭ישׁ תּוֹכָחוֹת

“जो बार बार डाँटे जाने”

वाक्यांश **जो बार बार डाँटे जाने** यहाँ सामान्य अर्थ में एक प्रकार के व्यक्ति का प्रतिनिधित्व करता है, न कि किसी विशेष **व्यक्ति** का। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप एक अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जिसे बार-बार फटकारा जाता है”

देखें: साधारण संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 29:1 (#2)

אִ֭ישׁ תּוֹכָחוֹת

“जो बार बार डाँटे जाने”

यहाँ सुलैमान एक **पुरुष** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग करते हैं, जिसने कई **बार डाँट** खाई है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक पुरुष जिसने फटकारें प्राप्त की हैं”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 29:1 (#3)

מַקְשֶׁה־עֹ֑רֶף

“हठ करता है” (गर्दन कठोर करता है)

मूल भाषा में यहाँ **गर्दन कठोर करता है** वाक्यांश का उपयोग एक रूपक के रूप में किया गया है जो हिन्दी अनुवाद में नहीं है। यहाँ सुलैमान एक व्यक्ति के हठी होने की बात करते हैं, जैसे कि वह व्यक्ति **अपनी गर्दन** को **कड़ा** कर लेता है। यदि यह आपके लिए उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्टता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो जिद्दी हो जाता है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 29:1 (#4)

“वह अचानक नष्ट हो जाएगा और उसका कोई भी उपाय काम न आएगा”

देखें कि आपने 6:15 में समान खण्ड का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 29:2 (#1)

בִּרְבוֹ֣ת צַדִּיקִ֗ים

“जब धर्मी लोग शिरोमणि होते हैं”

यहाँ, **शिरोमणि** का अर्थ हो सकता है: (1) **धर्मी लोगों** की संख्या में वृद्धि। वैकल्पिक अनुवाद: “जब धर्मी लोगों की संख्या बढ़ती है” या “जब धर्मी लोग बहुतायत में बढ़ते हैं” (2) **धर्मी लोग** अपनी शक्ति या अधिकार बढ़ा रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जब धर्मी लोग अपनी शक्ति में वृद्धि करते हैं” या “जब धर्मी लोग अधिक शक्तिशाली बन जाते हैं”

देखें: रूपक

नीतिवचन 29:2 (#2)

הָעָ֑ם & עָ֭ם

“प्रजा”

इस पद में, **प्रजा** शब्द समूहवाचक एकवचन संज्ञा के रूप में आया है, लेकिन यह एक समूह के रूप में **प्रजा** के कई लोगों को संदर्भित करता है। देखें कि आपने 11:14 में **प्रजा** के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: समूहवाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 29:2 (#3)

“दुष्ट”

देखें कि आपने 9:7 में **दुष्ट** का अनुवाद कैसे किया।

देखें: साधारण संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 29:2 (#4)

יֵאָנֵ֥חַ

“हाय-हाय”

यहाँ, **हाय-हाय** उस ध्वनि को सन्दर्भित करता है जो **प्रजा** के लोग अपनी दुर्दशा व्यक्त करने के लिए करते हैं, जो पिछले वाक्य में **आनन्दित** होने के विपरीत है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “दुर्दशा में कराहना”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 29:3 (#1)

אֵ֭ישׁ & אָהֲבֵ֣ו וְרֹעֶ֑ה

“जो” - “अपने पिता,”

मूल भाषा में यहाँ **एक व्यक्ति** वाक्यांश का उपयोग हुआ है, जबकि हिंदी अनुवाद में सर्वनाम **जो** का उपयोग हुआ है। **जो**, **अपने**, और **संगति करनेवाला** सामान्य अर्थ में लोगों के प्रकारों को सन्दर्भित करते हैं, न कि विशिष्ट लोगों को। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी व्यक्ति ... उस व्यक्ति का पिता, लेकिन कोई भी व्यक्ति जो जुड़ता हैं”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 29:3 (#2)

“बुद्धि”

देखें कि आपने 1:2 में भाववाचक संज्ञा **बुद्धि** का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 29:3 (#3)

וְרֹעֶעָה

“परन्तु वेश्याओं की संगति करनेवाला”

सुलैमान **वेश्याओं** के साथ यौन सम्बन्ध रखने वाले व्यक्ति का उल्लेख **संगति करनेवाला** वाक्यांश का उपयोग करके शिष्ट तरीके से कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप यह शिष्ट तरीका उपयोग कर सकते हैं, या आप इसे सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “लेकिन जो उनके साथ सोता है” या “लेकिन जो उनके साथ यौन सम्बन्ध रखता है”

देखें: मंगल भाषण

नीतिवचन 29:3 (#4)

יְאַבֵּד־הוֹן

“धन को उड़ा देता है”

यहाँ, **धन को उड़ा देता है** का अर्थ है कि इस व्यक्ति ने अपने सभी रुपये-पैसे बर्बाद कर दिए हैं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अपनी संपत्ति को बर्बाद करता है”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 29:4 (#1)

מֶלֶךְ & וְאִישׁ תְּרוּמוֹת

“राजा” - “परन्तु जो बहुत घूस लेता है”

राजा और **परन्तु जो बहुत घूस लेता है** सामान्य अर्थ में लोगों के प्रकारों को सन्दर्भित करते हैं, न कि विशेष व्यक्तियों को। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी राजा तितर-बितर करता है... लेकिन कोई भी जो घूस लेता है”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 29:4 (#2)

“न्याय से”

देखें कि आपने 1:3 में भाववाचक संज्ञा **न्याय** का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 29:4 (#3)

אָרֶץ & יַהֲרֶסֶנָּה

“देश” - “उसको उलट देता है”

यहाँ, **देश** और **उसको** उन लोगों को सन्दर्भित करते हैं जो **देश** में निवास करते हैं। देखें कि आपने 28:2 में इन समान शब्दों का अनुवाद कैसे किया।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 29:4 (#4)

יַעֲמִיד אָרֶץ

“देश को स्थिर करता है”

यहाँ सुलैमान ने **देश** के लोगों को सफल होने के लिए संदर्भित किया है जैसे कि वे **स्थिर** रहेंगे। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “देश को सफल बनाते हैं”

देखें: रूपक

नीतिवचन 29:4 (#5)

“परन्तु जो बहुत घूस लेता है”

यह सन्दर्भित कर सकता है: (1) जो कोई रिश्वत माँगता है। वैकल्पिक अनुवाद: “लेकिन जो व्यक्ति रिश्वत माँगता है” (2) एक शासक जो अपने अधीन लोगों से अत्यधिक कर वसूलता है। वैकल्पिक अनुवाद: “लेकिन जो कर माँगता है” या “लेकिन एक व्यक्ति जो अपनी भूमि से जबरन वसूली करता है”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 29:4 (#6)

וְאִאִישׁ

“परन्तु जो”

इस पद में दोनों उपवाक्यों के बीच समानता यह संकेत देती है कि यहाँ **जो** शब्द का अर्थ **राजा** या अगुवा से है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “लेकिन एक शासक”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 29:4 (#7)

יַהֲרֶסֶנָּה

“उसको उलट देता है”

यहाँ सुलैमान **देश** के लोगों को असफल होने के लिए संदर्भित कर रहे हैं जैसे कोई उन्हें **उलट दे** रहा हो। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्टता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "देश को असफल बनाते हैं"

देखें: रूपक

नीतिवचन 29:5 (#1)

גֶּבֶר & רֵעֵהוּ & פְּעָמָיו

"जो पुरुष" - "(अपने पड़ोसी) किसी से"

मूल भाषा में यहाँ पर **पड़ोसी से** वाक्यांश आया है, जबकि हिन्दी अनुवाद में **किसी से** वाक्यांश का उपयोग किया गया है। **जो पुरुष** और **उसके** सामान्य अर्थ में लोगों के प्रकार को सन्दर्भित करते हैं, न कि विशिष्ट व्यक्तियों को। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी व्यक्ति ... उस व्यक्ति का पड़ोसी ... उस व्यक्ति के पैर"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 29:5 (#2)

מַחֲלִיק עַל־רֵעֵהוּ

"किसी से चिकनी चुपड़ी बातें करता है"

मूल भाषा में यहाँ "उसके पड़ौसी" वाक्यांश आया है, जबकि हिंदी अनुवाद में **किसी से** आया है जो कि समान अर्थ को व्यक्त करते हैं। यहाँ सुलैमान उस व्यक्ति के बारे में बात कर रहे हैं जो चापलूसी करते हुए ऐसा बोलता है जैसे वह जो कह रहा है उसे **चिकना** बना रहा हो। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो अपने पड़ोसी से चापलूसी करता है"

देखें: रूपक

नीतिवचन 29:5 (#3)

רֶשֶׁת פּוֹרֵשׂ עַל־פְּעָמָיו

"वह उसके पैरों के लिये जाल लगाता है"

यहाँ सुलैमान का मतलब किसी व्यक्ति को धोखा देना है, जैसे कोई **जाल** बिछा रहा हो ताकि उस व्यक्ति के **पैरों** को फँसाया जा सकें। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप अर्थ को सीधे या एक उपमा के रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उस व्यक्ति को धोखा देना" या "जैसे कोई अपने पड़ोसी को पकड़ने के लिए जाल बिछाता है"

देखें: रूपक

नीतिवचन 29:5 (#4)

"उसके पैरों"

यहाँ, **पैरों** का अर्थ पूरे व्यक्ति से है। देखें कि आपने 7:11 में **पैरों** के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 29:6 (#1)

"अपराध"

देखें कि आपने 10:19 में भाववाचक संज्ञा **अपराध** का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 29:6 (#2)

אִישׁ רָע & וְצַדִּיק

"बुरे मनुष्य का" - "परन्तु धर्मी

यहाँ, **बुरे मनुष्य** और **धर्मी** सामान्य अर्थ में लोगों के प्रकार का प्रतिनिधित्व करते हैं, न कि विशिष्ट व्यक्तियों का। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। देखें कि आपने 9:9 में **धर्मी** का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी दुष्ट व्यक्ति ... लेकिन कोई भी धर्मी व्यक्ति"

देखें: साधारण संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 29:6 (#3)

מוֹקֵשׁ

"फंदा होता है"

यहाँ सुलैमान एक व्यक्ति के बारे में बात करते हैं जो अपने जीवन को खतरे में डालता है जैसे कि वह एक पशु हो जो **फंदे** में फँस जाता है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने 22:25 में **फंदे** का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "वह अपने जीवन को खतरे में डालता है" या "खतरा है"

देखें: रूपक

नीतिवचन 29:7 (#1)

"धर्मी" - "दुष्ट"

देखें कि आपने 9:9 में **धर्मी** का और 9:7 में **दुष्ट** का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: साधारण संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 29:7 (#2)

יֹדֵעַ & דָּעַת

"मन लगाता है" - "समझ"

इस पद में, **मन लगाता है** और **समझ** का अर्थ है **कंगालों के मुकद्दमे** के प्रति चिन्ता दिखाना। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "के बारे में चिंतित होना.....चिन्ता"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 29:7 (#3)

דִּין

“मुकद्दमे में”

यहाँ, **मुकद्दमे में** का अर्थ **कंगालों के** कानूनी अधिकारों से है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “के लिए न्याय”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 29:7 (#4)

“कंगालों”

देखें कि आपने 10:15 में **कंगालों** के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया।

देखें: रूपक

नीतिवचन 29:7 (#5)

רָשָׁע

“दुष्ट”

यह खण्ड पिछले खण्ड के साथ एक स्पष्ट विरोधाभास प्रस्तुत करता है। अपनी भाषा में विरोधाभास को इंगित करने का सबसे स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: “इसके विपरीत, एक दुष्ट व्यक्ति”

देखें: जोड़ें – विरोधाभास सम्बन्ध

नीतिवचन 29:8 (#1)

אַנְשֵׁי לָצוֹן

“ठट्ठा करनेवाले लोग”

यहाँ सुलैमान **लोगों** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं, जो **ठट्ठा** करने वाले हैं। यदि आपकी भाषा में स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उपहास करने वाले लोग”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 29:8 (#2)

יָפִיחוּ

“फूँक देते हैं”

यहाँ सुलैमान उन लोगों का उल्लेख करते हैं जो **एक नगर** के निवासियों को इस तरह क्रोधित और हिंसक बना देते हैं जैसे वे **नगर** में आग लगा रहे हों। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप अर्थ को सीधे रूप में व्यक्त कर सकते हैं या एक उपमा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “क्रोधित करना” या “आग लगाने वालों के समान”

देखें: रूपक

नीतिवचन 29:8 (#3)

קִרְיָה

“नगर”

यहाँ, **नगर** उन लोगों को सन्दर्भित करता है जो **नगर** में निवास करते हैं। देखें कि आपने 11:10 में **नगर** के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 29:8 (#4)

“ क्रोध को ठंडा करते हैं”

मूल भाषा में यहाँ “नाक फेर लेते हैं” वाक्यांश का उपयोग हुआ है, जबकि हिंदी अनुवाद में **क्रोध को ठंडा करते हैं** वाक्यांश का उपयोग हुआ है। यहाँ सुलैमान ने लोगों को गुस्सा करना बंद करने के लिए संदर्भित किया है, जैसे कि वे उस व्यक्ति से अपनी नाक फेर लेते हो जिससे वे क्रोधित हो। देखें कि आपने 24:18 में इसी तरह के वाक्यांश “क्रोध उस पर से हटा” का अनुवाद कैसे किया।

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 29:9 (#1)

אִישׁ־חָכָם & אֶת־אִישׁ אֱוִיל וְרָגַז

“”बुद्धिमान“ - “मूर्ख”

शब्द **बुद्धिमान**, **मूर्ख**, और **वह** सामान्य अर्थ में लोगों के प्रकार का प्रतिनिधित्व करते हैं, न कि विशिष्ट व्यक्तियों का। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। देखें कि आपने 16:14 में **बुद्धिमान** का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी बुद्धिमान व्यक्ति ... किसी भी मूर्ख व्यक्ति के साथ, लेकिन वह मूर्ख व्यक्ति...”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 29:9 (#2)

“वाद-विवाद करता है”

यहाँ, **वाद-विवाद करता है** का अर्थ किसी के साथ कानूनी विवाद शुरू करना है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कचहरी जाता है” या “मुकदमा शुरू करता है”।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 29:9 (#3)

וְרָגַז

“क्रोधित होता”

यहाँ मूल भाषा में “काँपना” शब्द का उपयोग हुआ है जबकि हिंदी अनुवाद में **क्रोधित होता** वाक्यांश का उपयोग हुआ है। यहाँ, **क्रोधित होता** उस **मूर्ख** व्यक्ति को सन्दर्भित है जो गुस्से में हिंसक इशारे कर रहा है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “लेकिन वह हिंसक इशारे करता है।”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 29:9 (#4)

וְשָׂחַק

“और ठट्ठा करता है”

यहाँ, **ठट्ठा करता है** उपहासपूर्ण तरीके से हँसने को सन्दर्भित करता है, न कि आनन्दमय हँसी को। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा,

तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और उपहासपूर्वक हँसता है”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 29:9 (#5)

וְאֵין נָחַת

“और वहाँ शान्ति नहीं रहती”

इसका अर्थ हो सकता है: (1) **वाद-विवाद** का कोई समाधान नहीं निकलेगा। वैकल्पिक अनुवाद: “और वे समस्या का समाधान नहीं कर पाएँगे” (2) **मूर्ख** व्यक्ति शान्त नहीं रहेगा। वैकल्पिक अनुवाद: “और वह ऐसा करना बन्द नहीं करेगा”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 29:10 (#1)

אַנְשֵׁי דָמִים

“हत्यारे लोग”

यहाँ सुलैमान स्वामित्व रूप का उपयोग उन **लोगों** का उल्लेख करने के लिए करते हैं जो अन्य लोगों का लहू बहाते हैं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वे लोग जो दूसरों का लहू बहाते हैं” या “वे लोग जो दूसरों की हत्या करते हैं”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 29:10 (#2)

“खरे पुरुष”

देखें कि आपने 11:5 में इस वाक्यांश का और 2:21 में “खरे पुरुष” का अनुवाद कैसे किया।

देखें: साधारण संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 29:10 (#3)

“और सीधे लोगों के प्राण की खोज करते हैं”

यहाँ, वाक्यांश **प्राण की खोज** का अर्थ हो सकता है: (1) **सीधे लोग** जो **खरे पुरुष** के **प्राण** की रक्षा करना चाहते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उसके जीवन की रक्षा करना चाहते हैं” (2) **हत्यारे लोग** जो **खरे पुरुष** को मारना चाहते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और वे खरे पुरुष को मारना चाहते हैं”

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 29:11 (#1)

“मूर्ख” - “परन्तु बुद्धिमान”

देखें कि आपने 10:18 में **मूर्ख** का और 1:5 में **बुद्धिमान** को कैसे अनुवादित किया।

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 29:11 (#2)

כָּל־רֽוּחוֹ יוֹצִיא

“अपने सारे मन की बात खोल देता है”

मूल भाषा में यहाँ **आत्मा बाहर निकालता है** वाक्यांश आया है, जबकि हिन्दी अनुवाद में **अपने मन की बात खोल देता है** वाक्यांश का उपयोग हुआ है। यहाँ सुलैमान एक व्यक्ति को सन्दर्भित करते हैं जो अपनी **सारी** भावनाओं को इस तरह से व्यक्त करता है जैसे उसकी भावनाएँ एक **आत्मा** हों जिसे वह **बाहर निकालता** है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अपनी सभी भावनाओं को खुलेआम व्यक्त करता है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 29:11 (#3)

בְּאָחוֹר יְשַׁבְּחֶנָּה

“और शान्त कर देता है”

यहाँ सुलैमान एक व्यक्ति को सन्दर्भित करते हैं जो अपनी भावनाओं की अभिव्यक्ति को नियंत्रित करता है, जैसे कि वह उन भावनाओं को **शान्त** करता है ताकि वे उसके अन्दर **रुक** जाएँ। इस वाक्यांश का अर्थ पिछले खण्ड में **सारे मन की बात खोल देता है** के विपरीत है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अपनी भावनाओं को खुलकर व्यक्त करने से खुद को रोकता है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 29:12 (#1)

מֹשֵׁל & דְּבַר־שָׁשֶׁקֶר & מְשָׁרְתָיו

“हाकिम” - “झूठी बात”

हाकिम, **झूठी बात** और **उसके** किसी विशेष व्यक्ति या झूठे वचन की नहीं, बल्कि सामान्य रूप से लोगों और झूठी बातों की ओर संकेत करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी शासक... झूठ का कोई भी शब्द ... उस व्यक्ति के सेवक”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 29:12 (#2)

מַקְשִׁיב עַל

“कान लगाता है”

यहाँ, **कान लगाता है** का अर्थ है कि यह **हाकिम** उस पर विश्वास करता है जो वह सुनता है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो विश्वास करता है”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 29:12 (#3)

“झूठी बात”

देखें कि आपने 13:5 में इस वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 29:13 (#1)

רָרָשׁ וְאִאִישׁ תְּכָכִים

“निर्धन और अंधेर करनेवाले व्यक्तियों”

निर्धन और **अंधेर करनेवाले** लोगों के प्रकार को सन्दर्भित करते हैं, न कि विशेष व्यक्तियों को। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो व्यक्ति दरिद्र है और जो अत्याचार करता है”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 29:13 (#2)

וְאִאִישׁ תְּכָכִים

“अंधेर करनेवाले व्यक्तियों “

यहाँ सुलैमान **व्यक्तियों** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं, जो अन्य लोगों पर अत्याचार करते हैं। यदि आपकी भाषा में स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह मनुष्य जो दूसरों पर अत्याचार करता है”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 29:13 (#3)

“समानता”

मूल भाषा में यहाँ **एक साथ मिलते हैं** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिंदी अनुवाद ऐसा नहीं करता है। देखें कि आपने 22:2 में **समानता** का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 29:13 (#4)

מֵמְאִיר־עֵינֵי שְׁנֵיהֶם

“दोनों की आँखों में ज्योति देता है”

यहाँ, **दोनों की आँखों में ज्योति देता है** एक मुहावरा है जिसका अर्थ है “किसी को जीने में सक्षम करना” या “किसी को जीवित रखना”। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को स्पष्टता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह जो दोनों को जीने में सक्षम बनाता है”

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 29:14 (#1)

מֶלֶךְ & כִּסְאוֹ

“राजा” - “उसकी गद्दी”

राजा और **उसकी** शब्द सामान्य अर्थ में राजाओं को सन्दर्भित करते हैं, किसी विशेष **राजा** को नहीं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। देखें कि आपने 29:4 में **राजा** का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी राजा ... उसका सिंहासन”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 29:14 (#2)

“कंगालों”

देखें कि आपने 10:15 में **कंगालों** के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया।

देखें: रूपक

नीतिवचन 29:14 (#3)

“सच्चाई से”

देखें कि आपने 8:7 में भाववाचक संज्ञा **सच्चाई** का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 29:14 (#4)

“उसकी गद्दी सदैव स्थिर रहती है”

देखें कि आपने 25:5 में इस वाक्यांश का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 29:14 (#5)

לָעַד

“सदैव”

सुलैमान यहाँ जोर देने के लिए **सदैव** को अतिशयोक्ति के रूप में कहते हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप जोर देने के लिए एक अलग तरीके का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “बहुत लम्बे समय तक”

देखें: अतिशयोक्ति

नीतिवचन 29:15 (#1)

שֵׁבֶט וְתוֹכַחַת יִתֵּן חָכְמָה

“छड़ी और डाँट से बुद्धि प्राप्त होती है”

सुलैमान कुछ ऐसे शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अगले खण्ड से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “छड़ी और डाँट लड़के को बुद्धिमान बनाती हैं।”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 29:15 (#2)

שֵׁבֶט וְתוֹכַחַת יִתֵּן חָכְמָה

“छड़ी और डाँट से बुद्धि प्राप्त होती है”

यहाँ सुलैमान उन लोगों के बारे में बात करते हैं जो किसी को समझदार बनाने के लिए **छड़ी और डाँट** का उपयोग करते हैं, जैसे कि **छड़ी और डाँट** वे लोग हैं जिनसे कोई कुछ **प्राप्त** कर सकता है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्टता से व्यक्त कर सकते

हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “छड़ी और फटकार का उपयोग एक लड़के को बुद्धिमान बना सकता है”

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 29:15 (#3)

“छड़ी”

देखें कि आपने 10:13 और 13:24 में **छड़ी** के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 29:15 (#4)

“और डाँट” - “बुद्धि,”

देखें कि आपने भाववाचक संज्ञाओं **डाँट** को 1:25में, **बुद्धि** को 1:2में, और **लज्जा** को 6:33 में कैसे अनुवादित किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 29:15 (#5)

וְנַעַר & אִמּוֹ

“परन्तु जो लड़का” - “अपनी माता”

यहाँ, **जो लड़का** और **अपनी** शब्द सामान्य अर्थ में बच्चों को सन्दर्भित करते हैं, किसी विशेष **लड़के** को नहीं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “लेकिन कोई भी बालक ... उस बालक की माता”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 29:15 (#6)

מְמֻשָּׁלָה

“ऐसे ही छोड़ा जाता है”

यहाँ, **ऐसे ही छोड़ा जाता है** एक मुहावरा है जो किसी व्यक्ति को वह सब करने देने का सन्दर्भ देता है जो वह व्यक्ति करना चाहता है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप एक समकक्ष मुहावरा उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को सीधे बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जिसे अपने आप पर छोड़ दिया गया” या “जिसे जो वह करना चाहता है करने की अनुमति दी गई”

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 29:15 (#7)

מְמֻשָּׁלָה

“ऐसे ही छोड़ा जाता है”

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: “जिसे उसके माता-पिता ने ऐसे ही छोड़ दिया हो” या “जिसे उसके माता-पिता अनुशासित नहीं करते”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 29:16 (#1)

בִּרְבוֹת רְשָׁעִים

“दुष्टों के बढ़ने से”

यहाँ, **बढ़ने** का अर्थ हो सकता है: (1) **दुष्टों** की संख्या में वृद्धि। वैकल्पिक अनुवाद: “जब दुष्टों की संख्या बढ़ती है” या “जब दुष्टों की संख्या अत्यधिक बढ़ जाती है” (2) **दुष्टों** की शक्ति या अधिकार में वृद्धि। वैकल्पिक अनुवाद: “जब दुष्टों की शक्ति में वृद्धि होती है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 29:16 (#2)

“अपराध”

देखें कि आपने 10:19 में **अपराध** जैसी भाववाचक संज्ञा का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 29:16 (#3)

“उनका गिरना”

यदि आपकी भाषा में **गिरना** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उनका पतन”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 29:16 (#4)

“उनका गिरना”

यहाँ, **गिरना** का अर्थ हो सकता है: (1) **दुष्टों** का विनाश, इस स्थिति में **गिरना** का अर्थ 11:5 में “गिर जाता” के समान होगा। वैकल्पिक अनुवाद: “उनका विनाश” (2) **दुष्टों** का अपनी शक्ति या अधिकार खो देना। वैकल्पिक अनुवाद: “उनकी शक्ति का ह्रास”

देखें: रूपक

नीतिवचन 29:17 (#1)

“अपने बेटे”

देखें कि आपने 1:8 में **बेटे** का अनुवाद कैसे किया।

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 29:17 (#2)

וְיַנִיחֲךָ

“तब उससे तुझे चैन मिलेगा”

यहाँ, **तब** अपने **बेटे** को अनुशासित करने के परिणाम को प्रस्तुत करता है। परिणाम को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। आपको एक नया वाक्य शुरू करने की आवश्यकता हो सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: “परिणामस्वरूप, वह तुझे शांति देगा”

देखें: जोड़ें— कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

नीतिवचन 29:17 (#3)

וְיִתֵּן מַעֲדַנִּים לְנַפְשֶׁךָ

“और तेरा मन सुखी हो जाएगा”

यहाँ सुलैमान एक **बेटे** द्वारा अपने माता-पिता को प्रसन्न करने की बात करते हैं जैसे कि **सुख** कोई वस्तु हो जिसे वह उन्हें दे सकता है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को स्पष्टता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और वह तेरे प्राण को आनन्दित करेगा”

देखें: रूपक

नीतिवचन 29:17 (#4)

“तेरा मन”

मूल भाषा में यहाँ “तेरी आत्मा” वाक्यांश का उपयोग हुआ है, जबकि हिंदी अनुवाद में **तेरा मन** आया है। देखें कि आपने 2:10 में **मन** के समान उपयोग का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 29:18 (#1)

חָזוֹן

“दर्शन”

यहाँ, **दर्शन** विशेष रूप से उस जानकारी को सन्दर्भित करता है जो यहोवा भविष्यद्वक्ताओं को प्रकट करते हैं ताकि वे इसे **लोगों** को बता सकें। इसे भविष्यवाणी या ईश्वरीय प्रकाशन भी कहा जाता है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “भविष्यवाणी ” या “प्रकाशन ”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 29:18 (#2)

“लोग”

देखें कि आपने 11:14 में **लोगों** के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: समूहवाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 29:18 (#3)

יִפָּרַע

“(छोड़ दिया) निरंकुश हो जाते हैं”

मूल भाषा में यहाँ **छोड़ दिया गया है** वाक्याँश आया है जिसे हिन्दी में **निरंकुश** के रूप में अनुवादित किया गया है। यहाँ सुलैमान का अर्थ, अव्यवस्थित या अनियंत्रित रूप से व्यवहार करने वाले **लोग** से है, जैसे कि उन्हें रोके जाने से खुला **छोड़ दिया गया है**। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्टता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अव्यवस्थित व्यवहार करना” या “नियंत्रण से बाहर होना”

देखें: रूपक

नीतिवचन 29:18 (#4)

וְשֹׁמֵר תּוֹרָה אַשְׁרֵהוּ

“परन्तु जो व्यवस्था को मानता है वह धन्य होता है”

यहाँ, **जो मानता है** और **वह** सामान्य अर्थ में एक प्रकार के व्यक्ति को सन्दर्भित करते हैं, न कि किसी विशेष व्यक्ति को। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “लेकिन जो कोई भी व्यवस्था का पालन करता है, वह व्यक्ति धन्य है”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 29:18 (#5)

“परन्तु जो व्यवस्था को मानता है”

देखें कि आपने 28:4 में “व्यवस्था को मानता” जैसे वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया।

देखें: रूपक

नीतिवचन 29:19 (#1)

עֶבֶד & יָבִין

“दास” - “वह समझकर”

दास और **वह** सामान्य रूप में सेवक को सन्दर्भित करते हैं, किसी विशेष **दास** को नहीं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी दास ... वह व्यक्ति समझता है”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 29:19 (#2)

לֹא־יִוָּסֵר עָבֶד

“दास बातों ही के द्वारा सुधारा नहीं जाता”

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी सेवक को शब्दों से नहीं सुधारेगा।”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 29:19 (#3)

“बातों ही के द्वारा “

देखें कि आपने 1:23 में **बातों** के समान उपयोग का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 29:19 (#4)

“मानता”

मूल भाषा में यहाँ “उत्तर” शब्द का उपयोग हुआ है जबकि हिंदी अनुवाद में **मानता** शब्द का प्रयोग हुआ है जो दोनों ही दास की प्रतिक्रिया को संदर्भित करते हैं। देखें कि आपने 15:1में **मानता** का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 29:20 (#1)

חָזִיתָ אִישׁ אָץ בִּדְבָרָיו

“क्या तू बातें करने में उतावली करनेवाले मनुष्य को देखता है?”

हालांकि इब्रानी पाठ को प्रश्न के रूप में नहीं लिखा गया है, कई अनुवाद इस वाक्यांश को एक आलंकारिक प्रश्न बना देते हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप इसे एक प्रश्न के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। देखें कि आपने 22:29 में **देखता है** के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: “क्या तूने किसी मनुष्य को अपने शब्दों में जल्दबाजी करते हुए देखा है?”

देखें: आलंकारिक प्रश्न

नीतिवचन 29:20 (#2)

“बातें करने में उतावली करनेवाले मनुष्य”

देखें कि आपने 6:27 में **मनुष्य** और **उसके** का अनुवाद कैसे किया।

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी सम्मिलित होती हैं

नीतिवचन 29:20 (#3)

אָץ בִּדְבָרָיו

“बातें करने में उतावली”

यहाँ, **बातें करने में उतावली** एक मुहावरा है जिसका अर्थ है “क्या कहना है, इस बारे में सोचने से पहले बोलना”। यदि इस वाक्यांश का आपकी भाषा में यह अर्थ नहीं है, तो आप अपनी भाषा से ऐसा कोई मुहावरा उपयोग कर सकते हैं जिसका यह अर्थ हो या अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “बिना तैयारी के बोलना” या “जो बिना सोचे बोलता है।”

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 29:20 (#4)

“उससे अधिक तो मूर्ख ही से आशा है”

देखें कि आपने इस वाक्य का अनुवाद 26:12 में किस प्रकार किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 29:21 (#1)

“जो अपने दास को... लाड़-प्यार से पालता है”

यहाँ, **जो** और **उसका** व्यक्तियों के सामान्य प्रकार को सन्दर्भित करते हैं, किसी विशेष व्यक्ति को नहीं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यदि कोई व्यक्ति अपने दास को प्यार करता है”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 29:21 (#2)

מִנֹּעַר

“लड़कपन से ही “

यहाँ सुलैमान का मतलब है कि **लड़कपन** का सन्दर्भ **सेवक** की **युवा** अवस्था से है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उस सेवक की युवा अवस्था से”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 29:21 (#3)

“लड़कपन से ही”

देखें कि आपने 2:17 में **लड़कपन** का अनुवाद कैसे किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 29:21 (#4)

וְאַחֲרִיתוֹ

“अन्त में”

यहाँ, **अन्त** परिणाम को सन्दर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। देखें कि आपने 14:12 में **अन्त** के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 29:21 (#5)

מָנוֹן

“वह दास अन्त में उसका बेटा बन बैठता है”

मूल भाषा में यहाँ **तो उसका अंत अहंकार होगा** वाक्ययांश का प्रयोग हुआ है। हिंदी अनुवाद में **वह दास अन्त में उसका बेटा बन बैठता है** लिखा है, जिसका अर्थ है कि वह अहंकारी बन जाता है। यदि आपकी भाषा में **अहंकार** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अहंकारी हो जाता है”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 29:22 (#1)

וּבַעַל חֵמָה רַב־פָּשַׁע

“क्रोध करनेवाला मनुष्य झगड़ा मचाता है”

सुलैमान दूसरे खण्ड में कुछ शब्द छोड़ रहे हैं, जो कई भाषाओं में एक खण्ड को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि यह आपकी भाषा में स्पष्ट होगा, तो आप पहले खण्ड से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “क्रोध करनेवाला व्यक्ति झगड़ा उत्पन्न करता है, और अधिक क्रोध करनेवाला बहुत अपराध करता है।”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 29:22 (#2)

אִישׁ־אַף יְגָרֶה מָדוֹן וּבַעַל חֵמָה רַב־פָּשַׁע

“क्रोध करनेवाला मनुष्य झगड़ा मचाता है”

मूल भाषा में यहाँ “नाक वाला व्यक्ति” वाक्यांश का उपयोग हुआ है, जबकि हिंदी अनुवाद में **क्रोध करने वाला मनुष्य** वाक्यांश का उपयोग हुआ है। ये दोनों खण्ड मूल रूप से एक ही बात का अर्थ रखते हैं। दूसरा खण्ड पहले खण्ड के अर्थ को जोर देकर दोहराता है, लेकिन अलग शब्दों

में। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप **और** के अलावा किसी अन्य शब्द के साथ वाक्यांशों को जोड़ सकते हैं, जो यह दर्शाता है कि दूसरा वाक्यांश पहले को दोहरा रहा है, कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: "झगड़ालू व्यक्ति विवाद करता है, हाँ, क्रोधित व्यक्ति बहुत अपराध करता है।"

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 29:22 (#3)

אִישׁ־אַף & וּבַבַּעַל חֵמָה

"क्रोध करनेवाला मनुष्य" - "और अत्यन्त क्रोध करनेवाला"

क्रोध करनेवाला मनुष्य और **अत्यन्त क्रोध करनेवाला** वाक्यांश सामान्य अर्थ में एक प्रकार के मनुष्य को सन्दर्भित करते हैं, न कि किसी विशेष मनुष्य को। यदि यह आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी क्रोध करनेवाला... और कोई भी अत्यन्त क्रोध करनेवाला"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 29:22 (#4)

"क्रोध करनेवाला मनुष्य" - "अत्यन्त क्रोध करनेवाला"

देखें कि आपने 22:24 में **क्रोध** और **अत्यन्त क्रोध** के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 29:22 (#5)

"झगड़ा मचाता है"

देखें कि आपने 15:18 में समान वाक्यांश का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: रूपक

नीतिवचन 29:22 (#6)

"अपराधी"

देखें कि आपने भाववाचक संज्ञा **अपराधी** का अनुवाद 10:19 में किस प्रकार किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 29:23 (#1)

"गर्व"

देखें कि आपने 8:13 में **गर्व** जैसी भाववाचक संज्ञा का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 29:23 (#2)

אָדָם תַּשְׁפִּילֶנּוּ וּשְׁפַל־רוּחַ

"मनुष्य को... नीचा देखना पड़ता है"

यहाँ, **मनुष्य**, सामान्य अर्थ में लोगों के प्रकारों को सन्दर्भित करता है, न कि विशिष्ट व्यक्तियों को। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी मनुष्य उस मनुष्य को नीचा दिखाएगा, लेकिन जो कोई आत्मा में दीन है।"

देखें: साधारण संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 29:23 (#3)

תַּשְׁפִּילֶנּוּ

"नीचा देखना पड़ता है"

यहाँ, **नीचा** का अर्थ अपमानित या लज्जित होना है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसे लज्जित होना पड़ेगा"

देखें: रूपक

नीतिवचन 29:23 (#4)

וּשְׁפַל־רוּחַ

"परन्तु नम्र आत्मावाला"

यहाँ, **नम्र** का अर्थ विनम्र होना है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन जो आत्मा से नम्र है"

देखें: रूपक

नीतिवचन 29:23 (#5)

רוּחַ

"आत्मा"

यहाँ, **आत्मा** एक व्यक्ति के रवैये को सन्दर्भित करता है। देखें कि आपने 18:14 में **आत्मा** के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 29:23 (#6)

"महिमा का अधिकारी होता है"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 11:16 में किस प्रकार किया।

देखें: रूपक

नीतिवचन 29:24 (#1)

חוֹלֵק עִם־גַּנָּב שׂוֹנֵא נַפְשׁוֹ אָלָה יִשְׁמָע

"जो चोर की संगति करता है वह अपने प्राण का बैरी होता है"

जो चोर की संगति करता है, **चोर**, **अपने** और **वह** सामान्य अर्थ में लोगों के प्रकारों को सन्दर्भित करते हैं, न कि विशिष्ट व्यक्तियों को। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी व्यक्ति जो किसी चोर का साथी होता है, वह अपने जीवन से घृणा करता है; वह एक शपथ खाएगा"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 29:24 (#2)

חוֹלֵ֣ק עִם־גַּנָּ֑ב

“जो चोर की संगति करता है”

यहाँ, **संगति करता** का मतलब है कि यह व्यक्ति **चोर** की मदद करता है और **चोर** उसे चोरी की गई वस्तुओं का हिस्सा देता है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह जो चोर की मदद करता है और उसकी लूट में हिस्सा लेता है” या “चोर का साथी”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 29:24 (#3)

שׂוֹנֵ֣א

“बैरी”

यहाँ सुलैमान एक व्यक्ति को सन्दर्भित करते हैं जो खुद को नुकसान पहुँचा रहा है, जैसे कि वह स्वयं का बैरी हो। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं या एक उपमा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “नुकसान पहुँचाता है” या “ऐसे कार्य करता है जैसे वह स्वयं से घृणा करता हो”

देखें: रूपक

नीतिवचन 29:24 (#4)

נַפְשׁ֗ו

“अपने प्राण”

यहाँ, **प्राण** व्यक्ति को सन्दर्भित करता है। देखें कि आपने 8:36 में **प्राण** के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 29:24 (#5)

אָלָ֤ה יִשְׁמָע֙

“ शपथ खाने पर”

यहाँ, **शपथ** उस श्राप को सन्दर्भित करती है जो किसी के खिलाफ बोला जाएगा जिसने किसी आपराधिक मामले में सत्य नहीं बोला या महत्वपूर्ण जानकारी प्रकट नहीं की, जैसा कि लैव्यव्यवस्था 5:1–6 में वर्णित है। वह साक्षी जो इस **शपथ** को सुनता है, जानता है कि यहोवा उसे दण्डित करेंगे यदि वह सत्य नहीं बोलता है तो। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह उस श्राप को सुनेगा जो अपराध के बारे में चुप रहने वालों के विरुद्ध बोला जाता है” या “वह सुनेगा और जानेगा कि यदि वह कुछ नहीं कहेगा तो उसे शापित किया जाएगा”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 29:24 (#6)

וְלֹ֥א יַגִּ֖יד

“बात को प्रगट नहीं करता”

यहाँ सुलैमान का मतलब है कि यह व्यक्ति उस अपराध के बारे में कुछ **प्रगट नहीं** करेगा जिसे वह जानता है कि **चोर** ने किया है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “लेकिन यह नहीं बताएगा कि चोर ने क्या किया”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 29:25 (#1)

“भय”

मूल भाषा में यहाँ **घबराहट** शब्द का उपयोग किया गया है, जबकि हिंदी अनुवाद में **भय** शब्द का उपयोग हुआ है। देखें कि आपने **भय** जैसी भाववाचक संज्ञा का अनुवाद 15:16 में किस प्रकार किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 29:25 (#2)

אָדָ֥ם & וּבוֹטֵ֖חַ

“मनुष्य” - “परन्तु जो यहोवा पर भरोसा रखता है”

यहाँ, **मनुष्य** और **जो भरोसा रखता है** शब्द सामान्य अर्थ में लोगों के प्रकारों को सन्दर्भित करते हैं, न कि विशिष्ट व्यक्तियों को। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी व्यक्ति ... परन्तु जो कोई भी विश्वास करता है”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 29:25 (#3)

יִתֵּ֥ן מוֹקֵ֖שׁ

“फंदा हो जाता है”

यहाँ सुलैमान उस व्यक्ति के बारे में बात करते हैं जो अपने लिए परेशानी खड़ी करता है, जैसे कि उसका **भय** एक व्यक्ति हो जो उसके लिए **फंदा** बन **जाता है** और उसे फँसा लेता है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप अर्थ को सीधे या एक उपमा का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उसे परेशानी में डाल देता है” या “जैसे कोई जाल बिछाता है”

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 29:25 (#4)

יְשֻׂגָּ֑ב

“उसका स्थान ऊँचा किया जाएगा”

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: “उसे ऊँचा किया जाएगा”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 29:25 (#5)

“उसका स्थान ऊँचा किया जाएगा”

देखें कि आपने 18:10 में **स्थान ऊँचा किया जाएगा** के समान उपयोग का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: रूपक

नीतिवचन 29:26 (#1)

מְבַקְּשִׁים פְּנֵי־מוֹשֵׁל

“हाकिम से भेंट करना”

मूल भाषा में यहाँ **हाकिम का मुख** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिंदी अनुवाद में **हाकिम से भेंट** वाक्यांश का उपयोग हुआ है। यहाँ सुलैमान का अर्थ है कि ये लोग **हाकिम से भेंट करना** चाहते हैं ताकि वे किसी प्रकार से उससे सहायता प्राप्त कर सकें। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “लोग अधिपति से मिलने का प्रयास करते हैं ताकि उससे सहायता प्राप्त कर सकें।”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 29:26 (#2)

מְבַקְּשִׁים פְּנֵי

“करना... चाहते हैं”

मूल भाषा में यहाँ **मुख देखना चाहते हैं** वाक्याँश आया है जिसे हिन्दी में **भेंट करना** के रूप में अनुवादित किया गया है। यहाँ सुलैमान उन लोगों की बात करते हैं जो **हाकिम** से मिलने का प्रयास करते हैं, जैसे कि हाकिम का **मुख** एक वस्तु हो जिसे लोग **खोजने** का प्रयास करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वे जो मिलने का प्रयास करते हैं”

देखें: रूपक

नीतिवचन 29:26 (#3)

פְּנֵי

“(दर्शन) भेंट करना”

यहाँ, **(दर्शन) भेंट करना** का मतलब व्यक्ति की उपस्थिति में होना है। देखें कि आपने 7:15 में **(दर्शन) भेंट करना** के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 29:26 (#4)

מוֹשֵׁל & אִישׁ

“हाकिम”

यहाँ, **हाकिम** और **लोग** सामान्य अर्थ में हाकिमों और अन्य लोगों को सन्दर्भित करते हैं, किसी विशेष **हाकिम** या **लोगों** को नहीं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी शासक... कोई भी व्यक्ति”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 29:26 (#5)

מִשְׁפַּט־אִישׁ

“मनुष्य का न्याय”

यहाँ सुलैमान **न्याय** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं जो **मनुष्य** के लाभ के लिए है। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मनुष्य के लिए न्याय है” या “मनुष्य की ओर से न्याय है”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 29:26 (#6)

“का न्याय”

देखें कि आपने **न्याय** जैसी भाववाचक संज्ञा का अनुवाद 1:3 में किस प्रकार किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 29:27 (#1)

“घृणा करते हैं” - “से घृणा करता है”

देखें कि आपने भाववाचक संज्ञा **घृणा** का अनुवाद 3:32 में कैसे किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

Proverbs 29:27 (#2)

אִאִישׁ עָוֶל וְתוֹעֲבַת רָשָׁע יְשַׁר־דֶּרֶךְ

“कुटिल मनुष्य (अन्याय का व्यक्ति है),”

मूल भाषा में यहाँ “अन्याय का व्यक्ति” वाक्यांश का उपयोग हुआ है, जबकि हिंदी अनुवाद में **कुटिल व्यक्ति** वाक्यांश का उपयोग हुआ है। यहाँ, **कुटिल मनुष्य**, **दुष्ट जन** और **सीधी चाल चलने वाले** सामान्य रूप से लोगों के प्रकारों को संदर्भित करते हैं, न कि विशिष्ट व्यक्तियों को। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। देखें कि आपने **दुष्ट जन** का अनुवाद 9:7 में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी अन्याय के व्यक्ति के लिए, किसी भी दुष्ट व्यक्ति के लिए सीधे मार्ग पर चलने वाला व्यक्ति घृणित है।”

देखें: साधारण संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 29:27 (#3)

אִאִישׁ עָוֶל

“कुटिल मनुष्य”

यहाँ सुलैमान **कुटिलता** से विशेषित एक **मनुष्य** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक अन्यायी मनुष्य”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 29:27 (#4)

יְשַׁר־דָּרֶךְ

“(सीधा मार्ग) सीधी चाल”

मूल भाषा में यहाँ **सीधा मार्ग** वाक्यांश आया है जिसे हिन्दी में **सीधी चाल** के रूप में अनुवादित किया गया है। यहाँ सुलैमान एक **मार्ग** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं, जो **सीधा** होने की विशेषता रखता है। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह जिसका चाल-चलन सीधा है”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 29:27 (#5)

דָּרֶךְ

“चाल”

यहाँ सुलैमान **चाल** का उपयोग यह बताने के लिए करते हैं कि लोग कैसे व्यवहार करते हैं। देखें कि आपने 1:15 में **चाल** का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 30:1 (#1)

“वचन”

देखें कि आपने **वचन** का 1:6 में किस प्रकार अनुवाद किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 30:1 (#2)

אָגוּר & יָקֵה & לְאִיתִיאֵל לְאִיתִיאֵל וְאֻכָל

“आगूर” - “याके,” - “ईतीएल और उक्काल से यह कहा”

आगूर, **याके**, **ईतीएल**, और **उक्काल** यह पुरुषों के नाम हैं।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

नीतिवचन 30:1 (#3)

הַמַּשָּׂא

“प्रभावशाली”

यहाँ, **प्रभावशाली** उस चेतावनी संदेश को संदर्भित करता है जिसे यहोवा भविष्यद्वक्ताओं को प्रकट करते हैं ताकि वे इसे अन्य लोगों को बता सकें। क्योंकि इस संदेश में चेतावनी या धमकी होती थी, इसलिए इसे सुनने वाले व्यक्ति के लिए **प्रभावशाली** माना जाता था। मूल भाषा में इस शब्द का अर्थ **भार** है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यहोवा की चेतावनी”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 30:1 (#4)

הַגֶּבֶר

“उस पुरुष”

यहाँ, **उस पुरुष** का संदर्भ **आगूर** से है। हिंदी अनुवाद में **आगूर** के लिए कोई भी विशेषण का प्रयोग नहीं किया गया है। यदि यह आपके लिए सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “आगूर, मजबूत पुरुष,”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 30:1 (#5)

לְאִיתִיאֵל לְאִיתִיאֵל וְאֻכָל

“ईतीएल और उक्काल से”

सभी इब्री पांडुलिपियाँ **ईतीएल और उक्काल को** पढ़ा जाता है। यु.एल.टी उस पठन का अनुसरण करता है। इस पाठ के अन्य प्राचीन अनुवादों में लिखा है “मैं थक गया हूँ, हे परमेश्वर। मैं थक गया हूँ और थका हुआ हूँ, हे परमेश्वर,“ जो इब्रानी शब्दों के एक संभावित अर्थ पर आधारित है। यदि आपके क्षेत्र में बाइबल का अनुवाद उपलब्ध है, तो आप उस पठन का उपयोग कर सकते हैं जो यह उपयोग करता है। यदि आपके क्षेत्र में बाइबल का अनुवाद उपलब्ध नहीं है, तो आप आई.आर.वी के पठन का उपयोग कर सकते हैं।

देखें: पाठ्य भिन्नताएँ

नीतिवचन 30:1 (#6)

“ईतीएल”

मूल भाषा में यहाँ लेखक ने **ईतीएल** का नाम दो बार दोहराया हैं ताकि यह जोर दिया जा सके कि यह **वचन** सबसे पहले किसे दी गई थी। हिंदी अनुवाद में यह पुनरावृत्ति नहीं है। यदि आपकी भाषा में ऐसा करने के लिए पुनरावृत्ति का उपयोग नहीं होता है, तो आप एक वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं और किसी अन्य तरीके से जोर दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “ईतीएल को, वास्तव में, ईतीएल को”

देखें: द्विरावृत्ति

नीतिवचन 30:2 (#1)

בַּבַּעַר אָנֹכִי מֵאִישׁ וְלֹא־בִינַת אָדָם לִי

“”निश्चय मैं पशु सरीखा हूँ, वरन् मनुष्य कहलाने के योग्य भी नहीं“

आगूर इन दोनों उपवाक्यों को जोर देने के लिए अत्यधिक वक्तव्यों के रूप में प्रस्तुत करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप जोर देने के लिए एक अलग तरीका अपना सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मुझे ऐसा प्रतीत होता है कि मैं एक पुरुष से अधिक निर्बुद्धि हूँ, और मानव जाति की समझ मुझमें नहीं है।”

देखें: अतिशयोक्ति

नीतिवचन 30:2 (#2)

כִּי

“”

30:2–33 आगूर द्वारा कही गई बातों का एक विस्तृत उद्धरण है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इसे उद्धरण चिह्नों या किसी अन्य विराम चिह्न या परंपरा के साथ इंगित कर सकते हैं जो आपकी भाषा उद्धरण को इंगित करने के लिए उपयोग करती है।

देखें: उद्धरण चिह्न

नीतिवचन 30:2 (#3)

בַּבָּעַר אָנֹכִי מֵאִישׁ וְלֹא־בִינַת אָדָם לִי

“”निश्चय मैं पशु सरीखा हूँ, वरन् मनुष्य कहलाने के योग्य भी नहीं;“

इन दोनों वाक्यांशों का मूल रूप से एक ही अर्थ है। दूसरा वाक्यांश अलग शब्दों के द्वारा एक ही विचार को दोहराकर पहले के अर्थ पर जोर देता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए मददगार होगा, तो आप वाक्यांशों को **और** के अलावा किसी अन्य शब्द से जोड़ सकते हैं ताकि यह दिखाया जा सके कि दूसरा वाक्यांश पहले वाले को दोहरा रहा है, कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: “मैं एक आदमी से भी ज्यादा मूर्ख हूँ, हाँ, मानव जाति की समझ मेरी नहीं है”

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 30:2 (#4)

מֵאִישׁ & אָדָם

“”मनुष्य“

इस पद में, **मनुष्य** का तात्पर्य सामान्य लोगों से है, किसी विशिष्ट **मनुष्य** से नहीं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “किसी भी व्यक्ति से अधिक ... किसी भी व्यक्ति से अधिक”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 30:2 (#5)

“समझ”

देखें कि आपने **समझ** जैसी भाववाचक संज्ञा का 1:2 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 30:3 (#1)

וְלֹא־לָמַדְתִּי חָכְמָה וְדַעַת קְדֹשִׁים אֵדָע

“”न मैंने बुद्धि प्राप्त की है,“

आगूर इन दो खंडों को विशेष रूप से जोर देने के लिए अत्यधिक वक्तव्यों के रूप में प्रस्तुत करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप जोर देने के लिए एक अलग तरीका अपना सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और मुझे ऐसा प्रतीत होता है कि मैंने बुद्धि नहीं सीखी है, न ही मुझे पवित्र जनों का ज्ञान प्राप्त हुआ है।”

देखें: अतिशयोक्ति

नीतिवचन 30:3 (#2)

“”बुद्धि“

देखें कि आपने भाववाचक संज्ञाओं **बुद्धि** का 1:2 में और **ज्ञान** का 1:4 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 30:3 (#3)

קְדֹשִׁים

“परमपवित्र”

यहाँ, **परमपवित्र** का अर्थ हो सकता है: (1) यहोवा के रूप में **परमपवित्र,** जिसमें बहुवचन रूप का उपयोग उनकी महानता को दर्शाने के लिए किया गया है। वैकल्पिक अनुवाद: “पवित्र जन” (2) स्वर्गीय प्राणी, जिनमें परमेश्वर और स्वर्गदूत शामिल हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “पवित्र प्राणी”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 30:4 (#1)

“”कौन स्वर्ग में चढ़कर फिर उतर आया?`“

इस पद में, लेखक ने चार बार प्रश्नवाचक रूप का उपयोग करके इस बात पर जोर दिया है कि यहोवा लोगों से कितना महान हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग नहीं करना चाहते हैं, तो आप इसे कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “निश्चय ही, कोई भी मनुष्य स्वर्ग में नहीं चढ़ा और न ही उतरा! निश्चय ही, यहोवा के अलावा किसी ने भी अपनी मुट्ठी में हवा को नहीं समेटा है! निश्चय ही, यहोवा के अलावा किसी ने भी जल को अपने वस्त्र में नहीं लपेटा है! निश्चय ही, यहोवा के अलावा किसी ने भी पृथ्वी के सभी छोरों को ऊपर नहीं उठाया है!”

देखें: आलंकारिक प्रश्न

नीतिवचन 30:4 (#2)

עָלָה־שָׁמַיִם ׀ וַיֵּרָד

“स्वर्ग में चढ़कर फिर उतर आया?”

यहाँ, आगूर किसी व्यक्ति के उस स्थान पर जाने और वहाँ से लौटने की बात करते हैं जहाँ परमेश्वर निवास करते हैं, मानो स्वर्ग एक ऐसा स्थान है जहाँ कोई ऊपर जा सकता है या नीचे आ सकता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उस स्थान पर गए और लौटे जहाँ यहोवा निवास करते हैं”

देखें: रूपक

नीतिवचन 30:4 (#3)

מִמִּי אָסַף־רוּחַ ׀ בְּחָפְנָיו

“किसने वायु को अपनी मुट्ठी में बटोर रखा है? “

यहाँ, आगूर **वायु** को नियंत्रित करने की बात करते हैं जैसे कि यह कुछ ऐसा हो जिसे कोई व्यक्ति बटोर सके और अपने हाथ की मुट्ठी में रख सके। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “किसने हवा को नियंत्रित किया है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 30:4 (#4)

בְּחָפְנָיו

“अपनी मुट्ठी में”

यहाँ, जिस शब्द का अनुवाद **मुट्ठी** किया गया है, उसका तात्पर्य किसी के हाथ की हथेली से है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो

आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसके हाथों की हथेलियों में"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 30:4 (#5)

מִמִּי צָרַר־מַיִם ׀ בַּשִּׂמְלָה

"किसने महासागर को अपने वस्त्र में बाँध लिया है?"

यहाँ, आगूर बादलों में वर्षा जल को इस तरह से संग्रहीत करने की बात करते हैं जैसे कि **महासागर** समान जल कुछ ऐसा हो जिसे कोई व्यक्ति **वस्त्र में बाँध** सके। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। यदि आपकी भाषा में अनुवाद उपलब्ध है, तो 26:8 में **जल** के समान उपयोग को देखें। वैकल्पिक अनुवाद: "किसने बादलों में जल को संग्रहीत किया है"

देखें: रूपक

नीतिवचन 30:4 (#6)

מִמִּי הֵקִים כָּל־אַפְסֵי־אָרֶץ

"किसने पृथ्वी की सीमाओं को ठहराया है?"

यहाँ, आगूर सूखी भूमि की सीमाएँ निर्धारित करने की बात करते हैं जैसे कि **पृथ्वी की सीमा** कुछ ऐसे हों जिन्हें कोई व्यक्ति **ठहरा** सकता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जहाँ भूमि समाप्त होती है वहाँ की सीमाएँ निर्धारित की हैं" या "पृथ्वी के छोरों के लिए सीमाएँ चिह्नित की हैं"

देखें: रूपक

नीतिवचन 30:4 (#7)

מַה־שְּׁמוֹ וּמַה־שֵּׁם־בְּנוֹ כִּי תֵדָע

"उसका नाम क्या है? और उसके पुत्र का नाम क्या है? यदि तू जानता हो तो बता!"

आगूर यहाँ व्यंग का उपयोग करते हैं यह जोर देने के लिए कि कोई भी व्यक्ति उन चीजों को नहीं जानता जो इस पद में पहले वर्णित की गई हैं क्योंकि ऐसा व्यक्ति अस्तित्व में नहीं है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से अनुवादित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "निश्चित रूप से, आप में से कोई भी उस व्यक्ति का नाम नहीं जानता जिसने यह किया है या उसके पुत्र का नाम नहीं जानता क्योंकि ऐसा व्यक्ति अस्तित्व में नहीं है!"

देखें: व्यंग

नीतिवचन 30:5 (#1)

"ताया हुआ"

यहाँ, आगूर का मतलब है कि **परमेश्वर** जो कहते हैं वह सत्य है, जैसे उनकी बातें धातु हैं जिसे किसी ने पिघलाया और अवांछित सामग्री को हटा दिया। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने वाक्यांश "शुद्ध सोना" का अनुवाद 8:19 में कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "सत्य प्रमाणित हुआ है"

देखें: रूपक

नीतिवचन 30:5 (#2)

מָגֵן הֽוּא

"वह" - "ढाल ठहरा है"

यहाँ, आगूर **परमेश्वर** के बारे में बात करते हैं जो लोगों की रक्षा करते हैं जैसे कि वे एक **ढाल** हों। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे एक रक्षक हैं"

देखें: रूपक

नीतिवचन 30:5 (#3)

לַחֹסִים בּוֹ

"अपने शरणागतों की"

यहाँ, आगूर उन लोगों की बात करते हैं जो **परमेश्वर** पर भरोसा करते हैं कि वह उन्हें ऐसे बचाएंगे जैसे वह एक आश्रयस्थान हो जिसमें लोग **शरण** लेते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन लोगों के लिए जो उन पर भरोसा करते हैं कि वह उनकी रक्षा करेंगे"

देखें: रूपक

नीतिवचन 30:6 (#1)

אַל־תּוֹסֵף עַל־דְּבָרָיו

"उसके वचनों में कुछ मत बढ़ा"

यहाँ, आगूर उस व्यक्ति का उल्लेख करते हैं जो यह दावा कर रहा है कि परमेश्वर ने कुछ कहा है जो उन्होंने नहीं कहा, जैसे कि वह व्यक्ति परमेश्वर द्वारा कहे गए चीजों में और **वचन** या बातें जोड़ रहा हो। यहाँ, **वचन** का अर्थ है जो कहा गया है, जैसा कि 1:23 में है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह दावा न करें कि परमेश्वर ने कुछ कहा है जो उन्होंने वास्तव में नहीं कहा"

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 30:6 (#2)

וְנִכְזָבְתָּ

"और तू झूठा ठहरे"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "और वह आपको झूठा सिद्ध कर दें"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 30:7 (#1)

"तुझ से"

यदि आपकी भाषा में **तुझ** के लिए एक औपचारिक रूप है जिसका उपयोग किसी वरिष्ठ को सम्मानपूर्वक संबोधित करने के लिए किया

जाता है, तो आप **तुझ** के लिए उस रूप का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक रूप से, यह आपकी संस्कृति में परमेश्वर को एक परिचित रूप में संबोधित करना अधिक उपयुक्त हो सकता है, जैसे कि मित्र एक-दूसरे के साथ करते हैं। किस रूप का उपयोग करना है, इस बारे में अपने सर्वोत्तम निर्णय का प्रयोग करें।

देखें: "तुम' के रूप — औपचारिक या अनौपचारिक

नीतिवचन 30:7 (#2)

אַל־תִּמְנַ֥ע

"मुँह न मोड़"

यह एक अनिवार्यता है, लेकिन यह एक आदेश के बजाय एक विनम्र विनती को व्यक्त करता है। अपनी भाषा में ऐसा रूप उपयोग करें जो एक विनम्र विनती को व्यक्त करता हो। इसे स्पष्ट करने के लिए "कृपया" जैसे अभिव्यक्ति को जोड़ना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "कृपया न रोकें"

देखें: आज्ञाएँ — अन्य उपयोग

नीतिवचन 30:7 (#3)

אַל־תִּמְנַ֥ע

"मुँह न मोड़"

आगूर कुछ ऐसे शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप संदर्भ से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इन दो चीजों को मत रोकें जो मैं पूछ रहा हूँ।"

देखें: पदलोप

नीतिवचन 30:7–9 (#1)

שְׁנַיִם֙ שָׁאַלְתִּי֙ מֵאִתָּ֔ךְ

"मैंने तुझ से दो वर माँगे हैं"

यह पद एक प्रार्थना हैं जो आगूर यहोवा से करते हैं। यदि यह आपके लिए सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हे यहोवा, दो बातें मैं आपसे माँगता हूँ"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 30:8 (#1)

שָׁ֣וְא וּדְבַר־כָּזָ֗ב הַרְחֵ֤ק מִמֶּנִּי֙

"अर्थात् व्यर्थ और झूठी बात मुझसे दूर रख"

यह एक आज्ञार्थक वाक्य है, लेकिन यह एक आदेश के बजाय एक विनम्र विनती व्यक्त करता है। अपनी भाषा में एक ऐसा रूप प्रयोग करें जो एक विनम्र विनती व्यक्त करता है। इसे स्पष्ट करने के लिए "कृपया" जैसे अभिव्यक्ति जोड़ना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "कृपया मुझसे खालीपन और झूठ के शब्द दूर रखें।"

देखें: आज्ञाएँ — अन्य उपयोग

नीतिवचन 30:8 (#2)

שָׁ֣וְא וּדְבַר־כָּזָ֗ב הַרְחֵ֤ק מִמֶּנִּי֙

"अर्थात् व्यर्थ और झूठी बात मुझसे दूर रख"

यहाँ, आगूर **व्यर्थ** और **झूठी बात** के बारे में इस तरह बात करते हैं जैसे वे वस्तुएं हों जिन्हें किसी व्यक्ति से **दूर रखा** जा सकता है। उनका मतलब है कि वे चाहते हैं कि परमेश्वर उन्हें **व्यर्थ और झूठी बात** के साथ कार्य करने या बोलने से रोके। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मुझे खालीपन के साथ कार्य करने और झूठ के शब्द बोलने से बचाइए।"

देखें: रूपक

नीतिवचन 30:8 (#3)

שָׁ֣וְא

"व्यर्थ"

व्यर्थ यहाँ बेईमानी या धोखे का संदर्भ देता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बेईमानी"

देखें: रूपक

नीतिवचन 30:8 (#4)

וּדְבַר־כָּזָ֗ב

"और झूठी बात"

यहाँ, आगूर एक **बात** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं जो **झूठी** है। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और एक झूठा वचन"

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 30:8 (#5)

"बात"

देखें कि आपने **बात** के समान उपयोग का अनुवाद 12:25 में किस प्रकार किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 30:8 (#6)

רֵ֣אשׁ וָע֑שֶׁר אַל־תִּתֶּן־לִ֣י הַלַּטְרִיפֵ֣נִי לֶ֔חֶם חֻקִּ֖י

""मुझे न तो निर्धन कर और न धनी बना;"

ये दोनों वाक्य आज्ञा वाक्य आज्ञासूचक हैं, लेकिन वे आज्ञाओं के बजाय विनम्र अनुरोधों को व्यक्त करते हैं। अपनी भाषा में ऐसे रूप का उपयोग करें जो विनम्र अनुरोधों को व्यक्त करता हो। इसे स्पष्ट करने के लिए "कृपया" जैसे भाव जोड़ना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "कृपया मुझे गरीबी या धन न दें; कृपया मुझे मेरे हिस्से की रोटी दें"

देखें: आज्ञाएँ — अन्य उपयोग

नीतिवचन 30:8 (#7)

רֵ֣אשׁ וָע֑שֶׁר אַל־תִּתֶּן־לִ֣י

"मुझे न तो निर्धन कर और न धनी बना"

यहाँ, आगूर दरिद्र या धनी होने की बात करते हैं जैसे **निर्धन** और **धन** भौतिक वस्तुएं हों जिन्हें कोई किसी और को **दे** सकता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मुझे दरिद्र या धनी न होने दें"

देखें: रूपक

नीतिवचन 30:8 (#8)

לֶֽחֶם חֻקִּי

"प्रतिदिन की रोटी"

इसका मतलब हो सकता है:(1) **रोटी** की वह मात्रा जो यहोवा ने आगूर के लिए निर्धारित की है। वैकल्पिक अनुवाद: "वह रोटी जो आपने मेरे लिए निर्धारित की है" (2) वह **रोटी** की मात्रा जिसकी आगूर को जीवित रहने के लिए आवश्यकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "वह रोटी जिसकी मुझे आवश्यकता है"

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 30:8 (#9)

הַֽטְרִיפֵנִי

"मुझे खिलाया कर"

यह वाक्यांश पिछले वाक्यांश के साथ एक गहरा विरोधाभास प्रस्तुत करता है। अपनी भाषा में विरोधाभास को दर्शाने के लिए सबसे स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: "बल्कि, मुझे प्राप्त करने का कारण बनाएं" या "इसके बजाय मुझे प्राप्त करने का कारण बनाएं"

देखें: जोड़ें — विरोधाभास सम्बन्ध

नीतिवचन 30:8 (#10)

"की रोटी"

देखें कि आपने **रोटी** का 9:5 में उसी प्रकार अनुवाद कैसे किया है।

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 30:9 (#1)

"ऐसा न हो कि जब मेरा पेट भर जाए"

आगूर इस अभिव्यक्ति का उपयोग एक काल्पनिक स्थिति प्रस्तुत करने के लिए करते हैं ताकि यह समझाया जा सके कि उन्होंने पिछले पद में परमेश्वर से उन्हें अमीर न बनने देने के लिए क्यों कहा। अपनी भाषा में एक काल्पनिक स्थिति प्रस्तुत करने के लिए एक स्वाभाविक विधि का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "मान लीजिए कि मैं संतुष्ट हो जाऊँ"

देखें: काल्पनिक स्थितियाँ

नीतिवचन 30:9 (#2)

אֶשְׂבַּע

"पेट भर जाए"

यहाँ, **पेट भर जाए** का अर्थ बहुत अधिक भोजन और संपत्ति होना है। यदि यह आपके लिए सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे पास बहुतायत है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 30:9 (#3)

וְכִחַשְׁתִּי

"तब मैं इन्कार करके कहूँ"

आगूर कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप संदर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और मैं यहोवा को इनकार कर दूँ।"

देखें: पदलोप

नीतिवचन 30:9 (#4)

וְאָמַרְתִּי מִי יְהוָֽה

"कहूँ कि यहोवा कौन है?'"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक हो, तो आप इसे अप्रत्यक्ष उद्धरण के रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और पूछें कि यहोवा कौन हैं।"

देखें: प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष उद्धरण

नीतिवचन 30:9 (#5)

מִי יְהוָֽה

"यहोवा कौन है"

आगूर इस बात पर जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं कि अगर वह बहुत अमीर हो गए तो उनके साथ क्या हो सकता है। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं यहोवा को नहीं जानता!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

नीतिवचन 30:9 (#6)

"या निर्धन होकर चोरी करूँ"

आगूर इस अभिव्यक्ति का उपयोग एक काल्पनिक स्थिति प्रस्तुत करने के लिए करते हैं ताकि यह स्पष्ट कर सकें कि उन्होंने पिछले पद में परमेश्वर से प्रार्थना की थी कि वे उन्हें दरिद्र न होने दें। अपनी भाषा में एक काल्पनिक स्थिति प्रस्तुत करने के लिए एक स्वाभाविक विधि का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "और मान लीजिए कि मैं निर्धन हो जाता हूँ"

देखें: काल्पनिक स्थितियाँ

नीतिवचन 30:9 (#7)

אִוָּרֵשׁ

"या निर्धन होकर"

यहाँ, **निर्धन** का अर्थ है कि कोई व्यक्ति इतना दरिद्र हो जाता है कि वह अपनी सारी संपत्ति खो देता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं इतना दरिद्र हो जाता हूँ कि मेरे पास कुछ भी नहीं बचता"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 30:9 (#8)

וְוָתְפַסַּ֥תִּי

“चोरी करूँ”

यहाँ, **या** चोरी के परिणाम का परिचय देता है। परिणामों को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: “और इसलिए मैं चोरी कर लूँ”

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

नीतिवचन 30:9 (#9)

וְוָתְפַסַּ֥תִּי

“चोरी करूँ और परमेश्वर के नाम का अनादर करूँ”

यहाँ, आगूर अपने परमेश्वर के **नाम** का अपमान करने की बात करते हैं, जैसे कि **नाम** कोई वस्तु हो जिसे कोई **चोरी** कर सकता है और चोट पहुँचा सकता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और मैं अपमानित कर सकता हूँ”

देखें: रूपक

नीतिवचन 30:9 (#10)

שֵׁ֖ם

“के नाम”

यहाँ, **नाम** किसी व्यक्ति की प्रतिष्ठा को संदर्भित करता है। देखें कि आपने 22:1 में **नाम** के इसी इस्तेमाल का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 30:10 (#1)

עֶ֣בֶד אֶל־אדנו & יְקַלְלְךָ֗

“”किसी दास की, उसके स्वामी से “

यहाँ, **दास, उसके** और **वह** सामान्य रूप से दासों को संदर्भित करता है, किसी विशिष्ट **दास** को नहीं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अधिक प्राकृतिक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी दास उस दास के स्वामी के लिए ... वह दास आपको श्राप देता है”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 30:10 (#2)

וְאָשֵׁ֥מְתָּ

“और तू दोषी ठहराया जाए।”

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: “और लोग आपको दोषी ठहराते हैं”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 30:10 (#3)

וְאָשֵׁ֥מְתָּ

“और तू दोषी ठहराया जाए”

आगूर का तात्पर्य है कि यह व्यक्ति चुगली का **दोषी** है। यदि यह आपके भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और आप बदनामी के दोषी पाए जाएं”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 30:11 (#1)

דּ֣וֹר אָבִ֭יו יְקַלֵּ֑ל וְאֶת־אִמּ֥וֹ לֹ֖א יְבָרֵֽךְ׃

“”

30:11–14 इस अध्याय में छह संख्यात्मक कथनों में से पहला है, भले ही यह कथन दृष्टांतों की संख्या नहीं बताता है। इस अध्याय के सामान्य टिप्पणी में इसकी चर्चा देखें।

नीतिवचन 30:11 (#2)

דּ֣וֹר אָבִ֭יו יְקַלֵּ֑ל & אִמּ֥וֹ

“”ऐसे लोग हैं, जो अपने पिता को श्राप देते“

मूल भाषा में यहाँ **पीढ़ी** शब्द का उपयोग किया गया है, हिंदी अनुवाद में **लोग** लिखा गया है। इस पद में, **लोग**, **जो**, और **अपने** शब्द रूप में एकवचन हैं, लेकिन वे कुछ लोगों को एक दल के रूप में संदर्भित करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे सीधे कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “लोगों का एक दल है, जो अपने पिता को श्राप देते हैं ... अपनी माताओं को”

देखें: समूहवाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 30:11 (#3)

אָבִ֭יו יְקַלֵּ֑ל וְאֶת־אִמּ֥וֹ לֹ֖א יְבָרֵֽךְ׃

“”अपने पिता को श्राप देते“

इन दोनों वाक्यांशों का मूल रूप से एक ही अर्थ है। दूसरा वाक्यांश अलग शब्दों के द्वारा एक ही विचार को दोहराकर पहले के अर्थ पर जोर देता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए मददगार हो, तो आप इन वाक्यांशों को जोड़ सकते हैं और दूसरे तरीके से जोर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यह नियमित रूप से अपने पिता और माता को कोसता है”

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 30:12 (#1)

דּ֣וֹר & בְּעֵינָ֭יו וּ֣מְצֹאתֹ֑ו לֹ֖א רֵֽחָץ׃

“”ऐसे लोग हैं“ - “जो अपनी दृष्टि में”

देखें कि आपने पिछले पद में **लोग** और **अपनी** शब्द का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: समूहवाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 30:12 (#2)

טָהוֹר

“शुद्ध”

यहाँ, आगूर उन लोगों की बात करते हैं जो कुछ भी गलत करने में निर्दोष दिखते हैं, जैसे कि वे लोग **शुद्ध** हों। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “निर्दोष”

देखें: रूपक

नीतिवचन 30:12 (#3)

“अपनी दृष्टि में”

देखें कि आपने **दृष्टि** का 3:4 में अनुवाद कैसे किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 30:12 (#4)

וּמִצֹּאָתוֹ לֹא רֻחָץ

“परन्तु उनका मैल धोया नहीं गया”

यहाँ, आगूर उन लोगों के बारे में बात करते हैं जो कुछ गलत करने के दोषी हैं, जैसे कि वे लोग **धोए नहीं** गए हैं और जैसे कि उन्होंने जो गलत काम किए हैं वे **मैल** हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे या एक उपमा का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “लेकिन यह बुरी चीजें करने का दोषी है” या “लेकिन यह दोषी है, जैसे कि इसने अपना मल नहीं धोया है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 30:12 (#5)

לֹא רֻחָץ

“धोया नहीं गया”

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: “किसी ने इसे नहीं धोया है।”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 30:13 (#1)

“एक पीढ़ी के लोग” - “उनकी दृष्टि” - “और उनकी आँखें”(के पलकें)

देखें कि आपने **पीढ़ी** और **उनकी** का 30:11 में समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: समूहवाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 30:13 (#2)

מָה־רָמוּ עֵינֶיו וְעַפְעַפָּיו יִנָּשֵׂאוּ

“उनकी दृष्टि क्या ही घमण्ड से भरी रहती है और उनकी आँखें कैसी चढ़ी हुई रहती हैं।”

मूल भाषा में दृष्टि के स्थान पर **आँखें** और आँखों के स्थान पर **पलकों** का उपयोग किया गया है। यहाँ, **क्या** इंगित करता है कि आगे जो कहा गया है वह एक विस्मयादिबोधक है जो इस **पीढ़ी** के घमण्ड पर जोर देता है। एक विस्मयादिबोधक का प्रयोग करें जो आपकी भाषा में उस अर्थ को संप्रेषित करे। वैकल्पिक अनुवाद: “उसकी आँखें इतनी ऊपर उठी हुई हैं, और उनकी पलकें इतनी ऊपर उठी हुई हैं”

देखें: विस्मयादिबोधक

नीतिवचन 30:13 (#3)

רָמוּ עֵינֶיו וְעַפְעַפָּיו יִנָּשֵׂאוּ

“”उनकी दृष्टि क्या ही घमण्ड से भरी रहती है“

यहाँ, आगूर का तात्पर्य घमण्ड **से भरी** हुई **दृष्टि** और **चढ़ी हुई आँखों/पलकें** से है, जो गर्वित लोगों के चेहरे के विशिष्ट भाव हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वे गर्वित हैं, और वे अहंकारी हैं।”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 30:13 (#4)

רָמוּ עֵינֶיו וְעַפְעַפָּיו יִנָּשֵׂאוּ

“उनकी दृष्टि क्या ही घमण्ड से भरी रहती है”

वाक्यांश **उनकी दृष्टि क्या ही घमण्ड से भरी रहती है** और **आँखें कैसी चढ़ी हुई रहती हैं** समान अर्थ रखते हैं। आगूर इन दोनों वाक्यांशों का एक साथ उपयोग जोर देने के लिए कर रहे हैं। यदि आपके पाठकों के लिए यह स्पष्ट हो, तो आप जोर को एक ही वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वे कितने गर्वित हैं”

देखें: द्विरावृत्ति

नीतिवचन 30:14 (#1)

“एक पीढ़ी के लोग ऐसे हैं, जिनके दाँत - “उनकी दाढ़ें छुरियाँ”

देखें कि आपने 30:11 में **पीढ़ी** शब्द का समान प्रयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: समूहवाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 30:14 (#2)

חֲרָבוֹת שִׁנָּיו וּמַאֲכָלוֹת מְתַלְּעֹתָיו לֶאֱכֹל

“जिनके दाँत तलवार”

यहाँ, आगूर उन लोगों को संदर्भित करते हैं जो **दीन लोगों** और **दरिद्रों** पर अत्याचार करते हैं जैसे कि वे जंगली जानवर हों जो **तलवार** या **छुरियों** जैसे ख़तरनाक **दाँत** या **दाढ़ों** का उपयोग करके उन लोगों को **मिटा डाल** रहे हों। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे या एक उपमा का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यह क्रूरता से दबाता है” या “यह दूसरों को एक जंगली पशु की तरह दबाता है, जो तलवार-जैसे दांतों या चाकू-जैसे नुकीले दांतों का उपयोग करके भक्षण करता है।”

देखें: रूपक

नीतिवचन 30:14 (#3)

חֲרָבוֹת שִׁנָּיו וּמַאֲכָלוֹת מְתַלְּעֹתָיו

“”जिनके दाँत तलवार“

वाक्यांश **जिनके दाँत तलवार** और **उनकी दाढ़ें छुरियाँ** का अर्थ एक ही है। आगूर जोर देने के लिए इन दोनों वाक्यांशों का एक साथ उपयोग कर रहे हैं। यदि आपके पाठकों के लिए यह अधिक स्पष्ट हो, तो आप जोर को एक ही वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “इसके दाँत बहुत तेज हैं”

देखें: द्विरावृत्ति

नीतिवचन 30:14 (#4)

עָנִיִּים מֵאָרֶץ וְאֶבְיוֹנִים מֵאָדָם

“वे दीन लोगों को पृथ्वी पर से, और दरिद्रों को मनुष्यों में से”

वाक्यांश **दीन लोगों को पृथ्वी पर से** और **दरिद्रों को मनुष्यों में से** का अर्थ एक ही है। आगूर जोर देने के लिए इन दोनों वाक्यांशों का उपयोग कर रहे हैं। यहाँ, **दीन लोग** और **दरिद्र** दोनों ग़रीब लोगों को संदर्भित करते हैं। यदि आपके पाठकों के लिए यह स्पष्ट हो, तो आप जोर देने के लिए एक ही वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “संसार से दरिद्र लोग”

देखें: द्विरावृत्ति

नीतिवचन 30:14 (#5)

מֵאָדָם

“मनुष्यों में से”

यहाँ, **मनुष्यों** का तात्पर्य सामान्य रूप से सभी लोगों से है, किसी विशिष्ट **मनुष्य** से नहीं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मानव जाति से” या “सभी मनुष्यों से”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 30:15 (#1)

לַעֲלוּקָה ׀ שְׁתֵּתַי בָּנוֹת

“जैसे जोंक की दो बेटियाँ होती हैं”

यहाँ, आगूर एक लालची व्यक्ति के बारे में ऐसे बात करते हैं, जैसे कि वह व्यक्ति एक **जोंक** हो और जो वह व्यक्ति दूसरों से माँगता है वह **दो बेटियाँ** हैं। अगर यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं या एक उपमा का उपयोग कर सकते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे सीधे या उपमा के माध्यम से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “लालची लोग हमेशा कहते हैं” या “लालची लोग दो बेटियों वाली जोंक के समान होते हैं”

देखें: रूपक

नीतिवचन 30:15 (#2)

לַעֲלוּקָה

“जोंक की”

जोंक एक प्रकार का कीड़ा है जो स्वयं को किसी व्यक्ति या पशु की त्वचा से चिपका लेता है ताकि रक्त चूस सके। यदि आपके पाठक इस प्रकार के जीव से परिचित नहीं हैं, तो आप अपने क्षेत्र में कुछ समान नाम का उपयोग कर सकते हैं या आप एक अधिक सामान्य शब्द का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “रक्त चूसने वाले जीव के लिए” या “परजीवी के लिए”

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

नीतिवचन 30:15 (#3)

הַב ׀ הַב

“दे, दे,”

इसका मतलब हो सकता है: (1) **दो बेटियों** के नाम। वैकल्पिक अनुवाद: “उनका नाम दिया गया दे और दे है “ (2) **दोनों बेटियाँ** क्या कहती हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वे कहती हैं, ‘दे! दे!’”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 30:15 (#4)

שָׁלֹשׁ הֵנָּה לֹא תִשְׂבַּעְנָה אַרְבַּע לֹא־אָמְרוּ הוֹן

“तीन वस्तुएँ हैं, जो तृप्त नहीं होतीं”

30:15 का दूसरा भाग और 30:16 का पूरा भाग इस अध्याय में छह संख्यात्मक कथनों में से दूसरा है। इस अध्याय के लिए सामान्य टिप्पणी में संख्यात्मक कथनों की चर्चा देखें।

नीतिवचन 30:15 (#5)

שָׁלֹשׁ הֵנָּה לֹא תִשְׂבַּעְנָה אַרְבַּע לֹא־אָמְרוּ הוֹן

“”तीन वस्तुएँ हैं, जो तृप्त नहीं होतीं“

एक व्यापक बयान देने के लिए, आगूर एक अलंकारिक उपकरण का उपयोग कर रहे हैं जिसमें वक्ता एक संख्या का नाम लेते हैं जो उनके बिंदु को स्पष्ट करने के लिए पर्याप्त होनी चाहिए और फिर जोर देने के लिए उस संख्या को एक से बढ़ा देते हैं। चूँकि दोनों खंडों का अर्थ एक ही है, इसलिए आप उन्हें एक खंड में भी जोड़ सकते हैं। यदि यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यह चार चीजें कभी भी पूरी तरह संतुष्ट नहीं होतीं”

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 30:15 (#6)

“तृप्त नहीं होतीं”

आगूर यहाँ एक अलंकार का प्रयोग कर रहे हैं जो एक नकारात्मक शब्द, **नहीं**, का उपयोग करके एक दृढ़ता से सकारात्मक अर्थ व्यक्त करता है, साथ ही एक अभिव्यक्ति जो इच्छित अर्थ के विपरीत है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप सकारात्मक अर्थ व्यक्त कर सकते हैं, जैसा कि यूएसटी में है।

देखें: कटाक्षपूर्ण उक्ति

नीतिवचन 30:16 (#1)

וְעֹצֶר רָרָחַם אֶרֶץ לֹא־שָׂעֲבָה מַּיִם וְאֵשׁ

“”और बाँझ की कोख“

यहाँ, **कोख**, **भूमि**, और **आग** इन चीज़ों को सामान्य रूप से संदर्भित करते हैं, न कि विशिष्ट चीज़ों को। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अधिक प्राकृतिक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और किसी भी गर्भ का बंद होना, कोई भी भूमि जो पानी से तृप्त न हो, और कोई भी आग”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 30:16 (#2)

וְעֹצֶר

“बाँझ की कोख”

यहाँ, आगूर का अर्थ है कि एक महिला बच्चों को जन्म देने में असमर्थ है मानो उसकी **कोख (बंद)** हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और बांझपन का”

देखें: रूपक

नीतिवचन 30:16 (#3)

“कोख”

यहाँ **कोख** का मतलब पूरे व्यक्ति से है। अगर यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसका मतलब साफ-साफ बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक महिला”

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 30:16 (#4)

אֶרֶץ לֹא־שָׂבְעָה מַּיִם

“भूमि जो जल पी पीकर तृप्त नहीं होती”

यहाँ, आगूर **भूमि** की बात करते हैं जिसमें फसल उगाने के लिए पर्याप्त **जल** नहीं होता, जैसे कि वह एक व्यक्ति हो जिसे पीने के लिए पर्याप्त पानी नहीं मिलता। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक भूमि जिसे फसल उगाने के लिए कभी भी पर्याप्त पानी नहीं मिलता”

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 30:16 (#5)

וְאֵשׁ לֹא־אָמְרָה הוֹן

“और आग जो कभी नहीं कहती, ‘बस।’”

यहाँ, आगूर **आग** के बारे में बात करते हैं, जिसे जलते रहने के लिए ईंधन की आवश्यकता होती है, जैसे कि यह एक व्यक्ति हो जो कभी नहीं कहता **बस**। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और एक आग जो जलते रहने के लिए हमेशा ईंधन की आवश्यकता रखती है”

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 30:17 (#1)

עַיִן ׀ תִּלְעַג לְאָב֗

“जिस आँख से कोई अपने पिता पर अनादर की दृष्टि करे”

आगूर कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप संदर्भ से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक आँख के बारे में जो एक पिता का मजाक उड़ाती है”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 30:17 (#2)

“”आँख“ - “ उस” - “खोद खोदकर निकालेंगे”

हालाँकि यहाँ **आँख** का मतलब पूरे व्यक्ति से है, लेकिन **उस** का मतलब उस व्यक्ति की आँखों से है। अगर यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसका मतलब स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक व्यक्ति ... उस व्यक्ति की आँखें नोच लेगा और ... उन आँखों को खा जाएगा”

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 30:17 (#3)

לְאֵם & לְאָב֗

“”अपने पिता“

यहाँ, आगूर का तात्पर्य है कि ये लोग उस व्यक्ति के **पिता** और **माता** हैं जो **अनादर** और **अपमान** करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उस व्यक्ति के पिता ... उस व्यक्ति की माँ के लिए”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 30:17 (#4)

עֹרְבֵי־נַחַל & נָשֶׁר

“तराई के कौवे” - “उकाब”

दोनों **कौवे** और **उकाब** उन बड़े पक्षियों को संदर्भित करते हैं जो मृत जानवरों को खाते हैं। यदि आपके पाठक इस प्रकार के पक्षियों से परिचित नहीं हैं, तो आप अपने क्षेत्र में कुछ समान पक्षियों का नाम उपयोग कर सकते हैं या आप एक अधिक सामान्य शब्द का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “पक्षी जो तराई में भोजन खोजते हैं ... अन्य पक्षी जो भोजन खोजते हैं” या “भोजन खोजने वाले ... मैला ढोने वाले”

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

नीतिवचन 30:17 (#5)

יִקְּרֻהוּ עֹרְבֵי־נַחַל

“तराई के कौवे खोद खोदकर निकालेंगे”

चूँकि **कौवे** और उकाब आमतौर पर मृत जानवरों को खाते हैं, आगूर का तात्पर्य यहाँ यह है कि पक्षियों द्वारा खाए जाने से पहले इस व्यक्ति को मार दिया जाएगा। यदि यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह व्यक्ति मर जाएगा और घाटी के कौवे उस व्यक्ति की आँखें नोच लेंगे”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 30:17(#6)

בְּנֵי־נָשֶׁר

“उकाब के बच्चे”

यहाँ, आगूर का तात्पर्य युवा उकाबों से है जैसे वे **उकाब** के परिवार **के बच्चे** हों। यदि यह आपके लिए सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “युवा गिद्ध”

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 30:18 (#1)

שְׁלֹשָׁה הֵמָּה נִפְלְאוּ מִמֶּנִּי וְאַרְבָּעָה לֹא יְדַעְתִּים

“”

30:18–19 इस अध्याय में छह संख्यात्मक कथनों में से तीसरा है। इस अध्याय के लिए सामान्य टिप्पणी में संख्यात्मक कथनों की चर्चा देखें।

नीतिवचन 30:18 (#2)

“”तीन बातें मेरे लिये अधिक कठिन है“

एक व्यापक बयान देने के लिए, आगूर एक अलंकारिक उपकरण का उपयोग कर रहे हैं जिसमें वक्ता एक संख्या का नाम लेते हैं जो उनके बिंदु को स्पष्ट करने के लिए पर्याप्त होनी चाहिए और फिर जोर देने के लिए उस संख्या को एक से बढ़ा देते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। देखें कि आपने **तीन बातें** और **चार** के समान उपयोग का अनुवाद 30:15 में कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: “ये चार चीजें मेरे लिए बिल्कुल अद्भुत हैं”

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 30:19 (#1)

דֶּרֶךְ & דֶּרֶךְ & דֶּרֶךְ & וְדֶרֶךְ

“का मार्ग” - “की चाल” - “की चाल”
• “

और“ - “की चाल”

इस पद में, **मार्ग/चाल** किसी कार्य को करने के तरीके को दर्शाता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “तरीका...तरीका...तरीका... और तरीका”

देखें: रूपक

नीतिवचन 30:19 (#2)

הַנֶּשֶׁר & נָחָשׁ & אֳנִיָּה & יָם & גֶּבֶר בְּעַלְמָה

“उकाब” - “सर्प” - “जहाज” - “समुद्र”

ये वाक्यांश सामान्य रूप से इन चीज़ों या लोगों को संदर्भित करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अधिक प्राकृतिक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी चील ... कोई भी साँप ... कोई भी जहाज ... कोई भी समुद्र ... कोई भी युवा पुरुष किसी भी युवती के साथ”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 30:19 (#3)

דֶּרֶךְ הַנֶּשֶׁר ׀ בַּשָּׁמַיִם׃

“आकाश में उकाब पक्षी का मार्ग”

यहाँ, आगूर **आकाश में उकाब** के उड़ने के **मार्ग** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जिस प्रकार उकाब आकाश में उड़ता है”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 30:19 (#4)

דֶּרֶךְ נָחָשׁ עַל־צּוּר

“चट्टान पर सर्प की चाल”

यहाँ, आगूर **उस चाल** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं, जिस **चाल से सर्प चट्टान पर** रेंगता है। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जिस तरीके से एक सर्प चट्टान पर रेंगता है”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 30:19 (#5)

דֶּרֶךְ־אֳנִיָּה

“जहाज की चाल”

यहाँ, आगूर **समुद्र** के हृदय में एक **जहाज** के **चलने के चाल** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जिस तरह से एक जहाज चलता है”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 30:19 (#6)

“समुद्र में”

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 23:34 में किस प्रकार किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 30:19 (#7)

“और कन्या के संग पुरुष की चाल”

यहाँ, आगूर एक युवा **पुरुष** के **चाल** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं कि वह एक **कन्या** के साथ कैसे बातचीत करता है। इसका मतलब हो सकता है: (1) एक युवा विवाहित जोड़े का प्रेमपूर्ण संबंध, जिसमें यौन संबंध शामिल हो सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और जिस तरह से एक युवा पुरुष एक युवा महिला के साथ प्रेमपूर्वक बातचीत करता है” (2) यौन संबंध। वैकल्पिक अनुवाद: “और जिस तरह से एक युवा पुरुष एक युवा महिला के साथ यौन अंतरंगता करता है”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 30:20 (#1)

דֶּרֶךְ

“की चाल”

देखें कि आपने पिछले पद में **चाल** के समान उपयोग का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: रूपक

नीतिवचन 30:20 (#2)

אִשָּׁה & אָכְלָה וּמָחָתָה פִּיהָ

“व्यभिचारिणी” - “वह भोजन करके मुँह पोंछती”

मूल भाषा और यू.एल.टी. में **व्यभिचारिणी** के बजाय **महिला** शब्द का इस्तेमाल हुआ है और बाद में सर्वनाम **उसकी** भी उपयोग हुआ है। यहाँ, **व्यभिचारिणी**, **वह**, और **उसकी** सामान्य रूप से महिलाओं के एक प्रकार को संदर्भित करता है, किसी विशिष्ट **महिला** को नहीं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अधिक प्राकृतिक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी महिला ... वह महिला खाती है और अपना मुँह पोंछती है”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 30:20 (#3)

אָכְלָה וּמָחָתָה פִּיהָ

“वह भोजन करके मुँह पोंछती”

आगूर एक **व्यभिचारिणी महिला** का उल्लेख कर रहे हैं जो **व्यभिचार** को ऐसे सहजता से करती है जैसे वह भोजन कर रही हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे सीधे तौर पर कह सकते हैं या एक उपमा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह आसानी से व्यभिचार करती है” या “वह ऐसी महिला है जो खाती है और अपना मुँह पोंछती है”

देखें: रूपक

नीतिवचन 30:20 (#4)

וְאָמְרָה לֹא־פָעַלְתִּי אָוֶן

“और कहती है, मैंने कोई अनर्थ काम नहीं किया’”

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक हो, तो आप इसे अप्रत्यक्ष उद्धरण के रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और कहती हैं कि उन्होंने कोई अन्याय नहीं किया है”

देखें: प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष उद्धरण

नीतिवचन 30:20 (#5)

“अनर्थ काम”

देखें कि आपने **अनर्थ काम** का 6:12 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 30:21 (#1)

“”

30:21–23 इस अध्याय में छह संख्यात्मक कथनों में से चौथा है। इस अध्याय के लिए सामान्य टिप्पणी में संख्यात्मक कथनों की चर्चा देखें।

नीतिवचन 30:21 (#2)

“”तीन बातों के कारण पृथ्वी काँपती है“

एक व्यापक कथन बनाने के लिए, आगूर एक अलंकारिक उपकरण का उपयोग कर रहे हैं जिसमें वक्ता एक संख्या का उल्लेख करता है जो उनके बिंदु को स्पष्ट करने के लिए पर्याप्त होनी चाहिए और फिर जोर देने के लिए उस संख्या को एक से बढ़ा देता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। चूँकि दोनों वाक्यों का अर्थ समान है, इसलिए आप उन्हें एक वाक्य में भी जोड़ सकते हैं। देखें कि आपने 30:15 में **तीन बातों** और **चार** के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: “इन चार चीज़ों के कारण पृथ्वी सचमुच हिलती है”

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 30:21 (#3)

“”तीन बातों के कारण“ - “काँपती है,”

आगूर कहते हैं कि **पृथ्वी का काँपना (भूकंप)** और **सहना** यहाँ अत्यधिक कथनों के रूप में उपयोग किए गए हैं ताकि यह दर्शाया जा सके कि निम्नलिखित पदों में चीजें **पृथ्वी** के लिए कितनी असहनीय हैं। अगर यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप जोर देने के लिए एक अलग तरीके का इस्तेमाल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “तीन चीजों की वजह से ... थरथराहट, और चार की वजह से ... सहना”

देखें: अतिशयोक्ति

नीतिवचन 30:21 (#4)

“पृथ्वी” - “उससे सही नहीं जातीं”

यहाँ, **पृथ्वी** और **उससे** उन लोगों को संदर्भित करता है जो **पृथ्वी** पर निवास करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “पृथ्वी पर रहने वाले लोग ... वे सक्षम नहीं हैं”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 30:22 (#1)

“दास का”

मूल भाषा में ऐसा लिखा गया है कि जब **दास** राजा बनता है तो उसके **नीचे** या उसके **कारण** पृथ्वी काँपती है। देखें आपने पिछले पद में इसका अनुवाद कैसे किया है।

देखें: अतिशयोक्ति

नीतिवचन 30:22 (#2)

עֶבֶד כִּֽי־יִמְלֹךְ וְנָבָל כִּֽי־יִשְׂבַּע

“”दास का राजा हो जाना“

यहाँ, **दास** और **मूर्ख** व्यक्ति सामान्य रूप से लोगों के प्रकारों को संदर्भित करता है, न कि विशिष्ट लोगों को। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते

हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी गुलाम जब राजा बन जाता है, और कोई भी बेकार व्यक्ति जब वह व्यक्ति संतुष्ट हो जाता है”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 30:22 (#3)

יִשְׂבַּע

“का पेट भरना”

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: “उन्हें पर्याप्त मिलता है”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 30:22 (#4)

“पेट भरना”

यहाँ पर हिंदी अनुवाद हमें यह नहीं बताता कि किस वस्तु से मूर्ख का **पेट भरता** है, लेकिन मूल भाषा यह स्पष्ट करता है कि यह **रोटी** से है। देखें कि आपने **रोटी** का अनुवाद 9:5 में कैसे किया है।

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 30:23 (#1)

“घिनौनी स्त्री का ब्याहा जाना, और दासी का अपनी स्वामिन की वारिस होना” (के कारण)

देखें कि आपने **के कारण** का अनुवाद 30:21 में किस प्रकार किया है।

देखें: अतिशयोक्ति

नीतिवचन 30:23 (#2)

שְׂשֹׂנוּאָה כִּכְּי תִבָּעֵל וְׂשִׁפְחָה כִּי־תִירַשׁ גְּבִרְתָּהּ

“”घिनौनी स्त्री का ब्याहा जाना“

यहाँ, **घिनौनी स्त्री, दासी**, और **अपनी** सामान्य रूप से महिलाओं के प्रकारों को संदर्भित करते हैं, विशिष्ट महिलाओं को नहीं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अधिक प्राकृतिक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी घृणित महिला जब वह महिला विवाहित होती है, और कोई भी सेविका जब वह सेविका अपनी स्वामिनी को बेदखल करती है”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 30:23 (#3)

כִּכְּי תִבָּעֵל

“का ब्याहा जाना”

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: “जब कोई उनसे विवाह करता है”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 30:23 (#4)

תִירַשׁ גְּבִרְתָּהּ

“और दासी का अपनी स्वामिन की वारिस होना”

यहाँ, य.ल.टी के अनुसार दासी विवाह करके अपने स्वामिनी को बेदखल करती है जिसका मतलब एक महिला नौकरानी अपने मालिक की पत्नी की जगह घर की मुख्य महिला बन जाना है। आई.आर.वी में इसको **स्वामिन की वारिस होना** कहा गया है। अगर यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह अपनी मालकिन की जगह अपने मालिक की पत्नी बन जाती है”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 30:24 (#1)

אַרְבָּבָעָה הֵנָּה קְטַנֵּי־אָרֶץ וְׂהֵנָּה חֲכָמִים מְחֻכָּמִים

“”

30:24–28 इस अध्याय में छह संख्यात्मक कथनों में से पाँचवाँ है। इस अध्याय के लिए सामान्य टिप्पणी में संख्यात्मक कथनों की चर्चा देखें।

नीतिवचन 30:24 (#2)

קְטַנֵּי־אָרֶץ

“पृथ्वी पर चार छोटे जन्तु हैं”

यहाँ, आगूर **पृथ्वी पर** मौजूद **छोटे जन्तु** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “छोटी चीजें हैं जो पृथ्वी पर मौजूद हैं”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 30:24 (#3)

חֲכָמִים מְחֻכָּמִים

“जो अत्यन्त बुद्धिमान हैं”

यहाँ, **जो अत्यन्त बुद्धिमान हैं** एक जोरदार निर्माण है जो एक क्रिया और उसके कर्म का उपयोग करता है जो एक ही मूल से आते हैं। आप यहाँ अर्थ व्यक्त करने के लिए अपनी भाषा में उसी निर्माण का उपयोग करने में सक्षम हो सकते हैं। वैकल्पिक रूप से, आपकी भाषा में जोर दिखाने का एक और तरीका हो सकता है।

देखें: कविता

नीतिवचन 30:25 (#1)

עַעֲם

“जाति”

यहाँ, आगूर **चींटियों** की पूरी प्रजाति को ऐसे संदर्भित करते हैं, जैसे कि वे लोगों का एक **जाति** हों। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक प्रजाति हैं”

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 30:25 (#2)

“परन्तु धूपकाल में अपनी भोजनवस्तु बटोरती हैं”

देखें कि आपने समान वाक्यांश “आहार धूपकाल में संचय करती हैं” का 6:8 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 30:26 (#1)

שְׁשָׁפַנִּים

“ चट्टानी बिज्जू”

चट्टानी बिज्जू छोटे जानवर होते हैं जिन्हें हाइरैक्स भी कहा जाता है, जो जंगल में चट्टानों के बीच की दरारों में रहते हैं। यदि आपके पाठक इस प्रकार के पशु से परिचित नहीं हैं, तो आप अपने क्षेत्र में कुछ समान नाम का उपयोग कर सकते हैं या आप एक अधिक सामान्य शब्द का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “छोटे स्तनधारी जो चट्टानों के बीच रहते हैं”

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

नीतिवचन 30:26 (#2)

עַם

“जाति”

देखें कि आपने पिछले पद में **जाति** के समान उपयोग का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 30:26 (#3)

בַּסֶּלַע בָּתֵּם

माँदें पहाड़ों पर होती हैं“

हालाँकि मूल भाषा में **माँद** और **पहाड़** एकवचन हैं, आई.आर.वी. में यह बहुवचन है। वे सामान्य रूप से इन चीज़ों को संदर्भित करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अधिक प्राकृतिक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “चट्टानों में उनके घर”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 30:26 (#4)

בָּתֵּם

“उनकी माँदें”

यहाँ, आगूर उन स्थानों का उल्लेख करते हैं जहाँ **चट्टानी बिज्जू** ऐसे रहते हैं जैसे वे स्थान उनके घर हों, जैसे मनुष्य रहते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उनके निवास स्थान” या “उनके बिल”

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 30:27 (#1)

לָאַרְבֶּה & כֻּלּוֹ

“”टिड्डियों के“

यहाँ, **टिड्डी** और **वे** सामान्य रूप से **टिड्डियों** का प्रतिनिधित्व करते हैं, किसी एक विशेष टिड्डे का नहीं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अधिक प्राकृतिक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “टिड्डियों के लिए ... उनमें से हर एक”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 30:27 (#2)

וַיֵּצֵא חֹצֵץ

“तो भी” - “दल बाँध बाँधकर चलती हैं”

यहाँ, आगूर टिड्डियों के अनुशासित तरीके से यात्रा करने की बात करते हैं, जैसे कि वे एक सेना हैं जिनके सैनिक **दल बाँध बाँधकर चलती हैं**। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं या एक उपमा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “लेकिन ... संगठित तरीके से एक साथ आगे बढ़ते हैं” या “लेकिन ... सैनिकों की पंक्तियों की तरह आगे बढ़ते हैं”

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 30:28 (#1)

שְׁשָׁמִּית & וְהִיא & מֶלֶךְ

“छिपकली” - “तो भी” - “राजभवनों”

यहाँ, **छिपकली** और **राजभवनों** (मूल भाषा में राजा के राजभवन लिखा गया है) सामान्य रूप से छिपकलियों और राजाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं, न कि किसी विशेष **छिपकली** या **राजा** का। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अधिक प्राकृतिक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी छिपकली ... फिर भी कोई भी छिपकली ... कोई भी राजा”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 30:28 (#2)

שְׁשָׁמִּית

“छिपकली”

छिपकली एक छोटा पशु है जो जमीन पर रेंगता है और घरों में छिप सकता है। यदि आपके पाठक इस प्रकार के पशु से परिचित नहीं हैं, तो आप अपने क्षेत्र में किसी समान चीज का नाम उपयोग कर सकते हैं या आप एक अधिक सामान्य शब्द का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक छोटा रेंगने वाला प्राणी”

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

नीतिवचन 30:29 (#1)

שְׁלֹשָׁה הֵמָּה מֵיטִיבֵי צָעָד וְאַרְבָּעָה מֵיטִיבֵי לָכֶת

“”

30:29–31 इस अध्याय में छह संख्यात्मक कथनों में से छठा है। इस अध्याय के लिए सामान्य टिप्पणी में संख्यात्मक कथनों की चर्चा देखें।

नीतिवचन 30:29 (#2)

“”तीन सुन्दर चलनेवाले प्राणी हैं“

एक व्यापक बयान देने के लिए, आगूर एक अलंकारिक उपकरण का उपयोग कर रहे हैं जिसमें वक्ता एक संख्या का नाम लेते हैं जो उनके बिंदु को स्पष्ट करने के लिए पर्याप्त होनी चाहिए और फिर जोर देने के लिए उस संख्या को एक से बढ़ा देते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं।चूँकि दोनों खंडों का अर्थ समान है, इसलिए आप उन्हें एक खंड में भी जोड़ सकते हैं। देखें कि आपने 30:15 में **तीन प्राणी** और **चार** के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: “ये चार चीजें वास्तव में अच्छी तरह चलती हैं”

देखें: समानांतरता

नीतिवचन 30:29 (#3)

מֵיטִיבֵי צָעֲדָ & מֵיטִיבֵי לָכֶת

“”सुन्दर चलनेवाले प्राणी हैं“

वाक्यांश **सुन्दर चलनेवाले** और **चाल सुन्दर** दोनों ही जानवरों या लोगों को संदर्भित करते हैं जो प्रभावशाली ढंग से चलते हैं। यदि यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “प्रभावशाली तरीके से चलना ... राजसी तरीके से कदम बढ़ाना”

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 30:30 (#1)

לַלַּיִשׁ & וְלֹא־יָשׁוּב

“सिंह” - “और किसी के डर से नहीं हटता”

यहाँ, **सिंह** और **नहीं हटता** (हिंदी में सिंह के लिए इस वाक्य में और कोई सर्वनाम का इस्तेमाल नहीं हुआ है) सामान्य रूप से शेरों को संदर्भित करता है, किसी विशिष्ट **सिंह** को नहीं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अधिक प्राकृतिक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी शेर ... और वह शेर पीछे नहीं हटेगा”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 30:30 (#2)

גִּבּוֹר בַּבְּהֵמָה

“सब पशुओं में पराक्रमी”

यहाँ, **पशुओं में पराक्रमी** का अर्थ उनमें सबसे शक्तिशाली पशु होना है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “सबसे शक्तिशाली पशु”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 30:30 (#3)

וְלֹא־יָשׁוּב מִפָּנָי

“और किसी के डर से नहीं हटता”

यहाँ, **किसी के डर से** (मूल भाषा के अनुसार डर के चेहरे के सामने से) का मतलब “भागता नहीं” क्योंकि किसी व्यक्ति से दूर भागने के लिए उसे अपना **चेहरा** उसके **चेहरे** से दूर करना होगा। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और यह भागेगा नहीं”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 30:31 (#1)

זַרְזִיר מָתְנַיִם אוֹ־תָיִשׁ וּמֶלֶךְ אַלְקָום עִמּוֹ

“”शिकारी कुत्ता और बकरा“

मूल भाषा में शिकारी कुत्ते के बजाय **एक कमरबंद व्यक्ति** का उल्लेख है। कई विद्वानों का मानना है कि **एक कमरबंद व्यक्ति** यह एक मुहावरा है जो गर्व से घूमने वाले मुर्गे को संदर्भित करता है। यहाँ, **शिकारी कुत्ता**, **बकरा**, **राजा**, और **एक व्यक्ति** सामान्य रूप से जानवरों या लोगों को संदर्भित करता है, न कि विशिष्ट जानवरों या लोगों को। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अधिक प्राकृतिक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कमरबंद लोग, या कोई नर बकरा, और कोई भी राजा जिसके खिलाफ कोई व्यक्ति नहीं उठता”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 30:31 (#2)

“**शिकारी कुत्ता और बकरा, और अपनी सेना समेत राजा”**

कई विद्वानों का मानना है कि **कमरबांध एक व्यक्ति** यह एक मुहावरा है जो गर्व से घूमने वाले मुर्गे को संदर्भित करता है। मुर्गे गर्व से घूमने वाले नर पक्षी होते हैं। हिंदी अनुवाद में इसके स्थान पर **शिकारी कुत्ता** का उपयोग किया गया है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। अगर आपके पाठक इस प्रकार के पक्षी से परिचित नहीं हैं, तो आप अपने क्षेत्र में किसी ऐसे ही नाम का उपयोग कर सकते हैं या आप अधिक सामान्य शब्द का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “घमंड से चलने वाला मुर्गा” या “एक नर पक्षी जो गर्व से घूमता है”

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 30:31 (#3)

אַלְקָום עִמּוֹ

“अपनी सेना समेत राजा”

मूल भाषा या यू.एल.टी. में राजा के शक्तिशाली सेना का उल्लेख है **जिसके विरुद्ध कोई नहीं उठता**। कुछ विद्वान विश्वास करते हैं कि जिस वाक्यांश का अनुवाद **अपनी सेना समेत राजा** के रूप में किया गया है, उसे “जिसकी सेना उसके साथ है” के रूप में भी अनुवादित किया जा सकता है। यदि आपके क्षेत्र में बाइबल का अनुवाद उपलब्ध है, तो आप उस पाठ का उपयोग करना चाहेंगे जो वह उपयोग करता है। यदि आपके क्षेत्र में बाइबल का अनुवाद उपलब्ध नहीं है, तो आप यू.एल.टी. के पाठ का उपयोग कर सकते हैं।

नीतिवचन 30:32 (#1)

בְּהִתְנַשֵּׂא

“अपनी बढ़ाई”

यहाँ, आगूर उस व्यक्ति के बारे में बात करते हैं जो खुद को ऐसे सम्मानित करता है जैसे वह **अपनी बढ़ाई** सबको दिखा रहा हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "खुद का सम्मान करके"

देखें: रूपक

नीतिवचन 30:32 (#2)

יָ֣ד לְפֶ֑ה

"मुँह पर हाथ"

यहाँ, आगूर ने किसी को कुछ करने से रोकने के लिए वाक्यांश **मुँह पर हाथ** का उपयोग करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन चीजों को करना बंद करें"

देखें: रूपक

नीतिवचन 30:33 (#1)

כִּֽי־

"क्योंकि"

क्योंकि यहाँ पिछले पद में दिए गए आदेश का पालन करने का कारण प्रस्तुत करता है। कारण को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "इन चीजों को करना बंद करें क्योंकि"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

नीतिवचन 30:33 (#2)

""दूध के मथने से मक्खन" - "निकालता है,"

यहाँ, आगूर तीन कारण-प्रभाव संबंधों का उल्लेख करते हैं ताकि यह सिखाया जा सके कि पिछले पद में वर्णित कार्य करने से बुरे परिणाम होंगे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक उपमा का उपयोग कर सकते हैं।वैकल्पिक अनुवाद: "जैसे दूध निचोड़ने से मक्खन निकलता है, और नाक निचोड़ने से खून निकलता है, और नथुने निचोड़ने से कलह निकालता है, वैसे ही इन चीजों को करने से बुरी चीजें होती हैं।"

देखें: रूपक

नीतिवचन 30:33 (#3)

מְמֵ֥יץ חָלָ֖ב יוֹצִ֣יא חֶמְאָ֑ה

"दूध के मथने से मक्खन" - "निकलता है"

यहाँ, आगूर का मतलब तरल दूध को तब तक हिलाना है जब तक कि वह **मक्खन** नामक ठोस पदार्थ में गाढ़ा न हो जाए। यदि आपके पाठक दूध या **मक्खन** बनाने की प्रक्रिया से परिचित नहीं हैं, तो आप अपने क्षेत्र में कुछ समान नाम का उपयोग कर सकते हैं या आप एक अधिक सामान्य शब्द का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कुछ तरल पदार्थों को हिलाने से वे सख्त हो जाते हैं"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

नीतिवचन 30:33 (#4)

"नाक के मरोड़ने से"

यहाँ, **नाक के मरोड़ने** लोगों को गुस्सा दिलाने का संदर्भ देता है। नाक शब्द का अर्थ है "क्रोध" जिसका संबंध उस तरीके से है जिस तरह से गुस्सा होने वाला व्यक्ति अपनी नाक से जोर से सांस लेता है, जिससे उसकी नाक चौड़ी हो जाती है। आपकी भाषा और संस्कृति भी क्रोध को शरीर के किसी खास अंग से जोड़ सकती है। अगर ऐसा है, तो आप अपने अनुवाद में शरीर के उस अंग से जुड़ी अभिव्यक्ति का इस्तेमाल कर सकते हैं। आप साधारण भाषा का भी उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और लोगों के मुँह से झाग निकालना" या "और लोगों को क्रोधित करना"

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 30:33 (#5)

יוֹצִ֥יא רִ֖יב

"झगड़ा उत्पन्न होता है"

यहाँ, आगूर का मतलब लोगों को बहस करने के लिए प्रेरित करना है जैसे कि **झगड़ा** कोई ऐसी चीज़ हो जिसे कोई व्यक्ति **उत्पन्न** कर सकता हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लोगों के बीच विवाद उत्पन्न करते हैं"

देखें: रूपक

नीतिवचन 30:33 (#6)

"झगड़ा"

देखें कि आपने **झगड़ा** जैसी भाववाचक संज्ञा का 16:28 में किस प्रकार अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 31:1 (#1)

"के प्रभावशाली वचन"

देखें कि आपने **वचन** के उसी उपयोग का 1:6 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 31:1 (#2)

"{वह सन्देश} जो उसकी माता ने उसे सिखाए"

मूल भाषा में यहाँ **वह सन्देश** वाक्यांश का उपयोग पद के आरम्भ में हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी बाइबल में इसका प्रयोग नहीं हुआ है। देखें कि आपने 30:1 में **सन्देश** के समान उपयोग को कैसे अनुवाद किया है।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 31:2 (#1)

מַה־בְּרִ֣י

"हे मेरे पुत्र"

31:2–31 यह एक लम्बा उद्धरण है जो लमूएल की माँ ने उन्हें बताया था। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे उद्धरण चिह्नों के साथ या आपकी भाषा में उद्धरण को इंगित करने के लिए उपयोग किए जाने वाले किसी अन्य विराम चिह्न या परम्परा के साथ इंगित कर सकते हैं।

देखें: उद्धरण चिह्न

नीतिवचन 31:2 (#2)

מַה־בְּבָרִי וּמַה־בַּר־בִּטְנִי וּ֫מָה בַּר־נְדָרָי

“हे मेरे पुत्र, हे मेरे निज पुत्र!”

लमूएल की माँ कुछ शब्द छोड़ रही हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “हे मेरे पुत्र, मैं आपको क्या कहूँ? हे मेरे गर्भ के पुत्र, मैं आपको क्या कहूँ? हे मेरी प्रतिज्ञाओं के पुत्र, मैं आपको क्या कहूँ?”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 31:2 (#3)

מַה־בְּבָרִי וּמַה־בַּר־בִּטְנִי וּ֫מָה בַּר־נְדָרָי

“हे मेरे पुत्र, हे मेरे निज पुत्र! हे मेरी मन्नतों के पुत्र!”

मूल भाषा में ये तीन सवाल हो सकते हैं: (1) आलंकारिक सवाल जो लेमूएल की माँ इस बात पर ज़ोर देने के लिए पूछती हैं कि उसके **पुत्र** को वह जो कहने वाली है उसे सुनना चाहिए। वैकल्पिक अनुवाद: “यह है जो मुझे आपको बताना चाहिए, मेरे पुत्र! और यह है जो मुझे आपको बताना चाहिए, मेरे गर्भ के पुत्र! और यह है जो मुझे आपको बताना चाहिए, मेरी मन्नतों के पुत्र!” (2) विस्मयादिबोधक वाक्य जिनमें **क्या** प्रश्न प्रस्तुत नहीं कर रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: “हे, मेरे पुत्र! हे, मेरे गर्भ के पुत्र! हे, मेरी मन्नतों के पुत्र!”

देखें: आलंकारिक प्रश्न

नीतिवचन 31:2 (#4)

בַּר־בִּטְנִי

“हे मेरे निज पुत्र”

यहाँ, लमूएल की माँ एक **पुत्र** का वर्णन करने के लिए अधिकारवाचक रूप का उपयोग कर रही हैं जिसे उन्होंने अपने **गर्भ** में धारण किया था। यदि आपकी भाषा में इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “पुत्र जिसे मैंने अपने गर्भ में धारण किया”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 31:2 (#5)

בַּר־נְדָרָי

“हे मेरी मन्नतों के पुत्र”

यहाँ, **मन्नतों** का अर्थ हो सकता है: (1) वह वादा जो लमूएल की माता ने किया था कि यदि परमेश्वर उन्हें एक सन्तान दें, तो वह अपने **पुत्र** को परमेश्वर को समर्पित कर देगी। वैकल्पिक अनुवाद: “पुत्र जिसे मैंने यहोवा को समर्पित किया” (2) लमूएल का जन्म परमेश्वर द्वारा उसकी माता की **मन्नतों** को सुनने के परिणामस्वरूप हुआ, इस स्थिति में **मन्नतों** का अर्थ प्रार्थनाएँ होता है। वैकल्पिक अनुवाद: “पुत्र जिसके लिए मैंने प्रार्थना की”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 31:3 (#1)

אַל־תִּתֵּ֫ן לַנָּשִׁים חֵילֶ֫ךָ

“अपना बल स्त्रियों को न देना”

लमूएल की माँ विनम्र तरीके से यौन सम्बन्धों का जिक्र करने के लिए **अपना बल स्त्रियों को न देना** वाक्यांश का उपयोग कर रही हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे विनम्र तरीके से कह सकते हैं, या इसे सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “महिलाओं के साथ खुद को थकाएँ नहीं” या “महिलाओं के साथ यौन सम्बन्धों में अपनी ऊर्जा बर्बाद न करें”

देखें: मंगल भाषण

नीतिवचन 31:3 (#2)

וּ֫דְרָכֶ֥יךָ

“न अपना जीवन”

यहाँ, **अपना जीवन** का अर्थ हो सकता है: (1) पिछले वाक्यांश में **अपने बल** के समान, जो इस वाक्यांश के समानांतर है। वैकल्पिक अनुवाद: “या अपनी शक्ति” (2) किसी व्यक्ति का नियमित व्यवहार, जो आमतौर पर नीतिवचन में **आचरण** का अर्थ होता है। वैकल्पिक अनुवाद: “या जो आप करते हैं”

देखें: रूपक

नीतिवचन 31:3 (#3)

לַמְחַתּוֹת מְלָכִין

“जो राजाओं का पौरूष खा जाती हैं”

इस खण्ड और पिछले खण्ड के बीच समानता यह दर्शाती है कि यह वाक्यांश **स्त्रियों** को सन्दर्भित करता है जो **राजाओं का पौरूष खा जाती हैं**। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उन महिलाओं के लिए जो राजाओं का अन्त कर देती हैं”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 31:4 (#1)

אַ֭אַל לְמֶ֣לֶךְ לְמוּאֵ֑ל אַ֭אַל לְמֶ֣לֶךְ לְמֻלְכִּֽים׃

“हे लमूएल, राजाओं को ... शोभा नहीं देता”

यहाँ, लमूएल की माँ जोर देने के लिए मूल भाषा में वही वाक्यांश दोहराती हैं। यदि आपके पाठकों के लिए यह स्पष्ट होगा, तो आप जोर देने के लिए एक ही वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यह राजाओं के लिए बिल्कुल भी उचित नहीं है, लमूएल”

देखें: द्विरावृत्ति (डबलेट)

नीतिवचन 31:4 (#2)

אַל־לְמֻאֵל לְמֶלָכִים & אַל־לְמֶלָכִים

“हे लमूएल, राजाओं को ... नहीं देता”

मूल भाषा में यहाँ **यह राजाओं के लिए नहीं है, लेमुएल, यह राजाओं के लिए नहीं है** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी बाइबल में **हे लमूएल, राजाओं को ... नहीं देता** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। लमूएल की माँ कुछ ऐसे शब्द छोड़ रही हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “राजाओं के लिए यह उचित नहीं है... राजाओं के लिए यह उचित नहीं है”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 31:4 (#3)

אוֹ

“और”

कुछ प्राचीन प्रतियों और अनुवादों में कहा गया है कि जो शब्द **और** के रूप में अनुवादित है, वह एक अलग शब्द है जिसका अर्थ “लालसा” या “लालच करना” होता है, जो पिछले खण्ड में **दाखरस पीना** के साथ समानता के कारण समझ में आता है। यदि आपके क्षेत्र में पहले से ही बाइबल का अनुवाद मौजूद है, तो आप उस अनुवाद को पढ़ने पर विचार कर सकते हैं। यदि आपके क्षेत्र में पहले से बाइबल का अनुवाद नहीं है, तो आप अनफोल्डिंग वर्ड सिम्प्लिफाइड ट्रान्सलेशन के पाठ का अनुसरण कर सकते हैं।

देखें: पाठ्य भिन्नताएँ

नीतिवचन 31:5 (#1)

יִשְׁתֶּה

“वे पीकर”

यहाँ, **वे** पिछले वचन में उल्लेखित राजाओं और रईसों को सन्दर्भित करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वे राजा या रईस पीकर”

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

नीतिवचन 31:5 (#2)

מְחֻקָּק

“व्यवस्था को”

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक हो। यह वाक्यांश उन देशों के कानूनों को सन्दर्भित करता है जिन पर ये राजा या गणमान्य व्यक्ति शासन करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो कानून निर्धारित करता है” या “उनके कानून”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 31:5 (#3)

וְיַשַּׁנֶּה דִּדִּין

“और ... हक़ को मारें”

यहाँ, **हक़ को मारने** का अर्थ लोगों को उनके कानूनी अधिकारों से वंचित करना है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और कानूनी अधिकारों को नकारना”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 31:5 (#4)

דִּדִּין כָּל־בְּנֵי־עֹנִי

“किसी दुःखी के हक़ को”

मूल भाषा में यहाँ **पीड़ित के सभी पुत्रों के कानूनी दावे** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी बाइबल में **किसी दुःखी के हक़ को** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। यहाँ, **हक़** और **दुःखी** के सामान्य रूप में सारे हक़ और दुखियों को सन्दर्भित करते हैं, न कि किसी विशेष **हक़** या **दुःखी** को। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “किसी भी पीड़ित व्यक्ति के सभी पुत्रों का कोई भी कानूनी दावा”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 31:5 (#5)

בְּנֵי־עֹנִי

“किसी दुःखी के”

मूल भाषा में यहाँ **और पीड़ित के सभी पुत्रों** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी बाइबल में **किसी दुःखी के** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। यहाँ, **पीड़ित व्यक्ति के पुत्र** का अर्थ पीड़ित लोगों से है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसके अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “पीड़ित लोग”

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 31:6 (#1)

לְאוֹבֵד

“जो मरने पर है”

यहाँ, **जो मरने पर है** सामान्य रूप में मरने वाले लोगों को सन्दर्भित करता है, किसी विशेष व्यक्ति को नहीं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप एक अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “किसी भी नाश होने वाले व्यक्ति के लिए”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 31:6 (#2)

וְיַיִן

“और दाखमधु”

लमूएल की माँ कुछ शब्द छोड़ रही हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप इन शब्दों को पिछले खण्ड से जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और दाखमधु देना”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 31:6 (#3)

לְמָרֵי נָפֶשׁ

“उदास मनवालों को”

यहाँ, लमूएल की माँ उन लोगों का उल्लेख करती हैं जो ऐसा महसूस करते हैं जैसे उनकी आत्माएँ **उदास** हैं। यहाँ, **मन (प्राण)** का अर्थ व्यक्ति के आन्तरिक अस्तित्व या मन से है, जैसा कि 23:7 में है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसके अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उनके लिए जो दुखी हैं”

देखें: रूपक

नीतिवचन 31:7 (#1)

יֵשְׁתֶּה וְיִשְׁכַּח רִישׁוֹ וַעֲמָלוֹ לֹא יִזְכָּר־עוֹד

“वे पीकर अपनी दरिद्रता को भूल जाएँ”

वे और **अपनी** “नाश होने वाले” और “उदास” लोगों को सन्दर्भित करते हैं, जिनका उल्लेख पिछले वचन में किया गया है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वे मरने वाले और दुखी लोग पीएँगे और अपनी गरीबी को भूल जाएँगे, और अपनी परेशानी को फिर से याद नहीं करेंगे।”

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

नीतिवचन 31:7 (#2)

יֵשְׁתֶּה

“वे पीकर”

लमूएल की माँ यह संकेत देती हैं कि **वे** दाखरस या किसी अन्य मादक पेय को **पिएंगे**, जैसा कि पिछले वचन में उल्लेख किया गया है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह दाखरस या मादक पेय का सेवन करेगा”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 31:7 (#3)

“अपनी दरिद्रता”

देखें कि आपने भाववाचक संज्ञा **दरिद्रता** का 6:11 में और **कठिन श्रम** का 24:2 में कैसे अनुवाद किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 31:8 (#1)

פְּתַח־פִּיךָ לְאִלֵּם

“गूँगे के लिये अपना मुँह खोल”

अपना मुँह खोल का अर्थ है किसी का बचाव करने के लिए कुछ कहना। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक गूँगे व्यक्ति की ओर से बोलने के लिए अपना मुँह खोलो”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 31:8 (#2)

לְאִלֵּם אֶל־דִּין כָּל־בְּנֵי חֲלוֹף

“गूँगे के लिये”

यहाँ, **गूंगा**, **न्याय,** और **अनाथों** का तात्पर्य सामान्य रूप से इन लोगों और चीजों से है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “किसी भी गूँगे व्यक्ति के लिए, किसी भी मृत व्यक्ति के सभी पुत्रों के किसी भी कानूनी दावे के लिए”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 31:8 (#3)

אֶל־דִּין

“का न्याय”

लमूएल की माँ कुछ शब्द छोड़ रही हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। आप इन शब्दों को वाक्य के पहले भाग से ले सकते हैं या यदि आपकी भाषा में स्पष्टता के लिए आवश्यक हो तो एक संयोजक शब्द का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “... के कानूनी दावे के लिए अपना मुँह खोलिए” या “और .... के कानूनी दावे के लिए”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 31:8 (#4)

“सब अनाथों का”

मूल भाषा में यहाँ **जो मर गए हैं उनके पुत्र** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी बाइबल में **सब अनाथों** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। देखें कि आपने 31:5 में ‘के पुत्रों’ के उसी प्रयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 31:8 (#5)

חֲלוֹף

“और सब अनाथों का”

मूल भाषा में यहाँ **जो मर गए हैं** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी बाइबल में **सब अनाथों का** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। लमूएल की माँ **जो मर गए हैं** वाक्यांश का उपयोग करके मृत्यु का विनम्रतापूर्वक तरीके से उल्लेख कर रही हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे सन्दर्भित करने के लिए एक सामान्य विनम्रतापूर्वक तरीका उपयोग कर सकते हैं, या इसे सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मरने वाला”

देखें: मंगल भाषण

नीतिवचन 31:9 (#1)

פְּתַח־פִּיךָ שְׁפָט־צֶדֶק

“अपना मुँह खोल और धर्म से न्याय कर”

लमूएल की माँ कुछ शब्द छोड़ रही हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि यह आपकी भाषा में स्पष्ट

होगा, तो आप दूसरे वाक्यांश से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “पीड़ितों और दरिद्रों के लिए अपना मुँह खोलें और उनका न्याय धर्म से करें।”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 31:9 (#2)

פְּתַח־פִּ֭יךָ

“अपना मुँह खोल”

देखें कि आपने पिछले वचन में इस वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 31:9 (#3)

“धर्म”

देखें कि आपने **धर्म** जैसी भाववाचक संज्ञा का 1:3 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 31:9 (#4)

וְ֝דִ֗ין עָנִ֥י וְאֶבְיֹ֑ון

“और दीन दरिद्रों का न्याय कर”

यहाँ, **न्याय कर**, **दीन**, और **दरिद्र** का सामान्य रूप में कानूनी मामलों और लोगों के प्रकारों को सन्दर्भित करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और किसी भी पीड़ित व्यक्ति और किसी भी दरिद्र व्यक्ति के किसी भी कानूनी मामले की पैरवी करें”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 31:10 (#1)

אֵ֤שֶׁת־חַ֨יִל֜ מִ֗י וּ֭מִרְחַק מִכְרָ֣הּ

“भली पत्नी कौन पा सकता है”

लमूएल की माँ प्रश्न रूप का उपयोग यह जोर देने के लिए कर रही हैं कि **भली** पत्नी को खोजना कितना कठिन है। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “बहुत कम पुरुष मूल्यवान महिला को पा सकते हैं!”

देखें: आलंकारिक प्रश्न

नीतिवचन 31:10 (#2)

אֵ֤שֶׁת־חַ֨יִל֜ & מִכְרָ֣הּ

“भली पत्नी” - “उसका मूल्य”

भली पत्नी और **उसका** सामान्य रूप में एक प्रकार की **स्त्री** को सन्दर्भित करते हैं, किसी विशेष **स्त्री** को नहीं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी भली पत्नी ... उस पत्नी का मूल्य”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 31:10 (#3)

אֵ֤שֶׁת־חַ֨יִל֜

“भली पत्नी”

यहाँ, लमुएल की माता एक ऐसी **पत्नी** का वर्णन करने के लिए अधिकारसूचक रूप का उपयोग कर रही है जो **मूल्य** से विशेषता रखती है। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक योग्य महिला”

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 31:10 (#4)

חַ֨יִל֜

“भली”

मूल भाषा में यहाँ **एक योग्य स्त्री को कौन पा सकता है** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **भली पत्नी कौन पा सकता है** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। यहाँ, **मूल्य** का तात्पर्य शारीरिक क्षमता और नैतिक **मूल्य** दोनों से है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “शारीरिक और नैतिक मूल्य”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 31:10 (#5)

“मूँगों से भी बहुत अधिक है”

देखें कि आपने **मूँगों** का 3:15 में कैसे अनुवाद किया।

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

नीतिवचन 31:11 (#1)

“उसके पति के मन”

यहाँ, **मन** पूरे व्यक्ति को सन्दर्भित करता है। देखें कि आपने 14:10 में **मन** के उसी उपयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 31:11 (#2)

וְ֝שָׁלָ֗ל

“उसे लाभ”

हालांकि **लाभ** के रूप में अनुवादित शब्द आमतौर पर उस धन-सम्पत्ति को सन्दर्भित करता है जिसे सैनिक युद्ध जीतने के बाद प्राप्त करते हैं या जिसे चोर चुरा लेते हैं, यहाँ यह उन मूल्यवान चीजों को सन्दर्भित करता है जो इस **पति** को उसकी पत्नी के कारण प्राप्त होती हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसके अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और उससे बड़ी सम्पत्ति”

देखें: रूपक

नीतिवचन 31:11 (#3)

לֹ֥א יֶחְסָֽר

“उसे...घटी नहीं होती”

लमुएल की माँ यहाँ एक अलंकार का प्रयोग कर रही है जो एक नकारात्मक शब्द, **नहीं**, का प्रयोग करके एक दृढ़तापूर्वक सकारात्मक अर्थ व्यक्त करता है, साथ में एक अभिव्यक्ति है जो इच्छित अर्थ के विपरीत है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप सकारात्मक अर्थ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उसके पास हमेशा रहेगा”

देखें: (लाइटोटीज़) कटाक्षपूर्ण उक्ति

नीतिवचन 31:12 (#1)

“बुरा नहीं, वरन् भला ही”

देखें कि आपने भाववाचक संज्ञाओं **भला** को 11:27 में और **बुरा** को 1:16 में कैसे अनुवादित किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

भाववाचक 31:12 (#2)

טוֹב וְלֹא־רָע

“बुरा नहीं, वरन् भला ही”

अभिव्यक्तियाँ **भला** और **बुरा नहीं** का अर्थ समान है। लमूएल की माँ जोर देने के लिए दोनों अभिव्यक्तियों का एक साथ उपयोग कर रही हैं। यदि आपके पाठकों के लिए यह स्पष्ट होगा, तो आप जोर को एक ही वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अत्यंत अच्छा”

देखें: द्विरावृत्ति (डबलेट)

नीतिवचन 31:12 (#3)

“अपने जीवन”

देखें कि आपने **जीवन** की भाववाचक संज्ञा का 10:16 में कैसे अनुवाद किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 31:13 (#1)

דָּרְשָׁה

“वह ... ढूँढ़ ढूँढ़कर”

यह तथ्य कि वह **काम करती हैं** अगले खण्ड में यह संकेत करता है कि यह महिला जो **ढूँढ़ती** है उसे पाती हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह पाती हैं”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 31:13 (#2)

צֶמֶר

“ऊन”

शब्द **ऊन** भेड़ के बालों को सन्दर्भित करता है, जिसका उपयोग सर्दियों के लिए गर्म कपड़े बनाने में किया जाता था। यदि आपके पाठक इस प्रकार की सामग्री से परिचित नहीं हैं, तो आप अपने क्षेत्र में कुछ समान चीज का नाम उपयोग कर सकते हैं या आप एक अधिक सामान्य शब्द का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “गर्म कपड़ा” या “सर्दियों के कपड़े बनाने के लिए सामग्री”

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

नीतिवचन 31:13 (#3)

וּפִשְׁתִּים

“और सन”

शब्द **सन** एक प्रकार के पौधे को सन्दर्भित करता है जिसका उपयोग गर्मियों के लिए ठण्डे कपड़े बनाने में किया जाता था। यदि आपके पाठक इस प्रकार की सामग्री से परिचित नहीं हैं, तो आप अपने क्षेत्र में कुछ समान चीज का नाम उपयोग कर सकते हैं या आप एक अधिक सामान्य शब्द का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “ठण्डा कपड़ा” या “गर्मियों के कपड़े बनाने की सामग्री”

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

नीतिवचन 31:13 (#4)

וַתַּעֲשׂ

“काम करती है”

यहाँ, **काम** का अर्थ कपड़े बनाना है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और कपड़े बनाते हैं”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 31:13 (#5)

בְּחֵפֶץ כַּפָּיהָ

“अपने हाथों से प्रसन्नता के साथ”

यहाँ, लमूएल की माँ उस महिला के बारे में बात करती हैं जो **प्रसन्नता** का अनुभव करती हैं जब वह **अपने हाथों** का उपयोग करके कपड़े बनाती हैं, जैसे कि उनके **हाथ** वे लोग हैं जो उस **प्रसन्नता** को महसूस करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसके अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अपने हाथों से आनन्दपूर्वक”

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 31:14 (#1)

הָיְתָה כָּאֳנִיּוֹת סוֹחֵר מִמֶּרְחָק תָּבִיא לַחְמָהּ

“वह व्यापार के जहाजों के समान”

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप इन उपवाक्यों के क्रम को बदल सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह व्यापारी के जहाजों की तरह, दूर से अपनी रोटी लाती हैं।”

देखें: सूचना संरचना

नीतिवचन 31:14 (#2)

“अपनी भोजनवस्तुएँ”

देखिये आपने 9:5में **भोजनवस्तुएँ** के उसी प्रयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: उपलक्षण

नीतिवचन 31:15 (#1)

בְּעֹ֣ד לַיְלָה

“वह रात ही को”

यहाँ, **रात** का मतलब सुबह सूरज उगने से पहले का समय है, न कि आधी रात। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जबकि अभी भी अँधेरा है” या “सूरज उगने से पहले”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 31:15 (#2)

וַתִּתֵּ֣ן

“और ... खिलाती है”

यहाँ, **और** यह इंगित करता है कि जो कुछ भी आगे आता है वह महिला के **रात ही को** उठने का उद्देश्य है। अपनी भाषा में एक संयोजक का उपयोग करें जो उद्देश्य को इंगित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: “भोजन देने के उद्देश्य से”

देखें: जोड़ें – लक्ष्य (उद्देश्य) सम्बन्ध

नीतिवचन 31:15 (#3)

לְבֵיתָ֑הּ

“अपने घराने”

यहाँ, **घराने** उस परिवार का प्रतिनिधित्व करता है जो उनके **घर** में रहता है। देखें कि आपने 3:33 में **घर** के उसी उपयोग का अनुवाद कैसे किया।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 31:15 (#4)

וְ֖חֹק

“और ... अलग-अलग काम”

यहाँ, **अलग-अलग काम** का अर्थ **अलग-अलग भोजन** है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और भोजन का एक हिस्सा”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 31:15 (#5)

לְנַעֲרֹתֶ֥יהָ

“अपनी दासियों को”

यहाँ, **दासियों** उस महिला की सेवा करने वाली सेविकाओं को सन्दर्भित करती हैं जो उसके घर में रहती हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उसकी सेवक लड़कियों के लिए”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 31:16 (#1)

זָמְמָ֥ה שָׂדֶ֖ה

“वह किसी खेत के विषय में सोच विचार करती है”

यहाँ, **सोच विचार करती है** का अर्थ है **खेत** खरीदने से पहले सावधानीपूर्वक योजना बनाना। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह खेत खरीदने के बारे में सावधानीपूर्वक विचार करती हैं”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 31:16 (#2)

מִפְּרִ֣י כַפֶּ֔יהָ

“अपने परिश्रम के फल से”

यहाँ, **अपने परिश्रम के फल** रुपये-पैसे को सन्दर्भित करता है जो महिला ने अपने **हाथों** से कपड़े बनाकर 31:13 में बेचे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसके अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उनके द्वारा कमाए गए रुपये-पैसे से”

देखें: रूपक

नीतिवचन 31:17 (#1)

“वह अपनी कमर को बल के फेंटे से कसती है”

वाक्यांश **अपनी कमर को बल के फेंटे से कसती है** का अर्थ है काम करने के लिए तैयार होना, जिसमें अपने कपड़ों के ढीले सिरे को कमरबन्द से बांधना शामिल होता है ताकि काम करते समय कपड़े व्यक्ति के रास्ते में न आएँ। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसके अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वे खुद को काम के लिए तैयार करती हैं”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 31:17 (#2)

“दृढ़ बनाती है”

यहाँ, **दृढ़** उस तरीके को दर्शाती है जिससे वह **अपनी कमर को बल के फेंटे से कसती है**। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मजबूत तरीके से” या “मजबूती से”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 31:17 (#3)

וַתְּאַמֵּ֥ץ זְרֹעֹתֶ֖יהָ

“और अपनी बाहों को दृढ़ बनाती है”

यहाँ, लमूएल की माँ संकेत करती हैं कि यह महिला **अपनी बाहों को दृढ़ बनाती है** कड़ी मेहनत करके। यदि यह आपके लिए सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह कठिन परिश्रम करके अपनी बाहों को मजबूत करती हैं”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 31:18 (#1)

“मेरा व्यापार लाभदायक”

देखें कि आपने **लाभदायक** जैसी भाववाचक संज्ञा का 3:14 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 31:18 (#2)

לֹא־יִכְבֶּה בַלַּיְלָה נֵרָהּ

“रात को उसका दिया नहीं बुझता”

यहाँ, लमूएल की माँ यह संकेत करती हैं कि इस महिला का **दिया नहीं बुझता** क्योंकि वह महिला काम कर रही हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उनका दीया रात में नहीं बुझता क्योंकि वह काम कर रही हैं।”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 31:18 (#3)

לֹא־יִכְבֶּה בַלַּיְלָה נֵרָהּ

“रात को उसका दिया नहीं बुझता”

लमूएल की माँ इस वाक्यांश का उपयोग एक अतिशयोक्ति के रूप में करती हैं ताकि इस बात पर जोर दिया जा सके कि ऐसी महिला देर **रात** तक काम करती है, लेकिन जरूरी नहीं कि वह पूरी **रात** काम करे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप जोर देने के लिए एक अलग तरीका उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह काम करते हुए रात को देर तक एक दीया जलाती हैं”

देखें: अतिशयोक्ति

नीतिवचन 31:19 (#1)

יָדֶיהָ שִׁלְּחָה בַכִּישׁוֹר וְכַפֶּיהָ תָּמְכוּ פָלֶךְ

“वह अटेरन में हाथ लगाती है”

यह वचन कपड़ा बनाने के लिए उपयोग किए जाने वाले धागे की प्रक्रिया का उल्लेख करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह अपने हाथों से तकली चलाती हैं, और धागा बनाने के लिए चरखा पकड़ती हैं।”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 31:19 (#2)

יָדֶיהָ שִׁלְּחָה בַכִּישׁוֹר

“वह अटेरन में हाथ लगाती है”

यहाँ, **हाथ लगाती है** का अर्थ कुछ पकड़ना है। यदि इस वाक्यांश का आपकी भाषा में यह अर्थ नहीं है, तो आप इसका अर्थ सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह तकली पकड़ती हैं”

देखें: मुहावरा

नीतिवचन 31:19 (#3)

בַכִּישׁוֹר

“वह अटेरन में”

शब्द **अटेरन** एक पतली छड़ को सन्दर्भित करता है जिसके नुकीले सिरे होते हैं और जिसका उपयोग धागा बनाने के लिए किया जाता है। यदि आपके पाठक इस प्रकार के उपकरण से परिचित नहीं होंगे, तो आप अपने क्षेत्र में किसी समान चीज़ का नाम उपयोग कर सकते हैं या आप एक अधिक सामान्य शब्द का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “धागा बनाने के लिए उपकरण”

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

नीतिवचन 31:19 (#4)

פָלֶךְ

“चरखा”

शब्द **चरखा** लकड़ी के उस टुकड़े को सन्दर्भित करता है जिसके चारों ओर तार बनाते समय तार लपेटा जाता है। यदि आपके पाठक इस प्रकार के उपकरण से परिचित नहीं हैं, तो आप अपने क्षेत्र में किसी समान चीज़ का नाम उपयोग कर सकते हैं या आप एक अधिक सामान्य शब्द का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “तार पकड़ने का उपकरण”

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

नीतिवचन 31:20 (#1)

כַּפָּהּ פָּרְשָׂה לֶעָנִי וְיָדֶיהָ שִׁלְּחָה לָאֶבְיוֹן

“वह दीन के लिये मुट्ठी खोलती है”

वाक्यांश **मुट्ठी खोलती है** और **हाथ बढ़ाती है** दोनों का मतलब किसी की मदद करने के लिए अपने हाथों का उपयोग करके उस व्यक्ति को कुछ देना है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह पीड़ितों की मदद करती हैं, और वह दरिद्र की सहायता करती हैं”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 31:20 (#2)

“दीन के लिये”

देखें कि आपने **दीन** का 15:15 में और **दरिद्र** व्यक्ति का 13:8 में किस प्रकार अनुवाद किया।

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 31:21 (#1)

“अपने घराने के लिये” - “उसके घर के”

देखें कि आपने **अपने घराने** का वही उपयोग 31:15 में कैसे अनुवाद किया।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 31:21 (#2)

לֹא־תִירָא לְבֵיתָהּ

“वह अपने घराने के लिये ... नहीं डरती”

यहाँ, लमूएल की माँ संकेत करती हैं कि यह महिला **अपने घराने के** ठण्डा होने **से नहीं डरती है**। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह अपने घर के ठण्डा होने से नहीं डरतीं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 31:21 (#3)

מִשָּׁשֶׁלֶג

"हिम से"

यहाँ, **हिम** ठण्डे मौसम को सन्दर्भित करती है, जो वह समय होता है जब **हिम** गिरती है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ठण्डे मौसम के कारण" या "सर्दियों के कारण"

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 31:21 (#4)

לָבֵשׁ שָׁנִים

"लाल कपड़े पहनते हैं"

मूल भाषा में यह वाक्यांश निष्क्रिय रूप में लिखा गया है जबकि हिन्दी आई.आर.वी बाइबल में यह वाक्यांश सक्रीय रूप में लिखा गया है। यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्होंने लाल रंग के वस्त्र पहने हैं"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 31:21 (#5)

"लोग लाल कपड़े"

यहाँ, **लाल** का अर्थ महंगे **लाल** वस्त्र से बने गर्म कपड़ों से है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसके अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "महंगे, गर्म कपड़े होना"

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 31:22 (#1)

מַרְבַדִּים

"तकिये"

मूल भाषा में यहाँ **चादर** शब्द का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी बाइबल में **तकिये** शब्द का प्रयोग हुआ है। यहाँ, **चादर** का अर्थ बिस्तरों को ढकने के लिए उपयोग किए जाने वाले वस्त्र के टुकड़ों से है। यदि यह आपके लिए सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। देखें कि आपने **चादर** का 7:16 में कैसे अनुवाद किया। वैकल्पिक अनुवाद: "कम्बल" या "वस्त्र जो बिस्तरों को ढकते हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 31:22 (#2)

שֵׁשׁ וְאַרְגָּמָן לְבוּשָׁהּ

"उसके वस्त्र सूक्ष्म सन और बैंगनी रंग के होते हैं"

लमूएल की माँ कुछ शब्द छोड़ रही हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा तो आप ये शब्द पहले के वाक्य से ले सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह अपने वस्त्र के लिए उत्तम सन और बैंगनी पहनती हैं।"

देखें: पदलोप

नीतिवचन 31:22 (#3)

שֵׁשׁ וְאַרְגָּמָן

"सूक्ष्म सन और बैंगनी रंग"

यहाँ, **सूक्ष्म सन** और **बैंगनी** दोनों ही बहुत महंगे वस्त्रों को सन्दर्भित करते हैं। लमूएल की माँ जोर देने के लिए इन दोनों शब्दों का एक साथ उपयोग कर रही हैं। यदि आपके पाठकों के लिए यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप जोर देने के लिए एक ही वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बहुत महंगी सामग्री"

देखें: द्विरावृत्ति (डबलेट)

नीतिवचन 31:23 (#1)

נוֹדָע & בַּשְּׁעָרִים

"उसका सम्मान होता है"

मूल भाषा में यह वाक्यांश निष्क्रिय रूप में लिखा गया है जबकि हिन्दी आई.आर.वी बाइबल में यह वाक्यांश सक्रीय रूप में लिखा गया है। यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "लोग उनके पति को जानते हैं"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 31:23 (#2)

נוֹדָע

"सम्मान होता है"

यहाँ, वाक्यांश **सम्मान होता है** का अर्थ है कि इस महिला के **पति** का कई लोगों द्वारा सम्मान किया जाता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सम्मानित हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 31:23 (#3)

"सभा में"

मूल भाषा में यहाँ **फाटकों पर** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी बाइबल में **सभा में** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। यहाँ, **द्वार** का अर्थ शहर या **नगर** के उस भीड़भाड़ वाले स्थान से है जहाँ कई लोग इकट्ठा होते थे और कानूनी निर्णय लिए जाते थे। देखें कि आप 1:21 में फाटकों के उसी उपयोग का अनुवाद कैसे करते हैं।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 31:23 (#4)

בְּ֭שִׁבְתּוֹ עִם

“जब उसका ... संग बैठता है”

यहाँ, **संग बैठता है** का अर्थ है भूमि के **पुरनियों के संग** बैठकर कानून बनाना और कानूनी विवादों को सुलझाना। जो कोई **पुरनियों के संग बैठता है** वह वास्तव में उनमें से एक होता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसके अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जब वे कानूनी निर्णय लेने के लिए बैठते हैं”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 31:23 (#5)

זִקְנֵי־אָ֑רֶץ

“देश के पुरनियों”

वाक्यांश **देश के पुरनियों** उस शहर या **नगर** के अगुवों को सन्दर्भित करता है जिसमें यह महिला अपने **पति** के साथ रहती हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “नगर के अगुवा”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 31:24 (#1)

סָדִין֙ & וַחֲגוֹר֔ & לַכְּנַעֲנִ֖י

“सन के वस्त्र” - “और ...कमरबन्द” - “व्यापारी को”

यहाँ, **सन के वस्त्र**, **एक कमरबन्द**, और **व्यापारी** सामान्य रूप में इन वस्त्रों और लोगों को सन्दर्भित करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “सन के वस्त्र ... कमरबन्द... व्यापारी लोगों के लिए”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 31:24 (#2)

וַתִּמְכֹּֽר

“बेचती है”

लमूएल की माँ एक ऐसा शब्द छोड़ रही हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होता है। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा तो आप इस शब्द को सन्दर्भ से जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और वह उस वस्त्र को बेचती हैं”

देखें: पदलोप

नीतिवचन 31:24 (#3)

נָתְנָ֥ה

“वह ... देती है”

यहाँ, **देती हैं** का अर्थ है कि वे इस **कमरबन्द** को किसी को देती हैं जो उन्हें इस वस्तु के लिए भुगतान करता है और फिर इसे दूसरों को बेचता है। वे **कमरबन्द** मुफ्त में नहीं देती हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वे आपूर्ति करती हैं”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 31:24 (#4)

לַכְּנַעֲנִ֖י

“व्यापारी को”

मूल भाषा में यहाँ **कनानी** शब्द का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी बाइबल में सिर्फ **व्यापारी** शब्द का प्रयोग हुआ है। यहाँ, शब्द **कनानी** विशेष रूप से **कनानी** व्यापारियों को सन्दर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसके अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कनानी व्यापारी” या “किसी ऐसे व्यक्ति के लिए जो चीजों का व्यापार करता है”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 31:25 (#1)

עֹ֤ז־וְהָדָר֙ לְבוּשָׁ֔הּ

“वह बल और प्रताप का पहरावा पहने रहती है”

यहाँ, लमूएल की माँ इस महिला के **बल और प्रताप** की बात करती हैं, जिसे अन्य लोग इस तरह देखते हैं जैसे वह इन गुणों को पहिरावे के रूप में पहने हुए हों, जिसे अन्य लोग देख सकते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसके अर्थ को सीधे या एक उपमा का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “हर कोई उनकी शक्ति और वैभव पर ध्यान करता है” या “लोग उनकी शक्ति और वैभव पर ध्यान करते हैं जैसे वे उसके वस्त्र हों”

देखें: रूपक

नीतिवचन 31:25 (#2)

“बल और प्रताप”

देखें कि आपने भाववाचक संज्ञा **बल** का 5:10 में और **प्रताप** का 4:9 में कैसे अनुवाद किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 31:25 (#3)

וַתִּשְׂחַ֖ק לְיוֹם אַחֲרֹֽון

“और आनेवाले काल के विषय पर हँसती है”

यहाँ, महिला **हँसती** हैं क्योंकि वह भविष्य में होने वाली घटनाओं के बारे में आत्मविश्वास और प्रसन्नता महसूस करती हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसके अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और वह भविष्य के दिनों के बारे में आत्मविश्वास से भरी हुई हैं”

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 31:25 (#4)

לְיוֹם אַחֲרֹֽון

“आनेवाले काल के विषय पर”

यहाँ, **आनेवाले काल के विषय पर** उस समय को सन्दर्भित करता है जो भविष्य में आएगा। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसके अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "भविष्य में होने वाली घटनाओं पर"

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 31:26 (#1)

פִּֽיהָ פָּתְחָֽה

"वह ... बात बोलती है"

मूल भाषा में यहाँ **उसका मुँह बुद्धि से खुलता है** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी बाइबल में **वह बुद्धि की बात बोलती है** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। यहाँ, **मुँह खुलता है** बोलने को सन्दर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसके अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह बोलती हैं"

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 31:26 (#2)

"बुद्धि की"

देखें कि आपने 1:2में भाववाचक संज्ञा **बुद्धि** का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 31:26 (#3)

וְתוֹרַת־חֶֽסֶד

"और ... कृपा की शिक्षा के अनुसार होते हैं"

मूल भाषा में यहाँ **और वाचा की सच्चाई का नियम उसकी जीभ पर है** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी बाइबल में **उसके वचन कृपा की शिक्षा के अनुसार होते हैं** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। यहाँ, लमूएल की माँ स्वामित्व रूप का उपयोग उस **नियम** का वर्णन करने के लिए कर रही है जिसकी विशेषता **वाचा की सच्चाई** है। यदि आपकी भाषा इसके लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और व्यवस्था जो वाचा की सच्चाई से प्रमाणित होती है"

देखें: स्वामित्व

नीतिवचन 31:26 (#4)

וְתוֹרַת

"और ... की शिक्षा"

मूल भाषा में यहाँ **और वाचा की सच्चाई का नियम उसकी जीभ पर है** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी बाइबल में **उसके वचन कृपा की शिक्षा के अनुसार होते हैं** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। हालांकि **नियम** यहाँ एकवचन है, यह उस बात का उल्लेख करता है जो यह महिला दूसरों को सिखाती या निर्देशित करती हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसके अर्थ को सरल रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और ... के निर्देश" या "और ... की शिक्षाएँ"

देखें: समूहवाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 31:26 (#5)

"कृपा"

मूल भाषा में यहाँ **वाचा की सच्चाई** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में सिर्फ शब्द **कृपा** का प्रयोग हुआ है। देखें कि आपने 11:17 में **कृपा** के उसी प्रयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 31:26 (#6)

עַל־לְשׁוֹנָֽהּ

(उसकी जीभ पर है) "उसके वचन"

मूल भाषा में यहाँ **उसकी जीभ पर है** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी बाइबल में **उसके वचन** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। यहाँ, उनकी **जीभ पर** उनके बोलने का सन्दर्भ है, जिसमें उनकी **जीभ** का उपयोग शामिल था। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसके अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसके द्वारा बोला जाता है"

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 31:27 (#1)

הֲלִיכוֹת בֵּיתָֽהּ

"अपने घराने के चाल चलन को"

यहाँ, **अपने घराने के चाल चलन को** निम्नलिखित का सन्दर्भ हो सकता है: (1) उसके घर के अन्दर क्या होता है। वैकल्पिक अनुवाद: "उसके घर में क्या होता है" (2) **उसके घर** में रहने वाले लोग क्या करते हैं, इस स्थिति में **अपने घराने** का वही अर्थ है जैसा 31:15 में है। वैकल्पिक अनुवाद: "उसका परिवार क्या करता है"

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 31:27 (#2)

וְלֶֽחֶם עַצְלוּת לֹא תֹאכֵֽל

"और अपनी रोटी बिना परिश्रम नहीं खाती"

मूल भाषा में यहाँ **और आलस्य की रोटी वह नहीं खाती** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी बाइबल में **और अपनी रोटी बिना परिश्रम नहीं खाती** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। यहाँ, लमूएल की माँ किसी के आलसी होने की बात करती हैं जैसे **आलस्य रोटी** हो जिसे कोई व्यक्ति **खाता** है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसके अर्थ को सीधे रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और वह आलस्य से काम नहीं करती"

देखें: रूपक

नीतिवचन 31:28 (#1)

"उसके पुत्र"

देखें कि आपने **पुत्रों** के उसी उपयोग का 4:1 में किस प्रकार अनुवाद किया है।

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियां भी शामिल होती हैं

नीतिवचन 31:28 (#2)

קָ֣מוּ

“उठ उठकर”

यहाँ, वाक्यांश **उठ उठकर** किसी के प्रति आदर प्रकट करने के लिए एक प्रतीकात्मक क्रिया को सन्दर्भित करता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए स्पष्ट नहीं है, तो आप इस क्रिया के महत्व को पाठ में या एक पाद टिप्पणी में समझा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “आदर प्रकट करने के लिए खड़े होना”

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

नीतिवचन 31:29 (#1)

רַבּ֣וֹת בָּנ֗וֹת עָשׂ֤וּ חָיִל֙ וְ֣אַתְּ עָלִ֔ית עַל־כֻּלָּ֖נָה

“बहुत सी स्त्रियों ने अच्छे-अच्छे काम तो किए हैं”

यह वचन उस महिला के पति द्वारा कही गई बात का उद्धरण है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे उद्धरण चिह्नों के साथ या आपकी भाषा में उद्धरण को इंगित करने के लिए उपयोग किए जाने वाले किसी अन्य विराम चिह्न या पारम्परा के साथ प्रस्तुत कर सकते हैं।

देखें: उद्धरण चिह्न

नीतिवचन 31:29 (#2)

בָּנ֗וֹת

“स्त्रियों”

मूल भाषा में यहाँ **पुत्रियों** शब्द का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **स्त्रियों** शब्द का प्रयोग हुआ है। यहाँ, महिला के पति स्त्रियों को सामान्य रूप में सन्दर्भित करने के लिए **पुत्रियों** शब्द का उपयोग किया है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अनफोल्डिंग वर्ड सिम्प्लिफाइड ट्रान्सलेशन की तरह अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं।

देखें: लक्षणालंकार

नीतिवचन 31:29 (#3)

חָיִל֙

“अच्छे-अच्छे काम”

यहाँ, **अच्छे-अच्छे काम** का सन्दर्भ शारीरिक क्षमता और नैतिक **अच्छाई** दोनों से है। देखें कि आपने 31:10 में **अच्छे** के उसी उपयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 31:29

וְ֣אַתְּ עָלִ֔ית

“परन्तु तू {स्वयं} उन सभी में श्रेष्ठ है”

महिला के पति **स्वयं** {मूल भाषा में} शब्द का उपयोग यह जोर देने के लिए करते हैं कि उनकी पत्नी कितनी उत्कृष्ट हैं। अपनी भाषा में इस जोर को व्यक्त करने का एक स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: “लेकिन आप, हाँ, आपने ऊँचाई प्राप्त की है”

देखें: निजवाचक सर्वनाम

नीतिवचन 31:29 (#5)

וְ֣אַתְּ עָלִ֔ית עַל

“परन्तु तू उन सभी में श्रेष्ठ है”

यहाँ, महिला का पति अपनी पत्नी के बारे में कहता है कि वह अन्य सभी महिलाओं की तुलना में अधिक सराहनीय कार्य करती है, मानो वह **उन सभी से श्रेष्ठ** हो। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसके अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “लेकिन आपने स्वयं अधिक योग्य तरीके से कार्य किया है” या “लेकिन आप स्वयं अधिक उत्कृष्ट हैं”

देखें: रूपक

नीतिवचन 31:30 (#1)

הַחֵ֥ן & הַיֹּ֖פִי

“शोभा” - “सुन्दरता”

यहाँ, **शोभा** और **सुन्दरता** सामान्य रूप में इन गुणों को सन्दर्भित करते हैं, न कि किसी विशेष **शोभा** या **सुन्दरता** को। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कोई भी आकर्षण ... कोई भी सौंदर्य”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 31:30 (#2)

שֶׁ֭שֶׁקֶר הַחֵ֣ן וְהֶ֑בֶל הַיֹּ֖פִי

“शोभा तो झूठी और सुन्दरता व्यर्थ है”

यदि आपकी भाषा में **शोभा**, **झूठी**, और **सुन्दरता** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाएँ नहीं हैं, तो आप इन्हीं विचारों को अन्य तरीकों से व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने 6:17 में **झूठी** और 6:25 में **सुन्दरता** का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: “जो आकर्षक है वह मिथ्या है और जो सुन्दर है वह क्षणिक है”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

नीतिवचन 31:30 (#3)

שֶׁ֭שֶׁקֶר הַחֵ֣ן וְהֶ֑בֶל הַיֹּ֖פִי

“शोभा तो झूठी और सुन्दरता व्यर्थ है”

इस पद के इस आधे हिस्से और दूसरे आधे हिस्से के बीच समानता यह दर्शाती है कि **शोभा** और **सुन्दरता** महिलाओं की शारीरिक आकर्षण को सन्दर्भित करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक महिला का आकर्षण धोखा दे सकता है और एक महिला की सुन्दरता क्षणिक होती है”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

नीतिवचन 31:30 (#4)

וְהֶ֑בֶל הַיֹּ֖פִי

“और सुन्दरता व्यर्थ है”

मूल भाषा में यहाँ **सुन्दरता भाप है** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी बाइबल में **सुन्दरता व्यर्थ है** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। यहाँ, लमूएल की माँ **सुन्दरता** के क्षणिक होने की बात करती हैं जैसे कि यह एक **भाप** हो जो जल्दी से लुप्त हो जाती है। देखें कि आपने 21:6 में **भाप** के उसी उपयोग का अनुवाद कैसे किया।

देखें: रूपक

नीतिवचन 31:30 (#5)

אִשָּׁה יִרְאַת־יְהוָה הִיא תִתְהַלָּל

"जो स्त्री यहोवा का भय मानती है, उसकी {स्वयं} प्रशंसा की जाएगी"

यहाँ, **स्त्री**, **उसकी**, और **स्वयं** सामान्य रूप में एक प्रकार की **स्त्री** को सन्दर्भित करते हैं, किसी विशेष **स्त्री** को नहीं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी महिला जो यहोवा का भय मानती है, वह महिला स्वयं प्रशंसा पाएगी।"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

नीतिवचन 31:30 (#6)

אִשָּׁה יִרְאַת־יְהוָה

"जो स्त्री यहोवा का भय मानती है"

वचन का यह आधा भाग पिछले आधे के साथ एक स्पष्ट विरोधाभास प्रस्तुत करता है। अपनी भाषा में विरोधाभास को इंगित करने के लिए सबसे स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: "इसके विपरीत, यहोवा का भय मानने वाली एक महिला"

देखें: जोड़ें — विरोधाभास सम्बन्ध

नीतिवचन 31:30 (#7)

הִיא תִתְהַלָּל

"उसकी प्रशंसा की जाएगी"

यदि आपकी भाषा में इस निष्क्रिय रूप का प्रयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: "लोग उसकी स्वयं स्तुति करेंगे"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

नीतिवचन 31:31 (#1)

לָהּ & יָדֶיהָ וִיהַלְלוּהָ & מַעֲשֶׂיהָ

"उसे" - "उसके हाथों"

इस पद में '**उसका'** अर्थ पिछले पद में बताई गई "यहोवा का भय मानने वाली स्त्री" से है।' यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यहोवा का भय मानने वाली स्त्री ... उस स्त्री के हाथ, और उस स्त्री के कार्य उसकी प्रशंसा करें"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

नीतिवचन 31:31 (#2)

מִפְּרִי יָדֶיהָ

"उसके हाथों के परिश्रम का फल"

यहाँ, **उसके हाथों के परिश्रम का फल** निम्नलिखित का सन्दर्भ हो सकता है: (1) किसी भी प्रकार का इनाम जो वह महिला अपने कठिन परिश्रम के बदले में पाने का हकदार है। वैकल्पिक अनुवाद: "उसके परिश्रम के लिए कुछ इनाम" (2) रुपये-पैसे जो महिला ने 31:13 में बनाए गए कपड़ों को बेचकर कमाए हैं, जैसे कि लगभग समान वाक्यांश "अपने परिश्रम के फल से" 31:16 में। वैकल्पिक अनुवाद: "उसके कमाए गए रुपये-पैसे से"

देखें: रूपक

नीतिवचन 31:31 (#3)

מַעֲשֶׂיהָ & וִיהַלְלוּהָ

"और उसके कार्यों से सभा में उसकी प्रशंसा होगी"

यहाँ, लमूएल की माँ इस महिला की प्रशंसा करने वाले लोगों के बारे में बात करती हैं क्योंकि **उसके कार्य** ऐसे हैं मानो **कार्य** ही वे लोग हों जो उसकी प्रशंसा कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसके अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और लोग उसके कार्यों के लिए उसकी प्रशंसा करें"

देखें: मानवीकरण

नीतिवचन 31:31 (#4)

"सभा में"

मूल भाषा में यहाँ **फाटकों में** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी बाइबल में **सभा में** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। देखें कि आपने **फाटकों** का समान उपयोग 1:21 और 31:23 में किस प्रकार अनुवाद किया है।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी